# मध्यमकालीन खर्च संरचना

## (आर्थिक वर्ष २०७८/७९ - २०८०/८१)

## तथा

# वार्षिक विकास कार्यक्रम

## (आर्थिक वर्ष २०७८/७९)

(परिमार्जित)


नेपाल सरकार

**राष्ट्रिय योजना आयोग**

सिंहदरबार, काठमाडौं

२०७८

# मध्यमकालीन खर्च संरचना

## (आर्थिक वर्ष २०७८/७९ - २०८०/८१)

## तथा

# वार्षिक विकास कार्यक्रम

## (आर्थिक वर्ष २०७८/७९)

**(परिमार्जित)**


नेपाल सरकार

**राष्ट्रिय योजना आयोग**

सिंहदरबार, काठमाडौं

२०७८

# भूमिका

आवधिक योजनाले परिलक्षित गरेका समष्टिगत तथा विषय क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य हासिल गर्न सार्वजनिक खर्चको प्रभावकारी व्यवस्थापन महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ। विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता र वित्तीय सुशासन कायम गरी सार्वजनिक स्रोत परिचालन गर्न मध्यमकालीन खर्च संरचना एउटा महत्वपूर्ण औजारको रुपमा रहेको छ। अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ ले संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहले सार्वजनिक आय व्ययको विवरण प्रस्तुत गर्दा अनिवार्य रूपमा आगामी तीन वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपण सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ। साथै, आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्त्व ऐन, २०७६ मा राष्ट्रिय योजना आयोगले आवधिक योजनाको आधारमा आगामी तीन वर्षको समष्टिगत वित्त खाका, बजेट तथा कार्यक्रमको खाका र नतिजा खाका सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ।

आवधिक योजना र वार्षिक बजेटबीच तदाम्यता ल्याउने महत्वपूर्ण औजारको रुपमा मध्यमकालीन खर्च संरचनामा रहेको छ। सो अनुरुप यस संरचनामा आगामी आर्थिक वर्ष २०७८/७९ को बजेट अनुमान तथा त्यसपछिका दुई आर्थिक वर्ष २०७९/८० र २०८०/८१ को प्रक्षेपण गरी तीन आर्थिक वर्षको चक्रीय बजेट प्रस्तुत गरिएको छ। चालु आर्थिक वर्षदेखि मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक विकास कार्यक्रमका बीच दोहोरोपना हटाई एकीकृत रूपमा यस दस्तावेज तयार गरिएको छ। यस दस्तावेजको परिच्छेद ३ मा वार्षिक विकास कार्यक्रमको सारांश समावेश गरी यसका अन्य विषयवस्तु सम्बन्धित विषय क्षेत्रगत परिच्छेद तथा खण्डमा समावेश गरिएको छ। यसबाट मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक विकास कार्यक्रमबीच सामञ्जस्यता कायम हुन गई यसको कार्यान्वयनमा प्रभावकारिता आउने विश्वास गरिएको छ। साथै, विश्वव्यापी महामारीको रुपमा फैलिएको कोरोना (कोभिड-१९) संक्रमणका कारण उत्पन्न नकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्दै मानव स्वास्थ्य सुरक्षा, जनजीवन तथा अर्थतन्त्रको पुनरोत्थान गर्ने दिशामा यस खर्च संरचना केन्द्रित गरिएको छ। यस संरचनाले विषय क्षेत्रगत मन्त्रालय तथा निकायलाई आवश्यक स्रोत सहित सार्वजनिक वित्तको पूर्वानुमान गर्न सहयोग हुने अपेक्षा गरिएको छ।

'*समृद्ध नेपाल सुखी नेपाली*' को राष्ट्रिय सोच एवम् वि. सं. २०८७ सम्म दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्न र वि.सं. २०७९ सम्ममा अति कमविकसित मुलुकबाट विकासशील मुलुकमा स्तरोन्नति हुनको लागि दीर्घकालीन सोचसहितको पन्ध्रौं योजनाका लक्ष्य र उद्देश्य हासिल गर्न यस खर्च संरचना सहयोगी हुने अपेक्षा गरिएको छ। मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई सरल र यथार्थपरक बनाउन विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचकका आधारमा मध्यमकालीन लक्ष्य निर्धारण गरी विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ। नतिजा सूचक तयार गर्दा पन्ध्रौं योजनाका साथै कोभिड-१९ महामारीको सम्भावित असर तथा प्रभाव, विषय क्षेत्रगत गुरूयोजना, रणनीतिक योजना, दिगो विकास लक्ष्यलाई आधार लिइएको छ। यी नतिजा सूचक बमोजिमका लक्ष्य हासिल गर्न विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्दै अनुगमन तथा मूल्याङ्कनलाई थप सुदृढ वैज्ञानिक र नतिजामूलक प्रणालीलाई सुदृढ गर्न जोड दिइएको छ।

अन्तमा, यस मध्यमकालीन खर्च संरचना तथा वार्षिक विकास कार्यक्रम तर्जुमा कार्यमा संलग्न हुनुहुने राष्ट्रिय योजना आयोगका सबै पदाधिकारी एवम् कर्मचारी, विषयगत मन्त्रालय तथा निकायका कर्मचारीलाई राष्ट्रिय योजना आयोग धन्यवाद ज्ञापन गर्दछ।

**राष्ट्रिय योजना आयोग**

**असोज २०७८**

# विषयसूची


| | | |
|---|---|---|
| **परिच्छेद १ परिचय** | | **१-८** |
| १.१ | पृष्ठभूमि | १ |
| १.२ | अवधारणा तथा उद्देश्य | १ |
| १.३ | मध्यमकालीन खर्च संरचनाका विशेषता | २ |
| १.४ | नेपालमा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अभ्यास | ३ |
| १.५ | कानूनी व्यवस्था | ४ |
| १.६ | संस्थागत व्यवस्था | ५ |
| १.७ | मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रिया | ६ |
| **परिच्छेद २ मध्यमकालीन खर्च संरचना (आर्थिक वर्ष २०७८/७९-२०८०/८१)** | | **९-३१** |
| २.१ | पृष्ठभूमि | ९ |
| २.२ | चुनौती तथा अवसर | ९ |
| २.३ | सोच, उद्देश्य तथा रणनीति | १० |
| २.४ | मध्यमकालीन आर्थिक खाका | ११ |
| २.५ | मध्यमकालीन नतिजा खाका | १२ |
| २.६ | मध्यमकालीन बजेट खाका | १८ |
| २.७ | बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँट | २१ |
| **परिच्छेद ३ आर्थिक वर्ष २०७८/७९ को कार्यक्रम तथा बजेट** | | **३२-३८** |
| ३.१ | पृष्ठभूमि | ३२ |
| ३.२ | आर्थिक वर्ष २०७८/७९ को विकास कार्यक्रम बजेटको बाँडफाँट | ३२ |
| ३.३ | क्षेत्र/उपक्षेत्रगत विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाको विवरण | ३६ |
| **परिच्छेद ४ कृषि, भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वन क्षेत्र** | | **३९-९७** |
| ४.१ | कृषि तथा पशुपन्छी | ३९ |
| ४.२ | भूमि व्यवस्था | ६८ |
| ४.३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | ७८ |
| ४.४ | वन, वातावरण तथा जलवायु परिवर्तन | ८४ |
| **परिच्छेद ५ आर्थिक क्षेत्र** | | **९८-१५२** |
| ५.१ | अर्थ | ९८ |
| ५.२ | उद्योग | ११४ |
| ५.३ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | १२७ |
| ५.४ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | १३५ |

**परिच्छेद ६ सामाजिक क्षेत्र** **१५३-२४९**

६.१ शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि १५३

६.२ स्वास्थ्य तथा जनसंख्या १८५

६.३ खानेपानी तथा सरसफाइ २०३

६.४ युवा तथा खेलकुद २१९

६.५ महिला, बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक २२९

६.६ श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा २३९

**परिच्छेद ७ पूर्वाधार क्षेत्र** **२५०-३७०**

७.१ ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ २५०

७.१.१ ऊर्जा २५०

७.१.२ जलस्रोत २६५

७.१.३ सिँचाइ २७३

७.१.४ जल तथा मौसम विज्ञान २९०

७.२ भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात २९५

७.३ सञ्चार तथा सूचना प्रविधि ३३८

७.४ शहरी विकास, आवास र भवन निर्माण ३५१

७.५ पुनर्निर्माण ३६५

**परिच्छेद ८ शासकीय व्यवस्था र अन्तरसम्बन्धित विषय क्षेत्र** **३७१-४४६**

८.१ प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद् ३७१

८.२ संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन ३८१

८.३ कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला ४०३

८.४ गृह ४१०

८.५ रक्षा ४२२

८.६ परराष्ट्र ४२९

८.७ योजना तथा तथ्याङ्क ४३४

**परिच्छेद ९ संवैधानिक अंग तथा निकाय** **४४७-५०३**

९.१ राष्ट्रपतिको कार्यालय ४४७

९.२ उपराष्ट्रपतिको कार्यालय ४५०

९.३ संघीय संसद ४५३

९.४ अदालत ४५६

९.५ अख्तियार दुरूपयोग अनुसन्धान आयोग ४६३

९.६ महालेखापरीक्षकको कार्यालय ४६६

९.७ लोक सेवा आयोग ४६९

| | | |
|---|---|---|
| ९.८ | निर्वाचन आयोग | ४७३ |
| ९.९ | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग | ४७७ |
| ९.१० | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | ४८० |
| ९.११ | राष्ट्रिय महिला आयोग | ४८३ |
| ९.१२ | राष्ट्रिय दलित आयोग | ४८८ |
| ९.१३ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | ४९२ |
| ९.१४ | आदिवासी जनजाति आयोग | ४९६ |
| ९.१५ | मधेशी आयोग | ५०० |
| ९.१६ | थारु आयोग | ५०३ |
| ९.१७ | मुस्लिम आयोग | ५०६ |
| ९.१८ | न्याय परिषद् | ५०९ |

## अनुसूचीहरू


| | | |
|---|---|---|
| अनुसूची १.१ | मन्त्रालय/निकायगत त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५१२ |
| अनुसूची १.२ | मन्त्रालय/निकायगत त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५१४ |
| अनुसूची २.१ | विषय क्षेत्रगत त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५१६ |
| अनुसूची २.२ | विषय क्षेत्रगत त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५१८ |
| अनुसूची ३.१ | आ.व. २०७८/७९ को मन्त्रालय/निकायगत बजेट विनियोजन | ५२० |
| अनुसूची ३.२ | आ.व. २०७८/७९ को विकास कार्यक्रम/बजेट र स्रोतको अनुमान | ५२२ |
| अनुसूची ३.३ | आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम/बजेटको रणनीतिक स्तम्भ अनुसारको विनियोजित बजेट | ५२४ |
| अनुसूची ३.४ | आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम/बजेटको प्राथमिकताक्रम अनुसारको विनियोजित बजेट | ५२५ |
| अनुसूची ३.५ | आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम/बजेटको दिगो विकास लक्ष्य अनुसारको विनियोजित बजेट | ५२६ |
| अनुसूची ३.६ | आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम/बजेटको लैङ्गिक संकेत अनुसारको विनियोजित बजेट | ५२७ |
| अनुसूची ३.७ | आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम/बजेटको जलवायु संकेत अनुसारको विनियोजित बजेट | ५२८ |
| अनुसूची ४.१ | कृषि, भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वन क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण | ५२९ |
| अनुसूची ४.२ | कृषि, भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वन क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५३३ |
| अनुसूची ५.१ | आर्थिक क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण | ५३६ |
| अनुसूची ५.२ | आर्थिक क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५४० |
| अनुसूची ६.१ | सामाजिक क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण | ५४४ |
| अनुसूची ६.२ | सामाजिक क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५५० |
| अनुसूची ७.१ | पूर्वाधार क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण | ५५५ |
| अनुसूची ७.२ | पूर्वाधार क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५६६ |
| अनुसूची ८.१ | शासकीय व्यवस्था तथा अन्तर सम्बन्धित विषय क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण | ५७२ |
| अनुसूची ८.२ | शासकीय व्यवस्था तथा अन्तर सम्बन्धित विषय क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान | ५७६ |

| | | |
|---|---|---|
| | तथा प्रक्षेपण | |
| अनुसूची ९.१ | संवैधानिक अंग तथा निकायको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण | ५८० |
| अनुसूची ९.२ | संवैधानिक अंग तथा निकायको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५८४ |
| अनुसूची १०.१ | साँवा ब्याज भुक्तानी तथा अर्थ विविधको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण | ५८८ |
| अनुसूची १०.२ | साँवा ब्याज भुक्तानी तथा अर्थ विविधको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण | ५९० |
| अनुसूची ११ | प्रति एकाई लागत अनुमान | ५९२ |
| अनुसूची १२ | आयोजना प्राथमिकीकरणका आधार | ६०१ |
| अनुसूची १३ | विकास आयोजना/कार्यक्रमको प्राथमिकीकरणको आधारमा अंक प्रदान गर्ने तरिका | ६०९ |

# परिच्छेद १
# परिचय

## १.१ पृष्ठभूमि

शासन व्यवस्था सञ्चालन गर्न तथा विकास सम्बन्धी निर्धारित नतिजा हासिल गर्न प्रभावकारी रूपमा सार्वजनिक खर्चको परिचालनको आवश्यकता रहेको हुन्छ। '*समृद्ध नेपाल सुखी नेपाली*' को दीर्घकालीन सोच सहितको पन्ध्रौं योजनाको कार्यान्वयन र दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्दै संविधानले निर्दिष्ट गरेको आकाङ्क्षा प्राप्त गर्न सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ। साथै, अतिकम विकसित मुलुकबाट विकासशील मुलुक र वि.सं. २०८७ सम्ममा मध्यम आय भएको मुलुकमा स्तरोन्नति हुँदै वि.सं. २१०० सम्ममा समुन्नत मुलुकको रूपमा स्थापित गर्न ठूलो परिमाणमा लगानीको आवश्यकता पर्ने र यसको लागि सार्वजनिक स्रोत साधनको प्रभावकारी र कुशल परिचालन गर्नुपर्ने हुन्छ। यसका लागि स्रोत-साधनको विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता तथा वित्तीय अनुशासन उत्तिकै प्रभावकारी हुनुपर्दछ। यी पक्षहरूको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने औजारको रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना रहेको छ।

आवधिक योजना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमबीच तादम्यता र सामञ्जस्यता कायम गर्न मध्यमकालीन खर्च संरचना महत्वपूर्ण औजारका रूपमा रहेको छ। यसले विकास योजनाका लक्षित नतिजा हासिल गर्न स्रोत-साधनको न्यायोचित वितरण र महत्तम परिचालन, पारदर्शी र मितव्ययी खर्च प्रणाली, पूर्वाधार निर्माण तथा सेवाको गुणस्तर तथा प्रभावकारिता, वित्तीय अनुशासन जस्ता पक्षमा सुधार ल्याउँछ। यसको सकारात्मक असर सार्वजनिक वित्त क्षेत्रमा मात्र नभई आर्थिक तथा वित्तीय स्थायित्वमा समेत पर्दछ।

मुलुक संघीय संरचनामा रूपान्तरण भएसँगै विगतमा केन्द्रको मातहतमा रहेको राजस्वको एकल अधिकार संविधान र कानूनी व्यवस्था अनुसार बाँडफाँट भएपछि एकातिर संघको राजस्व संकुचन हुने र अर्कातिर सोही संकुचित राजस्व तथा स्रोतबाट प्रदेश र स्थानीय तहको खर्चको आवश्यकता पूरा गर्न अनुदानका रूपमा हस्तान्तरण गर्नुपर्ने अवस्था भएकाले समग्र साधन व्यवस्थापन चुनौतीपूर्ण बनेको सन्दर्भमा मध्यमकालीन खर्च संरचनाले दीर्घकालीन सोच तथा विकास योजनाले लिएको लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्न एवम् रणनीति तथा कार्यनीति कार्यान्वयन, क्षेत्रगत तथा आयोजनागत/कार्यक्रमगत प्राथमिकता निर्धारण, खर्च र स्रोतको आकलन तथा प्रक्षेपण गरी वित्त व्यवस्थापन तथा आर्थिक विकासमा सहयोग पुऱ्याउँछ। सो अनुसार यस खर्च संरचना तर्जुमा गर्दा पन्ध्रौं योजना तथा दिगो विकास लक्ष्यसँग कार्यक्रम/आयोजनाको वस्तुगत रूपमा सामञ्जस्यता कायम गर्ने गरी प्राथमिकीकरणको निश्चित मापदण्ड बनाइएको छ।

## १.२ अवधारणा तथा उद्देश्य

सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको एक औजारका रूपमा यस खर्च संरचनाले उपलब्ध साधन-स्रोतको आकलन गर्ने र त्यसलाई योजनाको प्राथमिकताको क्षेत्रमा मध्यम अवधिको लागि बाँडफाँट गर्ने गर्दछ। यस अन्तर्गत राजस्व, आन्तरिक ऋण, वैदेशिक अनुदान तथा ऋणको आकलन गरी समष्टिगत आर्थिक खाका निर्धारण गरिन्छ। यसैको आधारमा खर्च क्षेत्रगत प्राथमिकता अनुरूप विषयगत मन्त्रालय र सरकारका अन्य निकायको नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्न आवश्यक मध्यम अवधिको बजेट विनियोजन र संघीय संरचनामा संघीय सरकारले प्रदेश र स्थानीय तहको सरकारलाई उपलब्ध गराउनुपर्ने अनुदान र राजस्व बाँडफाँट सहितको मध्यमकालीन खर्च अनुमानको खाका तयार गरिन्छ। यसरी निर्धारण भएको स्रोतभित्र रहेर मन्त्रालय

एवम् निकायहरूले नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनको क्रममा लाग्ने खर्च रकमको अनुमान गर्दछन्। सम्बन्धित निकायहरूसँको छलफल पछि तीन वर्ष अवधिको बजेटको खाका तयार गरिन्छ।

यो खाका तयार गर्दा बजेट कार्यान्वयनबाट तीन वर्षमा प्राप्त हुने प्रतिफलको पनि अनुमान गरिन्छ। यसमा पहिलो वर्षको खर्च र स्रोत अनुमानको वार्षिक बजेटसँग तादम्यता राखी बाँकी दुई वर्षको प्रक्षेपण गरिन्छ। पहिलो वर्षको बजेट कार्यान्वयन सँगै दोस्रो वर्षको वार्षिक बजेट तर्जुमासँगै नयाँ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरिन्छ। जसमा पहिलो वर्षको प्रगति समीक्षा गरिन्छ भने बाँकी दुई वर्षको विगतमा प्रक्षेपण गरेको अनुमानलाई परिमार्जन गरी एक वर्षको बजेट प्रक्षेपण थप गरिन्छ। यसरी मध्यमकालीन खर्च संरचनामा चक्रीय हिसाबले प्रत्येक वर्ष तीन वर्षको बजेटको आकलन गर्नुपर्ने हुन्छ। त्यसैले यसलाई विकासको आवश्यकता, आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था, राजस्व र वैदेशिक सहायताको अनुमान समेतका आधारमा प्रत्येक वर्ष परिमार्जन गरिनुपर्ने हुन्छ। यसबाट मध्यमकालीन खर्च संरचनाले बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई बढी यथार्थपरक र वस्तुनिष्ठ बनाउन सहयोग पुर्याउँछ।

मध्यमकालीन खर्च संरचनाका उद्देश्य निम्नानुसार छन् :

- सावर्जनिक खर्च प्रणालीमा वित्त अनुशासन कायम गरी समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गर्नका लागि सरकारको मध्यम अवधिको आन्तरिक र बाह्य स्रोतको यथार्थपरक अनुमान गरी समष्टिगत आर्थिक खाका तथा बजेट खाका तर्जुमा गर्ने।
- विकास योजनाको प्राथमिकताका क्षेत्रमा लगानीको सुनिश्चितता प्रदान गर्न स्रोत-साधनको विनियोजन प्रक्रियाको पुनर्संरचना गरी प्राथमिकता प्राप्त विषयगत क्षेत्रमा बजेटको बाँडफाँट गर्ने।
- सार्वजनिक खर्चलाई बढी प्रभावकारी र कुशल बनाई लक्षित नतिजा सुनिश्चित गर्ने।
- सम्बन्धित मन्त्रालयहरूको बजेट अनुमानलाई यथार्थपरक र प्रभावकारी बनाउने।

उल्लेखित लक्ष्य हासिल गर्न आवधिक रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी कार्यान्वयनमा लैजानु पर्दछ।

## १.३ मध्यमकालीन खर्च संरचनाका विशेषता

मध्यमकालीन खर्च संरचनामा सामान्यतया देहायका विशेषता रहेका हुन्छन्।

**समष्टिगत आर्थिक खाका :** यस खाकामा समष्टिगत अर्थतन्त्रको अवस्था आगामी ३ वर्षको अनुमान तथा सार्वजनिक वित्त सम्बन्धी विषय वस्तु समेटेको हुन्छ।

**नतिजा खाका :** आवधिक योजनाले निर्धारण गरेका नतिजा सूचक तथा अन्य प्रक्रियागत सूचक र सोको विद्यमान अवस्था र आगामी ३ वर्षको लक्ष्यलाई यस खाकामा समावेश गरिएको हुन्छ। सो अनुसार समष्टिगत बजेट खाका परिच्छेद २ मा र विषय क्षेत्रगत बजेट खाका परिच्छेद ४ देखि ९ सम्म समावेश गरिएको छ।

**बजेट तथा कार्यक्रम खाका :** यस खाकामा तीन वर्षको बजेट वा खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण समावेश भएको हुन्छ। समष्टिगत बजेट खाका परिच्छेद २ मा र विषय क्षेत्रगत बजेट खाका परिच्छेद ४ देखि ९ सम्म समावेश गरिएको छ। साथै यस अवधिमा कार्यान्वयन हुने कार्यक्रम तथा आयोजनाको विवरण समेत यसमा समेटिएको हुन्छ। यस खर्च संरचनामा पहिलो वर्ष वा आर्थिक वर्ष २०७८/७९ को हकमा बिनियोजित बजेट अनुरूप र त्यसपछिका बाँकी दुई आर्थिक वर्षको हकमा आयोजना कार्यान्वयनको स्थिति, उपलब्ध साधन स्रोत र खर्च गर्ने क्षमतालाई आधार मानी रकम अनुमान गरिएको छ। कार्यक्रम सम्बन्धी समग्र विवरण परिच्छेद ३ मा र विषय क्षेत्रगत बजेट खाका परिच्छेद ३ देखि ९ सम्म समावेश गरिएको छ।

**आवधिक योजनासँगको अन्तरसम्बन्ध :** खर्च संरचनाले आवधिक योजना कार्यान्वयनको लागि नतिजा सूचक र लक्ष्य, स्रोतको अनुमान तथा सो अनुसारका कार्यक्रम तथा आयोजना वार्षिक बजेटमा समावेश गर्न सहयोग गर्दछ। यसको लागि योजनाको सोच, लक्ष्य र रणनीतिलाई खर्च संरचनाको सम्बन्धित विषय क्षेत्रगत खण्डमा समावेश गरिएको हुन्छ। साथै, योजनामा निर्धारित लक्ष्य र सूचकको आधारमा तीन वर्षको नतिजा खाका समावेश गरिएको हुन्छ।

**विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकीकरण :** योजनाले निर्दिष्ट लक्ष्य हासिल गर्न उपलब्ध स्रोत साधनको महत्तम परिचालन गर्नुपर्ने हुन्छ। खासगरी विकास कार्यक्रम वा आयोजनाबाट हासिल हुने प्रतिफल तथा यसबाट आर्थिक सामाजिक विकासमा पुग्ने योगदानका आधारमा प्राथमिकीकरण तथा पुनःप्राथमिकीकरण गर्नु आवश्यक हुन्छ। सो अनुसार यस खर्च संरचनामा समग्र विकासका विषय क्षेत्रहरूलाई ५ क्षेत्रमा विभाजन गरी मापदण्डहरूमा सबै क्षेत्रले योगदान पुऱ्याउनु पर्ने गरी ५ सामान्य आधार र २ विषय क्षेत्रगत आधार तय गरिएका छन्। प्राथमिकीकरणका आधार तथा प्राथमिकीकरण गर्ने विधि अनुसूची १२ र १३ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

**प्रति एकाई लागत अनुमान :** कार्यक्रम वा आयोजना कार्यान्वयनको लागि सञ्चालन गरिने क्रियाकलापको लागत अनुमान गर्न प्रतिफल वा लाभान्वित जनसंख्याको आधारमा गणना गरिन्छ। यस सम्बन्धी विवरण अनुसूची ११ मा समावेश गरिएको छ। साथै, मन्त्रालय तथा निकायले सञ्चालन गर्ने आयोजना र कार्यक्रमका विभिन्न क्रियाकलापको प्रति एकाइ खर्च अनुमानका साथै विभिन्न क्षेत्रमा आगामी तीन वर्षभित्र गरिने लगानीबाट प्राप्त हुने लक्षित प्रतिफल तथा नतिजा सूचक प्रस्तुत गरिएका छन्।

## १.४ नेपालमा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अभ्यास

नेपालमा सार्वजनिक खर्चको प्रभावकारी व्यवस्थापनमा विभिन्न समस्या विद्यमान छन्। खासगरी आवधिक योजना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम बीचमा तादम्यता नरहनु, कुनै कार्यक्रम/आयोजनामा आवश्यक बजेट नछुट्याइनु तर कुनै कार्यक्रम/आयोजनामा आवश्यकताभन्दा बढी बजेट छुट्याइनु, दिगोपना नभएको आयोजनामा निरन्तर रूपमा बजेट विनियोजन हुनु, बजेटको सुनिश्चितता नहुनु र कार्यान्वयन क्षमता भन्दा बढी आयोजना सञ्चालनमा रहनु यसका प्रमुख समस्या हुन्।

उल्लेखित समस्यालाई ध्यानमा राखी दशौं योजना (२०५९-६५) सँगसँगै योजनासँग तालमेल हुने गरी मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा तथा कार्यान्वयन गर्न थालिएको थियो। पहिलो पटक आर्थिक वर्ष २०५९/६० मा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको तर्जुमा भएको थियो। सुरुमा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाइ, विद्युत, सडक र जलस्रोत जस्ता मुख्य क्षेत्रमा यसको सुरुआत गरिएको थियो। यसले आवधिक योजना र वार्षिक बजेट बीच तादम्यता कायम गर्ने, विकास आयोजना/कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण गर्ने, आवधिक योजनाले लिएका उद्देश्य र लक्ष्य हासिल हुने गरी स्रोत साधनको सदुपयोग गर्ने र पहिलो प्राथमिकतामा परेका आयोजनामा स्रोतको सुनिश्चितता गर्ने उद्देश्य लिएको थियो। यसबाट वित्त अनुशासन र आर्थिक स्थायित्व कायम हुने अपेक्षा गरिएको थियो।

सुरुका सात आर्थिक वर्षसम्म मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा कार्यलाई संस्थागत गर्न प्रयास गरिएको र त्यसको फलस्वरूप यसका उद्देश्य खास गरी वित्त अनुशासन र खर्चको रणनीतिक रूपमा विनियोजन कार्यमा सहयोग पुगेको थियो। तर, बीचका केही वर्षमा यसलाई निरन्तरता दिन सकिएन। अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ ले अनिवार्य गरेपछि आर्थिक वर्ष २०७४/७५ देखि हरेक वर्ष यो दस्तावेज तर्जुमा हुँदै आएको छ।

## १.५ कानूनी व्यवस्था

नेपालको संविधानको धारा ५९ मा आर्थिक अधिकारको प्रयोग अन्तर्गत संघ, प्रदेश र स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्रका विषयमा बजेट बनाउने, निर्णय गर्ने, नीति तथा योजना तयार गर्ने र कार्यान्वयन गर्ने एवम् संघ, प्रदेश र स्थानीय तहले आआफ्नो तहको बजेट बनाउने व्यवस्था रहेको छ। त्यस्तै, धारा ६० मा राजस्व सोतको बाँडफाँट अन्तर्गत राजस्व संकलन तथा बाँडफाँट एवम् वित्तीय समानीकरण, सशर्त, समपूरक र विशेष गरी चार प्रकारका अनुदानको व्यवस्था गरिएको छ। धारा ११९ मा राजस्व र व्ययको अनुमान अन्तर्गत नेपाल सरकारका अर्थमन्त्रीले संघीय संसद्का दुवै सदनको संयुक्त बैठकमा जेठ १५ गते सो अनुमान पेश गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ।

अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ ले नेपाल सरकार तथा प्रदेश र स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ। ऐनको परिच्छेद ६ मा सार्वजनिक खर्च व्यवस्था रहेको छ। दफा १७ मा मध्यमकालीन खर्च संरचना सम्बन्धी नेपाल सरकार, प्रदेश तथा स्थानीय तहले दफा १६ बमोजिमको सार्वजनिक खर्चको विवरण तयार गर्दा आगामी तीन आर्थिक वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपण सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ। सो मध्यमकालीन खर्च संरचनामा प्रस्तावित योजनाको उद्देश्य, प्रस्तावित योजनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गर्न वा खर्च छुट्याउन आवश्यकताको पुष्ट्याइँ, प्रस्तावित योजना कार्यान्वयन हुन सक्ने आर्थिक वर्ष र त्यस पछिका दुई आर्थिक वर्षमा प्राप्त हुन सक्ने प्रतिफल र उपलब्धिको प्रक्षेपण, प्रस्तावित योजना लागू गर्न आवश्यक पर्ने खर्चको विवरण, खर्च व्यहोर्ने स्रोत र खर्च गरिएको रकमबाट प्राप्त हुन सक्ने प्रतिफल र उपलब्धिको प्रक्षेपण, प्रस्तावित योजनाको मध्यम अवधिको खर्चको रणनीति र त्यसको वार्षिक खर्च सँगको तादम्यता, सञ्चालित योजना भए गत आर्थिक वर्षमा छुट्याइएको खर्च अनुसार लक्ष्य हासिल भए नभएको यथार्थ विवरण खुलाउनुपर्ने व्यवस्था छ।

आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्त्व ऐन, २०७६ को परिच्छेद ३ मा राजस्व र व्ययको अनुमान तथा दफा ६ मा राष्ट्रिय योजना आयोगले आवधिक योजनाको आधारमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ। उक्त मध्यमकालीन खर्च संरचनामा आगामी तीन वर्षको समष्टिगत वित्त खाका, बजेट तथा कार्यक्रमको खाका र नतिजा खाकाको साथै प्रस्तावित आयोजना वा कार्यक्रमको क्रियाकलापगत विवरण, क्रियाकलापको अनुमानित प्रति इकाइ लागत, आयोजना वा कार्यक्रम सञ्चालनमा लाग्ने अनुमानित समय तथा सोबाट प्राप्त हुन सक्ने प्रतिफल समेत खुलाई प्रत्येक आयोजना वा कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ।

ऐनको दफा ७ मा योजना आयोगले अर्थ मन्त्रालयसँगको समन्वयमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तथा आगामी आर्थिक वर्षको बजेट र कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने प्रयोजनका लागि आगामी तीन वर्षमा उपलब्ध हुने स्रोत तथा गर्न सकिने खर्चको सीमाको पूर्वानुमान चालु आर्थिक वर्षको माघ १५ गतेभित्र गरिसक्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ। सोको लागि योजना आयोगमा उपाध्यक्षको संयोजकत्वमा राष्ट्रिय स्रोत अनुमान समिति रहने र सो समितिले आवधिक योजनामा प्रक्षेपित लगानी तथा वित्तीय आवश्यकताको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको कुल राष्ट्रिय स्रोत समेत अनुमान गर्नुपर्ने व्यवस्था छ। सो अनुमानित स्रोत र चालु मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई समेत दृष्टिगत गरी खर्चको सीमा निर्धारण गरिने व्यवस्था रहेको छ। समितिबाट निर्धारित स्रोत तथा खर्चको सीमाको अधीनमा रही आगामी तीन वर्षको बजेट तर्जुमाको लागि बजेट सीमा, मध्यमकालीन खर्च संरचनाको खाका समेत उल्लेख गरी बजेट तर्जुमा सम्बन्धी मार्गदर्शन तथा ढाँचा चालु आर्थिक वर्षको माघ मसान्तभित्र सम्बन्धित मन्त्रालय, आयोग, सचिवालय, आयोग वा निकायमा पठाउनुपर्ने व्यवस्था दफा ८ मा रहेको छ। साथै, प्रत्येक मन्त्रालयले आवधिक योजना र क्षेत्रगत नीति तथा योजनाको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपण

सहितको मन्त्रालयगत मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी योजना आयोग र अर्थ मन्त्रालयमा पठाउनुपर्ने व्यवस्था समेत रहेको छ। सोही ऐनको दफा १३ (ख) मा अर्थ मन्त्रालयले राजस्व र व्ययको अनुमानमा मध्यमकालीन खर्च संरचना समेत समावेश गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ।

आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ को परिच्छेद ३ मा राजस्व र व्ययको अनुमान सम्बन्धी व्यवस्था रहेको छ। नियम ११ मा मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रिया र समय सीमा सम्बन्धी व्यवस्था छ। सो बमोजिम योजना आयोगले मध्यमकालीन खर्च संरचनाको खाका तयार गर्दा आर्थिक अनुशासन, कार्यान्वयन क्षमता, विनियोजन कुशलता र समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गरी हुने गरी समष्टिगत वित्त खाका, बजेट खाका र नतिजा खाका समावेश गरी माघ मसान्तभित्र तयार गर्नुपर्दछ। साथै, केन्द्रीय निकायले देहायका विवरण समावेश गरी मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी फागुन मसान्तभित्र योजना आयोग र अर्थ मन्त्रालयमा पठाउनुपर्दछ र मध्यकालीन खर्च संरचना सम्बन्धी विवरण सम्बन्धित केन्द्रीय निकायले मन्त्रालयगत बजेट सूचना प्रणालीमा समेत प्रविष्ट गर्नुपर्दछ।

(क) आयोजना वा कार्यक्रमको क्रियाकलापगत विवरण, प्रति एकाइ लागत, कार्यान्वयन अवधि र अपेक्षित प्रतिफल

(ख) तीन आर्थिक वर्षको आयोजना वा कार्यक्रमगत अनुमानित वार्षिक बजेट

(ग) गत आर्थिक वर्षको यथार्थ खर्च र चालु आर्थिक वर्षको विनियोजन सहितको बजेट खाका

(घ) तीन आर्थिक वर्षमा हासिल हुने अपेक्षित प्रतिफल, असर र प्रभाव सहितको नतिजा खाका

## १.६ संस्थागत व्यवस्था

मध्यमकालीन खर्च संरचना आवधिक योजना र वार्षिक बजेटबीच तादात्म्यता अपनाउने औजार भएकोले वार्षिक बजेट निर्माणमा यसको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ। यसको लागि संस्थागत व्यवस्थाका रूपमा देहाय बमोजिमका समितिको व्यवस्था गरिएको छ।

**अ. राष्ट्रिय स्रोत अनुमान समिति :** अर्थतन्त्रको आर्थिक परिसूचकहरूको विश्लेषण गरी समष्टिगत आर्थिक संरचना तयारी, आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेटको कुल सीमा प्रक्षेपण, खर्च तथा स्रोत सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना सीमा निर्धारण र बजेटको कार्यान्वयन स्थितिको समीक्षा गरी आगामी आर्थिक वर्षको बजेट प्रक्षेपण गर्न देहाय बमोजिमको राष्ट्रिय स्रोत अनुमान समिति (आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय व्यवस्थापन ऐन, २०७६ को दफा ७(२) र नियमावली, २०७७ को नियम १२) रहने व्यवस्था छ। सो समितिमा अर्थ मन्त्रालयका राजस्व सचिव र राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोगका सचिवलाई समेत विशेष आमन्त्रण गर्ने गरिएको छ।

| | |
|---|---|
| उपाध्यक्ष, राष्ट्रिय योजना आयोग | संयोजक |
| सदस्य (आर्थिक व्यवस्थापन क्षेत्र हेर्ने), राष्ट्रिय योजना आयोग | सदस्य |
| गभर्नर, नेपाल राष्ट्र बैंक | सदस्य |
| सचिव, अर्थ मन्त्रालय | सदस्य |
| महालेखा नियन्त्रक, महालेखा नियन्त्रक कार्यालय | सदस्य |
| सदस्य-सचिव, राष्ट्रिय योजना आयोग | सदस्य सचिव |

**आ. प्राविधिक समितिः** राष्ट्रिय स्रोत अनुमान समितिको कार्य सम्पादनको लागि समन्वय, सहयोग र सहजीकरण गर्न राष्ट्रिय स्रोत अनुमान समितिको बैठक सम्बन्धी कार्यविधि, २०७७ बमोजिम देहाय बमोजिमको प्राविधिक समिति रहने व्यवस्था छ।

| | |
|---|---|
| सचिव, योजना आयोग | संयोजक |
| सहसचिव, बजेट तथा कार्यक्रम महाशाखा, अर्थ मन्त्रालय | सदस्य |
| सहसचिव, राजस्व व्यवस्थापन महाशाखा, अर्थ मन्त्रालय | सदस्य |
| सहसचिव, अन्तर्राष्ट्रिय आर्थिक सहायता समन्वय महाशाखा, अर्थ मन्त्रालय | सदस्य |
| सहसचिव, आर्थिक नीति विश्लेषण महाशाखा, अर्थ मन्त्रालय | सदस्य |
| सहसचिव, राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | सदस्य |
| कार्यकारी निर्देशक, अनुसन्धान विभाग, नेपाल राष्ट्र बैंक | सदस्य |
| सहमहालेखा नियन्त्रक, महालेखा नियन्त्रक कार्यालय | सदस्य |
| प्रमुख, सार्वजनिक ऋण व्यवस्थापन कार्यालय | सदस्य |
| महानिर्देशक, केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग | सदस्य |
| सहसचिव, आर्थिक व्यवस्थापन महाशाखा | सदस्य-सचिव |

यस समितिले अर्थतन्त्रको वर्तमान अवस्था र आगामी परिदृश्य, राजस्व, वैदेशिक सहायता, आन्तरिक ऋण र सार्वजनिक खर्चको स्थिति तथा प्रवृत्ति, अन्तरसरकारी वित्त हस्तान्तरण, प्रदेश तथा स्थानीय तहको कोष तथा खर्चको अवस्था लगायतका विषयमा उपयुक्त विधि अवलम्बन गरी अध्ययन विश्लेषण गर्ने, आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक सार्वजनिक खर्च तथा लगानी एवम् खर्च तथा स्रोत अनुमानको अध्ययन विश्लेषण गरी बजेट तथा वार्षिक कार्यक्रम तर्जुमाको लागि सुझाव पेश गर्ने गर्ने लगायतका कार्य गर्दछ।

**इ. बजेट समिति :** सम्बन्धित मन्त्रालय तथा निकायमा सो निकायको कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमा सम्बन्धी कार्यको समन्वय गर्न तथा खर्चको मापदण्ड निर्धारण गर्न मातहतमा देहाय बमोजिमको बजेट समिति (आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय व्यवस्थापन ऐन, २०७६ को दफा ९(५) र नियमावली, २०७७ को नियम १४) रहने व्यवस्था छ।

| | |
|---|---|
| लेखा उत्तरदायी अधिकृत वा निजले तोकेको राजपत्राङ्कित प्रथम श्रेणीको अधिकृत | अध्यक्ष |
| प्रमुख, योजना तथा बजेट महाशाखा | सदस्य |
| विभागीय प्रमुख, मातहत विभाग | सदस्य |
| प्रमुख, आर्थिक प्रशासन शाखा | सदस्य |
| प्रमुख, योजना शाखा | सदस्य सचिव |

सो समितिले योजना आयोगबाट प्राप्त बजेट मार्गदर्शनको आधारमा आफ्नो केन्द्रीय निकाय र अन्तर्गतका कार्यालयको लागि मध्यमकालीन खर्च संरचना र बजेट तथा कार्यक्रम तयार गरी योजना आयोग र अर्थ मन्त्रालयमा पठाउने एवम् सोको विवरण मन्त्रालयगत बजेट सूचना प्रणालीमा प्रविष्ट गर्ने, गराउने कार्य समेत गर्दछ।

## १.७ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रिया

**१. समष्टिगत आर्थिक खाका निर्धारण र त्रिवर्षीय स्रोत अनुमान :** राष्ट्रिय स्रोत अनुमान समितिले चालु आर्थिक वर्षको माघ १५ गतेभित्र आगामी तीन आर्थिक वर्षमा उपलब्ध हुन सक्ने स्रोत तथा गर्न सकिने खर्चको सीमाको पूर्वानुमान गर्दछ। सो समितिले आवधिक योजनामा प्रक्षेपित लगानी तथा वित्तीय आवश्यकताको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको कुल राष्ट्रिय स्रोत अनुमान गर्दछ। स्रोत अनुमान गर्दा गत आर्थिक वर्षको वार्षिक र चालु आर्थिक वर्षको छ महिनाको समष्टिगत आर्थिक परिसूचक, आगामी आर्थिक वर्षहरूमा उपलब्ध हुन सक्ने राजस्व, विकास सहायता र आन्तरिक ऋण लगायतका संघीय सञ्चित कोषमा जम्मा हुन सक्ने रकमका आधारमा वस्तुनिष्ठ भई गरिन्छ। साथै, देशको समष्टिगत अर्थतन्त्रको वर्तमान स्थिति, चालु आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना, कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रक्षेपण,

वित्तीय स्थिति, शोधनान्तर स्थिति, वैदेशिक व्यापार स्थिति, बाह्य एवम् आन्तरिक वित्तीय साधनको सम्भावना, करको लचकता, राजस्व प्रक्षेपण तथा कार्यगत नीति र प्राथमिकतालाई पनि आधार लिइन्छ। सो बमोजिम आगामी तीन आर्थिक वर्षको कुल बजेटको आकार र सीमा निर्धारण गरिन्छ। यसरी समष्टिगत आर्थिक खाका निर्धारण गर्दा योजना र मध्यमकालीन खर्च संरचनाले निर्दिष्ट गरेका लक्ष्य र सूचकहरूको समीक्षा गर्नुका साथै आगामी तीन आर्थिक वर्षका लागि समष्टिगत आर्थिक लक्ष्य समेत निर्धारण गरिन्छ।

२. **विषय क्षेत्रगत बजेट सीमा तथा स्रोत बाँडफाँट :** राष्ट्रिय स्रोत अनुमान समितिबाट निर्धारित बजेट वा स्रोत सीमालाई राष्ट्रिय योजना आयोगले विषय क्षेत्रगत रूपमा चालु आर्थिक वर्षको माघ मसान्तभित्र बाँडफाँट गर्दछ। आवधिक योजना, विषय क्षेत्रगत योजना, नीतिका लक्ष्य र वर्तमान अवस्था, राष्ट्रिय प्राथमिकता एवम् आवश्यकता, क्रमागत आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था एवम् नयाँ कार्यक्रम तथा आयोजना जस्ता विभिन्न आधार लिई बजेट सीमा एवम् स्रोत बाँडफाँट गर्ने गरिन्छ। त्यसै गरी, बजेट तर्जुमाका लागि मार्गर्शन समेत सोही समयमा तयार गरिन्छ। यसरी राष्ट्रिय योजना आयोगमा मन्त्रालयगत र कार्यगत रूपमा चालु, पुँजीगत र वित्तीय व्यवस्थासहितको बजेटको सीमा तयार हुन्छ। यसरी राष्ट्रिय स्रोत अनुमान समितिबाट निर्धारित सीमाको अधीनमा रही आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट तर्जुमाको लागि बजेट सीमा, मध्यमकालीन खर्च संरचनाको खाका समेत उल्लेख गरी बजेट तर्जुमा सम्बन्धी मार्गदर्शन तथा ढाँचा चालु आर्थिक वर्षको माघ मसान्त भित्र योजना आयोगले सम्बन्धित मन्त्रालय, आयोग, सचिवालय वा निकायमा पठाउँदछ।

३. **विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा :** राष्ट्रिय योजना आयोगबाट प्राप्त मार्गदर्शन एवम् बजेट सीमाको अधीनमा रही मन्त्रालय/निकायहरूले विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्दछन्। यस प्रक्रियामा सुरुमा मध्यमकालीन खर्च संरचना मस्यौदा तर्जुमाका आधार निर्माण गरिन्छ। कार्यक्रम वा आयोजनाको विवरण तयार गरी सोको प्राथमिकीकरण एवम् योजनाको रणनीतिक स्तम्भ, प्राथमिकताक्रम, दिगो विकास लक्ष्य, लैंगिक सम्वेदनशीलता र जलवायु परिवर्तन उत्थानशीलताका आधारमा सांकेतीकरण गरिन्छ। यसमा विषय क्षेत्रगत मन्त्रालय वा निकायमा छलफल गरी विषय क्षेत्रगत स्रोत/बजेट अनुमान तथा खर्च प्रक्षेपण (खर्च प्रक्षेपणको आधार सहित) गरिन्छ। प्रति एकाइ लागत र विषय क्षेत्रगत नतिजा खाका समेत तयार गरी मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गरी राष्ट्रिय योजना आयोग र अर्थ मन्त्रालयमा पठाइन्छ।

४. **खर्चको माग तथा स्रोत बीचको तालमेलको समीक्षा :** यस प्रक्रियामा विषय क्षेत्रगत मन्त्रालयबाट प्राप्त खर्च तथा स्रोतको अनुमानको पुनरावलोकन गर्नुका साथै बजेट मागको प्राविधिक विश्लेषण समेत हुन्छ। विषय क्षेत्रगत मन्त्रालयसँग छलफलपछि विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोत परिमार्जन गरिन्छ।सम्बन्धित मन्त्रालयबाट तयार गरी पठाएको बजेट अनुमान विशेषत चालु खर्चतर्फको कार्यक्रम खर्च, पुँजीगत खर्च एवम् वित्तीय व्यवस्थापनसहितको कार्यगत र निकायगत रूपमा नीतिगत तथा कार्यक्रमगत छलफल राष्ट्रिय योजना आयोगमा गरिन्छ। यसमा अर्थ मन्त्रालयको अन्तर्राष्ट्रिय आर्थिक सहयोग तथा समन्वय महाशाखा, बजेट तथा कार्यक्रम महाशाखा र सम्बन्धित मन्त्रालय वा निकायको सहभागिता रहन्छ। निकायगत रूपमा चालु, पुँजीगत र वित्तीय व्यवस्थासहितको बजेटको छलफल टुङ्गिएपछि अर्थ मन्त्रालयमा सम्बन्धित मन्त्रालय वा निकायको सहभागिता र राष्ट्रिय योजना आयोगको प्रतिनिधित्वमा खर्च उपशीर्षकगत छलफल हुन्छ। छलफलका क्रममा अनिवार्य दायित्व, वित्तीय कुशलता, आर्थिक मितव्ययिता, बहुवर्षीय दायित्व, प्राथमिकीकरण लगायतका विषयलाई आधार लिइन्छ।सो अनुसार अर्थ मन्त्रालयले बजेटको अन्तिम मस्यौदा तयार गर्दछ।

५. **मध्यमकालीन खर्च संरचना र बजेट बीचको अन्तरसम्बन्ध कायम :** मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक बजेटबीच तादम्यता कायम गर्ने प्रक्रिया यस चरणमा हुन्छ। यस क्रममा खर्च संरचनाको पहिलो वर्षको लागि बजेटमा प्रस्तावित र अन्तिम रूप दिइएको बजेट रकम र स्रोत व्यवस्था उल्लेख गरिन्छ भने दोस्रो र तेस्रो वर्षमा बजेट वर्षको खर्च तथा स्रोत अनुमानलाई

आधार लिँदै प्राथमिकता, अपेक्षित उपलब्धि, बहुवर्षीय दायित्व, आयोजना अवधि लगायतका पक्षलाई ध्यान दिँदै विषय क्षेत्रगत मन्त्रालयबाट प्राप्त खर्च प्रक्षेपणको प्राविधिक विश्लेषण गरिन्छ। सोही आधारमा विषय क्षेत्रगत रूपमा दोस्रो र तेस्रो वर्षको खर्च प्रक्षेपण गरिन्छ।

६. **मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा, स्वीकृति तथा प्रकाशन :** मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमामा यो अन्तिम र निकै महत्त्वपूर्ण चरण हो। यस चरणमा विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना एकीकृत गरी खर्चको माग र स्रोतको समष्टिगत विवरण तयार गरिन्छ। त्यस्तै, खर्चको माग र स्रोत बीचको तालमेल विश्लेषण गर्दै राष्ट्रिय स्रोत अनुमान समितिबाट निर्धारित त्रिवर्षीय स्रोतसँग तादम्यता कायम गरिन्छ। साथै, समष्टिगत वित्त खाका, समष्टिगत बजेट खाका र समष्टिगत नतिजा खाका तयार गरी ती खाका बीचको तालमेल विश्लेषण गरिन्छ। यी सबै तयारी पूरा भएपछि मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्तिम मस्यौदा तयार गरी राष्ट्रिय योजना आयोगको पूर्ण बैठकबाट स्वीकृत गरिन्छ। साथै, आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा वार्षिक विकास कार्यक्रम मन्त्रिपरिषद्बाट स्वीकृत गर्ने व्यवस्था छ। अर्थ मन्त्रीले आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ को दफा १३ बमोजिम आय व्ययको अनुमानको साथमा दफा १३ बमोजिमको मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक विकास कार्यक्रम समेत जेठ १५ गते संघीय संसदको दुवै सदनको संयुक्त बैठकमा पेश गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ।

# परिच्छेद २

# मध्यमकालीन खर्च संरचना

# (आर्थिक वर्ष २०७८/७९-२०८०/८१)

## २.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले लोक कल्याणकारी राज्यको अवधारणा र समाजवाद उन्मुख आर्थिक प्रणाली मार्फत मुलुकमा सुशासन, विकास र समृद्धि हासिल गर्ने परिकल्पना गरेको छ। सो बमोजिम *समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली* को दीर्घकालीन सोच हासिल गर्ने आधार योजनाका रूपमा चालु आर्थिक वर्षदेखि पन्ध्रौं योजना कार्यान्वयनमा आएको छ। यस योजनाले अतिकम विकसित मुलुकबाट विकासशील देशमा स्तरोन्नति गर्ने र वि.सं. २०८७ सम्ममा दिगो विकासका लक्ष्य हासिल गर्ने सोच सहित उच्च मध्यम आयस्तर भएको मुलुकमा पुग्ने गरी लक्ष्य लिएको छ।

योजनाको लक्ष्य प्राप्तिका लागि वित्तीय संघीयताको कुशल व्यवस्थापन, तीव्र आर्थिक विकास र उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल गर्न विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नुपर्नेछ। सो बमोजिम पन्ध्रौं योजनासँग सामञ्जस्य हुनेगरी आगामी तीन आर्थिक वर्षको मध्यमकालीन खर्च संरचना (आ.व. २०७८/७९-२०८०/८१) तर्जुमा गरिएको छ। यस त्रिवर्षीय खर्च संरचना तयार गर्दा दीर्घकालीन सोच सहितको पन्ध्रौं योजना (आ.व. २०७६/७७-२०८०/८१) मा उल्लिखित सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता, सरकारको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम र दिगो विकास लक्ष्य, २०३० को मार्गचित्रलाई मुख्य आधार लिइएको छ। साथै, कोरोना भाइरस (कोभिड-१९) को पहिलो र दोस्रो लहरबाट नागरिकको जनजीवन तथा अर्थतन्त्रमा परेको असर तथा प्रभाव न्यूनीकरण गर्दै राहत तथा पुनरोत्थानमा जोड दिँदै उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल हुने गरी खर्च संरचना तयार गरिएको छ।

मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई अझ प्रभावकारी बनाउने प्रयोजनका लागि विगतमा छुट्टै प्रकाशन गरिंदै आएको *वार्षिक विकास कार्यक्रम*लाई समेत यस संरचनाको अभिन्न अंगको रूपमा यस दस्तावेजमा समावेश गरिएको छ।

## २.२ चुनौती तथा अवसर

संविधानले प्रत्याभूत गरेका मौलिक हकको कार्यान्वयन गर्दै पन्ध्रौं योजनाले लिएका सोच, लक्ष्य र उद्देश्य हासिल गर्न समन्यायिक आर्थिक समृद्धि र नागरिकको जीवनमा गुणात्मक सुधार गर्नु, निरपेक्ष तथा बहुआयामिक गरिबीको अन्त्य गरी नागरिकको परिष्कृत एवम् मर्यादित जीवनयापनको वातावरण सिर्जना र सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण प्रदान गर्दै न्यायपूर्ण समाजको निर्माण गर्नु प्रमुख चुनौतीको रूपमा रहेको छ। साथै विश्वव्यापी रूपमा फैलिएको कोभिड-१९ महामारीको कारण नागरिकको स्वास्थ्य, जनजीवन, लगानी, श्रम, उत्पादन, व्यापार र पर्यटन लगायतका क्षेत्रमा परेको नकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्दै अर्थतन्त्रलाई चलायमान बनाउँदै आन्तरिक तथा अन्तरदेशीय अन्तरआवद्धता पुनः स्थापित गर्नु चुनौतीको रूपमा रहेको छ। कोरोना महामारी लगायत विपद् जोखिम न्यूनीकरणका क्षेत्रमा पुनरोत्थान, उत्थानशीलता र जलवायु अनुकूलनशीलता हासिल गर्ने तथा मुलुकलाई आधारभूत उत्पादनमा आत्मनिर्भर बनाउने कार्य समेत उत्तिकै चुनौतीपूर्ण रहेको छ।

साथै व्यवस्थित शहरीकरण, एकीकृत एवम् सुरक्षित बस्ती विकास, ग्रामीण पूर्वाधार विकास, स्वच्छ ऊर्जाको उपभोगमा वृद्धि र सूचना प्रविधिको विकास गर्नु, कृषि र वनजन्य उत्पादनमा व्यवसायीकरण, उद्योग क्षेत्रको विस्तार र सेवा क्षेत्रको गुणस्तरीयता अभिवृद्धि गर्दै उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्नु, स्वस्थ र शिक्षित नागरिक एवम् दक्ष मानव संशाधनको विकासद्वारा उत्पादनशील रोजगारीका अवसर अभिवृद्धि गरी जनसाङ्ख्यिक लाभको उपयोग गर्नु पनि चुनौतीको रूपमा रहेको छ। वित्तीय

संघीयताको कुशल कार्यान्वयन गरी समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गर्न र संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका कार्य जिम्मेवारी पूरा गर्न साधन-स्रोतको लागत अनुमान, वितरण र जनशक्ति एवम् संस्थागत प्रबन्ध गर्नु तथा तीनै तहमा सार्वजनिक खर्चको कुशल, समन्यायिक र नतिजामूलक व्यवस्थापन गरी उच्च आर्थिक वृद्धिको लक्ष्य हासिल गर्न विनियोजन दक्षता, कार्यान्वयन कुशलता र प्रभावकारी वित्त अनुशासन कायम समेत चुनौतीपूर्ण छ।

संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा क्रियाशील सरकार र संस्थागत स्थायित्वका कारण मुलुक सामाजिक न्याय सहित आर्थिक समृद्धिको दिशामा अगाडि बढ्नु र प्रदेश तथा स्थानीय तहमा दिगो विकास, समृद्धि र सुशासनका क्षेत्रमा हुने प्रतिस्पर्धी भावना आफैंमा अवसरको रूपमा रहेको छ। साथै, उपलब्ध जनसाङ्ख्यिक लाभलाई मानवपुँजी निर्माणको माध्यमद्वारा मुलुकको विकासमा उपयोगको सम्भावना उच्च छ। प्रदेश र स्थानीय तहमा हुने वित्तीय हस्तान्तरणबाट पुँजीगत खर्च र गुणस्तर अभिवृद्धि भई सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा सुधार, स्थानीय अर्थतन्त्रको विकासबाट रोजगारी, आय-आर्जन र गरिबी न्यूनीकरण एवम् राष्ट्रिय उत्पादनमा बढोत्तरी हुने सम्भावना रहनुका साथै प्राकृतिक, भौगोलिक, जैविक, पर्यावरणीय तथा सामाजिक सांस्कृतिक विविधताको बहुआयामिक उपयोग अवसरको रूपमा रहेको छ। आर्थिक, सामाजिक र भौतिक पूर्वाधारको विकासबाट सेवा क्षेत्रको विस्तार भई अर्थतन्त्रको उत्पादन र उत्पादकत्व बढोत्तरीमा मद्दत पुग्नेछ। यसबाट उत्पादनशील रोजगारी सिर्जना, निर्यात अभिवृद्धि र आयात व्यवस्थापनका माध्यमबाट समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम भई समृद्धि हासिल गर्न सहयोग पुग्न जानेछ। विदेशबाट फर्किएका नेपाली युवाको अनुभव, ज्ञान र सीपको अधिकतम उपयोग गरी स्रोत साधन परिचालन, उत्पादन तथा उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्ने र सामाजिक आर्थिक रूपान्तरण गर्ने अवसर समेत सिर्जना भएको छ। साथै, कोरोना महामारीले सिर्जना गरेका अवसरको पूर्ण उपयोग गर्ने दिशामा यस खर्च संरचनालाई केन्द्रित गरिएको छ।

## २.३ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति

दीर्घकालीन सोच सहितको पन्ध्रौं योजनामा उल्लिखित सोच, राष्ट्रिय उद्देश्य तथा रणनीतिहरू मध्यमकालीन खर्च संरचनामा समावेश गरिएको छ।

### २.३.१ दीर्घकालीन सोच

**'समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली'**

समुन्नत, स्वाधीन र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्र सहितको समान अवसर प्राप्त, स्वस्थ, शिक्षित, मर्यादित र उच्च जीवनस्तर भएका सुखी नागरिक बसोबास गर्ने मुलुक।

### २.३.२ राष्ट्रिय उद्देश्य

१. सर्वसुलभ, गुणस्तरीय र आधुनिक पूर्वाधार निर्माण, उत्पादनशील र मर्यादित रोजगारी अभिवृद्धि, उच्च, दिगो र समावेशी आर्थिक वृद्धि तथा गरिबी निवारण गर्दै समृद्धिको आधार निर्माण गर्नु।

२. गुणस्तरीय स्वास्थ्य तथा शिक्षा, स्वस्थ तथा सन्तुलित वातावरण, सामाजिक न्याय र जवाफदेही सार्वजनिक सेवा कायम गरी संघीय शासन व्यवस्थाको सुदृढीकरण गर्दै नागरिकलाई परिष्कृत र मर्यादित जीवनयापनको अनुभूति गराउनु।

३. सामाजिक-आर्थिक रूपान्तरण तथा स्वाधीन राष्ट्रिय अर्थतन्त्र निर्माण गरी देशको स्वाभिमान, स्वतन्त्रता र राष्ट्रिय हितको संरक्षण गर्नु।

### २.३.३ राष्ट्रिय रणनीति

१. तीव्र, दिगो र रोजगारमूलक आर्थिक वृद्धि गर्ने,

२. सुलभ तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा र शिक्षाको सुनिश्चितता गर्ने,

३. आन्तरिक तथा अन्तरदेशीय अन्तरआबद्धता एवम् दिगो शहर/बस्ती विकास गर्ने,

४. उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्ने,

५. पूर्ण, दिगो र उत्पादनशील सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण प्रदान गर्ने,

६. गरिबी निवारण र आर्थिक सामाजिक समानता सहितको न्यायपूर्ण समाज निर्माण गर्ने,

७. प्राकृतिक स्रोतको संरक्षण र परिचालन तथा उत्थानशीलताको विकास गर्ने र

८. सार्वजनिक सेवाको सुदृढीकरण, प्रादेशिक सन्तुलन र राष्ट्रिय एकता सम्बर्द्धन गर्ने।

## २.४ मध्यमकालीन आर्थिक खाका

पन्ध्रौं योजनामा उल्लिखित आर्थिक वृद्धिदरको लक्ष्यका आधारमा आगामी तीन वर्षको समष्टिगत आर्थिक खाका निर्धारण गरिएको छ। आर्थिक खाका तर्जुमा गर्दा सार्वजनिक वित्तको कुशल, समन्यायिक र नतिजामूलक व्यवस्थापन, निजी तथा सहकारी क्षेत्रको लगानी, उत्पादन र रोजगारीमा प्रोत्साहन सहित समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गर्न जोड दिइएको छ। यस क्रममा कोभिड-१९ को विश्वव्यापी महामारीको कारण अर्थतन्त्रमा भएको क्षति र सोको पुनरुत्थानको आवश्यकता मध्यनजर गर्दै आगामी आ.व. २०७८/७९ को आर्थिक वृद्धिदरको अनुमान गरिएको तथा सो बमोजिम लक्ष्य परिमार्जन गरिएको छ। सो अनुसार वास्तविक क्षेत्र अन्तर्गत उत्पादन, रोजगारी र आयका साथै मौद्रिक तथा वित्तीय क्षेत्र एवम् बाह्य क्षेत्रको खाका तर्जुमा गरिएको छ। दोस्रो र तेस्रो वर्षको लक्ष्य पन्ध्रौं योजनामा निर्धारित लक्ष्य उल्लेख गरिएको छ। उल्लिखित सूचकहरूको विद्यमान स्थिति तथा आगामी ३ वर्षको अपेक्षित उपलब्धि तालिका २.१ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

**तालिका २.१: मध्यमकालीन समष्टिगत आर्थिक लक्ष्य**

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाइ | २०७६/७७ को उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| १. | वार्षिक आर्थिक वृद्धिदर | प्रतिशत | -२.१ | ४.० | ७.० | ९.६ | १०.३ |
| | कृषि, वन तथा मत्स्य | प्रतिशत | २.२ | २.६ | ३.९ | ५.६ | ५.६ |
| | गैरकृषि | प्रतिशत | -३.९ | ४.६ | ८.२ | ११.२ | ११.९ |
| | उद्योग | प्रतिशत | -३.८ | ४.९ | १०.४ | १३.५ | १५.७ |
| | सेवा | प्रतिशत | -४.० | ४.४ | ७.७ | १०.७ | ११.० |
| २. | मुद्रास्फीति | प्रतिशत | ६.१५ | ३.६ | ६.५ | ६.० | ६.० |
| ३. | भुक्तानी सन्तुलन | रू. अर्ब (+/-) | २८२.४१ | १.२३ | -२०.० | ५ | १० |
| ४. | प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय | अमेरिकी डलर | १,१३९ | १,१९६ | १,३२९ | १,४५६ | १,५९५ |
| ५. | आर्थिक जोखिम सूचकांक (EVI) | सूचकांक | २८.३ | २४.२ | २४ | २३.५ | २३ |
| ६. | मानव सम्पत्ति सूचकांक (HAI) | सूचकांक | ६७.९ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ |

## २.५ मध्यमकालीन नतिजा खाका

पन्ध्रौं योजनाको आधारमा योजनाले लिएका राष्ट्रिय लक्ष्य र विषय क्षेत्रगत अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्न सहयोग पुग्ने गरी आगामी तीन आर्थिक वर्षको समष्टिगत नतिजा खाका निर्धारण गरिएको छ। सो खाका निर्धारण गर्दा चालु आ.व. २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि तथा माथि उल्लेख भए बमोजिम आगामी आ.व. २०७८/७९ को लक्ष्य गरिएको छ। नतिजा खाकाको दोस्रो र तेस्रो वर्षको लक्ष्य पन्ध्रौं योजनामा निर्धारित लक्ष्य उल्लेख गरिएको छ। समृद्धि र सुखका राष्ट्रिय लक्ष्य तथा गन्तव्य सूचक तालिका २.२ र २.३ मा प्रस्तुत गरिएका छन्। आ.व. २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि र मध्यमकालीन लक्ष्य विषय क्षेत्रगत मन्त्रालय तथा निकायबाट प्राप्त विवरण तथा पन्ध्रौं योजनाको नतिजा खाकाको आधारमा उल्लेख गरिएको छ।

**तालिका २.२: समृद्धिका मध्यमकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य र गन्तव्य**

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाइ | २०७६/७७ को उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| **१** | **उच्च र समतामूलक राष्ट्रिय आय** | | | | | | |
| **१.१** | **औद्योगिक राष्ट्रको स्तरको उच्च आय** | | | | | | |
| १.१.१ | वार्षिक आर्थिक वृद्धिदर | प्रतिशत | -२.१ | ४.० | ७.० | ९.६ | १०.३ |
| १.१.२ | प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय | अमेरिकी डलर | १,१३९ | १,१९६ | १,३२९ | १,४५६ | १,५९५ |
| **१.२** | **गरिबीको अन्त्य** | | | | | | |
| १.२.१ | गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसङ्ख्या (निरपेक्ष गरिबी) | प्रतिशत | - | - | १३.० | ११.२ | ९.५ |
| **१.३** | **राष्ट्रिय आम्दानीमा तल्लो ४० प्रतिशत जनसङ्ख्याको हिस्सा** | | | | | | |
| १.३.१ | आम्दानीमा माथिल्लो १० प्रतिशत र तल्लो ४० प्रतिशत जनसङ्ख्याको अनुपात | अनुपात | - | - | १.२७ | १.२६ | १.२५ |
| १.३.२ | सम्पत्तिमा आधारित जिनी गुणक | गुणक | - | - | ०.३० | ०.२९ | ०.२९ |
| **२** | **मानवपुँजी निर्माण तथा सम्भावनाको पूर्ण उपयोग** | | | | | | |
| **२.१** | **स्वस्थ र लामो आयु भएका नेपाली** | | | | | | |
| २.१.१ | अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको) | वर्ष | ७०.६ | ७०.८ | ७१.५ | ७२.० | ७२.० |
| २.१.२ | मातृ मृत्युदर (प्रतिलाख जीवित जन्ममा) | सङ्ख्या | २३९ | २३९ | १५० | १२५ | ९९ |
| २.१.३ | ५ वर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जन्ममा) | सङ्ख्या | २८ | २८ | २७ | २६ | २४ |

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाइ | २०७६/७७ को उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| २.१.४ | किशोरी अवस्थाको प्रजनन (१९ वर्ष मुनि) | प्रतिशत | ६.३ | ६.३ | ६.२ | ६ | ६ |
| **२.२** | **गुणस्तरीय, रोजगारमूलक तथा जीवनोपयोगी शिक्षा प्राप्त नागरिक** | | | | | | |
| २.२.१ | साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि) | प्रतिशत | ५८ | ६२ | ८५ | ९५ | ९५ |
| २.२.२ | युवा साक्षरता दर (१५-२४ वर्ष) | प्रतिशत | ९२ | ९२ | ९४ | ९८ | ९९ |
| २.२.३ | आधारभूत तह (१-८) मा खुद भर्नादर | प्रतिशत | ९३.४ | ९४.७ | ९९ | ९९ | ९९ |
| २.२.४ | माध्यमिक तह (९-१२) मा खुद भर्नादर | प्रतिशत | ४७.६ | ५१.२ | ५७ | ६० | ६५ |
| २.२.५ | उच्च शिक्षामा कुल भर्नादर | प्रतिशत | १४.४ | १५.५ | १८ | २० | २२ |
| २.२.६ | काम गर्ने उमेर समूहका प्राविधिक र व्यावसायिक क्षेत्रमा तालिम प्राप्त जनसङ्ख्या | प्रतिशत | ३५ | ३८ | ४२ | ४५ | ५० |
| **२.३** | **उत्पादनशील र मर्यादित रोजगारी** | | | | | | |
| २.३.१ | श्रमशक्ति सहभागिता दर (१५ वर्ष माथि) | प्रतिशत | ३८.५ | ४४ | ४५ | ४७ | ४९ |
| २.३.२ | रोजगारीमा औपचारिक क्षेत्रको हिस्सा | प्रतिशत | ३६.५ | ४३ | ४६ | ४७.५ | ५० |
| **३** | **सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार एवम् सघन अन्तरआबद्धता** | | | | | | |
| **३.१** | **सर्वसुलभ, सुरक्षित र आधुनिक यातायात** | | | | | | |
| ३.१.१ | सडक घनत्व | कि.मि. प्रति वर्ग कि.मि. | - | - | ०.६८ | ०.६९ | ०.७४ |
| ३.१.२ | राष्ट्रिय र प्रादेशिक राजमार्ग (२ लेनसम्म, कालोपत्रे सडक मात्र) | कि.मि. | ६३६४ | ६८७० | १५,०९४ | १७,६९४ | १९,५५० |
| ३.१.३ | राष्ट्रिय राजमार्ग (२ लेन माथि, द्रुतमार्ग समेत) | कि.मि. | १५९ | २१० | ३४५ | ७४५ | १,१७४ |
| ३.१.४ | रेलमार्ग | कि.मि. | ४८ | ६० | १९० | २६० | ३४८ |

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाइ | २०७६/७७ को उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| **३.२** | **पूर्वाधारमा पहुँच तथा आबद्धता** | | | | | | |
| ३.२.१ | ३० मिनेट सम्मको दूरीमा यातायात पहुँच भएको परिवार | प्रतिशत | - | - | ९२ | ९४ | ९५ |
| ३.२.२ | विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार | प्रतिशत | ८६ | ९१ | ९७ | १०० | १०० |
| ३.२.३ | इन्टरनेटमा पहुँच प्राप्त जनसङ्ख्या | प्रतिशत | ७३ | ८२.७९ | ८५ | ८९ | ९२ |
| **४** | **उच्च र दिगो उत्पादन तथा उत्पादकत्व** | | | | | | |
| **४.१** | **अर्थतन्त्रमा क्षेत्रगत योगदान** | | | | | | |
| ४.१.१ | प्राथमिक क्षेत्र (कृषि, वन र खानी) | प्रतिशत | २६.८ | २६.४ | २४.७ | २४.० | २३.० |
| ४.१.२ | द्वितीय क्षेत्र (उत्पादनमूलक उद्योग, विद्युत, ग्यास र पानी, निर्माण) | प्रतिशत | १२.८ | १२.५ | १६.९ | १७.४ | १८.१ |
| ४.१.३ | तृतीय क्षेत्र (सेवा) | प्रतिशत | ६०.४ | ६१.१ | ५८.४ | ५८.६ | ५८.९ |
| **४.२** | **स्वच्छ ऊर्जाको उत्पादन तथा उपभोग** | | | | | | |
| ४.२.१ | विद्युत उत्पादन (जडित क्षमता) | मेगावाट | १,४०१ | २,२७४.४ | २,९७४ | ३,९९३ | ५,१०० |
| ४.२.२ | प्रतिव्यक्ति विद्युत उपभोग | किलोवाट घण्टा | २६० | ३०० | ३५० | ६०० | ६५० |
| **४.३** | **व्यापार सन्तुलन** | | | | | | |
| ४.३.१ | वस्तु तथा सेवाको निर्यात (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा) | अनुपात | ८ | ८.१ | १२.६ | १४.१ | १५.७ |
| ४.३.२ | वस्तु तथा सेवाको आयात (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा) | प्रतिशत | ४०.१ | ४२.५ | ५०.९ | ५१.० | ५१.० |
| **४.४** | **राष्ट्रिय तथा क्षेत्रगत उत्पादकत्व** | | | | | | |
| ४.४.१ | श्रम उत्पादकत्व | रू. हजारमा | १८४.६ | २३० | २४६ | २६१ | २७६ |
| ४.४.२ | कृषि उत्पादकत्व (प्रमुख बाली) | मे.ट./ हेक्टर | - | - | ३.७ | ३.९ | ४.० |

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाइ | २०७६/७७ को उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| ४.४.३ | सिँचाइयोग्य भूमिमध्ये वर्षैभरि सिँचाइ सुविधा पुगेको भूमि | प्रतिशत | - | - | ३९ | ४४ | ५० |
| ४.४.४ | प्रति पर्यटक खर्च (प्रति दिन) | अमेरिकी डलर | ४८ | ७८ | ७८ | ८५ | १०० |

## तालिका २.३: सुखका मध्यमकालीन राष्ट्रिय लक्ष्य र गन्तव्य सूचक

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाइ | २०७६/७७ को उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| **५** | **परिष्कृत तथा मर्यादित जीवन** | | | | | | |
| **५.१** | **नागरिक स्वस्थता तथा सन्तुष्टि** | | | | | | |
| ५.१.१ | मानव विकास सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ०.५९१ | ०.६०२ | ०.६११ | ०.६१८ | ०.६२४ |
| ५.१.२ | नागरिक सन्तुष्टिको अनुभूति सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ४.८ | ४.८ | ४.९ | ५.० | ५.१ |
| ५.१.३ | बहुआयामिक गरिबीमा रहेको जनसङ्ख्या | प्रतिशत | १९.५ | १७.४ | १५.५ | १३.५ | ११.५ |
| ५.१.४ | ५ वर्ष मुनिका कम तौल भएका बालबालिका | प्रतिशत | २४.३ | २४.४ | १९ | १८ | १५ |
| ५.१.५ | ३० मिनेटको दूरीमा स्वास्थ्य संस्थामा पहुँच भएको घर-परिवार | प्रतिशत | ६१.८ | ६५ | ७३ | ७५ | ८० |
| **५.२** | **सुरक्षित तथा सुविधासम्पन्न आवास** | | | | | | |
| ५.२.१ | सुरक्षित आवासमा बसोबास गर्ने जनसङ्ख्या | प्रतिशत | ४५ | ५० | ५४ | ५७ | ६० |
| ५.२.२ | आधारभूत खानेपानी सुविधा पुगेको जनसङ्ख्या | प्रतिशत | ९१ | ९४ | ९५ | ९७ | ९९ |
| ५.२.३ | उच्च मध्यमस्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको जनसङ्ख्या | प्रतिशत | २३ | २८ | ३४ | ३६ | ४० |
| **५.३** | **भौतिक तथा आधुनिक सम्पत्ति माथिको समतामूलक पहुँच वा स्वामित्व** | | | | | | |
| ५.३.१ | आफ्नै स्वामित्वको | प्रतिशत | ८७ | ८७ | ८८ | ८८ | ८९ |

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाइ | २०७६/७७ को उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| | आवासमा बसोबास गर्ने परिवार | | | | | | |
| ५.३.२ | सार्वजनिक धितोपत्रमा लगानी गर्ने जनसङ्ख्या | प्रतिशत | ६ | ८ | ११ | १६ | २० |
| **६** | **सुरक्षित, सभ्य र न्यायपूर्ण समाज** | | | | | | |
| **६.१** | **विभेद, हिंसा र अपराधमुक्त समाज** | | | | | | |
| ६.१.१ | लैङ्गिक विकास सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ०.९३३ | ०.९३३ | ०.९५१ | ०.९५७ | ०.९६३ |
| ६.१.२ | लैङ्गिक असमानता सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ०.४५ | ०.४५ | ०.४३ | ०.४१ | ०.३९ |
| ६.१.३ | जीवनकालमा शारीरिक वा मानसिक वा यौन हिंसा पीडित महिला | प्रतिशत | २४.४ | २२ | १७.८ | १६ | १३ |
| ६.१.४ | दर्ता भएका लैङ्गिक हिंसा लगायतका अपराधका घटना र अनुसन्धानको अनुपात | अनुपात | ९१.१ | ७२.७८ | ९५ | ९५ | १०० |
| **६.२** | **सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता** | | | | | | |
| ६.२.१ | मातृभाषामा पठनपाठन हुने विद्यालय | सङ्ख्या | २८० | २८० | ३०० | ३१२ | ३२४ |
| ६.२.२ | विश्वसम्पदा सूचीमा सूचीकृत सम्पदा | सङ्ख्या | १० | १० | ११ | १२ | १२ |
| **६.३** | **सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण** | | | | | | |
| ६.३.१ | आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आबद्ध जनसङ्ख्या | प्रतिशत | ३१ | ३२ | ४७ | ५४ | ६० |
| ६.३.२ | राष्ट्रिय बजेटमा सामाजिक सुरक्षा खर्च | प्रतिशत | १२.४ | १२.९ | ११.५३ | १३.३ | १३.७ |
| **७** | **स्वस्थ र सन्तुलित पर्यावरण** | | | | | | |
| **७.१** | **प्रदुषणमुक्त र स्वच्छ वातावरण** | | | | | | |
| ७.१.१ | ऊर्जा उपभोगमा नवीकरणीय ऊर्जाको अनुपात | प्रतिशत | ८ | ९ | १० | ११ | १२ |
| ७.१.२ | वायु प्रदुषणको औसत | माइक्रोग्राम | ५० | ४८ | ४४ | ४२ | ४० |

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाइ | २०७६/७७ को उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| | मात्रा (पि पि एम २.५) | प्रति घ.मि. | | | | | |
| **७.२** | **पर्यावरणीय सन्तुलन र दिगो उपयोग** | | | | | | |
| ७.२.१ | वनजंगल घनत्व | रूख प्रति हेक्टर | ४३० | ४४० | ४४० | ४४० | ४५० |
| ७.२.२ | काठ उत्पादन | घनफिट (लाख) | २०० | १५० | २५० | २७५ | ३०० |
| **७.३** | **जलवायु परिवर्तन अनुकूलनशीलता** | | | | | | |
| ७.३.१ | अनुकूलन योजना तयार भई कार्यान्वयन भएका स्थानीय तह | सङ्ख्या | २८० | ३५० | ५५० | ६०० | ६५० |
| **८** | **सुशासन** | | | | | | |
| **८.१** | **विधिको शासन** | | | | | | |
| ८.१.१ | विधिको शासन सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | -०.५४ | -०.२७ | ०.५६ | ०.५७ | ०.५८ |
| ८.१.२ | विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धी सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ५१.५७ | ५१.५७ | ५७.० | ५९.० | ६०.० |
| ८.१.३ | व्यवसाय सहजीकरण सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ६३.२ | ६४.५ | ६६ | ६७ | ६८ |
| ८.१.४ | भ्रमण तथा पर्यटन प्रतिस्पर्धी सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | - | - | ३.६ | ३.७ | ३.८ |
| **८.२** | **सार्वजनिक सदाचार, पारदर्शिता र जवाफदेहिता** | | | | | | |
| ८.२.१ | भ्रष्टाचार न्यूनीकरण अनुभूति सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ३४ | ३५ | ३८ | ४० | ४१ |
| ८.२.२ | *'हेलो सरकार'* मा प्राप्त उजुरीको फर्छ्यौट | प्रतिशत | ४८ | ७० | ७८ | ८८ | ९८ |
| ८.२.३ | कुल आर्थिक प्रतिष्ठान मध्ये दर्ता नभएका (अनौपचारिक) प्रतिष्ठानको अनुपात | प्रतिशत | ४१ | ३३ | २५ | १७ | १० |
| ८.२.४ | दर्ता भएका मध्ये लेखा राख्ने आर्थिक प्रतिष्ठानको अनुपात | प्रतिशत | ५६ | ६० | ६४ | ६७ | ७० |
| **९** | **सबल लोकतन्त्र** | | | | | | |
| ९.१.१ | निर्वाचनमा मतदाताको सहभागिता | प्रतिशत | ६८.६७ | ६८.६७ | ६८.६७ | ७२ | ७२ |

| क्र.सं. | सूचक/लक्ष्य | एकाइ | २०७६/७७ को उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| ९.१.२ | मुद्दा फैसला | प्रतिशत | ५६.५ | ६० | ६० | ६० | ६० |
| ९.१.३ | फैसला कार्यान्वयन | प्रतिशत | ३७.५५ | ५० | ५० | ५० | ५० |
| **१०** | **राष्ट्रिय एकता, सुरक्षा र सम्मान** | | | | | | |
| **१०.१** | **नेपालीत्वको उच्च भावना** | | | | | | |
| १०.१.१ | राष्ट्रिय परिचय-पत्र प्राप्त गरेका नेपाली नागरिक | प्रतिशत | ०.३३ | ०.३३ | ३० | ५० | ६० |
| १०.१.२ | नेपालीलाई गन्तव्य मुलुकको अध्यागमनमा प्रवेशाज्ञा प्रदान गर्ने मुलुक | सङ्ख्या | ३५ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ |
| **१०.२** | **मानव तथा अन्य सुरक्षा** | | | | | | |
| १०.२.१ | पाँच वर्षमुनिका बालबालिकाको जन्म दर्ता | प्रतिशत | ६३ | ७७ | ८५ | ९० | ९५ |
| १०.२.२ | आधारभूत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका परिवार | प्रतिशत | ५६ | ६३ | ७० | ७५ | ८० |
| १०.२.३ | आत्महत्या दर (प्रति लाख जनसङ्ख्यामा) | संख्या | - | - | ७ | ६ | ५ |
| **१०.३** | **विपद् उत्थानशील समाज र अर्थतन्त्र** | | | | | | |
| १०.३.१ | विपद्का घटनाबाट प्रभावित परिवार संख्या | प्रति हजार | १५ | ४.४२ | ४.० | ३.८ | ३.६ |
| १०.३.२ | विपद्का घटनाबाट मृत्यु भएको जनसङ्ख्या | प्रति लाख | १.५ | १.१८ | १.१ | १.० | १.० |
| **१०.४** | **अत्यावश्यक वस्तु र सेवामा आत्मनिर्भरता** | | | | | | |
| १०.४.१ | कुल आयातमा अत्यावश्यक वस्तु (कृषि उपज, जीवजन्तु र खाद्य पदार्थ) को अंश | प्रतिशत | १३ | ११ | ९ | ७ | ५ |

## २.६ मध्यमकालीन बजेट खाका

त्रिवर्षीय बजेट खाका निर्माण गर्दा पन्ध्रौं योजना (आ.व. २०७६/७७ - २०८०/८१) मा उल्लिखित सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता, सरकारको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, बजेटका सिद्धान्त र प्राथमकिता र दिगो विकास लक्ष्य, २०३० को मार्गचित्र एवम् समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व, विनियोजन कुशलता र अनुमानयोग्यतालाई मुख्य आधार लिइएको छ। वित्तीय संघीयताको कुशल व्यवस्थापन, उच्च आर्थिक वृद्धि, तीव्र आर्थिक सामाजिक विकास र समन्यायिक वितरण गर्न विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिइएको छ। माथि उल्लिखित नतिजा खाकाका साथै विषय क्षेत्रगत नतिजा प्राप्त हुने गरी स्रोत तथा खर्च अनुमान गरिएको छ।

कोभिड-१९ को संक्रमण रोकथाम तथा नियन्त्रण, स्वास्थ्य, रोजगारी, कृषि र उद्योग एवम् यस विश्वव्यापी महामारीबाट पर्यटन, यातायात, उद्योग, निर्माण, शिक्षा, कृषि लगायत अर्थतन्त्रका विभिन्न क्षेत्रमा सिर्जित नकारात्मक प्रभावबाट अर्थतन्त्रको पुनरूत्थानलाई प्राथमिकता दिइएको छ। साथै, सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण मार्फत न्यूनतम मानवोचित कल्याणका कार्यक्रमलाई जोड दिइएको छ। यस महामारीले सिर्जना गरेका अवसरको उपयोग गर्ने गरी विकास कार्यक्रम तर्जुमालाई प्राथमिकता दिइएको छ।

संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा विकास आयोजना बाँडफाँट सम्बन्धी मापदण्ड बमोजिम आयोजना बाँडफाँट गरिएको छ। राष्ट्रिय गौरवका आयोजना, रूपान्तरणकारी आयोजना, नयाँ प्रमुख कार्यक्रम र बहुवर्षीय ठेक्कामा गएका अन्य आयोजनाका लागि आवश्यक रकम सुनिश्चित (Earmark) हुने गरी विषय क्षेत्रगत बजेट खाका निर्माण गरिएको छ। क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनाको कार्यान्वयन अवस्था र आगामी कार्यान्वयन योजनाको आधारमा खर्च गर्नसक्ने क्षमता तथा स्रोतको आवश्यकता एवम् उपलब्धतालाई मध्यनजर गरिएको छ। कार्यान्वयनको अवस्था, आयोजना अवधि, सिर्जित दायित्व तथा खर्च गर्नसक्ने अवस्था अनुसार क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनाको पुनःप्राथमिकीकरण गरी विनियोजनको प्राथमिकता निर्धारणमा जोड दिइएको छ। क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनाको पुनरावलोकन गरी दोहोरोपना रहेका एकै प्रकृतिका कार्यक्रम वा आयोजना एक आपसमा गाभ्ने वा खारेज गर्ने गरी बजेट अनुमान गरिएको छ। नयाँ आयोजनाको लागि पूर्व तयारी कार्य सम्पन्न भएका बहुवर्षीय ठेक्का लगाउनु पर्ने प्रकृतिका आयोजनालाई कार्यान्वयनमा लैजान आवश्यक बजेट विनियोजन हुने गरी तथा तयारी कार्य नभएका आयोजनाको लागि आवश्यक रकम विनियोजन गरी तयारी कार्य सम्पन्न गर्ने गरी बजेट प्रस्ताव गरिएको छ।

मध्यमकालीन स्रोत अनुमान गर्दा राजस्व परिचालनको विगतको प्रवृत्ति, कोभिड-१९ को संक्रमणको कारण अर्थतन्त्र र स्रोत परिचालनमा परेको चाप एवम् आगामी वर्षमा पर्न सक्ने असर तथा प्रभाव, स्रोतको प्राथमिकीकरण र पुनःप्राथमिकीकरणको आवश्यकता लगायतका पक्षलाई विशेष ध्यान दिइएको छ। संघबाट संकलन भएको मूल्य अभिवृद्धि कर, आन्तरिक उत्पादनमा आधारित अन्तःशुल्क र रोयल्टी तर्फको राजस्व अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐनमा रहेको प्रावधान बमोजिम प्रदेश र स्थानीय तहमा बाँडफाँट हुने रकम घटाएर मात्र संघको राजस्व अनुमान गरिएको छ। वैदेशिक सहायता अनुमान गर्दा दातृ राष्ट्र वा संस्थासँग भएको सम्झौता वा प्रतिबद्धतालाई समावेश गरिएको छ। नेपाल सरकारले लिनसक्ने आन्तरिक ऋण कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको ५ प्रतिशतको सीमामा राखिएको छ।

माथि उल्लिखित आधारमा आगामी तीन वर्षको अवधिमा कुल सरकारी बजेट रू. ५४ खर्ब २३ अर्ब ७२ करोड ९२ लाख (प्रचलित मूल्यमा) रहने प्रक्षेपण गरिएको छ। यस मध्ये चालु खर्च रू. २१ खर्ब ३४ अर्ब ४२ करोड ५५ लाख र पुँजीगत खर्च रू. १३ खर्ब ५६ अर्ब ९३ करोड ४० लाख रहने प्रक्षेपण गरिएको छ। साथै वित्तीय व्यवस्थातर्फ रू. ७ खर्ब ९ अर्ब ८१ करोड ६१ लाख बाँडफाँट गर्नुपर्ने अनुमान रहेको छ। त्यसैगरी स्रोत परिचालनतर्फ राजस्वबाट रू. ३६ खर्ब १ अर्ब २ करोड ६ लाख, वैदेशिक अनुदान रू. १ खर्ब ६५ अर्ब ११ करोड ९९ लाख, वैदेशिक ऋण रू. ८ खर्ब ९० अर्ब ६८ करोड ८७ लाख र आन्तरिक ऋणबाट रू. ७ खर्ब ६६ अर्ब ९० करोड व्यहोरिने प्रक्षेपण गरिएको छ। यस सम्बन्धी विवरण तालिका २.४ मा उल्लेख गरिएको छ।

## तालिका २.४: त्रिवर्षीय बजेट विनियोजन तथा प्रक्षेपण (प्रचालित मूल्यमा)

(रू. लाखमा)

| विवरण | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | मध्यमकालीन बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | २०७८/७९ को अनुमान | २०७९/८० को प्रक्षेपण | २०८०/८१ को प्रक्षेपण | तीन वर्षको कुल |
| **बजेट अनुमान** | | | | | | |
| चालु खर्च | ४३३८९२३ | ४५१४३०४ | ६७७९९५२ | ६९६४३७४ | ७५९९९२९ | २१३४४२५५ |
| पुँजीगत खर्च | १८९१४०१ | २२८८९५४ | ३७८०९७७ | ४४७७१८५ | ५३१११७८ | १३५६९३४० |
| वित्तीय व्यवस्था | ११७९०१६ | १०४२८५२ | १८९४३७६ | २४११९३६ | २७९१८४९ | ७०९८१६१ |
| वित्तीय हस्तान्तरण | ३५०३९९१ | ३९४६३२८ | ३८७२९८७ | ४०७७५०५ | ४२७५०४४ | १२२२५५३६ |
| **कुल** | **१०९१३३३१** | **११७९२४३८** | **१६३२८२९२** | **१७९३१०००** | **१९९७८०००** | **५४२३७२९२** |
| **स्रोत अनुमान** | | | | | | |
| राजस्व* | ७४११२५८ | ८६७४३२० | १०५०८२०६ | ११८३४००० | १३६६८००० | ३६०१०२०६ |
| वैदेशिक अनुदान | २३७१८८ | ३०७७०४ | ५९९१९९ | ५५२००० | ५००००० | १६५११९९ |
| वैदेशिक ऋण | ११६६४३९ | १५१७८२६ | २८३०८८७ | २९००००० | ३१७६००० | ८९०६८८७ |
| आन्तरिक ऋण | १९४९००० | २२४०१०० | २३९०००० | २६४५००० | २६३४००० | ७६६९००० |
| **कुल** | **१०७६३८८५** | **१२७३९९५०** | **१६३२८२९२** | **१७९३१०००** | **१९९७८०००** | **५४२३७२९२** |
| **बचत (-) न्यून (+)** | **१४९४४६** | **-९४७५१२** | **०** | **०** | **०** | **०** |

*पुनश्चः *संघीय विभाज्य कोषबाट प्रदेश र स्थानीय तहमा बाँडफाँट हुने राजस्व तथा प्रदेश र स्थानीय तहका अधिकार क्षेत्रभित्र परिचालन हुने राजस्व रकम समावेश गरिएको छैन।*

स्रोत परिचालन तर्फ विद्यमान कोभिड-१९ को संक्रमणको विषम अवस्था तथा आवश्यकताको आधारमा नेपाल सरकारको वित्तीय आकार (Fiscal space) लाई समेत मध्यनजर गरी स्रोत अनुमान तथा आंकलन गरिएको छ। आ.व. २०७६/७७ र चालु आ.व. २०७७/७८ मा राजस्वको परिचालनमा कठिनाई आए तापनि आगामी तीन वर्षमा औसत १७ प्रतिशत वृद्धिदरको प्रक्षेपण/आंकलन गरिएको छ। वैदेशिक सहायतालाई सो अनुसार परिपूरक स्रोतका रूपमा परिचालन हुने आंकलन छ। साथै, आन्तरिक ऋण वाञ्छित सीमाभित्र रहने गरी उठाउने गरी अनुमान गरिएको छ।

माथि उल्लिखित बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपणका आधारमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा नेपाल सरकारको बजेटको तुलना तालिका २.५ मा प्रस्तुत गरिएको छ। कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा बजेटको आकार सामान्य रूपमा बढ्न गए तापनि आन्तरिक ऋण वाञ्छित सीमा भित्रै रहनेछ।

तालिका २.५: बजेटको त्रिवर्षीय विनियोजन र प्रक्षेपणको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनसँगको अनुपात (प्रतिशत)

| क्र. सं. | विवरण | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | मध्यमकालीन बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ को अनुमान | २०७९/८० को प्रक्षेपण | २०८०/८१ को प्रक्षेपण |
| १ | **बजेट अनुमान** | | | | | |
| | चालु खर्च | १२.५ | १०.६ | १३.९ | १२.७ | १२.२ |
| | पुँजीगत खर्च | ५.५ | ५.४ | ७.८ | ८.२ | ८.५ |
| | वित्तीय व्यवस्था | ३.४ | २.४ | ३.९ | ४.४ | ४.५ |
| | वित्तीय हस्तान्तरण | १०.१ | ९.२ | ८.० | ७.४ | ६.८ |
| | **कुल** | **३१.६** | **२७.६** | **३३.६** | **३२.७** | **३१.९** |
| २ | **स्रोत अनुमान** | | | | | |
| | राजस्व | २१.४ | २०.३ | २१.६ | २१.६ | २१.९ |
| | वैदेशिक अनुदान | ०.७ | ०.७ | १.२ | १.० | ०.८ |
| | वैदेशिक ऋण | ३.४ | ३.६ | ५.८ | ५.३ | ५.१ |
| | आन्तरिक ऋण | ५.६ | ५.३ | ४.९ | ४.८ | ४.२ |
| | **कुल** | **३१.१** | **२९.९** | **३३.६** | **३२.७** | **३१.९** |

## २.७ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँट

आगामी तीन वर्षको बजेट अनुमान र प्रक्षेपणको विभिन्न आधारमा गरिएको तुलनात्मक विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ।

### अ. रणनीतिक स्तम्भको आधारमा बाँडफाँट

कार्यक्रम तथा आयोजनाको पन्ध्रौं योजनाको रणनीतिक स्तम्भ बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.६ मा प्रस्तुत गरिएको छ। यसरी वर्गीकरण गर्दा प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गरिने वित्तीय समानीकरण अनुदान, सशर्त अनुदान, समपूरक अनुदान र विशेष अनुदान तथा नयाँ कार्यक्रम/आयोजना अन्तर्गत विभिन्न विषय क्षेत्रका कार्यक्रम समावेश हुने तथा सोको जानकारी प्राप्त नहुने भएकाले रणनीतिक स्तम्भको आधारमा सांकेतीकरण गर्दा समावेश गरिएको छैन।

## तालिका २.६: रणनीतिक स्तम्भको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रू. लाखमा)

| रणनीतिक संकेत | रणनीतिक स्तम्भ | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | | आ.व. २०७८/७९ को व्यय अनुमान | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| १ | आर्थिक वृद्धि | ४८५,१७८ | ४.४५ | ५२९,१४२ | ४.४९ | ९४९,९५१ | ५.८२ | १,२८८,९०१ | ७.४८ | १,४१६,७८० | ७.६२ |
| २ | स्वास्थ्य तथा शिक्षा | ६६४,०२५ | ६.०८ | ७८०,६४७ | ६.६२ | १,८१७,४७३ | ११.१३ | १,६८५,१२० | ९.७८ | १,७९१,५८० | ९.६४ |
| ३ | अन्तरआबद्धता र शहरी विकास | १,३२७,७७३ | १२.१७ | १,२८३,१०२ | १०.८८ | २,३५०,०४४ | १४.३९ | २,६२१,९०६ | १५.२१ | २,८६१,०४६ | १५.३९ |
| ४ | उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धि | ३७६,१७० | ३.४५ | ३८९,८६१ | ३.३१ | ६६६,३६७ | ४.०८ | ८५१,५४६ | ४.९४ | ९२८,७६६ | ५.०० |
| ५ | सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण | ८९०,६०६ | ८.१६ | ९३५,६०८ | ७.९३ | १,२५६,७५९ | ७.७० | १,२८९,८७६ | ७.४८ | १,३३६,५७३ | ७.१९ |
| ६ | न्यायपूर्ण समाज | ५०२,४२७ | ४.६० | ५१३,४४७ | ४.३५ | ५२८,३८७ | ३.२४ | ५४९,३३८ | ३.१९ | ५७३,९८९ | ३.०९ |
| ७ | प्राकृतिक स्रोत तथा उत्थानशीलता | ६३९,२६९ | ५.८६ | ७११,९१७ | ६.०४ | ७७९,१७३ | ४.७७ | ४०९,९२० | २.३८ | ४३६,०७२ | २.३५ |
| ८ | सुशासन, प्रादेशिक सन्तुलन र राष्ट्रिय एकता | १,०८०,१९८ | ९.९० | १,१५२,०९७ | ९.७७ | १,३०१,६९७ | ७.९७ | १,४१५,१९२ | ८.२१ | १,४८९,९५३ | ८.०१ |
| ९ | साधारण प्रशासन | १,४४३,८४५ | १३.२३ | १,५५०,६६० | १३.१५ | २,८०५,४५४ | १७.१८ | ३,०४८,७४० | १७.६९ | ३,४८१,०७३ | १८.७२ |
| १० | वित्तीय हस्तान्तरण | ३,५०३,७७१ | ३२.११ | ३,९४५,९१७ | ३३.४६ | ३,८७२,९८७ | २३.७२ | ४,०७७,५०५ | २३.६५ | ४,२७५,०४४ | २३.०० |
| | **जम्मा** | **१०,९१३,२६२** | **१००** | **११,७९२,३९८** | **१००** | **१६,३२८,२९२** | **१००** | **१७,२३८,०४४** | **१००** | **१८,५९०,८७६** | **१००** |
| | सांकेतीकरण नगरिएको | - | - | - | - | - | - | **६९२,९५६** | - | **१,३८७,१२४** | - |
| | **कुल जम्मा** | **१०,९१३,२६२** | - | **११,७९२,३९८** | - | **१६,३२८,२९२** | - | **१७,९३१,०००** | - | **१९,९७८,०००** | - |

पन्ध्रौं योजनाले अवलम्बन गरेका ८ वटा रणनीतिक स्तम्भका आधारमा सबैभन्दा बढी रकम अन्तरआबद्धता र शहरी विकास (रणनीतिक स्तम्भ ३) र स्वास्थ्य तथा शिक्षा (रणनीतिक स्तम्भ २) मा बाँडफाँट भएको छ। यस अवधिमा विगतको तुलनामा स्वास्थ्य र शिक्षा क्षेत्रमा बजेटको हिस्सा उल्लेख्य रूपमा वृद्धि भएको छ। अन्तरआवद्धता र पूर्वाधार विकासमा जोड दिनुपर्ने भएकाले यसको हिस्सा समेत बढ्दै जाने आंकलन छ।

### आ. प्राथमिकताक्रमको आधारमा बाँडफाँट

कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकताक्रम बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.७ मा प्रस्तुत गरिएको छ। यसरी वर्गीकरण गर्दा प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गर्ने वित्तीय समानीकरण अनुदान, सशर्त अनुदान, समपुरक अनुदान र विशेष अनुदान तथा नयाँ कार्यक्रम/आयोजना अन्तर्गत विभिन्न प्रकृतिका हुने तथा सोको जानकारी प्राप्त नहुने भएकाले प्राथमिकताक्रमको आधारमा सांकेतीकरण गर्दा समावेश गरिएको छैन।

**तालिका २.७ : प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको व्यय अनुमान तथा प्रक्षेपण**

**(रू लाखमा)**

| प्राथमिकताक्रम | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | | आ.व. २०७८/७९ को व्यय अनुमान | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| पहिलो ($P_1$) | ६,८४८,५५९ | ९२.४३ | ७,२६६,४८९ | ९२.६१ | १०,९०२,४४३ | ८७.५३ | ११,७६४,०४५ | ८९.३९ | १२,९७८,२३१ | ३०.३८ |
| दोस्रो (P2) | ५६०,९३२ | ७.५७ | ५७९,९९२ | ७.३९ | १,५५२,८६२ | १२.४७ | १,३९६,४९४ | १०.६१ | १,३३७,६०१ | ६९.६२ |
| **जम्मा** | **७,४०९,४९१** | **१००** | **७,८४६,४८१** | **१००** | **१२,४५५,३०५** | **१००** | **१३,१६०,५३९** | **१००** | **१४,३१५,८३२** | **१००** |
| सांकेतीकरण नगरिएको | ३,५०३,७७१ | - | ३,९४५,९१७ | - | ३,८७२,९८७ | - | ४,७७०,४६१ | - | ५,६६२,१६८ | - |
| **कुल जम्मा** | **१०,९१३,२६२** | **-** | **११,७९२,३९८** | **-** | **१६,३२८,२९२** | **-** | **१७,९३१,०००** | **-** | **१९,९७८,०००** | **-** |

पहिलो प्राथमिकताका कार्यक्रम वा आयोजनाका लागि बजेट विनियोजनको अंश आगामी आ.व. २०७८/७९ मा ८८ प्रतिशत रहेको छ। विनियोजन दक्षता र पुनःप्राथमिकताका आधारमा दोस्रो र तेस्रो वर्षमा थप वृद्धि हुने आंकलन छ।

## इ. दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा बाँडफाँट

दिगो विकास लक्ष्य बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.८ मा प्रस्तुत गरिएको छ। यसरी वर्गीकरण गर्दा कार्यक्रम/आयोजना तथा प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गर्ने वित्तीय समानीकरण अनुदान, सशर्त अनुदान, समपूरक अनुदान र विशेष अनुदान विभिन्न प्रकृतिका हुने र सोको जानकारी प्राप्त नहुने एवम् सार्वजनिक ऋणको साँबा व्याज भुक्तानी लगानी नभएकाले दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा सांकेतीकरण गर्दा समावेश गरिएको छैन।

**तालिका २.८ दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण**

(रू. लाखमा)

| संकेत नं | दिगो विकास लक्ष्य | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | | आ.व. २०७८/७९ को व्यय अनुमान | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| १ | गरिबीको अन्त्य | १,२१४,८२४ | १८.४८ | १,२४०,९७४ | १७.९९ | १,७३६,९०७ | १५.५४ | १,८२१,३१८ | १५.६६ | १,९१३,२८२ | १५.४६ |
| २ | शून्य भोकमरी | ३९२,२८४ | ५.९७ | ४४१,१८० | ६.४० | ७०७,८४६ | ६.३३ | ८०१,०६८ | ६.८९ | ८६८,३५० | ७.०१ |
| ३ | स्वस्थ जीवन | ३८४,८८५ | ५.८६ | ४७३,२२७ | ६.८६ | १,१०७,८६८ | ९.९१ | ८४०,३९२ | ७.२३ | ८९८,७५७ | ७.२६ |
| ४ | गुणस्तरीय शिक्षा | ४३४,६९० | ६.६१ | ३७३,३८८ | ५.४१ | ५९४,४३० | ५.३२ | ७०५,५५८ | ६.०७ | ७५९,६२० | ६.१४ |
| ५ | लैङ्गिक समानता | १७,१७१ | ०.२६ | २५,००५ | ०.३६ | ४२,००४ | ०.३८ | ४५,७७८ | ०.३९ | ५१,३७९ | ०.४२ |
| ६ | स्वच्छ पानी तथा सरसफाइ | १६५,०७३ | २.५१ | १८८,५३९ | २.७३ | ३५०,८२९ | ३.१४ | ४८९,५८४ | ४.२१ | ५२४,२२५ | ४.२३ |
| ७ | आधुनिक ऊर्जामा पहुँच | ४४४,२९७ | ६.७६ | २५०,१०६ | ३.६३ | ६५२,७२६ | ५.८४ | ८९०,५२८ | ७.६६ | १,००५,२७३ | ८.१२ |
| ८ | समावेशी आर्थिक वृद्धि तथा मर्यादित काम | ८४,७९७ | १.२९ | ८२,९७० | १.२० | २३३,४२६ | २.०९ | २३८,८८२ | २.०५ | २५४,६५२ | २.०६ |
| ९ | उद्योग, नवीन खोज र पूर्वाधार | १,०२७,२९५ | १५.६३ | १,२२३,५३५ | १७.७४ | २,२३४,५४२ | १९.९९ | २,६३९,९३९ | २२.७० | २,८१९,७०० | २२.७८ |
| १० | असमानता न्यूनीकरण | २,६२७ | ०.०४ | ४,४४६ | ०.०६ | १८,३५२ | ०.१६ | १४,३२८ | ०.१२ | १४,४५६ | ०.१२ |
| ११ | दिगो शहर र बस्ती | ८१५,६५५ | १२.४१ | ८६१,४६१ | १२.४९ | १,३५६,०१७ | १२.१३ | ९०१,५४० | ७.७५ | ९१६,८०७ | ७.४१ |

| संकेत नं | दिगो विकास लक्ष्य | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | | आ.व. २०७८/७९ को व्यय अनुमान | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| १२ | दिगो उपभोग तथा उत्पादन | २७,३७३ | ०.४२ | ६०,८६० | ०.८८ | २५९,००५ | २.३२ | २६१,५४५ | २.२५ | २८०,७६८ | २.२७ |
| १३ | जलवायु परिवर्तन अनुकुलन | २५,५५७ | ०.३९ | ३१,६८९ | ०.४६ | ६१,३५० | ०.५५ | ४१,४८२ | ०.३६ | ४६,३७२ | ०.३७ |
| १४ | सामुद्रिक स्रोतको उपयोग | | - | | | | | | | | |
| १५ | भू सतह स्रोतको उपयोग | ११४,१७४ | १.७४ | १०८,३३६ | १.५७ | १२९,८८५ | १.१६ | १४०,७९३ | १.२१ | १५६,२४० | १.२६ |
| १६ | शान्ति, न्याय र सबल संस्था | १,३७३,९४९ | २०.९० | १,४५४,५४५ | २१.०९ | १,५८७,९४० | १४.२१ | १,६८८,१०७ | १४.५१ | १,७६२,४४७ | १४.२४ |
| १७ | दिगो विकासका लागि साझेदारी | ४८,८६७ | ०.७४ | ७६,५०७ | १.११ | १०३,९६८ | ०.९३ | ११०,६५९ | ०.९५ | १०६,८५३ | ०.८६ |
| | **जम्मा** | ६,५७३,५१८ | १०० | ६,८९६,७६८ | १०० | ११,१७७,०९५ | १०० | ११,६३१,५०१ | १०० | १२,३७९,१८१ | १०० |
| | सांकेतीकरण नगरिएको | ४,३३९,७४४ | - | ४,८९५,६३० | - | ५,१५१,१९७ | - | ६,२९९,४९९ | - | ७,५९८,८१९ | - |
| **कुल जम्मा** | | **१०,९१३,३३१** | - | ११,७९२,३९८ | - | १६,३२८,२९२ | - | १७,९३१,००० | - | १९,९७८,००० | - |

आ.व. २०७७/७८ मा सबैभन्दा ठूलो हिस्सा क्रमशः शान्ति र सुशासन (लक्ष्य नं १६), उद्योग, नवीन खोज र पूर्वाधार (लक्ष्य नं ९) र गरिबीको अन्त्य (लक्ष्य नं १) मा रहेकोमा आगामी ३ वर्षको अवधिमा क्रमशः उद्योग, नवीन खोज र पूर्वाधार (लक्ष्य नं ९), गरिबीको अन्त्य (लक्ष्य नं १) र शान्ति तथा सुशासन (लक्ष्य नं १६) को हिस्सा ठूलो रहने अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ। त्यसैगरी लैंगिक समानता (लक्ष्य नं ५), जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (लक्ष्य नं १३) र दिगो विकासका लागि साझेदारी (लक्ष्य नं १७) मा लगानी वृद्धि गर्नुपर्ने चुनौती रहेको छ।

### ई. लैंगिक संकेतको आधारमा बाँडफाँट

लैंगिक संकेत बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.९ मा प्रस्तुत गरिएको छ। यसरी वर्गीकरण गर्दा नयाँ कार्यक्रम/आयोजना तथा प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गर्ने वित्तीय समानीकरण अनुदान, सशर्त अनुदान, समपूरक अनुदान र विशेष अनुदान विभिन्न प्रकृतिका हुने र सोको जानकारी हाल प्राप्त नहुने हुँदा रुपमा लैंगिक संकेतका आधारमा सांकेतीकरण गर्दा समावेश गरिएको छैन।

**तालिका २.९: लैंगिक संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण**

(रू. लाखमा)

| संकेत नं. | लैंगिक संकेत | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | | आ.व. २०७८/७९ को व्यय अनुमान | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| १ | प्रत्यक्ष लाभ | २,०९८,४२३ | २८.३२ | १,६४४,५२३ | २०.९६ | ३,०५९,८८० | २४.५७ | २,९८०,९९५ | २२.६५ | ३,१७६,९२७ | २२.१९ |
| २ | अप्रत्यक्ष लाभ | २,९८८,०७२ | ४०.३३ | ३,०६४,८४४ | ३९.०६ | ५,१६६,०९१ | ४१.४८ | ५,७६१,५१० | ४३.७८ | ६,०८८,०८८ | ४२.५३ |
| ३ | तटस्थ | २,३२२,९९६ | ३१.३५ | ३,१३७,११४ | ३९.९८ | ४,२२९,३३४ | ३३.९६ | ४,४१८,०३४ | ३३.५७ | ५,०५०,८१७ | ३५.२८ |
| | **जम्मा** | **७,४०९,४९१** | **१००** | **७,८४६,४८१** | **१००** | **१२,४५५,३०५** | **१००** | **१३,१६०,५३९** | **१००** | **१४,३१५,८३२** | **१००** |
| | सांकेतीकरण नगरिएको | ३,५०३,७७१ | - | ३,९४५,९१७ | - | ३,८७२,९८७ | - | ४,७७०,४६१ | - | ५,६६२,१६८ | - |
| **कुल जम्मा** | | **१०,९१३,३३१** | **-** | **११,७९२,३९८** | **-** | **१६,३२८,२९२** | **-** | **१७,९३१,०००** | **-** | **१९,९७८,०००** | **-** |

आ.व. २०७७/७८ को तुलनामा आगामी तीन वर्षमा लैंगिक समानता तथा सशक्तीकरणमा प्रत्यक्ष लाभ पुऱ्याउने प्रकृतिका कार्यक्रममा बजेट विनियोजनको हिस्सा उल्लेख्य वृद्धि भएको र अप्रत्यक्ष लाभ पुऱ्याउने प्रकृतिका कार्यक्रममा बजेट विनियोजन समेत वृद्धि भई तटस्थ कार्यक्रममा बजेटको हिस्सामा उल्लेख्य कमी आएको छ। सांकेतीकरण नगरिएको बजेट तथा खर्चको हिस्सामा बढी रहेको एवम् पूर्वाधार निर्माण सम्बन्धी कार्यक्रमले अप्रत्यक्ष लाभ पुऱ्याउने भएकाले सो हिस्सामा वृद्धि भएको हो।

### उ. जलवायु संकेतको आधारमा बाँडफाँट

जलवायु संकेत बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.१० मा प्रस्तुत गरिएको छ। यसरी वर्गीकरण गर्दा नयाँ कार्यक्रम/आयोजना तथा प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गर्ने वित्तीय समानीकरण अनुदान, सशर्त अनुदान, समपूरक अनुदान र विशेष अनुदान विभिन्न प्रकृतिका हुने र सोको जानकारी हाल नहुने हुँदा जलवायु संकेतका आधारमा सांकेतीकरण गर्दा समावेश गरिएको छैन।

**तालिका २.१०: जलवायु संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण**

(रू. लाखमा)

| संकेत नं. | जलवायु परिवर्तन संकेत | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | | आ.व. २०७८/७९ को व्यय अनुमान | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| १ | प्रत्यक्ष | ३२७,४६४ | ४.४२ | ३१६,८३० | ४.०४ | ७८०,३४३ | ६.२७ | ९५९,५६७ | ७.२९ | १,०७३,१८० | ७.५० |
| २ | अप्रत्यक्ष | १,३१७,६८८ | १७.७८ | १,४२९,१५२ | १८.२१ | २,६१०,७२० | २०.९६ | २,८४५,६६४ | २१.६२ | २,९४५,२९० | २०.५७ |
| ३ | तटस्थ | ५,७६४,३३९ | ७७.८० | ६,१००,४९९ | ७७.७५ | ९,०६४,२४२ | ७२.७७ | ९,३५५,३०८ | ७१.०९ | १०,२९७,३६२ | ७१.९३ |
| | **जम्मा** | **७,४०९,४९१** | **१००** | **७,८४६,४८१** | **१००** | **१२,४५५,३०५** | **१००** | **१३,१६०,५३९** | **१००** | **१४,३१५,८३२** | **१००** |
| | सांकेतीकरण नगरिएको | ३,५०३,७७१ | - | ३,९४५,९१७ | - | ३,८७२,९८७ | - | ४,७७०,४६१ | - | ५,६६२,१६८ | - |
| **कुल जम्मा** | | **१०,९१३,२६२** | - | **११,७९२,३९८** | - | **१६,३२८,२९२** | - | **१७,९३१,०००** | - | **१९,९७८,०००** | - |

आ.व. २०७७/७८ को तुलनामा जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरणमा अप्रत्यक्ष लाभ पुऱ्याउने प्रकृतिका कार्यक्रममा बजेट विनियोजनको हिस्सा उल्लेख्य वृद्धि, प्रत्यक्ष लाभ पुऱ्याउने प्रकृतिका कार्यक्रममा बजेट विनियोजनको हिस्सामा सामान्य वृद्धि भएको र तटस्थ कार्यक्रममा बजेटको हिस्सामा कमी आएको छ। सांकेतीकरण नगरिएको बजेट तथा खर्चको हिस्सामा बढी रहेको एवम् पूर्वाधार निर्माण सम्बन्धी कार्यक्रमले अप्रत्यक्ष रूपमा लाभ पुऱ्याउने भएकाले सो हिस्सामा वृद्धि भएको हो।

## ऊ. राष्ट्रिय गौरवका आयोजना

सरकारले आ.व. २०६८/६९ देखि मुलुकको आर्थिक-सामाजिक विकासमा महत्वपूर्ण योगदान पुऱ्याउने ठूला पूर्वाधार निर्माण र संस्कृति एवम् वातावरण संरक्षण सम्बन्धी रणनीतिक महत्वका आयोजनालाई राष्ट्रिय गौरवका आयोजनाको रूपमा कार्यान्वयनमा ल्याएको छ। राष्ट्रिय गौरवका आयोजनाको लागि आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन र पछिल्लो दुई वर्षको प्रक्षेपण तालिका २.११ मा प्रस्तुत गरिएको छ। यी आयोजनाको लागि आ.व. २०७८/७९ मा रू. ७९ अर्ब ९ करोड ७४ लाख विनियोजन भएको तथा आ.व. २०७९/८० मा रू. १ खर्ब ६ अर्ब ९८ करोड ९४ लाख र आ.व. २०८०/८१ मा रू. १ खर्ब २१ अर्ब २३ करोड ७३ लाख प्रक्षेपण गरिएको छ।

## तालिका २.११: राष्ट्रिय गौरवका आयोजनाको मध्यमकालीन बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | २०७६/७७ को यथार्थ | २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | २०७८/७९ को अनुमान | २०७९/८० को प्रक्षेपण | २०८०/८१ को प्रक्षेपण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ३३७००१०१ | काठमांडौ-तराई मधेश फाष्ट ट्र्याक | १९,६५० | ८७,३११ | ८९,२७९ | १५१,३२९ | २०१,३७५ |
| २ | ३३७०१११४ | पुष्पलाल राजमार्ग(मध्य पहाडी राजमार्ग) | ६३,१३७ | ७२,८३४ | ८१,३३३ | ९३,४३० | १०७,३२५ |
| ३ | ३३७०१११८ | उत्तर दक्षिण राजमार्ग(कर्णाली, कालीगण्डकी र कोशी) | २५,०७९ | २४,७१० | ४१,२५८ | ५४,०८९ | ६४,०१० |
| ४ | ३३७०११२८ | हुलाकी राजमार्ग (पुलहरु समेत) | ७९,३२१ | १०२,०१५ | ६३,९४२ | ७०,५१४ | ७७,५१० |
| ५ | ३३७०२१०१ | रेल, मेट्रो रेल तथा मोनो रेल विकास आयोजना | ५६,३५४ | ४६,१७३ | ६५,३२५ | १०२,५३२ | ११२,७७० |
| ६ | ३०८००१०१ | बुढी गण्डकी जलविद्युत आयोजना | ५८,१६५ | १६,५६९ | ७९,९५८ | ९६,१३८ | ११५,३६६ |
| ७ | ५०१०८११० | माथिल्लो तामाकोशी जलविद्युत आयोजना (४५६ मे. वा.) | १०,००० | १०,००० | - | - | - |
| ८ | ३०५००१०८ | मिलिनियम च्यालेन्ज एकाउण्ट नेपाल | १२,४११ | २३,३१४ | ९१,०२३ | ११७,७७८ | १३३,५७० |
| ९ | ३०८०३११२ | बबई सिंचाइ आयोजना | ८,३५२ | १४,३२३ | १३,४३९ | २५,३७० | ३०,४०० |
| १० | ३०८०३११३ | महाकाली सिंचाइ आयोजना (कन्चनपुर) | ५,७०३ | ८,६४० | ११,९८४ | ३४,९८२ | ५३,३४० |
| ११ | ३०८०३११६ | सिक्टा सिंचाइ आयोजना | १०,५३३ | १०,८०६ | १५,५८३ | २०,४०० | २२,४५० |
| १२ | ३०८०३११९ | रानी जमरा कुलरिया सिंचाइ आयोजना ( प्रणाली आधुनिकीकरण समेत) | १५,९५९ | १२,५२५ | २३,५१२ | २५,५९१ | २९,१४५ |
| १३ | ३०८०३१२० | भेरी - ववई डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजना | २०,९४९ | १२,१३९ | ३०,६८३ | ४०,३२० | २०,३२० |
| १४ | ३१३००१०१ | मेलम्ची खानेपानी आयोजना | १८,२५५ | १६,२१६ | १७,६५४ | ८०,९९१ | १००,७९२ |
| | ३१३००१०२ | काठमाण्डौं उपत्यका थोक खानेपानी प्रशारण | - | - | ८,३५७ | ४०,००० | ४०,००० |

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | २०७६/७७ को यथार्थ | २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | २०७८/७९ को अनुमान | २०७९/८० को प्रक्षेपण | २०८०/८१ को प्रक्षेपण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | आयोजना (दोश्रो) | | | | | |
| १५ | ३२५५१०११ | पशुपति क्षेत्र विकास कोष | २,३१५ | ६,५४९ | ३,५०० | ३,७१० | ३,९३३ |
| १६ | ३२५५१०१२ | लुम्बिनी विकास कोष | ७,५०० | ७,०३८ | १५,००० | १०,६०० | ११,२३६ |
| १७ | ५०१२५१०३ | दक्षिण एशिया पर्यटन पुर्वाधार विकास आयोजना | १६,०२२ | १७,१११ | ३५,२८० | ५,००० | - |
| १८ | ५०१२५१०४ | पोखरा क्षेत्रीय अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल | ४५,३५५ | ३०,७२९ | ८५,००० | १०,००० | - |
| १९ | ५०१२५१०५ | दोस्रो अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निजगढ, बारा | ५०० | ५,००० | ३,६०० | ७०,००० | ७०,००० |
| २० | ३२९००१०४ | राष्ट्रपति चुरे संरक्षण कार्यक्रम | १४,१४८ | १६,०७९ | १५,२६४ | १७,१२० | १८,८३१ |
| | | **जम्मा** | **४८९,७०८** | **५४०,०८१** | **७९०,९७४** | **१,०६९,८९४** | **१,२१२,३७३** |

**ए. रूपान्तरणकारी आयोजना**

कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान, विषयगत क्षेत्रगत उपलव्धिमा योगदान, रोजगारी सिर्जना, बृहत लाभान्वित जनसंख्या एवम् विषय क्षेत्रगत र प्रादेशिक सन्तुलन कायम गर्ने आधारमा स्थानीय तहदेखि नै सवल अर्थतन्त्रको आधार सिर्जना गर्न र प्रादेशिक सन्तुलन कायम गर्दै उच्च आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्न बृहत् प्रभावी र विशिष्ट प्रकृतिका आयोजनालाई रूपान्तरणकारी आयोजनाको रूपमा छनोट गरी पन्ध्रौं योजनामा उल्लेख गरिएको छ। रूपान्तरणकारी आयोजनाका लागि आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन र पछिल्लो दुई वर्षको प्रक्षेपण तालिका २.१२ मा प्रस्तुत गरिएको छ। यी आयोजनाको लागि आ.व. २०७८/७९ मा रू. ७१ अर्ब ४० करोड ८८ लाख विनियोजन भएको तथा आ.व. २०७९/८० मा रू. १ खर्ब ४ अर्ब २ करोड २० लाख र आ.व. २०८०/८१ मा रू. १ खर्ब १४ अर्ब २५ करोड ५७ लाख प्रक्षेपण गरिएको छ।

**तालिका २.१२: रूपान्तरणकारी आयोजनाको मध्यमकालीन बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण**

**(रू. लाखमा)**

| क्र. सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | २०७६/७७ को यथार्थ | २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | २०७८/७९ को अनुमान | २०७९/८० को प्रक्षेपण | २०८०/८१ को प्रक्षेपण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ३१२००१०६ | प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना | २०,३७४ | २४,२४० | ३०,३१९ | ३७,६९० | ४३,५२० |
| २ | ३०८०३१२४ | सुनकोशी मरिन डाईभर्सन बहुउद्देशिय आयोजना | २,४७१ | १२,४५४ | २३,६१० | ४०,१९० | ७०,३०० |
| ३ | ३२९००१०५ | सम्वृद्धिका लागि वन | - | ३५९ | १,०३२ | १,२१० | १,३३१ |
| ४ | ३३६००१०३ | जग्गा प्रशासन सुदृढीकरण तथा अनौपचारिक | ६० | २,०६५ | ६,५७४ | २,७३८ | ३,०१२ |

| क्र. सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | २०७६/७७ को यथार्थ | २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | २०७८/७९ को अनुमान | २०७९/८० को प्रक्षेपण | २०८०/८१ को प्रक्षेपण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | भूसम्बन्ध व्यवस्थापन कार्यक्रम | | | | | |
| ५ | ३०७००१०१ | औद्योगिक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम (विशेष आर्थिक क्षेत्र समेत) | ७,३५४ | ८,७०२ | २७,७४४ | २९,१५४ | ३६,४०८ |
| ६ | ३५०००१०९ | राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यक्रम | - | - | ८८,७७१ | ११०,००० | १२०,००० |
| ७ | ३७०००११६ | एकिकृत स्वास्थ्य पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | ३९,२४४ | ६०,४२४ | १२८,२६५ | १६८,७४५ | १७४,५५६ |
| ८ | ३४०००१०५ | राष्ट्रपति महिला सशक्तिकरण परियोजना | ७३२ | ३८५ | २,३५६ | २,७५० | ३,०२५ |
| ९ | ३३७०११०९ | गल्छी-त्रिशुली-मैलुङ्ग-स्याफ्रुवेशी-रसुवागढी सडक आयोजना | ८,७७७ | २०,४४७ | १६,२१७ | १८,६३८ | २०,४९४ |
| १० | | पूर्व पश्चिम राजमार्ग स्तरोन्नति आयोजना | ११० | १२,९२६ | ११८,७७६ | १८७,६१३ | १६८,४१५ |
| | ३३७०११४५ | सासेक राजमार्ग सुधार आयोजना | ११० | १२,८५१ | ४२,४०१ | ६८,६४४ | ७५,४९२ |
| | ३३७०११६७ | क्षेत्रीय ब्यापारिक मार्ग विस्तार आयोजना | - | ७५ | ६६,००० | १०६,००० | ७७,३६० |
| | ३३७०११७१ | काकरभिट्टा इनरुवा, पथलैया नारायणघाट खण्ड | - | - | १०,३७५ | १२,९६९ | १५,५६३ |
| ११ | ३४७०१११० | नयाँ सहर आयोजना | १४,९७० | १६,१२५ | ३०,५८९ | ४२,५९१ | ४७,०६४ |
| १२ | ३४७०१११८ | शहरी कोरिडोर आयोजना | - | २३ | १,०६८ | १,४९० | १,६६८ |
| १३ | ३६५०१११२ | प्रादेशिक तथा स्थानीय सडक सुधार कार्यक्रम | - | ७१४ | २७,८७० | १४२,५६९ | १५२,८७८ |
| १४ | ५०१०८१०१ | १३२ के.भी. तथा अन्य प्रसारण लाईन विस्तार | १६६,९७० | ५९,२६० | १७८,६०० | २०९,८९२ | २५१,८७० |
| १५ | ५०१०८१२२ | अपर अरुण जलविद्युत आयोजना कम्पनी लिमिटेड | ५,००० | २,००० | ५,१३२ | ६,१५८ | ७,३९० |
| १६ | ३१४०१०११ | राष्ट्रिय परिचयपत्र तथा पञ्जीकरण विभाग | २०,०९२ | ७,३४४ | २७,१६५ | ३८,७९२ | ४०,६२६ |
| | | **जम्मा** | **२८६,१५४** | **२२७,४६८** | **७१४,०८८** | **१,०४०,२२०** | **१,१४२,५५७** |

## ऐ. अन्तरसरकारी वित्तीय हस्तान्तरणको अनुमान र प्रक्षेपण

प्रदेश र स्थानीय तहमा हस्तान्तरण हुने तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.१३ र २.१४ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

**तालिका २.१३: प्रदेश तथा स्थानीय तहमा हुने वित्तीय हस्तान्तरणको तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण**

**(रू. लाखमा)**

| अनुमान तथा प्रक्षेपण | राजस्व | वित्तीय समानीकरण अनुदान | सशर्त अनुदान | समपूरक अनुदान | विशेष अनुदान | कुल हस्तान्तरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | १,००१,८६७ | १,४५१,३१३ | १,८९१,६८१ | ८२,६१६ | ७८,१६१ | ४,५०५,६३८ |
| आ.व. २०७७/७८ को संशोधित | १,११३,१०५ | १,४५१,६८३ | २,३०१,३५३ | १०३,३८९ | ८९,४९२ | ५,०५९,०२२ |
| आ.व. २०७८/७९ को अनुमान | १,२९७,७९८ | १,५२५,१२६ | २,०९९,५३१ | १२३,७२९ | १२४,६०१ | ५,१७०,७८५ |
| आ.व. २०७९/८० को प्रक्षेपण | १,४६४,५७७ | १,५७८,५०५ | २,२०९,००० | १४५,००० | १४५,००० | ५,५४२,०८२ |
| आ.व. २०८०/८१ को प्रक्षेपण | १,६९१,५८६ | १,६३३,७५२ | २,३३८,२९२ | १५१,००० | १५२,००० | ५,९६६,६३० |

**तालिका २.१४: प्रदेश तथा स्थानीय तहमा हुने वित्तीय हस्तान्तरणको तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण**

**(रू. लाखमा)**

| प्रदेश तथा स्थानीय तह | राजस्व | वित्तीय समानीकरण अनुदान | सशर्त अनुदान | समपूरक अनुदान | विशेष अनुदान | कुल हस्तान्तरण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **प्रदेश** | | | | | | |
| आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | ५००,९३४ | ५५२,९८६ | ४३९,३२० | ४२,२८४ | ३९,५०३ | १,५७५,०२७ |
| आ.व. २०७७/७८ को संशोधित | ५५६,५५३ | ५५१,९५० | ४६८,५४४ | ५१,८३७ | ३१,१५० | १,६६०,०३४ |
| आ.व. २०७८/७९ को अनुमान | ६४८,८९९ | ५७९,५४८ | ३६३,३३६ | ५७,२४६ | ४१,५०० | १,६९०,५२९ |
| आ.व. २०७९/८० को प्रक्षेपण | ७३२,२८८ | ५९९,८३२ | ३७९,००० | ७०,००० | ६०,००० | १,८४१,१२० |
| आ.व. २०८०/८१ को प्रक्षेपण | ८४५,७९३ | ६२०,८२६ | ४०३,२९२ | ७२,५०० | ६३,००० | २,००५,४११ |
| **स्थानीय तह** | | | | | | |
| आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | ५००,९३४ | ८९८,३२७ | १,४५२,३६१ | ४०,३३२ | ३८,६५८ | २,९३०,६१२ |
| आ.व. २०७७/७८ को संशोधित | ५५६,५५३ | ८९९,७३३ | १,८३२,८०९ | ५१,५५२ | ५८,३४२ | ३,३९८,९८९ |
| आ.व. २०७८/७९ को अनुमान | ६४८,८९९ | ९४५,५७८ | १,७३६,१९५ | ६६,४८३ | ८३,१०१ | ३,४८०,२५६ |
| आ.व. २०७९/८० को प्रक्षेपण | ७३२,२८८ | ९७८,६७३ | १,८३०,००० | ७५,००० | ८५,००० | ३,७००,९६१ |
| आ.व. २०८०/८१ को प्रक्षेपण | ८४५,७९३ | १,०१२,९२६ | १,९३५,००० | ७८,५०० | ८९,००० | ३,९६१,२१९ |

आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन र पछिल्लो दुई वर्षको प्रक्षेपण, विषय क्षेत्रगत नतिजा, विषय क्षेत्रगत कार्यक्रम तथा आयोजनाको विवरण, अपेक्षित उपलब्धि र विषय क्षेत्रगत अनुमानित बजेट परिच्छेद ४ देखि ९ सम्म प्रस्तुत गरिएको छ। यसैगरी कार्यक्रम तथा आयोजनागत बजेट, प्राथमिकीकरण र संकेत तथा स्रोत अनुसूची ४ देखि १० र प्रति एकाइ लागत अनुमान अनुसूची ११ तथा आयोजना प्राथमिकीकरणका आधार अनुसूची १२ र १३ मा समावेश गरिएको छ।

# परिच्छेद ३

# आर्थिक वर्ष २०७८/७९ को विकास कार्यक्रम तथा बजेट

## ३.१ पृष्ठभूमि

वार्षिक बजेटमा विकास कार्यक्रम/आयोजनाको विवरण समावेश गरी विगतमा बेग्लै दस्तावेजको रूपमा *वार्षिक विकास कार्यक्रम* प्रकाशन हुँदै आएको थियो। मध्यमकालीन खर्च संरचनामा तीन आर्थिक वर्षको समष्टिगत आर्थिक खाका, नतिजा खाका र बजेट खाका समावेश हुने हुँदा आगामी आर्थिक वर्ष सञ्चालन हुने विकास कार्यक्रम/आयोजनालाई पनि यसमा समावेश गर्नु उपयुक्त हुने भएकाले पहिलो पटक मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अभिन्न अंगको रूपमा वार्षिक विकास कार्यक्रम समावेश गरिएको छ। यसबाट मध्यमकालीन खर्च संरचना थप प्रभावकारी हुने अपेक्षा छ।

## ३.२ आर्थिक वर्ष २०७८/७९ को विकास कार्यक्रम बजेटको बाँडफाँट

आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने विकास आयोजना र कार्यक्रमको बजेट रकमको बाँडफाँट देहायका तालिकामा दिइएको छ।

### (क) साधारण, विकास तथा प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गरिएको अनुदानको रकमको आधारमा विनियोजित बजेट

आ.व. २०७८/७९ को लागि प्रस्तावित बजेटको साधारण, विकास तथा प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गरिएको अनुदानको वर्गीकरण अनुसारको विनियोजित रकम देहायको तालिका ३.१ र मन्त्रालयगत/निकायगत विवरण अनुसूची ३.१ मा उल्लेख गरिएको छ।

**तालिका ३.१ साधारण तथा विकास बजेट र प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गरिएको अनुदान रकम**

(रकम रू. लाखमा)

| क्र. सं. | खर्च | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | | २०७८/७९ को विनियोजन | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत | रकम | प्रतिशत |
| १ | साधारण | ४२००२८९ | ३८.५ | ४३८४८२२ | ३७.२ | ६०७००८३ | ३७.२ |
| २ | विकास कार्यक्रम | ३२०९२०२ | २९.४ | ३४६१६५९ | २९.४ | ६३८५२२२ | ३९.१ |
| ३ | प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गरिएको अनुदान | ३५०३९९१ | ३२.१ | ३९४६३२८ | ३३.५ | ३८७२९८७ | २३.७ |
| | **जम्मा** | **१०९१३४८२** | **१००** | **११७९२८०९** | **१००** | **१६३२८२९२** | **१००** |

### (ख) खर्चका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

आ.व. २०७८/७९ को लागि प्रस्तावित बजेटको चालु खर्च, पुँजीगत खर्च र वित्तीय व्यवस्थाको विनियोजित बजेट विवरण तालिका ३.२ मा उल्लेख गरिएको छ। विकास कार्यक्रममा साधारण खर्च तथा प्रदेश र स्थानीय तहलाई प्रदान गरिएको वित्तीय समानीकरण र सशर्त अनुदान समावेश गरिएको छैन। विकास कार्यक्रमको विषय क्षेत्रगत विवरण अनुसूची ३.२ तथा

रणनीतिक स्तम्भ, लैंगिक संकेत, दिगो विकास लक्ष्य संकेत र जलवायु संकेतका आधारमा विस्तृत विवरण अनुसूची ३.३ देखि ३.७ सम्म प्रस्तुत गरिएको छ।

### तालिका ३.२ चालु, पुँजीगत र वित्तीय व्यवस्थाको आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | खर्च | बजेट | |
|---|---|---|---|
| | | रकम | प्रतिशत |
| १ | चालु खर्च | १,९५९,१९८ | ३०.७ |
| २ | पुँजीगत खर्च | ३,३६४,९१४ | ५२.७ |
| ३ | वित्तीय व्यवस्था | १,०६१,११० | १६.६ |
| | **जम्मा** | **६,३८५,२२२** | **१००.०** |

### (ग) रणनीतिक स्तम्भका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

पन्ध्रौं योजनाका रणनीतिक स्तम्भको आधारमा विनियोजित बजेटको विवरण तालिका ३.३ मा उल्लेख गरिएको छ। सोको विषय क्षेत्रगत आधारमा विनियोजित बजेटको विस्तृत विवरण अनुसूची ३.३ मा उल्लेख गरिएको छ। रणनीतिक संकेत निर्धारण गर्दा प्रदेश र स्थानीय तहमा प्रदान गरिएको समपूरक अनुदान तथा विशेष अनुदानलाई समावेश गरिएको छैन।

### तालिका ३.३ रणनीतिक स्तम्भका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

(रकम रू. लाखमा)

| रणनीतिक स्तम्भ | रणनीति | कार्यक्रम/ आयोजना संख्या | बजेट | |
|---|---|---|---|---|
| | | | रकम | प्रतिशत |
| १ | तीव्र, दिगो र रोजगारमूलक आर्थिक वृद्धि | ३४ | ९४५,७४० | १४.८ |
| २ | सुलभ तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा र शिक्षाको सुनिश्चितता | ६९ | १,४८०,०६१ | २३.२ |
| ३ | आन्तरिक तथा अन्तरदेशीय अन्तरआबद्धता एवम् दिगो शहर/बस्ती विकास | ८७ | २,२४०,१३४ | ३५.१ |
| ४ | उत्पादन र उत्पादकत्त्व अभिवृद्धि | ६९ | ६२०,६६६ | ९.७ |
| ५ | पूर्ण, दिगो र उत्पादनशील सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण प्रदान | ५ | १२९,८७४ | २.० |
| ६ | गरिबी निवारण र आर्थिक सामाजिक समानता सहितको न्यायपूर्ण समाज निर्माण | १४ | ३२,३३० | ०.५ |
| ७ | प्राकृतिक स्रोतको संरक्षण र परिचालन तथा उत्थानशीलताको विकास | २९ | ७४७,७८१ | ११.७ |

| रणनीतिक स्तम्भ | रणनीति | कार्यक्रम/ आयोजना संख्या | बजेट | |
|---|---|---|---|---|
| | | | रकम | प्रतिशत |
| ८ | संघीय शासन प्रणालीको सुदृढीकरण र सार्वजनिक सेवाको प्रभावकारिता अभिवृद्धि | २५ | १८८,६३६ | ३.० |
| | **जम्मा** | **३३२** | **६,३८५,२२२** | **१००.०** |

## (घ) प्राथमिकता क्रमका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

प्राथमिकताको आधारमा गरिएको विनियोजित बजेट तालिका ३.४ मा उल्लेख गरिएको छ। सोको विषय क्षेत्रगत आधारमा विनियोजित बजेटको विस्तृत विवरण अनुसूची ३.४ मा उल्लेख गरिएको छ।

### तालिका ३.४ प्राथमिकता क्रमका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

**(रकम रू. लाखमा)**

| क्र.सं. | प्राथमिकता क्रम संकेत | कार्यक्रम/आयोजना संख्या | बजेट | |
|---|---|---|---|---|
| | | | रकम | प्रतिशत |
| १ | पहिलो ($P_1$) | २६८ | ५,७३०,५८१ | ८९.७ |
| २ | दोस्रो ($P_2$) | ६४ | ६५४,६४१ | १०.३ |
| | **जम्मा** | **३३२** | **६,३८५,२२२** | **१००.०** |

## (ङ) दिगो विकास लक्ष्य संकेतका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

दिगो विकास लक्ष्य संकेतका आधारमा भएको विनियोजित बजेट तालिका ३.५ मा दिइएको छ। सोको विषय क्षेत्रगत आधारमा विनियोजित बजेटको विस्तृत विवरण अनुसूची ३.५ मा उल्लेख गरिएको छ।

### तालिका ३.५ दिगो विकास लक्ष्य संकेतका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

**(रकम रू. लाखमा)**

| संकेत नं | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | कार्यक्रम/आयोजना संख्या | बजेट | |
|---|---|---|---|---|
| | | | रकम | प्रतिशत |
| १ | गरिबीको अन्त्य | २० | १२९,२९० | २.०२ |
| २ | शून्य भोकमरी | ५५ | ६३६,०६८ | ९.९६ |
| ३ | स्वस्थ जीवन | ३२ | ९३९,०७२ | १४.७१ |
| ४ | गुणस्तरीय शिक्षा | ८ | १५१,५९१ | २.३७ |
| ५ | लैङ्गिक समानता | ४ | ३९,९४२ | ०.६३ |

| संकेत नं | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | कार्यक्रम/आयोजना संख्या | बजेट | |
|---|---|---|---|---|
| | | | रकम | प्रतिशत |
| ६ | स्वच्छ पानी तथा सरसफाइ | २२ | ३४२,३८५ | ५.३६ |
| ७ | आधुनिक ऊर्जामा पहुँच | ३३ | ६४६,९६१ | १०.१३ |
| ८ | समावेशी आर्थिक वृद्धि तथा मर्यादित काम | १० | ११०,०८५ | १.७२ |
| ९ | उद्योग, नवीन खोज र पूर्वाधार | ७५ | २,११०,४९१ | ३३.०५ |
| १० | असमानता न्यूनीकरण | ५ | १७००३ | ०.२७ |
| ११ | दिगो शहर र बस्ती | २८ | ७८२,७६८ | १२.२६ |
| १२ | दिगो उपभोग तथा उत्पादन | २ | २५७,७६० | ४.०४ |
| १३ | जलवायु परिवर्तन अनुकूलन | १२ | ४९,८३१ | ०.७८ |
| १४ | सामुद्रिक स्रोतको उपयोग | | | - |
| १५ | भू-सतह स्रोतको उपयोग | १० | ७५,१८० | १.१८ |
| १६ | शान्ति, न्याय र सबल संस्था | १० | ६३,२६५ | ०.९९ |
| १७ | दिगो विकासका लागि साझेदारी | ६ | ३३,५३० | ०.५३ |
| | **जम्मा** | **३३२** | **६,३८५,२२२** | **१००** |

## (च) लैंगिक संकेतका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

लैंगिक संकेतका आधारमा भएको विनियोजित बजेट तालिका ३.६ मा उल्लेख गरिएको छ। सोको विषय क्षेत्रगत आधारमा विनियोजित बजेटको विस्तृत विवरण अनुसूची ३.६ मा उल्लेख गरिएको छ।

### तालिका ३.६ लैंगिक संकेतका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित रकम

**(रकम रू. लाखमा)**

| संकेत नं | लैंगिक संकेत | कार्यक्रम/आयोजना संख्या | बजेट | |
|---|---|---|---|---|
| | | | रकम | प्रतिशत |
| १ | प्रत्यक्ष | ९५ | १,९९०,३७२ | ३१.२ |
| २ | अप्रत्यक्ष | १७४ | २,९२३,१८६ | ४५.८ |
| ३ | तटस्थ | ६३ | १,४७१,६६४ | २३.० |
| | **जम्मा** | **३३२** | **६,३८५,२२२** | **१००.०** |

### (छ) जलवायु संकेतका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट

जलवायु संकेतका आधारमा भएको विनियोजित बजेट तालिका ३.७ मा उल्लेख गरिएको छ। सोको विषय क्षेत्रगत आधारमा विनियोजित बजेटको विस्तृत विवरण अनुसूची ३.७ मा उल्लेख गरिएको छ।

**तालिका ३.७ जलवायु संकेतका आधारमा विकास कार्यक्रमको विनियोजित बजेट**

**(रकम रू. लाखमा)**

| संकेत नं | जलवायु संकेत | कार्यक्रम/आयोजना संख्या | बजेट | |
|---|---|---|---|---|
| | | | रकम | प्रतिशत |
| १ | अत्यन्त सान्दर्भिक | ६० | ७६३,९२५ | १२.० |
| २ | सान्दर्भिक | ८२ | १,६५६,८६१ | २५.९ |
| ३ | तटस्थ | १९० | ३,९६४,४३६ | ६२.१ |
| | **जम्मा** | ३३२ | ६,३८५,२२२ | १००.० |

### ३.३ क्षेत्र/उपक्षेत्रगत विकास आयोजना तथा कार्यक्रमको विवरण

आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा विभिन्न मन्त्रालय, कार्यालय तथा निकायहरू अन्तर्गत जम्मा ३३२ विकास कार्यक्रम तथा आयोजना सञ्चालन हुनेछन्। विषय क्षेत्रगत आधारमा विकास कार्यक्रम/आयोजनाको प्राथमिकताक्रम, रणनीतिक स्तम्भ, लैंगिक संकेत, दिगो विकास लक्ष्य संकेत र जलवायु संकेत अनुसारको कार्यक्रम/आयोजनाको संख्यात्मक विवरण तालिका ३.८ मा दिइएको छ।

**तालिका १.८ विषय क्षेत्रगत विकास कार्यक्रम/आयोजनाको रणनीतिक स्तम्भ, प्राथमिकताक्रम तथा बजेट संकेत अनुसारको संख्या**

| क्र. सं. | विषय क्षेत्र | रणनीतिक स्तम्भ | | | | | | | | प्राथमिकताक्रम | | लैंगिक संकेत | | | जलवायु संकेत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | १ | २ | १ | २ | ३ | १ | २ | ३ |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | ३ | | | १९ | १ | | १ | २ | २४ | २ | १४ | ११ | १ | २ | १६ | ८ |
| २ | भूमि व्यवस्था | | | | २ | १ | | १ | २ | ६ | | २ | २ | २ | १ | | ५ |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | | | | १ | | २ | | | २ | १ | | २ | १ | | | ३ |
| ४ | वन तथा वातावरण | १ | ३ | | २ | | | ९ | | १४ | १ | ७ | ७ | १ | १३ | २ | |
| ५ | अर्थ | | | १ | ४ | | | १ | ४ | ६ | ४ | ४ | ३ | ३ | | २ | ८ |
| ६ | उद्योग | ३ | | | १ | | | ३ | | ७ | | २ | १ | ४ | | १ | ६ |
| ७ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | | २ | २ | १ | | | | | ५ | | | ४ | १ | १ | | ४ |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | २ | | ६ | १ | | ५ | | | ९ | ५ | ५ | २ | ७ | | १ | १३ |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | | ६ | | | | | | | ४ | २ | ६ | | | | | ६ |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | | २८ | | | १ | | | | १२ | १७ | १२ | १७ | | | १ | २८ |
| ११ | खानेपानी | १ | १९ | | | | | | १ | १६ | ५ | ८ | ७ | ६ | १० | ५ | ६ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | | १ | २ | | | | | | ३ | | | २ | १ | | | ३ |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक | १ | | | | १ | ३ | | | ५ | | ५ | | | | | ५ |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा | १ | २ | | | १ | | | | ३ | १ | | ३ | १ | | १ | ३ |
| १५ | ऊर्जा | ७ | | ८ | १८ | | | १ | | ३२ | २ | १० | १५ | ९ | १३ | १२ | ९ |
| १६ | जलस्रोत | | | | १ | | | ७ | | ७ | १ | | ६ | २ | ५ | २ | १ |
| १७ | सिँचाइ | ५ | | | १७ | | | | | १९ | ३ | ८ | १३ | १ | ८ | ११ | ३ |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | | | | | | | २ | | २ | | | १ | १ | १ | | १ |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | १० | ६ | ४५ | | | | | १ | ५६ | ६ | ३ | ४६ | १३ | २ | १८ | ४२ |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | | | १ | | | | | १ | २ | | | १ | १ | | | २ |
| २१ | शहरी विकास | | १ | १० | | | | १ | ५ | १० | ७ | ३ | १० | ४ | १ | ४ | १२ |
| २२ | पुनर्निर्माण | | | | | | | १ | | १ | | | | १ | | | १ |
| २३ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | | १ | ९ | २ | | १ | | ४ | १४ | ३ | ४ | १३ | | २ | ४ | ११ |
| २४ | गृह | | | | | | ३ | १ | | ४ | | | २ | २ | | १ | ३ |
| २५ | योजना तथा तथ्याङ्क | | | | | | | | ४ | २ | २ | १ | २ | १ | | | ४ |
| २६ | अर्थ - विविध (विकास) | | | ३ | | | | १ | १ | ३ | २ | १ | ४ | | १ | १ | ३ |
| **जम्मा** | | **३४** | **६९** | **८७** | **६९** | **५** | **१४** | **२९** | **२५** | **२६८** | **६४** | **९५** | **१७४** | **६३** | **६०** | **८२** | **१९०** |

तालिका १.८ (क्रमशः)

| क्र. सं. | विषय क्षेत्र | दिगो विकास संकेत | | | | | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | | २६ | | | | | | | | | | | | | | | | २६ |
| २ | भूमि व्यवस्था | | ३ | | | | | | | | २ | | | | | १ | | | ६ |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | ३ | | | | | | | | | | | | | | | | | ३ |
| ४ | वन तथा वातावरण | | | | | | | | | | | | | ७ | | ८ | | | १५ |
| ५ | अर्थ | | ३ | | | | | | १ | २ | | | १ | | | | २ | १ | १० |
| ६ | उद्योग | | | | | | | | | ७ | | | | | | | | | ७ |
| ७ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | | | १ | | | | | | | | | | | | | | ४ | ५ |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | | | | | | | | ३ | ६ | | ५ | | | | | | | १४ |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | १ | | | ५ | | | | | | | | | | | | | | ६ |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | | | २९ | | | | | | | | | | | | | | | २९ |
| ११ | खानेपानी | | | | | १ | २० | | | | | | | | | | | | २१ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | | | | ३ | | | | | | | | | | | | | | ३ |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक | १ | | | | ३ | | | | | १ | | | | | | | | ५ |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा | | | | | | | | ४ | | | | | | | | | | ४ |
| १५ | ऊर्जा | | | | | | | ३३ | | | | | १ | | | | | | ३४ |
| १६ | जलस्रोत | | | | | | | | | | | ६ | | २ | | | | | ८ |
| १७ | सिँचाइ | | २२ | | | | | | | | | | | | | | | | २२ |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | | | | | | | | | | | | | २ | | | | | २ |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | ११ | | | | | | | १ | ४८ | | २ | | | | | | | ६२ |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | | | | | | | | | २ | | | | | | | | | २ |
| २१ | शहरी विकास | | | | | | १ | | | १ | | १२ | | | | १ | १ | १ | १७ |
| २२ | पुनर्निर्माण | | | | | | | | | | | १ | | | | | | | १ |
| २३ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | ४ | १ | १ | | | १ | | १ | ६ | | १ | | | | | २ | | १७ |
| २४ | गृह | | | १ | | | | | | | | | | १ | | | २ | | ४ |
| २५ | योजना तथा तथ्याङ्क | | | | | | | | | | २ | | | | | | २ | | ४ |
| २६ | अर्थ - विविध (विकास) | | | | | | | | | ३ | | १ | | | | | १ | | ५ |
| **जम्मा** | | **२०** | **५५** | **३२** | **८** | **४** | **२२** | **३३** | **१०** | **७५** | **५** | **२८** | **२** | **१२** | **०** | **१०** | **१०** | **६** | **३३२** |

# परिच्छेद ४

# कृषि, भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वन क्षेत्र

## ४.१. कृषि तथा पशुपन्छी

### १. पृष्ठभूमि

६०.४ प्रतिशत घरपरिवार कृषि पेशामा संलग्न रहेको र कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान २५.८ प्रतिशत रहेको सन्दर्भमा गरिबी न्यूनीकरण, ग्रामीण रोजगारी, खाद्य तथा पोषण सुरक्षा, व्यापार सन्तुलन एवम् देशको समग्र आर्थिक विकासमा यस क्षेत्रले प्रत्यक्ष प्रभाव पारेको छ। समावेशी आर्थिक वृद्धिको मेरुदण्डको रूपमा रहेको यस क्षेत्रले रोजगारी र महिला सहभागिताका साथै दिगो पर्यावरणीय विकासमा समेत टेवा पुऱ्याउने भएको कारण उच्च प्राथमिकता पाउँदै आएको छ।

संविधान प्रदत्त खाद्यसम्बन्धी अधिकार सुनिश्चित गर्दै कृषि क्षेत्रको समग्र विकासको मार्गदर्शकका रूपमा रहेको कृषि विकास रणनीतिले परिकल्पना गरे अनुसार कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि, कृषि क्षेत्रको विविधीकरण, व्यवसायीकरण र कृषिजन्य वस्तुको प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि गरिनु अपरिहार्य छ। श्रमशक्तिको बढ्दो पलायनबाट सृजित कृषि मजदुरको अभाव र आपूर्तिका समस्या समेत मध्यनजर गर्दै उत्पादनमा आत्मनिर्भरता र बढ्दो व्यापार घाटा न्यूनीकरण गर्न आर्थिक तथा सामाजिक रूपमा पछि परेका वर्गलाई समेत प्राथमिकता दिई सरकारी, सहकारी र निजी साझेदारीको अवधारणा अंगीकार गर्दै मुलुकको भौगोलिक परिवेश, तुलनात्मक लाभ र बाली विशेष अनुसारको विशेष कृषि उत्पादन क्षेत्र मार्फत कृषि उत्पादन, प्रशोधन र बजारीकरण गरिनुपर्छ। कृषिमा व्यवसायीकरण, यान्त्रीकरण र औद्योगीकरण मार्फत कृषि पेशालाई सम्मानजनक बनाई आय तथा रोजगारी सिर्जना, गरिबी न्यूनीकरण, सुधारात्मक व्यापार सन्तुलन, दिगो र सन्तुलित विकास, खाद्य तथा पोषण सुरक्षा र कृषि क्षेत्रको रुपान्तरणबाट आर्थिक रुपान्तरणका लागि बृहत उत्पादन पकेट (ब्लक), मूल्य अभिवृद्धि एवम् बजारीकरणका लागि आवश्यक संरचना सहितको उत्पादन क्षेत्र (जोन), कृषिजन्य उद्योग सहितको औद्योगिक विशेष कृषि क्षेत्र (सुपर जोन) सहितको कृषि क्षेत्रका आगामी विकास कार्यक्रमहरू सन्चालन हुनु आवश्यक छ। त्यस्तै, दिगो विकास लक्ष्यअन्तर्गत भोकमरीको अन्त्य लगायतका लक्ष्य प्राप्त गर्न विशेष पहल गर्नुपर्ने देखिन्छ। यिनै विषयलाई प्राथमिकता दिने गरी यस मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरिएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

कृषि उत्पादकत्व वृद्धि गर्न अपरिहार्य हुने साधन स्रोत र सामग्री जस्तै सिँचाइ, रासायनिक मल, विषादि, उन्नत बीउ बिजन, भुरा माछा, कृषि ऋण, प्रविधि र ज्ञानको सहज उपलब्धता नहुनुका साथै आवश्यक भौतिक पूर्वाधार जस्तै सडक, शीत भण्डार, संकलन केन्द्र, बिजुली आदिको अपर्याप्तताका कारण कृषि उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धिमा बाधा पुगेको छ। युवा एवम् सक्रिय जनशक्तिको विदेश पलायनले कृषि पेशामा आर्थिक रूपले सक्रिय जनशक्तिको अभावमा खेतीयोग्य जमिन बाँझो रहन गई बर्षेनि कृषि उपज आयात परिमाण तथा कृषि व्यापार घाटा बढ्दै गएको छ। अनुसन्धानबाट विकास भएका प्रविधि पर्याप्त मात्रामा विस्तार हुन नसक्नु, विविध क्षेत्रमा आवश्यक वैज्ञानिक तथा अन्य जनशक्ति व्यवस्थापन कमजोर हुनु, अनुसन्धानको लागि प्रयोगशाला लगायत अन्य पूर्वाधारको कमी हुनु, विभिन्न कार्यालय, फार्म/केन्द्रको भौतिक संरचना जीर्ण हुनुले कृषि क्षेत्रमा प्रविधि विस्तार गर्नमा समस्या भएको छ। खण्डित र अव्यवस्थित भू-उपयोगको अवस्था, दोहोरो भू-स्वामित्वको स्थिति रहेका कारण कृषिको व्यवसायीकरण, आधुनिकीकरण तथा यान्त्रीकरणमा बाधा पुगेको छ।

कृषि उपजहरूमा अनियन्त्रित र असन्तुलित रूपमा जीवनाशक विषादिको प्रयोग बढिरहेकाले मानव तथा वातावरणीय स्वास्थ्यमा असर पुगेको छ। खाद्य स्वच्छता, खाद्य पदार्थमा पौष्टिक तत्वको स्रोत र उचित उपयोगबारे जनसाधारणमा चेतना र ज्ञानको कमीले गर्दा स्वस्थकर खानपान तथा सोको लागि व्यवहार परिवर्तन नहुँदा खाद्य पोषणमा जटिलता तथा खाद्यवस्तुको नियमनमा चुनौती थपिएको छ। सीमित साधन स्रोत र सामग्री जस्तै सिँचाइ, रासायनिक मल, विषादि, उन्नत बीउ बिजन, भुरा माछा, कृषि ऋण, प्रविधि र ज्ञानको प्रयोग गरी कृषि उपजको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्दै जानु यस क्षेत्रको प्रमुख चुनौतीको रूपमा स्थापित भएको छ। कृषि क्षेत्रमा जलवायु परिवर्तनका नकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्नुका साथै कृषिजन्य उपज/खाद्यान्नहरूमा विषादि, हानिकारक रसायन, हार्मोन, एन्टिबायोटिक्स आदिको अवशेष कम गरी वातावरण र जनस्वास्थ्यमा पर्ने नकारात्मक प्रभाव घटाउनु चुनौतीपूर्ण रहेको छ। कृषिजन्य उपज उत्पादन, वितरण, आयात एवम् निर्यातमा गुणस्तर एवम् स्वच्छता नियमन कार्य प्रभावकारी तुल्याउनु पनि चुनौतीको रूपमा रहेको छ। वैदेशिक रोजगारबाट फर्केका जनशक्ति र विद्यमान युवा जनशक्तिलाई श्रम, सीप तथा पुँजी सहित कृषि पेशामा आकर्षित गर्नु एवम् सीमान्तकृत, गरिब, महिला, जनजाति, दलित, मधेसी, मुस्लिम र दुर्गम क्षेत्रका कृषकको कृषि कार्यक्रममा पहुँच वृद्धि गर्नु पनि उत्तिकै चुनौतीपूर्ण छ।

## ३. सोच

- खाद्य र पोषण सुरक्षा तथा खाद्य सम्प्रभुता सहितको दिगो, प्रतिस्पर्धी एवम् समृद्ध कृषि अर्थतन्त्र। (कृषि)
- खाद्य सम्प्रभुता, दिगो खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सहितको समाज। (खाद्य सुरक्षा तथा पोषण)

## ४. उद्देश्य

### कृषि

१. कृषि क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्वको वृद्धि गरी खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित गर्नु।

२. कृषिमा आधारित उद्योगको विकास गरी रोजगारी र आम्दानी वृद्धि गर्नु।

३. व्यवसायीकरण तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकास गरी कृषि क्षेत्रको व्यापार सन्तुलन गर्नु।

### खाद्य सुरक्षा तथा पोषण

१. खाद्य असुरक्षा तथा पोषणको जोखिममा रहेका क्षेत्र र समूहको आधारभूत खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित गर्नु।

२. कृषि तथा गैरकृषिजन्य उद्यम मार्फत आय-आर्जनमा सुधार गरी खाद्यमा पहुँच वृद्धि गर्नु।

३. खाद्यवस्तुको स्वच्छता अभिवृद्धि गर्दै गुणस्तरयुक्त खाद्यवस्तुको वितरण प्रणालीमा सुधार गर्नु।

## ५. रणनीति

### अ. कृषि

१. संघ, प्रदेश र स्थानीय तह तथा सम्बन्धित सरोकारवालासँगको समन्वय तथा सहकार्यमा कृषि सम्बन्धी नीति, कानून तथा योजना निर्माण गरी कृषिको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने।

२. कृषि क्षेत्रको उत्पादकत्व वृद्धि गर्न शिक्षा, अनुसन्धान र प्रसार पद्धतिलाई एकीकृत गर्दै प्रभावकारी बनाउने र गुणस्तरीय उत्पादन सामग्री तथा सेवाको उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने।

३. कृषिमा निजी क्षेत्रको लगानी वृद्धिको उचित वातावरण सिर्जना गर्न नीति तथा संरचनागत सुधार र कार्यक्रमगत सहयोग तथा सहजीकरण गर्ने।

४. कृषि पूर्वाधारको विकास, बजार सूचना प्रणालीको स्थापना, साना तथा मझौला कृषि उद्यमशीलताको विकास, खाद्य स्वच्छता तथा गुणस्तर अभिवृद्धि गर्दै प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता वृद्धि गर्ने।

५. स्थानीय सम्भाव्यताको आधारमा उत्पादनशील कृषकहरूको प्राविधिक, व्यावसायिक तथा संस्थागत क्षमता अभिवृद्धिका साथै उनीहरूको अधिकार सुनिश्चित गर्दै उत्पादन र बजारीकरणलाई नाफामूलक बनाउने।

६. तुलनात्मक लाभ एवम् उच्च मूल्य बाली तथा वस्तुको बजारीकरण गरी निर्यात प्रवर्द्धन गर्ने।

७. जलवायु परिवर्तन र प्रकोपबाट पर्ने नकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्दै जलवायु अनुकूलन तथा उत्थानशील प्रांगारिक लगायतका कृषि प्रविधिको विकास र विस्तार गर्ने।

### आ. खाद्य सुरक्षा तथा पोषण

१. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा खाद्य तथा पोषण असुरक्षित क्षेत्र र समूहमा तथ्यमा आधारित एकीकृत योजना सहित खाद्य संकट समाधान गर्न आवश्यक व्यवस्था मिलाउने।

२. कृषि जैविक विविधताको संरक्षण, संवर्द्धन र सदुपयोग, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन प्रविधिको विकास र विस्तार गरी खाद्य वस्तुको उपलब्धता, उपयोगमा स्थिरता र प्रवर्धन कायम गरी खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित गर्ने।

३. रैथाने खाद्यबाली तथा पशुपन्छीको संरक्षण, प्रवर्धन र प्रचारप्रसार गर्दै समुदायको पोषण अवस्था सुधारका लागि खानपानको बानी व्यवहारमा सुधार ल्याउने।

४. गैरकृषिमा आबद्ध नागरिकका लागि आय-आर्जन बढाई खाद्यमा पहुँच बढाउने।

५. वितरण प्रणाली व्यवस्थित गर्नका लागि तीनै तहका सरकारको समन्वयात्मक सञ्जालको विकास गर्दै खाद्य आवश्यकतालाई पूरा गर्न सबै प्रदेश तथा स्थानीय स्तरमा जगेडा भण्डार (Buffer Storage) को व्यवस्था गर्ने।

६. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा खाद्य तथा पोषण स्थिति एवम् खाद्यवस्तुको गुणस्तर र स्वच्छता सुनिश्चित गर्न नियमन प्रणाली विकास तथा संस्थागत गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| उत्पादन | | | | | | |
| धान | मेट्रिक टन (हजार) | ५४०० | ५५०० | ५७५१ | ५८७४.४ | ५९५० |
| मकै | मेट्रिक टन (हजार) | २७५० | २८३२ | २८८९ | ३००२.८ | ३१४१.६ |
| गहुँ | मेट्रिक टन (हजार) | २१९० | २३०० | २३२५ | २३६८.८ | २४१६.८ |
| आलु | मेट्रिक टन (हजार) | ३३०० | ३६०० | ३७४५ | ३९०५ | ४१५१.४ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| फलफूल | मेट्रिक टन (हजार) | १२७१ | १३६७.२ | १४५२.१ | १४९२.१ | १५९० |
| तेलहन | मेट्रिक टन (हजार) | २५० | २६५ | २७० | २७२.१ | २७३.८ |
| दलहन | मेट्रिक टन (हजार) | ४३० | ४५० | ४६० | ४६४.७ | ४६८.६ |
| उखु | मेट्रिक टन (हजार) | ३८०० | ४००० | ४१६५ | ४२०४.४ | ४२६७.२ |
| दुध | लिटर करोडमा | २२८६ | २४३४ | २५७५ | २५२० | २६०३ |
| मासु | मेट्रिक टन (हजार) | ३८४ | ३९६ | ४०८ | ४२१ | ४३४ |
| अन्डा | गोटा करोडमा | १६७ | १७३ | १८० | १८७ | १९४ |
| माछाको उत्पादकत्व | मेट्रिक टन प्रति हेक्टर | ५ | ५.१ | ५.२ | ५.५ | ६ |
| मलखाद आपूर्ति (रासायनिक र जैविक) | मेट्रिक टन (हजार) | ३८५.५ | ५०० | ५५० | ६०० | ६०० |
| शीतघर निर्माण | संख्या | ३९ | ४२ | ४३ | ४५ | ४८ |
| कृषि उपज संकलन केन्द्र | संख्या | ५५३ | ५६३ | ५८० | ६०० | ६१० |
| रासायनिक मल व्लेन्डिङ कारखाना | संख्या | ० | ० | ० | १ | १ |
| अर्गानिक मल कारखाना | संख्या | ० | ० | ० | १ | १ |
| उन्नत जातका बीउ उत्पादन | मेट्रिक टन | ३६४३५.८८ | ३९१६८.२ | ४१९००.४ | ४३७२२ | ४५५४३.५ |
| जमिनको उत्पादकत्व | अमेरिकी डलर/हेक्टर | ३३४७ | ३५७५ | ३८१८ | ४०७७ | ४३४८ |
| कृषि श्रमको उत्पादकत्व | अमेरिकी डलर/प्रति व्यक्ति | ५७८ | ६१० | ६७० | ६९५ | ७१५ |
| कृत्रिम गर्भाधान | संख्या (हजार) | ५७७.७ | ६५० | ७५० | ८५० | ९५० |
| तरल नाइट्रोजन | लि. (हजार) | २२५.९ | २५० | ३०० | ३५० | ४०० |
| जमेको वीर्य उत्पादन | डोज (हजार) | ७९३.९ | ६०० | ७०० | ९०० | ११०० |
| पशुपन्छीको खोप उत्पादन | डोज (लाख) | ४१५.७५ | ४४५ | ५२६ | ५७५ | ६२५ |
| बार्षिक घाँसको बीउ उत्पादन | मे टन | २५.२६४ | ६७.१२३ | ७३.४६५ | ९३.३२३ | १३०.४५६ |
| | सेट्स (हजार) | २४.८ | ५०० | ५५० | ६०० | ६५० |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| पशुपन्छीमा खोप सेवा | हजार डोज | १२२९० | १४५०० | २१७०० | २३५०० | २५००० |
| पशुपन्छीको उपचार सेवा | संख्या लाखमा | ३७ | ३९ | ४२ | ४४ | ४७ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ४०२,६६४ | ३२६,४३७ | ३६,२२७ | ४०,००० | २४५,३०२ | २८,६६३ | १२८,६९९ |
| २०७९/८० | ४००,८२८ | ३२४,५०५ | ३६,३२३ | ४०,००० | २८७,९५३ | १२,५१५ | १००,३६० |
| २०८०/८१ | ४२८,४७१ | ३४३,८६७ | ४४,६०४ | ४०,००० | ३२७,९६६ | ७,६१० | ९२,८९५ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१२०००११ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय | अ १ | नीतिगत समन्वय | सालबसाली | ८४,९३ | विभिन्न तहका सरकार र सम्बद्ध पक्षहरूसँग समन्वय भएको हुने। |
| ३१२००१०१ | कृषि विकास रणनीति अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | अ १ | नीतिगत समन्वय | सालबसाली | १,०६,५५ | मन्त्रालयबाट गरिएका नीतिगत निर्णयहरूको कार्यान्वयन भएको हुने। |
| ३१२००१०२ | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम | अ २ | कृषकहरूलाई रासायनिक तथा प्रांगारिक मल उपलब्ध गराई उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि | सालबसाली | ११,००,५० | रासायनिक मलमा किसानहरूको पहुँच अभिवृद्धि भएको हुने।<br>रासायनिक मलको आपूर्ति तथा वितरण प्रणाली विकास भएको हुने। |
| ३१२००१०३ | बीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | अ २ | विभिन्न बालीका नयाँ जातहरूको उन्मोचन तथा दर्ता, स्रोत बीउ प्रमाणीकरण, बीउको गुणस्तरको जाँच तथा नियमन र क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | ३,८२ | बीउ बिजन गुणस्तर नियन्त्रण पद्धति कार्यान्वयन, गुणस्तरयुक्त बीउ उपलब्धता सुनिश्चित भएको हुने। |
| ३१२००१०४ | प्लाण्ट क्वारेन्टाइन तथा विषादि व्यवस्थापन कार्यक्रम | अ २ | विषादिको सुरक्षित प्रयोग र व्यवस्थापन, आन्तरिक क्वारेन्टाइनको सुदृढीकरण र सर्भिलेन्स क्षमता विकास | सालबसाली | १५,२३ | विषादिको आयात, वितरण, उपयोग र व्यवस्थापन, क्वारेन्टाइन चेकपोष्टको स्थापना एवम् व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३१२००१०५ | कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम | अ ४ | कृषि सुचना प्रसारण, सचेतना तथा क्षमता विकास | सालबसाली | १०,७२ | आधुनिक सूचना प्रविधिको प्रयोगद्वारा कृषक, कृषि प्रसार कार्यकर्ता तथा अनुसन्धानकर्ता बीचको अन्तरसम्बन्ध बढेको हुने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१२००१०६ | प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना | अ २,४ | प्रमुख कृषि उपजहरूको विशिष्टिकृत क्षेत्र निर्माण, निर्यातयोग्य कृषिवस्तुहरूको वृद्धि, कृषिलाई नाफामूलक तथा सम्मान्जनक व्यवसायमा रूपान्तरण, उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि, गरिबी निवारण र क्षमता अभिवृद्धि | २०७३/७४ - २०८२/८३ | ३,२३,११ | विशिष्टिकृत कृषि क्षेत्रहरू निर्माण र आत्मनिर्भरता विकास भएको हुने। |
| ३१२००१०७ | लाइभस्टक सेक्टर इन्नोभेसन आयोजना | अ ५ | पशुजन्य वस्तु (दुध, मासु, पश्मिना) मा आधारित साना किसान तथा उद्यमीहरू लगायतको समानुकूलतालाई सुधार | २०७५-२०८३ | ५४६०० | पशुजन्य वस्तु (दुध, मासु, पश्मिना) को प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ३१२००१०८ | खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुधार आयोजना | आ ४ | कृषि प्रविधिको प्रसार, कृषकको आयस्तर वृद्धि, गरिबी निवारण र क्षमता विकास खाद्य सुरक्षा प्रवर्द्धन, गरिबी निवारण, क्षमता विकास, आयस्तर वृद्धि | २०७५/७६ - २०८०/८१ | ९१,२३ | खाद्य तथा पोषण सुरक्षा कायम भएको हुने। |
| ३१२००१०९ | कृषि क्षेत्र विकास कार्यक्रम | अ ४ | उच्च मूल्यका कृषि वस्तुको मूल्य शृंखलाको विकास, कृषिमा व्यवसायीकरण, निर्यात प्रवर्द्धन, गरिबी निवारण, क्षमता अभिवृद्धि स्याउ, बेमौसी तरकारी, तरकारी बीउ, अदुवा, बेसार, टिमुर, खसी बोका, अमिलो जात फलफूल, ओखर, आलुको बीउ, उच्च पहाडी आलु, उच्च पोषणयुक्त स्थानीय बाली, मह, दुग्ध व्यवसाय प्रवर्द्धन | २०७५/७६ - २०८०/८१ | ८३,८० | गरिबी निवारण र खाद्य सुरक्षा अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३१२००११२ | नेपाल कृषि बजार विकास कार्यक्रम | अ ३ | आयात प्रतिस्थापन र निर्यातमा वृद्धि, तुलनात्मक लाभ भएका कृषि उपजको विकास, बजार विकास | जनुअरी २०१६ - डिसेम्वर २०१९ | २५,१० | कृषि बजार विकास भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१२०१०११ | कृषि विभाग | अ १ | अन्न , तरकारी र फलफूल लगायतको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिको लागि समन्वय तथा सहजीकरण | सालबसाली | १,१३,४४ | कृषिजन्य उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि, कृषि वातावरण संरक्षण भएको हुने। |
| ३१२०११०१ | राष्ट्रिय आलु, तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम | अ २ | तरकारीको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि, खाद्य तथा पोषण सुरक्षा, रोजगारी र गरिबी निवारण | सालबसाली | १३,७७ | आलु, तरकारी तथा मसला बाली प्रबर्द्धन, राष्ट्रिय महत्वका विशेष उत्पादन कार्यक्रम तर्जुमा तथा सञ्चालन |
| ३१२०११०२ | राष्ट्रिय फलफूल विकास कार्यक्रम | अ १,२ | फलफूलको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि, खाद्य तथा पोषण सुरक्षा, रोजगारी एवम् आय वृद्धि | सालबसाली | ३०८९ | फलफूलको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि, भू-क्षय रोकथाम तथा वातावरण संरक्षण भएको हुने। |
| ३१२०११०३ | व्यावसायिक कीट विकास | अ २ | रेशम, मौरी र च्याउ खेतीमा व्यवसायीकरण, जैविक विविधता संरक्षण गरिबी निवारण, क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | ९,७९ | मौरी तथा रेशम खेतीको व्यवसायीकरण, महजन्य वस्तुको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि भएको हुने। |
| ३१२०११०४ | वाली विकास तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम | अ ६,७ | बालीहरूको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि, खाद्य तथा पोषण सुरक्षामा सुधार | सालबसाली | ३५,१० | खाद्यान्न, दलहन, तथा औद्योगिक बालीको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि, उन्नत खेती प्रविधि विस्तार भएको हुने। |
| ३१२०११०५ | केन्द्रीय कृषि प्रयोगशाला कार्यक्रम | अ २ | राष्ट्रिय स्तरमा सरकारी, निजी एवम् गैर सरकारी संस्थाबाट संचालित प्रयोगशालाको मापदण्ड तथा स्तर निर्धारण<br>समकक्षीकरण, प्रमाणीकरण तथा मान्यता प्रदायक निकायको रूपमा कार्य गर्नु<br>सरकारी, निजी तथा गैरसरकारी क्षेत्रवाट संचालित प्रयोगशालाको अनुगमन तथा नियमन गर्नु । | सालबसाली | ७,७८ | राष्ट्रिय स्तरमा प्रयोगशाला (माटो, वीउ, वाली संरक्षण) स्थापना एवम् सन्चालनको मापदण्ड तर्जुमा भएको हुने।<br>नियमनकारी मान्यता प्रदायक निकाय तथा रेफ्रेन्स प्रयोगशालाका रूपमा विकास भएको हुने। |
| ३१२०११०६ | कृषि पूर्वाधार विकास तथा | अ ४ | कृषि बजार पूर्वाधारको विकास तथा प्रवर्द्धन, | सालबसाली | २९,२३ | कृषि आधुनिकीकरणमा टेवा पुऱ्याउने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कृषि यान्त्रिकीकरण प्रवर्द्धन कार्यक्रम | | बजार सम्बन्धी नीति, नियमावली, सञ्चालन निर्देशिका तयारी | | | |
| ३१२०११०७ | रानी जमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजना –प्रणाली आधुनिकीकरण कृषि कार्यक्रम | अ २,४ | उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि, गरिबी निवारण र क्षमता अभिवृद्धि | २०७५/७६ - २०८०/८१ | २८,८८ | कृषिमा आधुनिकीरण सिँचाइ प्रणालीको विकास भएको हुने। |
| ३१२०२०११ | पशु सेवा विभाग | अ १ | पशुपन्छी क्षेत्रको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिको लागि समन्वय तथा सहजीकरण | सालबसाली | | पशुजन्य पदार्थको उत्पादन तथा उत्पादकत्वमा वृद्धि, ग्रामीण अर्थतन्त्रलाई टेवा पुगेको हुने। |
| ३१२०२१०१ | मत्स्य विकास कार्यक्रम | अ २ | मत्स्यपालन व्यवसायबाट रोजगारी तथा आय आर्जनमा वृद्धि, स्वस्थ एवम् ताजा माछाको बिक्री वितरण, क्षमता विकास | सालबसाली | १८,०८ | मछाको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि र आयात प्रतिस्थापन भएको हुने। |
| ३१२०२१०२ | पशु स्वास्थ्य रोग अन्वेषण सेवा तथा क्वारेन्टाइन कार्यक्रम | अ २ | पशुपन्छीमा लाग्ने विभिन्न संक्रामक रोगको रोकथाम, नियन्त्रण तथा उन्मूलन | सालबसाली | | सिफारिस मापदण्ड अनुसार पशु, पशु उत्पादन र पशु उत्पादनहरूको निर्यात र आयातको व्यवस्था भएको हुने। |
| ३१२०२१०३ | पशुपन्छी स्रोत व्यवस्थापन तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम | अ २ | पशुपन्छी उत्पादनमा वृद्धि, नश्ल सुधार उच्च नश्ल सुधारको लागि वंशाणुगत स्रोतको व्यवस्था तथा उपलब्धता र उत्पादकत्व अभिवृद्धि | सालबसाली | ६०,९१,०० | उत्पादन वृद्धि, नश्ल सुधार भएको हुने। |
| ३१२०२१०४ | पशु आहारा तथा लाइभस्टक गुण व्यवस्थापन कार्यक्रम | आ २ | चरन एवम् खर्कहरूको संस्थागत सुधार तथा संरक्षण र चरन, घांसेवाली तथा डाले घांसको बीउ उत्पादनमा गुणात्मक तथा परिमाणात्मक सुधार | सालबसाली | ४,१४,०० | खर्कहरूको संस्थागत सुधार, संरक्षण भएको हुने। |
| ३१२०३१०१ | खाद्य पोषण तथा प्रविधि | ४ | उपभोक्ताको हकहित एवम् स्वास्थ्य संरक्षण, | सालबसाली | ६०,४० | खाद्य वस्तुहरूको गुणस्तर तथा खाद्य |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कार्यक्रम | | कुपोषण न्यूनीकरण र खाद्य पोषण सुरक्षा, मिसावट पहिचान एवम् विश्लेषण | | | स्वच्छता, गुणस्तर परीक्षण, अनुगमन र नियमन भएको हुने। |
| ३१२२१०११ | राष्ट्रिय किसान आयोग | अ १ | किसान संघ संगठन तथा संजालहरूको सशक्तीकरण | सालबसाली | ३,६६ | किसानको हकहित संरक्षण एवम् प्रवर्द्धन, कृषि सम्बन्धी ऐन, कानून, नीति तथा योजना तर्जुमा एवम् किसानको अधिकारको अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३१२३१०११ | राष्ट्रिय चिया, कफी तथा अलैंची विकास बोर्ड | अ ६ | चिया, कफी तथा अलैंचीको बजार विस्तार | सालबसाली | १२,९८ | उच्च गुणस्तरको चिया तथा कफी उत्पादन र बजार व्यवस्थापन भएको हुने।<br>निकासी पैठारी गर्नका लागि ठोस नीति निर्माण भएको हुने। |
| ३१२३१०१२ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड | अ १ | राष्ट्रिय स्तरमा दुग्ध व्यवसाय सम्बन्धी नीति तथा योजना तर्जुमामा आवश्यक सहयोग, दुग्ध उद्योगको विकास | सालबसाली | ६,०६,०० | नीतिगत व्यवस्था, दुधको बजारीकरण प्रबर्द्धन भएको हुने। |
| ३१२४१०११ | नेपाल पशु चिकित्सा परिषद् | | पशु चिकित्सा क्षेत्र, पशु चिकित्सक तथा विश्वविद्यालयहरूको गुणस्तर अभिवृद्धि | सालबसाली | | पशु चिकित्सक तथा विश्वविद्यालयहरूको गुणस्तर अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३१२४११०१ | कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम | अ २ | वैज्ञानिक अध्ययन अनुसन्धान एवम् बिज्ञान र प्रविधिको आविष्कार उन्नयन र विकास | सालबसाली | २,६९,५६ | कृषि क्षेत्रका समस्याको अध्ययन, अनुसन्धान भएको हुने।<br>सर्वसाधारण जनताको आर्थिक स्तर वृद्धि |
| ३१२८१०११ | कपास विकास समिति | अ ६ | कपास खेतीको प्रवर्द्धन | सालबसाली | २९४ | कपासको उत्पादन वृद्धि भएको हुने। |
| ५०११२१०१ | समावेशी कृषि रूपान्तरण कार्यक्रम | अ २,४ | ग्रामीण क्षेत्रमा उद्यमशीलताको प्रवर्द्धन गर्ने | २०७७/७८ - २०८१/८२ | १२ करोड अमेरीकी डलर | ग्रामीण क्षेत्रमा उद्यमशीलताको प्रवर्द्धन हुने |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३१२०००११ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय | चोभार स्थित फलफूल तथा तरकारी बजारको निर्माण भइरहेको।<br>एक गाउँ एक प्राविधिक बाट स्थानीय तहमा कृषि प्रसारको सेवा प्रवाह भइरहेको। | योजना, नीति, कार्यक्रमको तर्जुमा, कर्मचारीको व्यवस्थापन, कृषि क्षेत्रको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्न विभिन्न तहका सरकार र सम्बद्ध पक्षहरूसँग समन्वय भएको हुने। | चोभार स्थित फलफूल तथा तरकारी बजारको निर्माण सम्पन्न गर्ने।<br>कृषि तथा पशुपन्छी एव मत्स्य सम्बन्धी ऐन नियमावलीहरूको तयारी एवम् परिमार्जन गर्ने। |
| ३१२००१०१ | कृषि विकास रणनीति अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | धान, गहुँ तथा उखुको न्यूनतम समर्थन मूल्य तोकिएको<br>स्थानीय तहबाट किसान सूचीकरणको कार्य प्रारम्भ भएको।<br>कृषि तथ्यांकको अध्यावधिक विवरण संकलन गरिएको | मन्त्रालय अन्तर्गत नीतिगत समन्वय भएको हुने।<br>कृषि वन कार्यक्रमको अध्ययन गरी कृषि वन प्रणाली विकास र प्रादेशिक संरचना अनुसार कार्यक्रम लागू भएको हुने।<br>कृषि तथा पशुपन्छीका लागि राहत तथा पुनर्स्थापना कार्यक्रम संचालन गरी जोखिम तथा प्रकोप व्यवस्थापन भएको हुने। | सहकारीहरूबाट न्यूनतम समर्थन मूल्यमा १० लाख क्विन्टल धान खरिद गर्ने।<br>६ वटा फार्मको Center of Excellence को लागि DPR तयार गरी निर्माण सुरु गर्ने।<br>दैवी प्रकोप राहत कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>कृषि तथा पशुपन्छी तथ्यांक व्यवस्थापन कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>स्थानीय तहमा लागत सहभागितामा BUY BACK MECHANISM स्थापना गर्न खाद्य गोदाम घर निर्माण सहित अन्य पूर्वाधार सहयोग गर्ने।<br>कृषि तथा पशुपन्छी एव मत्स्य सम्बन्धी नीति नियम तथा मापदण्डहरू तयारी एवम् परिमार्जन गर्ने। |
| ३१२००१०२ | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम | ३ लाख ९४ हजार मे.टन रासायानिक मल आयात भई २ लाख ६५ हजार मे.टन मल कृषकलाई वितरण | ७ लाख ४० हजार मे.टन रासायनिक मल वितरण भएको हुने जसबाट नेपाली | २ लाख ६५ हजार मे.टन रसायानिक मल कृषकलाई वितरण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | गरिएको | कृषकलाई उत्पादन वृद्धि सुपथ मूल्य, समयमा र पर्याप्त मात्रामा रासायनिक मल आपूर्तिको सेवा उपलव्ध भएको हुने | |
| ३१२००१०३ | बीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | १७५ वटा तरकारी तथा खाद्यान्न बालीको नमुना संकलन, परीक्षण गरी प्रतिवेदन तयार गरिएको र सबै नमुना नेपाल सरकारले तोकेको मापदण्ड भित्र पाइएको<br>विभिन्न बालीका ३८ वटा रैथाने जात दर्ता भएको र १२ वटा रैथाने जात दर्ताको क्रममा रहेको | नेपालमा विकास भएका जातहरूको पञ्जीकरण (दर्ता) तथा उन्मोचन भएको हुने साथै विदेशबाट आयातीत जातको पञ्जीकरण भई गुणस्तर नियमन भएको हुने।<br>बीउ तथा बीउ बजारको नियमन मार्फत गुणस्तरीय बीउको सहज तथा सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित भएको हुने।<br>स्थानीय रैथाने जातहरूको अभिलेखीकरण मार्फत यस्ता जातको प्रवर्द्धन/ सम्वर्द्धनमा टेवा पुगेको हुने<br>विद्युतीय बीउ वासलात तयार भई बीउको माग तथा आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ भएको हुने।<br>स्रोत बीउको प्रमाणीकरण मार्फत बीउचक्र कायम भएको हुने।<br>निजी क्षेत्रमा जातीय विकास तथा सम्वर्द्धनको कार्य प्रारम्भ भई बीउ बिजनको दीर्घकालीन राष्ट्रिय सोच (सन् २०१३-२०२५) को लक्ष्य अनुसार निजी क्षेत्रबाट जातीय विकास भएको हुने। | राष्ट्रिय बीउ बिजन नीति, बीउ बिजनको दीर्घकालीन राष्ट्रिय सोच तथा कृषि विकास रणनीतिमा उल्लेख भएअनुसार उत्पादित बीउको गुणस्तर नियन्त्रण नियमन तथा बजारीकरणमा आवश्यक टेवा पुऱ्याउने<br>विभिन्न बालीको Molecular Level अध्ययन तथा गुणस्तर नियमनका लागि DNA/GMO Lab संचालन थप प्रभावकारी बनाउने<br>Digitally Enabled Seed System को orinetation गोष्ठी संचालन गरी Real Time Seed Balance Sheet कार्यान्वयन गर्ने।<br>अनुमति प्रदान गर्नका लागि निजी क्षेत्रमा संचालिन टिस्यु कल्चर प्रयोगशालाको संयुक्त अवलोकन गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | बीउ आलु प्रमाणीकरण भई यसमा मुलुक आत्मनिर्भर भएको हुने। | |
| ३१२००१०४ | प्लाण्ट क्वारेन्टाइन तथा विषादि व्यवस्थापन कार्यक्रम | National Agricultural Pest Database Software निर्माण गरी रोग तथा किराहरूको राष्ट्रिय अभिलेख तयार गर्ने। कार्य सुरु भएको।<br>४ वटा बालीको शत्रु जीव जोखिम विश्लेषणको कार्य भएको।<br>आयातीत प्रजनन सामग्रीको Commodity Specific Import Requirement तयारी अन्तिम चरणमा रहेको<br>Quarantine Documentation सम्बन्धी कामहरूको डिजिटलाइजेसन भएको।<br>नेपाल राष्ट्रिय एकद्वार प्रणाली मार्फत आयात इजाजतपत्र तथा बिरुवा स्वस्थता प्रमाणपत्र दिने कार्य प्रारम्भ भएको। | विषादिको आयात, वितरण, उपयोग र व्यवस्थापन सम्बन्धी नीति, मापदण्ड, कानून नियमन र समन्वयका साथै वनस्पति एवम् बिरुवा क्वारेण्टिन सम्बन्धी कार्य, क्वारेण्टिन चेकपोष्टको स्थापना एवम् व्यवस्थापन भएको हुने।<br>विषादि पंजीकरण प्रमाणपत्र वितरण, विषादि खुद्रा विक्रेता इजाजतपत्र वितरण र अभिलेखीकरण भएको हुने।<br>बाली बिरुवामा आकस्मिक रूपमा देखा पर्ने रोग कीराहरूको पहिचान तथा बालीका शत्रुजीवको प्रवेश, स्थापना र फैलावटमा न्यूनीकरण गरी बाली संरक्षण सेवा प्रवर्द्धन भएको हुने। | १० कृषि बाली तथा ८ जडिबुटी बालीको सर्भे सर्भिलेन्स गर्ने।<br>विभिन्न बालीहरूको शत्रुजीव जोखिम विश्लेषण गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>खाप्रा विटल किराको सर्भे सर्भिलेन्स गर्ने।<br>सुन्तला जात फलफूल चीन निर्यातका लागि विभिन्न रोग तथा किराहरूको सर्भे सर्भिलेन्स गर्ने।<br>जीवनाशक विषादि सम्बन्धी सचेतना सम्बन्धी कार्य गर्ने। |
| ३१२००१०५ | कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम | १० हजार प्रति कृषि तथा पशुपन्छी डायरी क्यालेण्डर तथा प्राविधिक पुस्तिका प्रकाशन गरी करिब २० हजार किसान तथा प्राविधिक प्राविधिक सन्देश पुगेको।<br>टेलिफोन मार्फत वार्षिक ४ हजार किसानको समस्या विज्ञबाट समाधान भएको।<br>नेपाल टेलिभिजन तथा रेडियो नेपालबाट कृषि कार्यक्रम ३६५ दिन नै प्रसारण भएको। | कृषि सूचना सामग्री प्रकाशन र वितरणबाट कृषक समुदाय लगायत सरोकारवाला सबैको सो सामग्रीमा पहुँच वृद्धि भई ज्ञान, सीप र व्यवहारमा सुधार आएको हुने<br>कृषि तथा पशुपन्छी क्षेत्रका प्रविधि लगायतका विविध सेवा सुविधा सम्बन्धी सूचनाहरू एकीकृत रूपमा प्रवाह गर्न किसान पोर्टल स्थापना भएको हुने। | १० हजार कृषि डायरी तथा क्यालेण्डर प्रकाशन गर्ने।<br>किसान कल सेन्टरको सञ्चालन गर्ने।<br>रेडियो तथा टेलिभिजनमा कृषि कार्यक्रम उत्पादन तथा प्रसारण गर्ने।<br>कृषि प्राविधिकको क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | किसान कल सेन्टरलाई एकद्वार प्रणालीको रूपमा विकास गर्दै विज्ञसँग किसानको प्रत्यक्ष सम्पर्क हुने गरी प्राविधिक सेवामा पहुँच वृद्धि भएको हुने।<br>कृषि सम्बन्धी विभिन्न तालिमको माध्यमबाट कृषि क्षेत्रमा संलग्न जनशक्तिको दक्षता अभिवृद्धि गरी कृषि प्रविधि हस्तान्तरणमा सघाउ पुगेको हुने<br>प्रदेश स्तरबाट कृषकलाई आवश्यकता अनुसारका विभिन्न तालिम मार्फत दक्षता अभिवृद्धि भएको हुने। | |
| ३१२००१०६ | प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना | विभिन्न बालीको क्षेत्रफल विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत खाद्यान्न बाली २,२३१ हेक्टर, फलफूल खेती ३२७ हेक्टर, तरकारी खेती ४३५.७५ हेक्टर र आलुखेती २०५ विस्तार भएको। | १२ हजार साना व्यावसायिक उत्पादन केन्द्र (पकेट), १,२०० व्यावसायिक उत्पादन केन्द्र (ब्लक), २४० जोन तथा १७ सुपरजोन स्थापना भई एकीकृत रूपमा कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने।<br>प्रमुख खाद्यान्न बाली, तरकारी तथा माछा र मुख्य फलफूल बालीमा आत्मनिर्भर उन्मुख भएको हुने।<br>कस्टम हायरिङ सेन्टर स्थापना तथा सञ्चालनबाट यान्त्रीकरण प्रवर्द्धन भई उत्पादन लागत न्यूनीकरण भएको हुने।<br>पोष्ट हार्भेष्ट सेन्टर सञ्चालन मार्फत कृषि उत्पादनको पोष्ट हार्भेष्ट नोक्सानीमा कमी आउने एवम् ग्रेडिङ र प्याकेजिङमा सुधार | ७,१२२ हे. क्षेत्रफलमा जोन तथा सुपरजोनको क्षेत्रफल विस्तार गर्ने।<br>१,६०६ हे. मा विभिन्न बालीहरूको बीज वृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>११२ पटक जोन/ सुपरजोन क्षेत्रमा कृषि यान्त्रीकरणमा सहयोग गर्ने।<br>१५ कस्टम हायरिङ्ग सेन्टर स्थापना गर्ने।<br>५७ प्राविधिक शिक्षालयको साझेदारीमा व्यावसायिक उत्पादन कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>४८ वटा नर्सरी स्रोत केन्द्र स्थापना सहयोग कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>३५ स्थानीय तहको समन्वयमा बीउ स्रोत केन्द्र स्थापना कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>२,५०६ सिँचाइ पूर्वाधार निर्माण तथा मर्मत |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | भई मूल्य अभिवृद्धि भएको हुने।<br>मत्स्य ह्याचरी तथा पोखरी निर्माण एवम् सुदृढीकरण मार्फत १,००० हेक्टरमा नयाँ मत्स्य पोखरी क्षेत्र विस्तार भई माछा उत्पादन वृद्धि भएको हुने। | सम्भार गरी ५,०१२ हे क्षेत्रफलमा सिँचाइ सुविधा थप गर्ने।<br>६२९ बाखा खोर/ गाईगोठ सुधार गर्ने।<br>६ मत्स्य ह्याचरी निर्माण एव सुधार गर्ने।<br>करिब ३०० जना कृषि इन्टर्न परिचालन गर्ने। |
| ३१२००१०७ | लाइभस्टक सेक्टर इन्नोभेसन आयोजना | १२ पशु सेवा केन्द्र निर्माण भइरहेको (२ वटा अन्तिम चरणमा रहेको र ६ वटा आगामी बर्पको पहिलो चौमासिकसम्म सम्पन्न हुने)<br>दमकको पशुपन्छी हाट निर्माण भएको, २ वटा पशुपन्छी बजार निर्माणको अन्तिम चरणमा रहेको र २ वटाको ३० प्रतिशत काम सम्पन्न भएको।<br>कर्णाली प्रदेशको पशुपन्छी तालिम केन्द्र र राष्ट्रिय पशु प्रजनन कार्यालय पोखरामा Bull Mother Shed निर्माण भएको।<br>आयोजनाबाट ८५६ उत्पादनमूलक संस्था निर्माण गरी क्षमता अभिवृद्धि एवम् अन्य सहयोग गरिएको।<br>FMD र PPR Vaccine को कोल्डचेनको व्यवस्था भएको। गर्ने केन्द्रीय स्तरमा र प्रदेश स्तरमा सातवटा cold room को निर्माण गरिएको।<br>२० वटा भेटेरिनेरि अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्रमा USG मेसिन जडान, प्रयोगशालमा hametology analyzer लगायतका मेसिनेरि औजार जडान गरिएको। | दुध मासु र च्याङ्ग्राको उत्पादन तथा उत्पादकत्वमा वृद्धि भएको हुने। | दुध, मासु र पश्मिनामा पूरक अनुदान वितरण गर्ने।<br>पालिका स्तरमा पशु सेवा केन्द्र निर्माण(८ वटा) गर्ने।<br>धुलो दुध कारखाना स्थापना (कोहलपुर), धुलो दुध कारखाना मेशिनरी सहयोग (विराटनगर) गर्ने।<br>लुम्बिनी दुग्ध वितरण आयोजना लागि Cold Room खरिद गर्ने।<br>FMD भ्याक्सिन खरिद (६० लाख डोज) गर्ने।<br>फार्म क्वारेन्टाइन सेड निर्माण गर्ने।<br>भ्याक्सिनको Cold Chain Maintain गर्ने। पशु सेवा शाखा (स्थानीय तह) हरूमा Refrigerator खरिद गर्ने।<br>दुध संकलनको लागि Road Tanker खरिद (२) गर्ने। |
| ३१२००१०८ | खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुधार आयोजना | आयोजना क्लष्टर इकाइहरूबाट ४८.८२ मे.टन मूल तथा उन्नत बीउ (गहुँ, मुसुरो र मुङ), १५१.५मे. टन आलुको बीउ, ५१,८३० आलुको PBS दाना, ११.३१ | चामल, गहुँ, कोदो, फापर, तरकारी, कुखुरा, बाखा, गाई, भैंसीको उत्पादकत्व वृद्धि भई ६५ हजार लाभग्राहीको आम्दानी वृद्धि | कृषक पाठशाला (२२०) तथा पशुपन्छी पाठशाला (५०) संचालन गर्ने।<br>कृषक पाठशाला निरन्तरता कार्यक्रम (९०), |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | मे.टन घाँसको बीउ तथा ५० हजार नेपियर धाँसको सेट्स र १,३७८.६८ के.जि. विभिन्न तरकारी वालीको बीउ वितरण भएको।<br>२५० कृषक तथा पशुपन्छी पाठशाला संचालन भएका पशुपन्छी प्रवर्द्धन कार्यक्रम संचालन भएको।<br>१५२ पूरक अनुदान कार्यक्रमको छनोट सम्पन्न भई सम्झौताको क्रममा रहेको।<br>४०० घरबारी पोषण बगैंचा, ६४ पोषण पाठशाला संचालनमा रहेको।<br>१६८ साना अनुदान कार्यक्रम छनोट भई सम्झौताको क्रममा रहेको। | भएको हुने।<br>आयोजनाको कार्यक्षेत्रमा कृषि उत्पादनलाई बजारसँग जोड्ने प्रणाली तयार भएको हुने। | ग्रामीण कखुरा प्रवर्द्धन कार्यक्रम (७४), दुग्ध उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम (५०), बाख्रापालन प्रवर्द्धन कार्यक्रम (१५०), पशुपन्छी प्रवर्द्धन कार्यक्रम (२७४) र साना सिँचाइ कार्यक्रम (१२०) सञ्चालन गर्ने।<br>किसानबाट व्यवस्थापन हुने बोयर बाख्राको boer goat multiplier herds/units स्थापना (८) गर्ने।<br>आयोजना लागू भएका गाँउपालिकामा AI Unit को स्थापना (१२) गर्ने।<br>बीउ उत्पादक समुहहरूलाई मूल बीउमा सहयोग (धान, गहुँ, मकै, कोदो, फापर, मसुरो, सिमी, आलुको PBS tubers) गर्ने।<br>कृषकहरूलाई उन्नत बीउ (धान, गहुँ, मकै, कोदो, फापर, मसुरो, सिमी, मुङ, मास, आलु), सिजनल तरकारी तथा घाँसको बीउ वितरण गर्ने।<br>Group support for drudgery reduction र Farm Business School (FBS) संचालन(१६) गर्ने।<br>पूरक अनुदान (२५०) र साना अनुदान (२००) वितरण गर्ने।<br>ग्रामीण बजार, संकलन केन्द्र तथा हाटबजारको सुधार (१६) गर्ने।<br>प्रशोधन तथा व्यवस्थापन संरचनाको निर्माणमा |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | सहयोग (२६) गर्ने।<br>पोषण पाठशाला (६४) एवम् पोषण पाठशाला - follow up support (६४) संचालन गर्ने।<br>घरबारी पोषण बगैचा कार्यक्रम (४००) तथा घरबारी पोषण बगैंचा कार्यक्रम - follow up support (४४०) संचालन गर्ने। |
| ३१२००१०९ | कृषि क्षेत्र विकास कार्यक्रम | ३४० समूह सहकारीसँग सहलगानी सम्झौता भएको र त्यसमध्ये १८ कृषक समूह र सहकारीलाई सम्झौता अनुसार रु. ४८ लाख भुक्तानी भएको।<br>५ वटा कृषि सडक र ३ वटा कृषि बजार छनोट भई DPR को लागि काम अगाडि बढेको, फिल्डमा सर्भे भइरहेको।<br>५५ वटा सामुदायिक पूर्वाधार मध्ये ३५ वटा सिँचाइ कुलो र २० वटा डिपिङ टंकी निर्माण भइरहेको जसमा १८ वटा निर्माण सम्पन्न भएको।<br>१२३ समूहसँग कक्षा संचालनका लागि सम्झौता भएको र ३३ समूहलाई रु. १७ लाख १६ हजार भुक्तानी भएको<br>३० पालिकाका शाखाहरूको क्षमता लेखाजोखा गरिसकेको र मेसिनरीहरूको माग अनुसारको सूची तयार गरी मेसीनरी सहयोगका लागि कार्य अघि बढेको। | हिमाली र पहाडी क्षेत्रका ३५ हजार कृषकका घरधुरीमा छनोट भएका १३ उच्च मूल्य कृषिवस्तुमा सहलगानी गरी गरिबी घटाउने र ती मध्येको २५ हजार घरधुरीको आम्दानी दुई गुणा बढेको हुने र प्रजनन उमेरका २४,२५० महिलाको पोषण सुरक्षा सुनिश्चित भएको हुने।<br>सहलगानीका लागि कृषकलाई कर्जाका लागि उपयुक्त बैंक तथा वित्तीय सस्थासँग कर्जा प्रवाहका लागि सम्पर्क विस्तार भएको हुने।<br>२ हजार युवालाई पूर्वाधार निर्माण सम्बन्धी रोजगारी मूलक तालिम प्रदान गरेको हुने<br>१,२०० कृषक समूह तथा सहकारीलाई वित्तीय शिक्षा तथा व्यवसाय साक्षरता, पोषण र नँया प्रविधि सम्बन्धी तालिम प्रदान गरी कृषि सम्बन्धी ज्ञान बढाई निर्वाहमुखी कृषिलाई व्यावसायिक कृषिमा | मागमा आधारित मूल्य शृंखला विकासका लागि कृषक समूह र सहकारीलाई सहलगानीमा सहयोग गर्ने।<br>बहुसरोकारवाला प्लेटफर्म (MSP) सँग सहकार्य गरी कार्यमूलक अनुसन्धान सञ्चालन गर्ने।<br>१२० सामुदायिक कृषि प्रसार सेवाकेन्द्र स्थापना तथा संचालनमा सहयोग गर्ने।<br>ग्रामीण पूर्वाधार विकास तथा निर्माणका लागि पुँजीगत अनुदान ग्रामीण सडक पुल, सिँचाइ आयोजना निर्माण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | रुपान्तरणमा सहयोग पुगेको हुने | |
| ३१२००११२ | नेपाल कृषि बजार विकास कार्यक्रम | कृषि बजार विकासका क्रियाकलापहरू संचालन भएको। | २५ हजार अर्ध–व्यावसायिक र व्यापारिक उत्पादन एकाइको अतिरिक्त वार्षिक आय सरदर २० हजार रुपैयाले वृद्धि भएको हुने, जसमध्ये ३० प्रतिशत उत्पादन एकाइ महिलाले नेतृत्व गरेको हुने र गरिब र विपन्न वर्गका लागि करिव १,६०० नयाँ रोजगारी सृजना भएको हुने। | तुलनात्मक लाभ भएका कृषि उपजको बजार विकासका क्रियाकलाप संचालन हुने। |
| ३१२०१०११ | कृषि विभाग | कृषिको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिको लागि समन्वय तथा सहजीकरण गरिएको। | विभाग अन्तर्गतका फार्म केन्द्र तथा प्रयोगशालाको सुदृढीकरणबाट किसानलाई विशिष्टीकृत प्राविधिक सेवा प्रदान गर्न सहजीकरण भएको हुने।<br>कृषि बिमा र व्याज अनुदान (कोल्ड स्टोरेज लगायतका) को व्यवस्थापन भएको हुने।<br>कर्मचारी व्यवस्थापन तथा क्षमता विकास भएको हुने। | उखु उत्पादन प्रोत्साहन अनुदान वितरण गर्ने।<br>बाली बिमा प्रिमियम अनुदान, नीतिगत पृष्णपोषण तथा बाली बिमा अभिकर्ता तालिम सञ्चालन गर्ने।<br>प्रमुख बालीहरूको उत्पादन लागत अध्ययन तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य सिफारिस गर्ने।<br>बजार मूल्य संकलन तथा प्रकाशन गर्ने।<br>कृषि शिक्षा अनुसन्धान र प्रसार वीच समन्वय गर्ने।<br>प्रमुख बाली उत्पादन मापदण्ड तयारी गर्ने।<br>कार्यक्रम संचालनमा सहजीकरण तथा अनुगमन गर्ने। |
| ३१२०११०१ | राष्ट्रिय आलु, तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम | राष्ट्रिय स्तरको बागवानी गोष्ठी सम्पन्न भएको जसमा २२ मौखिक प्रस्तुतीकरण र १३ पोस्टर प्रस्तुतीकरण भएको।<br>आलु, तरकारी तथा मसला बालीको तथ्यांक संकलन | सम्वन्धित बालीका फार्म केन्द्रहरूलाई सेन्टर अफ एक्सलेन्सको रूपमा विकास गरिएको हुने।<br>स्थानीय तथा उन्नत जातका आलु | अलैंचीको ५० हजार तथा एभोकाडोको ४ हजार बेर्ना उत्पादन गर्ने।<br>विभिन्न तरकारी बालीको ७.४ के.जी. प्रजनन बीउ ७९७ के.जी. मूल बीउ ७९६.५ के.जी. |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | तथा अद्यावधिक गर्न ४ वटा प्रदेश स्तरीय गोष्ठी भएको संघ तथा प्रदेशका वागवानी फार्ममा विभिन्न तरकारी बालीको १९०० के.जी. मूल तथा १६७८.५ के.जी. उन्नत बीउ उत्पादन भएको।<br>७६१.८१ के.जी. विभिन्न तरकारी बालीको स्रोत बीउ, २७ लाख ७५ हजार विभिन्न मौसमी तरकारी बालीका बेर्नाहरू, ७.५८ के.जी. गोलभेंडाको वर्णशंकर (सृजना) विउ, ७ लाख ९८ हजार आलंकारिक फूलका बेर्ना, ३७ हजार ५ सय दाना आलुको पुर्व मूल बीउ (PBS), १०.७ के.जी. आलुको टी.पी.एस. बियाँ, १०.३३ मे.टन आलुको बेसिक बीउ र १ हजार एभोकाडो (HASS र ETINGER जात)को बेर्ना उत्पादन भएको। | बालीको जर्मप्लाज्म संकलन तथा संवर्द्धन भएको हुने।<br>२७ हजार तरकारी बेर्ना उत्पादन तथा बिक्री वितरण गरी तरकारी उत्पादकत्वमा वृद्धि भएको हुने।<br>गोलभेंडाको वर्णशंकर जात सृजनाको बीउ उत्पादन तथा बिक्री वितरण गरी गोलभेंडाको व्यावसायिक उत्पादन भएको हुने। | उन्नत बीउ तथा ३८ लाख ६० हजार बेर्ना उत्पादन तथा वितरण गर्ने।<br>आलुको ५० हजार दाना पूर्व मूल बीउ, १० के.जी. टी.पी.एस. दाना तथा १४ मे.टन आलुको स्रोत बीउ उत्पादन गर्ने।<br>स्थानीय तहमा सशर्त हस्तान्तरित कार्यक्रम मार्फत आलु खेती विस्तार तथा बट्टउ उत्पादन कार्यक्रम तथा प्याज गानो उत्पादन कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३१२०११०२ | राष्ट्रिय फलफूल विकास कार्यक्रम | फलफूल बिरुवाहरूको माग तथा आपूर्ति (वासलात) सम्बन्धी सफ्टवेयर तयार भएको र सोको उपयोगबाट ५५ नर्सरी धनी तथा १०५ कृषक एवम् कार्यालयहरूबाट फलफूल बिरुवाको माग तथा आपूर्तिको विवरण तयार भइरहेको।<br>हिउँदे फलफूलको ब्यालेन्स सिट तयार गरी स्रोत केन्द्र तोकिएको।<br>सुन्तला जात फलफूलका ४० हजार बिजु तथा कलमी बिरुवा उत्पादन भएको र सो बालीको ५० हजार रुटस्टक उत्पादन भएको।<br>वर्षे फलफूलका १,१७,११६ बिरुवा उत्पादन भएको आलंकारिक बिरुवा २६,०५० वटा उत्पादन भएको। | सम्बन्धित बालीका फार्म केन्द्रहरूलाई सेन्टर अफ एक्सलेन्सको रूपमा विकास गरिएको हुने।<br>फलफूलको रुटस्टक बिरुवा उत्पादन (एम.पी) कटिङ्ग २७०००, क्रेप स्याउ ३३०००, मयल ५००००, हिउदे फलफूल बिरुवा २५०००० (स्याउ ११०००० ओखर १५००० नास्पाति ५०००० हलुवावेद १००००, किवी १५०००, आरु/आरुवखडा २०००० अन्य ३००००), तीनपाते सुन्तला १५००००, सुन्तलाजात फलफूल बिरुवा २००००००, आँप लिची लगायत अन्य | विभिन्न फलफूलका बिरुवाको प्राविधिक मापदण्ड तयार गर्ने।<br>उष्ण प्रदेशीय वागवानी केन्द्र, सर्लाहीलाई Centre of Excellence को रूपमा विकास गर्ने।<br>हिउँदे, वर्षे तथा सुन्तला जातका फलफूलका ३,६८,५०० बिरुवा उत्पादन तथा १,८७,००० बिरुवा विभिन्न फार्म केन्द्रबाट बिक्री वितरण गर्ने।<br>स्थानीय तहमा सशर्त हस्तान्तरित कार्यक्रम मार्फत पुरानो फलफूल नर्सरी सुदृढीकरण कार्यक्रम, फलफूल दशक अन्तर्गत फलफूल बिरुवा रोपण कार्यक्रम, ओखर खेती विस्तार |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | वर्षे फलफूल बिरुवा ७५०००० गरी व्यावसायिक फलफूल उत्पादन भएको हुने।<br>हाई डेन्सिटि प्लान्टिङको लागि स्याउका ड्वार्फिङ रूटस्टक र स्पर टाइप एप्पल भेराइटिजको प्लट स्थापना तथा व्यवस्थापन भई व्यावसायिक स्याउ खेती विस्तारमा सहयोग पुगेको हुने।<br>तरकारी बालीको स्रोत बीउ उत्पादन तथा विक्री वितरण मार्फत तरकारी उत्पादकत्वमा वृद्धि भएको हुने। | कार्यक्रम, व्यावसायिक कागती खेती कार्यक्रम तथा स्याउ खेती विस्तार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३१२०११०३ | व्यावसायिक कीट विकास | मौरी तथा रेशम खेतीको विस्तार भएको। | ४,५०० गुणस्तरीय रानु उत्पादन तथा वितरण, ५,५०० वटा मौरी घार वितरण भई व्यावसायिक मौरीपालनबाट १८,००० मे.टन मह उत्पादन भएको हुने।<br>च्याउखेतीमा यान्त्रीकरण तथा नवीनतम प्रविधिको सुरुवात गरी कृषक स्तरमा १० हजार मे.टन च्याउ उत्पादन तथा बिक्री वितरणबाट आयआर्जन वृद्धि भएको हुने।<br>७० हेक्टरमा किम्बु बगैंचा फार्म व्यवस्थापन तथा ६०० हेक्टरको क्लष्टरमा किम्बु क्षेत्र विस्तार गरी ५५०० के.जी. रेशम बीज कोय, २५ | रेशम खेती विस्तार गर्ने।<br>मौरी पालन व्यवसायको विस्तार गरिने, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | हजार बक्स रेशम बीज र ३५ लाख ५५ हजार किम्बु बिरुवाको उत्पादन भएको हुने। | |
| ३१२०११०४ | वाली विकास तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम | उन्नत बीउमा अनुदानको लागि ३७९ स्थानीय तहमा ३,२१६(मकै ७९१ र धान २,४२५) मे.टन बीउ वितरण गरिएको।<br>सुन्दरपुरमा ५५.७ मे.टन र चन्दाडाँगीमा करिब ७० मे.टन धानको बीउ प्रशोधन गरी भण्डारण गरिएको।<br>२२.८३ र ११.८ हे. मा गहुँ तथा मकैको स्रोत बीउ उत्पादन भएको।<br>चैते धानको १० मे.टन तथा गहुँको ३४.८ मे.टन स्रोत बीउ बिक्री भएको। | धान, गहुँ, मकै र उखु बालीको न्यूनतम समर्थन मूल्य तोकी कार्यान्वयनमा नीतिगत सुधार गरिएको हुने।<br>सचेतना तथा बाली विकास कार्यक्रम संचालन गरी उन्नत बीउबीजनको प्रयोगबाट प्रमुख खाद्यान्न उत्पादनमा आत्मनिर्भर भएको हुने।<br>स्थानीय खाद्य सुरक्षालाई टेवा पुऱ्याउन रैथाने बालीहरूको खेती, उत्पादन तथा उयभोग बढेको हुने।<br>खाद्यान्न बालीको सीमावर्ती समस्या तथा बढ्दो आयातसँग सम्बन्धित समस्याको अध्ययन तथा पहिचान गरी समस्या समाधानका लागि नीतिगत व्यवस्था भएको हुने। | बाली विशेष (औद्योगिक बाली, रैथाने बाली, तेलहन बाली र दलहन बाली) को राष्ट्रिय रणनीति एवम् कार्ययोजना तयारी गर्ने।<br>स्थानीय तहमा सशर्त हस्तान्तरित कार्यक्रम मार्फत धान उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम, मकै उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम, गहुँ उत्पादन प्रवर्द्धन कार्यक्रम, रैथाने बाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम र स्रोत तथा उन्नत वीउमा अनुदान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>विभिन्न खाद्यान्न बालीको मूल बीउ उत्पादन (धान १४९ मे. टन., गहुँ ३७ मे. टन., मकै २० मे. टन., तोरी २ मे. टन., मसुरो १.६मे. टन.) उत्पादन गर्ने। |
| ३१२०११०५ | केन्द्रीय कृषि प्रयोगशाला कार्यक्रम | केन्द्रीय कृषि प्रयोगशाखाबाट ऐन नियम तथा प्रमाणीकरण प्रयोजनको लागि प्रस २६ नमुना परीक्षण गरिएको।<br>१९ वटा रासायनिक तथा प्रांगारिक मल परीक्षण गरिएको।<br>बीउबीजन प्रयोगशालावाट १४७ बजार तथा विभिन्न प्रयोशालाको क्रस चेक नमुना परीक्षण कार्य सम्पन्न | राष्ट्रिय स्तरमा प्रयोगशाला स्थापना एवम् सन्चालन भएको हुने।<br>निजी तथा गैर सरकारी क्षेत्रवाट संचालित प्रयोगशालाको स्तर निर्धारण भएको हुने।<br>सरकारी, गैर सरकारी तथा निजी माटो, बीउ तथा वाली संरक्षण प्रयोगशालाहरूको क्षमता विकास भएको हुने। | माटो परीक्षण तथा स्वायल हेल्थ कार्ड वितरण गर्ने।<br>मलखाद परीक्षण प्रयोगशाला सेवा सञ्चालन गर्ने।<br>बीउ परीक्षण प्रयोगशाला सेवा सञ्चालन गर्ने।<br>बाली संरक्षण प्रयोगशाला सेवा सञ्चालन गर्ने।<br>द्रुत विषादि अवशेष परीक्षण तथा जनचेतना |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | भएको। | बीउबीजन परीक्षण, वाली संरक्षण प्रयोगशाला, माटो तथा मल परीक्षण सम्बन्धी अनुसन्धान तथा विकास भएको हुने।<br>अन्तराष्ट्रिय प्रत्यायन सम्बन्धी कार्यहरू भएको हुने।<br>७ वटै प्रदेशमा प्रयोगशाला संचालनमा निरन्तरता दिई कृषि वस्तुमा विषादिको प्रयोग न्यूनीकरण गरी आम उपभोक्ताको स्वास्थ्य सम्बन्धी हकहित सुनिश्चित भएको हुने। | अभिवृद्धि गर्ने।<br>Digital Soil Map अपडेट गर्ने। |
| ३१२०११०६ | कृषि पूर्वाधार विकास तथा कृषि यान्त्रिकीकरण प्रवर्द्धन कार्यक्रम | आधुनिक कृषि बजार निर्माणका लागि २ वटा डिपिआर तयारी भएको।<br>संघ अन्तरगत रहेको १ कृषि उपज थोक बजार स्तरोन्नति भएको।<br>कागेश्वरी मनोहरा न.पा., बुढानीलकण्ठ न.पा. र रौतहटको कटहरियामा कृषि उपज बजारस्थल निर्माणको DPR तयार गरी सम्बन्धित स्थानीय तहमा सशर्त वित्तीय हस्तान्तरण भएको।<br>७ डिप ट्युबवेल, ८ पम्प हाउस निर्माण, ५ ट्रान्सफर्मर जडान, २ सरकारी कार्यालयमा डिप टियुबवेल निर्माण, ८ विद्युतीय पम्प जडान र भूमिगत नाला निर्माण भएको।<br>१२ मे.टन स्रोत बीउ वितरण (धान र गहुँ) भएको। | प्रदेश तथा स्थानीय तहसँगको समन्वयमा ठूला र साना कृषि उपज बजार पूर्वाधार स्थापना भई संचालनमा आएको हुने<br>डिप ट्युबवेल तथा स्यालो ट्युबवेल जडान भई थप सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने।<br>प्रदेश तथा स्थानीय तहसँगको समन्वयमा साना तथा मझौला क्षमताका कोल्ड चेम्बर तथा वर्कसप सुविधा सहितका कस्टम हायरिङ सेन्टर स्थापना भएको हुने। | संघीय कृषि बजार (४ वटा) को स्तरोन्नति/पूर्वाधार विस्तार गर्ने।<br>३ स्थानमा आधुनिक कृषि बजार पूर्वाधारको DPR तयारी गर्ने।<br>कृषि बजारको राष्ट्रिय गुरुयोजना तयारी गर्ने।<br>प्रदेश तथा स्थानीय तहसँगको समन्वयमा साना तथा मझौला क्षमताका कोल्ड चेम्बर तथा वर्कसप सुविधासहितका कस्टम हायरिङ सेन्टर स्थापना गर्ने। |
| ३१२०११०७ | रानी जमरा कुलरिया | १५० मे.टन क्षमताको केरा पकाउने चेम्बर निर्माण र | बीज (धान, गहुँ, तोरी र मसुरा) वृद्धि | खाद्यान्न (धान, मकै, तोरी, दलहन) बालीको क्षेत्र |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | सिँचाइ आयोजना – प्रणाली आधुनिकीकरण कृषि कार्यक्रम | ११० हे. मा उन्नत खेतीको क्षेत्रफल विस्तार भएको।<br>५ वटा ४६० मे.टन क्षमताको बीउ भण्डार गृह निर्माण भएको।<br>२,२६६ हे. मा खाद्यान्न बीउ उत्पादन तथा ८५५ हे. तरकारी उत्पादन कार्यक्रम भएको।<br>पशु उत्पादन प्रविधि तथा रोग व्यवस्थापन कार्यक्रम (३० समूहमा) भएको। | भएको हुने।<br>फलफूल (केरा, कागती, मेवा, आँप र अनार) र तरकारीको व्लक प्रदर्शनी भएको हुने।<br>केरा पकाउने घर निर्माण भएको हुने। | विस्तार गर्ने।<br>बीजवृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>१ कोल्डस्टोर, बीउ भण्डार घर तथा अन्य पूर्वाधार निर्माण गर्ने।<br>केराको टिस्युकल्चर ल्याव स्थापना गर्ने।<br>गरिब तथा मुक्त कमैया लक्षित कार्यक्रम, कृषि यान्त्रीकरण सहयोग कार्यक्रम र पशु उत्पादन प्रविधि प्रदर्शन तथा रोग व्यवस्थापन कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३१२०२०११ | पशु सेवा विभाग | अण्डा, मासु तथा पाउडर दुधमा मुलुक आत्मनिर्भर घोषणा गरिएको।<br>बर्डफ्लु रोग नियन्त्रण गर्ने क्रममा २०,५१३ पन्छी ४,१५७ के.जी. दाना तथा ५,०४३ गोटा अण्डा सुरक्षित तवरले नष्ट गरी कृषकलाई राहत वितरण गरिएको।<br>३,०८० वर्ग मिटर काँचो छाला ,३३ मे.टन शुद्ध घ्यू र ७७४ मे.टन छुर्पी लगायत पशुजन्य उत्पादन निर्यात गरिएको। | पशुपन्छी सेवाका कार्यक्रमहरूको सहजीकरण र समन्वय भएको हुने।<br>दुध, अण्डा र मासुको उपलब्धतामा वृद्धि भएको हुने। | TIA क्वारेन्टाइनमा Cold room खरिद तथा जडान गर्ने<br>पशुपन्छी रोग अन्वेषण तथा नियन्त्रण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने<br>पशुपन्छी बिमाको लागि अन्य संस्थालाई चालु अनुदान वितरण गर्ने |
| ३१२०२१०१ | मत्स्य विकास कार्यक्रम | २ करोड ४६ लाख ८७ हजार ह्याच्लिङ्ग , फ्राइ, फिङ्गरलिङ्ग वितरण गरिएको।<br>४० लाख शुद्ध नक्षको ह्याच्लिङ्ग, ४ लाख शुद्ध नक्षको फिङ्गरलिङ्ग, ३ लाख २ हजार शुद्ध नक्षको एडभान्स फिङ्गरलिङ्ग, २ लाख शुद्ध नक्षको फयुचर ब्रुड ट्याग्गिङ गरी वितरण गरिएको।<br>३० हजार सौन्दर्य माछा उत्पादन तथा वितरण गरिएको | थप ३ हजार हे. मत्स्य क्षेत्रफल विस्तार, ९० करोड मत्स्य बीज उत्पादन तथा वितरण गरी २ लाख ८० हजार मे.टन मत्स्य उत्पादन भएको हुने जसबाट मत्स्य क्षेत्रको व्यवसायीकरण र कृषकको आयस्तरमा वृद्धि भएको हुने।<br>९ जिल्लामा अभियानका रूपमा रेन्बो | ६००० हजार फ्राइ, २५०० हजार फिङ्गरलिङ्ग, २५० हजार एडभान्स फिङ्गरलिङ्ग, ५० हजार सौन्दर्य माछा, ८५०० हजार ह्याचलिङ्ग उत्पादन तथा वितरण गर्ने।<br>शुद्ध नक्षका ८०० हजार फिङ्गरलिङ्ग, २०००० हजार ह्याचलिङ्ग, ४०० हजार एडभान्स फिङ्गरलिङ्ग उत्पादन तथा वितरण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | ट्राउट उत्पादन कार्यक्रम मार्फत रेन्बो ट्राउट को व्यसायीकरण भएको हुने। | |
| ३१२०२१०२ | पशु स्वास्थ्य रोग अन्वेषण सेवा तथा क्वारेन्टाइन कार्यक्रम | २ करोड ६७ लाख ४३ हजार डोज विभिन्न किसिमका खोप उत्पादन भएको।<br>सातै प्रदेशमा ९८ लाख ५४ हजार १ सय डोज खोप निःशुल्क वितरण गरिएको।<br>विभिन्न किसिमका २ करोड १८ लाख ४१ हजार ४ सय ६८ डोज खोप बिक्री भएको।<br>राष्ट्रिय रोग नियन्त्रण कार्यक्रमको लागि अधिकांश खोप (एचएसबिक्यु खोप) बाहेक सम्पूर्ण खोप सातै प्रदेशमा वितरण भइसकेको र एफ.एम. डि. खोप वितरणको तयारी भइरहेको। | AI, PPR, ND, Rabies जस्ता रोगको Gold standard protocol तयार भएको हुने, राष्ट्रिय खोप उत्पादन प्रयोगशाला रेबिज खोप उत्पादन युनिट समेत BSL2 plus मा स्तरोन्नति भएको हुने।<br>खोप उत्पादन सेवा विस्तार गर्न enterotoxaemia, IB, IB ND F1 and IB Lasota उत्पादन प्रक्रिया सुरु भएको हुने। | रोग निदान सेवा सञ्चालन गर्ने।<br>खोपको प्रभावकारिता अध्ययनका लागि सिरोमोनिटरिङ गर्ने।<br>प्रमुख जुनोटिक रोग सर्भिलेन्स कार्यक्रम (Toxoplasmosis, Brucellosis, Leptospirosis) सञ्चालन गर्ने।<br>३,२०० खोरेत तथा सीमाविहीन पशु रोगको नमुना संकलन तथा निदान गर्ने।<br>१८०० पशुपन्छीको उपचार, ५०० मेजर सर्जरी, ४५० गाइनाकोलोजी उपचार ४५० माईनर सर्जरी २०० छाला जाँच ४०० पोस्टमार्टम परीक्षण गर्ने।<br>३०० टेली भेटेरिनरी मेडिसिन सेवा, ४५० अल्ट्रासाउण्ड सेवा, १००० एक्स रे सेवा, १०० एम्बुलेटरी सेवा संन्चालन गर्ने।<br>पिपिआर खोप ७१२० हजार, रेबिज खोप १२० हजार, क्लासिकल स्वाईन फिवर खोप ७०० हजार, रानीखोत आर.टु.वी./लासोटा खोप ५००० हजार, रानीखोत आइ.टु. खोप १५०० हजार, गम्बोरो/फलपक्स खोप ८००० हजार र रानिखेत एफ-१ खोप उत्पादन २०००० हजार डोज खोप उत्पादन तथा ढुवानी गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३१२०२१०३ | पशुपन्छी स्रोत व्यवस्थापन तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ९० हजार ४९० ड्यूअल पर्पोज कुखुराको चल्ला एवम् ३७२ उन्नत पशुपन्छी (भेडा, मुर्रा तथा जर्सीको पाडा पाडी, वाच्छा वाच्छी र वंगुर) पाठापाठी उत्पादन तथा वितरण भएको।<br>४९ हजार ५४० वहुवर्षीय तथा वर्षे घाँसको सेट, बेर्ना, गाँनु तथा १०.८६ मे.टन घाँसको बीउ उत्पादन तथा वितरण भएको। | गाई भैंसी तथा बाख्रामा गरिने कृत्रिम गर्भाधान सेवा हालको वार्षिक ७ लाख पुगेको हुने,<br>बंगुर औद्योगिक पार्कको स्थापना तथा संचालन मार्फत गुणस्तरीय मासु उत्पादन तथा बजारीकरणमा टेवा पुगेको हुने<br>च्याङ्ग्रा स्रोत केन्द्र स्थापना मार्फत मासु तथा पश्मिना उत्पादनमा टेवा पुगेको हुने<br>फार्म केन्द्रहरू Centre of Excellence को रूपमा विकास भएको हुने।<br>मूल बीउ र उपयोगी जातका बोयर बाख्रा, योर्कशायरल्याण्डरेस तथा ड्युरोक बंगुर, ग्रामीण कुखुरा र मुर्रा राँगोको उपलब्धता सुनिश्चित भएको हुने। | ६ लाख डोज जमेको वीर्य उत्पादन तथा वितरण र ५ लाख गाई भैंसीमा कृतिम गर्भाधान गर्ने।<br>२४,८२५ के.जि. (टियोसेन्टि, जै, ज्वाइन्ट भेज, डिस्मोषियम, कुडजु, स्टाइलो तथा डालेघाँसको) मूल बीउ उत्पादन तथा वितरण गर्ने।<br>२५ गाईका बाच्छाबाच्छी, १७० बंगुरका पाठापाठी, ४० याकनाक, १०० भेडाका पाठापाठी, १५० खरी बोका, ३० बोयर बोका तथा ४० बोयर क्रस बोका उत्पादन तथा वितरण गर्ने।<br>स्थानीय याक, भेडा बाख्रा, गाई, घाँसेबाली आदिको संरक्षण गरी उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धिका लागि नवीनतम प्रविधिको परीक्षण तथा विस्तार गर्ने। |
| ३१२०२१०४ | पशु आहारा तथा लाइभस्टक गुण व्यवस्थापन कार्यक्रम | प्रयोगशालाबाट ४१ हजार ९६ नमुना संकलन तथा परीक्षण गरिएको।<br>९४० औषधि र खोप, ३,१९२ दुध, मासु तथा दानाको नमुना संकलन तथा परीक्षण गरिएको।<br>HPLC विधिद्वारा २१६ दाना तथा कच्चा पदार्थको नमुना तथा फिड सप्लिमेण्टमा amino acids, vitamins, aflatoxin परीक्षण, दानाको उद्योगहरूबाट उत्पादित तयारी दानाको १,७६३, स्थानीय तहबाट ६२८ दानाहरूको नमुना संकलन तथा परीक्षण गरिएको<br>२,१३७ दुध, ७३ घाँसहरूको नमुना संकलन तथा | पशु आहारका लागि घाँस उत्पादनमा वृद्धि भएको हुने।<br>आयात तथा निर्यात हुने तयारी दाना, दाना कच्चा पदार्थ तथा फिड सप्लिमेन्टहरूको गुणस्तर सूनिश्चित भएको हुने।<br>दाना कच्चा पदार्थहरूको नमुना संकलन तथा परीक्षण भएको हुने। | दाना उद्योग तथा दानाको ढुवानी, बिक्री वितरण र भण्डारणमा संलग्नहरूको अडिटका लागि आधार तय गर्ने।<br>साइलेज, TMR र Mineral Block को गुणस्तर निर्धारण गर्ने।<br>लाइभष्टक गुण व्यवस्थापन प्रयोगशालाको SOP तयारी, 250HPLC बाट दाना तथा फिड सप्लिमेण्टमा amino acids, vitamins, aflatoxin परीक्षण तथा प्रतिवेदन तयारी गर्ने।<br>दानाको उद्योगबाट उत्पादित तयारी दानाको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | परीक्षण गरिएको। | | १,५०० नमुना संकलन तथा परीक्षण गर्ने।<br>स्थानीय तहबाट दानाको १,८००, दानाको कच्चा पदार्थको ६०० तथा घाँसको १५०, दुधको ६०० नमुना संकलन तथा परीक्षण गर्ने। |
| ३१२०३१०१ | खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम | ४,८८८ पटक खाद्य उद्योग, दाना उद्योग, बजार, होटल, रेष्टुरेन्ट, हाटबजार, मेला, महोत्सव अनुगमन भएको<br>खाद्य तथा दाना पदार्थको ४,६०४ नमुना संकलन तथा नियमन भएको।<br>५४,८६७ आयातीत खाद्य तथा दाना नमुनाको भन्सार नाकामा नै गुणस्तर प्रमाणीकरण भएको।<br>३,४२२ खाद्य तथा दाना उद्योगको अनुज्ञापत्र जारी तथा नवीकरण भएको।<br>१७,०७८ खाद्य तथा दाना नमुनाको प्रयोगशाला विष्लेषण भएको। | खाद्य वस्तुको वितरण एवम् आयात र निर्यातसम्म शुद्धता कायम भई आम उपभोक्ताको हकहित एवम् स्वास्थ्य संरक्षणमा मद्दत पुगेको हुने<br>प्रमाणीकृत एवम् भरपर्दो विश्लेषण सेवा प्रदान भई निर्यात प्रवर्द्धनमा टेवा पुगेको हुने<br>उपयुक्त खाद्य पोषण कार्यक्रममार्फत कुपोषण न्यूनीकरण र खाद्य पोषण सुरक्षामा सघाउ पुगेको हुने<br>कृषि एवम् पशुजन्य खाद्य उत्पादनमा विषादि, एण्टीबायटिक हर्मोनको अवशेष पहिचान एवम् विश्लेषण गरी उपभोक्ता सचेतना कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको हुने। | खाद्य उद्योग, दाना उद्योग, बजार, होटल रेष्टुरेन्ट, हाटबजार, मेला, महोत्सव अनुगमन गर्ने।<br>६,५०० वटा खाद्य तथा दाना पदार्थको नमुना संकलन गरी नियमन गर्ने।<br>५० हजार वटा आयातीत खाद्य तथा दाना नमुनाको भन्सार नाकामा नै गुणस्तर प्रमाणीकरण गर्ने।<br>४,५०० वटा खाद्य तथा दाना उद्योगलाई अनुज्ञापत्र जारी तथा नवीकरण गर्ने। |
| ३१२२१०११ | राष्ट्रिय किसान आयोग | विभिन्न आयोजनाको अनुगमन एवम् पृष्ठपोषण गरिएको<br>किसानहरूको स्थलगत समस्या पहिचान एवम् सुझाव प्रदान गरिएको।<br>मन्त्रालयले तयार गरेका ऐन, नियमावलीमा किसान संघ सगठनहरूको राय सुझाव संकलन गरी उपलब्ध | केन्द्र तथा प्रदेश स्तरमा कृषि प्रसार, अनुसन्धान र विकास तथा किसान सम्बद्ध समसामयिक समस्याहरू पहिचान भएका हुने<br>केन्द्र तथा प्रदेश स्तरमा किसान संघ | रासायानिक मलको प्रभावकारी वितरण प्रणाली सम्बन्धी अध्ययन गर्ने।<br>तीनै तहका सरकारका ऐन नियम/ कानूनको एकरूपता तथा सामन्जस्यता ल्याउन अध्ययन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | गराइएको।<br>प्रदेश स्तरमा किसान संघ संगठनहरूको क्षमता अभिवृद्धि तथा अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको। | संगठन संस्थाहरूको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने। | प्रदेश स्तरमा किसान संघ संगठनहरूको क्षमता अभिवृद्धि तथा अभिमुखीकरण गर्ने।<br>कृषि तथा पशुपन्छी जन्य उत्पादन गर्ने।<br>कृषक, व्यवसायी तथा अन्य सरोकारवाला सँगको समस्या पहिचान तथा समाधानको लागि अध्ययन गर्ने।<br>आयोजनाहरूको अध्ययन/ अवलोकन/ अनुगमन एवम् पृष्ठपोषण गर्ने। |
| ३१२३१०११ | राष्ट्रिय चिया, कफी तथा अलैंची विकास बोर्ड | नेपाली अर्थोडक्स चिया ट्रेडमार्क कार्यान्वयनको क्रममा १२ चिया उद्योगलाई ट्रेडमार्क प्रयोगको अनुमति दिइएको।<br>चक्लाबन्दीमा कफी खेती विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत ७०० रोपनीमा कफी विस्तार गर्न प्रस्तावना स्वीकृत गरिएको।<br>पोखरामा नमुना कफी प्रशोधन केन्द्रको निर्माण सम्पन्न हुने चरणमा रहेको।<br>नुवाकोटमा नमुना चिया प्रशोधन केन्द्र निर्माणको कार्य सुचारु रहेको। | चिया, कफी तथा अलैंचीको बजारीकरण र अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार विस्तार भएको हुने। | चक्लाबन्दीमा २,५०० रोपनीमा कफी खेती विस्तार गर्ने।<br>१० लाख ५० हजार गुणस्तरीय कफी विरूवा उत्पादन गर्ने।<br>नेपाली चियाको ब्राण्ड प्रवर्द्धन गर्ने।<br>इलाममा कफी प्रशोधन कारखाना स्थापना गर्ने। |
| ३१२३१०१२ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड | दुध तथा दुधजन्य पदार्थ ढुवानी गर्ने सवारी साधनलाई निर्वाध रूपमा आवतजावत गर्नको लागि लोगो डिजाइन तथा सार्वजनिक गरी वितरण गरिएको। | दुग्ध व्यवसाय क्षेत्रको नीतिगत व्यवस्था र विकासमा सहयोग पुगेको हुने,<br>दुधको बजारिकरण प्रबर्द्धन हुने तथा गुणस्तरमा वृद्धि भएको हुने। | दुग्ध पदार्थ विधिकरण तालिम सञ्चालन गर्ने।<br>चिलिङ्ग भ्याट मर्मत तालिम प्रदान गर्ने।<br>नीतिगत सुझाव प्रदान गर्नको लागि दुग्ध क्षेत्रको अध्ययन गर्ने।<br>दुध तथा दुग्ध पदार्थको नियमन गर्नको लागि आवश्यक पूर्वाधार (प्रयोगशाला) गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३१२४१०११ | नेपाल पशु चिकित्सा परिषद् | नियमित रूपमा पशु चिकित्सकको आचारसंहिता अवलोकन भएको। | पशु चिकित्सकको दर्ता र भेटेरिनरी शैक्षिक संस्थाको नियमन भएको हुने।<br>पशु चिकित्सा पेशा थप मर्यादित भएको हुने। | नाम दर्ता परिक्षा सञ्चालन गर्ने।<br>आचारसंहिताको अनुगमन गर्ने।<br>विश्वविद्यालयहरूको भेटेरिनरी शिक्षाको गुणस्तर कायम गर्ने। |
| ३१२४११०१ | कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम | धान, मकै, गहुँ लगायतका बालीको खुला सेंचित र वर्णशंकर गरी २१५ जात विकास गरिएको, सो जातहरूको स्रोत बीउ उत्पादन तथा वितरण गरिएको र पशुपन्छी तथा माछाका उन्नत नश्लका पाठापाठी, पाडापाडी, चल्ला र भुरा उत्पादन तथा वितरण गरिएको<br>विभिन्न हावापानी र क्षेत्रको लागि बोर बाखापालन प्रविधि र ट्राउट माछा उत्पादन प्रविधि सिफारिस भई ब्यापक विस्तारको क्रममा रहेको।<br>२३२ बालीका १६,२४० रैथाने जात संकलन भएको र करिब ९,५०० जातको जिन बैंकमा मध्यमकालीन र दीर्घकालीन संरक्षण गरिएको।<br>कम लागतमा उच्च क्षमताको सोलार ड्राएर, उच्च पहाडी भेगको लागि चिनो कुटक, तरकारी खेतीको लागि प्लास्टिक घर र महिलामैत्री साना तथा घरेलु यन्त्र उकरण विकास गरिएको। | विभिन्न हावापानी, भौगोलिक क्षेत्र तथा जलवायु अनुकूलन हुने अन्न, तरकारी र फलफूल बालीका २० जात उन्मोचन भएको हुने।<br>न्युक्लियस, प्रजनन, मूल बीउ र बर्णशंकर जातको Parent लाइन लगायत करिब ३ हजार मे.टन स्रोत बीउ उत्पादन र वितरण भएको हुने।<br>उन्नत बाखा, भैंसी, गाई, बंगुर, कुखुरा, टर्की लगायत करिब १५ लाख उन्नत नश्लहरू र १० करोड माछाका भुरा उत्पादन तथा वितरण भएको हुने।<br>जिन बैंकमा विभिन्न बाली/बागबानी/पशुपन्छी/मत्स्य आदिको रैथाने र लोपोन्मुख ३ हजार जातको खोजी, संकलन, चरित्र चित्रण तथा मूल्यांकन गरी मध्यमकालीन र दीर्घकालीन संरक्षण /उपयोग भएको हुने।<br>कृषि यन्त्र परीक्षण, कम लागत र भूगोल सुहाउँदो साना तथा मझौला कृषि | मकैको २ वर्णशंकर, चैते धान १, मसिनो धान १, काक्रोको २ वर्णशंकर, ग्लाडीयोलस फूलको ३ जात उन्मोचन गर्ने।<br>अन्नबाली, कोशे तथा तेलहनबाली, नगदेबाली, तरकारीबाली र डाले घाँस तथा भुइघाँसका उन्नत जातको ८९१ मे.टन स्रोत बीउ, फलफूल र डालेघाँसका ३ लाख बेर्ना, उन्नत बाखा, भैंसी, गाई र बंगुरका उन्नत नश्ल एवम् माछाका २.५ करोड भुरा उत्पादन तथा वितरण गर्ने।<br>माटोको डिजिटल नक्सांकन कार्यक्रम अन्तर्गत थप जिल्लाका नमुना विश्लेषण गरी नक्सा अपडेट गर्ने।<br>बायोफ्लक माछापालन प्रविधि तथा रंगिन माछाको घरेलुकरण र प्रजनन विधिको विकास गर्ने।<br>विभिन्न बाली/ पशुपन्छी/ मत्स्य आदिको रैथाने र लोपोन्मुख १,००० जातको खोजी, संकलन, चरित्र चित्रण तथा मूल्यांकन गरी मध्यमकालीन र दीर्घकालीन संरक्षण/ उपयोग गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आव २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | यान्त्रीकरण सम्बन्धी अनुसन्धान र प्रविधि विकास भएको हुने।<br>NARC केन्द्रीय कार्यालय भवन निर्माण भएको हुने। | भूकम्पले क्षतिग्रस्त NARC केन्द्रीय कार्यालय भवन निर्माण प्रारम्भ गर्ने |
| ३१२८१०११ | कपास विकास समिति | ३ जिल्लाका कपास खेती गर्ने किसानहरूको उत्पादित कपास खरिद गरी प्रशोधन भएको। | कपास खेतीको मूल्य शृंखला विकासमा सहजीकरण भएको हुने। | ८० मे. टन कपास प्रशोधन गर्ने।<br>कृषकलाई कपास उत्पादनमा प्राविधिक सेवा उपलब्ध गराउने |
| ५०११२१०१ | समावेशी कृषि रूपान्तरण कार्यक्रम | आयोजनाको तयारीका कार्य भएको। | स्थानीय तहको EOI तथा लागत सहभागितामा आधारित रही ९० साना उत्पादक संस्थाहरू कृषि उत्पादन अनुदान मार्फत लाभान्वित भएका हुने | प्रस्तावनामा आधारित, स्टार्ट अप म्यानुअल बमोजिम अनुदान प्रवाह गर्ने।<br>४० वटा MALSC निर्माणको सुरुवात गर्ने।<br>२० वटा मूल्य शृंखला पूर्वाधार निर्माण गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

कृषि क्षेत्रका समय सीमा तोकिएका कतिपय अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिवद्धताको जवाफदेहिता तथा उपलब्धि हासिल गर्न, तीन तहका सरकारवाट सम्पादन हुँदै आएका कार्यक्रमको तथ्यांक संकलन, विश्लेषण र प्रतिवेदनमा सामज्यस्यता कायम हुने र वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त हुने विप्रेषणको रकम कृषि क्षेत्रको पुँजी निर्माणमा लगाउने वातावरण निर्माण हुनेछ। प्रविधि, मल, गुणस्तरीय बीउको सुलभ आपूर्ति, भरपर्दो सिँचाइ प्रणाली, भूमिको उपयोग र एकीकृत व्यवस्थापन गर्न नसकिएमा अपेक्षित नतिजा प्राप्तिमा जोखिम रहने आकलन गर्न सकिन्छ।

## ४.२ भूमि व्यवस्था

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानमा व्यवस्था भएको सम्पत्तिको हक, खाद्य सुरक्षा र सम्प्रभुताको हक, महिलाको हक र भूमिहीन दलितको हक कार्यान्वयन गर्न तथा सन् २०३० सम्ममा हासिल गरिसक्नुपर्ने दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्न उपलब्ध सीमित भूमि तथा भूमि स्रोतको दिगो व्यवस्थापन गर्न आवश्यक रहेको छ। भूमि तथा भूमि स्रोतको दिगो सदुपयोग गर्न परिमार्जित भू-उपयोग नीति, २०७२ अनुरूप भूमिको वर्गीकरण र भू-उपयोग सम्बन्धमा राष्ट्रिय भूमि नीति, २०७५ तर्जुमा भइसकेका छन्। नीतिहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन गरी भूमिको समुचित उपयोग सुनिश्चित गर्न, भूमि वर्गीकरण गरी भू-उपयोग योजना तयार गर्न, आधुनिक प्रविधिको प्रयोग मार्फत नापनक्सामा शुद्धता कायम गर्दै भूमि प्रशासनलाई व्यवस्थित, सुरक्षित, पारदर्शी र विश्वसनीय बनाउन र देशको सम्पूर्ण भूमिलाई नापनक्सा तथा भू-सूचना प्रणालीमा आबद्ध गरी अनलाइन सेवा प्रवाह तथा डिजिटल अभिलेख तयार गर्न आवश्यक नीति, कानून, पूर्वाधार तयारी र स्रोत-साधन परिचालनमा जोड दिइएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

कृषियोग्य भूमिको खण्डीकरण बढ्दै जानु, गैह्रकृषि क्षेत्रमा यसको प्रयोग बढ्दै जानु, सुकुम्बासी, मोही तथा गुठी किसान, भूमिहीन, अव्यवस्थित बसोबासीहरूको बसोबास सम्बन्धी उचित व्यवस्था हुन नसक्नु र देशको कुल भू-भागको करिब ७० प्रतिशत क्षेत्र भूमि प्रशासनको आधिकारिक अभिलेख भित्र ल्याउन नसकिनु प्रमुख समस्याका रूपमा रहेका छन्। भूमिमा सबै नागरिकको समन्यायिक पहुँच स्थापित गर्नु, भू-उपयोग योजना तयार गरी कार्यान्वयन गर्नु, भूमि प्रशासन प्रणालीलाई समयानुकूल बनाई प्रभावकारी सेवा प्रवाह गर्नु, भूमि सम्बन्धी सम्पूर्ण अभिलेख डिजिटाइज गरी एकीकृत भू-सूचना प्रणाली लागू गर्नु तथा नापनक्सा कार्यमा समयानुकूल आधुनिक प्रविधिको अवलम्बन र दक्ष जनशक्ति प्राप्त गरी टिकाइराख्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौती हुन्।

### ३. सोच

समन्यायिक, उत्पादनमुखी र दिगो भूमि व्यवस्था।

### ४. उद्देश्य

१. भूमिको समुचित उपयोग मार्फत उत्पादन वृद्धि र यसबाट प्राप्त लाभको समन्यायिक वितरण सुनिश्चित गर्नु।

२. योजना तर्जुमा र विकास निर्माणको लागि आवश्यक शुद्ध एवम् विश्वसनीय नापनक्सा र भौगोलिक सूचना सर्वसुलभ बनाउनु।

३. भूमि व्यवस्थालाई आधुनिक प्रविधियुक्त, सरल, र पारदर्शी बनाउनु।

### ५. रणनीति

१. भू-उपयोग नीति बमोजिम क्षमता, उपयुक्तता र आवश्यकताको आधारमा भूमिको वर्गीकरण तथा उपयोग सुनिश्चित गरी उत्पादन वृद्धि गर्ने।

२. भूमिहीन दलित, कृषक, सुकुम्बासी, मोही तथा गुठी किसान, अव्यवस्थित बसोबासी लगायत सीमान्तकृत वर्गको भूमिमाथिको अधिकार र पहुँच सुनिश्चित गर्ने।

३. आधुनिक प्रविधिमा आधारित नाप नक्साका आधारभूत पूर्वाधारहरू तयार गर्ने र शुद्ध तथा विश्वसनीय भू-सूचना संकलन गर्ने।

४. भौगोलिक सूचना पूर्वाधारको अवधारणा बमोजिम आधारभूत भौगोलिक सूचना तथा विभिन्न क्षेत्रका विषयगत सूचना तयार गरी उपलब्ध गराउने।

५. कित्तानापी हुन बाँकी रहेका भूभागमा नापनक्सा गरी सम्पूर्ण जमिनलाई जग्गा प्रशासन प्रणालीमा आबद्ध गर्ने र सरकारी, सार्वजनिक तथा गुठी जग्गाको विस्तृत अभिलेख तयार गरी संरक्षण गर्ने।

६. वैज्ञानिक सूचकका आधारमा अचल सम्पत्तिको वस्तुपरक मूल्याङ्कन गर्ने प्रणाली स्थापना गर्ने र सबै सरोकारवालाहरूले सोही मूल्याङ्कन प्रयोग गर्नुपर्ने व्यवस्था गर्ने।

७. आधुनिक प्रविधिमा आधारित भूमि सम्बन्धी अभिलेखहरूको व्यवस्थित भण्डारण गर्ने र जग्गा प्रशासन सेवालाई सहज, सरल, विश्वसनीय र पारदर्शी बनाउने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| जग्गाको खण्डीकरणको दर न्यूनीकरण | प्रतिशत | १.३ | १.३ | २.१५ | २.१ | २ |
| लाइडार सर्भेक्षण र नक्सांकन | व.कि.मि. (हजार) | - | २० | ६२ | ८४ | १०४ |
| जियोडेटिक तथा समतलन नापी सर्भेक्षण | कि.मि. | ७,११० | ७,२२५ | ७,३४५ | ७,४७० | ७,६०० |
| आधुनिक प्रविधियुक्त कार्यालयको रूपमा विकास भएका नापी कार्यालय | वटा | ७ | १२ | १९ | २६ | ३३ |
| भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालयहरूलाई आधुनिक प्रविधियुक्त कार्यालयको रूपमा विकास | वटा | ७ | २० | ६१ | ९१ | १२४ |
| भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालयहरूमा रहेका श्रेस्ता डिजिटाइजेसन | पाना (लाख) | ६ | २८६ | ४८६ | ६८६ | ८८६ |
| अनलाइन सेवा प्रवाह गर्ने भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालय | संख्या | १०८ | १२६ | - | - | - |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| पब्लिक एक्सेस मोडेल लागू गर्ने भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालय | कार्यालय | १९ | ४१ | ७१ | १०१ | १२६ |
| नापनक्सा तथा भूमि व्यवस्थापन तालिम | जना | ७८१६ | ८३१६ | ८८१६ | ९३१६ | ९८१६ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ६६,४४२ | ५०,७५२ | १४,६९० | १,००० | ६५,९८२ | - | ४६० |
| २०७९/८० | ७३,४१९ | ५१,३१३ | १६,६०६ | ५,५०० | ७२,४१९ | १,००० | - |
| २०८०/८१ | ७८,९७० | ५४,६५६ | १८,२६४ | ६,०५० | ७८,३४६ | ६२४ | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि सुरु र समाप्ति | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३३६०००११ | भूमि व्यवस्था सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालय | १ | भूमि, सहकारी तथा गरिबी निवारण सम्बन्धी नीति तथा कानून तर्जुमा | सालबसाली | | नीति, ऐन, कानून निर्माण भएको हुने। |
| ३३६००१०३ | जग्गा प्रशासन सुदृढीकरण तथा अनौचारिक भूसम्बन्ध व्यवस्थापन कार्यक्रम | ६ | भूमिहीन दलित, सुकुम्बासी, अव्यवस्थित बसोबास पहिचान तथा व्यवस्थापन | २०७७/७८ - २०८०/८१ | ३६००० | भूमिहीन दलित, सुकुम्बासी, अव्यवस्थित बसोबास पहिचान भएको हुने। |
| ३३६०१०११ | भूमि व्यवस्थापन तथा अभिलेख विभाग | ५ | भूमि प्रशासनको आधुनिक, विश्वसनीय, गुणस्तरयुक्त र वस्तुपरक भू-सूचना प्रणालीको विकास | सालबसाली | | भूमि प्रशासनमा आधुनिक, विश्वसनीय, गुणस्तरयुक्त र वस्तुपरक भू-सूचना प्रणालीमा मालपोत कार्यालयको आबद्धता भएको हुने। |
| ३३६०११०१ | मालपोत अभिलेख सुरक्षा तथा सुदृढीकरण कार्यक्रम | ५ | वैज्ञानिक भू-अभिलेख प्रणाली स्थापना र व्यवस्थापन | सालबसाली | | वैज्ञानिक भू-अभिलेख प्रणाली स्थापना भएको हुने। |
| ३३६०१०१२ | भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालयहरू | ५ | कार्यालयमा रहेका अभिलेख तथा श्रेस्ता व्यवस्थित गरी भू-सूचना प्रणालीको माध्यमबाट सरल र सहज रूपमा सेवा प्रवाह | सालबसाली | | भूमि प्रशासन समबन्धी सेवा सरल र सहज रूपमा प्रवाह भएको हुने। |
| ३३६०२०११ | नापी विभाग | ५ | कित्तानापी प्रणालीलाई आधुनिकीकरण गर्दै व्यक्तिगत स्वामित्वका सम्पूर्ण वैध जग्गालाई कित्तानापीको दायरामा समावेश जियोडेटिक पूर्वाधारलाई सुदृढीकरण गर्दै अन्तर्राष्ट्रिय सञ्जालसँग आवद्धता | सालबसाली | | नापनक्सा सम्बन्धी मापदण्ड तयारी तथा नियमन भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि सुरु र समाप्ति | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | भौगोलिक सूचना पूर्वाधार संरचना स्थापना अन्तर्राष्ट्रिय सीमाको प्रभावकारी व्यवस्थापनका लागि पूर्वाधार निर्माण | | | |
| ३३६०२०१२ | नापी कार्यालयहरू | ५ | भू-सूचना प्रणालीमा आधारित भएर गुणस्तरीय सेवा प्रवाह | सालबसाली | | भू-सूचना प्रणालीमा आधारित गुणस्तरीय सेवा प्रवाह भएको हुने। |
| ३३६०२१०१ | कित्तानापी तथा नापी कार्यालय सुधार कार्यक्रम | ५ | कित्ता नापीमार्फत जग्गा प्रशासनका लागि भूमि लगत तयारी | सालबसाली | | कित्ता नापीमार्फत जग्गा प्रशासनका लागि भूमि लगत तयार भएको हुने। |
| ३३६०२१०२ | स्थलरूप नापी तथा भू उपयोग व्यवस्थापन कार्यक्रम | ७ | विभिन्न माननापमा आधार नक्सा, विषयगत नक्सा तथा भौगोलिक सूचना उत्पादन अन्तर्राष्ट्रिय सीमाको सर्भेक्षण | सालबसाली | | विभिन्न माननापमा आधार नक्सा, विषयगत नक्सा तथा भौगोलिक सूचना उत्पादन भएको हुने।<br>अन्तर्राष्ट्रिय सीमाको सर्भेक्षण तथा नियम भएको हुने। |
| ३३६०२१०२ | भौगोलिक सूचना पूर्वाधार कार्यक्रम | ७ | नापनक्सा तथा भौगोलिक सूचना उत्पादनमा एकरूपता कायम सरकारी तथा गैरसरकारी निकायसँग समन्वय र नियमन | सालबसाली | | नापनक्सा तथा भौगोलिक सूचना उत्पादनमा एकरूपता कायम गर्न सरकारी तथा गैरसरकारी निकायसँग समन्वय र नियमन भएको हुने। |
| ३३६०२१०३ | खगोल तथा भू–मापन कार्यक्रम | ७ | विकास निर्माणको पूर्वाधारका रूपमा रहेको राष्ट्रिय नियन्त्रण बिन्दुहरूको संजालको सुदृढीकरण गरी नवीनतम प्रविधिको अबलम्बन | सालबसाली | | राष्ट्रिय नियन्त्रण बिन्दुहरूको संजालको सुदृढीकरण गरी नवीनतम प्रविधिको अबलम्बन भएको हुने। |
| ३३६०४०११ | भूमि व्यवस्थापन प्रशिक्षण केन्द्र | २ | दक्ष जनशक्ति उत्पादन तथा क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | | भूमि प्रशासन तथा नापनक्साको क्षेत्रमा दक्ष जनशक्ति उत्पादन भएको हुने। |
| ५०१३६१०१ | भूमि बैंक कम्पनी | १ | जग्गा धनीलाई जमिनको संरक्षणको | २०७७/७८ | | भूमि बैंक स्थापना भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि सुरु र समाप्ति | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | प्रत्याभूति र जमिन लिन चाहनेलाई सर्त, सेवा, सुविधा सहित जमिनको सदुपयोगको लागि सहजीकरण, समन्वय र उत्प्रेरणा<br>बाँझो रहेको जमिनमा कृषि लगायत विभिन्न किसिमको व्यवसाय संचालन गरी राष्ट्रिय उत्पादन वृद्धि<br>खाद्य सुरक्षाको प्रत्याभूति | | | |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व .२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३६०००११ | भूमि व्यवस्था सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालय | राष्ट्रिय भूमि नीति, भूउपयोग ऐन, भूमि सम्बन्धी ऐन तथा नियमावली तर्जुमा भएको।<br>भूमि बैंक स्थापना र सञ्चालन सम्बन्धी अवधारणा तयार भएको।<br>व्यक्तिको नाममा दर्ता हुन गएको ४३९ विगाहा १५ कट्ठा १८.५ धुर जग्गा नेपाल सरकारको नाममा कायम गरिएको। | आवश्यकता अनुसार नीति, ऐन, कानून तयार भई कार्यान्वयन भएको हुने।<br>१०० स्थानीय तहमा भूमि बैंक स्थापना भएको हुने। | द्वैध स्वामित्व अन्त्य गर्ने।<br>लगतकट्टा सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>मातहत निकायहरूको अनुगमन तथा निरीक्षण गर्ने। |
| ३३६००१०३ | जग्गा प्रशासन सुदृढीकरण तथा अनौचारिक भूसम्बन्ध व्यवस्थापन कार्यक्रम | पूर्व आयोगबाट प्राप्त निर्णय, अभिलेख संकलन र अध्ययन कार्य सम्पन्न भएको।<br>स्थानीय तहका महासंघका पदाधिकारीसँग मस्यौदा कार्यविधि बारे अन्तरक्रिया सम्पन्न भएको। | अनौपचारिक रूपमा आवाद कमोद भएका करिब १ करोड कित्ता जग्गा राज्यको अभिलेख प्रणाली भित्र आबद्ध भएको हुने।<br>करिब १३ लाख अव्यवस्थित बसोबासी परिवारको | कम्तीमा ३५० स्थानीय तहमा भूमिहीन, सुकुम्बासी तथा अव्यवस्थित बसोबासीको लगत संकलन गर्ने।<br>संकलित जग्गाको नक्सांकन, सत्यापन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व .२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | व्यवस्थापन भएको हुने।<br>भूमिहीन दलित, सुकुम्बासी, अव्यवस्थित बसोबासीको व्यवस्थापन भएको हुने। | र अभिलेखन गरी ३ लाख परिवारलाई पुर्जा वितरण गर्ने। |
| ३३६०१०११ | भूमि व्यवस्थापन तथा अभिलेख विभाग | १०८ भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालयमा LRIMS सेवा संचालन भएको।<br>१९ स्थानमा PAMS लागु गरिएको। | मालपोत कार्यालयहरूबाट अनलाइन सेवा प्रवाह भएको हुने।<br>सेवाग्राहीले घरबाटै जग्गा सम्बन्धी कारोबार गर्न सक्ने प्रणाली पूर्ण रुपमा संचालन भएको हुने। | भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालयका स्रेस्ता स्क्यानिङ गरी Document Management System(DMS) मा आबद्ध गर्ने।<br>पूर्णरुपमा पब्लिक एक्सेस मोडुल लागू गर्ने। |
| ३३६०११०१ | मालपोत अभिलेख सुरक्षा तथा सुदृढीकरण कार्यक्रम | १०८ वटा भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालयमा LRIMS सेवा संचालन भएको।<br>१९ वटा स्थानमा PAMS लागु गरिएको। | मालपोत कार्यालयहरूको स्रेस्ता स्क्यानिङ भई विद्युतीय अभिलेख तयार भएको हुने।<br>अनलाइन प्रणाली मार्फत जुनसुकै स्थानबाट जग्गा प्रशासन सम्बन्धी सेवा लिन सक्ने व्यवस्था भएको हुने। | भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालयहरूलाई आधुनिक, सुविधायुक्त र प्रविधियुक्त कार्यालयका रुपमा विकास गर्ने। |
| ३३६०१०१२ | भूमिसुधार तथा मालपोत कार्यालयहरू | भूमि प्रशासनसँग सम्बन्धी सरल, सहज र प्रविधिमैत्री ढंगबाट सेवा प्रवाह गरिएको। | सम्पूर्ण भूमिसुधार र मालपोत कार्यालय आफ्नै भवनमा सञ्चालन भई सेवाग्राहीमैत्री भएको हुने।<br>सरकारी सार्वजनिक जग्गाको अभिलेख व्यवस्थित भएको हुने।<br>कार्यालयका अभिलेख डिजिटाइज्ड भएको हुने। | अनलाइनको माध्यामबाट सेवा प्रवाह संचालन गर्ने।<br>सरकारी सार्वजनिक जग्गाको अभिलेख व्यवस्थित गर्ने। |
| ३३६०२०११ | नापी विभाग | विश्वको सर्वोच्च शिखर सगरमाथाको उचाई मापन गरिएको।<br>लिपुलेक तथा लिम्पियाधुरा समेत समेटिएको नेपालको प्रशासनिक तथा राजनीतिक नक्सा प्रकाशन | १,५०० हेक्टर गाउँब्लक नापी सम्पन्न भएको हुने।<br>अभियानको रूपमा पुनः नापी सञ्चालन भएको हुने।<br>४०० सिट स्थलरूप नक्सा अद्यावधिक सम्पन्न भएको हुने। | १,५०० हेक्टर गाँउब्लक नापी सम्पन्न गर्ने।<br>अभियानको रूपमा पुनः नापी सञ्चालन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व .२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | गरिएको। | द्वन्द्वबाट क्षति भएको भूमि लगत तयार भएको हुने<br>७० हजार वर्ग कि.मि. मा लाइडार सर्वेक्षण भएको हुने।<br>उच्च हिमाली क्षेत्र बाहेक भू-उपयोग नक्सांकन हुन बाँकी २० जिल्लाका गा.पा./न.पा. स्तरीय भू-उपयोग नक्सा डाटा तयार भएको हुने। | स्थलरूप नक्सा अद्यावधिक गर्ने<br>द्वन्द्वबाट क्षति भएको भूमि लगत तयार गर्ने।<br>४१ हजार वर्ग कि.मि.मा लाइडार सर्वेक्षण (LiDAR Surveying and Mapping) गर्ने।<br>२० जिल्लाका गा.पा./न.पा. स्तरीय भू-उपयोग नक्सा डाटा तयार गर्ने<br>प्रदेशको भूमि सम्बन्धी डाटावेस तयार गर्ने। |
| ३३६०२०१२ | नापी कार्यालयहरू | चुस्त, दुरुस्तरुपमा सेवा प्रवाह भएको। | अनलाइन मार्फत सेवा प्रवाहका लागि पूर्वाधार विकास भएको हुने।<br>१५ वटा नापी कार्यालय नमूना कार्यालयको रूपमा विकास भएको हुने। | |
| ३३६०२१०१ | कित्तानापी तथा नापी कार्यालय सुधार कार्यक्रम | १,४८३.१९ हेक्टर गाउँ ब्लक नापी गरिएको<br>८,६१९.७९ हेक्टर पुनःनापी र ३५,८५० हेक्टर द्वन्द्वबाट क्षतिग्रस्त नापनक्सा पुनर्स्थापन भएको।<br>४८,७०० जग्गाधनीलाई जग्गाधनी प्रमाण पुर्जा वितरण गरिएको। | द्वन्द्वबाट क्षतिग्रस्त भूमि लगत तयार भएको हुने।<br>एकसरो नापनक्साको क्रममा छुटेका गाउँब्लकहरूको नापनक्सा तयार भई भूमि लगत तयार भएको हुने। | द्वन्द्वबाट क्षतिग्रस्त भूमि लगत तयार गर्ने।<br>शहरी क्षेत्रको पुन नापी गर्ने।<br>गाउँब्लक नापी सम्पन्न गर्ने।<br>अनलाइन प्रविधिमार्फत देशभरका नापी कार्यालयबाट कित्ता नापीसँग सम्बन्धित सेवा प्रवाह गर्ने। |
| ३३६०२१०२ | स्थलरूप नापी तथा भू उपयोग | स्थलरूप आधार नक्सा तयारी तथा अद्यावधिक भएको। | १ लाख ४ हजार वर्ग कि.मि.मा लाइडार सर्वेक्षण र नक्साङ्कन भएको हुने। | LiDAR प्रविधिबाट सर्वेक्षण र नक्साकंन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व .२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | व्यवस्थापन कार्यक्रम | ५३२ स्थानीय तहको भूउपयोग नक्सा डाटा तयार भएको।<br>नेपाल-भारत सीमाका १,०९३ सीमा स्तम्भ निर्माण भएको।<br>८९० सीमा स्तम्भ मर्मतसम्भार गरिएको | ७५३ स्थानीय तहको भू-उपयोग नक्सा डाटा तयार भएको हुने।<br>७०६ सिट स्थलरूप नक्सा डाटा दूर सम्बेदन विधि (इमेज) बाट अद्यावधिक भएको हुने। | २० स्टेशनमा Continuous Operating Reference Station (CORS) प्रणालीको स्थापना गर्ने।<br>स्थलरुप नक्सा अद्यावधिक गर्ने। |
| ३३६०२१०२ | भौगोलिक सूचना पूर्वाधार कार्यक्रम | विभिन्न मान नापको भौगोलिक सूचना उत्पादन भएको<br>भौगोलिक सूचनाको एकरुपताका लागि विभिन्न निकायसँग समन्वय गरिएको। | संघीय संरचना अनुरूप डाटावेस र नक्सा प्रकाशन भएको हुने।<br>Integrated geoportal, image map service तयार भएको हुने। | संघीय संरचना अनुरूप डाटावेस र नक्सा प्रकाशन गर्ने।<br>Integrated geoportal संचालन गर्ने। |
| ३३६०२१०३ | खगोल तथा भू–मापन कार्यक्रम | विभिन्न दर्जाका नियन्त्रण विन्दुहरूको राष्ट्रिय संचाल स्थापना भएको।<br>समुद्री सतहको उचाइ सहितको Bench Mark राष्ट्रिय संजाल स्थापना गरिएको। | नियन्त्रण विन्दुहरूको संजाल सुदृढीकरण भएको हुने।<br>भू-आकर्षण सर्भेक्षण, GNSS सर्भेक्षण र समतलन सर्भेक्षण भएको हुने।<br>Continuously Operating Reference System (CORS) स्थापना भएको हुने। | नियन्त्रण विन्दुहरूको संजाल सुदृढीकरण गर्ने।<br>२७० कि.मि. मा भू-आकर्षण सर्भेक्षण गर्ने।<br>GNSS सर्भेक्षण तथा समतलन सर्भेक्षण गर्ने।<br>CORS को DPR तयार गरी CORS network स्थापना गर्ने। |
| ३३६०४०११ | भूमि व्यवस्थापन प्रशिक्षण केन्द्र | ८,२४३ जनालाई छोटो तथा लामो अवधिको तालिम प्रदान गरिएको। | नापनक्सा, भौगोलिक सूचना र भूमि प्रशासन तथा व्यवस्थापनको क्षेत्रका दक्ष जनशक्ति विकास भएको हुने। | भूमि प्रशासन तथा नापनक्साको क्षेत्रमा दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने<br>छोटो तथा लामो अवधिका तालिम संचालन गर्ने।<br>काठमाण्डौ विश्वविद्यालयसँगको सहकार्यमा Academic Degree संचालन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व .२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | गर्ने। |
| ५०१३६१०१ | भूमि बैंक कम्पनी | भूमि बैक सम्बन्धी अधारणा पत्र तयार भएको<br>स्थानीय तहमा भूमि बैंक स्थापना गर्न संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयमार्फत पत्राचार गरिएको। | बाँझो जग्गाको सदुपयोग भएको हुने।<br>वैदेशिक रोजगारबाट फर्किएका तथा स्वदेशमा रहेका युवा व्यावसायिक खेतीतर्फ आकर्षित भएको हुने।<br>जग्गामा पहुँच नभएका व्यक्तिले खेतीको लागि भूमि बैंक मार्फत लिजमा जग्गा प्राप्त गरेको हुने।<br>कृषिको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि भएको हुने। | भूमि बैंक स्थापना गर्ने सन्दर्भमा स्थानीय तहसँग समन्वय गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

तुलनात्मक रूपले न्यून प्राथमिकता प्राप्त भूमि प्रशासन सम्बन्धमा जग्गाको हदबन्दी व्यवस्थापन, द्वैध स्वामित्वको अन्त्य, चुस्त केन्द्रीय अभिलेख व्यवस्थापन, जग्गा रोक्का तथा तामेली व्यवस्थापन आदि पक्ष महत्वपूर्ण हुन्। आवश्यक स्रोत, साधन, चुस्त व्यवस्थापन र समन्वय हुन नसकेमा सम्भाव्य जोखिमका कारण अपेक्षित नतिजा हासिल गर्न नकारात्मक असर पर्न सक्दछ।

## ४.३ सहकारी तथा गरिबी निवारण

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रलाई राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको मूल आधारको रूपमा आत्मसात गरेको छ। सहकारी क्षेत्रले छरिएर रहेको श्रम, सीप, प्रविधि र पुँजीलाई एकत्रित गरी उत्पादन, उत्पादकत्व र रोजगारी वृद्धि मार्फत दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्न योगदान गर्दछ। वित्तीय पहुँच अभिवृद्धि, महिला सशक्तीकरण, नेतृत्व विकास तथा क्षमता विकास, सामाजिक एकीकरण, उद्यमशीलता प्रवर्द्धन र गरिबी न्यूनीकरणमा यस क्षेत्रको महत्वपूर्ण योगदान रहेको छ। यस क्षेत्रमा प्राप्त उपलब्धिको सम्बर्द्धन गर्दै सहकारी आन्दोलनको स्वस्थ विकासलाई प्रोत्साहित गर्नु वाञ्छनीय भएको छ।

संविधानले सामाजिक सुरक्षा र सामाजिक न्याय प्रदान गर्दै सबै लिङ्ग, क्षेत्र र समुदायभित्रका आर्थिक रूपले विपन्नलाई प्राथमिकता प्रदान गर्ने नीति अंगीकार गरेको छ। हाल ५० भन्दा बढी गरिब लक्षित कार्यक्रम सञ्चालन भइरहेका छन्। ती कार्यक्रम लक्षित वर्गमा केन्द्रित गर्न गरिब घर-परिवार पहिचान तथा परिचयपत्र वितरण कार्यक्रम अगाडि बढेको छ। गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसङ्ख्या १६.६७ प्रतिशत र बहुआयामिक गरिबी सूचकांक २८.६ प्रतिशत रहेको छ। दिगो विकास लक्ष्यमा उल्लेख गरिए अनुसारको सबै ठाउँबाट सबै प्रकारको गरिबी अन्त्य गर्ने गरी गरिबीका बहु-आयामलाई सम्बोधन गर्दै गरिबहरूको प्रतिव्यक्ति आय वृद्धि गर्नुका साथै भौगोलिक क्षेत्र, लिङ्ग र सामाजिक समूहबीच विद्यमान रहेको आर्थिक असमानता न्यूनीकरण गर्न रूपान्तरणीय प्रयास आवश्यक देखिएको छ। त्यसैगरी गरिबी न्यूनीकरण अन्तरसम्बन्धित विषय भएकाले यसका लागि सरकारी, सहकारी, सामुदायिक, निजी र गैरसरकारी क्षेत्र एवम् विकास साझेदारको एकीकृत र समन्वयात्मक भूमिका अपरिहार्य रहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

सहकारी सम्बन्धी शिक्षा र चेतनाको विस्तार अपेक्षित रूपमा गर्न नसकिनु, सहकारी क्रियाकलाप बचत तथा ऋणको कारोबारमा बढी केन्द्रित हुनु, कतिपय सहकारी संस्था सुशासनको अभावले गर्दा समस्याग्रस्त अवस्थामा रहनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन्। सहकारी संघसंस्थाको संख्यात्मक विस्तार भन्दा गुणात्मक विकास गरी समुदायमा आधारित र सदस्य केन्द्रित बनाउनु, सहकारीमैत्री नीति प्रवर्द्धन गर्नु, सहकारीलाई ग्रामीण विपन्न समुदायसम्म विस्तार गर्नु, संविधानले निर्दिष्ट गरे अनुरूप सहकारीलाई मुलुकको समृद्धिको आधारको रूपमा स्थापित गर्नु प्रमुख चुनौतीका रूपमा रहेका छन्।

गरिब लक्षित कार्यक्रम क्षमता विकास भन्दा वितरणमुखी हुनु, वास्तविक गरिबलाई लक्षित गरी कार्यक्रम सञ्चालन गर्न नसक्नु, विभिन्न निकायहरूबाट सञ्चालित छरिएर रहेका गरिबी निवारणसँग सम्बन्धित कार्यक्रमबीच समन्वयको अभाव रहनु, कृषि क्षेत्र निर्वाहमुखी हुनु, राज्यको स्रोतसाधनमा गरिबको सहज पहुँच पुऱ्याउन नसक्नु, वैदेशिक रोजगारीबाट प्राप्त आर्थिक सामाजिक विप्रेषणको उपयोग उत्पादनमूलक क्षेत्रमा लगाउन नसक्नु गरिबी निवारणका प्रमुख समस्याका रूपमा रहेका छन्। गरिबी न्यूनीकरणको प्रयासलाई तीव्रता दिँदै भौगोलिक, लैङ्गिक, जातीय र आयवर्ग बीच रहेको गरिबीको गहनता र असमानता कम गर्नु, सीप, पुँजी र प्रविधिमा गरिबीको रेखामुनि रहेका नागरिकको पहुँच सुनिश्चित गरी स्वरोजगार प्रवर्द्धन गर्नु, कृषिमा आश्रित आवश्यकताभन्दा बढी जनसङ्ख्यालाई क्रमिक रूपले गैरकृषि क्षेत्रमा स्थानान्तरण गराउनु आदि चुनौतीका रूपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

- आर्थिक समृद्धि र सामाजिक रूपान्तरणका लागि गुणात्मक एवम् दिगो सहकारी ।(सहकारी)
- सबै प्रकारको गरिबीमुक्त समाज। (गरिबी निवारण)

## ४. उद्देश्य

### सहकारी

१. सहकारी मार्फत लक्षित तथा विपन्न वर्गलाई आर्थिक तथा सामाजिक सशक्तीकरणको प्रक्रियामा सहभागी गराउनु।

२. सहकारी मूल्य र सिद्धान्तको अनुशरण तथा पारस्पारिकता र स्वावलम्बनको संस्कार विकास र सुशासन कायम गर्नु।

३. सहकारी संघसंस्थाहरूलाई बहुउत्पादन, प्रशोधन तथा बजारीकरणतर्फ उन्मुख गराउन ती संस्थाको संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्नु।

### गरिबी निवारण

१. गरिब पहिचान गर्नु एवम् गरिब लक्षित कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु।

२. गरिबवर्ग लक्षित सीप विकास तथा रोजगारी सिर्जना गर्नु।

३. राज्यको स्रोत-साधनमा गरिबको सहज पहुँच स्थापित गर्नु।

## ५. रणनीति

### सहकारी

१. सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा केन्द्रित गर्न प्रोत्साहन गर्ने।

२. सहकारीको माध्यमबाट गरिब तथा विपन्न वर्गको संलग्नतामा सञ्चालन हुने व्यावसायिक आयोजनालाई वित्तीय र प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराउने।

३. सहकारी क्षेत्रको प्रवर्द्धनका लागि नीतिगत र संस्थागत प्रबन्ध मजबुत बनाउने।

४. सहकारी संघसंस्थाको क्षमता अभिवृद्धिका लागि सहकारी शिक्षा, नेतृत्व विकास एवम् व्यवस्थापन तालीमलाई व्यापक तुल्याउने।

५. सहकारी क्षेत्रको प्रभावकारी नियमनका लागि एकीकृत अनुगमन प्रणालीको विकास गर्ने।

६. कृषि, बायोग्यास प्लान्ट स्थापना र सहकारी क्षेत्रबाट उत्पादित वस्तुको प्रयोगको लागि प्रोत्साहन गर्ने।

### गरिबी निवारण

१. सर्वेक्षण मार्फत गरिब घर-परिवार पहिचान गरी अद्यावधिक विवरण राख्ने।

२. पहिचान भएका गरिब लक्षित गरी गरिबी निवारण योजना, कार्यक्रम तथा आयोजना तर्जुमा एवम् कार्यान्वयन गर्ने।

३. रोजगार तथा स्वरोजगारमूलक सीप विकास तालिम तथा शिक्षा कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने।

४. उत्पादनमूलक रोजगारी तथा अवसरको अभिवृद्धि गरी यसमा गरिबको पहुँच सुनिश्चित गर्ने।

५. गरिबी निवारण नीति तर्जुमा गरी उत्पादनका स्रोत-साधनमा गरिबहरूको पहुँच सुनिश्चित गर्ने।

६. आधारभूत आवश्यकताका वस्तु तथा सेवामा गरिबहरूको पहुँच सुनिश्चित गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| सहकारीबाट थप रोजगारी सिर्जना | संख्या (हजार) | ६९ | ८८ | १०५ | १२२ | १४० |
| सहकारीमा पहुँच (घरबाट ३० मिनेट भित्रको पहुँच भएको घरपरिवार) | प्रतिशत | ६० | ६२ | ६७ | ७० | ७१ |
| सहकारी संघ संस्थाको शेयर पुँजी | रू. अर्बमा | ७७ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ |
| COPOMIS प्रणाली संचालन भएका सहकारी संस्था | प्रतिशत | २० | ३५ | ६७ | ८४ | १०० |
| उत्पादन क्षेत्रमा क्रियाशील सहकारीलाई नमुना सहकारीमा विकास | संख्या (हजार) | - | ३ | ६ | ९ | १२ |
| सहकारी वजार स्थापना (वार्षिक) | संख्या | ५ | ५ | ८ | - | - |
| सहकारी शीत भण्डार निर्माण - प्रशोधन तथा भण्डारण | संख्या | १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| सहकारी संघ संस्थाको कुल बचत बृद्धि | रू. अर्बमा | ३४६ | ४७२ | ४७९ | ४८६ | ४९४ |
| सहकारी संघ संस्थाको ऋण लगानी | रू. अर्बमा | ३३३ | ३५० | ३६१ | ३७२ | ३८३ |
| सहकारी संघसंस्था बृद्धि | संख्या | ३४७६३ | – | – | – | – |
| सहकारी संघ संस्थाको कुल सदस्य | संख्या (लाख) | ६६ | ६६.५ | ६७.५ | ६८.५ | ६९.५ |
| सहकारी प्रशिक्षण तालिम | जना | ८१० | १००० | १००० | १००० | १००० |
| गरिब घरपरिवार पहिचान कार्यक्रम | जिल्ला | २६ | ६४ | ७७ | - | - |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ५,३१२ | ५,१२५ | १८७ | – | ५,३१२ | – | – |
| २०७९/८० | ६,३७६ | ४,९०७ | १,४६९ | – | ६,३७६ | – | – |
| २०८०/८१ | ७,१४४ | ५,५२८ | १,६१६ | – | ७,१४४ | – | – |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३३६००१०१ | गरिब घरपरिवार पहिचान तथा परिचय पत्र वितरण कार्यक्रम (गरिब लक्षित विशेष कार्यक्रम) | १ | नीति तथा योजना निर्माण, नियमन र व्यवस्थापन<br>पहिचान गरिएका गरिब घर परिवार लक्षित कार्यक्रम संचालन | सालबसाली | ४६२०० | देशभरका गरिब घर परिवारको तथ्यांक संकलन भएको हुने।<br>गरिब घर परिवार पहिचान सम्बन्धी तथ्यांक संकलन प्रशोधन र बिश्लेषणबाट गरिब घरपरिवार पहिचान भएको हुने। |
| ३३६००१०२ | गरिबसँग विश्वेश्वर कार्यक्रम | ६ | पहिचान भएका गरिब घरपरिवारको समूह मार्फत जीविकोपार्जन अभिवृद्धि | सालबसाली | | गरिब घरपरिवारको समूह मार्फत जीविकोपार्जन अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३३६०३०११ | सहकारी विभाग | १ | सहकारी सम्बन्धी सङ्घीय नीति निर्माण तथा नियमनमा सहयोग र समन्वय | सालबसाली | | सहकारी सम्बन्धी सङ्घीय नीति निर्माण तथा नियमनमा सहयोग र समन्वय हुने। |
| ३३६०३०१२ | सहकारी प्रशिक्षण तथा अनुसन्धान केन्द्र | २ | अध्ययन अनुसन्धान, प्रशिक्षण, व्यवस्थापन परामर्श र पाठ्यक्रम स्तरोन्नति | सालबसाली | | पाठयक्रममा सुधार भएको हुने।<br>सहकारी सम्बन्धी अध्ययन, अनुसन्धान र व्यवस्थापन परामर्श भएको हुने। |
| ३३६०३१०१ | सहकारी क्षेत्र सुदृढीकरण आयोजना | ६ | सङ्घीय तहमा सहकारी क्षेत्रका कार्य र उपलब्धिलाई प्रविधिमा आबद्धता | सालबसाली | | सहकारी संस्थाहरू COPOMIS मा आबद्ध भएका हुने तथा क्षमता अभिभृद्धि भएको हुने। |
| ३३६३१०११ | राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड | ६ | संघीय नीति निर्माणमा सहजीकरण गर्दै सहकारी क्षेत्रको विकासमा सहयोग | सालबसाली | | संघीय नीति निर्माणमा सहजीकरण गर्दै सहकारी क्षेत्रको विकासमा सहयोग पुगेको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन आर्थिक वर्षको उपलब्धि | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३६००१०१ | गरिब घरपरिवार पहिचान तथा परिचय पत्र वितरण कार्यक्रम (गरिब लक्षित विशेष कार्यक्रम) | २६ जिल्लाको परिचय पत्र तयारी भएको।<br>२३ जिल्लाका गरिब घर परिवारको तथ्यांक संकलन भई प्रशोधन तथा विश्लेषण भइरहेको।<br>१५ जिल्लाको तथ्यांक संकलन कार्य भइरहेको। | सम्पूर्ण गरिब घर परिवार पहिचान तथा परिचयपत्र वितरण भएको हुने।<br>पहिचान भएका गरिब घर परिवारको जीविकोपार्जनमा सुधार भएको हुने। | १३ जिल्लाका गरिब घर परिवार पहिचान गर्ने।<br>विभिन्न जिल्लाबाट प्राप्त तथ्यांक प्रशोधन गरी परिचय पत्र वितरण गर्ने। |
| ३३६००१०२ | गरिबसँग विश्वेश्वर कार्यक्रम | गरिब लक्षित कार्यक्रम संचालन भई गरिबी निवारणमा टेवा पुगेको। | पहिचान भएका गरिब परिवारमा लक्षित कार्यक्रम संचालन गरी जीविकोपार्जन अभिवृद्धि भएको हुने। | स्थानीय तह मार्फत समूहमा आधारित गरिब लक्षित कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३३६०३०११ | सहकारी विभाग | सहकारी प्रवर्द्धन कोष स्थापना भएको।<br>कर्जा जोखिम न्यूनीकरणका लागि स्थिरीकरण कोष, कर्जा सूचना केन्द्र र कर्जा संरक्षण कोष स्थापना गरिएको।<br>सहकारी सुशासनका लागि सघन अनुगमन र मूल्याङ्कनका सूचक एवम् सन्दर्भ ब्याजदर निर्धारणको कार्य भएको। | सहकारी सम्बन्धी संघीय नीति तथा निर्माण तथा नियमनमा सहयोग र समन्वय भएको हुने। | CoPOMIS सम्बन्धी तालिम संचालन गर्ने।<br>सहकारी संस्थाको सघन अनुगन गर्ने।<br>सहकारी सम्बन्धी जनचेतना मूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३३६०३०१२ | सहकारी प्रशिक्षण तथा अनुसन्धान केन्द्र | सहकारी संस्थामा आबद्ध सहकारीका संचालक, व्यवस्थापक तथा सदस्यहरूलाई तालिम प्रदान गरिएको।<br>विभिन्न प्रकारका सीपमूलक तालिम प्रदान गरिएको। | ३,८५० जनाले तालिम प्राप्त गरेका हुने।<br>पाठयक्रममा सुधार भएको हुने।<br>सहकारी सम्बन्धी अध्ययन, अनुसन्धान र व्यवस्थापनमा थप प्रभावकारिता आएको हुने। | सहकारी संस्थामा आबद्ध सहकारीका संचालक, व्यवस्थापक तथा सदस्यहरूलाई तालिम प्रदान गर्ने।<br>सहकारी सम्बन्धी पाठयक्रममा सुधार गर्ने।<br>सहकारी क्षेत्रमा अध्ययन अनुसन्धान |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन आर्थिक वर्षको उपलब्धि | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | गर्ने। |
| ३३६०३१०१ | सहकारी क्षेत्र सुदृढीकरण आयोजना | २९ हजार सहकारी COPOMIS मा आबद्ध भएका।<br>सहकारी सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन भएको। | सहकारी संघसंस्थाबाट सम्पादन हुने समग्र क्रियाकलापको अभिलेखीकरण भएको हुने।<br>सबै सहकारी संस्था COPMIS मा आबद्ध भई कागजविहीन प्रशासनिक परिपाटी कायम भएको हुने।<br>सहकारी संस्थाबाट संचलित व्यावसायिक आयोजनाबाट उत्पादन, बजारीकरण र रोजगारी वृद्धि भएको हुने। | सहकारी संस्थाहरू COPOMIS मा आबद्ध गर्ने।<br>क्षमता अभिभृद्धि सम्बन्धी तालिम संचालन गर्ने। |
| ३३६३१०११ | राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड | निगौल (महोत्तरी) गाई गौशाला व्यवस्थापन भएको।<br>सहकारी संस्थाहरूहरूलाई ऋण लगानी गरिएको।<br>सहकारी संस्थाहरूलाई प्रवर्द्धन गरिएको। | सहकारी सम्बन्धी संघीय नीति निर्माणमा सहयोग पुगेको हुने। | सहकारी संस्थाहरूहरूलाई ऋण लगानी गर्ने।<br>सहकारी संस्थाहरूलाई प्रवर्द्धन गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

अधिकांश सहकारीलाई उत्पादन र उद्यमशीलताका क्षेत्रमा अग्रसर गराउन, सहकारी संस्थाहरूलाई प्राङ्गारिक खेती, उत्पादन, प्रशोधन र बजारीकरणसँग जोड्ने, सहकारी संस्थाका सदस्यलाई बजार माग अनुसारको सीप र प्रविधि प्रदान गर्न, गरिब घर परिवार पहिचान र परिचयपत्र वितरण साथै गरिबहरूको क्षमता विकास र उद्यमशीलता विकासमा ठूलो लगानी जुटाउन संघ, प्रदेश र स्थानीय तहबाट सहकारी र गरिबी न्यूनीकरणका कार्यक्रममा प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य आवश्यक पर्दछ। उपर्युक्त बमोजिमका कार्यहरू नभएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्न कठिन हुने देखिन्छ।

## ४.४ वन, वातावरण तथा जलवायु परिवर्तन

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको कुल भू भागको ४४.७४ प्रतिशत ओगटेको वन क्षेत्र महत्वपूर्ण प्राकृतिक सम्पदा हो र जैविक विविधताको दृष्टिले पनि नेपाल सम्पन्न मुलुक हो। वन, वनस्पति, वन्यजन्तु, जैविक विविधता र जलाधार व्यवस्थापनलाई समेट्ने यो क्षेत्रबाट प्राप्त हुने काठ, दाउरा, जडिवुटी, हरित उद्यम र पर्यापर्यटनको विस्तार समृद्धिका आधार हुन् भने स्वच्छ पर्यावरण, हरियाली, जैविक विविधता, प्राकृतिक रमणीयता, समुन्नत जलाधार, प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापनमा समुदायको सहभागिता, पहुँच र लाभको निष्पक्ष र न्यायोचित वितरण सुखी नेपालीको महत्वपूर्ण सूचक हुन्। सिमसार संरक्षण, नदी किनार संरक्षण, क्षतिग्रस्त भूमिको पुनर्स्थापना, पानीको मुहान संरक्षण जस्ता कार्य मार्फत बृहत् जलाधार व्यवस्थापनमा टेवा पुगिरहेको छ।

संविधानले प्रत्येक नागरिकलाई स्वच्छ र स्वस्थ वातावरणमा बाँच्न पाउने मौलिक हकको व्यवस्था गरेको छ। वातावरण संरक्षणलाई टेवा पुऱ्याउन ध्वनि, जल, जमीन र वायुसँग सम्बन्धित प्रदूषण रोकथाम र नियन्त्रणका लागि मापदण्ड निर्धारण भई कार्यान्वयनमा आएका छन्। विश्वव्यापि समस्याको वढ्दै गएको जलवायु परिवर्तनको समस्यासँग अनुकूलित हुदै स्थानीय जनताको जीविकोपर्जनमा टेवा पुर्याउने उदेश्यका साथ सहभागितामूलक तरिकाबाट जलवायु अनुकूलन गाउँ कार्यक्रम पनि सञ्चालनमा ल्याइएको छ।

वन, वातावरण तथा जैविक विविधताको दिगो व्यवस्थापनका लागि प्रत्येक व्यक्ति, तहगत सरकार, निकाय र क्षेत्रको सहयोग र सहकार्य आवश्यक रहेको छ। विकास तथा वातावरणीय सुरक्षाका अन्तरसम्बन्धित तह, क्षेत्र र अन्तर्राष्ट्रिय समुदाय लगायतका सरोकारवाला बीच प्रभावकारी रूपमा समन्वय गरी जलवायु परिवर्तनका प्रभावसँग अनुकूलित हुने तथा प्रतिकूल प्रभावलाई न्यूनीकरण गर्नेतर्फ नीति तथा कार्यक्रमको तर्जुमा र कार्यान्वयन गर्दै आइएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

अर्थतन्त्रमा वन क्षेत्रको योगदान उल्लेख्य रूपमा पुग्ने गरी व्यावसायिक व्यवस्थापन र उपयोग गर्न नसक्नु, यस क्षेत्रले प्रत्यक्ष र अप्रत्यक्ष रूपमा समग्र अर्थतन्त्रमा पुऱ्याएको योगदानलाई राष्ट्रिय लेखा प्रणालीमा गणना गर्न नसक्नु, पूर्वाधार विकास र पर्यावरणीय प्रणालीबीच योजनाबद्ध तरिकाले सन्तुलन कायम गर्न नसक्नु, वन अतिक्रमण, वन्यजन्तुको चोरी शिकार तथा अवैध व्यापार, वन्यजन्तुको प्रकोप र मानव वन्यजन्तु द्वन्द्वलाई प्रभावकारी रूपमा नियन्त्रण एवम् व्यवस्थापन गर्न नसक्नु यस क्षेत्रका समस्या रहेका छन्। एकीकृत र योजनावद्ध विकास नहुनु, जनसंख्याको बढ्दो चाप, अव्यवस्थित शहरीकरण बढ्नु, पूर्वाधार विकास र वातावरण बीचको असन्तुलन हुनु, विभिन्न प्रकारका प्रदूषणको मात्रा बढनु वातावरण क्षेत्रका समस्या रहेका छन्। त्यस्तै जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी बुझाइमा एकरूपता नहुनु, जलवायु परिवर्तनका संभावित असर र प्रभाव सोबाट हुने क्षति सम्बन्धमा अध्ययन अनुसन्धान र आधारभुत तथ्याकंको कमी हुनु जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी क्षेत्रगत समस्या रहेका छन्।

उपलब्ध वन, वनस्पति तथा जैविक विविधताको पूर्ण क्षमतामा सदुपयोग गर्नु, वन, वन्यजन्तु लगायत जैविक विविधता संरक्षण, जलधार व्यवस्थापनका कार्य र मुलुकको भौतिक एवम् आर्थिक विकासबीच उत्पन्न हुने द्वन्द्व व्यवस्थापन गर्नु, आनुवंशिक स्रोतमाथि पहुँच र समन्यायिक बाँडफाँट गर्नु प्रमुख चुनौती हरू रहेका छन्। त्यस्तै जलाधार संरक्षण गर्नु, जलवायु परिवर्तनको असरबाट अनुकूलित हुनु, उद्योग, कलकारखाना, यातायात तथा अन्य मानवीय क्रियाकलापहरूबाट हुने फोहर तथा हरितगृह ग्यासको उत्सर्जनलाई न्यून गर्नु, जलवायु वित्तमा पहुँच बढाई नतिजामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु, जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी

कार्यक्रमहरूलाई जनस्तरमा नै आन्तरिकीकरण गर्नु र अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चहरूमा जलवायु परिवर्तनबाट जोखिममा परेका देशहरूको साझा आवाज स्थापित गर्नु समेत यस क्षेत्रका चुनौती रहेका छन्।

## ३. सोच

- वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन र उद्यमशीलताबाट समृद्धि र सुखमा योगदान। (वन, जैविक विविधता तथा जलाधार)
- सफा, स्वच्छ र हरित वातावरण । (वातावरण)
- जलवायु उत्थानशील समाजको निर्माण। (जलवायु परिवर्तन)

## ४.उद्देश्य

### वन, जैविक विविधता तथा जलाधार

१. वन, जैविक विविधता तथा जलाधार सम्पदाको उत्पादकत्व, उत्पादन र वातावरणीय सेवामा अभिवृद्धि गर्नु।
२. वन, जैविक विविधता र जलाधारको संरक्षण, पुनर्स्थापना र दिगो उपयोग गर्नु।
३. वन, जैविक विविधता तथा जलाधार सम्पदाबाट प्राप्त लाभको न्यायोचित वितरण गर्नु।
४. वन, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्रमा अध्ययन, अनुसन्धानलाई प्रवर्द्धन गरी वनमा आधारित उद्यम विकासमा उपयोग गर्नु।

### वातावरण

१. जल, वायु, माटो, ध्वनि तथा विद्युतीय लगायत सबै प्रकारका प्रदूषणको रोकथाम र नियन्त्रण गर्नु।
२. भौतिक पूर्वाधारको विकास र प्राकृतिक वातावरणबीच सन्तुलन कायम गर्नु।
३. प्रमुख शहर र औद्योगिक क्षेत्र लगायत सबै क्षेत्रबाट सिर्जित फोहरमैला (घरधुरी, औद्योगिक प्रतिष्ठान र अस्पताल) को व्यवस्थापन, नदीको स्वच्छता कायम र हरियाली विस्तार।
४. प्रदूषण नियन्त्रण सहितको वातावरण व्यवस्थापनका लागि आवश्यक नीति, कानुन र प्रभावकारी संरचना निर्माण गर्नुका साथै शोध, अनुसन्धान र क्षमता अभिवृद्धि गर्नु।

### जलवायु परिवर्तन

१. जलवायु परिवर्तनको प्रतिकूल प्रभावलाई पेरिस सम्झौता अनुरूप न्यूनीकरण गर्दै अनुकूलन क्षमताको अभिवृद्धि गर्नु।
२. जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरणका लागि वातावरण मैत्री, स्वच्छ ऊर्जा र हरित विकास अवधारणा कार्यान्वयन गर्नु।
३. जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण र अनुकूलनका लागि पेरिस सम्झौता लगायतका माध्यमबाट उपलब्ध अन्तर्राष्ट्रिय वित्त र प्रविधिमा दाबी गर्दै प्राप्त लाभको न्यायोचित वितरण गर्नु।

## ५.रणनीति

### वन, जैविक विविधता तथा जलाधार

१. वन क्षेत्रको पूर्ण क्षमताको उपयोग हुने गरी सहभागितामूलक व्यवस्थापन र प्रकृतिमा आधारित पर्यटनको विकासबाट वस्तु र सेवाको विस्तार र विविधीकरण गर्ने।
२. वन, वनस्पति, वन्यजन्तु तथा जैविक विविधताको भूपरिधिस्तर र एकीकृत रूपमा संरक्षण र व्यवस्थापन गर्ने।

३. भौतिक पूर्वाधार विकासका लागि वन क्षेत्रको उपयोग गर्दा एकीकृत प्रणालीको अवलम्बन गर्ने र यसको संरक्षण र विकासमा एकीकृत सोच बनाउने।
४. नदी प्रणालीमा आधारित एकीकृत जलाधार व्यवस्थापन गर्ने।
५. वन, जैविक विविधता तथा जलाधार व्यवस्थापनमा लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणलाई संस्थागत गरी यस क्षेत्रबाट प्राप्त लाभको न्यायोचित वितरण गर्ने।
६. अनुसन्धान निकाय, विश्वविद्यालय र गैरसरकारी संस्थाबीच समन्वय तथा सहकार्य गरी शोध, अध्ययन, अनुसन्धान, जनचेतना र क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।
७. वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापनका लागि संघ, प्रदेश र स्थानीय तहबीच समन्वय गरी आवश्यक कानुन निर्माण र कार्यान्वयन गर्ने।

### वातावरण

१. जल, वायु, माटो, ध्वनि, विकिरणजन्य, घातक फोहोरमैला, तथा विद्युतीय प्रदूषण तहको राष्ट्रिय मापदण्ड तयार गरी सबै प्रकारका प्रदूषणको रोकथाम र नियन्त्रण गर्ने साथै प्रदूषण पीडितलाई प्रदूषकबाट क्षतिपूर्ति उपलब्ध व्यवस्था गर्ने।
२. पूर्वाधार विकास र वातावरणबीच सन्तुलन कायम गर्न आवश्यक कानुन र संरचना निर्माण गरी वातावरणीय प्रभाव मूल्यांङ्कन र न्यूनीकरणलाई पूर्वाधार विकासको अभिन्न अंग बनाउने।
३. फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि निजी क्षेत्रको सहभागिता सहित नवीन प्रविधिको अवलम्बन गर्ने।
४. शहरी क्षेत्रमा योजनाबद्ध एकीकृत नदी व्यवस्थापन र हरियाली प्रवर्द्धन गर्ने।
५. विश्वविद्यालय र अन्य निकायको सहकार्यमा प्रदूषण नियन्त्रण लगायत वातावरण व्यवस्थापनका क्षेत्रमा शोध, अध्ययन, अनुसन्धान एवम् सरोकारवालाहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।

### जलवायु परिवर्तन

१. जलवायु परिवर्तन व्यवस्थापनका लागि संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा आवश्यक नीतिगत र संस्थागत संरचनामा सुधार एवम् क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।
२. समुदायको संकटापन्नता घटाई समानुकूलित तुल्याउन राष्ट्रिय, प्रादेशिक एवम् स्थानीय अनुकूलन योजना कार्यान्वयन गर्ने।
३. जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरणका लागि हरित विकासको अवधारणा अवलम्बन गर्ने र स्वच्छ ऊर्जा प्रवर्द्धन गर्ने।
४. जलवायु वित्तमा सहज पहुँचको लागि अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा पैरवी गर्दै सम्भावित लाभहरूलाई प्रदेश, स्थानीय तह र समुदायसम्म पुऱ्याउने।
५. जलवायु परिवर्तनका क्षेत्रमा अध्ययन-अनुसन्धान तथा क्षमता विकासका कार्यहरू गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा वन क्षेत्रको योगदान | प्रतिशत | १.८० | १.९० | २.०० | २.०५ | २.०५ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| वन क्षेत्रबाट प्राप्त अनुमानित राजस्व रकम | रु. अर्ब | ५.०१ | ४ | ४.५ | ५ | ६ |
| वृक्षरोपण गरिएको क्षेत्रफल | हेक्टर (हजार) | ७ | १० | १५ | २० | ३० |
| वन क्षेत्रले ओगटेको क्षेत्रफल | प्रतिशत | ४४.७४ | ४४.७४ | ४४.७४ | ४४.७४ | ४५ |
| संरक्षित क्षेत्रले ओगटेको क्षेत्रफल | प्रतिशत | २३.३९ | २३.३९ | २३.३९ | २३.३९ | २३.५ |
| बिरुवा उत्पादन | संख्या (लाख) | २३४ | २५० | २५० | ३०० | ३०० |
| वन अनुसन्धानको स्थायी नमुना प्लटहरूको पुनः वन मापन | संख्या | ८४२ | २५० | ३७० | ४८० | ४८० |
| वनजंगल घनत्व | रुख प्रतिहेक्टर | ४३० | ४४० | ४४० | ४४० | ४५० |
| वन विज्ञानका स्नातक तहका विद्यार्थीहरूको लागि इन्टर्नसिप | जना | २०० | ४०० | ६०० | ८०० | १००० |
| वन्यजन्तु पालन | प्रजाति | ० | २ | २ | २ | २ |
| वन उद्यमको विकास तथा प्रवर्द्धन | संख्या | २,००० | २,००० | २,००० | २,००० | २,००० |
| साझेदारी वन विकास | हेक्टर (हजार) | ७५.६६५ | ७५.६६५ | ७५.६६५ | ७५.६६५ | ७६ |
| दर्ता भएका निजी वन विकास | हेक्टर (हजार) | २.५ | ३ | ३.५ | ४ | ५ |
| कबुलियती वन विकास | हेक्टर (हजार) | ४५.०४३ | ४५.०४३ | ४५.०४३ | ४५.०४३ | ४६ |
| गैर काष्ठ वनपैदावारको व्यावसायिक खेती गरिएको कुल क्षेत्रफल | हेक्टर | ४०० | ८०० | १,२०० | १,६०० | २,००० |
| संरक्षित क्षेत्रमा पर्यटक | संख्या (हजार) | ७५० | ८०० | ८१० | ८२० | ८३० |
| वायु प्रदूषणको कारणबाट हुने मृत्युदर | प्रति लाख | ११० | १०० | ९० | ८० | ५२ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| जैविक पिण्ड | टन प्रतिहेक्टर | १९४ | १९८ | १९८ | १९८ | २०० |
| लोपोन्मुख, सङ्कटापन्न र जोखिममा परेका प्रजाति/वनस्पति संरक्षण | प्रजाति | ५०६ | ५०६ | ५०६ | ५०६ | ५०६ |
| संकटापन्न अवस्थामा रहेका प्राणीको प्रजाति संरक्षण कार्ययोजना | प्रजाति | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| दुर्लभ, लोपोन्मुख, सङ्कटापन्न र जोखिमयुक्त वनस्पति प्रजाति संरक्षण कार्ययोजना | संख्या | २ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| वायु प्रदूषणको औसत मात्रा (पि एम २.५) | माइक्रोग्राम प्रति घनमिटर | ५० | ४८ | ४५ | ४२ | ४० |
| वायुमा सस्पेन्सन पार्टिकुलेटको गाढापन (TSP, Intensity, per m3, वार्षिक औसत) (मापन केन्द्रको आधारमा) | माइक्रोग्राम प्रति घनमिटर | २१० | १९० | १७५ | १६० | १५३.३ |
| वायुमण्डलमा तुवाँलो (PM 10) को गाढापन (२४ घण्टाको औसत) (मापन केन्द्रको आधारमा) | माइक्रोग्राम प्रति घनमिटर | ११० | १०० | ९० | ८० | ७३.३ |
| सल्फरडाइअक्साइडको गाढापन (२४ घण्टाको औसत) | माइक्रोग्राम प्रति घनमिटर | - | - | ७० | ७० | ७० |
| जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना तयार भई कार्यान्वयन भएका स्थानीय तह | संख्या | २८० | ३५० | ४३० | ४५० | ४६० |
| काठ उत्पादन | घन फिट (लाख) | २०० | १५० | २५० | २७५ | ३०० |
| दाउरा उत्पादन | चट्टा संख्या | ४,२०० | ४,५०० | ४,८०० | ५,००० | ५,२०० |
| संकटापन्न अवस्थामा रहेका प्राणीको प्रजनन केन्द्र स्थापना गरी संरक्षण | प्रजाति संख्या | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| स्थानान्तरण गरी संरक्षण गरिएका प्राणीहरूको प्रजाति | प्रजाति संख्या | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| बाघ संख्या –गणना/अनुगमन | संख्या | २३५ | २३५ | २५० | २५० | २५० |
| गैंडा संख्या –गणना/अनुगमन | संख्या | ६४५ | ६४५ | ६७५ | ६७५ | ६७५ |
| अर्ना संख्या –गणना/अनुगमन | संख्या | ४४१ | ४५३ | ४६० | ४६० | ४७० |
| बाह्रसिंगा संख्या –गणना/अनुगमन | संख्या | २,२४६ | २,२५० | २,२५० | २,२७० | २,२७० |
| गौरीगाई संख्या –गणना/अनुगमन | संख्या | ४७३ | ४८० | ४९० | ५०० | ५०० |
| कृष्णसार संख्या–गणना/अनुगमन | संख्या | ३२० | ३२० | ३३० | ३३० | ३४० |
| सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह | संख्या (हजार) | २३ | २३ | २३ | २३ | २४ |
| निजी वन/पारिवारिक वन | हेक्टर (हजार) | ५ | १० | १५ | १५ | १५ |
| घाँसे मैदान व्यवस्थापन | हेक्टर | १,८०० | १,८०० | २,००० | २,००० | २,००० |
| वन क्षेत्रको अतिक्रमण हटाइएको क्षेत्रफल | हेक्टर | २,५०० | २,५०० | २,५०० | २,५०० | २,५०० |
| वनस्पति सम्बन्धी डिएनए बैंक | प्रजाति संख्या | ५० | १०० | १५० | २०० | २५० |
| सङ्कटापन्न प्राणी/जीव प्रजाति सम्बन्धी डिएनए बैंक | प्रजाति संख्या | १० | १० | १० | १० | १० |
| पानी मुहान, पोखरी संरक्षण र सिमसार क्षेत्र व्यवस्थापन | संख्या | २३५ | २५० | २७५ | ३०० | ३३० |
| गल्छी/पहिरो/ खहरे नियन्त्रण तथा रोकथाम | संख्या | २०१ | २२० | २४० | २६० | २८० |
| भूमिगत जल पुनर्भरण/संरक्षण पोखरी/तालतलैया संरक्षण | संख्या | ११६ | १२८ | १३९ | १५० | १६१ |
| नदी तथा खोला किनार स्थिरिकरण/व्यवस्थापन | कि.मि. | १९.७ | २९ | ३९ | ४९ | ५९ |
| पर्यापर्यटन क्षेत्र प्रवर्द्धन | स्थान | १८ | २० | २२ | २५ | २८ |
| शहरी हरित उद्यान निर्माण तथा व्यवस्थापन (स्थानीय तहसँगको सहकार्यमा) (वार्षिक) | संख्या | १४ | ३ | ३ | ३ | ३ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| बस्ती तथा बजार संरक्षण (पहिरो नियन्त्रण) | संख्या | २७ | ५० | ८० | १२० | १४० |
| बायो इन्जिनियरिङ गरिएको क्षेत्रफल (खोला किनारा संरक्षण) | कि.मि. | १५ | ४० | ५० | ६० | ७० |
| वायु गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना | संख्या | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४७ |
| वायु गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना (ओजोन, Sox, Nox का लागि) | संख्या | - | १ | २ | ३ | ४ |
| Real time ध्वनि प्रदूषण मापन केन्द्र स्थापना तथा संचालन | संख्या | ३ | २ | २ | २ | २ |
| Real time जल प्रदूषण मापन केन्द्र स्थापना तथा संचालन | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ |
| वातावरणीय अध्ययन तथा मापदण्ड कार्यान्वयनको अनुगमन (वार्षिक) | संख्या | २१० | २५० | ३०० | ३०० | ३०० |
| वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन भएका आयोजनाको वातावरणीय परिक्षण | संख्या | १० | १० | १० | १० | १० |
| जलवायुमैत्री गाउँ (smart village) अनुगमन (वार्षिक) | संख्या | ४२ | ३० | ३० | ३० | ३० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | १२०,२८० | ७७,२२२ | ४३,०५८ | - | १०२,५५९ | १७,६२१ | १०० |
| २०७९/८० | १२४,५७३ | ८५,५८८ | ३८,९८५ | - | १०८,६१२ | १५,७६१ | २०० |
| २०८०/८१ | १३२,३९१ | ९१,३२९ | ४१,०६२ | - | ११४,७३६ | १७,५३४ | १२१ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि सुरु र समाप्ति | लागत (रू अर्ब) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३२९०००११ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ७ | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | सालबसाली | ५४९९ | वन तथा वातावरण संरक्षण भएको हुने। |
| ३३९००१०१ | नेपाल जलवायु परिवर्तन सहयोग कार्यक्रम | ७ | जलवायु परिवर्तन अनुकूलनका कार्यक्रम | २०७४/७५ - २०७९/८० | २२ मिलियन पाउण्ड | जलवायु समानुकूलित समाज निर्माण भएको हुने। |
| ३३९००१०२ | रेड फरेष्ट्री तथा जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम | ७ | कार्वन व्यापार र दिगो वन व्यवस्थापन | सन् २०१७ - सन् २०२२ | ५.४५ मिलियन अमेरिकी डलर | दिगो वन व्यवस्थापन तथा कार्वन व्यापार भएको हुने। |
| ३३९००१०३ | पहाडी साना किसानका लागि अनुकूलन आयोजना | ७ | जलवायु जन्य सङ्कटासन्न न्यूनीकरण तथा जलवायु अनुकूलन | सन् २०१६-सन् २०२१ | ३७.६ मिलियन अमेरिकी डलर | जलवायुमैत्री वातावरण तथा समाज निर्माण भएको हुने। |
| ३२९००१०४ | राष्ट्रपति चुरे-तराई मधेश संरक्षण विकास समिति | ७ | चुरे क्षेत्रको संरक्षण तथा व्यवस्थापन | सालबसाली | १५५६३ | चुरे क्षेत्रको दिगो संरक्षण एवं व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३२९००१०५ | समृद्धिका लागि वन | १ | वन क्षेत्रको उत्पादकत्वा वृद्धि गरी राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा योगदान | सालबसाली | ११०० | कृषिवन प्रवर्द्धन तथा आयआर्जन भएको हुने। |
| ३२९०१०७ | स्वच्छ वातावरण | ७ | स्वच्छ वातावरण कायम गर्ने | सालबसाली | १३१० | वातावरण संरक्षण एवं हरियाली उद्यान निर्माण भएको हुने। |
| ३२९००१०८ | जलवायु उत्थानशील चुरे कार्यक्रम | ७ | चुरे संरक्षण कार्यक्रम | सन् २०२० - सन् २०२६ | ४७ मिलियन अमेरिकी डलर | जलवायुमैत्री चुरे संरक्षण भएको हुने। |
| ३२९०१०११ | वन विभाग भू संरक्षण विभाग | ७ | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | सालबसाली | ४००० | वन संरक्षणको संस्थागत व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३२९०१०१२ | डिभिजन वन कार्यालयहरू | ७ | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | सालबसाली | ३८०० | वन तथा वन्यजन्तु संरक्षण भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि सुरु र समाप्ति | लागत (रू अर्ब) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | (वन सुरक्षा सैनिक समेत) | | | | | |
| ३२९०११०१ | राष्ट्रिय वन विकास तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम | १ | वनको व्यवस्थापन, वृक्षारोपण, बीउ संकलन, नीति मापदण्ड तयारी, अनुगमन समन्वय तथा प्रचार प्रसार | सालबसाली | ११०० | वनको दिगो व्यवस्थापन तथा रोजगारी सृजना भएको हुने। |
| ३२९०११०२ | जलाधार संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम | ७ | बृहत् जलाधार क्षेत्रको संरक्षण तथा व्यवस्थापन | सालबसाली | ३८७२ | जल तथा माटो संरक्षण भएको हुने। |
| ३२९०१९०१ | प्रकृतिमा आधारित पर्यटन कार्यक्रम | १ | संरक्षण क्षेत्र बाहिर र भित्र पर्यटन प्रवर्द्धनका क्रियाकलाप संचालन | सालबसाली | २२६५ | रोजगारी तथा आयआर्जन अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३२९०२०११ | वनस्पति विभाग | ७ | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | सालबसाली | १७०० | जडिबुटीको दिगो व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३२९०२१०१ | जडिबुटी विकास कार्यक्रम | ३ | जडिबुटी तथा गैरकाष्ठ वन पैदावारको संरक्षण, प्रबद्धन | सालबसाली | ११०० | जडिबुटी विकास मार्फत आयअर्जन वृद्धि भएको हुने। |
| ३२९०२१०३ | वनस्पति अनुसन्धान, संरक्षण तथा उद्यान विकास कार्यक्रम | ३ | उद्यान विकास तथा व्यवस्थापन साथै जडिबुटी तथा गैरकाष्ठ वन पैदावारको संरक्षण, प्रवर्द्धन, अध्ययन अनुसन्धान र बजारीकरण | सालबसाली | १००० | वनस्पतिको अध्ययन अनुसन्धान भएको हुने। |
| ३२९०३०११ | राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग | ७ | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | सालबसाली | ४९०० | वन तथा वन्यजन्तु संरक्षण भएको हुने। |
| ३२९०३०१२ | राष्ट्रिय निकुञ्ज सुरक्षा टोली (नेपाली सेना) | ७ | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | सालबसाली | ३२५०० | वन तथा वन्यजन्तु संरक्षणमा टेवा पुगेको हुने। |
| ३२९०३०१३ | हात्तिसारहरू | ७ | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च, हात्तीको हेरचाह र व्यवस्थापन | सालबसाली | १७५० | घरपालुवा हात्ती व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३२९०३१०१ | राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा आरक्ष | ७ | संरक्षण क्षेत्रहरूको व्यवस्थापन | सालबसाली | १२५०० | वन्यजन्तु तथा वासस्थान संरक्षण भएको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि सुरु र समाप्ति | लागत (रू अर्ब) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | आयोजना | | | | | हुने। |
| ३२९०४०११ | वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग | ७ | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | सालबसाली | ५२० | वन क्षेत्रमा अध्ययन अनुसन्धान नतिजा हासिल भएको हुने। |
| ३२९०४१०१ | वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण आयोजना | ७ | वन क्षेत्रको अध्ययन अनुसन्धान तथा प्रचार प्रसार | सालबसाली | ११०० | वन क्षेत्रमा अध्ययन अनुसन्धान नतिजा हासिल भएको हुने। |
| ३२९०५०११ | वातावरण विभाग | ७ | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च साथै वातावरण, प्रदूषण सम्बन्धी क्रियाकलापहरू | सालबसाली | ३२०० | वातावरण सूचना व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३२९०६०११ | केन्द्रीय वन तालिम केन्द्र | ७ | कर्मचारी तालिम तथा क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | १०० | वन क्षेत्रका कर्मचारिको क्षमता विकास भएको हुने। |
| ३२९०१९०३ | जलाधारमा आधारित जलवायु उत्थानशील जीविकोपार्जन आयोजना | १ | समुदायको जलवायु उत्थानशिलता विकास गर्ने | सन् २०२० देखि २०२४ सम्म | ७ मिलियन अमेरिकी डलर | कार्यक्रम क्षेत्रमा जलवायु उत्थानशिलता अभिवृद्धि भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३२९०००११ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | | | |
| ३३९००१०१ | नेपाल जलवायु परिवर्तन सहयोग कार्यक्रम | जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी लैङ्गिक तथा सामाजिक समावेशीकरण रणनीति तथा कार्ययोजना (२०७७-८७) स्वीकृत भएको।<br>जलवायु उत्थानशील योजना तर्जुमा तथा बजेट | आयोजना क्षेत्रमा अनुकूलन योजनाहरू संचालन भएका हुने। | जलवायु अनुकूलन सम्बन्धी कार्य गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | विनियोजन निर्देशिका स्वीकृत भएको। | | |
| ३३९००१०२ | रेड फरेष्ट्री तथा जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम | कार्वन व्यापारका लागि आवश्यक तयारी पुरा। ४० वटा स्थानीय पालिकाहरुको भू-उपयोग योजना तयार भएको। | कार्वन व्यापारका लागि आवश्यक तयारी पूरा भएको हुने। | कार्वन व्यापार तयारी सुरु गर्ने। |
| ३३९००१०३ | पहाडी साना किसानका लागि अनुकूलन आयोजना | २०० वटा लापा कार्यन्वयन। गल्छी/पहिरो नियन्त्रणका लागि ४० वटा संरचना निर्माण भएको। १८१ वटा रिचार्ज, सिंचाई पोखरीहरुको निर्माण सम्पन्न। | २०० वडा स्तरीय अनुकूलन योजना कार्यान्वयनमा आएको हुने। | जलवायु अनुकूलन कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्ने। |
| ३२९००१०४ | राष्ट्रपति चुरे-तराई मधेश संरक्षण विकास समिति | गल्छी/पहिरो नियन्त्रणका लागि ११५ वटा संरचना निर्माण भएको। २२ स्थानमा तालतलैया/सिमसार संरक्षण तथा व्यवस्थापन भएको। | ४८ वटा नदी प्रणालीमा जल तथा भू संरक्षणका एकीकृत कार्यक्रम संचालन भएको हुने। | ४८ वटा नदी प्रणालीमा जल तथा भू संरक्षणका एकीकृत कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३२९००१०५ | समृद्धिका लागि वन | कृषिवन कार्यक्रम संचालन सम्झौता भइ संचालन। | प्रदेश नं. २ र लुम्बिनी प्रदेशका ५० स्थानीय तहमा दिगो वन व्यवस्थापन भएको हुने र वन उद्यम विकासका लागि वैंक मार्फत सरल कर्जा प्रवाह भएको हुने। | कृषि वन संचालन तथा दिगो वन व्यवस्थापन मापदण्ड तयारी गर्ने। |
| ३२९०१०७ | स्वच्छ वातावरण | कुल ३९ वटा स्थानीय तहमा ३९ वटा उद्यान निर्माण गर्न कुल १० करोड ३० लाख बजेट अख्तियारी पठाईएको। | नारायणी नदीको जल स्वच्छता मापन साथै विभिन्न १५ वटा उद्यान निर्माण भएको हुने। | १११ वटा हरित उद्यान निर्माण गर्ने। |
| ३२९००१०८ | जलवायु उत्थानशील चुरे कार्यक्रम | जनचेतना अभिवृद्धिका लागि परिचय पुस्तिकाको मसौदा तयार, फिल्डस्तरका सरोकारवालाहरुसँग अनौपचारिक संचार तथा दृष्यात्मक आधार तथ्याङ्कका लागि कार्य विवरणको काम प्रारम्भ | प्रदेश नं. १ र प्रदेश नं. २ का २६ नदी प्रणाली अन्तर्गत जल तथा जमिनको संरक्षण भएको हुने। | २६ नदी प्रणालीको विस्तृत व्यवस्थापन योजना तयारी गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | भएको। | | |
| ३२९०१०११ | वन विभाग भू संरक्षण विभाग | प्रशासनिक कार्य भएको। | | |
| ३२९०१०१२ | डिभिजन वन कार्यालयहरू (वन सुरक्षा सैनिक समेत) | प्रशासनिक कार्य भएको। | | |
| ३२९०११०१ | राष्ट्रिय वन विकास तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम | वनजन्य उद्यम प्रबर्धन तथा विकास अनुदानका लागि ८६ वटा समूहहरु संग सिफारिश ७६ वटासंग भएको। | २०० वटा वन क्षेत्र उपलब्ध गराइएको राष्ट्रिय प्राथमिकता प्राप्त आयोजनाको अनुगमन, नीति, मापदण्डहरू तयारी तथा परिमार्जन, बीउ वगैंचाहरूको व्यवस्थापन,वृक्षारोपण तथा विरुवा उत्पादन भएको हुने। | नीति, मापदण्डहरू तयारी तथा परिमार्जन, बीउ बगैंचाहरूको व्यवस्थापन,वृक्षारोपण तथा बिरुवा उत्पादन गर्ने। |
| ३२९०११०२ | जलाधार संरक्षण तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम | ४० वटा गल्छी/पहिरो नियन्त्रण सम्पन्न।<br>१८ वटा संरक्षण पोखरी/तालतलैया निर्माण, मर्मत तथा संरक्षण।<br>७ वटा पानी मुहान संरक्षण तथा व्यबस्थापन। | ४ वटा बृहत् जलाधारमा एकीकृत कार्यक्रम संचालन भएको हुने। | ४ वटा बृहत् जलाधारमा एकीकृत कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३२९०१९०१ | प्रकृतिमा आधारित पर्यटन कार्यक्रम | बैदेशिक स्रोतको बेजेट प्राप्त नभएको हुदा प्रगति हुन नसकेको। | नेपाल आउने पर्यटक मध्ये ७० प्रतिशत भन्दा बढी पर्यटक संरक्षित क्षेत्र तथा वन क्षेत्रमा आएका हुने। | पर्यापर्यटनको पूर्वाधार तयारी गर्ने। |
| ३२९०२०११ | वनस्पति विभाग | कार्यालय संचालन तथा नियमित व्यवस्थापन भएको। | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च |
| ३२९०२१०१ | जडिबुटी विकास कार्यक्रम | १६६३ वटा नमुनाहरुको विश्लेषण, प्रमाणीकरण, गुण नियन्त्रण तथा सिफारिस कार्य भएको। | प्रयोगशाला निर्माण, सुदूरपश्चिम प्रदेश र कर्णाली प्रदेशमा जडिबुटी पकेट क्षेत्र कार्यक्रम सञ्चालन एवम् कम्तीमा १० अनुसन्धान/सर्वेक्षण भएको हुने। | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३२९०२१०३ | वनस्पति अनुसन्धान, संरक्षण तथा उद्यान विकास कार्यक्रम | उद्यान निर्माणका लागि शैलुङ गा.पा. दोलखाको ड्रइङ्ग तथा डिजाइन कार्य सम्पन्न भएको। अन्य (भीमदत्त न.पा., कञ्चनपुर, रासी न.पा.१, चितवन, भेरी न.पा. २, जाजरकोट र रामापिथेकस व.उ. रुपन्देही) सँग समन्वय तथा प्रारम्भिक कार्य भइरहेको। | ११ वटा उद्यानको विकास र व्यवस्थापन भएको हुने तथा वनस्पति अध्ययन अनुसन्धान तथा बजारीकरणका क्रियाकलापहरू भएको हुने। | ११ वटा उद्यानको विकास र व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३२९०३०११ | राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च। | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च |
| ३२९०३०१२ | राष्ट्रिय निकुञ्ज सुरक्षा टोली (नेपाली सेना) | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च साथै हिमाल सरसफाई। | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च |
| ३२९०३०१३ | हात्तिसारहरू | घरपालुवा हात्ती व्यवस्थापन | हात्तीको हेरचाह, व्यवस्थापन तथा तालिम सञ्चालन भएको हुने। | घरपालुवा हात्ती व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३२९०३१०१ | राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा आरक्ष आयोजना | ७१ कि.मि./५८० कि.मि. वनपथ निर्माण/मर्मत<br>२५०५ हे. घाँसे मैदान निर्माण तथा व्यवस्थापन | २१ वटा संरक्षण क्षेत्रको व्यवस्थापन, चोरी शिकारी नियन्त्रण,<br>वन्यजन्तु गणना, पर्यापर्यटन प्रवर्द्धनका लागि संरचना निर्माण भएको हुने। | २१ वटा संरक्षण क्षेत्रको व्यवस्थापन, चोरी शिकारी नियन्त्रण, वन्यजन्तु संरक्षण गर्ने। |
| ३२९०४०११ | वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च | प्रशासनिक तथा साधारण खर्च |
| ३२९०४१०१ | वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण आयोजना | उच्च हिमाली क्षेत्रमा १०२ स्थायी नमुना पल्ट स्थापना तथा मापन सम्मपन्न | वन सम्बन्धी २५ वटा अध्ययन अनुसन्धान, ६ वटा वनको जानकारी प्रकाशन, बाँसको राष्ट्रिय सर्वेक्षण भएको हुने। | वन अनुसन्धान तथा नतिजा प्रकाशन गर्ने। |
| ३२९०५०११ | वातावरण विभाग | वातावरण प्रदूषण सम्बन्धी ४९ पटक अनुगमन एवं निरीक्षण गरी नमूना संकलन | ७ वटा ठूला उद्यान निर्माण, कम्तीमा ३०० उद्योगको प्रदूषण मापदण्ड अनुगमन,निर्देशिका | प्रदूषण मापन तथा नियमन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | EIA/IEE गरेका ४० वटा आयोजनाहरुको वातावरणीय अनुगमन<br>EIA गरेका १ वटा आयोजनाको वातावरणीय परिक्षण | मापदण्डहरू तर्जुमा भएको हुने। | |
| ३२९०६०११ | केन्द्रीय वन तालिम केन्द्र | २ सेवाकालीन तालिम र १ तथ्याँक व्यवस्थापन तालिम सम्पन्न। | कर्मचारीहरूको तालिम लगायत क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने। | क्षमता अभिवृद्धिका कार्य संचालन गर्ने। |
| ३२९०१९०३ | जलाधारमा आधारित जलवायु उत्थानशील जीविकोपार्जन आयोजना | | खोटाङ, ओखलढुङ्गा र रामेछाप जिल्लाका दुधकोशी वेसिनका ८ वटा स्थानिय तहमा जलवायु उत्थानशील जीविकोपार्जन भएको हुने। | खोटाङ, ओखलढुङ्गा र रामेछाप जिल्लाका दुधकोशी वेसिनमा जलवायु उत्थानशील कार्यसंचालन तयारी गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

पर्याप्त बजेटको सुनिश्चितता, पर्याप्त जनसहभागिता, बढ्दो मानव वन्यजन्तुबीच द्वन्द्व, जलावायु परिवर्तन, वर्तमान महामारीको अवस्था जस्ता जोखिम पक्ष रहेका छन्।

# परिच्छेद ५

# आर्थिक क्षेत्र

## ५.१ अर्थ

### १. पृष्ठभूमि

आर्थिक र सामाजिक विकासको जनचाहनालाई सम्बोधन गर्न सीमित स्रोत र साधनको अधिकतम परिचालन गर्दै समृद्ध नेपाल सुखी नेपालीको राष्ट्रिय आकांक्षा साकार पार्न समष्टिगत आर्थिक र वित्तीय स्थायित्व कायम गर्दै तीव्र आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु आवश्यक छ। अतिकम विकसित राष्ट्रबाट भएको स्तरोन्नति सार्थक बनाउँदै सन् २०३० मा दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्न दोहोरो अंकको आर्थिक वृद्धि गर्नु जरुरी छ र सोका लागि सरकारका नीति, योजना तथा कार्यक्रम सोही अनुरूप निर्देशित गर्नुपर्ने भएको छ। पन्ध्रौं योजनाले लिएको लक्ष्य अनुरूप स्रोत परिचालन र विनियोजन कुशलता सुनिश्चित हुने गरी नीति र कार्यक्रम तर्जुमा तथा कार्यान्वयन गर्नु परेको छ। यसैगरी संघीय संरचना अनुरूप तीन तहमा राजस्व परिचालन क्षमता बढाउन र आन्तरिक ऋण एवम् बाह्य सहायता मुलुकको विकासका उद्देश्य र प्राथमिकता अनुरूप अधिकतम प्रतिफल प्राप्त गर्ने गरी परिचालन गर्दै वित्तीय सम्भावना (fiscal space) को सदुपयोग गर्ने सोच राखिएको छ। बचत वृद्धि तथा राष्ट्रिय पुँजी निर्माण र आन्तरिक उत्पादन वृद्धि मार्फत आत्मनिर्भर, सवल र समुन्नत अर्थतन्त्र निर्माण गर्ने तर्फ केन्द्रित हुने गरी कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण गरिएको छ। कोभिड-१९ महामारीको जोखिम न्यूनीकरण गर्न चालिएका कदमबाट सिर्जित असहज परिस्थितिले गर्दा समग्र उत्पादन, उत्पादकत्व एवम् आपूर्ति प्रणालीमा असर परी अर्थतन्त्रमा प्रतिकूल प्रभाव परेको छ। विश्व आर्थिक गतिविधिमा सुस्तता आई विश्वको समग्र आर्थिक वृद्धि, रोजगारी, मूल्य, अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार, पर्यटन लगायतका क्षेत्र प्रभावित हुने देखिएको छ। यस बिषम परिस्थितिमा जनजीवन एवम् जीविकाको संरक्षण, आर्थिक गतिविधिमा क्रमशः विस्तार र अर्थतन्त्रको पुनरुत्थान गर्दै फराकिलो र दिगो आर्थिक वृद्धि हासिल गर्ने तर्फ बिशेष जोड दिन जरुरी छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

कोभिड-१९ महामारीको असर र प्रभाव न्यूनीकरण गर्दै अर्थतन्त्रलाई चलायमान बनाई राख्नु प्रमुख चुनौतीका रूपमा रहेको छ। साथै, समग्र अर्थ प्रणालीमा सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापन सम्बद्ध विभिन्न चुनौती देखा परेका छन्। अपेक्षित रूपमा पुँजीगत खर्च हुन नसकेको कारण पुँजी निर्माणको दर न्यून रहेको छ। कानूनी, संरचनागत र पूर्वाधारका क्षेत्रमा पछिल्लो समयमा भएको सुधारका बाबजुद पूर्वाधार विकासमा अपेक्षित रूपमा विदेशी र स्वदेशी लगानी विस्तार हुनसकेको छैन। मुलुकको द्रुततर विकासको आकांक्षा पूरा गर्न आवश्यक स्रोत जुटाउने कार्य पनि चुनौतीपूर्ण नै रहेको छ। पछिल्लो समयमा वित्तीय पहुँच विस्तार भएता पनि पुँजी बजारको कार्यक्षेत्र विस्तार भइसकेको छैन। बजेट तथा कार्यक्रम खर्च उपलब्धिमूलक बनाउन विनियोजन कुशलताको साथै खर्च क्षमता र वित्तीय अनुशासन एवम् जवाफदेहितामा जोड दिनुपर्ने देखिएको छ। बजेट पूर्ण कार्यान्वयन गरी सीमित स्रोतको कुशल उपयोग मार्फत सार्वजनिक वित्त र वित्तीय क्षेत्र स्थिरता कायम गर्दै उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको छ।

## ३. सोच

- सार्वजनिक खर्चको कुशल र नतिजामूलक व्यवस्थापनद्वारा समृद्ध अर्थतन्त्र निर्माण। (सार्वजनिक खर्च)
- सुदृढ र प्रगतिशील राजस्व प्रणालीको विकास गरी समृद्ध अर्थतन्त्र निर्माण। (राजस्व)
- अन्तर्राष्ट्रिय विकास सहायताको प्रभावकारी परिचालन मार्फत विकास र समृद्ध अर्थतन्त्र निर्माण। (अन्तर्राष्ट्रिय विकास सहायता)।
- सार्वजनिक ऋणको प्रभावकारी परिचालन गरी सबल अर्थतन्त्र निर्माण। (सार्वजनिक ऋण)
- वित्तीय संघीयता मार्फत समृद्ध र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्र निर्माण। (अन्तर-सरकारी वित्त)
- सबल र प्रतिस्पर्धी सार्वजनिक संस्थान मार्फत आत्मनिर्भर र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्र निर्माण। (सार्वजनिक संस्थान)
- गतिशील, विश्वसनीय र उत्पादनशील मौद्रिक तथा वित्तीय क्षेत्र। (मौद्रिक तथा वित्तीय क्षेत्र)
- सुदृढ र विस्तारित बिमा सेवाबाट वित्तीय जोखिम न्यूनीकरण मार्फत उत्थानशील समाज र अर्थतन्त्र निर्माण। (बिमा)
- स्वच्छ, प्रतिस्पर्धीर फराकिलो धितोपत्र तथा वस्तु विनिमय बजार मार्फत राष्ट्रिय पुँजी निर्माण। (पुँजी बजार)

## ४. उद्देश्य

### अ. सार्वजनिक खर्च

- सार्वजनिक खर्चको विनियोजन दक्षता, कार्यान्वयन कुशलता र वित्तीय अनुशासन कायम गर्नु।

### आ. राजस्व

- उत्पादन, लगानी, व्यवसाय तथा करदातामैत्री एवम् स्वच्छ, तटस्थ, पारदर्शी र प्रगतिशील कर प्रणालीको विकास तथा स्वैच्छिक कर सहभागिताबाट अधिकतम राजस्व परिचालन गर्नु।

### इ. अन्तर्राष्ट्रिय विकास सहायता

- अन्तर्राष्ट्रिय विकास सहायताको छनोटपूर्ण उपयोग मार्फत उत्पादन, उत्पादकत्व तथा रोजगारी बढाउँदै मुलुकलाई विकास वित्तमा क्रमशः आत्मनिर्भर उन्मुख बनाउनु।

### ई. सार्वजनिक ऋण

- सार्वजनिक ऋणको प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी ऋण रोजगारी सिर्जना, राष्ट्रिय पुँजी निर्माण र आर्थिक वृद्धिमा योगदान पुऱ्याउनु।

### उ. अन्तर-सरकारी वित्त

१. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको खर्चको आवश्यकता सम्बोधन हुने गरी न्यायोचित, सन्तुलित र परिपूरक रूपमा स्रोत उपलब्ध गराउनु।

२. तीन तहको वित्तीय आकार (fiscal space) वृद्धि गर्नु।

### ए. सार्वजनिक संस्थान

- सार्वजनिक संस्थानको स्थापना, सञ्चालन र व्यवस्थापन प्रणालीमा सुधार गरी गुणस्तरीय वस्तु तथा सेवाको उत्पादन, वितरण र उपभोगमा नागरिकको पहुँच स्थापित गर्नु।

### ऐ. मौद्रिक तथा वित्तीय क्षेत्र

१. मुद्रास्फीति नियन्त्रण, शोधनान्तर बचत एवम् वित्तीय स्थायित्व हासिल गर्नु।
२. वित्तीय पहुँच अभिवृद्धि गरी प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्रमा वित्तीय साधनको उपलब्धता बढाउनु।
३. भुक्तानी प्रणालीलाई सुरक्षित, स्वस्थ र विश्वसनीय बनाउनु।

### ओ. बिमा

- बिमा क्षेत्रलाई प्रभावकारी र दिगो बनाई दिगो बनाई दुर्गम तथा न्यून आय भएका वर्ग समुदाय लगायत समाजका सबै तह र कारोबारमा बिमा सेवाको पहुँच पुऱ्याउनु।

### औ. पुँजी बजार

- धितोपत्र तथा वस्तु विनिमय बजारलाई पहुँचयोग्य, स्वच्छ र विश्वसनीय बनाउनु।

## ५. रणनीति

### अ. सार्वजनिक खर्च

१. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको सार्वजनिक खर्च प्रणाली सुदृढ गरी दक्षता, पारदर्शिता र जवाफदेहिता कायम गरी नतिजामूलक बनाउने।
२. सार्वजनिक खर्चलाई आर्थिक तथा सामाजिक पुँजी निर्माणका क्षेत्रमा कुशल र प्रभावकारी विनियोजन गर्ने।
३. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको विकासको आवश्यकता सम्बोधन गर्ने गरी न्यायोचित, सन्तुलित र परिपूरक रूपमा अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन गर्ने।
४. सार्वजनिक खर्च प्रणालीलाई आधुनिक सूचना प्रविधिमा आधारित बनाई थप पारदर्शी बनाउने।

### आ. राजस्व

१. सबै किसिमका आर्थिक क्रियाकलापलाई करको दायरामा ल्याई राजस्वको आधार फराकिलो बनाउने।
२. राजस्व प्रशासनको विस्तार तथा आधुनिकीकरण गरी कुशल, व्यावसायिक र स्वच्छ बनाउने।
३. संघीय प्रणाली अनुरूप राजस्व प्रशासनको संरचनागत र प्रणालीगत सुधार गर्ने।
४. आर्थिक विस्तारमा सहयोग पुग्ने गरी कर प्रणालीलाई लगानी/व्यवसायमैत्री बनाउने।
५. कर संरचना र दरमा सामयिक सुधार गरी कर प्रणालीलाई सरल र समन्यायिक बनाउने।

### इ. अन्तर्राष्ट्रिय विकास सहायता

१. राष्ट्रिय आवश्यकता, नीति तथा प्राथमिकताका आधारमा अन्तर्राष्ट्रिय विकास सहायताको परिचालन गर्ने।
२. विकास सहायता प्रभावकारिता सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिबद्धता एवम् राष्ट्रिय नीति अनुरूप विकास सहायताको परिचालन गर्ने।

३. संघीय संरचना बमोजिम विकास सहायता प्रणाली रूपान्तरण गरी प्रादेशिक सन्तुलन र समन्यायिकताको सिद्धान्त अनुरूप विकास सहायता उपयोग गर्ने।

**ई. सार्वजनिक ऋण**

१. मुलुकले धान्न सक्ने गरी उच्च प्रतिफलयुक्त क्षेत्रमा सार्वजनिक ऋण परिचालन गर्ने।
२. सार्वजनिक ऋण व्यवस्थापन सम्बन्धी नीतिगत, कानूनी र संरचनागत सुधार गर्ने।
३. संघीय प्रणाली अनुरूप सार्वजनिक ऋण व्यवस्थापन सम्बन्धी उपकरण तथा स्रोतको विविधीकरण गर्ने।

**उ. अन्तर-सरकारी वित्त**

१. तीन तहका एकल तथा साझा कार्य जिम्मेवारीहरू सामञ्जस्यपूर्ण ढङ्गबाट पूरा गर्न स्रोत व्यवस्थापन गर्ने।
२. अन्तर-सरकारी वित्त हस्तान्तरणलाई पारदर्शी, अनुमानयोग्य र न्यायोचित बनाउने।
३. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन सम्बन्धी क्षमता विकास गर्ने।
४. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा वित्तीय सुशासन कायम गर्ने।

**ऊ. सार्वजनिक संस्थान**

१. आवश्यकता र उपादेयताको आधारमा संघीय संरचना बमोजिम उपयुक्त ठहरिएका सार्वजनिक संस्थानको पुनर्संरचना र स्थापना तथा सान्दर्भिक नदेखिएका संस्थानको विनिवेश गर्ने।
२. कानूनी तथा संस्थागत सुधार र आधुनिकीकरण गरी सार्वजनिक संस्थानको सञ्चालन, व्यवस्थापन र नियमनलाई प्रभावकारी बनाउने।

**ए. मौद्रिक तथा वित्तीय क्षेत्र**

१. मौद्रिक तथा वित्तीय नीतिको प्रभावकारिता अभिवृद्धि गर्ने।
२. राष्ट्रिय प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्रमा पर्याप्त वित्तीय स्रोत-साधन परिचालन गर्ने।
३. नवीनतम प्रविधिको अवलम्बन र वित्तीय साक्षरता मार्फत दुर्गम तथा पिछडिएका क्षेत्रसम्म वित्तीय पहुँच विस्तार गर्ने।
४. सुरक्षित, आधुनिक र विद्युतीय भुक्तानी प्रणाली विकास गर्ने।

**ऐ. बिमा**

१. बिमा सेवालाई प्रभावकारी र प्रतिस्पर्धी बनाउन तथा बीमितको हकहित सुनिश्चित गर्न नीतिगत, कानूनी र संस्थागत सुधार गर्ने।
२. बिमा सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय प्रचलन, अभ्यास तथा मापदण्डको आधारमा बिमा सेवा प्रदान गर्ने।
३. बिमा व्यवसायलाई सामाजिक संरक्षणको एक महत्वपूर्ण आधारस्तम्भको रूपमा विकास गर्ने। साथै, बिमा सेवाको विस्तार गरी न्यून आय भएका वर्ग लगायत सम्पूर्ण नागरिक एवम् क्षेत्रमा पहुँच पुऱ्याउनका लागि उपयुक्त संयन्त्रको विकास गर्ने।

**ओ. पुँजी बजार**

१. धितोपत्र तथा वस्तु विनिमय बजारलाई स्वच्छ, प्रतिस्पर्धी र विश्वसनीय बनाउनुका साथै यसको क्षेत्र तथा दायरा अभिवृद्धि गर्ने।

२. कानूनी, संस्थागत र संरचनागत सुधार गरी धितोपत्र तथा वस्तु विनिमय बजार सञ्चालन तथा नियमन प्रणालीलाई अन्तर्राष्ट्रिय स्तरको बनाउने।

३. धितोपत्र बजारमा साना र स्वदेशी तथा विदेशी संस्थागत लगानीकर्ताको आकर्षण बढाउने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा स्थिर पुँजी लगानी | प्रतिशत | २८.४ | २७.३ | ४०.७ | ३९.८ | ४१.६ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा स्थिर पुँजी लगानी - सरकारी | प्रतिशत | ७.७ | ७.० | १६.१ | १५.६ | १६.१ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा स्थिर पुँजी लगानी - निजी | प्रतिशत | २०.८ | २०.२ | २२.४ | २२.१ | २३.३ |
| कुल राष्ट्रिय बचत (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा) | प्रतिशत | ३२.६ | ३१.४ | ४९ | ४८ | ४७.५ |
| कुल गार्हस्थ्य बचत (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा) | प्रतिशत | ६.३ | ६.६ | २१.० | २१.५ | २२ |
| विस्तृत मुद्रा प्रदाय वृद्धिदर | प्रतिशत | १८.१ | १९.० | १७ | १७ | १७ |
| निजी क्षेत्र तर्फको कर्जा वृद्धिदर | प्रतिशत | **१२.६** | **२२.०** | २१ | २० | २१ |
| जनसंख्या प्रति बैंक तथा वित्तीय संस्था शाखा | जना | ३,०७२ | २,८०६ | २,७७० | २,६८२ | २,६०० |
| बाली सुरक्षण प्रिमियम अनुदान | हेक्टर | ५८४ | १,२०० | २,४०० | २,६४० | २,९०४ |
| सामाजिक/सामुदायिक कार्यक्रम | संख्या | १४४ | १५० | १५० | १५० | १५० |
| उद्यमशीलता विकास तालिम | संख्या | ६० | ३०० | ३५० | ३५० | ३५० |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| साना किसान लघुबित्त वित्तीय संस्था (विविध) कार्यक्रम | संख्या | ४३० | ३९६ | ४४५ | ४५० | ४५० |
| लघु बिमा सहयोग कार्यक्रम (पशु धन सुरक्षण) | संख्या (हजारमा) | ६७.५ | ८९ | ९५ | १०१ | १०७ |
| पशुधन तथा कर्जा सुरक्षण तालिम | संख्या | ३६१ | ६५ | ११५ | १२५ | १३६ |
| कृषि तथा पशुपन्छी व्याज अनुदान | रू (अर्बमा) | २.९६ | ५ | ६ | ७ | ९ |
| लघु वित्त तथा विपन्न वर्ग कर्जा सुरक्षण | संख्या (हजारमा) | ७७७.१ | ११,७८ | १२,९६ | १४,२५ | १५,६८ |
| कृषि कर्जा सुरक्षण | संख्या | ३,९१८ | ५,१४६ | ५,६६० | ६,२२६ | ६,८५० |
| प्राविधिक शिक्षा तथा शैक्षिक बेरोजगार कर्जा सुरक्षण | संख्या | ५ | ६ | ८ | १० | १२ |
| निर्यात कर्जा सुरक्षण | संख्या | - | - | ५१ | ५६ | ६२ |
| निक्षेप सुरक्षण | संख्या (हजारमा) | २,६१,०४ | २,९६,५२ | ३,०५,०० | ३,१५,०० | ३,२०,०० |
| दुध तथा मासुजन्य पशुपालन, तरकारी खेती र साना तथा मझौला कृषि उद्यम कर्जा | संख्या (हजारमा) | २०.८ | २५ | २५ | २५ | २५ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ४६४,६६६ | २७६,९१४ | १०३,५५२ | ८४,२०० | ३४९,४८८ | ९०,५७४ | २४,६०४ |
| २०७९/८० | ५३५,१४६ | २७४,७५६ | १२८,८९० | १३१,५०० | ३३४,९०२ | ९२,३८६ | १०७,८५८ |
| २०८०/८१ | ५७२,६२९ | २८३,८७० | १४७,२५९ | १४१,५०० | ३३५,४४७ | १०९,६५३ | १२७,५२९ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०५०००११ | अर्थ मन्त्रालय | - | आर्थिक क्षेत्र सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा समन्वय | सालबसाली | | उच्च र दिगो आर्थिक वृद्धि तथा समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व भएको हुने<br>राजस्व परिचालन र वित्तीय क्षेत्र विस्तार भएको हुने |
| ३०५०००१२ | ऋण असुली पुनरावेदन न्यायाधिकरण | इ२ | ऋण असुली पुनरावेदन तथा फैसला | सालबसाली | | प्रभावकारी ऋण असुली भएको हुने |
| ३०५०००१३ | ऋण असुली न्यायाधिकरण | इ२ | ऋण असुली | सालबसाली | | प्रभावकारी ऋण असुली भएको हुने |
| ३०५०००१४ | अन्तर्राष्ट्रिय संघ, संस्था सदस्यता शुल्क अनुदान विविध | इ१ | सदस्यता शुल्क | सालबसाली | | सदस्यता शुल्क अनुदान व्यवस्थापन |
| ३०५००१०१ | साना किसान विकास बैंक (वित्तीय संस्था) विविध | ए२ | साना किसानको क्षमता विकास | २०६३/६४ सालबसाली | | संरचनागत, पूर्वाधार र उद्यमशीलको विकास भएको हुने |
| ३०५००१०२ | लघु बिमा सहयोग कार्यक्रम (पशु बाली स्वास्थ्य) | ऐ३ | पशु, बाली तथा स्वास्थ्य क्षेत्रमा लघु बिमाको लागि सहयोग | २०६८/६९ सालबसाली | | पशुधन र बाली सुरक्षण भएको हुने<br>अभिमुखीकरण तालिम संचालन भएको हुने<br>लघु तथा विपन्न वर्ग कर्जा तथा कृषि कर्जा सुरक्षण भएको हुने |
| ३०५००१०८ | मिलिनियम च्यालेञ्ज एकाउण्ट नेपाल | इ२ | विद्युत प्रसारण लाइन निर्माण तथा राष्ट्रिय राजमार्गको केही भाग आधुनिक तवरले मर्मत | २०७२/७३ - २०८३/८४ | ६४ करोड ७ लाख ५० हजार अमेरिकी डलर (करिब रू. ७० अर्ब ५० करोड) | ३ वटा सब स्टेसन, करिब ३१५ कि.मि. प्रसारण लाइन निर्माण र करिब ७७ कि.मि. राष्ट्रिय राजमार्गको आधुनिक तवरले मर्मत भएको हुने |
| ३०५००११३ | आर्थिक पुनरुत्थान, राहत तथा सहुलियत कार्यक्रम | ए१ | महामारी तथा दैविक प्रकोपबाट प्रभावित व्यक्ति, | २०७७/७८ - २०७९/८० | १४,७७,८६ | सहुलियतपूर्ण ९ प्रकारका कर्जाका लागि ब्याज अनुदान प्रदान भएको हुने, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | समुदाय तथा व्यवसायलाई पुनरुत्थानको लागि राहत तथा सहुलियत | | | शीतघर भण्डार निर्माणको लागि ब्याज अनुदान प्रदान भएको हुने,<br>कोरोना बिमा गरिएको हुने,<br>RPSF परियोजना संचालन भएको हुने । |
| ३०५०१०११ | महालेखा नियन्त्रक कार्यालय | अ४ | सार्वजनिक लेखा र खर्च व्यवस्थापन | सालबसाली | | समयमा नै केन्द्रीय विवरण तयार भएको हुने<br>विदेशस्थित ८ वटा नेपाली नियोगहरूको आ.ले.प. सम्पन्न भएको हुने<br>तीनै तहको वित्तीय व्यवस्थापन कार्य प्रभावकारी भएको हुने<br>समयमा नै शोधभर्ना प्राप्तिमा सहयोग पुगेको हुने<br>लेखा निर्देशिका तयार भई तीनै तहको खर्च लेखांकनमा एकरूपता आएको हुने |
| ३०५०१०१२ | निवृत्तभरण व्यवस्थापन कार्यालय | अ४ | निवृत्तभरण व्यवस्थापन | सालबसाली | | निवृतभरण समयमा नै भुक्तानी भएको हुने<br>राष्ट्रका तर्फबाट गर्नुपर्ने पर्व पूजा समयमा नै सम्पन्न भएको हुने |
| ३०५०१०१३ | कुमारी चोक तथा केन्द्रीय तहसिल कार्यालय | अ४ | सरकारी बाँकी रकम असुल उपर | सालबसाली | | सरकारी बाँकी रकम समयमा नै असुल उपर भएको हुने |
| ३०५०१०१४ | कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयहरू | अ४ | सार्वजनिक लेखा र खर्च व्यवस्थापन | सालबसाली | | जिल्ला स्थित सरकारी कार्यालयहरूको खर्च रकम समयमा नै निकासा दिइएको हुने<br>जिल्ला स्थित संघीय सरकारी कार्यालयहरूको समयमै आ.ले.प. सम्पन्न भएको हुने |
| ३०५०११०१ | एकीकृत सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन सुधार कार्यक्रम | अ४ | तीनै तहका सरकारको सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन, खरिद निकाय, प्रणाली र कार्यविधि सुदृढीकरण | २०७४/७५ - २०७८/७९ | १,०८,५० | संघीय सरकारको पुँजीगत खर्च प्रतिशतमा वृद्धि भएको हुने<br>तीनै तहको सरकारको आर्थिक विवरण आर्थिक वर्ष समाप्त भएको ९ महिना भित्र पेश भएको हुने<br>सार्वजनिक खरिद समयमै भएको हुने<br>तीनवटै तहको लेखापरीक्षण अन्तर्राष्ट्रिय स्तरको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | भएको हुने |
| ३०५०२०११ | सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन तालिम केन्द्र | अ१ | तालिम | | | |
| ३०५०३०११ | भन्सार बिभाग | आ२ | भन्सार प्रशासन | | | |
| ३०५०३०१२ | भन्सार कार्यालयहरू | आ२ | भन्सार महशुल तथा अन्य राजस्व संकलन | | | |
| ३०५०३१०१ | भन्सार सुधार कार्यक्रम | आ२ | भन्सार प्रक्रिया स्वचालन भौतिक पूर्वाधारको सुधार तथा निर्माण | सन् २००३ - सन् २०२१ | २१ मिलियन अमेरिकी डलर र रू.८१.६७ करोड | |
| ३०५०४०११ | आन्तरिक राजस्व विभाग | आ२ | आन्तरिक राजस्व प्रशासन | सालबसाली | | लक्ष्य अनुरूप राजस्व संकलन भएको हुने<br>अन्तःशुल्कजन्य पदार्थ तथा स्टिकरको गुणस्तरीयता परीक्षण सहज भएको हुने<br>राजस्व चुहावट नियन्त्रण भएको हुने |
| ३०५०४०१२ | आन्तरिक राजस्व कार्यालयहरू | आ२ | आन्तरिक राजस्व संकलन | सालबसाली | | लक्ष्य अनुसार राजस्व संकलन भएको हुने |
| ३०५०५०११ | सार्वजनिक ऋण व्यवस्थापन कार्यालय | ई२ | सार्वजनिक ऋण व्यवस्थापन | सालबसाली | | नेपाल सरकारको ऋण व्यस्थापन एकीकृत रूपमा कुशलतापूर्वक सम्पादन भएको हुने |
| ५०१०५१०१ | लगानी-विविध | ई१ | | सालबसाली | | |
| ५०१०५१०२ | पशुपालन (मासुजन्य र दुग्धजन्य) कर्जा तथा पशुधन कार्यक्रम | ऐ३ | मासु तथा दुध र तरकारीजन्य उत्पादन वृद्धि गरी आयात न्यूनीकरण र रोजगारी वृद्धिमा सहयोग | २०६७/६८ सालबसाली | | मासु तथा दुग्ध र तरकारीजन्य पदार्थको उत्पादन वृद्धि भएको हुने<br>साना किसानहरूको कृषि उद्यमशीलता विकासबाट कृषि रूपान्तरणमा सघाउ पुगेको हुने |
| ५०१०५१०३ | सार्वजनिक संस्थान सुधार कार्यक्रम | ऊ२ | सार्वजनिक संस्थान सुधार | सालबसाली | | |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०५०००११ | अर्थ मन्त्रालय | | उच्च आर्थिक वृद्धि, समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम भएको हुने।<br>राजस्व परिचालन र वित्तीय क्षेत्रको विस्तार भएको हुने। | बजेट तर्जुमा, राजस्व परिचालन, सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापन गर्ने<br>वित्तीय क्षेत्रको नियमन तथा विस्तार गर्ने |
| ३०५०००१२ | ऋण असुली पुनरावेदन न्यायाधिकरण | | ऋण असुली प्रभावकारी भएको हुने। | ऋण असुली सम्बन्धी मुद्दाको पुनरावलोकन गर्ने |
| ३०५०००१३ | ऋण असुली न्यायाधिकरण | | ऋण असुली प्रभावकारी भएको हुने। | ऋण असुली सम्बन्धी मुद्दा फैसला गर्ने |
| ३०५०००१४ | अन्तर्राष्ट्रिय संघ, संस्था सदस्यता शुल्क अनुदान विविध | | अन्तर्राष्ट्रिय संघ, संस्था सदस्यता शुल्क अनुदान व्यवस्थापन भएको हुने। | अन्तर्राष्ट्रिय संघ, संस्था सदस्यता शुल्क भुक्तानी तथा व्यवस्थापन गर्ने |
| ३०५००१०१ | साना किसान विकास बैंक (वित्तीय संस्था) विविध | ३०० उद्यमशीलता विकास तालिम, १५० सामुदायिक विकास र ३०० कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सम्बन्धी कार्यक्रम भएको<br>२६ वटा कृषि सहकारी अनुसरण र सेवा विस्तार कार्यक्रम तथा ७० वटा संस्थागत पुनर्संरचना सम्बन्धी कार्यक्रम भएको | सीप तथा क्षमता विकास, सामाजिक/ सामुदायिक विकास, साना किसान सहकारी अनुसरण तथा सेवा विस्तार र कृषि तथा पशुपालन व्यबसाय प्रवर्द्धनका २,८४५ क्रियाकलाप सञ्चालन भएको हुने | ३५० वटा उद्यमशीलता विकास तालिम, १५० वटा सामुदायिक विकास र ३५० वटा कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने<br>२५ वटा कृषि सहकारी अनुसरण र सेवा विस्तार कार्यक्रम र ७० वटा संस्थागत पुनर्संरचना सम्बन्धी कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने |
| ३०५००१०२ | लघु बिमा सहयोग कार्यक्रम (पशु बाली स्वास्थ्य) | पशुधन सुरक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूबाट पशुधन सुरक्षण गरिएको<br>लघु तथा विपन्न वर्ग कर्जा सुरक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत सदस्य | करिब ३ लाख ३ हजार पशुको सुरक्षण गरिएको हुने<br>करिब ४२ लाख ८९ हजार ऋणीको कर्जा सुरक्षण गरिएको हुने | ९५ हजार पशुधन र २,४०० हेक्टरको बाली सुरक्षण गर्ने<br>११५ पशुधन, बाली तथा कर्जा सुरक्षण सम्बन्धी तालिम दिने<br>१२ लाख ९६हजार जनाको कर्जा सुरक्षण गर्ने र |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | संस्थाहरूबाट कर्जा सुरक्षण गरिएको | | ५,६६० जनाको कृषि कर्जा सुरक्षण गर्ने |
| ३०५००१०८ | मिलिनियम च्यालेञ्ज एकाउण्ट नेपाल | सबस्टेशन र प्रसारण लाइनको विस्तृत डाइन र राउटिङ भई बोलपत्रतयार भएको<br>नेपाल सरकारबाट वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन स्वीकृत भएको<br>रातमाटे सबस्टेशनको लागि १८९ मध्ये १७८ कित्ता जग्गा प्राप्ति भएको<br>१७५ परिवारलाई रू. १ अरब २६ करोड मुआब्जा वितरण भएको र यो कार्य अन्तिम चरणमा रहेको<br>विद्युत नियमन आयोग र सडक विभागसँग प्राविधिक सहयोग सम्बन्धी सम्झौता भएको<br>सडक विभागलाई प्रयोगशाला उपकरण हस्तान्तरण गरिएको<br>उपकरण प्रयोग बारे प्रशिक्षण र इन्जिनियरलाई तालिम दिइएको<br>सुपरपेभ आस्फाद्य्ट मिश्रण डिजाइन प्रयोगशालाको निर्माण सम्पन्न भएको | प्रसारण लाइन पुनर्वास कार्ययोजना संचालन<br>प्रसारण लाइनको अतिरिक्त सर्वेक्षण (३० कि.मि.) सम्पन्न<br>आयोजना प्रभावित २० प्रतिशत व्यक्तिलाई मुआब्जा वितरण<br>एमसीए नेपाल पार्टनरशिप प्रोग्रामको १० प्रतिशत कार्य सम्पन्न<br>विस्तृत सर्वेक्षण तथा डिजाइन सम्पन्न<br>सबस्टेसनहरूको ५५ प्रतिशत निर्माण सम्पन्न<br>उपकरण जडानको १५ प्रतिशत सम्पन्न<br>धानखोला-लमही<br>४० कि.मि. सडक खण्डको मर्मत सुधार र पुनर्स्थापना सुचारू<br>लमही- शिवखोला<br>३७ कि.मि. सडक खण्डको मर्मत सम्भार सुचारु भएको हुने<br>सुपरपेभ रफुलडेप्थ रेक्लामेसन प्रविधिसँग सम्बन्धित अत्याधुनिक उपकरण र तालिम प्रदान | रुख कटान र वन जग्गाको उपयोगको लागि एमसीए नेपाल र वन मन्त्रालयबीच सम्झौता गर्ने<br>गैरवन भूमि हस्तान्तरण प्रोटोकलका लागि नेपाल सरकारबाट प्रतिबद्धता पत्र जारी गर्ने<br>नेपाल सरकारबाट भूमि जग्गा स्थानान्तरण प्रोटोकल स्वीकृत गर्ने<br>एमसीए नेपाल पार्टनरशिप प्रोग्राम कार्यान्वयन गर्ने<br>सडक विभाग प्रयोगशाला शाखालाई सूपरपेभ र फूलडेप्थ रेक्लामेसन प्रविधिसँग<br>सम्बन्धित अत्याधुनिकउपकरण प्रदान र तालिम सञ्चालन गर्ने |
| ३०५००११३ | आर्थिक पुनरुत्थान, राहत तथा सहुलियत कार्यक्रम | सहुलियतपुर्ण ९ प्रकारका कर्जाका लागि ब्याज अनुदान प्रदान भइरहेको<br>१२ वटा शीतघर भण्डारलाई ब्याज अनुदान प्रदान भएको<br>राष्ट्रसेवकको १०० प्रतिशत र अन्यको ५० प्रतिशत कोरना बिमा प्रिमियम भुक्तानी गरिएको<br>कोरोना प्रभावित व्यवसायीलाई टेवा | कोभिड-१९ बाट प्रभावित अर्थतन्त्रको पुनरुत्थान भएको हुने | सहुलियतपुर्ण ९ प्रकारका कर्जाका लागि ब्याज अनुदान प्रदान गर्ने<br>शीतघर भण्डारलाई ब्याज अनुदान दिने<br>परियोजनालाई अनुदान दिने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | दिन RPSF परियजोनालाई अनुदान दिइएको | | |
| ३०५०१०११ | महालेखा नियन्त्रक कार्यालय | सार्वजनिक खर्चको लेखांकन तथा प्रतिवेदन सम्बन्धी प्रणालीहरू (CGAS, RIMS, TSA, PAMS, SuTRA) तयार भई सञ्चालनमा रहेका<br>एकीकृत वित्तीय प्रतिवेदन समयमा नै तयार भएको<br>सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन सम्बन्धी राष्ट्रिय गोष्ठी सम्पन्न भई सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनका लागि प्रतिबद्धता पत्र जारी भएको<br>सरकारी खर्चलाई विद्युतीय भुक्तानी प्रणालीबाट भुक्तानी गर्ने व्यवस्था भएको | सार्वजनिक लेखा र खर्च व्यवस्थापन प्रभावकारी भएको हुने | को.ले.नि.का.,केन्द्रीय निकाय तथा प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयसँग वित्तीय विवरण भिडान तथा प्रतिवेदन गर्ने<br>विदेशस्थित नेपाली नियोगहरूको आ.ले.प. सम्पन्न गर्ने<br>सार्जजनिक वित्त व्यवस्थापन सम्वन्धी राष्ट्रिय गोष्ठी संचालन गर्ने<br>केन्द्रीय स्तरका कार्यालय र आयोजना प्रमुखसँग सोधभर्ना सम्बन्धी अन्तरक्रिया संचालन गर्ने<br>लेखा निर्देशिका तयारी तथा छपाइ गर्ने |
| ३०५०१०१२ | निवृत्तभरण व्यवस्थापन कार्यालय | निवृत्तभरण व्यवस्थापन भइरहेको | निवृत्तभरण व्यवस्थापन सुदृढ भएको हुने | सेवा निवृत कर्मचारीहरूको निवृत्तभरण भुक्तानी गर्ने<br>राष्ट्रको तर्फबाट गर्ने पर्व पूजा सञ्चालन गर्ने |
| ३०५०१०१३ | कुमारी चोक तथा केन्द्रीय तहसिल कार्यालय | ३७ हजार बेरुजु विवरणका पाना मध्ये २० हजार पाना प्रणालीमा प्रविष्ट भएको<br>लगत व्यवस्थापन सफ्टवेयर निर्माण भएको<br>बेरुजु व्यवस्थापन प्रणाली सुढृढीकरण भएको | सरकारी बाँकी रकम असुल उपर भएको हुने | आ.व. २०५९/६० सम्मको बेरुजु लगत सफ्टवेयरमा प्रविष्ट गर्ने<br>गन्तव्य सुशासन पत्रिका प्रकाशन गर्ने<br>सरकारी बाँकी असुल उपरको लगत तयार गर्ने<br>कुमारी पुजा सञ्चालन गर्ने |
| ३०५०१०१४ | कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयहरू | खर्च रकम समयमा नै निकासा भएको<br>संघीय सरकारी कार्यालयहरूको समयमै आ.ले.प. सम्पन्न भएको | सार्वजनिक लेखा र खर्च व्यवस्थापन प्रभावकारी भएको हुने | खर्च रकम निकासा गर्ने<br>संघीय सरकारी कार्यालयहरूको आ.ले.प. गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०५०११०१ | एकीकृत सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन सुधार कार्यक्रम | सार्वजनिक निकायको सार्वजनिक खर्च र राजस्व व्यवस्थापनमा सुदृढीकरण गर्नको लागि खरिद प्रणाली र कार्यविधि निर्माण तथा वित्तीय अनुशासन कायम राख्नको लागि सफ्टवयेर निर्माण तथा प्रणाली विकास सम्बन्धी कार्य भएको | तीनै तहमा मध्यमकालीन खर्च संरचना लागू भएको हुने<br>राष्ट्रिय आयोजना बैंक पूर्ण कार्यान्वयन भएको हुने<br>एकीकृत वित्तीय व्यवस्थापन सूचना प्रणाली कार्यान्वयनमा आएको हुने<br>एकीकृत सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन अध्ययन प्रतिष्ठान स्थापना भई सञ्चालनमा आएको हुने<br>तीनै तहको अन्तिम लेखापरीक्षण अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड अनुरूप भएको हुने<br>*e-GP* मा सुधार आई खरिद व्यवस्थापन प्रभावकारी भएको हुने<br>सार्वजनिक क्षेत्र लेखामान बमोजिम तीनवटै तहमा वित्तीय प्रतिवेदन तयार भएको हुने<br>सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापनमा नागरिक सहभागिता तथा संसदीय निगरानी अभिवृद्धि भएको हुने | तीन तहको सार्वजनिक खर्च र राजस्व व्यवस्थापन सुदृढीकरण गर्ने<br>महालेखा परीक्षक कार्यालयको संस्थागत सुदृढीकरण गर्ने<br>सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापनका लागि संस्थागत समन्वय गर्ने |
| ३०५०२०११ | सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन तालिम केन्द्र | | सार्वजनिक वित्त सम्बन्धी तालिम प्रदान भएको हुने। | सार्वजनिक वित्त सम्बन्धी तालिम |
| ३०५०३०११ | भन्सार बिभाग | | भन्सार प्रशासन सुदृढ भएको हुने। | भन्सार प्रशासन सम्बन्धी कार्य गर्ने |
| ३०५०३०१२ | भन्सार कार्यालयहरू | | भन्सार महशुल तथा अन्य राजस्व संकलन प्रभावकारी भएको हुने। | भन्सार प्रशासन सम्बन्धी कार्य गर्ने |
| ३०५०३१०१ | भन्सार सुधार कार्यक्रम | | भन्सार व्यवस्थापन सक्षम र सुदृढ भएको हुने।<br>व्यवसाय लागत र समयमा सुधार गरी सीमापार डुइङ बिजनेस वातावरणमा सुधार आएको हुने।<br>कानूनको प्रभावकारी कार्यान्वयन, स्वेच्छिक अनुपालनमा वृद्धि र चुहावट न्यूनीकरण भई निकासी पैठारी हुने मालवस्तुबाट भन्सार महसुल लगायतको यथार्थ राजस्व सङ्कलन भएको हुने। | भन्सार पूर्वाधार निर्माण गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | अवैध व्यापार र हानिकारक वस्तुको ओसारपसार नियन्त्रण गर्न गर्न मालवस्तुको परिवहन, ढुवानीका साधनहरू र ढुवानीका उपकरण (कन्टेनर, प्यालेट्स, क्रेट्स) उपर निगरानी एवम् नियन्त्रण भएको हुने। | |
| ३०५०४०११ | आन्तरिक राजस्व विभाग | आ.व. २०७७/७८ भित्र अन्तःशुल्क प्रयोगशाला निर्माण सम्पन्न हुने गरी कार्य<br>भइरहेको<br>करिब ४८ प्रतिशत बेरुजु फर्छ्यौट गरिएको<br>राजस्व चुहावटको नियन्त्रणको लागि विभिन्न निकायबाट प्राप्त सूचना विश्लेषण गरी अनुसन्धानात्मक कारवाही गरिएको | आन्तरिक राजस्व प्रशासन प्रभावकारी भएको हुने<br>उपत्यका बाहिर थप अन्तःशुल्क स्टिकर भण्डारण गृह निर्माण भएको हुने | कर परीक्षण तथा अनुसन्धान जोखिम विश्लेषणमा आधारित र सूचनामूलक बनाउने<br>बक्यौता असुली सघन रूपमा संचालन<br>गर्ने<br>करदाता शिक्षालाई विकेन्द्रित गरी उपभोक्ता तहसम्म पुऱ्याउने<br>कर्मचारीको क्षमता विकासका कार्यक्रम संचालन गर्ने<br>अन्तःशुल्क स्टिकर गोदाम निर्माण गर्ने<br>चुरोट कारखानामा Q-R Code स्टिकरको scan गर्ने व्यवस्था गर्ने<br>अन्तःशुल्क बढी संकलन गर्ने कार्यालयमा अन्तःशुल्क शाखा रहने गरी संगठनात्मक व्यवस्था गर्ने |
| ३०५०४०१२ | आन्तरिक राजस्व कार्यालयहरू | राजस्व सेवा प्रवाह भइरहेको<br>३९ वटा करदाता सेवा कार्यालय स्थापना गरी सेवा प्रवाह भइरहेको | आन्तरिक राजस्व संकलन प्रभावकारी भएको हुने | सघन रूपमा करदाता शिक्षा संचालन गर्ने<br>कर परीक्षण कार्य म्यादभित्रै र थप प्रभावकारी रूपमा संचालन गर्ने<br>विस्तृत अनुसन्धानको दायरा अझै फराकिलो बनाउने<br>बजार अनुगमन खुद्रा तहसम्म विस्तार गर्ने<br>अधिकांश सेवालाई सूचना प्रविधिमा आवद्ध गर्ने<br>चार वटा कार्यालयको भवन निर्माण प्रारम्भ गर्ने |
| ३०५०५०११ | सार्वजनिक ऋण व्यवस्थापन कार्यालय | ऋण संचालन तथा व्यवस्थापन प्रणाली विकास भई सोबाट बाह्य ऋण व्यवस्थापन भएको<br>मध्यमकालीन ऋण व्यवस्थापन रणनीतिको मस्यौदा तयार भएको | मध्यमकालीन ऋण व्यवस्थापन रणनीति तर्जुमा भई कार्यान्वयन भएको हुने<br>ऋण संचालन तथा व्यवस्थापन प्रणाली संचालनमा आएको हुने<br>आन्तरिक र बाह्य ऋण भुक्तानी कार्य यस | ऋण संचालन तथा व्यवस्थापन प्रणाली अद्यावधिक गर्ने<br>ऋण व्यवस्थापन पोर्टल डिजाइन तथा निर्माण गर्ने<br>ऋणको दिगोपना मूल्याङ्कन गर्ने<br>DeMPA मूल्याङ्कन सम्बन्धी कार्य गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | सार्वजनिक ऋण व्यवस्थापन कार्यालयबाट ऋण भुक्तानी, अभिलेख लेखांकन तथा प्रतिवेदन कार्य हुन थालेको<br>नेपाल सरकारको ऋणको मध्यमकालीन खाका तयार भएको | कार्यालयबाट भएको हुने<br>आन्तरिक र बाह्य ऋण लेखांकन निर्देशिका तयार भई लागू भएको हुने<br>नेपाल सरकारको ऋणको एकीकृत हिसाब र प्रतिवेदन यस कार्यालयबाट तयार भएको हुने | |
| ५०१०५१०१ | लगानी-विविध | | | |
| ५०१०५१०२ | पशुपालन (मासुजन्य र दुग्धजन्य) कर्जा तथा पशुधन कार्यक्रम | रु. १३ अर्ब ७० करोड भन्दा बढी रकम यस क्षेत्रमा लगानी भएको | ६९ हजार किसानलाई पशुपन्छी पालन र ४,५०० हेक्टर जमिनमा व्यावसायिक तरकारी खेती सुरु भएको हुने<br>मासु तथा दुध र तरकारीजन्य उत्पादनमा वृद्धि भएको हुने | १९,५०० किसानलाई पशुपन्छी पालन र तरकारी खेती कर्जामा पहुँच कायम गर्ने<br>११० वटा साना किसानका कृषि उद्यम सञ्चालनमा सहयोग पुऱ्याउने |
| ५०१०५१०३ | सार्वजनिक संस्थान सुधार कार्यक्रम | | सम्पत्तिको अभिलेख अद्यावधिक भएको हुने<br>सार्वजनिक संस्थान व्यवस्थापन सूचना प्रणाली (PEMIS) स्तरोन्नति भएको हुने<br>संस्थानहरूको वित्तीय स्थिति अध्ययन भएको हुने<br>सार्वजनिक संस्थान सुदृढीकरणको लागि गोष्ठी, सेमिनार र सम्मलेन भएको हुने<br>निजीकरण भएका संस्थान् तथा सार्वजनिक संस्थानको अभिलेख विद्युतीय माध्यममा राखिएको हुने | सम्पत्तिको अभिलेख अद्यावधिक गर्ने<br>सार्वजनिक संस्थान व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको परिमार्जन तथा स्तरोन्नति गर्ने<br>सार्वजनिक संस्थानको वित्तीय स्थितिको अध्ययन गर्ने<br>सार्वजनिक संस्थान सुदृढीकरणको लागि विभिन्न गोष्ठी, सेमिनार र सम्मलेन गर्ने<br>निजिकृत र सार्वजनिक संस्थानको अभिलेख विद्युतीय माध्यममा राख्ने |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

विश्वव्यापी रूपमा फैलिएको कोभिड-१९ को महामारीको असर र प्रभावको न्यूनिकरण गर्दै अर्थतन्त्रलाई चलायमान बनाउन थप कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ। पन्ध्रौं योजनाले लिएका लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्न सम्बन्धित निकाय बीच प्रभावकारी समन्वयमा कार्यक्रम तथा आयोजना सञ्चालन गरिनेछ। कार्यक्रम कार्यान्वयनमा सम्बन्धित निकाय बीच प्रभावकारी समन्वय, राजस्व परिचालनमा अभिवृद्धि लघु बिमा कार्यक्रममा नागरिक, कृषक तथा उद्यमीको सहभागिता, सार्वजनिक संस्थानको सुधारका कार्यको कार्यान्वयन हुनेछ। उक्त कार्यहरू नभएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहुने जोखिम रहन्छ।

## ५.२ उद्योग

### १. पृष्ठभूमि

सरकारले अर्थतन्त्रको विकासका लागि नेपाली श्रम, सीप र कच्चा पदार्थमा आधारित स्वदेशी लगानीलाई प्राथमिकता दिदै राष्ट्रिय हित अनुकुल हुने गरी विदेशी पुँजी तथा प्रविधिलाई आकर्षित गरी औद्योगिक पूर्वाधार विकासमा प्रोत्साहन गर्ने नीति लिएको छ। सोही अनुरूप समग्र उद्योग क्षेत्रको विकासमा निजी क्षेत्रको नेतृत्वदायी भूमिका रहने र सरकारले उत्प्रेरक, नियामक र सहजकर्ताको भूमिका निर्वाह गर्दै औद्योगिक उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धिका लागि तीव्र रूपमा औद्योगिकीकरण गरिनेछ। यसका लागि तुलनात्मक लाभ र प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भएका क्षेत्रहरूमा लगानी परिचालन गरी आयात प्रतिस्थापन र निर्यात प्रवर्द्धनको माध्यमबाट अर्थतन्त्रलाई सुदृढ गर्दै विप्रेषण र आयातमा आधारित अर्थतन्त्रलाई उत्पादनमुखी र निर्यातमूलक बनाउनु पर्ने हुन्छ। साथै लघु, घरेलु तथा साना उद्योगहरूको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरी ठूलो मात्रामा रोजगारी सिर्जना र गरिबी न्यूनीकरण गर्ने, लगानीमा देखिएका समस्याहरूलाई सहजीकरण गर्ने, औद्योगिक क्षेत्र औद्योगिक ग्राम, विशेष आर्थिक क्षेत्र, अन्तरदेशीय विशेष आर्थिक क्षेत्र जस्ता पूर्वाधारहरूको स्थापना र संचालन गर्ने गरी लगानी मैत्री वातावरण निर्माण गरी औद्योगिकीकरणलाई तिव्रता दिन विभिन्न ऐन, नियमहरूको परिमार्जन गर्नुका साथै औद्योगिक क्षेत्र, औद्योगिक करिडोर, विशेष आर्थिक क्षेत्र र उद्योग ग्राम लगायतका औद्योगिक पूर्वाधारहरूको विकास गर्ने गरी यस क्षेत्रका कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ।

### २. समस्या तथा चुनौती

उद्योग क्षेत्रको अपेक्षित गतिमा विकास नहुनु, उत्पादनशील क्षेत्र र उद्योगहरूमा पुँजीको न्यून परिचालन हुनु, औद्योगिक उत्पादनहरू लागत प्रतिस्पर्धी नहुनु, निर्यातयोग्य वस्तुहरूको उत्पादन र विविधिकरण नहुनु, औद्योगिक मूल्य श्रृङ्खलाको विकासमा सार्वजनिक निजी साझेदारी न्यून हुनु उद्योग क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू हुन्। यस बाहेक उद्योग स्थापना र संचालन भन्दा आयात व्यापारमा आकर्षण हुनु, खानी उत्खनन् र औद्योगिक पूर्वाधार विकास जस्ता क्षेत्रमा दक्ष प्राविधिक जनशक्ति अपर्याप्त हुनु, उद्योगलाई आत्मनिर्भर क्षेत्रहरू जस्तै कृषि, वन, खानी तथा खानीजन्य क्षेत्रसँग एकीकृत र समन्वयात्मक रूपमा लैजान नसक्नु, औद्योगिक पूर्वाधारहरूको कमि रहनु जस्ता समस्याहरू पनि विद्यमान छन्। लगानीमैत्री वातावरण सृजना गरी तुलनात्मक लाभ र प्रतिस्पर्धी क्षमताका क्षेत्रमा स्वेदेशी तथा विदेशी लगानी आकर्षित गर्नु, औद्योगिक पूर्वाधारको विवकास गर्नु, अन्तर्राष्ट्रिय मान्यता प्राप्त हुने गरी उत्पादित वस्तु एवम् सेवाको गुणस्तर कायम गर्नु, नेपाली उत्पादनका वस्तुलाई लेवलिङ र ब्रान्डिङको माध्यमबाट निर्यात बृद्धि गर्नु, बन्द भएका रुग्ण उगोगको व्यवस्थापन गर्नु, बौद्धिक सम्पत्तिको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु, व्यापारलाई लगानीसँग आवद्ध गर्नु यस क्षेत्रमा देखिएका प्रमुख चुनौतीहरू हुन्।

### ३. सोच

आर्थिक समृद्धिका लागि दिगो, रोजगारीमुलक र उच्च प्रतिफलयुक्त औद्योगिक विकास।

### ४. उद्देश्य

१. औद्योगिक उत्पादन वृद्धि गरी कुल गार्हस्थ उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान बढाउनु।

२. उद्योगको प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बृद्धि गरी निर्यात प्रवर्द्धन र आयात प्रतिस्थापन गर्नु।

३. लगानीमैत्री वातावरण सिर्जना गरी उद्योग क्षेत्रमा स्वदेशी तथा विदेशी लगानी वढाउँदै रोजगारीका थप अवसर सिर्जना गर्नु।

## ५. रणनीति

१. औद्योगिक क्षेत्रको विकासका लागि नीतिगत, कानूनी र संस्थागत सुधार गर्ने।

२. लगानीमैत्री वातावरण सिर्जना गर्न प्रविधि प्रयोग, एकद्वार प्रणालीको विकास र औद्योगिक पूर्वाधार विकास गर्ने।

३. उद्योग क्षेत्रलाई अन्य उत्पादनमुलक क्षेत्रको अन्तर सम्वन्धको आधारमा विकास र विस्तार गर्ने।

४. खानी तथा खानीजन्य उद्योगको लागत प्रभावी र तुलानात्मक लाभका आधारमा विकास गर्ने।

५. प्रतिस्पर्धी क्षमता र तुलनात्मक लाभ भएका स्वदेशी कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगमा सार्वजनिक-निजी-सहकारी साझेदारीमा लगानी परिचालन गर्दै आयात प्रतिस्थापनमा जोड दिने।

६. उद्योगधन्दाको विकास र विस्तारको लागि क्षमता विकास, वित्तीय पहुँच र प्रवर्द्धनात्मक उपायहरू अवलम्बन गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उत्पादनमूलक उद्योगको योगदान | प्रतिशत | ५.१ | ५.१ | ६.१ | ६.२ | ६.५ |
| औद्योगिक क्षेत्र स्थापना | संख्या | १० | ७ | १३ | १५ | १५ |
| विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापना | संख्या | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ |
| औद्योगिक ग्राम स्थापना (घोषणा) | संख्या | ४४ | १३० | २११ | २८१ | ३५१ |
| उद्योगको स्थापना र संचालन मार्फत रोजगारी सिर्जना | हजारमा | १४४ | १२८ | १४० | १६० | १७० |
| ठूला उद्योग दर्ता | संख्या | ५८ | २६ | ५० | ५५ | ६० |
| मझौला उद्योग दर्ता | संख्या | १२३ | २७ | १२० | १३० | १५० |
| घरेलु तथा साना उद्योग दर्ता | संख्या हजारमा | ९६ | ३३ | ४० | ५५ | ६५ |
| लघु उद्यमीको स्तरोन्नति | संख्या हजारमा | ४२ | ३३ | ३७ | ४७ | ५० |
| लघु उद्यमी सिर्जना | संख्या हजारमा | १७२ | - | १२५ | १६० | २०० |
| खानी अन्वेषणको क्षेत्रफल | वर्ग कि.मी. | ४४०५१ | ८०४ | ४६.९ | ४८.१ | ४९.३ |
| खानी अन्वेषणात्मक ड्रिलिङ्ग | मिटर | २५३५ | १५२ | ३०० | ३०० | ३०० |
| खनिज अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण | हक्टर | २८५० | १०० | २०० | २०० | २०० |
| कम्पनी दर्ताको डिजिटाईजेसन | संख्या (हजारमा) | २० | २० | २५ | ३० | ३५ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| नेपाल गुणस्तर निर्धारण संङ्ख्या | संख्या | ४८ | ५० | ५० | ५० | ५० |
| गुणस्तर ईजाजत पत्र प्रदान | संख्या | ५२ | ५० | ५० | ५० | ५० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ७५,३६७ | ३८,४७० | ३४,११४ | २,७८३ | ६४,९४२ | १०,४२५ | - |
| २०७९/८० | ७४,१९२ | ३३,०५३ | ३६,७३९ | ४,४०० | ७२,७९२ | १,४०० | - |
| २०८०/८१ | ८५,६९७ | ३४,६७३ | ४६,१८४ | ४,८४० | ८५,६७९ | १८ | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०७०००११ | उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय | १ | औद्योगिक क्षेत्रको विकासका लागि नीतिगत, कानूनी तथा संस्थागत सुधार | | | औद्योगिक क्षेत्रसँग सम्बन्धित ऐन, नियम, निर्देशिका तथा कार्यविधिको निर्माण भई औद्योगिक वातावरण सुदृढ भएको हुने। |
| ३०७००१०१ | औद्योगिक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | २ | विशेष आर्थिक क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र तथा औद्योगिक ग्रामहरूको स्थापना र सञ्चालन गर्ने। | | | औद्योगिक पूर्वाधार निर्माण भई औद्योगिक उत्पादकत्व तथा उत्पादन वृद्धि भई कूल गार्हथ्य उत्पादनमा औद्योगिक क्षेत्रको योगदान बढेको हुने। |
| ३०७००१०२ | औद्योगिक लगानी प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ३ | औद्योगिक क्षेत्रमा लगानी प्रवर्द्धन गर्न नीतिगत व्यवस्था र उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउन सीप विकास र सुरुवाती पुँजीको व्यवस्था गर्ने। | | | निर्यात प्रवर्द्धनका क्षेत्रमा वैदेशिक पुँजी र प्रविधि लगानी बढेको हुने। सीप विकास तथा सुरुवाती पुँजीको व्यवस्थामार्फत रोजगारी स्वरोजगारी एवं नवप्रवर्तनको प्रवर्द्धन भई उत्पादन र उत्पादकत्व बढेको हुने। |
| ३०७०१०११ | उद्योग विभाग | ३ | उद्योग प्रशासनलाई चुस्त दुरुस्त र प्रभावकारी बनाई उद्धोग क्षेत्रमा स्वदेशी तथा विदेशी लगानी आकर्षित गर्ने। | | | उद्योग प्रशासन सम्बन्धी काममा सहजता आई औद्योगिक लगानीको बातावरण सुदृढीकरण र लगानी अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३०७०४०११ | कम्पनी रजिष्ट्रारको कार्यालय | १ | कम्पनी दर्ता र कम्पनी प्रशासनलाई सरल सहज र पारदर्शी बनाउने। | | | कम्पनी प्रशासनसम्बन्धी सम्पर्ण कार्यहरू पूर्ण स्वचालित प्रणालीबाट सञ्चालन भएको हुने। |
| ३०७८१०१३ | लघु, घरेलु तथा साना उद्योग प्रवर्द्धन केन्द्र | ५ | लघु, घरेलु तथा साना उद्यम प्रवर्द्धन गर्ने। | | | लघु, घरेलु तथा साना उद्यम मार्फत रोजगारी सृजना भएको हुने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०७०००१२ | केन्द्रीय कारागार कारखाना | ३ | कैदीहरूलाई सीपमूलक तालिम प्रदान गर्ने। | | | कैदीहरूको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३०७०००१३ | सैनिक सामाग्री उत्पादन निर्देशनालय | ३ | सैनिक सामाग्री उत्पादन गर्ने | | | सैनिक सामाग्री उत्पादन भएको हुने। |
| ३०७०३०११ | नेपाल गुणस्तर तथा नापतौल विभाग | १ | गुणस्तर नियमन तथा निर्यात प्रवर्द्धन गर्ने। | | | नेपालमा उत्पादन हुने वस्तुहरूको गुणस्तर निर्धारण भएको हुने। |
| ३०७०३०१२ | नेपाल गुणस्तर तथा नापतौल कार्यालयहरू | १ | गुणस्तर कायम गर्न कार्यक्रम संचालन गर्ने। | | | गुणस्तरीय सामाग्रीहरू उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०७००१०९ | ग्रामिण उद्यम तथा विप्रेषण आयोजना (समृद्धि) | ५ | स्वरोजगार सहितको तालिम प्रदान गर्ने। | | | स्वरोजगर सहितको उद्यमीको विकास गर्ने। |
| ३०७०२०११ | खानी तथा भूगर्भ विभाग | ४ | खानी क्षेत्रको अन्वेषण | | | |
| ३०७०२१०१ | खनिज अन्वेषण तथा विकास आयोजना | ४ | खनिज पदार्थको उत्खनन क्षमता पहिचान गर्ने। | | | खनिज पदार्थको पहिचान तथा उत्खनन् भई फलाम, तामा लगायत धातुजन्य पदार्थको आयात घटेको हुने। |
| ३०७०२१०२ | पेट्रोलियम अन्वेषण परियोजना | ४ | पेट्रोलियम अन्वेषण गर्ने। | | | पेट्रोलियम अन्वेषण तथा पेट्रोलियम पदार्थको उत्खनन् भई पेट्रोलियम पदार्थको आयात घटेको हुने। |
| ३०७०२१०३ | भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण तथा अनुसन्धान आयोजना | ४ | Geo-Hazzard र Urban-Geology को अध्ययन गर्ने। | | | नेपालको जोखिमपूर्ण क्षेत्रको भूईञ्जिनियरिङ नक्सा तयार भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०७६१०११ | औद्योगिक व्यवसाय विकास प्रतिष्ठान | १ | औद्योगिक व्यवसाय प्रवर्द्धन | | | उद्यमी तयार गर्ने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०७०००११ | उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय | औद्योगिक व्यवसाय ऐन, २०७६, सेफगार्डस्, एन्टी-डम्पिङ्ग तथा काउण्टरभेलिङ्ग ऐन, २०७६, उपभोक्ता संरक्षण नियमावली, २०७६, स्टाण्डर्ड नाप र तौल (मोहरबन्द प्याकेज) नियमावली, २०७६, वस्तुको प्रत्यक्ष बिक्री (व्यवस्थापन तथा नियमन गर्ने) नियमावली, २०७६, सेफगार्डस्, एन्टी-डम्पिङ्ग तथा काउण्टरभेलिङ्ग नियमावली, २०७७, मन्त्रालय अन्तर्गतका संस्थान तथा निकायमा कार्यकारी प्रमुख नियुक्ती सम्बन्धी मापदण्ड २०७६, पारित भएका। | औद्योगिक क्षेत्रसँग सम्बन्धित ऐन, नियम, निर्देशिका तथा कार्यविधि प्रभावकारी कार्यान्वयन तथा आवश्यक परिमार्जन भएको हुने। | राष्ट्रिय आपूर्ति नीतिको मस्यौदा माथि प्रदेशस्तरमा छलफल/अन्तरक्रिया गर्ने,<br>औद्योगिक ग्रामको कार्यविधि, २०७७ तथा Master Plan Layout को छपाई गरी वितरण गर्ने।<br>औद्योगिक नीति, बौद्धिक सम्पत्ति नीति, बैदेशिक लगानी नीति, नवप्रवर्तन शुरुवाती नीतिको आवश्यकता अनुसार तर्जुमा वा परिमार्जन गर्ने।<br>औद्योगिक पूर्वाधार पहुँच (सडक विद्युत अन्य) सम्बन्धी मापदण्ड/कार्यविधि तर्जुमा गर्ने। |
| ३०७००१०१ | औद्योगिक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | आ·व· २०७६/७७ असार सम्म भैरहवा विशेष आर्थिक क्षेत्रमा विभिन्न उद्योगले कुल ६२ मध्ये ४१ वटा प्लट लिएका। सो मध्ये ४ उद्योग सञ्चालनमा आइसकेको र ५ उद्योग निर्माणको चरणमा रहेको।<br>झापाको दमक औद्योगिक क्षेत्रमा कुल २१०० विगाहा पुऱ्याउने लक्ष्यमध्ये १४८२ विगाह जग्गाको स्वामित्व | १५ वटा औद्योगिक क्षेत्र ५ वटा विशेष आर्थिक क्षेत्र र ३५१ वटा औद्योगिक ग्राम स्थापना भएको हुने। | पाँचखाल विशेष आर्थिक क्षेत्रको प्रशासनिक भवन लगायत अन्य भवन निर्माणकार्यलाई निरन्तरता दिने,<br>सिमरा विशेष आर्थिक क्षेत्रमा गार्मेन्ट क्षेत्रको बाँकी भागमा जग्गा विकास गर्ने,<br>सिमरा Block A भित्र आन्तरिक बिधुत लाइन, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | औद्योगिक क्षेत्रको नाममा कायम भएको र थप जग्गा प्राप्त हुने क्रममा रहेको,<br>२४ वटा सिमेन्ट उद्योगहरूमा पहुँच मार्ग निर्माण गर्ने कार्य भईरहेको।<br>औद्योगिक ग्राम घोषणा तथा सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि, (पहिलो संशोधन) २०७५, स्वीकृत भएको।<br>आ.व.२०७६/७७ मा ४५ वटा औद्योगिक ग्राम घोषणा भएको, सो मध्ये कार्य प्रगतिका आधारमा १२ वटाका लागि दोश्रो किस्ता बापतको रकम सम्बन्धित<br>स्थानीय तहमा हस्तान्तरणको प्रक्रियामा रहेको।<br>चालु आ. व. मा थप हुने १३० औद्योगिक ग्राम मध्ये २९ वटा घोषणा भई पहिलो किस्ता बापतको रकम स्थानीय तहमा हस्तान्तरण गरिएको। | | टेलिफोन लाइन तथा सब स्टेशन कार्य सम्पन्न गरी पूर्ण सञ्चालनमा ल्याइने।<br>भैरहवा विशेष आर्थिक क्षेत्रमा ढल प्रशोधन तथा विद्युत प्रसारण लाईन विस्तार गरी पूर्ण सञ्चालनमा ल्याइने।<br>हरैया विशेष आर्थिक क्षेत्र को विस्तृत इन्जिनियरिंग अध्ययन कार्य र वातावरणीय अध्ययन कार्य (EIA) तथा वातावरणीय व्यबस्थापन योजना अनुरूप निर्माण कार्य अघि बढाउने,<br>राजपुर विशेष आर्थिक क्षेत्रको निर्माण कार्य अघि बढाउने।<br>दमक, मयुरधाप र दैजी औद्योगिक क्षेत्रको जग्गा मध्ये वन क्षेत्रमा पर्ने जग्गा को क्षतिपूर्ति प्रदान गर्ने,<br>चन्द्रनिगाहपुर गरुडा गौर, बर्दघाट रामग्राम, भुमही परासी भैरहवा औद्योगिक करिडोरको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने।<br>घोषणा हुने औद्योगिक ग्रामहरूको विकास तथा निर्माणका लागि रकम हस्तान्तरण गर्ने।<br>फरक फरक भौगोलिक क्षेत्रमा तीनवटा नमूना औद्योगिक ग्राम निर्माण गर्ने।<br>प्रत्येक प्रदेशमा ४ वटा रहने गरी २८ वटा औद्योगिक ग्रामको डिपिआर तयार पार्ने।<br>उच्च सम्भावना भएका ५० औद्योगिक ग्रामको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | घोषणा गर्ने।<br>नौवस्ता मयुरधाप र दैजिमा दुई वर्षभित्र सम्पन्न गर्ने गरी औद्योगिक ग्राम निर्माणको कार्यलाई तीव्रता दिने।<br>हरेक प्रदेशमा कम्तिमा एउटा पर्ने गरी औद्योगिक पार्क स्थापनाको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने। |
| ३०७००१०२ | औद्योगिक लगानी प्रवर्द्धन कार्यक्रम | कार्यस्थलमा आधारित रोजगारमूलक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन निर्देशिका,२०७७ स्वीकृतिको चरणमा रहेको।<br>नवप्रवर्तन सुरुवाती पुँजी कर्जा प्रवाह कार्यविधि, २०७७ स्वीकृत भएको।<br>गरिबी निवारणका लागि लघु उद्यम विकास कार्यक्रम(मेडपा) अन्तर्गतः १०,७७० जना नयाँ उद्यमी सृजना गरिएको, ५,२७२ जना उद्यमीको स्तरोन्नति गरिएको ३९,७६९ जनालाई उद्यमशीलता तथा सीप विकास तालिम प्रदान गरिएको १५,४५२ नयाँ रोजगारी सृजना भई आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा १,८२,८२० रोजगारी सृजना भएको। | औद्योगिक र लगानीमैत्री वातावरण निर्माणको लागि नीतिगत कानूनी र संस्थागत सुधार भई वैदेशिक लगानी बृद्धि भएको हुने।<br>औद्योगिक लगानी सम्वन्धी कानून तर्जुमा भई कार्यान्वयनमा आएको हुने। | अल्लो केरा बेतबाँस नली जस्ता प्रकृतिक रेसामा आधारित वस्तुहरूको उद्यमशिलता प्रवर्द्धन कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने (खोटाङ, सर्लाही, बारा, बाग्लुङ, गुल्मी, म्याग्दी, कैलाली, बाजुरा र दार्चुला)<br>जडिवुटीजन्य वस्तुहरूको संकलन तथा प्रशोधन कार्यमा संलग्न संस्थाहरूको क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने<br>(इलाम, काभ्रे, डोल्पा, मुस्ताङ, बागलुङ, डोटी, मुगु)<br>रोजगार सहितको कार्यस्थलमा आधारित तालिम (Apprenticeship Training) कार्यक्रम संचालन गर्ने,<br>नवपर्वतनकारी र वैदेशिक रोजगारवाट फर्केकालाई व्यवसाय शुरुवात गर्न शुरुवाती पुँजी उपलब्ध गराउन पुँजी कोष प्रवाह कार्यक्रम संचालन गर्ने,<br>स्तरोन्मुख उद्यम (ग्रोथ इन्टरप्राइज मोडेल) |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | प्रवर्द्धन कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>विश्वविद्यालयसँगको सहकार्यमा उद्यमशीलता विकासका लागि दक्ष जनशक्ति उत्पादन र विकासमा सहयोग कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३०७०१०११ | उद्योग विभाग | विदेशी लगानी तथा प्रविधि हस्तान्तरण ऐन २०७५ जारी भएको।<br>Ease of Doing Business मा नेपालको अवस्था सुधार भई ११० स्थानबाट ९४ स्थानमा उक्लिएको।<br>उद्योग प्रशासन सम्बन्धी कामलाई सहज बनाउन एकल विन्दु सेवा केन्द्र सञ्चालनमा आएको, सो केन्द्रबाट विदेशी लगानीकर्ताले रकम फिर्ता लैजाने(Repatriation), भिसा स्वीकृति, PAN दर्ता, Exim Code प्रदान तथा श्रम स्वीकृतिको कार्य भईरहेको।<br>हालसम्म २२ वटा उद्योगहरूलाई विदेशी लगानी तथा तथा प्रवीधि हस्तान्तरण ऐन २०७५ को दफा २० मा व्यवस्था भए बमोजिम लगानी तथा आर्जित रकम फिर्ता लैजान स्वीकृति प्रदान गरिएको।<br>२०७७ असार मसान्तसम्म रु. ३८ अर्ब ८७ करोड ५० लाख वैदेशिक लगानीको प्रतिवद्धता प्राप्त भएको।<br>उद्योग विभागको सेवा प्रवाहलाई Full Automation मा लैजान प्रारम्भिक अध्ययन कार्य भईरहेको। | एकल विन्दु सेवा केन्द्र सञ्चालन मार्फत लगानीकर्ताले सवै प्रकारका सेवा एकद्धारबाट प्राप्त गरेको हुने।<br>उद्योग क्षेत्रमा वैदेशिक लगानीमा कम्तिमा २० प्रतिशतले वृद्धि भएको हुने। | निर्यातमा नगद अनुदान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने,<br>विभागका काम कारवाहीलाई अटोमेशनमा लैजान सफ्टवेयर तथा हार्डवेयर निर्माण गर्ने,<br>उद्योग विभाग र प्रदेश निर्देशनालय तथा घरेलु तथा साना उद्योग कार्यालयहरूका बीच तथ्याङ्कीय नेटवर्किङ गर्ने,<br>नयाँ उद्योग स्थापना गर्न चाहने युवाहरूको लागि सम्भावित लगानीको क्षेत्र तथा उद्योग दर्ता सम्बन्धी सहजीकरण गर्ने,<br>स्वच्छत्तर उत्पादन सम्बन्धी चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३०७०४०११ | कम्पनी रजिष्ट्रारको कार्यालय | कम्पनी दर्ता र कम्पनी प्रशासनका कार्यहरू पूर्ण Automation मा लैजाने गरी कम्पनी रजिस्ट्रारको कार्यालयको वेवसाइट स्तरोन्नति गरिएको, | सेवाग्राहीहरूले कम्पनी प्रशासनसम्बन्धी सम्पूर्ण सेवाहरू अनलाईन | Online registration and management system सञ्चालन गर्न software support system (परामर्श, इन्जिनियरिंग, data इन्ट्री, हेल्प डेस्क कार्यक्रम |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | कम्पनीहरू दर्ता, खारेजी, मर्जर, वार्षिक विवरण दर्ता लगायतका कृयाकलापहरूको वास्तविक समय रिपोर्टिङ. सफ्टवेयर (Real time Reporting System ) विकास गरी लागू गरिएको। | प्रणालीबाट प्राप्त गरेको हुने। | सञ्चालन गर्ने। |
| ३०७८१०१३ | लघु, घरेलु तथा साना उद्योग प्रवर्द्धन केन्द्र | लघु, घरेलु तथा साना उद्योग प्रवर्द्धन गर्न लघु, घरेलु तथा साना उद्योग प्रवर्द्धन केन्द्र स्थापना गरी संचालनमा आएको। केन्द्रले सीप विकास र उद्यमशीलता विकासका विभिन्न तालिमहरू प्रदान गर्ने गरेको। | लघु उद्यम प्रवर्द्धनका लागि सीप विकास र उद्यमशीलता विकासका तालिम मार्फत रोजगारी र स्वरोजगारीका अवसर सिर्जना भएको हुने। | स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित लघु घरेलु तथा साना उद्यमीलाई प्रविधि हस्तान्तरण गर्ने नमूना कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। सीप विकास तथा उद्यमशीलता विकासका लालिम सञ्चालन गर्ने। |
| ३०७०००१२ | केन्द्रीय कारागार कारखाना | | कैदीहरूका लागि सिलाईबुनाई तालिम सञ्चालन भएको हुने। | कैदीहरूका लागि कपडा सिलाई बुनाई तालिम सञ्चालन गर्ने। |
| ३०७०००१३ | सैनिक सामाग्री उत्पादन निर्देशनालय | | आवश्यकता अनुसारको सैनिक सामाग्री सहज रूपमा उत्पादन भएको हुने। | एम्युनिशन उत्पादनको लागि आवश्यक कच्चापदार्थः Boxer Primer, Berdan Primer, Double Base Propellant, Case cup, Bullet Cup, Tool Steel, प्याकिङ्गका सामानहरू, Electrical, Plumbing, Mechanical, Chemical items लगायतका सामग्री उत्पादन गर्ने। |
| ३०७०३०११ | नेपाल गुणस्तर तथा नापतौल विभाग | सिमेन्टमा ४२ र ५३ ग्रेडको लागि नयाँ मापदण्ड तयार भई हाई ग्रेडको ओ.पि.सि. सिमेन्ट नेपालमा उत्पादन गर्न थालिएको। ५० बटा उद्योगका उत्पादनलाई नेपाल गुणस्तर ईजाजत प्रदान गरिएको। | विभिन्न वस्तुहरूको गुणस्तर निर्धारण भई अन्तराष्ट्रिय बजारमा नेपालमा उत्पादित वस्तुको निर्यात बढेको हुने। | निर्यात प्रवर्द्धनका लागि कफी, चिया, हर्बल प्रडक्टस, हस्तकलाका सामान, नेचुरल स्प्रिङ पानी, फुटवेयर तथा अर्गानिक प्रमाणीकरण। Halal Certification सम्बन्धी नेपाल गुणस्तर तयार गर्ने, विराटनगरमा क्यालीब्रेशन टावरको प्लेटफर्म |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | निर्माण गर्ने। |
| ३०७०३०१२ | नेपाल गुणस्तर तथा नापतौल कार्यालयहरू | बजार र उद्योगमा अनगुमन गरी बस्तुको नाप र तौल परीक्षण गर्दा अनियमिततामा संलग्न भएका ४१ वटा उद्योगलाई जिल्ला अदालतमा मुद्दा दायर गरिएको। | नियमित वजार अनुगमनबाट बजारमा गुणस्तरीय सामाग्रीहरू उपलब्ध भएको हुने। | नियमित रूपमा बजार अनुगमन गर्ने। |
| ३०७००१०९ | ग्रामिण उद्यम तथा विप्रेषण आयोजना (समृद्धि) | ३३५० विपन्न परिवार र वैदेशिक रोजगारीमा रहेका श्रमिकका परिवारलाई कृषि उत्पादनमा सहयोग गरी निजहरूको उत्पादनलाई आपूर्ति शृङ्खलामा आबद्ध गरिएको।<br>५०७४ वेरोजगार युवा/युवतीहरूलाई रोजगारमूलक विषयमा व्यवसायिक सीपमूलक तालिम प्रदान गरी विभिन्न रोजगारी/स्वरोजगारीमा आबद्ध गराइएको।<br>१७०० श्रमिकहरूलाई औद्योगिक प्रशिक्षण र सो पश्चात सोही प्रतिष्ठानमा रोजगारीको सुनिश्चितताका लागि उद्योग वाणिज्य संघसँग सम्झौता भई विभिन्न प्रतिष्ठानहरूमा औद्योगिक प्रशिक्षण संचालन भएको। सहकारी संस्थाका १२,१३५ सदस्यहरूलाई वित्तीय शिक्षा तथा व्यबसायिक ज्ञान प्रदान गरिएको।<br>कोभिड-१९ का कारण वैदेशिक रोजगारी गुमाएर स्वदेश फर्केका युवाहरूको सीप र व्यवसायिक चाहनासँग सम्बन्धित विषयमा अध्ययन सम्पन्न गरिएको। | मर्यादित काम अन्तर्गत ३० हजार जनालाई तालिम तथा रोजगारी र २४ हजार जनालाई जीवनोपयोगी तालिम प्रदान गर्ने। | वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका तथा कोभिड-१९ बाट प्रभावित व्यक्तिहरूलाई केन्द्रित गरी व्यवसायिक तथा सीप विकास तालिम,<br>कार्यस्थलमा आधारित सीप विकास तथा क्षमता अभिबृद्धि तालिम संचालन गर्ने। |
| ३०७०२०११ | खानी तथा भूगर्भ विभाग | धौवादी फलाम खानी स्थलसम्म १६ कि.मी. सडकको ट्र्याक खुलेको। सडक सुधार (ग्रावेलिङ्ग, टेवा पर्खाल, नाली , साइड कटिङ्ग) को कार्य भईरहेको। दोश्रो खानीस्थल सम्मको सडक निर्माणको लागि तयारी सुरू गरिएको।<br>बैतडी फोस्फराइट अन्वेषणात्मक कार्यको १५० मी. अन्वेषणात्मक ड्रिलिङ कार्य सम्पन्न भई संकलित नमुनाहरूको | युरेनियम, सुन, तामा, म्याग्नेसाइट र फस्फोराइट खनिज पदार्थको अध्ययन सर्वेक्षण। कर्णली प्रदेश सहित मुलुकको विभिन्न | Soil Sample Collection of Lesser Himalaya areas for Trace Element Analysis<br>माईक्रोट्रिमर अध्ययन तथा सूचना संकलन बिरेन्द्रनगर, सुर्खेत।<br>नियोटेक्टोनिक अध्ययन। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | रसायनिक परीक्षण कार्य सम्पन्न भई अन्तिम प्रतिवेदन प्राप्त भएको।<br>गोरखा जिल्ला, ग्याजीको ५ वर्ग कि.मी. क्षेत्रमा तामा अन्वेषणको लागि भौगर्भिक सर्वेक्षण तथा भूभौतिक सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न भएको।<br>म्याग्दीको ओखरवोटमा ५ वर्ग कि. मी. क्षेत्रमा भौगर्भिक अन्वेषण कार्य सम्पन्न भई स्याम्पल परीक्षणको तयारीमा रहेको।<br>अर्घाखाँची जिल्लाको १० वर्ग कि.मी. क्षेत्रमा बहुमुल्य पत्थर (ज्यास्पर) सर्भे तथा सम्भाव्यता अध्ययन कार्य सम्पन्न भएको। | क्षेत्रमा रहेको किम्ती तथा अर्धकिम्ती वहुमुल्य पत्थरहरूको उत्खनन् र प्रशोधन गरी निर्यात गर्ने। | |
| ३०७०२१०१ | खनिज अन्वेषण तथा विकास आयोजना | धौवादी फलामखानी कम्पनी लिमिटेड स्थापना भई कार्य प्रारम्भ गरेको र खानीको प्रारम्भिक विश्लेषण सम्पन्न भएको,<br>धौवादी फलाम खानीको फलामको वैज्ञानिक परीक्षण कार्य चीनमा सफलतापूर्वक सम्पन्न भएको,<br>उदयपुरको कम्पुघाट-म्याग्नेसाइट अन्वेषण कार्यक्रम अन्तर्गत १५ वर्ग कि. मि. क्षेत्रमा प्रारम्भिक भौगर्भिक अन्वेषण कार्य र ३४ वटा नमुना (Grab samples) संकलन कार्य सम्पन्न भई रसायनिक परिक्षण प्रक्रियामा रहेको र बिस्तृत भौगर्भिक अन्वेषणको लागि ३०० मि. च्यानल स्याम्पलिङ कार्य भैरहेको।<br>बाग्मती प्रदेशको मरिन खोला क्षेत्रमा नदीजन्य निर्माण सम्बन्धी खनिज अन्वेषणका लागि भौगर्भिक अन्वेषण तथा स्थलगत नमुना अध्ययन कार्य सम्पन्न भएको। | खनिजमा आधारित उद्योगहरूलाई आवश्यक पर्ने कच्चा पदार्थहरूको आपूर्ति भएको हुने। | काभ्रेमा ग्रेनाइट अन्वेषण, खोटाङमा डोलामाइटको औद्योगिक परीक्षण गर्ने,<br>सञ्चालित खानीहरूको वातावरणीय तथा प्राविधिक परीक्षण गर्ने,<br>गोरखामा युरेनियम विस्तृत अन्वेषण गर्ने,<br>कैलाली जिल्लाको गोदावरी नगरपालिकामा नदिजन्य निर्माणमुखी खनिजको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने,<br>नेपालमा तामा धातु खनिजहरूको औद्योगिक उत्पादनको प्रारम्भिक सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने,<br>सुर्खेतमा किमती तथा अर्धकिमती पत्थर प्रशोधन केन्द्र स्थापना गर्ने। |
| ३०७०२१०२ | पेट्रोलियम अन्वेषण | दैलेखको चुप्रामा करिव ४०० वर्ग कि.मि. क्षेत्रमा खानी तथा | दैलेखमा रहेको | दैलेख जिल्लामा पेट्रोलियम अन्वेशण ड्रिलिङ्ग |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | परियोजना | भूगर्भ विभाग र चिनियाँ कम्पनीले पेट्रोलियम पदार्थको अन्वेषण सम्पन्न गरी Drilling कार्य गरिरहेको।<br>पेट्रोलियम अन्वेषण परियोजनाबाट खनिज अन्बेषण प्रबर्द्धन कार्यको लागि डाटा प्याकेज तयार गरिएको। | पेट्रोलियम खानीको विस्तृत अध्ययन तथा अन्वेषण भई उत्खनन् भएको हुने। | कार्यको लागि जग्गा प्राप्ति गर्ने,<br>दैलेखमा पेट्रोलियम अन्वेषण ड्रिलिङ कार्य गर्ने। |
| ३०७०२१०३ | भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण तथा अनुसन्धान आयोजना | रोल्पाको लुङ्ग्रिखोलामा ५० हेक्टर क्षेत्रमा भौगर्भिक नक्साङ्कन तथा जियोकेमिकल नमुना संकलन फिल्ड कार्य सम्पन्न भई संकलित नमुनाहरूको परीक्षण कार्य हुँदै। | भौगर्भिक अध्ययन अनुसन्धान सम्वन्धी कार्यक्रम संचालन भएको हुने। | गुलरिया, बर्दियामा १०० वर्ग कि.मि. भूईञ्जिनियरिङ तथा भूवातावरणीय अध्ययन गर्ने<br>झापा र टिकापुरमा भूईञ्जिनियरिङ तथा भूवातावरणीय डिजिटल नक्सा प्रकाशन गर्ने,<br>सगरमाथा क्षेत्रको सल्लेरीदेखि नाम्चे सम्मको रुटमा जियोटुरिजम प्रारम्भिक अध्ययन म्यापिङ गर्ने। |
| ३०७६१०११ | औद्योगिक व्यवसाय विकास प्रतिष्ठान | १२५ जना उद्यमशीलता सम्बन्धी प्रशिक्षक तयार भएको साना किसान विकास बैङ्क र चन्द्रागिरी नगरपालिकाको समन्वयमा उद्यमशीलता तालिम प्रदान भएको | उद्यमशिलता तालिम प्राप्त गरी युवाहरू स्वउद्यमका लागि अभिप्रेरित भएको हुने। | १८ महिने उद्यम विकास सहजकर्ता तयार गर्ने<br>नवप्रवर्तन सुरुवाती पुँजी कार्यक्रम संचालन गर्ने<br>उद्यमशीलता विकास प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन गर्ने। |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

उद्योग स्थापनका लागि पर्याप्त मात्रामा सुविधा सहितको स्थान अभाव, औद्योगिक विकासका लागि आवश्यक पूर्वाधारको निर्माण कार्यमा सम्वन्धित निकाय वीच प्रभावकारी समन्वय अभाव, उद्योग व्यवस्थापन तथा श्रमिक वीच सौहार्दपूर्ण सम्वन्ध अभाव, संघीय औद्योगिक विकासका लागि प्रभावकारी र अधिकार सम्पन्न संस्थागत संयन्त्रको अभाव हुने जोखिम रहेको छ। औद्योगिक क्षेत्र, उद्योग र सो आसपास बसोवास गर्ने समाज बीचको द्वन्द कायम रहिरहनु, औद्योगिक प्रदुषण नियन्त्रण नहुनु जस्ता कार्यहरू समाधान नभएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहुने जोखिम रहन्छ। साथै हाल देखिएको नोवेल कोरोना भाइरसले ल्याएको प्रभावको अध्ययन गरी सो अनुसार कार्य नगरेमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहन्छ।

## ५.३ वाणिज्य तथा आपूर्ति

### १. पृष्ठभूमि

विश्वव्यापीकरण र यातायात तथा सञ्चार संजालले एकीकृत तथा अन्तरनिर्भर वर्तमान विश्व अर्थव्यवस्थामा तीव्र आर्थिक वृद्धि र विकासमा वाणिज्य क्षेत्रले महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ। उपलब्ध श्रम, सीप, पुँजी र प्रविधिको उपयोग गरी प्रतिस्पर्धी र तुलनात्मक लाभ भएका वस्तु तथा सेवाको उत्पादन, आन्तरिक उपभोग तथा विश्व बजारमा प्रवेश गराउन सकेमा बढ्दो व्यापार घाटा न्यून गर्दै सबल राष्ट्रिय अर्थतन्त्र निर्माण गर्न सकिन्छ। यसका लागि आन्तरिक रूपमा गुणस्तरयुक्त वस्तु तथा सेवाको उत्पादन, व्यापार पूर्वाधारको विकास र व्यापार तथा लगानीको सहज वातावरण एवं बाह्य रूपमा व्यापार र बजारको विविधीकरण, क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रिय मूल्य शृंखलामा आबद्धता अभिवृद्धि गर्नु, व्यापार प्रवर्द्धनमा नेपालले पाएका सुविधाको अधिकतम् उपयोग र व्यापारिक साझेदार राष्ट्रसँगको द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा बहुपक्षीय व्यापार सम्झौताको कार्यान्वयन मुख्य रूपमा महत्वपुर्ण हुन्छन्। नेपालको क्षेत्रीय र अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार प्रणालीमा आबद्धता र कतिपय देशसँग द्विपक्षीय व्यापार सम्झौता भई बजार पहुँचमा विस्तार भए तापनि आन्तरिक अर्थतन्त्रका संरचनागत अवरोधका कारण यी सम्झौताबाट सिर्जित अधिकार र सुविधाको उपयोग गर्न सकिएको छैन। वस्तु तथा सेवा व्यापारलाई अनुशासित तथा गुणस्तरीय र स्वास्थ्यप्रति जवाफदेही बनाउँदै दैनिक जीवनयापनमा अत्यावश्यक वस्तु तथा सेवाको सहज र निर्वाध आपूर्ति सुनिश्चित गर्नु राज्यको दायित्व हो। साथै कालोबजारी, एकाधिकार, कृत्रिम अभाव सिर्जना, प्रतिस्पर्धा नियन्त्रण जस्ता कार्यको अन्त्य गर्दै राष्ट्रिय अर्थतन्त्रलाई प्रतिस्पर्धी बनाई व्यापारिक स्वच्छता र अनुशासन कायम गरी उपभोक्ताको हकहित संरक्षण गर्नु अपरिहार्य छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

उपभोग्य सामग्री र विलासिताका वस्तुको माग धान्ने गरी आन्तरिक उत्पादन बढ्न नसक्नु, उत्पादन श्रृंखलामा अग्र र पृष्ठ सम्बन्ध विकास गर्न नसकिनु, निर्यातजन्य तुलनात्मक तथा प्रतिस्पर्धी लाभका वस्तु तथा सेवाको अपेक्षित विकास र मूल्य अभवृद्धि गर्न नसक्नु, औद्योगिक लगानीमा भन्दा आयात व्यापारमा व्यवसायिक आकर्षण बढ्दै जानु प्रमुख समस्या रहेका छन्। साथै निर्यात प्रवर्द्धन गर्दै उच्च व्यापार घाटालाई कम गर्नु, बहुपक्षीय, क्षेत्रीय र द्विपक्षीय व्यापार सम्झौताबाट सिर्जित अवसरबाट अधिकतम लाभ लिँदै त्यसका नकारात्मक असर कम गर्दै जानु, सस्तो श्रम र कच्चा पदार्थको अधिकतम उपयोग गरी प्रतिस्पर्धी वस्तु तथा सेवा उत्पादन वृद्धि गर्नु वाणिज्य क्षेत्रका प्रमुख चुनौती हुन्।व्यापार तथा आपूर्ति प्रणालीमा प्रतिस्पर्धा विरोधी क्रियाकलाप विद्यमान रहनु, नियमित र प्रभावकारी रूपमा बजारको अनुगमन गरी व्यापारिक स्वच्छता र अनुशासन कायम गरी प्रतिस्पर्धा कायम गर्नु, खाद्य वस्तु, अत्यावश्यक औषधी तथा स्वास्थ्य उपकरण र पेट्रोलियम पदार्थको सहज आपूर्ति तथा खाद्य सुरक्षाको प्रत्याभूति गर्नु आपूर्ति क्षेत्रका प्रमुख चुनौती हुन्।

### ३. सोच

- आर्थिक समृद्धिका लागि निर्यात प्रवर्द्धन, आयात व्यवस्थापन र व्यापार सन्तुलन (वाणिज्य)।
- प्रभावकारी, सहज, स्वचालित र जिम्मेवार आपूर्ति प्रणाली तथा उपभोक्ता हकको संरक्षण (आपूर्ति)।

### ४. उद्देश्य

१. खाद्यान्न तथा आधारभूत उपभोगका वस्तुहरू तथा तुलनात्मक लाभका निर्यातजन्य वस्तु तथा सेवाको उत्पादन वृद्धि गर्नु (वाणिज्य)।

२. आन्तरिक तथा अन्तराष्ट्रिय व्यापार लागत कम गर्नु (वाणिज्य)।

३. नेपाली वस्तु तथा सेवाको अन्तराष्ट्रिय मूल्य श्रृंखलामा आबद्धता अभिवृद्धि गर्नु (वाणिज्य)।

४. उपभोग्य वस्तु, अत्यावश्यक वस्तु तथा सेवा, अत्यावश्यक औषधी तथा उपकरण, पेट्रोलियम पदार्थ लगायतका वस्तु तथा सेवाको देशव्यापी सर्वसुलभ आपूर्ति सुनिश्चित गर्नु (आपूर्ति)।

५. बजार प्रणालीलाई स्वच्छ, प्रतिस्पर्धी र उपभोक्ताप्रति जिम्मेवार बनाउनु (आपूर्ति)।

## ५. रणनीति

### अ. वाणिज्य

१. खाद्यान्न तथा आधारभूत उपभोगका र तुलनात्मक लाभ र प्रतिस्पर्धी क्षमता भएका वस्तु तथा सेवाहरूको पहिचान, विकास, विविधीकरण तथा उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धि गरी आयात व्यवस्थापन तथा निर्यात प्रवर्द्धन गर्ने।

२. व्यापारजन्य प्रविधि र पूर्वाधारको विकास र उपयोग, सूचना प्रविधिको प्रयोग एवं विस्तार, सुशासन र प्रभावकारी नियमन, व्यापार सहजीकरण र संस्थागत सुदृढीकरण गरी आन्तरिक तथा अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार लागत कम गर्ने।

३. व्यापारसम्बद्ध बौद्धिक सम्पत्तिसम्बन्धी अधिकारको अन्तराष्ट्रिय बजारमा संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्ने।

४. आर्थिक कुटनीतिलाई सुदृढ तुल्याउँदै व्यापार सम्बद्ध द्विपक्षीय, क्षेत्रीय र बहुपक्षीय संयन्त्रको माध्यमबाट व्यापारजन्य क्षमता बढाउँदै अन्तराष्ट्रिय मूल्य श्रृंखलामा आवद्धता र नेपाली सामग्रीको बजार विस्तार गर्ने।

### आ.आपूर्ति

१. आपूर्ति व्यवस्था, प्रतिस्पर्धा प्रवर्द्धन र उपभोक्ता हितसँग सम्बन्धित नीति, ऐन तथा कानुनहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने।

२. आपूर्ति व्यवस्थामा संलग्न संस्थानहरूको संस्थागत तथा संरचनागत सुदृढीकरण गर्ने।

३. आपूर्ति अनुगमन प्रणालीको विकास गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने।

४. आधारभूत आवश्यकता तथा अत्यावश्यक वस्तु लगायतका सबै वस्तु तथा सेवाको बजारमा उपलब्धता तथा गुणस्तर, मूल्य र आपूर्तिमा पारदर्शिता कायम गरी कृत्रिम अवरोध र अभावको अन्त्य गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| निकासीमा वृद्धि | प्रतिशत | ६.४ | ८ | ११.५ | १४ | १५ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा वस्तु तथा सेवा निर्यातको अनुपात | प्रतिशत | ८ | ८.१ | १२.६ | १४.१ | १५.७ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा वस्तु तथा सेवा आयातको अनुपात | प्रतिशत | ४०.१ | ४२.५ | ५०.९ | ५१ | ५१ |
| कुल आयातमा वस्तु आयातको अनुपात | प्रतिशत | ३१.८ | ३२.८ | ३६.९ | ३८.५ | ४०.३ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा वस्तु निकासीको अनुपात | प्रतिशत | २.६ | २.९ | ३.३ | ३.७ | ४ |
| वस्तु निर्यात आयात अनुपात | अनुपात | १:१२.२ | १:११.३ | १:१०.९ | १:१०.४ | १:१० |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा वस्तु | प्रतिशत | २९.२ | २९.९ | ३८.३ | ३६.९ | ३५.३ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| तथा सेवा व्यापार घाटा | | | | | | |
| तोकिएको दुर्गम जिल्लामा खाद्यान्न ढुवानी | मे.टन | १४४३० | १६४९० | १८१३९ | १९९५३ | २१४४८ |
| राष्ट्रिय खाद्य सुरक्षा भण्डारणमा खाद्यान्न भण्डारण | मे.टन | ६२४५ | २५००० | २५००० | २५००० | २५००० |
| सार्क खाद्य सुरक्षा बैकमा खाद्यान्न मौज्दात | मे.टन | ८००० | ८००० | ८००० | ८००० | ८००० |
| तोकिएको दुर्गम जिल्लाहरूमा आयोडिनयुक्त नुन ढुवानी | क्विन्टल | ८५८९५.७५ | ९६२९३ | ९६२९३ | ९६२९३ | ९६२९३ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ३४,८१२ | १२,४६१ | २२,३५१ | - | १३,६०४ | ९,९४८ | ११,२६० |
| २०७९/८० | २६,००७ | १३,७२२ | १२,२८५ | - | १३,७४६ | २,९०० | ९,३६१ |
| २०८०/८१ | २६,९६५ | १५,२९३ | ११,६७२ | - | १६,३६५ | १,९८४ | ८,६१६ |

## ८. कार्यक्रम/ आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शि.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०७०५०११ | वाणिज्य आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग | १ | बजार अनुगमन मार्फत उपभोक्ता हित संरक्षण गर्ने। | | | बाणिज्य व्यवसायको नियमन तथा सहजीकरण भएको हुने। गुणस्तरीय वस्तु तथा सेवा पाउने उपभोक्ताको अधिकार संरक्षण भएको हुने। |
| ३०७०५०१२ | वाणिज्य आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण कार्यालयहरू | १ | बजार अनुगमन र उपभोक्ता हित संरक्षण गर्ने। | | | बाणिज्य व्यवसायको नियमन तथा सहजीकरण र गुणस्तरीय वस्तु तथा सेवा पाउने उपभोक्ताको अधिकार संरक्षण भएको हुने। |
| ३०७००१०३ | कष्ठरोग नियन्त्रण कार्यक्रम | १ | कष्ठरोग नियन्त्रण गर्ने। | | | दुर्गम जिल्लाहरूमा आयोडिनयुक्त नुन ढुवान भई कण्ठरोग नियन्त्रण भएको हुने। |
| ३०७०००१४ | खाद्यान्न ढुवानी कार्यक्रम (नेपाल खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी) | १ | खाद्यान्न ढुवानी गर्ने। | | | नागरिकको खाद्य सम्प्रभुताको अधिकार सुनिश्चित भएको हुने। |
| ३०७००१०४ | व्यापार सूचना तथा निर्यात सहयोग आयोजना | २ | द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय व्यापारमा सहजीकरण र निर्यातमा सहयोग पुर्याउने | | | द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय व्यापारमा सहजता आई निर्यात प्रबर्द्धन भएको हुने। |
| ३०७००१०५ | नेपाल भारत क्षेत्रीय व्यापार तथा पारवहन आयोजना | ४ | व्यापारजन्य पूर्वाधार विकास र सुदृढीकरण गर्ने। | | | व्यापार पूर्वाधार सुदृढ भई अन्तराष्ट्रिय व्यापारमा सहजता आएको हुने। |
| ३०७८१०११ | व्यापार तथा निकासी प्रवर्द्धन केन्द्र | ४ | अन्तराष्ट्रिय व्यापारको तथ्यांक संकलन तथा प्रकाशन, वस्तु विकास | | | अन्तराष्ट्रिय व्यापारको तथ्यांकको अध्ययन तथा विश्लेषण गरी निर्यात प्रवर्द्धनको उपयुक्त रणनीति अबलम्बन भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शि.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०७०५०११ | वाणिज्य आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग | आर्थिक वर्ष २०७६/७७ १८७१ व्यवसायिक फर्महरू अनुगमन गरी ५८३ ओटा फर्महरूलाई कारबाही स्वरुप रु. ३,४७,३३,५००/- जरिवाना गरिएको।<br>आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा प्राइभेट फर्म कुल १५२५७ बाट राजस्व रू.६५०९७५७०, एजेन्सी फर्म कुल ८५ बाट राजस्व रू.३१७५ र साझेदारी फर्म कुल ४६२ बाट राजस्व रू.२३२७६४५ संकलन भएको। | बजार अनुगमन मार्फत उपभोग्य वस्तुहरूको गुणस्तर सुनिश्चित तथा उपभोक्ता हित संरक्षण भएको हुने। | Online Firm Management Software मा तथ्याङ्क प्रविष्ट तथा डिजिटाईजेशन गर्ने,<br>उपत्यका भित्र तथा वाहिर बजार अनुगमन गर्ने,<br>नमूना संकलन तथा गुणस्तर परीक्षण गर्ने,<br>प्रसार तथा सामाग्री उत्पादन तथा प्रकाशन र वितरण गर्ने,<br>विद्यालय तथा कलेजमा उपभोक्ता शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३०७०५०१२ | वाणिज्य आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण कार्यालयहरू | व्यवसायिक फर्महरू अनुगमन भएको। | बजार अनुगमन मार्फत गुणस्तरीय वस्तुहरूको उपभोग र उपभोक्ता हित संरक्षण भएको हुने। | बजार अनुगमन मार्फत उपभोक्ता हित संरक्षण गर्ने। |
| ३०७००१०३ | कष्ठरोग नियन्त्रण कार्यक्रम | २०७७/७८ को फागुन मसान्तसम्म ६१,१९८।५० क्वी नून ढुवानी भएको। | २१५ हजार क्विन्टल आयोडिनयुक्त नुन ढुवानी भई वितरण भएको हुने। | तोकिएका १७ दुर्गम जिल्लामा ८१,२८४ मे टन नुन ढुवानी गर्ने। |
| ३०७०००१४ | खाद्यान्न ढुवानी कार्यक्रम (नेपाल खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी) | दशैं, तिहार र छठ पर्वलाई लक्षित गरी उपभोक्तालाई दैनिक अत्यावश्यक उपभोग्य खाद्य वस्तुहरू सरल, सहज र सहुलियत मूल्यमा उपलव्ध गराउन विभिन्न स्थानमा सहुलियत पसल सञ्चालनमा ल्याएको।<br>तोकिएका २३ दुर्गम जिल्लाहरूमा ७८९६ मे.टन खाद्यान्न ढुवानी भएको।<br>राष्ट्रिय खाद्य सुरक्षा भण्डारण र सार्क खाद्य बैङ्कमा गरी जम्मा ३१,९३२ मेट्रिक टन खाद्यान्न मौज्दात रहेको। | खाद्यान्न न्यून भएका दुर्गम जिल्लाहरूमा ७५० हजार मेट्रिक टन खाद्यान्न वितरण भएको हुने। | कर्णाली प्रदेशका कालीकोट, हुम्ला, जुम्ला, मुगु र डोल्पामा हरेक जन्म र मृत्युमा निःशूल्क खाद्यान्न वितरण गर्ने।<br>प्रत्येक स्थानीय तहमा सहकारी मार्फत सहुलियत मुल्यमा खाद्य वस्तु बिक्री वितरण गर्ने।<br>तोकिएका २३ जिल्लामा खाद्यान्न ढुवानी गर्ने। |
| ३०७००१०४ | व्यापार सूचना तथा | नेपाल व्यापार एकीकृत रणनीति (NTIS)२०७३ ले पहिचान | विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय र | नेपाल अति कम विकसित मुलुकबाट स्तरोन्नति भए |

| ब.उ.शि.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | निर्यात सहयोग आयोजना | गरेका कार्पेट, पश्मिना, छालाका वस्तुहरू यार्न र जुत्ताचप्पलको समग्र मुल्य श्रृङ्खला विकासका लागि NTIS ले पहिचान गरेका ८ वटा वस्तुगत संघहरूसँग MOU भएको।<br>१६ वटा वस्तुको गुणस्तर प्राविधिक समितिबाट पारित भई नेपाल गुणस्तर परिषद्मा पेश गर्न सिफारिस भएको, १२ वटा वस्तुलाई नेपाल गुणस्तर चिन्ह प्रदान गरिएको।<br>प्रमुख व्यापारिक साझेदार मुलुकहरूसँगको व्यापारमा देखिएका अवरोध न्यून गर्दै निर्यात प्रवर्द्धन र आयात व्यवस्थापन गर्ने सम्बन्धमा प्रतिवेदन तयार भई विभिन्न निकायसँगको समन्वयमा प्रतिवेदनका सुझाव कार्यान्वयन भएको।<br>प्राकृतिक स्रोतमा आधारित निकासीजन्य वस्तुहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने सन्दर्भमा पानी, ढुङ्गा र काठको निकासी सम्बन्धी सम्भाव्यता अध्ययन भएको।<br>भैरहवा-वनारस, पानीट्याङ्की-बङ्गलाबन्ध पारबहन रुटको प्रोफाईल तयार भईरहेको।<br>मित्रराष्ट्र चीनसँगको पारवहन सुविधाको उपयोग गरी चिनियाँ बन्दरगाह (चार सामुद्रिक र तीन सुख्खा) बाट तेस्रो मुलुकसँगको व्यापार विस्तार गर्ने सम्बन्धमा नेपाल-चीन वाणिज्य सह सचिवस्तरमा भर्चुअल बैठक सम्पन्न भई व्यापार र पारवहन सहजीकरणका विषयमा छलफल भएको।<br>नेपाल भारत वाणिज्य सहसचिवस्तरमा हुने IGSC को बैठक र सचिवस्तरमा हुने अन्तरसरकारी समितिको बैठक सम्पन्न भएको।<br>अतिकम विकसित मुलुकका हैसियतले प्राप्त Tariff Preferences सुविधाको उपयोग गरी निर्यात वृद्धि गर्न बङ्गलादेश, कम्बोडिया, संयुक्त अरब इमिरेटस, भुटान र भियतनामसँग देशगत रणनीति तर्जुमा गर्ने सम्बन्धमा अध्ययन | बहुपक्षीय पारवहन सम्बन्धी सम्झौताहरूको पूनरावलोकन तथा नयाँ सम्झौता मार्फत व्यापार सहजीकरण भई निर्यात प्रवर्द्धनका लागि थप सुविधाहरू उपलब्ध भएको हुने। | संगै व्यापार क्षेत्रमा सिर्जना हुने अवसरको प्रयोग तथा चुनौतिको सामना गर्दै निर्यात प्रवर्द्धन र दिगो आर्थिक विकासको आधार तयार गर्ने गरी<br>स्तरोन्नतिको रणनीति (Graduation Strategy) तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने।<br>नेपाल भारतको सीमा नजिक पर्ने भारततर्फका उद्योगहरूको मुल्य श्रृङ्खलामा आवद्ध हुने सम्भावना भएका नेपालका वस्तु तथा उत्पादनहरूको सम्बन्धमा अध्ययन गर्ने।<br>नेपालले आयोजना गर्ने नेपाल भारत व्यापार सन्धि/पारवहन सन्धिको पुनरावलोकन (Comprehensive Review) सम्बन्धी चौथो चरणको बैठकको तयारी गर्ने।<br>बंगलादेशसँग सौविद्यपूर्ण व्यापार सम्झौता गर्ने।<br>भारत, बंगलादेश, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका लागायतका मुलुकहरूसँगका द्विपक्षीय व्यापारिक संयन्त्रहरूको बैठक गर्ने।<br>नेपालको व्यापार सम्भावना भएका कम्तिमा ३ वटा मुलुकहरूसँग द्विपक्षीय व्यापार तथा लगानी सम्झौता (TIFA) गर्ने।<br>साफ्टा तथा विमस्टेकका विभिन्न संयन्त्रका बैठक आयोजना गर्ने तथा सहभागी हुने।<br>द्विपक्षीय तथा वहुपक्षीय व्यापार तथा पारवहन सम्बन्धमा आवश्यक सहजीकरण गर्ने।<br>लजिष्टक नीतिको तर्जुमा सम्पन्न गरी कार्यान्वयन कार्ययोजना बनाएर अन्तरनिकाय समन्वयमा कार्यान्वयन गर्ने। |

| ब.उ.शि.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | भईरहेको। | | |
| ३०७००१०५ | नेपाल भारत क्षेत्रीय व्यापार तथा पारवहन आयोजना | चोभार स्थित सुख्खाबन्दरगाह मुख्य परिसरको निर्माण कार्य ७० प्रतिशत सम्पन्न भएको।<br>निर्यात प्रवर्द्धन र व्यापार विस्तारका लागि समग्र व्यापार क्षेत्रको गुरूयोजनाको अबधारणापत्र तयार भएको।<br>२०७७ फागुनको प्रगति प्रतिवेदन अनुसार कैलालीको हरैया बिशेष आर्थिक क्षेत्रको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयारीका लागि विज्ञसँग सम्झौता भई काम सुरू भएको। वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन (EIA) प्रतिवेदन तयारीको कार्य भईरहेको।<br>दोधारा चाँदनीमा सुक्खा बन्दरगाह निर्माणको लागि उक्त क्षेत्रमा रहेको गौरीशंकर र मायापुरी सामुदायिक वनको जग्गा यकिन भई करीव २८० बिघा जग्गाको भोगाधिकार प्राप्तिको लागि कारवाही भईरहेको। सुक्खा बन्दरगाह निर्माणको लागि गुरुयोजना तयारी तथा परामर्शदाताबाट अध्ययन कार्य भईरहेको।<br>हुम्लाको यारी, मुस्ताङ्को कोराला, संखुवासभाको किमाथाङ्का र ताप्लेजुङ्को ओलाङ्चुङ्गोलामा Inland Container Depot (ICD) निर्माणको लागि पूर्व सम्भाव्यता अध्ययन भैरहेको। | चोभार सुख्खा बन्दरगाह निर्माण भई सञ्चालनमा आउने।<br>व्यापारजन्य पूर्वाधारको विकास भै निर्यात व्यापारमा सहयोग पुगेको हुने।<br>जीवजन्तु तथा वनस्पति स्वास्थ्य (Sanitary and phytosanitary, SPS) प्रयोगशालाको निर्माण कार्य सम्पन्न भई ल्याव सुविधा उपलब्ध भएको हुने।<br>आयात निर्यात सहजीकरणको लागि National Single Window प्रणालीको विकास भइरहेको। | नेपाल चीन मौजुदा पारवहन सन्धीको कार्यान्वयनको प्रभावकारिताको अध्ययन गर्ने।<br>मन्त्रालयको वाणिज्य क्षेत्रको दुरदृष्टी कार्यान्वयनको रणनीतिक योजना तयार गर्ने।<br>नेपाल भारत अन्तरदेशीय विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापनाको लागि २ ठाउँको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने।<br>निकासी सम्भाव्य वस्तुको प्राथमिकता निर्धारण र रणनीति तयार गर्ने। |
| ३०७८१०११ | व्यापार तथा निकासी प्रवर्द्धन केन्द्र | नेपालमा स्थापित कृषक, लघु, घरेलु तथा साना उद्योग व्यवसायीहरूबाट उत्पादन भई विदेशमा हुने निकासीलाई नियमित, पारदर्शी र व्यवस्थित बनाउन तथा व्यवसायीहरूलाई निकासीमा Integration गर्नका लागि Export House को अवधारणा अनुरुप Fair Trade Group(FTG), Nepal सँग सहकार्य गरी विभिन्न निकासीयोग्य वस्तुहरूको प्रचार प्रसार तथा डिजाइन सामाग्री उत्पादन प्रकाशन र वितरण गर्ने कार्य शुरु भएको। | अन्तराष्ट्रिय व्यापार प्रवर्द्धनका लागि विभिन्न प्रबर्द्धनात्मक कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने। | निकासीजन्य ऊनी, फेल्टजन्य वस्तु जस्तैः Christmas Items, खेलौना, पञ्जु, मोजा, पञ्जा, Baby Dress आदिको बुनाई सम्बन्धी आधारभूत Basic तथा Advance कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>विदेश स्थित ३ वटा नेपाली नियोगहरूमा नेपाली वस्तुको निरन्तर प्रदशनी गर्न एक्जिविसन कर्नरको स्थापना गर्ने।<br>प्रमुख नेपाली निकासीयोग्य वस्तुहरूलाई समावेश |

| ब.उ.शि.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | निर्यातजन्य वस्तुहरूको विकासका लागि २५ जनालाई फेल्ट तथा उनीजन्य वस्तु विकास, ४० जनालाई रेसमजन्य वस्तु, ३० जनालाई मौलिक कला झल्कने हस्तकला सम्वन्धी ३० जनालाई फुटवेयर म्यानुफ्याक्चर सम्वन्धी सीपमूलक तालिम प्रदान गरिएको। | | गरी नेपाल पेभिलियन निर्माण गरी आयातकर्ताहरूलाई सम्मिलित गराई Software मार्फत अन्तर्राष्ट्रियस्तरको Virtual प्रदर्शनी तथा B2B Meeting आयोजना गर्ने। |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

पेट्रोलियम पदार्थको आयातमा क्रमशः कमी आउने, नेपाल व्यापार एकीकृत रणनीतिले पहिचान गरेका वस्तुहरूको बजारीकरण हुने, खाद्यान्न तथा विलासिताका वस्तुहरूको आयातमा कमी आई व्यापार घाटा कमी हुने, सूचना प्रविधिमा आधारित बजार अनुगमन प्रणाली कार्यान्वयन र पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमता वृद्धि हुने। साथै हाल देखिएको कोभिड-१९ को समयमै नियन्त्रण हुन नसकेमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहन्छ।

## ५.४ संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले पर्यटकीय महत्वका सम्पदाहरूको संरक्षण र प्रवर्द्धनमार्फत् राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको आधारको रूपमा पर्यटन क्षेत्रको विकास गर्ने नीति लिएको छ। पर्यटन समग्र सामाजिक आर्थिक रुपान्तरणका दृष्टिले महत्वपूर्ण सम्भावना बोकेको क्षेत्र हो। नेपालको आर्थिक वृद्धि, रोजगारी सिर्जना र गरिवी निवारणमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान अभिबृद्धि गर्न सकिने प्रशस्त सम्भावना छ। अद्वितीय प्राकृतिक एवम् समृद्ध सांस्कृतिक सम्पदाको कारण नेपालको तुलनात्मक लाभको क्षेत्रको रूपमा पर्यटन क्षेत्रलाई लिइने गरिन्छ। पर्यटन प्रवर्द्धनको माध्यमबाट रोजगारीका अवसर वृद्धि, गरिवी निवारण र जनताको जीवनस्तरमा सुधार ल्याई आर्थिक समृद्धिको लक्ष्य हासिल गर्न यस क्षेत्रको महत्वपूर्ण योगदान रहने भएकोले पर्यटन अर्थतन्त्रको प्रमुख सम्वाहक पनि हो। देशमा रहेका सम्पूर्ण मूर्त तथा अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाहरुको संरक्षण र विकास गरी तिनको आर्थिक उपयोग गर्ने तथा पर्यटनलाई मुलुकको आर्थिक आधारको रूपमा ग्रामीण तहसम्म विकास र विस्तार गरी यसको प्रतिफल जनजीवनको तल्लो तहसम्म पुर्याउन संस्कृति र पर्यटन क्षेत्रको विविधीकरण, विस्तार र प्रवर्द्धन गरिनु आवश्यक छ। पर्यटन क्षेत्रको विकास र विस्तारसहित आन्तरिक र बाह्य हवाई यातायात विकास गरी थप सुरक्षित, स्तरीय र भरपर्दो बनाउन आवश्यक छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

नेपालको पर्यटन विकासमा पर्यटन उपज र क्रियाकलापको अपेक्षित विकास र विविधीकरण हुन नसक्नु, अन्तर्राष्ट्रियस्तरमा पर्यटन प्रवर्द्धन अपेक्षित रूपमा गर्न नसकिनु, पर्यटन पूर्वाधारको कमी हुनु, पर्यटन विकासमा निजी क्षेत्रलाई पर्याप्त मात्रामा सहभागी गराउन नसकिनु, प्राचिन सांस्कृतिक सम्पदा र तिनीहरुको स्वामित्वमा रहेको सम्पतिको वैज्ञानिक अभिलेखीकरणको अभाव हुनु, सम्पदामाथिको अव्यवस्थित शहरीकरणद्वारा सिर्जित अतिक्रमणबाट असर पर्नु, मूर्त तथा अमूर्त सांस्कृतिक सम्पदाको दिगो संरक्षण, व्यवस्थापन तथा संचालन गर्न नसकिनु, नागरिक उड्डययनको लागि आवश्यक पर्ने आधुनिक प्रविधि एवं पूर्वाधारको पर्याप्तता नहुनु, नेपाल वायुसेवा निगमको व्यावसायिक कार्यकुशलता कम हुनु, हवाई सेवा सुरक्षित, विश्वसनीय र सर्वसुलभ हुन नसक्नु जस्ता प्रमुख समस्या रहेका छन्।

विश्व पर्यटन बजारमा नेपाललाई आकर्षक पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा स्थापित गर्नु, पर्यटकीय सेवा सुविधाको गुणस्तर वृद्धि गर्नु, नयाँ गन्तव्यस्थलहरुको पहिचान र विविधीकरण गर्नु, पर्यटकीय पूर्वाधार विकासमा निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्नु, मुलूकको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा पर्यटन क्षेत्रको योगदानमा उल्लेख्य बृद्धि गरी यसलाई रोजगारी सिर्जना तथा जीवनस्तर सुधारको एक प्रमुख माध्यमको रूपमा स्थापित गर्नु, यस क्षेत्रलाई आवश्यक दक्ष जनशक्तिको पर्याप्तता कायम राख्नु, अन्तर्राष्ट्रिय हवाई सेवाको लागि नेपाल प्रवेश गर्न सहज हवाई मार्गहरुको विस्तार गर्नु, सार्वजनिक-निजी साझेदारीमा विमानस्थलहरुको विकास, विस्तार र व्यवस्थापन गर्नु, हवाई सेवाको सुरक्षा, विश्वसनीयता र विस्तार गर्नु, अन्तर्राष्ट्रिय तथा आन्तरिक विमानस्थललाई आर्थिक रूपले सक्षम हुने गरी संचालन गर्नु, नेपाली वायूसेवा कम्पनीलाई पूर्ण व्यवसायीकरूपमा सञ्चालन गरी अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा यसको हिस्सा उल्लेख्यरूपमा बृद्धि गर्नु, मूर्त तथा अमूर्त सांस्कृतिक सम्पदासम्बन्धी नीति, कानून एवं अन्तर्राष्ट्रिय महासन्धिको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु, विश्वव्यापीकरणको प्रभावबाट मौलिक संस्कृतिलाई जोगाइराख्नु, सबै भाषा र संस्कृतिको संरक्षण र सम्वर्द्धन गर्नु, संस्कृतिलाई राज्यको प्राथमिकतामा समावेश गरी पर्याप्त स्रोत साधनको व्यवस्था मिलाउनु, कोभिड-१९ को महामारीबाट पर्यटन क्षेत्रमा परेको नकारात्मक असरबाट पुनरुत्थान गर्दै सबल पर्यटन क्षेत्रको विकास गर्नु आदि पर्यटन क्षेत्रको प्रमुख चुनौतिको रूपमा रहेका छन्।

## ३. सोच

- विविधतामा गौरव गर्ने एकताबद्ध नेपाली समाज (संस्कृति)।
- नेपाल एक आकर्षक, सुरक्षित र मनोरम पर्यटकीय गन्तव्य (पर्यटन)।
- सुरक्षित विश्वसनीय र सर्वसुलभ हवाई यातायात सेवाको सुनिश्चितता (नागरिक उड्डयन)।

## ४. उद्देश्य

१. सबै जाति/समुदायको सँस्कृति र परम्पराको जगेर्ना गरी मौलिक पहिचान र राष्ट्रिय एकता अभिवृद्धि गर्नु (संस्कृति)।

२. सम्पदाहरूको संरक्षण र प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी पर्यटकीय स्थलको रूपमा विकास गर्नु (संस्कृति)।

३. भाषा, साहित्य, लिपि, सङ्गीत, नाट्यकला र ललितकला क्षेत्रको वृहत्तर विकास र प्रवर्द्धन गर्नु (संस्कृति)।

४. नेपाललाई सुरक्षित, गुणस्तरीय र पर्यटनमैत्री बनाई आकर्षक पर्यटन केन्द्रको रूपमा विकास गर्नु (पर्यटन)।

५. पर्यटकीय गन्तव्य स्थल तथा उपजमा विविधीकरण गरी पर्यटन क्षेत्रको अर्थतन्त्रमा योगदान वृद्धि गर्नु (पर्यटन)।

६. पर्यटकीय क्षेत्रबाट प्राप्त लाभलाई समन्यायिक रूपले जनस्तरसम्म पुऱ्याउनु। (पर्यटन)।

७. राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गन्तव्य संजाल विस्तार गरी नागरिक उड्डययन क्षेत्रलाई सर्वसुलभ, पहुँचयोग्य र सुरक्षित बनाउनु (नागरिक उड्डयन)।

## ५. रणनीति

### अ. संस्कृति

१. सबै समुदायको सामाजिक, सांस्कृतिक र धार्मिक मूल्य मान्यताको कदर, संरक्षण र सम्मान गर्दै राष्ट्रिय एकता प्रवर्द्धन गर्ने गरी संस्कृति परिभाष्य निर्माण गर्ने।

२. धार्मिक, सांस्कृतिक एवम् पुरातात्विक सम्पदाहरूको संरक्षण र क्षतिग्रस्त संरचनाको पुनर्निर्माण गर्नुका साथै प्रवर्द्धन गरी पर्यटकीय उपजको रूपमा विकास गर्न सरकार, निजी क्षेत्र र समुदायबीच सहकार्य गर्ने।

३. भाषा, कला, साहित्य, संगीत आदि क्षेत्रसँग सम्बद्ध संस्थाहरूको सबलीकरण गर्ने।

४. ऐतिहासिक, धार्मिक एवम् पुरातात्विक सम्पदाहरूको अन्वेषण, उत्खनन्, संरक्षण, जगेर्ना र प्रवर्द्धनमा तहगत सरकारबीच समन्वय र सहकार्य गर्ने।

### आ. पर्यटन

१. छिमेकी मुलुक तथा प्रमुख पर्यटन बजारमा नेपाली पर्यटनको व्यापक प्रचार प्रसार र प्रवर्द्धन गर्ने।

२. पर्यटनको सम्भावना बोकेका शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, योगा जस्ता क्षेत्र समेटेर एकीकृत पर्यटन विकास गर्ने।

३. स्वदेशी तथा विदेशी लगानी प्रोत्साहित गर्दै सार्वजनिक-निजी-सहकारी साझेदारीको अवधारणाअनुरूप आधुनिक पर्यटन पूर्वाधारको विकास, बजारीकरण र प्रवर्द्धन गर्ने।

४. पर्यटन क्षेत्रलाई अर्थतन्त्रको सम्वाहकको रूपमा विकास गर्ने। पर्यटकीय गन्तव्य स्थलको पहिचान, विकास तथा विविधीकरण गर्न प्रदेश र स्थानीय तहले अग्रणी रूपमा निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गर्ने।

५. पर्यटकीय उपजलाई मूल्य शृंखलामा आवद्ध गरी स्थानीय स्तरसम्म यस क्षेत्रको लाभ वितरण गर्ने।

### इ. नागरिक उड्डयन

१. हवाई पूर्वाधारहरूको निर्माण, विकास तथा व्यवस्थापनमा सरकार र निजी क्षेत्रको साझेदारी र सहकार्यलाई प्रोत्साहन गर्ने।

२. सुरक्षा प्रावधानसम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्डको अवलम्वन र नवीन प्रविधिको उच्चतम उपयोग गरी हवाई सेवालाई थप सुरक्षित, गुणस्तरीय र विश्वसनीय बनाउने।

३. हवाई उड्डयन सेवा र हवाई उड्डयन नियमनका लागि नियामक निकायको संरचनात्मक सुदृढीकरण गर्ने।

४. सेवा प्रदायक निकायहरूलाई सक्षम, प्रतिस्पर्धी र प्रभावकारी वनाई हवाई सेवालाई सर्वसुलभ वनाउने।

५. हवाई सम्झौता र हवाई मार्ग विस्तार र बजार प्रवर्द्धन गरी नेपाली वायुसेवा कम्पनीहरूलाई अन्तर्राष्ट्रिय बजारसम्म पहुँच वृद्धि गर्ने।

## ६. बिषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| लोपन्मुख भाषाहरुको अभिलेखीकरण | संख्या | १५ | ३० | ३० | ३२ | ३४ |
| प्रतिलिपि अधिकार संरक्षण | संख्या | २०३४ | २०९४ | २२०० | २३०० | २४०० |
| अभिलेखको डिजिटालाईजेसन | संख्या | ५०,००० | ११०,००० | १५०,००० | २००,००० | २५०,००० |
| पुरातात्विक, धार्मिक र सांस्कृतिक सम्पदा संरक्षण/पुनःनिर्माण | संख्या | ४५३ | ५५० | ७०० | ९०० | - |
| विश्वसम्पदा सूचीमा सूचीकृत सम्पदा | संख्या | १० | १० | ११ | ११ | ११ |
| विदेशी पर्यटक आगमन जना | संख्या (हजारमा) | ११९७ | २३० | ५०० | ११०० | १५०० |
| विदेशी पर्यटकको औसत बसाई | दिन | १२.७ | १२ | १६ | १६ | १६ |
| प्रति पर्यटक खर्च (प्रति दिन) | अमेरिकन डलर | ४८ | ७८ | ७८ | ८५ | १०० |
| पर्यटन क्षेत्रमा रोजगारी (थप) हजारमा | संख्या हजारमा | २०० | - | १३९ | १०० | १०० |
| नेपाल आउने अन्तर्राष्ट्रिय विमानमा उपलब्ध सिट | संख्या (लाखमा) | ९० | ९० | ९१ | ९२ | ९३ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| नेपाल आउने विदेशी विमान कम्पनी | संख्या | २८ | २८ | ३० | ३१ | ३२ |
| द्विपक्षीय हवाई सम्झौता भएका मुलुक | संख्या | ४१ | ४२ | ४४ | ४५ | ४७ |
| आन्तरिक उडान गर्ने वायु सेवा कम्पनी (Fixed wing) | संख्या | ९ | ९ | १० | १० | ११ |
| आन्तरिक उडान गर्ने वायु सेवा कम्पनी (Rotor wing) | संख्या | १० | १० | १२ | १३ | १४ |
| बाह्रै महिना सञ्चालन हुने विमानस्थल | संख्या | ३४ | ३७ | ४० | ४० | ४० |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा पर्यटनको योगदान | प्रतिशत | २.७ | १.४ | २ | २ | ३ |
| पदमार्ग (ग्रेट हिमालयन ट्रेल सहित) | कि. मि. | ३६८ | ५१८ | ५७० | ६०० | ६५० |
| पर्यटक स्तरको होटल संख्या | | | | | | |
| - तारे होटल | संख्या | १५ | १५ | १५ | २० | २२ |
| - वेड संख्या | | ३७५४ | ३७५४ | ३७५४ | ३८०० | ४००० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | २६६,११० | ३६,९६४ | २२,४६१ | २०६,६८५ | ९३,२१९ | २,०५१ | १७०,८४० |
| २०७९/८० | २४९,२८२ | ३१,७९४ | २७,६४३ | १८९,८४५ | १३९,९९९ | २८३ | १०९,००० |
| २०८०/८१ | २६३,५०२ | ३५,६०८ | ३५,०९४ | १९२,८०० | १६८,६४२ | – | ९४,८६० |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३२५०००११ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय | १ | नीति योजना तथा मापदण्ड निर्धारण र विभिन्न निकायबीच पर्यटन प्रवर्द्धन र समन्वय गर्ने। | सालबसाली | | नीति योजना तथा मापदण्ड निर्धारण र विभिन्न निकायबीच पर्यटन प्रवर्द्धन र समन्वय भएको हुने। |
| ३२५६१०११ | नेपाल पर्यटन तथा होटल व्यवस्थापन प्रतिष्ठान | ५ | होटल तथा ट्राभल ट्रेकिङ्ग विषयमा मध्यम तथा उच्चस्तरका जनशक्ति उत्पादन गर्ने। | सालबसाली | | होटल तथा ट्राभल ट्रेकिङ्ग विषयमा मध्यम तथा उच्चस्तरका जनशक्ति उत्पादन भएको हुने। |
| ३२५००१०१ | हवाई सुरक्षा तथा हवाई व्यवस्थापन कार्यक्रम | ३ | हवाई यातायात सुरक्षित, गुणस्तरीय तथा भरपर्दो बनाउने। | सालबसाली | | सुरक्षित, विश्वसनीय र सर्वसुलभ हवाई यातायात सेवाको सुनिश्चतता भएको हुने। |
| ३२५२१०११ | भाषा आयोग | ३ | भाषाहरुको अभिलेखिकरण र सरकारी कामकाजको भाषा निर्धारण गर्ने आधार तयार गर्ने। | सालबसाली | | लोपन्मुख भाषाहरुको अभिलेखीकरण भएको हुने। नेपालमा बोलिने मातृभाषाको पहिचान भएको हुने। नेपालमा बोलिने मातृभाषाको संरक्षण, सम्वर्द्धन र बिकासमा नेपाल सरकारलाई सिफारिस भएको हुने। |
| ३२५०११०६ | पर्यटन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | ३ | पर्यटन पूर्वाधार निर्माण, पर्यटन प्रवर्द्धन, पर्यटन क्षेत्रको विकास मार्फत आर्थिक वृद्धि र रोजगारीका अवसर वृद्धि गर्ने। | सालबसाली | | नेपाल एक आकर्षक, सुरक्षित र मनोरम पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा स्थापित भएको हुने। |
| ३२५०२१०१ | पुरातात्विक स्थल संरक्षण आयोजना | ४ | देश भरीका ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक महत्वका सम्पदा संरक्षण सम्वर्द्धन भई पर्यटक आगमनमा वृद्धि भई स्थानीय स्तरमा आय आर्जनमा वृद्धि गर्ने। | सालबसाली | | ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पुरातात्विक सम्पदाहरुको अन्वेषण, उत्खनन, संरक्षण, जगेन प्रवर्द्धनमा तहगत सरकार बीच समन्वय र सहकार्य हुने। |
| ३२५०२१०२ | विश्व सम्पदा क्षेत्र संरक्षण आयोजना | ४ | काठमाण्डौ उपत्यका विश्व सम्पदास्थल भित्रका ७ वटा संरक्षित | सालबसाली | | काठमाण्डौ उपत्यका विश्व सम्पदास्थल भित्रका ७ वटा संरक्षित स्मारकक्षेत्र लगायत विश्व सम्पदाको सम्भाव्य |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | स्मारक क्षेत्र लगायत विश्व सम्पदाको सम्भाव्य सूचीमा रहेका १५ वटा क्षेत्रको संरक्षण सम्वर्द्धन तथा व्यवस्थापन गर्ने। | | | सूचीमा रहेका १५ वटा क्षेत्रको संरक्षण सम्वर्द्धन तथा व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३२५००१०३ | संस्कृति प्रवर्द्धन कार्यक्रम | २ | मूर्त तथा अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाहरुको संरक्षण गर्ने।<br>पुरातत्वसम्बन्धी संकलन तथा संरक्षण गर्ने। | सालबसाली | | नेपालका सबै जाति/ समूदायहरुको संस्कृति र परम्पराको जगेर्ना गरी मौलिक पहिचान र राष्ट्रिय एकता अभिवृद्धि भएको हुने।<br>सम्पदाहरुको संरक्षण र प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी पर्यटकीय स्थलको रूपमा विकास भएको हुने।<br>भाषा, साहित्य, लिपी, संगीत, नाट्यकला र ललितकला क्षेत्रको विकास र प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ३२५४१०११ | बृहत्तर जनकपुर क्षेत्र विकास परिषद् | २ | बृहत्तर जनकपुर गुरुयोजना अनुसार जनकपुर क्षेत्रको संरक्षण, सम्वर्द्धन तथा विकास भई धार्मिकस्थलको विकास गरी आन्तरिक एवं वाह्य पर्यटनमा वृद्धि गर्ने। | सालबसाली | | बृहत्तर जनकपुर गरुयोजना अनुसार जनकपुर क्षेत्रको संरक्षण, सम्वर्द्धन तथा विकास भई धार्मिकस्थलको विकास भई आन्तरिक एवं वाह्य पर्यटनमा वृद्धि भएको हुने। |
| ३२५५१०११ | पशुपति क्षेत्र विकास कोष | २ | गुरुयोजना अनुरूप पूर्वाधार विकास कार्यहरु संचालन गर्ने। | २०७०/७१ -२०७८/७९ | | पुरातात्विक र धार्मिक सम्पदाको सम्वर्द्धन, संरक्षण र संभार भएको हुने। |
| ३२५५१०१२ | लुम्बिनी विकास कोष | ४ | गुरुयोजना अनुरूप लुम्विनी क्षेत्रको संरक्षण, सम्वर्द्धन र भौतिक पूर्वाधार विकास सम्वन्धी कार्य सञ्चालन गर्ने। | २०७०/७१ - २०७८/७९ | | लुम्विनी क्षेत्रमा गुरूयोजना अनुसार पुरातात्विक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण भएको हुने। |
| ३२५०२०११ | पुरातत्व विभाग | २ | धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक सम्पदाहरूको संरक्षण, सम्वर्द्धन र पुनर्निर्माण गर्ने। | सालबसाली | | धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक सम्पदाहरूको संरक्षण, सम्वर्द्धन र पुनर्निर्माण भएको हुने। |
| ३२५०३०११ | राष्ट्रिय अभिलेखालय | ३ | ऐतिहासिक अभिलेखहरूको संरक्षण र व्यवस्थापन गर्ने। | सालबसाली | | ऐतिहासिक अभिलेखहरूको संरक्षण र व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३२५०२०१२ | राष्ट्रिय संग्रहालय, | २ | ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक | सालबसाली | | ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक वस्तुहरूको संरक्षण, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | छाउनी | | वस्तुहरूको संरक्षण, सम्वर्द्धन र प्रवर्द्धन गर्ने। | | | सम्वर्द्धन र प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ३२५०२०१३ | केन्द्रीय सांस्कृतिक सम्पदा संरक्षण प्रयोगशाला | ४ | देश भरका सम्पदाहरूको रसायन संरक्षण गर्ने। | सालबसाली | | देश भरका सम्पदाहरूको रसायन संरक्षण भएको हुने। |
| ३२५०४०११ | नेपाल प्रतिलिपि अधिकार रजिष्टारको कार्यालय | ३ | प्रतिलिपि अधिकार संरक्षण, जनचेतना अभिवृद्धि, संघ संस्थाको समन्वय गर्ने। | सालबसाली | | प्रतिलिपि अधिकार संरक्षणका साथै जनचेतना अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३२५०२०१४ | नारायणहिटी दरबार संग्रहालय | ४ | नारायणहिटी दरबारको संरक्षण र संग्रहालय व्यवस्थापन | सालबसाली | | नारायणहिटी दरबारको संरक्षण र संग्रहालयको उचित्त व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३२५०१०११ | पर्यटन विभाग | ४ | पर्वतारोहणको अनुमति, पर्वतारोहण रोयल्टी संकलन, पर्यटन उद्योगको नियमन गर्ने। | सालबसाली | | पर्वतारोहणको अनुमति सहजीकरण र पर्वतारोहण रोयल्टी संकलन कार्य भएको हुने। |
| ३२५००१०२ | दक्षिण एसिया पर्यटन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | २ | लुम्बिनी तथा आसपासका क्षेत्रमा भौतिक तथा सामाजिक पूर्वाधार निर्माण गर्ने। | सालबसाली | | लुम्बिनी तथा आसपासका क्षेत्रमा भौतिक तथा सामाजिक पूर्वाधार निर्माण भएको हुने। |
| ३२५०२०१५ | राष्ट्रिय कला संग्रहालय भक्तपुर | ३ | राष्ट्रिय कलाहरूको खोज, संरक्षण र विकास गर्ने। | सालबसाली | | राष्ट्रिय कलाहरूको खोज, संरक्षण र विकास भएको हुने। |
| ३२५०२०१६ | क्षेत्रीय संग्रहालय | ३ | राष्ट्रिय महत्वका क्षेत्रीय संग्रहालयहरूको संरक्षण र संचालन गर्ने। | सालबसाली | | राष्ट्रिय महत्वका क्षेत्रीय संग्रहालयहरूको संरक्षण र व्यवस्थित संचालन भएको हुने। |
| ३२५०२०१७ | संग्रहालयहरू (जातीय संग्रहालय समेत) | ३ | राष्ट्रिय महत्वका संग्रहालयको संरक्षण र संचालन गर्ने। | सालबसाली | | राष्ट्रिय महत्वका संग्रहालयको संरक्षण र व्यवस्थित रूपमा संचालन भएको हुने। |
| ३२५०२०१८ | ऐतिहासिक दरबारहरू | २ | ऐतिहासिक दरबारहरूको संरक्षण र व्यवस्थापन गर्ने। | सालबसाली | | ऐतिहासिक दरबारहरूको संरक्षण र व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३२५०२०१९ | स्मारक संरक्षण तथा | २ | स्मारक संरक्षण तथा दरबार हेरचाह | सालबसाली | | स्मारक संरक्षण तथा दरबार हेरचाह भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | दरबार हेरचाह कार्यालय, भक्तपूर | | गर्ने। | | | |
| ३२५८१०११ | बौद्ध दर्शन प्रवर्द्धन तथा गुम्बा विकास समिति | २ | बौद्ध दर्शन प्रवर्द्धन, गुम्बा संरक्षण र विकास गर्ने। | सालबसाली | | बौद्ध दर्शन प्रवर्द्धन। गुम्बा संरक्षण र विकास भएको हुने। |
| ३२५००१०५ | सांस्कृतिक संस्थान | ३ | नृत्य, कला र संस्कृतिको जर्गेना र प्रवर्द्धन गर्ने। | सालबसाली | | नृत्य, कला र संस्कृतिको जर्गेना र प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ३२५६१०१२ | नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान | ३ | नेपाली साहित्यका लेख रचनाहरु प्रकाशन गर्ने। | | | नेपाली साहित्यका लेख रचनाहरु प्रकाशन र नेपाली भाषाको प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ३२५६१०१३ | नेपाल ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान | ३ | चित्रकला लगायत नेपाली कलाहरुको संरक्षण गर्ने। | | | नेपाली ललितकलाहरुको संरक्षण भएको हुने। |
| ३२५६१०१४ | नेपाल संगीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान | ३ | नृत्य, कला र संस्कृतिको जगेर्ना र प्रवर्द्धन गर्ने। | | | नेपाली मौलिक नृत्य, कला र संस्कृतिको जगेर्ना र प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ५०१२५१०१ | नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण | ३ | आन्तरिक तथा अन्तर्राष्ट्रिय हवाई उड्डयन अनुमति प्रदान र नियमन गर्ने। | सालबसाली | | आन्तरिक हवाई पूर्वाधारहरुको निर्माण, सुदृढीकरण कार्य, विकास तथा व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ५०१२५१०२ | हवाई क्षमता अभिवृद्धि आयोजना | १ | त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल लगायतका विमानस्थलहरुको सुधार तथा स्तरोन्नति गर्ने। | सालबसाली | | त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल लगायतका विमानस्थलहरुको सुधार तथा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ५०१२५१०४ | पोखरा क्षेत्रीय अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल | १ | पोखरामा अन्तर्राष्ट्रिय विमास्थल (4D स्तर) निर्माण गरी हवाई सेवालाई सुरक्षित र भरपर्दो वनाउनु। | २०७१/७२ - २०७९/८० | | बार्षिक ८ लाख यात्रुलाई सेवा प्रदान गर्ने क्षमता सहित अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलको निमाण भई संचालन हुने। |
| ५०१२५१०३ | दक्षिण एसिया पर्यटन पूर्वाधार विकास आयोजना | १ | भैरहहवामा अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल (4E स्तर) निर्माण गरी अन्तर्राष्ट्रिय हवाई संजालमा आवद्धता अभिवृद्धि गरी पर्यटकलाई आकर्षित गर्नु। | सन् २०१५ - सन्२०२१ | | वार्षिक ७६ लाख यात्रुलाई सेवा प्रदान गर्ने क्षमता भएको अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल (4E स्तर) स्तरोन्नति भई सचालनमा आएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ५०१२५१०५ | दोस्रो अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निजगढ | १ | निजगढमा अन्तर्राष्ट्रिय विमास्थल (4E स्तर) निर्माण गरी हवाई सेवालाई सुरक्षित र भरपर्दो बनाउनु। | २०७६/७७ - २०८०/८१ (पहिलो चरण) २०८१/८२ -२०८५/८६ (दोस्रो चरण) | | पहिलो चरणमा बार्षिक १ करोड ५० लाख यात्रु र दोस्रो चरणमा वार्षिक ६ करोड यात्रुलाई सेवा प्रदान गर्ने क्षमतासहित अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल (4E स्तर) निर्माण सम्पन्न भई संचालनमा आएको हुने। |
| ५०१२५९०१ | सासेक, हवाई यातायात क्षमता अभिबृद्धि आयोजना | १ | विमानस्थलहरुको सुधार तथा स्तरोन्नति गर्ने। | सुरुवात: २०७८/७९ | | विमानस्थलहरुको सुधार भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३२५०००११ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय | | पर्यटक संख्या १५ लाख, औसत बसाई १६ दिन र पर्यटन क्षेत्रको अर्थतन्त्रमा योगदान ३ प्रतिशत पुगेको हुने। | संविधान बमोजिम पर्यटन, संस्कृति तथा हवाई उड्डयन सम्वन्धी ऐन, नीति, नियम र मापदण्ड निर्माण र निरन्तर परिमार्जन गर्ने। |
| ३२५६१०११ | नेपाल पर्यटन तथा होटल व्यवस्थापन प्रतिष्ठान | नेपाल पर्यटन तथा होटल व्यवस्थापन प्रतिष्ठानको कलेज शाखा स्थापना गरी अध्यापन कार्य संचालन गर्न झापा जिल्लाको विर्तामोड, महोत्तरी जिल्लाको बर्दिबास र बाँके जिल्लाको नेपालगन्जमा शाखा कार्यालय स्थापना गरिएको।<br>त्रि. वि. बाट शैक्षिक कार्यक्रम शुरु भएपश्चात्त कलेज शाखाहरुमा अध्यापन कार्य संचालन गर्न सम्पूर्ण तयारी पुरा भएको। | होटल तथा ट्राभल ट्रेकिङ्ग विषयमा मध्यम तथा उच्चस्तरका १५००० जनशक्ति उत्पादन भएको हुने। | प्रतिष्ठानको नेपालगञ्ज शाखामा भवन निर्माण गर्ने।<br>मेशिनरी औजार तथा उपकरण खरिद गर्ने (शैक्षिक उपकरण तथा औजार)।<br>पर्यटन तथा होटलसम्बन्धी घुम्ती तालिम सञ्चालन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३२५००१०१ | हवाई सुरक्षा तथा हवाई व्यवस्थापन कार्यक्रम | हालको नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरणलाई नियामक निकाय र सेवा प्रदायक निकायका रूपमा विकास गर्न नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण बिधेयक र हवाई सेवा प्राधिकरण बिधेयक संसद्मा दर्ता भएको।<br>हवाई नीतिको मस्यौदा तयारी कार्य सम्पन्न भई स्वीकृतिका लागि मन्त्रिपरिषद्मा दर्ता भएको।<br>ईन्डोनेसिया, रसिया र कोरियासंग द्विपक्षीय हवाई सेवा सम्झौता गर्नका लागि आवश्यक मस्यौदा तयार भई समन्वय भइरहेको। | नेपाल आउने अन्तर्राष्ट्रिय विमानमा उपलब्ध सिट-९३<br>नेपाल आउने विदेशी विमान कम्पनी -३२<br>द्विपक्षीय हवाई सम्झौता भएका मुलुक -४७<br>आन्तरिक उडान गर्ने वायु सेवा कम्पनी ( Fixed wing) -११<br>आन्तरिक उडान गर्ने वायु सेवा कम्पनी (Rotor wing) - १४<br>बाह्रै महिना सञ्चालन हुने विमानस्थल -४० | नागरिक उड्डयनको क्षेत्रमा विकसित राष्ट्रिय आवश्यकता, विश्वव्यापी नवप्रवर्तन र प्रविधिको विकाससँगै सिर्जना भएका आवश्यकता र मागहरु सम्बोधन गर्ने गरी हवाई नीति जारी गर्ने।<br>नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरणलाई नियामक र सेवा प्रदायक संस्थाको रूपमा स्थापना र संचालन गरी नागरिक उड्डययन क्षेत्रलाई थप सुरक्षित, भरपर्दो र विश्वसनीय बनाउने।<br>नेपाल पक्षराष्ट्र भएको Montreal Convention अनुरूपको आन्तरिक वायुसेवाहरुको दायित्व सम्बन्धी ऐनको मस्यौदा तर्जुमा गरी रायका लागि आवश्यक मन्त्रालय र निकायहरुमा पठाइने।<br>ईन्डोनेसिया, रसिया र कोरियासंग द्विपक्षीय हवाई सेवा सम्झौता गर्ने। |
| ३२५२१०११ | भाषा आयोग | शास्त्रीय भाषाहरुको अध्ययन गरिएको।<br>भाषाहरुको समाज भाषा वैज्ञानिक सर्भेक्षण गरिएको।<br>संकटापन्न एवं लोपोन्मुख भाषाहरुको अभिलेखीकरण तथा भाषा कक्षा सञ्चालन गरिएको।<br>सरकारी कामकाजको भाषा निर्धारणका आधारहरु तयारीको क्रममा महत्वपूर्ण सुझाव एवं तथ्य हासिल गरिएको। | लोपन्मुख भाषाहरुको अभिलेखीकरण हुने संख्या - ३४<br>नेपालमा बोलिने मातृभाषाको संरक्षण, सम्वर्द्धन र विकासमा नेपाल सरकारलाई सिफारिस हुने संख्या - १४ | संकटापन्न र लोपोन्मुख भाषाहरुको संरक्षण, सम्बर्धन तथा अभिलेखिकरण गरिने।<br>नेपालका लिपिहरुको अध्ययन गरिने।<br>भाषा सर्वेक्षण तथा नक्शाङ्कन गरिने।<br>सरकारी कामकाजको भाषा निर्धारणका आधारहरु तयार गरी भाषाको सिफारिस गरिने।<br>मातृभाषाको स्तर पहिचान तथा शिक्षामा प्रयोगको सम्भाव्यता अध्ययन गरिने। |
| ३२५०११०६ | पर्यटन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | गत आ.व.मा सम्झौता भएको वृहत्तर जनकपुर, वृहत्तर विराट, वृहत्तर गौरिशंकर, वृहत्तर रारा र वृहत्तर खप्तड गुरुयोजना निर्माण कार्य सम्पन्न भएको।<br>फूल्चोकी पनौती नमोबुद्ध adventure cycling route सम्पन्न गर्ने कार्य भइरहेको।<br>हिमालय क्षेत्रमा आरोहणको लागि | विदेशी पर्यटक आगमन जना - १५,००,०००<br>विदेशी पर्यटकको औसत बसाई - १६ दिन<br>प्रति पर्यटक खर्च (प्रति दिन) अमेरिकन डलर - ७८<br>पर्यटन क्षेत्रमा रोजगारी (थप) | प्रदेश र स्थानीय तहसँगको लागत साझेदारीमा पर्यटन पूर्वाधार निर्माण गरी पर्यटन गन्तव्य विकासका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने।<br>सात प्रदेश अन्तर्गतका पर्यटकीय पूर्वाधारको निर्माण कार्य मध्ये चारवटा सम्पन्न गर्ने।<br>GHT अन्तर्गतका विभिन्न क्षेत्रमा पदमार्ग तथा विश्राम स्थल निर्माण गर्ने।<br>एक प्रदेश एक पर्यटकीय गाउँको Tourism Development |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | आवश्यक GPS Tracking System संचालनको लागि सम्पूर्ण पूर्वाधार तयार गर्ने कार्य कार्यान्वयनमा रहेको।<br>ईन्द्रसरोवर, सन्दकपुर, पञ्चासे, भादागाँउ, निग्लिहवा र धनुषाधामको दोश्रो चरणको निर्माण कार्य ३५% सम्पन्न भएको।<br>रारा क्षेत्रको प्रथम चरणको कार्य ६५% सम्पन्न भएको। मुक्तिनाथ क्षेत्रको आनि गुम्बा निर्माण, कागबेनीको पिण्डस्थान पुनर्निर्माणको प्रथम चरणका कार्य ७५% सम्पन्न भएको।<br>ग्रेट हिमालयन ट्रेल निर्माण (मकालु, कञ्चनजङ्गा, यार्सट्रिल, च्छो रोल्पा लगायतका क्षेत्रमा निर्माण कार्य ९० कि.मि. सम्पन्न भएको, धार्चे मनास्लु, हेलम्बु लाङटाङ ट्रेल लगायतका स्थानमा दोश्रो चरणको निर्माण कार्य ३५ कि.मि सम्पन्न भएको)। | हजारमा - ८३<br>अर्थ तन्त्रमा योगदान (पर्यटन) -३ प्रतिशत<br>पदमार्ग (ग्रेट हिमालयन ट्रेल सहित) - ६५० कि. मि.<br>२१६ स्थानीय तहसँगको साझेदारीमा पर्यटन पूर्वाधार निर्माण मध्ये ३८ आयोजना निर्माण सम्पन्न हुने। स्थानीय तहसँगको साझेदारीको पूर्वाधार निर्माणलाई निरन्तरता दिइने। यसले समग्र ग्रामीण अर्थतन्त्रको सवलीकरण तथा पर्यटन सम्बद्ध रोजगारी, आयआर्जन बृद्धि भएको हुने। | Plan अनुसार कार्यान्वयन गर्ने।<br>संभाव्यता अध्ययन वमोजिम सात प्रदेशमा १-१ स्थानमा हिल स्टेशन (शितल आवास) को लागि आवश्यक पर्यटकीय पूर्वाधार निर्माण तथा सुधार कार्य सुरु गर्ने।<br>बुद्धिस्ट सर्किट पद्मसम्भव परिपथमा पर्यटकीय पुर्वाधार निर्माण गर्ने।<br>मुक्तिनाथ क्षेत्रमा Rescue Center, आनि Quarter तथा अन्य पर्यटकीय पुर्वाधार निर्माण कार्य जारी राख्ने।<br>गोसाइकुण्ड रसुवा/ पाँच पोखरी सिन्धुपाल्चोक/ सलहेस/ कर्जन्हा सुखीपुर/ देवीदहक्षेत्र सिराहा/ शहिद हिरालालपार्क- निजगढ/ मनकामना संखुवासभा/ श्रीअन्तु इलाम/ मुन्दुमट्रेल भोजपुर/ नयाँपुल पार्वतीगुफा ट्रेल पर्वत/ स्वरेक स्याङ्गजा/ बुदगढदेव सुनसरी/ गोलन्जर डांडा/ फिक्कलडांडा सिन्धुली/ कान्पोखरी/ कालिकोसी सिमसार मोरङ्ग/ अर्जुनधारा सरवेश्वर झापा/ चापाकोट/ गौह्राकालिका स्याङ्गजा/ कालिदेवी/ सेतीदेवी सिन्धुपाल्चोक/ जलकाडापार्क र रकगार्डेन अर्घाखाँची/ ग्लोवल पिरवर्क वुटवल आदि स्थानमा पर्यटकीय पूर्वाधार निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| ३२५०२१०१ | पुरातात्विक स्थल संरक्षण आयोजना | ७ वटै प्रदेशका सम्पदाहरुको संरक्षण कार्य भईरहेको।<br>७५ विगाहा जग्गा अधिग्रहण गर्न मुअब्जा वितरण कार्यका लागि सूचना प्रकाशन भैसकेको।<br>९ वटा बहुवर्षीय मध्ये ३ वटा सम्पन्न भएको र अन्य निरन्तरको कार्य सुचारु रहेको मध्ये ७ वटा सम्पन्न भएको, ५७ वटाको कार्यदिश दिएको, अन्यको खरिद प्रक्रियाको क्रममा रहेको। | पुरातात्विक,धार्मिक र सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षणको संख्या -९०० | |
| ३२५०२१०२-३/४ | विश्व सम्पदा क्षेत्र संरक्षण आयोजना | मुस्ताङ एक्लेभट्टी काकनिंगवास्थित petroglyph संरक्षण भएको। | विश्वसम्पदा सूचीमा सूचीकृत सम्पदा संख्या - ११ | विश्व सम्पदाको सम्भावित सूचीमा रहेको १५ वटा सम्पदास्थलहरु मध्ये ५ वटा सम्पदास्थलहरुको विस्तृत |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | Silk Road अन्तर्गको रुटहरुको अध्ययन भएको। | | अध्ययन गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>Silk Road Nomination का लागि पुर्वाधार तयार गर्ने सन्दर्भमा उक्त क्षेत्रको एक Nodle Town को विस्तृत अध्ययन गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>काठमाडौ उपत्यका विश्व सम्पदास्थल भित्रका संरक्षित स्मारक क्षेत्रहरु मध्ये २ वटा क्षेत्रको परिमार्जित कित्ता नापी नक्शासहितको सीमांकन गर्ने। |
| ३२५००१०३ | संस्कृति प्रवर्द्धन कार्यक्रम | नेपाल सरकार (मन्त्रिपरिषद्)को मिति २०७७।६।६ को<br>बैठकले Memorandum of Understanding between the People's Republic of China and Government of Nepal on the Translation and Publication of Classics विषयमा हुने समझदारी पत्रमा हस्ताक्षर गर्न स्वीकृति प्रदान गरिएको।<br>नेपाल सरकार(मन्त्रिपरिषद्)को मिति २०७७।६।१५ को बैठकले प्राचीन स्मारक संरक्षण ऐन, २०१३ (छैठौ संशोधन) विधेयक २०७७ को मस्यौदा संघीय संसदसमक्ष पेश गर्न स्वीकृति प्रदान गरिएको।<br>नेपाल सरकार(मन्त्रिपरिषद्)को मिति २०७७।१२।२३ को बैठकले Cultural Exchange Program between the Government of Nepal and the Government of the People's Republic of Bangladesh for the year 2022- 2025 मा हस्ताक्षर गर्न स्वीकृति प्रदान गरिएको।<br>नेपालका विभिन्न स्थानमा रहेका मठमन्दिर मध्ये २ वटा ऐतिहासिक तथा धार्मिक महत्वका बारेमा डकुमेन्ट्री तयार भएको। | क्षतिग्रस्त सम्पदाहरुको पुन निर्माण कार्य सम्पन्न भएको हुने।<br>प्रतिलिपि अधिकारको संरक्षण भएको हुने संख्या- २४००<br>सवै समुदायको संस्कृतिको प्रणालीवद्ध रूपमा अभिलेखाकरण एवं लोपोन्मुख सांस्कृति सम्पदाहरको जगेर्ना भएको हुने।<br>मातृभाषामा पठनपाठन हुने विद्यालयको संख्या २० प्रतिशतले वृद्धि भएको हुने। | प्रदेश सरकारसंगको सहकार्यमा साहित्यिक महोत्सव प्रत्येक प्रदेशमा संचालन गर्ने।<br>गीत, संगीत तथा नृत्यका कारण समाजमा परेको प्रभावसम्बन्धी अध्ययन कुनै २ प्रदेशमा गर्ने।<br>एक प्रदेश एक संस्कृतिक पर्व कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदा अन्तर्गत नेवार जातिको जन्मदेखि मृत्यसम्मको संस्कारहरुको प्रोफाइल तयार गर्ने।<br>राष्ट्रिय व्यक्तित्वको जीवनीमा आधारित चलचित्र निर्माण गर्ने।<br>सनातन धर्मको अष्टावक्र अन्तर्राष्ट्रिय शास्त्रार्थ कार्यक्रम जनकपुरमा सञ्चालन गर्ने।<br>सातै प्रदेशमा प्रदेश/संघ अन्तर्गतको कुनै एक संग्रहालयलाई समावेशी र जीवन्त संग्रहालय बनाउन अनुदान दिने।<br>हाम्रा प्रचलन/आस्था अनुसारका तुलसी, वरपीपल, चौतारा जस्ता धरोहरहरुको मानव स्वास्थ र सभ्यतासम्बन्धमा बैज्ञानिक सम्वन्ध अध्ययन अनुसन्धान गर्ने।<br>अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदासम्बन्धी National Register नेपाली भाषामा तयार गर्ने।<br>ICH Journal प्रकाशन गर्ने।<br>सांस्कृतिक अभिव्यक्तिको विविधता संरक्षण र सम्वर्द्धन गर्ने सम्बन्धी यूनेस्कोको महासन्धि २००५ लाई नेपाल पक्ष राष्ट्र हुने सम्बन्धमा अध्ययन र विज्ञहरुसँगको छलफल कार्यक्रम गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | लिम्वु जातिमा प्रचलित च्याब्रुङ्ग नाचको Profile तयार गर्ने।<br>किराँत राई जातिको साकेला सीलि नृत्यको अध्ययन अनुसन्धान गरी प्रोफाइल तयार गर्ने। |
| ३२५४१०११ | बृहत्तर जनकपुर क्षेत्र विकास परिषद् | जनकपुर क्षेत्र पञ्चकोशी परिक्रमा पथमा पूर्वाधार निर्माणको कार्य ८० प्रतिशत सम्पन्न भएको।<br>सुहद पुस्तकालयको भवन निर्माण कार्य सम्पन्न भएको।<br>राजा सहलेस मन्दिर, हनुमान मन्दिर र पतञ्जली मन्दिर जिर्णोद्दार कार्य सम्पन्न भएको।<br>रामायण सर्किट निर्माणको कार्य भैरहेको।<br>यात्री निवास तथा घुम्ति शौचालय निर्माण भएको। | बृहत्तर जनकपुर गुरुयोजना अनुसार जनकपुर क्षेत्रको संरक्षण, सम्वर्द्धन तथा विकास भई धार्मिक स्थलको विकास भई आन्तरिक एवं वाह्य पर्यटनमा वृद्धि। | प्राणेश्वर महादेव मन्दिर सौन्दर्यकरण विदेह, राजदेवी मन्दिर सौन्दर्यकरण क्षिरेश्वर, थलही घाटमा कविर कुटी निर्माण कार्य, धर्मशाला निर्माण तथा रसोई घर निर्माण झुलनकुन्ज, अग्निकुण्ड रामजानकी मन्दिर सौन्दर्यकरण कार्य, विदेह नघाट निर्माण पुरनी पोखरी जलेश्वर सरस्वती मन्दिर सौन्दर्यकरण कार्य, महन्थ पोखरी सौन्दर्यकरण कार्य, जानकीरमण साकेत विहार कुटी निर्माण, मनहरपुर पोखरी सौन्दर्यकरण कार्य, सरस्वती मन्दिर सौन्दर्यकरण, पोखरी सोन्दर्यकरण तथा मन्दिर निर्माण कार्य, मिथिला संग्रहालय निर्माण आदि कार्य गर्ने। |
| ३२५५१०११ | पशुपति क्षेत्र विकास कोष | भौतिक पूर्वाधर निर्माण र पुरातात्विक तथा सांस्कृति सम्पदाको संरक्षण तथा सम्वर्द्धन कार्य भएको।<br>पञ्चकोशी परिक्रमा पथमा पूर्वाधार निर्माण कार्यको भौतिक प्रगति शत प्रतिशत भएको।<br>पशुपतिनाथमा सुनको जलहरी राखिएको। | गुरुयोजना अनुसार पशुपति क्षेत्रलाई धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्या पर्यटनको नमुना क्षेत्रको रूपमा विकास र आन्तरिक तथा वाह्य पर्यटनको अभिवृद्धि। | नेपाल वेदविद्याश्रममा +२ भवन तथा पूर्वाधार विकास कार्य,<br>विश्वरूप मन्दिर संरक्षण कार्य,<br>गौरीघाटस्थित चौघेरा सत्तल संरक्षण कार्य,<br>अग्नीहोत्रीशाला तथा चार शिवालयका, मन्दिरहरु संरक्षण कार्य,<br>दाफा भजनघर पुनर्निर्माण कार्य,<br>राममन्दिर पूर्वका मन्दिरहरु जीर्णोद्धार कार्य<br>श्री पशुपतिनाथ मन्दिरको चाँदीको ढोका मर्मत संभार कार्य,<br>दर्शनमार्ग स्तरोन्नति तथा मर्मत रंगरोगन कार्य,<br>गोठाटार जग्गामा पूर्वाधार विकास तथा सीमाङ्कन कार्य,<br>सुरक्षा अनुगमनकालागि विभिन्न उपकरण सि. सि. टि भी लगायत जडान कार्य,<br>मृगस्थलीमा भूक्षय नियन्त्रण आदि कार्य गर्ने। |
| ३२५५१०१२ | लुम्बिनी विकास कोष | लुम्बिनी गुरुयोजनाका हालसम्म ८६ | लुम्विनी क्षेत्रलाई विश्वशान्तिको अन्तराष्ट्रिय केन्द्रको रूपमा स्थापित | लुम्बिनी गुरुयोजनाका बाँकी कार्यहरुमध्ये ३ आर्थिक वर्षमा सम्पन्न गर्ने गरी आगामी आ.व.मा ४० प्रतिशत कार्य सम्पन्न |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | प्रतिशत कार्य सम्पन्न भएको।<br>बृहत्तर लुम्बिनी क्षेत्रको गुरुयोजना निर्माण कार्य सुरु भएको। | गरी प्रमुख पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा विकास। | गर्ने।<br>बृहत्तर लुम्बिनी क्षेत्रको गुरुयोजना निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने। |
| ३२५०२०११ | पुरातत्व विभाग | | भूकम्पबाट क्षतिग्रस्त ७५३ वटा पुरातात्विक सम्पदाहरूको पुनर्निर्माण सम्पन्न। | विभिन्न जिल्लाका पुरातात्विक सम्पदाहरुको पुनर्निर्माण सम्पन्न गर्ने/ सम्पदाहरुको संरक्षण गर्ने। |
| ३२५०३०११ | राष्ट्रिय अभिलेखालय | ११०,००० अभिलेख डिजिटाइजेशन भएको। | २५०,०००<br>अभिलेख डिजिटाइजेशन। | ऐतिहासिक अभिलेखहरूको संरक्षण र व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३२५०२०१२ | राष्ट्रिय संग्रहालय, छाउनी | | | संग्रहालय भवन लगायतका पूर्वाधारको स्तरोन्नति गरी संग्रहालयहरू थप व्यवस्थित गर्ने। |
| ३२५०२०१३ | केन्द्रीय सांस्कृतिक सम्पदा संरक्षण प्रयोगशाला | | | पुरातात्विक स्थलहरूको रसायन संरक्षण गर्ने। |
| ३२५०४०११ | नेपाल प्रतिलिपि अधिकार रजिष्टारको कार्यालय | | | प्रतिलिपि अधिकार संरक्षणसम्बन्धी विभिन्न क्रियाकलापहरु संचालन गर्ने। |
| ३२५०२०१४ | नारायणहिटी दरबार संग्रहालय | | नारायणहिटी दरबार संग्रहालय अन्तर्राष्ट्रिय संग्रहालयको रूपमा विकास। | |
| ३२५०१०११ | पर्यटन विभाग | | पर्यटकीय गतिविधिबाट राज्यलाई प्राप्त हुने रोयल्टी रकम वृद्धि। | |
| ३२५००१०२ | दक्षिण एसिया पर्यटन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | लुम्विनी क्षेत्रभित्र विभिन्न भौतिक संरचनाहरुको गुरूयोजना अनुसार निर्माण कार्य भईरहेको। | लुम्बिनी क्षेत्रमा इलेक्ट्रोनिक भेइकल संचालन। | लुम्विनी क्षेत्रभित्र विभिन्न भौतिक संरचनाहरुको गुरूयोजना अनुसार निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने। |
| ३२५०२०१५ | राष्ट्रिय कला संग्रहालय भक्तपुर | | राष्ट्रिय कलाहरूको जगेर्ना भएको हुने। | राष्ट्रिय कलाहरूको खोज, विकास र संरक्षण गर्ने। |
| ३२५०२०१६ | क्षेत्रीय संग्रहालय | | | |
| ३२५०२०१७ | संग्रहालयहरू (जातीय | | गोरखा दरबार संग्रहालय व्यवस्थित | गोरखा दरबार संग्रहालय व्यवस्थित गर्ने। मुद्रा तथा धातु |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | संग्रहालय समेत) | | रूपले संचालन।<br>मुद्रा तथा धातु कलाको संरक्षण। | कलाको संरक्षण गर्ने। |
| ३२५०२०१८ | ऐतिहासिक दरबारहरू | | विभिन्न दरबार र स्मारकहरुको संरक्षण र व्यवस्थित सेवा प्रवाह। | |
| ३२५०२०१९ | स्मारक संरक्षण तथा दरबार हेरचाह कार्यालय, भक्तपूर | | भक्तपुर क्षेत्रको स्मारक संरक्षण हुनुका साथै पर्यटकलाई दिइने सेवामा सुधार। | भक्तपुर क्षेत्रको स्मारक संरक्षण गर्ने।<br>पर्यटकलाई दिइने सेवामा सुधार, व्यवस्थित तथा विवीधिकरण गर्ने। |
| ३२५८१०११ | बौद्ध दर्शन प्रवर्द्धन तथा गुम्बा विकास समिति | | राष्ट्रिय महत्वका गुम्बाहरूको निर्माण र संरक्षण। | गुम्बाहरूको वर्गीकरण गर्नुका साथै राष्ट्रिय महत्वका गुम्बाहरूको निर्माण र संरक्षण गर्ने। |
| ३२५००१०५ | सांस्कृतिक संस्थान | | नृत्य, कला र संस्कृतिको जर्गेना र प्रवर्द्धन। | |
| ३२५६१०१२ | नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान | | नेपाली साहित्यका लेख रचनाहरु प्रकाशन र नेपाली भाषाको प्रवर्द्धन। | नेपाली साहित्यका लेख रचनाहरु प्रकाशन र नेपाली भाषाको प्रवर्द्धन गर्ने। |
| ३२५६१०१३ | नेपाल ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान | | नेपाली ललितकलाहरुको संरक्षण। | |
| ३२५६१०१४ | नेपाल संगीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान | | नृत्य, कला र संस्कृतिको जगेर्ना र प्रवर्द्धन। | नेपाली मौलिक नृत्य, कला र संस्कृतिको विभिन्न माध्यमबाट जगेर्ना र प्रवर्द्धन गर्ने। |
| ५०१२५१०१ | नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण | जनकपुर, सिमरा, राजबिराज एयरपोर्टहरुको डिजाईन, ईस्टिमेट, टेन्डर, मूल्याङ्कन सम्पन्न भई सम्झौता अनुरूप कार्य अघी बढेको।<br>चन्द्रगढीमा रनवे ट्याक्सीवे एप्रोनको निर्माण (overlay) कार्य सम्पन्न भएको।<br>महेन्द्रनगर, जोमसोम, दार्चुला, रारा एयरपोर्टको डिजाईन, ड्रईङ, लागत अनुमान, टेन्डर प्रकृया सम्पन्न भई मूल्यांकन प्रक्रिया अन्तर्गत चरणमा | बाह्रै महिना संचालन हुने विमानस्थलको संख्या - ४० | दार्चुला गोकुलेश्वर विमानस्थल सुदृढीकरण, जोगीदह विमानस्थल निर्माण, तेह्रथुमको चुहानडाडाँमा जग्गा अधिग्रहण तथा विमानस्थल निर्माण, डोटी, नेपालगंज, जुम्ला, ताप्लेजुङ, रामेछाप सुर्खेत, जग्गा अधिग्रहण कार्य, दाङ्ग (नारायणपुर) विमानस्थलमा विस्तृत विमानस्थल सम्भाव्यता अध्ययन, बैतडी पाटन विमानस्थलमा नयाँ टर्मिनल टावर भवन निर्माण, नेपालगन्ज विमानस्थलमा नयाँ टर्मिनल टावर भवन निर्माण, बिराटनगर विमानस्थलमा नयाँ टर्मिनल भवन निर्मा, जोमसोम विमानस्थलमा नदी नियन्त्रण तथा विमानस्थल सुदृढीकरण, महेन्द्रनगर विमानस्थल सुदृढीकरण, कालिकोट विमानस्थलमा धावनमार्ग, ट्याक्सिवे, एप्रोन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | रहेको।<br>भरतपुर एयरपोर्टमा मास्टर प्लान तयारी पूरा भएको।<br>रामेछाप र बैतडी टर्मिनल भवनको डिजाईन, रेखाचित्र र अनुमानित लागत तयार भएको।<br>बिराटनगर विमानस्थलमा र नेपालगन्ज विमानस्थलमा नयां टर्मिनल टावर भवन निर्माणको ठेक्का हुने क्रममा रहेको। | | कालोपत्रे तथा ड्रेनेज निर्माण, कालिकोट विमानस्थलमा टर्मिनल टावर भवन निर्माण, हुम्ला (सिमिकोट) विमानस्थलमा एप्रोन तथा हेलीप्याड निर्माण तथा विमानस्थल विस्तार, रारा (मुगु) विमानस्थलमा एप्रोन तथा धावनमार्गको पूर्वपट्टी पहिरो नियन्त्रण कार्य आदि गर्ने। |
| ५०१२५१०२ | हवाई क्षमता अभिवृद्धि आयोजना | आन्तरिक टर्मिनल भवनको ९६ प्रतिशत र अन्तर्राष्ट्रिय टर्मिनल भवनको रिनोभेसन कार्य ७५ प्रतिशत सम्पन्न भएको।<br>Canopy निर्माण कार्य ४३ प्रतिशत सम्पन्न भएको।<br>अन्तर्राष्ट्रिय एप्रोन क्षेत्र विस्तारसम्बन्धी सर्भे, डिमार्केसन, डिजाईन रिभ्यू तथा सर्फेस तयारको कार्य सम्पन्न भई निर्माण समाग्रीको ढुवानी कार्य शुरु भइसकेको र रुख कटान कार्य शुरु भएको।<br>दक्षिणतर्फ प्यारेलल टेक्सी-वे विस्तार कार्यको लागि विड डक्यूमेटको मूल्यांकन कार्य जारी रहेको। | त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल लगायतका विमानस्थलहरुको सुधार तथा स्तरोन्नति। | International Apron, Parallel Taxiway and associated works को विस्तार गर्ने।<br>पूर्वाधार विकास गर्ने।<br>त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल लगायतका विमानस्थलहरुको सुधार तथा स्तरोन्नति गर्ने।<br>घरजग्गा अधिग्रहण गर्ने। |
| ५०१२५१०४ | पोखरा क्षेत्रीय अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल | Runway, Taxiway, Aprons, Isolated Parking निर्माण सम्पन्न।<br>Terminal Building & other ancillary's buildings हरुको Structural कार्य सम्पन्न भै Finishing कार्य भैरहेको।<br>Access Road, Terminal Roads तथा Vehicle Parking सम्पन्न। | अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल (4D स्तर) निमार्ण भई संचालन भएको हुने। | पोखरा क्षेत्रीय अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निर्माण कार्यको आ.व. ७८/७९ को पौष सम्ममा फिनिसिङ सहित समस्टिगत १००% भौतिक प्रगति हाशिल गरी विमानस्थल सञ्चालनमा ल्याउने।<br>थप जग्गा अधिग्रहण कार्य सम्पन्न गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | Airport Drainage System तथा Irrigation Canal Diversion कार्य सम्पन्न।<br>थप जग्गा अधिग्रहण कार्य सम्पन्न हुन लागेको। | | |
| ५०१२५१०३ | दक्षिण एसिया पर्यटन पूर्वाधार विकास आयोजना | धावन मार्ग, ट्याक्सी वे एवं जहाज पार्किङ्ग क्षेत्र<br>(एप्रोन): निर्माण एवं marking कार्य सम्पन्न,<br>light जडान कार्य अन्तिम चरणमा रहेको।<br>अन्तर्राट्रिय टर्मिनल भवन: फिनिसिङ्ग एवं उपकरण जडानको काममा उल्लेख्य प्रगति करिव ९०% सम्पन्न भएको।<br>प्रशासकीय भवन एवं कन्ट्रोल टावर : निर्माण सम्पन्न भएको।<br>ITB Building देखि प्रशासनिक भवन, सेक्युरिटी भवनसम्म कार पार्किङ्गको क्षेत्र निर्माण सम्पन्न भएको।<br>पेरिमिटर रोड, आवश्यक ड्रेनेज, फेन्सिङ्ग, फायर विल्डिङ्ग, पानी ट्याङ्की, निर्माण कार्य सम्पन्न भएको। | वार्षिक ७६ लाख यात्रुलाई सेवा प्रदान गर्ने क्षमता भएको अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल (4E स्तर) स्तरोन्नति भई संचालनमा आउने। | गौतम वुद्ध अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निर्माणको काम सम्पन्न गरी विमानस्थललाई संचालनमा ल्याउने। |
| ५०१२५१०५ | दोस्रो अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निजगढ | आयोजनाको मूख्य कामहरु सुरु नभएको। प्रारम्भिक चरणको पूर्वाधार निर्माणको कार्य भइरहेको।<br>क) नदी नियन्त्रण कार्य जारी,<br>ख) मुआब्जा वितरण कार्य जारी,<br>ग)Preparation of Updated Airport Master Plan जारी, | वहुवर्षीय ठेक्का स्वीकृत भई काम अगाडि वढ्ने। | टाँगिया वस्ती व्यवस्थापन गर्ने।<br>Site Clearance गर्ने कार्यको लागि रुखको विवरण संकलन गरी टाँचा लगाउने कार्य।<br>नदी नियन्त्रण कार्य।<br>वहुवर्षीय आयोजना घोषणा गरी श्रोत सुनिश्चितता गर्न र मोडालिटी तोक्ने।<br>Updated Master Plan तयार गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | घ) EIA स्वीकृत,<br>ङ) रुख कटानको लागि रुख विरुवाको विवरण संकलन तथा टाँचा लगाउने कार्य भईरहेको। | | |
| ५०१२५९०१ | सासेक, हवाई यातायात क्षमता अभिबृद्धि आयोजना | | | पूर्वाधार विकास गर्ने।<br>विमानस्थलहरुको निरन्तर सुधार/ स्तरोन्नति गरी सुरक्षित सेवा प्रवाह गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

कोभिड १९ बाट पर्यटन क्षेत्रमा परेको प्रतिकुल असरबाट पर्यटन क्षेत्रको पुनरुत्थान गर्न तथा पर्यटन क्षेत्रका कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण गरी उपरोक्त अनुसारको कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि उपयुक्त वातावरणको निर्माण हुनेछ एवम् आवश्यक वित्तीय तथा मानवीय श्रोत र विकासमैत्री वातावरण कायम रहनेछ भन्ने अनुमान गरिएको छ। उक्त स्थिति नरहेमा वा कायम हुन नसकेमा तथा सरोकारवाला निकायहरूको समन्वयात्मक प्रयास हुन नसकेमा यस क्षेत्रको लक्षित उद्देश्य हासिल नहुने जोखिम रहन्छ।

# परिच्छेद ६

# सामाजिक क्षेत्र

## ६.१ शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि

### १.पृष्ठभूमि

आधारभूत शिक्षा अनिवार्य तथा निःशुल्क हुने र माध्यमिक शिक्षा निःशुल्क हुने व्यवस्था उल्लेख गरी नेपालको संविधानमा नागरिकको मौलिक हकको सूची अन्तर्गत शिक्षा सम्बन्धी हकलाई समावेश गरिएको छ। राज्यका निर्देशक सिद्धान्त तथा नीतिहरूमा शिक्षालाई नागरिकका आधारभूत आवश्यकताको रूपमा वर्गीकरण गरी सबै नागरिकलाई शिक्षाको अवसर उपलब्ध गराउनु राज्यको दायित्व रहेको विषय प्रष्ट पारिएको छ। नेपाललाई अल्प विकसित राष्ट्रहरूको सूचीबाट स्तरोन्नति गरी विकासोन्मुख राष्ट्रको सूचीमा समावेश गराउन एवम् दिगो विकासका लक्ष्य अनुरूप समावेशी र समन्यायमा आधारित मुलुक बनाउनका लागि गुणस्तरीय शिक्षामा बालबालिकाको सहभागिता वृद्धि हुनु आवश्यक हुन्छ। सबै बालबालिकाका लागि गुणस्तरयुक्त आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गर्न तथा माध्यमिक शिक्षाको पहुँच तथा गुणस्तर अभिवृद्धि, प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक सीप विकासमा समावेशी र समतामूलक पहुँच विस्तार एवम् वैज्ञानिक, नवप्रवर्तनात्मक, अनुसन्धानात्मक र प्रविधिमैत्री रोजगारमूलक गुणस्तरीय उच्च शिक्षाका लागि यस क्षेत्रमा संघ, प्रदेश र स्थानीय तहबाट लगानी हुने गरेको छ। समग्र शिक्षा प्रणालीमा सुधारका लागि निरन्तर रूपमा भएका प्रयासबाट शिक्षामा समतामूलक पहुँचको अभिवृद्धि भएको, विद्यार्थी भर्ना तथा टिकाउ दरमा वृद्धि भएको, विद्यालयमा छात्रछात्राको सहभागिता दर समरूपमा पुगेको,शिक्षण सिकाइमा आधुनिक प्रविधिको प्रयोग हुँदै गएको, शिक्षकलाई समयानुकूल तालिमको अवसर प्राप्त भएको, प्राकृतिक प्रकोपको प्रभाव न्यूनीकरणमा सहयोग पुग्ने गरी विद्यालयको भौतिक सुविधा विस्तार हुँदै गएको, साक्षर घोषणा हुने जिल्ला बढ्दै गएको नतिजा सूचकबाट देखिएकोले शिक्षा क्षेत्रमा क्रमिक रूपमा सुधार भएको देखिन्छ। मुलुकको विकास, समृद्धि तथा सुशासनका लागि विज्ञान र प्रविधिको क्षेत्रको समुचित विकास र उपयोग आजको आवश्यकता भएकोले यस क्षेत्रको विकासका लागि नीतिगत, कानुनी, संरचनागत तथा कार्यक्रमिक सुधारका प्रयत्नहरू गरिंदै आएको छ।

### २.समस्या तथा चुनौती

गुणस्तरीय शिक्षामा सबै बालबालिकाको पहुँच र सहभागिताको सुनिश्चितता सहित सिकाइमा निरन्तरता कायम गर्दै लक्षित सिकाइ उपलब्धि हासिल हुन नसक्नु;देशको समग्र विकासमा टेवा पुऱ्याउने गरी विज्ञान र प्रविधिको विकास र उपयोगलाई तीव्र बनाउन नसक्नु; तहगत, एवम् विषयगत रूपमा सबै विद्यालयमा शिक्षक व्यवस्थापन गर्न नसक्नु, प्राविधिक शिक्षालाई रोजगार उन्मुख र बजारको आवश्यकता अनुकुल विकास गर्न नसक्नु; प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र सीप विकास एवम् शिक्षा सम्बन्धी अधिकार कार्यान्वयन गर्नका लागि पर्याप्त स्रोतको व्यवस्थापन गर्न नसक्नु, विश्वविद्यालय शिक्षालाई अनुसन्धानमा आधारित बनाई ज्ञानमा आधारित अर्थतन्त्रमा टेवा पुऱ्याउन सक्ने जनशक्ति उत्पादनको केन्द्र बनाउन नसक्नु, शिक्षा प्रणालीको कुशलता अपेक्षित स्तरमा पुर्याउन नसक्नु, उत्पादित जनशक्तिले योग्यता अनुसारको रोजगारी प्राप्त गर्न नसक्नु, पठन संस्कृतिको विकास तथा जीवनपर्यन्त सिकाइ लागि सामुदायिक सिकाइ केन्द्रसँग आबद्ध गरी सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणालीको विकास नहुनु, शिक्षा क्षेत्रका सबै तहमा सुशासनको प्रत्याभूति अपेक्षित रूपमा गर्न नसक्नु, सार्वजनिक र निजी लगानीका शैक्षिक संस्थाको उचित व्यवस्थापन गर्न नसक्नु, प्रतिभाको पलायन नियन्त्रण गर्न नसक्नु, समय समयमा हुने प्राकृतिक प्रकोपजन्य घटना तथा महामारीबाट

उत्पन्न हुने शैक्षिक क्षति परिपूरणका लागि वैकल्पिक सेवा प्रवाह गर्ने भरपर्दो प्रणाली व्यवस्था भइ नसक्नु जस्ता समस्याहरू यस क्षेत्रमा विद्यमान छन्।

मुलुकको समग्र विकासको लागि देशभित्र र बाहिर छरिएर रहेका युवा जनशक्ति र प्रतिभाहरूको ज्ञानसीप ,अनुभव र क्षमतालाई उपयोग हुने वातावरण निर्माण गर्न नसक्नु, अन्तर सरकार/अन्तर निकाय बीच प्रभावकारी समन्वय, सहकार्य र साझेदारीका लागि सुस्पष्ट नीतिगत, कानुनी, संरचना र कार्यगत व्यवस्थाको कमी हुनु,विज्ञान र प्रविधिको समुचित विकास र उपयोगका लागि यस क्षेत्रमा राज्यको लगानी सीमित हुनु, दक्ष जनशक्ति उत्पादन तथा परिचालन गर्ने दिगो र प्रभावकारी रणनीति तयार गर्न नसक्नु, क्षमतावान युवा जनशक्तिलाई स्वदेशमा टिकाइ राख्ने वातावरण तयार गर्न नसक्नु, विज्ञान तथा प्रविधिको प्रतिफल आम नागरिक समक्ष पुऱ्याउन प्रभावकारी संयन्त्रहरूको विकास गर्न नसक्नु, विज्ञान र प्रविधिको क्षेत्रमा विभिन्न नियकाहरूबाट गरिने लगानी उपलब्धिमूलक बनाउने प्रयास अपर्याप्त हुनु जस्ता समस्याहरू विज्ञान तथा प्रविधि क्षेत्रमा छन्।

संघीयता कार्यान्वयन भएपश्चात विद्यालय शिक्षाको जिम्मेवारी स्थानीय तहमा रहेको सन्दर्भमा विद्यालय शिक्षाको सर्वसुलभता, समन्यायिकता, गुणस्तरको सुनिश्चितता सहित सार्वजनिक शिक्षा प्रति आम सरोकारवालाको आकर्षण अभिवृद्धि गर्नु, मौलिक हकको रूपमा अनिवार्य र निःशुल्क शिक्षाको कार्यान्वयन गरी गुणात्मक अभिवृद्धि गर्नु प्रमुख चुनौतीको रूपमा रहेको छ। शिक्षक दरबन्दी मिलान पश्चात नपुग भएको विषयगत शिक्षक दरबन्दी व्यवस्थापन गर्नु, शैक्षिक सुशासन र उत्तरदायित्व अभिवृद्धि गर्नु, सबै प्रकारका विद्यालयमा पर्याप्त भौतिक पूर्वाधार सहितको आकर्षक सिकाइ वातावरण सुनिश्चित गर्नु, शिक्षण सिकाइ पद्धतिलाई व्यावहारिक, बालमैत्री एवम् प्रविधिमा आधारित बनाउनु, राष्ट्रप्रेमी, उद्यमशील, समालोचनात्मक र अन्वेषणकारी नागरिक तयार गर्नुलाई चुनौतीको रूपमा लिइएको छ। हालसम्म पनि विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकालाई विद्यालयमा भर्ना गर्नु, कक्षा छाड्ने दर शून्यमा झारी अपेक्षित सिकाइ उपलब्धि हासिल गर्नु पनि चुनौतीपूर्ण रहेको छ। विश्वविद्यालयबाट उत्पादन हुने जनशक्तिलाई अन्तर्राष्ट्रियस्तरमा समकक्षी र प्रतिस्पर्धी बनाउनु, प्राविधिक उच्च शिक्षाको अवसर विस्तार गर्दै ज्ञानमा आधारित अर्थतन्त्र निर्माण गर्ने नवीनतम सोचलाई व्यावहारिक कार्यान्वयन गर्नु तथा शिक्षा क्षेत्रमा सुशासन, उत्तरदायित्व र सहभागिताको अभिवृद्धि गर्नु, क्षमतावान् युवालाई स्वदेशमै सेवा गर्ने अवसरको सिर्जना गर्नु, शैक्षिक प्रशासनको समयसापेक्ष पुनःसंरचना, जनसाङ्ख्यिक बनोट, आन्तरिक र बाह्य बसाइसराइको प्रवृत्ति समेतको अध्ययन गरी शैक्षिक संस्थाहरूको नक्साङ्कन र पुनर्वितरण गर्नु, सूचना तथा सञ्चार प्रविधिले ल्याएका विविध अवसरहरूको सदुपयोग गर्नु, जीवनपर्यन्त शिकाइका लागि पठन संस्कृतिको विकास गर्ने कोभिड-१९ विश्वव्यापी महामारीले शिक्षा क्षेत्रमा गरेका अवरोधहरूको व्यवस्थापन गर्ने कार्य पनि चुनौतीपूर्ण नै छ।

पारमाणविक प्रविधि, सूचना तथा संचार प्रविधि, नानो प्रविधि, जैविक प्रविधि आर्टिफिसियल इन्टिलजेन्स लगायतका उदियमान प्रविधिहरूलाई मानवहितका लागि सदुपयोग गर्न प्रात्साहित गर्नु, प्रदेशहरूमा विज्ञान तथा प्रविधिको सन्तुलित विकास गर्न आवश्यक नीतिगत र संरचनात्मक व्यवस्था गर्ने, विज्ञान शिक्षालाई व्यावहारिक र सर्वसुलभ बनाउने विज्ञान तथा प्रविधि क्षेत्रका बिषयमा काम गर्ने वातावरण तयार गर्ने, देश भित्र रहेका वैज्ञानिक तथा प्राविधिक प्रतिभाहरूको क्षमतालाई सदुपयोग गर्ने अनुसन्धान क्षेत्रलाई पूर्वाधारयुक्त र सवल बनाउने देशभित्र रहेका वैज्ञानिक तथा प्राविधिक प्रतिभाहरूको क्षमतालाई सदुपयोग गर्ने, अनुसन्धान क्षेत्रलाई पूर्वाधारयुक्त र सवल बनाउने, अनुसन्धान पश्चात विकसित प्रविधिलाई उद्योग र उद्यमशीलताको विकासमा उपयोग गर्ने ,विज्ञान तथा प्रविधि क्षेत्रका विशेष चुनौतीहरू हुन्।

## ३.सोच

- सामाजिक आर्थिक रूपान्तरणका लागि मानव संसाधनको विकास (शिक्षा)।
- समाजसँग विज्ञान र उत्पादनसँग प्रविधि तथा नवप्रर्वतन (विज्ञान तथा प्रविधि)।

## ४. उद्देश्य

### अ. शिक्षा

१. सबै बालबालिकालाई प्रारम्भिक बालशिक्षाको अनुभवसहित आधारभूत शिक्षा अनिवार्य तथा निःशुल्क र माध्यमिक शिक्षामा निःशुल्क पहुँच सुनिश्चित गरी शिक्षालाई गुणस्तरीय, जीवनोपयोगी र प्रविधिमैत्री बनाउनु।

२. प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक सिप विकासमा समावेशी र समतामूलक पहुँच विस्तार र गुणस्तर सुनिश्चत गर्नु।

३. पहुँच र गुणस्तर अभिवृद्धि गरी उच्च शिक्षालाई वैज्ञानिक, नवप्रवर्तनात्मक, अनुसन्धानात्मक, प्रविधिमैत्री, रोजगारमूलक बनाउदै ज्ञानमा आधारित समाज र अर्थतन्त्र निर्माण गर्नु।

४. सबै नागरिकका लागि जीवन पर्यन्त शिक्षाको अवसर सुनिश्चित गर्नु।

५. संघीय संरचना अनुरूप सबै तहका शैक्षिक-प्रशासनिक निकाय र शिक्षण संस्थामा सुशासन कायम गर्नु।

### आ. विज्ञान तथा प्रविधि

१. जनताको गुणस्तरीय जीवन प्राप्ति र विज्ञानमा आधारित सोच निर्माण र विश्लेषण गर्न विज्ञान तथा प्रविधिको अधिकतम उपयोग गर्नु।

२. विज्ञान शिक्षालाई व्यावहारिक बनाउँदै नवीनतम् विज्ञानको उन्नयन र उदीयमान प्रविधिहरूको अंगीकार गर्दै तिनलाई आधारभूत सेवा प्रवाहमा उपयोग गर्नु।

३. उत्पादन वृद्धि तथा औद्योगिक विकासका लागि प्रकृति प्रदत्त स्रोत एबं परम्परागत प्रविधि तथा नव-प्रबर्तनको उपयोग एबं विकास गर्नु।

## ५.रणनीति

### अ.शिक्षा

१. प्रारम्भिक बाल विकास तथा शिक्षा कार्यक्रमलाई विद्यालय शिक्षाको अभिन्न अङ्गको रूपमा विकास गरी यसलाई सबै बालबालिकाका लागि अनिवार्य गर्ने।

२. अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षाको मापदण्डको आधारमा विद्यालय शिक्षामा समतामूलक पहुँच सुनिश्चित गर्न सरकारका सबै तहलाई क्षमतावान र जवाफदेही बनाउने।

३. विद्यालय शिक्षामा गुणस्तर मापदण्ड र प्रत्यायन प्रणाली (Accreditation System) विकास गरी विद्यालयमा समान गुणस्तर कायम गर्ने।

४. मानव संसाधन, पूर्वाधार तथा प्रविधिको विकास र जीवनोपयोगी ज्ञान र सीपमा आधारित पाठ्यक्रम मार्फत् सबै तहको शिक्षामा गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने।

५. निजी लगानीका विद्यालयको प्रभावकारी नियमन गर्ने व्यवस्था मिलाई नाफामूलकबाट सेवामूलकमा रूपान्तरण गर्ने।

६. युवाका लागि स्थानीय तहमै प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक सीप विकासको अवसर र पहुँच सुनिश्चित गर्न व्यापक रूपमा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र तालिम कार्यक्रमको विस्तार गर्ने।

७. सिकाइका सबै विधि र मार्गहरू खुला गर्दै राष्ट्रिय योग्यता प्रणाली (National Qualifications System) को माध्यमबाट साधारण शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक सीप विकासको गतिशीलता (Mobility) र पारगम्यता (Permeability) को सिद्धान्तको आधारमा शिक्षा, तालिम, सीप र सिकाइको योग्यता निर्धारण गर्ने।

८. उच्च स्तरको प्राविधिक जनशक्ति उत्पादन गर्न उच्च शिक्षा प्रदायक शिक्षण संस्थालाई प्रतिस्पर्धी एवम् नतिजामुखी बनाउने।

९. शिक्षण पेसामा दक्ष जनशक्ति उत्पादनका लागि विश्वविद्यालय अन्तर्गतका संकायहरू तथा शिक्षण तालिम प्रदायक संस्थाको पुनर्संरचना गर्ने।

१०. ज्ञानमा आधारित अर्थतन्त्रमा टेवा पुऱ्याउन सक्ने जनशक्ति उत्पादन गर्न तथा रोजगार प्रवर्द्धन गर्न नवीनतम खोज र अनुसन्धानमा आधारित उच्च शिक्षाको विकास गर्न नतिजामा आधारित लगानी पद्धति विकास गर्ने।

११. ज्ञानको स्थानान्तरण र विकासका लागि उच्च शिक्षा प्रदायक विश्वविद्यालय तथा शिक्षण संस्थाहरूलाई प्रविधियुक्त सिकाइ केन्द्रको रूपमा विकास गर्दै गुणस्तर सुनिश्चितता एवम् प्रत्यायन प्रणाली (Quality Assurance and Accreditation System) लाई सुदृढ, सबल एवम् अनिवार्य बनाउने।

१२. अनौपचारिक शिक्षा तथा वैकल्पिक सिकाइ मार्फत् सिकेका ज्ञान तथा सीपलाई आयमूलक कार्यक्रमसँग आबद्ध गरी जीवन पर्यन्त सिकाइलाई सुनिश्चित गर्ने।

१३. परम्परागत र स्थानीय ज्ञान, सीप र प्रविधिको सम्वर्द्धन र संरक्षण गर्दै वैज्ञानिक खोज र अनुसन्धानबाट प्रतिपादित नवीनतम प्रविधिलाई मुलुकको समग्र विकास प्रक्रियामा उपयोग गर्ने।

१४. संरचना तथा कानुनी आधार तयार गरी सुशासन, पारदर्शिता र जवाफदेहीता कायम गर्न शिक्षा र विज्ञान तथा प्रविधि सम्वद्ध सबै तह र निकायलाई तोकिएको कार्य सम्पादन र उपलव्धि प्रति जिम्मेवार बनाउने।

**आ. विज्ञान तथा प्रविधि**

१. समाजमा वैज्ञानिक चेतनाको अभिवृद्धि गर्दै विज्ञानसम्मत विश्लेषण गर्ने संस्कारको विकास गर्ने।

२. विज्ञान तथा प्रविधिका लाभ तथा उपलब्धिहरूलाई आम जनमानसमा पुर्याई गुणस्तरीय जीवन हासिल गर्न सघाउने।

३. उदीयमान प्रविधिहरूको प्रयोगलाई प्रोत्साहन र प्रवर्द्धन गर्दै नवप्रवर्तनलाई दिगो विकासका लक्ष्यहरूसँग तादात्म्यता कायम गर्ने।

४. देशमा उपलब्ध प्राकृतिक स्रोतहरूको प्रयोग र अधिमूल्यनका लागि आवश्यक पूर्वाधार तथा प्राविधिक जनशक्ति तयार गर्ने।

५. युवा पिंढीलाई वैज्ञानिक ज्ञान र प्राविधिक सीप हासिलमा प्रतिष्पर्धी बन्न उत्प्रेरणा दिदै श्रोतहरूको अधिकतम उपयोग र अनुसन्धानलाई परिणाममुखी बनाउन संस्थागत समन्वय कायम गर्ने।

६. प्राज्ञिक क्षेत्रमा हुने अनुसन्धानलाई औद्योगिक उत्पादनसँग संयोजन गर्ने तथा औद्योगिक उत्पादन वृद्धिका लागि अनुसन्धान तथा विकासमा लगानी बढाउदै वैज्ञानिक तथा प्राविधिक जनशक्तिमा उद्यमशीलताको विकास गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| साक्षरता दर (५ वर्ष माथि) | प्रतिशत | ७८ | ८५ | ८८ | ९४ | ९६ |
| साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि) | प्रतिशत | ५८ | ६२ | ८५ | ९५ | ९५ |
| युवा साक्षरता दर (१५-२४ वर्ष) | प्रतिशत | ९२ | ९२ | ९४ | ९८ | ९९ |
| प्रारम्भिक बाल शिक्षा तथा विकास/पूर्व प्राथमिक शिक्षामा कूल भर्ना दर | प्रतिशत | ८६.२ | ८७.६ | ८९.५ | ९४ | १०० |
| प्रारम्भिक बाल शिक्षा तथा विकास/पूर्व प्राथमिक शिक्षामा अनुभव भएका कक्षा १ मा नवप्रवेशीको प्रतिशत | प्रतिशत | ६८.६ | ७०.२ | ७३ | ८० | ८५ |
| खुद भर्नादर | | | | | | |
| आधारभूत तह (कक्षा१-८) | प्रतिशत | ९३.४ | ९४.७ | ९९ | ९९ | ९९ |
| माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) | प्रतिशत | ४७.६ | ५१.२ | ५७ | ६० | ६५ |
| उच्च शिक्षाको कुल भर्ना दर | प्रतिशत | १४.४ | १५.५ | १८ | २० | २२ |
| लैङ्गिक समता सूचकाङ्क (विद्यालय शिक्षाको खुद भर्ना दरमा) | | | | | | |
| आधारभूत शिक्षा (कक्षा१-८) | अनुपात | ०.९८ | ०.९९ | १ | १ | १ |
| माध्यमिक शिक्षा (कक्षा ९-१२) | अनुपात | १.१ | १.०१ | १ | १ | १ |
| उच्च शिक्षाको कुल भर्नादरमा लैङ्गिक समता सूचकाङ्क | अनुपात | १.११ | १ | १ | १ | १ |
| टिकाउ दर | | | | | | |
| आधारभूत तह (कक्षा१-८) | प्रतिशत | ७९.३ | ८२.२ | ८४ | ८५ | ८६ |
| माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) | प्रतिशत | २४ | २९.२ | ३० | ३१ | ३२ |
| विद्यालय छाड्ने दर | | | | | | |
| आधारभूत तह (कक्षा१-८) | प्रतिशत | ३.४ | २.९ | २.५ | १.५ | १.० |
| माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) | प्रतिशत | २.१ | १.८ | १.५ | १.० | ०.५ |
| गुणस्तर सुनिश्चितता तथा प्रत्यायन प्राप्त क्याम्पसहरूको संख्या | संख्या | ३० | ६० | ९५ | १६० | २१० |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| कक्षा ८ को निम्ति सिकाई उपलब्धी (औसत) | | | | | | |
| (क) गणित | प्रतिशत | ४२ | ५५ | ५७ | ६० | ६३ |
| (ख) नेपाली | प्रतिशत | ५१ | ५७ | ६० | ६२ | ६६ |
| (ग) अङ्ग्रेजी | प्रतिशत | ४८ | ५५ | ५७ | ६० | ६३ |
| (घ) विज्ञान | प्रतिशत | ५२ | ५५ | ५८ | ६० | ६३ |
| काम गर्ने उमेर समूहका प्राविधिक र व्यावसायिक क्षेत्रमा तालिम प्राप्त जनसंख्या | प्रतिशत | ३५ | ३८ | ४२ | ४५ | ५० |
| प्रति विद्यार्थी सरकारी खर्च | | | | | | |
| आधारभूत तह (कक्षा१-८) | रु. हजार | १५ | १८ | २१ | २४ | २४ |
| माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) | रु. हजार | ९ | ११ | १३ | १५ | १७ |
| शिक्षक विद्यार्थी अनुपात | | | | | | |
| आधारभूत तह (कक्षा१-८) | अनुपात | १:३२ | १:३१ | १:३० | १:३० | १:३० |
| माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) | अनुपात | १:३९ | १:४८ | १:३२ | १:३० | १:३० |
| पेशागत तालिम प्राप्त शिक्षक | | | | | | |
| आधारभूत तह (कक्षा१-८) | प्रतिशत | ८१ | ८६ | ९१ | ९७ | ९९ |
| माध्यमिक तह (कक्षा ९-१२) | प्रतिशत | ८१ | ८६ | ९१ | ९७ | ९९ |
| माध्यमिक तहमा छात्रवृत्ति पाउने विद्यार्थी (९१-२) | प्रतिशत | २० | १२ | २४ | २५ | २५ |
| स्वच्छ पानी तथा सरसफाई सुविधा सहित शौचालय निर्माण भएका विद्यालय | प्रतिशत | ६५ | ८५ | ९० | ८५ | ९२ |
| इन्टरनेट सुविधा पुगेको विद्यालय | प्रतिशत | ४० | ४१ | ७० | ८० | ९५ |
| माध्यमिक शिक्षामा प्राविधिक विषयको अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको अनुपात | प्रतिशत | १५ | १६ | १७ | २२ | ३० |
| उच्च शिक्षामा प्राविधिक विषयको अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको अनुपात | प्रतिशत | २३ | २५ | २७ | ३१ | ३३ |
| विज्ञान अध्ययन केन्द्र स्थापना (वार्षिक) | संख्या | १ | १ | २ | १ | ३ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| विषय क्षेत्रगत वैज्ञानिक अध्ययन/अनुसन्धान | संख्या | १०५० | १०२७ | १२०० | १२५० | १४०० |
| डिएनए डाटाबेस | संख्या | ९४० | ९६५ | १००० | १०२५ | १०५० |
| अनुसन्धान वृत्ति उपलब्धता | संख्या | ११० | १२० | १३५ | १५० | १७० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ५८२,६७७ | ५७८,८३७ | ३,८४० | - | ४४४,५०९ | २९,६१८ | १०८,५५० |
| २०७९/८० | ६९०,२२० | ६८५,६४५ | ४,५७५ | - | ५०८,९०७ | ५४,६९३ | १२६,६२० |
| २०८०/८१ | ७४२,३५० | ७३७,७१४ | ४,६३६ | - | ५५०,८९४ | ३९,९३९ | १५१,५१७ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३५०००००११ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय | १,२ र ६ | शिक्षामा पहुँच विस्तार<br>गुणस्तरीय, जीवनोपयोगी, सीपमूलक, रोजगारमुखी एवम् समसामयिक, समावेशी र समतामूलक शिक्षा<br>समग्र शिक्षा प्रणालीको दक्षता, प्रभावकारिता र जवाफदेहिता अभिवृद्धि<br>वैज्ञानिक अनुसन्धान, अन्वेषण र विकास सम्बन्धी पूर्वाधार र क्षमता विकास<br>उच्च क्षमतायुक्त प्राविधिक युवा जनशक्तिको विकास र उपयोग<br>गुणस्तरीय, नवप्रवर्तनात्मक र उद्यमशीलतामा आधारित प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र सीप विकास<br>वैज्ञानिक, प्रवर्तनात्मक, अनुसन्धानमुखी एवम् प्रविधिमैत्री र रोजगारमूलक उच्च शिक्षा<br>विज्ञान तथा प्रविधिमैत्री शिक्षाको माध्यमद्वारा पारमाणविक, अन्तरिक्ष, जैविकलगायतका प्रविधिको विकास, विस्तार र उपयोगमा विविधीकरण तथा क्षमताको अभिवृद्धि<br>शिक्षा र विज्ञान तथा प्रविधिको क्षेत्रमा सरकारको सबै तह र निकायमा सुशासन, जवाफदेहिता र पारदर्शिता | सालबसाली | ७८०२.५९ | सबै तह र विषयको शिक्षामा समान पहुँच विस्तार भएको हुने।<br>सबै तहको शिक्षा गुणस्तरीय, जीवनोपयोगी, सीपमूलक, रोजगारमुखी एवम् समसामयिक, समावेशी र समतामूलक भएको हुने।<br>वैज्ञानिक अनुसन्धान, अन्वेषण र विकास सम्बन्धी पूर्वाधार र क्षमताको विकास भएको हुने।<br>उच्च क्षमतायुक्त प्राविधिक युवा जनशक्ति विकास गरी मुलुकमै उनीहरूको क्षमता उपयोग भएको हुने।<br>बालशिक्षाको अनुभव सहित विद्यालय उमेरका सबै<br>गुणस्तरीय, नवप्रवर्तनात्मक र उद्यमशीलतामा आधारित प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र सीप विकासको सुनिश्चितता भएको हुने।<br>उच्च शिक्षा वैज्ञानिक, प्रवर्तनात्मक, अनुसन्धानमुखी एवम् प्रविधिमैत्री र रोजगारमूलक भएको हुने।<br>विज्ञान तथा प्रविधिमैत्री शिक्षाको माध्यमद्वारा पारमाणविक, अन्तरिक्ष, जैविक लगायतका प्रविधिको विकास, विस्तार र उपयोगमा विविधीकरण तथा क्षमताको अभिवृद्धि भएको हुने।<br>शिक्षा र विज्ञान तथा प्रविधिको क्षेत्रमा सरकारको सबै तह र निकायमा सुशासन, जवाफदेहिता र पारदर्शिता कायम भएको हुने। |
| | राष्ट्रिय विधि विज्ञान प्रयोगशाला | ८ | भौतिक सवुत प्रमाणहरूको पहिचान, संकलन र संरक्षण गरी छरितो र सफल अपराध अनुसन्धान तथा निष्पक्ष न्याय सम्पादनमा सहयोग | | १२६३.५४ | जग्गा तथा प्रयोगशाला भवन र थप वैज्ञानिक उपकरणहरूको व्यवस्था भई अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापना भएको हुने।<br>क्रिमिनालीस्टीक, ब्यालेस्टीक र कम्प्यूटर फोरेन्सीक |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | लगायतका थप सेवा विस्तार भई अपराध अनुसन्धान तथा न्याय निरूपण प्रक्रियामा विधिविज्ञान सेवाको उपयोगमा थप अभिवृद्धि भएको हुने।<br>प्रदेश स्तरबाटै विधिविज्ञान सेवा प्राप्त भई अपराध अनुसन्धान प्रक्रिया छरितो भएको हुने।<br>विधि विज्ञान प्रयोगशालाहरूमा कार्यरत जनशक्तिले भौतिक प्रमाण पहिचान,संकलन र संरक्षण तथा वैज्ञानिक परीक्षण र विश्लेसणमा दक्षता हासिल गरेका हुने। |
| | वि.पि.कोइराला मेमोरियल प्लाटोनियम अब्जरभेटरी र विज्ञान संग्रहालय | १,३ | अन्तरिक्ष विज्ञान तथा प्रविधिमा भएका ज्ञान एवम् प्रविधि आत्मसाथ गर्दै अन्तरिक्ष तथा आकाशीय पिण्डहरूको अध्ययन अनुसन्धान<br>सर्वसाधारण तथा यस क्षेत्रमा कार्यरत व्यक्तिलाई आकाशीय मानचित्र तथा ग्रह,ताराहरू एवम् आकाशीय पिण्डहरूको जानकारी प्रदान<br>गर र सिकको सिद्धान्त अनुरूप विज्ञान क्षेत्रमा गुणस्तरीय जनशक्ति तयार | सालबसाली | ३८० | अन्तरिक्ष विज्ञान तथा प्रविधिको शान्तिपूर्ण अन्वेषण एवम् उपयोगका लागि पूर्वाधार विकास र उपयोग भएको हुने।<br>जनमानसमा वैज्ञानिक चेतना तथा संस्कारको प्रादुर्भाव भएको हुने।<br>अनौपचारिक शिक्षाको माध्यमबाट विद्यार्थीहरूमा विज्ञान प्रति अभिरूचि जगाई विज्ञानको क्षेत्रमा अध्ययन अनुसन्धान भएको हुने।<br>गर र सिकको सिद्धान्त अनुरूप विज्ञान सङ्ग्रहालय मार्फत विज्ञानका कठीन सिद्धान्त तथा समीकरणहरू विद्यार्थीहरूलाई सिकाउन सहयोग पुगेको हुने। |
| ३५००००१२ | पुस्तकालयहरू- (डिल्लीरमण, केशर, राष्ट्रिय) | १,२ | संकलित एवम् उपलब्ध पुस्तकहरूको सुरक्षात्मक प्रबन्धन<br>दैनिक, साप्ताहिक तथा मासिक पत्रपत्रिकाहरू संग्रह तथा व्यवस्थापन<br>सर्वसाधारणको निमित्त पुस्तकालय सेवा<br>अन्य सार्वजनिक एवम् राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय पुस्तकालयहरूसँग सम्बन्ध एवम् समन्वय कायम | सालबसाली | १३१८.२४ | संकलित एवम् उपलब्ध पुस्तकहरूको सुरक्षात्मक प्रबन्ध भएको हुने।<br>दैनिक, साप्ताहिक तथा मासिक पत्रपत्रिकाहरू संग्रहित तथा व्यवस्थित भएका हुने।<br>सर्वसाधारणको निमित्त पुस्तकालय तथा आधुनिक व्यवस्थापन पद्धति अवलम्बन भएको हुने।<br>अन्य सार्वजनिक एवम् राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय पुस्तकालयहरूसँग सम्बन्ध एवम् समन्वय कायम भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३५०००१०१ | शिक्षाका लागि खाद्य कार्यक्रम प्राथमिक) शिक्षा पौष्टिक आहार( | २, ६ | विद्यार्थी भर्नादर तथा दैनिक हाजिरी प्रतिशतमा वृद्धि<br>कक्षा छाड्ने दरमा कमी<br>विद्यार्थीहरूको अध्ययन क्षमता अभिवृद्धि<br>विद्यार्थीहरूको पोषण एवम् स्वास्थ्य स्थितिमा सुधार | सन् २०१९-२०२३ | ५६५४.०१ | कर्णाली र सुदुर पश्चिम प्रदेशका ६ जिल्लामा आधारभूत तहका विद्यालयका बालबालिकालाई दिवा खाजा कार्यक्रमवाट विद्यार्थी भर्ना र टिकाउमा सहयोग पुगेको हुने। |
| ३५०००१०२ | सवैका लागि शिक्षा शिशु विकास कार्यक्रम | १, २ | सीमान्तकृत समूहका बालबालिकामा बालविकास कार्यक्रमहरूको पहुँच विस्तार<br>विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकाको भर्नामा अभिवृद्धि | | १७५ | सीमान्तकृत समूहका बालबालिकामा बाल विकास कार्यक्रमहरूको पहुँच विस्तार भएको हुने।<br>विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकाको भर्ना अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३५०००१०३ | व्यावसायिक शिक्षा तथा तालिम अभिवृद्धि परियोजना दोस्रो | १, २, ४ | सीपयुक्त तथा रोजगारउन्मुख जनशक्तिको आपूर्ति बढाउन गुणस्तरीय तालिमको पहुँचमा अभिवृद्धि<br>राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय श्रमबजारमा खपत हुन सक्ने उत्पादनशील र सीपयुक्त जनशक्ति उत्पादनमा सहयोग<br>प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा तालिम पद्धतिको सुदृढीकरण | २०७४/७५-२०७८/७९ | ४०५००.९ | व्यावसायिक शिक्षा तथा तालिमको क्षेत्रमा सुधार आएको हुने। |
| ३५०००१०८ | विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रम | २,३ | पहुँच, सहभागिता तथा सिकाइ उपलब्धिका दृष्टिले पछाडि परेका समूहका बीच हुने विभेदलाई न्यून गरी समावेशी र समतामूलक शिक्षा प्रणालीको सुनिश्चितता<br>सिकाइ वातावरण, पाठ्यक्रम, शिक्षण सिकाइ सामग्री, विधि, मूल्याङ्कन एवम् परीक्षाको सान्दर्भिकता तथा गुणस्तरीयतामा सुधार गरी विद्यार्थीको सिकाइ अभिवृद्धि<br>सिकाइ वातावरण तथा शिक्षण सिकाइ पद्धतिका | २०७३/७४-२०७९/८० | १९४९७.१ | विद्यालय शिक्षामा सबै बालबालिकाको सहज पहुँच र सहभागिता सुनिश्चित भएको हुने।<br>विद्यालय शिक्षाको गुणस्तरमा सुधार तथा सान्दर्भिकतामा वृद्धि भएको हुने।<br>विद्यालय शिक्षा समतामूलक र समावेशी भएको हुने।<br>शैक्षिक सुशासन तथा उत्तरदायित्त्व अभिवृद्धि भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | न्यूनतम र सर्वस्वीकार्य मापदण्ड स्थापित गरी सुशासन तथा व्यवस्थापकीय प्रणालीको सुदृढीकरणबाट स्थानीय सरकारप्रति उत्तरदायी विद्यालय प्रणाली स्थापना<br>शिक्षा क्षेत्रको राजनीतिक तथा प्रशासनिक पुनःसंरचना र केन्द्रीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय तह बीच लागत साझेदारीको अवधारणा अनुरूप दिगो र सुदृढ आर्थिक व्यवस्थापन सुनिश्चितता | | | |
| ३५००१०११ | शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्र | २ | विद्यालय शिक्षामा सबैको पहुँच बढाउन र गुणस्तरीय शिक्षाको विकास र विस्तार गर्न स्थानीय तहलाई नै जिम्मेवार र उत्तरदायी वनाई उनीहरूको भूमिकालाई सवलीकरणको लागि समन्वय र सहजीकरण | सालबसाली | १३५४९.३ | स्थानीय तह जिम्मेवार र उत्तरदायी भई उनीहरूको भूमिका सबल भएको हुने।<br>विद्यालय शिक्षामा पहुँच अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३५००२०११ | पाठ्यक्रम विकास केन्द्र | २ | विद्यालय तहका पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक विकास, परिमार्जन तथा अद्यावधिक<br>विद्यालय तहको पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम सम्बद्ध सामग्रीहरूको विकास तथा प्रबोधीकरण<br>विद्यालय शिक्षाको गुणस्तर मानक निर्धारण<br>विद्यार्थी मूल्याङ्कन सम्बन्धी ढाँचा, स्वरूप तथा नमुना निर्धारण र कार्यान्वयन<br>विद्यालय शिक्षा, पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक सम्बन्धी अनुसन्धान | सालबसाली | ६७०.०६ | विद्यालय तहका पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक विकास, परिमार्जन तथा अद्यावधिक भएको हुने एवम् सो सम्बद्ध सामग्री विकास तथा प्रबोधीकरण भएको हुने।<br>विद्यालय शिक्षाको गुणस्तर मानक निर्धारण भएको हुने।<br>विद्यार्थी मूल्याङ्कन सम्बन्धी ढाँचा, स्वरूप तथा नमुना निर्धारण र कार्यान्वयन भएको हुने।<br>प्रदेश र स्थानीय तहमा पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक तथा पाठ्यक्रम सम्बद्ध सामग्री विकासका लागि क्षमता विकास भएको हुने।<br>विद्यालय शिक्षा, पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक सम्बन्धी अनुसन्धान भएको हुने। |
| ३५०२१०१२ | शिक्षक सेवा आयोग | ८ | सामुदायिक विद्यालयमा दरबन्दी अनुसार रिक्त शिक्षक पदको नियुक्ति तथा त्यस्तो पदमा नियुक्त शिक्षकको वढुवाको लागि सिफारिश<br>शिक्षक अध्यापन अनुमति पत्र सम्बन्धी कार्य | सालबसाली | १५३५.९ | सामुदायिक विद्यालयका रिक्त दरबन्दीमा खुला, आन्तरिक तर्फ शिक्षक पदपूर्तिका लागि परीक्षा सञ्चालन तथा नियुक्तिका लागि सिफारिश भएको हुने।<br>शिक्षक अध्यापन अनुमति पत्र सम्बन्धी कार्य भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३५००३०११ | शैक्षिक गुणस्तर परीक्षण | २, ८ | आ.व.धिक रूपमा विद्यार्थीको सिकाइ उपलब्धि परीक्षण गरी शैक्षिक नीति तथा कार्यक्रम तर्जुमाका लागि मन्त्रालय तथा अन्य सम्बद्ध निकायलाई पृष्ठपोषण<br>शैक्षिक निकाय, विद्यालय र बाल विकास केन्द्रहरूको कार्यसम्पादन स्तर परीक्षण गरी गुणस्तर सुधारका निम्ति सम्बद्ध निकायलाई प्रमाणमा आधारित पृष्ठपोषण<br>शिक्षा क्षेत्रका समसामयिक मुद्दाहरूमा अध्ययन अनुसन्धान | सालबसाली | २०५ | शैक्षिक व्यवस्थापन सेवाप्रदायक संस्थाको कार्यसम्पादन परीक्षण गरी सुधारका लागि सुझाव प्रदान गर्ने पद्धति स्थापना भई कार्यान्वयन भएको हुने।<br>गुणस्तरीय शिक्षासँग सम्बन्धित बिषयमा अध्ययन अनुसन्धान गरी शिक्षामा समता र गुणस्तर अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३५००४०११ | विद्यालय शिक्षक किताबखाना | ५, ८ | सार्वजनिक विद्यालयका शिक्षकहरूको अभिलेख व्यवस्थापन<br>सेवा निवृत्त शिक्षकलाई निवृत्तभरण, उपदान लगायतका सेवा, सुविधा वितरण<br>शिक्षकहरूको सम्पत्ति विवरणको अभिलेखीकरण तथा तलवी प्रतिवेदन पारित | सालबसाली | २८८.१० | सार्वजनिक विद्यालयका शिक्षकहरूको सम्पत्ति विवरण, वैयक्तिक विवरण लगायतको अभिलेख व्यवस्थापन भएको हुने।<br>सेवा निवृत्त शिक्षकलाई निवृत्तभरण, उपदान लगायतका सेवा, सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३५००४०१२ | शिक्षक सेवा निवृत्त सुविधा | ५,८ | सेवा निवृत्त शिक्षकहरूको निवृत्तिभरण, सञ्चित विदा, अशक्तवृत्ति र औषधि उपचारको रकम प्रदान<br>सेवा निवृत्ति स्थायी/अस्थायी शिक्षकको उपदान प्रदान | | | सेवा निवृत्त शिक्षकहरूको लागि नेपाल सरकारबाट उपलब्ध हुने सेवा सुविधा सहज रूपमा वितरण भएको हुने। |
| ३५०२१०११ | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग | २,६ | विश्वविद्यालयहरूको सञ्चालन तथा विकासको लागि विभिन्न क्षेत्रबाट प्राप्त अनुदानको रकम समुचित तवरले वितरण तथा विश्वविद्यालयको शैक्षिक स्तर निर्धारण गरी गुणस्तरयुक्त शिक्षा प्रदान गर्न प्रोत्साहन | सालबसाली | १७०१६२ | बहु-विश्वविद्यालयको अवधारणा अनुसार सबै विश्वविद्यालयबाट उत्पादन हुने जनशक्तिलाई अन्तराष्ट्रिय स्तरमा समकक्षी र प्रतिष्पर्धा गर्न सक्ने बनाउने।<br>उच्च शिक्षामा सुशासन, उत्तरदायित्व र सहभागिता अभिवृद्धि भएको हुने।<br>शैक्षिक प्रशासनको समयसापेक्ष पुनःसंरचना, जनसाङ्ख्यिक |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | बनोट, आन्तरिक र बाह्य बसाइँसराइको प्रवृत्ति समेतको अध्ययन गरी शैक्षिक संस्थाहरूको नक्साङ्कन अद्यावधिक भएको हुने। |
| ३५०२११०१ | उच्च शिक्षा सुधार परियोजना | २,६ | उच्च शिक्षामा सहकार्यात्मक तथा नवप्रवर्तनात्मक अनुसन्धान र श्रम बजारमा सान्दर्भिक तथा गुणस्तरयुक्त उच्च शिक्षा प्रवाहमा सुदृढीकरण तथा समतामूलक पहुँचमा विस्तार | जुलाई २०२१ - जुन २०२६ | ६९८५ | उच्च शिक्षामा सहकार्यात्मक तथा नवप्रवर्तनात्मक अनुसन्धान र श्रम बजारमा सान्दर्भिक तथा गुणस्तरयुक्त उच्च शिक्षा प्रवाहमा सुदृढीकरण तथा समतामूलक पहुँचमा विस्तार भएको हुने। |
| ३५०२१०१३ | युनेस्कोका निमित्त नेपाल राष्ट्रिय आयोग | १, ३ | शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमहरूको माध्यमद्वारा नेपाली जनताको आर्थिक, सामाजिक एवम् बौद्धिक विकास<br>शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान, आमसञ्चार तथा सामाजिक क्षेत्रमा अध्ययन अनुसन्धान, तालिम, गोष्ठी, सभा, सम्मेलन<br>नेपालको गौरवमय संस्कृतिको वैभवलाई अन्य राष्ट्रमा प्रचारप्रसार तथा युनेस्कोबाट सञ्चालित कार्यक्रममा सहयोग<br>युनेस्कोको उद्देश्य एवम् कार्यक्रमहरूको प्रचार प्रसार गरी जनतासम्म विस्तार | सालबसाली | १७० | शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमहरूको माध्यमद्वारा नेपाली जनताको आर्थिक, सामाजिक एवम् बौद्धिक विकास हुने।<br>शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान, आमसञ्चार तथा सामाजिक क्षेत्रमा अध्ययन अनुसन्धान, तालिम, गोष्ठी, सभा, सम्मेलन भएको हुने।<br>युनेस्कोको उद्देश्य एवम् कार्यक्रमहरूको प्रचार प्रसार गरी सर्वसाधारण जनता समक्ष पुगेको हुने।<br>अन्तर्राष्ट्रिय एवम् क्षेत्रीय स्तरमा युनेस्कोबाट सञ्चालित कार्यक्रममा सघाउ पुगेको हुने। |
| ३५०३१०११ | राष्ट्रिय परीक्षा बोर्ड | २ | कक्षा १२ को परीक्षा संचालन, व्यवस्थापन र उन्नयन तथा माध्यमिक शिक्षा परीक्षाको नतिजा प्रकाशन, प्रमाणीकरण र अभिलेखीकरण | सालबसाली | ३००० | माध्यमिक शिक्षा अन्तर्गत कक्षा १० र १२ को परीक्षा व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन भई नतिजा प्रकाशन हुने।<br>स्तरीकृत परीक्षा सञ्चालनका लागि Item निर्माण सम्बन्धी तालिम सञ्चालन भएको हुने। |
| ३५०४१०११ | प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम | ६,७ | देशको आर्थिक उन्नतिका लागि योग्य, सक्षम, प्रतिस्पर्धी र उत्पादनशील जनशक्ति उत्पादन<br>रोजगारी क्षमता सिर्जना गर्न प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिमका अवसर विस्तार | सालबसाली | १२८६२.६ | देशको आर्थिक उन्नतिका लागि योग्य, सक्षम, प्रतिस्पर्धी र उत्पादनशील जनशक्ति तयार गर्न र सबैका निम्ति रोजगारी क्षमता सिर्जना गर्न प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिमका अवसर विस्तार भई नागरिकको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | परिषद् | | सार्वजनिक, सहकारी र औद्योगिक तथा निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गरी कार्यस्थलको सिकाइसहित रोजगार सुनिश्चित गर्न औद्योगिक प्रशिक्षार्थी कार्यक्रम (Apprenticeship) विस्तार | | | समावेशी र समतामूलक पहुँच स्थापना भएको हुने। |
| ३५०६१०११ | नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान | १,२ | राष्ट्रको विकासका लागि विज्ञान र प्रविधिको प्रयोग, स्वदेशी प्रविधिको संरक्षण र थप आधुनिकीकरण, विज्ञान र प्रविधिको विकास अनुसन्धान र प्रवर्द्धन र उपयुक्त प्रविधि पहिचान र हस्तान्तरण | सालबसाली | ३६२२.२८ | विज्ञान प्रविधिको विकास, अनुसन्धान एवम् प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ३५०२१०१४ | चिकित्सा शिक्षा आयोग | २,५ | राष्ट्रिय आ.व.श्यकता अनुसार चिकित्सा शिक्षा सम्बन्धी शिक्षण संस्थाको स्थापना, सञ्चालन, एकीकृत नियमन प्रणाली तथा चिकित्सा शिक्षाको एकीकृत प्रवेश परीक्षा सञ्चालन तथा चिकित्सा शिक्षामा राज्यको लगानीमा विस्तार | सालबसाली | ८२०७.९३ | चिकित्सा शिक्षा सम्बन्धी शिक्षण संस्थाको स्थापना र सञ्चालन सम्बन्धी कार्य व्यवस्थित भएको हुने।<br>चिकित्सा शिक्षामा एकीकृत नियमन प्रणाली स्थापना भएको हुने।<br>चिकित्सा शिक्षाको एकीकृत प्रवेश परीक्षा सञ्चालन भएको हुने। |
| ३५००१०१३ | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई | २,८ | शैक्षिक अभिलेख व्यवस्थापन र प्रमाणित प्रतिलिपि वितरण<br>कक्षा १० को एसइइ परीक्षा, शिक्षा सेवा आयोग परीक्षा र कक्षा ११ र १२ को परीक्षा सञ्चालनमा समन्वय<br>जिल्ला भित्रका स्थानीय तहबीच शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन र व्यवस्थापन तथा अभिलेख एवम् प्रतिवेदन सम्बन्धी कार्यमा समन्वय सहजीकरण<br>संघ र प्रदेशहरूका शिक्षा सम्बन्धी कार्य कार्यान्वयनका लागि जिल्ला स्तरमा समन्वय | सालबसाली | ८१६८.९४ | शैक्षिक अभिलेख व्यवस्थापन र प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध भएको हुने।<br>परीक्षा सञ्चालनमा समन्वय कायम भएको हुने।<br>जिल्लाभित्रका स्थानीय तहबीच शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन र व्यवस्थापन तथा अभिलेख एवम् प्रतिवेदन सम्बन्धी कार्यमा समन्वय भएको हुने।<br>संघ र प्रदेश मार्फत दिइने सेवा प्रवाह गर्ने गरी जिल्ला स्तरमा साझा संरचना स्थापना र सञ्चालनले राष्ट्रिय शैक्षिक व्यवस्थापन प्रणाली थप प्रभावकारी भएको हुने। |
| | प्राविधिक विश्वविद्यालय | २,८ | ऐन/ गठन आदेश अनुसार स्थापना भई सरकारको दायित्वमा रहेका प्राविधिक विश्वविद्यालय तथा | | | ऐन/ गठन आदेश अनुसार स्थापना भई सरकारको दायित्वमा रहेका गेटा मेडिकल कलेज, सुर्खेत मेडिकल |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | तथा मेडिकल कजेज पूर्वाधार निर्माण विकास समिति आयोजनाहरू | | मेडिकल कलेजहरूको पूर्वाधारको विकास | | | कलेज, वुटवल मेडिकल कलेज, बर्दिवास मेडिकल कलेज, विदुषी योगमाया आयुर्वेद विश्वविद्यालय, मदन भण्डारी विज्ञान तथा प्रविधि विश्वविद्यालय, मदन भण्डारी प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय स्थापनाका लागि गुरूयोजना निर्माण, डिपिआर निर्माण गरी भौतिक संरचनाको तयारी तथा मेडिकल कलेज तथा विश्वविद्यालय सञ्चालन भएको हुने। |
| ३५०००१०९ | राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यक्रम (रूपान्तरणकारी आयोजना) | २ | सबै तहका सामुदायिक विद्यालय र क्याम्पसको कक्षा कोठा, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, खानेपानी तथा शौचालय लगायत वैकल्पिक सिकाइ विधि अनुकूलका भवन तथा पूर्वाधार निर्माण | २०७८/७९ देखि सालबसाली | १० अर्व | देश सुहाउँदो दक्ष जनशक्ति उत्पादन भई सामाजिक न्याय सहितको आर्थिक-सामाजिक रूपान्तरण गर्न महत्वपूर्ण योगदान पुगेको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३५०००००११ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय | अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा सम्बन्धी नियमावली, २०७७ जारी गरिएको।<br>शैक्षिक वर्ष २०७७ देखि कक्षा ११ को नयाँ पाठ्यक्रम कार्यान्वयनमा आएको।<br>पारमाणिक अनुसन्धान केन्द्रको डिपिआर तयार भएको।<br>बुटबल, बर्दिबास र काठमाडौंमा Science Exhibition/Expo तथा STEAM Challenge आयोजना गरिएको।<br>सार्वजनिक विद्यालयका लागि २,५०० कक्षा कोठा | संघीय शिक्षा ऐन तथा नियमावली तर्जुमा भई कार्यान्वयन भएको हुने।<br>शिक्षा क्षेत्रको १० वर्षे योजना स्वीकृत भई कार्यान्वयन भएको हुने।<br>रेडियोधर्मी पदार्थको सुरक्षित प्रयोग गर्न नियमनकारी निकाय र पारमाणविक अनुसन्धान केन्द्रको स्थापना तथा नियमन सम्बन्धी ऐन, नियम, निर्देशिका, मापदण्ड तथा कार्यविधि तयार भई कार्यान्वयन भएको हुने। | शैक्षिक नीति कार्यान्वयन अवस्था र प्रभावको विश्लेषण तथा प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>विदेशी विश्वविद्यालयको सम्बन्धनमा सञ्चालित शिक्षण संस्थाको अनलाइन डिजिटल प्रोफाइल तयार गर्ने।<br>शिक्षा दिवस तथा अन्तर्राष्ट्रिय साक्षरता दिवसको अवसरमा विभिन्न पदक वितरण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | निर्माण, १ हजार विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण, १ हजार विद्यालयमा पुस्तकालय स्थापना र १ हजार विद्यालयमा सूचना तथा प्रविधि प्रयोगशाला स्थापनाका लागि स्थानीय तहमा वित्तीय हस्तान्तरण भएको।<br>राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यक्रम कार्यान्वयनको लागि ६ हजार ३६ विद्यालयमा परियोजना सञ्चालन हुने गरी स्थानीय तहमा वित्तीय हस्तान्तरण भएको।<br>कोभिडका कारण बालबालिकाको सिकाइमा क्षति हुन नदिन र अवरूद्ध सिकाइमा निरन्तरताको लागि विद्यार्थी सिकाइ सहजीकरण निर्देशिका, २०७७, विद्यालय शिक्षा सम्बन्धी आकस्मिक कार्ययोजना, २०७७, विद्यालय सञ्चालन सम्बन्धी कार्यढाँचा, २०७७, पाठ्यवस्तु समायोजन ढाँचा २०७७ जारी भई कार्यान्वयन गरिएको।<br>प्राविधिक शिक्षालयहरूको संस्थागत पहुँच नपुगेका स्थानीय तह पहिचानको कार्य सम्पन्न भएको।<br>६ सय ३५ स्थानीय तहमा प्राविधिक धारको पठनपाठन सञ्चालन भएको। | उच्चस्तरीय जलवायु, जडिबुटी, पर्यटन तथा जलस्रोत सम्बन्धी अनुसन्धान केन्द्र स्थापना भएको हुने।<br>प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा (TEVT) कोष सञ्चालन भएको हुने।<br>विद्यालय शिक्षा, उच्च शिक्षा र प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा एवम् अनौपचारिक तथा निरन्तर शिक्षामा राष्ट्रिय योग्यता प्रारूप तथा व्यावसायिक योग्यता प्रारूप कार्यान्वयन भएको हुने।<br>दिगो विकास लक्ष्य ४ सम्बन्धी दस्तावेज, सूचक विकास, अध्ययन अनुसन्धान लगायतका कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने।<br>प्रत्येक प्रदेशमा विज्ञान अध्ययन केन्द्र स्थापनाको लागि डिपिआर तयार भएको हुने।<br>शिक्षा क्षेत्रमा विभिन्न विषयमा क्षेत्रगत अध्ययन अनुसन्धान भई क्रमशः उपयोग भएको हुने।<br>तह र प्रदेश सरकारबीच कार्यक्रममा समन्वय, सहकार्य र साझेदारी भएको हुने।<br>राष्ट्रिय शैक्षिक व्यवस्थापन प्रणालीलाई थप प्रभावकारी बनाउन संघ र प्रदेश मार्फत सेवा प्रवाह गर्ने गरी जिल्लामा साझा संरचना स्थापना र सञ्चालन भएको हुने।<br>बालमैत्री, आकर्षक, स्वस्थ, सफा, मनोरञ्जनात्मक, न्यूनतम मापदण्ड अनुसार विद्यालयमा भौतिक पूर्वाधारको सुनिश्चितता गर्न कार्यक्रम सञ्चालन | अन्तर मन्त्रालय एकीकृत TEVT सफ्ट्वेयर विकासको लागि अवधारणापत्र र डिजाइन तयार गर्ने।<br>एकीकृत शैक्षिक पोर्टल तथा शैक्षिक प्रविधिको कार्यविधि तयार गर्ने।<br>कोभिड-१९ को सन्दर्भमा वैकल्पिक विधिवाट शिक्षण सिकाइको निरन्तरता र सिकाइ मूल्यांकनका लागि सहजीकरण गर्ने।<br>विद्यालय शिक्षा, उच्च शिक्षा र प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा अनौपचारिक तथा निरन्तर शिक्षामा राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप कार्यान्वयन गर्ने।<br>दातृ निकायसँगको संयुक्त बैठकहरू (Joint Review Meeting and Budget Review Meeting) सञ्चालन गर्ने।<br>रेडियोधर्मी पदार्थको सुरक्षित प्रयोग गर्न नियमनकारी निकाय तथा पारमाणविक अनुसन्धान केन्द्र स्थापना गर्ने।<br>विज्ञान तथा प्रविधिको क्षेत्रका विभिन्न विधामा सक्रिय रहेका व्यावसायिक संस्थालाई गुणस्तरीय अनुसन्धान पुस्तिका (जर्नल) प्रकाशन र वैज्ञानिक सम्मेलन सञ्चालनका लागि सहयोग गर्ने।<br>उदियमान प्रविधि (Nano Technology, Biotechnology, अन्तरीक्ष विज्ञान) सम्बन्धी |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | भएको हुने। | विश्वविद्यालय तथा अनुसन्धान संस्थासँगको सहकार्यमा उच्च मूल्यका वनस्पतिजन्य वस्तु उत्पादनको लागि प्रविधि विकास गर्ने। |
| | राष्ट्रिय विधि विज्ञान प्रयोगशाला | प्रदेश नं. २ को बर्दिवास तथा सुदुर पश्चिम प्रदेशको धनगढीमा विधि विज्ञान प्रयोगशाला स्थापना भई सञ्चालनमा आएको।<br>राष्ट्रिय विधि विज्ञान प्रयोगशाला सम्बन्धमा व्यवस्था गर्न बनेको विधेयकको मस्यौदा कानून मन्त्रालयमा पुनरावलोकन र परिमार्जनको क्रममा रहेको।<br>अपराध अनुसन्धान सम्बन्धी ४५० केशका १५१२ वटा नमुना परीक्षण गरी प्रहरी, अदालत लगायतका निकायमा परीक्षण प्रतिवेदन पठाइएको। | प्रत्येक प्रदेशमा अत्याधुनिक उपकरण सहितको प्रयोगशाला स्थापना भएको हुने।<br>प्रयोगशाला र सरोकारवाला जनशक्तिहरूले भौतिक सबुतहरूको व्यवस्थापन, परीक्षण र विश्लेषण प्रक्रियामा दक्षता हासिल गरेका हुने।<br>प्रदेश स्तरबाटै प्राप्त हुने विधि विज्ञान सेवाले अपराध अनुसन्धान प्रक्रियालाई छरितो बनाउन सहयोग गरेको हुने।<br>राष्ट्रिय विधि विज्ञान प्रयोगशालाको संस्थागत सुदृढीकरण गर्ने। | थप एक प्रदेशमा विधि विज्ञान प्रयोगशालाको सेवा विस्तार गर्ने।<br>विधि विज्ञान प्रयोगशालामा थप उपकरण तथा कार्यरत जनशक्तिलाई तालिमको व्यवस्था गर्ने।<br>विधि विज्ञान सम्बन्धी ऐनको मस्यौदा गर्ने।<br>Forensic Voice / Audio analysis System लगायतका सामग्रीहरूको व्यवस्थापन गर्ने।<br>विधि विज्ञान सम्बन्धी प्रयोगशालमा नियमित परीक्षण सेवाह सञ्चालन गर्ने। |
| | वि.पि.कोइराला मेमोरियल प्लाटोनियम अब्जरभेटरी र विज्ञान संग्रहालय | विभिन्न क्याम्पसका भौतिकशास्त्र विषयका अध्ययनरत विद्यार्थीहरूले नगरकोट स्थित राष्ट्रिय बेधशालाबाट आकाशीय पिण्डहरूको अध्ययन अनुसन्धान गर्ने अवसर प्राप्त गरेका।<br>खगोल तथा अन्तरिक्ष विज्ञान सम्बन्धी स्कूल सञ्चालन गर्नको लागि तयारी गरिएको। | विज्ञान सम्बन्धी थ्रीडी हल सञ्चालन भएको हुने।<br>विज्ञान सङ्ग्रहालय मार्फत विद्यार्थी, शिक्षक तथा जनमानसमा वैज्ञानिक चेतना तथा संस्कारको प्रार्दुभाव भएको हुने।<br>खगोल विज्ञान, अन्तरिक्ष विज्ञान अध्यनरत विद्यार्थीका लागि प्रयोगात्मक अध्ययनशालाको रूपमा उपयुक्त स्थलको निर्माण भएको हुने। | विज्ञान सङ्ग्रहालय परिसरको दायाँ भागमा कम्पाउण्ड वाल, स्टील फेन्सिङ आदिको निर्माण गर्ने।<br>साइन्स सिटीको विस्तृत अध्ययन अनुसन्धान गर्ने।<br>थ्रि डि थिएटरको लागि भिडियो वोर्ड व्यवस्थापन गर्ने।<br>थ्रिडि चलचित्र खरीद गर्ने।<br>विज्ञान अवधारणा प्रवर्द्धन तथा विज्ञान लेखन तालिम दिने।<br>जनमानसमा विज्ञान तथा प्रविधिको सार्थक |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | ज्ञानलाई प्रवाह गर्न सञ्चारका विभिन्न माध्यम परिचालन गर्ने।<br>अन्तरिक्ष विज्ञान तथा प्रविधि अन्तरिक्ष नीति सम्बन्धी सेमिनार/वर्कसप आयोजना गर्ने। |
| ३५०००००१२ | पुस्तकालयहरू-(डिल्लीरमण, केशर, राष्ट्रिय) | नेपाल राष्ट्रिय पुस्तकालयको गुरूयोजना स्वीकृत भई विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार भएको।<br>पुराना पुस्तकहरू डिजिटाइजेशनको कार्य भैरहेको। सम्पन्न।<br>नियमित रूपमा पुस्तकालय सेवा प्रदान भैरहेको। | पुराना पुस्तकहरूको डिजिटाइजेशन तथा पुस्तकको अर्काइभ व्यवस्थापन भएको हुने।<br>पुस्तकालय सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने।<br>पुराना तथा नयाँ विषय र ज्ञानका क्षेत्र सम्बन्धी विषयमा पाठकहरूका लागि सहज रूपमा सुविधा उपलब्ध भई अध्ययन संस्कार विकास भएको हुने।<br>नेपाल राष्ट्रिय पुस्तकालयको भवन निर्माण भई सेवा सुचारु भएको हुने। | १६०० पुस्तक डिजिटाइजेशन गर्ने।<br>९०० पुस्तकको अर्काईभ व्यवस्थापन गर्ने।<br>पुस्तकालय सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>१०५० थान पुराना पुस्तक तथा पत्रिका बाइन्डिङ्ग गर्ने।<br>पाठकहरूलाई नियमित रूपमा पुस्ताकालय सेवा प्रदान गर्ने।<br>नेपाल राष्ट्रिय पुस्तकालय भवन निर्माण सम्बन्धी कार्य गर्ने। |
| ३५०००१०१ | शिक्षाका लागि खाद्य कार्यक्रम (प्राथमिक शिक्षा पौष्टिक आहार) | विश्व खाद्य कार्यक्रमबाट ७ जिल्लाका १ लाख ५६ हजार ४ सय १० बालबालिकालाई दिवा खाजा उपलब्ध गराइएको।<br>७ जिल्लामा विद्यालय परिवार र समुदायको संयुक्त लैङ्गिक भेदभाव हटाउन विभिन्न सचेतना कार्यक्रम आयोजना गरिएको। | बालवालिकाहरूको पोषण र स्वास्थ्य स्थितिमा सुधार भएको हुने।<br>विद्यार्थी भर्नादर तथा दैनिक हाजिरी प्रतिशतमा वृद्धि भएको हुने।<br>विद्यालयबाट कक्षा छाडी जाने दरमा कमी आएको हुने।<br>विद्यार्थीहरूको अध्ययन क्षमतामा वृद्धि भएको हुने,<br>विद्यार्थीहरूको पोषण एवम् स्वास्थ्य स्थितिमा सुधार भएको हुने।<br>सामाजिक विकृतिको रूपमा रहेको छुवाछुतको | कर्णाली र सुदुर पश्चिम प्रदेशका ६ जिल्लामा आधारभूत तहका छनौटमा परेका विद्यालयका वालवालिकालाई दिवा खाजा कार्यक्रम उपलब्ध गराउने।<br>६ जिल्लामा विद्यालय, परिवार र समुदायको संयुक्त सहभागितामा लैङ्गिक भेदभाव हटाउन सचेतना कार्यक्रम आयोजना गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | भावना हटाउन मद्दत पुगेको हुने।<br>विद्यालय परिवार र समुदायको संयुक्त प्रयासमा लैङ्गिक भेदभाव हटाई कार्यक्रममा महिला सहभागितामा वृद्धि भएको हुने। | |
| ३५०००१०२ | सबैका लागि शिक्षा शिशु विकास कार्यक्रम | शिक्षामा सबै बालबालिकाको पहुँच पुऱ्याउने लक्ष्य अनुसार १२६ स्थानीय तहमा आधारभूत तह विद्यालय उमेरसमूह (५-१२ वर्ष) का बालबालिका विद्यालय बाहिर नरहेको घोषणा भएको।<br>समावेशी शिक्षाको अवधारणा पत्र छपाई र विकास गरिएको।<br>प्रारम्भिक वाल विकास पाठ्यक्रम परिमार्जन गरिएको। | समावेशी शिक्षाको अवधारणा पत्र छपाई र विकास भएको हुने।<br>प्रारम्भिक वाल विकास पाठ्यक्रम परिमार्जन भएको हुने। | ELDS मा आधारित मूल्याङ्कन तथा बालविकासको कार्यसम्पादन परीक्षण गर्ने।<br>दृष्टिविहीन, श्रवणविहीन र बौद्धिक अपाङ्ग भएका सिकारुका लागि प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको पाठ्यक्रम अनुकूलन बनाउने।<br>अनौपचारिक शिक्षा तर्फ तह १,२ र ३ का नमुना सिकाइ सामग्रीहरूको परीक्षण र प्रबोधीकरण (प्रदेश नं. २, कर्णाली र सुदुर पश्चिम) गर्ने।<br>अभिभावक शिक्षा तालिम सामग्री परिमार्जन र प्रशिक्षक प्रशिक्षण सञ्चालन गर्ने। |
| ३५०००१०३ | व्यावसायिक शिक्षा तथा तालिम अभिवृद्धि परियोजना दोस्रो | तह १ को नतिजामा आधारित छोटो अवधिको तालिम ४३,४७१ जनाले प्राप्त गरेका।<br>तह १ को भौचरमा आधारित तालिम १२,५०० जनाले प्राप्त गरेका।<br>तह १ को महिला लक्षित तालिम ४,१७८ जनाले प्राप्त गरेका।<br>तह २ को छोटो अवधिको तालिम ३,५५७ जनाले प्राप्त गरेका।<br>एप्रेन्टिसिप तालिम ६० जनाले लिएका।<br>व्यवस्थापन तथा नेतृत्व लालिम १६२ जनाले लिएका। | परियोजना अवधिमा १ लाख १५ हजार जनाले छोटो अवधिको तालिम लिने लक्ष्य रहेकोमा बाँकी ११ हजार जना १६ देखि ४० वर्ष उमेरका बेरोजगार/ गरिव युवाले निःशुल्क तालिम प्राप्त गरेका हुने।<br>१६ वटा पाठ्यक्रम विकास तथा परिमार्जन (CTEVT को सहयोगमा ) भएका हुने।<br>TSLC- २३००जना विद्यार्थीहरूले दोस्रो किस्ता छात्रवृत्ति प्राप्त गरेका हुने।<br>Diploma तहका ९३८ विद्यार्थीले क्रमागत | १६ देखि ४० वर्ष उमेरका बेरोजगार गरिब ११ हजार युवालाई निःशुल्क तालिम प्रदान गर्ने।<br>१६ वटा पाठ्यक्रम विकास तथा परिमार्जन गर्ने।<br>TSLC तहको दोस्रो किस्ता छात्रवृत्ति तथा Diploma तहको छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने।<br>६० वटा प्राविधिक शिक्षालयको क्रमागत रूपमा कार्यसम्पादनमा आधारित गुणस्तर |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | प्रशिक्षकका लागि Occupational ToT ५२१ जना<br>Skill Test Assessors Training ४७९ जना<br>RPL Skill Test १५,३७८ जनाले लिएका।<br>९ वटा विषयको पाठ्यक्रम निर्माण तथा परिमार्जन गरिएको<br>QIG अनुदान ६० विद्यालयलाई प्रदान गरिएको।<br>विपन्न लक्षित छात्रवृत्ति ४,२३३ विद्यार्थीले प्राप्त गरेका। | छात्रवृत्ति प्राप्त गरेको हुने।<br>८० जनाले नेतृत्व विकास तथा व्यवस्थापन तालिम प्राप्त गरेका हुने।<br>६० जनाले क्रमागत Apprenticeship Model (औधोगिक अनुभव सहित) र १४४० जनाले OJT को प्रशिक्षण तालिम प्राप्त गरेको हुने।<br>१ हजार जनाले रोजगार सहयोग सेवा Job Placement Service support पाएको हुने। | सुधारका लागि अनुदान प्रदान गर्ने।<br>८०जनाको लागि नेतृत्व विकास तथा व्यवस्थापन तालिम प्रदान गर्ने।<br>८० जनाले विषयगत शिक्षकका लागि विषयगत तालिम TOT प्रदान गर्ने।<br>१४० जना सीप मूल्यांकनकर्तालाई तालिम तथा पुनर्ताजगी तालिम प्राप्त गरेको हुने।<br>राष्ट्रिय सीप परीक्षण समिति मार्फत स्वयम् सिकाई भएका ७ हजार जनाको प्रविधिक सीपको परीक्षण गर्ने। |
| ३५०००१०८ | विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रम | कोभिड-१९ का कारण विद्यालय सञ्चालन हुन नसकेको अवस्थामा वैकल्पिक सिकाइ सहजीकरण निर्देशिका, २०७७ जारी गरी सबै विद्यार्थीलाई सिकाइ प्रक्रियामा समेट्ने गरी कार्यक्रम अघि वढाइएको।<br>विद्यालय सञ्चालन प्रक्रियालाई व्यवस्थित र सुरक्षित बनाउन विद्यालय सञ्चालन सम्बन्धी कार्यढाँचा, २०७७ स्वीकृत भई कार्यान्वयनमा आएको।<br>विद्यालय तहका करिब २६ लाख छात्रछात्रा लाभान्वित हुने गरी छात्रवृत्ति प्रदान गर्न स्थानीय तहमा वित्तीय हस्तान्तरण गरिएको।<br>विद्यार्थीको सर्वाङ्गीण विकासका लागि अति आ.व.श्यक पोषण र खाद्य उपलब्ध गराउने क्रममा ७१ जिल्लाका २७,५३,१२७ बालबालिकालाई दिवा खाजा उपलब्ध गराउन सशर्त अनुदानको रूपमा स्थानीय तहमा वित्तीय हस्तान्तरण गरिएको।<br>निःशुल्क वितरण गरिने रंगीन पाठ्यपुस्तक छपाई तथा | स्वीकृत राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप अनुसार कक्षा ४ देखि १० सम्मको पाठ्यक्रम, शिक्षक निर्देशिका र विद्यार्थीका लागि पाठ्यसामग्री विकास भएको हुने।<br>स्वीकृत राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप अनुसार माध्यमिक तहको साधारण, संस्कृत र प्राविधिक धारको पाठ्यक्रम, विशिष्टिकरण तालिका र नमुना प्रश्नपत्र विकास तथा परिमार्जन भएको हुने।<br>स्वीकृत राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप अनुसार माध्यमिक तहको साधारण, संस्कृत र प्राविधिक धारको शिक्षक निर्देशिका, स्रोत सामग्री (पाठ्यपुस्तक) विकास तथा परिमार्जन भएको हुने।<br>डिजिटल सिकाई सामग्री विकास भएको हुने।<br>विकसित पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम सम्बद्ध | शैक्षिक टेलिभिजन च्यानल स्थापना तथा सञ्चालन गर्ने।<br>वैकल्पिक सिकाइ सामग्री विकास तथा प्रसारण गर्ने।<br>विपन्न परिवारका विद्यार्थी पहिचान र विपन्न लक्षित छात्रवृत्ति वितरण गर्ने।<br>शिक्षक तथा कर्मचारीको क्षमता विकास गर्ने।<br>नमुना विद्यालय विकासका लागि प्राविधिक सहजीकण गर्ने।<br>शिक्षक दरबन्दी मिलानमा सहजीकरण गर्ने।<br>बेल पाठ्यपुस्तकको छपाइ तथा वितरण गर्ने।<br>शैक्षिक तथ्यांक सम्बन्धी प्रतिवेदन तयारी तथा प्रकाशन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | वितरणको व्यवस्थापन गरी पाठ्यपुस्तकको रकम स्थानीय तहमा सशर्त अनुदानको रूपमा वित्तीय हस्तान्तरण गरिएको।<br>माध्यमिक तहमा अध्यनरत दलित लगायतका छात्रछात्राहरूलाई विपन्न लक्षित छात्रबृत्ति वितरण गरिएको।<br>विद्यार्थीहरूलाई शिक्षण सिकाइप्रति आकर्षित गर्न र सिकाइतर्फ उतप्रेरणा जगाउन सबै सामुदायिक विद्यालयका कक्षा ८ सम्म अध्ययनरत छात्रछात्रालाई रंगीन पाठ्यपुस्तक उपलब्ध गराइएको।<br>पाठ्यक्रममा अन्तरनिहित विषयगत सीमा हटाउन र समयसापेक्ष तुल्याउन आधारभूत तह कक्षा १-३ को एकीकृत पाठ्यक्रम शैक्षिक सत्र २०७७ बाट कक्षा १ मा देशभर लागू गरिएको।<br>कक्षा १ का ४ वटा पाठ्यपुस्तक, पाठ्यक्रम कार्यान्वयन मार्गदर्शन तथा शिक्षक निर्देशिका तयार गरिएको।<br>कक्षा ४ देखि ८ सम्ममा ६ वटा विषयहरूको पाठ्यक्रम तयार भएको।<br>कक्षा १० का ऐच्छिक ८ विषयका पाठ्यपुस्तक विकास भई कार्यान्वयनमा ल्याउने तयारी भएको।<br>कक्षा ११ मा नयाँ पाठ्यक्रम कार्यान्वयन गर्न अनिवार्य ३ विषयको पाठ्यक्रम तयार गरिएको।<br>कक्षा ११ र १२ का अनिवार्य ४ सहित ७५ विषयका पाठ्यक्रम विकास गरिएको।<br>प्राविधिक शिक्षातर्फ कक्षा ११ र १२ का योग, | सामग्रीहरूको प्रबोधीकरणका लागि प्रदेश र स्थानीय तहको क्षमता विकास भएको हुने।<br>कक्षा १० र १२ को मान्यता तथा समकक्षता निर्धारण भएको हुने।<br>निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कनको कार्यान्वयनका लागि Standardized Tools सहितको निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कन सहयोग सामग्री तयार भएको हुने।<br>माध्यमिक तहमा लागू भएका अनिवार्य र प्रमुख विषयका विशिष्टीकरण तालिका परिमार्जन र सोही अनुसार स्तरीकृत नमुना प्रश्नपत्र (Standardized Model Question) तयार भएको हुने।<br>स्वीकृत राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप २०७६ अनुसार आन्तरिक परीक्षा सञ्चालन व्यवस्थित गर्न कार्यविधि तयार भएको हुने।<br>माध्यमिक तहका ऐच्छिक विषयका पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक तथा पाठ्यक्रम सम्बद्ध सामग्रीहरूको विकासका लागि प्रदेश र स्थानीय पाठ्यक्रम विकासका लागि स्थानीय तहको क्षमता विकास भएको हुने।<br>विद्यालय तहका पाठ्यक्रम र पाठ्यपुस्तक सम्बन्धमा अध्ययन तथा अनुसन्धान भएको हुने।<br>माध्यमिक तहसम्म अपाङ्गमैत्री मूल्याङ्कन ढाँचा विकास भएको हुने। | निर्देशिका, कार्यविधि, मापदण्ड विकास तथा परिमार्जन गर्ने।<br>कार्यक्रम कार्यान्वयन पुस्तिका तयारी, अभिमुखीकरण र प्रगति प्रतिवेदन तयार गर्ने। ।<br>शैक्षिक स्मारिका तयारी तथा प्रकाशन गर्ने।<br>परीक्षणको पृष्ठपोषणका आधारमा कक्षा ४,७ र ९ का पाठ्यसामग्रीको सुधार र पिआरसी विकास गर्ने।<br>परिवर्तित पाठ्यक्रम अनुसार परीक्षणका लागि कक्षा ५ को पाठ्यपुस्तक विकास गर्ने।<br>कक्षा ६ का शिक्षक निर्देशिका विकास गर्ने।<br>परीक्षणको पृष्ठपोषणका आधारमा कक्षा ४ र ५ को पाठ्यक्रम परिमार्जन, कक्षा ९-१० को अनिवार्य विषयको पाठ्यक्रम परिमार्जन गर्ने।<br>कक्षा ५ का पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक परीक्षण गर्ने।<br>संस्कृत तथा गुरूकुलतर्फ कक्षा ७ र ९ का पाठ्यपुस्तक विकास गर्ने।<br>मदरसा शिक्षा कक्षा ४ का पाठ्यपुस्तक र कक्षा ११ र १२ का पाठ्यक्रम विकास प्राविधिक तथा व्यावसायिक धारतर्फ |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा र जडिबुटी विषयको पाठ्यक्रम निर्माण गरिएको।<br>शैक्षिक गुणस्तर परीक्षण केन्द्रबाट कक्षा ३ र ८ को विद्यार्थी उपलब्धिको राष्ट्रिय परीक्षण सञ्चालन गरिएको।<br>बहुभाषिक शिक्षा नीति कार्यान्वयन गर्न २६ वटा मातृभाषाका पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक तयार भएका। | आधारभूत तहसम्मको पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक र शिक्षक निर्देशिकाको लैङ्गिक परीक्षण भएको हुने।<br>माध्यमिक तह सम्मका मदरसा शिक्षाको पाठ्यक्रम पाठ्यपुस्तक तयार भएको हुने। | माध्यमिक तहका पाठ्यक्रम र सिकाइ स्रोत सामग्री विकास गर्ने।<br>बौद्धिक अपाङ्गता भएका बालबालिकाकालागि तेस्रो तहको श्रव्यदृश्य सामग्री विकास गर्ने।<br>साधारण विद्यालयतर्फका कक्षा ४, ७ र ९ का संस्कृत विषयका पाठ्यपुस्तक विकास गर्ने।<br>कक्षा १० र १२ को मान्यता तथा समकक्षता निर्धारण सम्बन्धी कार्यक्रम<br>थप पाठ्यसामग्रीको मूल्याङ्कन तथा स्वीकृति सम्बन्धी कार्यक्रम गर्ने।<br>स्थानीय पाठ्यक्रम निर्माणका लागि स्थानीय तहलाई सहजीकरण तथा निर्माण भएका पाठ्यक्रम सङ्कलन र पृष्ठपोषण सम्बन्धी सहायता कक्ष सञ्चालन र व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३५००१०११ | शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्र | नवसाक्षरका लागि निरन्तर शिक्षाका नमुना सामग्री विकास भएको।<br>शैक्षिक रेडियो कार्यक्रम उत्पादन तथा प्रसारण भएको।<br>दरवन्दी मिलान पश्चात नपुग रकम स्थानीय तहमा हस्तान्तरण गरिएको।<br>साक्षरता घोषणा हुन बाँकी रहेका जिल्लामा सो सम्बन्धी तयारीका कार्यक्रम सञ्चालन भएको।<br>डाटा सेन्टर स्थापनाका लागि पूर्वाधारको तयारी भइरहेको। | प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षाको राष्ट्रिय मापदण्ड परिमार्जन, अभिमुखीकरण एवम् कार्यान्वयन भएको हुने।<br>सार्वजनिक विद्यालयमा निःशुल्क ब्रोडब्याण्ड इन्टरनेट सुविधा जडान र उपयोगका लागि अनुदान वितरण भएको हुने।<br>सबै बालबालिकालाई विद्यालयमा "ल्याउने , सिकाउने र टिकाउने", अभियान सञ्चालन भएको हुने।<br>साक्षर नेपाल अभियान कार्यक्रम मार्फत बाँकी | साक्षर नेपाल अभियान सञ्चालनका लागि स्थानीय तहका लागि साझेदारीमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान दिने।<br>नवसाक्षरका लागि निरन्तर शिक्षाका नमुना सामग्री विकास गर्ने।<br>राष्ट्रिय योग्यता प्रारूप (NQF) बमोजिम अनौपचारिक एवम् अरितिक माध्यमबाट सिकिएका ज्ञान र सीपको परीक्षण प्रमाणीकरण र समकक्षी शैक्षिक उपाधि वितरण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | जिल्ला साक्षर घोषणा भएको हुने।<br>शैक्षिक सामग्रीहरूको उत्पादन तथा विद्युतिय माध्यमवाट प्रसारण भएको हुने।<br>शिक्षा क्षेत्रको समग्र डिजिटल व्यवस्थापनका लागि डाटा सेन्टर स्थापना भई सञ्चालन भएको हुने। | कोभिड-१९ को प्रभावका कारण भएको शैक्षिक क्षति परिपूरणका लागि वैकल्पिक उपायद्वारा शिक्षण सिकाइ गर्ने।<br>शिक्षा क्षेत्रको समग्र डिजिटल व्यवस्थापनका लागि डाटा सेन्टरको सञ्चालन गर्ने।<br>शैक्षिक कार्यक्रम उत्पादन गरी रेडियो तथा टेलिभिजनमा प्रसारण गर्ने। |
| ३५००२०११ | पाठ्यक्रम विकास केन्द्र | व्यावहारिक अभ्यास कार्यविधि निर्देशिका, २०७३ र विद्यालय शिक्षामा अक्षराङ्कन पद्धति कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७२ परिमार्जन भएका।<br>पाठ्यक्रममा अन्तरनिहित विषयगत सीमा हटाउन र समय सापेक्ष तुल्याउन आधारभूत तह कक्षा १ – ३ को एकीकृत पाठ्यक्रम शैक्षिक सत्र २०७७ बाट कक्षा १ मा देशभर लागू गरिएको।<br>बहुभाषिक शिक्षा नीति कार्यान्वयन गर्न २६ वटा मातृभाषाका पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक तयार भएका।<br>कक्षा ४ को पाठ्यपुस्तको मस्यौदा तयार भई लेआउट डिजाइन भइरहेको र कक्षा ७, ९ र १२ को मस्यौदा विकासको क्रममा रहेको।<br>कक्षा १० का १,७४८ र कक्षा १२ का ३,०३६ जना गरी जम्मा ४,७८४ जनालाई समकक्षता प्रदान गरिएको। | स्वीकृत राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप अनुसार पाठ्यक्रम पाठ्यपुस्तक अन्य पाठ्यसामग्रीको परिमार्जन एवम् विकास भएको हुने।<br>डिजिटल सिकाई सामग्री विकास भएको हुने, कक्षा १० र १२ को मान्यता तथा समकक्षता निर्धारण भएको हुने।<br>निरन्तर विद्यार्थी मूल्याङ्कनको कार्यान्वयनका लागि Standardrized Tools सहितको मूल्याङ्कन सहयोग सामग्री तयार भएको हुने।<br>प्रदेश र स्थानीय पाठ्यक्रम विकासका लागि स्थानीय तहको क्षमता विकास भएको हुने।<br>थप पाठ्यसामग्रीको मूल्याङ्कन तथा स्वीकृति भएको हुने। | कक्षा ४, ७ र ९ का संस्कृत विषयका पाठ्यपुस्तक विकास गर्ने र पाठ्यपुस्तक कार्यान्वयन सम्बन्धमा मुख्य प्रशिक्षक तयार गर्ने।<br>कक्षा १-३ को पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक र शिक्षक निर्देशिकाको लैङ्गिक परीक्षण गर्ने।<br>परिमार्जित पाठ्यक्रम अनुसार कक्षा ९ को ऐच्छिक विज्ञान विषयको पाठ्यपुस्तक विकास गर्ने।<br>कक्षा १० र १२ को मान्यता तथा समकक्षता निर्धारण सम्बन्धी कार्यक्रम गर्ने।<br>थप पाठ्यसामग्रीको मूल्याङ्कन तथा स्वीकृत गर्ने। |
| ३५०२१०१२ | शिक्षक सेवा आयोग | अध्ययन अनुमतिपत्र वितरण कार्यविधिको निर्माण गरी वितरण गरिएको। | अध्यापन अनुमतिपत्र सम्बन्धी कार्य भएको हुने। | नतिजा सम्बन्धी अभिलेख डिजिटाइजेशन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | वस्तुगत प्रश्नपत्र परीक्षणका लागि आ.व.श्यक पर्ने ओएमआर मेसिन खरिद प्रकिया गरिएको।<br>भवन निर्माणको लागि डिपिआर तयार गरिएको। | विभिन्न तहमा रिक्त शिक्षक दरवन्दी (खुला, अन्तरिक तथा वढुवा) विज्ञापन, दरखास्त संकलन, पश्र पत्र निर्माण, परीक्षा सञ्चालन, परीक्षण, नतिजा, प्रकाशन, सिफारिश तथा अभिलेखीकरण भएको हुने।<br>आ.व.श्यकता अनुसार शिक्षक छनौट परीक्षाको पाठ्यक्रम परिमार्जन भएको हुने।<br>प्रभावकारी सेवा प्रवाहका लागि शिक्षक सेवा आयोगको कार्य प्रदेश स्तरमा विस्तार भएको हुने।<br>शिक्षकको सेवा शर्त सुविधा सम्बन्धमा नेपाल सरकार तथा शिक्षा मन्त्रालयलाई सुझाव तथा राय परामर्श प्रदान भएको हुने। | दरखास्त संकलनका लागि अनलाइन प्रणाली विकास गर्ने।<br>अध्यापन अनुमतिपत्र विज्ञापन, दरखास्त संकलन, पश्र पत्र निर्माण, परीक्षा सञ्चालन, परीक्षण, नतिजा प्रकाशन गर्ने।<br>विभिन्न तहमा रिक्त शिक्षक दरवन्दी (खुला, आन्तरिक तथा वढुवा) विज्ञापन, दरखास्त संकलन, पश्रपत्र निर्माण, परीक्षा सञ्चालन, परीक्षण, नतिजा, प्रकाशन, सिफारिश तथा अभिलेखीकरण गर्ने।<br>शिक्षक सेवा आयोगको सुदृढीकरण तथा प्रदेश स्तरमा विस्तार गर्ने। |
| ३५००३०११ | शैक्षिक गुणस्तर परीक्षण | आ.व. २०७६/७७ मा भएको विद्यार्थी उपलब्धि राष्ट्रिय परीक्षण कक्षा ८ को प्रतिवेदन तयार भएको।<br>आ.व. २०७६/७७ मा सम्पन्न विद्यालय कार्यसम्पादन परीक्षणको स्थानीय तहगत र एकीकृत प्रतिवेदन तयारी र छपाइ गरिएको।<br>५६१ सामुदायिक माध्यमिक विद्यालयको कार्यसम्पादन परीक्षण गरिएको।<br>प्रतिवेदन प्रबोधीकरण र कार्यसम्पादन परीक्षण भएका विद्यालयहरूमा फलोअप र सुधार योजनाको अभ्यास भएको।<br>कक्षा ५ र १० का विद्यार्थीको उपलब्धिको राष्ट्रिय परीक्षणका लागि पुर्वपरीक्षण र प्रश्नावली बैक अद्यावधिक भएको। | कक्षा ५, ८ र १० मा विद्यार्थी उपलब्धि परीक्षण भएको हुने।<br>शैक्षिक व्यवस्थापन सेवा प्रदायक संस्थाको कार्यसम्पादन परीक्षण गरी सुधारका लागि सुझाव प्रदान गर्ने पद्धति स्थापना भई कार्यान्वयन भएको हुने।<br>सबै सामुदायिक विद्यालयहरूको कार्यसम्पादन परीक्षण गरी संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा पृष्ठपोषण भएको हुने।<br>गुणस्तरीय शिक्षासँग सम्बन्धित बिषयमा अध्ययन अनुसन्धान गरी शिक्षामा समता र गुणस्तर अभिवृद्धिका लागि सुझाव प्राप्त भएको हुने। | आ.व. २०७७/७८ मा सम्पन्न विद्यालय कार्यसम्पादन परीक्षणको स्थानीय तहगत र एकीकृत प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>कक्षा ५ का विद्यार्थीको उपलब्धिको राष्ट्रिय परीक्षण सन्चालन गर्ने।<br>शिक्षाको लागि खाद्य कार्यक्रम, नमुना विद्यालय विकास कार्यक्रम र प्राविधिक धार सञ्चालन भएका कार्यक्रम/आयोजनाको कार्य सम्पादन परीक्षण गर्ने।<br>७१६ सामुदायिक माध्यमिक विद्यालयको कार्यसम्पादन परीक्षण गर्ने।<br>प्रतिवेदन प्रबोधीकरण र कार्यसम्पादन परीक्षण भएका विद्यालयहरूमा फलोअप र |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | सुधार योजनाको अभ्यास गर्ने।<br>कक्षा १० का विद्यार्थीको उपलब्धिको राष्ट्रिय परीक्षणका लागि पूर्वपरीक्षण र प्रश्नावली बैक अद्यावधिक गर्ने। |
| ३५००४०११ | विद्यालय शिक्षक किताबखाना | चालु आ.व.मा पेश भएका शिक्षकहरूको व्यक्तिगत विवरण सिटरोल अद्यावधिक, पालिकागत रूपमा तलवी प्रतिवेदन पारित तथा सम्पत्ति विवरण अभिलेख व्यवस्थापन गरिएको।<br>अवकाश प्राप्त शिक्षकहरूको उपदान, औषधी उपचार विरामी विदा रकम रकम भुक्तानी गरिएको। | शिक्षकहरूको सिटरोल तथा फायल व्यवस्थापन अध्यावधिक भएको हुने।<br>निवृतभरण परिचयपत्र सहजरूपमा वितरण भएको हुने।<br>शिक्षकहरूको अभिलेख तथा सम्पत्ति विवरण व्यवस्थित भएको हुने।<br>पालिकागत रूपमा शिक्षकको वार्षिक तलवी पारित भएको हुने।<br>सेवा निवृत्त शिक्षकहरूको सेवा सुविधा सहज रूपमा वितरण भएको हुने। | शिक्षकको सम्पति विवरण, सिटरोल व्यवस्थापन गर्ने।<br>शिक्षकको वार्षिक तलबी प्रतिवेदन पारित गर्ने।<br>शिक्षकहरूलाई प्रदान गर्ने निवृत्तिभरण उपदान लगायतका सेवा प्रदान तथा विवरण अद्यावधिक गर्ने। |
| ३५००४०१२ | शिक्षक सेवा निवृत्त सुविधा | सेवा निवृत शिक्षकहरूको निवृत्तिभरण, सेवाबाट अवकाश पाएका शिक्षकहरूको उपदान तथा औषधी उपचार र सञ्चित बिरामी विदाको रकम भुक्तानी भएको। | सेवा निवृत्त शिक्षकहरूको लागि नेपाल सरकारबाट उपलब्ध हुने सेवा सुविधा सहज रूपमा वितरण भएको हुने। | वार्षिक ५१ हजार शिक्षकका लागि निवृत्तिभरण, ५०० शिक्षकका लागि उपदान, ४,७०० शिक्षकका लागि औषधि उपचार तथा सञ्चित विदा वापतको रकम उपलब्ध गराउने। |
| ३५०२१०११ | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग | देशभरका ४५८ सामुदायिक क्याम्पसलाई नियमित अनुदान र १४६ सामुदायिक क्यापसलाई भौतिक विकास अनुदान प्रदान गरिएको।<br>गुणस्तर सुधार कार्यक्रम अन्तरगत एम.फिल. वृत्तिमा ५२ जना र एम.फिल. शोधग्रन्थमा १० जनालाई सहयोग गरिएको।<br>अनुसन्धान व्यवस्थापन विकासका लागि १० वटा, लघु | विश्वविद्यालय तथा उच्च शैक्षिक संस्था स्थापना गर्ने सम्बन्धमा सम्बन्धमा मापदण्ड तथा नक्शांकनमा आधारित भई नेपाल सरकारलाई परामर्श दिइएको हुने।<br>विभिन्न क्षेत्रबाट प्राप्त अनुदानको रकम विश्वविद्यालयहरूलाई प्रदान गर्ने सम्बन्धमा नीति निर्धारण गरी मापदण्ड तथा नतिजामा आधारित | उच्च शैक्षिक स्तर वृद्धिका लागि विद्यावारिधि, एम. फिल, पोष्ट डक्टरेट लगायत राष्ट्रिय प्राथमिकता क्षेत्रमा १९० वटा अनुसन्धान गर्ने।<br>कोभिड-१९ ले विभिन्न क्षेत्रमा पारेको असर र राष्ट्रिय महत्वका विषयमा नवप्रवर्द्धनात्मक प्राविधिक तथा वैज्ञानिक |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | अनुसन्धान विकास र नवप्रवर्तन अनुदान ५० जनालाई प्रदान गरिएको।<br>देशभर web based map र Mobile App मार्फत सबै उच्च शैक्षिक संस्थाहरूको तथ्यांकअध्यावधिक गरिएको।<br>उच्च शैक्षिक संस्थाहरूलाई छोटो अवधिका कार्यक्रम संचालन गर्न पुनर्ताजगी तालिम १४ वटा, शैक्षिक संस्था उद्योगी व्यवसायी संवाद १० वटा, अनुसन्धान विधि तालिम ४९ वटा, स्थानीय गोष्ठी संचालनका लागी २१ वटा, राष्ट्रिय सम्मेलन १५ वटा, अन्तराष्ट्रिय सम्मेलन १, शिक्षक तथा कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि ३८ वटा कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको।<br>विज्ञान र प्रविधि कार्यक्रम संचालनमा रहेका क्याम्पसहरूमा प्रयोगशालामा कार्यरत कर्मचारीका लागि क्षमता विकास तालिम संचालनका लागि ११ वटा उच्च शैक्षिक संस्थाहरूलाइ कार्यक्रम संचालन गर्न अनुदान प्रदान गरिएको। | भएको हुने।<br>विश्वविद्यालयहरूमा सञ्चालन गरिने शैक्षिक कार्यक्रमको गुणस्तर वृद्धि (कुल भर्ना दर, उत्तिर्णता दर, गुणस्तर प्रत्यायन, जेन्डर प्यारिटी, आदि) भई स्तरयुक्त भएको हुने।<br>विश्वविद्यालयहरू बीच समन्वय (क्रेडिट, शिक्षक, विद्यार्थी, पुस्तकालय, प्रयोगशाला आदि) कायम भएको हुने।<br>देश भित्र तथा बाहिरका उच्च शैक्षिक संस्थाहरू बीच छात्रवृत्ति, विद्वत्वृत्ति आदि आदान प्रदान भएको हुने।<br>शैक्षिक स्तर वृद्धिका लागि उपयुक्त कार्यक्रम तर्जुमा भइ लागू भएका हुने। | अन्वेषण तथा अनुसन्धान गर्ने।<br>National Eligibility Test तयारी तथा संचालन गर्ने।<br>सामुदायिक क्याम्पस पूर्वाधार विकास अनुदान दिने।<br>विश्वविद्यालयहरूमा इन्कुवेसन केन्द्रहरूको स्थापना गर्ने। |
| ३५०२११०१ | उच्च शिक्षा सुधार परियोजना | ४ वटा उच्च शैक्षिक संस्थाहरूलाई गुणस्तर सुनिश्चिता प्रत्यायन प्रमाणपत्र प्रदान गरिएको। | बजारमुखी शैक्षिक कार्यक्रमहरूको विकास तथा विस्तार, उद्यमशीलताको विकास तथा कार्यान्वयनका र नवप्रवर्तनात्मक अनुसन्धान भएको हुने।<br>उल्लिखित विषयका शैक्षिक संस्थामा कार्यरत शिक्षक तथा नेतृत्व तहमा कार्यरत प्राध्यापकहरूको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने।<br>गुणस्तर सुनिश्चतता तथा प्रत्यायनकृत शैक्षिक संस्थाको संख्यामा वृद्धि भएको हुने। | गुणस्तर सुनिश्चितता तथा प्रत्यायन/गुणस्तर अभिवृद्धिमा संलग्न उच्च शैक्षिक संस्थालाई अनुदान प्रदान गर्ने।<br>विपन्न विद्यार्थीहरूका लागि पीएमटीमा आधारित छात्रवृत्ति वितरण गर्ने।<br>उच्च शैक्षिक संस्थालाई सूचना तथा प्रविधिमा आधारित शेक्षिक कार्यक्रमहरूको विकास, प्राज्ञिक उत्कृष्टता तथा अनुसन्धान अनुदान प्रदान गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | विपन्नतामा आधारित विद्यार्थी छात्रवृत्ति संख्या बढेको हुने र उच्च शिक्षाको पहुँच विस्तार भएको हुने।<br>उच्च शैक्षिक संस्थाहरूमा सूचना तथा प्रविधिमा आधारित शैक्षिक कार्यक्रमहरूको विकास तथा कार्यान्वयन भएको हुने। | |
| ३५०२१०१३ | युनेस्कोका निमित्त नेपाल राष्टिय आयोग | युनेस्कोआट भएका नवप्रवर्तन कार्यको प्रचारात्मक कार्य सञ्चालन भएको।<br>युनेस्को सम्वद्ध विषयगत क्षेत्रमा क्रियाकलाप सञ्चालन भएको।<br>विज्ञान तथा प्रविधिसँग सम्वन्धित बाल प्रतिभा खोजी कार्यक्रम सञ्चालन भएको। | यूनेस्को सदस्य राष्ट्रका हैसियतले अन्तराष्ट्रिय मञ्चमा नेपालको सहभागिता अभिवृद्धि भएको हुने।<br>शैक्षिक र सांस्कृतिक विकासका कार्यहरूमा सरकारी र गैरसरकारी क्षेत्रको भूमिका अभिवृद्धि भएको हुने।<br>जनमानससम्म युनेस्कोको आदर्श पुगेको हुने।<br>काठमाडौंको जगडोलमा युनेस्को ग्रामको स्थापना भएको हुने। | युनेस्कोको अन्तराष्ट्रिय महासभामा सहभागी हुने।<br>युनेस्को सम्वद्ध विषयगत क्षेत्रमा क्रियाकलाप सञ्चालन गर्ने।<br>युनेस्को ग्राम विकास गर्ने। |
| ३५०३१०११ | राष्ट्रिय परीक्षा बोर्ड | कक्षा १० को स्तरीकृत परीक्षाको लागि अंग्रेजी, गणित र विज्ञान विषयका ३,२४७ शिक्षकका लागि परीक्षण प्रश्न निर्माणका लागि भर्चुअल विधिबाट तालिम सम्पन्न गरिएको।<br>कक्षा १२ को स्तरीकृत परीक्षाको परीक्षण प्रश्न निर्माण र परिमार्जन गर्न ४ विषयका २०० जना शिक्षकलाई भर्चुअल विधिबाट अभिमुखीकरण गरिएको।<br>माध्यमिक शिक्षा परीक्षा कक्षा १० तथा १२ को स्तरीकृत प्रश्नपत्र निर्माण तथा परीक्षा सञ्चालनको तयारी भइरहेको। | माध्यमिक शिक्षा परीक्षाको स्तरीकृत प्रश्नपत्र तयार गरी परीक्षा सञ्चालन नतिजा प्रकाशन प्रमाणीकरण तथा अभिलेखीकरण भएको हुने। | कक्षा १० र १२ को Standardized Test का लागि शिक्षक तालिम सञ्चालन गर्ने।<br>कक्षा १२ को Item Bank निर्माण गर्ने।<br>कक्षा १० को प्रश्नपत्र निर्माण तथा परीक्षा सञ्चालन, उत्तरपुस्तिका ढुवानी परीक्षण, नतिजा प्रकाशन प्रमाणपत्र वितरण गर्ने।<br>प्रयोगात्मक परीक्षा तथा OJT अभिमुखीकरण तथा अनुगमन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३५०४१०११ | प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम परिषद् | प्राविधिक शिक्षाको संस्थागत पहुँच नपुगेका थप ५० स्थानीय तहमा प्राविधिक शिक्षाको पठनपाठनका लागि अनुमति प्रदान गरी ६३५ स्थानीय तहमा प्राविधिक शिक्षा कार्यक्रमको संस्थागत पहुँच पुराइएको।<br>छोटो अवधिको सीपमूलक तालिम सञ्चालन कार्यविधि, २०७७ स्वीकृत गरी प्रदेश तहबाट २१ हजार जनालाई र ENSSURE परियोजना मार्फत कार्यस्थलमा आधारित तालिम, औद्योगिक प्रशिक्षार्थी, OJT सहितको तालिम सञ्चालन गरिएको।<br>८४८ प्रशिक्षकलाई क्षमता अभिवृद्धि तालिम उपलब्ध गराइएको।<br>विशेष छात्रवृति तर्फका ५६० जनालाई डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र तहमा र प्रि-डिप्लोमा तहमा प्रशिक्षण गर्नका लागि कार्यक्रम, संस्था र कोटा निर्धारणको कार्य सम्पन्न गरिएको।<br>वैदशिक रोजगारीबाट फर्किएका तथा स्वदेशमै रहेका बेरोजगार १४,५०० युवाको सीप परीक्षण गरिएको।<br>परिषदबाट सम्बन्धन स्वीकृति प्राप्त निजी शिक्षण संस्थाहरूको अनलाइन प्रणालीबाट नवीकरण गर्न सुरुवात गरिएको। | बार्षिक ८३,२८९ युवाले (आङ्गिक शिक्षालय ६१, साझेदारी शिक्षालय ३८, सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक शिक्षा (टेक्स) ५७२, निजी ४२९ शिक्षालय एवम् विद्यालय मार्फत) प्राविधिक शिक्षा हासिल गरेको हुने।<br>वार्षिक ४० हजार बेरोजगार युवाले सीपमूलक व्यावसायिक तालिम प्राप्त गरेका हुने।<br>प्राविधिक शिक्षाको पहुँच नपुगेका स्थानीय तहमा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा एवम् तालिमको पहुँच विस्तार भएको हुने।<br>सीपमूलक तालिम प्राप्त गर्ने सबैको सीप प्रमाणीकरण भएको हुने।<br>प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा एवम् तालिम क्षेत्रमा कार्यरत १२ हजार प्रशिक्षक, कर्मचारी तथा व्यवस्थापकहरूको क्षमता अभिवृद्धि हुने।<br>१८,९०० जना (औद्योगिक प्रशिक्षार्थी तालिम-२,१००, कार्यस्थलको सिकाइ-६,०००, कामदारको क्षमता अभिवृद्धि तालिम १०,८०० जना) युवा प्रशिक्षार्थी कार्यक्रममा सहभागी भएको हुने।<br>परिषद्को मानव संसाधन योजना, रणनीतिक योजना तथा गुणस्तर सुनिश्चितता प्रारूप तयार भएको हुने।<br>राष्ट्रिय व्यावसायिक योग्यताको प्रारूप तयारी गरी कार्यान्वयन भएको हुने। | वैकल्पिक विधिबाट प्रशिक्षण गर्न इ-लर्निङ्ग पूर्वाधारहरूको व्यवस्था गर्ने।<br>नमुना प्राविधिक शिक्षालय र नवस्थापित प्राविधिक शिक्षालयहरूको भौतिक पूर्वाधार विकास गर्ने।<br>औपचारिक, अनौपचारिक र अरितिक्त पद्धतिबाट सिकेका वा अनुभव हासिल गरेका ज्ञान, सीप र दक्षताको सीप परीक्षण तथा प्रमाणीकरण गर्ने।<br>कार्यस्थलको सिकाइका लागि औद्योगिक प्रशिक्षार्थी, कामदारहरूको क्षमता अभिबृद्धि, OJT सहितको तालिम र Out reach कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३५०६१०११ | नेपाल विज्ञान तथा | च्याउका प्रडक्ट, अचार, जाम र च्याउका क्याप्सुल गरी १२ | विज्ञान तथा प्रविधि सम्मेलन भएको हुने। | वैज्ञानिक अनुसन्धानका लागि NMR |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान | थान नमुना परीक्षण गरिएको।<br>काठमाडौं उपत्यकामा रहेका पानीको स्रोतहरूको जम्मा १२६ वटा नमुनाहरूको भौतिक, रासायानिक र सूक्ष्म जैविक परीक्षण गरिएको।<br>ललितपुर तथा काठमाडौं जिल्लाको बजारबाट ७९ खाद्यवस्तु (मकै, बदाम आदि) नमुना संकलन गरिको।<br>पाल्पा र गुल्मी जिल्लाबाट प्राप्त ५० सुन्तलाका नमुनाहरूको HLB रोग परीक्षण गरिएको।<br>च्याउका १९ वटा नयाँ डाटा इन्ट्री गरी डाटावेस अद्यावधिक गर्नुको साथै फूल्चोकी, सूर्यविनायक र चाँगुनारायण वन क्षेत्रमा mushroom foray सम्पन्न गरिएको।<br>खाद्य हरियाली शहर विकास र विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत भक्तपुर स्थित कटुन्जे र ललितपुर स्थित खोकना नगरपालिकामा क्यामोमाइल, क्यालान्डुला लगायत ८ प्रकारका खाद्य एवम् औषधिजन्य हर्व उत्पादन गरी अर्गानिक हर्बल चिया उत्पादन गरिएको।<br>नेपाल फ्लोरा सम्बन्धी Ethnopharmacology of Wild Plants पुस्तक प्रकाशित गरिएको। | नवप्रवर्तन केन्द्र स्थापना भएको हुने।<br>National Innovation Index तयार भएको हुने।<br>Analytical Service Centre स्थापना भएको हुने।<br>नेपाली अनुसन्धानकर्ता परिचय (Nepali Researchers' Identity) तयार भएको हुने।<br>स्मार्ट नास्ट, Science City तयार भएको हुने।<br>Who is Who in STI प्रकाशन भई समय समयमा अद्यावधिक हुने।<br>Natural Disaster Mitigation अनुसन्धान केन्द्र स्थापना भएको हुने।<br>प्रविधि प्रयोगशाला भवनमा अनुसन्धान तथा वैज्ञानिक अन्वेषण प्रयोगशालाको प्रयोजनका उपकरण तथा मेसिन औजारको व्यवस्था भएको हुने।<br>नेपालका संकटापन्न, रैथाने, नेपाल सरकारले संरक्षण, खेती विकास र अनुसन्धानका लागि सूचीकृत गरेका, साइटिस अनुसूचीमा परेका महत्वपूर्ण जडिबुटी र अन्य वनस्पतिको DNAbar code तयार भएको हुने।<br>विश्लेषणात्मक सेवा (पानी, डिएनए, रसायन आदि) सञ्चालन भएको हुने।<br>Space अनुसन्धान केन्द्र संचालन भएको हुने।<br>वैज्ञानिक अनुसन्धान प्रवर्द्धन, प्रज्ञाको लागि प्राज्ञ, | (Nuclear Magnetic Resonance Spectro) Meter 400 MHZ) उपकरण व्यवस्थापन गर्ने।<br>प्रयोगशालाको प्रयोजनका उपकरण तथा मेशीन औजार व्यवस्थापन गर्ने।<br>Animal House निर्माण गर्ने।<br>वैज्ञानिक अनुसन्धान प्रवर्द्धन, प्रज्ञाको लागि प्राज्ञ, Brain Pooling, युवा/महिला वैज्ञानिक (अध्ययन/सर्वेक्षण/अनुसन्धान) गर्ने।<br>नवीनतम अनुसन्धान, प्रविधि हस्तान्तरण एवम् समृद्धिका लागि नवप्रवर्तन केन्द्र (अध्ययन /सर्वेक्षण/अनुसन्धान) गर्ने।<br>विद्यावारिधि शोधवृत्ति, अनुसन्धान अनुदान, अनुसन्धान सहायक वृत्ति, विशेष प्रतिभा प्रवर्द्धन, आर्थिक सहयोग गर्ने।<br>Secondary Standard Dosimetry Laboratory स्थापनाका लागि रेडियोधर्मी स्रोत राख्न बंकर निर्माण गर्ने।<br>विज्ञान प्रविधि सम्मेलनको आयोजना गर्ने।<br>भूकम्प सम्बन्धी पूर्व सूचना केन्द्रको स्थापना गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | Brain Pooling, युवा वैज्ञानिक तालिम कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने।<br>विद्यावारिधि शोधवृत्ति, अनुसन्धान अनुदान, अनुसन्धान सहायक वृत्ति, विशेष प्रतिभा प्रवर्द्धन, आर्थिक सहयोग प्रदान भएको हुने।<br>Secondary Standard Dosimetry Laboratory स्थापनाका लागि रेडियोधर्मी स्रोत राख्न बंकर निर्माण भएको हुने। | |
| ३५०२१०१४ | चिकित्सा शिक्षा आयोग | चिकित्सा शिक्षा आयोग कोष सञ्चालन कार्यविधि, २०७७ स्वीकृत गरी कार्यन्वयनमा आएको।<br>चिकित्सा शिक्षा अध्यापन गर्ने विश्वविद्यालय, प्रतिष्ठान र शिक्षण संस्थाको गुणस्तर मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७ तथा Standard Format for Institutional Inspection Report तयार गरी कार्यान्वयनमा आएको।<br>स्नातकोत्तर तहको एकीकृत प्रवेश परीक्षा सम्पन्न गरिएको।<br>छात्रवृतिमा छनौट भई अध्ययनरन विद्यार्थीलाई छात्रवृत्ति वितरण गरिएको। | नेपालको आ.व.श्यकता अनुरूपको चिकित्सा शिक्षा नीति तर्जुमा भई कार्यान्वयनमा आएको हुने।<br>चिकित्सा शिक्षा अध्ययनका लागि स्नातक तह र स्नातकोत्तर तहको एकीकृत प्रवेश परीक्षा सञ्चालन भएको हुने।<br>स्वास्थ्य क्षेत्रको जनशक्ति प्रक्षेपण भई सो अनुरूप जनशक्तिको माग र आपूर्ति बीचमा तादात्म्यता कायम भएको हुने।<br>सार्वजनिक शिक्षण संस्थामा स्तातक तहमा चिकित्सा शिक्षा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीहरूलाई कुल सिट संख्याको ७५ प्रतिशत सिटमा नि:शुल्क छात्रवृत्ति उपलब्ध भएको हुने।<br>चिकित्सा शिक्षामा न्यूनतम मापदण्ड निर्धारण भएको हुने।<br>चिकित्सा शिक्षामा वैकल्पिक उपाधिका कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने।<br>नवीनतम पद्धतिमा आधारित गुणस्तरीय | चिकित्सा शिक्षा अध्ययनका लागि स्नातक तह र स्नातकोत्तर तहको एकीकृत प्रवेश परीक्षा सञ्चालन गर्ने।<br>सार्वजनिक शिक्षण संस्थामा स्तातक तहमा चिकित्सा शिक्षा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीलाई कुल सिट संख्याको ७५ प्रतिशत सिटमा नि:शुल्क छात्रवृत्ति उपलब्ध गराउने।<br>चिकित्सा शिक्षामा न्यूनतम मापदण्ड निर्धारण गर्ने।<br>चिकित्सा शिक्षामा वैकल्पिक उपाधिका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | वैकल्पिक चिकित्सा शिक्षा लागू भएको हुने। | |
| ३५००१०१३ | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई | व्यवस्थित रूपमा पुराना शैक्षिक अभिलेख व्यवस्थापन र प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध गराएको।<br>कक्षा १० को एसइइ परीक्षा , शिक्षा सेवा आयोग र कक्षा ११ र १२ को परीक्षा सञ्चालनमा समन्वय गरिएको।<br>जिल्लाभित्रका स्थानीय तहबीच शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन र व्यवस्थापन तथा अभिलेख एवम् प्रतिवेदन सम्बन्धी कार्यमा समन्वय गरिएको। | पुराना शैक्षिक अभिलेख व्यवस्थापन र प्रमाणित प्रतिलिपि उपलब्ध भएको हुने।<br>कक्षा १० को एसइइ परीक्षा , शिक्षा सेवा आयोग र कक्षा ११ र १२ को परीक्षा सञ्चालनमा समन्वय भई प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन भएको हुने।<br>जिल्ला भित्रका स्थानीय तहबीच शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन र व्यवस्थापन तथा अभिलेख एवम् प्रतिवेदन सम्बन्धी कार्यमा प्रभावकारी समन्वय भई कार्य सञ्चालनमा सहजीकरण भएको हुने।<br>स्थानीय तह शिक्षा अधिकृतहरूको क्षमता विकास भएको हुने।<br>जिल्लास्तरीय IEMIS प्रतिवेदन तयार भएको हुने।<br>द्वन्द्व पीडित तथा शहिद परिवारका विद्यार्थीले छात्रवृत्ति प्राप्त गरेको हुने।<br>नयाँ पाठ्यक्रमको प्रबोधीकरण भएको हुने।<br>दरबन्दी मिलान र विद्यालय सुपरीवेक्षणमा सहजीकरण भएको हुने।<br>भूकम्प तथा अन्य कारणले क्षतिग्रस्त विद्यालय भवन निर्माणको कार्य भएको हुने। | अभिलेख व्यवस्थापन, परीक्षा सञ्चालनमा समन्वय तथा सहजीकरण गर्ने।<br>स्थानीय तहसँग समन्वय तथा सहजीकरण तथा स्थानीय तहका अधिकृतहरूको क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>जिल्ला स्तरीय IEMIS प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>द्वन्द्व पीडित तथा शहिद परिवारका विद्यार्थीले छात्रवृत्ति वितरण गर्ने।<br>विद्यालय सुपरीवेक्षण तथा शिक्षक पेसागत विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| | प्राविधिक विश्वविद्यालय तथा मेडिकल कजेज | प्राविधिक विश्वविद्यालय तथा मेडिकल कलेजहरूको जग्गा प्राप्ति, गुरूयोजना निर्माण, पूर्वाधार विकासको कार्य भईरहेको। | गेटा मेडिकल कलेज, सुर्खेत मेडिकल कलेज, बुटवल मेडिकल कलेज, बर्दिवास मेडिकल कलेज, विदुषी योगमाया आयुर्वेद विश्वविद्यालय, | प्राविधिक विश्वविद्यालय तथा मेडिकल कलेजहरूको जग्गा प्राप्ति, गुरूयोजना निर्माण, डिपिआर तयारी, पूर्वाधार विकास |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | पूर्वाधार निर्माण विकास समिति आयोजनाहरू | | मदन भण्डारी विज्ञान तथा प्रविधि विश्वविद्यालय, मदन भण्डारी प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय स्थापनाका लागि गुरूयोजना निर्माण, डिपिआर तयारी तथा भौतिक संरचना निर्माण गरी विश्वविद्यालय सञ्चालन भएको हुने। | कार्यक्रम गर्ने। |
| ३५०००१०९ | राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यक्रम (रूपान्तरणकारी आयोजना) | २,९८० कक्षाकोठा निर्माण भएको।<br>३१२ शौचालय निर्माण भएको।<br>५६६ विद्यालयमा शैक्षिक सामग्री व्यवस्थापन भएको।<br>८९६ विद्यालयमा सूचना प्रविधि विस्तार भएको।<br>३२१ विद्यालयमा ल्याव तथा पुस्तकालय व्यवस्थापन भएको।<br>८८० विद्यालयमा नवीन प्रविधि प्रयोग तथा प्रवर्द्धन भएको।<br>४५ विशेष विद्यालयमा भौतिक सुविधा विस्तार भएको।<br>परियोजनाहरू छनौट भई स्थानीय तहमा ५ अर्ब ७ करोड ४१ लाख ५० हजार बजेट हस्तान्तरण भएको। | १० हजार कक्षाकोठा निर्माण भएको हुने।<br>१ हजार शौचालय निर्माण भएको हुने।<br>२ हजार विद्यालयमा शैक्षिक सामाग्री व्यवस्थापन भएको हुने।<br>३ हजार विद्यालयमा सूचना प्रविधि विस्तार भएको हुने।<br>१,२०० विद्यालयमा ल्याव तथा पुस्तकालय व्यवस्थापन भएको हुने।<br>३ हजार विद्यालयमा नवीन प्रविधि प्रयोग तथा प्रवर्द्धन भएको हुने।<br>१५० विशेष विद्यालयमा भौतिक सुविधा विस्तार भएको हुने। | कक्षाकोठा निर्माण गर्ने।<br>शौचालय निर्माण गर्ने।<br>विद्यालयमा शैक्षिक सामाग्री व्यवस्थापन गर्ने।<br>विद्यालयमा सूचना प्रविधि विस्तार गर्ने।<br>विद्यालयमा ल्याव तथा पुस्तकालय व्यवस्थापन गर्ने।<br>विद्यालयमा नवीन प्रविधि प्रयोग तथा प्रवर्द्धन गर्ने।<br>विशेष विद्यालयमा भौतिक सुविधा विस्तार गर्ने। |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

संघीय शिक्षा ऐनको तर्जुमा भई तदनुरूप प्रदेश र स्थानीय तहमा कानुन निर्माण, कार्य जिम्मेवारी सहितको संरचना निर्माण, व्यवस्थित र भरपर्दो शैक्षिक तथ्याङ्क व्यवस्थापन एवम् प्रतिवेदन प्रणालीको विकास र प्रयोग, आ.व.श्यक दक्ष जनशक्तिको उचित व्यवस्थापन, दातृ निकायबाट प्राप्त हुने स्रोतको प्रयाप्तता, विपद जोखिम व्यवस्थापन, जनशक्तिको क्षमता विकास र परिचालन, नवीनतम प्रविधिहरूको उपयोग, शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि क्षेत्रसँग सम्बद्ध पेसाकर्मीहरूको रचनात्मक सहयोग र सहकार्य एवम् सबै तहका सरकारबीचको समन्वय, सहकार्य र साझेदारीको वातावरण विकास जस्ता पक्षमा समयमै ध्यान पुऱ्याउन सकेमा लक्ष्य पूरा हुने देखिन्छ।

## ६.२ स्वास्थ्य तथा जनसंख्या

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले प्रत्येक नागरिकलाई राज्यबाट आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क प्राप्त गर्ने मौलिक हकको व्यवस्था गरेको छ। देशको विकासमा स्वस्थ र उत्पादनशील नागरिकको महत्वलाई दृष्टिगत गरी लगानी वृद्धि मार्फत गुणस्तरीय तथा सर्वसुलभ स्वास्थ्य सेवामा समतामूलक पहुँच सुनिश्चित गर्नु राज्यको दायित्व हो। यसै सन्दर्भमा लोककल्याणकारी राज्यको अवधारणा अनुरूप स्वास्थ्य क्षेत्रलाई नाफामुलकबाट सेवामुलक क्षेत्रमा रूपान्तरण गर्दै लैजानुपर्ने आवश्यकता छ। स्वास्थ्य क्षेत्रमा कार्यान्वयन गरिएका विभिन्न कार्यक्रमको परिणाम स्वरूप प्रतिलाख जीवित जन्ममा मातृ मृत्यु अनुपात २३९, प्रतिहजार जीवित जन्ममा नवजात शिशु मृत्युदर २०, शिशु मृत्युदर २७ र पाँच वर्षमुनिका बालमृत्युदर ३२ मा झरेको र जन्मदाको अपेक्षित उमेर ७०.८ वर्ष भएको छ। स्वास्थ्य तथा जनसंख्या व्यवस्थापन सम्बन्धी राज्यको नीति तथा कार्यक्रमको फलस्वरूप जनसंख्याको वार्षिक वृद्धिदर १.३५ प्रतिशत, प्रजननशील उमेरका महिलाको प्रजनन दर २ प्रति महिला र जनसांख्यिक लाभांशको रूपमा रहेको सक्रिय जनसंख्या ५७ प्रतिशत रहेको छ।

दिगो विकास लक्ष्यलाई विकास योजनामा आन्तरिकीकरण गर्ने क्रममा पन्ध्रौ योजनाको नतिजा सूचकका रूपमा दिगो विकास लक्ष्यका सूचकलाई लिइएको छ। नागरिकलाई स्वस्थ बनाउन आधुनिक, आयुर्वेदिक, प्राकृतिक, होमियोप्याथिक चिकित्सा, स्वास्थ्य सुशासन र अनुसन्धान, विश्वभरी महामारी संकटको रूपमा फैलिएको कोरोना भाइरस (कोभिड-१९) जस्ता रोगहरूको पहिचान तथा नियन्त्रणको लागि निरोधात्मक, प्रर्वद्धनात्मक र उपचारात्मक कार्यक्रम मार्फत गुणस्तरीय, समतामुलक र न्यायोचित स्वास्थ्य सेवा तथा सुविधा उपलब्ध गराउन आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक विकास कार्यक्रमबीच तादाम्यता गरिएको छ।

### २. समस्या र चुनौती

जनताको अपेक्षा अनुरुप गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको पहुँच र एकरुपता कायम हुन नसक्नु, सेवामूलक तथा जनस्वास्थ्य प्रति उत्तरदायी जनशक्ति पर्याप्त विकास गर्न नसकिनु, सरकारी स्वास्थ्य संस्थामा आवश्यकता अनुसारको जनशक्ति उत्पादन र उपयोग तथा आधुनिक उपकरण र विशेषज्ञ चिकित्सकहरूवीचको सामञ्जस्यता हुन नसक्नु, सर्ने तथा नसर्ने रोगहरू, कुपोषण, दुर्घटना तथा विपदजन्य स्वास्थ्य समस्या विद्यमान रहनु, विश्वव्यापीकरणसँगै खानपान तथा जीवनशैलीमा आएको परिवर्तनले नसर्ने रोगहरूको भार तथा मानसिक स्वास्थ्य समस्याहरू बढ्दै जानु स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी प्रमुख समस्याका रुपमा देखा परेका छन्। यसैगरी गरिबी, अशिक्षा, भौगोलिक विकटता, अव्यवस्थित शहरीकरण, बसोबास र बसाईसराई तथा आप्रवासन र सामाजिक कुरीतिले जनसंख्या र विकासबीच असन्तुलन हुनु, विस्तृत एवम् खण्डीकृत तथ्याङ्क सहितको जनसंख्या व्यवस्थापन सूचना प्रणाली स्थापना हुन नसक्नु, जनसांख्यिक लाभांशको रूपमा रहेको उत्पादनशील जनशक्तिलाई समष्टिगत देश विकासमा परिचालन गर्न नसक्नु जनसंख्या तथा बसाईँ-सराइ सम्बन्धी प्रमुख समस्याको रुपमा रहेका छन्।

स्वास्थ्यका सबै क्षेत्रमा नागरिकको समतामूलक पँहुच स्थापित गर्नु, गुणस्तरीय आधारभूत स्वास्थ्य सेवालाई सबै स्थानीय तहबाट निःशुल्क रुपमा उपलब्ध गराउनु, स्वास्थ्य उपचारमा विद्यमान उच्च दरको व्यक्तिगत खर्च घटाउनु, स्वास्थ्य बीमा मार्फत गुणस्तरीय उपचारात्मक सेवामा जनताको सर्वसुलभ पहुँच सुनिश्चित गर्नु, स्वास्थ्य क्षेत्रमा निजी तथा गैर सरकारी क्षेत्रको भूमिका थप सेवामूलक बनाउनु, स्वास्थ्य सेवा र सामाजिक उत्तरदायित्व बहन गर्ने सीप-मिश्रित दक्ष स्वास्थ्य जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्नु, औषधि उत्पादनमा आत्मनिर्भरता अभिवृद्धि गरी औषधि तथा औषधिजन्य सामाग्रीको प्रभावकारी व्यवस्थापन तथा नियमन गर्नु, जलवायु परिवर्तन र बढ्दो शहरीकरणसँगै सृजना भएका जीवनशैलीसँग सम्बन्धित स्वास्थ्य समस्याहरूको समाधान गर्नु, स्वास्थ्य

सुचना प्रणालीहरूलाई यथोचित व्यवस्थापन गर्नु प्रमुख चुनौतीका रुपमा रहेका छन्। उत्पादनशील जनशक्तिलाई क्षमतामा आधारित रोजगारीको सुनिश्चितता गर्नु, बढदो आप्रवासनलाई समुचित व्यवस्थापन गर्नु, मृत्युको कारणको अभिलेख राख्ने पद्धतिको विकास र नियमित अनुसन्धान गर्नु, उच्चदरमा बढ्दो ज्येष्ठ नागरिकहरूमा रहेको अनुभव, ज्ञान र सिपलाई अन्तरपुस्ता हस्तान्तरण गर्ने प्रभावकारी व्यवस्था गर्नु, जनसांख्यिकीय सूचना बैंकको निर्माण र विस्तार गरी समग्र स्वास्थ्य तथा जनसंख्या क्षेत्रमा सुशासन कायम गर्नु जस्ता प्रमुख चुनौती रहेका छन्।

## ३. सोच

१. स्वस्थ, उत्पादनशील, जिम्मेवार र सुखी नागरिक (स्वास्थ्य तथा पोषण)।

२. उत्पादनशील जनसांख्यिक स्रोत (जनसंख्या तथा बसाइँसराइ)।

## ४. उद्देश्य

१. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा सबै किसिमका स्वास्थ्य सेवाहरूको सन्तुलित विकास र विस्तार गर्नु। (स्वास्थ्य तथा पोषण)

२. सर्वसुलभ र गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको लागि सरकारको उत्तरदायित्व र प्रभावकारी नियमन अभिवृद्धि गर्दै नाफामूलक स्वास्थ्य क्षेत्रलाई सेवामूलक क्षेत्रको रुपमा क्रमशः रूपान्तरण गर्नु। (स्वास्थ्य तथा पोषण)

३. बहुक्षेत्रीय समन्वय तथा साझेदारी सहित स्वास्थ्य सेवामा नागरिकको पहुँच तथा उपभोग बढाई सेवा प्रदायक र सेवाग्राहीलाई थप जिम्मेवार बनाउदै स्वस्थ जीवनशैली प्रवर्द्धन गर्नु। (स्वास्थ्य तथा पोषण)

४. सबै नागरिकलाई स्वस्थ, सवल र सक्रिय बनाई औसत आयुमा वृद्धि गर्नु। (जनसंख्या तथा बसाइँ-सराइ)

५. बसाइँ-सराइ तथा सहरीकरणको व्यवस्थापन र जनसांख्यिक लाभांशको सदुपयोग गर्नु। (जनसंख्या तथा बसाइँ-सराइ)

६. जनसंख्या सम्बन्धी अध्ययन तथा अनुसन्धानलाई संस्थागत गर्नु। (जनसंख्या तथा बसाइँ-सराइ)

## ५. रणनीति

### अ. स्वास्थ्य तथा पोषण

१. प्रतिकारात्मक, प्रबर्द्धनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्स्थापनात्मक तथा प्रशामक (Palliative Care) लगायतका आधारभूतदेखि विशिष्टिकृत र गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा सबै नागरिकको पँहुच सुनिश्चित गर्ने।

२. आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा तथा अन्य चिकित्सा पद्धतिहरूको योजनावद्ध विकास र विस्तार गर्ने।

३. जीवनपथको अवधारणा (Life Course Approach) अनुरुप सबै उमेर समूहका नागरिकहरूको स्वास्थ्य आवश्यकतालाई सम्वोधन गरी मातृशिशु, बालबालिका र किशोरकिशोरीको सर्वाङ्गगीण विकास र परिवार व्यवस्थापन सेवालाई थप सुधार तथा विस्तार गर्ने।

४. जनसंख्याको वितरण, भौगोलिक अवस्थिति एवम् आवश्यकताको आधारमा संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा अस्पताल र स्वास्थ्य संस्थाहरू तथा सीप-मिश्रित सामाजिक उत्तरदायित्व बहन गर्न सक्ने दक्ष जनशक्तिको बिकास तथा बिस्तार गर्ने।

५. स्वास्थ्यमा राष्ट्रिय लगानी वृद्धि गर्दै दिगो स्वास्थ्य वित्तीय प्रणालीको विकास गर्ने|

६. स्वास्थ्य सेवामा सरकारको नेतृत्वदायी भूमिका सुनिश्चित गर्दै सरकारी, निजी तथा गैरसरकारी क्षेत्रबीचको सहकार्य तथा साझेदारीलाई व्यवस्थापन तथा नियमन गर्ने।

७. नयाँ प्रविधिजन्य स्वास्थ्य सामग्रीहरूका साथै औषधि तथा औषधिजन्य सामाग्रीको उत्पादन, आयात, भण्डारण, वितरण तथा प्रयोगको नियमन तथा व्यवस्थापन गर्ने।

८. सर्ने तथा नसर्ने रोग नियन्त्रण तथा जनस्वास्थ्य विपद् व्यवस्थापन पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यका लागि सामुदायिक स्वास्थ्य

प्रणाली सहितको एकीकृत उपाय अवलम्बन गर्ने।

९. स्वास्थ्य सूचना प्रणालीलाई थप व्यवस्थित, एकीकृत र प्रविधि मैत्री बनाउँदै सबै तहको स्वास्थ्य सूचनाको मागलाई यथोचित सम्बोधन गरी अनुगमन, मूल्याङ्कन, समीक्षा, नीति निर्माण तथा निर्णय प्रकियामा तथ्याङ्कको प्रयोग बढाउने।

१०. नेपाल स्वास्थ्य अनुसन्धान परिषद्को कार्यक्षेत्रलाई समयानुकुल परिमार्जन गर्दै प्रदेशस्तरसम्म विकास र विस्तार गर्ने।

११. आप्रवास प्रक्रियाबाट जन स्वास्थ्यमा हुनसक्ने जोखिमलाई न्यूनीकरण गर्ने व्यवस्था मिलाउने।

१२. बहुक्षेत्रीय पोषण योजनाको समन्वय र साझेदारी मार्फत प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन गर्ने।

१३. बहुक्षेत्रीय समन्वय मार्फत सबै नीतिमा स्वास्थ्यलाई समावेश गर्ने।

### आ. जनसंख्या तथा बसाईँ-सराइ

१. किशोरकिशोरी तथा युवाहरूको सुरक्षित यौन तथा प्रजनन् स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, सुरक्षित मातृत्व र सुरक्षित गर्भपतन लगायतका सेवालाई अधिकारमुखी कार्यक्रमको रुपमा विकास गर्ने।

२. जनसांख्यिक लाभांश सदुपयोग गर्न ज्ञान र सीपमा आधारित रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्ने।

३. अधिकारमा आधारित लैंगिक समानता र समावेशीकरणको माध्यमबाट जनसङ्ख्या र विकासमा मूलप्रवाहीकरण गर्ने नीति लिंदै विद्यमान कानुन तथा संस्थागत व्यवस्थामा सुधार गर्ने।

४. ग्रामीण तथा दुर्गम क्षेत्रमा एकीकृत बस्ती विकासको माध्यमबाट आन्तरिक बसाईँसराई र शहरीकरणलाई व्यवस्थित गर्ने।

५. जनसंख्या तथा बसाईँसराई सम्बन्धी तथ्याङ्क व्यवस्थापनलाई गुणस्तरीय तथा प्रविधिमैत्री बनाई अध्ययन, अनुसन्धान, सर्वेक्षण, प्रक्षेपण, विश्लेषण गरी जनसंख्या सूचनालाई व्यवस्थित गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक तथा लक्ष्य

| नतिजा सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको) | वर्ष | ७०.६ | ७०.८ | ७१.५ | ७२ | ७२ |
| ३० मिनेटको दुरीमा स्वास्थ्य संस्थामा पहुँच भएको घरपरिवार | प्रतिशत | ६१.८ | ६५ | ७३ | ७५ | ८० |
| स्वास्थ्य उपचारमा व्यक्तिगत खर्चको अनुपात | प्रतिशत | ५४.४ | ५० | ४३ | ४२ | ४० |
| मातृ मृत्युदर (प्रति लाख जीवित जन्ममा) | जना | २३९ | २३९ | १५० | १२५ | ९९ |
| ५ वर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा) | जना | २८ | २८ | २७ | २६ | २४ |
| नवजात शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जन्ममा) | जना | १६ | १६ | १५ | १५ | १४ |
| कुल प्रजनन दर | प्रति महिला | २ | २ | २.१ | २.१ | २.१ |
| किशोरी अवस्थाको प्रजनन (१९ वर्ष मुनि जीवित जन्ममा) | प्रतिशत | ६.३ | ६.३ | ६.२ | ६ | ६ |
| पहिचान भएका क्षयरोगीमध्ये उपचारको सफलता दर | प्रतिशत | ९० | ९५ | ९५ | ९५ | ९५ |

| नतिजा सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| ३० वर्षदेखि ७० वर्ष उमेर समूहका मानिसहरूमा कार्डियोभास्कुलर रोग, क्यान्सर, मधुमेह वा स्वासप्रश्वास सम्बन्धी दीर्घकालीन रोगहरूबाट हुने मृत्युदर | प्रति हजार | २.८ | - | २.४० | २.३५ | २.३० |
| स्वास्थ्य बिमामा आवद्ध भएको जनसंख्या | प्रतिशत | ११ | १६ | ६० | ६० | ६० |
| प्रति लाख जनसंख्यामा स्वास्थ्यकर्मीको संख्या | संख्या | ८८१ | ९०० | ४४५० | ४४५० | ४४५० |
| प्रति लाख जनसंख्यामा डाक्टरको संख्या | संख्या | ७८ | ९५ | ९५ | ९५ | १०० |
| परिवार नियोजनको आधुनिक साधन प्रयोग दर | प्रतिशत | ४२.९ | ४५ | ५२ | ५३ | ५३ |
| स्वास्थ्य संस्था मार्फत प्रसूति सेवा लिने महिला | प्रतिशत | ६५.६ | ६६ | ७२ | ७४ | ७६ |
| दक्ष स्वास्थ्यकर्मीको उपस्थितिमा सुत्केरी भएका महिला (जीवित जन्ममा) | प्रतिशत | ६२.४ | ६१ | ७१ | ७३ | ७९ |
| प्रोटोकल अनुसार चार पटकसम्म गर्भवती जाँच गर्ने महिला | प्रतिशत | ५२.६ | ५६ | ७३ | ७५ | ८१ |
| प्रोटोकल अनुसार बच्चाको जन्मपछि तीन पटक सेवा प्राप्त गर्ने महिला | प्रतिशत | १८.८ | २५ | ६० | ६५ | ७० |
| भिटामिन ए प्राप्त गर्ने गर्भवती महिला | प्रतिशत | ५७.३ | ६२ | ७७ | ८० | ८५ |
| डिपीटी हेप खोप तेस्रो प्राप्त गर्ने बालबालिका | प्रतिशत | ७७.९ | ८९ | ९३ | ९४ | ९५ |
| दादुरा खोप प्राप्त गर्ने बालबालिका | प्रतिशत | ७९.६ | ७९ | ९३ | ९४ | ९५ |
| औलो रोगबाट संक्रमित व्यक्ति (इन्डोजेनस संक्रमण मात्र) | संख्या | १०२ | ११० | ५० | २५ | ० |
| एचआइभिबाट नयाँ संक्रमित व्यक्ति | प्रति लाख | ९.४ | ९.२ | १९ | १८ | १७ |
| गर्भवती महिला मध्ये पी एम टी सी टी सेवा पाएका महिला | प्रतिशत | ५६.३ | ५६.३ | ८५ | ९० | ९५ |
| क्षयरोग लाग्ने दर (Incidence Rate) | प्रति एक लाख जनसंख्या | ९१.१ | ९० | ७२ | ६७ | ६४ |
| औलोज्वरो | प्रति हजार जनसंख्या | ०.०२१ | ०.०१७ | ०.०४ | ०.०४ | ०.०२ |

| नतिजा सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| डेङ्गु | संख्या | २२३८२ | १५०० | ३९५ | ३६४ | ३२५ |
| एक्टीभ ट्रकोमा | संख्या | - | - | ७७ | ७३ | ६९ |
| १४ वर्ष वा माथिका व्यक्तिहरूको सुर्ति सेवन/धुम्रपान | प्रतिशत | २२.९ | २२.९ | २५.० | २४.३ | २१.६ |
| महिलाहरूको नाममा घरजग्गा रहेका परिवार | प्रतिशत | २६ | ३३.९३ | २९ | ३० | ३३ |
| जीवन कालमा शारीरिक, मानसिक वा यौन हिंसा पीडित महिला | प्रतिशत | २४.४ | २२ | १७.८ | १६ | १३ |
| विगत १२ महिनामा शारीरिक, मानसिक वा यौन हिंसा पीडित महिला | प्रतिशत | १३.५ | ९.१ | ८ | ७ | ६ |
| ५ वर्षभन्दा मुनिका बालबालिकामा भएको पुड्कोपन (उमेरअनुसार उचाई कम) | प्रतिशत | ३१.५ | ३१.५ | २७ | २४ | २० |
| ५ वर्ष मुनिका कम तौल भएका बालबालिका | प्रतिशत | २४.३ | २४.४ | १९ | १८ | १५ |
| सुधारिएको सरसफाइ सुविधा (एकल प्रयोग) उपलब्ध परिवार | प्रतिशत | ६२ | ६५ | ८६ | ९३ | १०० |
| प्रजनन उमेर समूहका महिलामा रक्तअल्पता | प्रतिशत | ४१ | ४१ | २५ | २३ | |
| पूर्ण खोप प्राप्त गर्ने प्रजननयोग्य उमेरका महिला | प्रतिशत | ७३ | - | ९५ | ९८ | ९९ |
| पूर्ण खोप प्राप्त गर्ने बालबालिका | प्रतिशत | ६४.५ | ७९ | ९५ | ९८ | ९९ |
| स्वास्थ्यमा सरकारी खर्च (कुल राष्ट्रिय बजेटमा) | प्रतिशत | ४.५ | ७.८ | ७ | १० | १० |
| आधारभूत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका परिवार | प्रतिशत | ४८.२ | ५० | ७० | ७५ | ८० |
| जन्मेको एक घण्टाभित्र स्तनपान गरेका बालबालिका | प्रतिशत | ४१.७ | ४१.७ | ८२ | ९१ | ९९ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | १,००९,७४८ | ८७०,९१६ | १३८,८३२ | – | ५२४,५६७ | ८३,०७५ | ४०२,१०६ |
| २०७९/८० | ६८१,५४३ | ४८१,१८२ | २००,३६१ | – | ५२६,९८३ | ११४,५६० | ४०,००० |
| २०८०/८१ | ७२९,७२५ | ५२१,८४८ | २०७,८७७ | – | ३९७,९१४ | ११३,६०९ | २१८,२०२ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति ) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३७०००००११ | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय | ५,६ | नीति तर्जुमा, व्यवस्थापन तथा नियमन | सालबसाली | | स्वास्थ्य सम्बन्धी नीति, रणनीति तर्जुमा भई कार्यान्वयनमा आएको हुने। |
| ३७०००००१३ | पशुपति होमियो चिकित्सालय र युनानी औषधालय | | सेवा प्रवाह | सालबसाली | | वैक्लिपक चिकित्सक सेवाको विस्तार र प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ३७०००१०१ | कान्ति बाल अस्पताल | ३ | विशेषज्ञ बाल स्वास्थ्य सेवा प्रवाह | सालबसाली | | बालबालिकाको गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको पहुँचमा वृद्धि भएको हुने। |
| ३७०००१०२ | शुक्रराज ट्रपिकल अस्पताल | ८ | सरूवा रोग सेवा प्रवाह | सालबसाली | | सरुवा रोगको अध्ययन तथा विशिष्टिकृत सेवा प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ३७०००१०३ | परोपकार प्रसूति अस्पताल | ३ | विशेषज्ञ प्रसुति सेवा प्रवाह | सालबसाली | | दक्ष नर्सिङ्ग जनशक्तिद्वारा प्रसूति तथा प्रजनन सेवा प्रभावकारी भएको हुने। |
| ३७०००१०४ | नेपाल आँखा अस्पताल | ८ | विशेषज्ञ आखाँ उपचार सेवा प्रवाह | सालबसाली | | सबै तहका सरकारमा गुणस्तरी आँखा उपचार सेवाको उपलब्धता भएको हुने। |
| ३७०००१०५ | बी.पी. कोइराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल | १,३,८ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह | सालबसाली | | सुलभ र गुणस्तरीय क्यान्सर उपचार सेवा तथा सचेतना प्रदान भएको हुने। |
| ३७०००१०६ | मनमोहन कार्डियोथेरासिक भस्कुलर तथा ट्रान्स्प्लान्ट केन्द्र | १,८ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह | सालबसाली | | मुटुरोगीहरूलाई स्तरीय एवं सुलभ चिकित्सा सेवा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३७०००१०७ | शहिद गंगालाल हृदय केन्द्र | १,८ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह | सालबसाली | | मुटुका रोगीहरूलाई निःशुल्क रुपमा स्तरीय एवं सुलभ चिकित्सा सेवा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३७०००१०८ | त्रि. वि. शिक्षण अस्पताल (सुरेश वाग्लेस्मृति क्यान्सर केन्द समेत) | १,८ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह | सालबसाली | | गुणस्तरीय उपचार सेवा प्रदान गरी स्वास्थ्य सेवाको प्रभावकारिता वृद्धि भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति ) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३७०००१०९ | स्वास्थ्य कर कोषबाट संचालित कार्यक्रम | १३ | उपचार सेवा प्रवाह तथा रोग नियन्त्रणमा सहयोग | सालबसाली | | सुर्तिजन्य, मदिराजन्य, रसायनिक पदार्थ, विषादी तथा अखाद्य पदार्थको प्रयोगमा कमी आएको हुने। |
| ३७०००११० | आयुर्वेद चिकित्सालय, नरदेवी | २ | आयुर्वेद सेवा प्रवाह | सालबसाली | | आयुर्वेद चिकित्सा सेवाको उपलब्धतामा नागरिकको पहुँच वृद्धि भएको हुने। |
| ३७०००१११ | सिहंदरबार वैद्यखाना | २ | आर्युवेद औषधिको उपलब्धतता | सालबसाली | | गुणस्तरीय आयुर्वेदिक औषधि तथा उपचारको सेवामा वृद्धि भएको हुने। |
| ३७०००११२ | बी.पी. कोईराला लायन्स नेत्र अध्ययन केन्द्र | ८ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह, जनशक्ति उत्पादन | सालबसाली | | पिछडिएको तथा विपन्न नागरिकले दक्ष चिकित्सकको माध्यमबाट नि:शुल्क उपचार सेवा प्राप्त गरेका हुने। |
| ३७०००११३ | नेपाल नेत्र ज्योति संघ | ८ | आँखा सम्बन्धी रोगहरूमा न्यूनीकरण | सालबसाली | | आँखा सम्बन्धी रोगहरूको निदान तथा उपचारमा प्रभावकारिता वृद्धि भएको हुने। |
| ३७०००११४ | स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार कार्यक्रम | १,६ | स्वास्थ्य संस्था समन्वय र सेवाको सुदृढिकरण | सालबसाली | | स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माणको कार्य र विस्तारबाट नागरिकको स्वास्थ्य सेवामा पहुँच र गुणस्तरीयता वृद्धि भएको हुने। |
| ३७०००११५ | मानव अंग प्रत्यारोपण केन्द्र | १,८ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह | सालबसाली | | मृगौला तथा कलेजो लगायतका महत्वपूर्ण अंगहरू सुरक्षित राख्ने सम्बन्धमा सबै नागरिकमा जनचेतना अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३७०००११६ | एकीकृत स्वास्थ्य पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | १,४ | स्वास्थ्य पूर्वाधार विकास तथा विस्तार | (२०७६/२०७७ -८०/८१ ) | १,३५,००० | स्थानीय तहमा स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माणको कार्य सञ्चालन तथा विस्तार भएको हुने। |
| ३७०००११८ | कोभिड १९ रोकथाम तथा नियन्त्रण कार्यक्रम | ८,१३ | कोरोना महामारी रोकथाम तथा नियन्त्रण | २०७७/ ७८ | | कोभिड १९ महामारीको दोस्रो लहर नियन्त्रणको लागि खोपको उचित प्रबन्ध र व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३७००१०११ | स्वास्थ्य सेवा विभाग | १;१२ | समन्वय | सालबसाली | | कोभिड १९ तथा अन्य खोप तथा पोषण प्रवर्द्धन कार्यक्रम नियमित रुपमा सञ्चालन भएका हुने। |
| ३७००११०१ | क्षयरोग नियन्त्रण | १ | संक्रमण रोग नियन्त्रण तथा सेवा प्रवाह | सालबसाली | | क्षयरोग उपचार सफलता दर ९५ प्रतिशत भन्दा बढि भएको हुने।<br>क्षयरोगीहरूको उपचारमा गुणस्तरीय सेवा प्रदान भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति ) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३७००११०२ | एड्स तथा यौन रोग नियन्त्रण | १ | संक्रमण रोग नियन्त्रण तथा सेवा प्रवाह | सालबसाली | | एचआई भी एड्स रोगीहरूको संख्यामा उल्लेखनीय रुपमा कमी आएको हुने। |
| ३७००११०३ | परिवार कल्याण कार्यक्रम | १,३ | महिला स्वास्थ्य तथा प्रजनन स्वास्थ्यमा सुधार | सालबसाली | | आधुनिक परिवार नियोजनको दर ५२ प्रतिशत, स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुति हुने दर ७२ प्रतिशत र पूर्ण खोप पाएको बच्चा ९५ प्रतिशत पुगेको हुने। |
| ३७००११०५ | महामारी तथा रोग नियन्त्रण कार्यक्रम | ८ | संक्रमण तथा रोग नियन्त्रण | सालबसाली | | कोभिड-१९ लगायतका महामारीजन्य रोगको खोप व्यवस्थापन, रोकथाम तथा न्यूनीकरण भएको हुने। |
| ३७००११०७ | स्वास्थ्य व्यवस्थापन कार्यक्रम | ७ | औषधि र उपकरणको सुनिश्चितता | सालबसाली | | औषधि, भ्याक्सिन तथा औजार उपकरणको उपलब्धतामा पर्याप्तता भएको हुने। |
| ३७००११०९ | राष्ट्रिय स्वास्थ्य शिक्षा, सूचना तथा संचार केन्द्र | ६,९ | जनस्वास्थ्यमा सुधार | सालबसाली | | डिजिटल स्वास्थ्यको अवलम्बनबाट स्वास्थ्य सेवामा नागरिकको पहुँच पुगेको हुने। |
| ३७००१११० | राष्ट्रिय स्वास्थ्य तालिम कार्यक्रम | १,४ | स्वास्थ्य जनशक्तिको क्षमता विकास | सालबसाली | | स्वास्थ्यकर्मीहरूको नवीन क्षेत्र तथा प्रविधिमा ज्ञान, सीप तथा क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३७००११११ | कीटजन्य रोग नियन्त्रण अनुसन्धान तथा तालिम केन्द्र | ८,९ | रोग निदानमा योगदान | सालबसाली | | कीटजन्य रोगहरूको पहिचान तथा अनुसन्धानको कार्यमा जिल्लागत सूचना प्राप्त भई नियन्त्रणमा सघाउ पुगेको हुने। |
| ३७००१११२ | राष्ट्रिय जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला | १,८ | प्रयोगशाला सेवाको सुदृढीकरण | सालबसाली | | कोभिड-१९ जस्ता महामारीजन्य रोगको परीक्षण, नियन्त्रण र उपचारजस्ता सेवा सहज रुपमा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३७००१११५ | उपचारात्मक सेवा कार्यक्रम (उपचारात्मक सेवा महाशाखा) | १,८ | उपचारात्मक सेवाको व्यवस्थापन तथा समन्वय | सालबसाली | | डिजिटल प्रविधिको माध्यमबाट स्वास्थ्य सेवा प्रदान भई सबै नागरिकलाई स्वास्थ्य सेवाको पहुँच अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३७००१११६ | नर्सिङ्ग तथा सामाजिक सुरक्षा सेवा कार्यक्रम (नर्सिङ्ग तथा सामाजिक सुरक्षा महाशाखा) | ३ | नर्सिङ्ग सेवाको व्यवस्थापन तथा तथा सामाजिक सुरक्षा सेवा | सालबसाली | | डिजिटल प्रविधिको माध्यमबाट स्मार्ट हेल्थ कार्यक्रम पूर्ण रूपमा सञ्चालन भई नर्सिङ्ग सेवाको प्रभावकारिता वृद्धि भएको हुने। |
| ३७००२०११ | औषधि व्यवस्था विभाग | ७ | औषधि व्यवस्थापन तथा नियमन | सालबसाली | | सबै नागरिकको लागि निःशुल्क तथा गुणस्तरीय औषधिको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति ) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | उपलब्धतामा वृद्धि भएको हुने। |
| ३७००३०११ | आयुर्वेद सेवा कार्यक्रम | २,९ | अनुगमन, सुपरिवेक्षण तथा व्यवस्थापन | सालबसाली | | आयुर्वेद तथा वैकल्पिक चिकित्सा सेवाको सुलभ उपलब्धता भएको हुने। |
| ३७००३१०१ | विविध कार्यक्रम (आयुर्वेद विभाग) | २ | आयुर्वेद अस्पताल सुदृढीकरण | सालबसाली | | आयुर्वेद अस्पतालहरूको सुदृढीकरण मार्फत नागरिकको स्वास्थ्य सेवामा पहुँच वृद्धि भएको हुने। |
| ३७००३१०२ | आयुर्वेद सेवा कार्यक्रम | २ | आयुर्वेदिक सेवा प्रवाह | सालबसाली | | |
| ३७०३११०१ | स्वास्थ्य बिमा बोर्ड | ५ | स्वास्थ्य सेवामा सर्वव्यापी र गुणस्तरीय पहुँच तथा उपयोगमा वृद्धि | २०७२/७३ - २०८०/८१ | ३५,००,०० | ७७ जिल्ला र सबै स्थानीय तहमा स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने। |
| ३७०४१०११ | स्वास्थ्य अनुसन्धान परिषद् | ९,१० | स्वास्थ्य योजना तथा सेवा प्रवाहमा योगदान | सालबसाली | | स्वास्थ्य क्षेत्रमा अध्ययन तथा अनुसन्धानका प्रतिवेदनहरूको नीति तर्जुमा तथा निर्णय प्रकियामा उपयोग भएको हुने। |
| ३७०६१०११ | केन्द्रिय अस्पताल तथा प्रतिष्ठान | ४ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह तथा जनशक्ति उत्पादन | सालबसाली | | विशेषज्ञ जनशक्तिको माध्यमबाट विशेषज्ञ सेवाको उपलब्धता भएको हुने। |
| ३७०६१०१२ | चिकित्सा विज्ञान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान (वीर अस्पताल समेत) | १,३ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह तथा जनशक्ति उत्पादन | सालबसाली | | विशेषज्ञ सीप, सिर्जनशीलता तथा प्राविधक ज्ञान अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३७०६१०१३ | बी.पी कोईराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ६ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह तथा जनशक्ति उत्पादन | सालबसाली | | विशेषज्ञ सीप, सिर्जनशीलता तथा प्राविधिक ज्ञान अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३७०६१०१४ | कर्णाली स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ६ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह तथा जनशक्ति उत्पादन | सालबसाली | | विशेषज्ञ सीप, सिर्जनशीलता तथा प्राविधिक ज्ञान अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३७०६१०१५ | पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ६ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह तथा जनशक्ति उत्पादन | सालबसाली | | विशेषज्ञ सीप, सिर्जनशीलता तथा प्राविधक ज्ञान अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३७०६१०१६ | रासी स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ६ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह तथा जनशक्ति उत्पादन | सालबसाली | | विशेषज्ञ सीप, सिर्जनशीलता तथा प्राविधक ज्ञान अभिवृद्धि भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति ) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३७०६१०१७ | पोखरा स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ६ | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह तथा जनशक्ति उत्पादन | सालबसाली | | विशेषज्ञ सीप, सिर्जनशीलता तथा प्राविधक ज्ञान अभिवृद्धि भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३७०००११ | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय | राष्ट्रिय स्वास्थ्य वित्तीय रणनीति तर्जुमाको लागि १०० दिनको समयावधि तोकी र्‍यापिड रिजल्ट इनिसिएटिभ समूह गठन भएको। | संघीय संरचना अनुरुप राष्ट्रिय नीति, रणनीति, मापदण्ड तथा निर्देशिका कार्यान्वयन गरी नियमन तथा व्यवस्थापकीय प्रणाली सुदृढ भई समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रवाहमा प्रभावकारिता बढेको हुने। | राष्ट्रिय स्वास्थ्य वित्तीय रणनीति तयार गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने।<br>निःशुल्क आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा नागरिकको पहुँच अभिवृद्धि गर्ने।<br>गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदानको लागि तहगत, निकायगत र क्षेत्रगत समन्वय, सहकार्य र साझेदारी वृद्धि गर्ने। |
| ३७०००१३ | पशुपति होमियो चिकित्सालय र युनानी औषधालय | होमियोपेथी र चिकत्सा सेवा प्रदान गरिएको। | होमियो चिकित्सा र युनानी सम्बन्धी गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रवाह भएको हुने। | होमियोपेथी र युनानी चिकित्सा सम्बन्धी उपचार गर्ने र विभिन्न क्षेत्रमा शिविर सञ्चालन गर्ने। |
| ३७०००१०१ | कान्ति बाल अस्पताल | गरिब असहाय बालबलिकाको निःशुल्क उपचार, आइसियु सेवा, विशीष्टीकृत सेवा, फार्मेसी तथा इ.एच.एस. सेवा सञ्चालन भएको। | बालबालिकाहरूको विशिष्ट स्वास्थ्य उपचारको पहुँचमा बृद्धि भई समग्र स्वास्थ्य स्थितिमा सुधार आएको हुने। | गरीब असहाय बालबलिकाको निःशुल्क उपचार, तथा विशीष्टीकृत सेवालई थप प्रभावकारी बनाउने। |
| ३७०००१०२ | शुक्रराज ट्रपिकल अस्पताल | कोभिढ १९ लगायतका सरुवा रोगको रोकथाम तथा नियन्त्रणका लागि एकीकृत कार्यक्रम सञ्चालन भएको। | कोभिड-१९ लगायतका सरुवा रोग परीक्षण, नियन्त्रण र रोकथाम गर्न सघाउ पुर्याई स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबुत भएको हुने। | कोभिड-१९ लगायतका सरुवाजन्य रोग अध्ययन, अनुसन्धान, परीक्षण, नियन्त्रण र रोकथामको कार्यलाई थप मजबुत गर्ने। |
| ३७०००१०३ | परोपकार प्रसुति अस्पताल | दक्ष प्रसुति तथा प्रजनन स्वास्थ्य सेवामा पहुँच वृद्धि भएको। | सुरक्षित प्रसुति तथा गर्भपतन पश्चातको सेवालगायत प्रजनन् स्वास्थ्य सेवामा पहुँच पुगेको हुने। | सुरक्षित प्रसुति सेवाको संख्यात्मक वृद्धि तथा एकद्वार संकट व्यवस्थापन केन्द्र र स्याटलाइट क्लनिक प्रवर्द्धन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | मिडवाइफ शिक्षाको प्रवर्द्धनसँगै मातृमृत्यूदर घटाउने। |
| ३७०००१०४ | नेपाल आँखा अस्पताल | प्रदेश र स्थानीय तहसम्म आँखा शिविर संचालन, विपन्न नागरिकलाई निःशुल्क उपचार तथा शल्यक्रिया सेवा प्रदान गरिएको। | सुलभ र प्रभावकारी विशेषज्ञ आँखाको उपचार सेवा उपलब्ध भएको हुने। | सरकारका तीन वटै तहमा आँखा शिविर संचालन गर्ने।<br>विपन्न नागरिकलाई प्रदान गरिने निःशुल्क तथा शल्यक्रिया सेवा विस्तारलाई निरन्तरता दिने। |
| ३७०००१०५ | बी.पी. कोईराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल | समुदाय स्तरमा क्यानसर रोगको उपचार र सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको। | देशभित्र सुलभ र गुणस्तरीय क्यान्सर उपचार सेवा उपलब्ध भएको हुने। | समुदायस्तरमा क्यान्सर रोगको उपचार र सचेतनामूलक कायक्रम संचालन गर्ने।<br>महिलामा बढ्दो क्रममा रहेको स्तन क्यान्सर र सर्भाइकल क्यान्सर जस्ता रोगको निःशुल्क परीक्षण गर्ने व्यवस्थालाई प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन गर्ने। |
| ३७०००१०६ | मनमोहन कार्डियोथेरासिक भस्कुलर तथा ट्रान्स्प्लान्ट केन्द्र | मुटु, फोक्सो र रक्तनलीको उपचार सम्वन्धमा अनुसन्धान भएको। | मुटुरोगीहरूलाई न्यूनतम सेवा शुल्कमा स्तरीय एवम् सुलभ चिकित्सा सेवा उपलब्ध भएको हुने। | मुटु, फोक्सो र रक्तनलीको उपचार सम्बन्धमा निरन्तर अनुसन्धान गर्ने<br>समतामूलक स्वास्थ्य वीमामार्फत विपन्न नागरिकलाई निःशुल्क सेवा प्रदान गर्ने।<br>विशिष्टिकृत उपचारलाई एकीकृत रूपमा प्रदान गर्न उपकरणको पर्याप्त व्यवस्था गर्ने। |
| ३७०००१०७ | शहिद गंगालाल हृदय केन्द्र | मुटुका बहिरंग सेवा, शल्यक्रिया र क्याथल्याब माफर्त उपचार सेवा प्रदान गरिएको। | मुटुका रोगीहरूलाई न्यूनतम सेवा शुल्कमा स्तरीय एवम् सुलभ चिकित्सा सेवा उपलब्ध भएको हुने। | मुटुका बहिरंग सेवा, शल्यक्रिया, क्याथल्याब मार्फत उपचार, एन्जीयोप्लाष्टिक सेवा प्रदान गर्ने।<br>मुटुरोग सम्बन्धी निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालन गर्ने।<br>नसर्ने तथा दीर्घ रोगीहरूको रोकथाम, नियन्त्रण तथा उपचार सेवालाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्न बहुक्षेत्रीय समन्वय गर्ने। |
| ३७०००१०८ | त्रि. वि. शिक्षण अस्पताल (सुरेश वाग्लेस्मृति क्यान्सर केन्द समेत) | सुलभ र गुणस्तरीय सेवाका लागि आवश्यक उपकरण र जनशक्ति व्यवस्थापन गरिएको। | त्रि.वि. शिक्षण अस्पतालमा क्यान्सरका बिरामीलाई उपचार सेवा उपलव्ध भएको हुने। | गुणस्तरीय उपचार सेवाका लागि भौतिक पूर्वाधार विकास र उपकरणको व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३७०००१०९ | स्वास्थ्य कर | स्वास्थ्यमा प्रतिकूल असर पार्ने | धुम्रपानले हुने क्यान्सर, मुटुजन्य रोग नियन्त्रण | जनस्वास्थ्य समस्या सम्बोधन गर्न "सबै नीतिमा स्वास्थ्यको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | कोषबाट संचालित कार्यक्रम | सुर्तिजन्य, मदिराजन्य, रसायनिक पदार्थ, विषादी तथा अखाद्य पदार्थको प्रयोगलाई नियन्त्रण तथा नियमन गर्ने कार्यक्रम संचालन गरिएको। | तथा उपचारमा थप सहयोग पुगेको हुने। | अवधारणा" कार्यान्वयनमा गर्न सरोकारवालासँग समन्वय र सहकार्य गर्ने।<br>स्वास्थ्यलाई प्रतिकूल असर पार्ने वस्तुहरूको मिसावट र प्रयोगलाई नियन्त्रण र नियमन गर्ने कार्यलाई जोड दिने।<br>जनस्वास्थ्यमा हानी गर्ने प्रशोधित तथा तयारी खाद्य पदार्थ प्रवर्द्धन गर्ने खालका तथ्यहीन र भ्रमपूर्ण सन्देश एवम् विज्ञापनलाई निरुत्साहित र नियन्त्रण गर्न स्वास्थ्य सम्बन्धी सन्देश र सामग्री उत्पादन, प्रसारण र सम्प्रेषणलाई वैज्ञानिक र व्यवस्थित बनाउने। |
| ३७०००११० | आयुर्वेद चिकित्सालय, नरदेवी | नरदेवी अस्पतालबाट आयुर्वेद चिकित्सा सेवा निरन्तर प्रदान भएको। | अस्पतालहरू स्थापना र सुदृढ भई जनतालाई गुणस्तरीय आयुर्वेद सेवा उपलब्ध भएको हुने। | स्थानीय स्तरमा उपलब्ध औषधिजन्य जडीबुटी, खनिज एवम् जान्तब द्रव्यको पहिचान, संकलन, संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्ने संरचनाहरू निर्माण गर्ने।<br>आयुर्वेद सेवाको विकास र विस्तारबाट स्वास्थ्य पर्यटन प्रवद्धन गर्ने। |
| ३७०००१११ | सिंहदरबार वैद्यखाना | आयुर्वेदिक उपचारको लागि मेशिन तथा उपकरण व्यवस्था गरिएको। | गुणस्तरीय आयुर्वेद औषधिहरू सुलभ रूपमा उपलब्ध भएको हुने। | औषधिजन्य जडिबुटी, खनिज एवम् जान्तब द्रव्यको पहिचान, संकलन, संरक्षण र प्रवर्द्धन तथा सहज वितरणमा जोड दिने।<br>वैद्यखानाको संस्थागत सक्रियता वृद्धि गर्ने।<br>आयुर्वेद सेवाको विकास र विस्तारबाट स्वास्थ्य पर्यटन प्रवर्द्धन गर्ने। |
| ३७०००११२ | बी.पी. कोइराला लायन्स नेत्र अध्ययन केन्द्र | दक्ष नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सा शिक्षा प्रदान तथा विपन्न समुदायमा निशुक शिवीर सञ्चालन गरिएको। | दक्ष नेत्र विशेषज्ञ उत्पादन भई स्तरीय आँखा स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध भएको हुने। | आँखा, नाक, कान, घाँटी तथा मुख सम्बन्धी स्वास्थ्य सेवालाई एकीकृत र विशिष्टिकृत रूपमा सबै तहमा विकास र विस्तार गर्ने।<br>विपन्न समुदाय तथा क्षेत्रको पहिचान गरी आँखा सम्बन्धी निःशुल्क शिविर सञ्चालनमा निरन्तरता दिने। |
| ३७०००११३ | नेपाल नेत्र ज्योति संघ | विभिन्न समुदायमा मोतिबिन्दू शल्यक्रिया र निःशुल्क आँखा शिविर सञ्चालन भएको। | आँखा उपचार सम्बन्धी जनचेतना जागृत भई आँखाको रोगमा कमी आएको हुने। | समुदायमा निःशुल्क आँखा जाँच कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>आँखा, नाक, कान, घाटी तथा मुख सम्बन्धी स्वास्थ्य सेवालाई एकीकृत तथा विशिषटीकृत रुपमा सबै तहमा विकास र विस्तार गर्ने।<br>विपन्न समुदाय तथा क्षेत्रको पहिचान गरी आँखा सम्बन्धी निःशुल्क शिविर सञ्चालनमा निरन्तरता दिने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३७०००११४ | स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार कार्यक्रम | सरकारका तीनै तहमा संघीय शासकीय प्रणाली अनुसार स्वास्थ्य पूर्वाधारको विकास तथा विस्तारको कार्य भैरहेको। | तीन तहका स्वास्थ्य सेवाहरूमा समन्वयको कार्य सुदृढ भई स्वास्थ्य सेवा प्रवाहमा सुधार भएको हुने। | नयाँ तथा स्तरोन्नति गरिएका स्वास्थ्य संस्थामा भौतिक पूर्वाधार निर्माण र आधुनिक उपकरण तथा जनशक्ति व्यवस्था गर्ने।<br>आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र, प्राथमिक अस्पताल, द्धितीय तहका अस्पताल र विशिष्टीकृत अस्पतालद्धारा प्रभावकारी सेवा प्रवाह गर्दै वैज्ञानिक सम्प्रेषण प्रणाली अवलम्बन गर्ने। |
| ३७०००११५ | मानव अंग प्रत्यारोपण केन्द्र | मृगौला तथा कलेजो लगायतका अन्य अंग असफल हुनबाट जोगाउन र अंगदान तथा अंग प्रत्यारोपण सम्वन्धमा जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको। | स्वदेशमै अंग प्रत्यारोपणको सेवा उपलव्ध हुनुका साथै मुटु, मृगौला, कलेजो लगायतमा सुलभ उपचार सेवा प्रवाह भएको हुने। | मृगौला र कलेजो प्रत्यारोपण, मुटु तथा अन्य रोगको उपचारको लागि आवश्यक पूर्वाधार र दक्ष जनशक्ति व्यवस्थापन गर्ने।<br>देशका विभिन्न स्थानमा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन गर्ने। |
| ३७०००११६ | एकीकृत स्वास्थ्य पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | स्थानीय तहमा आधारभूत स्वास्थ्य केन्द्र स्थापना र आधारभूत अस्पताल (५, १०, १५ शैय्या) भवन निर्माण, प्रदेश तहमा साविकको जिल्ला तथा अञ्चल अस्पताल स्तरोन्नति गर्न र ट्रमा सेवा विस्तार गर्न सम्बन्धित स्वास्थ्य संस्था तथा विशिष्टिकृत अस्पतालमा रकम हस्तान्तरण भएको। | स्वास्थ्य पूर्वाधारको निर्माण भई यसको माध्यमबाट सेवा प्रवाहको गुणस्तरीयतामा सुधार भएको हुने। | जनसंख्या तथा भूगोलको आधारमा स्वास्थ्य संस्थाहरूको वर्गीकरण, स्वास्थ्य संस्था निर्माण, संचालन तथा व्यवस्थापनको कार्य गर्ने।<br>साविकका अस्पतालको पूर्वाधारको नक्सांकनसँगै स्तरोन्नति र पूर्वाधारको विकास गर्ने।<br>नयाँ तथा स्तरोन्नति गरिएका स्वास्थ्य संस्थामा भौतिक पूर्वाधार निर्माण र आधुनिक उपकरण तथा जनशक्ति व्यवस्था गर्ने। |
| ३७०००११८ | कोभिड १९ रोकथाम तथा नियन्त्रण कार्यक्रम | कोभिड १९ को पहिलो लहर नियन्त्रण तथा व्यवस्थापनको कार्य भएको। | कोरोना महामारी रोकथाम तथा नियन्त्रण भएको हुने। | कोरोना परिक्षण, कोभिड खोप प्रदान तथा औषधि उपकरणको पर्याप्त व्यवस्थापन गर्ने।<br>सबै नागरिकले "मेरो स्वास्थ्य, मेरो जिम्मेवारी"को अवधारणलाई आत्मसात् गरी लागू गर्ने। |
| ३७००१०११ | स्वास्थ्य सेवा विभाग | विभिन्न खोप तथा पोषण प्रवर्द्धनका कार्यक्रम नियमित सञ्चालन भएका। | पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रममा अन्तरतह र निकायबीच समन्वय भई गुणस्तरीय सेवा प्रवाहमा भएको हुने। | बहुक्षेत्रीय पोषण योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न पोषण विशेष र पोषण संवेदनशील कार्यक्रम मार्फत महिला, बालबालिका तथा किशोरकिशोरीको पोषण अवस्थामा थप सुधार गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | कोभिड १९ लगायत अन्य खोपको उपलब्धता र पर्याप्तता वृद्धि गरी सबै नागरिकलाई आवश्यक खोप समयमै र चुस्त रूपमा वितरण गर्ने। |
| ३७००११०१ | क्षयरोग नियन्त्रण कार्यक्रम | राष्ट्रिय क्षयरोग अवस्था सर्वेक्षण (National TB Prevalence Survey) को नतिजा विश्लेषण भएको। | उपचारात्मक तथा प्रवर्द्धनात्मक सेवा प्रदान गरी क्षयरोगीहरूको संख्यामा कमी आएको हुने। | क्षयरोग सम्बन्धी जनचेतना तथा मनोसामाजिक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>सुर्तीजन्य, मदिराजन्य, रासायनिक पदार्थ, विषादी र अखाद्य पदार्थको नियन्त्रणमा समन्वय गर्ने। |
| ३७००११०२ | एड्स तथा यौन रोग नियन्त्रण कार्यक्रम | एचआइभि परीक्षण तथा उपचार सेवामा प्रभावकारिता बढेको। | एचआइभि एड्स रोगीहरूको संख्यामा कमी आउनुका साथै उनीहरूको जीवन सहज भएको हुने। | एचआइभि एड्स रोगीहरूको उपचारात्मक, प्रवर्द्धनात्मक तथा प्रतिकारात्मक सेवा प्रदानमा प्रभावकारिता वृद्धि गर्ने।<br>नयाँ रोगीहरूको पहिचान र परीक्षणको कार्यलाई निरन्तरता दिने। |
| ३७००११०३ | परिवार कल्याण कार्यक्रम | परिवार नियोजन र सुरक्षित मातृत्व सम्बन्धी सेवा तथा कार्यक्रम सञ्चालन भएको। | परिवार नियोजनका साधनको प्रयोग दरमा वृद्धि, महिलाको आङ्ग खस्ने रोगमा कमी र गर्भवती महिलाको जाँचमा वृद्धि भएको हुने।<br>स्वास्थ्य संस्थामा प्रसूति गराउनेको संख्यामा वृद्धि तथा महिलाको प्रजनन स्वास्थ्यमा सुधार आई नवजात शिशु मृत्युदर तथा मातृ मृत्युदरमा कमी आएको हुने। | जीवनचक्रको अवधारणा अनुसार मातृशिशु विकास र परिवार व्यवस्थापन सेवाको सुधार तथा विस्तार गर्ने।<br>महिलामा बढ्दो रुपमा रहेको स्तन तथा सर्भाइकल क्यानसर जस्ता रोगको पूर्व परीक्षणलाई सचेतना वृद्धि गर्ने।<br>मातृ मृत्युदर घटाउन तथ्यमा आधारित मिडवाईफ शिक्षा तथा सेवा लगायतका विशेष कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३७००११०५ | महामारी तथा रोग नियन्त्रण कार्यक्रम | सर्ने तथा नसर्ने र महामारीजन्य रोगसम्बन्धी सचेतना तथा अनुशिक्षण गर्दे तहगत समन्वयमा सेवा प्रदान गरिएको। | कोभिड-१९ लगायतका सरूवाजन्य महामारी रोग र सर्पदंश, रेबिज, कालाजार, डेंगु, मलेरिया, एभियन इन्फ्लुन्जा तथा अन्य संक्रामक रोगको रोकथाम भई मृत्युदरमा कमी आएको हुने।<br>कुष्ठरोगका बिरामी र अपाङ्गता भएका व्यक्तिले प्रभावकारी उपचार सेवा प्राप्त गरेको हुने। | आप्रवासन/प्रवासन तथा खुल्ला सिमानाका कारण आउन सक्ने स्वास्थ्य समस्या, प्रकोप र कोभिड-१९ लगायतका महामारीजन्य रोगको खोप व्यवस्थापन, रोकथाम तथा न्यूनीकरण गर्ने। |
| ३७००११०७ | स्वास्थ्य व्यवस्थापन कार्यक्रम | आधुनिक केन्द्रीय भ्याक्सिन स्टोर तथा निर्माण कार्य भएको। | स्वास्थ्य संस्थाहरूमा समयमा नै औषधि र उपकरणहरू उपलब्ध भई सेवा प्रवाह प्रभावकारी भएको हुने। | नेपाल सरकारबाट प्रदान गर्ने निशुल्क औषधिलाई मध्यनजर गर्दै औषधि उत्पादनमा मुलुकलाई आत्मनिर्भर बनाउने कार्यमा सहकार्य गर्ने।<br>कोभिड १९ लगायतका खोपहरूको उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने।<br>औषधिजन्य जडिबुटीको व्यावसायिक खेति र औषधि उद्योगको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | विकास र प्रवर्द्धनमा जोड दिँदै औषधि तथा प्रविधिजन्य स्वास्थ्य सामग्रीको उत्पादन, भण्डारण र वितरणको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३७००११०९ | राष्ट्रिय स्वास्थ्य शिक्षा, सूचना तथा संचार केन्द्र | स्वास्थ्य साक्षरता अभियान र मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको। | स्वास्थ्यका विषयमा जनचेतना अभिवृद्धि भई जनस्वास्थ्यमा सुधार भएको हुने। | डिजिटल स्वास्थ्य सेवा तथा आधुनिक स्वास्थ्य प्रणालीको विकास गरी गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको पहुँच विस्तार र विकास गर्ने।<br>"एक विद्यालय- एक स्वास्थ्यकर्मी" नीति सबै तहमा कार्यान्वयन गर्ने।<br>सरकारी, निजी, सामुदायिक एवम् सहकारी क्षेत्रको समन्वयात्मक कार्यबाट चिकित्सा सुशासन प्रवद्धन गर्ने।<br>स्वास्थ्य तथ्यांक व्यवस्थालाई गुणस्तरीय तथा प्रविधिमैत्री बनाई अध्ययन, अनुसन्धान, सर्वेक्षण, प्रक्षेपण र विश्लेषण गरी नीति निर्माण र निर्णय प्रक्रियामा उपयोग गर्ने। |
| ३७००१११० | राष्ट्रिय स्वास्थ्य तालिम कार्यक्रम | सरकारका तीनै तहका स्वास्थ्यकर्मीहरूको लागि विभिन्न विषयमा तालिम सञ्चालन गरिएको। | स्वास्थ्यकर्मीहरूको थप ज्ञान, सीप तथा क्षमतामा अभिवृद्धि भई गुणस्तरीय सेवा प्रवाह भएको हुने। | देशको आवश्यकता र प्राथमिकताका आधारमा स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई तालिम तथा विभिन्न विधामा छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने।<br>प्रादेशिक तथा स्थानीय तहमा आवश्यकता पहिचान गरी तालिमको लागि दक्ष जनशक्ति परिचालन गर्ने। |
| ३७००१११ | कीटजन्य रोग नियन्त्रण अनुसन्धान तथा तालिम केन्द्र | किटजन्य रोग प्रभावित जिल्लाहरूमा एकीकृत सुपरीवेक्षण तथा स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई तालिम प्रदान गरिएको। | मलेरिया, हात्तीपाइले, जापानिज इन्सेफलाइटिस, कालाजारलगायतका कीटजन्य रोगहरूबारे अनुसन्धान भई रोग निदानमा योगदान भएको हुने। | किटजन्य रोगहरूको अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी जिल्लागत विवरण प्राप्त गर्ने।<br>त्यस्ता रोगहरूबाट प्रभावित जिल्लाहरूका स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई तालिम प्रदान गर्ने।<br>रोगहरूको निदान प्रकियालाई चुस्त बनाउन मौसमी योजना बनाई कार्यन्वयन गर्ने। |
| ३७००१११२ | राष्ट्रिय जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला | प्रयोगशाला भवन निर्माण तथा मेशिन उपकरण खरिद भई नेपालबाट गुणस्तरीय प्रयोगशाला सेवा उपलब्ध भएको। | प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रसम्म जनस्वास्थ्य प्रयोगशालाहरू सुदृढ तथा व्यवस्थित भई व्याक्टेरियोलोजी, वायोकेमेष्ट्रि सेवा उपलब्ध भएको हुने।<br>कोभिड-१९ जस्ता महामारीजन्य रोगको परीक्षण, नियन्त्रण र उपचारजस्ता सेवा उपलब्ध भएको | स्वास्थ्य पूर्वाधारको विकाससँगै प्रयोगशाला सेवाको पनि सबै तहमा विस्तार तथा विकास गर्ने।<br>कोभिड १९ जस्ता महामारीजन्य रोगहरूको परीक्षणलाई सर्वसुलभ र नि:शुल्क परिक्षण गर्न सक्ने गरी उच्चस्तर र आधुनिक प्रविधियुक्त प्रयोगशाला व्यवस्थापन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | हुने। | |
| ३७००१११५ | उपचारात्मक सेवा कार्यक्रम (उपचारात्मक सेवा महाशाखा) | टेलिमेडिसिन लगायतका सेवाहरूको प्रदेश स्तरमा अभिमुखीकरण भई कार्यान्वयन भएको। | उपचारात्मक सेवाका लागि आवश्यक मापदण्ड तयार हुनुका साथै व्यवस्थापनमा सुधार भई स्वास्थ्य सेवामा नागरिकको पहुँच वृद्धि भएको हुने।<br>कोभिड-१९ जस्ता सरूवाजन्य महामारी रोगको नियन्त्रणको लागि समुदायमा आधारित कार्यक्रम संचालन भएको हुने। | कोभिड १९ जस्ता महामारीजन्य रोगहरू दोस्रो तथा तेस्रो लहरको रूपमा समेत फैलन सक्ने आंकलन गरी यसको पहिचान, उपचार, नियन्त्रण तथा उचित व्यवस्थापनको लागि पूर्ण तयारीका साथ दक्ष जनशक्ति परिचालन गर्ने।<br>स्वास्थ्य सेवाका मापदण्ड तथा निर्देशिकाहरूको कार्यान्वयन तथा परिपालना गर्दै नागरिकलाई सहज स्वास्थ्य सुविधा प्रदान गर्ने। |
| ,३७००१११६ | नर्सिङ्ग तथा सामाजिक सुरक्षा सेवा कार्यक्रम (नर्सिङ्ग तथा सामाजिक सुरक्षा महाशाखा) | नर्सहरूका लागि सूचनामा आधारित प्रणालीबाट नर्सिङ्ग नेतृत्व विकासको कार्यक्रम संचालन भएको। | विपन्न नागरिकका लागि उपचारात्मक सेवाको पहुँचमा वृद्धि तथा नर्सिङ्ग सेवामा सुधार भएको हुने। | प्रसूति सेवा प्रदायक स्वास्थ्य संस्थाको सुधार र निरोधात्मक तथा उपचारात्मक कार्यक्रम मार्फत महिलामा हुने फिस्टुला, पाठेघर तथा स्तन क्यान्सर जस्ता प्रजनन स्वास्थ्य समस्याको न्यूनीकरण गर्ने।<br>सुरक्षित मातृत्व र प्रजनन स्वास्थ्य सेवाको पहुँच अति सीमान्तकृत समूहसम्म पुर्याउने।<br>मातृ मृत्युदर घटाउन तथ्यमा आधारित मिडवाइफ शिक्षा तथा सेवा लगायतका विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३७००२०११ | औषधि व्यवस्था विभाग | जेनेरिक तथा अन्य औषधिको आयात तथा उत्पादन र आर्पूर्तिमा सबै तहको सहकार्य र समन्वय भएको। | औषधिको उत्पादन तथा पैठारीमा प्रभावकारी नियमनमार्फत् गुणस्तरीय औषधिमा सर्वसाधारणको पहुँच बढेको हुने। | जेनेरिक प्रेस्क्रिपसनको कार्यान्वयन, औषधिको मूल्य तथा गुणस्तर नियन्त्रण, निर्धारण, प्रतिजैविक प्रतिरोधको न्यूनीकरण, एन्टिबायोटिक दुरुपयोग नियन्त्रण र औषधिको अनुसन्धान लगायतका विषयलाई प्रभावकारी बनाउन नियमन व्यवस्थापन गर्ने।<br>सर्ने तथा नर्सर्ने रोगहरूको लागि आवश्यक पर्ने औषधिहरूको आयात, उचित भण्डारण तथा वितरणको कार्यमा सबै तहमा प्रभावकारिता वृद्धि गर्ने। |
| ३७००३०११ | आयुर्वेद विभाग | आयुर्वेद तथा वैकल्पिक चिकित्सा सेवाको जनचेतना अभिवृद्धिका कार्यक्रम संचालन गरिएको। | अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा सुपरीवेक्षण संस्थागत भै आयुर्वेद लगायत अन्य वैकल्पिक चिकित्सा सेवा प्रभावकारी भएको हुने। | प्रचलित प्राकृतिक चिकित्सा, वैकल्पिक तथा अन्य चिकित्सा पद्धति तथा सेवाहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा सूचीकृत तथा व्यवस्थित गर्ने।<br>आयुर्वेद, पञ्चकर्म, योग र प्राकृतिक चिकित्साको विशिष्टीकृत सेवा सहितको राष्ट्रिय आयुर्वेद, योग, ध्यान, प्रणायाम, मनोपरामर्श, पञ्चकर्म तथा प्राकृतिक चिकित्सा सेवा केन्द्रको स्थापना गरी |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | स्वास्थ्य पर्यटन प्रर्वद्धन गर्ने। |
| ३७००३१०१ | विविध कार्यक्रम (आयुर्वेद विभाग) | आयुर्वेद अस्पतालहरूको स्थापनासँगै सुदृढीकरण गरिएको। | आयुर्वेद अस्पतालहरू स्थापना र सुदृढ भई जनतालाई आयुर्वेद सेवा उपलब्ध भएको हुने। | आयुर्वेद, पञ्चकर्म, योग र प्राकृतिक चिकित्साको विशिष्टीकृत सेवा सहितको राष्ट्रिय आयुर्वेद, योग, ध्यान, प्रणायाम, मनोपरामर्श, पञ्चकर्म तथा प्राकृतिक चिकित्सा सेवा केन्द्रको स्थापना गरी स्वास्थ्य पर्यटनको प्रर्वद्धन गर्ने। |
| ३७००३१०२ | आयुर्वेद सेवा कार्यक्रम | | गुणस्तरीय आयुर्वेद औषधिहरू सुलभ रूपमा उपलब्ध भएको हुने। | आयुर्वेद औषधिहरू खरिद गरी सुलभ रूपमा उपलब्ध गराउने। |
| ३७०३११०१ | स्वास्थ्य बिमा बोर्ड | ६९ जिल्लाको ६७३ स्थानीय तहमा स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रम विस्तार गरिएको।<br>७,४२,१९२ परिवारका ३७,१०,९६२ (१२.३%) जनाको स्वास्थ्य बिमा गरिएको।<br>सरकारी, निजी र सामुदायिक गरी ३७५ वटा स्वास्थ्य सेवा प्रदायक संस्था बोर्डमा सूचीकृत भएका। | स्वास्थ्य बिमामा आवद्ध जनसंख्या ६० प्रतिशत पुगेको र स्वास्थ्य उपचारमा व्यक्तिगत खर्च ५३ प्रतिशतबाट घटेर ४० प्रतिशत भएको हुने। | मुलुकभर स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रम लागू गर्ने र सबै नागरिकलाई गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने कार्यमा जोड दिने। |
| ३७०४१०११ | नेपाल स्वास्थ्य अनुसन्धान परिषद् | स्वास्थ्य क्षेत्रमा अध्ययन तथा अनुसन्धान कार्य गरिएको। | स्वास्थ्य क्षेत्रमा आवश्यक अनुसन्धान भई स्वास्थ्य सेवालाई थप प्रभावकारी बनाउने उपाय पहिचान भएको हुने। | परिषद्को कार्यक्षेत्रलाई संघीय शासन प्रणाली अनुसार प्रदेश तहसम्म विस्तार र विकास गर्ने।<br>तथ्यमा आधारित स्वास्थ्य नीति तथा योजन तर्जुमा गर्न स्वास्थ्य अनुसन्धानलाई विश्वविद्यालय तथा प्राज्ञिक क्षेत्रसँग सहकार्य गर्ने। |
| ३७०६१०११ | केन्द्रिय अस्पताल तथा प्रतिष्ठान | विशेषज्ञ जनशक्तिको उत्पादनमा लगानी भएको। | विशेषज्ञ सेवा प्रवाह हुनुका साथै जनशक्ति उत्पादन भै सेवा प्रवाहमा सुधार भएको हुने। | विशिष्ट तथा अति विशिष्ट प्रकारका सेवाको प्रवर्द्धनसँगै विशेषज्ञ जनशक्तिको उत्पादन गर्ने। |
| ३७०६१०१२ | चिकित्सा विज्ञान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान (वीर अस्पताल | जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि र पुर्वाधार विकासका कार्यहरू | गुणस्तरीय विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हुनुका साथै थप जनशक्ति उत्पादन भएको हुने। | चिकित्सक तथा स्वास्थ्य क्षेत्रका जनशक्तिको विशेषज्ञ सीप, नवीनता, सिर्जनशीलता र क्षमता तथा प्राविधक ज्ञान अभिवृद्धिका |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | समेत) | भएका। | | कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३७०६१०१३ | बी.पी कोईराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि र पूर्वाधार विकास भएको। | गुणस्तरीय विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा उपलव्ध हुनुका साथै थप जनशक्ति उत्पादन भएको हुने। | चिकित्सक तथा स्वास्थ्य क्षेत्रका जनशक्तिको विशेषज्ञ सीप, नवीनता, सिर्जनशीलता र क्षमता तथा प्रावधिक ज्ञान अभिवृद्धिका कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३७०६१०१४ | कर्णाली स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि र पूर्वाधार विकास भएको। | गुणस्तरीय विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा उपलव्ध हुनुका साथै थप जनशक्ति उत्पादन भएको हुने। | चिकित्सक तथा स्वास्थ्य क्षेत्रका जनशक्तिको विशेषज्ञ सीप, नवीनता, सिर्जनशीलता र क्षमता तथा प्रावधिक ज्ञान अभिवृद्धिका कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ,३७०६१०१५ | पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि र पूर्वाधार विकास भएको। | गुणस्तरीय विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा उपलव्ध हुनुका साथै थप जनशक्ति उत्पादन भएको हुने। | चिकित्सक तथा स्वास्थ्य क्षेत्रका जनशक्तिको विशेषज्ञ सीप, नवीनता, सिर्जनशीलता र क्षमता तथा प्रावधिक ज्ञान अभिवृद्धिका कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३७०६१०१६ | रासी स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि र पूर्वाधार विकास भएको। | गुणस्तरीय विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा उपलव्ध हुनुका साथै थप जनशक्ति उत्पादन भएको हुने। | चिकित्सक तथा स्वास्थ्य क्षेत्रका जनशक्तिको विशेषज्ञ सीप, नवीनता, सिर्जनशीलता र क्षमता तथा प्रावधिक ज्ञान अभिवृद्धिका कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३७०६१०१७ | पोखरा स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि र पूर्वाधार विकास भएको। | गुणस्तरीय विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा उपलव्ध हुनुका साथै थप जनशक्ति उत्पादन भएको हुने। | चिकित्सक तथा स्वास्थ्य क्षेत्रका जनशक्तिको विशेषज्ञ सीप, नवीनता, सिर्जनशीलता र क्षमता तथा प्रावधिक ज्ञान अभिवृद्धिका कार्यक्रम संचालन गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

स्वास्थ्य सम्बन्धी संविधानप्रदत्त हकहरूको स्वस्फूर्त कार्यान्वयन गर्न तथा संघीय व्यवस्थानुकुल तीनै तहका सरकारको समन्वयात्मक र सहकार्यात्मक प्रयत्नबाट आम नागरिकको स्वास्थ्य सेवा तथा सुविधामा गुणस्तरीय र समतामुलक पहुँच स्थापित गरी पन्ध्रौ योजनाका लक्ष्य हासिलमा सघाउ पुर्‍याउन मध्यमकलीन खर्च संरचना तयार गरिएको हो। प्रस्तावित कार्यक्रमको लागि संस्थागता सबलता, पर्याप्त स्रोत विनियोजन, स्वास्थ्य सामाग्रीको उपलब्धता, जनशक्ति व्यवस्थापन, अन्तरसरकारी समन्वय हुन नसकेको अवस्थामा कार्यान्वयनमा जटिलता र अपेक्षाकृत नतिजामा ह्रास आउन सक्छ। त्यसैगरी सबै प्रदेशमा सरूवा रोग परीक्षण तथा नियन्त्रणको लागि अत्याधुनिक स्वास्थ्य पूर्वाधार, प्रयोगशाला, औषधि तथा खोप व्यवस्थापन लगायतका सम्पूर्ण कार्यमा सरोकारवाला पक्षको सक्रिय सहभागिता, सहकार्य र साझेदारीमा सामञ्जस्यता तथा एकरुपता कायम हुन नसकेमा कोराना भाइरस (कोभिड-१९) जस्ता महामारीले स्वास्थ्य सेवा प्रणालीलाई नै क्षय गर्न सक्ने जोखिम रहेको छ।

## ६.३ खानेपानी तथा सरसफाइ

### १. पृष्ठभूमि

खानेपानी जीवनको लागि अपरिहार्य आवश्यकता हो। नेपालको संविधानले नागरिकको स्वच्छ वातावरणमा बाँच्न पाउने हक र खानेपानी तथा सरसफाइको पहुँचलाई मौलिक हकको रूपमा व्यवस्था गरेको छ। यस्तै, दिगो विकासको लक्ष्य ६ मा सन् २०३० सम्म, सबैका निम्ति सुरक्षित र व्यहोर्न सकिने खानेपानीको सर्वव्यापी र समानतामूलक पहुँच पुऱ्याउनु पर्ने व्यहोरा उल्लिखित छ। खानेपानी तथा सरसफाइ अन्तर्गत राष्ट्रिय जल योजना, २००५, राष्ट्रिय खानेपानी गुणस्तर मापदण्ड, २०६३, राष्ट्रिय सरसफाइ गुरूयोजना, २०६८, पन्ध्रौं योजना, नेपाल सरकारको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमलाई समेत दृष्टिगत गर्दै यथाशीघ्र सबै नागरिकलाई आधारभूत स्तरको खानेपानी तथा सरसफाइ सुविधा उपलब्ध गराउने लक्ष्य लिइएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

दिन प्रतिदिन बढ्दै गएको खानेपानी तथा सरसफाइको अत्याधिक मागका बीच निर्माणाधीन आयोजना समयमै सम्पन्न गर्न नसकिनु, सम्पन्न भएका आयोजनाको उचित मर्मत सम्भार तथा पुनर्स्थापना गर्न नसकिनु, खानेपानी तथा सरसफाइ क्षेत्रको दिगो विकास लक्ष्य हासिल हुने गरी आवश्यक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्न नसकिनु प्रमुख समस्याका रूपमा रहेका छन्। त्यसैगरी प्राकृतिक, मानवीय तथा अन्य कारणले पानीका मुहानहरू सुक्दै जानु, बढ्दो शहरी क्षेत्रमा पानीको माग पूरा गर्न अत्यधिक चाप पर्नु र उत्सर्जित फोहोर पानीको उचित व्यवस्थापन हुन नसकी नदीनाला, ताल तलैया एवम् जलाशय प्रदूषित बन्दै जानु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीका रूपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

स्वच्छ, सुरक्षित, सर्वसुलभ र दिगो खानेपानी तथा सरसफाइ सेवा।

### ४. उद्देश्य

१. खानेपानी र सरसफाइ सेवाको पर्याप्त, सुरक्षित र सर्वसुलभ रूपमा उपलब्धताबाट जनस्वास्थ्यमा सुधार गर्नु।

२. सबै नागरिकलाई आधारभूत स्तरको खानेपानी सेवामा पहुँच तथा मानव मलमूत्र र फोहोर पानीको उचित व्यवस्थापन गरी वातावरणीय स्वच्छता कायम गराउनु।

३. जलवायु परिवर्तन अनुकूल तथा विपद् व्यवस्थापनमैत्री खानेपानी तथा सरसफाइ सेवा सुनिश्चित गर्नु।

४. खानेपानी तथा सरसफाइको दिगो सेवा प्रवाहमा संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहको भूमिका सबलीकरण गर्दै क्षमता अभिवृद्धि गर्नु।

### ५. रणनीति

१. आधारभूत खानेपानी तथा सरसफाइ सेवाबाट वञ्चित रहेका समुदायको सहभागितामा खानेपानी तथा सरसफाइ सेवा पुऱ्याउने।

२. आयोजना समयमै निर्माण सम्पन्न गर्ने तथा सेवा सञ्चालनमा समस्या भएका आयोजनाको उचित मर्मत सम्भार, पुनर्स्थापना तथा समयसापेक्ष सेवा स्तर अभिवृद्धि गर्दै जाने।

३. सुधारिएको खानेपानी सेवा विस्तारको लागि मागको आधारमा सहलगानी, लागत साझेदारी, लागत उठ्तीको सिद्धान्त अनुरूप खानेपानी आयोजना सञ्चालन गर्ने।

४. फोहोर पानीको उत्सर्जन कम गर्ने र उत्पादित फोहोर पानीको प्रशोधन तथा व्यवस्थापन गर्ने।

५. मानवजन्य फोहोर पानी प्रशोधन सहित व्यवस्थापन तथा दिसाजन्य लेदो व्यवस्थापन गर्दै नदी-नाला, जलाशय, जलाधार तथा ताल-तलैयाको पर्यावरणीय स्वच्छता कायम गर्ने।

६. खानेपानी तथा सरसफाइ आयोजनाहरूलाई जलवायु अनुकूलन तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण हुनेगरी दिगोपना कायम गर्ने।

७. खानेपानीका स्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको पहिचान र संरक्षण, भूमिगत पानीको पुनर्भरण तथा जलस्रोतको बहु उपयोग, एकीकृत उपयोग तथा पुनरूपयोगलाई प्रोत्साहन र प्रवर्द्धन गर्ने।

८. खानेपानी तथा सरसफाइ सेवा प्रदायक निकायहरूको समयानुकुल सुधार, सुदृढीकरण तथा समायोजन गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| आधारभूत स्तरको खानेपानी सेवाबाट लाभान्वित जनसंख्या | प्रतिशत | ९१ | ९४ | ९५ | ९७ | ९९ |
| उच्च मध्यमस्तरको खानेपानी सेवाबाट लाभान्वित जनसंख्या | प्रतिशत | २३ | २८ | ३४ | ३६ | ४० |
| आधारभूत स्तरको सरसफाइ सुविधाबाट लाभान्वित जनसंख्या | प्रतिशत | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |
| प्रशोधन सहितको ढल सुविधाबाट लाभान्वित जनसंख्या | प्रतिशत | २.१ | ३ | ७ | १३ | २० |
| पूर्ण रूपमा संचालित खानेपानी प्रणालीको पहुँच पुगेको जनसंख्या | प्रतिशत | ७० | ८० | ९० | ९५ | ९९ |
| सुधारिएको सरसफाइ सुविधा (एकल प्रयोग) उपलब्ध परिवार | प्रतिशत | ७२ | ७९ | ८६ | ९३ | ९९ |
| घरायसी प्रयोजनबाट उत्सर्जित फोहोर पानीको प्रशोधन (सुरक्षित रूपमा प्रशोधन गरिएको फोहोर पानीको अनुपात) | प्रतिशत | ३ | ७ | ११ | १५ | २० |
| उच्च प्रविधियुक्त खानेपानी कार्यक्रम (वार्षिक) | संख्या | ३,२३५ | ३,००० | २,५०० | २,००० | १,००० |
| जलवायु अनुकूलित बृहत् खानेपानी | संख्या | ४६ | ५४ | ५१ | ४५ | ६० |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| आयोजना/जलाशययुक्त खानेपानी आयोजना (वार्षिक) | | | | | | |
| खानेपानी गुणस्तर सुधार कार्यक्रम | संख्या | ६० | ७८ | १३२ | १७९ | २२१ |
| खानेपानीका प्राकृतिक स्रोत तथा मुहान संरक्षण, भूमिगत पानीको पुनर्भरण | संख्या | २० | ६० | १०० | १५० | २०० |
| ताल तलैया संरक्षण तथा सौन्दर्यीकरण, नदीनालाको पानीको गुणस्तर सुधार समेत | संख्या | ७ | २० | ५० | १०० | १५० |
| खानेपानीको गुणस्तर परीक्षण सम्बन्धी प्रयोगशाला (वार्षिक) | संख्या | ५ | ७ | ८ | ८ | ८ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षिय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ३८०,२८५ | ९,७९९ | २२९,४२३ | १४१,०६३ | २२६,२१८ | १५,४४९ | १३८,६१८ |
| २०७९/८० | ५२६,८०६ | ९,३७३ | ३४८,०८९ | १६९,३४४ | २५७,१०६ | ५,९०० | २६३,८०० |
| २०८०/८१ | ५६६,२६० | १०,०९१ | ३९५,८२५ | १६०,३४४ | २९२,५४० | ३,०६६ | २७०,६५४ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीनिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१३०००११ | खानेपानी मन्त्रालय | ८ | खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी क्षेत्रगत नीति, ऐन, नियमावली तर्जुमा, अनुगमन तथा मूल्यांकन | सालबसाली | ३३,९५ | खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी क्षेत्रगत नीति, ऐन, नियमावली तर्जुमा भई आयोजना निर्माण तथा संचालन प्रक्रिया सहज भएको हुने। |
| ३१३००१०१ | मेलम्ची खानेपानी आयोजना | ३ | मेलम्ची खोलाको पानी काठमाडौं उपत्यकामा पथान्तरण गरी उपत्यकाको खानेपानी समस्या समाधान (प्रथम चरण) | सन् २०००-२०२१ | ३१,३६,१३ | काठमाडौं उपत्यकामा सुरक्षित खानेपानीको सहज आपूर्ति भई खानेपानी समस्या समाधान भएको हुने। |
| ३१३००१०१ | काठमाडौं उपत्यका थोक खानेपानी प्रसारण आयोजना (मेलम्ची दोस्रो) | ३ | सिन्धुपाल्चोक स्थित याङ्ग्री र लार्के खोलाको पानी काठमाडौं उपत्यकामा पथान्तरण गरी उपत्यकाको खानेपानी व्यवस्थापनलाई थप सहजीकरण गर्ने (दोस्रो चरण) | सन् २०१७-२०२५ | २५,००,०० | काठमाडौं उपत्यकामा सुरक्षित खानेपानीको सहज आपूर्ति भई खानेपानी समस्या समाधान भएको हुने। |
| ३१३०१०११ | खानेपानी विभाग | १, २, ३ | संघीय स्तरका आयोजना सञ्चालन तथा प्रदेश र स्थानीय तहसँग समन्वय तथा सहजीकरण | सालबसाली | ७६,१७ | संघीय स्तरका आयोजना प्रभावकारी रूपमा संचालन भएको हुने। |
| ३१३०१०१२ | जनसाधन विकास कार्यक्रम | ८ | स्रोत केन्द्रको रूपमा नीति निर्माता, विश्वविद्यालय र व्यावसायिक संघ संस्थासँगको समन्वयमा अनुसन्धानमूलक कार्य संचालन | सालबसाली | १०,६७ | खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी दक्षता अभिवृद्धि तालिम मार्फत क्षेत्रगत दक्षता अभिवृद्धिमा टेवा पुगेको हुने। |
| ३१३०१०१३ | संघीय खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन | १ २ | खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन विभाग मातहतका आयोजना कार्यान्वयन र | सालबसाली | १,०८,६४ | सालबसाली रूपमा संचालन हुने आयोजनाहरूको कार्यान्वयन मार्फत निर्धारित लक्ष्य अनुरूप प्रगति |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीनिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | आयोजनाहरू | ३<br>६ | विभागबाट प्रदेशस्तरमा हस्तान्तरण भएका आयोजना कार्यान्वयनमा सहजीकरण | | | हासिल भएको हुने। |
| ३१३०११०१ | राष्ट्रिय सूचना व्यवस्थापन तथा अनुगमन आयोजना | १<br>२ | सूचनाको व्यवस्थापन, भौगोलिक सूचना प्रणालीमा आधारित तथ्यांक संकलन, अद्यावधिक र स्थानीय तहको खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी योजना तर्जुमा | सालबसाली | २२,६५ | खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी भौगोलिक सूचना प्रणालीमा आधारित तथ्यांक संकलन र अद्यावधिक गरी सबै स्थानीय तहको खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी योजना तर्जुमा गर्न मद्दत पुगेको हुने। |
| ३१३०११०२ | खानेपानी सेवा विस्तार तथा पुनर्स्थापना कार्यक्रम | १ | सम्पन्न भएका आयोजनाको सम्पत्ति व्यवस्थापन, सेवा संचालन निरन्तरता सेवा विस्तार तथा पुनर्स्थापना कार्य एवम् उपभोक्ता समितिहरूको प्राविधिक एवम् आर्थिक क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | २४,९१,४३ | खानेपानी प्रशोधन प्रणालीका संरचना निर्माण भई उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सेवा विस्तार भएको हुने।<br>आर्सेनिक न्यूनीकरण कार्यक्रम संचालन भई आर्सेनिकको विकल्पमा डिप भूमिगत पानीको प्रयोग भएको हुने। |
| ३१३०११०३ | खानेपानी गुणस्तर सुधार कार्यक्रम | २<br>६ | संरचना निर्माण गरी सेवाको स्तर वृद्धि, आर्सेनिक प्रदुषणको अध्ययन अनुसन्धान, खानेपानी गुणस्तर सम्बन्धी मापदण्ड र निर्देशिकाको कार्यान्वयन र अनुगमन मार्फत सम्पन्न भएका ठूला खानेपानी आयोजनामा गुणस्तर सुधार | सालबसाली | २,५२,८६ | लक्ष्य अनुरूप उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सेवामा नागरिकको पहुँच स्थापित भएको हुने। |
| ३१३०११०५ | जलवायु अनुकूलित बृहत खानेपानी आयोजना | १<br>६ | सुख्खा बस्तीमा उच्च र मध्यम स्तरका खानेपानी सेवा उपलब्ध गराउने बृहत पम्पिङ प्रणालीका आयोजना निर्माण अन्तर प्रादेशिक थोक वितरण प्रणाली, | सालबसाली | २२,०४,८७ | सुख्खा बस्तीमा उच्च र मध्यम स्तरका खानेपानी सेवा उपलब्ध भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीनिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | जलाशययुक्त खानेपानी आयोजना अध्ययन र निर्माण<br>जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण सम्बन्धी क्षमता अभिवृद्धि<br>उपयुक्त प्रविधि विकासको लागि निर्देशिका तर्जुमा | | | |
| ३१३०११०६ | ढल निर्माण तथा प्रशोधन कार्यक्रम | ४<br>५ | उच्च जनघनत्व भएका जिल्ला सदरमुकाम, तथा नगरोन्मुख बस्तीमा ढल निर्माण तथा प्रशोधन आयोजना कार्यान्वयन<br>ढल निर्माण सम्बन्धी मापदण्ड तयारी तथा अद्यावधिक<br>प्रविधि अध्ययन, विकास, अनुसन्धान तथा सूचना व्यवस्थापन | सालबसाली | ११,३१,९५ | प्रशोधन सहितको ढल सुविधाबाट लक्ष्य अनुरूप नागरिकको पहुँच स्थापित भएको हुने। |
| ३१३०११०७ | खानेपानी तथा सरसफाइ सहलगानी आयोजना | १<br>२<br>३ | उपभोक्ताको ३० प्रतिशत लागत साझेदारीमा खानेपानी तथा सरसफाइ आयोजना निर्माण गरी उच्च तथा मध्यम स्तरको खानेपानी सेवा उपलब्धता | सालबसाली | ९,५८,२८ | उपभोक्ता संस्थासँगको लागत साझेदारीमा लक्ष्य अनुरूप खानेपानी तथा सरसफाइ सेवा प्राप्त भएको हुने। |
| ३१३०११०८ | शहरी खानेपानी तथा सरसफाइ (क्षेत्रगत) आयोजना | २<br>३ | शहरी तथा अर्धशहरी क्षेत्रमा उपभोक्ताको ३० प्रतिशत लागत साझेदारीमा खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी संरचना निर्माण<br>खानेपानी तथा सरसफाइ सेवाको | सन् २०१८-२०२३ | ११,८४,२३ | उपभोक्ता संस्थासँगको लागत साझेदारीमा लक्ष्य अनुरूप उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी तथा सरसफाइ सेवा प्राप्त भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीनिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | सेवास्तर र गुणस्तर वृद्धि गरी उपभोक्तालाई सुरक्षित, विश्वसनीय, पर्याप्त र दिगो सेवाको उपलब्धता | | | |
| ३१३०१११३ | केन्द्रीय खानेपानी आयोजना (साविक शहरी खानेपानी व्यवस्थापन सुधार आयोजना) | २<br>३ | मौजुदा कार्यक्रमले नसमेट्ने तर संघीय खानेपानी आयोजनाको मापदण्डमा पर्ने नयाँ आयोजना र पुनर्स्थापना र पुननिर्माण, सुदृढीकरण गर्नुपर्ने प्रकृतिका आयोजना निर्माण | २०७७/७८-२०८१/८२ | २२,३८,१३ | ग्रामीण, अर्ध शहरी तथा शहरी क्षेत्रमा ३० प्रतिशत लागत साझेदारी जुटाउन नसकिने, सुख्खा क्षेत्रमा नपर्ने र लिफ्ट प्रणाली नभएका आयोजना, सामान्य सेवा क्षेत्र विस्तार गर्नुपर्ने बाहेक संघीय खानेपानी आयोजनाको मापदण्डमा पर्ने नयाँ आयोजना र पुनर्स्थापना र पुननिर्माण, सेवास्तर सुदृढीकरण गर्नुपर्ने प्रकृतिका आयोजना निर्माण भइ लक्ष्य अनुरूप खानेपानी तथा सरसफाइ सेवा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३१३०१११४ | एकीकृत खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन आयोजना | २<br>३<br>४<br>५ | प्रादेशिक राजधानी लगायतका १० वटा शहरमा एकीकृत बृहत् खानेपानी तथा ढल प्रशोधन आयोजना एकीकृत रूपमा कार्यान्वयन | २०७७/७८-२०८२/८३ | ६,२३,०० | ठूला शहर तथा प्रादेशिक राजधानीमा एकीकृत रूपमा खानेपानी तथा ढल प्रशोधन प्रणाली सेवा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३१३५१०११ | ग्रामीण खानेपानी तथा सरसफाइ कोष | १ | मागमा आधारित सहभागितामूलक विकास अवधारणा अनुरूप ग्रामीण जनतालाई सुरक्षित खानेपानी तथा सरसफाइ सुविधा उपलब्धता | सन् २०१४-२०२१ | ९,००,०० | ग्रामीण जनतालाई सुरक्षित खानेपानी तथा सरसफाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ५०११३१०१ | खानेपानी उत्पादन वृद्धि कार्यक्रम | १<br>२ | सेवा क्षेत्र भित्र पानी उत्पादन, भण्डारण तथा प्रशोधन क्षमता वृद्धि | सालबसाली | ३,३४,०० | पानी उत्पादन, पम्प, ट्रान्सफर्मर, जेनेरेटर खरिद तथा जडान र पानी प्रशोधन केन्द्रको निर्माण तथा उत्पादित पानी, वितरण प्रणालीसम्म लाग्ने पाइपको विस्तार, सोलार जडान, मुहान तथा नदी |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीनिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | नियन्त्रण भएको हुने। |
| ५०११३१०२ | खानेपानी तथा ढल निकास कार्यक्रम | १<br>४ | सेवा क्षेत्रभित्र पाइपलाइन विस्तार तथा धारा जडान | सालबसाली | १,५७,०० | खानेपानी संस्थान्को कार्यक्षेत्रमा पानी उत्पादन, भण्डारण तथा प्रशोधन क्षमता वृद्धि भएको हुने। |
| ५०११३१०३ | काठमाडौं उपत्यका खानेपानी व्यवस्थापन बोर्ड | ७ | काठमाडौंबासी उपभोक्तालाई खानेपानी तथा ढल निकासको सुलभ तथा भरपर्दो सेवा उपलब्धता<br>विपदको अवस्थामा पनि खानेपानी तथा सरसफाइ सेवा सुनिश्चतता | सालबसाली | १,९९,७० | खानेपानी तथा ढल निकासको सुलभ तथा भरपर्दो सेवा उपलब्ध भएको हुने। |
| ५०११३१०५ | काठमाडौं उपत्यका खानेपानी सुधार आयोजना | २<br>३ | थोक वितरण प्रणाली, वितरण संजालको निर्माण, पानी पोखरीको निर्माण लगायतका संरचनाको पुनर्स्थापना तथा विस्तारमार्फत काठमाडौं उपत्यका भित्र खानेपानी संरचना निर्माण | सन् २०११ - सन् २०२३ | ४०,९५,८९ | मेलम्चीबाट प्राप्त पानी काठमाडौंका उपभोक्ताहरूमा समुचित र सहज वितरण भएको हुने। |
| ५०११३१०६ | काठमाडौं उपत्यका ढल व्यवस्थापन आयोजना | ४<br>५ | फोहोर पानी प्रशोधन प्रणाली तथा इन्सेप्टर ढल निर्माण | सन् २०१३ - सन् २०२२ | १४,४९,०३ | प्रशोधन सहितको ढल प्रणालीमा नागरिकको पहुँच स्थापित गर्न मद्दत पुगेको हुने |
| ५०११३१०७ | ढल प्रशोधन केन्द्र | ४ | ढल प्रशोधन केन्द्रको लागि जग्गा खरिद | सालबसाली | २,००,०० | जग्गा प्राप्ति पश्चात ढल प्रशोधन केन्द्र निर्माण सहज भएको हुने। |
| ३१३०१११५ | कोभिड-१९ रेस्पोन्स आयोजना | १, ६ | स्थानीय तहको परिचालनद्वारा कोभिड-१९ महामारीबाट सिर्जित समस्या सामना गर्न स्थानीय तहको क्षमता अभिबृद्धि<br>विश्वव्यापी कोभिड-१९ महामारीको साथै | २०७८/७९ | सालबसाली | आवश्यक सार्वजनिक सेवा र सुविधाको उपलब्धताबाट कोभिड-१९ को सम्भावित अन्तरव्यक्ति संक्रमण नियन्त्रण भएको हुने। समुदाय स्तरमा कोभिड-१९ संक्रमण तथा रोकथाम सम्वन्धी जनचेतना अभिबृद्धि तथा लैंगिक |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीनिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | अन्य जनस्वास्थ आपतकालको समयोजित सामना गर्न खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन विभागको सुदृढीकरण | | | समानता एवम् सामाजिक समावेशिता सम्बन्धी अवधारणाको विकास भएको हुने।<br>निश्चित स्थानीय तहको कोभिड-१९ महामारी रोकथाम तथा नियन्त्रण सम्बन्धी क्षमता सवलीकरण भएको हुने। |
| ३१३०१११६ | दिगो खानेपानी तथा सरसफाइ आयोजना | १ | खानेपानी, सरसफाइ तथा स्वच्छता (WASH) क्षेत्रमा सबैको समान पहुँच स्थापित गर्न स्थानीय तहको क्षमता अभिवृद्धि | २०७८/७९ - २०८१/८२ | २१ मिलियन यूरो | निर्दिष्ट स्थानीय तहको सहकार्यमा लक्षित उपभोक्तामा सुरक्षित र दिगो खानेपानी तथा पर्याप्त सरसफाइ सेवा पुगेको हुने।<br>जोखिम समूहमा रहेका संकटासन्न महिलाको परिष्कृत स्वच्छता अभ्यास र मर्यादित महिनावारी समेतमा समान पहुँच स्थापित भएको हुने। |
| ३१३०१११७ | खानेपानी सुशासन तथा पूर्वाधार प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ८ | शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रका छनौट भएका स्थानीय तहमा दिगो विकास लक्ष्य ६ अन्तर्गतको लक्ष हासिल गर्न खानेपानी पूर्वाधार बिकास तथा खानेपानी क्षेत्रमा सुशासन प्रवर्द्धन | २०७८/७९ - २०८२/८३ | १२०,००० | खानेपानी सेवा नपुगेको क्षेत्रमा सेवा स्थापित गर्ने।<br>बिद्यमान सेवा प्रवाहको स्तर सुधार गर्ने।<br>खानेपानी गुणस्तर सुधार गर्ने।<br>सेवा संचालन प्रभावकारी बनाउन संस्थागत सुदृढीकरण तथा क्षमता विकास गर्ने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हाल सम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३१३०००११ | खानेपानी मन्त्रालय | खानेपानी तथा सरसफाइ विधेयक तयार भई संघीय संसदमा विचाराधीन रहेको।<br>खानेपानी, सरसफाइ तथा स्वच्छता | नीतिगत तथा नियमनकारी भूमिका पूर्ण रूपमा निर्वाह भएको हुने। | खानेपानी तथा सरसफाइ विधेयक संसदबाट पारित भए पश्चात नियमावली तर्जुमा गर्ने।<br>अन्य आवश्यक नीति एवम् निर्देशिका तयार गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हाल सम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | योजना (WASH Plan) निर्देशिका तयार भएको।<br>खानेपानी विभागको व्यावसायिक योजना तयार भएको। | | |
| ३१३००१०१ | मेलम्ची खानेपानी आयोजना | २५.९२ कि.मि.सुरुङ तथा १७ करोड लिटर क्षमताको सुन्दरीजल पानी प्रशोधन केन्द्र निर्माण सम्पन्न भइ संचालन परीक्षण कार्य सुरु भएको।<br>हेडवर्क्सको विभिन्न संरचना निर्माण गरिएको। हाइड्रोमेकानिकल तथा अनुगमन प्रणालीको जडान कार्य भइरहेको।<br>आयोजनाको दोस्रो चरणको प्रवेशमार्ग तथा पक्की पुल निर्माण सुरु गरिएको। | प्रथम चरण सम्पन्न भएको हुने। | हेडवर्क्सको बाँकी काम सम्पन्न गरी स्थायी रूपले पानी सञ्चालन गर्ने।<br>पानी प्रशोधन केन्द्र भाग १ तथा भाग २ (दैनिक क्षमता १७ करोड लिटर) सञ्चालन गर्ने।<br>आयोजना प्रभावित क्षेत्रमा सामाजिक उत्थान कार्यक्रम अन्तर्गत पूर्वाधार विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आय आर्जन सम्बन्धी थप कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>दोस्रो चरणको प्रवेश मार्ग स्तरोन्नति तथा नयाँ निर्माण कार्यलाई निरन्तरता दिने।<br>मुख्य संरचना सुरुङ हेडवर्क्स तथा पानी प्रशोधन केन्द्रको निर्माण कार्यका लागि निर्माण व्यवसायी परिचालन गर्ने। |
| ३१३००१०१ | काठमाडौं उपत्यका थोक खानेपानी प्रसारण आयोजना (मेलम्ची दोस्रो) | दोस्रो चरण अन्तर्गत आयोजनाको विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भई पहुँच मार्ग निर्माण सुरु भएको। | दोस्रो चरण निर्माणाधीन रहेको हुने। | दोस्रो चरण अन्तर्गत सुरुङ तथा हेडवर्क्सको निर्माण सुरु गर्ने। |
| ३१३०१०११ | खानेपानी विभाग | संघीय स्तरका आयोजना प्रभावकारी रूपमा संचालन गर्न नेतृत्वदायी भूमिका निर्वाह गरेको। | कार्यक्रम व्यवस्थापन पूर्ण रूपमा निर्वाह भएको हुने। | संघीय स्तरका आयोजना सञ्चालन तथा प्रदेश र स्थानीय तहसँग समन्वय तथा सहजीकरण गर्ने। |
| ३१३०१०१२ | जनसाधन विकास कार्यक्रम | खानेपानी तथा सरसफाइको दक्षता वृद्धि गर्न विभिन्न ४४ तालिम सञ्चालन भएको। | २,६०० जनाको लागि तालिम सञ्चालन गरी क्षमता अभिवृद्धि गरिएको हुने। | खानेपानी तथा सरसफाइको दक्षता वृद्धि ४५ वटा तालिम सञ्चालन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हाल सम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | तालिम परिसरमा पाइप तथा खानेपानीको निर्माण सामग्रीको गुणस्तर परीक्षण सुरु गर्ने।<br>लेखनाथ खानेपानी परिसरमा निर्मित स्रोत केन्द्र उपयोगमा ल्याउने। |
| ३१३०१०१३ | संघीय खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन आयोजनाहरू | थप ५ आयोजना कार्यालय समेत कुल २० आयोजना कार्यालय संचालनमा रहेका | कार्यालय व्यवस्थापन तथा आयोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन भएको हुने। | खानेपानी तथा ढल प्रशोधन सम्बन्धी कार्यक्रमको समन्वय र सहजीकरण गर्ने। |
| ३१३०११०१ | राष्ट्रिय सूचना व्यवस्थापन तथा अनुगमन आयोजना | सन् २०१९ सम्म खानेपानी सुविधा उपलब्ध जनसंख्या र घरायसी चर्पी निर्माण भएका घरधुरीको जिल्लागत तथ्यांक अद्यावधिक गरी सार्वजनिक गरिएको।<br>२३६ स्थानीय तहमा NWASH प्रणालीबाट तथ्यांक संकलन, प्रविष्टि तथा खानेपानी, सरसफाइ तथा स्वच्छता योजना तयारी सुरु भएको। | सम्पूर्ण स्थानीय तहको तथ्यांक अद्यावधिक भएको हुने। | खानेपानी सुविधा उपलब्ध गराइएको जनसंख्या र घरायसी चर्पी निर्माण भएको घरधुरीको जिल्लागत तथ्यांक अद्यावधिक गरी सार्वजनिक गर्ने। |
| ३१३०११०२ | खानेपानी सेवा विस्तार तथा पुनर्स्थापना कार्यक्रम | आ.व. २०७७/७८ को अन्तसम्ममा भूकम्पबाट क्षति भएका आयोजनाको मर्मत पुनस्थापना कार्य सम्पन्न भएको।<br>१,६८,००० जनसंख्या लाभान्वित हुने गरी १६५ आयोजना निर्माण भएको। | सम्पन्न आयोजना पुननिर्माण, पुनर्स्थापना, सेवा विस्तार, सेवा स्तर सुधार भई थप ४ लाख ५० हजार जनसंख्या लाभान्वित भएको हुने। | सेवा नपुगेका समुदाय पहिचान र नयाँ योजनाको विस्तृत अध्ययन तथा निर्माण गर्ने।<br>७५५ आयोजना निर्माणको चरणमा रहने र १९५ आयोजना सम्पन्न हुने गरी कार्यान्वयन गर्ने। |
| ३१३०११०३ | खानेपानी गुणस्तर सुधार कार्यक्रम | ९३ खानेपानी गुणस्तर सुधार आयोजना सम्पन्न भई ८९०८१० जनसंख्या मध्यम उच्चस्तरीय खानेपानी सेवाबाट लाभान्वित भएको।<br>विभिन्न जिल्लामा खानोपानी तथा | क्रमागत ५५ आयोजना सम्पन्न गर्नुका साथै थप २० आयोजना सम्पन्न भएको हुने।<br>थप ४२ आयोजना कार्यान्वयन भएको हुने। | ११०,९६७ जनसंख्या लाभान्वित हुने गरी ५५ क्रमागत खानेपानी गुणस्तर सुधार आयोजना मध्ये १५ आयोजनामा खानेपानी प्रशोधन प्रणालीका संरचना निर्माण सम्पन्न गर्ने।<br>८ वटा खानेपानी गुणस्तर प्रयोगशाला संचालन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हाल सम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | सरसफाइ जन्य रोगको प्रकोपको अवस्थामा खानेपानी परीक्षण गरी सर्वसाधारणलाई पिउस, एक्वा ट्याब र ब्लिचिङ पाउडर वितरण गरिएको। | थप ४ लाख ८० हजार जनसंख्या सुरक्षित खानेपानी सेवाबाट लाभान्वित भएको हुने। | आर्सेनिक न्यूनीकरण कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>खानेपानी सुरक्षा योजनाको कार्यान्वयन क्षमता अभिवृद्धि गर्ने। |
| ३१३०११०५ | जलवायु अनुकूलित वृहत खानेपानी आयोजना | कार्यान्वयनमा रहेका आयोजना मध्ये ३ वटा आयोजनाको निर्माण सम्पन्न भएको। | २५ आयोजना सम्पन्न भई ४ लाख ७० हजार जनसंख्या लाभान्वित भएको हुने। | सुख्खा क्षेत्र तर्फको ५४ वटा खानेपानी आयोजना मध्ये १० वटा आयोजना सम्पन्न गर्ने। |
| ३१३०११०६ | ढल निर्माण तथा प्रशोधन कार्यक्रम | सुख्खा क्षेत्र तर्फको ५४ वटा खानेपानी आयोजना मध्ये १० वटा आयोजना सम्पन्न भएको र यसबाट १९५,००० जनसंख्या लाभान्वित हुने | २२ वटा आयोजना सम्पन्न भई २ लाख ७४ हजार जनसंख्या लाभान्वित भएको हुने।<br>८ वटा दिसाजन्य लेदो व्यवस्थापन आयोजना सम्पन्न भई ४ लाख जनसंख्या लाभान्वित भएको हुने। | क्रमागत आयोजना मध्ये ४ वटा प्रशोधन सहितका ढल आयोजना सम्पन्न गर्ने। |
| ३१३०११०७ | खानेपानी तथा सरसफाइ सहलगानी आयोजना | निर्माण सम्पन्न भएको २५.९२ कि.मि.सुरुङको संचालन परीक्षणको कार्य तथा १७ करोड लिटर क्षमताको सुन्दरीजल पानी प्रशोधन केन्द्र संचालन परीक्षण सुरु भएको।<br>हेडवर्क्सको विभिन्न संरचना निर्माण गरिएको। हाइड्रोमेकानिकल तथा अनुगमन प्रणालीको जडान कार्य भइरहेको।<br>आयोजनाको दोस्रो चरणको प्रवेशमार्ग तथा पक्की पुल निर्माण सुरु गरिएको। | ३० वटा आयोजना सम्पन्न भई ४,८७,८५५ जनसंख्या उच्च तथा मध्यम स्तरको खानेपानी सेवाबाट लाभान्वित भएको हुने। | सहलगानी तर्फको संचालित आयोजना मध्ये १२ वटा आयोजनाको निर्माण कार्य सम्पन्न भई १,८७,४७७ जनसंख्या लाभान्वित हुने। |
| ३१३०११०८ | शहरी खानेपानी तथा सरसफाइ (क्षेत्रगत) | ४१० वटा शौचालय निर्माण सम्पन्न भएको। | १७ खानेपानी आयोजना, ३ ड्रेनेज र २ ढल आयोजना सम्पन्न भएको | ७ वटा आयोजना सम्पन्न गर्ने र ७६,२३८ जनसंख्या उच्च तथा मध्यम स्तरको खानेपानी सेवाबाट |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हाल सम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | आयोजना | | हुने।<br>३ लाख २० हजार जनसंख्या उच्च तथा मध्यम स्तरको खानेपानी सेवाबाट लाभान्वित भएको हुने।<br>२०,८७० जनसंख्या प्रशोधन सहितको ढल सुविधाबाट लाभान्वित भएको हुने। | लाभान्वित हुने।<br>५ वटा खानेपानी आयोजनामा SCADA जडान हुने।<br>बाँकी शहरहरूमा लागत असुलीको आधारमा नयाँ पहिचान भएको आयोजनाको निर्माण कार्य शुरु हुने।<br>अन्य आयोजनाको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार हुने। |
| ३१३०१११३ | केन्द्रीय खानेपानी आयोजना (साविक शहरी खानेपानी व्यवस्थापन सुधार आयोजना) | ३० वटा आयोजनाको लागत अनुमान स्वीकृत भएको। | ५६ वटा आयोजना सम्पन्न भई ५,७०,६४३ जनसंख्या खानेपानी सेवाबाट लाभान्चित भएको हुने। | स्काडा प्लान तयारी तथा जडान मार्फत खानेपानी प्रणालीहरूलाई क्रमशः स्वचालित बनाउने। |
| ३१३०१११४ | एकीकृत खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन आयोजना | १२ वटा आयोजनाको लागत अनुमान तयारी भइरहेको। | १७ वटा एकीकृत खानेपानी तथा ढल निर्माण र प्रशोधन आयोजना संचालन भएको हुने। | एकीकृत रूपमा खानेपानी तथा ढल प्रशोधन प्रणाली सेवा संचालनका लागि तयारी कार्य गर्ने। |
| ३१३५१०११ | ग्रामीण खानेपानी तथा सरसफाइ कोष | आधारभूत स्तरका ५४० आयोजना मध्ये ३३४ आयोजना सम्पन्न भई २ लाख ३४ हजार १३० जनसंख्या लाभान्वित भएको।<br>साविकका १३० गाविस। खुला दिसामुक्त क्षेत्र घोषणा गरिएको।<br>७४ आयोजना मर्मत पुनस्थापना गरिएको।<br>पहिलो चरणको ४०४ तथा दोस्रो चरणको १५२ आयोजना सम्पन्न गरिएको। | ब्याच ९ र १० का ८५४ आयोजना सम्पन्न भएको हुने। | आधारभूत स्तरका बाँकी रहेका आयोजना सम्पन्न गर्ने।<br>पुनर्स्थापना कार्यक्रम अन्तर्गत बाँकी रहेका ५ आयोजना सम्पन्न गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हाल सम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ५०११३१०१ | खानेपानी उत्पादन वृद्धि कार्यक्रम | थप ५ एमएलडि भूमिगत खानेपानी उत्पादन गर्ने<br>बुटवल नगरक्षेत्रको खानेपानी प्रणाली सुधार भइरहेको<br>नेपालगञ्ज खानेपानी सुधारको लागि राप्ती नदीबाट उत्पादन हुने पानीको कार्य सम्पन्न गरी ३० एमएलडि सतहगत पानी उत्पादन भइरहेको।<br>मातहतका सबै शाखा कार्यालय अन्तर्गत एक घर एक धारा वितरण गर्ने कार्य भइरहेको। | बुटवलको ३२ एमएलडि र नेपालगञ्जको २५ एमएलडि समेत ६० लाख लिटर भूमिगत पानी उत्पादन तथा वितरण भएको हुने।<br>मातहतका सबै शाखा कार्यालय अन्तर्गत एक घर एक धारा भएको हुने गरी खानेपानी प्रणाली विस्तार भएको हुने। | पानी उत्पादन, नयाँ वेल निर्माण तथा सञ्चालन र पानी प्रशोधन केन्द्रको निर्माण गर्ने।<br>पानी भण्डारण क्षमता वृद्धि, सोलारको निर्माण, मुहान बचाउने कार्य गर्ने। |
| ५०११३१०२ | खानेपानी तथा ढल निकास कार्यक्रम | ४५ कि.मि.पाईप लाईन वितरण प्रणालीमा विस्तार भै थप ७००० नयाँ धारा विरतण गरी खानेपानी आपूर्तीको व्यवस्था सहज हुने | पोखराको पानी प्रशोधन केन्द्रको निर्माण भई ६० कि.मि.पाइपलाइन विस्तार भएको हुने।<br>३५ कि.मि.पाइपलाइन विस्तार भई खानेपानीको आपूर्ति व्यवस्था सुधार भएको हुने। | विभिन्न साइजका पाईप खरिद तथा जडान कार्यलाई निरन्तरता दिदैं थप सहरी जनतालाई खानेपानी सेवा उपलब्ध गराउने तथा संस्थानको आयस्रोतमा वृद्धि गर्ने। |
| ५०११३१०३ | काठमाडौं उपत्यका खानेपानी व्यवस्थापन बोर्ड | २७ स्थानमा वर्षात्को पानी संकलनमा आधारित प्रविधि जडान भएको।<br>२४ वटा टैंकरलाई स्टीकर प्रदान गरिएको<br>५ स्थानमा वाटर एटिएम जडान भएको।<br>२७ कि.मि.खानेपानी पाइप लाइन र ४ कि.मि.ढल लाइन विस्तार भएको।<br>२७७५ चुहावट नियन्त्रण सम्पन्न | आधारभूत खानेपानी तथा सरसफाइ सेवाबाट काठमाडौंबासी लाभान्वित भएका हुने।<br>मानवयजन्य फोहर पानी प्रशोधन सहित व्यवस्थापन तथा दिशाजन्य लेदो व्यवस्थापन गर्दै नदीनाला, तालैयाको स्वच्छता तथा सौन्दयता कायम भएको हुने। | सार्वजनिक जग्गा तथा अन्य सम्पत्ति सुरक्षा, खानेपानी उत्पादन वितरण, गुणस्तर तथा चुहावट नियन्त्रण कार्य, अध्ययन अनुसन्धान, निर्देशिका निर्माण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हाल सम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | भएको। | | |
| ५०११३१०५ | काठमाडौं उपत्यका खानेपानी सुधार आयोजना | थोक वितरण प्रणालीको ७८ कि.मि.सम्पन्न भएको।<br>वितरण प्रणालीको यस आर्थिक वर्षमा २१.० कि.मि.निर्माण कार्य सम्पन्न भई हालसम्म ९८८ कि.मि.निर्माण कार्य सम्पन्न भएको।<br>९ वटा पानीपोखरी निर्माण कार्य सम्पन्न भएको र १ वटा पानीपोखरी निर्माणाधीन रहेको। | सम्पन्न वितरण प्रणालीको परीक्षण सम्पन्न भई ती स्थानमा नयाँ वितरण प्रणालीबाट मेलम्चीको पानी वितरण भएको हुने।<br>सरकारको पूर्ण लगानीको ८०० कि.मि.वितरण प्रणाली निर्माण भई पानी वितरण भएको हुने।<br>काठमाडौं उपत्यका खानेपानी सुधार आयोजना दोस्रो चरणको निर्माण कार्य सञ्चालन भएको हुने। | वितरण प्रणालीको बाँकी ३० कि.मि.निर्माण कार्य गर्ने।<br>१ वटा पानीपोखरी निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने।<br>नेपाल सरकारको पूण लगानीमा सञ्चालित आयोजनाको वितरण तथा थोक वितरण प्रणालीको २०० कि.मि.निर्माण गर्ने।<br>स्क्याडा प्रणालीको काम निरन्तरता दिने।<br>पाइप बिछ्याइएका स्थानमा मेलम्चीको पानी वितरण गर्नको लागि परीक्षण र कमिसनिङ कार्य सम्पन्न गरी पुरानो प्रणालीलाई विस्थापित गर्ने। |
| ५०११३१०६ | काठमाडौं उपत्यका ढल व्यवस्थापन आयोजना | काठमाडौं उपत्यकाका विभिन्न स्थानमा इन्टरसेप्टर ढल निर्माण कार्य तथा ढल प्रशोधन केन्द्रको कार्य भइरहेको। | सल्लाघारी, धोबिघाट तथा कोड्कु ढल प्रशोधन केन्द्र निर्माण भई सञ्चालनमा आएको हुने।<br>पाटन मंगलबजारबाट कृष्णमन्दिर हुँदै शंखमुलसम्म ढल निर्माण भएको हुने।<br>काठमाडौंको गोकर्ण र भक्तपुरको हनुमानघाट विकेन्द्रित फोहोरपानी प्रशोधन केन्द्र निर्माणाधीन हुने। | धोबिघाट ढल प्रशोधन केन्द्रको ६६ प्रतिशत निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने।<br>सल्लाघारी कोड्कु धोबिघाट ढल प्रशोधन केन्द्रको निर्माण कार्य सुचारू गर्ने।<br>पाटन दरबार क्षेत्रमा २ कि.मि.ढल निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने।<br>हनुमन्ते तथा गोकर्णको डेवाट्स निर्माण निर्माण गर्ने। |
| ५०११३१०७ | ढल प्रशोधन केन्द्र | कार्य प्रक्रिया अगाडि बढेको | जग्गा प्राप्त भई संरचना निर्माण कार्य सुरु भएको हुने। | जग्गा प्राप्तिको कार्य प्रारम्भ गर्ने। |
| ३१३०१११५ | कोभिड-१९ रेस्पोन्स आयोजना | आर्थिक वर्ष २०७८/७९ देखि संचालनमा आउने। | कोभिड-१९ संक्रमण तथा रोकथाम सम्बन्धी सचेतना वृद्धि भएको हुने। । | ५ वटा प्रमुख तथा १० वटा साना शहर छनौट गरी कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>महिला पुरुष दुवैको लागि अलग अलग हात धुने स्टेशन (Mobile Hand washing Station) स्थापना गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हाल सम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | उपयुक्त स्थानमा जेष्ठ नागरिक, बालबालिका तथा अपांगता भएका व्यक्ति मैत्री आश्रयस्थल निर्माण गरी क्वारेन्टिनको रूपमा प्रयोगमा ल्याउने।<br>आधारभूत स्वास्थ्य सामाग्री तथा स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध गराउने।<br>५ प्रमुख शहर र निश्चित खा.पा.उ.स.का कार्यालयमा स्वास्थ्य सहायता कक्ष स्थापना गर्ने।<br>५ शहरमा आपतकालीन योजना तयार गर्ने।<br>स्थापना भएका पूर्वाधारको संचालन तथा मर्मतको लागि समुदायस्तरमा क्षमता अभिवृद्धि गर्ने। |
| ३१३०१११६ | दिगो खानेपानी तथा सरसफाइ आयोजना | नयाँ आयोजना | जलवायु अनुकुलन, सुरक्षित र कार्यसबल (Functional) खानेपानी सेवा मार्फत २ लाख जनसंख्या लाभान्वित हुने। | छनौटमा परेका ३० वटा स्थानीय तहमा दिगो खानेपानी, सरसफाइ र स्वच्छता एवम् लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशिता सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३१३०१११७ | खानेपानी सुशासन तथा पूर्वाधार प्रवर्द्धन कार्यक्रम | सुर्खेतको वीरेन्द्रनगरको खानेपानी सेवा सुधारको लागि अध्ययन भैरहेको। | शहरी क्षेत्रमा कम्तीमा ३ वटा र ग्रामीण क्षेत्रमा कम्तीमा १० वटा स्थानीय तहमा कार्यक्रम संचालन हुने। | स्थानीय तहलाई ग्रामीण खानेपानीको सेवा संचालन, मर्मत र आयोजना निर्माणमा आर्थिक तथा प्राविधिक सहयोग गर्ने।<br>वीरेन्द्रनगर खानेपानी आयोजना निर्माणको ठेक्का सम्झौता गर्ने।<br>ढल प्रशोधन आयोजनाको अध्ययन सम्पन्न गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

मध्यमकालीन खर्च संरचनाले प्रक्षेपण गरे अनुसारको बजेट सुनिश्चितता भएमा लक्ष्य अनुसारको उपलब्धि हासिल हुने देखिन्छ। यद्यपि, ठेक्का प्रक्रियामा ढिलाई हुन सक्ने, प्राकृतिक प्रकोप र भौतिक निर्माण कार्यमा हुने समन्वयको कमीले गर्दा पानीका स्रोतमा असर पर्न गई पानीको मात्रा र गुणस्तरमा कमी हुन सक्ने र कार्यक्रम व्यवस्थापकको सेवा निरन्तरता हुन नसक्ने जस्ता पक्षलाई अपेक्षित उपलब्धि हासिल गर्नमा व्यवधान पुऱ्याउने जोखिमका रूपमा आकलन गरिएको छ

## ६.४ युवा तथा खेलकुद

### १. पृष्ठभूमि

युवा तथा खेलकुदको विकास र विस्तार गर्दै सम्वृद्ध राष्ट्र निर्माणका लागि युवा परिचालन गर्न, खेलकुदको माध्यमबाट नागरिकको स्वास्थ्य तथा तन्दुरुस्ती अभिवृद्धिमा मद्दत गर्दै राष्ट्रिय गौरव बढाउन युवा तथा खेलकुद मन्त्रालयले कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै आएको छ। नेपालको दिगो विकासका लक्ष्यहरू प्राप्तिका लागि युवा र खेलकुदको विकास गरी गरिबी न्यूनीकरण, स्वस्थ समाज निर्माण र आर्थिक वृद्धिका लागि युवाको परिचालन गर्नु अपरिहार्य भएको छ। राष्ट्रिय युवा नीति, राष्ट्रिय खेलकुद नीति र दिगो विकासका लक्ष्य प्राप्तिलाई मध्यनजर गर्दै युवाको क्षमता विकास गरी परिचालन गर्ने, युवालाई रोजगार र स्वरोजगार बन्न मद्दत गर्ने, सबैलाई खेलकुद अभ्यासको अवसर सिर्जना गर्ने, खेलकुदका पूर्वाधारहरूको विकास गर्ने र खेलकुदका राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगिताहरू आयोजना गर्ने कार्यलाई जोड दिइनेछ।

### २. समस्या तथा चुनौती

युवाको विकास र परिचालनका लागि प्रदेश, जिल्ला र स्थानीयस्तरमा उपयुक्त संगठन संरचना स्थापित हुन नसक्नु, उद्यमशिलता र रोजगारीका अवसरहरू सीमित हुनु, युवा स्वरोजगारका लागि वित्तीय स्रोत अभाव हुनु, समग्र मानव स्रोतका साथै युवा विकासको ठोस योजना नहुनु, युवा विशेष तथ्याङ्कीय आधार (Database) नहुनु, युवा विकासका प्रमुख समस्याको रूपमा रहेका छन्। प्रतिभावान युवालाई विदेश पलायन हुनबाट रोक्नु, युवा लक्षित जीवनपयोगी, प्राविधिक र व्यवसायिक शिक्षा सर्वसुलभ रूपमा उपलब्ध गराउनु, स्वदेशमा रोजगारीका अवसरहरू वृद्धि गर्नु, युवामा सकारात्मक सोचको विकास र श्रमको सम्मान गर्ने संस्कृतिको विकास गर्नु, वित्तीय स्रोतमा युवाको सहज पहुँच सुनिश्चित गर्नु र युवामा स्वयंसेवकीय संस्कृतिको विकास गर्नु आदि युवा विकासका प्रमुख चुनौती हुन्।

खेलकुद विकासका लागि विद्यमान पूर्वाधारहरू आधुनिक र सुविधायुक्त नहुनु; खेलाडी तथा प्रशिक्षकहरूलाई नियमित र आधुनिक प्रशिक्षण नहुनु; खेलकुदका संघ संगठनहरूमा विवाद सिर्जना हुनु; खेलकुदका पूर्वाधार विकास तथा प्रतियोगिता आयोजनामा निजी तथा अन्तर्राष्ट्रिय लगानी आकर्षित गर्न नसक्नु; पर्वतीय, पर्यटकीय र साहसिक खेलकुद गतिविधि पर्याप्त मात्रामा सञ्चालन गर्न नसक्नु प्रमुख समस्याका रूपमा रहेका छन्। संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड अनुकूलका सुविधा सम्पन्न भौतिक पूर्वाधारहरूको निर्माण गर्नु; समयसापेक्ष राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रियस्तरको अध्ययन, अनुसन्धान, प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिताको व्यवस्था गरी स्वच्छ खेलाडी (Clean Athlete) को विकास, प्रोत्साहन तथा सम्वर्द्धन गर्नु; खेलकुद प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिताहरूमा नयाँ शिल्प (Technique) र विज्ञान प्रविधिको प्रयोग गर्नु; खेलकुदको विकासमा सार्वजनिक लगानी अभिवृद्धि गर्नु; गैरसरकारी र निजीक्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्नु; खेलकुदलाई जीवनको अभिन्न अङ्गको रूपमा स्थापित गर्दै व्यवसाय (Profession) र रोजगारीको रूपमा विकास गर्नु; खेलकुद सम्बद्ध निकायहरूमा शासकीय, व्यवस्थापकीय र संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्नु खेलकुद विकासका प्रमुख चुनौती रहेका छन्।

### ३. सोच

- युवाको सर्वाङ्गीण विकास राष्ट्र निर्माणको प्रमुख आधार (युवा)।
- स्वच्छ, व्यवसायिक तथा प्रविधिमैत्री खेलकुद अभिवृद्धि (खेलकुद)।

## ४. उद्देश्य

### अ. युवा

१. युवाको दक्षता र क्षमताको विकास गर्नु।

२. युवालाई उद्यमशील, रोजगार र स्वरोजगार बनाउनु।

३. शासकीय प्रक्रिया, सामाजिक, सांस्कृतिक र आर्थिक रूपान्तरणमा युवाको सार्थक सहभागिता अभिवृद्धि गर्नु।

४. युवालाई आत्म निर्भर, स्वावलम्बी र चरित्रवान बनाउनु।

### आ. खेलकुद

१. खेलकुद पूर्वाधारको विकास, विस्तार र स्तरोन्नति गर्नु।

२. खेलकुद क्षेत्रलाई प्रतिष्पर्धी र व्यवसायिक बनाउनु।

३. सबै क्षेत्रमा खेलकुदलाई मूलप्रवाहीकरण गर्नु।

## ५. रणनीति

### अ. युवा

१. प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा र सीप विकासका अवसर विस्तार गर्ने।

२. युवालाई उद्यम र व्यवसाय सञ्चालनमा प्रोत्साहन गर्ने।

३. युवाद्वारा सञ्चालित उद्यम, व्यवसाय तथा उद्योगको प्रवर्द्धन गर्ने।

४. वित्तीय स्रोत साधनमा युवाको पहुँच विस्तार गर्ने।

५. तीन तहमा नीति निर्माणदेखि कार्यान्वयनसम्म युवाको समावेशी र सार्थक सहभागिता सुनिश्चित गर्ने।

६. युवा स्वयंसेवी संस्कृतिको विकास गर्ने।

७. स्काउट संरचनालाई विकास र विस्तार गर्ने।

### आ. खेलकुद

१. सबै तहसँगको समन्वय र सहकार्यमा खेलकुद पूर्वाधारको निर्माण, संरक्षण र स्तरोन्नति गर्ने।

२. खेलकुद पूर्वाधारको विकास, व्यवस्थापन र गतिविधि सञ्चालनमा निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गर्ने।

३. खेलकुद विकासमा आवद्ध संघ संस्थाहरूको क्षमता विकास तथा संस्थाहरूमा सुशासन प्रवर्द्धन गर्ने।

४. प्रतिभावान खेलाडीको पहिचान, क्षमता विकास तथा प्रोत्साहनको व्यवस्था गर्ने।

५. समाजमा खेलकुदको महत्व स्थापित गर्दै सबैलाई खेलकुदमा सहभागी हुने अवसर सिर्जना गर्ने।

६. आर्थिक तथा सामाजिक विकासका लागि खेलकुद गतिविधिलाई प्राथमिकता दिने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाई | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| स्वरोजगार कर्जा प्राप्त गरी सञ्चालन भएका व्यवसायमा रोजगार प्राप्त गर्ने युवा | जना (हजार) | ४.७३१ | ५.१ | ३६ | ४८ | ६० |
| विपद व्यवस्थापन तथा स्वयं सेवकीय कार्यमा सहभागी युवा | जना (हजार) | १०.१३५ | ९.६५ | ३० | ४० | ५० |
| नवप्रवर्तन केन्द्र ( वार्षिक) | संख्या | १ | ० | १ | १ | १ |
| नवप्रवर्तन केन्द्रबाट प्रशिक्षण प्राप्त गर्ने युवा | जना | ५० | ० | ७५० | १००० | १२५० |
| युवा क्लबमार्फत नेतृत्व अभ्यास गर्ने युवा | जना (हजार) | १९.२४५ | २९ | ७३ | ९१ | ११० |
| स्वरोजगार कोषमार्फत कर्जा प्राप्त गरी स्वरोजगार भएका युवा | जना (हजार) | ७३.६३८ | ४.५५७ | १०२ | ११६ | १२८ |
| खेलकुद क्षेत्रको पूर्वाधार निर्माण कार्यमा रोजगार प्राप्त गर्ने युवा | जना (हजार) | २.७८० | ०.३६२ | ८.७ | १२.२ | १६.२ |
| खेलकुदको आधारभूत तालिम प्राप्त गर्ने खेलाडी (वार्षिक) | जना (हजार) | ७७ | १२.८११ | ७८ | ७८ | ८० |
| राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रशिक्षण प्राप्त गर्ने खेलाडी | जना (हजार) | १८ | ०.२६० | ३२ | ४२ | ५४ |
| अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद परिसर | संख्या | ० | ० | ४ | ५ | ६ |
| प्रदेशमा अन्तर्राष्ट्रियस्तरको सुविधा सम्पन्न रङ्गशाला | संख्या | १ | ५ वटा निर्माणाधीन | ३ | ४ | ७ |
| क्रिकेट रङ्गशाला | संख्या | १ | १ वटा निर्माणाधीन | १ | २ | ४ |
| उच्च धरातलीय खेलकुद तालिम केन्द्र | संख्या | ३ वटा निर्माणाधीन | ३ वटा निर्माणाधीन | २ | २ | २ |
| खेलग्राम | संख्या | ८४ वटा निर्माणाधीन | १४० वटा निर्माण शुरु | ८० | ८० | १२० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | २१,३५१ | १५,९७४ | ५,३७७ | - | २१,३५१ | - | - |
| २०७९/८० | २६,१६३ | १९,४७० | ६,६९३ | - | २६,१६३ | - | - |
| २०८०/८१ | २८,०३५ | २०,९१७ | ७,११८ | - | २८,०३५ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजनाको अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४३०००११ | युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | | नीति,योजना, कार्यक्रम तर्जुमा समन्वय तथा अनुगमन | सालबसाली | | युवा जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि भई उपयोग तथा खेलकुद क्षेत्रमा प्रगति भएको हुने। |
| ३४३००१०१ | राष्ट्रिय युवा परिचालन कार्यक्रम | १,५,६ | युवा सम्बन्धी नीति एवम् कानूनको मस्यौदा तयारी<br>युवा सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालनको कार्यविधि निर्माण तथा संशोधन<br>युवासम्बन्धी कार्यक्रमहरूको राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय समन्वय, सहजीकरण र सहभागिता<br>सिर्जनशील एवम् युवाको क्षेत्रमा उत्कृष्ट कार्य गर्ने प्रतिभावान युवाको खोजी र सम्मान<br>युवासम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान एवम् तथ्याङ्कहरू अभिलेखीकरण<br>युवा उपयोगी सामग्री उत्पादन एवम् तयारी गरी प्रचार प्रसार र प्रबोधीकरण | सालबसाली | | युवासम्बन्धी नीति एवम् कानूनको परिमार्जन एवम् संशोधन भएको हुने।<br>युवा सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालनको लागि कार्यविधि निर्माण/संशोधन भएको हुने।<br>युवा तथा खेलकुदको तथ्याङ्क अध्यावधिक राख्ने प्रणाली निर्माण भएको हुने।<br>युवा विकास प्रवर्द्धनसम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान भएको हुने।<br>कार्यक्रम प्रभावकारी कार्यान्वयन भई युवा विकास भएको हुने। |
| ३४३००१०२ | खेलकुद विकास कार्यक्रम | ३, ४, ५,६ | खेलकुद सम्बन्धी नीति एवम् कानूनको मस्यौदा तयारी<br>खेलकुद सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालनको कार्यविधिहरू निर्माण तथा संशोधन<br>खेलाडी तथा प्रशिक्षकहरूमा सचेतना अभिवृद्धि<br>खेलकुदसम्बन्धी कार्यक्रमहरूको राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय समन्वय, सहजीकरण र सहभागिता<br>प्रतिभावान खेलाडी र प्रशिक्षकहरूको पहिचान | सालबसाली | | खेलकुद सम्बन्धी नीति एवम् कानूनको परिमार्जन एवम् संशोधन भएको हुने।<br>खेलकुद सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालनको लागि कार्यविधिहरू निर्माण तथा संशोधन भएको हुने।<br>खेलकुद संघहरूको संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने।<br>खेलकुद सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान भएको हुने।<br>खेलकुद क्षेत्रमा प्रगति तथा विकास भएको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजनाको अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | र सम्मान<br>खेलकुद सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान एवम् तथ्याङ्कहरूको अभिलेखीकरण<br>खेलकुद उपयोगी सामग्री उत्पादन एवम् तयारी गरी प्रचार प्रसार र प्रबोधीकरण<br>अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगितामा उत्कृष्ट प्रदर्शन गर्ने खेलाडी तथा प्रशिक्षकलाई प्रोत्साहन | | | हुने। |
| ३४३००१०३ | नेपाल स्काउट | ७ | नेपाल स्काउट विकास, विस्तार र सञ्चालन<br>स्काउट तालिम एवम् स्काउट परिचालन सम्बन्धी कार्य सञ्चालन | सालबसाली | | स्काउट मार्फत विद्यार्थीहरूमा सामाजिक भावनाको विकास एवम् सीप तथा क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३४३४१०१२ | राष्ट्रिय युवा परिषद् | २, ५ | युवा सम्बन्धी संघ संस्थाहरूसँग युवा विकासका लागि समन्वय र सहकार्य<br>युवा विकाससँग सम्बन्धी कार्यको तहगत समन्वय<br>सामाजिक जागरण, रूपान्तरण र समृद्धिका लागि युवा परिचालन<br>युवा समूहलाई उद्यम सञ्चालन गर्न वित्तीय तथा प्राविधिक सहयोग<br>युवा इन्कुबेसन/इनोभेसन सेन्टर स्थापना र सञ्चालन<br>युवालाई परामर्श तथा मार्गदर्शन<br>अपाङ्गता भएका युवालाई सहयोग<br>युवा प्रतिभाहरूको खोजी तथा प्रोत्साहन<br>युवामा उद्यमशिलता र नवप्रर्वतनात्मक कार्यका लागि अनुभव आदान प्रदान<br>युवा उपयोगी सामाग्री उत्पादन एवम् तयारी गरी प्रचारप्रसार र प्रबोधीकरण | सालबसाली | | प्रभावकारी युवा परिचालन मार्फत् समृद्धिमा योगदान पुगेको हुने।<br>युवा जनशक्तिको सीप तथा दक्षता अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३४३५१०११ | युवा तथा साना | १,२,४ | कोषको कर्जा लगानी गरी युवा स्वरोजगार | सालबसाली | | कोषको प्रभावकारी परिचालन मार्फत युवा |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजनाको अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | व्यवसायी स्वरोजगार कोष | | अभिवृद्धि | | | स्वरोजगार अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३४३४१०११ | राष्ट्रिय खेलकुद परिषद | १, २, ५ | नियमित रूपमा खेलाडी प्रशिक्षण, प्रोत्साहन तथा पुरस्कार<br>खेलकुद प्रशिक्षकलाई वैदेशिक प्रशिक्षण तथा तालिमको व्यवस्था<br>खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना<br>खेलकुद पूर्वाधार निर्माण तथा स्तरोन्नति | सालबसाली | | खेलकुद क्षेत्रमा सुशासन कायम भएको हुने।<br>खेलकुद मार्फत् मुलुको प्रतिष्ठा अभिवृद्धि भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३४३०००११ | युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | | उद्देश्य अनुरूप लक्ष्य हासिल भएको हुने। | आवश्यकता अनुसार नीति,योजना, कार्यक्रम तर्जुमा समन्वय तथा अनुगमन गर्ने। |
| ३४३००१०१ | राष्ट्रिय युवा परिचालन कार्यक्रम | १३ जना प्रतिभावना युवालाई रु. १ लाख नगद सहित सम्मान गरिएको।<br>युवाका गतिविधि समेटिएको प्रेरणादायी कार्यक्रम तयार गरी नेपाल टेलिभिजनबाट २०७७ साउनदेखि नियमित प्रसारण भइरहेको।<br>१०० जना युवा विद्यार्थीका लागि मानवता प्रवर्द्धन सम्बन्धी सचेतना गोष्ठी सञ्चालन गरिएको। | ३०० जना युवाले एक अर्को देशको भ्रमण गरी अनुभव आदानप्रदान गरेको हुने।<br>३० जना प्रतिभावान युवा पुरस्कृत भएको हुने।<br>नेपाल टेलिभिजनबाट प्रत्येक हप्ता युवाका लागि प्रेरणादायी कार्यक्रमहरू नियमित प्रसारण भएको हुने।<br>युवा तथा खेलकुदको तथ्याङ्क अध्यावधिक राख्ने प्रणाली निर्माण भएको हुने।<br>युवा विकास प्रवर्द्धनसम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान भएको हुने। | राष्ट्रिय युवा प्रतिभावान सम्मान कार्यक्रम तथा अन्तर्राष्ट्रिय युवा अनुभव आदानप्रदान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>युवा सञ्चार कार्यक्रम उत्पादन तथा प्रसारण गर्ने।<br>स्वयंसेवक परिचालन सम्बन्धी राष्ट्रिय नीति तर्जुमा गर्ने।<br>राष्ट्रिय विकास स्वयंसेवक सेवाको डाटाबेस प्रणालीको निर्माण/स्तरोन्नति र सञ्चालन गर्ने।<br>युवा विकास प्रवर्द्धनसम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान गर्ने।<br>सामाजिक-सांस्कृतिक रूपान्तरणमा युवा सचेतना |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने<br>मानवता प्रवर्द्धनका लागि युवा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३४३००१०२ | खेलकुद विकास कार्यक्रम | ७ जना खेलाडी, २ जना प्रशिक्षक, १ जना निर्णायक, १ वटा खेलसंघ र १ जना चिकित्सकलाई नगदसहित सम्मान गरिएको। खेलकुदमा प्रायोजन गरे बापत काठमाडौं महानगरपालिका र कतार एयरवेजलाई सम्मान गरिएको।<br>नुवाकोटमा ४० र रूपन्देहीमा ४० गरी ८० जना खेलकर्मीलाई खेलकुदमा प्रतिबन्धित औषधी विरुद्धको सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको।<br>खेलकुद पत्रकारिता गर्ने ९ जना पत्रकारलाई नगदसहित खेलकुद पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान गरिएको। | ९०० जना खेलाडी र प्रशिक्षकलाई खेलकुदमा प्रतिबन्धित औषधि सेवन विरुद्धको सचेतना प्रदान गरिएको हुने।<br>खेलुकदमा लैंगिक हिंसाको अवस्था अध्ययन तथा सामाजिक, सांस्कृतिक रूपान्तरण र समृद्धि सम्बन्धमा सचेतना प्रदान गरिएको हुने।<br>३० जना प्रतिभावान खेलाडीलाई खेलकुदको राष्ट्रिय प्रतिभा सम्मान गरिएको हुने।<br>खेलकुद संघहरूको संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गरिएको हुने।<br>अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगितामा पदक प्राप्त गर्ने खेलाडीलाई पुरस्कार वितरण गरिएको हुने।<br>खेलकुद सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान भएको हुने। | खेलकुदको राष्ट्रिय प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम, खेलकुदमा प्रतिबन्धित औषधि सेवन विरुद्धको सचेतना कार्यक्रम एवम् खेलकुद संघहरूको संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>खेलुकदमा लैंगिक हिंसाको अवस्था अध्ययन तथा सामाजिक, सांस्कृतिक रूपान्तरण र समृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>खेलकुदमा सार्वजनिक निजी साझेदारी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगितामा पदक प्राप्त खेलाडीलाई पुरस्कार वितरण गर्ने।<br>खेलुकद पत्रकार पुरस्कार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>खेलकुदमा अध्ययन अनुसन्धानका कार्यहरू गर्ने। |
| ३४३००१०३ | नेपाल स्काउट | ५३५ जनालाई स्काउट तालिम प्रदान गरिएको<br>७० जना स्काउटलाई स्काउट तथा विपद व्यवस्थापन तालिम प्रदान गरिएको छ।<br>विभिन्न दिवस तथा अवसरहरूमा ३५,३१० जना स्काउट स्वयंसेवक परिचालन भएको छ। | १,५०० जना विद्यार्थीलाई स्काउट तालिम प्रदान गरिएको हुने।<br>१,२०० जना स्काउटलाई विपद् व्यवस्थापन तालिम प्रदान गरिएको हुने।<br>१ लाख जना स्काउट स्वयंसेवक परिचालन भएको हुने।<br>सामुदायिक विद्यालयमा अध्ययनरत ६ हजार ६ सय जना स्काउटलाई स्काउट पोशाक र औजार वितरण गरिएको हुने। | नेपाल स्काउट तालिम सञ्चालन गर्ने।<br>स्काउटलाई विपद् व्यवस्थापन तालिम संचालन गर्ने।<br>लागु औषध दुर्व्यशन विरुद्ध युवा स्काउट परिचालन गर्ने।<br>स्काउट स्वयंसेवक परिचालन गर्ने।<br>सामुदायिक विद्यालयमा अध्ययनरत स्काउटलाई स्काउट पोशाक तथा औजार वितरण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३४३४१०१२ | राष्ट्रिय युवा परिषद | सामाजिक जागरण र समृद्धिका लागि ६,५८५ जना युवा परिचालन गरिएको।<br>९११ जना युवालाई उद्यमशीलता तथा वित्तीय साक्षरता तालिम प्रदान गरिनुका साथै युवालाई उद्यमशील बनाउन वाणिज्य बैंकहरूसँग सहकार्य गर्न समझदारी भएको।<br>साझेदारी मोडेलमा युवा नवप्रवर्तन तथा इन्कुबेसन केन्द्र स्थापनाको लागि सामाजिक विकास मन्त्रालय प्रदेश नं १, मदन भण्डारी स्मृति प्रतिष्ठान र काठमाडौं विश्विवद्यालय सँग सम्झौता भई प्रक्रिया अघि बढेको।<br>२,९०० जना युवालाई उनीहरूकै मागको आधारमा परामर्श प्रदान गरिएको।<br>१०० जना अपाङ्गता भएका युवालाई सहयोग सामग्री वितरण गरिएको।<br>युवा प्रतिभाहरूको खोजी कार्यक्रम अन्तर्गत तीनवटै तहमा समृद्ध राष्ट्र निर्माणका लागि युवाका विचारहरू लेखन प्रतियोगिता सञ्चालन गरी प्रोत्साहन गरिएको। | सामाजिक जागरण, रूपान्तरण र समृद्धिका लागि ७ हजार जना युवा परिचालन भएको हुने।<br>२,६०० जना युवालाई उद्यमशीलता तथा वित्तीय साक्षरता तालिम प्रदान गरिएको हुने।<br>४५० वटा युवा समूहलाई उद्यम सञ्चालन गर्न सहयोग प्रदान गरिएको हुने।<br>१ वटा युवा इन्कुबेसन/इनोभेसन सेन्टर स्थापना र सञ्चालन गरिएको हुने।<br>४ हजार जना युवालाई परामर्श तथा मार्गदर्शन प्रदान गरिएको हुने।<br>४०० जना अपाङ्गता भएका युवालाई सहयोग सामग्री उपलब्ध गराइएको हुने।<br>सबै प्रदेश र केन्द्रमा युवा प्रतिभाहरूको खोजी तथा प्रोत्साहन भएको हुने।<br>स्थानीय तहमा युवा क्लब गठन भई सो मार्फत ३५ हजार जना युवाले नेतृत्व अभ्यास गर्ने अवसर प्राप्त गरेको हुने।<br>२५० जना युवालाई उद्यमशीलता र नवप्रर्वतनात्मक कार्यका लागि अन्तर प्रदेश अवलोकन भ्रमण भएको हुने।<br>प्रत्येक हप्ता युवाका लागि प्रेरणादायी कार्यक्रमहरू रेडियो नेपालवाट नियमित प्रसारण भएको हुने। | युवा स्वंयमसेवक विकास र परिचालन गर्ने।<br>सहुलियतपूर्ण कर्जाको सहजीकरणका लागि उद्यमशीलता तथा वित्तीय साक्षरता तालिम सञ्चालन गर्ने।<br>उद्यम परामर्श कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>चक्रीय कोषमा आधारित युवा उद्यम कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>एक शिक्षण संस्था एक उद्यम कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>युवा अनुभव आदानप्रदान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>राष्ट्रिय अपांग कोष मार्फत अपाङ्गता भएका युवाहरूलाई सहयोग प्रदान गर्ने।<br>युवा प्रतिभाहरूको खोजी तथा प्रोत्साहन गर्ने।<br>युवाको नेतृत्व क्षमता विकासका लागि स्थानीय, प्रदेश र संघीय तहमा नमुना युवा संसद अभ्यास सञ्चालन गर्ने। |
| ३४३५१०११ | युवा तथा साना व्यवसायी स्वरोजगार कोष | कोष मार्फत ११ करोड ८२ लाख ५० हजार रुपैंया कर्जा लगानी भई ४,५५७ जना स्वरोजगार भएका र कर्जा लगानी गरिएका ४,५५७ जना व्यवसायीलाई अभिमुखीकरण तालिमसमेत प्रदान गरिएको।<br>१,४९८ जना ब्यबसाय र व्यवसायीको | कोषमार्फत कर्जा प्राप्त गरी ३६ हजार जना स्वरोजगार भएको हुने र कोषमार्फत कर्जा प्राप्त गरी सञ्चालन भएका व्यवसायमा ३६ हजार जना युवाले रोजगार प्राप्त गरेको हुने।<br>३६ हजार व्यवसाय र व्यवसायीको स्वरोजगार वीमा भएको हुने।<br>नियमित रूपमा किस्ता तथा ऋण तिर्ने अनुमानित ९ | स्वरोजगार सिर्जनाका लागि कर्जा लगानी गर्ने।<br>स्वरोजगार विमा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>व्याज अनुदान दिने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | बीमा गरिएको।<br>१९ जना व्यवसायीलाई ब्याज अनुदानका लागि रकम निकासा भएको। | हजार जना व्यवसायीलाई उनीहरूले तिरेको व्याजको ६० प्रतिशत रकम अनुदान दिइएको हुने। | |
| ३४३४१०११ | राष्ट्रिय खेलकुद परिषद | नवौं राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिता आयोजनाका लागि गण्डकी प्रदेशका जिल्लाहरूमा खेलकुद पूर्वाधार निर्माण भइरहेको।<br>कर्णाली प्रदेशका जिल्लाहरूमा पूर्वाधार निर्माण भइरहेको।<br>प्रदेशमा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरको सुविधा सम्पन्न रङ्गशाला निर्माण भइरहेको।<br>बैजनाथपुर मोरङ्ग, मूलपानी काठमाडौं, कीर्तिपुर काठमाडौं, पोखरा कास्की, भैरहवा रूपन्देही, गौतमवुद्ध सैनामैना, कोहलपुर बाँके र महेन्द्रनगर कञ्चनपुर गरी ८ स्थानमा क्रिकेट मैदान निर्माण भइरहेको।<br>६ स्थानमा कभर्डहल निर्माण भइरहेको (धनगढी, दकम झापा, नारायणी पर्सा, नैकाप काठमाडौं, गोदावरी ललितपुर, रुरु गापा १ रिडी )<br>११ वटा रङ्गशाला निर्माण भइरहेको।<br>आ.ब. २०७६/७७ मा निर्माण शुरु गरेका ६० र आ.ब. २०७७/७८ मा निर्माण शुरु गर्न ८० गरी जम्मा १४० वटा खेलग्राम निर्माणका लागि सम्बन्धित पालिकाहरूलाई रकम हस्तान्तरण गरिएको।<br>९ वटा राष्ट्रिय स्तरका खेलकुद | वार्षिक ७७ हजार खेलाडीलाई जिल्ला स्तरमा खेलकुदको नियमित प्रशिक्षण प्रदान गरिएको हुने।<br>वार्षिक १० हजार खेलाडीलाई राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरको प्रशिक्षण प्रदान गरिएको हुने।<br>६० जना खेलकुद प्रशिक्षकलाई वैदेशिक प्रशिक्षण डिप्लोमा तथा मास्टर कोर्षको तालिम दिइएको हुने।<br>नवौं राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना भएको हुने।<br>प्रत्येक वर्ष फुटलबका ५० वटा गोल्ड कप र भलिबलका ३५ वटा राष्ट्रियस्तरको प्रतियोगिता आयोजना भएको हुने।<br>प्रत्येक वर्ष १० वटा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरको प्रतियोगिता आयोजना भएको हुने।<br>ओलम्पिक खेलमा सहभागी खेलाडी, एशियाली खेलकुदमा पदक विजेता र दक्षिण एशियाली खेलकुद प्रतियोगितामा स्वर्ण पदक विजेता खेलाडीलाई सम्मान भत्ता वितरण गरिएको हुने।<br>अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिताका पदक विजेता खेलाडीलाई नगद पुरस्कार प्रदान गरिएको हुने।<br>दाङको वेलझुण्डी तथा नेपालगञ्ज रंगशालामा निर्माण सम्पन्न भएको हुने।<br>सातदोबाटो, ललितपुरमा हिटिङ सिष्टम सहितको स्वीमिङपुल निर्माण सम्पन्न भएको हुने।<br>दशरथ रंगशालामा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरका सुविधाहरूको व्यवस्था भएको हुने।<br>नवौं राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिता आयोजनाका लागि खेलकुद पूर्वाधार निर्माण अन्तर्गत पोखरामा अन्तराष्ट्रिय | नवौं राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिताका लागि खेलकुद पूर्वाधार निर्माण (रंगशाला, हिटिङ स्विमिङ पुल, शुटिङ रेन्ज, कभर्डहल तथा अन्य खेलकुद पूर्वाधार स्तरोन्नति) गर्ने।<br>कर्णाली प्रदेशमा खेलकुद पूर्वाधार निर्माण (रंगशाला तथा कभर्डहल पूर्वाधार निर्माण तथा स्तरोन्नति) गर्ने।<br>अन्तर्राष्ट्रियस्तरको सुविधायुक्त प्रादेशिक रङ्गशाला निर्माण गर्ने।<br>निर्माणाधीन क्रिकेट मैदान निर्माण कार्यलाई निरन्तरता दिने।<br>निर्माणाधीन कभर्डहल निर्माण गर्ने।<br>निर्माणाधीन रङ्गशाला निर्माण गर्ने।<br>स्थानीय स्तरको खेलकुद पूर्वाधार निर्माण गर्ने।<br>खेलकुद प्रशिक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>खेलकुद प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>नवौं राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना गर्ने।<br>खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना गर्ने र सहभागिता जनाउने।<br>खेलकुद संघहरूलाई अनुदान दिने।<br>खेलकुद संस्था, क्लवहरूलाई प्रतियोगिता सञ्चालन गर्न म्याचिङ फण्ड उपलब्ध गराउने।<br>गोल्ड कप राष्ट्रिय फुटबल आयोजनाका लागि |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | प्रतियोगिता आयोजना गरिएको।<br>खेलकुदका २ वटा अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगितामा सहभागिता भएको।<br>स्थानीय स्तरमा १२ हजार ८ सय ११ जना खेलाडीलाई आधारभूत खेलकुद प्रशिक्षण र २६० जनालाई राष्ट्रिय स्तरमा विशेष प्रशिक्षण प्रदान गरिएको।<br>१६० जना खेलाडीलाई मासिक सम्मान भत्ता प्रदान गरिएको | स्तरको सुविधा सहितको रंगशाला, क्रिकेट स्टेडियम निर्माण, बहुउद्देश्यीय कभर्डहल, हिटिङ पौडी पोखरी निर्माण भएको हुने।<br>बागलुङ, लम्जुङ मदन भण्डारी, पर्वत,मुस्ताङ,स्याङ्जा कभर्डहल निर्माण कार्य सम्पन्न भएको हुने।<br>म्याग्दी, नवलपुर कावासोती, गोरखा, लम्जुङ गौलिटारमा रङ्गशाला निर्माण सम्पन्न भएको हुने<br>नवौं राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिता आयोजनाका लागि हुम्ला,कालिकोट, मुगु, डोल्पा जुम्ला, रुकुम, दैलेख, सल्यान र जाजरकोटको जिल्ला सदरमुकामहरूमा चेनजिङरूम, शौचालय र प्यारापिट सहितको कभर्डहल निर्माण सम्पन्न भएको हुने।<br>निर्माणाधीन रंगशाला निर्माण कार्यको निरन्तरता अन्तर्गत इटहरीमा अन्तर्राष्ट्रिय सुविधा सहितको रंगशाला निर्माण, ललितपुर च्यासलमा फुटबल रंगशाला झापा, गुल्मी, पर्सामा नारायणी, गोलबजार सिराहा, सिमरामा रूपन्देहीमा रंगशाला निर्माण, बुटवल बहुमुखी क्याम्पसमा बहुउद्देश्यीय कभर्डहल निर्माण भएको हुने। | अनुदान दिने।<br>राष्ट्रिय भलिबल प्रतियोगिताका लागि अनुदान दिने।<br>खेलाडीहरूलाई मासिक सम्मान भत्ता प्रदान गर्ने।<br>अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगिताका पदक विजेता खेलाडीलाई प्रोत्साहन गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि पर्याप्त बजेट व्यवस्था र अन्तर्गत निकायको संगठन संरचना सुदृढीकरण र जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि नभएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहुने जोखिम रहन्छ।

## ६.५ महिला, बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक

### १. पृष्ठभूमि

नेपालले महिला विरुद्ध हुने सबै प्रकारका भेदभाव उन्मुलन गर्ने सम्बन्धी महासन्धि, १९७९; बालअधिकार सम्बन्धी महासन्धी, १९८९ तथा अन्य ईच्छाधिन आलेखहरू, अपाङ्गता भएका व्यक्तिको अधिकार सम्बन्धी महासन्धि, २००६; एसिया तथा प्रशान्त क्षेत्रको क्षेत्रीय ईन्चोन रणनीति, २०१३ -२०२२ लगायतका अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि सम्झौताहरूमा गरेको प्रतिबद्धता अनुरुप नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्दै आएको छ। त्यसैगरी दिगो विकास लक्ष्य नं. ५ मा लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने तथा सबै महिला, किशोरी तथा बालिकाहरूको सशक्तीकरण गर्ने विषय समावेश भएको छ। संविधानले महिलाको हक, बालबालिकाको हक, ज्येष्ठ नागरिकको हकलाई मौलिक हकको रुपमा व्यवस्था गरी राज्यबाट विशेष संरक्षण तथा सामाजिक सुरक्षा प्रत्याभूत गरेको छ। साथै अपाङ्गता भएका व्यक्तिका लागि सामाजिक न्याय र सामाजिक सुरक्षाको हक प्रदान गरेको छ। अतः यस मन्त्रालयबाट संविधान, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिबद्धताहरू, दिगो विकासको लक्ष्य र पन्ध्रौं योजनाको कार्यान्वयन लगायत महिला, बालबालिका तथा किशोरकिशोरी, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता भएका व्यक्ति एवम् लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक सम्बन्धी नीति, योजना तथा कार्यक्रमको तर्जुमा, कार्यान्वयन, समन्वय, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने, अन्तर्राष्ट्रिय तथा क्षेत्रीय र राष्ट्रिय संघ सस्थासँग सम्पर्क र समन्वय गर्ने एवम् बेवारिसे, असहाय र असक्त नागरिकहरूको संरक्षण लगायतका विषयमा कार्यक्रमहरू संचालन हुँदै आएका छन्। सोही सन्दर्भमा आर्थिक बर्ष २०७८/७९ को मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई बार्षिक विकास कार्यक्रमसहित पन्ध्रौं योजनाको कार्यान्वयनलाई मद्दत पुग्ने गरी तयार गरिएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका कार्यक्रमहरू बीच तादम्यता तथा समन्वय गरी अनिवार्य दायित्वका कार्यक्रम सम्बन्धित तहबाट सम्बोधन हुन नसक्नु, दोहोरोपना हटाउन नसकिनु, मन्त्रालयबाट प्रदेश र स्थानीय तहमा पठाइएको सशर्त अनुदानको प्रभावकारी कार्यान्वयन नहुनु, व्यवहारगत विभेद हट्न नसक्नु, सार्वजनिक स्थल, सवारी साधन लगायतका सेवाहरूलाई महिलामैत्री र अपाङ्गमैत्री बनाउन नसकिनु, देशभरिका सडक बालबालिकाहरूको व्यवस्थापनमा कठिनाइ हुनु, शहरी क्षेत्रमा असहाय, बेवारिसे ज्येष्ठ नागरिकको संख्यामा वृद्धि हुँदै जानु, मानसिक रुपमा विक्षिप्त महिला तथा ज्येष्ठ नागरिकहरूलाई समयमा नै उद्धार तथा पुर्नस्थापना गर्न नसक्नु जस्ता यस क्षेत्रका समस्या रहेका छन्। त्यसैगरी बढ्दो लैङ्गिक हिंसाका घटना सम्बोधन गर्नु, लक्षित महिलाहरूको आर्थिक, सामाजिक र राजनीतिक सशक्तीकरण गर्नु, मन्त्रालयको कार्यप्रकृति अनुसार संघ प्रदेश र स्थानीय तह बीच सहकार्य तथा समन्वयात्मक भूमिका निर्वाह गर्नु जस्ता यस क्षेत्रका चुनौती रहेका छन्।

### ३. सोच

- लैङ्गिक समानतामूलक राष्ट्र। (लैङ्गिक समानता तथा महिला सशक्तिकरण)
- बाल अधिकार सुनिश्चित भएको बालमैत्री समाज। (बालबालिका तथा किशोरकिशोरी)
- ज्येष्ठ नागरिकको संरक्षण र सम्मानित जीवनको प्रत्याभूति। (ज्येष्ठ नागरिक)
- अपाङ्गता भएका व्यक्तिको मर्यादित र आत्मनिर्भर जीवन। (अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु)
- मानव बेचबिखन तथा ओसारपसारमुक्त मर्यादित समाज। (मानव बेचबिखन तथा ओसार-पसार नियन्त्रण)
- व्यवसायिक, जवाफदेही र पारदर्शी सामुदायिक तथा गैरसरकारी संघसंस्था। (सामुदायिक र गैरसरकारी संस्था)

## ४. उद्देश्य

### अ. लैङ्गिक समानता तथा महिला सशक्तीकरण

- लैङ्गिक उत्तरदायी शासन व्यवस्थालाई संस्थागत गर्दै महिलाको सम्मानित जीवनयापनको वातावरण सुनिश्चित गर्नु।
- महिला विरुद्ध हुने सबै प्रकारका भेदभाव हिंसा र शोषणको अन्त्य गर्नु।
- आर्थिक समृद्धि र दिगो विकासका लागि महिलाको समान अग्रसरता र नेतृत्वदायी भूमिका स्थापित गर्दै स्रोत, साधन, अवसर तथा लाभमा महिलाको समान पहुँच सुनिश्चित गर्नु।

### आ. बालबालिका तथा किशोरकिशोरी

१. बालबालिका तथा किशोरकिशोरीको अधिकारको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु।
२. बालबालिका तथा किशोरकिशोरीमैत्री वातावरण सृजना गर्नु।
३. बालबालिका तथा किशोरकिशोरी विरुद्ध हुने शारीरिक र मानसिक लगायत सबै प्रकारका हिंसा, विभेद, दुर्व्यवहार, शोषण र उपेक्षाको अन्त्य गर्नु।

### इ. ज्येष्ठ नागरिक

१. पारिवारिक, आर्थिक र कानुनी संरक्षणको माध्यमबाट ज्येष्ठ नागरिकको हक अधिकारको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु।
२. ज्येष्ठ नागरिकलाई आवश्यक सेवा सुविधा उपलब्ध गराउनु।
३. ज्येष्ठ नागरिकले आर्जन गरेको ज्ञान, सीप र अनुभवलाई आर्थिक-सामाजिक रुपान्तरण र विकासमा उपयोग गर्नु।

### ई. अपाङ्गता भएका व्यक्ति

१. अपाङ्गता भएका व्यक्तिको आर्थिक तथा सामाजिक सशक्तिकरण गर्नु।
२. सबै प्रकारका अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सहज जीवनयापनको लागि पुर्नस्थापना, स्वास्थ्योपचार र सहायक सामग्रीको व्यवस्था गर्नु।
३. भौतिक संरचना, यातायात, सेवा सुविधा, साधन स्रोत, सूचना तथा संचार र प्रविधिमा अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सहज पहुँच सुनिश्चित गर्नु।

### उ. मानव बेचबिखन तथा ओसार-पसार

१. मानव बेचबिखन तथा ओसार-पसारको जोखिममा रहेका समूह/समुदायको आर्थिक-सामाजिक सशक्तीकरण गर्नु।
२. निरोधात्मक अभियान मार्फत मानव बेचबिखन तथा ओसार-पसार नियन्त्रण गर्नु।
३. मानव बेचबिखन तथा ओसार-पसारबाट पीडित तथा प्रभावितको उद्धार, संरक्षण, न्यायमा पहुँच र पुर्नस्थापनाका सेवालाई प्रभावकारी बनाउनु।

### ऊ. सामुदायिक र गैरसरकारी संस्था

१. राष्ट्रिय प्राथमिकताको क्षेत्रमा संघ संस्थाको परिचालन, व्यवस्थापन र नियमन गर्नु।
२. राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरूबाट प्राप्त हुने स्रोतको उपयोगलाई जवाफदेही र पारदर्शी बनाउँदै मुलुकको सामाजिक तथा आर्थिक विकास गर्नु।

## ५. रणनीति

### अ. लैङ्गिक समानता तथा महिला सशक्तीकरण

१. राज्यका सबै तह र क्षेत्रले लैङ्गिक समानता सम्बन्धी क्षेत्रगत नीति, कानुन तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने।
२. राज्यका सबै तहको सरकार, क्षेत्र तथा निकायहरूमा लैङ्गिक उत्तरदायी शासन पद्धति अवलम्बन गर्ने।
३. राज्यका सबै तहको सरकारमा लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट विनियोजन पद्धतिलाई संस्थागत गर्ने।

४. लैङ्गिक समानता तथा सशक्तीकरण मापन गर्ने तथ्याङ्क प्रणालीको विकास गर्ने।

५. आर्थिक रुपले विपन्न र सामाजिक रुपले पछाडि परेका महिलालाई विशेष प्राथमिकता दिदैं आर्थिक सशक्तीकरण र सामाजिक रुपान्तरण गर्ने।

६. महिला विरुद्ध हुने सबै प्रकारका हिंसा, शोषण र भेदभाव अन्त्यका लागि निरोधात्मक उपायद्वारा न्यायमा पहुँच अभिवृद्धि गर्ने।

### आ. बालबालिका तथा किशोरकिशोरी

१. बाल स्वास्थ्यमा सुधार गरी बाल मृत्युदर घटाउने।

२. बालबालिकाको मानसिक तथा शारीरिक विकासका लागि प्रारम्भिक बाल विकासमा पहुँच बढाउने।

३. बालबालिका तथा किशोरकिशोरी विरुद्ध हुने सबै प्रकारका हिंसाको अन्त्य गरी उनीहरूको जीवनलाई सुरक्षित बनाउने।

४. असहाय अनाथ अपाङ्गता भएका, असक्त तथा बेवारिसे बालबालिका तथा किशोरकिशोरीलाई राज्यबाट संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्ने।

५. विभिन्न माध्यमबाट बालबालिकालाई सामाजिक जीवनमा सहभागी हुने वातावरण सिर्जना गर्ने।

६. राज्यले सबै प्रकारको बालश्रमको अन्त्य गर्न आवश्यक व्यवस्था गर्ने।

७. बालबालिकाको पहुँचयुक्त पूर्वाधारको निर्माण गरी बालमैत्री वातावरण सिर्जना गर्ने।

८. विद्यमान बालगृहको संस्थागत आवासीय संरक्षणलाई निरुत्साहित तथा निःसंस्थाकरण गर्दै अन्तिम विकल्पको रुपमा मात्र संरक्षण गर्ने गरी अन्य वैकल्पिक हेरचाहलाई प्रवर्द्धन गर्ने।

### इ. ज्येष्ठ नागरिक

१. पारिवारिक र सामाजिक माध्यमबाट ज्येष्ठ नागरिकको लागि हेरचाह, स्याहार सुसार र उपयुक्त वातावरण सिर्जना गर्ने।

२. असहाय असक्त एकल र जोखिममा परेका ज्येष्ठ नागरिकको विशेष संरक्षण र सुरक्षाको कानुनी तथा संस्थागत व्यवस्था गर्ने।

३. ज्येष्ठ नागरिकको ज्ञान, सीप र अनुभवलाई उपयोग गर्नका लागि नीति निर्माणमा सहभागिता र श्रोतमा पहुँच सुनिश्चित गर्ने।

४. ज्येष्ठ नागरिकको सुरक्षा र सहजताको लागि सामाजिक सुरक्षाका सेवालाई बृद्धि गर्ने।

### ई. अपाङ्गता भएका व्यक्ति

१. अपाङ्गता भएका व्यक्तिको हक अधिकार संरक्षण गर्न नीति निर्माण तथा कानूनहरुको पुनरावलोकन गर्ने।

२. भौतिक संरचना अपाङ्गमैत्री बनाई अपाङ्गता भएका व्यक्तिलाई सार्वजनिक सेवामा सहज पहुँच, प्राप्ति र अवसरको सिर्जना गर्ने।

३. अपाङ्गता भएका व्यक्तिको लागि सबै प्रकारको सुविधासहितको पुर्नस्थापना सेवाको व्यवस्था गर्ने।

४. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको सुविधामा समेत अपाङ्गता भएका व्यक्तिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने गरी सेवाको उपलब्धता र उपकरणको व्यवस्था गर्ने।

५. अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूप्रति गरिने विभिन्न प्रकारको अन्धविश्वास, विभेद र हिंसा अन्त्य गर्ने।

### उ. मानव बेचबिखन तथा ओसार-पसार नियन्त्रण

१. मानव बेचबिखन तथा ओसार-पसारको जोखिममा रहेका समूह/समुदायको पहिचान गरी आर्थिक तथा सामाजिक सशक्तीकरण गर्दै बेचबिखन तथा ओसार-पसार कार्यलाई निरुत्साहित गर्ने उपायहरूको अवलम्बन गर्ने।

२. मानव बेचबिखन तथा ओसार-पसार नियन्त्रण, पीडित/प्रभावितको उद्धार, संरक्षण र पुर्नस्थापना गर्न विभिन्न तहका सरकारमा साझेदारी गर्ने संयन्त्र र संरचनाको क्षमता अभिवृद्धि तथा सरोकारवालाबीच प्रभावकारी साझेदारी कायम गर्ने।

३. मानव बेचबिखन तथा ओसार-पसारबाट पीडित/प्रभावितको संरक्षणका लागि आधारभूत मानव अधिकारको सम्मान गर्दै एकीकृत तथा प्रभावकारी सेवा प्रवाहको सुनिश्चितता गर्ने।

४. मानव बेचबिखन तथा ओसारपसार नियन्त्रणका लागि प्रभावकारी फौजदारी न्याय प्रणाली र कानूनी एवम् संस्थागत संरचनाको माध्यमबाट पीडित/प्रभावितको न्यायमा पहुँच अभिवृद्धि गर्ने।

### ऊ. सामुदायिक र गैरसरकारी संस्था

१. राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरूको परिचालनमा सहजीकरण गर्ने निकायलाई सक्षम, सुदृढ, जिम्मेवार र उत्तरदायी बनाउने।

२. राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरूको पारदर्शिता, जवाफदेहिता सुनिश्चित गर्दै सहजीकरण, परिचालन, अनुगमन र मूल्याङ्कनलाई प्रभावकारी बनाउने।

३. राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरूको परिचालनलाई तीन तहको सरकारसँगको समन्वय र सहकार्य मार्फत सामाजिक तथा आर्थिक विकासमा अभिवृद्धि गर्ने।

४. राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संघसंस्थाहरूको कार्य प्रभावकारिता र कार्य कुशलतालाई मापनयोग्य बनाउने तथा एकीकृत तथ्याङ्क सूचना प्रणाली विकास गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| नतिजा सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| लैङ्गिक विकास सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ०.९३३ | ०.९३३ | ०.९५१ | ०.९५७ | ०.९६३ |
| लैङ्गिक सशक्तीकरण सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ०.६ | ०.५६ | ०.६२ | ०.६३ | ०.६४ |
| लैङ्गिक असमानता सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ०.४५ | ०.४५ | ०.४३ | ०.४१ | ०.३९ |
| महिलाले घरायसी काममा खर्चेको औसत समय | घण्टा प्रतिदिन | १४ | १३ | १२ | ११ | १० |
| प्रत्यक्ष लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट विनियोजन अनुपात | प्रतिशत | ३८.१७ | ३८.१६ | ४२.५ | ४५ | ४५ |
| १५देखि १९ वर्ष उमेर समूहका विवाहित किशोरी | प्रतिशत | २४.५* | १९.३ | १३ | ११ | ८ |
| प्रजननस्वास्थ्य सम्बन्धी हकबारे निर्णय गर्ने महिला (१५ देखि ४९ वर्ष उमेर समूह) को अनुपात | प्रतिशत | ५९.५ | ६८ | ७४ | ७७ | ८० |
| महिला तथा किशोरकिशोरीहरूको बेचबिखन न्यूनीकरण | संख्या | १३५८ | १२०० | ११०० | ७२५ | ६५० |
| दुर्गम क्षेत्रमा ज्यान जोखिममा परेका गर्भवती तथा सुत्केरी महिलाको हवाई उद्धार | जना | ११३ | ७१ | ७५ | ८५ | १०० |
| जीविकोपार्जन सुधार कार्यक्रमबाट सीप विकास तालिम तथा टेवा पुँजी प्राप्त महिला | जना | २२५० | २५०० | ३५०० | ४००० | ४००० |
| बालबालिका खोजतलास नं.१०४ संचालन | सेवा केन्द्र | ७५ | ७७ | ७७ | ७७ | ७७ |

| नतिजा सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| तथा व्यवस्थापन (जिल्ला) | संख्या | | | | | |
| हराएका वा बेवारिसे मध्ये फेला परेका बालबालिकाको पारिवारिक पुनर्मिलन | जना | १७४७ | १७७१ | १८०० | २५०० | ३००० |
| बेवारिस फेला परेका बालबालिकाको उद्धार | जना | ४२६ | १७४ | ४०० | ३५० | ३०० |
| अनाथ बालबालिकाको बालगृहमा पुनर्स्थापना | जना | २७७ | २०० | २०० | १५० | १०० |
| बाल हेल्पलाईन नं. १०९८ संचालन तथा व्यवस्थापन | जिल्ला/ स्थान | १२ | १८ | २५ | ३२ | ४० |
| जोखिमपूर्ण अवस्थामा रहेका बालबालिकाको आपत्कालीन उद्धार तथा संरक्षण व्यवस्थापन | जना | ४७६० | ३६४८ | ४००० | ५००० | ५५०० |
| अभिभावक भएका बालबालिकाको बाल गृहबाट परिवारमा पुनर्मिलन | जना | ३३७ | १८७ | १५० | २०० | ३०० |
| सडक बालबालिकाको उद्धार संरक्षण तथा व्यवस्थापन | जना | १७३२ | २०० | २०० | १५० | १०० |
| हराएका बालबालिका(प्रति लाख जनसंख्या) | संख्या | ५.९ | ५.३ | ४.१ | ३.५ | ३ |
| ज्येष्ठ नागरिक दिवा सेवा केन्द्र, तथा मिलन केन्द्र | संख्या | ८७ | २०० | ५०० | ६२५ | ७५३ |
| वृद्धाश्रम बाट पुनर्स्थापना सेवा प्रदान गरिएका ज्येष्ठ नागरिक | संख्या | १४०० | १४५० | २४०० | २४५० | २५०० |
| अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको दीर्घकालीन पुनर्स्थापना | संख्या | २३१ | २२५ | ६२ | ७५ | ९० |
| अपाङ्ग सहायक सामग्री उत्पादन तथा वितरण | जना | १६१६ | ७०० | ४००० | ४५०० | ५००० |
| मानव बेचविखन पीडित प्रभावितहरूका लागि पुनर्स्थापना केन्द्र संचालन भएका जिल्ला | संख्या | १० | १० | १४ | १५ | १६ |

## ७. विषयक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ८,५७७ | ७,०१५ | १,५६२ | - | ८,४६७ | ११० | - |
| २०७९/८० | ९,५१३ | ८,१७४ | १,३३९ | - | ९,३६३ | १५० | - |
| २०८०/८१ | १०,४०८ | ८,९३६ | १,४७२ | - | १०,२२८ | १८० | - |

## ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४०००११ | महिला बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक मन्त्रालय | १ | महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति र समाजकल्याणका क्षेत्रमा नीतिगत व्यवस्था, समन्वय र सहजीकरण | २०५२/५३ सालबसाली | | क्षेत्रगत नीति तथा कार्यक्रमगत समन्वय, जनशक्तिको व्यवस्थापन र सेवा प्रवाह प्रभावकारी भएको हुने। कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि भई सेवा प्रवाहमा प्रभावकारिता आएको हुने। |
| ३४००००१२ | पशुपति वृद्धाश्रम | २ | असहाय परित्यक्त एवम् बेवारिसे ज्येष्ठ नागरिकलाई आश्रय र जीवनरक्षाको लागि वृद्धाश्रम संचालन | ३०३४/३५ सालबसाली | | असहाय, परित्याक्त एवम् बेवारिसे ज्येष्ठ नागरिकहरूले आश्रय पाएको हुने। |
| ३४०००१०१ | लैङ्गिक हिंसा निवारण तथा मानव बेचविखन नियन्त्रण कार्यक्रम | ६ | लैङ्गिक हिंसा निवारण, हिंसा पीडितलाई पुर्नस्थापना र राहतको व्यवस्थाका साथै मानव बेचबिखन नियन्त्रण एवम् पिडितहरूको पुर्नस्थापना | २०७७/७८ सालबसाली | | लैङ्गिक असमानता सूचकाङ्कमा सुधार आएको हुने। जीवनकालमा शारीरिक, मानसिक वा यौन हिंसा पीडित महिला १६ प्रतिशतमा घटेको हुने। महिला तथा किशोरकिशोरीहरूको बेचबिखन न्यूनीकरण भएको हुने। |
| ३४०००१०२ | सामाजिक विकास कार्यक्रम | १,२,३,४; १,२,३,४, ५;१ | ज्येष्ठ नागरिक र अपाङ्गता भएका व्यक्तिका सम्बन्धमा नीति, नियम तर्जुमा तथा तिनीहरूको हक अधिकारको संरक्षण अन्तर्राष्ट्रिय तथा राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरूको नियमन र परिचालन | २०७७/७८ सालबसाली | | ज्येष्ठ नागरिकको हक अधिकारको संरक्षण र प्रवर्द्धन भएको हुने। अपाङ्गता भएका व्यक्तिको आर्थिक तथा सामाजिक सशक्तीकरण गरिएको हुने। राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैससबाट प्राप्त हुने स्रोतको प्रभावकारी परिचालन र उपयोग भएको हुने। |
| ३४०००१०३ | बाल विकास कार्यक्रम | ३,४,८ | बालबालिकाको हक अधिकार र सो सम्बन्धी नीति निर्माण | २०५३/५४ सालबसाली | | बाल संरक्षण तथा विकास सम्बन्धी कानून तर्जुमा भई कार्यान्वयन भएको हुने। बालसुधार गृहहरूको स्थापना र स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३४०००१०५ | राष्ट्रपति महिला | ५ | उद्यमशीलता विकास, सशक्तीकरण, | २०७३ र | | जीविकोपार्जन सुधार, महिला उद्यमशीलता विकास र |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | सशक्तीकरण कार्यक्रम | | अभियानमूलक कार्यक्रम मार्फत महिलाको आर्थिक, सामाजिक रूपान्तण | ७४ सालबसाली | | रोजगारमूलक कार्यक्रमबाट लैङ्गिक विकास सूचकाङ्क र लैङ्गिक सशक्तीकरण सूचकाङ्कमा सुधार आएको हुने।<br>महिला हिंसा र कूरीति विरुद्धको अभियानमूलक कार्यक्रम संचानल भएको हुने। |
| ३४००११०१ | महिला तथा बालबालिका विभाग | १,४,५,६ | महिला विकास तथा बाल संरक्षण कार्यक्रमको सहजीकरण समन्वय र अनुगमन | २०५३/५४ सालबसाली | | महिला विकास तथा बाल संरक्षण सम्बन्धी क्षमता विकास कार्यक्रम संचालन भएको हुने।<br>अल्पकालीन पुनस्थापना केन्द्र संचालन तथा व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३४०४१०११ | समाज कल्याण परिषद् | १, २ | राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरूको काम कारवाहीमा समन्वय र नियमन | २०३४ र ३५ | | राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाहरूको नियमन भएको हुने।<br>राष्ट्रिय प्राथमिकता क्षेत्रमा परिचालन भएको हुने। |
| ३४०८१०११ | राष्ट्रिय बाल अधिकार परिषद् | ३, ४, ८ | बालबालिकाको उद्धार, संरक्षण पुनस्थापना गरी बाल अधिकारको संरक्षण तथा सम्बोधन | २०५९/६० | | जोखिममा रहेका बालबालिकाको उद्धार, राहत र पारिवारिक पुनर्मिलन भएको हुने।<br>जोखिमपूर्ण अवस्थामा रहेका बालबालिकाको आपत्कालीन उद्धार तथा संरक्षण व्यवस्थापन भएको हुने।<br>बाल हेल्पलाइनको स्तरोन्नति भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३४०००११ | महिला बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक मन्त्रालय | नीति तथा कार्यक्रमगत समन्वय तथा व्यवस्थापन, जनशक्तिको व्यवस्थापन गरिएको। | क्षेत्रगत नीति तथा कार्यक्रमगत समन्वय, जनशक्तिको व्यवस्थापन र सेवा प्रवाह प्रभावकारी भएको हुने। | नीति कार्यक्रम निर्माण र समन्वय सम्बन्धी कार्यक्रम गर्ने।<br>जनशक्ति क्षमता विकास सम्बन्धी कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३४०००१२ | पशुपति वृद्धाश्रम | १०५ जना असहाय परित्यक्त एवम् बेवारिसे ज्येष्ठ नागरिकहरूले आश्रय | ४०० जना असहाय परित्यक्त एवम् बेवारिसे ज्येष्ठ नागरिकहरूले आश्रय पाएको हुने। | वृद्धाश्रमको सुविधाको स्तरोन्नति गर्ने।<br>वृद्धाश्रममा रहेका ज्येष्ठ नागरिकका लागि देशदर्शन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | पाएको पाइरहेको। | | कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३४०००१०१ | लैङ्गिक हिंसा निवारण तथा मानव बेचविखन नियन्त्रण कार्यक्रम | लैङ्गिक समानता नीति, २०७७ तर्जुमा भएको।<br>लैङ्गिक हिंसा विरुद्धको १६ दिने अभियान सन्चालन गरिएको।<br>लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यकको लागि क्षमता विकास कार्यक्रम संचालन गरिएको। | लैङ्गिक समानता नीति कार्यान्वयन कार्य योजना निर्माणगरी लैङ्गिक समानता नीति, २०७७ कार्यान्वयन भएको हुने।<br>अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिवद्धताहरू कार्यान्वयनको समिक्षा भएको हुने।<br>क्षमता विकास कार्यक्रम संचालन गरिएको हुने।<br>महिलाको घरायसी कामको मौद्रिक मापन सम्बन्धमा अध्ययन भएको हुने। | लैङ्गिक समानता नीति, कार्यान्वयन कार्ययोजना तर्जुमा तथा कार्यान्वय गर्ने।<br>महिला बालबालिका बेचविखन तथा ओसार-पसार तथा बेचविखन सम्बन्धी कानून (ऐन तथा नियमावली) परिमार्जन तथा संशोधन सम्बन्धी कार्य गर्ने। हिंसा पीडितको लागि क्षमता विकास कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>महिलाको घरायसी कामको मौद्रिक मापन सम्बन्धमा अध्ययन गर्ने। |
| ३४०००१०२ | सामाजिक विकास कार्यक्रम | ५० वटा बेड र ५०० जना क्षमताको ज्येष्ठ नागरिक अस्पताल सहितको बृद्धाश्रम भवन निर्माणका लागि जग्गा प्राप्ति र विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार भइरहेको।<br>२११ स्थानीय तहमा ज्येष्ठ नागरिक मिलन केन्द्र स्थापना भएको।<br>मन्त्रालयलाई अपाङ्गता मैत्री बनाउन विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार भइरहेको। | ज्येष्ठ नागरिक अस्पताल सहितको वृद्धाश्रम भवन निर्माण (काठमाडौं गोठाटारमा) भएको हुने।<br>सबै स्थानीय तहमा ज्येष्ठ नागरिक मिलन केन्द्र स्थापना भएको हुने।<br>एकीकृत पुनस्थापना नमूना ग्राम स्थापनाको जग्गा प्राप्त र विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयारी तथा स्वीकृत भई निर्माण कार्य शुरु भएको हुने।<br>असहाय तथा बेसहारा ज्येष्ठ नागरिकहरूको संरक्षण भएको हुने।<br>अपाङ्गता भएका व्यक्तिको हक अधिकार संरक्षण भएको हुने। | ५० वटा बेड र ५०० जना क्षमताको ज्येष्ठ नागरिक अस्पताल सहितको वृद्धाश्रम भवन निर्माण गर्ने।<br>७५३ स्थानीय तहमा ज्येष्ठ नागरिक मिलन केन्द्र स्थापना गर्ने।<br>अपाङ्गता, महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिकको पुनर्स्थापनाका लागि सातै प्रदेशमा एकीकृत पुनस्थापना नमूना ग्राम स्थापना गर्ने।<br>मन्त्रालयको पूर्वाधार अपाङ्गतामैत्री बनाउने।<br>अपाङ्गताको एकीकृत अभिलेख तयार गर्ने सफ्टवेयर निर्माणको कार्य गर्ने। |
| ३४०००१०३ | बाल विकास कार्यक्रम | तनहुँको ढकालटारमा सुविधासम्पन्न एकीकृत बाल सुधार गृह निर्माणको लागि जग्गा प्राप्ति र विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन निर्माणको कार्य भइरहको।<br>८ वटा बाल सुधार गृहको संगठन तथा व्वस्थापन सर्वेक्षण गरिएको।<br>बालबालिका सम्बन्धी नियमावली तर्जुमा गरिएको। | तनहुँको ढकालटारमा सुविधासम्पन्न एकीकृत बाल सुधार गृह निर्माण तथा संचालन भएको हुने।<br>हाल संचालनमा रहेका ८ वटा बाल सुधार गृहको स्तरोन्नति भएको हुने।<br>बालबालिका सम्बन्धी नीति नियम र रणनीति तर्जुमा भई कार्यान्वयन भएको हुने। | तनहुँको ढकालटारमा सुविधा सम्पन्न एकीकृत बाल सुधार गृह निर्माण सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>हाल संचालनमा रहेका ८ वटा बाल सुधार गृहको स्तरोन्नति कार्य गर्ने।<br>बालबालिका सम्बन्धी नीति तथा रणनीति तर्जुमा गर्ने। |
| ३४०००१०५ | राष्ट्रपति महिला सशक्तीकरण | दुर्गम क्षेत्रमा ज्यान जोखिममा परेका ७१ जना गर्भवती तथा सुत्केरी | उद्यमी महिलाद्वारा उत्पादित सामाग्रीको प्रवर्द्धन र बजारीकरणका लागि महिला उद्यमी स्टल तथा | ७० स्थानीय तहमा महिला उद्यमशीलता सहजीकरण केन्द्र स्थापना गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | कार्यक्रम | महिलाकोहवाई उद्धार भएको।<br>मन्त्रालयमा २ र अन्य निकायमा ४ गरी ६ वटा स्यानेटरी प्याड भेन्डिङ्ग मेशिन खरिद तथा जडान गरिएको।<br>महिला उद्यमशिलता विकास वित्तीय पहुँच कार्यविधि, २०७७ स्वीकृत भई कार्यान्वयन भएको। | कोशेली घरको स्थापना भएको हुने।<br>सबै स्थानीय तहमा महिला उद्यमशीलता सहजीकरण केन्द्रको विस्तार भई संचालन भएको हुने।<br>महिला उद्यमशीलता विकास र आयआर्जनका लागि ४२० जना उद्यमी महिला र ८४ महिला उद्यमी समूहलाई प्रविधि उपलब्ध गराइएको हुने।<br>हातैमा उद्यम एप संचालन भएको हुने।<br>विपन्न महिलाका लागि जीविकोपार्जन सुधार कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइ थप ८ हजार लाभान्वित हुने।<br>सातै प्रदेशमा लैङ्गिकमैत्री नमूना बस्ती घोषणा र बस्तीका विपन्न महिलालाई रोजगारमूलक तालिम संचालन गरिएको हुने।<br>बेचविखनमा परेका र हिंसा पीडित महिलाका लागि मंगला सहना दीर्घकालीन पुनस्थापना केन्द्रको जग्गा प्राप्ति गरी निर्माण शुरु गरिएको हुने। | उद्यमी महिलाद्वारा उत्पादित सामाग्रीको प्रवर्द्धन र बजारीकरणका लागि महिला उद्यमी स्टल तथा कोशेली घरको स्थापना गर्ने।<br>प्रत्येक प्रदेशका २० जना महिला उद्यमी र ४ महिला समूहलाई प्रविधि उपलब्ध गराउने।<br>विपन्न, विदेशबाट फर्किएका र कोभिड प्रभावित महिलाका लागि जीविकोपार्जन सुधार कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>हातैमा उद्यम एप संचालन गर्ने।<br>सातै प्रदेशमा लैङ्गिकमैत्री नमूना बस्ती घोषणा र बस्तीका विपन्न महिलालाई रोजगारमूलक तालिम संचालन गर्ने।<br>बेचविखनमा परेका र हिंसापीडित महिलाका लागि मंगला सहना दीर्घकालीन पुनर्स्थापना केन्द्रको जग्गा प्राप्ति गरी निर्माण शुरु गर्ने। |
| ३४००११०१ | महिला तथा बालबालिका विभाग | बाल सुधार गृहहरू (भक्तपुर, कास्की, मोरङ र बाँके) संचालनका लागि अनुदान उपलब्ध गराइएको।<br>२८ वटा मनोसामाजिक विमर्श केन्द्र संचालनको लागि अनुदान उपलब्ध गराइएको। | विभागको जनशक्ति व्यवस्थापन भएको हुने।<br>लैङ्गिक मूलप्रवाहीकरण, मनोसामाजिक परामर्श, हिंसा निवारण तथा बाल संरक्षण सम्बन्धी तालिम संचालन भएको हुने।<br>२१ वटा अल्पकालीन पुनस्थापना केन्द्र व्यवस्थापन भएको हुने।<br>हिंसा पीडित महिलाका लागि मनोसामाजिक परामर्श दिन ३६ संस्थालाई अनुदान उपलब्ध गराइएको हुने। | विभागको जनशक्ति व्यवस्थापनसम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>लैङ्गिक मूलप्रवाहीकरण, मनोसामाजिक परामर्श, हिंसा निवारण तथा बाल संरक्षण सम्बन्धी कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>हिंसा पीडित महिलाका लागि मनोसामाजिक परामर्श सेवा संचालन गर्ने।<br>अल्पकालीन पुनर्स्थापना केन्द्र व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३४०४१०११ | समाज कल्याण परिषद् | चालु आर्थिक वर्षमा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाका २४ वटा स्वीकृत | राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्था दर्ता, नविकरण, सम्पत्ति विवरण, स्रोत परिचालन, | राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्था दर्ता, नविकरण, सम्पत्ति विवरण, स्रोत परिचालन, कार्यसम्पादन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | परियोजनाको मूल्यांकन गरिएको।<br>चालु आर्थिक बर्षमा राष्ट्रिय गैरसरकारी संस्थाका ८९ वटा स्वीकृत परियोजनाको अनुगमन गरिएको। | कार्यसम्पादन लगायत समेट्ने गरी एकीकृत सूचना प्रणाली स्थापना भएको हुने। | समेट्ने गरी एकीकृत सूचना प्रणाली तयार गर्ने। |
| ३४०८१०११ | राष्ट्रिय बाल अधिकार परिषद् | हराएका, जोखिममा परेका, बेचबिखन वा बेबारिसे, अनाथ भेटिएका, हिंसामा परेका बालबालिकाको तत्काल उद्धार, राहत र पुनःस्थापना र पारिवारिक पुनर्मिलन गराइएको।<br>बाल हेल्पलाईन नं. १०९८ र बालबालिका खोजतलास नं. १०४ को सुदृढीकरण भइरहेको।<br>सडक बालबालिका मुक्त राष्ट्रको अभियान अन्तर्गत काठमाण्डौ उपत्यका र अन्य ठूला शहरहरूबाट सडक बालबालिकाको उद्धार गरी, संरक्षण र व्यवस्थापन गरिएको। | हराएका, जोखिममा परेका, बेचबिखन वा बेबारिसे, अनाथ भेटिएका, हिंसामा परेका बालबालिकाको तत्काल उद्धार, राहत र पुनःस्थापना र पारिवारिक पुनर्मिलन भएको हुने।<br>जोखिममा परेका तथा विशेष संरक्षणको आवश्यकता भएका ५००० बालबालिकाले संरक्षण र सुरक्षा प्राप्त गरेको हुने।<br>बाल हेल्पलाईन नं.१०९८ र बालबालिका खोजतलास नं. १०४ को सुदृढीकरण तथा सेवाको विस्तार भई जोखिम तथा दुर्व्यवहारमा परेका बालबालिकामा स्थानीय स्तरमा नै सेवाको पहुँच भएको हुने। | हराएका, जोखिममा परेका, बेचबिखन वा बेबारिसे, अनाथ भेटिएका, हिंसामा परेका बालबालिकाको तत्काल उद्धार, राहत र पुनःस्थापना र पारिवारिक पुनर्मिलन सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>बाल हेल्पलाईन नं. १०९८ र बालबालिका खोजतलास नं. १०४ को सुदृढीकरण र सेवाको संचालन तथा विस्तार सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>सडक बालबालिकाको उद्धार, पुनःस्थापना र पारिवारिक पुनर्मिलन सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>मापदण्ड विपरित सञ्चालनमा रहेका बालगृहमा रहेका र वैपल्पिक हेरचाहको आवश्यकता भएका भन्दा फरक बालबालिकाको उद्धार, पुनःस्थापना र पारिवारिक पुनर्मिलन सम्बन्धी कार्य गर्ने। बालगृहको अनुगमन कार्य गर्ने । |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

मन्त्रालयको कार्यक्षेत्र महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता भएका व्यक्ति तथा लैङ्गिक एवम् यौनिक अल्पसंख्यकहरूको हक अधिकारको संरक्षण र सशक्तीकरण रहेको छ। उक्त क्षेत्रमा सबै तहका सरकार एवम् सरोकारवाला निकाय, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय गैरसरकारी संघ संस्थाहरूले प्राथमिकताका साथ कार्यक्रम संचालनका लागि नीतिगत, कार्यक्रमगत तथा निकायगत समन्वय तथा सहकार्य गर्ने, उपलब्ध भौतिक तथा वितीय स्रोत साधनको उच्चतम उपयोग, प्रदेश तथा स्थानीय तहमा पठाइने सशर्त अनुदानको प्राथमिकता तथा प्रभावकारिताका साथ कार्यान्वयन र कार्यक्रमको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन भएमा प्रस्तावित कार्यक्रमहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन भई निर्धारित उपलब्धि प्राप्त हुनेछन। प्रदेश तथा स्थानीय तहमा पठाइएको सशर्त अनुदानको सम्बन्धित तहबाट अपनत्व लिई कार्यान्वयनमा प्राथमिकता नदिएमा, तीनवटै तहबीच समन्वयमा कमजोर भएमा, कानून र कार्यविधि तर्जुमामा ढिलाई भएमा र विश्वव्यापी कोभिड-१९ को संक्रमण नियन्त्रण हुन नसकेमा संस्थागत संयन्त्र तथा कार्यक्रम संचालनमा अवरोध खडा हुन सक्ने र नियमित संचालन हुँदै आएका कार्यक्रम समेत प्रभावित भई अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त नहुने जोखिम रहन सक्दछ।

## ६.६ श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा

### १.पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले रोजगारी र श्रमको हकलाई मौलिक हकको रुपमा स्थापित गरेको छ। यसले लोककल्याणकारी राज्यको अवधारणा अनुरूप सबै नागरिकको गुणस्तरीय जीवन सुनिश्चितताका लागि राज्यले सामाजिक सुरक्षा र कमजोर, विपन्न एवं जोखिममा रहेका लक्षित वर्गको संरक्षण गर्ने नीति अबलम्वन गरेको छ।

श्रमको मर्यादित र सुरक्षित व्यवस्थापन, व्यवसायजन्य स्वास्थ्य र सुरक्षाको प्रवर्द्धन, बालश्रम निवारण, रोजगारीको अवसरको सिर्जना, व्यावसायिक तथा सीप विकास तालिम, योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षाको योजनामा सबैको आवद्धता वढाउनु श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालयको मूख्य उद्देश्य रहेका छन्। श्रम, रोजगार र सामाजिक सुरक्षा क्षेत्रका राष्ट्रिय नीति, योजना र कार्यक्रमहरूको तर्जुमा र कार्यान्वयन गरी आन्तरिक श्रम व्यवस्थापनका माध्यमबाट सकारात्मक औद्योगिक श्रम सम्वन्धको स्थापना, आन्तरिक रोजगारीका अवसरको विस्तार र सामाजिक सुरक्षाको प्रत्याभूति गर्नु लगायतका विषय मन्त्रालयको कार्यक्षेत्र अन्तर्गत रहेको छ।

### २. समस्या र चुनौती

श्रम बजारमा उपलब्ध श्रमिकको सीप, दक्षता र बजारमा माग भएको श्रमबीच तादात्म्यता कायम हुन नसक्नु, कोराना भाइरस महामारीको कारणबाट आन्तरिक र वैदेशिक रोजगारीको क्षेत्रमा देखिएको जोखिम व्यवस्थापन गर्न कठीन हुनु, श्रमको सम्मान गर्ने संस्कृतिको विकास हुन नसक्नु, अपेक्षित रुपमा उद्यमशीलता विकास र रोजगारीको सिर्जना हुन नसक्नु, वैदेशिक रोजगारीबाट प्राप्त सीप र पूँजीको उत्पादनशील क्षेत्रमा परिचालन नहुनु, विभिन्न प्रयासका बावजुद बालश्रम पूर्णरुपमा निवारण हुन नसक्नु, बालश्रममा रहेका बालबालिकाहरूको उद्दार, पुनर्स्थापना, राहत तथा पुनर्मिलन कार्यक्रमहरूको न्यूनता रहनु, सकारात्मक श्रम सम्बन्ध र रोजगारमैत्री लगानी अपेक्षित रुपमा वृद्धि हुन नसक्नु जस्ता समस्याहरू यस क्षेत्रमा विद्यमान छन्।

अनौपचारिक क्षेत्रको रोजगारीलाई औपचारिक क्षेत्रमा रुपान्तरण गर्ने, श्रम तथा रोजगारीको हकको पूर्ण रुपमा कार्यान्वयन गर्ने, बजारको माग बमोजिम सीपयुक्त जनशक्तिको विकास गर्ने, असल श्रम सम्बन्धको विकास र श्रमको उत्पादकत्व बृद्धि मार्फत आर्थिक विकासका सम्भावनाहरूलाई फराकिलो बनाउने, वैदेशिक रोजगारीबाट सिर्जित जोखिमहरूको न्यूनीकरण गर्दै यसबाट प्राप्त पूँजी, प्रविधि, ज्ञान, सीप र अनुभवको अधिकतम उपयोग गरी आन्तरिक रोजगारी तथा उद्यमशीलताको विकास गर्ने, योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षाको दायरालाई विस्तार गरी सामाजिक सुरक्षा योजनामा आबद्ध हुने रोजगारदाता र श्रमिकको संख्यामा अपेक्षित रुपमा वृद्धि गर्ने चुनौतीहरू रहेका छन्।

श्रम, सामाजिक सुरक्षा र रोजगारी सम्बन्धी नयाँ कानूनहरू जारी हुनु, प्राविधिक शिक्षा तथा सीपमूलक तालिमलाई प्राथमिकता दिइनु, न्यूनतम पारिश्रमिकको कानूनी व्यवस्था हुनु, शैक्षिक बेरोजगार तथा वैदेशिक रोजगारबाट फर्केका व्यक्तिलाई ऋण सुविधा उपलब्ध हुनु, बालश्रम निवारण गुरूयोजना कार्यान्वयनमा आई बालश्रम मुक्त स्थानीय तह घोषणाको प्रक्रिया अगाडि बढ्नु, आन्तरिक रोजगारी प्रवर्द्धन गर्ने उद्देश्यले प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन हुनुलाई अवसरको रुपमा लिन सकिन्छ।

### ३. सोच

- सबै नागरिकलाई मर्यादित र उत्पादनशील रोजगारीका अवसरको उपलब्धता (श्रम तथा रोजगारी)।
- सबैका लागि दिगो सामाजिक सुरक्षा प्रणाली, समतामूलक समाज र लोककल्याणकारी राज्य व्यवस्थाको आधार (सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण)।

## ४. उद्देश्य

### अ. श्रम तथा रोजगारी

१. देशभित्र उत्पादनशील र मर्यादित रोजगारीका अवसर विस्तार गर्नु।

२. असल औद्योगिक श्रम सम्बन्धको विकास गर्नु।

३. बालश्रम लगायत सबै प्रकारका श्रम शोषण अन्त्य गर्नु।

४. वैदेशिक रोजगारीलाई सुरक्षित, मर्यादित र व्यवस्थित गर्नु।

### आ. सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण

१. सबै नागरिकलाई अनिवार्य र सर्वव्यापी सामाजिक सुरक्षा प्रणालीमा आबद्ध गर्नु।

२. आर्थिक सामाजिक वञ्चितीकरण र जोखिममा परेका समुदायलाई सामाजिक संरक्षण प्रदान गर्नु।

३. सामाजिक सुरक्षा र संरक्षण मार्फत नागरिकहरूको आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय र अन्य जोखिम न्यूनीकरण गर्नु।

## ५. रणनीति

### अ. श्रम तथा रोजगारी

१. स्थानीय तहदेखि रोजगार कार्यक्रमलाई विस्तार गरी न्यूनतम रोजगारीको प्रत्याभूति गर्ने।

२. विद्यमान श्रम तथा रोजगार सम्बन्धी कानुनहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन र सामाजिक संवादको माध्यमबाट असल औद्योगिक एवम् श्रम सम्बन्धको विकास गर्ने।

३. राष्ट्रिय आवश्यकताका आधारमा तालिम र सीप विकासद्धारा श्रमिकको दक्षता अभिवृद्धि गर्ने।

४. तीन तहका सरकारबीच रोजगारी सिर्जना र श्रम व्यवस्थापनमा प्रभावकारी समन्वय गर्ने।

५. बैदेशिक रोजगारका चरणलाई सुरक्षित, शोषणमुक्त, मर्यादित र अधिकतम प्रतिफलदायक बनाउने।

६. रोजगारी सृजना गर्न एवम् विभिन्न निकायसँग समन्वय तथा रोजगारी सम्बन्धी कार्यको नियमन गर्न एक अधिकार सम्पन्न उच्चस्तरीय राष्ट्रिय रोजगार प्राधिकरण गठन गर्ने।

### आ. सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण

१. सामाजिक सहयोग र संरक्षणका कार्यक्रम विस्तार गरी आर्थिक सामाजिक बञ्चितीकरण तथा जोखिममा परेका क्षेत्र, लिङ्ग, वर्ग र समुदायको पहुँच बढाउने।

२. योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा योजनालाई औपचारिक क्षेत्रका साथै अनौपचारिक क्षेत्रमा समेत विस्तार गरी सर्वव्यापी बनाउने।

३. सामाजिक सुरक्षा, सहयोग र संरक्षणमा संघ, प्रदेश र स्थानीय सरकारबीच समन्वय र सहकार्यलाई प्रभावकारी वनाउन अन्तर सरकार सूचना प्रणालीको विकास गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक तथा लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| रोजगारमूलक तालिम (अल्पकालीन) | जना हजार | १० | ५० | ७५ | १०० | १२५ |
| आप्रवासी स्रोत केन्द्र स्थापना र व्यवस्थापन | जिल्ला | ३५ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ |
| सीप विकास तालिम केन्द्रहरूको स्तरोन्नति | संख्या | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| विदेशस्थित कुटनीतिक नियोगहरूबाट सेल्टर हाउस सञ्चालन | संख्या | ७ | ७ | ९ | ११ | ११ |
| सामाजिक सुरक्षा कोषमा लाभग्राहीको संख्या | जना हजार | ५८.९९ | १५० | ६०० | ७०० | ८०० |
| सामाजिक सुरक्षा कोषबाट सञ्चालन भएका स्किम | वटा | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| वार्षिक बालश्रम निरीक्षण (प्रतिष्ठान ) | संख्या | १४४२ | १६०० | २००० | २५०० | २६०० |
| बालश्रम मुक्त स्थानीय तह | संख्या | ० | २५ | ५० | १०० | १५० |
| व्यावसायिक सीपमूलक तालिम लिने संख्या | जना हजार | ८ | १० | ६५ | १०० | १२० |
| सामाजिक सुरक्षा योजनामा समावेश हुने प्रतिष्ठान/ रोजगारदाताको संख्या | संख्या हजार | १२.४६३ | १५ | ५० | ७५० | १०० |
| श्रम अडिट (प्रतिवेदन) | संख्या | १६५३ | २२०० | ५००० | १०००० | १०००० |
| प्रतिष्ठान निरीक्षण (श्रम) | संख्या | १५०१ | १६०० | १२००० | २५०० | २६०० |
| न्युनतम पारिश्रमिक पालना (निरीक्षण) | संख्या | १४७३ | १७५० | २००० | २५०० | २६०० |
| रोजगारीमा औपचारिक क्षेत्रको हिस्सा | प्रतिशत | ३६.५ | ४३ | ४६ | ४७.५ | ५० |
| श्रमशक्ति सहभागिता दर (१५वर्ष माथि) | प्रतिशत | ३८.५ | ४४ | ४५ | ४७ | ४९ |
| श्रम उत्पादकत्व | रू. हजार | १८४.६ | २३० | २४६ | २६१ | २७६ |
| रोजगारी सिर्जना (सार्वजनिक निजी र विशेष कार्यक्रम समेत) | जना लाख | ०.९९ | ४ | ३.५ | ५.५ | ६ |
| योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षामा आबद्ध प्रतिष्ठान संबद्ध श्रमिक | प्रतिशत | ४० | ५० | ७० | ८० | ८५ |

## ७. विषयगत क्षेत्रगत खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ५९,७२७ | ५८,३३४ | १,३९३ | - | ४७,११४ | ३,५७४ | ९,०३९ |
| २०७९/८० | ६९,४०८ | ६७,७६७ | १,६४१ | - | ५१,७४४ | ७,७७६ | ९,८८८ |
| २०८०/८१ | ६९,४८८ | ६७,८७८ | १,६१० | - | ५७,६६६ | १,००० | १०,८२२ |

## ८. कार्यक्रम र आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३७१०००११ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय | १-६ | श्रम, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा तथा वैदेशिक रोजगार सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड र नियमन<br>औद्योगिक विवाद समाधान तथा व्यवसायजन्य सुरक्षाको प्रत्याभूति<br>विदेशीका लागि श्रम स्वीकृति तथा श्रम सहचारी सम्बन्धी क्रियाकलाप व्यवस्थापन | सालबसाली | | श्रम, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा तथा वैदेशिक रोजगारसम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड र नियमन भएको हुने।<br>रोजगारसम्बन्धी तथ्याङ्क, अध्ययन र अनुसन्धान भएको हुने। |
| ३७१०००१२ | वैदेशिक रोजगार न्याधिकरण | ५ | वैदेशिक रोजगार व्यवस्थापन सम्बन्धमा परेका उजुरीहरूको सुनुवाई तथा कार्वाही, श्रम स्वीकृति | सालबसाली | | |
| ३७१००१०१ | रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ३ | रोजगार तथा स्वरोजगार प्रवर्द्धनका लागि समन्वय, सहकार्य तथा नियमन र व्यवस्थापन | २०७५/७६ - २०७९/८० | | सुरक्षित आप्रवासन परियोजनाको तेश्रो चरण अवधिभर ५ लाख जनालाई वैदेशिक रोजगारीको सम्बन्धमा सूचना तथा परामर्श प्रदान गर्ने।<br>१५ हजार केशहरूमा कानूनी सहायता तथा गन्तब्य मुलुकमा सहजीकरण गर्ने<br>७ हजार जनालाई सीपमूलक तालिम प्रदान गर्ने<br>२२ हजार जनालाई वित्तीय साक्षरता र २८ हजार जनालाई मनोसामाजिक परामर्श प्रदान गर्ने। |
| ३७१००१०२ | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम | १ | प्रत्येक स्थानीय तहमा सूचीकृत बेरोजगार व्यक्ति तथा रोजगारदाताहरूको विवरण तथा सूचना व्यवस्थापन र सामाजिक सुरक्षाको | २०७५/७६ सालदेखि सालवसाली | | न्यूनतम रोजगारीको प्रत्याभूति मार्फत अति विपन्न बेरोजगारहरूको संख्या घट्दै गएको हुने।<br>हरेक श्रमलाई सम्मान गर्ने संस्कारको विकास भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | रुपमा न्यूनतम रोजगारी प्रत्याभूति | | | श्रमिक सुचना वैंकको प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन भएको हुने।<br>प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमको अपनत्वमा बृद्धि भई हरेक प्रदेश तथा स्थानीय तहहरूमा यस्तै प्रकारका रोजगार कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको हुने। |
| ३७१००१०३ | युवा रोजगारीका लागि रूपान्तरण पहल आयोजना | १ | प्रत्येक स्थानीय तहमा सूचीकृत युवा बेरोजगार व्यक्ति तथा रोजगारदाताहरूको विवरण तथा सूचना व्यवस्थापन र सामाजिक सुरक्षाको रुपमा न्यूनतम रोजगारी प्रत्याभूति | सन् २०१९-२०२२ | | दर्ता गरेको १ वर्षभित्र तालिम, अस्थायी काम अथवा रोजगारको अवसर पाई आयोजनाद्वारा सहयोग प्राप्त गरेका व्यक्ति ४० प्रतिशत पुगेको हुने।<br>७५३ स्थानीय तहमा रोजगार सेवा केन्द्र सञ्चालन भएको हुने।<br>आयोजनाका कुल युवा लाभग्राही ६० प्रतिशत पुगेको हुने।<br>राष्ट्रिय रोजगार व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको निर्माण तथा सञ्चालन भएको हुने।<br>अस्थायी कार्यक्रम मार्फत कुल १ करोड रोजगारीको दिन सिर्जना भएको हुने।<br>कुल ५९,५०० जनाले कार्यस्थलमा आधारित तालिम तथा जीवनउपयोगी सीपविकास तालिम प्राप्त गरेको हुने<br>कुल ६० हजार महिला सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमबाट लाभान्वित भएको हुने। |
| ३७१०१०११ | श्रम तथा व्यवसायजन्य सुरक्षा विभाग | २ | स्वदेशी तथा अन्तराष्ट्रिय श्रम बजारको मागअनुरुप दक्ष एवं प्रतिस्पर्धी श्रम शक्ति तयार गरी बेरोजगारी न्यूनीकरण | सालबसाली | | औद्योगिक व्यवसाय र अनौपचारिक क्षेत्रमा श्रमरत कामदारको सुरक्षा तथा काम गर्ने स्वस्थ्य वातावरण प्रवर्द्धन गर्ने। |
| ३७१०१०१२ | श्रम तथा रोजगार कार्यालयहरू | २ | औधिगिक विवाद समाधान गर्ने, प्रतिष्ठान निरीक्षण मार्फत श्रम कानून परिपालना अनुगमन | सालबसाली | | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३७१०११०२ | ब्यवसायजन्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्य केन्द्र | २ | व्यवसायजन्य सुरक्षा र स्वास्थ्य सम्वन्धी नीति, कानुन तथा व्यवस्थापन | सालबसाली | | |
| ३७१०२०११ | वैदेशिक रोजगार विभाग | ५ | वैदेशिक रोजगारीमा सम्बन्धी कार्य व्यवस्थापन | सालबसाली | | |
| ३७१०३०११ | व्यावसायिक तथा सीप विकास तालिम प्रतिष्ठान | ३ | रोजगार उन्मुख व्यवसायिक तथा सीप विकास तालिम व्यवस्थापन तथा सञ्चालन | सालबसाली | | |
| ३७१३१०११ | वैदेशिक रोजगार बोर्ड | ५ | वैदेशिक रोजगारीमा जाने र विदेशमा कार्यरत कामदारको हित तथा सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण | सालबसाली | | वैदेशिक रोजगारीमा जाने र विदेशमा कार्यरत कामदारको हित, सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३७१०००११ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय | न्यूनतम पारिश्रमिक पुनरावलोकनका लागि अध्ययन भई प्रतिवेदन प्राप्त भएको।<br>२६ वटा स्थानीय तह बालश्रम मुक्त स्थानीय तह घोषणा प्रक्रियामा रहेको।<br>सूचना प्रविधिको प्रयोग सम्वन्धी ३ वर्षे कार्ययोजना स्वीकृत भई कार्यान्वयनका लागि सम्बन्धित निकायमा पठाइएको।<br>मन्त्रालयको तत्काल सुधार कार्ययोजना तयार भएको।<br>व्यवसायिक तथा सीप विकास तालिम प्रतिष्ठान र श्रम कार्यालयहरूको कार्यक्षेत्र पुनरावलोकन गरिएको।<br>सामाजिक सुरक्षा कोष लगानी कार्यविधि, २०७६, बालश्रम | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड र नियमन तथा तथ्यांकीय आधार तयार हुने। | वैदेशिक रोजगारसम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड, व्यवस्थापन र नियमन गर्ने।<br>सामाजिक सुरक्षा र सामाजिक सुरक्षा सञ्चालन कोष सञ्चालन सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड निर्माण, परिमार्जन गर्ने।<br>असंगठित क्षेत्र, सरकारी तथा सार्वजनिक संस्थामा रहेका अस्थायी तथा ज्यालादार श्रमिकलाई सामाजिक सुरक्षाको दायरामा ल्याउन आवश्यक नीति तर्जुमा गर्ने।<br>राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रिय संघसंस्थासँग सन्धि, सम्झौता, अभिसन्धि, सम्पर्क र समन्वय गर्ने तथा राष्ट्रिय रणनीति |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | मुक्त स्थानीय तह घोषणा कार्यविधि, २०७७ सहित ४ वटा नयाँ कार्यविधिहरू जारी भएको।<br>प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन निर्देशिका, २०७५ समेतका ६ वटा कानून संशोधन भएको। | | तयार गर्ने।<br>श्रम तथा रोजगारसम्बन्धी तथ्याङ्क, अध्ययन र अनुसन्धान गर्ने।<br>बालश्रम मुक्त स्थानीय तह घोषणा कार्यक्रम गर्ने। |
| ३७१०००१२ | वैदेशिक रोजगार न्याधिकरण | वैदेशिक रोजगार सम्बन्धी ठगीका ४७८ उजुरीहरू मध्ये २१२ उजुरीहरू फछ्यौट भएको र बाँकी २१२ वटा उजुरीहरूमा सुनुवाई भइरहेको। | वैदेशिक रोजगारसम्बन्धी मुद्दाहरू निश्पक्ष र प्रभावकारी सुनुवाइ भएको हुने। | वैदेशिक रोजगार सम्बन्धी ठगीका उजुरीहरू सुनुवाई तथा कार्वाही हुने व्यवस्था सुदृढ गर्ने।<br>न्यायाधिकरणको काम कार्वाही सम्बन्धमा आउटरिच कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>जिल्लाका फैसला कार्यान्वयन निकायमा कार्यरत कर्मचारीसँग अन्तरक्रिया कार्यक्रम गर्ने। |
| ३७१००१०१ | रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम | २७७ जनालाई सीपमूलक तालिम दिइएको।<br>१४,३२१ जनालाई मनोसामाजिक परामर्श र ९,७४५ जनालाई वित्तिय साक्षरता तालिम प्रदान गरिएको। | सुरक्षित र मर्यादित रोजगारी प्रवर्द्धन हुने। | सीपमूलक तथा वित्तीय साक्षरता तालिम सञ्चालन गर्ने।<br>तालीम तथा रोजगारी सम्बन्धमा अध्ययन कार्यक्रम गर्ने।<br>प्रदेशस्तरमा सामी तेस्रो चरणको समिक्षा गोष्ठी<br>आप्रवासी कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्दीको लागि तालिम निर्देशिका निर्माण गर्ने। |
| ३७१००१०२ | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम | स्थानीय तहबाट रोजगारमूलक आयोजना सञ्चालन गरी न्यूनतम रोजगारी उपलब्ध गराउन रू ११ अर्ब २० करोड ९९ लाख ७५३ स्थानीय तहमा हस्तान्तरण भएको।<br>प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रममा आवद्ध २ लाख श्रमिकको सामूहिक दुर्घटना बिमा भएको।<br>७,५१,८७४ जना बेरोजगारको विवरण रोजगार व्यवस्थापन सूचना प्रणालीमा सूचीकृत भएको।<br>स्थानीय तहमा कार्यरत २२५९ जना कर्मचारीलाई क्षमता विकास तालिम दिइएको।<br>श्रमिक सूचना बैंक समेतको कार्य गर्ने गरी स्तरोन्नति कार्य | मुलुक भित्र थप रोजगारीका अवसर सिर्जना भई वैदेशिक रोजगारीमा जानेहरूको संख्या न्यूनीकरण भएको<br>हुने र श्रमिकहरूको सामाजिक सुरक्षाको प्रत्याभूति भएको हुने | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम मार्फत् थप १ लाख ५० हजार रोजगारी सिर्जना गर्ने।<br>स्थानीय तहको रोजगार रणनीति निर्माण गर्ने<br>रोजगारमूलक आयोजना छनौट र सञ्चालनको लागि मापदण्ड निर्माण गर्ने।<br>रोजगारीको लागि सम्वाद मञ्च तथा गोष्ठी/कार्यशाला गर्ने।<br>श्रमको सम्मान राष्ट्रको अभियान कार्यक्रम गर्ने।<br>राष्ट्रिय रोजगार व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको निर्माण गर्ने।<br>EMIS सञ्चालन र स्तरोन्नति गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | भैरहेको। | | श्रमिकको सामूहिक दुर्घटना बिमा गर्ने। |
| ३७१००१०३ | युवा रोजगारीका लागि रूपान्तरण पहल आयोजना | | मुलुकभित्र बेरोजगार युवा जनशक्तिको लागि थप रोजगारीका अवसर सिर्जना भई वैदेशिक रोजगारीमा जाने युवाहरूको संख्या न्यूनीकरण भएको हुने र श्रमिकहरूको सामाजिक सुरक्षाको प्रत्याभूति भएको हुने। | युवा लक्षित रोजगारी सिर्जना गर्ने।<br>श्रमको सम्मान राष्ट्रको अभियान कार्यक्रम गर्ने।<br>राष्ट्रिय रोजगार व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको निर्माण गर्ने।<br>स्थानीय तहको रोजगार रणनीति निर्माण गर्ने<br>कार्यस्थलमा आधारित प्राविधिक सीप विकास र जीवनोपयोगी तालिम प्रदान गर्ने।<br>तालिममको मोड्युल निर्माण, व्यवस्थापन गर्ने।<br>सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया, प्रशिक्षक प्रक्षिक्षण, विषयगत सरकारी सूचना प्रणालीमा अन्तरआवद्धता कायम गर्ने। |
| ३७१०१०११ | श्रम तथा व्यवसायजन्य सुरक्षा विभाग | ५७५ जना गैरनेपाली नागरिकलाई श्रम स्वीकृति दिइएको।<br>८४४ जना गैरनेपाली नागरिकको श्रम स्वीकृति नविकरण गरिएको।<br>३५ प्रतिष्ठानको विदेशी श्रमिकले श्रम स्वीकृति लिए नलिएको सम्वन्धमा अनुगमन गरिएको।<br>११८३ प्रतिष्ठानको श्रम कानूनको पालना भए नभएको निरीक्षण, १७४९ प्रतिष्टानको श्रम अडिट र १३७५ प्रतिष्ठानको बालश्रम निरीक्षण गरिएको। | श्रम व्यवस्थापन तथा असल श्रम सम्बन्धको विकास भएको हुने। | व्यवसायजन्य सुरक्षा र स्वास्थ्य सम्बन्धी क्षेत्रगत मापदण्ड तयार गर्ने।<br>प्रतिष्ठानहरूमा बालश्रम निरीक्षण, न्यूनतम पारिश्रमिकको अनुगमन गर्ने।<br>त्रिपक्षीय श्रम सम्बन्ध सुधार समिति (केन्द्र र जिल्ला स्तर)बाट श्रम विवादहरूको व्यवस्थापन गर्ने।<br>श्रम सप्ताह अभियान सञ्चालन गर्ने।<br>अनौपचारिक रोजगारका क्षेत्रलाई औपचारिक क्षेत्रमा रुपान्तर गर्न अध्ययन गर्ने र क्षेत्रगत आचारसंहिता क्रमशः तयार गर्ने।<br>श्रम अडिट online मार्फत पेश गर्न Mobile APP निर्माण गर्ने।<br>प्रादेशीक रुपमा व्यवसायजन्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्यमा उत्कृष्ट व्यवस्थापन गर्ने प्रतिष्ठानलाई पुरस्कृत गर्ने। |
| ३७१०१०१२ | श्रम तथा रोजगार | श्रम कानूनको पालना भए नभएको निरीक्षणः ११८३ प्रतिष्ठान | उद्योग प्रतिष्ठानहरूमा सवै किसिमको श्रम शोषणको अन्त्य | श्रम विवाद समाधान, बालश्रम निरीक्षण, प्रतिष्ठान |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | कार्यालयहरू | श्रम अडिटः १७४९ वटा प्रतिष्टान<br>बालश्रम निरीक्षणः १३७५ प्रतिष्ठान | भइ श्रम कानूनको परिपालना मार्फत असल श्रम सम्बन्धको विकास भएको हुने। | निरीक्षण गर्ने।<br>श्रम अडिट तथा बालश्रम सम्बन्धी प्रचारप्रसार कार्यक्रम तथा सरोकारवालाहरूसँग छलफल तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>वैदेशिक रोजगारीमा जानेहरूलाई पुन श्रम स्वीकृति प्रदान गर्ने। |
| ३७१०११०२ | ब्यवसायजन्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्य केन्द्र | | कार्यस्थलमा कार्यरत श्रमिकको सुरक्षाको प्रत्याभूति भई असल कार्य वातावरणको सिर्जना भएको हुने। | क्षेत्रगत रुपमा व्यवसायजन्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>ब्यवसायजन्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी दक्षता अभिबृद्धि सम्बन्धमा १४ दिने प्रशिक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>कार्यस्थलमा हानिकारक तत्वको नमूना संकलन तथा विश्लेषण गर्ने। |
| ३७१०२०११ | वैदेशिक रोजगार विभाग | अनलाइन प्रणाली मार्फत वैदेशिक रोजगारको लागि पुनः श्रम स्वीकृति दिने कार्य शुरुवात भएको।<br>EIMS को स्तरोन्नति गरी अध्यागमन विभागसँग आवद्ध गरिएको।<br>३२,९६१ जनालाई श्रम स्वीकृति तथा ८५,२५० जनालाई पुनः श्रम स्वीकृति दिइएको। | वैदेशिक रोजगार सुरक्षित र व्यवस्थित भएको हुने। | वैदेशिक रोजगारीको लागि श्रम स्वीकृति प्रदान गर्ने।<br>वैदेशिक रोजगारीसँग सम्बन्धित ठगीका उजुरीको सुनुवाई गरी आवश्यक कारवाही गर्ने।<br>बिमा समितिबाट लाइसेन्स प्राप्त तथा यस बैदेशिक रोजगार विभागसँग सम्झौता गरेका विमा कम्पनीहरूबाट बैदेशिक रोजगारको लागी आवश्यक म्यादी बिमा अनलाइनबाट खरिद गर्न तथा अनलाइनबाट नै भुक्तानी गर्न सकिने प्रणालीको विकास गर्ने।<br>नेपाली कामदार पठाउन इजाजत पत्र प्राप्त ब्यवसायीहरूसँग समन्वय, अन्तरसम्बाद र निरन्तर अनुगमन गर्ने।<br>नेपाली कामदार जाने प्रमुख गन्तव्य मुलुकहरूमा रहेका नेपाली दुतावास र कुटनीतिक नियोगहरूसँग श्रम सम्बन्धी सूचना आदान–प्रदान र वैदेशिक रोजगार |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | व्यवस्थापनमा समन्वय गर्ने। |
| ३७१०३०११ | व्यावसायिक तथा सीप विकास तालिम प्रतिष्ठान | संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको लागत साझेदारीमा आधारित व्यावसायिक तथा सीप विकास तालिम सञ्चालन कार्यविधि २०७७ स्वीकृत भई वित्तीय हस्तान्तरणबाट रू ६० करोड प्रदेश पठाइएको।<br>५८४ जनालाई सीपमूलक तालिम दिइएको। | रोजगारमूलक तालिम प्राप्त गर्ने व्यक्तिको संख्यात्मक र गुणात्मक वृद्धि हुने। | बजारको माग अनुसारका ब्यावसायिक तथा सीपमूलक तालिम सञ्चालन गर्ने।<br>सार्वजनिक नीजि साझेदारीमा तालिम सञ्चालन गर्ने।<br>व्यवसायिक तथा सीपमुलक तालीम प्राप्त जनशक्तिलाई पूँजी, प्रविधि, उद्यमशीलता र बजारसँग आवद्ध गर्ने गरी संस्थागत समन्वय गर्ने।<br>राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय माग र आवश्यकता अनुसार प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गरी नयाँ नयाँ ट्रेडहरूको पहिचान गर्ने। |
| ३७१३१०११ | वैदेशिक रोजगार बोर्ड | विदेशमा मृत्यु भएका ५४५ जना कामदारको शव व्यवस्थापन गरिएको।<br>८८१ जना मृतकको परिवारलाई रू ४८ करोड २६ लाख क्षतिपूर्ति प्रदान गरिएको।<br>विदेशमा अलपत्र परेका २१७ जना श्रमिकलाई कल्याणकारी कोषको रकमबाट उद्धार गरिएको।<br>७३६० जनाको सीपमूलक तालिम सञ्चालन भइरहेको। | वैदेशिक रोजगार सम्बन्धी कल्याणकारी कार्य स्थानीय तहसम्म पुगेको हुने। | वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केकाहरूलाई लक्षित गरी पुनर्एकीकरण कार्यक्रमको सञ्चालन गर्ने।<br>रोजगारीको क्रममा विदेशमा रहँदा करारनामा बमोजिम सेवा, शर्त र सुविधा लागु भए नभएको नियमित अनुगमन, गुनासा सुनुवाई, उद्धार कार्य, रोजगारमा संलग्न कामदारहरूको तथ्याङ्क अभिलेखीकरण गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

कोरोना कहरबाट उत्पन्न आन्तरिक तथा बाह्य बेरोजगारी व्यवस्थापनमा जटिलता देखिनु मुख्य चुनौतिको रुपमा देखिनेछ। श्रम बजारको माग र जनशक्ति विकासका कार्यक्रमबीच तादात्म्यता तथा स्वस्थ श्रम सम्बन्धको विकास, सुरक्षित तथा भरपर्दो वैदेशिक रोजगारी, औपचारिक माध्यमबाट विप्रेषणको प्राप्ति र यसको सही सदुपयोगको सुनिश्चितता हुन सकेमा अपेक्षित प्रतिफल हासिल हुनेछन्। सामाजिक सुरक्षा कोष अनुरुप विभिन्न स्कीम सञ्चालन हुनेछन्। कृषि, उद्योग, पर्यटन तथा पूर्वाधारका क्षेत्रमा पनि उत्पादनमूलक रोजगारी सिर्जना र वृद्धि गर्दै स्वदेशमा नै युवा जनशक्तिको लागि रोजगारीका अवसरहरू उपलब्ध हुनेछन्।

# परिच्छेद ७

# पूर्वाधार क्षेत्र

## ७.१ ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ

### ७.१.१ ऊर्जा

#### १. पृष्ठभूमि

जलविद्युत आर्थिक वृद्धि र आर्थिक रूपान्तरणको एक महत्वपूर्ण साधन हो। नेपालको विद्युत विकासको यात्रा वि.सं. १९६८ देखि सुरु भएको भएता पनि वित्तीय उत्प्रेरणा सहितको लगानी नीतिको प्रभावकारी समन्वय र निर्माण क्षमताको अभावले सम्भावित क्षमताको न्यून मात्रामा उत्पादन सम्भव हुन सकेको छ। आ.व. २०७६/७७ सम्ममा कुल विद्युत जडान क्षमता १,४०१ मेगावाट पुगेको छ। विद्युत ग्रिडमा जनसंख्याको पहुँच ८६ प्रतिशत छ। विद्युत प्रसारण लाइनको ६६ के.भी. वा सो भन्दा माथिको कुल लम्बाइ ४,२६९ सर्किट किलोमिटर पुगेको छ। ६६२ स्थानीय तहमा विद्युत पूर्वाधार पुगेको छ। साथै, प्रतिव्यक्ति विद्युत खपत उपभोग २६० किलोवाट घण्टा रहेको छ। हाल १५.२७ प्रतिशत रहेको विद्युत चुहावटलाई न्यूनीकरण गर्दै लैजानु आवश्यक छ। साथै, राष्ट्रिय विद्युत प्रसारण लाइन पुऱ्याउन कठिन भएका र छरिएर रहेका विकट ग्रामीण बस्तीहरूमा ऊर्जाको पहुँच तथा सुरक्षा सुनिश्चितता गर्दै दिगो विकास लक्ष्य बमोजिम सबैका लागि दिगो ऊर्जाको अवधारणा, जलवायु परिवर्तनको असर न्यूनीकरण, लैङ्गिक समानता लगायतका अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिवद्धता कार्यान्वयन गर्न र हरित अर्थतन्त्रलाई प्रवर्द्धन गर्दै वातावरणीय सन्तुलन स्थापित गर्न नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रको तीव्र विकास हुनु आवश्यक छ। हालसम्म वैकल्पिक ऊर्जाको स्रोतबाट विद्युत जडान क्षमता ६८ मेगावाट पुगेको छ। वैकल्पिक ऊर्जाको माध्यमबाट करिब ६ प्रतिशत जनतामा विद्युतको पहुँच पुग्नुका साथै करिब ३० हजार रोजगारी सिर्जना भएको छ।

#### २. समस्या तथा चुनौती

जलविद्युत आयोजना प्राकृतिक नदी प्रणालीमा आधारित रहनु, सुख्खा याममा विद्युतको माग पूरा हुन नसक्नु, विद्युत आपूर्ति भरपर्दो र गुणस्तरीय नहुन, वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकनको प्रभावकारी कार्यान्वयन नहुनु, जग्गा प्राप्ति सम्बन्धी कठिनाइले आयोजना कार्यान्वयनमा ढिलाइ हुनु, प्रसारण लाइन निर्माणका लागि आवश्यक निजी जग्गा प्राप्ति तथा वन क्षेत्रमा निर्माण कार्यमा ढिलाइ र व्यवस्थापनमा कठिनाइ हुनु, आयोजना व्यवस्थापनका पूर्व चरणमा गर्ने कार्य समयमै सम्पन्न हुन नसक्नु, आयोजनाको लागतमा बढोत्तरी हुनु र जलविद्युत आयोजना निर्माणमैत्री पूर्वाधारको कमी हुनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या रहेका छन्।

शहरीकरण तथा आर्थिक गतिविधिको विस्तारका कारण बढ्दै गएको विद्युतको माग पूरा गर्नु, ठूला जलाशययुक्त विद्युत आयोजनाहरूको विकास गर्नु, आयोजना निर्धारित समय र लागतमा सम्पन्न गर्नु, प्रसारण तथा वितरण प्रणाली विस्तार र सुदृढीकरण गर्नु, जलविद्युत उत्पादनमा पर्याप्त मात्रामा वैदेशिक र निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्नु, परम्परागत ऊर्जाका स्रोतलाई स्वच्छ, किफायती तथा आधुनिक ऊर्जाले प्रतिस्थापन गर्नु, ऊर्जा सुरक्षा तथा ऊर्जा दक्षता अभिवृद्धिको लागि मिश्रित ऊर्जा प्रणालीको नीति अवलम्बन गर्नु, ऊर्जाको पहुँच नपुगेका वास्तविक लक्षित वर्ग तथा क्षेत्रमा पहुँच पुऱ्याउनु यस क्षेत्रका चुनौती रहेका छन् ।

#### ३. सोच

- जलविद्युतको दिगो र भरपर्दो विकास मार्फत मुलुकको समृद्धिमा योगदान। (जलविद्युत)

- वैकल्पिक/नवीकरणीय ऊर्जाको प्रवर्द्धन, विस्तार र दक्षता मार्फत आधुनिक ऊर्जाको दिगो विकास। (वैकल्पिक ऊर्जा)

## ४. उद्देश्य

### जलविद्युत

१. जलविद्युतको उत्पादनमा वृद्धि गर्दै स्वच्छ ऊर्जाको उपलब्धता सुनिश्चित गर्नु।

२. ऊर्जा दक्षता सहित गुणस्तरयुक्त, भरपर्दो र सुलभ रूपमा सबै घर परिवार र उत्पादनशील क्षेत्रमा विद्युत सेवाको पहुँचमा विस्तार गरी विद्युत खपतमा वृद्धि गर्नु।

३. क्षेत्रीय ऊर्जा निर्यात व्यापार अभिवृद्धि र पेट्रोलियम पदार्थको आयात क्रमशः प्रतिस्थापन गर्दै भुक्तानी सन्तुलनलाई अनुकूल बनाउन योगदान पुऱ्याउनु।

### वैकल्पिक ऊर्जा

१. राष्ट्रिय प्रसारण प्रणालीको पहुँच बाहिरका क्षेत्रमा समेत वातावरणमैत्री, दिगो, भरपर्दो, सर्वसुलभ, किफायती र गुणस्तरीय आधुनिक ऊर्जाको पहुँच वृद्धि गर्नु।

२. ऊर्जाको दक्ष उपयोगबाट ऊर्जा खपत घनत्व (Energy Intensity) घटाई उत्पादकत्व बढाउनु।

## ५. रणनीति

### अ. जलविद्युत

१. जलविद्युतमा आन्तरिक एवम् बाह्य क्षेत्रको लगानी आकर्षण गरी विद्युत उत्पादनमा वृद्धि गर्ने।

२. आन्तरिक र अन्तरदेशीय विद्युत प्रसारणलाई सुदृढ तथा विस्तार गरी विद्युत आपूर्ति प्रणालीलाई प्रभावकारी र भरपर्दो बनाउने।

३. ऊर्जा दक्षता बढाउन वितरण प्रणालीलाई प्रभावकारी एवम् भरपर्दो बनाउने तथा विद्युत पहुँच वृद्धि गरी खपत बढाउने।

४. जलविद्युत उत्पादन सहित सबै प्रकारका ऊर्जाको समिश्रण र क्षेत्रीय ऊर्जा व्यापारको माध्यमबाट ऊर्जा सुरक्षा कायम गर्ने।

५. जलविद्युत क्षेत्रको संस्थागत संरचनाको सुदृढीकरण गर्ने।

६. जलविद्युतमा आन्तरिक एवम् बाह्य क्षेत्रको लगानी वृद्धि गरी विद्युत उत्पादनमा वृद्धि गर्ने।

### आ. वैकल्पिक ऊर्जा

१. वैकल्पिक/नवीकरणीय ऊर्जाको विस्तार गरी ऊर्जा आपूर्ति प्रणालीको महत्वपूर्ण अंशको रूपमा विकास र बहुउपयोग प्रवर्द्धन गर्ने।

२. प्रदेश र स्थानीय तहमा सरोकारवालासँगको सहकार्यमा लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणलाई प्राथमिकता दिँदै आधुनिक, भरपर्दो र पर्याप्त ऊर्जा सेवा उपलब्ध नभएका क्षेत्रसम्म वैकल्पिक ऊर्जाको पहुँच वृद्धि गर्ने।

३. नवीनतम, दिगो तथा ऊर्जा दक्ष प्रविधिहरूको प्रयोगमा जोड दिने।

४. वैकल्पिक ऊर्जाको क्षेत्रमा बैंकिङ तथा वित्तीय क्षेत्रको संलग्नता वृद्धि गर्ने तथा वैकल्पिक ऊर्जा प्रबिधिहरूलाई उपयुक्त कार्वन परियोजना तथा कार्यक्रमको रूपमा बिकास गरी अन्तर्राष्ट्रिय कार्बन बजारको साथै आन्तरिक कार्बन बजार संयन्त्र स्थापना गर्ने।

५. कृषि तथा पशुपन्छी पालनमा संलग्न कृषक, व्यावसायिक समूह, फार्म र सहकारी संघसंस्था समेतको सहकार्यमा ठूला क्षमताका बायोग्यास प्लान्ट स्थापना गरी एल.पी. ग्यासको प्रयोगलाई न्यूनीकरण गर्नुका साथै बायोस्लरीबाट प्राङ्गारिक मल उत्पादन गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक तथा लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| विद्युत जडित क्षमता | मेगावाट | १,४०१ | २१७४.४ | २९७४ | ३,९९३ | ५,१०० |
| जलविद्युत, थर्मल, ग्रिड सोलार | मेगावाट | १,३३३ | २,१७४ | २,९४७ | ३,९०० | ५,००० |
| वैकल्पिक ऊर्जा | मेगावाट | ६८ | ७७ | ८३ | ९३ | १०० |
| प्रसारण लाइन (६६ के.भि. तथा सो भन्दा माथिका) | कि.मि. | ४,२६९ | ४,८७० | ५,६९९ | ६,४३० | ८,००० |
| वितरण लाइन (३३ के.भि.) | कि.मि. | ५,३१० | ६,००० | ६,५०० | ७,१०० | ७,३०० |
| विद्युत ग्रिडमा जनसंख्याको पहुँच | प्रतिशत | ८६ | ९१ | ९७ | १०० | १०० |
| प्रति व्यक्ति विद्युत खपत | किलोवाट घण्टा | २६० | ३०० | ३५० | ६०० | ६५० |
| विद्युत चुहावट | प्रतिशत | १५.२७ | १५ | १४.५ | १२.८ | १२.३ |
| लघु तथा साना जलविद्युत आयोजनाबाट विद्युत उत्पादन | मेगावाट | ३३ | ३५ | ३७ | ४२ | ४५ |
| सौर्य ऊर्जाबाट विद्युत उत्पादन | मेगावाट | ३५ | ४१.६ | ४१.१ | ५० | ५४ |
| वायु ऊर्जा प्रणालीबाट विद्युत उत्पादन | किलोवाट | ३५३ | ४५३ | ६५३ | १०५३ | १२५३ |
| सुधारिएको पानी घट्ट जडान | संख्या | ११,०१८ | ११,१९३ | ११,२९३ | ११,३९३ | ११,४९३ |
| सुधारिएको चुलो जडान | संख्या (हजारमा) | १५२८ | १५५३ | १५८८ | १६३८ | १६८८ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| घरायसी बायोग्यास प्लान्ट जडान | संख्या (हजारमा) | ४२७ | ४४७.३ | ४५८.३ | ५०८ | ५२८ |
| संस्थागत, सामुदायिक र व्यावसायिक बायोग्यास प्लान्ट जडान | संख्या | २९९ | ४०९ | ४८९ | ६३९ | ७३९ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ७०४,५२६ | २९,६४४ | ११२,६९५ | ५६२,१८७ | २०२,२४६ | ३१,९१० | ४७०,३७० |
| २०७९/८० | ९५२,६८८ | ३८,४६५ | १३९,५३६ | ७७४,६८७ | २३०,०७६ | ३२,८४६ | ६८९,७६६ |
| २०८०/८१ | १,०७९,८६५ | ४६,१५८ | १६६,९६३ | ८६६,७४४ | २६४,९०२ | १४,३७३ | ८००,५९० |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. करोड) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०८०००११ | ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ मन्त्रालय | १, ४ | जलस्रोत र ऊर्जाको दिगो विकास, संरक्षण, उपयोग र पानीको बाँडफाँट सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड र नियमन | सालबसाली | | नीति, कानून, मापदण्ड निर्माण र नियमन कार्यहरू भएको हुने। |
| ३०८००१०१ | बुढी गण्डकी जलविद्युत आयोजना | १, ४ | १,२०० मेगावाट क्षमताको जलाशययुक्त जलविद्युत आयोजना निर्माण | २०६९/७० - २०८५/८६ | २,८३,५७ | मुआब्जा वितरण सम्पन्न, निर्माण कार्य सुरु भएको हुने। |
| ३०८००१०२ | विद्युत विकास दशक सम्बन्धी कार्ययोजना आयोजना | १, ४ | दीर्घकालीन रूपमा दिगो विद्युतीय ऊर्जा विकासको माध्यमद्वारा एक दशक भित्र नेपालमा ऊर्जा सुरक्षाको प्रत्याभूति | सालबसाली | | जनताको जलविद्युत कार्यक्रम अन्तर्गतका आयोजनाको शेयर वितरण भएको हुने। |
| ३०८००१०३ | वैकल्पिक ऊर्जा प्रबर्द्धन केन्द्र | १, ४ | नवीकरणीय ऊर्जा प्रवर्द्धन तथा विकास, अध्ययन, अनुसन्धान, प्रविधि हस्तान्तरण, क्षमता अभिवृद्धि र सेवाको गुणस्तरमा वृद्धि गरी ऊर्जाको पहुँच मार्फत निवारणमा सहयोग र ऊर्जा दक्षता अभिवृद्धि | सालबसाली | | नवीकरणीय ऊर्जा प्रविधि जस्तै, लघु तथा साना जलविद्युत आयोजना, सौर्य प्रणाली, बायोग्यास, सुधारिएको चुलो,वायु ऊर्जा लगायतका प्रविधिको प्रयोगमा बिस्तार भएको हुने। |
| ३०८००१०४ | राष्ट्रिय ग्रामीण तथा नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम | १, ४ | नवीकरणीय ऊर्जा प्रवर्द्धन तथा विकास गरी ऊर्जाको पहुँच तथा ऊर्जा दक्षता मार्फत गरिबी निवारणमा सहयोग | सालबसाली | | |
| ३०८०१०११ | विद्युत विकास विभाग | १, ४ | निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन, प्रवर्द्धन र सहजीकरण, जलविद्युत आयोजनाको सम्भाव्यता तथा वातावरणीय अध्ययन, अनुगमन र नियमन | सालबसाली | | निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन, प्रवर्द्धन र सहजीकरण, जलविद्युत आयोजनाको सम्भाव्यता तथा वातावरणीय अध्ययन, अनुगमन र नियमन भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. करोड) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०८०११०१ | विद्युत विकासमा निजी क्षेत्रको प्रवर्द्धन | १, ४ | जल विद्युत आयोजनाहरूको अध्ययन, निर्माण तथा संचालनको लागि निजी क्षेत्रको प्रवर्द्धन | सालबसाली | | जलविद्युत आयोजनाको अध्ययन, निर्माण तथा संचालनको लागि निजी क्षेत्रको प्रवर्द्धन भएको हुने। |
| ३०८०११०२ | सप्तकोशी बहुउद्देश्यीय आयोजना | १, ४ | ३,४५० मेगावाट बिजुली उत्पादन तथा नेपालको पूर्वी क्षेत्रमा सिँचाइ सुविधा उपलब्धता | एकिन नभएको | | ३,४५० मे.वा. बिजुली उत्पादन तथा नेपालको पूर्वी क्षेत्रमा सिंचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०८०११०३ | पञ्चेश्वर बहुउद्देश्यीय आयोजना | १, ४ | पञ्चेश्वर बहुउद्देश्यीय आयोजना निर्माण | एकिन नभएको | | पञ्चेश्वर बहुउद्देश्यीय आयोजनाको निर्माण भएको हुने। |
| ३०८०११०४ | जलविद्युत आयोजना अध्ययन | १, ४ | जलविद्युत आयोजनाहरू अध्ययन | सालबसाली | | जलविद्युत आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन तथा वातावरणीय अध्ययन गरी आयोजना बैंक तयार भएको हुने। |
| ३०८०११०६ | बुढीगंगा जलविद्युत आयोजना | १, ४ | २० मेगावाट क्षमताको पिकिङ आयोजना निर्माण गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०७६/७७ - २०७९/८० | ६०० | २० मे.वा. विद्युत उत्पादन तथा ८० कि.मि. प्रसारण लाइन निर्माण भएको हुने। |
| ३०८२१०१२ | जल तथा ऊर्जा आयोग | १, ४ | विद्यमान जल तथा ऊर्जा स्रोतको सर्वेक्षण र अन्वेषण<br>जल तथा ऊर्जा विकास सम्बन्धी दीर्घकालीन वा अल्पकालीन नीति तर्जुमा | सालबसाली | | जल तथा ऊर्जा स्रोतको सर्वेक्षण र अन्वेषण भएको हुने। |
| ३०८२१०१३ | नदी बेसिन योजना तथा जलविद्युत विकास गुरूयोजना तर्जुमा आयोजना | १, ४ | जलस्रोतको एकीकृत विकास एवम् व्यवस्थापन | २०७१/७२ - २०७७/७८ | ६८ | नदी बेसिन योजना तथा जलविद्युत विकास गुरूयोजना तर्जुमा भएको हुने। |
| ५०१०८१०१ | १३२ के.भि. तथा अन्य प्रसारण लाइन | १, ४ | १३२ के.भि. तथा अन्य प्रसारण लाइन विस्तार | सालबसाली | | प्रसारण लाइनको लम्बाइ ८ हजार स.कि.मि. भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. करोड) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | विस्तार | | | | | |
| ५०१०८१०२ | थानकोट-चापागाउँ-भक्तपुर प्रसारण लाइन | १, ४ | थानकोट-चापागाउँ-भक्तपुर १३२ के.भि. प्रसारण लाइन निर्माण | २०५५/५६ - २०७८/७९ | १,८७ | २८ कि.मि. प्रसारण लाइन निर्माण भएको हुने। |
| ५०१०८१०३ | अन्य ३३ के.भि. तथा सब-स्टेसन | १, ४ | वितरण लाइन तथा वितरण सब-स्टेसन निर्माण तथा स्तरोन्नति | सालबसाली | | ३३ के.भि. र सो भन्दा माथिको वितरण लाइन ७,३०० कि.मि. भएको हुने। |
| ५०१०८१०४ | जलविद्युत सुदृढीकरण आयोजना | १, ४ | नेपाल विद्युत प्राधिकरण अन्तर्गत रहेका जलविद्युत केन्द्रहरू आवधिक रूपमा मर्मत सम्भार एवम् सुदृढीकरण | सालबसाली | | मर्मत संभार एवम् सुदृढीकरण भएको हुने। |
| ५०१०८१०५ | सामुदायिक तथा अन्य ग्रामीण विद्युतीकरण | १, ४ | विद्युत ऊर्जाको पहुँच विस्तार | सालबसाली | | पूर्ण विद्युतीकरण भएको हुने। |
| ५०१०८१०६ | कुलेखानी तेस्रो जलविद्युत आयोजना | १, ४ | १४ मेगावाट विद्युत उत्पादन गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०६३/६४ - २०७६/७७ सम्म निर्माण सम्पन्न भई २०७७/७८ देखि सालबसाली | | १४ मे.वा. विद्युत उत्पादन भएको हुने। |
| ५०१०८१०७ | चमेलिया जलविद्युत आयोजना | १, ४ | ३० मेगावाट विद्युत उत्पादन गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०६३/६४ - २०७४/७५ सम्म निर्माण सम्पन्न भई २०७५/७६ देखि सालबसाली | १६,०० | ३० मे.वा. विद्युत उत्पादन भएको हुने। |
| ५०१०८१०८ | जलाशययुक्त आयोजनाहरूको | १, ४ | जलाशययुक्त आयोजनाहरूको छनौट तथा सम्भाव्यता अध्ययन | सालबसाली | | विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. करोड) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | छनौट तथा सम्भाव्यता अध्ययन | | | | | |
| ५०१०८१०९ | ठूला तथा मझौला जलविद्युत अध्ययन आयोजना | १, ४ | ठूला तथा मझौला जलविद्युत आयोजनाहरूको अध्ययन | २०७१/७२ - २०७७/७८ | १,३६ | अध्ययन सम्पन्न भएको हुने। |
| ५०१०८११० | माथिल्लो तामाकोशी जलविद्युत आयोजना | १, ४ | ४५६ मेगावाट क्षमताको आयोजना निर्माण सम्पन्न गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०६६/६७ - २०७७/७८ | ४९,२९ | ४५६ मे.वा. विद्युत उत्पादन भएको हुने। |
| ५०१०८१११ | माथिल्लो त्रिशुली ३ ए जलविद्युत आयोजना | १, ४ | ६० मेगावाट विद्युत उत्पादन गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०६७/६८ - २०७६/७७ सम्म निर्माण सम्पन्न भई २०७७/७८ देखि सालबसाली | १४,१३ | ६० मे.वा. विद्युत उत्पादन भएको हुने। |
| ५०१०८११२ | राहुघाट जलविद्युत आयोजना | १, ४ | ४० मेगावाट क्षमताको आयोजना निर्माण सम्पन्न गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०६७/६८ - २०७९/८० | ९,१७ | ४० मेगावाट विद्युत उत्पादन भएको हुने। |
| ५०१०८११३ | तनहुँ जलविद्युत आयोजना | १, ४ | १४० मेगावाट क्षमताको आयोजना निर्माण सम्पन्न गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०७२/७३ - २०८०/८१ | ४१,६२ | १४० मे.वा. विद्युत उत्पादन भएको हुने। |
| ५०१०८११४ | माथिल्लो मोदी ए जलविद्युत आयोजना | १, ४ | १८ मेगावाट क्षमताको आयोजना निर्माण सम्पन्न गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०६६/६७ - २०८०/८१ | १३,९६ | १८ मेगावाट विद्युत उत्पादन भएको हुने। |
| ५०१०८११५ | नेपाल भारत विद्युत प्रसारण | १, ४ | ३० स.कि.मि. प्रसारण लाइन निर्माण | २०६६/६७ - २०७७/७८ | १६,८९ | ३० स.कि.मि. प्रसारण लाइन निर्माण भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. करोड) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ५०१०८११६ | पुनर्नवीकरणीय तथा क्षमता विस्तार आयोजना | १, ४ | नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन र ऊर्जा दक्षता अभिवृद्धि | २०७१/७२ - २०७७/७८ | २१,०० | २५ मे.वा. सौर्य विद्युत उत्पादन भएको हुने। |
| ५०१०८११७ | तामाकोशी पाँचौ जलविद्युत आयोजना | १, ४ | १०० मेगावाट जलविद्युत आयोजना निर्माण गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०७५/७६ - २०८१/८२ | १६,७० | निर्माण अन्तिम चरणमा पुगेको हुने। |
| ५०१०८१२० | विद्युत उत्पादन कम्पनी लिमिटेड | १, ४ | जलविद्युत आयोजनाहरूको सर्वेक्षण, निर्माण, उत्पादन, सञ्चालन र व्यवस्थापन | २०७३/७४ - २०८७/८८ | ६,३४,४४ | जग्गा प्राप्ति सम्पन्न भएको हुने र अन्य सिभिल निर्माण कार्य भएको हुने। |
| ५०१०८१२१ | राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिड कम्पनी लिमिटेड | १, ४ | आन्तरिक तथा निर्यातको लागि उच्च भोल्टेजको प्रसारण लाइन ग्रिड निर्माण | २०७२/७३ - २०८२/८३ | ६३,५० | जग्गा प्राप्ति सम्पन्न भएको हुने र अन्य सिभिल निर्माण कार्य भएको हुने। |
| ५०१०८१२२ | अपर अरुण जलविद्युत आयोजना कम्पनी लिमिटेड | १, ४ | १,०६१ मे.वा. माथिल्लो अरूण जलविद्युत आयोजना र इखुवा खोला जलविद्युत आयोजना निर्माण गर्ने | २०६६/६७ - २०८४/८५ | १,६७,६९ | जग्गा प्राप्ति सम्पन्न भएको हुने र पहुँचमार्ग तथा अन्य सिभिल निर्माण कार्य भएको हुने। |
| ५०१०८१२३ | पावर सेक्टर रिफर्म एण्ड सस्टेनेवल हाइड्रोपावर डेभलपमेण्ट प्रोजेक्ट | १, ४ | जलविद्युत आयोजना तथा प्रसारण लाइन अध्ययन गर्ने | २०७३/७४ - २०७८/७९ | २,४५ | जलविद्युत आयोजना तथा प्रसारण लाइन अध्ययन सम्पन्न भएको हुने। |
| ५०१०८१२४ | नलगाड हाइड्रोपावर कम्पनी लिमिटेड | १, ४ | ४१० मेगावाट क्षमताको जलाशययुक्त आयोजना निर्माण गरी राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्धता | २०६४/६५ - २०८४/८५ | १,५४,६० | जग्गा प्राप्ति सम्पन्न भएको हुने। पहुँचमार्ग र अन्य सिभिल निर्माण कार्य भएको हुने। |
| ५०१०८१२७ | विद्युत विकास दशक सम्बन्धी कार्ययोजना | १, ४ | दीर्घकालीन रूपमा दिगो विद्युतीय ऊर्जा विकासको मध्यमद्वारा एक दशक भित्र नेपालमा ऊर्जा सुरक्षाको प्रत्याभूति | सालबसाली | | स्मार्ट सब-स्टेसनहरू निर्माण भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. करोड) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ५०१०८१२८ | सासेक-विद्युत प्रसारण तथा वितरण प्रणाली सुदृढीकरण आयोजना | १, ४ | विद्युत प्रसारण तथा वितरण प्रणाली सुदृढीकरण | २०७७/७८ - २०८३/८४ | ३८,८१ | उच्च भोल्टेज सब स्टेसन -१,२६५ मेगाभोल्ट एम्पियर निर्माण सम्पन्न भएको हुने। |
| ५०१०८१२९ | वितरण प्रणाली स्तरोन्नति तथा विस्तार आयोजना | १, ४ | प्रदेश नं. ५, कर्णाली प्रदेश र सुदूरपश्चिम प्रदेशमा पूर्ण विद्युतीकरण | २०७६/७७ - २०७९/८० | २५,०० | करिब ७०० कि.मि. वितरण लाइन निर्माण भएको हुने। |
| ५०१०८१३० | दुधकोशी जलाशययुक्त आयोजना | १, ४ | ६३५ मेगावाट क्षमताको जलाशययुक्त आयोजना निर्माण | २०६८/०६९ - २०८५/८६ | २,१९,०० | जग्गा प्राप्ति सम्पन्न; सिभिल निर्माण कार्यहरू भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०८०००११ | ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ मन्त्रालय | नीति, कानून, मापदण्ड र नियमन कार्यहरू भइरहेको | जलस्रोत र ऊर्जाको दिगो विकास, संरक्षण, उपयोग र पानीको बाँडफाँट सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड निर्माण र नियमन भएको हुने। | नीति, कानून, मापदण्ड निर्माण र नियमन कार्यहरू गर्ने। |
| ३०८००१०१ | बुढी गण्डकी जलविद्युत आयोजना | गोरखा र धादिङ जिल्लामा ४८,४९० रोपनी जग्गाको रू. ३३ अर्ब ५७ करोड १३ लाख मुआव्जा वितरण भएको। | जग्गा प्राप्ति, पुनर्बास तथा पुनर्स्थापना सम्पन्न भएको हुने।<br>निर्माणाधीन अवस्थामा रहेको हुने। | मुआब्जा वितरण सम्पन्न गर्ने।<br>पुनर्बास तथा पुनर्स्थापना सम्बन्धी कार्य सुरु गर्ने।<br>निर्माण प्रक्रिया सुरु गर्ने। |
| ३०८००१०२ | विद्युत विकास दशक सम्बन्धी कार्ययोजना आयोजना | ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम, जनताको जलविद्युत कार्यक्रम संचालन भइरहेको। | जनताको जलविद्युत कार्यक्रम मार्फत् जनतालाई शेयर वितरण भएको हुने।<br>आयोजनाहरूको अनुगमन तथा मूल्यांकन भएको | आयोजनाहरूको अनुगमन, जनताको जलविद्युत कार्यक्रम अन्तर्गतका आयोजनाहरूको शेयर वितरण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | हुने। | |
| ३०८००१०३ | वैकल्पिक ऊर्जा प्रबर्द्धन केन्द्र | ३३ मेगावाट लघु तथा साना जलविद्युत र ३५ मेगावाट सौर्य विद्युत जडान भएको। | लघु तथा साना जलविद्युत आयोजनाबाट थप ८ मेगावाट, सौर्य विद्युतबाट ११.५ मेगावाट र वायु ऊर्जा प्रणाली वाट ०.२ मेगावाट विद्युत उत्पादन भएको हुने।<br>१ लाख ३५ हजार सुधारिएको चुलो, ५१ हजार घरायसी बायोग्यास प्लान्ट र २८० संस्थागत, शहरी र व्यावसायिक बायोग्यास प्लान्ट जडान भई खाना पकाउने स्वच्छ ऊर्जाको पहुँच पुगेको हुने ।<br>५० हजार प्रत्यक्ष र अप्रत्यक्ष रोजगारीको अवसर सिर्जना भएको हुने। | लघु तथा साना जलविद्युत, सुधारिएको पानीघट्ट, सौर्य विद्युत, वायु ऊर्जा, सुधारिएको चुलो, घरायसी बायोग्यास प्लान्ट, संस्थागत, सामुदायिक र व्यावसायिक बायोग्यास, कार्बन आयोजनाको व्यवस्थापन र व्यापार, हरित जलवायु कोषसँग सम्बन्धित कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३०८००१०४ | राष्ट्रिय ग्रामीण तथा नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम | | | |
| ३०८०१०११ | विद्युत विकास विभाग | सर्वेक्षण अनुमतिपत्र, उत्पादन अनुमतिपत्र, प्रसारण लाइन अनुमतिपत्र प्रदान गरेको<br>निजी क्षेत्रलाई प्रवर्द्धन गरेको। | निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन, प्रवर्द्धन र सहजीकरण भएको हुने।<br>जलविद्युत आयोजनाहरूको सम्भाव्यता तथा वातावरणीय अध्ययन सम्पन्न भई निर्माणको लागि तयार भएको हुने। | सर्वेक्षण अनुमतिपत्र, उत्पादन अनुमतिपत्र, प्रसारण लाइन अनुमतिपत्र प्रदान गर्ने।<br>सम्भाव्यता अध्ययन, वातावरणीय अध्ययन गर्ने।<br>निजी क्षेत्रलाई प्रवर्द्धन गर्ने। |
| ३०८०११०१ | विद्युत विकासमा निजी क्षेत्रको प्रवर्द्धन | विद्युत विकास विभागसँग सम्बन्धित विभिन्न सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया कार्यक्रम भइरहेको। | जलविद्युत आयोजनाको अध्ययन, निर्माण तथा संचालकसँग अन्तर्क्रिया भएको हुने। | निजी क्षेत्रसँग समय समयमा अन्तरक्रिया गर्ने।<br>प्रतिस्पर्धाका आधारमा जलविद्युत आयोजनाहरूको वितरण तथा विकास गर्ने। |
| ३०८०११०२ | सप्तकोशी बहुउद्देश्यीय आयोजना | स्थानीयको अवरोधका कारण निर्धारित समयमा अन्वेषण कार्य सम्पन्न हुन नसकेको। | आयोजनाको अध्ययन सम्पन्न भएको हुने। | नेपाली भूभाग तर्फको वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन सम्बन्धित कार्य अघि बढाउने।<br>आयोजनाबाट प्रभावितलाई सीपमूलक तालिम प्रदान गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०८०११०३ | पञ्चेश्वर बहुउद्देश्यीय आयोजना | आयोजनाको विस्तृत वातावरणीय व्यवस्थापन योजना सम्पन्न भएको। | पञ्चेश्वर विकास प्राधिकरण मार्फत कार्य अघि बढेको हुने। | मेटेरोलोजिकल साइट, गज साइट र डिस्चार्ज केबल बे साइट लाई स्तरोन्नति र प्रवलीकरण गर्ने।<br>भवन मर्मत सम्भार गर्ने।<br>१० कि.मि. पहुँच सडक ट्याक निर्माण गर्ने। |
| ३०८०११०४ | जलविद्युत आयोजना अध्ययन | करिब २१ जलविद्युत आयोजनाको अध्ययन सम्पन्न भएको। | जलविद्युत आयोजनाहरूको अध्ययन सम्पन्न भई आयोजना बैंक तयार भएको हुने। | २९ जलविद्युत आयोजनाहरूको अध्ययन कार्य संचालन गर्ने। |
| ३०८०११०६ | बुढीगंगा जलविद्युत आयोजना | आयोजनाको विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन अन्तिम चरणमा पुगेको। | आयोजनाको निर्माण भइरहेको हुने।<br>बुढीगंगा जुगाडा आयोजनाको सम्भाव्यता तथा वातावरण अध्ययन सम्पन्न भएको हुने। | कम्पनी छनोट गरी निर्माण कार्य सुरु गर्ने।<br>बुढीगंगा जुगाडा आयोजनाको सम्भाव्यता तथा वातावरणीय अध्ययन गर्ने। |
| ३०८२१०१२ | जल तथा ऊर्जा आयोग | जल तथा ऊर्जा स्रोतको सर्वेक्षण र अन्वेषण, जल तथा ऊर्जा विकास सम्बन्धी कार्य भइरहेको। | नेपालको कुल सम्भाव्य जलविद्युत उत्पादन क्षमताको मूल्यांकन तथा आकलन सम्बन्धी अध्ययन सम्पन्न भएको हुने। | ऊर्जा अडिट, ऊर्जा खपत अध्ययन र इनर्जी सिनोप्सिस तयार गर्ने। |
| ३०८२१०१३ | नदी बेसिन योजना तथा जलविद्युत विकास गुरूयोजना तर्जुमा आयोजना | नदी बेसिन योजना तथा जलविद्युत विकास गुरूयोजना तर्जुमा अन्तिम चरणमा पुगेको। | जलस्रोतको एकीकृत विकास एवम्<br>व्यवस्थापनका लागि कर्णाली, गण्डकी, पश्चिम राप्ती र बबई नदी एकीकृत योजना तर्जुमा भएको हुने। | नदी बेसिन योजना तथा जलविद्युत विकास गुरूयोजना तर्जुमा सम्पन्न गर्ने। |
| ५०१०८१०१ | १३२ के.भि. तथा अन्य प्रसारण लाइन विस्तार | ४,५६२ स.कि.मि. प्रसारण लाइन निर्माण सम्पन्न भएको. | गुरूयोजना अनुसार १३२ के.भि. तथा अन्य प्रसारण लाइन तथा सब-स्टेसन निर्माण भएको हुने। | कार्यक्रम अन्तर्गतका ८८ आयोजनाको अध्ययन तथा निर्माणलाई निरन्तरता दिने। |
| ५०१०८१०२ | थानकोट-चापागाउँ-भक्तपुर प्रसारण लाइन | ७५ प्रतिशत निर्माण सम्पन्न भएको। | प्रसारण लाइन निर्माण सम्पन्न भएको हुने। | निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| ५०१०८१०३ | अन्य ३३ के.भि. तथा सब-स्टेसन | ५,५५२ कि.मि प्रसारण लाइन निर्माण सम्पन्न भएको। | वितरण प्रणालीमा सुधार भएको हुने। | कार्यक्रम अन्तर्गतका ९२ आयोजनाको अध्ययन तथा निर्माण कार्यलाई निरन्तरता दिने |
| ५०१०८१०४ | जलविद्युत सुदृढीकरण आयोजना | जलविद्युत केन्द्रहरूको आवधिक रूपमा मर्मत संभार एवम् सुदृढीकरण भइरहेको। | जलविद्युत केन्द्रहरूको आवधिक रूपमा मर्मत संभार एवम् सुदृढीकरण भएको हुने। | १३ जलविद्युत केन्द्रहरूको मर्मत संभार एवम् सुदृढीकरण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ५०१०८१०५ | सामुदायिक तथा अन्य ग्रामीण विद्युतीकरण | ग्रामीण जनसंख्यामा विद्युत पहुँच पुगेको। | माग बमोजिम सबैलाई विद्युत ऊर्जाको पहुँच पुगेको हुने। | अधुरो ग्रामीण विद्युतीकरण, अन्य ग्रमिण विद्युतीकरण, सामुदायिक तथा अन्य ग्रामीण विद्युतीकरण र सिँचाइ प्रयोजनका लागि विद्युतीकरणका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ५०१०८१०६ | कुलेखानी तेस्रो जलविद्युत आयोजना | निर्माण सम्पन्न भई विद्युत उत्पादन भइरहेको। | १४ मे.वा. विद्युत उत्पादन तथा बाँकी रहेका बिलहरू भुक्तानी भएको हुने। | १४ मे.वा. विद्युत उत्पादन तथा बाँकी रहेका बिलहरू भुक्तानी गर्ने। |
| ५०१०८१०७ | चमेलिया जलविद्युत आयोजना | निर्माण सम्पन्न भई विद्युत उत्पादन भइरहेको। | ३० मे.वा. विद्युत उत्पादन तथा बाँकी रहेका बिल भुक्तानी भएको हुने। | ३० मे.वा. विद्युत उत्पादन तथा बाँकी रहेका बिलहरू भुक्तानी गर्ने। |
| ५०१०८१०८ | जलाशययुक्त आयोजनाहरूको छनौट तथा सम्भाव्यता अध्ययन | उत्तरगंगा जलाशययुक्त आयोजना, आँधीखोला जलाशययुक्त आयोजना र वेगनास रुपा पम्प स्टोरेज जलविद्युत आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन भइरहेको। | अध्ययन भइरहेका जलाशययुक्त आयोजनाको विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भएको हुने। | विस्तृत आयोजना अध्ययन गर्ने। |
| ५०१०८१०९ | ठूला तथा मझौला जलविद्युत अध्ययन आयोजना | चैनपुर सेती जलविद्युत आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन भइरहेको। | चैनपुर सेती जलविद्युत आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन सम्पन्न भएको हुने। | चैनपुर सेती जलविद्युत आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने। |
| ५०१०८११० | माथिल्लो तामाकोशी जलविद्युत आयोजना | ९९.८ प्रतिशत निर्माण कार्य सम्पन्न भएको। | निर्माण सम्पन्न भई राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्ध भएको हुने। | निर्माण सम्पन्न गरी ४५६ मे.वा. विद्युत उत्पादन गर्ने। |
| ५०१०८१११ | माथिल्लो त्रिशुली ३ ए जलविद्युत आयोजना | निर्माण सम्पन्न भई विद्युत उत्पादन भइरहेको | ६० मे.वा. विद्युत उत्पादन तथा बाँकी रहेका बिलहरू भुक्तानी भएको हुने। | ६० मे.वा. विद्युत उत्पादन तथा बाँकी रहेका बिलहरू भुक्तानी गर्ने। |
| ५०१०८११२ | राहुघाट जलविद्युत आयोजना | पहुँच मार्ग निर्माण सम्पन्न भएको।<br>९०० मिटर हेडरेस टनेल निर्माण भएको।<br>पावर हाउस खन्ने कार्य ९० प्रतिशत सम्पन्न भएको। | निर्माण सम्पन्न भई राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्ध भएको हुने। | मुख्य सिभिल संरचना, इलेक्ट्रोमेकानिकल, हाइड्रोमेकानिकल, परामर्श सेवा, भवन निर्माण सम्बन्धी कार्य गर्ने। |
| ५०१०८११३ | तनहुँ जलविद्युत आयोजना | हेडवर्क्स कार्यको बोलपत्र स्वीकृत भई सूचना जारी गरिएको।<br>पावर हाउस र टेलरेस खन्ने कार्य भइरहेको। | निर्माण सम्पन्न भई राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्ध भएको हुने। | हेडवर्क्स कार्यको लागि ठेकेदार चयन गरी निर्माण सुरु गर्ने।<br>पावरहाउस र टेलरेस खन्ने कार्य एवम् २२० |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | प्रसारण लाइन अन्तर्गत १५ वटा टावर फाउन्डेसन सम्पन्न भएको। | | के.भि. प्रसारण लाइन निर्माण गर्ने। |
| ५०१०८११४ | माथिल्लो मोदी ए जलविद्युत आयोजना | पहुँचमार्ग, सिभिल निर्माण कार्य, अडिट टनेल पहुँचमार्ग कार्य भइरहेको। | निर्माण सम्पन्न भई राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्ध भएको हुने। | मुख्य सिभिल संरचना, इलेक्ट्रोमेकानिकल, हाइड्रोमेकानिकल, परामर्श सेवा, भवन निर्माण कार्यहरू निरन्तरता दिने। |
| ५०१०८११५ | नेपाल भारत विद्युत प्रसारण | ७९२ टावर मध्ये ६५१ टावरको फाउन्डेसन र ६१३ स्थानमा टावर इरेक्सन कार्य सम्पन्न भएको। | निर्माण सम्पन्न भई संचालनमा आएको हुने। | टावर फाउन्डेसन, टावर इरेक्सन कार्य तथा तार तान्ने कार्यहरू गर्ने। |
| ५०१०८११६ | पुनर्नवीकरणीय तथा क्षमता विस्तार आयोजना | २५ मे.वा. मध्ये १० मे.वा. सोलार ग्रिडमा जोडिएको। | २५ मेगावाटको सौर्य विद्युत राष्ट्रिय विद्युत प्रणालीमा आबद्ध भएको हुने। | २५ मेगावाटको सौर्य विद्युतको निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| ५०१०८११७ | तामाकोशी पाँचौ जलविद्युत आयोजना | परामर्शदाताबाट विस्तृत इञ्जिनियरिङ डिजाइन सम्बन्धी कार्य सम्पन्न भएको।<br>सुपरीवेक्षणको लागि परामर्शदाता छनौट कार्य भइरहेको। | लगानी मोडालिटि तय भई निर्माण सुरु भएको हुने। | लगानी मोडालिटि तय गरी निर्माण कार्यहरू गर्ने। |
| ५०१०८१२० | विद्युत उत्पादन कम्पनी लिमिटेड | फुकोट कर्णाली अर्ध जलाशययुक्त जलविद्युत आयोजना र जग्दुल्ला जलाशययुक्त जलविद्युत आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन सम्पन्न भएको। | अध्ययन भइरहेका आयोजनाहरूको विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भई निर्माण सुरु भएको हुने। | लगानी मोडालिटि तय गरी फुकोट कर्णाली अर्ध जलाशययुक्त जलविद्युत आयोजना र जग्दुल्ला जलाशययुक्त जलविद्युत आयोजनाको निर्माण सुरु गर्ने। |
| ५०१०८१२१ | राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिड कम्पनी लिमिटेड | प्रसारण लाइन आयोजनाहरूको अध्ययन भइरहेको। | अध्ययन भइरहेको आयोजनाहरूको विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भई निर्माण सुरु भएको हुने। | प्रसारण लाइनहरूको अध्ययन तथा निर्माण गर्ने। |
| ५०१०८१२२ | अपर अरुण जलविद्युत आयोजना कम्पनी लिमिटेड | जलविद्युत खण्डको विस्तृत इन्जिनियरिङ डिजाइन अन्तर्गत थप भौगर्भिक र जियोटेक्निकल कार्य भइरहेको। | लगानी मोडालिटि तय भई जग्गा प्राप्ति तथा निर्माण सुरु भएको हुने। | विस्तृत इन्जिनियरिङ डिजाइन सम्पन्न गर्ने।<br>लगानी मोडालिटि तय गरी निर्माण सुरु गर्ने। |
| ५०१०८१२३ | पावर सेक्टर रिफर्म एण्ड सस्टेनेवल | परामर्शदाताबाट जलविद्युत खण्डको विस्तृत इन्जिनियरिङ डिजाइन भइरहेको। | जलविद्युत आयोजना तथा प्रसारण लाइन अध्ययन सम्पन्न भएको हुने। | विस्तृत इन्जिनियरिङ डिजाइन कार्य सम्पन्न गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | हाइड्रोपावर डेभलपमेण्ट प्रोजेक्ट | सम्भाव्यता अध्ययनको अद्यावधिक प्रतिवेदन पेश भएको। | | |
| ५०१०८१२४ | नलगाड हाइड्रोपावर कम्पनी लिमिटेड | डुबान क्षेत्रको ४,६०५ रोपनी जग्गा मध्ये ४,६०० रोपनी जग्गाको मुआब्जा वितरण गरिएको। | निर्माणाधीन अवस्थामा भएको हुने। | जग्गा प्राप्ति सम्पन्न तथा निर्माण तथा लगानी मोडालिटि तय भई निर्माण सुरु गर्ने। |
| ५०१०८१२७ | विद्युत विकास दशक सम्बन्धी कार्ययोजना | ४ लाख १० हजार स्मार्ट मिटर जडान भएको। | स्मार्ट सब-स्टेसनहरू निर्माण भएको हुने। | स्मार्ट मिटर जडान तथा स्मार्ट सब-स्टेसनहरू निर्माण गर्ने। |
| ५०१०८१२८ | सासेक-विद्युत प्रसारण तथा वितरण प्रणाली सुदृढीकरण आयोजना | ४०० के.भि. सब स्टेसन विस्तार/निर्माणको लागि ठेक्का सम्झौता भई सर्भे सुरु भएको। | उच्च भोल्टेज सब स्टेसनहरूको निर्माण सम्पन्न भएको हुने। | ४०० के.भि. सब स्टेसन विस्तार/निर्माण सम्बन्धी कार्यहरू गर्ने। |
| ५०१०८१२९ | वितरण प्रणाली स्तरोन्नति तथा विस्तार आयोजना | परामर्श सेवा प्राप्ति गर्ने चरणमा रहेको तथा जग्गा अधिग्रहण कार्य भइरहेको। | वितरण लाइनहरू निर्माण भएको हुने। | वितरण लाइनहरू निर्माण सम्बन्धी कार्यहरू गर्ने। |
| ५०१०८१३० | दुधकोशी जलाशययुक्त आयोजना | विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन अन्तिम चरणमा रहेको। | जग्गा प्राप्ति सम्पन्न भएको हुने।<br>सिभिल निर्माण कार्य सुरु भई निर्माणाधीन अवस्था भएको हुने। | लगानी मोडालिटि तय गरी निर्माण कार्य सुरु गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

जलविद्युत क्षेत्रमा लगानीको लागि पुँजी बजार अभिप्रेरित हुने, विद्युत सेवा उपलब्ध गराउनका लागि पर्याप्त पूर्वाधारको सुनिश्चितता रहने, एकीकृत मुआब्जा वितरण नीति तयार हुने, आयोजना निर्माण कार्य, प्रसारण लाइन तथा वितरण लाईन निर्माण गर्ने कार्य समयमै सम्पन्न हुने र सम्बन्धित निकाय, सरोकारवाला तथा जनता बीच प्रभावकारी समन्वय कायम भएको हुनेछ। उक्त कार्यहरू उचित समयमा व्यवस्थापन गर्न नसकिएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहनेछ।

## ७.१.२ जलस्रोत

### १. पृष्ठभूमि

जलस्रोतको समुचित व्यवस्थापन र विकास तथा बहुउपयोग प्रवर्द्धनले मुलुकको विकास र समृद्धिमा महत्त्वपूर्ण योगदान पुऱ्याउँदछ। जलस्रोतको उपयोग गरी जलविद्युत, सिँचाइ, खानेपानी जस्ता विकास कार्यलाई दिगो बनाउन जलस्रोतका मुहान, जलप्रवाह, भूमिगत जलस्रोत, हिमनदी र हिमताल सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान सहित तथ्याङ्कको सूक्ष्म विश्लेषण गर्नु आवश्यक छ। जल उत्पन्न विपद् न्यूनीकरण गर्न वैज्ञानिक अध्ययन अनुसन्धान गरी नवीन प्रविधिको विकास र विस्तार गर्नु अपरिहार्य रहेको छ। जलस्रोतको गुणस्तर संरक्षण गर्दै यसको व्यवस्थापन र बहुउपयोगका लागि नीतिगत मार्गदर्शन गर्न एकीकृत जलस्रोत नीतिको आवश्यकता रहेको छ। साथै, जलस्रोतको समुचित विकास तथा उपयोगका लागि संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको सक्रियता, समन्वय एवम् सहकार्यको आवश्यकता रहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

जलवायु परिवर्तन तथा प्राकृतिक प्रकोपबाट सृजित असरका कारण पानीको उपलब्धतामा आएको अनिश्चितता, अव्यवस्थित भूउपयोग र सडक सञ्जालको निर्माण तथा विस्तारले गर्दा पहिरो तथा भूक्षयमा वृद्धि भई नदीको बहावमा परिवर्तन तथा नदीको पिँधको सतह (रिभर वेड) मा घटबढ भई बाढीजन्य समस्या आउनु र जलस्रोतको उपयोगमा नकारात्मक असर पर्नु, खोलानालाको प्राकृतिक बहावमा अतिक्रमण भई तराइ, भित्री मधेश तथा पहाडी क्षेत्रका शहरी बस्ती बाढी तथा डुबानको जोखिममा पर्नु, एकीकृत जलस्रोत नीति तथा नदी बेसिन गुरूयोजनाको अद्यावधिक हुन नसक्दा जलविद्युत, सिँचाइ, खानेपानी लगायतका क्षेत्रमा जलस्रोतको एकीकृत तथा समन्वयात्मक व्यवस्थापन तथा उपयोग नहुनु र विभिन्न किसिमका जलस्रोतको परिमाण तथा गुणस्तर सम्बन्धी तथ्यांक संकलन तथा व्यवस्थापन पर्याप्त नभएको कारण अध्ययन अनुसन्धान तथा योजना कार्यान्वयन प्रभावकारी हुन नसक्नु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याको रूपमा रहेका छन्।

उपलब्ध जलस्रोतको समुचित, बहुआयामिक र समन्वयात्मक उपयोग सहित एकीकृत जलाधार व्यवस्थापन गर्नु, जलवायु परिवर्तनको असरलाई ध्यानमा राखी जलस्रोतको समुचित उपयोग गर्नु, जलवायु परिवर्तनका नकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्ने उपाय समयमै अवलम्बन गरी जोखिम व्यवस्थापन गर्नु, जलउत्पन्न विपद्बाट सिर्जित क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्नु, जलाधार क्षेत्रको बढ्दो क्षयीकरणका कारण गेग्रान बहाव अत्यधिक हुन गई नदीको पिँधको सतह बढ्दै जाने क्रमलाई रोकथाम गर्नु, नदी किनारालाई संरक्षण गर्न रेखाङ्कन गरी जोनिङ गर्नु तथा जोखिमयुक्त स्थानको पहिचान गरी दिगो व्यवस्थापन गर्नु, अध्ययन अनुसन्धानको लागि आवश्यक जनशक्ति र पूर्वाधारको विकास गर्नु नै प्रमुख चुनौती हुन्।

### ३. सोच

जलस्रोतको दिगो उपयोगबाट समृद्ध नेपाल निर्माणमा योगदान।

### ४. उद्देश्य

१. जलस्रोतको बहुआयामिक तथा समन्यायिक उपयोग मार्फत आर्थिक, सामाजिक र वातावरणीय क्षेत्रको विकास गर्नु।

२. जलाधार व्यवस्थापन तथा जल उत्पन्न विपद न्यूनीकरण एवम् व्यवस्थापनबाट आर्थिक तथा सामाजिक क्षति न्यूनीकरण गर्नु।

## ५. रणनीति

१. जलस्रोतको बहुआयामिक तथा समन्वयात्मक विकासको लागि नीतिगत तथा संरचनागत सुधार गर्ने।

२. अन्तरदेशीय नदीको द्विपक्षीय लाभ हुने गरी व्यवस्थापनमा जोड दिने।

३. जलस्रोत सम्बन्धी अनुसन्धान र विकासलाई गतिशील बनाउन आवश्यक पर्ने पूर्वाधार र क्षमताको विकास र विभिन्न अनुसन्धानमूलक संस्था र विश्वविद्यालयसँग सहकार्य गर्दै यस क्षेत्रको अध्ययन अनुसन्धान कार्यलाई प्रभावकारी बनाउने।

४. जलाधार व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउनुको साथै डुबान तथा बाढी पहिरोजन्य विपदको दिगो एवम् भरपर्दो व्यवस्थापनका लागि संरचनागत तथा गैरसंरचनागत प्रविधिको उपयोग र जनचेतना अभिवृद्धिका कार्य गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| तटबन्ध निर्माण | कि.मि. | १,०३९ | १४३ | ५७ | ६५ | ७० |
| जग्गा उकास | हेक्टर | ११,१५२ | ४७२ | २५० | ३४० | ३४० |
| ठूला पहिरो व्यवस्थापन | वटा | ३७ | १८ | ६ | ६ | ६ |
| अध्ययन अनुसन्धान | गोटा | ७० | ५ | ४० | ४५ | ५० |
| नमुना परीक्षण | गोटा | ८ | ३ | २ | ५ | ७ |
| तालिम संचालन | गोटा | १३ | ४ | १८ | २० | २५ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ६३,२०८ | २,८४२ | ६०,३६६ | - | ३८,३९८ | ६,५५० | १८,२६० |
| २०७९/८० | ७९,६४१ | ३,९७६ | ७५,६६५ | - | ६०,१४१ | १९,५०० | - |
| २०८०/८१ | ८७,५७७ | ४,१७६ | ८३,४०१ | - | ६६,०७७ | २१,५०० | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरू र समाप्त) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०८०३१०६ | नदी नियन्त्रण कार्यक्रम | २,४ | भौतिक पूर्वाधार, मानव बस्ती, खेती योग्य जमिनको कटानको रोकथामका लागि संरचना निर्माण<br>ठूला प्रकृतिका पहिरो रोकथाम | २०६२/६३ - २०८०/८१ | २०९२०५६ | तटबन्ध र संरचना निर्माण भएको हुने |
| ३०८०३१०७ | जल उत्पन्न प्रकोप न्यूनीकरण सहयोय कार्यक्रम | २,४ | जल उत्पन्न प्रकोप न्यूनीकरण तथा नियन्त्रण सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि<br>जलाधार तथा उप–जलाधार क्षेत्रबाट बगेर जाने गेग्रान वहाब न्यूनीकरण | २०६४/६५ - २०८०/८१ | २००० | संरचना निर्माण र क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने |
| ३०८०३१०८ | भारतीय अनुदान सहयोगमा सञ्चालित नदी नियन्त्रण कार्यक्रम | २,४ | तटबन्ध निर्माण गरी जनधनको क्षति न्यूनीकरण<br>जग्गा उकास | २०६६/६७ - २०८०/८१ | १९२९१० | तटबन्ध निर्माण तथा संरचना विकास भएको हुने |
| ३०८०३११८ | बस्ती टार बजार सरक्षण कार्यक्रम | २,४ | भौतिक पूर्वाधार÷संरचना, मानव बस्ती, खेती योग्य जमिनको संरक्षण<br>पुरातात्विक स्थान संरक्षण तथा व्यवस्थापन | २०६६/६७ - २०८०/८१ | ३३४०० | तटबन्ध निर्माण तथा संरचना विकास भएको हुने |
| ३०८०३१२१ | प्राथमिकता प्राप्त नदीमा बाढी जोखिम ब्यवस्थापन आयोजना | २,४ | बाढीजन्य प्रकोपबाट हुने क्षति न्यूनीकरण<br>बाढीको पूर्व सूचना प्रणालीको (Early Warning System) विकास तथा संचालन | २०७७/७८ - २०८३/८४ | ६३ मिलियन अमेरिकी डलर | विभिन्न जलाधारमा बाढीजन्य प्रकोपको न्यूनीकरण भएको हुने |
| ३०८०३१२६ | नयाँ प्रविधिमा आधारित नदी नियन्त्रण आयोजना | २,४ | नदी नियन्त्रण लगायत जल उत्पन्न विपद व्यवस्थापनबाट मानवीय, भौतिक तथा आर्थिक हानि नोक्सानी न्यूनीकरण | २०७५/७६ - २०८०/८१ | | उपयुक्त प्रविधिमा आधारित व्यवस्थित नदी नियन्त्रण तटबन्ध तथा संरचना निर्माण भएको हुने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरू र समाप्त) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | उपयुक्त प्रविधि पहिचानका लागि अनुसन्धानात्मक तथा संस्थागत विकास | | | |
| ३०८०३१४८ | पूर्वी राप्ती लोथर-सौराहा नदी नियन्त्रण आयोजना | २,४ | पूर्वी राप्ती नदीको पक्की तटबन्ध निर्माण गरी पर्यटन मार्गको विकास<br>जग्गा संरक्षण तथा रोजगारी सिर्जना | २०७६/७७ - २०८०/८१ | १८६३३१ | तटबन्ध निर्माण गरी पर्यटन मार्गको विकास भएको हुने |
| ३०८०३१५४ | जलस्रोत संरक्षण आयोजना | २,४ | ताल तलैया संरक्षण गरी जैविक विविधता अभिवृद्धि गर्नु, संरक्षित श्रोतको सिंचाइ लगायत बहुआयामिक उपयोग गर्नु । | २०७८/७९ - २०८३/८४ | १००००० | जलस्रोत संरक्षण भई वातावरण स्तरोन्नति भएको हुने, उपयोगबाट प्रतिफल प्राप्त भएको हुने । |
| ३०८०३१५५ | पहिरो व्यवस्थापन आयोजना | २,४ | जोखिमयुक्त पहिरो व्यवस्थापन गर्नु | २०७८/७९ - २०८३/८४ | ९५००० | पहिरो ब्यवस्थापका कार्य भएको हुने |
| ३०८०४१०१ | जलस्रोत अनुसन्धान तथा विकास केन्द्र | ३ | जलस्रोतको विकास,उपयोग तथा व्यवस्थापनका लागि अनुसन्धान, उपर्युक्त प्रविधिको खोज तथा विकास एवम् प्राविधिक जनशक्तिको क्षमता विकास गर्नु | सालबसाली | | अध्ययन, अनुसन्धान, अन्वेषण, नवप्रवर्तनशील प्रविधिको विकास, प्राविधिक जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि गर्नको आवश्यक कार्यहरू भएको हुने |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०८०३१०६ | नदी नियन्त्रण कार्यक्रम | महाकाली - दार्चुला, कर्णाली, नारायणी, बबई-भादा-औरही, खाँडो, त्रियुगा, कोशी, बक्राहा नदी नियन्त्रण आयोजनाहरू कार्यान्वयनबाट ६९६ कि.मि. र मेची, विरिङ, कन्काई, रतुवा मावा, कमल, रातो, औरही, | ठूला तथा मझौला नदीमा ९५ कि.मि तटबन्ध निर्माण, ५६० हे. जग्गा उकास भएको हुने | महाकाली - दार्चुला, कर्णाली, नारायणी, बबई-भादा-औरही, खाँडो, त्रियुगा, कोशी, बक्राहा, कमला, बागमती, लालबकैया नदी नियन्त्रण आयोजनाहरू कार्यान्वयनबाट बस्ती, पूर्वाधार संरचना तथा खेती योग्य जमिनको कटानको रोकथामका लागि नदी |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | मराहा, बाँके, झीम, लखनदेही, पूर्वी रासी, तिनाउ, दानव, कञ्चन, पश्चिम रासी, बबई, मोहना, खुटिया, दोधा, महाकाली लगायत जनताको तटबन्ध कार्यक्रमबाट २६० कि.मि. गरी जम्मा ९५६ कि.मि. तटबन्ध निर्माण भएको | | किनारमा तटबन्ध, रिभेटमेन्ट, स्पर, टेवा पर्खाल आदि संरचना निर्माण गर्ने<br>तराइ क्षेत्रका २१ नदीहरू मेची, विरिङ, कन्काई, रतुवा मावा, कमल, रातो, औरही, मराहा, बाँके, झीम, लखनदेही, पूर्वी रासी, तिनाउ, दानव, कञ्चन, रोहिणी , पश्चिम रासी, बबई, मोहना, खुटिया, दोधा, महाकालीमा नदी किनारमा तटबन्ध, रिभेटमेन्ट, स्पर आदि नदी नियन्त्रण संरचनाहरूको निर्माण निरन्तरता दिने<br>३१ कि.मि. तटबन्ध निर्माण तथा १८० हे. जमिन उकास हुने<br>ठूला नदी र तिनका पहिलो सहायक नदीहरू नियन्त्रणको कार्य सुरु गर्न अध्ययन गर्ने |
| ३०८०३१०७ | जल उत्पन्न प्रकोप न्यूनीकरण सहयोय कार्यक्रम | जल उत्पन्न प्रकोप न्यूनीकरण तथा नियन्त्रण सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्न विभिन्न तालिम र गोष्ठी सम्पन्न भएको<br>जलाधार तथा उप–जलाधार क्षेत्रबाट बगेर जाने गेग्रान वहावलाई न्यूनीकरण गर्न साबो ड्याम, चेक ड्याम, सर्फेस तथा सब सर्फेस ड्रेनेज, बायोइन्जिनियरिङ कार्य, क्यास्केड ड्रप, टोवाल, रिटेनिङ वाल लगायतका विभिन्न संरचना निर्माण भएको<br>मुग्लिन–नारायणघाट, सिन्धुली–बर्दिवास, अरनिको राजमार्ग, पासाङ्ग ल्हामु राजमार्ग र पृथ्वी राजमार्गमा ट्राफिक व्यवस्थापन सहज बनाउन गेग्रान बहाव र पहिरो नियन्त्रणका कार्य भएको | ८ वटा जलाधार क्षेत्रमा जल उत्पन्न प्रकोप न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन भइ गेग्रान बहाव रोकथाम भएको हुने। | जल उत्पन्न प्रकोप न्यूनीकरण तथा नियन्त्रण सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्न तालिम र गोष्ठीहरू गर्ने<br>विभिन्न जलाधार तथा उप–जलाधार क्षेत्रबाट बगेर जाने गेग्रान वहावला न्यूनीकरण र संरक्षण कार्यहरू गर्ने<br>मुग्लिन–नारायणघाट, सिन्धुली–बर्दिवास, अरनिको राजमार्ग, पासाङ ल्हामु राजमार्ग र पृथ्वी राजमार्गमा गेग्रान बहाव र पहिरो न्यूनीकरण तथा नियन्त्रणका कार्यमा विभिन्न प्रविधि प्रयोग गरी नियन्त्रण कार्यलाई निरन्तरता दिने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | २० जलाधार क्षेत्र, साबो ड्याम र चेक ड्याम गरी ४८३ वटा र रिभेटमेन्ट ५.९ कि. मि. निर्माण भएको | | |
| ३०८०३१०८ | भारतीय अनुदान सहयोगमा सञ्चालित नदी नियन्त्रण कार्यक्रम | छैठौं JSTC बैठकमा कार्यान्वयन सहमतिको निर्णय भएको र DPR अद्यावधिक गरी स्वीकृतिको लागि भारत पठाइएको<br>कमला, वागमती र लालबकैया नदीहरूमा नदी नियन्त्रणका कार्यहरू गरी १६५ कि.मि. तटबन्ध निर्माण गरिएको | खाडो, बाणगङ्गा, पश्चिम रासी नदी नियन्त्रण योजना संचालनबाट ३९ कि.मि तटबन्ध निर्माण, २१० हे. जग्गा उकास भएको हुने तथा जनधनको क्षति न्यूनीकरण भएको हुने | खाडो, बाणगङ्गा, पश्चिम रासी नदी नियन्त्रण योजना संचालनबाट तटबन्ध निर्माण, जग्गा उकासका कार्य गर्ने<br>१२ कि.मि. तटबन्ध निर्माण तथा ६० हे. जमिन उकास हुने |
| ३०८०३११८ | बस्ती टार बजार सरक्षण कार्यक्रम | जिल्ला सदरमुकाम तथा महत्वपूर्ण शहरी बस्तीहरू भद्रपुर(झापा), बेनी (म्याग्दी, पर्वत), चैनपुर (बझाङ) र दुनै (डोल्पा) को DPR तयार भई सोको आधारमा नदी किनार संरक्षण, सुदृढीकरण तथा व्यवस्थापन कार्यहरूलाई निरन्तरता दिइएको<br>RCC रिभेटमेन्ट १,४८९ मि., Gabion रिभेटमेन्ट ६.८५ कि. मि. तटबन्ध निर्माण भएको र जग्गा बचावट २८३ हे. भएको | १० कि.मि. तटबन्ध निर्माण भएको हुने<br>भौतिक पूर्वाधार/ संरचना, मानव बस्ती, खेतीयोग्य जमिनको संरक्षण एवम् जल उत्पन्न विपद न्यूनीकरण भई मानवीय, भौतिक तथा आर्थिक हानि नोक्सानी न्यूनीकरण भएको हुने | भद्रपुर(झापा), बेनी (म्याग्दी, पर्वत), चैनपुर (बझाङ) र दुनै (डोल्पा), मुस्ताङ को क्रमागत जोखिम न्यूनीकरणका लागि ३ कि.मि. तटबन्ध निर्माण तथा २० हे. जमिन उकास भइ भौतिक पूर्वाधार/संरचना, बस्ती, खेतीयोग्य जमिन संरक्षण कार्यहरूलाई निरन्तरता दिने<br>थप सदरमुकाम र बस्ती, टार संरक्षण, सुदृढीकरण तथा व्यवस्थापन कार्य सुरु गर्न अध्ययन गर्ने |
| ३०८०३१२१ | प्राथमिकता प्राप्त नदीमा बाढी जोखिम व्यवस्थापन आयोजना | एसियाली विकास बैंक सँगको छलफल बमोजिम ऋण सम्झौता पूर्व गर्नुपर्ने Project Implementation Consultant सेवा खरिद सम्बन्धी कार्य भइरहेको<br>मावा रतुवा तथा मोहना खुटीया नदीहरूमा गरिने निर्माण कार्यहरूको खरिद भएको | मावा रतुवा, मोहना खुटीया, बक्राहा, लखन्देही, पूर्वी रासी तथा पश्चिम रासी नदीमा ३६ कि.मि. तटबन्ध निर्माण, तथा ४३० वटा स्पर निर्माण, २३०० हे. जग्गा सरक्षण भएको हुने। | Project Implementation Consultant सँग सम्झौता गरी सेवा सुचारु गर्ने<br>मावा रतुवा तथा मोहना खुटीया नदीहरूमा निर्माण कार्यहरू गर्ने<br>बक्राहा, लखन्देही तथा पश्चिम रासी नदीहरूमा गरिने निर्माण कार्यहरूको Detailed Engineering Design एवम् खरिद कार्य गर्ने<br>१२ कि.मि. तटबन्ध निर्माण तथा ६० हे. जमिन उकास हुने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०८०३१२६ | नयाँ प्रविधिमा आधारित नदी नियन्त्रण आयोजना | उपयुक्त प्रविधिको प्रयोगबाट विभिन्न नदीका ७.०५ कि.मि. लम्बाइमा संरक्षण कार्यहरू भएको | उपयुक्त प्रविधिको प्रयोगबाट विभिन्न नदीका १८ कि.मि. लम्बाइमा जल उत्पन्न विपद्जन्य जोखिम न्यूनीकरण भएको हुने | उपयुक्त प्रविधिको पहिचान गरी जल उत्पन्न विपद्जन्य जोखिम न्यूनीकरण गर्ने<br>वायो इन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गर्ने<br>जनचेतना अभिवृद्धिका क्रियाकलाप संचालन गर्ने<br>उपयुक्त प्रविधि पहिचानका लागि अन्य निकायसँग सहकार्य गरी अनुसन्धानात्मक तथा संस्थागत विकासको कार्य सुरु गर्ने |
| ३०८०३१४८ | पूर्वी रासी लोथर-सौराहा नदी नियन्त्रण आयोजना | DPR तयार भई निर्माण कार्य सुरु भएको | तटबन्ध निर्माण गरी पर्यटन मार्गको विकास भएको हुने<br>पर्यटन क्षेत्रको विकास तथा संरक्षण तथा भएको हुने तथा रोजगारी सिर्जना भएको हुने। | Spur, Revetment, Embankment निर्माण कार्यहरू अगाडि बढाउने |
| ३०८०३१५४ | जलस्रोत संरक्षण आयोजना | रूपातालमा बाँध निर्माण पश्चात तालले ओगट्ने १८३ हेक्टर जमिन मध्ये १,४७२ रोपनी अधिग्रहण गर्नुपर्नेमा ३१० रोपनी जमिन अधिग्रहण भसकेको तथा ९९५ रोपनी जमिन अधिग्रहण गर्ने प्रकियामा रहेको | जमिन अधिग्रहण भएको हुने तथा नागमती लगायत अन्य बाँध निर्माणको कार्य भएको हुने | तालले ओगट्ने १८३ हेक्टर जमिनको रेखाङ्कन भई सो जमिन अधिग्रहण र मुआब्जा वितरण तथा ताल संरक्षणको लागि बाँध तथा अन्य संरचना निर्माण गर्ने<br>विस्तृत अध्ययन कार्य सुरु गर्ने |
| ३०८०३१५५ | पहिरो व्यवस्थापन आयोजना | ठूला पहिरोहरूः हाङदेवा-ताप्लेजुङ, हिरेवा- ताप्लेजुङ, राम्चेकेरुङ-नवलपरासी, कपुरकोट-सल्यान, फगाम-रोल्पा, राम्चे-रसुवा, धैबुङ-रसुवा, लम्जुङ जुकेपानी-म्याग्दी, काडेँ-कास्की, सेती-सिन्धुली, रेउखोला-इलाम, अमराई-देउराली-अर्घाखाँची लगायतका पहिरो रोकथामका कार्य गरिएको | हाङदेवा, हिरेवा, राम्चेकेरुङ, कपुरकोट, फगाम, राम्चे, धैबुङ, लम्जुङ जुकेपानी, काडेँ, सेती, रेउखोला, अमराई-देउराली लगायतका पहिरोहरूको रोकथामका कार्य भएको हुने | विस्तृत अध्ययन कार्य सुरु गरिने<br>हाङदेवा, हिरेवा, राम्चेकेरुङ, कपुरकोट, फगाम, राम्चे, धैबुङ, लम्जुङ जुकेपानी, काडेँ, सेती, रेउखोला, अमराई-देउराली लगायतका पहिरोहरूको रोकथामका कार्य गर्ने |
| ३०८०४१०१ | जलस्रोत अनुसन्धान तथा | जलस्रोत विकास तथा व्यवस्थापन सम्वन्धी विभिन्न प्राविधिक पक्षमा अध्ययन, अनुसन्धान तथा अन्वेषण गर्ने सिलसिलामा दोलखा, धादिङ र कास्की | जलस्रोत, सिँचाइ तथा जल विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी अध्ययन, | जलस्रोत विकास तथा व्यवस्थापन सम्वन्धी विभिन्न प्राविधिक पक्षमा ४० वटा अध्ययन अनुसन्धान तथा ३ वटा |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | विकास केन्द्र | जिल्लाका ३ स्थान पहिचान गरी भर्टिकल तथा होरिजन्टल ड्रिलिङ गरी पहाडी भूभागमा अवस्थित भूमिगत जलस्रोतको दिगो मूल तथा पुनर्भरण हुने अवस्था अध्ययन गरिएको<br>जलस्रोत सम्बन्धी ७० वटा अध्ययन/अनुसन्धान गरिएको<br>ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाइ मन्त्रालय र अन्तर्गतका निकायमा कार्यरत प्राविधिक कर्मचारीहरूलाई १६ वटा विभिन्न पेशागत तथा पुनर्ताजगी तालिम प्रदान गरिएको<br>सिँचाइ आयोजनामा सौर्य प्रविधि जडान गरी नमुना आयोजनाको रूपमा विकास गरिएको तथा नदीमा गेग्रान/सेडीमेन्ट मोनिटोरिङको लागि संरचना निर्माण गरिएको, सिपेज नियन्त्रण प्रविधि विकास र Ram Pump प्रयोग गरी प्रविधि विकास गरिएको | अनुसन्धान, अन्वेषण भएको हुने<br>नवप्रवर्तनशील प्रविधिको विकास तथा जलस्रोत क्षेत्रमा कार्यरत प्राविधिक जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने<br>अत्याधुनिक नवीन उपकरण तथा सफ्टवेयर सहित प्रयोगशालाको स्तरोन्नति भएको हुने<br>जलस्रोत आयोजनाका लागि आवश्यक परीक्षण सम्बन्धी One-door Lab service उपलब्धताको थालनी भएको हुने, निर्माण सामग्रीको गुणस्तर परीक्षण भएको हुने तथा परिक्षणको प्रमाणीकरण भएको हुने<br>Physical modeling को अध्ययन/अनुसन्धानमा टेवा पुगेको हुने | नवप्रवर्तनशील प्रविधिको विकास सम्बन्धी कार्य गर्ने<br>पहाडी क्षेत्रका ३ स्थानमा Mountain Aquifer Drilling गर्ने<br>अनुसन्धानात्मक कार्यमा अध्ययन संस्थाहरूसँग सहकार्य गर्ने तथा जलस्रोत विज्ञानमा प्रोजेक्ट/थेसिस इन्टर्न तथा शोधकर्ता परिचालन गर्ने<br>जलस्रोत क्षेत्रमा कार्यरत प्राविधिक जनशक्तिको विविध १८ विषयमा क्षमता अभिवृद्धि गर्ने<br>जलस्रोत सम्बन्धी एकीकृत डाटाबेसको लागि प्रणाली तयार गर्ने<br>प्रयोगशालाको स्तरोन्नति मार्फत् निर्माण सामग्रीको गुणस्तर परीक्षण गर्ने क्षमता विकास गर्न नविन उपकरण तथा सफ्टवेयर प्रयोग गर्ने तथा अध्ययन/ अनुसन्धानमा Physical modeling बाट टेवा पुऱ्याउने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

जलस्रोत सम्बन्धी अध्ययन, अनुसन्धान, अन्वेषण, प्रविधि विकास तथा विस्तार सम्बन्धी कार्यक्रम, नवीनतम नमुना प्रविधि विकास गर्ने क्रममा लागत बढ्न सक्ने तथा नतिजा गलत पनि आउन सक्ने जोखिम रहेको छ।

## ७.१.३ सिँचाइ

### १. पृष्ठभूमि

कृषियोग्य भूमिमा बाह्रै महिना सिँचाइ सुविधा पुऱ्याई कृषिको उत्पादकत्व बढाउन सिँचाइको दिगो व्यवस्था गर्नु आवश्यक छ। परम्परागत सिँचाइ प्रणालीका साथै नयाँ प्रविधिमा आधारित सिँचाइ प्रणालीको माध्यमबाट समेत सिँचित कृषि क्षेत्रको विस्तार गर्न ध्यान दिनु जरुरी छ। सिँचाइको थप पूर्वाधार निर्माणमा रणनीतिक महत्वका ठूला सिँचाइ आयोजना संघ, मझौला सिँचाइ आयोजना प्रदेश र साना सिँचाइ आयोजनामा स्थानीय तहबाट लगानी परिचालन गर्ने व्यवस्था मिलाउन आवश्यक छ। सिँचाइ प्रणालीको निर्माण पछिको मर्मत-सम्भार, व्यवस्थापन एवम् सञ्चालनमा उपभोक्ता समुदायको सक्रिय सहभागितालाई थप सुदृढ गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

अधिकांश सिँचाइ आयोजना प्राकृतिक नदी प्रणाली (रन अफ द रिभर) अवधारणामा निर्माण गरिएकोले वर्षै भरि एकैनासले सिँचाइको भरपर्दो सेवा पुऱ्याउन नसकिनु, निर्माण सम्पन्न भइसकेका सिँचाइ प्रणालीको पर्याप्त मर्मत-सम्भार हुन नसक्नु, सिँचाइ सुविधा पुगेको वा पुग्न सक्ने भूमिमा खण्डीकरण र अव्यवस्थित शहरीकरण हुनु, सतह सिँचाइ र भूमिगत सिँचाइको संयोजनात्मक उपयोग नहुनु, प्राकृतिक मूल तथा मुहानहरू सुक्दै जानु, उपलब्ध पानीको स्रोत माथिको चाप बढ्नु, सिँचाइ तथा जल उपयोग दक्षता न्यून हुनु, नदीजन्य निर्माण सामग्रीको अत्यधिक दोहन हुन गई नदीको बेड लेभल घट्दै जानु र ठूला तथा बहुउद्देश्यीय आयोजनामा पर्याप्त लगानी हुन नसक्नु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याका रूपमा रहेका छन्।

देशको सम्पूर्ण कृषियोग्य भूमिमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराउने गरी निर्माणाधीन आयोजना समयमै सम्पन्न गर्नु, सिँचाइ पूवार्धार विकासका लागि संघ, प्रदेश र स्थानीय तहले लगानीको प्राथमिकता तय गर्नु, उपयुक्त तथा गुणस्तरीय प्रविधिको विकास एवम् छनोट गर्नु, निर्माण सम्पन्न भएका सिँचाइ प्रणालीको नियमित रूपमा मर्मत-सम्भार गर्नु, सिँचाइ प्रणालीबाट बाह्रै महिना सिँचाइ सेवा उपलब्ध गराउने गरी दीर्घकालीन रूपमा ठूला नदीहरूको जल स्थानान्तरण तथा जलाशययुक्त आयोजना निर्माण गर्नु, सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएका वा निकट भविष्यमा उपलब्ध हुने कृषि भूमि कृषि क्षेत्रका लागि संरक्षण गर्नु, जलवायु परिवर्तनबाट पानीको उपलब्धतामा हुनसक्ने प्रतिकूल असरलाई न्यूनीकरण गर्ने उपाय समयमै अवलम्बन गरी जोखिम व्यवस्थापन गर्नु र उपलब्ध जलस्रोतको संरक्षण गर्दै सिँचाइ सहितको बहुआयमिक उपयोग गर्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौती हुन्।

### ३. सोच

दिगो एवम् भरपर्दो सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराई कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिमा योगदान।

### ४. उद्देश्य

१. उपयुक्त प्रविधि मार्फत थप कृषि योग्य भूमिमा सिँचाइ सेवा विस्तार गर्नु।

२. ठूला, जलाशययुक्त तथा जल स्थानान्तरण बहुउद्देश्यीय आयोजनाको विकास गरी कृषियोग्य भूमिमा वर्षै भरि भरपर्दो रूपमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराउनु।

३. सम्पन्न सिँचाइ प्रणलीको मर्मत-सम्भार एवम् व्यवस्थापनलाई सुदृढ तुल्याई दिगोपन बढाउनु।

## ५. रणनीति

१. सिँचाइ विकासको गुरूयोजना र कृषि विकास रणनीति अनुसार जलवायु परिवर्तन अनुकूलन हुने गरी सिँचाइ आयोजनाहरूको विकास एवम् विस्तार गर्ने।

२. नयाँ प्रविधिमा आधारित सिँचाइको विकास गर्नुका साथै सिँचाइ दक्षता वृद्धि गर्ने।

३. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको समन्वय र सहकार्यमा सिँचाइ प्रणालीको विकास गर्ने तथा बाह्रै महिना सिँचाइ सेवा उपलब्ध गराउनका लागि ठूला बहुउद्देश्यीय, अन्तरजलाधार र जलाशययुक्त आयोजनालाई प्राथमिकताका साथ अघि बढाउने।

४. भूमिगत सिँचाइ योजनाको विस्तार सहित उपयोगमा जोड दिने।

५. सिँचाइ प्रणालीको मर्मतसम्भार एवम् दिगो व्यवस्थापनका लागि स्रोत सहित उपभोक्ता सहभागिता सुनिश्चित गर्ने।

६. नीतिगत सुधार एवम् विद्यमान संस्थागत संरचनाको क्षमता र जनशक्तिको दक्षता अभिवृद्धि गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| सतह सिँचाइ आयोजनाहरूबाट सिँचित क्षेत्रफल विस्तार | हेक्टर | ९,९९,९०० | ६,४९६ | ७,९६२ | ७,५९१ | ८,२०० |
| भूमिगत सिँचाइ आयोजनाहरूबाट सिँचित क्षेत्रफल बिस्तार | हेक्टर | ४,७९,८२२ | १३,६०० | १९,८६० | २०,२५० | २०,९५० |
| नयाँ प्रविधि / लिफ्ट सिँचाई कार्यक्रमबाट सिँचित क्षेत्रफल विस्तार | हेक्टर | २,५७६ | ७२५ | १,५९० | ४,४०५ | ४,८२७ |
| सरकार व्यवस्थित सिँचाइ प्रणाली संचालन | हेक्टर | २,६१,९०९ | २,६१,९०९ | २,६१,९०९ | २,६१,९०९ | २,६१,९०९ |

नोटः आ.व. २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि र मध्यमकालीन लक्ष्य अन्तर्गत संघीय स्तरको तथ्यांक मात्र समावेश गरिएको छ।

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | २०४,६७४ | ७,०३६ | १९७,६३८ | - | ११२,३२५ | १,७९५ | ९०,५५४ |
| २०७९/८० | २९१,५७९ | ९,१०६ | २८२,४७३ | - | २३८,२५६ | ३,००० | ५०,३२३ |
| २०८०/८१ | ३२५,८२१ | १०,६८२ | ३१५,१३९ | - | २८७,२०३ | ९५१ | ३७,६६७ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरणः- ब.उ.शी.नं., कार्यक्रम/आयोजनाको नाम, उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०८०३०११ | जलस्रोत तथा सिँचाइ विभाग | १, ६ | जलस्रोत तथा सिँचाइ सम्बन्धी नीति कार्यान्वयन, आयोजना कार्यान्वयन समन्वय तथा नियमन | सालबसाली | | नीति कार्यान्वयन, आयोजना कार्यान्वयन समन्वय तथा नियमन भएको हुने। |
| ३०८०३०१२ | सिँचाइ व्यवस्थापन डिभिजन-८ | १, २ | जलस्रोत तथा सिँचाइ सम्बन्धी आयोजना कार्यान्वयन | सालबसाली | | जलस्रोत तथा सिँचाइ सम्बन्धी आयोजना कार्यान्वयन भएको हुने। |
| ३०८०३०१३ | यान्त्रिक कार्यालय-३ | २, ५ | जलस्रोत तथा सिँचाइ सम्बन्धी आयोजना कार्यान्वयन | सालबसाली | | जलस्रोत तथा सिँचाइ सम्बन्धी आयोजना कार्यान्वयन भएको हुने। |
| ३०८०३१०१ | सिँचाइ संस्थागत विकास कार्यक्रम | ६ | सिँचाइ विभागको संस्थागत विकास | सालबसाली | | सिँचाइ विभागको संस्थागत विकास भएको हुने। |
| ३०८०३१०२ | सिँचाइ तथा जलस्रोत व्यवस्थापन आयोजना | १ | साबिकको पश्चिमाञ्चल, मध्य पश्चिमाञ्चल र सुदूर पश्चिमाञ्चलका कृषक कुलोहरूको पुनर्स्थापना | २०७०/७१ - २०७७/७८ | ५८.१ मिलियन अमेरिकी डलर | १०५ सतह सिँचाइ र भूमिगत सिँचाइ आयोजनाको पुनर्निर्माण भई १८,८२३ हेक्टर जमिनमा वर्षभरि सिँचाइ सेवा उपलब्ध भएको हुने।<br>४ सरकार व्यवस्थित सिँचाइ प्रणाली (कन्काइ, सुनसरी मोरङ, नारायणी र महाकाली पथरैया प्रणाली) को आवश्यक पुननिर्माण भई करिब ३९,४४५ हेक्टर सम्बन्धित जल उपभोक्ता समितिलाई व्यवस्थापन हस्तान्तरण भएको हुने। |
| ३०८०३१०३ | सिँचाइ सम्भाव्यता अध्ययन तथा निर्माण गुणस्तर कार्यक्रम | १ | ठूला बहुउद्देश्यीय आयोजनाको अध्ययन सम्भाव्य आयोजनाको पहिचान एवम् विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन | सालबसाली | | केही ठूला बहुउद्देश्यीय आयोजना निर्माणको प्रक्रियामा लैजानको लागि अध्ययन भएको हुने।<br>थप सिँचाइ क्षेत्र विकासको लागि सम्भाव्य आयोजनाको पहिचान एवम् विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन प्रतिवेदन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | तयार भएको हुने। |
| ३०८०३१०४ | यान्त्रिक व्यवस्थापन कार्यक्रम | ६ | यान्त्रिक उपकरण मर्मत एवम् संचालन | सालबसाली | | सिँचाइसँग सम्बन्धीत यान्त्रिक उपकरणहरू मर्मत एवम् सञ्चालन भई सिँचाइको लागि पानी सञ्चालनमा सहयोग पुग्ने। |
| ३०८०३१०५ | समुदाय व्यवस्थित सिँचित कृषि क्षेत्र आयोजना | १ | कृषक व्यवस्थित सिँचाइ प्रणाली तथा अन्य व्यवस्थित सिँचाइ आयोजनाको पुनर्स्थापना कार्य गरी व्यवस्थित सिँचाइ सेवा उपलब्धता | २०७१/७२ - २०७८/७९ | ७२.७ मिलियन यु.एस.डलर | प्रदेश नं. १, प्रदेश नं. २ र बागमती प्रदेश क्षेत्रका १६३ कृषक व्यवस्थित सिँचाइ प्रणालीमा पुनर्स्थापना कार्य गरी २१,१८१ हेक्टर जमिनमा व्यवस्थित सिँचाइ सेवा उपलब्ध भएको हुने।<br>गण्डकी, सुदुरपश्चिम र कर्णाली प्रदेशमा रहेका नेपाल सरकार व्यवस्थित ६ सिँचाइ आयोजनाको पुर्नस्थापना कार्य गरी ५,४६५ हेक्टर जमिनमा व्यवस्थित सिँचाइ सेवा उपलब्ध हुने गरी कृषकलाई व्यवस्थापन हस्तान्तरण भएको हुने। |
| ३०८०३१०९ | मर्मत संभार आयोजना | १ | ठूला सिँचाइ आयोजनाको आवश्यकता अनुसार मर्मत संभार | सालबसाली | | सम्पन्न भइसकेका विभिन्न सिँचाइ प्रणालीको आवश्यकता अनुसार मर्मतसम्भार भई कृषकलाई व्यवस्थित सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०८०३११० | बृहत् सरकारी सिँचाइ पुर्नस्थापना तथा व्यवस्थापन हस्तान्तरण आयोजना | १ | पुराना एवम् बृहत् सरकारी सिँचाइ आयोजनाका संरचना पुनर्स्थापना तथा पुनर्निर्माण | २०६१/६२ - २०७८/७९ | १० अर्ब २४ करोड | धेरै पुराना बृहत् सरकारी सिँचाइ आयोजनाका संरचना पुनर्स्थापना तथा पुनर्निर्माण गरी संचालन भई ९८,५०० हेक्टरमा सिँचाइ सेवा पुगेको हुने। |
| ३०८०३१११ | बागमती सिँचाइ आयोजना | १ | सर्लाही र रौतहट जिल्लामा भरपर्दो सिँचाइ उपलब्धता | सालबसाली | | सर्लाही र रौटहट जिल्लाको ४५,६०० हेक्टर जमिनमा भरपर्दो सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०८०३११२ | बबई सिँचाइ आयोजना | १ | बर्दिया जिल्लामा बबई नदीबाट खेतीयोग्य जमीनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्धता | २०४५/४६ - २०७९/८० | १८ अर्ब ९६ करोड ३० लाख | बर्दिया जिल्लाको ३६ हजार हेक्टर (बबई नदी पूर्वतर्फ २१ हजार र पश्चिमतर्फ १५ हजार) कृषियोग्य जमिनमा बाह्रै महिना भरपर्दो सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०८०३११३ | महाकाली सिँचाइ आयोजना, कञ्चनपुर | १ | कैलाली र कञ्चनपुर जिल्लामा महाकाली नदीबाट थप सिँचाइ सुविधा उपलब्धता | २०६३/६४ - २०८७/८८ | ३५ अर्ब | कैलाली र कञ्चचनपुर जिल्लाको ३३,५२० हेक्टर क्षेत्रमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०८०३११४ | सुनसरी मोरङ सिँचाइ आयोजना (तेस्रो) | १ | सिँचाइ सेवा उपलब्धता | सालबसाली | | सुनसरी र मोरङ जिल्लाको ६८,००० हेक्टर क्षेत्रमा व्यवस्थित सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०८०३११५ | प्रगन्ना तथा बडकापथ सिँचाइ आयोजना, दाङ | १ | सिँचाइ सेवा उपलब्धता | २०६८/६९ - २०७९/८० | ३ अर्ब ७६ करोड | प्रगन्ना सिँचाइ आयोजनाबाट देउखुरी उपत्यका भित्रका चैलाही, सोनपुर, सिसनिया र लालमटियाका ५,८०० हेक्टर जग्गामा वर्षैभरि सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने।<br>बड्कापथ सिँचाइ आयोजनाबाट देउखुरी उपत्यका राप्ती पारीको गढवा, गंगा परस्पुर र गोबरडिहामा ४,००० हेक्टर जमिनमा वर्षभरि सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०८०३११६ | सिक्टा सिँचाइ आयोजना | १ | सिँचाइ सेवा उपलब्धता | २०५९/६० -२०८४/८५ | २५ अर्ब २ करोड | बाँके जिल्लाको ४३,७६६ हेक्टर जमिनमा थप तथा व्यवस्थित सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०८०३११७ | पालुङटार-कुण्डुटार सिँचाइ आयोजना | १ | सिँचाइ सेवा उपलब्धता | २०६६/६७ -२०८०/८१ | १ अर्ब ५९ करोड | पालुङटार सिँचाइ आयोजनाबाट गोरखा जिल्लाको पालुङ्गटार न.पा. र सिरानचोक गा.पा. को २,००० हेक्टर जमिनमा वर्षैभरि सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | कुण्डुटार सिँचाइ आयोजनाबाट गोरखा न.पा. को ४५० हेक्टर जमिनमा वर्षैभरि सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने।<br>आयोजना क्षेत्रमा सिँचाइ तथा नदी नियन्त्रणका कार्यक्रमबाट उपभोक्ता किसानको आयआर्जनमा वृद्धि भएको हुने। |
| ३०८०३११९ | रानी जमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजना | १ | सिँचाइ सेवा उपलब्धता | २०६८/६९ - २०८०/८१ | २७ अर्ब ७० करोड २४ लाख | कैलाली जिल्लाको २०,३०० हेक्टरमा व्यवस्थित सिँचाइ सेवा उपलब्ध भएको हुने,<br>रानी, जमरा रकुलरिया नहर प्रणालीहरूको १४,३०० हेक्टर आधुनिकीकरण भई प्रणालीको दक्षतामा वृद्धि भएको हुने<br>४.७१ मे.वा. विद्युत उत्पादन भएको हुने |
| ३०८०३१२० | भेरी बबई बहुउद्देश्यीय डाइभर्सन सिँचाइ आयोजना | १ | सिँचाइ सेवा र विद्युत् उत्पादन | २०६८/६९ - २०७९/८० | ३३ अर्ब १९ करोड ६६ लाख | भेरी नदीको पानी सुरुङ मार्फत बबई नदीमा खसाली बाँके र बर्दिया जिल्लाको करिब ५१,००० हेक्टर जमिनमा बाह्रै महिना सिँचाइ उपलब्ध भएको हुने।<br>४६.८ मे.वा. जलविद्युत उत्पादन भएको हुने।<br>भेरी कोरिडोर सिँचाइ विकास आयोजना संचालनबाट करिब १६,००० हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०८०३१२२ | सिँचाइ पुनर्स्थापना आयोजना (कुवेत फण्ड) | १ | सिँचाइ आयोजनाहरूको पुनर्निर्माण गरी व्यवस्थित सिँचाइ उपलब्धता | २०७२/७३ - २०७९/८० | २ अर्ब ५ करोड | ६७ आयोजना पुनर्निर्माण भई ९,०४३ हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सुविधा पुगेको हुने। |
| ३०८०३१२३ | समृद्ध तराइ-मधेस सिँचाइ विशेष कार्यक्रम | १ | भूमिगत स्यालो तथा डिप ट्युबवेल, ताल तलैया, इनारको निर्माण | २०७३/७४ -२०७७/७८ | २४ अर्ब ८० करोड | तराइ तथा भित्री मधेसमा सबै प्रकारका प्रविधि प्रयोग गरी सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराई कृषि उत्पादनमा वृद्धि |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | कुल लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | विद्यमान सिँचाइ प्रणालीको पुर्नस्थापना तथा सुधार | | | भएको हुने |
| ३०८०३१२४ | सुनकोशी मरिन डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजना | १ | सिँचाइ सेवा उपलब्धता र विद्युत् उत्पादन | २०७३/७४ - २०८०/८१ | ४६ अर्ब १९ करोड | बारा, रौतहट, सर्लाही, महोत्तरी र धनुषा जिल्लाका १ लाख २२ हजार हेक्टर खेतीयोग्य जमिनमा पूर्ण रूपले सिँचाइ भएको हुने।<br>३१ मेगावाट विद्युत उत्पादन भएको हुने। |
| ३०८०३१२५ | बृहत् दाङ उपत्यका सिँचाइ आयोजना | १ | सिँचाइ सेवा उपलब्धता | २०७४/७५ - २०८३/८४ | ४० अर्ब | दाङ उपत्यकाको करिब ५६ हजार हेक्टर जमिनमा बाह्रै महिना सिँचाइ सेवा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३०८०३१२७ | एकीकृत ऊर्जा तथा सिँचाइ विशेष कार्यक्रम | १ | मध्य पहाडी टार क्षेत्रमा लिफ्ट सिँचाइ<br>तराइ मधेसमा सौर्य ऊर्जाबाट लिफ्ट सिँचाइ | २०७५/७६ - २०८०/८१ | | पहाडका टार र तराइमा सौर्य ऊर्जाको प्रयोगबाट थप जमिनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०८०३०११ | जलस्रोत तथा सिँचाइ विभाग | निर्धारित कार्य भएको। | उपयुक्त रुपमा कार्यालय संचालन हुने | कार्यालय संचालन |
| ३०८०३०१२ | सिँचाइ व्यवस्थापन डिभिजन-८ | निर्धारित कार्य भएको। | उपयुक्त रुपमा कार्यालय संचालन हुने | कार्यालय संचालन |
| ३०८०३०१३ | यान्त्रिक कार्यालय-३ | निर्धारित कार्य भएको। | उपयुक्त रुपमा कार्यालय संचालन हुने | कार्यालय संचालन |
| ३०८०३१०१ | सिँचाइ संस्थागत विकास | भवन सुरक्षा, सरसफाइ, लिफ्ट, खानेपानी, | विभागको भवन सुरक्षा, सरसफाइ, | भवन सुरक्षा, सरसफाइ, लिफ्ट, खानेपानी, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | कार्यक्रम | विद्युतीकरण, टेलिफोन, पुस्तकालय व्यवस्थापन, बगैंचा व्यवस्थापन, भवन मर्मत सम्भार आदि कार्य गरी सिँचाइ विभागबाट सञ्चालित कार्यक्रम सुचारु रूपमा समयमै सम्पन्न गर्न संस्थागत विकासमा टेवा पुऱ्याएको | लिफ्ट,खानेपानी, विद्युतीकरण, टेलिफोन, पुस्तकालय व्यवस्थापन,बगैंचा व्यवस्थापन,भवन मर्मत सम्भार भएको हुने । | विद्युतीकरण, टेलिफोन, पुस्तकालय व्यवस्थापन, बगैंचा व्यवस्थापन, भवन मर्मत सम्भार लगायत परिआएका अन्य कार्य गर्ने।<br>सिँचाइ विकास सम्बन्धी सफ्टवेयर खरिद एवम् वितरण गरी संस्थागत विकासमा टेवा पुऱ्याउने। |
| ३०८०३१०२ | सिँचाइ तथा जलस्रोत व्यवस्थापन आयोजना | १०२ सतह तथा भूमिगत सिँचाइ आयोजना निर्माण सम्पन गरी १५,९२३ हेक्टर जमिनमा वर्षैभरि सिँचाइ सेवा उपलब्ध भएको।<br>४ वटा (कन्काइ, सुनसरी मोरङ, नारायणी र महाकाली पथरैया) प्रणाली व्यवस्थापन हस्तान्तरणका लागि अति आवश्यक संरचनाको सुधार, भौगोलिक र उपभोक्ता संस्थाको संस्थागत विकास तथा क्षमता बढाउने कार्य भई ३९,४४५ हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सुविधा पुगेको।<br>मर्मत सुधार, उपभोक्ता संस्थाको संस्थागत विकास एवम् सिँचाइ प्रणालीहरूमा एकीकृत बाली तथा जल व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य भएको।<br>सूचना प्रणालीमा आधारित व्यवस्थापन सूचना प्रणाली संचालनका साथै आवश्यक तालिम तथा क्षमता विकास कार्य गरिएको। | कार्यक्रम सम्पन्न भई चरणको कार्य सुरु भएको हुने। | अर्को चरणको आयोजनाको लागि तयारी गर्ने। |
| ३०८०३१०३ | सिँचाइ सम्भाव्यता अध्ययन तथा निर्माण गुणस्तर कार्यक्रम | काली गण्डकी- तिनाउ डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन भएको।<br>तमोर चिस्यांग डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजनाको | तमोर चिस्याङ डाइभर्सन आयोजनाको विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन भईरहेको हुने। | कालीगण्डकी- तिनाउ डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजनाको विस्तृत डिजाइन तथा EIA सुरु गर्ने, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | पूर्व सम्भाव्यता अध्ययन भइरहेको।<br>माडी-दाङ डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजनाको पूर्व सम्भाव्यता अध्ययन सुरु भएको।<br>पाँचखाल उपत्यकाको सिँचाइ मास्टर प्लान बनाउने कार्यको खरिद प्रक्रिया अन्तिम चरणमा रहेको। | रासी-कपिलवस्तु डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय सिँचाइ आयोजनाको पूर्व सम्भाव्यता अध्ययन सम्पन्न भएको हुने<br>सुनकोशी कमला डाइभर्सन आयोजना, माड़ी दाङ डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय सिँचाइ आयोजना एवम् पाँचखाल उपत्यका एकीकृत जलस्रोत व्यवस्थापन आयोजनाको विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन भइरहेको हुने | तमोर-चिस्यांग डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजना, सुनसरी खोला सिँचाइ आयोजना एवम् Feasible देखिएमा माडी-दाङ डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजनाको विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन सुरु गर्ने<br>रासी-कपिलवस्तु डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजना एवम् सुनकोशी कमला डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजनाको पूर्व-सम्भाव्यता अध्ययन सुरु गर्ने,<br>विभिन्न आयोजनाको EIA/IEE कार्यहरू गर्ने,<br>सिँचाइ विभागको निर्माण मापदण्ड अद्यावधिक गर्ने<br>निर्माण कार्यको लागि आवश्यक स्पेसिफिकेशन तयार गर्ने |
| ३०८०३१०४ | यान्त्रिक व्यवस्थापन कार्यक्रम | हेभी इक्वीपमेन्टको आवश्यक मर्मत संभार सहित संचालन गरिएको।<br>चालु रहेका मेसिन आकस्मिक तथा साधारण मर्मत गरी सञ्चालन गरिएको।<br>२० थान हेभी इक्वीपमेन्ट मेसिन खरिद गरिएको। | जलस्रोत तथा सिचाई विभाग अन्तर्गतका हेभी इक्वीपमेन्ट, मेशिन तथा हलुका सवारी मर्मत भई संचालनमा रहेका हुने। | मेजर मर्मत गरी हेभी इक्वीपमेन्ट तयार गर्ने र २ वटा हेभी इक्वीपमेन्ट खरिद गर्ने<br>हेभी इक्वीपमेन्ट, ट्रकका साथै फिल्ड भेहिकल माइनर तथा आकस्मिक मर्मत संभार गर्ने<br>चालु हेभी इक्वीपमेन्ट र ट्रकहरूको आवधिक मर्मत र सञ्चालन गर्ने<br>हलुका सवारीहरू मर्मत गर्ने |
| ३०८०३१०५ | समुदाय व्यवस्थित सिँचित कृषि | १३९ सिँचाइ उप-आयोजना को मर्मत सम्भार भई | १६३ कृषक व्यवस्थित सिँचाइ | ९ वटा सिँचाइ उप-आयोजनाको मर्मत |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | क्षेत्र आयोजना | १८,१०३ हेक्टर जमिनमा व्यवस्थित सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भइरहेको।<br>थप ८,०६१ हेक्टर जमिनमा व्यवस्थित सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराउने कार्य भइरहेको। | आयोजना सम्पन्न भई २१,१८१ हेक्टर जमिनमा व्यवस्थित सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने।<br>सरकार व्यवस्थित ६ वटा सिँचाइ प्रणाली पुर्नस्थापना कार्य भएको हुने। | सम्भार कार्य गरी २,११४ हेक्टर जमिनमा व्यवस्थित सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराउने। |
| ३०८०३१०९ | मर्मत संभार आयोजना | संयुक्त व्यवस्थापनमा रहेका विभिन्न सिँचाइ प्रणालीको करिब २,६१,९०९ हेक्टर कमाण्ड क्षेत्रभित्र सिँचाइ पुऱ्याउन सिँचाइ प्रणालीको नियमित मर्मत-सम्भार तथा सञ्चालन गरिएको।<br>कृषक व्यवस्थित प्रणालीहरूको मर्मत गरी सञ्चालन गरिएको<br>एकीकृत बाली तथा जल व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य संचालन भइरहेको। | सरकार व्यवस्थित २ लाख ६१ हजार ९०९ हेक्टर सिँचाइ प्रणालीको मर्मत सुधार भएको हुने। | मर्मत सम्भार कार्यक्रम अन्तर्गत संयुक्त व्यवस्थापनमा सञ्चालित सिँचाइ प्रणालीको सालबसाली नियमित मर्मत सम्भार गरी सिँचाइ सेवा व्यवस्थित गर्ने।<br>एकीकृत बाली तथा जल व्यवस्थापन कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३०८०३११० | बृहत् सरकारी सिँचाइ पुर्नस्थापना तथा व्यवस्थापन हस्तान्तरण आयोजना | नारायणी सिँचाइ आयोजना, कोशी वितरण आयोजना, चन्द्रनहर सिँचाइ आयोजना, कमला, नेपाल पश्चिमी नहर सिँचाइ आयोजनाहरूमा पुनर्स्थापना तथा पुनर्निर्माण कार्य भइरहेको। | ९८,५०० हेक्टर जमीनमा व्यवस्थित सिँचाइ सेवा उपलब्ध भएको हुने। | नारायणी सिँचाइ आयोजना, कोशी वितरण आयोजना, चन्द्रनहर सिँचाइ आयोजना, कमला, नेपाल पश्चिमी नहर सिँचाइ आयोजनाहरूमा पुनर्स्थापना तथा पुनर्निर्माण कार्यलाई निरन्तता दिने। |
| ३०८०३१११ | बागमती सिँचाइ आयोजना | बागमती नदीमा ब्यारेज निर्माण भएको<br>४५,६०० हेक्टर मध्ये ४२,९०२ हेक्टर कमाण्ड क्षेत्र संरक्षण कार्य सम्पन्न भएको<br>मूल तथा शाखा नहर लम्ब्याउने कार्य सम्पन्न भएको<br>१,१३० हेक्टर जग्गा अधिग्रहण गरिएको।<br>पूर्वी मूल नहर २४.२५ कि.मि., शाखा नहर ५० | सर्लाही र रौतहट जिल्लाको ४५,६०० हेक्टर जमिनमा भरपर्दो सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने।<br>सुनकोशी मरिन डाइभर्सन आयोजनाबाट विस्तार हुने १ लाख २२ हजार हेक्टर सिँचित क्षेत्रमा सिँचाइ पूर्वाधार विकासका लागि विस्तृत आयोजना | कमाण्ड क्षेत्र संरक्षण कार्य गर्ने।<br>नहर संचालन तथा मर्मत संभार गरी सिँचाइ सेवा व्यवस्थित गर्ने।<br>ब्यारेज संचालन तथा मर्मत संभार गर्ने।<br>अगुमेन्टेसन सिँचाइ प्रणालीहरूको निर्माण सम्बन्धी कार्य गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | कि.मि., प्रशाखा नहर ६७ कि.मि. तथा पश्चिमी मूल नहर २८ कि.मि., शाखा नहर ६२ कि.मि., प्रशाखा नहर ६६.२२ कि.मि.निर्माण भएको।<br>३८,३०० हेक्टर कमाण्ड क्षेत्र विकास कार्य सम्पन्न भएको।<br>पश्चिमी मूल नहरमा सिल्ट इजेक्टर निर्माण भएको। | प्रतिवेदन तयार भई निर्माण कार्य भइरहेको हुने। | सर्भिस रोड मर्मत तथा बचावट गर्ने।<br>क्षतिग्रस्त संरचनाको जीर्णोद्धार कार्य गर्ने।<br>बागमती सिँचाइ आयोजनाको विस्तृत अध्ययन कार्य २ प्याकेजमा सञ्चालन गर्ने।<br>लालबकैया सिँचाइ आयोजनाको निर्माण कार्य सुरु गर्ने। |
| ३०८०३११२ | बबई सिँचाइ आयोजना | ४२३.४७ हेक्टरजग्गा अधिग्रहण गरिएको<br>सिँचित क्षेत्र/बाढीबाट क्षतिग्रस्त क्षेत्र तथा संरचना संरक्षण कार्य २०.०५ कि.मि. भएको।<br>७८.०९ कि.मि. मूल नहर, २०२.४९ कि.मि. शाखा/उपशाखा नहर निर्माण भएको<br>२२,६०० हेक्टर सिँचित क्षेत्र विकास तथा विस्तार गरिएको।<br>एक वटा हेडवर्क्स, ८ कि.मि. ड्रेनेज र ३९.३७ कि.मि. सर्भिस रोड निर्माण भएको एवम् साइफन निर्माण तथा बाढीबाट क्षतिग्रस्त साइफन पुनर्निर्माण भएको। | थप २,५०० हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सेवा उपलब्ध भएको हुने। | पश्चिमी मूल नहर विस्तार गरी थप १५०० हेक्टरमा सिँचाइ सुविधा पुऱ्याउने<br>शाखा/उपशाखा नहरहरू निर्माण तथा रिमोडलिङ गरी व्यवस्थित सिँचाइ सुविधा पुऱ्याउने।<br>४ कि.मि. मूल नहर तथा संरचना र २० कि.मि. शाखा/उपशाखा नहर तथा संरचना निर्माण गर्ने।<br>४ कि.मि. सिँचित/बाढीबाट क्षतिग्रस्त क्षेत्र तथा संरचना संरक्षण कार्य गर्ने।<br>१५ कि.मि. सर्भिस रोड र २ कि.मि. ड्रेनेज निर्माण तथा व्यवस्थापन गर्ने।<br>१६०० हेक्टर सिँचित क्षेत्र विकास तथा विस्तार गर्ने।<br>१६ हेक्टर जग्गा अधिग्रहण गर्ने। |
| ३०८०३११३ | महाकाली सिँचाइ आयोजना, कञ्चनपुर | चेनेज ०+००० देखि चेनेज १२+६९० सम्म जम्मा १२.६९ कि.मि. माटोको मूल नहर तथा | १,५०० हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सेवा उपलब्ध भएको हुने | चेनेज १२·६९० देखि चेनेज २८८०० सम्मको मूल नहर तथा संरचनाहरूको |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | नहरका मुख्य संरचना निर्माण सम्पन्न भएको।<br>डिसिल्टिङ बेसिन, हेड रेगुलेटर तथा गेट जडान कार्यको ठेक्का प्रक्रिया सुरु गरिएको।<br>७७ हेक्टर जग्गा अधिग्रहण गरिएको।<br>चेनेज २८+८०० सम्मको मूल नहर तथा संरचनाहरूको निर्माण चालु रही लक्ष्य अनुसार प्रगति भएको।<br>दश वर्षे गुरूयोजना, करिब २० अर्बको खरिद गुरूयोजना तयार भएको।<br>ब्रम्हदेव, मुसेपानी, हात्तीथला, झलारी तथा दोधारा चाँदनीको कमाण्ड एरियामा डिजाइन पुनरावलोकन कार्य भइरहेको।<br>चेनेज २८+८०० देखि चेनेज ४७+००० सम्म सम्म मूल नहरको डिजाइन रिभ्यू भइरहेको। | | निर्माण सम्पन्न गर्ने।<br>चेनेज ०८०० मा डिसिल्टिङ बेसिन निर्माण गर्ने।<br>चेनेज ०००० देखि चेनेज २८८०० सम्म २२ शाखा नहर निर्माणको प्रक्रिया अघि बढाउने।<br>त्रिभुवन बस्ती र मालाखेतीसम्म मूल नहर लगायत सम्पूर्ण आयोजनाको विस्तृत अध्ययन सम्पन्न गरी खरिद प्रक्रिया अघि बढाउने।<br>जग्गा अधिग्रहण कार्यलाई निरन्तरता दिने। |
| ३०८०३११४ | सुनसरी मोरङ सिँचाइ आयोजना (तेस्रो) | नहरको नियमित मर्मत-संभार र सञ्चालनका साथै क्षतिग्रस्त जीर्ण संरचनाहरू मर्मत, पुनर्निर्माण लगायत तेस्रो चरण अन्तर्गत पर्ने कार्य भइरहेको।<br>कोशी नदीमा स्पर मर्मत भएको र ब्यारेज निर्माण अध्ययन भइरहेको।<br>लोहन्द्रा साइफनको ८० प्रतिशत निर्माण कार्य र Bridge को दुई वटा pilecaping सम्पन्न भएको।<br>StageIII मा रहेका सुन्दर गुन्दर, शुखसेना तथा हुर्हुरिया शाखाको विस्तृत अध्ययन सर्वेक्षण कार्य भइरहेको। | बाढीबाट क्षतिग्रस्त लोहन्द्रा साइफन पुनर्निर्माण भई हाल सिँचाइबाट बन्चित करिब १५,००० हेक्टर सहित सुनसरी र मोरङ जिल्लाका ६८ हजार हेक्टर क्षेत्रमा व्यवस्थित सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। | नहर संरचनाहरूको नियमित मर्मत-संभार र सञ्चालन कार्यका साथै क्षतिग्रस्त/जीर्ण संरचना मर्मत तथा पुनर्निर्माण गर्ने।<br>लोहन्द्रा साइफन तथा Bridge निर्माण गर्ने<br>कोशी नदीमा २ वटा स्पर निर्माण गर्ने।<br>तेस्रो चरणमा रहेका विभिन्न शाखा तथा उपशाखामध्ये सुन्दर गुन्दर, शुखसेना तथा हुर्हुरिया शाखाको सिँचित क्षेत्र विकास कार्य गर्ने।<br>ड्रेजर मेसिन खरिद तथा मर्मत सम्भार गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०८०३११५ | प्रगन्ना तथा बडकापथ सिँचाइ आयोजना, दाङ | प्रगन्ना सिँचाइ आयोजनातर्फ रासी नदी किनारमा ३ साइड इन्टेक निर्माण भएको, नहर प्रणालीमा ठूला साना गरी ४५० संरचना निर्माण भएको र कमाण्ड एरिया बचावटको लागि १०.९ कि.मि. तटबन्ध निर्माण भएको।<br>बड्कापथ सिँचाइ आयोजनातर्फ साइड इनटेकको सिभिल तथा गेट जडान भएको, ७.३ कि.मि. मूल नहर, ५.३ कि.मि. नहर लाइनिङ, ३४ संरचना र ४ कि.मि. तटबन्ध निर्माण भएको। | कमाण्ड क्षेत्र बचावटको लागि तटबन्ध विस्तार भएको हुने।<br>नहर निर्माण तथा विस्तार भई थप १,५२० हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। | प्रगन्नातर्फ कमाण्ड क्षेत्र बचावटको लागि तटबन्ध विस्तार तथा मर्मत, मूल नहरको मर्मत सभार गर्ने।<br>बडकापथतर्फ मलमला तथा बनधुस्री क्षेत्र (चेनेज ५+००० देखि चेनेज ७+३०० सम्म) मा बाँकी कार्य तथा मूल नहरको (चेनेज ७+३०० देखि चेनेज १४+४५0 सम्म ) नहर तथा संरचनाहरू निर्माण सुरु गर्ने।<br>सिँचित क्षेत्र बचावटको लागि तटबन्ध निर्माण गर्ने।<br>वातावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण एवम् संस्थागत विकासका कार्य गर्ने। |
| ३०८०३११६ | सिक्टा सिँचाइ आयोजना | हेडवर्क्स निर्माण भई सोमा गेट जडान भएको।<br>पश्चिम मूल नहरको ४५ कि.मि.सम्म नहर निर्माण भएको।<br>सिधनीया शाखा तथा प्रशाखा नहर निर्माण ९० प्रतिशत सम्पन्न भएको।<br>पूर्वी मूल नहरतर्फ ५३ कि.मि. को ७५ प्रतिशत निर्माण सम्पन्न भएको।<br>संरचना विकास नहुँदै आयोजना र कृषकको प्रयासबाट जमिनमा सिँचाइ सुविधा सुरु भएको। | थप ७००० हेक्टर जमिनमा व्यवस्थित सिँचाइ सेवा उपलब्ध हुने। | पूर्वी मूल नहरको ४४ कि.मि. निर्माण सम्पन्न गरी ४ हजार हेक्टरमा सिँचाइ उपलब्ध गराउने।<br>पश्चिम मूल नहरतर्फ मर्मत-सम्भार गरी नियमित पानी संचालन गर्ने।<br>सिँचित क्षेत्र विकास कार्यलाई निरन्तरता दिने र बचावट कार्य गर्ने।<br>पश्चिम मूल नहर अन्तर्गतका ४ शाखाको निर्माण गर्ने। |
| ३०८०३११७ | पालुङटार-कुण्डुटार सिँचाइ आयोजना | पालुङटार आयोजनाको विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन सम्पन्न भएको।<br>कुण्डुटार आयोजनाको छेपेटार खण्डमा ७६३ मि. | थप १,४०० हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। | पालुङटारतर्फ वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन र फिर्ती र जुडीखोलामा जलाशय निर्माणको जियोलोजीकल |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | कभर्ड क्यानल लाइनिङको निर्माण सम्पन्न भएको।<br>कुण्डुटारको प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण भएको।<br>कुण्डुटारको मुहानदेखि चेनेज ६ कि.मि.मा लाइनिङ ५१६ मि. र आवश्यक नहर संरचना निर्माणका लागि बोलपत्र आह्वान गरिएको। | | अध्ययन कार्य गर्ने।<br>आयोजनाको डिजाइन रिभ्यु गरी लागत अनुमान अद्यावधिक गर्ने।<br>कुण्डुटारतर्फ नहर लाइनिङ १ कि.मि. र आवश्यक नहर संरचना निर्माण गर्ने। |
| ३०८०३११९ | रानी जमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजना | इन्टेकको गेट जडान ९० प्रतिशत सम्पन्न भएको।<br>८.८७५ कि.मि. मूल नहर निर्माण भएको।<br>मूल नहरमा ९८ प्रतिशत संरचना निर्माण भएको फिडर नहरमा ८५ प्रतिशत हाइड्रोपावर संरचना निर्माण भएको।<br>लम्की शाखा विस्तारमा ६.१२५ कि.मि. नहर लाइनिङ सम्पन्न भएको।<br>४७ वटा संरचना निर्माण भएको र ६ वटा संरचनाको निर्माण भइरहेको र ९५ प्रतिशत जग्गा प्राप्ति कार्य सम्पन्न भएको।<br>सिँचित क्षेत्र बचावट कार्य ४८.८ किमि सम्पन्न भएको।<br>थप सिँचित क्षेत्र विस्तार गर्न लम्की क्षेत्र र पथरैया देखि कान्द्रा क्षेत्र तर्फ वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन कार्य भइरहेको। | ११ हजार हेक्टर सिँचित क्षेत्रमा व्यवस्थित सिँचाइ भएको हुने। | इन्टेक तथा हाड्रोपावर संरचना निर्माण सम्पन्न गर्ने।<br>लम्की विस्तार अन्तर्गत बाँकी मूल नहर तथा संरचना निर्माण सम्पन्न गर्ने।<br>रानी जमरा कुलरिया सिँचाइ प्रणाालीमा २०० विभिन्न बाँडफाँट संरचना निर्माण गर्ने।<br>पथरैया नदीमा १० कि.मि. तटबन्ध निर्माण गर्ने।<br>टलिङ बेसिन र हाइड्रोपावर संरचनामा गेट जडान सम्पन्न गर्ने।<br>कान्द्रा खोला सम्मको थप १८ हजार हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराउने कार्यको विस्तृत अध्ययन सम्पन्न गर्ने। |
| ३०८०३१२० | भेरी बबई बहुउद्देश्यीय डाइभर्सन सिँचाइ आयोजना | सुरुङ निर्माण सम्पन्न भएको र आयोजनाद्वारा टेकिङ ओभर सर्टिफिकेट जारी भएको।<br>हेडवर्क्स तथा पावरहाउसको सिभिल निर्माण कार्य भइरहेको। | सुरुङ, हेडवर्क्स र पावर हाउस लगायतका कार्य सम्पन्न भएको हुने। | हेडवर्क्स तथा पावर हाउसको सिभिल निर्माण कार्य सुचारु गर्ने।<br>हाइड्रोमेकानिकल र इलेक्ट्रोमेकानिकल निर्माण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | हाइड्रोमेकानिकल र इलेक्ट्रोमेकानिकल निर्माण कार्य खरिद प्रक्रियामा रहेको।<br>सामाजिक दायित्व तथा वातावरणीय सुधार कार्यक्रम सञ्चालन भएको। | | वातावरणीय सुधार, सामाजिक विकास तथा क्षमता अभिवृद्धिलाई निरन्तरता दिने।<br>जग्गाको मुआब्जा वितरण गर्ने।<br>भेरी कोरिडोर सिँचाइ विकास आयोजनाबाट लिफ्ट सिँचाइ तथा सतह सिँचाइ सम्बन्धी कार्य गर्ने। |
| ३०८०३१२२ | सिँचाइ पुनर्स्थापना आयोजना (कुवेत फण्ड) | २४ वटा सिँचाइ आयोजना सम्पन्न भई ३,१३४ हेक्टरमा सिँचाइ सुविधा पुगेको।<br>१२ वटा सिँचाइ आयोजनाको ठेक्का सुरु भई निर्माणाधीन रहेको।<br>एउटा सिँचाइ आयोजनाको विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयारी प्रक्रियामा रहेको।<br>१८ वटा सिँचाइ आयोजना कार्यान्वयन गर्न स्वीकृत भई विस्तृत ड्राइङ डिजाइन भएका आयोजना ठेक्का प्रक्रियामा रहेको।<br>सम्पन्न आयोजनाको उपभोक्ता समितिको क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन गरिएको। | सिँचाइ आयोजनाहरूको पुनर्निर्माण भएको हुने।<br>उपभोक्ता कृषकहरूको योजना संचालन तथा व्यवस्थापन क्षमतामा अभिवृद्धि भएको हुने।<br>कृषि उत्पादन वृद्धि तथा विविधीकरण सम्बन्धी तालिम संचालन भएको हुने। | १८ वटा सिँचाइ आयोजना निर्माण प्रारम्भ गर्ने।<br>सम्झौता मितिभित्र सबै निर्माणधीन आयोजना सम्पन्न गर्ने।<br>विभिन्न जिल्लाका सिँचाइ आयोजनाका उपभोक्ताको क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३०८०३१२३ | समृद्ध तराइ-मधेस सिँचाइ विशेष कार्यक्रम | निर्माण सम्पन्न भएका १०६ डिप ट्युबवेलमा विद्युतीकरण, पम्प, पम्पघर तथा वितरण प्रणाली निर्माणको कार्य सुरु गरिएको।<br>२४७ नयाँ डिप ट्युबवेल निर्माण भएको।<br>५,५३० स्यालो ट्युबवेल तथा पावरड्रिल स्यालो ट्युबवेल निर्माण सम्पन्न हुने क्रममा रहेको। | सतह तथा भूमिगत स्यालो ट्युबवेलबाट कृषियोग्य ४७ हजार हेक्टर जमिनमा थप सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। | निर्माण भएका २४७ डिप ट्युबवेलमा विद्युतीकरण, पम्प, पम्पघर तथा वितरण प्रणाली निर्माण गरी सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराउने।<br>नयाँ डिप ट्युबवेल निर्माण कार्य गर्ने।<br>स्यालो ट्युबवेल तथा पावरड्रिल स्यालो ट्युबवेल निर्माण गर्ने।<br>१९ हजार हेक्टर जमिनमा सिँचाइ |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | उपलब्ध गराउने। |
| ३०८०३१२४ | सुनकोशी मरिन डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजना | डुबानमा पर्ने रामेछाप जिल्लाको जग्गा अधिग्रहण गरी मुआब्जा वितरणको लागि मूल्याङ्कन भइरहेको।<br>सिन्धुली तर्फको जग्गाको मुआब्जा वितरण सम्पन्न भएको।<br>सुरुङ निर्माणको ठेक्का सम्झौता भई ठेकेदार साइटमा परिचालन भएको।<br>हेडवर्क्स, पावरहाउस, सर्जसाफ्ट आदिको डिटेल इन्जिनियरिङ डिजाइन कार्यको प्रतिवेदन परामर्शदाताबाट प्राप्त भई अध्ययन भइरहेको।<br>मरिन नदी नियन्त्रण कार्यको लागत अनुमान भइरहेको। | सुरुङ, हेडवर्क्स, विद्युतगृह र टेलरेस निर्माण कार्य भइरहेको। | सुरुङ निर्माण गर्ने।<br>हेडवर्क्स, पावरहाउ, सर्जसाफ्ट निर्माण सुरु गर्ने। |
| ३०८०३१२५ | बृहत् दाङ उपत्यका सिँचाइ आयोजना | ८ वटा जलाशययुक्त सिँचाइ पोखरीको निर्माण भएको र १५ वटाको विस्तृत प्रतिवेदन तयार भएको।<br>२६ वटा लिफ्ट सिँचाइ निर्माण सम्पन्न भएको।<br>२० वटा निर्माणाधीन रहेका र १८ वटाको विस्तृत प्रतिवेदन स्वीकृतिको क्रममा रहेको।<br>२५ वटा डिप बोरिङ सम्पन्न हुने चरणमा रहेको।<br>थप २५ वटा डिपबोरिङ २ वटा सतह सिँचाइ प्रणाली निर्माणको लागि खरिद प्रक्रिया सुरु गरिएको र १० वटा वितरण प्रणालीको निर्माण सुरु गरिएको।<br>२० वटा नयाँ प्रविधिमा आधारित सिँचाइ पोखरीको निर्माण सम्पन्न भएको।<br>बबई कोरिडोरमा लिफ्ट सिँचाइ प्रणाली र | सम्भाव्य क्षेत्रमा सोला रलिफ्ट प्रविधिबाट सिँचाइ उपलब्ध भएको हुने।<br>स-साना जलाशययुक्त सिँचाइ प्रणाली निर्माण भएको हुने।<br>नयाँ प्रविधिमा आधारित सिँचाइ आयोजना निर्माण भएको हुने।<br>थप ५,२०० हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। | बबई कोरिडोर एवम् सम्भाव्य क्षेत्रमा सोलार/इलेक्ट्रिक लिफ्ट प्रविधिबाट करिब १५ सिँचाइ प्रणाली निर्माण गर्ने।<br>उपत्यकाभित्र २० जलाशययुक्त सिँचाइ प्रणाली निर्माण गर्ने।<br>नयाँ प्रविधिमा आधारित ७ सिँचाइ आयोजना निर्माण गर्ने।<br>ग्वारखोला उरहरी जस्पुर, डुरुवा लगायत ३० सतह सिँचाइ प्रणाली पुनस्थापन गर्ने।<br>२५ डिपबोरिङ र २५ स्यालोबोरिङ तथा वितरण प्रणाली निर्माण गर्ने।<br>ग्वारखोला उच्च बाँध लगायतका जलाशय, लिफ्ट, सतह सिँचाइको विस्तृत |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | जलाशय निर्माणको लागि गुरूयोजना तयार भएको। | | इन्जिनियरिङ अध्ययन गर्ने।<br>खरिद गुरूयोजनाको लागि आवश्यक विभिन्न कम्पोनेन्टको मास्टरप्लान तयार गर्ने।<br>उपत्यका भित्रका तालतलैया लगायत जलस्रोतको संरक्षण गर्ने। |
| ३०८०३१२७ | एकीकृत ऊर्जा तथा सिँचाइ विशेष कार्यक्रम | प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्राप्त भई फिल्ड कार्य भइरहेको।<br>४० उप-आयोजनाको विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन भएको।<br>३० आयोजना निर्माणका लागि खरिद कार्य भएको<br>९ आयोजना निर्माण भइरहेको। | मध्य पहाडी टार क्षेत्रमा लिफ्टबाट थप ९,३०० हेक्टर जमिनमा सिँचाइ उपलब्ध भएको हुने। | ४ वटा नदी बेसिन अन्तर्गतका विभिन्न आयोजना निर्माण कार्य अघि बढाउने।<br>विभिन्न ५० वटा आयोजना निर्माण सम्पन्न गरी सिँचाइ सेवा उपलब्ध गराउने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

उपयुक्त प्रविधिको उपयोग र जग्गा प्राप्तिमा सहजता, आवश्यक बजेटको सुनिश्चितता भएमा, नदीजन्य निर्माण सामग्रीको उपलब्धता, किसानको सहभागिता र जनशक्ति उपलब्ध हुने अनुमान छ। सो नभएमा वा प्राकृतिक विपद् एवम् अन्य विविध कारणले आयोजनागत लागत वृद्धि भएमा अपेक्षित उलब्धि हासिल नहुने जोखिम रहन्छ।

## ७.१.४ जल तथा मौसम विज्ञान

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको भौगोलिक अवस्थिति तथा भू-धरातलका कारण नेपालमा विषम तथा विविधतायुक्त जलवायु रहेको छ। मौसमी प्रतिकूलता र बाढीका कारण विभिन्न विपद्का घटना हुने गरेको र जलवायु परिवर्तनका कारण मौसम तथा बाढी पूर्वानुमानमा जटिलता थपिंदै गइरहेको छ। हिमक्षेत्र तथा हिमनदीहरूमा संकुचन आएको छ। साथै, ठूला-ठूला हिमताल निर्माण भएका कारण हिमताल विष्फोटनको जोखिम बढ्दो छ। कृषि प्रणाली सुधार गर्न, हवाइ दुर्घटना कम गर्न, बाढी तथा खडेरी लगायत अन्य जल तथा मौसमजन्य प्राकृतिक विपद्ले निम्त्याउन सक्ने जनधनको क्षतिलाई न्यून गर्न मौसम पूर्वानुमान तथा पूर्वसूचना प्रणाली भरपर्दो, विश्वसनीय र प्रभावकारी हुनु आवश्यक छ।

### २.समस्या तथा चुनौती

नियमित रूपमा र तत्काल जल, मौसम तथा जलवायु सम्बन्धी गुणस्तरीय तथ्यांक प्राप्त गर्न नसक्नु, उच्च पहाडी तथा हिमाली क्षेत्रमा जल तथा मौसम मापन केन्द्र पर्याप्त संख्यामा नहुनु, जल, मौसम तथा जलवायु सेवालाई व्यवस्थित र निर्देशित गर्ने विशिष्ट कानूनको अभाव हुँदा सोसँग सम्बन्धित काम व्यवस्थित गर्न नसक्नु, अन्तर्राष्ट्रिय नागरिक उड्डयन संगठनको मापदण्ड बमोजिम हवाइ-मौसम सेवालाई प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन गर्न नसकिनु, सरोकारवाला हवाइ उड्डयन, कृषि, पर्यटन, जलस्रोत, विपद् व्यवस्थापन, स्वास्थ्य आदिको माग बमोजिम जल, मौसम तथा जलवायु सेवाको विस्तार गर्न नसकिनु, भूमिगत जल भण्डारका अलावा ताल तलैयामा रहेको पानीको परिमाण र गुणस्तरको तथ्याङ्क नियमित रूपमा संकलन नहुनु र सेडिमेन्ट बाढी तथा डुबान र क्षति आकलन तथा निराकरण सन्दर्भमा अध्ययन तथा अनुसन्धान पर्याप्त नहुनु प्रमुख समस्या रहेका छन्।

मौसम तथा जलप्रवाह पूर्वानुमान र पूर्वसूचनालाई भरपर्दो बनाई कृषि, हवाइ उड्डयन, जलस्रोत, स्वास्थ्य, पर्यटन आदि क्षेत्रको व्यवस्थापन प्रभावकारी बनाउनु, देशै भरिको सतह एवम् भूमिगत जल र मौसमसँग सम्बन्धित गुणस्तरीय तथ्याङ्क, सूचना अटूट रूपमा सङ्कलन गर्नु, जल तथा मौसम मापन केन्द्रहरूको सञ्चालन, विस्तार र आधुनिकीकरण गर्नु, हिमताल तथा हिमनदीहरूको सर्वेक्षण गर्नु, जलवायु परिवर्तनबाट हुने जल तथा मौसमजन्य बहुप्रकोपबाट विभिन्न क्षेत्रमा हुनसक्ने असरलाई न्यूनीकरण तथा जोखिम व्यवस्थापन गर्नु, अन्तर्राष्ट्रिय नागरिक उड्डयन संगठन र विश्व मौसम संगठनले जल तथा मौसम सेवा प्रवाहका लागि निर्धारण गरेका मापदण्ड लागू गर्नु, लामो अवधि सम्मको मौसम पूर्वानुमान सेवा उपलब्ध गराउनु, जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी समयानुकूल वैज्ञानिक अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी क्षेत्रगत तथ्यांक तथा सूचना सरोकारवाला निकायसम्म प्रभावकारी रूपमा सम्प्रेषण गर्नु र अध्ययन तथा अनुसन्धानको लागि आवश्यक दक्ष जनशक्ति उत्पादन एवम् आधुनिक प्रविधिको विस्तार र प्रभावकारी प्रयोग गर्नु प्रमुख चुनौती रहेका छन्।

### ३. सोच

विश्वसनीय र भरपर्दो जल तथा मौसम सेवा मार्फत हवाइ उड्डयन, जलस्रोत, कृषि, पर्यटन, स्वास्थ्य लगायतका क्षेत्रको दिगो विकास एवम् जलवायु समानुकूलित समाजको निर्माण।

### ४. उद्देश्य

१. जल तथा मौसम सेवालाई समयानुकूल विकास र विस्तार गर्न आवश्यक नीति निर्माण तथा संरचनागत सुधार गर्नु।
२. जल तथा मौसमजन्य बहुप्रकोपको भरपर्दो पूर्वानुमान तथा पूर्वसूचना प्रवाहबाट नागरिकको जीउधनको सुरक्षा गर्नु।

३. जल, मौसम तथा जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्नु।

## ५. रणनीति

१. विश्व मौसम संगठनको मापदण्ड अनुसारको भरपर्दो, विश्वसनीय, गुणस्तरीय जल तथा मौसम सेवा उपलब्ध गराउन नीति तथा कानुन निर्माण गर्ने।

२. जल तथा मौसम मापन केन्द्रलाई क्रमशः नवीनतम प्रविधि सहितको आधुनिक स्वचालित केन्द्रमा रूपान्तरण र आवश्यकता अनुसार विस्तार गर्ने।

३. नदी बेसिन योजना वमोजिम विकासका पूर्वाधारहरूको लागि जल उपलब्धतामा हुने भिन्नता, बेसिनहरूको पानीको सन्तुलन (Water balance), थेग्रान अध्ययन तथा आकलन गर्ने।

४. मौसम तथा जल प्रवाहको भरपर्दो तथा गुणस्तरीय पूर्वानुमान गर्ने।

५. विपद् जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी सेन्डाइ फ्रेमवर्कले तय गरे अनुरूप विभिन्न संघ-संस्थासँग समन्वय गरी जल तथा मौसमजन्य बहु-प्रकोप पूर्वसूचना प्रणालीको विकास गर्ने।

६. विश्व मौसम संगठन, जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी अन्तरसरकारी निकाय, अन्तर्राष्ट्रिय नागरिक उड्डयन संगठन र अन्य सरोकारवाला संघ-संस्थाहरूसँग समन्वय र सहकार्य गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| स्वचालित जलमापन केन्द्र स्थापना र सञ्चालन | संख्या | ९० | १२० | १५० | १६० | १९० |
| स्वचालित मौसम मापन केन्द्र स्थापना र सञ्चालन | संख्या | ९७ | १५४ | १८४ | २२० | २५० |
| मौसम राडार (C-BAND) स्थापना र सञ्चालन | संख्या | १ | १ | ३ | ३ | ३ |
| रेडियोसोन्ड केन्द्र स्थापना र सञ्चालन | संख्या | १ | १ | १ | २ | ३ |
| बाढी पूर्वसूचना प्रणाली स्थापना र सञ्चालन | संख्या | १९ | १९ | २१ | २३ | २५ |
| हिमताल विष्फोटन पूर्वसूचना प्रणाली स्थापना र सञ्चालन | संख्या | २ | २ | २ | २ | ३ |
| बाढी जोखिम नक्सांकन कार्य | संख्या | ८ | २ | ४ | १८ | २० |
| हिमताल तथा हिमनदी सर्वेक्षण | संख्या | ३ | ० | १ | १ | १ |
| राडार (X-band) स्थापना र संचालन | संख्या | ० | ० | ० | १ | १ |
| उड्ययन जलवायु गुणस्तर व्यवस्थापन प्रणाली खाका/निर्देशिका (Aviation Met Quality Management System | संख्या | ० | ० | १ | - | - |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| (QMS) Framework / Manual) विकास | | | | | | |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ११,२२८ | २,५४८ | ८,६८० | - | ११,२२८ | - | - |
| २०७९/८० | १२,२७० | ३,०२० | ९,२५० | - | १२,२७० | - | - |
| २०८०/८१ | १३,३१५ | ३,३१५ | १०,००० | - | १३,३१५ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा एवम् हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब. उ.शी. नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०८०२०११ | जल तथा मौसम विज्ञान विभाग | १ | बाढी तथा मौसम पूर्वानुमान कार्य नियमित गरी बाढी तथा मौसमजन्य प्राकृतिक विपत्तिबाट हुने जनधनको क्षति न्यूनीकरण | सालबसाली | ८१,७५ | जल तथा मौसम तथ्यांक संकलन केन्द्रहरू आधुनिकीकरण भएको हुने<br>जल तथा मौसमजन्य प्रकोपबारे पूर्वसूचना प्रदान गरी धनजनको क्षति न्यूनीकरण भएको हुने<br>जल तथा जलवायु सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान भएको हुने | सुर्खेतमा एउटा मौसम राडार जडान र सञ्चालन भएको<br>११२ जलमापन र १५० मौसम मापन केन्द्रहरूमा स्वचालित प्रणाली स्थापना भएको<br>तीन दिन सम्मको मौसम तथा बाढी सम्बन्धी पूर्वसूचना प्रदान गर्ने क्षमता विकास भएको | ३ वटा मौसम राडार स्थापना र सञ्चालन भएको हुने<br>ठूला र मझौला नदीहरूमा २५ वटा बाढी पूर्वसूचना प्रणाली स्थापना भएको हुने<br>१९० स्वचालित जल मापन केन्द्र र २५० मौसम केन्द्र स्थापना र नियमित सञ्चालन भएको हुने | पाल्पा र उदयपुरमा मौसम राडार स्थापना गर्ने<br>२८ वटा जलमापन केन्द्र र ३० वटा मौसम मापन केन्द्रमा स्वचालित प्रणाली जडान गर्ने<br>च्छो रोल्पा र तल्लो वरूण हिमतालको विस्तृत अध्ययन गर्ने |
| ३०८०२१०१ | जल तथा मौसम विज्ञान कार्यक्रम | १,२ | देशभरिको जल तथा मौसमी तथ्यांक संकलन | सालबसाली | ३५,५१ | जल तथा मौसम तथ्यांक संकलन, व्यवस्थापन एवम् प्रकाशन भएको हुने | जल तथा मौसम केन्द्रहरू नियमित सञ्चालन र आधुनिकीकरण भएको | जल तथा मौसम मापन केन्द्रहरू नियमित सञ्चालन , तथ्यांक संकलन र क्षेत्रगत सेवा प्रवाह भएको हुने | केन्द्र सुसंचालन र चुस्त व्यवस्थापन गर्ने |

| ब. उ.शी. नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०८०२१०२ | जलवायु प्रकोप समुत्थान निर्माण आयोजना | २ | जलवायु परिवर्तनले कृषि लगायत अन्य क्षेत्रमा पारेको प्रभाव न्यूनीकरणका लागि सेवा प्रवाह प्रणाली आधुनिकीकरण | २०६९/७० - २०७७/७८ | ८२,६३ | ICT पूर्वाधार सबलीकरण भएको हुने | एउटा मौसम राडार संचालन भएको<br>८८ मौसम मापन र ७० जल मापन केन्द्र स्थापना भएको<br>High Performance Computer, Server लगायत पूर्वाधार स्थापना भएको | आयोजनाबाट स्थापित केन्द्रहरूको सुसंचालन र ICT प्रणाली सबलीकरण भएको हुने | ICT पूर्वाधारको Hardware Refresh गर्ने, प्रशोधन क्षमता बढाउनको लागि Cloud Computing Space खरिद गर्ने एवम् Database and Website management प्रणाली अद्यावधिक गर्ने |
| ३०८०३१२१ | प्राथमिकता प्राप्त नदी बेसिन बाढी जोखिम व्यवस्थापन आयोजना | २ | प्राथमिकता प्राप्त ६ वटा नदी बेसिनमा बाढी भविष्यवाणी तथा पूर्वसूचना प्रणाली विकास | २०७७/७८ - २०८४/८५ | ८६५०४ | चुरे र महाभारत क्षेत्रमा बाढी जोखिमको दृष्टिकोणले महत्त्वपूर्ण खहरे नदी बेसिनहरूमा पूर्वसूचना प्रणाली स्थापना भएको। | २०२१ जनुअरीमा आयोजना सुरु भई लागत अनुमान स्वीकृतिको प्रक्रियामा रहेको | ३१ वटा स्वचालित जलमापन केन्द्र र ४३ वटा स्वचालित मौसम मापन केन्द्र स्थापना भएको हुने<br>स्थापित केन्द्रहरूबाट Gauge to Gauge flood forecasting model विकास भएको हुने | जल तथा मौसम मापन केन्द्र स्थापनाको लागि उपकरण खरिद गर्ने |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

कोभिड-१९ को विश्वव्यापी महामारीका कारण उपकरण आपूर्तिमा कठिनाइ, मूल्यवृद्धि लगायतका कारणले प्रस्तावित कार्यहरूको संख्या र समयावधिमा फरक पार्न सक्ने जोखिम रहेको छ।

## ७.२ भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात

### १. पृष्ठभूमि

आर्थिक वृद्धि र उन्नतिको सम्वाहकको रूपमा रहेको यातायात क्षेत्रले भौतिक तथा सामाजिक पूर्वाधार विकासमा उल्लेखनीय योगदान गर्दै आएकोले यस क्षेत्रको विकासमा लगानी सुनिश्चित गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ। समग्र यातायात प्रणालीको प्रभावकारी विकासका लागि यस क्षेत्रमा हुने लगानी, लगानीको प्राथमिकीकरण, सुरक्षित यातायात सेवा, न्यूनतम ढुवानी खर्च, दिगो संरचना निर्माण र योजनाबद्ध मर्मत-सम्भार हुन जरूरी छ। सडक सञ्जाल विस्तार, हवाइ यातायात, अन्तरदेशीय रेल, जल तथा अन्य यातायात समेतको अल्पकालीन र दीर्घकालीन सोचका साथ सहज, सुरक्षित तथा गुणस्तरीय यातायात सेवा प्रदान गर्नका लागि एकीकृत यातायात प्रणालीको अध्ययन तथा विकास हुनु अपरिहार्य छ। नेपालको आर्थिक-सामाजिक विकासमा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ने रणनीतिक महत्वका राष्ट्रिय लोकमार्ग र अन्तरदेशीय व्यापारिक नाका जोड्ने सडक, रेलमार्ग तथा जलमार्ग निर्माण, सञ्चालन तथा व्यवस्थापन लगायतका कार्यको कार्यान्वयनमा विशेष जोड दिन आवश्यक रहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

यातायातका पूर्वाधारको अपेक्षित एकीकृत विकास नहुनु, मापदण्ड विना आयोजना पहिचान तथा छनोट हुनु, आवश्यक पूर्वतयारी विना आयोजना कार्यान्वयनमा लैजानु, निजी क्षेत्रको व्यावसायिक क्षमतामा समयानुकूल वृद्धि नहुनु, दक्ष श्रमिक तथा अन्य विषयगत जनशक्तिको उपलब्धतामा कमी रहनु र गुणस्तरीय निर्माण सामग्रीका साथै स्थानीय तहको क्षेत्राधिकारमा रहेको नदीजन्य निर्माण सामग्रीको सहज उपलब्धता हुन नसक्नु, बजेटको विनियोजन र सञ्चालन कुशलताको अभाव हुनु र संस्थागत, व्यवस्थापकीय तथा प्राविधिक संशाधन क्षमतामा अपेक्षाकृत वृद्धि नहुनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन्।

पूर्वाधार निर्माण कार्यमा अपनाइने प्रविधि, लागत र गुणस्तरमा सन्तुलन कायम गर्नु, चुनौतीपूर्ण भौगर्भिक-भौगोलिक अवस्था रहनु, सानातिना आयोजना कार्यान्वयन गर्नुपर्ने दवावका कारण प्राथमिकता प्राप्त योजना तथा रणनीतिक गुरूयोजनाले पहिचान गरेका आयोजनामा मात्र लगानी केन्द्रित गर्नु, तीन तहका सरकारले निर्माण गर्ने सडक पूर्वाधारहरू परिपूरक हुने गरी निर्माण गर्नु, संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्नु, सन्तुलित, सुरक्षित, दिगो, वातावरणमैत्री र गुणस्तरीय सडक पूर्वाधार निर्माण गर्नु प्रमुख चुनौतीका रूपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

- सघन, सन्तुलित, सुलभ, सुरक्षित, गुणस्तरीय एवम् दिगो सडक पूर्वाधारको विकास। (सडक)
- भरपर्दो, सुरक्षित, पहुँचयोग्य, वातावरणमैत्री रेल यातायात प्रणालीको विकास। (रेल यातायात)
- सुलभ र किफायती यातायातको भरपर्दो विकल्पको रूपमा जल यातायातको विकास। (जल यातायात)
- प्रतिस्पर्धी, सर्वसुलभ, सुरक्षित र वातावरणमैत्री यातायात प्रणालीको विकास। (यातायात व्यवस्थापन)

### ४. उद्देश्य

**सडक**

१. कुल यातायात खर्च न्यूनतम हुने गरी सडक सञ्जालको सन्तुलित विकास तथा विस्तार गर्नु।

२. सडक पूर्वाधारहरूको उचित संरक्षण, मर्मत-सम्भार र सुरक्षा गरी सहज सवारी आवागमन सुनिश्चित गर्नु।

### रेल यातायात

१. रेल यातायात सुविधा विस्तार गरी अन्तरदेशीय व्यापार सम्बन्ध पहुँचमा विस्तार बढाउँदै आर्थिक सामाजिक एकीकरणमा योगदान गर्नु।

२. भौगोलिक सन्तुलन र विकासमा योगदान पुग्ने गरी भरपर्दो र सुरक्षित रेलसेवा सञ्चालन गर्नु।

### जल यातायात

- आन्तरिक, क्षेत्रीय र अन्तर्राष्ट्रिय जलमार्गको प्रयोग गरी देशको उद्योग, व्यापार तथा पर्यटन लगायत राष्ट्रिय अर्थतन्त्रका अन्य आयाममा सकारात्मक योगदान पुऱ्याउनु।

### यातायात व्यवस्थापन

- यातायात सेवालाई प्रतिस्पर्धी, सर्वसुलभ, भरपर्दो, सुरक्षित, समावेशी र अनुशासित बनाई आवागमन र ढुवानीलाई सहज बनाउनु।

## ५. रणनीति

### सडक

१. प्रादेशिक सन्तुलन समेत कायम हुने गरी उच्च क्षमताका द्रुतमार्ग, भूमिगत मार्ग, भाया-डक्ट लगायतका आधुनिक संरचना सहितको गुरूयोजनामा आधारित सडक सञ्जालको विकास गर्ने।

२. संस्थागत क्षमताको विकासलाई उच्च प्राथमिकता दिई आधुनिक प्रविधिको अधिकतम उपयोग गर्ने।

३. परम्परागत सरकारी स्रोतमाथिको निर्भरता घटाई लगानीका वैकल्पिक स्रोतहरू जुटाउने।

४. सडकको डिजाइन, निर्माण, मर्मत-सम्भार तथा सडक सुरक्षाका लागि आधुनिक प्रविधिको उपयोग तथा यान्त्रीकरणमा जोड दिने।

५. प्राकृतिक प्रकोप तथा जलवायु प्रतिकूलताका कारण हुनसक्ने सम्भाव्यअसर वा हानी नोक्सानीलाई न्यूनीकरण गर्ने।

### रेल यातायात

१. रेलमार्गको सम्भाव्यता अध्ययन गरी राष्ट्रिय आवश्यकता पहिचान, विकास र विस्तार गर्ने।

२. रेल विभागको संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।

३. रेल यातायातको पूर्वाधार विकास तथा सञ्चालनमा लगानीका भरपर्दो वैकल्पिक स्रोत प्रवर्द्धन गर्ने।

### जल यातायात

१. आन्तरिक तथा समुन्द्रसम्म पहुँचका लागि जल यातायातको विकास र विस्तार गर्ने।

२. जल यातायात सेवा विकासको लागि निजी एवम् अन्य क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्ने।

३. जल यातायात विकास र सञ्चालनमा संस्थागत, व्यवस्थापकीय तथा प्राविधिक क्षमताको विकास र अभिवृद्धि गर्ने।

### यातायात व्यवस्थापन

१. संस्थागत सुदृढीकरण र प्रक्रियागत सरलीकरण गर्दै यातायात क्षेत्रमा सुशासन कायम गर्ने।

२. दिगो तथा वातावरणमैत्री सवारी साधनको उपयोगमा जोड दिने।

३. सार्वजनिक यातायातलाई प्रोत्साहन गर्दै निजी तथा सहकारी क्षेत्रको भूमिकालाई प्रभावकारी एवम् व्यवस्थित गर्ने।

४. यातायात व्यवस्थापनमा प्रविधिको प्रयोग गर्दै सडक दुर्घटना न्यूनीकरण गर्दै जाने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| राष्ट्रिय राजमार्ग (दुई लेनसम्म कालोपत्रे) | कि.मि. | ६,३६४ | ६,८७० | ९,७९४ | ११,०९४ | १२,३०० |
| राष्ट्रिय राजमार्ग (दुई लेनभन्दा माथि कालोपत्रे) | कि.मि. | १५९ | २१० | ३४५ | ७४५ | १,१७४ |
| राष्ट्रिय राजमार्ग (नयाँ ट्याक निर्माण) | कि.मि. | ६३ | १५० | ४०० | ४०० | ३०० |
| राष्ट्रिय राजमार्ग पुनर्स्थापना तथा पुनर्निर्माण | कि.मि. | २७० | ३०० | २२५ | २५० | २५० |
| राष्ट्रिय राजमार्ग आवधिक मर्मत सम्भार | कि.मि. | ३६० | ५०० | ७५० | ७७५ | ८०० |
| राष्ट्रिय राजमार्ग नियमित मर्मत सम्भार | कि.मि. | ७,२०० | ७,१८७ | ७,२०० | ७,२२५ | ७,२५० |
| रेलमार्ग स्तरोन्नति (नयाँ ट्रयाक निर्माण) | कि.मि. | ४८ | ६० | १९० | २६० | ३४८ |
| सडक पुल निर्माण | वटा | २१० | २५५ | ३०० | ३५० | ३५० |
| नयाँ सडक निर्माण | कि.मि. | १४६५ | १८०० | २२०० | २६०० | २९०० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | १,५६७,२८४ | १०१,७६५ | १,४६०,५१९ | ५,००० | ६९३,११२ | ३६,५६९ | ८३७,६०३ |
| २०७९/८० | १,८९५,१०५ | १०६,९६७ | १,७८३,१३८ | ५,००० | १,१५३,७५५ | २०,२०० | ७२१,१५० |
| २०८०/८१ | २,०२६,८८६ | १११,२०७ | १,९१०,६७९ | ५,००० | १,३६८,३९५ | २०,८१४ | ६३७,६७७ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरणः- ब.उ.शी.नं., कार्यक्रम/आयोजनाको नाम, उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३३७०१०१७ | प्रदेश राजधानी जोड्ने राजमार्ग स्तरोन्नति कार्यक्रम | १ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७८/७९- एकिन नभएको | एकिन नभएको | २५० कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भई कालोपत्रे भएको हुने। |
| ३३७०१०१८ | अरुण कोरिडोर | १ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७८/७९ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | ७० कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भई कालोपत्रे भएको हुने। |
| ३३७०१०१९ | बुटवल लिंकरोड (वाईपास) | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७८/७९ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भई कालोपत्रे भएको हुने। |
| ३३७०११०१ | सगरमाथा लोकमार्ग (गाईघाट-दिक्तेल खण्ड) | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०५१/५२ - २०७९/८० | ३४६४८ | १०१ कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भई कालोपत्रे भएको हुने। |
| ३३७०११०२ | सूर्यविनायक धुलिखेल , धुलिखेल सिन्धुली-बर्दिबास सडक | १,२,३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०५२/५३ - २०७५/७६ | २११७०० | १६० कि.मि. सडक निर्माण भएको हुने। |
| | काठमाडौं-भक्तपुर-धुलिखेल सडक विस्तार | | | २०६४/६५- २०७९/८० | हाल यकिन नभएको | २४ कि.मि. सडक सुदृढीकरण एवम् विस्तार, २३ वटा आकाशे पुल निर्माण, १७ कि.मि. सर्भिस रोड निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०११०३ | महाकाली करिडोर (ब्रम्हदेव-झुलाघाट- दार्चुला- टिंकर), दार्चुला टिंकर सडक योजना | २,३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६५/६६ - २०७९/८० | १८१६०० | कञ्चनपुरको ब्रम्हदेव देखि दार्चुलाको टिंकरसम्म ४२५ कि.मि. कालोपत्रे सडक निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०११०४ | कान्ति लोकपथ | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६४/६५ - २०८०/८१ | ३३३०० | ७९ कि.मि. सडक निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०११०५ | गंगटे समुन्द्रटार गल्फुभन्ज्याङ सडक | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०४८/४९ - एकिन नभएको | १६६०० | ४३.५ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३३७०११०६ | सालझण्डी - सन्धीखर्क ढोरपाटन सडक, अर्घाखांची -बागलुङ | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६५/६६ - एकिन नभएको | ६५००० | १९६ कि.मि. सडक निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०११०७ | दमक चिसापानी सडक | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०५९/६० - २०७८/७९ | २४००० | ४४ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११०८ | मदन भण्डारी राजमार्ग (झापाको बाहुनडाँगी देखि पश्चिम डडेल्धुराको रुपाल सम्म) | १,३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७५/७६ - २०८१/८२ | ७५०००० | १,२५० कि.मि. सडक दुई लेनमा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११०९ | गल्छी-बेत्रावती-मैलुङ-स्याफ्रुवेशी - रसुवागढी सडक | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७२/७३ - २०८०/८१ | १५५००० (मुआब्जा सहित) | ८२ कि.मि. सडक डेडिकेटेड डबल लेनमा निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०१११० | टनकपुर लिंक सडक | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०५९/६० - २०७७/७८ | ६००० | १२ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०१११११ | सडक सुधार आयोजना | १,२,३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६३/६४ - २०७९/८० | नखुल्ने | |
| | लामोसाँघु-मुडे-चरिकोट सडक | | | २०७२/ ७३ - २०७७/७८ | १५३०० | ५५ कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | बालाजु-रानीपौवा-ककनी-त्रिशुली सडक | | | २०७१/७२ - २०७७/७८ | १२८०० | ५६ कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | बल्खु-दक्षिणकाली सडक | | | २०७२/७३ - २०७६/७७ | ३९४४ | ११.९३ कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | भक्तपुर-नगरकोट-सिपाघाट सडक | | | २०७१/७२ - २०७७/७८ | ५६२४ | १५.६६ कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | जनकपुर परिक्रमा सडक | | | २०७१/७२ - | १८२०० | ९९ कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७७/७८ | | भएको हुने। |
| | LOC-III अन्तर्गतका १२ वटा सडकहरू | | | २०७२/७३ - २०७९/८० | नखुल्ने | LOC-III अन्तर्गतका १२ वटा सडक (७७९.२८ कि.मि.) स्तरोन्नति र थप भएका ३ वटा सडकको (७८ कि.मि.) स्तरोन्नतिका लागि ठेक्का व्यवस्थापन भएको हुने। |
| | भेंडेटार-रवि-रांके सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | ३७००० | १००.४ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | लामोसाँघु-तामाकोशी-जिरी (चरिकोट-जिरी खण्ड) सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | १९००० | ५५.४४ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | सेलेघाट-रामेछाप-साँघुटार सडक | | | २०७६/७७ - २०८०/८१ | १८००० | ४९.८१ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | गैंडाकोट-रामपुर-राम्दी (पिपलडाँडा) सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | ४८३०० | १३१.७ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | लमही-घोराही -तुलसीपुर सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | १४४०० | ४६.५ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | भालुबाङ-बाघडुला-भिमगीट्टे सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | ३०००० | ७३.६ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | सहजपुर-बोगटान-दिपायल सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | १८८०० | ५०.०२ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | बर्दिबास-जलेश्वर सडक, जलेश्वर, राजविराज, सिराहा शहरी सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | २०३०० | ८९ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | गण्डक नहर सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | १०७०० | ६२ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | बसन्तपुर-कटाहारीया-कवाहिगोठ-पीप्रादी-पदम सडक र मलंगवा शहरी सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | ९२०० | ४४ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | गुलरिया-म.रा.मा. सडक र नेपालगञ्ज शहरी सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | १११०० | ४८.०४ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | चन्द्रौटा -कृष्णनगर सडक र कृष्णनगर शहरी सडक | | | २०७५/७६ - २०७९/८० | ८२५५ | २८ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। |
| | सहजपुर-बोक्टान, पन्थडिही-कटहरे-हर्मी-साहिलटार सडक, रामायण सर्किट मुझेलिया-धनुषाधाम-धारापानी | | | २०७६/७७ - २०८०/८१ | नखुल्ने | ७८ कि.मि. सडक स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे भएको हुने। |
| ३३७०१११२ | ११ किलो छेपेटार सडक आयोजना | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६४/६५- २०७६/७७ | १३६०० | ४८.६ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०१११३ | शहिद मार्ग सडक योजना (घोराही-होलेरी-नुवागाउँ-तिला-घर्तिगाउँ-थवाङ-काँकुरी-मैकोटदुनै डोल्पा) (जिल्लाः दाङ, रोल्पा, पूर्वी रुकुम, डोल्पा) | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६४/६५ - २०८४/८५ | ११४५०० | १८८.५ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०१११४ | पुष्पलाल (मध्य पहाडी) राजमार्ग आयोजना | १,२,३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६४/६५ - २०७९/८० | ८४३३०० | १,८७९ कि.मि. सडक दुई लेनमा स्तरोन्नति (कालोपत्रे) भएको हुने। |
| ३३७०१११५ | रुपौडिया-नेपालगंज-सुर्खेत-दैलेख बजार-महाबुलेक-गाल्जे-भात्तडी, रतडा-नारमा गमगढी-नाक्चेलारना सडक | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७०/७१ - | एकिन नभएको | नारमा-गमगढी, मुगु ९३ कि.मि. सडक निर्माण भएको हुने।<br>वर्षैभरि सवारी साधन चल्ने गरी मर्मत सम्भार भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३३७०१११६ | भेरी करिडोर (जाजरकोट-दुनै-मरिम-तिन्जे-धो सडक), डोल्पा | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६४/६५ - २०७९/८० | | दुनै-मरिम-तिन्जे-धो सडक (डोल्पा) ११० कि.मि. सडक निर्माण भएको हुने। |
| | | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | | एकिन नभएको | जाजरकोट-दुनै (डोल्पा) ११८ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०१११७ | सडक क्षेत्र विकास आयोजना | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७३/७४ - २०७८/७९ | ५२९०० | करिब ६८५ कि.मि. सडक खण्डमा ३१ वटा पुल निर्माण, १६ कि.मि. सडक स्तरोन्नति, ९ वटा ठूला पहिरो सहित अन्य पहिरोहरूको पुर्नस्थापना कार्य भएको हुने।<br>सडक सुरक्षा सम्बन्धी अध्ययन, ३० थान ५० मि. लम्बाई भएका मोडुलर स्टि ब्रिज खरिद कार्य, ८ किसिमका हेबी इक्यूपमेन्ट खरिद कार्य भएको हुने। |
| ३३७०१११८ | उत्तर दक्षिण राजमार्ग (कर्णाली, कालीगण्डकी र कोशी) | ३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६५/६६ - एकिन नभएको | नखुल्ने | |
| | उत्तर दक्षिण लोकमार्ग (कर्णाली) | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६५/६६ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | २६९ कि.मि. ट्र्याक निर्माण भएको हुने। |
| | उत्तर दक्षिण लोकमार्ग (कालीगण्डकी कोरिडोर)<br>(दक्षिण खण्ड- गैंडाकोट- राम्दी-मालढुङ्गा)<br>उत्तरखण्ड (मालढुङ्गा-बेनी- जोमसोम-कोरला) | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६५/६६ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | गैंडाकोट-पिपलडाँडा-रानीघाट-अर्गली-रिडी-रुद्रवेनी-हर्मीचौर-पुर्तिघाट-बाग्लुङ बजार खण्डको २४५ कि.मि. ट्र्याक निर्माण एवम् स्तरोन्नत्ति भएको हुने। |
| | | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार | २०७३/७४ - | ९७५०० | मालढुंगा-बेनी-जोमसोम-कोरला सडक खण्डको १९९ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा निर्माण |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | तथा सघन अन्तरआवद्धता | एकिन नभएको | | भएको हुने। |
| | | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६५/६६ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | मिर्मि-सेती-बेनी-फलेवास-कुश्मा खण्ड ५३ कि.मि. सडक निर्माण भएको हुने। |
| | उत्तर दक्षिण लोकमार्ग (कोशीः वसन्तपुर (खाँदवारी) देखि किमाथाङ्का) | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६५/६६ - २०७९/८० | १६२००० | खाँदबारी- किमाथाङ्का १६२ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०१११९ | बेनिघाट आरुघाट लार्केभञ्याङ | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६५/०६६ - २०८०/८१ | १२००० | १५७ कि.मि. सडक निर्माण/ स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११२० | काठमाडौं उपत्यका सडक विस्तार आयोजना | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | ०६०/०६१ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | काठमाडौं जिल्ला भित्र करिब ४०० कि.मि. सडक एवम् २ वटा पुलको निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०११२१ | डुम्रे बेशीशहर -चामे-मनाङ | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०५०/५१ - एकिन नभएको | १५०००० | १०७ कि.मि. सडक निर्माण/स्तरोन्नति |
| ३३७०११२२ | स्थानीय सडक पुल निर्माण | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६८/६९ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | निर्माणाधीन १,१३७ वटा पुल निर्माण सम्पन्न भएको हुने। |
| ३३७०११२३ | रणनीतिक सडक तथा पुलहरूको विस्तृत संभाव्यता अध्ययन | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | सालवसाली | | राष्ट्रिय राजमार्ग र साविकका सहायक मार्गहरूमा पर्ने खोलामा पुलहरूको विस्तृत सभाव्यता अध्ययन भएको हुने। |
| ३३७३१०११ | सडक बोर्ड<br>क) सामरिक सडकको आवधिक मर्मत<br>ख) विभिन्न सडकको नियमित, पटके र अन्य मर्मत संभार | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६०/६१ - एकिन नभएको | | सामरिक सडकका आवधिक मर्मत, राजमार्ग तथा सहायक मार्गहरूमा मुख्यतः नियमित, पटके र आकस्मिक मर्मत सम्भार कार्य गरी सञ्चालन योग्य भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | ग) सामरिक सडकको पुनर्स्थापना र पुनर्निर्माण | | | | | |
| ३३७०११२४ | काठमाडौं बाहिरी चक्रपथ विकास आयोजना | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७३/७४ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | काठमाडौं उपत्यकामा ७२ कि.मि. बाहिरी चक्रपथ निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११२५ | महाकाली पुल निर्माण आयोजना | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७३/७४ - २०७७/७८ | ३२८०० | ८०० मि. लामो ४ लेनको पुल तथा ७.८ कि.मि. पहुँच मार्ग निर्माण र ३० मिटर स्पानको माइनर ब्रिज, २ वटा ४ लेनका पुल निर्माण भएको |
| ३३७०११२६ | सेती लोकमार्ग (टिकापुर-लोडे-चैनपुर-ताक्लाकोट) दक्षिण खण्ड | ३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६६/६७ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | २४२ कि.मि. सडक निर्माण भएको हुने। |
| | सेती लोकमार्ग (टिकापुर-लोडे-चैनपुर-ताक्लाकोट) उत्तर खण्ड | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६८/६९ - एकिन नभएको | ८५००० | ११७ कि.मि. सडक निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०११२७ | चेपाङ मार्ग (ठोरी-भण्डारा-लोथर-मलेखु) | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६६/६७ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | ६९ कि.मि. सडक निर्माण/ स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११२८ | हुलाकी राजमार्ग आयोजना | १,३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६७/६८ - २०७९/८० | ६५२००० | १,८५७ कि.मि. कालोपत्रे सडक र सो सडक खण्डमा पर्ने पुलहरू (२१९ वटा) को निर्माण कार्य सम्पन्न भएको हुने। |
| | जनकपुर-जलेश्वर-भिट्टामोड सडक | | | | | १८.७५ कि.मि.सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | नवलपुर-मलंगवा सडक | | | | | २६.५९ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | नयाँरोड-बरहथवा-मधुवनी सडक | | | | | ४१ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कदमचौक-कपतौल-तिनकौडिया-कमला सडक | | | | | ३०.५८ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | बलान-कमला सडक | | | | | २९ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | बाँके-संग्रामपुर सडक | | | | | २२.४८ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | जनकपुर-बसबिटी-बलवा-हार्दी-पोखरभिण्ड-संग्रामपुर सडक | | | | | २२.२ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | फुलजोर त्रिभुवननगर सडक | | | | | २१.२ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | यदुकुहा-खजुरी-महुवा सडक | | | | | ९.८ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | जमदह-लगडी-गदियानी सडक | | | | | २७ कि.मि. सडक निर्माण सुधार कालोपत्रे भएको हुने। |
| | विरेन्द्र बजार-यदुकूहा-महिनाथपुर सडक | | | | | ३२.३५ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | जलेश्वर-हर्दि सडक | | | | | २७.२ कि.मि.सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | जनकपुर-यदुकूहा सडक | | | | | १६ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | तौलिहवा- बहादुरगंज- झिन्गाहा-झुलानिय- दत्तपुर- कटुवा- पिपरिया बजार- गुगौल -भगवानपुर- तुरन्तपुर | | | | | ५०.५ कि.मि. कालोपत्रे सडक निर्माण तथा सो अन्तर्गत पर्ने १७०.८२ मि. पुल निर्माण भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | सडक, कपिलवस्तु | | | | | |
| | म.रा.मा. (खरेन्द्रपुर)- शितलापुर-भिल्मी सडक, कपिलवस्तु | | | | | १८ कि.मि. कालोपत्रे सडक निर्माण तथा ४१.२ मि. पुल निर्माण भएको हुने। |
| | म.रा.मा. (जीतपुर) - तौलिहवा सडक सर्भिस लेन निर्माण, कपिलवस्तु | | | | | ६.३ कि.मि. सर्भिस लेन निर्माण भएको हुने। |
| | परासी- नारायण चोक- गोपिगंज-त्रिवेणी सडक, नवलपरासी | | | | | २७.७७ कि.मि. कालोपत्रे सडक निर्माण भएको हुने। |
| | कठाहावा - त्रिवेणी सडक, नवलपरासी | | | | | ९.१८ कि.मि. कालोपत्रे सडक निर्माण भएको हुने। |
| | सती-भजनी-धनगढी सडक, कैलाली | | | | | ४ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | लम्की-टिकापुर-खक्रौला सडक, कैलाली | | | | | २९ कि.मि. सडक स्तरोन्नति गरि कालोपत्रे भएको हुने। |
| | मोहना पुल डोकेबजार बेलौरी बेलडांगी दैजी सडक | | | | | ६२ कि.मि.. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | क्याम्पस चोक देखि मोहना पुल सम्मको बाइपास सडक, धनगढी | | | | | ६.५ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति गरिने |
| | पूर्व-पश्चिम राजमार्ग (तामागढी-सिमरौनगढ सडक, बारा) | | | | | ४० कि.मि.सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | पूर्व-पश्चिम राजमार्ग मानवत-कलैया-मटीअर्वा सडक, बारा | | | | | २७ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | त्रिभुवन राजपथ (विरगंज- ठोरी हुलाकी सडक सडक, पर्सा) | | | | | ५३ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | वरीयारपुर पटेर्वा अरुवा सडक, बारा | | | | | १५.९८५ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | बागमती (बहरहवा)-फतुवा-महेशपुर-अरुवा, रौतहट | | | | | १९.११ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | अरुवा-(कचोर्वा)- कलैया-बारा जिल्ला सिमा, बारा, | | | | | १९.९६० कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | गढीमाई-बरियारपुर-कोहवी सडक, बारा | | | | | १०.६ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | भरतपुर-माडी-ठोरी (देबेन्द्रपुर देखि बगई बस पार्क खण्ड) सडक, चितवन | | | | | ७.७ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | राजविराज-कुनौली सडक | | | | | १२ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | भारदह-कन्चनपुर-राजबिराज-बलान,सप्तरी | | | | | ४६ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | म.रा.मा. कठौना-पातो सडक, सप्तरी | | | | | १८ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | म.रा.मा. चारआली-चन्द्रगढी-केचना सडक (मेची राजमार्ग), झापा | | | | | ४० कि.मि.सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | मेची-रतुवा सडक, झापा | | | | | ४८ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | रतुवा-केशलिया सडक, मोरङ | | | | | ४२ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | केशलिया-चिमडी-लौकही-फुलचोकी सडक, सुनसरी | | | | | २७ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | गान्धी मनमोहन मार्ग (पथरी बजार देखि भारतीय सिमा सम्म) | | | | | ३० कि. मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | सहिद चौक-भिमपुर-देवानगंज सडक, सुनसरी, ८.५ कि.मि. | | | | | ८.५ कि. मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | नेपालगंज-बघौडा सडक, बाँके | | | | | ४४ कि.मि. सडक निर्माण भएको हुने। |
| | पूर्व-पश्चिम राजमार्ग भुरिगाउँ-गुलरिया-मुर्तिया सडक, बर्दिया | | | | | ३६ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | गोठुवा-खुम्बर- बेतहनी सडक, बाँके | | | | | २० कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | कल्यांकोट-गढ़ावा-राजपुर सडक, दाङ | | | | | ४० कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | पूर्व-पश्चिम राजमार्ग लमही-कोइलावास सडक | | | | | ३४ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | भरतपुर-माढी-ठोरी हुलाकी सडक, चितवन | | | | | १७ कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | विभिन्न सडक तथा पुलहरूको बहुवर्षीय ठेक्कापट्टा व्यवस्थापन गर्ने | | | | | १०० कि.मि. सडक निर्माण एवम् स्तरोन्नति तथा ३० वटा पुलको निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०११२९ | उपक्षेत्रीय यातायात अभिवृद्धि आयोजना | १,२ | | २०६७/६८ - २०७४/७५ | ५५४०० | २१६ कि.मि. सडक स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११३० | व्यापारिक मार्ग विस्तार आयोजना | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार | २०६८/६९ - | | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | तथा सघन अन्तरआवद्धता | एकिन नभएको | | |
| | रानी विराटनगर ईटहरी धरान सडक | | | २०७२/७३ - २०७७/७८ | ११००००० | ४९ कि.मि. सडक ६ लेनमा विस्तार भएको हुने। |
| | विरगंज पथलैया सडक | | | २०७२/७३ | ५५००० | २७ कि.मि. सडक ६ लेनमा विस्तार भएको हुने। |
| | वेलहिया-बुटवल सडक | | | २०७१/७२- २०७७/७८ | ५८६०० | २७.५ कि.मि. सडक ६ लेनमा विस्तार भएको हुने। |
| | जटही-जनकपुर-ढल्केवर सडक | | | २०७१/७२ | ६७५०० | ४० कि.मि. सडक स्तरोन्नति भएको हुने। |
| | महाकाली राजमार्गको मोहनापुल-अतरिया खण्ड, कैलाली | | | २०७१/७२- २०७७/७८ | २०००० | १०.२९ कि.मि. सडक ६ लेनमा विस्तार ३.९१ कि.मि. ४ लेनमा विस्तार भएको हुने। |
| | चन्द्रनिगाहपुर गौर सडक | | | २०७७/७८ - २०८०/८१ | एकिन नभएको | ४४ कि.मि. सडक ४ लेनमा विस्तार भएको हुने। |
| ३३७०११३१ | यातायात आयोजना तयारी सहयोग | १,२,३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६८/६९ - २०७६/७७ | ६२०० | करिब १,०५० कि.मि. सडक तथा ८४ वटा पुलको विस्तृत सर्वेक्षण तथा डिजाइन भएको हुने। |
| ३३७०११३२ | रणनीतिक सडक पुल निर्माण तथा पुल पुलेसा संरक्षण | १,२,३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | सालवसाली | | ४५२ वटा निर्माणाधीन पुल सम्पन्न भएको हुने। |
| ३३७०११३३ | सासेक रोड कनेक्टिभिटि प्रोजेक्ट | २,३ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०६९/७० - २०७४/७५ | ७२२०० | १८८ कि.मि. सडक स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११३४ | चक्रपथ सडक विस्तार आयोजना | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७०/७१ - २०७९/८० | | ८ लेनमा सडक विस्तार भएको हुने। |
| ३३७०११३५ | नेपाल भारत क्षेत्रीय व्यापार तथा | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार | २०७०/७१ - | ५३००० | ३३.२ कि.मि. सडक खण्ड एसियन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | यातायात आयोजना मुग्लिङ-नारायणगढ खण्ड सडक | | तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७७/७८ | | राजमार्गको मापदण्डमा २ लेनमा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११३६ | सडक तथा ट्राफिक सुरक्षा (सडक सुरक्षा सहयोग आयोजना) | १ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७०/७१ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | सडक सुरक्षा सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धान एवम् तालिम तथा जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने। सडक सुरक्षाको लागि संरचना निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०११३७ | सडक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७१/७२ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | रणनैतिक दृष्टिकोणले महत्वपूर्ण सडकहरूको निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११३८ | राजमार्ग स्तरोन्नति तथा पुनर्स्थापना कार्यक्रम | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७५/७६- एकिन नभएको | एकिन नभएको | ८० वटा राष्ट्रिय राजमार्ग (१४,९१३ कि. मि.) सडकको स्तरोन्नति तथा पुनर्स्थापना भएको हुने। |
| ३३७०११३९ | नागढुङ्गा सुरुङमार्ग निर्माण आयोजना | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७१/७२ - २०८०/८१ | २२०००० | सिस्नेखोला देखि नागढुंगा सम्म २.६८८ कि.मि. सुरुङमार्ग तथा २.८ कि.मि. एप्रोच सडकको निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०११४० | सासेक सडक सुधार आयोजना | १ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७३/७४- २०८०/८१ | २५६५०० | भैरहवा-लुम्बिनी-तौलिहवा (४२ कि.मि.) र नारायणघाट-बुटवल (११४ कि.मि.) सडक स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११४१ | मनाङ-मुस्ताङ-डोल्पा-जुम्ला सडक | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७३/७४ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | करिब ५३२ कि.मि. सडक निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११४२ | स्वर्ण सगरमाथा वृहत चक्रपथ (ओखलढुंगा-सोलु सल्लेरी- खोटाङ दिक्तेल-ओखलढुंगा) | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७३/७४- एकिन नभएको | एकिन नभएको | १३५ कि.मि. सडक निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११४३ | तराइ मधेस सडक पुर्वाधार विशेष | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार | २०७३/७४- एकिन | एकिन नभएको | तराइका रणनैतिक दृष्टिकोणले महत्वपूर्ण |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कार्यक्रम | | तथा सघन अन्तरआवद्धता | नभएको | | सडकको निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११४४ | साँघुटार- ओखलढुङ्गा- कुइभिर सडक | २ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७३/७४- एकिन नभएको | एकिन नभएको | ९४ कि.मि. सडक निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११४५ | सासेक राजमार्ग सुधार आयोजना | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७५/७६ - २०८४/८५ | २४६००० | ८७ कि.मि.सडक लेनमा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११४६ | दोस्रो पुल सुधार तथा संभार आयोजना | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७५/७६ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | पुल निर्माण/डिजाइन सम्बन्धी क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने।<br>१० वटा सिग्नेचर ब्रिजको डिजाइन भएको हुने। |
| ३३७०११६७ | क्षेत्रीय व्यापारिक मार्ग विस्तार आयोजना | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | | | |
| | १. नागढुंगा-नौबिसे- मुग्लिङ सडक | १,२ | | २०७७/७८ - २०८५/८६ | २००००० | ९५ कि.मि. सडक २ लेनको मापदण्डमा निर्माण तथा स्तरोन्नति भएको हुने।<br>शहरी क्षेत्रमा सर्भिस लेन तथा आवश्यकताको आधारमा भारी सवारी साधनहरूको लागि क्लाइम्बिङ लेन समेत निर्माण भएको हुने।<br>यस खण्डमा पर्ने नदीमा २१ वटा २ लेन मापदण्डका पुलहरूको निर्माण तथा हाल भएका पूलको मर्मतसम्भार भएको हुने। |
| | २. कमला-ढल्केवर-पथलैया सडक | १,२ | | २०७७/७८ - २०८७/८८ | ५१५००० | १३० कि.मि. सडक चार लेनमा विस्तार एवम् स्तरोन्नति भएको हुने।<br>सो खण्डमा पर्ने ७६ नयाँ पुलको निर्माण भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३३७०११६८ | सुरुङमार्ग विकास कार्यक्रम | १,२ | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७८/७९ - २०८३/८४ | १०१५०० | सिद्धबाबा सुरुङमार्ग निर्माण भएको हुने। लामाबगर सुरुङमार्ग निर्माण भएको हुने। विभिन्न सुरुङ मार्गहरूको अध्ययन कार्य भएको हुने। |
| ३३७०११६९ | वैकल्पिक सहायक राजमार्ग विकास कार्यक्रम | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७६/७७ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | |
| ३३७०११७० | सासेक राजमार्ग सुधार आयोजना दोस्रो चरण | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७६/७७- एकिन नभएको | एकिन नभएको | मुग्लिङ- पोखरा सडक ४ लेनमा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११७१ | काकरभिट्टा इनरुवा, पथलैया नारायणघाट खण्ड | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७७/७८- एकिन नभएको | एकिन नभएको | काकरभिट्टा-इनरुवा-लौकही सडक खण्ड १६२ कि.मि. सडक निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। पथलैया-नारायणघाट सडक खण्ड १०६ कि.मि. सडक निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११७२ | मिर्चैया-कटारी-घुर्मी | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७७/७८-एकिन नभएको | एकिन नभएको | ७० कि.मि. सडक निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११७३ | सूर्यविनायक-धुलिखेल र कोटेश्वर-बानेश्वर-त्रिपुरेश्वर सडक आयोजना | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७७/७८ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | कोटेश्वर, बानेश्वर, त्रिपुरेश्वरमा अन्डरपास/फ्लाइ ओभर निर्माण भएको हुने। सूर्यविनायक धुलिखेल सडक ४ लेनमा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११७४ | चतरा-मुलघाट-माझीटार-दोभान-ओलाङचुङगोला (तमोर करिडोर) | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७७/७८ - २०८४/८५ | एकिन नभएको | २६९ कि.मि. सडक निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७०११७५ | केचना-कंचनजंघा (मेची करिडोर) | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआवद्धता | २०७७/७८ - एकिन नभएको | एकिन नभएको | २३२ कि.मि. सडक निर्माण/स्तरोन्नति भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३३७०११७६ | निर्वाचन क्षेत्र रणनैतिक सडक | | सर्वसुलभ आधुनिक पूर्वाधार तथा सघन अन्तरआबद्धता उपलब्ध गराउने | २०७७/७८ - २०८०/८१ | ५७०० | १६५ वटा निर्वाचन क्षेत्रको करिब २,२०० कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भएको हुने। |
| ३३७००११२ | नेपाल पानीजहाज कार्यालय | १,२,३ | जलयान संचालन सम्बन्धी आवश्यक कानूनी व्यवस्थापन, अनुगमन तथा नियमन | २०७५/७६ सालबसाली | | आवश्यक ऐन नियम कार्यविधि निर्देशिका तर्जुमा भएको हुने।<br>सम्बन्धित कानून, सुरक्षा, वातावरणीय मापदण्ड तथा पूर्वाधार सम्बन्धमा व्यवसायी, कर्मचारी, आमजनता तथा अन्य सरोकारवाला सुसूचित भएका हुने।<br>जलयानहरूको दर्ता, आवधिक अनुगमन मूल्यांकन भएको हुने। |
| ३३७०२१०१ | रेल मोनोरेल तथा मेट्रोरेल विकास आयोजना | १,२,३ | रेलमार्ग तथा मेट्रोरेलको अध्ययन तथा निर्माण | २०६५/६६ - एकिन नभएको | ९५५ अर्ब | पूर्व-पश्चिम रेलमार्ग र सोको लिंक, काठमाडौं - पोखरा रेलमार्ग, काठमाडौं - वीरगंज रेलमार्ग लगायात अन्य रेलमार्ग एवम् मुख्य-मुख्य सहरहरूमा मेट्रोरेलको अध्ययन तथा निर्माण भएको हुने। |
| ३३७०३०११ | यातायात व्यवस्था विभाग | १,२,३,४ | समन्वय, यातायात सम्बन्धी कार्यविधि कार्यान्वयन, | सालवसाली | | प्रादेशिक समन्वय, यातायात सम्बन्धी नयाँ कार्यविधिहरू कार्यान्वयन भएको हुने।<br>यातायात व्यवस्थापन क्षेत्रमा आवश्यक समन्वय, निर्देशन, नियमन, नयाँ प्रणालीको स्थापना भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३७०१०१७ | प्रदेश राजधानी जोड्ने राजमार्ग स्तरोन्नति कार्यक्रम | २०७८/७९ मा सुरू हुने। | ५० कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भई कालोपत्र भएको हुने। | |
| ३३७०१०१८ | अरुण कोरिडोर | २०७८/७९ मा सुरू हुने। | २६ कि.मि. सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भई कालोपत्र भएको हुने। | |
| ३३७०१०१९ | बुटवल लिंकरोड (वाईपास) | २०७८/७९मा सुरू हुने। | | |
| ३३७०११०१ | सगरमाथा लोकमार्ग (गाईघाट-दिक्तेल खण्ड) | ४० कि. मि. सडक कालोपत्रे, २७ कि.मि. सडक ग्राभेल र ३४ कि.मि. माटे सडक निर्माण सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी १०१ कि.मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | सुनकोशी नदी माथि नियमित बेलिब्रिज संचालन, टेवा पर्खाल तथा नाली निर्माण गरी ३० कि.मि. सडक गाईघाट दिक्तेल (माहुरे) सडक खण्ड कालोपत्रे गर्ने। |
| ३३७०११०२ | सूर्यविनायक धुलिखेल , धुलिखेल सिन्धुली-बर्दिबास सडक | १६० कि.मि. सडक खण्ड कालोपत्रे भएको।<br>बर्दिवास-सिन्धुली सडक खण्ड (४४ कि.मि.) र नेपालथोक-धुलिखेल सडक खण्ड (५२ कि.मि.) २ लेन स्तरमा चौडा गर्न डिटेल सर्भे र डिजाइन भइरहेको। | १६० कि.मि. सडकमा Asphalt Overlay गरी सडक दुरुस्त अवस्थामा राखिएको हुने। | धुलिखेल सिन्धुली बर्दिबास सडक १६० कि.मि. को विभिन्न खण्डको गरी ४० कि.मि., Asphalt Overlay गर्ने। |
| | काठमाडौं-भक्तपुर-धुलिखेल सडक विस्तार | ९.१ कि.मि. सडक निर्माण तथा ९ कि.मि. सर्भिस सडकमा कालोपत्रे कार्य सम्पन्न भएको। | सूर्यविनायक धुलिखेल खण्डको विस्तार कार्य सुरु भएको हुने। | सूर्यविनायक देखि धुलिखेल सम्मको सडक विस्तारको लागि जग्गा अधिग्रहण एवम् सर्वे डिजाइनको कार्य गर्ने। |
| ३३७०११०३ | महाकाली करिडोर (ब्रम्हदेव-झुलाघाट- | सदरमुकाम खलङ्गा देखि ४३ कि.मि. तुसारपानी सम्म सडकको ट्र्याक | १०० कि.मि. सडक ट्र्याक खुल्नुका साथै १०० कि.मि. सडक ग्राभेल | खलङ्गा-सुनसेरा तथा बेत-उकु-सलेती सडक |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | दार्चुला- टिंकर), दार्चुला टिंकर सडक योजना | खोल्ने कार्य सम्पन्न भएको।<br>तुषारपानी -कोठेधार ४ कि.मि. सडकको ट्र्याक खोल्ने कार्य भइरहेको, डडेल्धुरा, बैतडी तथा दार्चुला जिल्लामा १६० कि.मि. कच्ची सडक निर्माण भएको। | भएको हुने।<br>५ वटा पुल निर्माण भएको हुने। | कालोपत्रेको प्रक्रिया अघि बढाउने,<br>दार्चुला, बैतडी, डडेल्धुरा तथा कञ्चनपुर जिल्लामा ३० कि.मि. नयाँ ट्र्याक खोल्ने र थप ५७ कि.मि.नयाँ ट्र्याक खोल्न ठेक्का प्रक्रिया अघि बढाउने,<br>कोठेधार-टिंकर सडकको ८७ कि.मि. सडक नेपाली सेनामार्फत ट्र्याक खोल्ने कार्य अघि बढाउने,<br>थप ६ पुलको निर्माण प्रक्रिया थालनी गर्ने। |
| ३३७०११०४ | कान्ति लोकपथ | ६४ कि.मि. सडक कालोपत्रे, ४.५ कि.मि. बेस, १०.५ कि.मि. ग्राभेल भएको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण खण्ड, ७९ कि.मि. कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ७ कि.मि., सडकको पक्की ढलान (Rigid Pavement) गर्ने। |
| ३३७०११०५ | गंगटे समुन्द्रटार गल्फुभन्ज्याङ सडक | ४३.५ कि.मि. ट्र्याक खोलिएको, २४ कि.मि. कालोपत्रे भएको, २४ कि.मि. ग्राभेल भएको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी ४३.५ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। | ५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने।<br>७ कि.मि. सडकको स्तरोन्नति, चौडा पार्ने, मोड सुधार, टेवा पर्खाल निर्माण गर्ने। |
| ३३७०११०६ | सालझण्डी - सन्धीखर्क ढोरपाटन सडक, अर्घाखांची -बागलुङ | १९६ कि.मि. ट्र्याक खुलेको, ७ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको।<br>६ वटा पुल निर्माण भएको, ८० कि.मि. ग्रावेल भएको, २२.५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्न ठेक्का व्यवस्थापन भएको। | ८० कि.मि. थप सडक कालोपत्रे भएको हुने। | टेवा पर्खाल तथा नाली निर्माण, १३.५ कि. मि. सडकमा सब बेस कार्य गरी ९ कि.मि. कालोपत्रे गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३७०११०७ | दमक चिसापानी सडक | ३ कि.मि. कालोपत्रे भएको।<br>३ कि.मि. सब बेस कार्य सम्पन्न भएको।<br>१८ कि.मि. ब्याकटिङ्ग कार्य, टेवा पर्खाल, नाला, हिमपाइप, ग्यावियन कार्यहरू भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण खण्ड, ४४ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। | २८ कि.मि. कालोपत्रे सम्मको कार्य गर्ने। |
| ३३७०११०८ | मदन भण्डारी राजमार्ग (झापाको बाहुनडाँगी देखि पश्चिम डडेल्धुराको रुपाल सम्म) | २८७ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको, ७४ वटा पुल निर्माण भएको। | थप ३०० कि.मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ४० कि.मि. कालोपत्रे सम्पन्न गर्ने।<br>१० वटा पुल निर्माण सम्पन्न गर्ने र बाँकी खण्डहरूको ठेक्का व्यवस्थापन गरी स्तरोन्नतिको कार्य गर्ने। |
| ३३७०११०९ | गल्छी-बेत्रावती-मैलुङ-स्याफ्रुवेशी -रसुवागढी सडक | गल्छी-त्रिशुली-बेत्रावती-मैलुङ्ग (४६कि.मि.) सडक को २३ कि.मि. सडक डि.बि.एम. र १४ कि.मि. अस्फाल्ट कंक्रिटको कार्य सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ४६ कि.मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | २५ कि.मि. अस्फाल्ट कंक्रिट सहितको दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भई सम्पूर्ण खण्डको निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| | | मैलुंग-स्याफ्रुवेशी खण्डको १९ कि.मि. खण्डमा टेवा पर्खाल, नाली निर्माण कार्य भइरहेको। | १९ कि.मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | १९ कि.मि. मैलुङ्ग-स्याफ्रुवेशी खण्डको १० कि. मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति गर्ने। |
| | | स्याफ्रुवेशी-रसुवागढी १७ कि.मि. सडक खण्ड दुई लेनमा कालोपत्रे गर्नको लागि चीन सरकारबाट निर्माण कार्य सुरु भएको। | १७ कि.मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | चीन सरकारबाट स्तरोन्नतिको कार्य हुने |
| ३३७०१११० | टनकपुर लिंक सडक | १२ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको। | | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३७०१११२ | सडक सुधार तथा विकास आयोजना | | | |
| | लामोसाँघु-मुडे-चरिकोट सडक | नाली तथा पाइप कल्भर्ट र ग्याबियन वाल, टेवा पर्खाल, सबवेश, २५ कि.मि. कालो। पत्रे जस्ता निर्माण कार्य सम्पन्न भएको | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ५५ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ३० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | बालाजु-रानीपौवा-ककनी-त्रिशुली सडक | १० कि.मि. सडकमा सबबेस कार्य एवम् नाली, टेवा पर्खाल आदिको निर्माण कार्य भएको। | बाँकी खण्ड सहित ५६ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | रानीपौवा-त्रिशुली खण्डको नयाँ ठेक्का व्यवस्थापन र बालाजु-रानीपौवा खण्ड सम्पन्न गर्ने। |
| | बल्खु-दक्षिणकाली सडक | १०.९३ कि.मि. सडक कालोपत्रे सम्पन्न एवम् नाली, टेवा पर्खाल आदिको निर्माण भएको। | त्रुटि सच्याउने अवधिमा गर्नुपर्ने केही Outstanding Works सम्पन्न भएको हुने। | त्रुटि सच्याउने अवधिमा गर्नुपर्ने केही Outstanding Works गर्ने। |
| | भक्तपुर-नगरकोट-सिपाघाट सडक | १० कि.मि. सडक कालोपत्रे सम्पन्न एवम् नाली, टेवा पर्खाल आदिको निर्माण कार्य भएको। | त्रुटि सच्याउने अवधिमा गर्नुपर्ने केही Outstanding Works सम्पन्न भएको हुने। | त्रुटि सच्याउने अवधिमा गर्नुपर्ने केही Outstanding Works सम्पन्न गर्ने। |
| | जनकपुर परिक्रमा सडक | ७१ कि.मि. सडक कालोपत्रे सम्पन्न भएको। | त्रुटि सच्याउने अवधिमा गर्नुपर्ने केही Outstanding Works सम्पन्न भएको हुने। | त्रुटि सच्याउने अवधिमा गर्नुपर्ने केही Outstanding Works सम्पन्न गर्ने। |
| | LOC-III अन्तर्गतका १२ वटा सडकहरू | १२ वटा ठेक्का खरिद कार्य भएको। | | ११ वटा ठेक्का सम्झौता भएका सडकमा निर्माण कार्य संचालनमा रहेको र अन्य थप ३ वटा सडकको हकमा ठेक्का व्यवस्थापन गर्ने। |
| | भेंडेटार-रवि-रांके सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन) आदि निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण १००.४ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ४० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | लामोसाँघु-तामाकोशी-जिरी (चरिकोट-जिरी खण्ड) सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन) आदि निर्माण कार्य भइरहेको, १० कि.मि. सबबेस, ६ कि.मि. बेस, ६ कि.मि. कालोपत्रे सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ५५.४४ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | २० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | सेलेघाट-रामेछाप-साँघुटार सडक | ठेक्का खरिद कार्य सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ४९.८१ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | नाली तथा पाइप कल्भर्ट र ग्याबियन वाल, टेवा पर्खाल, सबबेस आदि निर्माण कार्य गर्ने। १५ कि.मि. कालोपत्रे गर्ने। |
| | गैंडाकोट-रामपुर-राम्दी (पिपलडाँडा) सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन) आदि निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण १३१.७ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ८० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | लमही-घोराही -तुलसीपुर सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन) आदि निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ४६.५ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | १४ कि.मि. सडक कालोपत्रे गरिने |
| | भालुबाङ-बाघडुला-भिमगीट्टे सडक | ठेक्का अन्त्य सम्बन्धमा उच्च अदालतमा विचाराधीन अवस्थामा रहेको। | पुनः ठेक्का व्यवस्थापन गरी निर्माण कार्य सम्पन्न भएको हुने। | पुनः ठेक्का व्यवस्थापन गर्ने। |
| | सहजपुर-बोगटान-दिपायल सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन) आदि निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ५०.०२ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | १५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | बर्दिबास-जलेश्वर सडक, जलेश्वर, राजविराज, सिराहा शहरी सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन) आदि निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ८९ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ३५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | गण्डक नहर सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन) आदि निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ६२ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ३५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | बसन्तपुर-कटाहारीया-कवाहिगोठ-पीप्रादी-पदम सडक र मलंगवा शहरी सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन) आदि निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ४४ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | २० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | गुलरिया-म.रा.मा. सडक र नेपालगञ्ज शहरी सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन), सबबेस कार्य आदि निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ४८.०४ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | १२ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | चन्द्रौटा -कृष्णनगर सडक र कृष्णनगर शहरी सडक | ढुंगा माटोको कार्य, नाली, टेवा पर्खाल (मेसिनरी, ग्याबियन) आदि निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण २८ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | १४ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | सहजपुर-बोक्टान, पन्थडिही-कटहरे-हर्मी-साहिलटार सडक, रामायण सर्किट मुझेलिया-धनुषाधाम-धारापानी | विस्तृत सर्वेक्षण तथा डिजाइन कार्य सम्पन्न भई ठेक्का व्यवस्थापनको तयारी भइरहेको। | ठेक्का व्यवस्थापन गरी निर्माण कार्य सम्पन्न भएको हुने। | ठेक्का खरिद कार्य सम्पन्न गरी निर्माण कार्य सुरु गर्ने। |
| ३३७०१११२ | ११ किलो छेपेटार सडक आयोजना | १५ कि.मि. कालोपत्रे, २० कि.मि. ग्राभेल, पुरै ट्र्याकमा यातायात संचालनमा भएको | बाँकी खण्ड कालोपत्रे गरी सम्पूर्ण ४८.६ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | २० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| ३३७०१११३ | शहिद मार्ग सडक योजना (घोराही-होलेरी-नुवागाउँ-तिला-घर्तिगाउँ-थवाङ-काँकुरी-मैकोटदुनै डोल्पा) (जिल्लाः दाङ, रोल्पा, पूर्वी रुकुम, डोल्पा) | २०३ कि.मि. ट्र्याक खोलिएकोमा १२४ कि.मि. ग्राभेल ,३.५ कि.मि. कालोपत्रे भएको | ११ कि.मि. ट्र्याक खोल्ने, १०० कि.मि. ग्राभेल तथा १०० कि.मि. कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | होलेरी-तिला-दारबोट सडक खण्डमा सडक चौडा, टेवा पर्खाल तथा सबबेस निर्माण कार्य, दुईखोली-खरिबोट ११ कि.मि. सडक खण्डमा सडक चौडा तथा टेवा पर्खाल निर्माण कार्य, थवाङ-महत-दुमाही खण्डमा पहिरो नियन्त्रण तथा कालोपत्रे गर्ने। कार्यको ठेक्का व्यवस्थापन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | गरी निर्माण कार्य सुरु गर्ने।<br>दारबोट-घरिगाउँ खण्डमा कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति गर्ने। कार्यको लागि ठेक्का व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य, गर्ने।<br>ट्रयाक खोल्न बाँकी ११ कि.मि. हुकाम-मैकोट खण्डको ट्रयाक खोल्ने कार्य सुरु गर्ने। |
| ३३७०१११४ | पुष्पलाल (मध्य पहाडी) राजमार्ग आयोजना | १,८७९ मध्ये ९६९ कि.मि. कालोपत्रे, १२९ पुल मध्ये ८५ पुल निर्माण भएको | बाँकी खण्ड कालोपत्रे सहित १,८७९ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ३४० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने।<br>१७ वटा पुल निर्माण गर्ने।<br>ठेक्का व्यवस्थापन हुन बाँकी २३६ कि.मि. ठेक्का व्यवस्थापन गरी स्तरोन्नति गर्ने। |
| ३३७०१११५ | रुपौडिया-नेपालगंज-सुर्खेत-दैलेख बजार-महाबुलेक-गाल्जे-भात्तडी, रतडा-नाग्मा गमगढी-नाक्चेलाग्ना सडक | रुपौडिया-नेपालगंज-सुर्खेत-दैलेख बजार-महाबुलेक-गाल्जे-भात्तडी, रतडा-नाग्मा गमगढी-नाक्चेलाग्ना सडक (नाग्मा-गमगढी खण्ड ९३ कि.मि. मध्ये) ७० कि.मि. सडक ग्राभेलिङ स्टाण्डर्डको कार्य सम्पन्न भएको | ९३ कि.मि. मध्ये ६० कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | १८ कि.मि. कालोपत्रे गर्ने। १५ कि.मि. ब्याक कटिङ, १५ कि.मि. ग्राभेल तथा स्ट्रकचरको निर्माण गर्ने। |
| ३३७०१११६ | भेरी करिडोर (जाजरकोट-दुनै-मरिम-तिन्जे-धो सडक), डोल्पा | दुनै-मरिम-तिन्जे-धो सडक (डोल्पा) मा ७३ कि.मि. ट्रयाक निर्माण भएको | सम्पूर्ण खण्ड ट्रयाक निर्माण गरी ६० कि.मि. सडक कालोपत्रे हुने भएको हुने। | दुनै-धो खण्डमा ४७ कि.मि. सडकको लागि ठेक्का व्यवस्थापन गरी ट्रयाक निर्माण, टेवा पर्खाल, क्रसिंग स्टक्चर आदिको कार्य गर्ने। |
| | | जाजरकोट-दुनै (डोल्पा) खण्डमा नेपाली सेनाबाट १०४ कि.मि. ट्रयाक निर्माण भएको, खलंगा-रिम्ना खण्डको १६ कि.मि. सडक कालोपत्रेको लागि ठेक्का व्यवस्थापन भइ निर्माण कार्य भइरहेको। | जाजरकोट-दुनै खण्ड ११८ कि.मि. मध्ये ५० कि.मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | खलंगा-रिम्ना खण्डमा १६ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने।<br>रिम्ना-चिसापानी खण्डमा १२ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने कार्यको ठेक्का व्यवस्थापन गरी निर्माण कार्य अगाडि बढाउने।<br>चिसापानी-तल्लु बगर खण्डमा २८ कि.मि. |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | सडक चौडा गर्ने। कार्य सम्पन्न भई संरचनाको कार्य भइरहेको। | | सडक कालोपत्रे हुने कार्यको ठेक्का व्यवस्थापन गरी निर्माण कार्य सुरू गर्ने। |
| ३३७०१११७ | सडक क्षेत्र विकास आयोजना | पुल किसिमका Heavy Equipments खरिद कार्य र Modular Steel Bridge हरू खरिद कार्य भएको,<br>२४ वटा पुलको निर्माण भएको, ८ कि.मि. सडक स्तरोन्नति एवम् पहिरो नियन्त्रण कार्यहरू सम्पन्न भएको | बाँकी ७ वटा पुलको निर्माण, ८ कि.मि. सडक स्तरोन्नति एवम् पहिरो नियन्त्रण कार्यहरू सम्पन्न भएको हुने। | बाँकी रहेका ७ वटा पुलको निर्माण, ८ कि.मि. सडक स्तरोन्नति एवम् पहिरो नियन्त्रण कार्यहरू गर्ने। |
| ३३७०१११८ | उत्तर दक्षिण राजमार्ग (कर्णाली, कालीगण्डकी र कोशी) | | | |
| | उत्तर दक्षिण लोकमार्ग (कर्णाली) | २६९ कि.मि. मध्ये २५५ कि.मि. ट्र्याक खुलेको (सडक विभाग अन्तर्गत १४६ मध्ये १३२ कि. मि. ट्र्याक खुलेको र नेपाली सेना अन्तर्गत १२३ कि. मि. ट्र्याक निर्माण सम्पन्न अन्तिम चरणमा पुगेको) | | १० कि.मि. ट्र्याक खोल्ने र १० कि.मि. सडकखण्ड (हिल्सा देखि सिमिकोट तिर) चौडाइ गरी ग्राभेल गर्ने।<br>३ वटा पुल निर्माण गर्ने। |
| | उत्तर दक्षिण लोकमार्ग (कालीगण्डकी कोरिडोर)<br>(दक्षिण खण्ड-गैंडाकोट-राम्दी-मालढुङ्गा) | २४४ कि.मि. खण्डको ट्र्याक निर्माण भई, १५ कि.मि. कालोपत्रे, ७० कि.मि. ग्राभेल तथा १२ वटा पुल निर्माण सम्पन्न भएको | २०० कि.मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ५० कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति गर्ने।<br>११ वटा पुल निर्माण गर्ने। तथा १० वटा पुलको ठेक्का व्यस्थापन गरी निर्माण सुरु गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | उत्तरखण्ड (मालढुङ्गा-बेनी-जोमसोम-कोरला) | १९९ कि.मि. खण्डको ट्र्याक निर्माण सम्पन्न पश्चात ७० कि.मि. ग्रावेल, ४ वटा पुल निर्माण भएको | ८९ कि.मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नतिका साथै ११० कि.मि. सडक ग्राभेल स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | करिब २५ कि.मि. ग्रावेल, ४६ कि.मि. कालोपत्रे, ६ वटा पुल निर्माण गर्ने।<br>७ वटा पुलको निर्माण कार्य सुचारु रहने,<br>१० कि.मि. (जोमसोम-कागबेनी खण्ड) सडकको ठेक्का व्यवस्थापन गरी निर्माण कार्य सुचारु गर्ने। |
| | | ५२.७ कि.मि. ट्र्याक खोलिएको, ३९ कि.मि. खण्डमा कालोपत्रे गर्ने गरी ठेक्का व्यवस्थापन भएको | ५३ कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | १० कि.मि.सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति गर्ने।<br>३ वटा पुल निर्मण गर्ने। |
| | उत्तर दक्षिण लोकमार्ग (कोशीः वसन्तपुर (खाँदवारी) देखि किमाथाङ्का) | १४८ कि.मि. ट्र्याक, ५० कि.मि. ग्राभेल तथा ४ वटा पुल निर्माण भएको | १०० कि.मि. सडक दुई लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | १४ कि.मि. सडकको ट्र्याक खोल्ने, १० कि.मि. ग्राभेल र ३ वटा पुल निर्माण सम्पन्न गर्ने।<br>३९ कि.मि. सडकको (खाँदबारी-नुम खण्ड) कालोपत्रे गर्ने।<br>ठेक्का व्यवस्थापन गरी १० कि.मि. कालोपत्रे गर्ने। |
| ३३७०१११९ | बेनिघाट आरुघाट लार्केभञ्ज्याङ | १० कि.मि. ग्राभेल, ६३ कि.मि. ट्र्याक निर्माण भएको, नेपाली सेनाबाट ट्र्याक खोल्ने कार्य भइरहेको। | सम्पूर्ण खण्ड ट्र्याक निर्माण गरी ४० कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। | १० कि. मि. सडक मर्मत, ५ कि. मि. ग्राबेल गर्ने।<br>नेपाली सेनाबाट ट्र्याक निर्माण कार्य चालु राख्ने |
| ३३७०११२० | काठमाडौं उपत्यका सडक विस्तार आयोजना | २८० कि.मि. सडक विस्तार एवम् धोबीखोला को (विजुली बजार) पुरानो पुलको दुबैतर्फ पुल निर्माण सम्पन्न भएको | बाँकी १२० कि.मि. सडक विस्तार भई ४०० कि.मि. सडक विस्तार भएको हुने। | ८० कि.मि. विभिन्न सडक विस्तार, फराकिलो तथा कालोपत्रे सम्पन्न गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३७०११२१ | डुम्रे बेशीशहर -चामे-मनाङ | डुम्रेदेखि चाम्बाससम्म ८.०८ कि.मि. र बेसीशहरदेखि ७.७ कि.मि. सडक ठेक्का व्यवस्थापनको प्रक्रियामा रहेको | ५० कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | डुम्रेदेखि चाम्बासम्म ८.०८ कि.मि. र बेसीशहरदेखि ७.७ कि.मि. सडकको निर्माण गर्ने।<br>बाँकी सडक खण्डको ठेक्का व्यवस्थापन प्रक्रिया सुरु भई निर्माण कार्य अघि बढाउने |
| ३३७०११२२ | स्थानीय सडक पुल निर्माण | चालु आ.व.मा १२९ वटा पुल निर्माण सम्पन्न भएको | १,००० वटा पुल निर्माण सम्पन्न भएको हुने। | २५० वटा पुल निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने। |
| ३३७०११२३ | रणनीतिक सडक तथा पुलहरूको विस्तृत संभाव्यता अध्ययन | राष्ट्रिय राजमार्ग र साविकका सहायक मार्गहरूमा पर्ने खोलामा पुलहरूको विस्तृत अध्ययन भएको<br>७५० वटा सडकको करिब २१,५०० कि.मि. सडकको विस्तृत सर्वेक्षण कार्य एवम् २,००० वटा सडकको १६,००० कि.मि. सडकको सम्भाव्यता अध्ययन भएको | ७,००० कि.मि. सडक तथा ५०० वटा पुलको विस्तृत सर्वेक्षण भएको हुने। | राष्ट्रिय राजमार्ग तथा पुलहरूको सम्भाव्यता अध्ययन एवम् विस्तृत अध्ययन गर्ने।<br>१०० वटा पुलको अध्ययन, २,००० कि.मि. सडकको विस्तृत अध्ययन, वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन एवम् २०० कि.मि. सडकको सम्भाव्यता अध्ययन सम्पन्न गर्ने। |
| ३३७३१०११ | सडक बोर्ड | | | |
| | सामरिक सडकको आवधिक मर्मत | १८७ कि.मि. रणनैतिक सडकको आवधिक मर्मत भएको | | ७५० कि.मि. रणनैतिक सडकको आवाधिक मर्मत गर्ने। |
| | विभिन्न सडकको नियमित, पटके र अन्य मर्मत संभार | ७,१८७ कि.मि. रणनैतिक सडकको नियमित तथा पटके मर्मत भएको | | ७,२०० कि.मि. रणनैतिक सडकको नियमित तथा पटके मर्मत गर्ने। |
| | सामरिक सडकको पुनर्स्थापना र पुनर्निर्माण | ३०० कि.मि. सडकको पुनर्स्थापना तथा पुनर्निर्माण भएको | | २२५ कि.मि. सडकको पुनर्स्थापना तथा पुनर्निर्माण गर्ने। |
| ३३७०११२४ | काठमाडौं बाहिरी चक्रपथ विकास आयोजना | डि.पि.आर.तयार भएको | | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३७०११२५ | महाकाली पुल निर्माण आयोजना | महाकाली पुलको Foundation निर्माण, ५०० मि. Superstructure कार्य सम्पन्न, २ वटा Minor Bridge को सम्पूर्ण कार्य सम्पन्न भएको<br>पहुँच मार्ग ७.८ कि.मि. मध्ये २.७ कि.मि. ४ लेन कालोपत्रे स्तरमा निर्माण सम्पन्न भएको | ८०० मि. लामो ४ लेनको पुल तथा ७.८ कि.मि. पहुँच मार्ग निर्माण र ३० मिटर स्पानको Minor Bridge, २ वटा ४ लेनका पुलहरू निर्माण सम्पन्न भएको हुने। | महाकाली पुलको बाँकी हुने १०० मिटर सुपरस्टक्चर कार्य सम्पन्न गर्ने।<br>७.८ कि.मि. पहुँच मार्गको निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| ३३७०११२६ | सेती लोकमार्ग (टिकापुर-लोडे-चैनपुर-ताक्लाकोट) दक्षिण खण्ड | टिकापुर-लोडे-चैनपुर खण्ड अन्तर्गत २४२ कि.मि. मध्ये १२५ कि.मि. ट्र्याक खुलेको र सोमध्ये २७ कि.मि. कालोपत्रे भएको र १.१ कि.मि. सडक कालोपत्रे हुने प्रक्रियामा रहेको | बाँकी खण्ड ट्र्याक निर्माण गरी १०० कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | टिकापुर-ठूली गाड खण्डको १८ कि.मि. ट्र्याक खोली १० कि.मि. सबबेस, बेस गरी कालोपत्रे कार्य सुरु गर्ने।<br>साँफेबगर-चैनपुर सडक खण्ड अन्तर्गत निर्माणाधीन ४ वटा पुलहरू सम्पन्न गर्ने।<br>टिकापुर-लोडे-साँफेबगर खण्ड अन्तर्गत बाँकी पुल तथा नयाँ ट्र्याकका लागि सहमति लिई ठेक्का प्रक्रिया गर्ने।<br>ट्र्याक खुलेका सडक खण्डमा सहमति लिई कालोपत्रेका लागि प्रक्रिया अगाडि बढाउने |
| | सेती लोकमार्ग (टिकापुर-लोडे-चैनपुर-ताक्लाकोट) उत्तर खण्ड | ४० कि.मि. ट्र्याक खुलेको | सम्पूर्ण खण्ड ट्र्याक निर्माण गरी ४० कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। | चैनपुर-धुलि खण्डको ६० कि.मि. मध्ये बाँकी रहेको २० कि.मि. ट्र्याक खोल्न ठेक्का व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३३७०११२७ | चेपाङ मार्ग (ठोरी-भण्डारा-लोथर-मलेखु) | १४ कि.मि. कालोपत्रे, २५ कि.मि. ग्राभेल र ६९ कि.मि. ट्र्याक निर्माण भएको | बाँकी ५५ कि.मि. सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ९.५ कि.मि. सडक कालोपत्रे, ६ कि.मि. मोड सुधार गर्ने। तथा टेवा पर्खाल, नाली निर्माण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३७०११२८ | हुलाकी राजमार्ग आयोजना | ६७१ कि.मि. सडक कालोपत्रे तथा ९९ वटा पुल निर्माण भएको, सोमध्ये भारतीय अनुदानमा संचालित १० वटा सडक मध्ये ९ वटाको निर्माण कार्य सम्पन्न भइसकेको र बिरगंज-ठोरी सडक यसै आ.व.भित्र सम्पन्न हुने | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १४० कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति तथा १८ वटा पुल निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| | जनकपुर-जलेश्वर-भिट्टामोड सडक | १७ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १ कि.मि. चार लेन सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | नवलपुर-मलंगवा सडक | २६ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | नयाँरोड-बरहथवा-मधुवनी सडक | ४१ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | कदमचौक-कपतौल-तिनकौडिया-कमला सडक | १८ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | २ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | बलान-कमला सडक | १८. कि.मि. बेसको कार्य भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | बाँके-संग्रामपुर सडक | १० कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ७ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | जनकपुर-बसबिटी-बलवा-हार्दी-पोखरभिण्ड-संग्रामपुर सडक | १० कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | फुलजोर त्रिभुवननगर सडक | ७ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | यदुकुहा-खजुरी-महुवा सडक | Structure तथा माटोको काम भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ४ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने । |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | जमदह-लगडी-गदियानी सडक | इम्ब्याक्मेंट तथा नालाको काम भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ५ कि.मि. सबबेस ५ कि.मि. कालोपत्रे गर्ने। |
| | विरेन्द्र बजार-यदुकूहा-महिनाथपुर सडक | १६.५ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | जलेश्वर-हर्दि सडक | २६ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | जनकपुर-यदुकूहा सडक | १४.६ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | तौलिहवा-बहादुरगंज-झिन्गाहा-झुलानिय-दत्तपुर-कटुवा-पिपरिया बजार-गुगौल-भगवानपुर-तुरन्तपुर सडक, कपिलवस्तु | १५ कि.मि. तटबन्ध, १८ वटा पुलेसा निर्माण, ४ कि.मि. नाली निर्माण, ३१.२ मि. पुल निर्माण भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ३५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | म.रा.मा. (खरेन्द्रपुर)- शितलापुर-भिल्मी सडक, कपिलवस्तु | ५ कि.मि. तटबन्ध, ६ वटा पुलेसा निर्माण, २ कि.मि. नाली निर्माण भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १८ कि.मि. सबबेस तयार गर्ने। |
| | म.रा.मा. (जीतपुर) - तौलिहवा सडक सर्भिस लेन निर्माण, कपिलवस्तु | ४ कि.मि. सबबेस, पुलेसा निर्माण, नाली निर्माण भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | परासी- नारायण चोक-गोपिगंज- त्रिवेणी सडक, नवलपरासी | ८.५ कि.मि. कालोपत्रे भएको | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १४ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | कठाहावा-त्रिवेणी सडक, नवलपरासी | तटबन्धको कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ४ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | सती-भजनी-धनगढी सडक, कैलाली | सडकको सम्पूर्ण खण्डमा इम्बैक्मेन्ट, नाली, कल्भर्ट निर्माण, सबबेस, बेस, कालोपत्रे कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | लम्की-टिकापुर-खक्रौला सडक, कैलाली | तटबन्ध, संरचना तथा सवबेसको काम भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | मोहना पुल डोकेबजार बेलौरी बेलडांगी दैजी सडक | सडकको सम्पूर्ण खण्डमा इम्बैक्मेन्ट, नाली, कल्भर्ट निर्माण, सबबेस, बेस, कालोपत्रे भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १ कि.मि. कालोपत्रे गर्ने। |
| | क्याम्पस चोक देखि मोहना पुल सम्मको बाइपास सडक, धनगढी | ५ कि.मि. कालोपत्रे सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | पूर्व-पश्चिम राजमार्ग (तामागढी-सिमरौनगढ सडक, बारा) | ३९ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | पूर्व-पश्चिम राजमार्ग मानवत-कलैया-मटीअर्वा सडक, बारा | २३ कि.मि. सडक कालोपत्रे निर्माण सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | कलैया बजार क्षेत्रको छुटेको भागमा कालोपत्रेको काम सुरु गर्ने। |
| | त्रिभुवन राजपथ (विरगंज- ठोरी हुलाकी सडक सडक, पर्सा) | ३५ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | २ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | वरीयारपुर पटेर्वा अरुवा सडक, बारा | कालोपत्रेको सम्पूर्ण निर्माण कार्य सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | बागमती (बहरहवा)-फतुवा-महेशपुर-अरुवा, रौतहट | कालोपत्रे सडक निर्माण भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | अरुवा-(कचोर्वा)- कलैया-बारा जिल्ला सिमा, बारा, | २० कि.मि. सडक कालोपत्रे सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | गढीमाई-बरियारपुर-कोहवी सडक, बारा | सबबेस निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | भरतपुर-माडी-ठोरी (देबेन्द्रपुर देखि बगई बस पार्क खण्ड) सडक, चितवन | ७ कि.मि. सडक निर्माण भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | राजविराज-कुनौली सडक | ईम्बैक्मेन्ट, नाली, कल्भर्ट निर्माण, सबबेस सम्पन्न भई बेस कार्य ५ कि.मि. सम्पन्न भएको र अरु खण्डमा बेस कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १२ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | भारदह-कन्चनपुर-राजबिराज-बलान,सप्तरी | ईम्बैक्मेन्ट, नाली, कल्भर्ट निर्माण, सबबेस, बेस तथा DBM कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ४६ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | म.रा.मा. कठौना-पातो सडक, सप्तरी | ईम्बैक्मेन्ट, नाली, कल्भर्ट निर्माण र सबबेस र बेस कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १८ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | म.रा.मा. चारआली-चन्द्रगढी-केचना सडक (मेची राजमार्ग), झापा | ३७.५ कि.मि. कालोपत्रे भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १.५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | मेची-रतुवा सडक, झापा | भद्रपुर-राजगढ खण्डको १९ कि.मि. कालोपत्रे, राजगढ-रतुवा खण्डमा ३ कि.मि. कालोपत्रे, ईम्बैक्मेन्ट, कल्भर्ट, टेवा पर्खाल तथा DBM कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ४२ कि.मि. कालोपत्रे, टेवा पर्खाल, कल्भर्ट, नाली निर्माणको कार्य गर्ने। |
| | रतुवा-केशलिया सडक, मोरङ | कल्भर्ट, टेवा पर्खाल, नाली, ईम्बैक्मेन्ट को कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ३२ कि.मि. कालोपत्रे, टेवा पर्खाल, कल्भर्ट, नाली निर्माणको कार्य सम्पन्न गर्ने। |
| | केशलिया-चिमडी-लौकही-फुलचोकी सडक, सुनसरी | नाली, कल्भर्ट, सब बेस, बेस कार्य तथा DBM कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | २७ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | गान्धी मनमोहन मार्ग (पथरी बजार देखि भारतीय सिमा सम्म) | निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १४ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | सहिद चौक-भिमपुर-देवानगंज सडक, सुनसरी, ८.५ कि.मि. | निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | सडक कालोपत्रे गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | नेपालगंज-बघौडा सडक, बाँके | निर्माण कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | पूर्व-पश्चिम राजमार्ग भुरिगाउँ-गुलरिया-मुर्तिया सडक, बर्दिया | सबै लम्बाइमा कालोपत्रे सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | गोठुवा-खुम्बर- बेतहनी सडक, बाँके | नाली, कल्भर्ट निर्माण, सबबेस, बेस कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | १२ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | कल्यांकोट-गढ़ावा-राजपुर सडक, दाङ | नाली, कल्भर्ट निर्माण, सबबेस, बेस कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | २० कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | पूर्व-पश्चिम राजमार्ग लमही-कोइलावास सडक | सबै लम्बाइमा कालोपत्रे सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | |
| | भरतपुर-माढी-ठोरी हुलाकी सडक, चितवन | नाली, कल्भर्ट निर्माण, सबबेस, बेस कार्य भइरहेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड कालोपत्रे भएको हुने। | ५ कि.मि. सडक कालोपत्रे गर्ने। |
| | विभिन्न सडक तथा पुलहरूको बहुवर्षीय ठेक्कापट्टा व्यवस्थापन गर्ने। | | ३० वटा पुल निर्माण भएको हुने। | |
| ३३७०११२९ | उपक्षेत्रीय यातायात अभिवृद्धि आयोजना | २१६ कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको। | | डिएलपि मा हुने मर्मत-संभार गर्ने। |
| ३३७०११३० | व्यापारिक मार्ग विस्तार आयोजना | | | |
| | रानी विराटनगर ईटहरी धरान सडक | २६ कि.मि. सडक निर्माण भएको र १ वटा पुल निर्माण चालु भइरहेको।, सेउती खोला पुलको डिजाइन स्वीकृति भई ठेक्का व्यवस्थापन प्रक्रिया अघि बढेको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड चार लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | रानी-बिराटनगर-धरान अन्तर्गत ३० कि.मि. ६ लेनमा स्तरोन्नति सम्पन्न भई थप ३ कि. मि. ४ लेनमा विस्तार गर्ने।<br>१ पुल निर्माण र थप १ सेउती खोला पुलको ठेक्का व्यवस्थापन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | विरगंज पथलैया सडक | २६ कि.मि. कालोपत्रे भएको, १० वटामध्ये ६ वटा पुल निर्माण भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड चार लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | सम्पूर्ण ५ कि.मि. सडक विस्तार र ४ पुल सम्पन्न गर्ने। |
| | वेलहिया-बुटवल सडक | २४ कि.मि. सडक ६ लेनमा विस्तार भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड चार लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ३.५ कि.मि. सडक ६ लेनमा विस्तार गर्ने। |
| | जटही-जनकपुर-ढल्केवर सडक | ३७ कि.मि. सडक ६ लेनमा विस्तार कार्य/स्तरोन्नति सम्पन्न भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड चार लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | बाँकी ३ कि.मि. सडक स्तरोन्नति सम्पन्न गर्ने।<br>७ पुल निर्माणलाई निरन्तरता दिने। |
| | महाकाली राजमार्गको मोहनापुल-अतरिया खण्ड, कैलाली | १० कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको, २ वटा पुलको ठेक्का व्यवस्थापन भएको। | बाँकी खण्ड सहित सम्पूर्ण खण्ड चार लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | सम्पूर्ण सडकको स्तरोनन्ति सम्पन्न हुने तथा २ पुलको निर्माणलाई निरन्तरता दिने। |
| | चन्द्रनिगाहपुर गौर सडक | डि.पि.आर. सम्पन्न भएको, IEE को प्रक्रिया आगाडि बढेको। | सम्पूर्ण खण्ड चार लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | ठेक्का पूर्व तयारीका कार्य सम्पन्न गर्ने। |
| ३३७०११३१ | यातायात आयोजना तयारी सहयोग | PPC1 अन्तर्गत ७८५ कि.मि. विस्तृत सर्वेक्षण तथा डिजाइन भएको र PPC२ अन्तर्गत ४९० कि.मि. डिजाइन सम्पन्न भएको। | | |
| ३३७०११३२ | रणनीतिक सडक पुल निर्माण तथा पुल पुलेसा संरक्षण | ४५२ मध्ये सामरिक सडकमा ४५ वटा पुल निर्माण भएको। | बाँकी पुल समेत ४५२ वटा पुलहरूको निर्माण कार्य सम्पन्न भएको हुने। | ५९ वटा पुल निर्माण सम्पन्न गर्ने। र १०० वटा पुलको मर्मत संरक्षण गर्ने। |
| ३३७०११३३ | सासेक रोड कनेक्टिभिटि प्रोजेक्ट | पकली नदाहा सडक बाहेक सबै सडकहरू DLP चरणमा रहेको। | | पकली-कञ्चनपुर सडक ४४ कि.मि. को पुलहरूको डिजाइन कार्य सम्पन्न गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३७०११३४ | चक्रपथ सडक विस्तार आयोजना | कलंकी-कोटेश्वर सडक खण्डः कलंकी अण्डर पास सम्पन्न भएको।<br>१०.३९ कि.मि. सडकको पूरै कार्य सम्पन्न भई ३ वटा आकाशे पुल निर्माण भएको।<br>नेपाल सरकारको स्रोतबाट ३ वटा आकाशे पुल निर्माण भएको र ३ वटा निर्माणाधीन रहेको। | बाँकी ३ वटा आकाशे पुल सहित सम्पूर्ण खण्ड ८ लेनमा विस्तार भएको हुने। | नेपाल सरकारको स्रोतबाट निर्माणाधीन रहेको ३ वटा आकाशे पुल निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| | | कलंकी-महाराजगंज-धोबीखोला सडक खण्डः ११.६ कि. मि. सडकमा (२४४ मि. महाराजगंज क्षेत्र बाहेक) ROW Clearance, Utility Relocation कार्य भइरहेको। | ११.६ कि. मि. सडक ८ लेनमा विस्तार भएको हुने। | दुबै साइडमा गरी १५ कि.मि.मा hume pipe राखी subbase सम्म गर्न सकिने र ७.५ कि.मि. ट्र्याक सडकको कालोपत्रे कार्य सम्पन्न गर्ने। |
| | | कोटेश्वर-तिलगंगा खण्डः विस्तार/स्तरोन्नतिको लागि डिटेल डिजाइन तयार भएको। | ठेक्का व्यवस्थापन गरी सम्पूर्ण निर्माण कार्य सम्पन्न भएको हुने। | ठेक्का व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३३७०११३५ | नेपाल भारत क्षेत्रीय व्यापार तथा यातायात आयोजना मुग्लिङ-नारायणगढ खण्ड सडक | स्तरोन्नति कार्य सम्पन्न भएको।<br>४ वटा पुल निर्माण भएको, ३ वटा पहिरो नियन्त्रण कार्य ठेक्काको कार्य सम्पन्न भएको, १ वटा ठेक्काको ५० प्रतिशत प्रगति हासिल भएको। | बाँकी पुल र पहिरो नियन्त्रणको कार्य सम्पन्न भएको हुने। | पहिरो नियन्त्रण सम्बन्धी १ वटा ठेक्काको कार्य सम्पन्न गर्ने। |
| ३३७०११३६ | सडक तथा ट्राफिक सुरक्षा (सडक सुरक्षा सहयोग आयोजना) | सामरिक महत्वका सडकहरूमा सडक सुरक्षा सम्बन्धी निर्माण कार्य भइरहेको।<br>नयाँ कार्यको लागि ठेक्का व्यवस्थापन | Road Safety सम्बन्धी अध्ययन, तालिम, तथा जनचेतना कार्यक्रम तथा विभिन्न सडकमा सडक सुरक्षाको लागि सुरक्षा संरचना निर्माण भएको हुने। | Road Safety सम्बन्धी अध्ययन, तालिम तथा जनचेतना कार्यक्रम तथा विभिन्न सडकमा सडक सुरक्षाको लागि सुरक्षा संरचना निर्माण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | भएको। | | |
| ३३७०११३७ | सडक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | रणनैतिक दृष्टिकोणले महत्वपूर्ण सडकहरूको निर्माण/स्तरोन्नतिका लागि ठेक्का व्यवस्थापन गरी निर्माण कार्य भइरहेको। | २५० कि.मि. सडक कालोपत्रे, ३०० कि.मि. सडक ग्राभेल तथा ३०० कि.मि. ट्र्याक निर्माण भएको हुने। | १०० कि.मि. सडक कालोपत्रे, १०० कि.मि. सडक ग्राभेल तथा १०० कि.मि. ट्र्याक निर्माण गर्ने। |
| ३३७०११३८ | राजमार्ग स्तरोन्नति तथा पुनर्स्थापना कार्यक्रम | चालु आ.व.मा १४४ कि.मि. सडक स्तरोन्नति तथा पुनर्स्थापना भएको। | राजमार्गका विभिन्न खण्डको गरी ८५० कि.मि. सडक सुधार, स्तरोन्नति तथा पुनर्स्थापना भएको हुने। | राजमार्गका विभिन्न खण्डको गरी १५० कि.मि. सडक सुधार, स्तरोन्नति तथा पुनर्स्थापना कार्य गर्ने। |
| ३३७०११३९ | नागढुङ्गा सुरुङमार्ग निर्माण आयोजना | २६० मिटर सुरुङ ट्र्याक र १,१०० मिटर पहुँच सडकको ट्र्याक निर्माण भएको। | सुरुङ मार्गको निर्माण भएको हुने। | मुख्य सुरुङमार्गको १ कि.मि., इभ्याकुएसन सुरुङमार्गको १ कि.मि. र १ वटा फ्लाइओभर निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| ३३७०११४० | सासेक सडक सुधार आयोजना | भैरहवा-लुम्बिनी-तौलिहवा सडक निर्माण सम्पन्न भएको, नारायणघाट-बुटवल सडक खण्डको ३० कि.मि. तटबन्ध तयार भएको।<br>१ वटा पुल निर्माण सम्पन्न भएको र अन्य पुल निर्माण कार्य जारी रहेको | भैरहवा- लुम्बिनी- तौलिहवा र नारायणघाट-बुटवल सडक स्तरोन्नति सम्पन्न भएको हुने। | ५० कि.मि. सडक ४ लेन कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति गर्ने। |
| ३३७०११४१ | मनाङ-मुस्ताङ-डोल्पा-जुम्ला सडक | विस्तृत अध्ययन कार्य सम्पन्न भएको | | ठेक्का व्यवस्थापन गरी निर्माण कार्य प्रारम्भ गर्ने। |
| ३३७०११४२ | स्वर्ण सगरमाथा वृहत चक्रपथ (ओखलढुंगा-सोलु सल्लेरी-खोटाङ दिक्तेल-ओखलढुंगा) | ३८ कि. मि. ट्र्याक निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने। | सम्पूर्ण खण्ड ट्र्याक निर्माण गरी ४० कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। | ८ कि.मि. ट्र्याक निर्माण तथा आवश्यक स्थानमा स्ट्रक्चरको निर्माण कार्य गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३७०११४३ | तराइ मधेस सडक पुर्वाधार विशेष कार्यक्रम | रणनैतिक दृष्टिकोणले महत्वपूर्ण तराइका सडकको निर्माण/स्तरोन्नतिको लागि ठेक्का व्यवस्थापन गरी निर्माण कार्य भइरहेको। | ४०० कि.मि. सडक कालोपत्रे सडक निर्माण भएको हुने। | १५० कि.मि. सडक कालोपत्रे सडक निर्माण गर्ने। |
| ३३७०११४४ | साँघुटार- ओखलढुङ्गा- कुइभिर सडक | ८ कि.मि. सबबेस निर्माण सम्पन्न तथा ६ कि.मि. कालोपत्रे कार्यको लागि बेसको काम भइरहेको। | | १० कि.मि. कालोपत्रे कार्य तथा आवश्यक स्थानमा स्ट्रक्चरको निर्माण गर्ने। |
| ३३७०११४५ | सासेक राजमार्ग सुधार आयोजना | निर्माण सर्वेक्षण सम्पन्न गरी १० कि.मि. तटबन्ध तयार भएको | | कमला-कञ्चनपुर खण्डको ८७ कि.मि. मध्ये ४५ कि. मि. तटबन्ध कार्य तथा १८ वटा क्रस ड्रेनेज स्ट्रक्चर निर्माण गर्ने। |
| ३३७०११४६ | दोस्रो पुल सुधार तथा संभार आयोजना | पुल निर्माण/डिजाइन सम्बन्धी क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम भइरहेको। | | पुल निर्माण/डिजाइन सम्बन्धी क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।<br>१० वटा सिग्नेचर ब्रिजको डिजाइन कार्य अघि बढाउने । |
| ३३७०११६७ | क्षेत्रीय व्यापारिक मार्ग विस्तार आयोजना | | | |
| | १. नागढुंगा-नौविसे-मुग्लिङ सडक | निर्माण कार्यको ठेक्का व्यवस्थापन तथा निर्माण सुपरिवेक्षणका लागि परामर्श सेवा खरिदको कार्य सुचारू रहेको | ९५ कि.मि. सडक स्तरोन्नति भएको हुने। | ठेक्का व्यवस्थापन सम्पन्न भई निर्माण कार्य सुरु गर्ने।<br>टेवा, पर्खाल लगायत नाली निर्माण गर्ने। |
| | २. कमला-ढल्केवर-पथलैया सडक | डिपिआर तथा वातावरणीय अध्ययन कार्यको लागि परामर्शदाता छनोटको कार्य सुचारू रहेको। | १३० कि.मि. सडक चार लेनमा स्तरोन्नति भएको हुने। | डिजाइन र वातावरणीय अध्ययन कार्य सम्पन्न गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३३७०११६८ | सुरुङमार्ग विकास कार्यक्रम | इपिसि मोडेलको प्रिक्वालिफिकेशन स्वीकृतिको लागि पेश गरिएको, इपिसि मोडेलको बिड डकुमेन्ट तयारी भइरहेको। | निर्माण सम्पन्न भएको हुने। | ठेक्का व्यवस्थापन सम्पन्न गरी निर्माण कार्य सुरु गर्ने। |
| | | बिड डकुमेन्ट अध्ययनको ड्राफ्ट रिपोट प्राप्त भएको र उक्त सुरुङ मार्ग निर्माण गर्न बहुबर्षीय ठेक्का व्यवस्थापनको कार्य भइरहेको। | निर्माण सम्पन्न भएको हुने। | ठेक्का व्यवस्थापन गर्ने। |
| | | धरान-लेउती सुरुङमार्गको सम्भाव्यता अध्ययन कार्यको RFP मूल्यांकन प्रक्रियामा रहेको।<br>वि.पी.नगर-खुटिया-दिपायल खण्ड तथा गोदावरी कुण्ड-काभ्रे-मानेचौर जोडने सुरुङमार्गको परामर्शदातासँग सम्झौता भएको। | निर्माण कार्य सुचारु भएको हुने। | अध्ययन कार्य सम्पन्न गरी ठेक्का व्यवस्थापन प्रक्रिया सुरु गर्ने। |
| ३३७०११६९ | वैकल्पिक सहायक राजमार्ग विकास कार्यक्रम | संघमा हस्तान्तरण भएका सडक तथा वैकल्पिक राजमार्ग निर्माण र स्तरोन्नति कार्य भइरहेको। | २०० कि.मि. सडक कालोपत्रे भएको हुने। | संघमा हस्तान्तरण भएका सडक तथा बैकल्पिक राजमार्ग निर्माण र स्तरोन्नति कार्य सुरु गर्ने। |
| ३३७०११७० | सासेक राजमार्ग सुधार आयोजना दोस्रो चरण | निर्माण कार्य र परामर्शदाताको खरिद प्रक्रिया अन्तिम चरणमा रहेको। | स्तरोन्नति सम्पन्न भएको हुने। | स्तरोन्नतिको कार्य प्रारम्भ गर्ने। |
| ३३७०११७१ | काकरभिट्टा इनरुवा, पथलैया नारायणघाट खण्ड | डिटेल सर्भे, डिजाइन कार्य अन्तर्गत १२० कि.मि. फिल्ड सर्भे सम्पन्न भएको। | १०० कि.मि. सडक चार लेनमा स्तरोन्नति सम्पन्न भएको हुने। | ठेक्का व्यवस्थापन सम्पन्न गरी निर्माण कार्य सुरु गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | डिटेल सर्भे, डिजाइन कार्य अन्तर्गत १०० कि.मि. फिल्ड सर्भे सम्पन्न भएको। | ७५ कि.मि. सडक चार लेनमा स्तरोन्नति सम्पन्न भएको हुने। | ठेक्का व्यवस्थापन सम्पन्न गरी निर्माण कार्य सुरु गर्ने। |
| ३३७०११७२ | मिर्चैया-कटारी-घुर्मी | ओटासिल कालोपत्रे गरिएकोमा हाल जीर्ण अवस्थामा रहेको। | निर्माण/स्तरोन्नति सम्पन्न भएको हुने। | पूर्वतयारी कार्य सम्पन्न गरी ठेक्का व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३३७०११७३ | सूर्यविनायक-धुलिखेल र कोटेश्वर-बानेश्वर-त्रिपुरेश्वर सडक आयोजना | कोटेश्वरमा अन्डरपास/फ्लाईओभर निर्माणका लागि पूर्व संभाव्यता अध्ययन भएको। | निर्माण कार्य सुचारु भएको हुने। | कोटेश्वरमा अन्डरपास/फ्लाइओभर को डिजाइन सम्पन्न गर्ने।<br>बानेश्वर, त्रिपुरेश्वर तथा आवश्यक अन्य चोकहरूमा फ्लाइओभर/अन्डरपास को संभाव्यता अध्ययन गर्ने। |
| | | | निर्माण कार्य सुचारु भएको हुने। | सूर्यविनायक-धुलिखेल सडक चारलेनमा स्तरोन्नति गर्ने।<br>विस्तृत इन्जिनियरिङ डिजाइन सम्पन्न गर्ने। |
| ३३७०११७४ | चतरा-मुलघाट-माझीटार-दोभान-ओलाङचुङगोला (तमोर करिडोर) | २५० कि. मि. ट्र्याक खुलेको, १०४ कि. मि. ग्राभेल भएको। | बाँकी १९ कि.मि. ट्र्याक निर्माण गरी १५० कि.मि. सडक कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने। | १९ कि.मि. ट्र्याक खोल्ने, २० कि. मि. कालोपत्रे र ३५ कि. मि. ग्राभेल गर्ने। |
| ३३७०११७५ | केचना-कंचनजंघा (मेची करिडोर) | डिटेल सर्भे, डिजाइन कार्य भइरहेको। | १०० कि.मि. सडक स्तरोन्नति सम्पन्न हुने | डिटेल सर्भे, डिजाइन लगायतका पूर्वतयारी सम्पन्न गरी ठेक्का व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३३७०११७६ | निर्वाचन क्षेत्र रणनैतिक सडक | डिटेल सर्भे, डिजाइन लगायत पूर्वतयारीको कार्य भइरहेको। | निर्माण तथा स्तरोन्नति सम्पन्न भएको हुने। | ठेक्का व्यवस्थापन सम्पन्न गरी निर्माण कार्य सुरु गर्ने। |
| ३३७००११२ | नेपाल पानीजहाज कार्यालय | कर्णाली, कोशी, नारायणी र कालीगण्डकी नदीमा जलमार्गका निम्ति सम्भाव्यता अध्ययन सुरु भएको।<br>नेपाल पानीजहाज (संचालन तथा | जलयान संचालन सम्बन्धी आवश्यक कानुनी व्यवस्थापन भई, अनुगमन तथा नियमन सुरु भएको हुने। | अध्ययन कार्य सुरु भएका नदीहरूमा (वातावरणीय र सम्भाव्यता) लाई निरन्तरता दिने<br>बबई, रासी, तामाकोशी, दुधकोशी र बागमती |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | व्यवस्थापन) ऐनको मस्यौदा मन्त्रिपरिषद्मा पेश भएको। | | नदीमा जलयान सञ्चालन सम्बन्धी सम्भाव्यता अध्ययन कार्य सुरु गर्ने।<br>कोशी, कर्णाली, नरयानी र कालिगण्डकीमा अध्ययन कार्य सम्पन्न भए पश्चात टर्मिनल सहितको निर्माण कार्य सुरु गर्ने। |
| ३३७०२१०१ | रेल मोनोरेल तथा मेट्रोरेल विकास आयोजना | नेपाल भारत सिमानामा ६६ कि.मि. रेल्वे निर्माण भई सञ्चालन हुने अवस्थामा रहेको। | १४० कि.मि. रेलवे निर्माण हुने | रेलवे ट्राकवेड तथा रेलवे पुलहरू निर्माण गर्ने। |
| ३३७०३०११ | यातायात व्यवस्था विभाग | सार्वजनिक यातायात सेवाका सवारीलाई अनुगमन गर्ने प्रणाली (GPS-VTS) को निर्माण सुरु गरिएको।<br>चितवनको आँपटारी र महोत्तरीको बर्दिबासमा सो प्रणाली निर्माण सम्पन्न भई सञ्चालनमा आएको।<br>विरगञ्ज र नारायणघाट सडक खण्डमा Road Accident Management Information System (RAMIS) सञ्चालनमा ल्याइएको<br>अनलाइन टिकट खरिद-बिक्री सम्बन्धी निर्देशिका, २०७७ जारी गरी यात्रीवाहक सार्वजनिक यातायात सेवामा अनलाइन प्रणाली (Online Ticket Management System -OTMS) लागू गरिएको।<br>नेपालभरिका रूटहरूको अध्ययन गरी सफ्टवेयर निर्माण गर्न समिति गठन | संघ तथा प्रदेशबीच यातायात व्यवस्थापनमा समन्वय र सहकार्यात्मक प्रणालीको विकास भएको हुने।<br>सार्वजनिक यातायात सेवा भरपर्दो, गुणस्तरीय र सेवाग्राहीमैत्री भएको हुने।<br>यातायात सेवा प्रणाली डिजिटाइज भएको हुने। | वार्षिक कार्यक्रम अन्तर्गतका क्रियाकलाप सञ्चालन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | गरी कार्य भइरहेको।<br>विद्युतीय सवारी साधन दर्ता प्रणाली (EDLVRS: VRS) लागू गराउने कार्यको तयारी भइरहेको। | | |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

सडक, रेल तथा जलमार्ग क्षेत्रमा स्रोत साधन एवम् निर्माण सामग्री आवश्यक समयमा पर्याप्त मात्रामा उपलब्ध हुन नसक्नाले समयमै कार्यक्रम तथा आयोजना सम्पन्न हुन नसक्ने जोखिम रहन्छ। सडकलाई प्राविधिक रुपले उचित बनाउने घुम्ती, मोड, उकालो र ओरालो मापदण्ड अनुरुप बनाउने र तीनलाई पक्की बनाउन सम्बन्धीत निकायलाई जिम्मेवार बनाउने कार्य, स्रोत साधन र जनशक्तिका हिसाबले चुनौतीपूर्ण छ। सडक निर्माणको लागि आवश्यक सामग्री गिट्टी, माटो, अलकत्राको प्रयोग प्राकृतिक स्रोत साधनको दिगो उपयोगको जोखिम रहन्छ। संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको कार्यक्षेत्र भित्र पर्ने राजश्व र खर्चको वर्गिकरणको चुनौतीले कार्यन्वयनमा प्रभाव पार्ने देखिन्छ। कार्यान्वयन व्यवस्थापन एवम् नवीन व्यवस्थापकीय उपकरणहरूको आन्तरिकीकरण हुन नसकेमा आयोजनाको समय र लागत बढ्ने जोखिम रहन्छ। यसबाट त्रिवर्षीय खर्च संरचनाले प्रक्षेपण गरेको लक्ष्य तथा उद्देश्यहरू प्राप्त गर्न जोखिम देखिन्छ।

## ७.३ सञ्चार तथा सूचना प्रविधि

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले स्वतत्रताको हक, सञ्चारको हक र सूचनाको हकलाई मौलिक हकको रूपमा उल्लेख गरी विचार तथा अभिव्यक्तिको स्वतन्त्रता, पूर्ण प्रेस स्वतन्त्रता र सूचना माग्ने तथा पाउने हकको प्रत्याभूति गरेको छ। आर्थिक विकासको सम्वाहक एवम् उत्प्रेरकको रूपमा रहेको सञ्चार तथा सूचना प्रविधि क्षेत्रलाई मर्यादित, व्यावसायिक, सक्षम र सबल बनाउने दायित्व र जिम्मेवारीकासाथ अगाडि बढाउनु पर्ने खाँचो छ। दिगो विकास लक्ष्यले सबैले धान्न सक्ने गरी इन्टरनेटको पहुँचमा उल्लेख्य वृद्धि गर्ने उल्लेख गरेको छ। हाल नेपालमा कुलजनसंख्याको ७२ प्रतिशतमा टेलिभिजन, ८७ प्रतिशतमा रेडियो र ८२.७९ प्रतिशत जनसंख्यामा इन्टरनेट सेवाको पहुँच पुगेको छ। नेपाली जनतालाई सञ्चार तथा सूचनासँग सम्बन्धित विश्वव्यापी विकास एवम् उपलब्धी अनुरूप सेवा पुर्याउँदै आर्थिक विकासका समग्र पक्षमा सूचना प्रविधि तथा सञ्चारको अधिकतम उपयोग बढाउन सञ्चार र सूचना प्रविधिसम्बन्धी ज्ञान, सीप र क्षमताको विकास गरी सुशासन कायम गर्नु र सूचना प्रविधिलाई अर्थतन्त्रको महत्त्वपर्णू हिस्साको रूपमा विकास गर्नु आजको आवश्यकता हो।

### २. समस्या तथा चुनौती

आमसञ्चारका माध्यम पूर्ण रूपमा मर्यादित, जिम्मेवार, जवाफदेही, उत्तरदायी र विश्वसनीय हुन नसक्नु, दूरसञ्चार सेवामा सबै नागरिकको पहुँच पुग्न नसक्नु, सूचना प्रविधिको विकास र साइबर सुरक्षाको लागि पर्याप्त संरचनागत व्यवस्थाको कमी हुनु ,सार्वजनिक सेवाप्रवाहमा सूचना प्रविधिको न्यून उपयोग हुनु, हुलाक सेवालाई विविधीकरण गर्न नसक्नु, नेपाललाई प्राप्त अर्बाइटल स्लटको समयमै उपयोग गर्न नसक्नु, सुरक्षण मुद्रणको पर्याप्त पूर्वाधार विकास नहुनु, सूचना प्रविधि उद्योग व्यवस्थित नहुनु, अपेक्षित रोजगारी सिर्जना नहुनु, चलचित्र क्षेत्रलाई उद्योगको रूपमा विकास गर्न नसक्नु र विज्ञापन व्यवसाय व्यवस्थित हुन नसक्नु यस क्षेत्रका मुख्य समस्याका रूपमा रहेका छन्।

आमसञ्चार माध्यममा प्रसारित समाचार मर्यादित र विश्वसनीय बनाउनु, भ्रामक समाचारको नियमन एवम् नियन्त्रण गर्नु, सामाजिक सञ्जालको वृद्धिसँगै यसमा बढ्दै गएको दुरूपयोग नियन्त्रण गर्नु, सञ्चार तथा सूचना क्षेत्रमा विकसित नवीनतम प्रविधि समयसापेक्ष प्रयोग गर्नु, बढ्दो साइबर अपराधको सामना गर्नु, सूचना प्रविधिमा आधारित उद्योगहरूलाई प्रतिस्पर्धी बनाई सम्बर्द्धन गर्नु, परम्परागत हुलाक सेवालाई विविधीकरण गर्नु, अनुसन्धान तथा विकासमा लगानी वृद्धि गर्नु, सुरक्षण मद्रुणमा रहेको परनिर्भरता हटाउनु, चलचित्र क्षेत्रलाई प्रतिस्पर्धात्मक बनाई उद्योगकोरूपमा विकास गर्नु, दूरसञ्चार पूर्वाधारमा सहप्रयोगको अवस्था सिर्जना गर्नु यस क्षेत्रमा चुनौतीको रुपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

सूचना प्रविधियुक्त राष्ट्र।

### ४. उद्देश्य

१. सबै नागरिकमा सञ्चार तथा सूचना प्रविधिको सहज पहुँच तथा उपयोग विस्तार गर्नु।

२. सञ्चार र सूचना प्रविधि सेवालाई सर्वसुलभ, भरपर्दो र गुणस्तरीय बनाउनु।

३. सञ्चार र सूचना प्रविधिमा आधारित उद्योगको विकास गरी रोजगारी वृद्धि गर्नु।

### ५. रणनीति

१. सूचनामा सबै नागरिकको पहुँच तथा उपयोग सुनिश्चत गर्ने।

२. पूर्ण प्रेस स्वतन्त्रताको सुनिश्चतता गर्दै आमसञ्चारमा सबै नागरिकको पहुँच विस्तार गर्ने।

३. दूरसञ्चार एवम् ब्रोडब्याण्ड सेवाको पहुँच देशभर पुर्याउने।

४. डिजिटाइजेसनमार्फत सामाजिक, आर्थिक र शासकीय व्यवस्थामा सुधार गर्ने।

५. हुलाक सेवालाई संस्थागत पुनर्संरचना गरी स्वायत्त, प्रतिस्पर्धी र व्यावसायिक बनाउने।

६. चलचित्र क्षेत्रको पूर्वाधार विकास गरी उद्योगको रुपमा विकास तथा प्रर्वद्धन गर्ने।

७. सुरक्षण मुद्रणको व्यवस्था गर्ने।

८. विज्ञापन बजार व्यवस्थित बनाउने ।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाई | आ.व. २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | आ.व. २०७७/७८ को उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| सञ्चार तथा सूचना प्रविधिबाट रोजगारी सिर्जना | संख्या हजारमा | - | - | ३४४ | ४१४ | ५०० |
| अप्टिकल फाइवर विस्तार | कि.मी. | ९५९६ | १०१८९ | १९१७० | २५७२० | २५७२० |
| फोरजी/एल.टी.ई.सेवाविस्तार | प्रयोगकर्ता प्रतिशत | १५.३ | २४ | ५० | ६० | ६५ |
| Fixed ब्रोडव्याण्ड सेवा विस्तार | प्रतिशत | १६.८३ | २३ | २७.८ | ३५ | ४३ |
| mobile ब्रोडव्याण्ड सेवा विस्तार | प्रतिशत | ५३.७२ | ६२ | ७२ | ५६ | ५७ |
| मोबाइल टेलिफोन ग्राहकसंख्या | जना लाख | ३७८.५४ | ३८९ | ४०० | १७३.६५ | १७३.६५ |
| सरकारी डाटा सेन्टर | संख्या | २ | २ | ३ | ५ | ५ |
| इन्टरनेट एक्सचेन्ज सेन्टर | संख्या | ० | ० | - | २ | २ |
| रेडियोको पहुँच | प्रतिशत | ८७ | ८७ | ९६ | ९८ | १०० |
| टेलिभिजनको पहुँच | प्रतिशत | ७२ | ७२ | ९२ | ९४ | १०० |
| EMS सेवाविस्तार | जिल्ला | ६४ | ६४ | ७२ | ७४ | ७७ |
| EMS सेवाविस्तार | देश/संख्या | ३९ | ३९ | ४६ | ४८ | ५१ |
| अनलाइनमार्फत सरकारी सेवाप्रवाह | संख्या | २२ | २२ | ४२ | ५० | ५५ |
| सुरक्षण मुद्रण प्रेस स्थापना | संख्या | ० | ० | १ | १ | १ |
| सञ्चारग्रामको स्थापना | संख्या | १ | १ | १ | १ | ७ |
| सूचना प्रविधि जनशक्ति | हजार | ७ | - | ९.२ | १० | १० |
| डिजिटल साक्षरता | प्रतिशत | - | - | ७५ | ८० | १०० |
| E-government Development index | | - | - | ०.६१ | ०.६५ | ०.६८ |
| राष्ट्रिय साइबर सुरक्षाःक्षेत्रगत CERT | संख्या | १ | १ | ४ | ४ | ४ |
| राष्ट्रियज्ञानपार्क | संख्या | ० | ० | ७ | ७ | ७ |

| सूचक | एकाई | आ.व. २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | आ.व. २०७७/७८ को उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| इन्टरनेट पहुँच प्राप्त जनसंख्या | प्रतिशत | ७३ | ८२.७९ | ८५ | ८९ | ९२ |
| टेलिफोन (सबै प्रकारका) घनत्व | प्रतिशत | १२९ | १३०.४ | १४० | ११५ | ९८ |
| सूचना प्रविधि सम्बन्धी उद्योग | संख्या | - | - | ३२३५ | ३३९६ | ३५६५ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ७६,८९८ | ५२,२६२ | १९,६३६ | ५,००० | ७६,८९८ | - | - |
| २०७९/८० | ८४,६२४ | ५४,३६३ | २६,९६१ | ३,३०० | ८४,६२४ | - | - |
| २०८०/८१ | ९७,५३३ | ५६,३७६ | ३७,५२७ | ३,६३० | ९७,५३३ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी. नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३५८०००११ | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय | २,३ | संचार तथा सूचना प्रविधिको क्षेत्रमा विकसित नविन प्रविधिको अधिकतम उपयोग गर्दै आर्थिक समृद्धिमा योगदान | सालबसाली | | आमसञ्चार, दूरसञ्चार, हुलाक सेवा प्राधिकरण, सुरक्षण मुद्रण लगायतका कानून निर्माण भएको हुने। |
| ३५८२१०११ | राष्ट्रिय सूचना आयोग | १ | नेपाली नागरिकको सूचनाको हकको संरक्षण, सम्वर्द्धन र प्रयोग | सालबसाली | | स्थानीय तहका जनप्रतिनिधि, समुदाय एवम् नागरिकहरूमा सूचनाको हकका बारे जनचेतना अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३५८०३०११ | हुलाक सेवा विभाग | ५ | जनतालाई शीघ्र तथा विश्वसनीय रुपमा चिट्ठीपत्रमा पहुँच एवम् धनादेश सुविधा प्रदान | सालबसाली | | हुलाक सेवाको संस्थागत र सेवा प्रणालीका सम्बन्धमा सुझाव प्राप्त भएको हुने। |
| ३५८०३०१२ | हुलाक निर्देशानालयहरू | ५ | हुलाक सेवा प्रवाह | सालबसाली | | भवन निर्माण भएको हुने। |
| ३५८०३०१३ | गोश्वाराहुलाक | ५ | उच्च गुणस्तरको हुलाक सेवा प्रदान | सालबसाली | | गोश्वारा हुलाकको पूर्वाधारहरू निर्माण भई सेवा प्रवाहमा सुधार भएको हुने। |
| ३५८०३०१४ | जिल्ला हुलाक कार्यालयहरू | ५ | हुलाक सेवाको स्थानीय तहसम्म पहुँच विस्तार | सालबसाली | | भवन निर्माण तथा मर्मत संभार र आवश्यक मेशिनरी औजार प्राप्त भै हुलाक कार्यालयहरू सुदृढ र सुविधा सम्पन्न भएको हुने। |
| ३५८०३०१५ | हुलाक प्रशिक्षण केन्द्र | ५ | हुलाक सेवामा कार्यरत कर्मचारीहरूको दक्षता तथा क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | | तालिम संचालन भई कर्मचारीहरूको कार्य क्षमतामा सुधार भएको हुने। |
| ३५८०३०१६ | केन्द्रिय धनादेश | ५ | हुलाक बचत बैंकको कारोबार | सालबसाली | | |

| ब.उ.शी. नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कार्यालय | | व्यवस्थापन तथा धनादेश सेवा संचालन | | | |
| ३५८०३०१७ | केन्द्रिय टिकट भण्डार (फिलाटेलिक व्यूरो) | ५ | हुलाक टिकटको छपाई तथा व्यवस्थापन | सालबसाली | | हुलाक टिकट छपाई भई बिक्री भएको हुने।<br>कोठा पार्टेशनको काम सम्पन्न भएको हुने। |
| ३५८०२०११ | सूचना तथा प्रसारण विभाग | ८ | नेपाल सरकारको काम कारवाही, अनुसन्धान एवम् नीतिबारे सूचना प्रवाह नियमित, व्यवस्थित र मर्यादित रेडियो तथा टेलिभिजन प्रशारण | सालबसाली | | विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार भई प्रतिष्ठानको भवन निर्माणको निमित्त पूर्वाधार तयार भएको हुने।<br>टेलिभिजन प्रसारण संस्थाको प्रसारणको गुणस्तर अनुगमन भएको हुने।<br>पत्रकारहरूको दुर्घटना बिमा भएको हुने।<br>विभागमा हालसम्म जम्मा भएका इजाजत, लाइसेन्सलगायत सक्कल कागजातको डिजिटल रुपमा भण्डारण भएको हुने। |
| ३५८०४०११ | सूचना प्रविधि विभाग | ४ | विद्युतीय सरकार एवम् सुशासनको अवधारणालाई कार्यान्वयन गर्न नेतृत्वदायी र समन्वयकारी भूमिका निर्वाह | सालबसाली | | सरकारी निकायहरूको सिस्टम, सफ्टवेयर, वेबसाइट, वेब एप्लिकेशन, मोबाइल एप्लिकेशन सुरक्षित भएको हुने।<br>खुमलटारस्थित ज्ञान पार्कको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार भएको हुने।<br>गभर्नमन्ट क्लाउडको सञ्चालन भएको हुने। |
| ३५८०१०११ | मुद्रण विभाग | ७ | विश्वसनीय र भरपर्दो मुद्रण सेवा प्रवाह<br>नेपाल सरकारको महत्वपूर्ण सामग्री छपाई | सालबसाली | | प्रेस भवनको नक्सा लगायतका कामको प्रारम्भिक र सम्पूर्ण प्रतिवेदन तयार भई आगामी आर्थिक वर्षमा भवन निर्माण प्रक्रिया अगाडि बढेको हुने। |
| ३५८४१०११ | प्रेस काउन्सिल | २ | स्वस्थ पत्रकारिता विकासका लागि उपयुक्त वातावरण सिर्जना<br>पत्रकारिता सम्बन्धी आचारसंहिता कार्यान्वयन | सालबसाली | | पत्रकार आचारसंहिता अनुगमन र उजुरी सम्बन्धी जानकारी भई सचेत गराउने, मेलमिलाप गराउने, आचारसंहिता प्रतिकूलका सामग्री उपर कारबाही भएको हुने र मर्यादित पत्रकारिताको विकास भएको हुने। |

| ब.उ.शी. नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३५८८१०११ | राष्ट्रिय समाचार समिति | २ | निष्पक्ष तवरले समाचार संकलन तथा वितरण | सालबसाली | | रासबाट भिडियो क्लिप सेवा सञ्चालन भएपछि मुलुकका सम्पूर्ण टेलिभिजन च्यानलहरूलाई आधिकारिक र गुणस्तरयुक्त आधिकारिक र सत्यतथ्य सूचना प्रवाह भएको हुने।<br>एकीकृत सफ्टवेयर मार्फत राष्ट्रिय समाचार समितिका सम्पूर्ण समाचार सामग्री अर्काइभ गरी अझ सुरक्षित र सरल तरिकाले ग्राहकले प्रयोग गरेको हुने। |
| ५०१५८१०१ | नेपाल टेलिभिजन (वित्तीय व्यवस्था) | २ | राष्ट्रिय प्रशारण संस्थाको रुपमा नेपाल सरकारको सूचना प्रशारण | सालबसाली | | नेपाल टेलिभिजनमा रहेका महत्वपूर्ण दृश्यहरूको विद्युतीय अभिलेख भएको हुने। |
| ३५८८१०१३ | रेडियो प्रसार सेवा विकास समिति | २ | राज्यले अबलम्बन गरेको नीतिको सम्प्रेषण | सालबसाली | | थप ५ देखि ७ प्रतिशत जनसंख्यामा प्रसारण पहुँच वृद्धि भई कुल पहुँच जनसंख्या ९३ प्रतिशत पुगेको हुने।<br>प्रसारण लिंक स्तरोन्नति तथा सुदृढ भएको हुने। |
| ३५८८१०१४ | सुरक्षण मुद्रण केन्द्र | ७ | सुरक्षण मुद्रण सम्बन्धी विश्वसनीय सेवा र गुणस्तरीय वस्तु उत्पादन गरी<br>सुरक्षित छपाईमा विदेशिने रकम बचत | सालबसाली | | सुरक्षण मुद्रण सम्बन्धी पूर्वाधार निर्माण भएको हुने। |
| ३५८००१०१ | राष्ट्रिय सूचना प्रविधि केन्द्र | ४ | आम जनतामा सूचना प्रविधिको पहुँच विस्तार<br>यसको माध्यमबाट रोजगार सिर्जना तथा ज्ञानमा आधारित समाज र उद्योग निर्माण<br>विद्युतीय शासन कार्यान्वयन | सालबसाली | | भुक्तानी प्रणाली (National Payment Gateway -NPG) कार्यान्वयनमा आई खर्च र राजश्वको व्यवस्थापनमा सहयोग पुगेको हुने।<br>थप सरकारी निकायको सर्भर कोलोकेशन (Server Collocation) प्रभावकारी भएको हुने।<br>सरकारी विद्युतीय सेवाहरूको प्रभावकारिता बृद्धि भएको हुने।<br>सरकारको विभिन्न निकायको सूचना प्रवाहमा सहयोग पुगेको |

| ब.उ.शी. नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | हुने। |
| ३५८८१०१२ | न्यूनतम पारिश्रमिक निर्धारण समिति | | श्रमजीवी पत्रकारको न्यूनतम पारिश्रमिक निर्धारण तथा पुनरावलोकन | सालबसाली | | श्रमजीवी पत्रकार ऐन कार्यान्वयन भएको हुने।<br>श्रमजीवी पत्रकारको समस्या पत्ता लगाई समाधानका लागि पहल भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३५८०००११ | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय | क्लीन फिड नीति कार्यान्वयनमा आएको।<br>साइबर सुरक्षा नीति तर्जुमा भएको।<br>विज्ञापन (नियमन गर्ने) नियमावली, २०७७, चलचित्र (निर्माण, प्रदर्शन तथा वितरण) नियमावली, राष्ट्रिय प्रसारण (दशौं संशोधन) नियमावली कार्यान्वयनमा आएको।<br>६५५ पालिकामा 4G/LTE सेवा विस्तार भएको।<br>६०८ पालिका, ५०९६ वडा कार्यालय, ३४५४ स्वास्थ्य केन्द्र र ४१९७ सामुदायिक माध्यमिक विद्यालयमा ब्रोडव्याण्ड सेवा | आमञ्चार, दुरसञ्चार, हुलाक सेवा प्राधिकरण, सुरक्षण मुद्रण लगायतका कानुनहरू निर्माण भएको हुने।<br>साइवर सुरक्षा र क्लाउडसम्बन्धी नीति निर्माणका साथै ब्रोडव्याण्ड नीतिको परिमार्जन भएको हुने।<br>राष्ट्रिय साइबर सुरक्षा केन्द्र र सूचना प्रविधि अनुसन्धान केन्द्रको स्थापना भएको हुने। | राष्ट्रिय सूचना प्रविधि केन्द्र र राष्ट्रिय साइबर सुरक्षा केन्द्रको स्थापनाका लागि विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>विदेशी मुद्रा सटही सिफारिशसम्बन्धी सफ्टवेयर निर्माण गर्ने।<br>सातवटै प्रदेशमा छायाँकन स्थलहरूको विकास गर्न चलचित्र विकास बोर्डलाई अनुदान उपलब्ध गराउने।<br>चलचित्रसम्बन्धी स्टोरी बैंक संचालनको लागि चलचित्र विकास बोर्डलाई अनुदान उपलब्ध गराउने।<br>काठमाण्डौ उपत्यका वा उपत्यका आसपासका क्षेत्रमा अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न सुटिङ्ग स्टुडियो निर्माण गर्ने।<br>"देशका लागि सिनेमा" कार्यक्रम सञ्चालन गर्न चलचित्र विकास बोर्डलाई अनुदान दिने।<br>विज्ञापन नीति र एकीकृत संचार तथा सूचना प्रविधि नीति तर्जुमा गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | विस्तार भएको।<br>१०१८९ कि.मी. अप्टिकल फाइबर विस्तार भएको।<br>मोबाइल डिभाइस म्यानेजमेन्ट सिस्टम संचालनको अवस्थामा रहेको। | | |
| ३५८२१०११ | राष्ट्रिय सूचना आयोग | | सूचनाको हकको कार्यान्वयन अवस्थाको अनुगमन भएको हुने।<br>सूचनाको हकको प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन भएको हुने। | जिल्लास्थित कार्यालयका कार्यालयप्रमुख, सूचना अधिकारीहरूसँग अन्तर्क्रिया कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>स्थानीय तहका जनप्रतिनिधि, समुदाय एवम् समुहहरूसँग सूचनाको हकसम्बन्धी अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>सूचनाको हकमा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>रेडियो मार्फत सूचनाको हक सम्बन्धी कार्यक्रमको उत्पादन र प्रसारण हुने। |
| ३५८०३०११ | हुलाक सेवा विभाग | | हुलाक सेवाको विद्यमान संगठनात्मक व्यवस्था र सेवा प्रवाह प्रणालीको पुनःसंरचना भएको हुने।<br>हुलाक सेवालाई डिजिटाइज गरी सेवाको विविधिकरण भएको हुने। | हुलाक टिकट तथा राजश्व व्यवस्थापन सफ्टवेयर निर्माण गर्ने।<br>हुलाक सेवाको संस्थागत र सेवाप्रवाह प्रणाली पुनर्संरचना सम्बन्धी अध्ययन गर्ने।<br>पोष्टल कोड अध्यावधिक गर्ने।<br>डाँक रेखा पुनरावलोकन गर्ने।<br>CDS.POST सम्बन्धी तालीम संचालन गर्ने। |
| ३५८०३०१२ | हुलाक निर्देशानालयहरू | | हुलाक सेवा नियमित रुपमा संचालन भएको हुने। | हुलाक निर्देशनालय सुर्खेतको भवन निर्माण गर्ने।<br>सिल्द जुरे ईलाका हुलाक कार्यालयको भवन मर्मत संभार गर्ने। |
| ३५८०३०१३ | गोश्वारा हुलाक | | हुलाक सेवा (IPS Light बाट IPS. Post | साईट क्लियरेन्स तथा प्रिफेव भवन एव पार्किङ्ग निर्माण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | मा) रुपान्तरण भई कार्यान्वयन भएको हुने। | हुलाक वस्तु बिक्री कक्ष निर्माण गर्ने।<br>गुगल प्लस कोड सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>इएमएस सेवा सुदृढीकरण कार्य गर्ने। |
| ३५८०३०१४ | जिल्ला हुलाक कार्यालयहरू | | हुलाक कार्यालयहरू नियमित रुपमा संचालन भएको हुने। | विभिन्न ७० जिल्लामा आवश्यकता अनुसार कम्प्युटर, प्रिन्टर लगायतका मेशिनरी औजार खरिद गर्ने।<br>४१ वटा जिल्ला हुलाक कार्यालय/ईलाका हुलाक कार्यालयको मर्मत संभार गर्ने।<br>ईलाका हुलाक कार्यालय पिठौली, कावासोती, नवलपरासी र दुल्लु दैलेखको भवन निर्माण गर्ने। |
| ३५८०३०१५ | हुलाक प्रशिक्षण केन्द्र | | हुलाक सेवामा कार्यरत कर्मचारीलाई तालिम प्रदान भएको हुने।<br>एकीकृत हुलाक भवन निर्माण भएको हुने।<br>हुलाक सेवा गुणस्तरीय भएको हुने। | सफ्टवेयर तथा सूचना प्रविधि सम्बन्धी संचालन गर्ने।<br>हुलाकी पुनर्ताजकी कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>नेतृत्व क्षमता विकास तालीम संचालन गर्ने।<br>हल्कारा उत्प्रेरक तालीम संचालन गर्ने।<br>कर्मचारी सीप विकास सम्बन्धी तालीम संचालन गर्ने।<br>३० कार्य दिने सेवाकालीन तालीम संचालन गर्ने। |
| ३५८०३०१६ | केन्द्रिय धनादेश कार्यालय | | हुलाक बचत बैंकको व्यवस्थापन र नियमित रुपमा धनादेश सेवा सञ्चालन भएको हुने। | धनादेश तथा बचत बैंक सेवा कम्प्युटर सफ्टवेयर अपग्रेड सपोर्ट र मर्मत संभारको कार्य गर्ने।<br>मातहतका कार्यालयको अनुगमन सम्बन्धी कार्य गर्ने। |
| ३५८०३०१७ | केन्द्रिय टिकट भण्डार (फिलाटेलिकव्यूरो) | | हुलाक टिकटको छपाई सम्बन्धी कार्य नियमित रुपमा संचालन भएको हुने। | अन्तर्राष्ट्रिय फिलाटेलिक प्रदर्शनी र बैदेशिक भ्रमण तथा अवलोकन गर्ने।<br>हुलाक टिकट छपाई सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>पालो पहराकोलागि कोठा पार्टेशन गर्ने। |
| ३५८०२०११ | सूचना तथा प्रसारण विभाग | | विज्ञापन रहित (Clean Feed) नीति थप प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन भएको | आमसञ्चार प्रशिक्षण प्रतिष्ठान स्थापनाकालागि विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन र संस्थागत पूर्वाधार तयारी गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | हुने।<br>विज्ञापन सामग्री परीक्षणको मापदण्ड र विज्ञापनको उत्पादन, प्रसारण र वितरण सम्बन्धी आचारसंहिता कार्यान्वयन भएको हुने।<br>नियमित, व्यवस्थित र मर्यादित रुपमा रेडियो तथा टेलिभिजनको प्रशारण भएको हुने। | हेड इन्ड सिस्टम सवलीकरण गर्ने।<br>सञ्चार माध्यम दर्ता तथा व्यवस्थापन विद्युतीय स्वचालित प्रणाली निर्माण तथा प्रतिस्थापनको कार्य गर्ने।<br>सर्भर खरिद तथा सूचना केन्द्र स्थापना गर्ने।<br>पत्रकार दुर्घटना बीमा सम्बन्धी कार्यक्रम गर्ने।<br>डिजिटल आर्काइभ व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३५८०४०११ | सूचना प्रविधि विभाग | | विद्युतीय सरकारको अवधारणा कार्यान्वयन भएको हुने।<br>राष्ट्रिय ज्ञान पार्कको निर्माण भएको हुने।<br>क्लाउड फस्ट पोलिसी कार्यान्वयन भएको हुने।<br>राष्ट्रिय साइवर सुरक्षा केन्द्रको स्थापना भएको हुने। | सरकारी निकायहरूका लागि E-Attendance device खरिद गर्ने।<br>Government Cloud को Support Service सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>Government Enterprise Architecture को कार्यान्वयन गर्ने।<br>कागजरहित सरकारका लागि Government Cloud को पूर्वाधार विस्तारमा समेत आवश्यक सफ्टवेयर लाइसेन्स खरिद गर्ने।<br>खुमलटारस्थित ज्ञानपार्कको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>सरकारी निकायहरूको सिस्टम, सफ्टवेयर, वेबसाइट, वेब एप्लिकेशन र मोबाइल एप्लिकेशनको सुरक्षा अडिट गर्ने। |
| ३५८०१०११ | मुद्रण विभाग | | मुद्रण कार्य नियमित रुपमा संचालनमा भएको हुने।<br>नेपाल सरकारको राजपत्र र सरकारी कागजात नियमित रुपमा प्रकाशन भएको हुने। | प्रेस भवन निमार्णको लागि विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>क्षमता अभिवृद्धि तालिम संचालन गर्ने।<br>फोल्डिङ मेशिन खरिद गर्ने। |
| ३५८४१०११ | प्रेस काउन्सिल | | आमसञ्चारको माध्यमको नियमनकारी निकायका रुपमा मिडिया काउन्सिल क्रियाशील रही स्वस्थ पत्रकारिताको | पत्रकार आचारसंहिता अनुगमन, उजुरी, कारबाही सम्बन्धी काम गर्ने।<br>प्रकाशन (संहिता जर्नल, वार्षिक प्रतिवेदन, अङ्ग्रेजी र नेपाली |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | वातावरण सिर्जना भएको हुने। | बुलेटिन छपाईसमेत) सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>पत्रकार आचारसंहिता प्रशिक्षक तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>पत्रकार आचारसंहिता प्रचार प्रसार सचेतना सम्बन्धी कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३५८८१०११ | राष्ट्रिय समाचार समिति | | समाचारको संकलन तथा वितरण निष्पक्ष र प्रभावकारी रुपमा भएको हुने। | भिडियो सेवा संचालन गर्ने।<br>डिजिटल अर्काइभिङ सम्बन्धी कार्य गर्ने।<br>गण्डकी प्रदेश कार्यालय भवन निर्माण गर्ने। |
| ५०१५८१०१ | नेपाल टेलिभिजन (वित्तीय व्यवस्था) | | नेपाल टेलिभिजनमा भएका महत्वपूर्ण दृश्यहरूको विद्युतीय अभिलेख राखिएको हुने। | नेपाल टेलिभिजनमा रहेका महत्वपूर्ण दृश्यहरूको विद्युतीय अभिलेख (Digital Archiving) गर्ने।<br>व्याण्डविथ सम्बन्धी कार्य गर्ने। |
| ३५८८१०१३ | रेडियो प्रसार सेवा विकास समिति | | संविधानले अंगिकार गरेको समानुपातिक समावेशी नीति अनुरुप कार्यक्रम उत्पादन र प्रशारण भएको हुने। | पर्वत, पाँचथर/भोजपुर, दाङ देउखुरी, रूकुम, अछाम/बाजुरा र सिराहामा प्रसारण सेवा विस्तार गर्ने।<br>तारिणीप्रसाद कोइराला स्मृति सञ्चार ग्राम संचालन गर्ने।<br>डिजिटल आर्काइभिङ गर्ने।<br>संचार तथा सूचना प्रविधि कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३५८८१०१४ | सुरक्षण मुद्रण केन्द्र | राष्ट्रिय सुरक्षण मुद्रण भवन, ढल निकास प्रणाली को निर्माण तथा मेशिन सफ्टवेयर तथा हार्डवेयर र सम्बन्धित उपकरणहरूको बोलपत्र आह्वान, मूल्याङ्कन र सम्झौता भएको। | मुलुक भित्रै सुरक्षित मुद्रण कार्यको लागि सुरक्षण प्रेसको स्थापना भएको हुने। | वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन गर्ने।<br>गोदाम घर निर्माण गर्ने।<br>प्रेसको लागि पेपर वेस प्रोडक्सन प्लान्ट विल्डिङ निर्माणको कार्य गर्ने।<br>प्याकेज मेशिन खरिद गर्ने।<br>Design, Supply, Installation, Testing, Commissioning of Low Voltage Power Distribution System सम्बन्धी कार्य गर्ने। |
| ३५८००१०१ | राष्ट्रिय सूचना प्रविधि | सामाजिक सुरक्षा कोष, नागरिक | धरान, कोहलपुर र ललितपुर | नेपाल सरकारको एकीकृत डाटासेन्टरको क्षमता विकास गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | केन्द्र | लगानी कोष, कर्मचारी संचय कोष, लोक सेवा आयोग र निर्वाचन आयोगको मतदाता परिचय पत्रलाई नागरिक एपमा आवद्ध गरिएको।<br>कोहलपुरमा डाटासेन्टरको लागि जग्गा प्राप्ति एवम् वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कनको कार्य सम्पन्न भएको र ललितपुरमा डाटा सेन्टर र इन्टरनेट एक्सचेन्ज सेन्टर निर्माण गर्नको लागि जग्गा प्राप्त गरिएको।<br>महालेखा नियन्त्रक कार्यालयको विद्युतीय भुक्तानी प्रणाली प्रणालीको प्राविधिक तथा व्यावसायिक प्रक्रिया डकुमेन्टेशन तयार भएको। | र बुटबलमा डाटासेन्टर तथा ललितपुरमा इन्टरनेट एक्स्चेन्ज सेन्टर निर्माण भएको हुने।<br>सरकारबाट प्राप्त हुने सेवाहरू एकीकृत रुपमा अनलाइन मार्फत प्राप्त हुने।<br>थप सरकारी निकायका Server Collocation गर्न प्रभावकारी हुने। | नागरिक एपको संचालन, विकास, सम्बर्द्धन तथा अद्यावधिक गर्ने।<br>Disaster Recovery Center, हेटौंडामा Electro mechanical उपकरण खरिद तथा जडान गर्ने।<br>धरान/इटहरीमा डाटा सेन्टर निर्माणको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने।<br>कोहलपुर, ललितपुर र बुटबलमा डाटासेन्टर तथा बुटबल र ललितपुरमा इन्टरनेट एक्स्चेन्जसेन्टर निर्माण गर्ने।<br>E-Payment, Interface, System Upgrade तथा खरिद सम्बन्धी कार्य गर्ने। |
| ३५८८१०१२ | न्यूनतम पारिश्रमिक निर्धारण समिति | | श्रमजीवी पत्रकारको न्यूनतम पारिश्रमिक कार्यान्वयन र कार्यान्वयन अवस्थाको अनुगमन भएको हुने। | जिल्लास्तरीय अन्तरक्रिया एवम् संचारकर्मी र उद्यमीसँग अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गर्ने।<br>विभिन्न जिल्लाको मिडिया अनुगमन गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

सञ्चार तथा सूचना प्रविधि क्षेत्रको विकास र विस्तारका लागि ठूलो मात्रामा आर्थिक साधन स्रोतको आवश्यकता रहेको छ। उक्त स्रोतको व्यवस्थापन प्रभावकारी तथा पर्याप्त व्यवस्थापन तथा डिजिटल नेपालले तय गरेका उद्देश्य प्राप्तिका लागि अन्तर मन्त्रालय समन्वय, सहयोग र सहकार्य हुन नितान्त आवश्यक तथा अपरिहार्य रहेको छ। सो अवस्थाको सुनिश्चितता नहुनु साथै सूचना प्रविधिका क्षेत्रमा सार्वजनिक निजी साझेदारी प्रवर्द्धन गर्दै प्रदेश सरकार तथा स्थानीय सरकारबाट अपनत्व र स्वामित्व स्थापित गर्नु प्रमुख यस क्षेत्रको जोखिमको रुपमा रहेको छ।

## ७.४ शहरी विकास, आवास र भवन निर्माण

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले राज्यको सन्तुलित र नागरिकको समावेशी विकासको परिकल्पना गर्दै आवासको हकलाई मौलिक हकको रूपमा अङ्गीकार गरी सबै नागरिकको सुरक्षित, उपयुक्त र वातावरणमैत्री आवासको अधिकारको सम्मान, संरक्षण तथा परिपूर्ति गर्न तथा आवासविहीन नागरिकलाई आवास सुविधा उपलब्ध गराउने व्यवस्था गरेको छ। साथै, संविधानले अव्यवस्थित बसोबासलाई व्यवस्थापन गर्न योजनाबद्ध व्यवस्थित बस्ती विकास गर्ने नीतिगत व्यवस्था गरेको छ। नेपालको अवस्थिति भूकम्प लगायत बहुविपद् जोखिमयुक्त रहेकोले विपद् पूर्वतयारी कार्यलाई सुदृढ गरी प्रभावकारी प्रतिकार्य र पुनर्लाभ गर्न तथा पुनर्स्थापना तथा पुनर्निर्माण कार्यमा "विल्ड ब्याक बेटर" को अवधारणा अनुसार भवन निर्माण गर्नु समेत आवश्यक छ। समृद्ध नेपाल, सुखी नेपालीको राष्ट्रिय सोच पूरा गर्न आधुनिक पूर्वाधारयुक्त योजनाबद्ध वातावरणमैत्री विपद् प्रतिरोधी, व्यवस्थित, समावेशी, आर्थिक रूपमा गतिशील, सुरम्य शहरहरू निर्माण गर्नु पर्दछ। दिगो विकास लक्ष्य ११ ले लिएको लक्ष्य बमोजिम शहर एवम् मानव बस्तीलाई समावेशी, सुरक्षित, उत्थानशील एवम् दिगो बनाउनुपर्ने छ। त्यसै गरी विपद् जोखिम न्यूनीकरणका लागि विपद्को आर्थिक, मानवीय एवम् पूर्वाधारको क्षति र आधारभूत सेवामा अवरोध सारभूत रूपमा घटाउनुपर्ने छ।

### २. समस्या तथा चुनौतीः

हालसम्म पनि शहरी प्रणालीको तहगत खाका निर्धारण गरी सो अनुरूप शहरी पूर्वाधार तथा सेवा सुविधा निर्धारण नहुनु, शहरी विकास पूर्वाधार निर्माण कार्यमा सम्बन्धित निकाय बीचको समन्वय र सहकार्यमा कमी हुनु, शहरी सुविधाको उपलब्धता र गुणस्तर पर्याप्त नहुनु, व्यक्तिगत प्रयासबाट आवास निर्माण गर्नमा सरोकारवालाको अपेक्षित सहभागिता नहुनु प्रमुख समस्या रहेका छन्।

एकीकृत शहरी पूर्वाधार विकास निर्माणका लागि सम्बन्धित निकायबीच समन्वय र सहकार्यको बाध्यकारी व्यवस्था गर्दै भू-उपयोग योजनामा आधारित व्यवस्थित, नियोजित र योजनाबद्ध शहरी विकास गर्नु, राष्ट्रिय शहरी नीति तथा रणनीतिले अवलम्बन गरेका शहरी प्रणाली र अन्तरसम्बन्धलाई जीवन्तता प्रदान गर्न साधन स्रोतको पहिचान गरी निर्देशित ठूलो लगानी गर्नु, जोखिमयुक्त असुरक्षित स्थानमा छरिएर रहेका बस्तीलाई वैज्ञानिक भू-उपयोगमा आधारित रही एकीकृत बस्ती विकास गर्नु र राष्ट्रिय भवन संहिताको समयानुकूल परिमार्जन गरी भवन सुरक्षित तवरले निर्माण गर्नु प्रमुख चुनौती हुन्।

### ३. सोच

- व्यवस्थित शहरीकरण मार्फत दिगो आर्थिक सामाजिक समृद्धि (शहरी विकास)।
- सुलभ, सुरक्षित, उत्थानथशिल र एकीकृत आवास तथा बस्ती (आवास तथा बस्ती विकास)।
- सुरक्षित, किफायती र वातावरणमैत्री भवन (भवन निर्माण)।

### ४. उद्देश्य

### अ. शहरी विकास

१. विपद् प्रतिरोधी, मानव केन्द्रित, सुरक्षित, आर्थिक रूपमा गतिशील, स्वच्छ, सफा र व्यवस्थित शहर निर्माण गर्नु।

२. सन्तुलित राष्ट्रिय शहरी प्रणाली र परिष्कृत शहरी बनोट विकासका लागि हरित अर्थतन्त्र मार्फत् शहर एवम् ग्रामीण-शहरी अन्तरसम्बन्धलाई जीवन्तता प्रदान गर्नु।

३. शहर योजना, निर्माण, व्यवस्थापन, सुधार तथा विस्तारका लागि प्राविधिक क्षमता अभिवृद्धि र शहरी पूर्वाधार शहरी सुशासनको संस्थागत विकास गर्नु।

### आ. आवास तथा बस्ती विकास

१. सबै आय वर्गका निम्ति उपयुक्त, सुरक्षित, वातावरणमैत्री, सुलभ,उत्थानशील आवास निर्माण तथा स्तरोन्नति गर्नु।

२. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको समन्वय र सहकार्यमा एकीकृत बस्ती विकास गर्नु।

### इ. भवन निर्माण

१. भवन निर्माणमा उपयुक्त आधुनिक प्रविधि, स्थानीय वास्तुकलाको मिश्रणबाट नयाँ निर्माण सामग्रीको प्रयोग समेतलाई प्रोत्साहन गरी सुरक्षित, टिकाउ, सुलभ र किफायती भवनहरूको निर्माण गर्नु।

२. एकीकृत सरकारी भवन डिजाइन, निर्माण, प्रयोग तथा मर्मत सम्भार सम्बन्धमा एकद्वार नीति सहित भवन क्षेत्रको संस्थागत तथा कानुनी संरचनाको सुधार गर्नु।

## ५. रणनीति

### अ. शहरी विकास

१. विद्यमान शहरको वातावरणीय सुधारका लागि सामाजिक, भौतिक र आर्थिक पूर्वाधारको व्यवस्था गर्ने।

२. राष्ट्रिय शहरी प्रणाली विकासको लागि सबै प्रकारका स्रोत साधनको पहिचान र समुचित उपयोग गरी निर्देशित लगानी गर्ने।

३. तीन तहको समन्वयात्मक सहकार्यमा एकीकृत शहरी पूर्वाधार विकास र शहरी सेवा प्रवाहमा शहरी सुशासन प्रवर्द्धन गर्ने।

४. काठमाडौं उपत्यकालाई आकर्षक, समृद्ध र वातावरणमैत्री अत्याधुनिक सुविधायुक्त सांस्कृतिक राजधानी शहरको रूपमा विकास गर्ने।

### आ. आवास तथा बस्ती विकास

१. संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहको क्षेत्रगत भूमिका स्पष्ट पार्दै संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।

२. भौगोलिक रूपमा विकट, विकासको लागि बाधक, अपायक र विपदको उच्च जोखिमयुक्त स्थानमा रहेका बस्तीहरूलाई निरुत्साहित गर्ने।

३. वातावरणीय दृष्टिले सन्तुलित, वित्तीय दृष्टिले सम्भाव्य र प्राविधिक दृष्टिले उपयुक्त एवम् सुरक्षित तथा व्यवस्थित एकीकृत बस्तीहरूको विकास गर्ने।

४. कमजोर आर्थिक अवस्थामा रहेका, दलित, मुस्लिम, लोपोन्मुख र सीमान्तकृत जातजाति तथा समुदाय एवम् विपदको उच्च जोखिममा रहेका नागरिकका लागि सुरक्षित, किफायती र वातावरणमैत्री आवासको व्यवस्था गर्ने।

५. जमिनको प्रभावकारी उपयोग हुने गरी आवासको लागि आवश्यक जग्गा लगायत योजनाबद्ध भौतिक पूर्वाधार सेवाको एकीकृत रूपमा विकास गर्ने।

## इ. भवन निर्माण

१. संस्थागत क्षमता विकास गर्दै सरकारी कार्यलाई सेवामूलक तथा कार्यमूलक बनाउन एकीकृत सरकारी भवनको निर्माण गर्ने।

२. एकीकृत सरकारी भवन डिजाइन, निर्माण, प्रयोग तथा मर्मत संभार सम्बन्धमा एकद्वार नीति सहित भवन क्षेत्रको संस्थागत तथा कानुनी संरचनाको सुधार गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| स्मार्ट सिटीका रूपमा शहरहरूलाई विकास | संख्या | १३ क्रमागत | १३ क्रमागत | १३ क्रमागत | १३ क्रमागत | १३ क्रमागत |
| नयाँ शहर निर्माण | संख्या | २७ क्रमागत | २७ क्रमागत | २७ क्रमागत | २७ क्रमागत | २७ क्रमागत |
| हिमाली शहर विकास | संख्या | ५ अध्ययन क्रमागत | ५ अध्ययन सम्पन्न | ५ अध्ययन सम्पन्न | १० शहरमा पूर्वाधार निर्माण सुरु | १० शहरमा पूर्वाधार निर्माण क्रमागत |
| नगरपालिकाहरूको एकीकृत शहरी विकास योजना तयार गर्ने | संख्या | १८५ अध्ययन सम्पन्न | थप ५० नयाँ सुरु | ५० सम्पन्न | | |
| मेगा सिटिको रूपमा शहरलाई विकास गर्ने | संख्या | - | - | ४ सुरु | ४ क्रमागत | ४ क्रमागत |
| बस्ती स्थानान्तरणका लागि पूर्वाधार सहितको एकीकृत बस्ती विकास | संख्या | ७ क्रमागत | ७ क्रमागत | ७ क्रमागत | ७ क्रमागत | ७ क्रमागत |
| शहरी आर्थिक कोरिडोर निर्माण | संख्या | - | २ कोरिडोरको अध्ययन सम्पन्न | २ निर्माण सुरु | २ क्रमागत<br>१ निर्माण सुरु | ३ क्रमागत |
| एक शहर एक पहिचान अन्तर्गत एकीकृत शहरी विकास | | - | - | १३ सुरु | १३ क्रमागत | १३ क्रमागत |
| सडक तथा ढल निर्माण | कि.मि. | २०० | १६० | १६० | १८० | २०० |
| सडक विस्तार | कि.मि. | २३.५ | २२ | २३ | २५ | २७ |
| नदी नियन्त्रण सम्बन्धी कार्य | कि.मि. | ५७.५० | ४ | ८ | ६ | ५ |
| बागमती तथा यसका सहायक | कि.मि. | ८३.४९ | ४ | ७ | ५ | ४ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| नदीमा ढल निर्माण कार्य | | | | | | |
| नदीका किनारामा सडक निर्माण कार्य | कि.मि. | १७.७१ | २.५ | ७ | ५ | ४ |
| बसपार्क निर्माण | संख्या | १० सम्पन्न | ४३ क्रमागत | १० सम्पन्न<br>३३ क्रमागत | १० सम्पन्न<br>२३ क्रमागत | १० समपन्न<br>१३ क्रमागत |
| फोहोरमैला प्रशोधन केन्द्र निर्माण | संख्या | २ सम्पन्न | १ क्रमागत | १ सम्पन्न<br>४ क्रमागत | ४ क्रमागत | ४ क्रमागत |
| सरकारी कार्यालय भवन निर्माण | संख्या | १२ सम्पन्न | ६२ क्रमागत | ३ सम्पन्न | १० सम्पन्न | २० सम्पन्न |
| सभा हल तथा सम्मेलन केन्द्र निर्माण | संख्या | २ सम्पन्न | ४० क्रमागत | १० सम्पन्न | १० सम्पन्न | २० सम्पन्न |
| एकीकृत सरकारी कार्यालय भवन निर्माण | संख्या | ७ सम्पन्न | ११ क्रमागत | ११ क्रमागत | ४ सम्पन्न | ७ सम्पन्न |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ३२०,७९१ | १९,४३४ | २८८,१६५ | १३,१९२ | २२३,३६६ | - | ९७,४२५ |
| २०७९/८० | ३६६,८०८ | ४६,९८३ | ३१०,९६४ | ८,८६१ | २३९,२३६ | - | १२७,५७२ |
| २०८०/८१ | ४२३,२०१ | ५८,१०३ | ३५५,३५१ | ९,७४७ | २९७,५३९ | - | १२५,६६२ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत रु. लाखमा | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४७०००११ | शहरी विकास मन्त्रालय | | शहरी विकास, आवास तथा बस्ती विकास र भवन सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड र नियमन | सालबसाली | | |
| ३४७००१०१ | वाग्मती सुधार आयोजना | अ४ | वाग्मती नदी र यसका सहायक नदीहरू विष्णुमती, रुद्रमती, इच्छुमती, मनोहरा, हनुमन्ते, नख्खु र बल्खु लगायतका नदीनालामा ढल, सडक र तटबन्ध निर्माण गरी समग्र काठमाडौं उपत्यकालाई हराभरा, सुन्दर, मनोरम र प्रदूषणमुक्त बनाँउदै नदी किनाराका संस्कृतिक एवम् पुरातात्विक महत्वका धरोहर संरक्षण | २०५२/५३ - २०८०/ ८१ | २२८९०० | वाग्मती तथा यसका सहायक नदीहरू सफा भएको हुने। |
| ३४७०१०११ | शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग | अ४ | विभागको चालु खर्च | सालबसाली | | |
| ३४७०१०१२ | संघीय सचिवालय निर्माण तथा व्यवस्थापन कार्यालय | अ४ | अति विशिष्ट तथा विशिष्ट व्यक्तित्वको आवास भवन व्यवस्थापन तथा निर्माण | सालबसाली | | |
| ३४७०१०१३ | संघीय शहरी विकास आयोजना कार्यान्वयन कार्यालयहरू | | संघीय सरकारी कार्यालय भवन मर्मत सम्भार तथा प्रशासनिक खर्च व्यवस्थापन | सालवसाली | | संघीय सरकारी कार्यालय भवन मर्मत सम्भार हुने। |

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत रु. लाखमा | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४७०११०१ | आवास व्यवस्था कार्यक्रम | आ४ | सुरक्षित आवास निर्माणका लागि निर्माण सामग्री खरिदका लागि अनुदान<br>घरबारविहीन परिवारका लागि सुरक्षित एवम् व्यवस्थित बसोवासको व्यवस्था | सालबसाली | | गरिबी घरपरिवारको लागि अनुदान दिइएको हुने र सुरक्षित आवास निर्माण भएको हुने।<br>भूमिहिन तथा प्रकोपका कारण घरबारविहीन परिवारलाई सुरक्षित र व्यवस्थित बसोवास भएको हुने। |
| ३४७०११०२ | एकीकृत कार्यमूलक योजना (शहरी विकास) | अ२ | नगरपालिकाहरूको एकीकृत योजना तर्जुमा र प्राथमिकता प्राप्त आयोजनाको आयोजना प्रतिवेदन तयार गरी योजना बैंक विकास<br>जिआइएसमा आधारित नक्सा तयारी<br>भौतिक विकास तथा आवधिक योजना तर्जुमा | सालबसाली | | नगरपालिकाहरूको एकीकृत विकास योजना तर्जुमा भएको हुने। |
| ३४७०११०३ | सघन शहरी विकास कार्यक्रम | अ२ | तराइका जिल्ला सदरमुकाम रहेका २१ शहरको पूर्वाधार निर्माण एवम् सौन्दर्यकरण | सालबसाली | | तराईका जिल्ला सदरमुकाम रहेका नगरपालिका लगायत कम्तिमा ७० नगरपालिकामा भौतिक संरचना, सडक विस्तार, ढल ब्यवस्थापन, बसपार्क, मनोरन्जन पार्क, सौर्य बत्ती, खानेपानी लगायतका आधारभूत शहरी पूर्वाधार निर्माण भएको हुने। |
| ३४७०११०५ | भवन निर्माण संहिता, सरकारी भवन निर्माण | इ२ | सरकारी भवन, एकीकृत सरकारी भवन, राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रिय/क्षेत्रीय सभाहल तथा सम्मेलन केन्द्र निर्माण | सालबसाली | | सुरक्षित, किफायती र वातावरणमैत्री भवनहरूको निर्माण हुने। |
| ३४७०११०७ | नेपाल भारत एकीकृत जाँच चौकी विकास आयोजना | अ१ | नेपाल-भारत एकीकृत जाँच चौकी निर्माण | २०६५/६६ -निरन्तर | | नेपाल-भारत एकीकृत जाँच चौकी निर्माण भएको हुने। |

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत रु. लाखमा | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४७०११०८ | शहरी शासकीय क्षमता विकास कार्यक्रम | अ३ | नगरपालिकाहरूको शहरी शासकीय क्षमता अभिवृद्धि गर्दै शहरी पूर्वाधार निर्माण | २०१७ मे-२०१९ डिसेम्बर | २०६२० | विभिन्न कम्पोनेन्ट मार्फत रणनीतिक पूर्वाधार निर्माण भएको हुने।<br>क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने।<br>श्रममूलक कार्य गरी साना पूर्वाधार निर्माण गरि रोजगारी सिर्जना भएको हुने। |
| ३४७०१११० | नयाँ शहर आयोजना | अ१ | मध्य पहाडी लोकमार्ग, हुलाकी लोकमार्गर तराई मधेशमा नयाँ शहरहरूको एकीकृत रूपमा शहरी पूर्वाधारको विकास | २०६७/६८ - निरन्तर | १११५४८ | मध्य पहाडी लोकमार्गमा अवस्थित १२ वटा, हुलाकी लोकमार्गमा अवस्थित १० वटा र तराई मधेशका ५ वटा गरी २७ वटा शहरमा अधिकतम १/१ लाख सम्मको जनसंख्या अटाउने गरि नयाँ शहर विकास भएको हुने। |
| ३४७०१११११ | क्षेत्रीय शहरी विकास कार्यक्रम | अ१ | शहरी पूर्वाधार विकासको माध्यमबाट शहरी वातावरणमा सुधार | २०७३/७४ -२०७८/७९ | २१४००० | शहरी पूर्वाधार विकासको माध्यमबाट शहरी वातावरणमा सुधार भएको हुने। |
| ३४७०१११४ | एकीकृत बस्ती विकास कार्यक्रम | आ२ | जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण गर्न एकीकृत बस्ती विकास र घना बस्ती विकास | सालबसाली | | एकीकृत बस्ती विकास र घना बस्ती विकासको लागि एकीकृत पूर्वाधार विकास भएको हुने। |
| ३४७०१९०१ | विशेष भवन निर्माण आयोजना | इ२ | संघीय संसद भवन लगायत ठूला तथा विशेष प्रकृतिका राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रिय स्तरका विशेष भवन निर्माण | २०७६/७७ -निरन्तर | ३००००० | संघीय संसद भवन लगायत ठूला तथा विशेष प्रकृतिका राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रिय स्तरका विशेष भवन निर्माण भएको हुने। |
| ३४७०१११८ | शहरी कोरिडोर आयोजना | अ२ | शहरी कोरिडोरको अवधारणा अनुरूप शहरी पूर्वाधार विकास | २०७६/७७ - २०८४/८५ | ६७८०३ | शहरी कोरिडोरको अवधारणा अनुरूप शहरी पूर्वाधार विकास भएको हुने। |

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत रु. लाखमा | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४७५११०१ | नगर विकास कार्यक्रम दोस्रो तथा तेस्रो चरण | अ३ | दिगो र व्यवस्थित शहरीकरणको विकास | सन् २००१ - सन् २०२१ | २५६२६ | नगरपालिकाहरूको शहरी पूर्वाधारको विकास भई आधुनिक, दिगो र व्यवस्थित शहरीकरणको विकास भएको हुने।<br>मध्य पहाडी लोकमार्ग र हुलाकी राजमार्ग आसपासका नयाँ नगरपालिकामा आधुनिक, दिगो र व्यवस्थित शहरीकरणको विकास भएको हुने। |
| ५०१४७१०१ | तेस्रो साना शहरी खानेपानी तथा सरसफाइ आयोजना | अ३ | शहरी क्षेत्रमा आधारभूत स्तरको खानेपानी सेवा जनताको पहुँच अभिवृद्धि | सन् २०१४ - सन् २०२१ | १८००० | शहरी क्षेत्रका नागरिकमा आधारभूत स्तरको खानेपानी तथा सरसफाई सेवा पुगेको हुने।<br>उच्च मध्यमस्तरको खानेपानी सुविधा उल्लेख्य मात्रामा वृद्धि भएको हुने। |
| ५०१४७१०६ | नगर विकास कोष (वित्तीय लगानी) | अ३ | दिगो र व्यवस्थित शहरीकरणको विकास | सन् २०१९ - सन् २०२४ | ५६००० | नगरपालिकाको एकीकृत तथा आर्थिक विकासका लागि लगानीयोग्य आयोजना विकास, निर्माण तथा व्यवस्थापनबाट नगरको दिगो आर्थिक विकास भएको हुने। |
| ३४७७११०१ | काठमाडौं उपत्यका विकास प्राधिकरण | अ४ | काठमाडौं उपत्यकामा निर्देशित जग्गा विकास कार्यक्रम मार्फत व्यवस्थित शहरीकरण तथा शहरी सडक विस्तार, सार्वजनिक जग्गा संरक्षण र विपद व्यवस्थापन पार्कको निर्माण तथा एकीकृत भौतिक विकास योजना तर्जुमा | २०६९ निरन्तर | | काठमाडौं उपत्यकामा व्यवस्थित शहरीकरण हुने। |
| ३४७७११०२ | धोबिखोला कोरिडोर सुधार आयोजना | अ४ | काठमाडौं उपत्यकाको सवारी चाप न्यूनीकरण | २०६६/६७ - २०७८/७९ | | धोबिखोला कोरिडोरको खैरो पुल देखि बुढानीलकण्ठको राम मन्दिर सम्म धोबीखोलाको दुवै किनारमा सडक निर्माण भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३४७०००११ | शहरी विकास मन्त्रालय | | | |
| ३४७००१०१ | बागमती सुधार आयोजना | ६० कि.मि.. तटबन्ध, १८ कि.मि. सडक र ८६ कि.मि. ढल निर्माण भएको। | थप १९ कि.मि.तटबन्ध, १६ कि.मि. सडक र १६ कि.मि. ढल निर्माण भएको हुने। | तटबन्ध, सडकर ढल निर्माण गर्ने। |
| ३४७०१०११ | शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग | | | |
| ३४७०१०१२ | संघीय सचिवालय निर्माण तथा व्यवस्थापन कार्यालय | उपत्यका भित्रका सरकारी भवन, सिंहदरबार सचिवालय भवन निर्माण तथा मर्मत सम्भार र परिसर सुधार भएको।<br>विशिष्ट महानुभावहरूको निवासमा सरकारले उपलब्ध गराउनु पर्ने सुविधाहरू उपलब्ध गराएको। | अति विशिष्ट तथा विशिष्ट व्यक्तित्वहरूको निवास, ५५ वटा केन्द्रीय कार्यालय, ५१ वटा विभागीय कार्यालयको मर्मतभएको हुने। | अति विशिष्ट तथा विशिष्ट व्यक्तित्वको निवास, केन्द्रीय कार्यालय, विभागीय कार्यालयको मर्मत सम्भार गर्ने। |
| ३४७०१०१३ | संघीय शहरी विकास आयोजना कार्यान्वयन कार्यालयहरू | संघीय सरकारी कार्यालय भवन मर्मत सम्भार भएको | संघीय सरकारी कार्यालय भवनहरू मर्मत सम्भार भएको हुने। | संघीय सरकारी कार्यालय भवन मर्मत गर्ने। |
| ३४७०११०१ | आवासव्यवस्था कार्यक्रम | १३,५९६ लाभग्राही छनौट भएको।<br>अनुदान सम्झौता भइसकेको र सो कार्य निरन्तर रहेको।<br>६,९३६ आवास इकाइको जस्तापाता सामग्री खरिद गरी निर्माण कार्य सम्पन्न भएको। | पराल वा खरको छाना भएका घर परिवारलाई अनुदान दिई जस्तापाताले छाना छाउने कार्य भएको हुने। | १ लाख ५० हजार आवास इकाइका लागि जस्तापाता खरिद गरी निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| ३४७०११०२ | एकीकृत कार्यमूलक योजना (शहरी विकास) | १८५ नगरपालिकाको एकीकृत शहरी विकास योजना तयारी कार्यको ९ वटाको (१ देखि १२ प्याकेज) अन्तिम प्रतिवेदन | नगरपालिकाहरूको एकीकृत विकास योजना तर्जुमा भएको हुने। | नगरपालिकाहरूको एकीकृत विकास योजना तर्जुमा गर्ने। |

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | प्राप्त भएको र बाँकी ३ वटाको मस्यौदा प्रतिवेदन प्राप्त भएको।<br>क्रमागत अध्ययन कार्यको प्रतिवेदन प्राप्त हुने क्रममा रहेको। | आयोजना बैंक विकास भएको हुने।<br>जिआइएसमा आधारित नक्सा तयार भएको हुने।<br>भौतिक विकास तथा आवधिक योजना तर्जुमा भएको हुने। | जिआइएसमा आधारित नक्सा तयार गर्ने।<br>भौतिक विकास तथा आवधिक योजना तर्जुमा गर्ने। |
| ३४७०११०३ | सघन शहरी विकास कार्यक्रम | १०३.८० कि.मि. कालोपत्रे सडक, ६८.६१ कि.मि. बेस कोर्ष, ६८.८५ कि.मि. सबबेस कोर्षर ६५.८० कि.मि. नाला निर्माण भएको। २ वटा बसपार्क निर्माण भएको र ९ वटा बसपार्क निर्माणाधीन रहेका तथा ३ वटाको लागत अनुमान तयारी सम्पन्न भएको।<br>ओखलढुङ्गाको रामपुरमा हाटबजार निर्माण भएको तथा ४ वटा हाटबजार निर्माणाधीन रहेको। | सम्बन्धित २१ वटा नगरपालिकाहरूको भौतिक पूर्वाधार विकास भएको हुने।<br>ठूला शहरी कोरिडोर खण्डको भौतिक पूर्वाधार विकास भएको हुने। | सम्बन्धित २१ वटा शहरहरूको भौतिक संरचना, सडक विस्तार, ढल व्यवस्थापन, बस पार्क, मनोरञ्जन पार्क, सौर्य बत्ती, खानेपानी लगायतका पूर्वाधार निर्माण गर्ने। |
| ३४७०११०५ | भवन निर्माण संहिता, सरकारी भवन निर्माण | | सरकारी भवन, एकीकृत सरकारी भवन, राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रिय/क्षेत्रीय सभाहल तथा सम्मेलन केन्द्र निर्माण भएको हुने। | ४० सभाहल, ६२ सरकारी कार्यालय, कारागार भवन, दमक भ्यूटावर लगायतका भवन निर्माण गर्ने. |
| ३४७०११०७ | नेपाल भारत एकीकृत जाँच चौकी विकास आयोजना | नेपालगन्ज एकीकृत जाँच चौकी निर्माण कार्य सुरु भएको। | ४ स्थानमा नेपाल-भारत एकीकृत जाँच चौकी निर्माण भएको हुने। | २ स्थानमा नेपाल-भारत एकीकृत जाँच चौकी निर्माण गर्ने। |
| ३४७०११०८ | शहरी शासकीय क्षमता विकास कार्यक्रम | ७ नगरपालिकामा पूर्वाधार विकास र १२ नगरपालिकामा श्रममूलक पूर्वाधार विकासका लागि नगरपालिकाहरूसँग सम्झौता भएको। | ३३ नगरपालिकामा शहरी पूर्वाधार विकासको माध्यमबाट शहरी वातावरणमा सुधार आई उन्नत शहर विकास भएको हुने। | १७ नगरपालिकामा पूर्वाधार विकास र १२ नगरपालिकामा श्रममूलक पूर्वाधार निर्माण गर्ने। |
| ३४७०१११० | नयाँ शहर आयोजना | २७ वटा प्रस्तावित नयाँ शहरमा पूर्वाधार विकास भइरहेको। | मध्य पहाडी लोकमार्ग, हुलाकी लोकमार्ग र तराई मधेशका २७ वटा शहरहरूमा एकीकृत | मध्य पहाडी लोकमार्गमा अवस्थित प्रत्येक शहरमा अधिकतम १ लाख सम्मको |

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | ३ स्थान (फिदिम, खुर्कोट र साँफेबगर) मा जग्गाको योगदान र पुनसमायोजन योजना स्वीकृत भई पूर्वाधार (बाटो र ढल) निर्माण सुरु भएको।<br>१२ वटा हुलाकी लोकमार्ग तथा तराई मधेशका १५ नयाँ शहरको एकीकृत शहरी विकास योजनाको अन्तिम प्रतिवेदन प्राप्त भएको | रूपमा शहरी पूर्वाधार विकास भएको हुने। | जनसंख्या अटाउने १० नयाँ शहरहरूको एकीकृत रूपमा शहरी पूर्वाधार निर्माण विकास गर्ने।<br>तराई-मधेशका १५ वटा शहरहरूलाई नयाँ शहरका रूपमा विकास गर्ने। |
| ३४७०१११ | क्षेत्रीय शहरी विकास कार्यक्रम | सिद्धार्थनगरमा शत प्रतिशत र नेपालगन्जमा ९६ प्रतिशत निर्माण भएको।<br>विराटनगर र वीरगञ्जमा ११.६ कि.मि.. सडक र १६.६ कि.मि. सतही नाला तथा धनगढी र भिमदत्त नगरपालिकामा २.१ कि.मि. ढल निर्माण भएको।<br>गोदावरी र शुक्लाफाँटामा नगरपालिका भवन निर्माण कार्य भैरहेको। | शहरी पूर्वाधार विकासको माध्यमबाट शहरी वातावरणमा सुधार आई उन्नत शहर विकास भएको हुने। | धनगढी, गोदावरी, शुक्लाफाँटा र भीमदत्त नगरपालिकामा सडक, नाला, एकीकृत फोहरमैला व्यवस्थापन केन्द्र र दिशाजन्य लेदो व्यवस्थापन केन्द्र निर्माण गर्ने। |
| ३४७०१११४ | एकीकृत बस्ती विकास कार्यक्रम | रसुवा र कास्कीको १-१ स्थानमा एकीकृत बस्ती विकासको सम्भाव्यता अध्ययन भएको।<br>८ वटा स्थानको सम्भाव्यता अध्ययन अन्तिम चरणमा रहेको। | जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण गर्न एकीकृत वस्ती विकास भएको हुने। | ७ स्थान (मोरङ्ग-उर्लाबारी, पर्सा - छिपरामाई, सिन्धुपलाञ्चोक-लिदी, पर्वत - जलजला, अर्घखाँची-सितगंगा, हुम्ला-श्रीकोट र डडेल्धुरा-परशुराम) मा पूर्वाधार निर्माण कार्य गर्ने। |
| ३४७०१९०१ | विशेष भवन निर्माण आयोजना | संघीय संसदको भवन निर्माण भइरहेको।<br>राजकीय अतिथि गृहको डिजाइन भएको।<br>मन्त्री निवासको आंशिक कार्य भएको। | संघीय संसद भवन लगायत ठूला तथा विशेष प्रकृतिका राष्ट्रिय/अन्तर्राष्ट्रिय स्तरका ४६ वटा विशेष भवन निर्माण भएको हुने। | संघीय संसद भवन, प्रधानमन्त्री आवास, मन्त्री आवास, प्रदेश तथा मुख्यमन्त्री सम्पर्क कार्यालय/आवास, राजकीय अतिथि गृह/आवासको लागि भवन निर्माण गर्ने। |

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | प्रदेश प्रमुख र मुख्यमन्त्री सम्पर्क कार्यालय र आवासको जग सम्बन्धी करिब ३७ प्रतिशत कार्य सम्पन्न भएको।<br>प्रधानमन्त्री सरकारी आवासको निजी ब्लकको दोस्रो तल्लाको कार्य भइरहेको तथा पब्लिक ब्लकको पहिलो तल्ला सम्पन्न भई अन्तिम तल्लाको कार्य सुरु भएको।<br>गोदावरीमा ३ हजार क्षमताको सभाहल निर्माण भएको र थिमिमा ५ हजार क्षमताको सभाहलको स्टक्चरल डिजाइनको मस्यौदा प्रतिवेदन तयार भएको र परामर्शदाता छनौट कार्य भइरहेको। | | |
| ३४७०१११८ | शहरी कोरिडोर आयोजना | पूर्वी कोरिडोर (विराटनगर -धरान, इनरुवा-दमक) र पश्चिम (बुटवल-भैरहवा-लुम्बिनी-कपिलवस्तु) कोरिडोरको प्रारम्भिक एकीकृत विकास अध्ययन सम्पन्न भएको। | पूर्वी कोरिडोर (विराटनगर-धरान, इनरुवा-दमक), मध्य शहरी कोरिडोर (बीरगंज-पथलैया, निजगढ-हेटौंडा), पश्चिम कोरिडोर (बटवल-भैरहवा-लुम्विनी-कपिलवस्तु, नेपालगंज -कोहलपुर, धनगढी-अत्तरिया) को विस्तृत एकीकृत विकास अध्ययन सम्पन्न भई पूर्वाधार निर्माण कार्य सुरु हुने | पूर्वी, मध्य र पश्चिम (बुटवल-भैरहवा-लुम्बिनी-कपिलवस्तु) कोरिडोरको विस्तृत एकीकृत विकास अध्ययन सम्पन्न गर्ने। |
| ३४७५११०१ | नगर विकास कार्यक्रम दोस्रो तथा तेस्रो चरण | स्थानीय तहमा बसपार्क, सतह-ढल, व्यावसायिक भवन, हाटबजार, विद्यालय भवन, मनोरञ्जन पार्क, सिटि हल लगायतका शहरी पूर्वाधार विकास तथा विस्तार भएको। | बाग्लुङ नगरपालिकामा बसपार्क निर्माण सम्पन्न भएको हुने।<br>भीमेश्वर, धुलिखेल र गोरखा नगरपालिकामा व्यावसायिक भवन निर्माण भएको हुने। | बाग्लुङ नगरपालिकामा बसपार्क निर्माण गर्ने।<br>भीमेश्वर, धुलिखेल र गोरखा नगरपालिकामा व्यावसायिक भवन निर्माण गर्ने। |
| | नगर विकास कार्यक्रम चौथो चरण | तयारी कार्य भएको। | मध्य पहाडी लोकमार्ग र हुलाकी राजमार्ग आसपासका नयाँ नगरपालिकामा शहरी | स्थानीय आर्थिक विकासमा टेवा पुर्याउने आयोजना छनौट, विकास र सम्भाव्यता |

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | पूर्वाधार विकास भएको हुने। | अध्ययन गर्ने। |
| ५०१४७१०१ | तेस्रो साना शहरी खानेपानी तथा सरसफाइ आयोजना | खानेपानी आपूर्ति आयोजनामा लागत असुलीको अवधारणामा १९ आयोजना सम्पन्न भई रू. १ अर्ब ४८ करोड ऋण लगानी भएको। | | |
| | शहरी तथा तेस्रो साना शहरी खानेपानी तथा सरसफाइ आयोजना | १२ नगरपालिकामा शहरी खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना निर्माणका लागि रू. ६० करोड ऋण प्रवाह भएको। | २० वटा शहरमा खानेपानी व्यवस्था भई नागरिकको जीवनस्तर र स्वास्थ्यमा सुधार भएको हुने। | खलंगा दार्चुला खानेपानी आयोजनाको ऋण सम्झौता गरी निर्माण सुरु गर्ने।<br>खानेपानी आयोजनाका लागि कन्चनरूप, शारदानगर र दधिकोटको ऋण सम्झौता गर्ने तथा गोरुसिङ्गे, पूर्णागिरी, झुम्का वा सप्तकोशीको समझदारी पत्रमा हस्ताक्षर गर्ने। |
| ५०१४७१०६ | नगर विकास कोष (वित्तीय लगानी) | लालबन्दी, बुटवल, हरिवन, जिरी र वेलबारी नगरपालिकामा व्यावसायिक भवन, इलाममा चिल्ड्रेन फन पार्क, बागमती नगरपालिकामा पार्क सहित रिसोर्ट निर्माणाधीन रहेका ।<br>रु. १ अर्ब ५० करोड बराबरका शहरी पूर्वाधारका आयोजनाका लागि ऋण सम्झौता सम्पन्न भएको | शहरी पूर्वाधारका नवीनतम र नवप्रवर्तक आयोजनाहरूमा रू. ४ अर्ब ७५ करोड लगानी भएको हुने। | बुटवल, लालबन्दी, हरिवन र इलाम नगरपालिकामा निर्माणाधीन आयोजना सम्पन्न गर्ने।<br>रू. २ अर्ब बराबरका शहरी पूर्वाधार आयोजनाको लागि ऋण सम्झौता गर्ने। |
| ३४७७११०१ | काठमाडौं उपत्यका विकास प्राधिकरण | काठमाडौं उपत्यकामा ४५० कि.मि. सडक निर्देशित जग्गा विकास कार्यक्रम मार्फत् विस्तार भएको।<br>१२० कि.मि. शहरी सडक विस्तार तथा ४० वटा सार्वजनिक जग्गा संरक्षण भएको। | काठमाडौं उपत्यकामा १ लाख ३० हजार रोपनीमा ४ वटा नयाँ शहर निर्माणको विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भएको हुने।<br>२५ वटा विपद व्यवस्थापन पार्कको निर्माण र ६० कि.मि. सडक विस्तार भएको हुने। | ८ वटा सार्वजनिक जग्गा संरक्षण गरी पार्क निर्माण गर्ने।<br>२२ कि.मि सडक विस्तार गर्ने। |

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३४७७११०२ | धोबिखोला कोरिडोर सुधार आयोजना | धोबिखोला करिडोरको २४ कि.मि. मध्ये १२ कि.मि. (दुबै किनार गरी) निर्माण सम्पन्न भएको। | धोबिखोला करिडोरको आयोजना सम्पन्न भएको हुने। | धोबिखोला करिडोरको बाँकी १२ कि.मि. सडक निर्माण भई आयोजना सम्पन्न गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

कोभिड- १९ को प्रभावका कारण शहरी पूर्वाधार निर्माणमा ढिलाइ हुन सक्ने देखिएको हुँदा लक्ष्य अनुरूप पुँजीगत खर्च हुन नसक्ने जोखिम छ। कोरोनाको असर विश्वव्यापी रूपमा रहेकोले वैदेशिक सहयोग र अनुदानको परिचालनमा कमी हुन गई वैदेशिक अनुदान तथा सहयोगमा सञ्चालित आयोजनाहरू तोकिएको समय र लागतमा सम्पन्न हुन कठीन छ। संघीय प्रशासनिक पुनःसंरचना अनुसार प्रशासनिक संरचना, कार्यालय एवम् कर्मचारीको व्यवस्थापन छिटो टुङ्ग्याउन नसकेमा आयोजना सञ्चालनमा समस्या उत्पन्न हुन सक्ने, संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा अधिकारको बाँडफाँट सम्बन्धमा देखिएको समस्याले योजनाको कार्यान्वयनमा ढिलाइ हुन सक्ने, जग्गा प्राप्तिमा आउने अवरोधलाई हटाउन कानूनी तथा नीतिगत सुधार हुन नसकेमा आयोजनाले अपेक्षित गति लिन नसक्ने देखिन्छ। शहरी गरिब पहिचान गरी पुनर्स्थापना गर्न नसकेमा सार्वजनिक, नदी, खोला किनारा अतिक्रमण रोक्न र सुकुम्बासी बस्ती व्यवस्थापनमा कठिनाइ हुने, मध्यमकालीन खर्च संरचनामा गरिएको प्रक्षेपण तथा लक्ष्य अनुरूपको बजेट व्यवस्था हुन नसकेमा लक्षित नतिजा प्राप्त गर्न नसकिने देखिन्छ।

## ७.५ पुनर्निर्माण

### १. पृष्ठभूमि

२०७२ साल बैशाख १२ गतेको विनाशकारी भूकम्प तथा तत्पश्चातका पराकम्पका कारण पूर्वी तथा मध्य नेपालका १४ जिल्ला गम्भीर र १८ जिल्ला आंशिक रूपमा प्रभावित भई ठूलो परिमाणमा धनजनको क्षति हुन पुग्यो। उक्त भूकम्पबाट क्षतिग्रस्त भौतिक संरचनाको पुनर्निर्माण गर्न गराउन नीतिगत, कानुनी र संस्थागत संरचनाको व्यवस्था गर्ने क्रममा राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण गठन भई भूकम्पबाट भएको क्षति तथा पुनर्निर्माणका आवश्यकता एकीन गरी भूकम्प पछिको पुनर्निर्माण योजना (PDRF) तयार गरी सोही आधारमा क्षतिग्रस्त सरकारी संरचना, निजी आवास, सामुदायिक विद्यालय र ऐतिहासिक एवम् पुरातात्विक सम्पदाको पुनर्निर्माण, जोखिमयुक्त वस्ती स्थानान्तरण, एकीकृत बस्ती विकास र आर्थिक सामाजिक पुनर्स्थापना सम्बन्धी कार्य संचालन गरिएको छ। समग्र पुनर्निर्माणमा Built Back Better र निजी आवास पुनर्निर्माणमा owner driven reconstruction को अवधारणा अवलम्बन गरिए अनुरूप राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण गठन भएको करीब ५ वर्ष ६ महिनाको अवधिमा निजी आवास सहित सबै क्षेत्रमा पुनर्निर्माणले उल्लेखनीय रूपमा गति प्राप्त गरेको भएता पनि प्राधिकरणको बाँकी रहेको कार्यावधि समेतलाई विचार गरी पुनर्निर्माणको बाँकी रहेका कामलाई यथाशीघ्र योजनाबद्ध रूपमा सम्पन्न गर्ने गरी स्थानीय तह र सरकारका सम्बद्ध विषयगत मन्त्रालयहरूसँगको समन्वय र सहभागितालाई अझ बढी प्रभावकारी रूपमा परिचालन गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिएको छ।

भूकम्पबाट प्रभावित संरचनाको पुनर्निर्माण सम्बन्धी ऐन, २०७२ दफा ३(३) मा व्यवस्था भए बमोजिम नेपाल सरकाबाट थप भएको एक वर्षको कार्य अवधि २०७८ पौषमा सकिने तथा आ.व. २०७७/७८ सम्ममा पुनर्निर्माणका मूलभूत कार्यहरू सम्पन्न गरी आयोजना सम्पन्न गर्ने तथा कार्यक्रमको खाका सहित सम्पन्न हुन बाँकी रहेका आयोजना सम्बद्ध निकायमा हस्तान्तरण गर्ने नीति लिई प्राधिकरणले बहिर्गमन योजना समेत तयार गरेको छ। यसरी हस्तान्तरण हुने आयोजनाहरूको बाँकी कार्य निर्धारित समयभित्र सम्पन्न गर्ने गरी आवश्यक व्यवस्था मिलाउनुपर्ने आवश्यकता देखिएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

भूकम्प पीडितको गुनासो व्यवस्थापन, स्रोत-साधनको व्यवस्थापन गर्नु, सार्वजनिक संरचना निर्माणमा जग्गा सम्बन्धी समस्या हुनु, पुनरावेदनमा गैरलाभग्राहीहरूको अत्याधिक निवेदन पर्नु, ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक सम्पदा पुनर्निर्माणमा प्रक्रियामा धेरै समय खर्चनुपर्नु, पुनर्निर्माणमा संलग्न कर्मचारीलाई उत्प्रेरणा जगाई स्थायी रूपमा राखी राख्न कठिनाई हुनु, नवप्रर्वतन गरिएको प्रविधि सरोकारवालाबीच लोकप्रिय बनाउन नसक्नु र विकास साझेदारबाट प्रतिवद्धता वमोजिमको सहयोग प्राप्ति, प्रयोग र परिचालन हुन नसक्नु प्रमुख समस्या हुन्।

पुनर्निर्माण गर्न बाँकी रहेका निजी आवास एवम् सार्वजनिक भवन, विद्यालय भवन, पुरातात्विक सम्पदा र स्वास्थ्य केन्द्रको पुनर्निर्माणका लागि आवश्यक स्रोत जुटाई तोकिएको समयमै पुनर्निर्माण सम्पन्न गर्नु, पुनर्निर्माणका लागि आवश्यक प्राविधिक जनशक्तिको उपलब्धता र उपयोगको सुनिश्चितता गर्नु, पुनर्निर्माण पछिको पुनर्स्थापनाका लागि भूकम्प पीडितलाई जीविकोपार्जनमुखी कार्यक्रम सञ्चालन गरी जीवनस्तर उकास्नु र स्थानीय तहमा विपद् व्यवस्थापनका लागि आवश्यक नीतिगत व्यवस्था एवम् कार्यान्वयन क्षमता विकास गर्नु, राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरणको निर्धारित ६ वर्षे समयावधि भित्र सम्पन्न हुन नसक्ने पुनर्निर्माणको कार्यहरूलाई योजनाबद्ध रूपमा सुनिश्चितता प्रदान गर्नु प्रमुख चुनौती हुन्।

## ३. सोच

सुरक्षित र योजनाबद्ध पुनर्निर्माण।

## ४. उद्देश्य

१. निजी आवास तथा सार्वजनिक भौतिक संरचनाको शीघ्र पुनर्निर्माण सम्पन्न गर्नु।

२. जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण, एकीकृत बस्ती विकास एवम् पुनर्स्थापनाको कार्य गर्नु।

## ५. रणनीति

१. भूकम्पबाट क्षतिग्रस्त निजी आवास र सार्वजनिक भौतिक संरचनाहरूको भूकम्प प्रतिरोधी हुनेगरी पुनर्निर्माण र सुधार गर्ने।

२. जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण एवम् एकीकृत बस्ती विकास गर्ने।

३. भूकम्पपीडित (मूलत: जोखिममा परेका) को जीविकोपार्जनका लागि आय-आर्जनका अवसर सिर्जना गर्ने।

४. विपद् व्यवस्थापनका लागि स्थानीय तह देखि नै आवश्यक क्षमता र प्रभावकारिता सुदृढ गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| पहिचान गरिएका निजी आवास पुनर्निर्माण लाभग्राही परिवार | संख्या | ८,३४,८०१ | ८,५५,१६६ | - | - | - |
| अनुदान सम्झौता भएका परिवार | संख्या | ७,९०,४५० | ८,१०,४२७ | - | - | - |
| निर्माण सम्पन्न निजी आवास | संख्या | ५,०८,१४१ | ८,०७,६६७ | ८,५५,१६६ | - | - |
| पहिचान भएका प्रवलीकरण लाभग्राही परिवार | संख्या | ७७,९९९ | ६५,२३१ | - | - | - |
| प्रवलीकरण सम्पन्न घर | संख्या | ३०२ | ५,००० | २०,००० | - | - |
| एकीकृत बस्ती विकास | संख्या | २० | ६४ | ७५ | १०० | - |
| विद्यालय/विश्वविद्यालय भवन पुनर्निर्माण | संख्या | ६,०५८ | ७,१५० | ७,५५३ | ७,६२२ | - |
| स्वास्थ्य संस्था भवन पुनर्निर्माण | संख्या | ६९८ | ७८८ | १,१९७ | - | - |
| पुरातात्विक सम्पदा पुनर्निर्माण | संख्या | ४५३ | ६०३ | ८५० | ८९० | ९२० |
| गुम्बा पुनर्निर्माण | संख्या | २८९ | ४०२ | ६१० | ९५० | १,३२० |
| सरकारी भवन पुनर्निर्माण | संख्या | ३५३ | ३९१ | ४१५ | - | - |
| सुरक्षा निकायका भवन पुनर्निर्माण | संख्या | २०७ | २१६ | - | - | - |
| रणनैतिक एवम् ग्रामीण सडक पुनर्निर्माण | संख्या | २१ | ४२ | ४५ | - | - |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| सडक पुल | संख्या | - | १४ | १७ | - | - |

*नोटः- प्रवलीकरण लागि पहिचान भएका लाभग्राहीहरूलाई निश्चित प्राविधिक तथा प्रक्रियागत मापदण्डको आधारमा पुनर्निर्माण लाभग्राही बन्न सक्ने व्यवस्था गरिएको हुँदा प्रवलीकरण सम्पन्न हुने घर संख्या पहिचान गरिएका लाभग्राहीको तुलनामा न्यून रहने आंकलन गरिएको र पुनर्निर्माण लाभग्राही बढ्ने देखिएको छ।*

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ३७२,२५५ | ५८,११४ | ३१४,१४१ | - | ११३,७९१ | ९४,३३० | १६४,१३४ |
| २०७९/८० | - | - | - | - | - | - | - |
| २०८०/८१ | - | - | - | - | - | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., नाम, उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (शुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३९२०००११ | राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण | ४ | निजी आवास, शैक्षिक संस्था, सरकारी भवन, पुरातात्विक सम्पदाको पुनर्निर्माण, जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण, एकीकृत बस्ती विकास सम्बन्धमा नीतिगत व्यवस्था र समन्वय | २०७२-२०७९ | ८६६ | निजी आवास, शैक्षिक संस्था, सरकारी भवन, पुरातात्विक सम्पदाको पुनर्निर्माण, जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण, एकीकृत बस्ती विकास सम्बन्धमा नीतिगत व्यवस्था र समन्वय भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (शुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण | १, २, ३, ४ | भूकम्प पीडितको घर पुनर्निर्माण/ प्रबलीकरण<br>जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण, एकीकृत बस्ती विकास<br>शैक्षिक तथा स्वास्थ्य भवन, पुरातात्विक सम्पदा तथा रणनैतिक ग्रामीण सडक स्तरोन्नति | २०७२-२०७९ | ५७१७३१ | ८ लाख ५६ हजार भूकम्प पीडितहरूको निजी आवास पुनर्निर्माण सम्पन्न भएको हुने र ६५ हजार निजी आवास प्रबलीकरण भएको हुने<br>सुरक्षित बस्तीमा निजी आवास निर्माण भएको हुने<br>७,५५३ विद्यालय र ६९ विश्वविद्यालय भवनहरूको पुनर्निर्माण भएको हुने<br>१,१९७ स्वास्थ्य भवन पुनर्निर्माण सम्पन्न भएको हुने<br>९२० पुरातात्विक सम्पदा, ७ वटा विश्व सम्पदा, १,३२० गुम्वा र १३ वटा परम्परागत बस्तीको पुनर्निर्माण भएको हुने<br>४१५ वटा सरकारी भवन (केन्द्रीयस्तर-३१ र जिल्लास्तर-३४८) तथा २१६ सुरक्षा निकायका भवन पुनर्निर्माण भएको हुने<br>रणनैतिक एवम् ग्रामीण सडक पुनर्निर्माण भएको हुने |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३९२०००११ | राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण | पुनर्निर्माण, जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण,एकीकृत बस्ती विकास सम्बन्धमा आवश्यक नीतिगत व्यवस्था र समन्वय भएको। | पुनर्निर्माण, जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण, एकीकृत बस्ती विकास, शैक्षिक तथा स्वास्थ्य संस्था, सरकारी भवन, पुरातात्विक सम्पदा लगायतका बाँकी आयोजना सम्बद्ध निकायमा हस्तान्तरण भएको हुने। | पुनर्निर्माण, जोखिमयुक्त बस्ती स्थानान्तरण, एकीकृत बस्ती विकास, शैक्षिक तथा स्वास्थ्य संस्था, सरकारी भवन, पुरातात्विक सम्पदा लगायतका बाँकी आयोजना सम्बद्ध निकायमा हस्तान्तरण गर्ने। |
| | राष्ट्रिय पुनर्निर्माण | ३५४ वटा सरकारी भवन पुनर्निर्माण सम्पन्न | ८ लाख ५६ हजार भूकम्प पीडितहरूको निजी आवास पुनर्निर्माण सम्पन्न भएको हुने र ६५ हजार निजी आवास प्रबलीकरण भएको हुने | निजी आवास भवन पुनर्निर्माण सम्पन्न गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | प्राधिकरण | र ३८ वटा निर्माणाधीन, २०७ सुरक्षा निकायका भवन पुनर्निर्माण सम्पन्न र ९ वटा निर्माणाधीन रहेको<br>१५ वटा सडक सम्पन्न र ३० वटा निर्मणाधीन रहेको | बस्ती स्थानान्तरणका लागि जग्गा खरिद भूमिहीन लाभग्राही जोखिम वर्गका लाभग्राहीलाई अनुदान वितरण भएको हुने<br>सुरक्षित बस्तीमा निजी आवास निर्माण भएको हुने<br>७,५५३ वटा विद्यालय र ६९ वटा विश्वविद्यालयका भवनको पुनर्निर्माण भएको हुने<br>१,१९७ स्वास्थ्य भवन पुनर्निर्माण सम्पन्न भएको हुने<br>९२० वटा पुरातात्विक सम्पदाहरू, ७ वटा विश्व सम्पदा, १,३२० गुम्वा र १३ वटा परम्परागत वस्तीको पुनर्निर्माण भएको हुने<br>४१५ वटा सरकारी भवन र २१६ सुरक्षा निकायका भवन पुनर्निर्माण भएको हुने<br>४५ वटा सडक र १७ पुल निर्माण सम्पन्न भएको हुने | एकीकृत बस्ती निर्माण र संरक्षण गर्ने<br>विद्यालय र विश्वविद्यालय भवन पुनर्निर्माण गर्ने<br>स्वास्थ्य संस्थाका भवन पुनर्निर्माण गर्ने<br>सरकारी भवन पुनर्निर्माण गर्ने<br>रणनैतिक एवम् ग्रामीण सडक निर्माण गर्ने |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

भूकम्पबाट क्षति भई पुनर्निर्माण सम्पन्न हुन बाँकी १,३०७ विद्यालय, ३८ आंगिक क्याम्पस, ४३० पुरातात्विक सम्पदाका मन्दिर, ९१८ गुम्बा, ४४ एकीकृत बस्ती, ५९९ स्वास्थ्य भवन, ३८ सरकारी भवन र ३६४ कि.मि. ग्रामिण सडकको पुनर्निर्माण सम्पन्न भएको हुनेछ। यस अवधिभित्र पुनर्निर्माणको लागि आवश्यक पर्ने स्रोत सहज रूपमा प्राप्त हुन नसकेमा, पुरातात्विक सम्पदाको पुनर्निर्माण सम्बन्धी विवाद समाधान समयमै हुन नसकेमा लक्षित उपलब्धि समयमै हासिल हुन नसक्ने जोखिम समेत देखिन्छ।

# परिच्छेद ८

# शासकीय व्यवस्था र अन्तर सम्बन्धित विषय क्षेत्र

## ८.१ प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्

### १. पृष्ठभूमि

समृद्धिको मूल कडीको रुपमा रहेको स्थानीय तथा प्रदेशको सन्तुलित विकासलाई आत्मसात गर्दै संघीय शासन प्रणाली अनुरुप सेवा प्रवाहका लागि आधार,आवश्यक कानुनी ढाँचाको निर्माण, सहकारीता, सहअस्तित्व र समन्वयका सिद्धान्तका आधारमा तहगत एवम् अन्तर सरकार सम्बन्ध र समन्वय, सुशासन कायम गराउने, भ्रष्टाचार नियन्त्रण गर्ने, न्याय प्रशासनलाई सुदृढ बनाउने, सार्वजनिकक सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी बनाउने, स्थानीय तह र प्रदेशलाई संविधान प्रदत्त अधिकार र उत्तरदायित्व पूरा गर्न सक्षम तुल्याउन विधायिकी, व्यवस्थापकीय र न्यायिक क्षमता अभिवृद्धि गर्ने, विकासको व्यवस्थापन गर्न सक्षम बनाउने र आवश्यक सहयोग, समन्वय र अनुगमन सम्बन्धी कार्य र राष्ट्रिय विकासमा सबैको योगदान अभिवृद्धि गर्ने काम निरन्तर भईरहेका छन्।

नियमित कार्यका अतिरिक्त शासकीय सुधार तथा भ्रष्टाचार नियन्त्रण, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय सन्धी, सम्झौता वा सहमति कार्यान्वयनको अनुगमन, मानवअधिकारको संरक्षण र प्रवर्द्धन, केन्द्रीय स्तरमा शासकीय सुधारका लागि विज्ञ समूह (थिंकट्याङ्क)को व्यवस्था, प्रत्यक्ष संवाद कक्ष (Action Room)को स्थापना गरी राष्ट्रिय गौरव तथा प्राथमिकता प्राप्त आयोजनाहरूमा आइपर्ने समस्या समाधान एवं ११ वटा राष्ट्रिय गौरवका आयोजनाहरूमा जडान भएका Surveillance System मार्फत निरन्तर सघन अनुगमन, नीति तथा कार्यक्रम एवं बजेट कार्यान्वयन अवस्थाको अनुगमन (Online Monitoring System), हेलो सरकारको गुनासो व्यवस्थापनलाई व्यवस्थित गरिएको छ। यसका अतिरिक्त **"समृद्ध नेपाल सुखी नेपाली"** को गन्तव्यलाई सार्थक बनाउन नीति निर्माण र तिनको कार्यान्वयन मार्फत परिवर्तनकारी भूमिकाका लागि शासकीय व्यवस्थासँग सम्बद्ध निकाय जिम्मेवार रहेका छन्।

### २. समस्या तथा चुनौती

सुशासन ऐन तथा नियमावलीले सुशासन कायम गर्न गरेका व्यवस्थाहरूको कार्यान्वयन अवस्थाको पुनरावलोकन हुन समय लाग्नु, प्रदेश र स्थानीय तहको संस्थागत विकासले अपेक्षित गति लिन नसकि समयानूकुल गुणस्तरीय सेवा प्रदान गर्न नसकिनु, सेवा प्रदायक निकायमा कार्यरत व्यक्तिहरूमा सकारात्मक सोचको कमी हुनु, नतिजामूलक तथा सहभागितामूलक अनुगमन र मूल्याङ्कन गर्न कठिन हुनु, राष्ट्रको आवश्यकता अनुसार योजनाको प्राथमिकीकरण, पर्याप्त गृहकार्य, नवीनतम प्रविधि र सोचको उपयोग अपेक्षित मात्रामा नहुनु जस्ता समस्या रहेका छन्। राजनीति र सरकारी प्रशासन बीच रहने लोकतान्त्रिक मूल्य र मान्यतामा आधारित आपसी सम्बन्धका सर्वमान्य सिद्धान्त अवलम्बनद्धारा सार्वजनिक नीति निर्माण र कार्यान्वयनमा तालमेल मिलाई कुशल र प्रभावकारी प्रशासनको माध्यमबाट मुलुकको आर्थिक, सामाजिक रुपान्तरण गर्नु प्रमुख चुनौती रहेको छ।

### ३. सोच

- राष्ट्रिय एकताको संरक्षण, सम्वर्द्धन र प्रवर्द्धन (राष्ट्रिय एकता)।
- निष्ठावान, सक्षम, इमान्दार र गतिशील नेतृत्व विकास (नेतृत्व निर्माण)।
- मजबुत संघीय शासन प्रणालीमा आधारित समृद्ध नेपाल (प्रदेश तथा स्थानीय तहको सन्तुलित विकास)।

- पारदर्शिता, जवाफदेहिता, जनउत्तरदायी, सदाचारयुक्त र आधुनिक प्रविधिमा आधारित विधिको शासन (शासकीय सुधार)।
- सदाचारयुक्त समाज निर्माण (भ्रष्टाचार नियन्त्रण)।
- सुदृढ तहगत सम्बन्ध र उपलब्धिमुखी अन्तरसरकार समन्वय (तहगत सम्बन्ध तथा अन्तर सरकार समन्वय)।

## ४. उद्देश्य

### अ. राष्ट्रिय एकता

१. विविधताको उचित सम्बोधन र सम्मान मार्फत राष्ट्रिय एकता सुदृढ बनाउनु।

### आ. नेतृत्व निर्माण

१. मुलुकको सर्वाङ्गीण विकास र सुशासनका लागि राजनैतिक,प्रशासनिक, सामाजिक, व्यवसायिक लगायत सबै क्षेत्रमा सक्षम तथा कुशल नेतृत्व विकास गर्नु।

२. विभिन्न तहको नेतृत्व बीचको अन्तर सम्बन्धलाई प्रगाढ बनाउँदै सहभागितात्मक एवं सहकार्यात्मक नेतृत्व शैली विकास गर्नु।

### इ. प्रदेश तथा स्थानीय तहको सन्तुलित विकास

- प्रदेश तथा स्थानीय शासन प्रणालीको सन्तुलित र दीगो विकास गर्नु।

### ई. शासकीय सुधार

- सार्वजनिक निकायका काम कारवाहीहरूलाई पारदर्शी, जवाफदेही, सदाचारयुक्त र प्रविधिमैत्री बनाई जनसहभागिता र जनविश्वासमा अभिवृद्धि गर्नु।

### उ. भ्रष्टाचार नियन्त्रण

- भ्रष्टाचारजन्य कार्य नियन्त्रण गरी सुशासनको अनुभूति दिलाउनु।

### ऊ. तहगत सम्बन्ध तथा अन्तर सरकार समन्वय

१. संघीय शासन प्रणाली कार्यान्वयनमा देखिएका अन्यौलता हटाउन अन्तरसरकार समन्वय मार्फत विकास र सुशासनमा टेवा पुर्याउनु।

२. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको एकल तथा साझा अधिकारको बुझाइमा एकरुपता ल्याई अन्तर सरकार समन्वय सुदृढ गर्नु।

३. प्रभावकारी एवं उपलब्धिमूलक तहगत सम्बन्धको लागि आवश्यक कानुनी तथा संस्थागत संयन्त्रको निर्माण गर्नु।

४. स्रोत वितरण एवम् बाँडफाँट, विकास र कार्यान्वयनमा स्पष्टता ल्याई नागरिकमा संघीय शासनको अनुभूति गराउनु।

## ५. रणनीति

### अ. राष्ट्रिय एकता

१. विविधतायुक्त नेपालको विशेषता र यसका सबल पक्षको सम्बन्धमा नागरिकमा जनचेतना फैलाउने।

२. आपसी सद्भाव र मेलमिलापको माध्यमबाट सभ्य समाज निर्माण गर्न नागरिकलाई प्रेरित गर्ने।

३. समाजमा द्वेष र अन्तरद्वन्द्व फैलाउने आन्तरिक तथा बाह्य गतिविधिलाई कानुनी दायरामा ल्याउने।

**आ. नेतृत्व निर्माण**

१. सक्षम र प्रभावकारी नेतृत्व विकासका लागि योजना तयार गर्ने।

२. विभिन्न तहको नेतृत्व बीचको अन्तसम्बन्धलाई प्रभावकारी बनाउन साझेदारी र सहकार्यको विकास गर्ने।

३. पदमा मात्र आधारित नभई क्षमतामा आधारित नेतृत्व विकासलाई प्राथमिकता दिने।

**इ. प्रदेश तथा स्थानीय तहको सन्तुलित विकास**

१. संघीय सरकारको सहयोग र समन्वयमा प्रदेश र स्थानीय तहले आ-आफ्नो भौगोलिक क्षेत्रको वस्तुस्थिति विश्लेषण गरी सोको सहि सदुपयोग गर्ने गरी विविध उपायको अबलम्वन गर्ने।

२. स्थानीय तह र प्रदेशको स्रोत-साधन रक्षमता अभिवृद्धि गरी विकासशील जनशक्ति उत्पादन गर्ने।

३. आ-आफ्नो क्षेत्रको विकासको लागि एक-आपसमा समवय तथा सहकार्य गर्दै प्रतिस्पर्धात्मक हुन संघीय सरकारले सबै स्थानीय तथा प्रदेश सरकारलाई उत्प्रेरित गर्ने।

**ई. शासकीय सुधार**

१. सरकारका काम कारवाहीलाई पारदर्शी तथा प्रभावकारी बनाउन सांगठनिक, कानुनी, प्रणालीगत र व्यवहारगत सुधार गर्ने।

२. विकास आयोजनाको कार्यान्वयनमा आईपर्ने समस्यालाई सम्बोधन गर्न प्रविधिमा आधारित तत्काल समस्या समाधान प्रणालीलाई अवलम्बन गर्ने।

३. राजनीतिक तथा प्रशासनिक क्षेत्रका जिम्मेवार पदाधिकारीको कार्यसम्पादनको स्तरलाई मापनयोग्य बनाई लागू गर्ने।

४. सार्वजनिक निकायका काम कारवाहीप्रति सकारात्मक छवि निर्माण गर्ने।

**उ. भ्रष्टाचार नियन्त्रण**

१. विद्यमान नीति तथा कानुनमा समयानुकूल परिमार्जन तथा कार्यान्वयन गर्ने।

२. भ्रष्टाचार विरुद्ध शून्य सहनशीलतासहित सदाचारयुक्त समाज निर्माण गर्ने।

३. भ्रष्टाचार विरुद्धका चेतनामूलक, निरोधात्मक एवम् दण्डात्मक काम कारवाहीलाई प्रभावकारी बनाउने।

४. सार्वजनिक सेवामा लाग्ने खर्च, समयावधि तथा प्रक्रिया एवम् कार्यविधिको सम्बन्धमा स्पष्टता ल्याई सार्वजनिक सेवालाई जवाफदेही एवम् पारदर्शी बनाउने।

५. सार्वजनिक, निजी, गैरसरकारी, सहकारी, बैंकिङ्ग क्षेत्रमा हुने आर्थिक अनियमितताको नियन्त्रण गरी निजी क्षेत्रको सेवा प्रवाहलाई गुणस्तरीय एवम् सेवामूलक बनाउने।

**ऊ. तहगत सम्बन्ध तथा अन्तर सरकार समन्वय**

१. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहले संविधान प्रदत्त अधिकारको प्रयोगमा तिब्रता दिने।

२. तीन तहको सरकार बीचको समन्वयमा अभिवृद्धि गरी विकास निर्माण,सेवा प्रवाहर जनतासँग प्रत्यक्ष सरोकारका विषयलाई प्रभावकारी बनाउने।

३. आ-आफ्नो तहको विकास र सुशासन अभिवृद्धि गर्नको लागि तीनै तहका सरकारहरूबीच प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण सिर्जना गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| भ्रष्टाचार न्यूनीकरण अनुभूति सूचकांक | स्थान | ११३ | ११७ | ९८ | ९३ | ८९ |
| | सूचकांक | ३४ | ३५ | ३८ | ४० | ४१ |
| सरकारी प्रभावकारीता | स्थान | १४.९० | २३ | २६ | २७ | |
| | सूचकांक | -१.०५ | -०.४० | ०.३५ | ०.७२ | १ |
| विधिको शासन | स्थान | ३१.७३ | ३४ | ३७ | ३८ | |
| | सूचकांक | -०.५४ | -०.२७ | ०.५६ | ०.५७ | ०.५८ |
| आवाज र उत्तरदायित्व | स्थान | ४०.३९ | ४४ | ४६ | ४८ | |
| | सूचकांक | -०.१३ | ०.२२ | ०.४० | ०.७० | १ |
| भ्रटाचार नियन्त्रण | स्थान | २७.४० | २९ | ३३ | ३५ | |
| | सूचकांक | -०.६७ | -०.३७ | ०.३५ | ०.७० | १ |
| राजनीतिक स्थायित्व/हिंसाको अन्त्य | स्थान | २८.५७ | ३५ | ४० | ४५ | |
| | सूचकांक | -०.४७ | -०.०३ | ०.३५ | ०.७० | १.० |
| नियामक गुणस्तर | स्थान | २४.०४ | ३० | ३४ | ३५ | |
| | सूचकांक | -०.७० | -०.२२ | ०.३३ | ०.६५ | १ |
| विश्वव्यापी प्रतिस्प्रर्धी सूचकाङ्क | सूचकांक | ५१.५७ | ५१.५७ | ५७ | ५९ | ६० |
| व्यवसाय सहजीकरण सूचकाङ्क | सूचकांक | ६३.२ | ६४.५ | ६६ | ६७ | ६८ |
| सरकारवादी मुद्दाको सफलतादर | प्रतिशत | ७०.२९ | ७३ | ७८ | ८० | ८२ |
| हेलो सरकारमा प्राप्त उजुरी फछ्र्यौट | प्रतिशत | ४८ | ७० | ७८ | ८८ | ९८ |
| आयोजना बैक स्थापना भएका प्रदेश | संख्या | १ | ३ | ७ | ७ | ७ |
| राजनीतिक सशक्तिकरण | सूचकाङ्क | ०.७२ | ०.७४ | ०.७५ | ०.७६ | ०.७८ |
| आर्थिक सशक्तिकरण | सूचकाङ्क | ०.४८ | ०.५१ | ०.५७ | ०.६३ | ०.७० |
| सामाजिक सशक्तिकरण | सूचकाङ्क | ०.५२ | ०.५४ | ०.५९ | ०.६४ | ०.७० |
| विशिष्टीकृत सरकारी वकिल (तालिम प्राप्त) | जना | २०२ | १०० | १८० | २३० | २८० |
| समुदाय — प्रहरी — | जना | २० | २० | ४० | ४० | ४० |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| सरकारी वकिल कार्यक्रमबाट लाभान्वित संख्या (वार्षिक) | (हजारमा) | | | | | |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ४०,८९७ | ३५,५०२ | ५,३९५ | - | ३९,८७७ | १,०२० | - |
| २०७९/८० | ४३,६०० | ३७,६६४ | ५,९३६ | - | ४२,५०० | १,१०० | - |
| २०८०/८१ | ४५,५११ | ३८,९८१ | ६,५३० | - | ४५,०११ | ५०० | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ती) | लागत (रु.लाख) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०१०००११ | मन्त्रिपरिषद् | ८ | सुशासन तथा जनउत्तरदायित्व | सालबसाली | | मन्त्रिपरिषद् बैठक र निर्णय कार्यान्वयन भएको हुने। |
| ३०१०००१२ | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | ८ | सुशासन तथा जनउत्तरदायित्व | सालबसाली | | नीति निर्माण, अनुगमन, सुशासन प्रबर्द्धन भएको हुने। |
| ३०१०२०११ | सार्वजनिक खरिद अनुगमन कार्यालय | ८ | वित्तीय सुशासन | सालबसाली | | सार्वजनिक खरिद सम्बन्धी अनुगमन गर्ने।<br>राय परामर्श प्रदान र फर्म तथा कम्पनीहरूलाई कानुन बमोजिम कालोसूचिमा राख्ने कार्य भएको हुने। |
| ३०१०३०११ | नेपाल ट्रष्टको कार्यालय | ८ | सुशासन तथा जनउत्तरदायित्व | सालबसाली | | कार्यालयलाई आवश्यक सेवा प्राप्त भई कार्यक्रम संचालनमा सघाउ पुग्ने।<br>सम्पत्तिहरूको रेखदेख भई संरक्षण हुने।<br>उद्यान/वाटिकाहरूको व्यवस्थापन हुने, सम्पत्तिको अभिलेख अद्यावधिक हुने, थप सम्पत्ति प्राप्त हुन सक्ने।<br>ऐतिहासिक सम्पदा तथा अल सम्पत्तिको संरक्षण हुने। |
| ३०१०४०११ | राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्र | ८ | सुशासन प्रवर्द्धन | सालबसाली | | स्थानीय तहका पदाधिकारीहरूलाई सदाचार बनाउने।<br>राष्ट्रिय गौरव लगायतका पूर्वाधार विकास आयोजनाको प्राविधिक परीक्षण गरी आयोजनाको निर्माणमा गुणस्तर कायम गर्ने। |
| ३०१०१०११ | महान्यायाधिवक्ताको कार्यालय | ६ | महान्यायाधिवक्ताको कार्यालयको तेश्रो पञ्चवर्षीय रणनीतिक योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने। अपराध अनुसन्धान, अभियोजन र प्रतिरक्षा प्रणालीलाई वैज्ञानिक र वस्तुगत प्रमाणमा आधारित बनाउने। | सालबसाली | | महान्यायाधिवक्ताको कार्यालयको तेस्रो पञ्चवर्षीय रणनीतिक योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन हुने।<br>अपराध अनुसन्धान, अभियोजन र प्रतिरक्षा प्रणालीलाई वैज्ञानिक र वस्तुगत प्रमाणमा आधारित भएको हुने। |
| ३०१०१०१२ | उच्च सरकारी वकिल कार्यालयहरू | ६ | | | | |
| ३०१०१०१३ | विशेष सरकारी वकिल कार्यालयहरू | ६ | | | | |
| ३०१०१०१३ | जिल्ला सरकारी वकिल कार्यालयहरू | ६ | | | | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ती) | लागत (रु.लाख) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३०१०५०११ | राजस्व अनुसन्धान विभाग | ८ | वित्तीय सुशासन | सालबसाली | | व्यावसायिक प्रशासनको संस्थागत विकास मार्फत राजस्व चुहावट र आर्थिक अपराध नियन्त्रण। |
| ३०१०६०११ | सम्पत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग | | वित्तीय सुशासन | सालबसाली | | उजुरी, सूचना एवं जानकारी प्राप्त भएको हुने।<br>सम्पत्ति शुद्धीकरण गर्ने जस्ता काम निरूत्साहित हुने। |
| ३०१०७०११ | राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग | ८ | अनुसन्धानमा आधारित सुरक्षा व्यवस्था | सालबसाली | | |
| ३०१३१०११ | लगानी बोर्डको कार्यालय | ४ | आर्थिक बृद्धि, रोजगारी सिर्जना, लगानी प्रबर्द्धन, गरिबी निवारण | सालबसाली | | |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३०१०००११ | मन्त्रिपरिषद् | विभिन्न संवैधानिक निकायहरूमा रिक्त प्रमुख तथा पदाधिकारी पदहरूमा ३२ जनाको नियुक्ति<br>मन्त्रिपरिषद् समिति अन्तर्गत विभिन्न समितिहरूको ४४ वटा बैठक बसी ९३ वटा निर्णय भएको। | | मन्त्रिपरिषद् बैठक र निर्णय कार्यान्वयन गर्ने। |
| ३०१०००१२ | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | सुशासन प्रवर्द्धन तथा भ्रष्टाचार नियन्त्रणका लागि सदाचार प्रणालीको विकास गर्न राष्ट्रिय सदाचार नीतिको मस्यौदा तयार भएको।<br>नागरिक मोवाइल एप्सलाई प्रयोगमा ल्याइएको।<br>हेलो सरकार गुनासो व्यवस्थापनको नयाँ पोर्टल संचालनमा ल्याईएको।<br>हेलो सरकार कक्षमा दर्ता भएका जम्मा ७६७१ गुनासो मध्ये ५२७३ (६८.७३ प्रतिशत) फछ्र्यौट गरिएको। | नेपाल सरकारको शासकीय व्यवस्था संचालन तथा व्यवस्थापनको उपल्लो निकायको रूपमा समग्र सार्वजनिक प्रशासन, न्याय व्यवस्था, वित्तिय व्यवस्था तथा जनताप्रतिको उत्तरदायित्व प्रबर्द्धनमा सुशासन कायम भएको हुने।<br>सार्वजनिक सेवामा जनसहभागिता | नीति निर्माण, अनुगमन, सुशासन प्रबर्द्धन गर्ने।<br>कार्यसम्पादन सूचक मार्फत नतिजामूलक व्यवस्थापन पद्धति लागू गर्ने।<br>सार्वजनिक सेवा प्रवाहको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनलाई प्रभावकारी बनाउने।<br>मानव अधिकारको सम्मान, संरक्षण एवं प्रवर्द्धन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | मानवअधिकारको विश्वयापी आवधिक पुनरावलोकन (UPR) सम्बन्धी प्रतिवेदन नेपाल सरकारबाट स्वीकृत भइ संयुक्त राष्ट्र संघीय मानव अधिकार परिषद् पठाइएको। | अभिबृद्धि गर्दै आर्थिक सामाजिक विकास एवं समृद्ध नेपाल निर्माणको लक्ष्य हासिल गर्ने तर्फ उन्मुख प्रशासन संयन्त्र विकास भएको हुने। | भौतिक पूर्वाधार विकासमा समन्वय एवं सुधार गर्ने। |
| ३०१०२०११ | सार्वजनिक खरिद अनुगमन कार्यालय | सार्वजनिक खरिद ऐनको दोस्रो संशोधनको लागि संघीय संसदमा विधेयक टेवुल भएको।<br>सार्वजनिक खरिद सम्वन्धी अनुगमन, मूल्यांकन तथा निरीक्षण कार्यक्रम सम्पन्न गरिएको।<br>EPC Document को मस्यौदा तयार भएको।<br>EPC कार्यविधि मस्यौदा तयार भएको ।<br>४३ वटा फर्म तथा कम्पनीलाई कालोसूचीमा राखिएको। | | सार्वजनिक खरिद सम्बन्धी अनुगमन गर्ने।<br>राय परामर्श प्रदान गर्ने।<br>फर्म तथा कम्पनीहरूलाई कानुन बमोजिम कालो सूचिमा राख्ने। |
| ३०१०३०११ | नेपाल ट्रष्टको कार्यालय | नेपाल ट्रष्ट कोष लगानी सम्बन्धी कार्यविधिको मस्यौदा तयार गरी रायको लागी अर्थ मन्त्रालयमा पठाइएको।<br>नेपाल ट्रष्ट नियमावली २०६५ मा संशोधन सम्बन्धी मस्यौदा तयार गरिएको।<br>नेपाल ट्रष्टको स्वामित्वमा रहेका विभिन्न स्थानमा रहेका सम्पत्तिहरूको न्यूनतम मुल्यांकन, लिज भाडामा दिने विषयमा कामहरू भएका। | | प्राबिधिक परामर्श, कानूनी परामर्श<br>शैक्षिक संस्था स्थापना/संचालन/ व्यवस्थापन अध्ययन गर्ने।<br>ट्रष्ट स्वामित्वको जग्गाको सर्भे तथा लेआउट (नुवाकोट-थानसिंग र काभ्रे-खावा, सिन्धुपाल्चोक-थाङ्गपालधाप)।<br>गोकर्ण राजनिकुन्ज पर्खाल बाहिरको जग्गाको साँधसिमा सिमाकंन।<br>ट्रस्टको सम्पति रहेको स्थानहरूको अनुगमन निरीक्षण गर्ने।<br>कान्तिईश्वरी गृह परिसर, दियालो बंगला परिसर र रत्न मन्दिर परिसर को उद्यान/चौर व्यवस्थापन।<br>सम्पति अभिलेख अद्यावधिक गरी प्रकाशन गर्ने। |
| ३०१०४०११ | राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्र | यस केन्द्रमा प्राप्त जम्मा ७२९ उजुरीहरू मध्ये २६९ फछ्यौट भएका।<br>स्थानीय तह सदाचार कार्यक्रम सञ्चालन भएको।<br>१५ वटा आयोजनाहरूको प्राविधिक परिक्षण कार्य भैरहेको। | ३ वर्ष भित्रमा सवै स्थानीय तहमा कार्यक्रम संचालन भै सदाचार कायम गर्न सहयोग पुग्ने।<br>प्राविधिक परीक्षणबाट आयोजनाको तोकिएको गुणस्तर कायम गर्न | कर्मचारी/स्थानीय तहका पदाधिकारीहरूलाई सदाचार शिक्षा सञ्चालन गर्ने।<br>राष्ट्रिय गौरब लगायतका पूर्वाधार विकास आयोजनाको प्राविधिक परिक्षण गर्ने।<br>प्रदेश स्थानीय तहमा सचेतनामूलक कार्यक्रम |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | समयमै सम्पन्न गर्न सहयोग पुग्ने। | (भ्रष्टाचार नियन्त्रणः हाम्रो साझा दायित्व) सञ्चालन गर्ने। |
| ३०१०१०११<br>३०१०१०१२<br>३०१०१०१३<br>३०१०१०१३ | महान्यायाधिवक्ताको कार्यालय<br>उच्च सरकारी वकिल कार्यालयहरू<br>विशेष सरकारी वकिल कार्यालयहरू<br>जिल्ला सरकारी वकिल कार्यालयहरू | अभियोजन नीति तथा मार्गदर्शनलाई परिमार्जन तथा अद्यावधिक गरी अभियोजन नीति तथा मार्गदर्शन २०७७ जारी गरिएको। आर्थिक वर्ष २०७७/७८ लाई अभियोजन सुधार वर्षको घोषणा गरिएको।<br>विभिन्न भौतिक संरचना तथा कार्यालय भवनहरू निर्माण भएका। | संस्थागत सुधारका लागि रणनीतिक योजनाले प्रक्षेपण गरेका क्रियाकलापहरू मध्ये ९० प्रतिशत कार्यान्वयन भएको हुने।<br>सरकारवादी मुद्दाको सफलता प्रतिशतमा वृद्धि हुने।<br>सम्पूर्ण सरकारी वकीलहरू कम्तीमा १ विषयमा विशिष्टिकृत भएको हुने। | अभियोजन प्रशिक्षण केन्द्र मार्फत तालिम प्रशिक्षणहरू सञ्चालन हुने, अपराधशास्त्रीय अनुसन्धान केन्द्र पूर्ण रुपमा सुचारु भइ कम्तिमा ५ विषयमा अनुसन्धान गरिने।<br>अभियोजन सुधारका लागि अभियोजन परिक्षणका साथै दैनिक रुपमा अभियोगपत्रहरू परीक्षण गर्ने।<br>सरोकारवाला निकायहरूसँग समन्वय प्रभावकारी तुल्याउने, कार्यालय प्रमुखद्धारा मातहतका कार्यालय प्रमुखलाई मासिक रुपमा सम्बोधन निर्देशन गर्ने |
| ३०१०५०११<br>३०१०५०१२ | राजस्व अनुसन्धान विभाग<br>राजस्व अनुसन्धान ईकाइ कार्यालयहरू | राजश्व अनुसन्धान विभागबाट मालवस्तु तथा ढुवानीका साधनको अनुगमन प्रणाली (Vehicle & Consignment Tracking System -VCTS) पूर्णरुपमा कार्यान्वयनमा ल्याईएको। सूचना व्यवस्थापन प्रणाली (CMIS) तयार भई कार्यान्वयनमा आएको।<br>झुट्टा तथा नक्कली विजक जारी गर्ने २०० वटा फर्मको पहिचान गरिएको।१७१ वटा फर्मको अनुसन्धान सम्पन्न गरी १३७ वटा फर्मको विगो १७.८० अर्व कायम गरी मुद्दा दायर गरिएको।<br>झुट्टा तथा नक्कली विजक खरिद गरि राजस्व छल्ने १२०० भन्दा वढी फर्महरूको पहिचान भएको। ५२ वटा फर्मको अनुसन्धान सम्पन्न भइ ४.६१ अर्व विगो कायम गरी मुद्दा दायर गरिएको। | राजस्व चुहावट र आर्थिक अपराध नियन्त्रणमा रही<br>सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रको वित्तिय सुशासन कायम भएको हुने। | १.राजस्व चुहावटको सुक्ष्म निगरानी<br>२. Vehicle Consignment Tracking System support program<br>३.गस्ती परिचालन कार्यक्रम<br>४.नागरिक सचेतना अभिवृद्धि तथा सरोकारवाला पक्षसंग अन्तरक्रिया सम्वन्धी कार्यक्रम |
| ३०१०६०११ | सम्पत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग | सम्पत्ति शुद्धीकरण तथा आतंकवादी क्रियाकलापमा वित्तिय लगानी निवारण सम्बन्धी राष्ट्रिय रणनीति तथा कार्ययोजनामा राष्ट्रिय जोखिम मूल्याङ्कन प्रतिवेदनको पूरक कार्ययोजना तयार भएको।<br>APG ले गर्ने Mutual Evaluation को प्राविधिक परिपालना | सम्पत्ति सुद्धिकरणका क्रियाकलाप न्यूनीकरण तथा निरुत्साहित भएको सामाजिक व्यवस्था स्थापीत भएको हुने। | सम्पत्ति शुद्धीकरण तथा आतंककारी कृयाकलापमा वित्तीय लगानी निवारण सम्बन्धमा FATF का सुझाव कार्यान्वयन गर्ने र Mutual Evaluation को तयारी गर्ने।<br>सम्पति शुद्दिकरण तथा आतंकवादी क्रियाकलापमा |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | तर्फको ४० वटा Recommendations को प्रारम्भिक रेस्पोन्स लेखन कार्य सम्पन्न भएको।<br>सम्पत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभागमा जम्मा २१६३ उजुरी दर्ता भएकोमा विगो रकम रू ६ अर्ब ५० करोड कायम गरी ७० वटा मुद्दा दायर गरीएको। ४५ वटा मुद्दाको फैसला भएकोमा विभागको हकमा आंशिक वा पूर्ण सफलता भएको ३९ रहेको छ। | | वित्तिय लगानी निवारण सम्वन्धी राष्ट्रिय रणनीति तथा कार्ययोजना २०७६-२०८१ को प्रभावकारी कार्यान्वयन/प्रतिवेदन तयारी गर्ने।<br>सम्पत्ति शुद्धीकरणका क्षेत्रमा अनुसन्धान, मुद्दा दायर, विगो रकम कायम आदि कार्यक्रम संचालन गर्ने। |
| ३०१०७०११ | राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग | राष्ट्रिय सुरक्षा तथा राष्ट्रहित विरुद्धका गतिविधिमा संलग्न विभिन्न समुह तथा पक्षको बारेमा सूचना संकलन गर्ने, राष्ट्रिय रणनीतिक महत्वका सूचना चोरी तथा चुहावट हुने क्षेत्रको पहिचान गर्ने, सुशासन प्रवर्द्धनमा प्रतिकुल हुने गतिविधिको पहिचान गर्ने लगायतका विभागीय जिम्मेवारीसँग सम्बन्धित कार्यहरू निरन्तर भइरहेका।<br>गैर आवासिय भवन निर्माणः ९ मध्ये २ भवन निर्माण सम्पन्न, ७ भवन निर्माणाधीन रहेका। जसमध्ये ३ जिल्ला भवन चालु आ.व. भित्रमा सम्पन्न हुने। | क्षमता विकास, प्रविधिको प्रयोग मार्फत व्यावसायिक इन्टेलिजेन्स र अनुसन्धानमा आधारित न्याय व्यवस्था भएको हुने। | राष्ट्रिय सुरक्षा तथा राष्ट्रहित विरुद्धका गतिविधिमा संलग्न विभिन्न समुह तथा पक्षको बारेमा सूचना संकलन गर्ने,<br>राष्ट्रिय रणनीतिक महत्वका सूचना चोरी तथा चुहावट हुने क्षेत्रको पहिचान गर्ने, सुशासन प्रवर्द्धनमा प्रतिकुल हुने गतिविधिको पहिचान गर्ने आदि। |
| ३०१३१०११ | लगानी बोर्डको कार्यालय | सार्वजनिक निजी साझेदारी अन्तर्गत अरुण तेस्रो जलविद्युत परियोजना निर्माण भैरहेको र निजी लगानी तर्फ २ वटा उत्पादन मुलक उद्योग (होडसी र ह्वाशीन सिमेन्ट उद्योग) संचालनमा रहेका, रु.३९ अर्बको लगानी स्वीकृति भएको। | सार्वजनिक निजी साझेदारी र निजी लगानी मार्फत ठुला परियोजनाहरूको बिकास तथा कार्यान्वयन भएको हुने। | लगानी प्रवर्द्धन, संस्थागत सुदृढीकरण, नीतिगत सुधार तथा अध्ययन अनुसन्धान गर्ने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

संघीय संरचना अनुसार स्थापित भएका निकायहरूको प्रभावकारिताका लागि अनुभवी नेतृत्व, तथा पर्याप्त मानव संशाधनको व्यस्थापन गर्ने,स्थीर प्रशासनिक नेतृत्व, सुशासन कायम गर्ने, भ्रष्टाचार नियन्त्रण र मानव अधिकारको प्रत्याभूति एवं प्रवर्द्धन गर्ने कार्य प्रभावकारी रुपमा सम्पादन भए अपेक्षित नतिजा समयमै हासिल भई तीन बटै तहको सरकारको काम छिटो, छरितो, पारदर्शी मितव्ययी तथा गुणस्तरीय हुने अनुमान गर्न सकिनेछ। शासकीय व्यवस्थाका आधारभूत आवश्यकता पुरा गर्न साधन स्रोत तथा क्षमता, व्यवस्थापकीय कौशलता एवं प्रविधिको उपयोग समयानुकूल हुन नसकेमा क्षेत्रगत उद्देश्य हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहेको छ।

## ८.२ सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा ५६ मा सङ्घीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र नेपालको मूल संरचना संघ, प्रदेश र स्थानीय तह गरी तीन तहको हुने व्यवस्था छ। संविधानले परिकल्पना गरेबमोजिम तीनै तहका सरकारहरूबीचको अन्तरतह समन्वय, सहअस्तित्व र सहकार्य नै समृद्ध नेपाल निर्माणको मूल आधार हो। शासन प्रणालीमा सबै क्षेत्र, वर्ग र समुदायको सहभागिता र पहुँचमा अभिवृद्धि गर्दै विविधता बीचको एकता कायम गर्ने दिशातर्फ सार्वजनिक सेवा प्रवाह र विकास कार्य केन्द्रित गरिनुपर्दछ।

योजना प्रणाली र स-साना विकास निर्माणका लागि पनि केन्द्रमुखी हुनुपर्ने अवस्थाले गर्दा स्थानीय विकास निर्माणमा जनताको आवश्यकता अपेक्षित रुपमा प्रतिबिम्बित हुन नसकेको विगतको यथार्थलाई मध्यनजर गरी विकास र सेवा प्रवाहमा सन्निकटताको सिद्धान्त अनुसार स्थानीय तहबाट सहज र सरल तरिकाले सेवा प्रवाह गर्न र जनचाहना अनुरूप स्थानीय पूर्वाधारको विकास गर्न सङ्घीय प्रणाली अवलम्वन गरिएको हो। सङ्घीय प्रणालीको सफलता र असफलता स्थानीय तहको प्रभावकारितामा बढी निर्भर हुनेहुँदा योजना पद्धतिलाई पनि सङ्घीय प्रणाली अनुकूल हुनेगरी अझ प्रभावकारी बनाउन आवश्यक छ।

हालसम्मको योजनाबद्ध विकास प्रयासबाट आर्थिक सामाजिक क्षेत्रमा मुलुकले उल्लेख्य प्रगति हासिल गरेको भए तापनि नागरिकको बढ्दो आकाङ्क्षा, प्रविधिको प्रयोग र विश्वव्यापीकरणको प्रभावका कारण प्राप्त भएका उपलब्धिहरूबाट सन्तोष मान्न सकिने अवस्था छैन। उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि, रोजगारीका अवसरहरूको सिर्जना, स्थानीय उत्पादनलाई बजारसँगको आवद्धता, सीमान्तकृत समूहका नागरिकहरूको अर्थपूर्ण सहभागिता र विकासको प्रतिफलको समन्यायिक वितरणका माध्यमबाट शहर र ग्रामीण क्षेत्रको विकासको अन्तरआवद्धतामा अभिवृद्धि गर्दै गुणस्तरीय जीवन (Quality Life) को सुनिश्चितता गर्नुका साथै स्थानीय युवाहरूलाई स्वदेशमै उत्पादनशील कार्यमा उत्प्रेरित गर्दै विकासमा युवा जनशक्तिको उपयोग गर्नुपर्ने अहिलेको आवश्यकता रहेको छ।

शासन प्रणालीलाई जनमुखी, सक्षम, सुदृढ, सेवामुलक र उत्तरदायी बनाउँदै लक्षित समुदायको पहुँच र सहभागितालाई समावेशिताको वैज्ञानिक एवं न्यायोचित प्रणालीको अवलम्बन मार्फत सुनिश्चित गर्न आवश्यक छ। सङ्घीय प्रणालीमा आधारित लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्थालाई व्यवहारमा कार्यान्वयन गर्दै निर्दिष्ट राष्ट्रिय गन्तव्यमा पुग्नसक्ने प्रशासकीय क्षमता र तत्परताको अभिवृद्धि गर्दै प्रशासकीय सुशासन हासिल गर्नु पनि उत्तिकै आवश्यक छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

सङ्घीय शासन प्रणालीको प्रभावकारी कार्यान्वयन, सार्वजनिक सेवा प्रवाहको सुदृढीकरण, मानव संशाधन विकास एवम् स्थानीय पूर्वाधार विकासको सन्दर्भमा अनेकौं अवसरका साथसाथै समस्या तथा चुनौतीहरू समेत विद्यमान रहेका छन्। समग्र योजना प्रणाली र आवश्यकतालाई प्राथमिकीकरण गर्न नसक्नु, स्थानीय आयोजनाहरूको प्रगति मापन, अनुगमन मूल्याङ्कन गर्ने कार्यमा अन्यौलता देखिनु, स्थानीय आवश्यकता र प्राथमिकताका आधारमा पूर्वाधार विकास हुन नसक्नु, निर्माण सम्पन्न पूर्वाधारहरूको गुणस्तर एवम् दीगोपना कायम हुन नसक्नु, विकट भौगोलिक अवस्थिति र छरिएको बस्तीका कारण पूर्वाधार विकास खर्चिलो हुनु तथा वातावरणमैत्री हुन नसक्नु, विनियोजित स्रोत र लगानीको महत्तम उपयोग हुन नसक्नु जस्ता प्रमुख समस्याका रुपमा रहेका छन्। संविधानमा उल्लेखित सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहको साझा अधिकारका विषयमा आवश्यक सबै कानून बनिनसक्नु, सङ्घीय एकाइबीचको अन्तरसम्बन्धलाई प्रष्ट गर्ने आधार तथा मापदण्ड तयारीको क्रममा रहनु, समग्र कर्मचारी प्रशासनलाई मार्गदर्शन गर्ने सङ्घीय निजामती सेवा ऐन पारित भइनसक्नु प्रमुख समस्याका रुपमा रहेको छ।

सङ्घीय शासन प्रणाली व्यवस्थापनका सन्दर्भमा सरोकारवालाहरूबीचमा सङ्घीयताका सम्बन्धमा समान बुझाइ र समझदारी कायम गरी राजनीतिक, प्रशासनिक र वित्तीय सङ्घीयतालाई सबल र प्रभावकारी बनाउनु, सङ्घीयता कार्यान्वयनकै सन्दर्भमा तीनै तहबाट सम्पादन हुने सेवा प्रवाहलाई सन्तुलित, मितव्ययी, पारदर्शी, जवाफदेही, जनमुखी एवम् सदाचारयुक्त तुल्याउनु, सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहका एकल तथा साझा अधिकारका विषयमा कानून निर्माण गर्दा संविधानको भावना र मर्म अनुरूप सामन्जस्यता कायम गर्नु तथा जनप्रतिनिधि र कर्मचारीबीचको अन्तरसम्बन्ध तथा सीमाहरू परिभाषित गरी समन्वयात्मक र सहयोगात्मक भावनाबाट कार्यसम्पादन गर्नु चुनौतीपूर्ण रहेको छ।

यसैगरी, सार्वजनिक प्रशासन सम्बन्धी नवीनतम् अवधारणाहरूको आन्तरिकीकरण गर्नु, सेवा प्रवाहलाई नागरिकको बढ्दो आकाङ्क्षा अनुरुप गुणस्तरीय, पारदर्शी, मितव्ययी र प्रभावकारी बनाउँदै सेवा प्रवाहका सबै प्रक्रिया एवम् कौशलतामा परिवर्तन गरी नागरिकमा सार्वजनिक प्रशासनप्रति विश्वास अभिवृद्धि गर्नु सार्वजनिक प्रशासनको अहम् चुनौती रहेको छ। साथै, सार्वजनिक सेवामा प्रतिभावान जनशक्तिलाई आकर्षण गर्नु एवम् सेवामा रहेकालाई टिकाइराख्नु र कर्मचारीको सोच, रुचि, अनुभव तथा अध्ययनको क्षेत्र समेतका आधारमा जिम्मेवारी प्रदान गर्दै उपयुक्त रूपमा कामको सिर्जना गरी कर्मचारीको ज्ञान, सीप, सक्षमता एवम् कुशलताको पूर्णरूपमा उपयोग गर्नु समेत चुनौतीको रुपमा विद्यमान रहेको छ।

निजामती सेवालाई निरन्तर सिकाइको आधारको रूपमा विकसित गर्दै अन्तरक्रियात्मक शैलीबाट प्रशासकीय प्रबन्ध गर्दै जानु तथा निजामती सेवामा कार्यसम्पादन र उत्प्रेरणाबीचको सहसम्बन्धलाई दृष्टिगत गरी मूल्याङ्कन पद्दतिलाई वस्तुगत र वैज्ञानिक बनाउने एवम् प्रोत्साहन र सुधार (reward and reform) लाई कार्यसम्पादन मूल्याङ्कनसँग आबद्ध गर्नु निजामती प्रशासनको मुख्य चुनौतीको रुपमा रहेको छ।

यस्तै स्थानीय पूर्वाधारको छनौट, निर्माण र व्यवस्थापनमा सरोकारवालाहरूबीच प्रभावकारी सहकार्य र समन्वय एवम् अपनत्व स्थापित गर्दै, स्थानीय पूर्वाधार विकासका लागि वित्तीय स्रोतको व्यवस्थापन गरी योजना तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी र प्रतिफलयुक्त कार्यान्वयन गर्नु जस्ता चुनौती समेत रहेका छन्।

## ३. सोच

- सबल सङ्घीयता; सक्षम, सुदृढ र जनउत्तरदायी सार्वजनिक प्रशासन।

## ४. उद्देश्य

### अ. सङ्घीय शासन प्रणाली

१. स्थानीय तहको संस्थागत क्षमता विकास तथा सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहका एकल तथा साझा अधिकार कार्यान्वयनमा सङ्घीय एकाइहरू बीच प्रभावकारी समन्वय र सहजीकरण गर्नु।

२. लोकतन्त्रबाट प्राप्त लाभको समानुपातिक, समावेशी र न्यायोचित वितरणको अवस्था सिर्जना गर्नु।

३. सन्निकटता, सहकार्य, समन्वय र सहअस्तित्वको सिद्धान्त अनुसार तीनै तहका सरकारबाट कार्यसम्पादन हुने अवस्था सिर्जना गर्नु।

### आ. सार्वजनिक सेवामा मानव संशाधन व्यवस्थापन

१. सार्वजनिक प्रशासनमा सदाचारी, व्यावसायिक एवम् उत्तरदायी जनशक्तिको प्राप्ति, विकास र उपयोग सुनिश्चित गर्नु।

२. कार्यरत कर्मचारीहरूलाई उच्च मनोबलसहित सेवा प्रवाहमा उत्प्रेरित गराउनु।

**इ. स्थानीय पूर्वाधार**

१. स्थानीय पूर्वाधार विकासलाई सन्तुलित, दिगो र वातावरणमैत्री बनाउनुका साथै स्थानीय बजार र उत्पादनलाई जोडी ग्रामीण जीवनलाई सरल, सहज र उत्पादनमूलक बनाउन समन्वय, सहजीकरण र सहकार्य गर्नु।

२. गुणस्तरीय, मितव्ययी र प्रभावकारी स्थानीय सेवा प्रवाहका लागि आवश्यक आधारभूत पूर्वाधारको विकास गर्नु।

**ई. सेवा प्रवाह र सुशासन**

१. सार्वजनिक प्रशासनलाई सङ्घीय संरचना अनुरूप सबल, सक्षम र सुदृढ बनाई दक्ष, सेवाग्राहीमुखी र व्यवसायिक बनाउनु।

२. सहज, सुलभ र गुणस्तरीय सार्वजनिक सेवा प्रवाहका लागि नीति, कानून तथा मापदण्ड तर्जुमा, कार्यान्वयन र सहजीकरण गर्नु।

३. सेवा प्रवाह र शासन प्रणालीमा बहुपक्षीय साझेदारीको विकास गर्नु।

## ४. रणनीति

**अ. सङ्घीय शासन प्रणाली**

१. सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहबीच प्रशासनिक अन्तरसम्बन्ध सुदृढ गर्ने।

२. सङ्घ र स्थानीय तह एवम् प्रदेश र स्थानीय तहबीच प्रभावकारी अन्तरसम्बन्ध कायम गर्ने ।

३. स्थानीय तहको क्षमता विकास तथा संस्थागत सुदृढीकरण गर्ने।

४. स्थानीय तहले हासिल गरेको उपलब्धिलाई एकीकृत राष्ट्रिय उपलब्धिमा समावेश गर्ने।

५. स्थानीय तहको अनुदान वितरणलाई कार्यसम्पादनसँग आबद्ध गर्ने।

६. स्थानीय तहको दिगो र सन्तुलित आर्थिक तथा सामाजिक विकासका लागि समन्वय र सहजीकरण गर्ने।

**आ. सार्वजनिक सेवामा मानव संशाधन व्यवस्थापन**

१. सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहको कार्यजिम्मेवारी अनुरूप जनशक्ति प्रक्षेपण गरी सार्वजनिक सेवामा प्रतिभावान व्यक्तिहरूको आकर्षण अभिवृद्धि गर्ने।

२. निजामती कर्मचारीहरूमा पेशागत आचरण र व्यावसायिक दक्षता अभिवृद्धि गर्ने।

३. वृत्तिपथ तथा सेवा सुविधा पूर्वानुमानयोग्य बनाइ निजामती कर्मचारीलाई उत्प्रेरित र उच्च मनोबलयुक्त बनाउने।

४. प्रशासन सुधारलाई संस्थागत गर्न निरन्तर सुधारलाई कार्य संस्कृतिको रूपमा विकास गर्ने।

५. सार्वजनिक सेवालाई प्रभावकारी बनाउन प्राज्ञिक निकाय तथा विज्ञहरूसँगको सहकार्यमा अध्ययन अनुसन्धान गर्ने।

**इ. स्थानीय पूर्वाधार**

१. दिगो स्थानीय पूर्वाधार विकासका लागि नीति, कानून तथा मापदण्ड तर्जुमा र कार्यान्वयनमा सहजीकरण गर्ने।

२. सबै स्थानीय तहमा न्यूनतम आधारभूत पूर्वाधारहरू विकासका लागि समन्वय र सहजीकरण गर्ने।

३. स्थानीय पूर्वाधार विकासमा सहलगानी तथा सार्वजनिक निजी साझेदारी प्रवर्द्धन गर्ने।

४. स्थानीय पूर्वाधार विकासका लागि अन्तर्राष्ट्रिय विकास सहायतालाई एकीकृत रूपमा परिचालन गर्ने।

५. विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलनलाई मूलप्रवाहीकरण गर्ने।

**ई. सेवा प्रवाह र सुशासन**

१. सार्वजनिक सेवामा नागरिकको सरल, सहज र सुलभ पहुँच सुनिश्चित गर्ने।

२. सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहबाट प्रवाह गरिने सार्वजनिक सेवामा गुणस्तरीयता कायम गर्न आवश्यक नीति, कानून तथा मापदण्ड तयार गरी लागू गर्ने।

३. प्रशासकीय सुशासन कायम गर्न आवश्यक औजारहरूको विकास गरी कार्यान्वयन गर्ने।

४. सार्वजनिक प्रशासनलाई पारदर्शी, सदाचारयुक्त र जनउत्तरदायी बनाउने ।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाई | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| स्थानीय तहमा रोजगारी सिर्जना | जना/श्रम दिन (लाख) | १७ .१० | २३ | २५ | ४० | ५० |
| तराईमा एक घण्टा र पहाडमा दुई घण्टा भित्र यातायात सेवामा पहुँच पुगेको जनसङ्ख्या (हिउँदमा) | प्रतिशत | ६९ | ७२ | ७५ | ७८ | ८२ |
| सुधारिएको खानेपानी स्रोतमाथि दिगो पहुँच भएका ग्रामीण घरधुरी (वर्षभरि पानी चल्ने खानेपानी आयोजना) | सङ्ख्या (थप हजार) | ५० | ७० | ३३ | - | - |
| सरसफाइ सुविधा पाएका ग्रामीण जनसङ्ख्या | जना हजारमा (थप) | २५ | ३० | २० | - | - |
| ग्रामीण सडक (कालोपत्रे) | कि.मि. | ४२१२ | १५० | १५० | ३०० | ३०० |
| स्थानीय सडक पुल निर्माण | सङ्ख्या | ५१९ | ३० | १०० | ११० | १२० |
| झोलुङ्गे पुल निर्माण | गोटा | ८५५२ | ६०० | ७३० | ७३० | ७३० |
| साना सिँचाइ सुविधा पुगेको थप क्षेत्रफल | हेक्टर | ३५०० | ४८०० | १२००० | ७००० | ८००० |
| स्थानीय तहको प्रशासकीय भवन निर्माण | संख्या | २२५ | २५४ | ३२४ | ४२४ | ६२४ |
| सडक पुगेको गाउँपालिका वा नगरपालिका केन्द्र | सङ्ख्या | ७१९ | ७२५ | ७४० | ७५० | ७५३ |
| पक्की सडक पुगेको गाउँपालिका वा नगरपालिका केन्द्र | सङ्ख्या | ५१३ | ५१८ | ५४८ | ५८८ | ६८८ |
| सार्वजनिक सुनुवाई गरेका स्थानीय तह | प्रतिशत | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |

| सूचक | एकाई | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा कर्मचारीको क्षमता विकास तालिम (थप) | जना | ११८१२ | ११८१२ | १११५३ | ११५०० | ११९०० |
| कर्मचारी सेवाकालीन तालीम (राजपत्र अनङ्कित तथा स्थानीय तहका अधिकृतसमेत) (थप) | जना | ३६५ | ३६५ | १४८० | १६२८ | १७९० |
| कर्मचारी प्रशिक्षण/तालीम (अधिकृतस्तर) (थप) | जना | १२०८ | १२०८ | १८८७ | २००० | २००० |
| अध्ययन तथा अनुसन्धान | सङ्ख्या | १४ | १४ | १९ | २१ | २४ |
| निजामती अस्पतालमा बहिरङ्ग सेवा प्रतिदिन | जना | ६५० | ६५० | ८०० | ८५० | ९०० |
| स्थानीय तहको क्षमता विकास योजना निर्माण | सङ्ख्या | - | १५५ | ५९८ | - | - |
| व्यवस्थापन परीक्षण गरेका निकाय | सङ्ख्या | १० | १० | ५ | ५ | ५ |
| स्थानीय सरकार स्वमूल्याङ्कन (LISA) परीक्षण | सङ्ख्या | ७५३ | ७५३ | ७५३ | ७५३ | ७५३ |
| स्थानीय तहको राजस्व परिचालन कार्ययोजना तर्जुमा | सङ्ख्या | ३०० | ३०० | ७५३ | ७५३ | ७५३ |
| स्थानीय तहको आवधिक योजना तर्जुमा | सङ्ख्या | - | ४७ | २०० | २५० | २५६ |

## ७. विषयक्षेत्रगत खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय प्रक्षेपण

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | १८९,५६८ | ६५,००६ | १२४,५६२ | – | १००,९९८ | २९,५४३ | ५९,०२७ |
| २०७९/८० | ३५१,०८४ | ८८,०५८ | २६३,०२६ | – | १२९,९७६ | ४१,१०८ | १८०,००० |
| २०८०/८१ | ३८२,८८९ | ९५,१७३ | २८७,७१६ | – | १४०,४१८ | ४५,९७१ | १९६,५०० |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरणः- ब.उ.शी.नं., कार्यक्रम/आयोजनाको नाम, उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | उद्देश्य | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३६५०००११ | सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय | स्थानीय सुशासनको संस्थागत विकास गर्ने स्थानीय सेवा प्रवाहमा सहजीकरण | | सालबसाली | | विभिन्न सार्वजनिक सेवा प्रवाह गर्ने १० वटा कार्यालयहरूको व्यवस्थापन परीक्षणको कार्य सम्पन्न भएको हुने,<br>स्थानीय तहहरूको असल अभ्यासहरूको आदान-प्रदान भएको हुने,<br>५० वटा स्थानीय तहहरूको न्यायिक समितिबाट भएका निर्णयको विश्लेषण भएको हुने,<br>२० वटा सेवाग्राही सन्तुष्टी सर्वेक्षण सम्पन्न भएको हुने,<br>२० वटा नमूना कानून तयार गरी स्थानीय तहलाई उपलब्ध गराइएको हुने। |
| ३६५०१०११ | स्थानीय पूर्वाधार विभाग | स्थानीय तहको पूर्वाधारको विकासमा प्राविधिक सहयोग र सहजीकरण | | सालबसाली | | स्थानीय पूर्वाधार विकास नीति परिमार्जन भएको हुने,<br>समावेशी भवनको स्ट्रक्चर निर्माणकार्य पूरा भएको हुने।<br>७ वटा गाउँपालिका केन्द्रको एकीकृत गुरुयोजना तयार भएको हुने।<br>विराटनगर र भरतपुर महानगरपालिकाको फोहोरमैला व्यवस्थापनको पूर्वाधार निर्माण प्रारम्भ भएको हुने। |
| ३६५६१०१२ | नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | निजामती सेवाका राजपत्रांकित कर्मचारीको प्रशिक्षण तथा प्रशासनिक खोज अध्ययन | | २०३९ सालबसाली | | १८८७ जना अधिकृतस्तरका कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने,<br>१९ वटा अध्ययन अनुसन्धान सम्पन्न भएको हुने। |
| ३६५०००१२ | अतिरिक्त समूह | अतिरिक्त समूहमा रहेका निजामती कर्मचारीहरूको अनिवार्य दायित्व व्यवस्थापन | | सालबसाली | | अतिरिक्त समूहमा रहेका निजामती कर्मचारीको व्यवस्थापन भएको हुने। |
| ३६५०२०११ | राष्ट्रिय किताबखाना | सरकारी कर्मचारीको अभिलेख व्यवस्थापन | | सालबसाली | | सम्पत्ति विवरण दर्ता, अनिवार्य अवकाश एवं सरुवा बढुवा लगायतका विवरणहरूको SMS बाट जानकारी दिने कार्य भएको हुने, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | उद्देश्य | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | PIS re-engineering गरी सफ्टवेयर (कर्मचारी वैयक्तिक प्रणाली) निर्माण कार्य सम्पन्न भई परीक्षण भएको हुने,<br>PIS Software मा थप व्यवस्था गरी आ.व. २०७२/०७३ देखि सेवा निवृत्त कर्मचारीहरूलाई विदा तथा औषधी उपचार सुविधा वापतको रकम समेत किटान गरी विवरण दिने काम भएको हुने,<br>सिटरोल भर्न अनलाइन सफ्टवेयर सञ्चालनमा ल्याई नयाँ नियुक्ति हुने कर्मचारीहरूले अनलाइनबाट सिटरोल भरी दर्ता प्रकृया सहज भइरहेको,<br>PIS re-engineering गरी तयार भएको कर्मचारी वैयक्तिक प्रणाली सञ्चालनका लागि आवश्यक IT Equipment (Hardware) खरिद सम्झौता भई Hardware प्राप्त गरी जडानको कार्य सम्पन्न भएको।<br>नागरिक लगानी कोष र निबृत्तिभरण व्यबस्थापन कार्यालयसँग API मार्फत Real Time Data Sharing को कार्य सम्पन्न भएको। |
| ३६५६१०१३ | आदिवासी जनजाती उत्थान प्रतिष्ठान | आदिवासी जनजाति उत्थान<br>क्षमता विकास | | २०५३/५४ सालबसाली | | आदिवासी जनजाति समुदायको सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक विकासमा सहयोग पुगेको हुने,<br>आदिवासी जनजाति समुदायको ६ वटा संस्थागत तथा सामुदायिक भवन निर्माण भएको हुने |
| ३६५६१०११ | स्थानीय विकास प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | प्रदेश र स्थानीय तहका कर्मचारी एवम् पदाधिकारीको क्षमता विकास | | सन् २००९ सालबसाली | | १३७२ जना स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि तालिम सम्पन्न भएको हुने,<br>१४० जना स्थानीय तहका र राजपत्र अनङ्कित कर्मचारीको सेवाकालीन तालिम सञ्चालन भएको हुने।<br>६ वटा अध्ययन अनुसन्धान सम्पन्न भएको हुने। |
| ३६५००१०२ | सङ्घीय शासन प्रणाली व्यवस्थापन कार्यक्रम | सङ्घीय शासन प्रणालीलाई व्यवस्थापन गर्न सहजीकरण गर्नु | | २०७२/७३ सालबसाली | | सङ्घीय शासन प्रणाली सुदृढीकरण गर्ने सन्दर्भमा आवश्यक पर्ने १० वटा नमूना कानून निर्माणमा सहजीकरण भएको हुने,<br>५० वटा स्थानीय तहबाट जारी भएका नीति एवम् कानूनहरूको अभिलेख व्यवस्थापन गरिएको हुने, |
| ३६५८१०११ | निजामती कर्मचारी | निजामती कर्मचारी र | | २०६७/६८ | | निजामती कर्मचारीका अतिरिक्त सर्वसाधारणहरूलाई सर्वसुलभ एवं सहजरूपमा |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | उद्देश्य | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | अस्पताल विकास समिति | आश्रित परिवार एवम् सर्वसाधारणलाई गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रवाह | | सालबसाली | | गुणस्तरीय स्वास्थ्य उपचार सेवा प्रवाह भएको हुने। |
| ३६५००१०४ | स्थानीय पूर्वाधार विकास साझेदारी कार्यक्रम | भौतिक पूर्वाधार विकाससम्बन्धी आयोजना सञ्चालन गर्नु | | सालबसाली | | स्थानीय तहमा साझेदारी प्रणालीको उपयोग गरी अत्यावश्यक पूर्वाधारहरू विकास भएको हुने। |
| ३६५००१०५ | जिल्ला समन्वय समितिको कार्यालयहरू | स्थानीय तह र प्रदेश एवम् सङ्घीय तहबीच समन्वय तथा विकास कार्यको अनुगमन गरी आवश्यक पृष्ठपोषण प्रदान गर्नु | | सालबसाली | | सङ्घीय इकाइहरूबीच समन्वय र सहकार्य अभिवृद्धि भएको हुने,<br>विकास निर्माण सम्बन्धी आयोजना तथा कार्यक्रममा गुणस्तरीयता कायम गर्न पृष्ठपोषण प्रदान गरिएको हुने। |
| ३६५०११०१ | ग्रामीण जलश्रोत व्यवस्थापन परियोजना | कार्यक्रम सञ्चालनमा रहेको क्षेत्रका जनताको जीवनस्तरमा सुधार तथा संस्थागत क्षमता अभिवृद्धिका माध्यमबाट गरिबी न्यूनीकरणमा योगदान गर्नु | | २०७२/७३<br>२०७९/८० | ३.७५ अर्ब | परियोजनाको अवधिसम्ममा खानेपानी ३६९ स्किमबाट १,२२,१३० जना, सरसफाई २९६ स्किमबाट ३,०५,७०१ जना, सिँचाई ४० स्किमबाट २०,४५२ जना र लघु जलविद्युत १० स्किमबाट १६,८९६ जना लाभान्वित भएको हुने। |
| ३६५०११०२ | ग्रामीण सडक सञ्जाल सुधार आयोजना | ग्रामीण समुदाय, उत्पादन मूलक कृषि क्षेत्र र सामाजिक–आर्थिक केन्द्र बीच Connectivity स्थापित गर्नु | | २०७४/७५<br>२०७९/८० | १३.५ अर्ब र RCIP-AF को १३.५ अर्ब | ३८० कि. मि. सडकको कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने।<br>थप ३५० कि.मि. सडक RCIP-AF को बजेटबाट कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नति भएको हुने।<br>सडक निर्माणको क्रममा प्रभावित ८५० जना व्यक्तिलाई जिविकोपार्जन (Livelihood related Skill Trainings) संग सम्वन्धी तालिम प्रदान भएको हुने।<br>आयोजनाहरूको कार्यान्वयनबाट करिब ३८ लाख रोजगारी सृजना भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | उद्देश्य | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | ग्रामीण पूर्वाधार विकास गर्ने निकायहरूको क्षमतामा वृद्धि भएको हुने। |
| ३६५०११०३ | झोलुङ्गे पुल क्षेत्रगत कार्यक्रम | साना तथा मझौला झोलुङ्गे पुल निर्माण गरी स्थानीय स्तरमा यातायातको पहुँचमा सहजता पुर्याउनु | | सालबसाली | | कम्तीमा ३० मिनेटको पैदल दुरीको फेरोभित्र सुविधा पुग्ने गरी करिब ७३० वटा झोलुङ्गेपुल निर्माण (तुइन विस्थापन समेत) गरिएको हुने,<br>करिब ७५०० झो.पु. को नियमित मर्मत सम्भार गरिएको हुने। |
| ३६५०११०४ | ग्रामीण पँहुच कार्यक्रम | ग्रामीण सडक निर्माण, स्तरोन्नति तथा जीविकोपार्जन सुधार गर्नु | | २०६६/६७<br>२०७७/७८ | ८७.८९ अर्ब | मुगु-हुम्ला लिङ्क रोडको ६७ कि.मि. सडक सारभूत रूपमा सम्पन्न भई यातायात पहुँचमा सुधार भएको हुने। |
| ३६५०११०६ | स्थानीय स्तरका सडकपुल तथा सामुदायिक पहुँच सुधार परियोजना | स्थानीय यातायात सञ्जालमा सडक पुल निर्माण गरी ग्रामीण भेगका जनताहरूको सेवा केन्द्रसम्मको पहुँचमा सहजता अभिवृद्धि गर्नु | | २०६२/६३<br>सालबसाली | | स्थानीय स्तरका करिब १०० वटा सडकपुल निर्माण सम्पन्न भएको हुने। |
| ३६५०११०९ | साना सिँचाइ कार्यक्रम (दोस्रो) | कृषक व्यवस्थित साना सिँचाइ आयोजना निर्माण गर्नु | | २०७७/७८<br>२०७९/८० | ३.०६ अर्ब | ४४७ आयोजनाको निर्माण सम्पन्न भई करिब ९,११० हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध भएको हुने। |
| ३६५००१०६ | बहुक्षेत्रीय पोषण कार्यक्रम | महिला तथा बालबालिका किशोरीहरूको पोषण अवस्थामा सुधार गर्नु | | २०७१/७२<br>२०७७/७८ | ४.७३ अर्ब | कम्तीमा ७२० स्थानीय तहमा बहुक्षेत्रीय पोषण तथा खाद्य सुरक्षा निर्देशक समिति गठन भएको हुने।<br>३८३ जना पोषण स्वयंसेवक क्रियाशील रहेको हुने।<br>कम्तीमा २६९ वटा विद्यालयमा खानेपानी आयोजना सम्पन्न भएको हुने।<br>७५३ स्थानीय तहबाट पोषण विशेष कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने।<br>कम्तीमा २८३ वटा सहकारीमा आयआर्जन तथा उद्यमशिलता विकास तथा क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने। |
| ३६५००१०७ | तराई मधेश समृद्धि कार्यक्रम | मानव विकास सूचकांकमा पछाडी | | २०७२/७३<br>सालबसाली | | २२ जिल्लाका २७८ स्थानीय तहमा सामूहिक आवास भवन, साना सडक स्तरोन्नति कार्यक्रम, सामुदायिक पूर्वाधार, आयआर्जन तथा जीवनस्तर सुधार |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | उद्देश्य | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | रहेका तराइ-मधेसका जनताहरूको जीवनस्तरमा सुधार ल्याई गरिबी निवारणमा योगदान पुर्याउनु | | | | लगायतका क्षेत्रमा बजेट विनियोजन गरी स्थानीय तह मार्फत आयोजना कार्यान्वयन भई सामाजिक, आर्थिक अवस्थामा सुधार मार्फत मानव विकास सूचकाङ्क बढेको हुने। |
| ३६५००१०८ | प्रदेश तथा स्थानीय शासन सहयोग कार्यक्रम | प्रदेश र स्थानीय तहको क्षमता अभिवृद्धि<br>सेवा प्रवाह र सुशासन प्रवर्द्धन गरी सङ्घीयता कार्यान्वयनमा सहयोग गर्नु | | २०७६/७७<br>२०७९/८० | १३ अर्ब ३० | ३० वटा ऐन, कानून तथा कार्यविधि, श्रोत पुस्तिका तथा प्रणालीहरू तर्जुमा भएको हुने,<br>सङ्घीय शासन प्रणालीसँग सम्बन्धित विषयमा १५ वटा अध्ययन भएको हुने,<br>स्थानीय तहमा वित्तीय सुशासन जोखिम मूल्याङ्कन तथा न्यूनीकरण कार्ययोजना कार्यान्वयन भएको हुने,<br>स्थानीय तहमा सिर्जनशील साझेदारी कोष (IPF) परिचालन भएको हुने,<br>२५० वटा स्थानीय तहको आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना (MTEF) निर्माण भएको हुने,<br>प्रादेशिक सुशासन केन्द्रको संस्थागत क्षमता विकास भएको हुने,<br>४५००० जना जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीको लागि क्षमता विकास तालिम सञ्चालन भएको हुने।<br>७५३ स्थानीय तहमा- SuTRA तथा LISA लागु गराउने, CD Plan बनाउने, GESI अडिट सम्पन गराउने, सूचना प्रविधि सबल भएको हुने, |
| ३६५०१११११ | स्थानीय तह प्रशासकीय भवन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | गाउँपालिका तथा नगरपालिकाको प्रमुख प्रशासकीय भवन निर्माण गरी स्थानीय तहको सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी बनाउनु | | २०७६/७७<br>सालबसाली | | आफ्नै प्रसाशाकीय भवन नभएका स्थानीय तहहरूको प्रसाशाकीय भवन निर्माण भएको हुने।<br>निर्माणाधीन २३२ प्रशासकीय भवन मध्ये आगामी आ.व.मा ७० वटा सम्पन्न भएको हुने,<br>१०० वटा नयाँ आयोजनाको निर्माण प्रारम्भ भएको हुने। |
| ३६५०१११२ | प्रादेशिक एवम् स्थानीय सडक | पक्की सडकको पहुँच नपुगेका स्थानीय तहको | | २०७६/७७<br>२०७९/८० | २०० अर्ब | स्थानीय तहको केन्द्र जोड्ने गरी १५० कि.मि. पक्की सडक निर्माण कार्य प्रारम्भ भएको हुने सो मध्ये ३० वटा स्थानीय तहको केन्द्र पक्की सडक मार्फत |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | उद्देश्य | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | निर्माण तथा सुधार कार्यक्रम | केन्द्रसम्म पक्की सडक पुऱ्याइ आर्थिक तथा सामाजिक जीवनस्तरमा सुधार ल्याउनु | | | | जोडिएको हुने।<br>प्रदेश तथा स्थानीय तहमा कार्यरत २०० जना प्राविधिकहरूको क्षमता विकास भएको हुने,<br>सातवटै प्रदेशमा आधुनिक तथा विशिष्टीकृत प्रयोगशाला स्थापना गर्न प्रारम्भ भएको हुने,<br>१०० स्थानीय तहको केन्द्र जोड्ने सडकको डी.पी.आर तयार भएको हुने। |
| ३६५००१०९ | उत्तरी क्षेत्र पूर्वाधार विकास तथा जीविकोपार्जन सुधार कार्यक्रम | हिमाली क्षेत्रको जनताको जीविकोपार्जनमा सुधार गर्नु | | २०७६/७७ सालबसाली | | उत्तरी क्षेत्रमा आर्थिक तथा सामाजिक पूर्वाधार विकासका कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको हुने। |
| ३६५००११० | साना विकास कार्यक्रम | स्थानीय तहमा स-साना सामुदायिक पूर्वाधारको निर्माणबाट सेवा प्रवाहमा प्रभावकारिता ल्याउनु | | सालबसाली | | स्थानीय तहमा शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी, फोहोरमैला व्यवस्थापन जस्ता क्षेत्रमा पूर्वाधार निर्माण भएको हुने। |
| ३६५००११२ | कर्णाली समृद्धि कार्यक्रम | कर्णाली प्रदेशका विपन्न नागरिक लक्षित आय आर्जन कार्यक्रम मार्फत आर्थिक-सामाजिक जिबन स्तरमा सुधार ल्याउनु | | २०७८/७९ सालवसाली | | विपन्न बर्गका जनताको जीवन स्तरमा सुधार भएको हुने।<br>आर्थिक सामाजिक पूर्वाधारको पहिचान र विकास भएको हुने। |
| ३६५००९०३ | उच्च पहाडी एवम् हिमाली क्षेत्र समृद्धि कार्यक्रम | उच्च पहाडी एवम् हिमाली क्षेत्रका जनताको जीविकोपार्जनमा सुधार गर्नु | | २०७८/७९ सालबसाली | | उच्च पहाडी तथा हिमाली क्षेत्रमा जीविकोपार्जन सुधार सम्बन्धी कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३६५०००११ | सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय | सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयको दश वर्षे रणनीतिक योजना (आ.व. २०७७/७८ देखि आ.व. २०८७/८८ सम्म) तयार गरी कार्यान्वयनमा ल्याईएको ।<br>स्थानीय तहको योजना तर्जुमा सम्वन्धी हाते पुस्तिका तयार गरी पठाइएको ।<br>स्थानीय तहको लागि विभिन्न ११ वटा नमूना कानून निर्माण/मस्यौदा तयार भएको।<br>६ वटा कार्यालयको व्यवस्थापन परीक्षण तथा ११९ वटा गुनासो तथा उजुरी फछ्र्यौट भएको।<br>स्थानीय तहको संस्थागत स्वमूल्याङ्कन (LISA) कार्यविधि स्वीकृत भई ७ वटै प्रदेशमा प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न गरिएको।<br>स्थानीय तहहरूले सम्पादन गरेका कामहरूको समीक्षा एवम् असल अभ्यास आदान प्रदान गर्न प्रदेशगत रुपमा कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको।<br>स्थानीय तहमा संक्षिप्त तथा प्रारम्भिक वातावरणीय अध्ययन सम्बन्धी नमूना कार्यविधि उपलब्ध गराई सबै स्थानीय तहलाई अभिमुखीकरण सम्पन्न गरिएको।<br>७ वटै प्रदेशका जम्मा २१ स्थानीय तहको कार्यसम्पादनको स्थलगत निरीक्षण तथा सहजीकरण गरी प्रतिवेदन प्राप्त भएको।<br>सङ्घीय सरकार अन्तर्गतका ५ वटा निकायहरूको दरवन्दी पुनरावलोकन गरिएको। | स्थानीय शासन तथा सेवा प्रवाहमा थप सुधार आई सङ्घीयता कार्यान्वयनमा प्रभावकारिता अभिवृद्धि भएको हुने। | ५० वटा स्थानीय तहहरूको न्यायिक समितिबाट भएको निर्णयको विश्लेषण गर्ने,<br>स्थानीय तहको वार्षिकरूपमा संस्थागत स्वमूल्याङ्कनको नतिजाको विश्लेषण तथा प्रकाशन गर्ने।<br>ढुङ्गा, गिट्टी, वालुवा जस्ता साधारण निर्माणमुखी वस्तुहरूको उत्खनन, सङ्कलन र बिक्री व्यवस्थापन सम्बन्धी कानूनको मस्यौदा तयार गर्ने,<br>फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी नीति र कानूनको मस्यौदा तयार गर्ने,<br>स्थानीय तहको स्थलगतरूपमै कार्यसम्पादन सहजीकरण तथा समन्वय गर्ने,<br>नीति तथा कार्यक्रम, बजेट, योजना र अनुगमन सम्बन्धी कार्यविधि तयारी/परिमार्जन तथा प्रकाशन गर्ने,<br>विभिन्न १० वटा सार्वजनिक सेवा प्रवाह गर्ने कार्यालयहरूको व्यवस्थापन परीक्षणको कार्य सम्पन्न गर्ने,<br>स्थानीय तहहरूको असल अभ्यास आदान-प्रदान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने,<br>२० वटा सेवाग्राही सन्तुष्टी सर्वेक्षण गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३६५०१०११ | स्थानीय पूर्वाधार विभाग | स्थानीय पूर्वाधार विकास नीति, २०६१ जारी भएको,<br>सातै प्रदेशमा स्थानीय पूर्वाधार विकास आयोजना कार्यालय स्थापना भएको,<br>दार्चुला जिल्ला व्यास गाउँपालिका दुम्लिङदेखि छाङरु सम्मको घोडेटोबाटो निर्माण कार्य प्रारम्भ भएको,<br>समावेशी भवन निर्माण कार्य ४७ प्रतिशत सम्पन्न। | स्थानीय पूर्वाधार विकास सम्बन्धी नीति परिमार्जन भएको हुने।<br>प्रदेश तथा स्थानीय तहहरूलाई प्राविधिक सहयोग पुगेको हुने।<br>समावेशी भवनको सम्पूर्ण निर्माणकार्य पूरा भएको हुने।<br>दार्चुला जिल्ला व्यास गाउँपालिका दुम्लिङदेखि छाङरु सम्मको घोडेटोबाटो निर्माण कार्य सम्पन्न भएको हुने | स्थानीय पूर्वाधार विकास सम्बन्धी नीति परिमार्जन गर्ने,<br>समावेशी भवनको बाँकी स्ट्रक्चर निर्माण कार्य पूरा गर्ने,<br>७ वटा गाउँपालिका केन्द्रको एकीकृत गुरुयोजना तयार गर्ने।<br>विभिन्न नगरपालिकाहरूमा फोहोरमैला व्यवस्थापन गुरुयोजना तर्जुमा गर्ने।<br>दार्चुला जिल्ला व्यास गाउँपालिका दुम्लिङदेखि छाङरु सम्मको घोडेटोबाटो निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने। |
| ३६५६१०१२ | नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | निजामती सेवाको सक्षमता प्रारूप (Competency Framework) निर्धारण भएको,<br>१२०८ जना अधिकृतस्तरका कर्मचारीहरूलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गरेको,<br>१४ वटा अध्ययन अनुसन्धान सम्पन्न भएको,<br>सङ्घीयता अध्ययन केन्द्रको स्थापना गरी प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अध्ययन अनुसन्धान कार्यको थालनी गरिएको,<br>भूकम्पबाट क्षतिग्रस्त मुख्य भवन, सम्पदा सदनको पुनर्निर्माण कार्य अन्तिम चरणमा पुगेको। | अधिकृतस्तरका कर्मचारीहरूको क्षमता विकास सम्बन्धी तालिम सञ्चालन भई कर्मचारीहरूको कार्यक्षमता अभिवृद्धि भएको हुने।<br>प्रशासनिक खोज अध्ययन अनुसन्धान भई नीतिगत पृष्ठपोषण प्राप्त भएको हुने। | अधिकृतस्तरका कर्मचारीहरूको सिकाइ आवश्यकता अनुरूपका प्रशिक्षण कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने,<br>e-learning का लागि आवश्यक पूर्वाधार विकास गर्ने,<br>नीति निर्माणमा सहयोगी हुने १९ वटा नीतिगत अनुसन्धान गर्ने,<br>आवासीय प्रशिक्षण पूर्वाधार विस्तारको लागि प्रस्तावित विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन लगायतका कार्यहरू सम्पन्न गरी परियोजना सुरु गर्ने । |
| ३६५०००१२ | अतिरिक्त समूह | अतिरिक्त समूहमा रहेका निजामती कर्मचारीहरूको व्यवस्थापन गरिएको। | अतिरिक्त समूहमा रहेका निजामती कर्मचारीको अनिवार्य दायित्व व्यवस्थापन भएको हुने। | अतिरिक्त समूहमा रहेका स्थायी कर्मचारीहरूको तलबभत्ता व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३६५०२०११ | राष्ट्रिय किताबखाना | सरकारी कर्मचारीको अभिलेख थप व्यवस्थित भएको हुने। | २०६४ साल पश्चात् नियुक्ति भएका कर्मचारीहरूको समावेशीको आधारमा विवरण | सम्पत्ति विवरण दर्ता, अनिवार्य अवकाश एवं सरुवा बढुवा लगायतका विवरणहरूको SMS बाट जानकारी दिने कार्य भैरहेको, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | राखिएको हुने,<br>किताबखाना र अन्य निकाय तथा मन्त्रालयहरूसँग विद्युतीय सूचना आदान प्रदान भएको हुने। | PIS re-engineering गरी सफ्टवेयर (कर्मचारी वैयक्तिक प्रणाली) निर्माण कार्य सम्पन्न भई परीक्षणको क्रममा रहेको,<br>PIS Software मा थप व्यवस्था गरी आ.व. २०७२/०७३ देखि सेवा निवृत्त कर्मचारीहरूलाई विदा तथा औषधी उपचार सुविधा वापतको रकम समेत किटान गरी विवरण तयार गर्ने,<br>सिटरोल भर्न अनलाइन सफ्टवेयर सञ्चालनमा ल्याई नयाँ नियुक्ति हुने कर्मचारीहरूले अनलाइनबाट सिटरोल भरी दर्ता प्रकृया लाई निरन्तरता दिने ।<br>PIS re-engineering गरी तयार भएको कर्मचारी वैयक्तिक प्रणाली सञ्चालनका लागि आवश्यक IT Equipment (Hardware) खरिद सम्झौता भई Hardware प्राप्त गरी जडानको कार्य सम्पन्न गर्ने।<br>नागरिक लगानी कोष र निबृत्तिभरण व्यबस्थापन कार्यालयसँग API मार्फत Real Time Data Sharing को कार्य सम्पन्न गर्ने। |
| ३६५६१०१३ | आदिवासी जनजाती उत्थान प्रतिष्ठान | आदिवासी जनजाति समुदायका मौलिक भाषा, लिपि, कला, साहित्य र इतिहासको ५० वटा खोज अनुसन्धान सम्पन्न,<br>आदिवासी जनजाति समुदायको क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिममा ५०० जना सहभागी भएको,<br>२५० वटा उत्कृष्ट साहित्य ग्रन्थहरूको प्रकाशन गरिएको,<br>१५०० जनालाई स्वरोजगारमूलक आय आर्जन तालिम सञ्चालन गरेको। | आदिवासी जनजातिको भाषा, कला र संस्कृतिको संरक्षण र पैरवी भएको हुने। | आदिवासी जनजातिहरूको भाषा, साहित्य, कला र संस्कृतिहरूको खोज अध्ययन तथा अनुसन्धान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>आदिवासी जनजातिको अमूर्त संस्कृतिहरूको संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>आदिवासी जनजातिहरूको परम्परागत ज्ञान सीपमा आधारित पेशा व्यवसायको संरक्षण तथा विकासको लागि स्वरोजगारमूलक सीप विकास तालिम प्रवर्द्धन कार्यक्रमसञ्चालन गर्ने।<br>आदिवासी जनजातिहरूको मातृभाषा, साहित्य, कला |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | र संस्कृतिसम्बन्धी उत्कृष्ट कृति ग्रन्थहरूको प्रकाशन कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।<br>आदिवासी जनजाति समुदायहरू र प्रतिष्ठानको संस्थागत तथा सामुदायिक भवन निर्माण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३६५६१०११ | स्थानीय विकास प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | ३६५ जना राजपत्र अनङ्कित कर्मचारीहरूलाई सेवाकालीन तालिम प्रदान गरिएको,<br>३७० जना स्थानीय तहमा सेवाप्रवेश भएका प्रशासन, लेखा र आ.ले.प. अधिकृतहरूका लागि सेवाप्रवेश प्रशिक्षण सञ्चालन भएको। | राजपत्र अनङ्कित कर्मचारी तथा स्थानीय तहका कर्मचारी एवम् पदाधिकारीको क्षमता विकास भएको हुने। | १३७२ जना स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन गर्ने,<br>१४० जना स्थानीय तहका र राजपत्र अनङ्कित कर्मचारीको सेवाकालीन तालिम सञ्चालन गर्ने।<br>६ वटा अध्ययन अनुसन्धान सम्पन्न गर्ने। |
| ३६५००१०२ | सङ्घीय शासन प्रणाली व्यवस्थापन कार्यक्रम | स्थानीय तहको पुनर्संरचनामा समन्वय गरेको,<br>११ वटा भन्दा बढी नमूना कानून/कार्यविधि स्थानीय तहमा उपलब्ध भएको। | सङ्घीय शासन प्रणालीलाई व्यवस्थापन गर्न सहजीकरण भएको हुने। | स्थानीय तहमा रहेका सीमा विवाद एवं समस्या समाधानमा समन्वय र सहजीकरण सम्वन्धी कार्य गर्ने।<br>१० वटा नीति मापदण्ड र नमुना कानून तर्जुमा सम्वन्धी कार्य गर्ने।<br>५० वटा स्थानीय तहवाट जारी भएका नीति एवं कानूनहरूको अभिलेख व्यवस्थापन गर्ने। |
| ३६५८१०११ | निजामती कर्मचारी अस्पताल विकास समिति | अस्पतालमा निजामती कर्मचारीको अतिरिक्त सर्वसाधारण नागरिकलाई सुलभ रूपमा सेवा प्रवाह भइरहेको,<br>एम.आर.आई. कक्ष, चिकित्सक कक्ष, मेमोग्राफी कक्ष निर्माण भएको,<br>६० हजार भन्दा बढी बिरामीलाई स्वास्थ्य सेवा प्रदान गरिएको।<br>कोभिड उपचारको लागि डेडिकेटेड अस्पतालको रुपमा सेवा उपलब्ध गराएको । | निजामती कर्मचारी, निजामती कर्मचारीका परिवार तथा सर्वसाधारणहरूलाई आधुनिक सुविधा सहितको गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रवाह भएको हुने। | रेडियोथेरापी भवन निर्माण गर्ने,<br>प्लाज्मा स्टेरिलाईजर, ब्राकीथेरापी, सिटी सिमुलेटर, एन सिल (हार्मोनिक विथ प्रोब्स), ईन्डोस्कोपी सेट (एनबिएल र बि एल आई), सान्जर जीन सिक्वेन्सिङ्ग फ्रागमेन्ट एनालाईसिस मेशीन लगायत अन्य सामग्री खरिद गर्ने।<br>ल्यावका लागि रिएजेन्ट, एक्सरे, सि.टी., एम.आर.आई का फिल्महरू खरिद गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | १५ जनामा बोनम्यारो प्रत्यारोपण सेवा प्रदान। | | |
| ३६५००१०४ | स्थानीय पूर्वाधार विकास साझेदारी कार्यक्रम | ७७ जिल्लाका १६४ निर्वाचन क्षेत्रका स्थानीय तहमा सञ्चालन हुने आयोजना कार्यक्रम छनौट भई कार्यान्वयन भईरहेको। | स्थानीय तहसँगको साझेदारीमा अत्यावश्यक पूर्वाधारहरू विकास निर्माणका कार्यहरू भएको हुने। | ७७ जिल्लाका १६५ निर्वाचन क्षेत्रका स्थानीय तहहरूबाट सञ्चालन हुने आयोजना कार्यक्रम छनौट भई कार्यान्वयन गर्ने। |
| ३६५००१०५ | जिल्ला समन्वय समितिको कार्यालयहरू | सङ्घीय इकाईहरूबाट सम्पादन भएका कार्यहरूको सम्बन्धमा सहजीकरण, समन्वय सहयोग भईरहेको। | सङ्घीय इकाइहरूबीचको समन्वय, सहकार्य तथा सहजीकरण थप सुदृढ भएको हुने। | वार्षिक समीक्षा गर्ने,<br>सङ्घीय इकाइहरूबाट सञ्चालित कार्यक्रम तथा आयोजनाको अनुगमन गरी पृष्ठपोषण प्रदान गर्ने,<br>विकास निर्माण सम्बन्धी कार्यमा आवश्यक समन्वय र सहजीकरण गर्ने। |
| ३६५०११०१ | ग्रामीण जलश्रोत व्यवस्थापन परियोजना | ५६ वटा खानेपानी आयोजना सम्पन्न भई ३० हजार जना लाभान्वित भएको,<br>२३ वटा शौचालय आयोजना सम्पन्न भएको,<br>२० वटा सिँचाइ अथवा बहुउपयोगी योजना सम्पन्न भई ७,८५३ जना लाभान्वित भएको।<br>सुधारिएको पानीघट्ट तथा सुधारिएको चुल्हो योजनाहरूबाट १३,३७६ जना लाभान्वित भएको। | खानेपानी योजनाको निर्माण तथा मर्मत सम्भार गर्न संस्थागत रूमा समुदायको क्षमता वृद्धि भएको हुने,<br>समुदायले खानेपानी तथा सरसफाइ र स्वच्छता सम्बन्धी उपयुक्त प्रविधि तथा व्यवहार अवलम्बन गरेको हुने,<br>दिगो पोषण, खाद्य सुरक्षा र आय आर्जनमा सुधार भएको हुने,<br>जलवायु परिवर्तन अनुकुलन र प्रकोप जोखिम न्यूनीकरणमा क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने,<br>एकीकृत जलस्रोत योजना तर्जुमा, खानेपानी, सरसफाई, स्वच्छता तथा जीविकोपार्जनका क्रियाकलाप कार्यान्वयन र अनुगमन कार्यमा समुदायलाई | ६७४ वटा अन्य सरसफाइ तथा स्वच्छता संरचना निर्माण सम्पन्न गर्ने।<br>३३ वटा खानेपानी संरचना निर्माण, सुधार, तथा स्तरोन्नति गर्ने।<br>ग्रामिण जलस्रोत व्यवस्थापनको सहयोगमा निर्मित ११३ वटा खानेपानी आयोजनाहरूको मर्मत, सुधार, स्तरोन्नति तथा विस्तार गर्ने।<br>८०२ स्थानमा जीविकोपार्जन सम्बन्धी पूर्वाधार सहयोग (Polyhouse, Collection center, Rustichouse, Coldstore, etc.) प्रदान गर्ने।<br>१०८ स्थानमा मुल्य श्रृङ्खला / कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन (MUS Business Plan अन्तर्गतका क्रियाकलापहरू समेत) सम्पादन गर्ने।<br>१०० वटा संस्थागत शौचालय निर्माण तथा सुधार, विद्यालय WASH पुँजीगत निर्माण, सुधार तथा तीन तारा मापदण्ड प्रवर्द्धन गर्ने।<br>३७ वटा सिंचाई तथा बहुउपयोगी आयोजनाहरू निर्माण मार्फत २८९० हेक्टर जमिनमा सिँचाई सुविधा पुऱ्याउने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | सहयोग गर्न संस्थागत क्षमता विकास भएको हुने। | ४९९३ घरधुरीलाई सुधारिएको पानी घट्ट तथा सुधारिएको चुल्हो सहयोग गर्ने।<br>२ वटा सोलार मिनीग्रिड निर्माण गर्ने। |
| ३६५०११०२ | ग्रामीण सडक सञ्जाल सुधार आयोजना | ३३५ कि.मी. सडकको चौडाई विस्तार तथा मोड सुधार सम्पन्न।<br>२२२ कि.मि. सडकको नाली तथा टेवा पर्खाल सहितका संरचना निर्माण सम्पन्न।<br>२२७ कि.मि. सडकमा सब-बेसको कार्य सम्पन्न।<br>१६३ कि.मी. सडकमा बेसको कार्य सम्पन्न।<br>११८ कि.मी. सडक कालोपत्रे गर्ने कार्य सम्पन्न।<br>२००० कि.मि. को DPR तयार गर्न कार्य मध्ये ७२३ कि.मि. को ड्राफ्ट रिपोर्ट तयार भएको।<br>विभिन्न Event अन्तर्गत ११० जनालाई सीपमूलक तालिम प्रदान गर्ने कार्य सम्पन्न भएको र थप अन्य १०० जना को लागि सञ्चालित तालिम कार्य अन्तिम चरणमा रहेको।<br>आयोजनाहरूको कार्यान्वयनबाट हाल सम्म करिब १५ लाख ६० हजार श्रमदिन रोजगारी सृजना भएको।<br>१८ गोटा विभिन्न प्राबिधिक तालिम समूह मार्फत स्थानीय पूर्वाधार विभाग, प्रदेश तथा स्थानीय तहमा कार्यरत ३८२ प्राविधिकलाई तालिम प्रदान गरिएको। | ग्रामीण समुदाय, उत्पादनमूलक कृषि क्षेत्र र सामाजिक-आर्थिक केन्द्रबीच Connectivity स्थापित गर्ने गरी छनौट गरिएका ७३० कि.मि. ग्रामीण सडक कालोपत्रे भै उत्पादनशील कृषि क्षेत्रको विकास एवं सामाजिक तथा आर्थिक पक्षहरूमा सुधार भएको हुने।<br>८५० जनाले जीविकोपार्जन (Livelihood related Skill Trainings) सम्बन्धी तालिम लिएको तथा ३८ लाख श्रमदिन रोजगारी सिर्जना भएको हुने।<br>ग्रामीण पूर्वाधार विकास गर्ने निकायहरूको क्षमतामा वृद्धि भएको हुने (क्षमता विकास भै योजनाबद्ध तवरले सडकको स्तरोन्नति कार्य भएको हुने)। | ग्रामीण सडक सञ्जाल सुधार आयोजनाका कुल १३ वटा प्याकेज मध्ये आगामी आ.व.मा १० वटा प्याकेजको निर्माण कार्य सम्पन्न गर्ने।<br>नेपाल सरकार स्रोत अन्तर्गत निर्माणाधीन ८ वटा सडकहरूको ७८ कि.मि सडक कालोपत्रे गर्ने।<br>२००० कि.मि. सडकको डिपिआर तयार गर्ने।<br>RCIP-AF को बजेटबाट कालोपत्रे स्तरमा स्तरोन्नती हुने सडकको ADB सँगको सम्झौता बमोजिम निर्माण कार्य प्रारम्भ गर्ने।<br>जीविकोपार्जन (Livelihood related Skill Trainings) तालिम सम्पन्न गर्ने।<br>नेपाल सरकार स्रोत अन्तर्गत आ.व. २०७८/७९ को लागि प्रस्तावित २३ वटा नयाँ कार्यक्रमहरूको निर्माण कार्य सुरु गर्ने। |
| ३६५०११०३ | झोलुङ्गे पुल क्षेत्रगत कार्यक्रम | झो.पु. निर्माणका लागि आवश्यक लठ्ठा तथा बुलडग ग्रिप्स खरिदको ठेक्का सम्झौता गरिएको।<br>३६० वटा झोलुङ्गेपुल निर्माण सम्पन्न भएको।<br>७४ वटा झोलुङ्गे पुलको ठेक्का बन्दोबस्त गरिएको। | करिब ७३० वटा झोलुङ्गे पुल निर्माण भएको हुने। | सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहबाट कार्यान्वयन हुने जम्मा आयोजना सङ्ख्या २५०२ (क्रमागत १३७०र नयाँ ११३२ वटा रहेका) आयोजना मध्ये ७३० वटा निर्माण सम्पन्न गर्ने।<br>झोलुङ्गे पुल निर्माणका लागि आवश्यक पर्ने १२ |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | ६५१ बटा झोलुङ्गेपुलको DPR तयार भएको। *(विभाग मार्फत आ.ब २०७६।७७ सम्ममा ८५५२ वटा झोलुङ्गे निर्माण सम्पन्न भएका)* | | लाख ५० हजार मिटर लट्ठा र २ लाख ५० हजार वटा बुलडग ग्रिप्स खरिद गरी उपलब्ध गराउने।<br>८०० वटा झो.पु.निर्माणका लागि विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार गर्ने। |
| ३६५०११०४ | ग्रामीण पँहुच कार्यक्रम | मुगु हुम्ला लिङ्क सडकको ४५.२ कि.मी सडक सारभूत रूपमा निर्माण सम्पन्न भएको।<br>९७.५४ कि.मि. नयाँ सडक निर्माण, २२ कि.मि. सडक सुधार, २,२५० कि.मि. सडकको मर्मतसम्भार, ९४ वटा झो.पु. निर्मण कार्यबाट ५५ लाख कार्यदिन रोजगार सृजना भएको र ७१ वटा जिल्लाको जिल्ला यातयात गुरुयोजना परिमार्जन तथा तयार भएको। | मुगु-हुम्ला लिंक सडकको ६७ कि.मी सारभूत रुपमा सम्पन्न हुने साथै रेखाङ्कनमा पर्ने ४ सडक पुल निर्माण सम्पन्न भएको हुने। | मुगु-हुम्ला लिङ्क सडकको बाँकी १३.५ कि.मि. सडक खण्ड सारभूत रूपमा निर्माण सम्पन्न गर्ने।<br>मुगु- हुम्ला लिङ्क सडकमा ४ वटा सडक पुल निर्माण प्रारम्भ गर्ने। |
| ३६५०११०६ | स्थानीय स्तरका सडकपुल तथा सामुदायिक पहुँच सुधार परियोजना | १५ वटा सडकपुल निर्माण सम्पन्न भएको ।<br>(विभाग मार्फत आ.ब २०७६।७७ सम्ममा ५९१ वटा सडकपुल निर्माण सम्पन्न भएका) | करिब ३३० वटा सडकपुल निर्माण सम्पन्न भई ग्रीमिण यातायात पहुँचमा सुधार भएको हुने। | सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहबाट सञ्चालन हुने जम्मा आयोजना सङ्ख्या २८४ (क्रमागत २३४ र नयाँ ५० वटा रहेका) मध्ये १०० वटा निर्माण सम्पन्न गर्ने। |
| ३६५०११०९ | साना सिँचाइ कार्यक्रम (दोस्रो) | १८४ वटा नयाँ योजनाको छनौट कार्य सम्पन्न भएको,<br>१४८ वटा क्रमागत योजनाको सर्भे सम्पन्न भएको,<br>१८२ वटा नयाँ योजनाको DPR तयार भएको,<br>१४९ वटा योजनाको निर्माण सम्पन्न भई २०९६ हेक्टर जमिनमा सिँचाई सुविधा पुगेको। | सिँचाइ सुविधा वृद्धि गरी कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बढेको हुने।<br>थप २० हजार हेक्टर जमिनमा सिँचाई सुविधा पुर्याई ६५ हजार घरघुरीलाई लाभान्वित भएको हुने। | ४४७ आयोजनाको निर्माण सम्पन्न भई करिब ९,११० हेक्टर जमिनमा सिँचाइ सुविधा उपलब्ध गराउने।<br>करिव २५०० जनाले सीप विकास सम्बन्धी तालिम प्राप्त गर्ने। |
| ३६५००१०६ | बहुक्षेत्रीय पोषण कार्यक्रम | प्रदेश संयोजक नियुक्त गरी अभिमुखीकरण सम्पन्न भएको कार्यक्रम सञ्चालन भएका स्थानीय तहमा पोषण सहजकर्ता नियुक्त गरिएको | महिला तथा बालबालिका किशोरीहरूको पोषण अवस्थामा सुधार भएको हुने। | कम्तीमा ७२० स्थानीय तहमा बहुक्षेत्रीय पोषण योजना अनुसार पोषण तथा खाद्य सुरक्षा निर्देशक समिति गठन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | ३८३ स्थानीय तहका पोषण तथा खाद्य सुरक्षा निर्देशक समितिहरूलाइ क्रियाशील भएको<br>३०८ वटा स्थानीय तहमा सम्बन्धित स्थानीय तह समेतको लागत साझेदारीमा बहुक्षेत्रीय पोषण योजना अनुरूप कार्यक्रम तर्जुमा र कार्यान्वयन भएको<br>७ वटै प्रदेशमा पोषण तथा खाद्य सुरक्षा निर्देशक समितिहरूलाई क्रियाशील बनाएको<br>प्रदेश सरकारको कार्यक्रममा पोषणको कार्यक्रम समावेस गराइएको<br>पोषणसम्बन्धी क्षमता अभिवृद्धिको लागि प्रदेश तथा स्थानीय तहमा प्रशिक्षक प्रशिक्षण लिएका जनशक्ति विकास भएको | | ३८३ जना पोषण स्वयंसेवकहरूको व्यवस्था गर्ने।<br>कम्तीमा २६९ विद्यालयमा खानेपानी योजना सञ्चालन गर्ने ।<br>७५३ स्थानीय तहबाट पोषण विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने<br>कम्तीमा २८३ वटा सहकारीमा आयआर्जन तथा उद्यमशिलता विकास कार्यक्रम तथा क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने। |
| ३६५००१०७ | तराई मधेश समृद्धि कार्यक्रम | १०८० वटा सामुदायिक आवास भवन निर्माण<br>४४० वटा सामुदायिक पुर्वाधार (विद्यालय, प्रसूति भवन,स्वास्थ्य चौकी आदि) निर्माण। ५२ किमि ३६० मिटर पक्की सडक निर्माण<br>४२ वटा कृषि विकास पूर्वाधार, १३ वटा खानेपानी तथा सरसफाइ पूर्वाधार, २४ वटा सिँचाई तथा नदी नियन्त्रण आयोजना, ४ वटा ऊर्जा विकास योजना,२ वटा विपद् न्यूनीकरण पूर्वाधार योजना सम्पन्न भएको। | नेपालको तराई मधेस क्षेत्रमा स्थानीय पूर्वाधार निर्माण र सीप विकास तालिम मार्फत जनताको जीवनस्तरमा सुधार भई मानव विकास सूचकाङ्क बढेको हुने। | सामूहिक आवास भवन, साना सडक स्तरोन्नति कार्यक्रम, सामुदायिक पूर्वाधार, कृषि विकास, खानेपानी तथा सरसफाइ, सिँचाई तथा नदी नियन्त्रण, ऊर्जा, विपद् न्यूनीकरण पूर्वाधार, पारम्पारिक पेशा प्रवर्द्धनात्मक एवम् आयआर्जन तथा जीवनस्तर सुधार लगायतका क्षेत्रमा करिब ५१६ आयोजना स्थानीय तह मार्फत कार्यान्वय गर्ने। |
| ३६५००१०८ | प्रदेश तथा स्थानीय शासन सहयोग कार्यक्रम | ३ वटा नमूना कानून तर्जुमा गरिएको, स्थानीय तहको वित्तीय जोखिम न्यूनीकरण कार्ययोजना निर्माण भएको।<br>प्रदेश तथा स्थानीय तहको क्षमता विकास सम्बन्धी कृयाकलापहरूको गुणस्तर नियन्त्रण ढाँचा निर्माण भएको।<br>प्रदेश र स्थानीय तहको बेरूजु फछ्र्यौट रणनीति तयार | प्रदेश र स्थानीय तहहरूको संस्थागत क्षमता सबलीकरण भएको हुने। | प्रदेश तथा स्थानीय सरकारलाई आवश्यक १३ वटा ऐन, कानून तथा कार्यविधि, श्रोत पुस्तिका तथा प्रणालीहरू तर्जुमा गर्ने,<br>सङ्घीय शासन प्रणालीसँग सम्बन्धित विषयहरूमा ४ वटा अध्ययन अनुसन्धान गर्ने,<br>स्थानीय तहमा वित्तीय सुशासन जोखिम मूल्याङ्कन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | भएको।<br>११९ स्थानीय तहमा LISA लागु भई सकेको<br>७४१ स्थानीय तहमा SuTRA लागु भई सकेको<br>४०००.जना जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीको लागि क्षमता विकास तालिम सम्पन्न भई सकेको<br>५५० स्थानीय तहमा सूचना प्रविधिमा सहयोग पुगेको, | | तथा न्यूनीकरण कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्ने,<br>स्थानीय तहमा सिर्जनशील साझेदारी कोष (IPF) परिचालन गर्ने,<br>७७ वटा स्थानीय तहको आवधिक योजना, मध्यकालीन खर्च संरचना (MTEF) निर्माणमा सहजीकरण गर्ने,<br>२२८ स्थानीय तहमा CD Plan बनाउने,<br>७५३ स्थानीय तहमा GESI अडिट सम्पन गराउने, सूचना प्रविधि सबल बनाउने,<br>प्रादेशिक सुशासन केन्द्रको संस्थागत क्षमता विकास गर्ने,<br>१६००० जना जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीको लागि क्षमता विकास तालिम सञ्चालन गर्ने। |
| ३६५०१११११ | स्थानीय तह प्रशासकीय भवन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | चालु आ.व.मा सम्पन्न गर्ने गरी ३१ स्थानीय तहलाई २२ करोड २७ लाख, ४८ स्थानीय तहका निर्माणाधीन आयोजनाहरूको लागि २८ करोड ५२ लाख र १४२ वटा स्थानीय तहलाई निर्माण शुरु गर्नको लागि २५ करोड ५६ लाख गरी जम्मा २२१ स्थानीय तहलाई ७६ करोड ३५ लाख बजेट उपलब्ध गराईएको।<br>हालसम्म २० वटा स्थानीय तहका क्रमागत प्रशासकीय भवनको निर्माण सम्पन्न भएको।<br>हालसम्म १६६ वटा स्थानीय तहको प्रमुख प्रशासनिक भवन विद्यमान रहेको। | सबै स्थानीय तहको प्रशासकीय भवन निर्माण भएको हुने। | निर्माणाधीन २३२ प्रशासकीय भवन मध्ये आगामी आ.व.मा ७० वटा सम्पन्न गर्ने,<br>१०० वटा नयाँ आयोजनाको निर्माण प्रारम्भ गर्ने। |
| ३६५०१११२ | प्रादेशिक एवम् स्थानीय सडक निर्माण तथा | कार्यविधि, २०७७ स्वीकृत भएको।<br>सातै प्रदेशमा स्थानीय पूर्वाधार विकास आयोजना कार्यालय | सबै स्थानीय तहको केन्द्रसम्म मापदण्ड बमोजिमको पक्की सडक | स्थानीय तहको केन्द्र जोड्नेगरी १५० कि.मि. पक्की सडक निर्माण कार्य प्रारम्भ भएको हुने सो |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | सुधार कार्यक्रम | स्थापना गरिएको।<br>स्थानीय तहबाट माग भएका आयोजनामध्ये जाँचबुझ गरी उपयुक्त देखिएका आयोजनाको डी.पी.आर तयार भैरहेको। | (पक्की सडक पुग्न बाँकी २४० स्थानीय तहको केन्द्र सम्म पक्की सडक पुगेको हुने जस मध्ये हालसम्म सडक सञ्जाल नपुगेको २८ स्थानीय तह समेत समावेश भएको हुने) | मध्ये ३० वटा स्थानीय तहको केन्द्र पक्की सडक मार्फत जोडिएको हुने।<br>प्रदेश तथा स्थानीय तहमा कार्यरत २०० जना प्राविधिकहरूको क्षमता विकास गर्ने।<br>सातवटै प्रदेशमा आधुनिक तथा विशिष्टीकृत प्रयोगशाला स्थापना गर्न प्रारम्भ गर्ने।<br>१०० वटा स्थानीय तहको केन्द्र जोड्ने सडकको डी.पी.आर तयार गर्ने। |
| ३६५००१०९ | उत्तरी क्षेत्र पूर्वाधार विकास तथा जीविकोपार्जन सुधार कार्यक्रम | उत्तरी क्षेत्र जीविकोपार्जन सुधार कार्यक्रम सञ्चालन कार्यविधि, २०७७ स्वीकृत भएको,<br>चीनसँग सीमा जोडिएका १५ वटा स्थानीय तहका योजना कार्यान्वयनका लागि छनौट गरी पठाइएको। | हिमाली क्षेत्रमा आर्थिक तथा सामाजिक पूर्वाधार निर्माण भई जनताको जीविकोपार्जनमा सुधार भएको हुने। | चीन सरकारले टर्न की मोडलमा आयोजना सम्पन्न गरी हस्तान्तरण गर्ने। |
| ३६५००११० | साना विकास कार्यक्रम | ५ वटा आयोजनाहरूको सहयोग सम्झौता सम्पन्न भएको | स्थानीय तहमा शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी, फोहोरमैला व्यवस्थापन जस्ता सामुदायिक पूर्वाधार निर्माण भएको हुने। | स्थानीय तहमा सामुदायिक पूर्वाधार निर्माणका आयोजना सञ्चालन गर्ने। |
| ३६५००११२ | कर्णाली समृद्धि कार्यक्रम | कार्यान्वयनको शुरु चरणमा रहेको। | | रारा राजर्मागको कुशे पाटन (जाजरकोट ब्याउलीढुंगा र जुम्ला इमिलचा खोला टनेल (सुरुङ मार्ग) विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>सुर्खेत - वर्दिया - तेलपानी टनेल (सुरुङ मार्ग) विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार गर्ने।<br>प्रादेशिक विमानस्थल मदानीचौर रामघाट सुर्खेत विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन समीक्षा गर्ने।<br>रारा, फोक्सुण्डो ताल संरक्षण गुरु योजना तथा कैलाश दर्शन पुर्वाधारको विस्तृत गुरुयोजना तयार गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | | सिन्जा- तिन्जेध्व हिमाली शहर निर्माण गुरुयोजना<br>शैक्षिक भौतिक तथा प्रविधि पूर्वाधार निर्माण तथा सामुदायिक विद्यालयमा विद्यार्थी संख्या, गुणस्तर अभिवृद्धि गुरुयोजना तयार गर्ने।<br>जलपर्यटन विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन तथा गुरुयोजना निर्माण गर्ने।<br>हुम्लामा नयाँ विमानस्थल विस्तृत योजना निर्माण<br>सुर्खेत बृहत् चक्रपथ गुरुयोजना तयार गर्ने।<br>खेलकुद पूर्वाधार, सम्बद्ध अन्य भौतिक पुर्वाधार<br>कर्णाली प्रदेश श्रोत, साधन तथा जनशक्ति उपयोग, परिचालन र उत्पादन योजना मार्फत गरिवी निवारण विस्तृत गुरुयोजना निर्माण गर्ने।<br>कर्णाली स्वास्थ्य सुधार, पोषण तथा खाद्य सुरक्षा विस्तृत गुरुयोजना निर्माण गर्ने।<br>कर्णाली एकीकृत बस्ती विकास सम्भाव्यता अध्ययन तथा गुरुयोजना निर्माण गर्ने। |
| ३६५००९०३ | उच्च पहाडी एवम् हिमाली क्षेत्र समृद्धि कार्यक्रम | | हिमाली तथा उच्च पहाडी क्षेत्रका जनताको जीविकोपार्जनमा सुधार भएको हुने। | साना पूर्वाधार विकास आयोजना सञ्चालन गर्ने,<br>सीपमूलक तालिम सञ्चालन गर्ने। |

## ९. जोखिम तथा अनुमान

प्रदेश र स्थानीय तहमा कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि पर्याप्त प्राविधिक जनशक्ति उपलब्ध हुन नसकेमा, प्रस्तावित वैदेशिक सहायता परिचालन हुन नसकेमा, प्रदेश र स्थानीय तहको समेत साझेदारीमा सञ्चालन हुने कार्यक्रमहरूमा तोकिए बमोजिमको लागत सहभागिता प्राप्त हुन नसकेमा, विकास साझेदार निकायले सोझै कार्यान्वयन गर्ने कार्यक्रमहरू समयमै कार्यान्वयनमा जान नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल नहुन सक्दछ। त्यसैगरी, सरोकारवाला निकायसँग समन्वयको अभाव एवम् कोभिड-१९ जस्ता महामारीको कारण समयमै कार्यान्वयनको वातावरण बन्न नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल गर्न थप चुनौतीपूर्ण हुने देखिन्छ।

## ८.३ कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला

### १. पृष्ठभूमि

कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय कानूनी राज्यको अवधारणा अनुरुप नेपाल कानूनको तर्जुमा, मौजुदा कानूनहरूमा समसामयिक संशोधन लगायत न्याय प्रशासनसँग सम्बन्धित कार्यहरू सम्पादन गर्ने नेपाल सरकारको केन्द्रीय निकाय हो। यस मन्त्रालयले नेपाल सरकार (कार्यविभाजन) नियमावली, २०७४ ले निर्दिष्ट गरेका कार्यहरू सम्पादन गर्दै आएको छ। कानूनको कार्यान्वयनको प्रभावकारिता अझ अभिवृद्धि गर्न, मानव अधिकार, लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था, समन्यायको आधारमा समानता, कानूनको सर्वोच्चता, स्वतन्त्र न्यायपालिकाका मूलभूत मान्यताहरूलाई आत्मसात गर्दै उचित, स्वच्छ तथा उपयुक्त कानून मार्फत् कानूनी शासनको प्रतिफल जनतामा पुऱ्याउन, दण्डहीनताको अन्त्य गर्न, अपराध नियन्त्रण तथा शान्ति कायम गर्न र न्याय प्रशासनको सुदृढीकरण र आधुनिकीकरण गर्न मन्त्रालय कार्यरत छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

यस मन्त्रालयलाई निर्दिष्ट गरिएका काम कारवाहीहरू अन्य मन्त्रालयसँग अन्तरसम्बन्धित हुने हुँदा समन्वय र सहजीकरण प्रभावकारी बनाउने विषय चुनौतीको रुपमा नै छ।

### ३. सोच

- स्वतन्त्र, निष्पक्ष, पहुँचयोग्य, सक्षम र विश्वसनीय न्याय प्रणाली । (न्याय प्रणाली)

### ४. उद्देश्य

१. न्याय प्रशासनलाई छिटो, छरितो, निष्पक्ष, प्रभावकारी र जनउत्तरदायी तथा न्यायिक प्रक्रियालाई सरल, अनुमानयोग्य, जवाफदेही, पारदर्शी र सूचना प्रविधिमैत्री बनाई सबैका लागि न्याय सुनिश्चित गर्दै न्यायपालिकाप्रतिको जनआस्था र विश्वासमा अभिवृद्धि एवम् न्यायपूर्ण समाज निर्माण गर्नु ।

२. नेपालको संविधान, संघीयताको मर्म, नेपाल पक्ष भएको अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि-सम्झौता अनुरूप सबै पक्षबाट अपनत्व हुने सरल र गुणस्तरीय कानूनको तर्जुमा गर्नु तथा मौलिक हक तथा मानव अधिकारको संरक्षण र सम्वर्द्धन गर्दै न्यायमा सबैको सहज पहुँच स्थापित गराउनु ।

३. न्याय सम्पादनमा क्रियाशील जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि गर्दै वस्तुगत र वैज्ञानिक प्रमाणमा आधारित अपराध अनुसन्धान, अभियोजन र प्रतिरक्षा प्रणाली विकास गरी पीडित पक्ष र सरकारी पक्षका साक्षीको संरक्षण एवम् अपराध पीडितलाई न्याय दिई दण्डहीनताको अन्त्य गर्नु ।

४. कानूनी शिक्षा र शिक्षण प्रणालीलाई राष्ट्रिय एवम् अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा गुणस्तरीय, प्रतिस्पर्धी एवम् समाजको आवश्यकता परिपूर्ति गर्ने गरी विकास गर्नु ।

### ५. रणनीति

१. सूचना प्रविधिमैत्री मुद्दा प्रवाह व्यवस्थापन र स्वचालित फैसला कार्यान्वयन पद्धतिको विकास एवम् न्यायपालिकाको संस्थागत सुदृढीकरण र न्यायिक जनशक्तिको क्षमता विकास गरी न्यायिक प्रक्रियालाई छिटोछरितो, प्रभावकारी, अनुमानयोग्य र सहज पहुँचयुक्त बनाउने ।

२. संविधान अनुकूलको कानून निर्माण गर्ने ।

३. निःशुल्क कानूनी सहायता सेवालाई सबैको पहुँचयोग्य र प्रभावकारी बनाउने ।

४. अपराध अनुसन्धान, अभियोजन र प्रतिरक्षा प्रणालीलाई वैज्ञानिक र वस्तुगत प्रमाणमा आधारित बनाउने तथा संस्थागत सुदृढीकरण गर्ने ।

५. न्याय सेवाका कर्मचारी र सरकारी वकिल एवम् स्थानीय न्यायिक समितिका पदाधिकारीको न्याय सम्पादन एवम् मुद्दा व्यवस्थापन क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।

६. पीडित पक्ष र सरकारी पक्षका साक्षीको संरक्षण तथा मुद्दाका साक्षी र प्रमाणको प्रस्तुतिलाई प्रभावकारी बनाउने ।

७. कानूनी शिक्षा र शिक्षण प्रणालीलाई व्यवस्थित, गुणस्तरीय र आधुनिक बनाउने ।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| एकीकृत कानुनी सहायता नीति | सङ्ख्या | आवश्यक ऐनको मस्यौदा तर्जुमा | आवश्यक ऐनको मस्यौदा तर्जुमा | आवश्यक ऐन तथा त्यस अन्तर्गतको नियमावली जारी गरिने | आवश्यक नियमावली सहितको व्यवस्था कार्यान्वयनमा आउने | आवश्यक नियमावली सहितको व्यवस्था कार्यान्वयनमा आउने |
| सन्धि सम्पन्न गर्ने निर्देशिका तर्जुमा | सङ्ख्या | सन्धि सम्पन्न गर्ने निर्देशिकाबारे जानकारी प्रवाह | सन्धि सम्पन्न गर्ने निर्देशिकाबारे जानकारी प्रवाह | सन्धि सम्पन्न गर्ने निर्देशिका कार्यान्वयन | सन्धि सम्पन्न गर्ने निर्देशिका कार्यान्वयन | सन्धि सम्पन्न गर्ने निर्देशिका कार्यान्वयन |
| कर्मचारीको क्षमता अभिवृद्धि तालीम | सङ्ख्या | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| कानुनी शिक्षा र सचेतना अभिवृद्धि कार्यक्रम | सङ्ख्या | १० | १० | १० | १० | १० |
| न्यायीक समितिको क्षमता अभिवृद्धि | सङ्ख्या | २० | २० | २० | २० | २० |
| गाँउसभा/नगरसभामा कानून तर्जुमा अभिमुखीकरण कार्यक्रम | सङ्ख्या | - | - | २० | २० | २० |
| कानून कानून तथा न्यायको क्षेत्रमा अध्ययन, अनुसन्धान | सङ्ख्या | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ४,८७३ | ४,६५७ | २१६ | - | ४,८७३ | - | - |
| २०७९/८० | ५,३५० | ५,११३ | २३७ | - | ५,३५० | - | - |
| २०८०/८१ | ५,५५२ | ५,२९२ | २६० | - | ५,५५२ | - | - |

## ८। कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३११००००११ | कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय | १-७ | | | | | | | |
| | सञ्चार माध्यमबाट कानूनी सचेतना सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | १-७ | कानूनको सहज जानकारी हुने | सालबसाली | ५० | कानूनको सहज जानकारी हुने | कानूनका कुरा नामक कार्यक्रम नेपाल टेलिभिजनबाट सञ्चालन भएको | | सञ्चार माध्यमबाट कानूनी सचेतना सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन हुने |
| | वार्षिक प्रतिवेदन तयारी र प्रकाशन | १-७ | काम कारवाही सम्बन्धी जानकारीको अभिलेख | सालबसाली | ३ | अभिलेख | वार्षिक रुपमा प्रतिवेदन तयारी र प्रकाशन भएको | | वार्षिक प्रतिवेदन तयारी र प्रकाशन |
| | सन्धि सम्पन्न गर्ने निर्देशिकाको जानकारी प्रवाह तथा सो बमोजिमको सचिवालय व्यवस्थापन र प्रशासनिक खर्च | १-७ | सन्धि सम्पन्न गर्ने प्रक्रियामा एकरुपता कायम | सालबसाली | १० | एकरुपता कायम | सन्धि सम्पन्न गर्ने निर्देशिका कार्यान्वयनमा आई जानकारी प्रवाह भएको | | निर्देशिका कार्यान्वयन हुने |
| | कानून सम्बन्धी पुस्तिका प्रकाशन, मोबाइल एप्स तथा वेवसाइट सञ्चालन तथा अद्यावधिक गर्ने | १-७ | कानूनको सहज जानकारी हुने | साली | | कानूनको सहज जानकारी हुने | कानूनको सहज जानकारी भएको | | वेवसाइटमा अपलोड हुने |
| | मानव अधिकारको सम्बन्धमा विकसित अवधारणा सम्बन्धी अध्ययन | | मानव अधिकारको सम्बन्धमा अध्ययन हुने | सालबसाली | | अध्ययन हुने | अध्ययन कार्य हुन नसकेको | | अध्ययन कार्य प्रारम्भ हुने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कानून कार्यान्वयनको प्रभावकारिता सम्बन्धी अध्ययन | | कानून कार्यान्वयनको प्रभावकारिता परीक्षण | सालबसाली | | प्रभावकारिता परीक्षण | अध्ययन कार्य हुन नसकेको | | अध्ययन कार्य प्रारम्भ हुने |
| | प्रदेश तथा स्थानीय तहका कानून र सोको कार्यान्वयननको अवस्था अध्ययन गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने | | प्रदेश र स्थानीय तहका कानूनको संविधान र प्रचलित नेपाल कानून सँगको सन्दर्भमा अध्ययन हुने | सालबसाली | | अध्ययन हुने | प्रतिवेदन तयार भएको | | अध्ययन कार्य प्रारम्भ हुने |
| | सन्धि सम्झौताको विद्युतीय प्रति तयार गर्ने | | अभिलेखीकरण हुने | सालबसाली | | अभिलेखीकरण हुने | अभिलेखीकरण कार्य भईरहेको | | विद्युतीय प्रति तयार गर्ने |
| | मुलुकी संहिता दिवस मनाउने | | कानूनको जानकारीको सुनिश्चतता | सालबसाली | | जानकारीको सुनिश्चतता | सातै प्रदेशमा कार्यक्रम सञ्चालन भएको | | मुलुकी संहिता दिवस मनाउने |
| | निःशुल्क कानूनी सहायताको प्रभावकारीता सम्बन्धी अन्तरक्रिया तथा अनुगमनको काम गर्ने | | न्यायमा पहुँच अभिवृद्धि | सालबसाली | | अनुगमन तथा अन्तर्क्रिया | देश भरीका विभिन्न जिल्लामा कार्यक्रम सञ्चालन भएको | प्रत्येक जिल्लामा निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान गर्न संस्थागत व्यवस्था गर्ने | कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने |
| | विविध कानूनी दस्तावेजको अनुवाद | | अनुवाद हुने | सालबसाली | | सहजता हुने | कानूनी दस्तावेजको अनुवाद भएको | | अनुवाद गर्ने |
| | वार्षिक तथा अर्धवार्षिक समिक्षा कार्यक्रम | | समीक्षा | सालबसाली | | समिक्षा हुने | वार्षिक समीक्षा कार्यक्रम भएको | | कार्यक्रम गर्ने |
| | पारस्परिक कानूनी सहायता सम्बन्धी केन्द्रिय अधिकारीको प्रशासनिक | | पारस्परिक कानूनी सहायता सम्बन्धी ऐन, | सालबसाली | | ऐनको कार्यान्वयन | पारस्परिक कानूनी सम्बन्धी सहायता आदान प्रदान | | पारस्परिक कानूनी सम्बन्धी सहायता आदान प्रदान गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | खर्च | | २०७० को कार्यान्वयन | | | | भएको | | |
| | नमुना कानून निर्माण तथा कानून तर्जुमा सहजीकरण | | संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा कानून निर्माणमा सहयोग | सालबसाली | | कानून निर्माण | संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा कानून निर्माणमा सहजीकरण भएको | | कानून निर्माण गर्ने |
| | इन्टर्नशिप | | कानूनका जनशक्तिको सशक्तीकरण | सालबसाली | | जनशक्तिको सशक्तीकरण | विभिन्न विद्यालयमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरूलाई मन्त्रालयको काम कारवाहीमा सहभागी बनाइएको | | इन्टर्नशिपमा संलग्न गराउने |
| | मानव अधिकार पुरस्कार कोषको सचिवालयको प्रशासनिक खर्च | | मानव अधिकारको क्षेत्रमा योगदान गर्ने व्यक्तित्वलाई प्रोत्साहन गर्न | सालबसाली | | | हुन नसकेको | | पुरस्कार प्रदान गर्ने |
| | एकीकृत कानूनी सहायता नीति कार्यान्वयनको लागि आवश्यक कानून सुधार, तर्जुमा तथा सचिवलायको प्रशासनिक खर्च | | न्यायमा पहुँच अभिवृद्धि | सालबसाली | | न्यायमा पहुँच अभिवृद्धि | न्यायमा पहुँच अभिवृद्धि भएको | | विधेयक तयार तथा कार्यान्वय कार्य अगाडि बढाउने |
| | न्यायिक समितिको क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन गर्ने | | न्याय सम्पादनमा सहयोग सहजीकरण | सालबसाली | | न्याय सम्पादनमा सहयोग सहजीकरण | स्थानीय तहका न्यायिक समितिको लागि अभिमुखिकरण तालिम गरिएको र न्याय सम्पादनमा सहयोग सहजीकरण भएको | सबै स्थानीय तहको न्यायिक समितिको क्षमता अभिवृद्धि हुने | कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कानून तथा न्यायको क्षेत्रमा कार्यरत जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम | | क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | | क्षमता अभिवृद्धि | क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन भएको | | कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने |
| | स्थानीय तहको शैक्षिक संस्थासँग अन्तरक्रिया तथा कानूनी सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | | कानूनी शिक्षा सचेतना | सालबसाली | | कानूनी शिक्षा सचेतना | विद्यालयस्तरीय कानूनी शिक्षा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन भएको | | कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने |
| | राष्ट्रिय मुट कोर्ट प्रतियोगिता | | क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | | | हुन नसकेको | | कार्यक्रम हुने |
| | स्थानीय तहको गाँउसभा नगरसभामा कानून तर्जुमा अभिमुखीकरण कार्यक्रम | | क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | | | नयाँ प्रस्तावित कार्यक्रम | | कार्यक्रम हुने |
| | कानून सम्बन्धी *Journal* प्रकाशन | | कानूनका जनशक्तिको सशक्तीकरण | सालबसाली | | | नयाँ प्रस्तावित कार्यक्रम | | लेख प्रकाशन गर्ने |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

संघ, प्रदेश र जिल्ला स्तर एंव सरोकारवाला निकायहरूबीच प्रभावकारी समन्वय, दक्ष जनशक्ति र प्रयाप्त स्रोत साधनको उपलब्धता भएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुने देखिन्छ र यी विषयहरूको कमी भएमा अपेक्षित नतिजा हासिल गर्न कठिनाइ हुने जोखिम रहेको छ।

## ८.४ गृह

### १. पृष्ठभूमि

मुलुकमा शान्ति, सुव्यवस्था र सुरक्षा कायम गरी जनताको जिउ धन र स्वतन्त्रताको संरक्षण गर्नु गृह प्रशासनको मुख्य उद्देश्य हो। गृह प्रशासनलाई सबल र सक्षम बनाई जनतामा सुरक्षाको अनुभूति दिलाउन र सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी बनाइ सुशासन कायम गर्न गृह मन्त्रालय अन्तर्गत केन्द्रदेखि स्थानीय स्तर सम्म कार्यान्वयन ईकाईहरु कृयाशील रहेका छन्। गृह मन्त्रालय अन्तर्गत नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल, राष्ट्रिय विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरण, कारागार व्यवस्थापन विभाग, अध्यागमन विभाग र राष्ट्रिय परिचयपत्र तथा पन्जीकरण बिभाग रहेका छन्। शान्ति सुरक्षा, सेवा प्रवाह, विकास कार्यमा सहजीकरण, विपद व्यवस्थापन लगायकतका कार्य सम्पादन गर्न ७७ जिल्लामा जिल्ला प्रशासन कार्यालय, ७३ वटा ईलाका प्रशासन कार्यालय र ७ वटा सीमा प्रशासन कार्यालय रहेका छन्। समृद नेपाल, सुखी नेपालीको राष्ट्रिय लक्ष्य हासिल गर्न सहयोग पुग्ने गरी समग्र सुरक्षा प्रणाली तथा गृह प्रशासन सुदृढीकरण, नागरिकमैत्री सेवा प्रवाह, अपराध रोकथाम तथा नियन्त्रण, संघीयता कार्यान्वय लगायतका कार्य गृह प्रशासनका आगामी कार्यदीशा रहेका छन्।

### २. समस्या तथा चुनौती

गृह प्रशासन संचालनका क्रममा मानवीय सुरक्षाको सर्वाङ्गीण प्रत्याभूतिका लागि सबै पक्ष समेट्ने गरी राष्ट्रिय सुरक्षा प्रणालीलाई समायानुकूल विकास गर्न नसकिनु, शान्ति सुव्यवस्था कायम राख्ने कार्यमा जनस्तरमा अपेक्षाकृत दायित्वबोध हुन नसक्नु, शान्ति सुरक्षालाई सामाजिक-आर्थिक विकासका क्षेत्रगत क्रियाकलापमा आन्तरिकीकरण गर्न नसकिनु, शान्ति सुरक्षा एवम् विपद्को पूर्व सजगता, पूर्व-तयारी र पर्याप्त सावधानी अपनाउन नसक्नु, सुरक्षाका आन्तरिक तथा बाह्य दुवै पक्षमा सूचना एवम् नवीनतम प्रविधिको उच्चतम उपयोग गर्न नसकिनु, सूचना प्रविधीको प्रयोग गरी प्रभावकारी रुपमा नागरिकमैत्री सेवा प्रवाह गर्न नसकिनु जस्ता विषयहरुलाई प्रमुख समस्याका रुपमा अनुभुत गरिएको छ। प्राप्त कार्यदेश र उपलव्ध श्रोत साधनवीच तादाम्यता नहुनु, यस क्षेत्रमा कार्यरत जनशक्तिको क्षमता विकास तथा मनोवल उच्च बनाई राख्नु, द्वन्द्वका स्रोतको समयमै आकलन गरी व्यवस्थापन गर्नु, सामाजिक विकृति, विभेद, बहिष्करण, सामाजिक आर्थिक असुरक्षा एवम् विश्वव्यापी स्वास्थ्य महामारी जस्ता कारण उत्पन्न हुनसक्ने सुरक्षा चुनौती निराकरण गर्न यसलाई सबै क्षेत्रगत विषयमा समेट्नु, सुरक्षा चुनौतीको बदलिँदो स्वरूप र प्रकृतिसँग जुध्न सुरक्षा निकायको आधुनिकीकरण र व्यावसायीकरण गर्नु, खुल्ला सिमाना र भूमण्डलीकरणका कारण बढ्दो संगठित अपराध नियन्त्रणका लागि आवश्यक संख्यामा नतिजामुखी, जिम्मेवार र उत्प्रेरित जनशक्ति उपलब्ध गराई मुलुकको समग्र सुरक्षा व्यवस्थामा सुधार ल्याउनु समेत महत्वपूर्ण चुनौतीका रूपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

संविधान तथा कानूनद्वारा प्रत्याभूत नागरिक स्वतन्त्रता, बिधिको शासन, मानव अधिकार लगायत लोकतान्त्रिक मूल्य मान्यतालाई सम्मान गर्ने गरी कार्य गर्नु गृह प्रशासनको दृष्टिकोण रहेको छ। गृह प्रशासनलाई जनताको माग र आधारभुत आवश्यकता अनुरुप सचालन गरी देशमा भरपर्दो शान्ति सुरक्षा प्रदान गर्नु र शान्ति सुव्यवस्था र सुरक्षा कायम गरी जनताको जीउ धन र स्वतन्त्रताको सरक्षण गर्नु गृह प्रशासनको लक्ष्य र उदेश्य रहेको छ।

## ४. उद्देश्य

### क. शान्ति सुव्यवस्था र सुरक्षा

१. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा रहने सबै सुरक्षा निकायबीच शान्ति सुरक्षाका विषयमा सहयोग र समन्वय सुदृढ गर्दै विश्वसनीय र भरपर्दो सुरक्षा प्रणाली विकास गर्नु।

२. सामाजिक विकृति, द्वन्द्व, अपराध र हिंसा नियन्त्रण गर्दै दिगो शान्ति प्रवर्द्धन गर्नु।

३. शान्तिमैत्री विकास प्रणाली तथा संवेदनशील विकास प्रकृयालाई अवलम्बन गर्दै सामाजिक-आर्थिक विकासका क्षेत्रगत विषयमा शान्ति सुरक्षाको विषयलाई आन्तरिकीकरण गर्नु।

४. सबै सुरक्षा निकायलाई समयानुकूल चुस्त, दक्ष, व्यावसायिक र साधन-स्रोत सम्पन्न तुल्याउनु।

५. अन्तर्राष्ट्रिय सिमाना र सीमा नाकाको सुरक्षा व्यवस्था र अध्यागमन प्रणालीलाई सुदृढीकरण गर्नु।

६. विद्युतीय माध्यममा आधारित व्यक्तिगत घटना दर्ता र नागरिकको सबै प्रकारका सूचना र विवरण सहितको एकीकृत राष्ट्रिय परिचयपत्र व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको विकास गरी राज्यबाट प्रवाह हुने सेवासुविधालाई समेत एकीकृत सूचना प्रणालीमा आवद्ध गर्नु।

७. सबै सुरक्षा निकायको व्यावसायिक क्षमता अभिवृद्धि गरी राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय शान्ति स्थापनामा योगदान पुऱ्याउनु।

८. विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन गर्न विपद् उत्थानमैत्री शासन पद्धतिको सुदृढीकरण गर्नु।

९. तीन तहमा बहुप्रकोप जोखिम नक्साङ्कन/सूचनामा आधारित विपद् जोखिम पूर्वानुमान, पूर्वतयारी, प्रतिकार्य र पुनर्लाभ सम्बन्धी क्षमता विकाससँगै विपद् जोखिम संवेदनशील योजना तथा पूर्वाधार निर्माण प्रकृया सुनिश्चित गर्नु।

१०. विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापनका लागि सार्वजनिक, निजी तथा सामुदायिक लगानी बृद्धि गरी समुदाय स्तरदेखि नै उत्थानशील क्षमता अभिवृद्धि गर्नु।

११. विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापनका लागि बृहत् सहभागिता सुनिश्चित गरी सचेतना अभिवृद्धि गर्दै विपद्पश्चात्को पुनर्लाभ, पुनःस्थापना, पुनर्निमाण र नवनिर्माणका कार्यलाई सबल र उत्थानशील बनाउनु।

## ५. रणनीति

१. राष्ट्रिय सुरक्षा र प्रतिरक्षा सम्बन्धी नीति, रणनीति र कानुन तथा संगठनात्मक पक्षमा समसामयिक सुधार गरी राष्ट्रिय सुरक्षा व्यवस्थालाई सुदृढ बनाउने।

२. कानूनको परिपालना, सामाजिक न्याय र द्वन्द्व व्यवस्थापन मार्फत दिगो शान्ति प्रवर्द्धन गर्ने।

३. विकासका सबै आयामहरूमा सुरक्षा चासोलाई आन्तरिकीकरण गर्ने।

४. शान्ति सुरक्षा, अपराध अनुसन्धान र नियन्त्रणका लागि आधुनिक प्रविधिको प्रयोग तथा गुप्तचर सुरक्षा सूचना प्रणालीको (Security Intelligence) संस्थागत एवं प्राविधिक सुदृढिकरण गर्ने।

५. विकासका सबै आयाममा सुरक्षा चासोलाई सम्बोधन गर्दै सुरक्षा निकायको कार्यक्षमता अभिवृद्धि गर्ने।

६. नागरिक-मैत्री सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ गर्ने तथा नागरिक र सुरक्षा अङ्गबीचको सम्बन्धलाई सुदृढ बनाउने।

७. सबै सुरक्षा निकायलाई समयानुकूल दक्ष, आधुनिक, व्यावसायिक तथा साधन-स्रोत सम्पन्न बनाई सबै किसिमका सुरक्षा चुनौतिलाई सामना गर्न सक्षम बनाउने।

८. सीमा सुरक्षा र अध्यागमन प्रणालीलाई द्विपक्षीय एवम् बहुपक्षीय कुटनीतिक पहल तथा संस्थागत सुदृढिकरणका आधारमा व्यवस्थित र सुदृढ गर्ने।

९. कारागार सम्बन्धी न्यूनतम मापदण्ड समयसापेक्ष रुपमा परिमार्जन गरी प्रविधिमैत्री सेवासुविधा सहितको सुधार गृहको रुपमा विकास गर्ने।

१०. बहुपयोगी तथा प्रविधियुक्त एकीकृत राष्ट्रिय परिचयपत्र व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको विकास गरी सबै नागरिकको विवरण र राज्यबाट प्रदान गरिने सेवा सुविधा समेतको अभिलेख एकीकृत रुपमा क्रमशः आवद्ध गर्दै लैजाने।

११. सुरक्षा निकायको व्यावसायिक क्षमता अभिवृद्धि गर्दै राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा शान्ति स्थापना कार्यमा योगदान पुऱ्याउने।

१२. विपद् जोखिम न्यूनीकरणमैत्री शासन पद्दती सुदृढ बनाउन आवश्यक नीतिगत, संस्थागत र कार्यपद्दतीमा सुधार गर्ने।

१३. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका विषयगत विकास प्रक्रियाहरूमा जोखिम न्यूनीकरणलाई मूलप्रवाहीकरण गर्ने र विपद् जोखिम न्यूनीकरण एवम् उत्थानशीलता अभिवृद्धि गर्न सार्वजनिक तथा निजी लगानी, साझेदारी र सहकार्य अभिवृद्धि गर्ने।

१४. समुदायदेखि राष्ट्रिय स्तरसम्म बहुप्रकोप जोखिम आँकलन/नक्शाङ्कनमा आधारित पूर्वतयारी, प्रतिकार्य, पुनर्लाभ सम्बन्धी क्षमता विकास र पर्याप्त साधन स्रोतको व्यवस्थापन गर्ने।

१५. विपद् जोखिमको पूर्वानुमान, अनुगमन, पूर्वतयारी र प्रभावकारी प्रतिकार्य गर्न आवश्यक पूर्वाधार, जनशक्ति, क्षमता र प्रविधिको विकास र सुदृढीकरण गर्ने।

१६. प्राकृतिक स्रोतबाट प्राप्त आयलाई समुदायको विपद् जोखिम व्यवस्थापनमा न्यायोचित रुपमा उपयोग गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाई | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आबद्ध जनसंख्या | प्रतिशत | ३१ | ३२ | ४७ | ५४ | ६० |
| दर्ता भएका लैङ्गिक हिंसा लगायतका अपराधका घटना र अनुसन्धान प्रतिशत | प्रतिशत | ९१.१ | ७२.७८ | ९५ | ९५ | १०० |
| प्रहरी सेवामा नागरिकको सहज पहुँच | अनुपात (जनता र प्रहरी बीचको) | १:४३५ | १:४३५ | १:३५० | १:२८० | १:२८० |
| उपत्यकाका प्रवेश नाका र सिंहदरबार प्रवेशद्वारमा भेहिकल स्क्यानर जडान | संख्या | ० | ० | १ | २ | २ |
| सडक दुर्घटनाबाट मृत्यु भएका व्यक्ति | संख्या | २२५१ | १६८३ | १६०० | १३०० | ११०० |
| सडक दुर्घटनाबाट घाइते भएका व्यक्ति | संख्या | १४००० | १७३२२ | १४००० | १३००० | १२००० |
| दक्षिणी सीमा सुरक्षा निगरानी कभरेज | प्रति इकाइ दूरी किमि | १५ | ८.९० | ७ | ७ | ६ |
| लागू औषध दुर्व्यसन दर घटाउने | प्रतिशत | ५.०६ | ५ | ५ | ४.५ | ४ |
| लागु औषध निषेध तथा मदिरा बिक्री वितरण व्यवस्थित गर्न रोकथाममूलक कार्यक्रम लागू भएका स्थानीय तह | संख्या | २०० | ५०० | ७५३ | ७५३ | ७५३ |
| विपदका घटनाबाट प्रभावित परिवार संख्या | परिवार संख्या | - | ४४१७ | ४००० | ३८०० | ३६०० |
| विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्राप्त जनशक्ति | संख्या | २५०० | २७०० | २९०० | ३००० | ३२०० |
| विपदका घटनाबाट मृत्यु हुने जनसंख्या | प्रति लाख | १.५ | १.१८ | १.१० | १ | १ |
| राष्ट्रिय परिचयपत्र लागू हुने जिल्ला | संख्या | १६ | ७७ | ७७ | ७७ | ७७ |
| राष्ट्रिय परिचयपत्र प्राप्त गरेका नेपाली नागरिक | प्रतिशत | ०.३३ | ०.३३ | ३० | ५० | ६० |
| पाँच वर्षमुनिका बालबालिकाको जन्म दर्ता | प्रतिशत | ६३ | ७७ | ८५ | ९० | ९५ |

| सूचक | एकाई | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| नेपाल प्रवेश गर्ने र बाहिरिने विदेशीको जैविक सूचना सहितको अध्यागमन प्रणाली स्थापना भई लागू भएका अध्यागमन कार्यालय | पोर्ट संख्या | २ | ४ | ७ | ७ | ७ |
| न्यूनतम मानवोचित सुविधा सहितको कारागारको भौतिक पूर्वाधार क्षमता वृद्धि | सुविधाप्राप्त कैदी बन्दी प्रतिशत | ७० | ८० | ८५ | ८७ | ९० |
| सीपमूलक/रोजगारमूलक तालिम प्राप्त कैदी बन्दी | वृद्धि (प्रतिशत) | १० | १० | १५ | २० | २० |
| बायोमेट्रिक सहितको अपराध तथा अपराधी अभिलेख प्रणाली स्थापना | जिल्ला | ३४ | ३४ | ७७ | ७७ | ७७ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | १,६४५,०१५ | १,५६६,५१५ | ७८,५०० | - | १,६०७,०९४ | ६,७९२ | ३१,१२९ |
| २०७९/८० | १,६८५,६३७ | १,६१२,६५१ | ७२,९८६ | - | १,६७३,९५७ | - | ११,६८० |
| २०८०/८१ | १,७३५,०५२ | १,६५४,७६७ | ८०,२८५ | - | १,७२२,८१७ | - | १२,२३५ |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरणः- ब.उ.शी.नं., कार्यक्रम/आयोजनाको नाम, उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१४०००११ | गृह मन्त्रालय | | शान्ति सुरक्षा | सालबसाली | | |
| ३१४९१०११ | समरजंग कम्पनी कार्यालय | | आवश्यकता अनुसारका सेवा प्रवाह र शान्ति सुरक्षा कायम | सालबसाली | | |
| ३१४९२०११ | जिल्ला प्रशासन कार्यालयहरु | | शान्ति सुरक्षा कायम गर्ने, नागरिकता र राहदानी वितरण | सालबसाली | | |
| ३१४९२०१२ | सीमा प्रशासन कार्यालयहरु | | नागरिकता र राहदानी वितरण | सालबसाली | | |
| ३१४९२०१३ | इलाका प्रशासन कार्यालयहरु | | नागरिकता र राहदानी वितरण | सालबसाली | | |
| ३१४०२०११ | कारागार व्यवस्थापन विभाग | | कैदीहरुलाई सुरक्षित राख्न आवश्यक सेवा सुविधाको व्यवस्था मिलाउने | सालबसाली | | |
| ३१४०२०१२ | कारागार कार्यालयहरु | | कैदीबन्दीलाई सुरक्षित राख्ने र नियमानुसारको सेवा सुविधा उपलब्ध गराउने | सालबसाली | | |
| ३१४०१०१२ | सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण | | सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण बितरण | सालबसाली | | |
| ३१४०३०११ | अध्यागमन विभाग | | प्रवेशाज्ञा जारी | सालबसाली | | |
| ३१४०३०१२ | अध्यागमन कार्यालयहरु | | विदेशी नागरिकहरुको अध्यागमनलाई व्यवस्थित | सालबसाली | | |
| ३१४९३०११ | जुद्ध वारुणयन्त्र कार्यालय | | आवश्यकता अनुसारको सेवा प्रवाह र विपद् प्रतिकार्य | सालबसाली | | |
| ३१४०४०११ | प्रहरी प्रधान कार्यालय | | नागरिक सुरक्षा प्रदान | सालबसाली | | |
| ३१४१००१५ | नेपाल प्रहरी अस्पताल | | प्रहरी परिवार तथा सर्वसाधारणलाई उपचार | सालबसाली | | |
| ३१४१००१३ | राष्ट्रिय प्रहरी प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | | प्रहरी कर्मचारीहरुको क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१४०४०१४ | प्रदेश प्रहरी कार्यालयहरु | | सुरक्षा समन्वय | सालबसाली | | |
| ३१४०४०१६ | जिल्ला प्रहरी कार्यालयहरु | | सुरक्षा प्रदान | सालबसाली | | |
| ३१४०४०१२ | महानगरीय प्रहरी | | सुरक्षा प्रदान | सालबसाली | | |
| ३१४०५०११ | सशस्त्र प्रहरी बल | | सीमा औद्योगिक सुरक्षा प्रदान | सालबसाली | | |
| ३१४०६०११ | प्रहरी किताबखाना | | प्रहरी कर्मचारिको अभिलेख व्यवस्थापन | सालबसाली | | |
| ३१४०१०११ | राष्ट्रिय परिचयपत्र तथा पञ्जीकरण विभाग | | नेपाली नागरिकलाई राष्ट्रिय परिचयपत्र वितरण।<br>५ वर्ष मुनिका बालबालिकाहरूको जन्म दर्ता लगायत अन्य घटनादर्ता।<br>सामाजिक सुरक्षा प्रणालीलाई राष्ट्रिय परिचय-पत्र व्यवस्थापन सूचना प्रणालीसँग आबद्ध। | सालबसाली | | व्यक्तिगत घटना दर्ता एवम् सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण आधुनिक सूचना प्रविधि/प्रणालीमा आधारित भएको हुने,<br>सबै नेपाली नागरिकले राष्ट्रिय परिचय-पत्र प्राप्त गरेको हुने, व्यक्तिगत घटना दर्ता समयमै भएको हुने,<br>सामाजिक सुरक्षाभत्ता बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट वितरण भएको हुने र सूचना व्यवस्थापन प्रणालीहरूबीच अन्तर आबद्धता र सूचना आदानप्रदान हुने।<br>नीति तथा योजना निर्माणका लागि आवश्यक तथ्याङ्क तथा अभिलेख उपलब्ध भएको हुने। |
| ३१४०५०१४ | सशस्त्र प्रहरी बल तालिम केन्द्रहरु | | सशस्त्र प्रहरी बल कर्मचारीहरुको क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | | |
| ३१४०५०१५ | नेपाल एपिएफ अस्पताल | | सशस्त्र प्रहरी बल परिवार तथा सर्वसाधारणलाई स्वास्थ्योपचार उपलब्ध गराउने | सालबसाली | | |
| ३१४००१०१ | राहत तथा पुर्नस्थापना कार्यक्रम | | राहत तथा पुर्नस्थापना सम्बन्धी कार्य | निरन्तर | | |
| ३१४००१०२ | लागु औषध नियन्त्रण कार्यक्रम | | लागुऔषध आपुर्ति घटाउने र सचेतना अभिवृद्धि | निरन्तर | | लागूऔषध ओसारपसारमा नियन्त्रण तथा न्यूनीकरण भएको हुने,<br>दुर्व्यसन विरुद्ध सचेतनामा वृद्धि भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रु. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१४०४१०३ | त्रिवर्षीय अपराध नियन्त्रण तथा अनुसन्धान कार्ययोजना | | अपराध नियन्त्रण तथा दण्डहीनताको अन्त्य | निरन्तर | | अपराध नियन्त्रण तथा दण्डहीनताको अन्त्य भएको हुने। |
| ३१४००१०३ | राष्ट्रिय विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरण | | विपद व्यवस्थापनको प्रभावकारी सञ्चालन तथा व्यवस्थापन | निरन्तर | | |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३१४०००११ | गृह मन्त्रालय | | | |
| ३१४९१०११ | समरजंग कम्पनी कार्यालय | | | |
| ३१४९२०११ | जिल्ला प्रशासन कार्यालयहरु | | | |
| ३१४९२०१२ | सीमा प्रशासन कार्यालयहरु | | | |
| ३१४९२०१३ | इलाका प्रशासन कार्यालयहरु | | | |
| ३१४०२०११ | कारागार व्यवस्थापन विभाग | | | |
| ३१४०२०१२ | कारागार कार्यालयहरु | | | |
| ३१४०१०१२ | सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण | | नेपालको संविधानले निर्देशित गरे बमोजिम नेपाल सरकारको निर्णय अनुसारको सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण लक्षित वर्गमा विस्तार भएको हुने। | |
| ३१४०३०११ | अध्यागमन विभाग | | जैविक सूचना सहितको अध्यागमन प्रणाली सबै अध्यागमन कार्यालयहरुमा लागु भएको हुने। | |
| ३१४०३०१२ | अध्यागमन कार्यालयहरु | | | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | | विदेशी नागरिकहरुको आवागमन सहज र व्यवस्थित भएको हुने।<br>अध्यागमन कार्यालयहरुको भौतिक पूर्वाधार र क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने। | |
| ३१४९३०११ | जुद्ध वारुणयन्त्र कार्यालय | | | |
| ३१४०४०११ | प्रहरी प्रधान कार्यालय | | प्रहरी सेवामा नागरिकको पहुँचको अनुपात १:३५० पुगेको हुनेछ।<br>शान्ति सुरक्षा अमन चयन कायम भएको हुने।<br>जनतामा सुरक्षाको अनुभूति वृद्धि भएको हुने। | |
| ३१४१००१५ | नेपाल प्रहरी अस्पताल | | प्रहरी परिवार र नागरिकले उचित उपचार पाएको हुने। | |
| ३१४१००१३ | राष्ट्रिय प्रहरी प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | | प्रहरी कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने। | |
| ३१४०४०१४ | प्रदेश प्रहरी कार्यालयहरु | | शान्ति सुरक्षा अमन चयन कायम भएको हुने।<br>जनतामा सुरक्षाको अनुभूति वृद्धि भएको हुने।<br>सीमा सुरक्षा निगरानी कभरेज प्रति इकाइ दूरी ६ किमि पुगेको हुने। | |
| ३१४०४०१६ | जिल्ला प्रहरी कार्यालयहरु | | | |
| ३१४०४०१२ | महानगरीय प्रहरी | | | |
| ३१४०५०११ | सशस्त्र प्रहरी बल | | | |
| ३१४०६०११ | प्रहरी किताबखाना | | प्रहरी कर्मचारीको अभिलेख व्यवस्थापन भएको हुने। | |
| ३१४०१०११ | राष्ट्रिय परिचयपत्र तथा पञ्जीकरण विभाग | हाल सम्ममा २२ लाख नागरिकहरुको राष्ट्रिय परिचयपत्रको लागि विवरण संकलन कार्य सम्पन्न भएकोमा फाल्गुण महिनामा मात्र ५ लाख विवरण संकलन भएको।<br>राष्ट्रिय परिचयपत्र विवरण | पाँच वर्षमुनिका बालकालिकाको जन्म दर्ता भएको ७५% पुगेको हुने।<br>७७ वटै जिल्लाबाट सबै नेपाली नागरिकले राष्ट्रिय परिचयपत्र प्राप्त गरेको हुने।<br>सामाजिक सुरक्षाभत्ता बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट वितरण भएको हुने।<br>सूचना व्यवस्थापन प्रणालीहरूबीच अन्तर आबद्धता र | ७७ वटै जिल्लाबाट व्यक्तिका वैयक्तिक र बायोमेट्रिक सूचनालाई आधिकारिक रूपमा संकलन गरी प्रत्येक नागरिकलाई राष्ट्रिय परिचय नम्बर सहितको बहुउपयोगी र आधुनिक प्रविधियुक्त राष्ट्रिय परिचय-पत्र वितरण गर्ने,<br>व्यक्तिगत घटना दर्ताको विवरणका आधारमा सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्राप्त गर्ने समूहको पहिचान र |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | संकलन अभियान ८ जिल्लाका ( पाँचथर, संखुवासभा, ओखलढुङ्गा, गुल्मी, चितवन, कञ्चनपुर, डडेलधुरा र अछाम) ९८ स्थानीय तहका ८५० वडा मा सम्पन्न भएको र १६ जिल्ला: इलाम, झापा, तेह्रथुम, उदयपुर, खोटाङ्ग, सप्तरी, सर्लाही, सिन्धुली, मकवानपुर, ललितपुर, काभ्रेपलाञ्चोक, नवलपरासी पूर्व, कास्की, पाल्पा, सल्यान र डोटी मा अभियान निरन्तर सञ्चालन भईरहेको।<br>केन्द्रमा रहेका २०३४ साल देखि २०५७ साल सम्मका व्यक्तिगत घटना दर्ता सम्बन्धी ३२ लाख ७२ हजार २ सय ४४ सूचना फारमको डिजिटाईजेसन कार्य सम्पन्न भएको।<br>६१ वटा स्थानीय तहमा व्यक्तिगत घटना दर्ता सम्बन्धी दर्ता किताव र सूचना फारमको डिजिटाईजेसन कार्य सम्पन्न भएको।<br>हाल ४३७ वटा स्थानीय तहमा व्यक्तिगत घटना दर्ता सम्बन्धी दर्ता किताव र सूचना फारमको डिजिटाईजेसन कार्य भईरहेको।<br>४०३२ वडा बाट अनलाइन | सूचना आदान-प्रदान स्थापित भएको हुने। | अद्यावधिक अभिलेख राख्ने तथा विद्युतीय माध्यम अपनाई बैंक तथा वित्तीय संस्था मार्फत वितरण गर्ने,<br>बहुउपयोग राष्ट्रिय परिचय-पत्र व्यवस्थापन प्रणाली र सामाजिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत घटना दर्ता व्यवस्थापन सूचना प्रणालीका बीचमा अन्तरआबद्धता कायम गरी बहुउपयोगी तथ्याङ्क स्रोतको रूपमा विकास गर्ने ।<br>राष्ट्रिय परिचयपत्र तथा घटना दर्ता कार्यक्रम अन्तर्गत सञ्चालित राष्ट्रिय परिचयपत्रका लागि नागरिकको विवरण संकलन गर्ने अभियान, राष्ट्रिय परिचयपत्र व्यवस्थापन सूचना प्रणालीसँग अन्य निकायका विद्युतीय प्रणालीसँग आबद्ध गर्ने कार्यलाई राष्ट्रिय अभियानको रुपमा अघि बढाइने। राष्ट्रिय परिचयपत्र वितरणको लागि थप ६० लाख नागरिकको वैयक्तिक तथा जैविक विवरण संकलन गर्न वडा वडामा अभियान संचालन गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | व्यक्तिगत घटना दर्ता सेवा सुचारू रहेको । | | |
| ३१४०५०१४ | सशस्त्र प्रहरीबल तालिम केन्द्रहरु | | शान्तिसुरक्षा अमनचयन कायम भई दक्ष, क्षमतावान र उत्प्रेरित जनशक्ति तयार हुने। | |
| ३१४०५०१५ | नेपाल एपिएफ अस्पताल | | सशस्त्र प्रहरी बल,प्रहरी परिवार तथा सर्वसाधारणलाई स्वास्थ्योपचार सेवा उपलब्ध गराईएको हुने। | |
| ३१४००१०१ | राहत तथा पुर्नस्थापना कार्यक्रम | | प्रभावकारी राहत वितरण भएको हुने। | |
| ३१४००१०२ | लागु औषध नियन्त्रण कार्यक्रम | लागू औषध नियन्त्रण ऐन २०३३ लाई प्रतिस्थापन गर्ने लागू औषध तथा मनोद्धिपक पदार्थ सम्बन्धी विधेयकको मस्यौदा तयार भएको<br>लागू औषध प्रयोगकर्ताहरुका लागि संचालित उपचार तथा पुनर्स्थापना केन्द्रहरुलाई अनुदान प्रदान गर्ने कार्यविधि २०७७ तर्जुमा भएको।<br>लागू औषध नियन्त्रण सम्बन्धी ५ वर्षे कार्ययोजनाको मस्यौदा तयार<br>लागू औषध मौखिक प्रतिस्थापन उपचार केन्द्र सुधार कार्ययोजना २०७७ तयार भई कार्यान्वयनमा आएको।<br>तेजाव तथा अन्य घातक रासायनिक पदार्थको नियमनका सम्बन्धमा व्यवस्था गर्न बनेको | लागू औषध आपूर्ति घटेको र सचेतना अभिवृद्धि भएको हुने।<br>लागू औषध दुर्व्यसन दर ५% मा घटेको हुने। | लागूऔषध दुर्व्यसन विरुद्ध अभिमुखीकरण कार्यक्रम,<br>लागूऔषध दुर्व्यसनबाट छुटकारा पाएकाहरुलाई सीपविकास तालिम सञ्चालन गर्ने,<br>पुनर्स्थापना केन्द्रको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने,<br>लागूऔषध नियन्त्रण विशेष अपरेसन सञ्चालन गर्ने, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | अध्यादेश २०७७ जारी भएको।<br>लागू औषध दुरुपयोग तथा अवैध ओसारपसार विरुद्ध अभिमुखिकरण कार्यक्रम गरिएको जसबाट ५०० जना लाभान्वित भएको। | | |
| ३१४०४१०३ | त्रिबर्षीय अपराध नियन्त्रण तथा अनुसन्धान कार्ययोजना | | अपराध नियन्त्रण तथा दण्डहीनताको अन्त्य भएको हुने। | प्रहरीको भौतिक उपस्थितिको दरमा वृद्धि गर्ने,<br>अपराधका घटनाहरूको नियन्त्रण तथा न्यूनीकरण गर्ने,<br>अपराध अनुसन्धानको सफलताको दरमा वृद्धि गर्ने,<br>सुरक्षा अनुभूतिको सर्वेक्षण गर्ने । |
| ३१४००१०३ | राष्ट्रिय विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरण | | विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन कार्य प्रभावकारी भएको हुने।<br>विपद व्यवस्थापनमा तीने तहका सरकार वीच समन्वय र सहजीकरण भएको हुने। | |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

सुरक्षा निकायको आधुनिकीकरण तथा व्यावसायिकता अभिवृद्धिसँगै नागरिकको जीउ, धन, स्वतन्त्रता र सार्वजनिक सम्पतिको सुरक्षा हुने, साइवर अपराधको नियन्त्रण हुने र अन्तर्राष्ट्रिय आपराधिक क्रियाकलाप नियन्त्रण हुनेछ। आवश्यक परिमाणमा साधन-स्रोत उपलब्ध हुन नसकेमा उल्लिखित उपलब्धि हासिल नहुने जोखिम रहन्छ।

## ८.५ रक्षा

### १. पृष्ठभूमि

मुलुकको सुरक्षा एवम् प्रतिरक्षासम्बन्धी नीति, रणनीति तथा कानूनको तर्जुमा र तिनको कार्यान्वयन, व्यवस्थापन, अनुगमन, नियन्त्रण तथा निर्देशन गर्ने कर्तव्य पूरा गर्दै नेपाली सेनालाई देश र जनताको हितमा प्रभावकारी तवरले परिचालन गर्ने दायित्व रक्षा मन्त्रालयको रही आएको छ। नेपालको संविधानको भाग २८ धारा २६७ मा नेपालको स्वतन्त्रता, सार्वभौमसत्ता, भौगोलिक अखण्डता, स्वाधीनता र राष्ट्रिय एकताको रक्षाको लागि संविधानप्रति प्रतिबद्ध समावेशी नेपाली सेनाको एक संगठन रहने व्यवस्था रहेको छ। मुलुकलाई आन्तरिक तथा बाह्य सुरक्षा चुनौतीहरुबाट स्वतन्त्र र सुरक्षित राख्दै नेपाली जनताको जिउ धनको सुरक्षा र संरक्षण गर्न, शान्तिपूर्वक बाँच्न पाउने नैसर्गिक अधिकारलाई सुनिश्चित गर्न र नेपालको भौगोलिक अखण्डता र एकतालाई अटल र अक्षुण्ण राख्न रक्षा मन्त्रालय र यस अन्तर्गतको नेपाली सेना अहोरात्र क्रियाशील रही आएका छन्। संविधानद्वारा प्रदत्त दायित्वहरु निर्वाह गर्ने क्रममा हालका दिनमा नेपाली सेनाले मूलतः बाह्य सुरक्षा, प्रतिरक्षा, आन्तरिक सुरक्षा, विपद् व्यवस्थापन, प्रकृति संरक्षण, नेपाल सरकारको निर्देशन बमोजिम राष्ट्रिय पहिचान बोकेका ठूला एवम् रणनैतिक महत्त्वका विकास निर्माण, करिडोर तथा सडक खण्डहरु, मुलुकका महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक सांस्कृतिक संरचना तथा अति विशिष्ट र विशिष्ट व्यक्तिहरुको सुरक्षा एवम् संयुक्त राष्ट्र संघको आह्वानअनुसार विभिन्न देशमा शान्ति स्थापना जस्ता नेपाल सरकारले सुम्पेको जिम्मेवारी कुशलतापूर्वक सम्पादन गर्दै आइरहेको छ। Covid-19 को कारण सृजित विषम परिस्थिति तथा माहामारीको रोकथाम, नियन्त्रण तथा जनमानसमा सृजना हुनसक्ने तनाव न्यूनीकरणको लागि नेपाल सरकार तथा रक्षा मन्त्रालयबाट प्राप्त निर्देशन बमोजिमका कार्यहरु सम्पादन गरी सामान्य अवस्था सृजना गर्न महत्त्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दै आएको छ। 'समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली' को दीर्घकालीन सोचको परिकल्पना सहितको पन्ध्रौं योजना तथा दिगो विकासको राष्ट्रिय अभियानलाई आत्मसाथ गर्दै राष्ट्रको सामाजिक-आर्थिक विकासमा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ने रणनीतिक महत्व एवम् राजधानीलाई छोटो दुरी तथा समयमा तराईसंग जोड्ने काठमाण्डौ-तराई/मधेश द्रुतमार्ग (Expressway) सडक आयोजनाको कुल लम्बाई ७२.५ कि.मि. मध्ये ५५ कि.मि. लामो खण्डमा ढुङ्गा माटो कटिङ्ग, फिलिङ्ग गरी Embankment तयार गर्न तथा न्यूनतम सडक संरचनाहरु (टेवा पर्खाल, Reinforced Soil Structure, पाईप तथा बक्स कल्भर्ट) निर्माण गर्ने कार्य नेपाली सेनाले गर्दै आईरहेकोछ। मुलुकमा संघीय गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्थाको स्थापनापश्चात् सेनामाथि नागरिक नियन्त्रण, सेनाको आधुनिकीकरण र पुनर्संरचना, सेना-नागरिक सम्बन्ध जस्ता विषयहरु शासकीय प्रणालीभित्र प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन भैरहेका छन्।

### २. समस्या तथा चुनौती

नेपाली सेनालाई समय सापेक्ष थप सबल, चुस्त, दक्ष, व्यवसायिक र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरको बनाउन एवम् हालका दिनमा सुम्पिएको विकास निर्माण तथा विपद् व्यवस्थापनको कार्य कुशलतापूर्वक सम्पादन गर्न आवश्यक पर्नै भौतिक संरचना, मेसिनरी औजार, प्रविधि तथा आधुनिक सैनिक उपकरणहरु पर्याप्त मात्रामा उपलब्ध नहुनु, नेपाली सेनालाई आवश्यक पर्ने हातहतियार, गोलीगठ्ठा लगायतका सुरक्षा सामग्री स्वदेशभित्रै पर्याप्त मात्रामा उत्पादन गर्न नसक्नु यस क्षेत्रका केही प्रमुख समस्याका रुपमा रहेका छन्। समयानुकूल वृत्ति विकासका अवसर सन्तुलित र न्यायपूर्ण तरिकाले उपलब्ध गराई नेपाली सेनामा कार्यरत जनशक्तिको मनोबल उच्च राख्नु, मन्त्रालय तथा नेपाली सेनाको कामकारबाहीलाई क्रमशः आधुनिकीकरण गर्दै सूचना प्रविधिमा आधारित चुस्त र नतिजामुखी बनाउनु, सेना र अन्य विभिन्न सुरक्षा संयन्त्रहरुबीच समन्वय र कार्यात्मक सम्बन्ध सुदृढ तुल्याई मुलुकको समग्र सुरक्षा व्यवस्थामा सुधार ल्याउनु सुरक्षा क्षेत्रको प्रमुख चुनौतीका रुपमा रहेका छन्। नेपाली सेनाको व्यवस्थापनमा निर्माणाधिन काठमाण्डौं तराई/मधेश द्रुतमार्ग सडक आयोजना अन्तर्गत खोकना, ललितपुर जिल्लामा द्रुतमार्गको रेखाङ्कनमा परी

अधिग्रहणमा परेका जग्गाहरुको मुआब्जा मूल्याङ्कनको विषयमा भएको विवाद तथा अन्य करिडोरको निर्माणमा मापदण्ड बिना आयोजना पहिचान तथा छनोट हुनु, DPR/EIA बिना आयोजना कार्यन्वयनमा लैजानु तथा बजेटको विनियोजन को सुनिश्चितता नहुनु अपेक्षाकृत वृद्धि हासिल गर्नु चुनौती हुन्।

## ३. सोच

स्वतन्त्र, अखण्ड, सुरक्षित, सार्वभौम र शान्तिपूर्ण नेपाल।

## ४. उद्देश्य

१. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा रहने सबै सुरक्षा निकायबीच शान्ति-सुरक्षाका विषयमा सहयोग र समन्वय सुदृढ गर्दै विश्वसनीय र भरपर्दो सुरक्षा प्रणाली विकास गर्नु।

२. सुदृढ र सबल आन्तरिक तथा बाह्य सुरक्षा प्रणाली अवलम्बन गरी मुलुकलाई सुरक्षित राख्नु तथा समुन्नत बनाउनु।

३. नेपाली जनता, नेपालको सिमाना, भूमि, जल, अर्थतन्त्र, प्राकृतिक-सांस्कृतिक सम्पदा र पर्यावरणको प्रभावकारी सुरक्षा गर्नु।

४. नेपाली सेना तथा रक्षा मन्त्रालयका निजामती कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि गरी दक्ष, आधुनिक र व्यावसायिक तुल्याउनु।

५. विकास निर्माण तथा विपद् व्यवस्थापनमा नेपाली सेनाको भूमिकालाई प्रभावकारी बनाउनु।

६. मुलुकमा शान्ति स्थिरता कायम गर्दै मानव अधिकारको संरक्षणमा योगदान पुऱ्याउनु।

७. आधारभूत राष्ट्रिय मूल्य मान्यताहरूको संरक्षण र राष्ट्रिय एकता तथा सामाजिक सद्भावलाई अभिवृद्धि गर्दै नागरिक-सैनिक सम्बन्धलाई सुदृढ तुल्याउनु।

८. सैनिक कूटनीतिलाई प्रभावकारी बनाउँदै अन्तर्राष्ट्रिय शान्ति स्थापनामा मुलुकको योगदानलाई अभिवृद्धि गर्नु।

## ५. रणनीति

१. राष्ट्रिय सुरक्षा र प्रतिरक्षासम्बन्धी नीति, रणनीति र कानून तथा संगठनात्मक पक्षमा समसामयिक सुधार गरी राष्ट्रिय सुरक्षा व्यवस्थालाई सुदृढ बनाउने।

२. सरकारका तीनवटै तह तथा नेपाली सेनाबीच उचित संयन्त्र निर्माण र समन्वय सुदृढ गरी मुलुकमा विश्वसनीय र भरपर्दो सुरक्षा प्रणालीको विकास गर्ने।

३. नेपाली सेनालाई समयानुकूल दक्ष, आधुनिक, व्यावसायिक, प्रविधिमैत्री तथा साधनस्रोत सम्पन्न बनाउने एवम् कर्मचारीको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।

४. नेपाली सेनालाई मुलुकको अन्तर्राष्ट्रिय सिमानाको सुरक्षा, नदी, खानी, वनजङ्गल र प्रकृति संरक्षण कार्यमा सहभागी गराउने तथा ठूला एवम् रणनैतिक महत्वका विकास आयोजनाहरुको सम्भाव्यता अध्ययन गर्दा राज्यको सुरक्षामा पर्ने प्रभावबारे सुरक्षा प्रभाव मूल्याङ्कन गर्नुपर्ने व्यवस्था गर्ने।

५. राष्ट्रिय स्वार्थ र हित विपरितका क्रियाकलापहरुलाई नियन्त्रण र निरुत्साहित गर्ने।

६. नेपाली सेनामा वृत्ति विकासका नवीन पक्षहरुलाई समावेश गरी क्षमतावान् र उच्च मनोबलयुक्त जनशक्ति निर्माण गर्ने।

७. नेपाली सेनाको सामरिक र रणनैनिक महत्त्वका विकास निर्माण कार्यहरु सम्पादन गर्ने तथा विपद् व्यवस्थापन क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।

८. संस्थागत क्षमताको विकासलाई उच्च प्राथामिकता दिई आधुनिक प्रविधिको अधिकतम् प्रयोग गर्ने।

९. नेपाली सेनासम्बन्धी कानुनमा समसामयिक सुधार गरी मानव अधिकारको संरक्षण र प्रवर्द्धनमा योगदान पुऱ्याउने।

१०. आभारभूत राष्ट्रिय मूल्य मान्यताहरुको जगेर्ना तथा राष्ट्र र राष्ट्रिय हितप्रति समर्पित जनशक्तिको निर्माण गर्दै नागरिक-सेनिक सम्बन्धलाई सौहार्द्रपूर्ण तुल्याउने।

११. नेपाली सेना र अन्य सुरक्षा निकायबीच समन्वय र सहकार्य विस्तार गर्दै विश्व शान्ति स्थापनामा नेपालको भूमिका वृद्धि गर्ने

१२. राष्ट्रिय सुरक्षा तथा प्रतिरक्षा सम्बन्धमा मुलुकको बिद्यमान राष्ट्रिय सुरक्षा नीतिलाई अद्यावधिक गर्ने तथा राष्ट्रको विद्यमान क्षमताको ठोस विश्लेषण गरी रणनीतिक अन्तर पत्ता लगाउने। निर्देशित कार्यदिश र व्यावहारिक पक्षबारे लेखा जोखा गरी नीति निर्माण तथा कार्यान्वयन पक्षमा उचित सुझाव दिन सक्ने अधिकारीहरुको ज्ञान एवं क्षमता अभिबृद्धि गर्ने।

१३. अन्तर्राष्ट्रिय अभ्यास र प्रचलनहरुको लेखाजोखा गरी सुरक्षा क्षेत्रमा भएका गहन खोज, अनुसन्धान र विश्लेषण गरी राष्ट्रिय सुरक्षालाई सुदृढ तथा समसामयिक बनाउन हरेक विधामा योगदान दिन सक्ने जनशक्ति निर्माण गर्ने।

१४. राष्ट्रिय सुरक्षा तथा प्रतिरक्षा सम्बन्धी नीति एवम् रणनीति निर्माणमा राष्ट्रलाई आवश्यक सुझावहरु प्रदान गर्न सक्ने प्रबुद्ध मण्डल (Think Tank) राष्ट्रिय प्रतिरक्षा विश्वविद्यालय भित्रै निर्माण गर्ने।

१५. रणनीतिक स्तरमा सोच्ने आम संस्कारको विकास गर्दै राष्ट्रिय सुरक्षा सम्वद्ध नेटवर्क निर्माण गरी उच्च स्तरको नागरिक-सैनिक सम्बन्ध निर्माण र विस्तार गर्ने।

१६. नेपाली सेना तथा अन्य सुरक्षा निकायहरुका उच्च शैक्षिक संस्थानहरुलाई, आवश्यकता अनुरुप समसामयीक सुधार सहित, नियमतः राष्ट्रिय प्रतिरक्षा विश्वविद्यालयको प्राज्ञिक छाता भित्र ल्याउने र भरपर्दो एबं विशिष्ट शिक्षण संस्थाको रुपमा विकसित गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| बङ्करदेखि व्यारेकसम्म भौतिक संरचना निर्माण (कुल संरचना ५,९७३) | संख्या | १३९ | १०६ | १३४ | १८० | २०० |
| नेपाली सेनाको जमिनी तथा हवाई परिवहन क्षमता अभिवृद्धि (विभिन्न प्रकारका सवारी साधन खरिद) | संख्या | १४८ | ७५ | ८३ | ४१० | ४२० |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| राष्ट्रिय सेवा दल तालिम | जना हजार | ७.७ | - | ११.५ | ११.५ | ११.५ |
| द्रुतमार्ग (भूमिगत मार्ग समेत) | कि.मि. | ३२.५ | ४ | ५ | २० | ४७.५ |
| नयाँ सडक निर्माण | कि.मि. | ४६.५ | १६.१५ | १८ | २५ | - |
| सडक पुल निर्माण | संख्या | १ | २ | १ | १ | - |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ५१५,३९५ | ४४३,९७४ | ७१,४२१ | – | ५१५,३९५ | – | – |
| २०७९/८० | ५४०,१९५ | ४६१,६३१ | ७८,५६४ | – | ५४०,१९५ | – | – |
| २०८०/८१ | ५६४,२०८ | ४७७,७८८ | ८६,४२० | – | ५६४,२०८ | – | – |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरणः- ब.उ.शी.नं., कार्यक्रम/आयोजनाको नाम, उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३४५०००११ | रक्षा मन्त्रालय | - | सुरक्षा | सालबसाली | - | - |
| ३४५०००१२ | राष्ट्रिय सुरक्षा परिषद्को सचिवालय | - | सुरक्षा | सालबसाली | - | - |
| ३४५०१०११ | जंगी अड्डा | - | सुरक्षा | सालबसाली | - | - |
| ३४५०१०१२ | सैनिक हवाई महानिर्देशनालय | - | सुरक्षा | सालबसाली | - | - |
| ३४५०१०१३ | वीरेन्द्र अस्पताल | - | स्वास्थ्य सेवा प्रवाह | सालबसाली | - | - |
| ३४५०१०१४ | सैनिक कमाण्ड तथा स्टाफ कलेज | - | क्षमता अभिवृद्धि | सालबसाली | - | - |
| ३४५०१०१५ | राष्ट्रिय सेवा दल | - | छात्र छात्रामा राष्ट्रिय भावना अभिवृद्धि | सालबसाली | - | - |
| ३४५०१०१६ | अति बिशिष्ट व्यक्ति सुरक्षा निर्देशनालय | - | सुरक्षा प्रबन्ध | सालबसाली | - | - |
| ३४५०१०११ | राष्ट्रिय प्रतिरक्षा विश्वविद्यालय | - | राष्ट्रिय प्रतिरक्षा विश्वविद्यालय स्थापना गरी संचालन गर्ने | २०७८/७९ - २०८०/८१ | ११ | राष्ट्रिय प्रतिरक्षा विश्वविद्यालय पूर्ण रुपमा संचालन हुने |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३४५०००११ | रक्षा मन्त्रालय | - | बाह्य तथा आन्तरिक सुरक्षा प्रणाली प्रभावकारी भई नेपालको स्वतन्त्र, सार्वभौमसत्ता, भौगोलिक अखण्डता, स्वाधीनता र राष्ट्रिय एकता सबल र सुदृढ भएको हुने। | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३४५०००१२ | राष्ट्रिय सुरक्षा परिषद्को सचिवालय | - | - | राष्ट्रिय सुरक्षा नीति २०७५ कार्यान्वयनको लागि सम्बन्धित निकायसँग बैठक, छलफल समन्वय र प्रगतिको अनुगमन गर्ने।<br>राष्ट्रिय प्रतिरक्षा नीति २०७७ समन्वयात्मक रुपमा कार्यान्वयन गर्ने। |
| ३४५०१०११ | जंगी अड्डा | - | राष्ट्रिय सुरक्षा र प्रतिरक्षाप्रति समर्पित सक्षम, सबल, व्यावसायिक एवम् उच्च मनोबलयुक्त नेपाली सेनाको प्रभावकारी परिचालन भएको हुने | |
| ३४५०१०१२ | सैनिक हवाई महानिर्देशनालय | - | नेपाली सेनाको हवाई क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने | |
| ३४५०१०१३ | वीरेन्द्र अस्पताल | - | आम नागरिक तथा सैनिकहरुको प्रभावकारी तवरले स्वास्थ्योपचार सेवा उपलब्ध हुनुका साथै विपद्का समयमा सेवा पुऱ्याउने गरी क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने | |
| ३४५०१०१४ | सैनिक कमाण्ड तथा स्टाफ कलेज | - | नेपाली सेनाका सकल दर्जाका सैनिक तथा अन्य कर्मचारीहरुको क्षमता र व्यावसायिक दक्षता अभिवृद्धि भएको हुने | |
| ३४५०१०१५ | राष्ट्रिय सेवा दल | - | राष्ट्रप्रति समर्पित, अनुशासित, बफादार र राष्ट्रको सेवा गर्न तत्पर एवम् सक्षम नागरिकको विकास भएको हुने,<br>३४,६५० जना युवाहरुलाई राष्ट्रिय सेवा दल तालिम प्राप्त भएको हुने | |
| ३४५०१०१६ | अति बिशिष्ट व्यक्ति सुरक्षा निर्देशनालय | - | अति विशिष्ट व्यक्तिहरुको सुरक्षा हुने | |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३४५०१०११ | राष्ट्रिय प्रतिरक्षा विश्वविद्यालय | राष्ट्रिय प्रतिरक्षा विश्वविद्यालय पूर्वाधार निर्माण विकास समितिको गठन | राष्ट्रिय प्रतिरक्षा विश्वविद्यालयको अवधारणा पत्र तयार हुने | विश्वविद्यालयको नियमावलीको मस्यौदा पेश गर्ने |
| | | समितिको कार्यालय स्थापना | विश्वविद्यालयको विधेयकको मस्यौदा स्वीकृति भई नियमावली तयार हुने | पहिलो चरणको निर्माण शुरू गर्ने |
| | | जग्गा प्राप्ति | सम्पूर्ण भौतिक पूर्वाधार निर्माण सम्पन्न गर्ने | २५% जनशक्ति नियुक्ति गर्ने |
| | | प्रारम्भिक भौतिक पूर्वाधारहरुको निर्माण सुरु | सम्पूर्ण जनशक्ति नियुक्ति पुरा गर्ने | राष्ट्रिय प्रतिरक्षा महाविद्यालय (NDC) को पाठ्यक्रम तयार गरिसक्ने |
| | | विश्वविद्यालयको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR) तयार | राष्ट्रिय प्रतिरक्षा विश्वविद्यालय (NDU)पूर्णरुपमा संचालन गर्ने | |
| | | अवधारणा पत्रको मस्यौदा तयार | | |
| | | विधेयकको मस्यौदा तयार | | |
| | | पाठयक्रम विकासको कार्य सुरु | | |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

नेपाली सेनाको आधुनिकीकरण, व्यावसायीकरण र क्षमता अभिवृद्धिका लागि पर्याप्त मात्रामा स्रोत साधनको व्यवस्था हुनेछ। नेपाली सेनामा कार्यरत सकल दर्जाको हौसला र मनोबल उच्च राख्न आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन हुनुका साथै नेपाली सेना र अन्य सुरक्षा निकायहरुबीच समन्वय तथा सहकार्य सुदृढ हुनेछ। पर्याप्त बजेटको अभाव, समय मै कार्यक्रम संशोधन तथा रकमान्तर नहुँदा लक्षित उद्देश्य हासिल गर्ने कार्यमा जोखिम सृजना हुने देखिएको छ।

## ८.६ परराष्ट्र

### १. पृष्ठभूमि

परराष्ट्र नीति, २०७७ अनुरुप मुलुकले लिएको विकासको बृहत्तर लक्ष्य हासिल गर्न सहयोग पुऱ्याउने दिशातर्फ नेपालको परराष्ट्र सम्बन्ध निर्देशित रहेको छ। मुलभूत रुपमा मन्त्रालय एवम् अन्तर्गतका निकायको सबलीकरण, कूटनीतिक जनशक्ति विकास, आर्थिक कूटनीतिको परिचालन, सीमा सम्बन्धी कार्यहरु, विद्युतीय राहदानी (e-passport) को जडानका साथै द्विपक्षीय र बहुपक्षीय मञ्च तथा अन्तर्राष्ट्रिय संघसंस्थाहरुमा नेपालको उपस्थितिलाई थप सबल बनाउँदै लैजाने एवम् गैरआवासीय नेपालीहरुको ज्ञान, सीप, पूँजी तथा प्रविधिलाई नेपालको हितमा परिचालन गर्नेतर्फ परराष्ट्र मन्त्रालय अग्रसर रहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

नेपालमा विकसित राजनीतिक तथा नीतिगत स्थिरता, सामाजिक तथा आर्थिक सबलीकरण, अवसरहरुको बृद्धि, अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा नेपालको पहिचान तथा महत्वमा बढोत्तरी, तथा सूचना प्रविधिको विकास र विस्तार अवसरको रुपमा रहेको भए तापनि विश्वव्यापी रुपमा फैलिएको कोरोना महामारीका कारण विकासका गतिविधिहरुमा आएको संकुचन, न्यून राष्ट्रिय उत्पादन तथा पूँजी निर्माण, राष्ट्रिय रोजगारीका अवसरहरुको अपर्याप्तता आदि प्रमुख समस्याको रुपमा रहेका छन्। यसका साथै समयानुकूल प्रशिक्षित कूटनीतिक जनशक्तिको अभाव र बढ्दो कार्यचापकाबीच परराष्ट्र सेवामा रहेको जनशक्तिको न्यूनताले चुनौती सिर्जना गरेको छ। यस अतिरिक्त परराष्ट्र मामिलालाई हेर्ने राष्ट्रिय दृष्टिकोणमा एकरुपता कायम गर्नुपर्ने समेत आवश्यकता रहेको छ।

कोभिड-१९ का कारण चालु आ.व. मा आर्थिक तथा सामाजिक क्रियाकलापहरु अत्याधिक रुपले प्रभावित भएका छन्। वर्षको अन्त्य तिर कोरोना विरुद्धको खोपको विकास तथा vaccination rollout ले आशाका किरणहरु सञ्चार गरेपनि भाइरसको नयाँ variant फैलावटसँगै महामारीको नयाँ लहर शुरु भईरहँदा जोखिमले थप अन्यौलता सिर्जना गरेको छ। यसबाट निश्चित रुपमा अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध लगायत द्विपक्षीय एवम् बहुपक्षीय मञ्चका प्राथमिकता तथा कार्यक्रमलाई प्रभावित बनाएको छ। यद्यपि, बहुपक्षीयतामा भर्चुअल कार्यक्रमहरुको प्रभाव बढ्दो छ। यसबाट समग्र विश्व अर्थ व्यवस्थामा ऋणात्मक प्रभाव देखा पर्ने अनुमान गरिएको छ। एकातर्फ बहुसंख्यक नेपालीहरु रहेको वैदेशिक रोजगारीमा प्रभाव पर्ने र अर्कोतर्फ नेपालले दातृ निकायबाट प्राप्त गर्दै आएको सहयोग समेत प्रभावित हुनसक्ने भएकोले यी विषयहरुलाई सम्बोधन र नयाँ प्राथमिकता निर्धारण गर्ने कार्य अर्को चुनौतिको रुपमा देखिएको छ।

### ३. सोच

राष्ट्रिय विकास एवम् सम्मानका लागि अन्तर्राष्ट्रिय आर्थिक सम्बन्ध।

### ४. उद्देश्य

अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा नेपालको राष्ट्रिय हित प्रवर्दन गर्दै तीब्र आर्थिक वृद्धि, गरिबी न्यूनीकरण तथा दिगो विकासका लक्ष्यहरु प्राप्तिमा योगदान पुऱ्याउन अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्धको परिचालन गर्नु ।

### ५. रणनीति

१. अन्तर्राष्ट्रिय जगतमा नेपालको राष्ट्रिय हित, राष्ट्रिय छवि, राष्ट्रिय पहिचान र प्रतिष्ठाको प्रवर्द्धन गर्ने।

२. नेपालको आर्थिक कूटनीतिलाई रणनीतिक र नतिजामूलक रुपमा परिचालन गर्ने।

३. राष्ट्रिय हित अनुकुल हुने गरी विद्यमान सन्धि, सम्झौता र समझदारीको विश्लेषण गरी पुनरावलोकन गर्ने।

४. कूटनीतिक दक्षतामा अभिवृद्धि गरी गुणस्तरीय सेवा प्रवाहको सुनिश्चितता गर्ने ।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको वास्तविक उपलब्धि | २०७७/७८ सम्मको अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| विदेशस्थित नियोगहरुमा भवन/जग्गा खरिद/निर्माण | संख्या | ३ | ४ | ७ | १० | १३ |
| आर्थिक कूटनीतिका कार्यक्रम संचालन | पटक | १३० | १४० | १३० | १४० | १५० |
| द्विपक्षीय परामर्श संयन्त्रको स्थापना र बैठक | संख्या | १२ | ९ | ६ | ६ | ६ |
| अन्तर्राष्ट्रिय संगठनको कार्यकारी तहमा उम्मेदवारी र प्रतिनिधित्व | संख्या | १० | २ | २ | ३ | ३ |
| कूटनीति सम्बन्धी तालिम संचालन | संख्या | २ | २ | ४ | ४ | ४ |
| Brain Gain Center-BGC मा आबद्ध हुने गैर आवासीय नेपाली | संख्या | ७०० | १००० | १२०० | १३०० | १३५० |
| BGC मार्फत प्राप्त हुने परियोजना प्रस्ताव | संख्या | ३ | ३ | ४ | ६ | ८ |
| नेपालीलाई गन्तव्य मुलुकको अध्यागमनमा प्रवेशाज्ञा प्रदान गर्ने मुलुक | संख्या | ३५ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ |
| द्विपक्षीय कूटनीतिक सम्बन्ध स्थापना भएका मुलुक | संख्या | १६८ | १६८ | १७० | १७१ | १७२ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ६७,९९९ | ५३,२६२ | १४,७३७ | - | ६७,९९९ | - | - |
| २०७९/८० | ८१,८७५ | ६५,६९५ | १६,१८० | - | ८१,८७५ | - | - |
| २०८०/८१ | ७६,८८० | ५८,६३० | १८,२५० | - | ७६,८८० | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत रू. | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३२६०००११ | परराष्ट्र मन्त्रालय | ५ | राष्ट्रिय हित प्रवर्द्धन अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध सबलीकरण | सालबसाली | | अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध मजबुत भएको हुने। परराष्ट्र नीतिको कार्यान्वयन भएको हुने। | परराष्ट्र नीति,२०७७ जारी | अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध मजबुत भएको हुने। परराष्ट्र नीतिको कार्यान्वयन भएको हुने। | द्विपक्षीय तथा क्षेत्रीय बैठक र अन्तर्राष्ट्रिय कार्यक्रममा सहभागिता, सीमा निरिक्षण, जग्गा खरिद/भवन निर्माण, सगरमाथा संवाद पुराना दस्तावेजको अभिलेखीकरण, भर्चुअल बैठकको पूर्वाधार निर्माण, क्षमता विकासका लागि तालिम, NRN स्मार्टकार्डको पूर्वाधार तयारी, |
| ३२६०००१२ | नेपाली/राजदूतावासहरु, स्थायी नियोगहरु, महावाणिज्य दूतावासहरु | ५ | आर्थिक कूटनीति नेपालीको उद्दार राष्ट्रिय हित प्रवर्द्धन | सालबसाली | | आर्थिक कूटनीतिबाट नेपालको छवि प्रवर्द्धन भएको हुने। | १०० | आर्थिक कूटनीतिका १५० कार्यक्रम सम्पन्न भएको हुने। आर्थिक कूटनीतिबाट नेपालको छवि प्रवर्द्धन भएको हुने। | आर्थिक कूटनीति, VPN तयार गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत रू. | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३२६०००१३ | सीमा नापी टोली | ५ (१) | सीमा व्यवस्थापन | सालबसाली | | नेपालको अन्तर्राष्ट्रिय सीमाना सुरक्षित र थप व्यवस्थित भएको हुने। | | नेपालको अन्तर्राष्ट्रिय सीमाना सुरक्षित र थप व्यवस्थित भएको हुने। | सीमा सम्बन्धी द्विपक्षीय संयन्त्रको बैठक,<br>सीमा सम्बन्धी rapid response |
| ३२६०१०११ | राहदानी विभाग | ५ (४) | राहदानी वितरण | सालबसाली | | राहदानी वितरण र राहदानी प्राप्त गर्न लाग्ने समयमा बचत भई सेवा प्रवाहमा प्रभावकारिता आएको हुने। | | राहदानी वितरण र राहदानी प्राप्त गर्न लाग्ने समयमा बचत भई सेवा प्रवाहमा प्रभावकारिता आएको हुने। | विद्युतीय राहदानी वितरण।<br>विद्युतीय राहदानी सम्बन्धी अभिमुखीकरण। |
| ३२६०२०११ | कन्सुलर सेवा विभाग | ५ (४) | प्रभावकारी कन्सुलर सेवा | सालबसाली | | सेवामा थप प्रभावकारी भएको हुने। | | सेवामा थप प्रभावकारी भएको हुने। | नियमित कार्यहरु |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

सरोकारवाला निकायहरुबीच निरन्तर र प्रभावकारी समन्वय, सम्बन्धित देशको कानून र पर्याप्त बजेट तथा जनशक्तिको सामयिक व्यवस्थापन हुन नसकेमा लक्ष्य हासिल हुन नसक्ने जोखिम देखिन्छ। यस अतिरिक्त विश्वव्यापी महामारीको रुपमा फैलिएको कोरोना भाइरसका कारण अन्तर्राष्ट्रिय जमघट तथा आवागमनमा पर्नसक्ने प्रभाव अर्को जोखिमका रुपमा रहेको छ ।

## ८.७ योजना तथा तथ्याङ्क

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले परिकल्पना गरे अनुरुप सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको सहभागिता तथा विकास मार्फत उपलब्ध साधन स्रोतको उचित परिचालनद्वारा तीव्र आर्थिक वृद्धि हासिल गर्दै दिगो आर्थिक विकास गर्न र प्राप्त उपलब्धिहरूको न्यायोचित वितरणका निमित्त दीर्घकालीन सोच सहितको योजना प्रक्रियाको महत्व रहन्छ। सङ्घीयताको सन्दर्भमा पनि संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा बन्ने योजनाहरूबीच अन्तरसम्बन्ध कायम गर्न, तहगत सरकारहरुका योजना प्रकृया र कार्यान्वयनमा समन्वय गर्नका निमित्त केन्द्रीय योजना संगठनका रुपमा रहेको राष्ट्रिय योजना आयोगको भूमिका महत्वपूर्ण हुन्छ। नेपालले अन्तर्राष्ट्रिय रुपमा प्रतिवद्धता जनाएको दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्न र वि.सं. २१०० सम्ममा विकसित राष्ट्रको स्तरमा पुग्न सहयोग हुने गरी दीर्घकालीन सोच सहितको पन्ध्रौं योजना र सोको सफल कार्यान्वयनका लागि वार्षिक रुपमा परिमार्जन गर्दै तयार गरिने तीन वर्षे मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक विकास कार्यक्रम आयोगका तत्कालीन प्राथमिकताका विषयहरू हुन्। यसका अतिरिक्त, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन, तथ्याङ्क प्रणालीको विकास, व्यवस्थापन र अनुसन्धानमार्फत् महत्वपूर्ण तथ्य एवम् सूचनाहरूको सिर्जना र त्यसलाई नीति निर्माणमा प्रयोग गराउने विषय आयोगका आगामी प्राथमिकता हुन्। योजना प्रक्रियालाई तथ्यपरक, नतिजामुखी र यथार्थपरक बनाउन विभिन्न नीतिगत, कानूनी, संस्थागत एवम् प्रकृयागत प्रयास गरिनुको साथै विकास योजना नीति, कार्यक्रम तथा आयोजनाको कार्यान्वयन पक्षलाई प्रभावकारी, नतिजामुखी र जवाफदेहीपूर्ण बनाउन राष्ट्रिय आयोजना बैंक, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको विकास एवम् कार्यान्वयन र अध्ययन अनुसन्धानको कार्यलाई सुदृढ बनाउँदै लगिएको छ। अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीलाई वस्तुनिष्ठ एवम् नतिजामूलक बनाउन अनुगमन तथा मूल्याङ्कन सम्बन्धी विधेयकको संसदमा दर्ता भएको छ। अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शन र सूचना प्रविधिमा आधारित राष्ट्रिय आयोजना बैंक व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको कार्यान्वयन र महत्वपूर्ण आयोजनाहरूको आन्तरिक तथा तेस्रो पक्षबाट मूल्याङ्कन लगायतका महत्वपूर्ण प्रयास हुँदै आएका छन्।

यसैगरी, अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड अनुकूल राष्ट्रिय तथ्याङ्क प्रणालीको विकास, दिगो विकास लक्ष्यको अनुगमनका निमित्त आवश्यक तथ्याङ्क उपलब्ध गराउन विभिन्न गणना, सर्वेक्षण र प्रशासनिक अभिलेख समेतको उपयोग गर्न र नेपाल सरकारले गत वर्ष स्वीकृत गरेको तथ्याङ्क प्रणाली विकासको लागि राष्ट्रिय रणनीतिको कार्यान्वयन गर्न आवश्यक व्यवस्था गर्दै जानुपर्ने साथै राष्ट्रिय नीतिहरूको सान्दर्भिकता, विकास योजना तथा कार्यक्रमका विविध पक्ष र विषयगत क्षेत्रका उत्पादन तथा व्यवसायको संरचना, ढाँचा तथा प्रविधिमा रुपान्तरण गर्नुपर्ने विषयमा अध्ययन, अनुसन्धान गर्ने विशिष्टिकृत निकायका रुपमा आयोगलाई विकास गर्ने गरी कार्यहरू अघि बढाइएको छ। यिनै तथ्य मनन गर्दै आगामी तीन वर्षको लागि मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरिएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

विकासको दीर्घकालीन सोच तर्जुमा गरी सोअनुसार योजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्नु, स्रोत साधनको सुनिश्चितता गरी आवधिक योजना र वार्षिक बजेटबीच सामञ्जस्यता कायम गर्नु, पुनर्निर्माण कार्यक्रम तर्जुमा तथा कार्यान्वयन प्रभावकारी बनाउनु, सङ्घीयताअनुरूप तहगत योजनाबीच अन्तरसम्बन्ध कायम गर्नु र योजना तर्जुमासम्बन्धी जनशक्तिको क्षमता विकास गरी संस्थागत सुदृढीकरण गर्नु योजना तर्जुमा प्रक्रियामा देखिएका समस्या हुन्। त्यस्तै, योजना कार्यान्वयन गर्ने निकायहरूको क्षमता अभिवृद्धि गरी कार्यान्वयन पक्षलाई सुधारमा सहयोग गर्नु र सार्वजनिक खरिद तथा जग्गा प्राप्तिसम्बन्धी कानूनी तथा प्रक्रियागत जटिलता हटाउनु योजना कार्यान्वयन सम्बन्धी मुख्य समस्या हुन्।

सङ्घीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय तहमा योजना प्रक्रिया तथा अन्तरसम्बन्धित अनुगमन तथा मूल्याङ्कन पद्धतिलाई संस्थागत गर्नु, दिगो विकासका लक्ष्य लगायतका असर तथा प्रभाव तहका सूचकहरूको खण्डीकृत एवम् सर्वेक्षणमा आधारित सूचना सिर्जना गर्नु र विभिन्न तह तथा निकायमा अनुगमन तथा मूल्याङ्कन सम्बन्धी क्षमता विकास गर्नु र दक्ष जनशक्तिलाई यस कार्यमा आकर्षित गरी राख्नु प्रमुख चुनौती रहेका छन्। राष्ट्रिय लक्ष्य एवम् उद्देश्य हासिल गर्न र नियमित वा आकस्मिक रूपमा आउने विपद्हरुको नियन्त्रण एवम् रोकथामका साथै जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन र विकास निर्माणका आवश्यकता परिपूर्ति गर्न स्रोत साधनको सुनिश्चितता एवम् प्राथमिकीकरण गर्नु चुनौतिपूर्ण रहँदै आएको छ। समय सापेक्ष तथ्याङ्क ऐनको तर्जुमा, केन्द्रीय र स्थानीय स्तरका तथ्याङ्कीय क्रियाकलापबीच समन्वय, सङ्घीय र स्थानीय निकायहरूको तथ्याङ्क व्यवस्थापन र संरचना निर्माण, उत्पादित तथ्याङ्कमा दोहोरोपना हटाउनु, तथ्याङ्कको उपयोग वृद्धि, जनशक्तिको दक्षता वृद्धि, तथ्याङ्कका क्षेत्रमा नवीनतमा प्रविधिको उपयोग, दक्ष तथ्याङ्कीय जनशक्तिलाई सेवाभित्र आकर्षित गरी राख्ने वातावरण सिर्जना गर्नु र अनाधिकृत तथ्याङ्कको प्रयोग हटाउनु प्रमुख चुनौती हुन् । त्यस्तै, दिगो विकासका लक्ष्यहरू प्राप्त भए नभएको प्रगति मापनका लागि निर्धारित सूचकहरूका लागि आवश्यक पर्ने तथ्याङ्क स्थानीय तहसम्म खण्डीकृत रुपमा प्राप्त गर्ने विषय आगामी दिनका चुनौतीका रुपमा रहेका छन्।

## ३. सोच

- संघीय संरचना अनुरुप तथ्यपरक र नतिजामुखी योजना तर्जुमा प्रणालीको विकास (योजना)।
- नतिजामूलक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन व्यवस्थामार्फत शासकीय सुधार (अनुगमन तथा मूल्याङ्कन)।
- सवल, क्रियाशील र समन्वयात्मक राष्ट्रिय तथ्याङ्क प्रणालीको विकास (तथ्याङ्क)।
- आयोजना तर्जुमा तथा व्यवस्थापनमा सुशासन अभिवृद्धि गरी तीव्र सन्तुलित र दिगो विकास (राष्ट्रिय आयोजना बैंक)।
- तथ्य र ज्ञानमा आधारित विकासका माध्यमबाट समृद्ध राष्ट्र निर्माण (अनुसन्धान र विकास)।

## ४. उद्देश्य

### अ. योजना

- राष्ट्रिय सोच र लक्ष्य हासिल हुने गरी संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा समन्वयात्मक, नतिजामुखी र सबल योजना तर्जुमा पद्धतिको विकास गर्नु।

### आ. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

- संघ, प्रदेश र स्थानीय तहमा नतिजामूलक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीलाई संस्थागत गर्नु।

### इ. तथ्याङ्क

१. विश्वसनीय, गुणस्तरीय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा तुलनायोग्य तथ्याङ्क उत्पादन गरी नियमित आपूर्तिको व्यवस्था गर्नु।

२. तथ्याङ्कीय क्रियाकलापमा निकायगत तथा तहगत समन्वय स्थापना गरी संघीय संरचना अनुरूपको तथ्याङ्क प्रणाली विकास गर्नु

### ई. राष्ट्रिय आयोजना बैंक

१. तथ्यपरक र मापदण्डमा आधारित आयोजना पहिचान, छनोट तथा मूल्यांङ्कन प्रक्रिया तथा प्राथमिकीकरण गर्ने प्रणालीको विकास र अभ्यास गर्नु गराउनु।

२. आयोजना बैंकका सिद्धान्त र मान्यता अनुरूप प्रदेश र स्थानीय तहहरूमा समेत त्यस्तो प्रणालीको स्थापना गर्न आवश्यक सहजीकरण गर्नु।

### उ. अनुसन्धान र विकास

१. अनुसन्धान तथा विकासको माध्यमबाट भविष्यको लागि ज्ञानमा आधारित र सिर्जनशील नागरिक तयार गर्नु।

२. अनुसन्धान तथा विकासको उपलब्धिलाई राष्ट्र हित, राष्ट्रिय नीति तथा कार्यक्रममा अवलम्बन गर्नु।

३. अनुसन्धान तथा विकासको माध्यमबाट राष्ट्रिय नीति निर्माण तथा कार्यान्वयन क्षमता अभिवृद्धि गर्नु।

## ५. रणनीति

### अ. योजना

१. दीर्घकालीन सोच र राष्ट्रिय प्राथमिकताका आधारमा योजना तर्जुमा गर्ने।

२. योजना तर्जुमाको प्रक्रियागत पक्षमा सुधार गर्ने।

३. संघीय संरचना अनुकूल हुनेगरी विद्यमान योजना प्रणालीको सुदृढीकरण तथा विकास गर्ने।

४. योजना तर्जुमामा संलग्न सार्वजनिक निकाय एवम् निजी, सहकारी तथा सामुदायिक क्षेत्रको क्षमता विकास तथा सुदृढीकरण गरी ग्रहण क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।

५. योजना कार्यान्वयनको प्रक्रियागत पक्षमा सुधार गर्ने।

६. संघीय संरचना अनुकुल योजना कार्यान्वयनको लागि संस्थागत संरचनाको व्यवस्थापन गर्ने।

७. आयोजनाको व्यस्थापन र कार्यक्रम कार्यान्वयनमा सुधार गर्ने।

### आ. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

१. कानुनी र नीतिगत व्यवस्था गरी अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीलाई सबल र सुदृढ बनाउने।

२. नतिजामूलक अनुगमन तथा मूल्याङ्कनलाई स्थापित गर्न अन्तर निकायगत तथा अन्तर सरकारी समन्वय र सहकार्यको विकास गर्ने।

३. अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यमा आबद्ध सबै तहका जनशक्तिको क्षमता विकास गर्ने।

४. विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको समस्याहरू तत्काल र समयमै समाधान गराउने संरचनाको विकास गर्ने।

### इ. तथ्याङ्क

१. संघीय पद्धति बमोजिम तथ्याङ्कीय कार्य व्यवस्थापनका लागि नीतिगत र संस्थागत व्यवस्था गर्ने।

२. नीति, योजना, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र दिगो विकास लक्ष्य लगायतका उपयुक्त सूचकहरूको पहिचान र प्राथमिकीकरण गरी अन्तर्राष्ट्रिय रूपमा प्रचलित विधि र गुणस्तर मापदण्ड अनुरूपको तथ्याङ्क उत्पादन र आपूर्ति गर्ने।

३. तथ्याङ्क उत्पादन र आपूर्तिमा सबै तथ्याङ्कीय स्रोतहरू (गणना, सर्वेक्षण तथा प्रशासनिक अभिलेख) को उपयोग गर्ने।

४. तथ्याङ्कीय क्रियाकलापमा आधुनिक सूचना प्रविधिको प्रयोग बढाउने र नवीनतम प्रविधिहरू अवलम्बन गर्ने।

### ई. राष्ट्रिय आयोजना बैंक

१. तथ्यपरक र मापदण्डमा आधारित आयोजना पहिचान, मूल्यांङ्कन, छनोट तथा प्राथमिकीकरण गरी राष्ट्रिय आयोजना बैंकको स्थापना गर्ने।

२. प्रदेश र स्थानीय तहहरूमा आयोजना बैंक प्रणालीको स्थापना गर्ने तर्फ आवश्यक कार्यहरू गर्न गराउन सहजकर्ताको भूमिका निर्वाह गर्ने।

३. कार्यान्वयनका लागि तयारी अवस्थामा रहेका आयोजनाहरूको पोर्टफोलियो तयार गरी स्वदेशी तथा विदेशी निजी क्षेत्रको लगानी र सहायता परिचालन गर्ने।

## उ. अनुसन्धान र विकास

१. नेपालको शैक्षिक प्रणालीलाई व्यवहारिक प्रयोगात्मक र अनुसन्धानमूलक बनाउन जोड दिने।

२. तालिम र विकासलाई सैद्धान्तिक ज्ञान र व्यावहारिक अभ्यासमा प्रतिबिम्बित गरी अनुसन्धान तथा विकाससँग आबद्ध गर्ने।

३. अनुसन्धान तथा विकासलाई राष्ट्रिय प्राथमिकतामा राखी निजी क्षेत्रको भूमिका सहित विगतका विषय क्षेत्रगत नीतिहरूको पुनरावलोकन गरी पृष्ठपोषण लिने।

४. अनुसन्धान तथा विकासलाई अनुसन्धान आयोजना (Research Project) को रूपमा विकास गर्ने।

५. अनुसन्धान तथा विकासको माध्यमबाट मानव संशाधन विकासमा जोड दिने।

६. नीति निर्माणकर्तालाई व्यावसायिक तथा क्षेत्रगत विषय विज्ञ बनाउने वातावरण तयार गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| विषय क्षेत्रगत अध्ययन अनुसन्धान | वटा | ८ | ११ | १३ | १३ | १५ |
| आवधिक योजना तर्जुमा भएका प्रदेश | संख्या | ५ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| आवधिक योजना तर्जुमा भएका स्थानीय तह | संख्या | ४८ | २७० | ७५३ | ७५३ | ७५३ |
| मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा भएका प्रदेश | संख्या | २ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा भएका स्थानीय तह | संख्या | ० | २० | ७५३ | ७५३ | ७५३ |
| दिगो विकास लक्ष्य प्रगति प्रतिवेदन गर्ने स्थानीय तह | संख्या | ० | २० | ७५३ | ७५३ | ७५३ |
| योजना सम्बन्धी तालिम | जना | २०० | २५० | ३०० | ३०० | ३५० |
| अनुगमन सम्बन्धी तालिम | जना | ४० | ४० | १५० | २०० | २०० |
| तेस्रो पक्षबाट गरिने मूल्याङ्कन | संख्या | ३ | - | ५ | ६ | ६ |
| आन्तरिक मूल्याङ्कन | संख्या | २ | १० | १२ | १० | १० |
| राष्ट्रियस्तरको गणना | संख्या | १ | १ | १ | ० | ० |
| राष्ट्रियस्तरको सर्वेक्षण | संख्या | २ | १ | २ | ३ | ३ |
| जनगणना प्रतिवेदन | प्रकार | - | - | ४ | १४ | १५ |
| रा. कृषि गणना | संख्या | - | - | - | १ रा. ७ प्रा. | - |
| रा. औद्योगिक गणना | संख्या | - | - | - | | १ रा. ७ प्रा. |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| गणना तथा सर्वेक्षणका नतिजाहरुको अभिलेखन | संख्या | ६० | ५ | ६ | ८ | ६ |
| तथ्याङ्कीय जनशक्तिको क्षमता विकास (संघ प्रदेश र स्थानीय तह) | जना | ८०० | २०० | ३०० | ५०० | ५५० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमा

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | २७,८१८ | २७,४१३ | ४०५ | - | २७,८१८ | - | - |
| २०७९/८० | १०,६२६ | १०,११५ | ५११ | - | १०,६२६ | - | - |
| २०८०/८१ | ९,७४३ | ९,३४३ | ४०० | - | ९,७४३ | - | - |

## ७. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक | उद्देश्य | आयोजनाको अवधि | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३९१०००११ | राष्ट्रिय योजना आयोग | अ १,२,३,४, ५,६,७ | दीर्घकालीन सोच र आवधिक योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयमा सहजीकरण<br>अनुगमन तथा मूल्यांकन नीति, योजना तथा कार्यक्रमको तर्जुमामा सहजीकरण<br>नीति विश्लेषण, अध्ययन तथा अनुसन्धान<br>प्रादेशिक र स्थानीय योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयनमा तहगत समन्वय | सालबसाली | | दीर्घकालीन सोचको प्रारम्भिक तथा अन्तिम दस्तावेज तयार भएको,<br>तीन वर्षे मध्यमकालीन खर्च संरचना नियमित रुपमा तर्जुमा भएको हुने,<br>दिगो विकास लक्ष्यहरुको प्रदेश र स्थानीय तहमा आन्तरिकीकरण तथा मूलप्रवाहीकरण गरिएको हुने,<br>समष्टिगत आर्थिक मोडेल तथा विकासका समसामयिक विषयमा अध्ययन अनुसन्धान भएको हुने,<br>योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन सम्बन्धी विषयमा राष्ट्रिय तथा प्रादेशिकस्तरमा क्षमता अभिवृद्धि भएको हुने,<br>राष्ट्रिय प्राथमिकता प्राप्त तथा महत्वपूर्ण कार्यक्रम / आयोजनाहरूको स्थलगत अनुगमन तथा मूल्याङ्कन भएको हुने,<br>राष्ट्रिय विकास समस्या समाधान समितिको बैठक सञ्चालन भएको हुने,<br>योजना, विकास तथा आर्थिक सामाजिक रुपान्तरणसँग सम्बन्धीत विषयहरूमा अध्ययन, अनुसन्धान एवम् अन्वेषणका कार्य भई प्रतिवेदन प्रकाशन भएको हुने,<br>सीप विकास तथा जनचेतना सम्बन्धी विभिन्न तालिम तथा गोष्ठीहरू सञ्चालन भई आयोगको नयाँ कार्य जिम्मेवारी अनुरुप कर्मचारीहरूको क्षमता विकास भएको हुने,<br>अफिस अटोमेशन तथा अन्य सूचना प्रविधिमा आधारित सूचना प्रणाली क्रमशः लागू भएको हुने,<br>रेडियो तथा टेलिभिजनबाट योजना तथा विकाससम्बन्धी विभिन्न समसामयिक विषयमा बहस पैरवीको कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक | उद्देश्य | आयोजनाको अवधि | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३९१००१०१ | योजना तथा जनशक्ति विकास कार्यक्रम | | | सालबसाली | | नीति निर्माण, योजना तर्जुमा र निर्णय निर्माणका लागि आवश्यक पर्ने आर्थिक तथ्याङ्कको उत्पादन, वितरण र उपयोगका लागि तथ्याङ्क प्रदायक तथा प्रयोगकर्ताहरुको सचेतना अभिवृद्धि भएको हुने,<br>भौतिक पूर्वाधार विकास तथा सुधार भएको हुने,<br>तथ्याङ्क विकास सम्बन्धी योजना तथा नीति एवं रणनीतिहरूको तर्जुमा भएको हुने। |
| ३९१०१०११ | केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग | उ २,५,६ | तथ्याङ्क उत्पादन,प्रशोधन र वितरण | सालबसाली | | |
| ३९१०१०१२ | जिल्ला तथ्याङ्क कार्यालयहरू | | तथ्याङ्कहरु संकलन | सालबसाली | | जिल्ला र स्थानीयस्तरका तथ्याङ्क संकलन भएको हुने। |
| ३९१०११०१ | आर्थिक तथ्याङ्क विकास कार्यक्रम | | आर्थिक तथ्याङ्क उत्पादन | | | नीति निर्माण, योजना तर्जुमा र निर्णय निर्माणका लागि आवश्यक पर्ने आर्थिक तथ्याङ्कको उत्पादन, वितरण र उपयोगका लागि तथ्याङ्क प्रदायक तथा प्रयोगकर्ताहरुको सचेतना अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३९१०११०२ | सामाजिक तथ्याङ्क विकास कार्यक्रम | इ २,३,४ | जनसांख्यिक तथ्याङ्क उत्पादन<br>नेपाल बहुसूचकांक सर्वेक्षणः महिला र बालबालिकाको अवस्थासम्बन्धी तथ्याङ्क उत्पादन चौथो नेपाल जीवनस्तर सर्वेक्षणः जीवनस्तर सम्बन्धी तथ्याङ्क उत्पादन (गरिबी मापन) | | | नीति निर्माण, योजना तर्जुमा र निर्णय निर्माणका लागि आवश्यक पर्ने सामाजिक क्षेत्रका तथ्याङ्कको उत्पादन, वितरण र तथ्याङ्क प्रदायक तथा प्रयोगकर्ताहरुमा सचेतना अभिवृद्धि भएको हुने। |
| ३९१०११०३ | राष्ट्रिय जनगणना | अ ४ इ १, | | २०७६/७७- | ३ अर्ब २१ | नेपालको जनसांख्यिक बनोट, आकार, वृद्धि दर, जनसंख्याको वितरण, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक | उद्देश्य | आयोजनाको अवधि | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | २०७८ | २,३,४ | | २०७८/७९ | करोड | आदिको विस्तृत एवम् खण्डीकृत विवरण संघदेखि प्रदेश र स्थानीय तहहरुको समेत प्राप्त भई संविधानको अनुसूचीमा उल्लेख भए अनुसारको कतिपय आधार तथ्यांकहरु प्राप्त भई योजना तर्जुमा, नीति निर्माण तथा विकास प्रक्रियामा सार्थक सहयोग हुने । |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आगामी आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| ३९१००११ | राष्ट्रिय योजना आयोग | दीर्घकालीन सोचसहितको पन्ध्रौं योजनाको विस्तृत दस्तावेज तर्जुमा गरी प्रकाशन भएको,<br>स्थानीय तथा प्रदेशस्तरीय योजना तर्जुमा दिग्दर्शन तयार गरी प्रकाशन भएको,<br>राष्ट्रिय/प्रदेशस्तरीय अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शन तयार भई प्रकाशन भएको,<br>दिगो विकास लक्ष्यहरुको प्रदेश र स्थानीय तहमा आन्तरीकिकरण सम्बन्धी दिग्दर्शन तयार भएको,<br>दिगो विकास लक्ष्यहरुको प्रदेश र स्थानीय तहमा आन्तरीकिकरण तथा मूलप्रवाहीकरण कार्यमा सहजीकरण भएको,<br>दिगो विकास लक्ष्यको स्वेच्छिक राष्ट्रिय समीक्षा प्रतिवेदन प्रकाशन भएको,<br>दिगो विकास लक्ष्यको प्रगति प्रतिवेदन, २०१९ प्रकाशन भएको,<br>नेपाल मानव विकास प्रतिवेदन, २०१९ प्रकाशन भएको,<br>दिगो विकास लक्ष्यको लागत अनुमान, स्रोत आकलन र लगानीको रणनीति तयार भएको, | नेपालको दीर्घकालीन सोच तयार भएको हुने।<br>विभिन्न विषयगत क्षेत्रहरूका ३७ वटा अध्ययन अनुसन्धान सम्पन्न भएको हुने।<br>१८५० जनालाई योजना पद्धति सम्बन्धी तालिम दिइएको हुने।<br>२७ वटा आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा १७ वटा आयोजनाहरूको तेस्रो पक्षबाट मूल्याङ्कन सम्पन्न हुने। | दीर्घकालीन सोचको प्रारम्भिक तथा विस्तृत दस्तावेज तर्जुमा गर्ने,<br>दिगो विकास लक्ष्यहरुको प्रदेश र स्थानीय तहमा आन्तरीकिकरण तथा मूलप्रवाहीकरण कार्य गर्ने,<br>अध्ययन तथा अनुसन्धानको संस्थागत विकासका लागि आवश्यक नीति, निर्देशिका एवम् मापदण्ड तर्जुमा गरी सरोकारवालाहरुसँग संजालीकरण गर्ने,<br>अनुगमन तथा मूल्याङ्कनलाई सुदृढ तथा प्रभावकारी बनाउने गरी क्षमता अभिवृद्धिका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने तथा नविनतम प्रविधिको प्रयोग बढाउने,<br>योजना तथा विकासका विभिन्न समसामयिक विषयमा कम्तीमा ११ वटा अध्ययन अनुसन्धान गर्ने,<br>विभिन्न ७ आयोजनाको आन्तरिक तथा ५ आयोजनाको तेस्रो पक्षबाट मूल्यांकन गर्ने,<br>विकास योजना, आर्थिक, सामाजिक एवं पूर्वाधार विकास सम्बन्धी राष्ट्रिय महत्व एवं प्राथमिकताका विभिन्न कार्यक्रम/आयोजनाहरूको विश्लेषण, मूल्यांकन तथा परीक्षण गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आगामी आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | दिगो विकास लक्ष्यको सूचकहरू तथा तिनको प्रगतिको अनुगमनको गर्न तालिका र जिम्मेवार निकायहरूको अनुगमन खाका तर्जुमा गरिएको,<br>बहुक्षेत्रीय पोषण योजना (दोस्रो) कार्यान्वयनमा ल्याइएको,<br>प्रदेश सरकार र स्थानीय तहसँगको साझेदारीमा विशेष तथा समपुरक अनुदान मार्फत सञ्चालन गरिने कार्यक्रम/आयोजनाहरुको लागि अनलाइन प्रणालीबाट प्रस्ताव आह्वान गरी छनौट तथा बाँटफाँटको कार्य सम्पन्न गरिएको,<br>राष्ट्रिय आयोजना बैंक सम्बन्धी मार्गदर्शन तयार भई कार्यान्वयनमा आएको,<br>राष्ट्रिय आयोजना बैंकसम्बन्धी संघीय मन्त्रालय/निकायहरुका लागि क्षमता विकास तथा अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको,<br>राष्ट्रिय आयोजना बैंक व्यवस्थापन सूचना प्रणाली (NPBMIS) पोर्टल तयार भई आयोजनाहरूको विवरण प्रविष्टि शुरू गरी कार्यान्वयनमा आएको,<br>नवप्रवर्तन शुरुवाती पूँजी अनुदान प्रदान गर्ने सम्बन्धमा इच्छुक व्यक्ति/संस्थाबाट प्रस्ताव पेश गर्नका लागि अनलाइन प्रणाली विकास गरी प्रस्ताव आह्वान गरिएको,<br>विकास योजना, आर्थिक, सामाजिक एवं पूर्वाधार विकाससम्बन्धी समसामयिक विषयमा विभिन्न ८ वटा अध्ययन/ अनुसन्धान भएको,<br>विभिन्न आयोजनाहरूको आन्तरिक तथा तेस्रो पक्षबाट मूल्यांकन भएको,<br>बहुआयामिक गरिबी सूचक सम्बन्धी प्रतिवेदन प्रकाशित गरिएको,<br>अनुगमन तथा मूल्याङ्कन सम्बन्धी ५ वर्षे कार्ययोजना बनाई वार्षिक कार्ययोजनाका आधारमा अनुगमन भएको, | | योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन सम्बन्धी राष्ट्रिय तथा प्रादेशस्तरका गोष्ठी तथा क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने,<br>तीन वर्षे मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक विकास कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने,<br>राष्ट्रिय आयोजना बैंकको सञ्चालन तथा व्यवस्थापनका लागि कार्यविधि निर्देशिका र मापदण्ड तर्जुमा गर्ने<br>राष्ट्रिय आयोजना बैंक व्यवस्थापन सूचना प्रणाली (NPBMIS) लाई स्तरवृद्धि तथा विस्तार गर्ने,<br>राष्ट्रिय आयोजना बैंक सम्बन्धी विषय क्षेत्रगत मापदण्ड र निर्देशिका तयार गर्ने,<br>आयोजना बैंकको श्रोतकेन्द्र निर्माण गर्ने,<br>राष्ट्रिय आयोजना बैंकसम्बन्धी क्षमता विकास तथा अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने,<br>राष्ट्रिय विकास समस्या समाधान उपसमिति र समितिको बैठक सञ्चालन गर्ने,<br>विभिन्न विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने,<br>विकास बहससम्बन्धी रेडियो तथा टेलिभिजनसम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने,<br>नेपाल पक्ष राष्ट्र वा सदस्य भएका अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरू यूनइस्क्याप, विमस्टेक, कोलम्बो प्लान, इसिमोड लगायतका बार्षिक बैठकहरूमा प्रतिनिधित्व गर्ने,<br>कोलम्वो प्लानसम्बन्धी बैठकहरू सञ्चालन गर्ने, लगानी खाका तयार गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आगामी आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | राष्ट्रिय प्राथमिकता प्राप्त कार्यक्रम/आयोजनाको अनुगमन कार्ययोजना बनाई आयोगका पदाधिकारीहरूबाट अनुगमन भएको,<br>विभिन्न मन्त्रालयबाट सञ्चालित विकास कार्यक्रमहरूको अनुगमन गरिएको,<br>राष्ट्रिय विकास समस्या समाधान उपसमिति र समितिको बैठकहरू सम्पन्न भएको,<br>राष्ट्रिय योजना आयोगको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण अध्ययन कार्य गरी प्रतिवेदन तयार भएको,<br>राष्ट्रिय योजना आयोगको वेबसाईटलाई स्तरोन्नति एवं अध्यावधिक सम्बन्धी कार्य गरिएको,<br>राष्ट्रिय योजना आयोगको वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रकाशन गरिएको। | | |
| ३९१००१०१ | योजना तथा जनशक्ति विकास कार्यक्रम | विभागका नियमित प्रकाशनहरू प्रकाशन भएका, जनशक्तिको क्षमता विकास सम्बन्धी तालिमहरू संचालन भएको<br>तथ्याङ्क प्रणाली विकासका लागि राष्ट्रिय रणनीति तर्जुमा भई नेपाल सरकारबाट स्वीकृत भएको,<br>नेपाल सरकारको प्राथमिकतामा परेको राष्ट्रिय तथ्यगत विवरणको ड्यासबोर्ड तयार भई ७५३ स्थानीय तह, प्रदेश सरकारका मन्त्रालयहरू र विभाग मातहतका ३३ तथ्याङ्क कार्यालयका प्रमुखलाई यसको प्रयोग र प्रभावकारिता सम्बन्धमा प्रशिक्षित गरिएको, केही जिल्ला र स्थानीय तहमा पुगी अनुगमन गरिएको,<br>डाटा अपलोडका लागि टेम्प्लेटहरू को विकास, प्रयोगकर्ताहरूको सुविधाका लागि सफ्टवेयर संचालनसम्बन्धी भिडियो ट्युटोरियल तयार गरिएको,<br>समष्टिगत सुख सर्वेक्षणको मस्यौदा प्रश्नावली तयारी गरिएको,<br>तथ्याङ्क अभिलेखन सम्बन्धी कामहरू भएको, तथ्याङ्क वितरण | तथ्याङ्क सम्बन्धी ८ वटा राष्ट्रियस्तरको सर्वेक्षण सम्पन्न भएको हुने।<br>संघ प्रदेश र स्थानीय तह मा गरी १३५० जनालाई तथ्याङ्क सम्बन्धी तालिम दिइएको हुने। | विभागका नियमित तथ्याङ्कीय प्रकाशनहरूको प्रकाशन गर्ने,<br>तथ्याङ्क प्रणाली विकासका लागि राष्ट्रिय रणनीतिको चरणबद्ध कार्यान्वयन गर्ने,<br>अग्रिम प्रकाशन पात्रो (Advance Release Calendar) तयार गरी प्रयोगमा ल्याउने,<br>राष्ट्रिय तथ्यगत विवरणको सुदृढीकरण तथा प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने,<br>दिगो विकास लक्षहरूको सूचकहरू सम्बन्धी कार्य गर्ने,<br>समष्टिगत सुख सर्वेक्षण (Happiness Survey) को स्थालग कार्य सञ्चालन गर्ने,<br>व्यवस्थापन सूचना प्रणालीबाट र गणना तथा सर्वेक्षणहरूबाट उपलब्ध तथ्यांकबाट दिगो विकास लक्ष्यका सूचकहरू उत्पादन सम्बन्धी कार्य गर्ने,<br>विभागको भौतिक पूर्वाधार विकास गर्ने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आगामी आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | र सर्वेक्षण अनुमति प्रणाली सम्बन्धी मस्यौदा तयार भएको,<br>नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठानसँगको सहकार्यमा केन्द्रीय तथ्यांक विभागको संगठन पुनरसंरचना अध्ययन गरिएको। | | |
| ३९१०१०११ | केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग | | तथ्यांकीय गतिविधि सम्बन्धी नीति,योजना, तर्जुमा तथा कार्यान्वयन भएको हुने। आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय तथ्याङ्क संकलन, प्रशोधन, उत्पादन, सम्प्रेषण तथा सो सम्बन्धमा समन्वय भएको हुने। | |
| ३९१०१०१२ | जिल्ला तथ्याङ्क कार्यालयहरू | सालबसली रूपमा यी तथ्याङ्कहरू संकलन भई केन्द्रमा र स्थानीय स्तरमा प्राप्त हुने गरेको, | तथ्याङ्कीय गतिविधि सम्बन्धी योजना, कार्यक्रम तथा कृयाकलाप सञ्चालन भई आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय तथ्याङ्क संकलन, प्रशोधन, उत्पादन, सम्प्रेषण भएको हुने। | जिल्लास्तरका आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय तथ्याङ्क संकलन, प्रशोधन, उत्पादन गर्ने। |
| ३९१०११०१ | आर्थिक तथ्याङ्क विकास कार्यक्रम | सालबसाली रूपमा नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन संघ तथा सातै प्रदेशस्तरमा प्रकाशन, मूल्य लगायतका तथ्याङ्कहरू उत्पादन तथा वितरण भएको,<br>प्रथम राष्ट्रिय आर्थिक गणनाको विस्तृत नतिजाहरू सार्वजनिक भई थप नतिजा प्रकाशन जारी रहेको,<br>दूध उत्पादन र खसी तथा बंगुरको मासु उत्पादन र कफी खेती सम्बन्धी सर्वेक्षण सम्पन्न भएको र नतिजा सार्वजनिक | राष्ट्रिय आर्थिक गणनाको थप विस्तृत नतिजा सार्वजनिक भएको हुने,<br>प्रथम औद्योगिक सर्वेक्षणको नतिजा सार्वजनिक भएको हुने,<br>सालबसाली रूपमा राष्ट्रिय लेखाका अनुमानहरू राष्ट्रिय | राष्ट्रिय आर्थिक गणना २०७५ को तथ्याङ्क थप विश्लेषण, प्रक्रियागत इतिहास अभिलेखन,<br>नेपालको राष्ट्रिय लेखा अनुमान (वार्षिक तथा त्रैमासिक) प्रकाशन गर्ने,<br>प्रदेशस्तरको राष्ट्रिय लेखा अनुमान (वार्षिक) प्रकाशन गर्ने,<br>मूल्य तथ्याङ्क संकलन तथा प्रकाशन (त्रैमासिक) प्रकाशन गर्ने, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आगामी आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | गरिएको। | तथा प्रदेश तहमा प्राप्त भएको हुने। | International Comparison of Price सम्बन्धी कार्य गर्ने,<br>राष्ट्रिय आर्थिक गणनामा आधारित भएर वस्तु उत्पादन गर्ने क्षेत्रहरुको औद्योगिक सर्वेक्षणको स्थलगत तथ्यांक संकलन सम्पन्न गर्ने,<br>कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सहकारी क्षेत्रको योगदानको अध्ययन गरिने । |
| ३९१०११०२ | सामाजिक तथ्याङ्क विकास कार्यक्रम | गरिबीको सूचक, जनसंख्या, श्रमशक्ति, लैंगिक तथा अन्य सामाजिक तथ्याङ्कहरू उत्पादन भएको,<br>नेपाल बहुसूचक सर्वेक्षण २०७५ को तथ्यांक प्रशोधन भइ नतिजाहरू प्रकाशनको अवस्थामा रहेका,<br>नेपाल जीवनस्तर सर्वेक्षणको लागि सम्पूर्ण तयारी पूरा भइ गणकहरू पहिलो एक चरण फिल्डमा खटिएका तर कोभिड १९ बाट सिर्जित लकडाउनका कारण तथ्यांक संकलन कार्य अवरूद्ध हुन पुगेको,<br>गणना क्षेत्र नक्सांकन सम्बन्धी कार्यहरू भएको। | सामाजिक क्षेत्रका विभिन्न तथ्याङ्कहरू संकलन, प्रशोधन तथा विश्लेषण भई उपलब्ध भएको हुने।<br>नेपाल बहुसूचकाङ्क सर्वेक्षणको विस्तृत नतिजा प्राप्त भएको हुने।<br>चौंथो नेपाल जीवनस्तर सर्वेक्षण सम्पन भई नतिजा प्राप्त भएको हुने। | आगामी राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तयारी सम्बन्धी कार्य र पूँजीगत सामानको आपूर्ति गर्ने,<br>पाइलट जनगणना सञ्चालन गरिने,<br>नेपाल बहुसूचकांक सर्वेक्षण विस्तृत नतिजाहरू प्रकाशन गर्ने,<br>नेपाल जीवनस्तर सर्वेक्षण सम्पन्न गर्ने,<br>आगामी जनगणनाको लागि गणना क्षेत्र नक्सांकन सम्बन्धी कार्यलाई निरन्तरता दिइने,<br>नेपालको वातावरण तथ्याङ्क संकलन तथा प्रकाशन सम्बन्धी कार्य गर्ने। |
| ३९१०११०३ | राष्ट्रिय जनगणना २०७८ | राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को संचालन तथा व्यवस्थापनसम्बन्धी कार्य अन्तर्गत आवश्यक पर्ने गणना सामग्रीको व्यवस्थापन, केन्द्र तथा जिल्लास्तरमा प्रचारप्रसार, विभिन्न सञ्चार माध्यमबाट राष्ट्रिय जनगणनामा सहयोग र सहभागिता जनाउनका लागि अनुरोध सन्देशको सम्प्रेषण, जनगणनामा सरोकार राख्ने विभिन्न संघ संस्था र समूहसँग विभिन्न चरणमा छलफल तथा अन्तरक्रिया सम्पन्न गरिएको।<br>राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को राष्ट्रिय प्रशिक्षक, प्रदेशस्तरीय मुख्य प्रशिक्षक, जिल्ला जनगणना अधिकारी, सहायक जनगणना अधिकारी, स्थानीय जनगणना अधिकारी र सुपरिवेक्षक तहको | राष्ट्रिय जनगणना सम्पन्न भई नतिजा प्राप्त भएको हुने। | राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को लागि सांगठनिक तथा संस्थागत सबै संरचना स्थापना, जनशक्ति व्यवस्थापन, विभिन्न चरणका तालिम संचालन, गणना सामग्री व्यवस्थापन, कर्मचारीहरूको तालिम, प्रचारप्रसार, पैरवीसहित कोभिडका कारण अवरुद्ध स्थलगत गणना सम्पन्न गर्ने । |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आगामी आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | तालिम सम्पन्न, प्रदेश र जिल्लास्तरमा प्रदेश एवं जिल्ला जनगणना कार्यालयहरुको स्थापना, स्थानीय स्तरमा स्थानीय जनगणना कार्यालयको स्थापना गरिएको।<br>जनगणनाको स्थलगत सूचीकरणमा खटिने सुपरिवेक्षकहरुको छनौट तथा नियुक्ति, जनगणनाको स्थलगत तथ्यांक संकलन कार्यमा खटिने गणकहरुको लागि आवेदन संकलन गरिएको।<br>जनगणनाको निर्देशक तथा प्राविधिक समितिको बैठकहरु सञ्चालन, प्रदेश तथा जिल्ला जनगणना समन्वय समितिको बैठक सञ्चालन।<br>जनगणनाको सम्पूर्ण तयारी भई गणकहरु फिल्डमा खटिने अवस्थामा रहँदा कोभिड १९ का कारणबाट अवरुद्ध भएको, | | |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

सङ्घीय शासकीय व्यवस्था बमोजिम संघ, प्रदेश एवम् स्थानीय तहमा निर्माण हुने आवधिक योजना तथा कार्यक्रमलाई राष्ट्रिय योजना तथा कार्यक्रम बमोजिम तादम्यता कायम गर्नुका साथै ती योजनाहरूमा दिगो विकास लक्ष्यहरू समाहित भएका हुनेछन्। संघ, प्रदेश र स्थानीय तीन तहमा विकास योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमन तथा मूल्यांकन सम्बन्धी क्षमता अभिवृद्धिका लागि कार्यक्रम सञ्चालन हुनेछन्। सो नभएमा राष्ट्रिय लक्ष्यहरू हासिल गर्न कठिनाई हुनसक्ने जोखिम रहन्छ। तथ्याङ्क सम्बन्धी कार्यक्रम गणना, सर्वेक्षण, तथ्याङ्क उत्पादन लगायतका कार्यमा पर्याप्त वित्तीय स्रोतको सुनिश्चितता र उपलब्धता, विकास साझेदारसँग भएको प्राविधिक वा वित्तीय सहायता सम्बन्धी सम्झौता बमोजिम समय मै सहयोग प्राप्ति र तथ्याङ्क संकलनका क्रममा स्थानीय तह वा उत्तरदाताहरूबाट सहयोग हुनेछ। सो नभएमा निर्धारित उद्देश्य हासिल नहुने जोखिम रहन्छ। त्यस्तै विद्यमान कोभिड-१९ महामारीको कारणले स्थलगत तथ्याङ्क संकलन कार्यमा गणकहरू परिचालन गर्न कठिनाइ भएमा वा उत्तरदाताहरूबाट अपेक्षित सहभागिता र सहयोग नभएमा जनगणना लगायत सबै सर्वेक्षणहरू प्रभावित हुनसक्ने छन्।

# परिच्छेद ९

# संवैधानिक अंग तथा निकाय

## ९.१ राष्ट्रपतिको कार्यालय

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको भाग ६ धारा ६१ बमोजिम राष्ट्रप्रमुखको रुपमा एक राष्ट्रपति रहने व्यवस्था रहेको छ । संविधानको धारा ७३ मा राष्ट्रप्रमुखबाट सम्पादन हुने कार्यहरुलाई सहयोग पुऱ्याउन राष्ट्रपतिको कार्यालय रहने व्यवस्था गरिएको छ। संवैधानिक व्यवस्थाअनुसार राष्ट्रपतिबाट सम्पन्न हुने भनी निर्दिष्ट गरिएका कार्यहरू छिटो, पारदर्शी र प्रभावकारीरूपमा सम्पादन गर्न राष्ट्रपतिको प्रशासनिक सचिवालयको रुपमा कार्य गर्ने गरी वि.सं. २०६५/०३/३० गते स्थापित यस कार्यालयको नियमित कामकारवाही सञ्चालन गर्न आवश्यक पर्ने कर्मचारीहरूको व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य नेपाल सरकारबाट हुँदै आएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

राष्ट्रपतिको कार्यालयले सम्पन्न गर्नुपर्ने औपचारिक तथा अनौपचारिक कार्यक्रमहरुको निर्धारित संख्या पूर्वानुमान हुन नसक्नु, कर्मचारीहरुको समयमै पदपूर्ति नहुनु, कर्मचारीहरुको छिटो छिटो सरुवा हुनु र भौतिक स्रोत साधन व्यवस्थापनमा कठिनाई यस कार्यालयका प्रमुख समस्या तथा चुनौती हुन् ।

### ३. सोच

संविधानद्वारा निर्दिष्ट गरिएका कार्य छिटो, पारदर्शी र प्रभावकारी रूपमा सम्पादन ।

### ४. उद्देश्य

राष्ट्रपतिको कार्यालयबाट हुने कार्य निर्विवाद रुपमा सम्पादन गर्ने तथा सम्बद्ध निकायहरुसंग प्रभावकारी समन्वय कायम गर्दै तोकिएको जिम्मेवारी प्रभावकारी रुपमा निभाउनु ।

### ५. रणनीति

१. संविधानप्रदत्त कार्यहरू गर्नसक्नेगरी कामकारवाहीलाई प्रविधिमैत्री बनाउने ।

२. सम्वद्ध निकायहरूसँगको समन्वय र सहकार्यलाई प्राथमिकतामा राखी कार्यसम्पादन गर्ने ।

### ६. विषय क्षेत्रगत नतिजासूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| राष्ट्रपतिद्वारा हुने कार्यमा सहजीकरण, व्यवस्थापन तथा समन्वय | | व्यवस्थित रुपमा कार्यालय सञ्चालन र निवास व्यवस्थापन | भौतिक रुपमा सुविधासम्पन्न एवं क्षमतायुक्त कार्यालय | छिटो, छरितो र प्रभावकारी कार्यसम्पादन प्रभावकारी समन्वय | छिटो, छरितो र प्रभावकारी कार्यसम्पादन प्रभावकारी समन्वय | छिटो, छरितो र प्रभावकारी कार्यसम्पादन प्रभावकारी समन्वय |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | १,४२६ | १,२३२ | १९४ | - | १,४२६ | - | - |
| २०७९/८० | १,५२३ | १,३१० | २१३ | - | १,५२३ | - | - |
| २०८०/८१ | १,५९० | १,३५६ | २३४ | - | १,५९० | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०१००००१ | राष्ट्रपति | १ | | सालबसाली | ७७ | | | | |
| १०१०००११ | राष्ट्रपतिको कार्यालय (प्रशासनिक खर्च समेत) | २ | राष्ट्रपतिद्वारा सम्पादन हुने कार्यमा सहजीकरण, कार्यक्रम व्यवस्थापन तथा समन्वय | सालबसाली | १५४४ | पर्याप्त सहजीकरण, व्यवस्थापन र समन्वय भएको हुने | भवन निर्माण, कार्यालय भवनको प्रवलीकरण लगायतका कार्य भएको | प्रविधिमैत्री कार्यसम्पादनबाट कार्यमा प्रभावकारितामा र सम्बद्ध निकायहरूसँगको समन्वयमा वृद्धि हुने | भौतिक सुविधायुक्त र प्रविधिमैत्री बनाउनका लागि आवश्यक क्रियाकलापलाई निरन्तरता दिने |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

यस कार्यालयको लागि कार्यालय संचालन, स्वकिय सचिवालय व्यवस्थापन तथा यहाँ रहेको सुरक्षा सचिवालय व्यवस्थापन समेतको लागि पर्याप्त बजेट नभएमा कार्यालय व्यवस्थापनमा समस्या हुने र यस कार्यालयले आफूलाई तोकिएको जिम्मेवारी पूरा गर्न नसक्ने जोखिम रहन्छ।

## ९.२ उपराष्ट्रपतिको कार्यालय

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा ६७ मा नेपालमा एक उपराष्ट्रपति रहने र धारा ७३ मा उपराष्ट्रपतिको एक कार्यालय रहने व्यवस्था गरिएको छ। सो अनुसार उपराष्ट्रपतिको कार्यलाई व्यवस्थित गर्नका लागि उपराष्ट्रपतिको कार्यालय स्थापना गरी कामकाज सञ्चालन हुँदै आएको छ।

यस कार्यालयले उपराष्ट्रपतिको कार्यको सुरक्षा व्यवस्थापन, भेटघाट व्यवस्थापन, सवारी व्यवस्थापनका कामहरू सम्पादन गर्दै दैनिक प्रशासन सञ्चालन लगायतका विभिन्न क्षेत्र, निकाय, संस्था, नागरिक समाजसँग समन्वय गर्दै कार्यालयलाई थप मर्यादित र व्यवस्थित गर्दै आएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

देशको संवैधानिक प्रावधान बमोजिमको सम्मानित पदाधिकारीको कार्यलाई मर्यादित तथा व्यवस्थित बनाउन आवश्यक पर्दछ। सो कार्यको लागि आवश्यक स्रोत साधनको उपयुक्त व्यवस्थापन गर्नु पर्ने हुन्छ। त्यस्तो स्रोत साधन समयानुकूल रूपमा उपलब्ध हुनु पर्दछ। पूर्वाधार विकास, सवारी साधन खरिद तथा नियमित कार्य र सुरक्षा व्यवस्थापन कार्यहरूको लागि आवश्यकता अनुसार बजेट विनियोजन हुन पर्ने देखिन्छ।

राष्ट्रिय एकतालाई अक्षुण राख्न राष्ट्र र राष्ट्रियता कुनै व्यक्ती समुदाय वा क्षेत्रीयता भन्दा माथि हो भन्ने भावना जागृत गराउने विषय यस क्षेत्रका समस्या र चुनौतीका रूपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

उपराष्ट्रपतिको कार्यालयलाई संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक राज्य नेपालको मर्यादित उच्च संस्थाको रूपमा विकास।

### ४. उद्देश्य

१. राष्ट्र प्रमुखको अनुपस्थितिमा राष्ट्रप्रमुख भै कार्य गर्नुपर्ने भएकोले उहाँका कामकारबाहीलाई मर्यादित रूपमा सम्पन्न गर्न व्यवस्थापकीय सहयोग गर्नु।

२. संविधानको पालना र संरक्षण तथा राष्ट्रिय एकता प्रबर्द्धनमा सम्माननीय उपराष्ट्रपतिज्यूलाई सहजीकरण गर्नु।

३. उच्च मर्यादायुक्त कार्यालयको हैसियतमा सुशासनमैत्री कार्यसञ्चालन सुनिश्चित गर्नु।

### ५. रणनीति

१. गणतन्त्र नेपालको उच्च मर्यादित संस्थाको रुपमा यस कार्यालयलाई विकास गर्ने।

२. सुशासन एवम् चुस्त कार्यालयको मान्यता अनुरूप कार्यालय सञ्चालन र व्यवस्थापन गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| कार्यालयबाट सम्पादन हुने कामलाई प्रविधिमैत्री बनाउने | | प्रभावकारी र व्यवस्थित कार्यालय सञ्चालन तथा व्यवस्थापन | सुशासन एवम् स्मार्ट कार्यालयको मान्यता अनुरुप कार्यालय सञ्चालन र व्यवस्थापन गर्ने। | कार्यालय व्यवस्थित रुपले सञ्चालन र निवासको व्यवस्थापन भएको हुने | कार्यालय व्यवस्थित रुपले सञ्चालन र निवासको व्यवस्थापन भएको हुने | कार्यालय व्यवस्थित रुपले सञ्चालन र निवासको व्यवस्थापन भएको हुने |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ४७५ | ४६० | १५ | - | ४७५ | - | - |
| २०७९/८० | ५०७ | ४९० | १७ | - | ५०७ | - | - |
| २०८०/८१ | ५२६ | ५०७ | १९ | - | ५२६ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| व.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत रू | अपेक्षित नतीजा | हाल सम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.ब. २०७८/७९ मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १०२००००१ | उपराष्ट्रपति | १ | | सालबसाली | | सचिलयको उचित व्यवस्थापन | | व्यवस्थापन | सचिलयको उचित व्यवस्थापन |
| १०२०००११ | उपराष्ट्रपतिको कार्यालयको प्रशासनिक खर्च समेत | २ | कार्यालय र कर्मचारीको क्षमता विकास, कार्यालयको प्रभावकारी सञ्चालन तथा व्यवस्थापन, स्मार्ट अफिसको स्थापना | सालबसाली | | कार्यालय व्यवस्थापन | | कर्मचारीको क्षमता विकास भएको हुने, कार्यालयको क्षमता स्तरोन्नति भएको हुने। कार्यालयको प्रभावकारी सञ्चालन भएको हुने । स्मार्ट अफिस स्थापना भएको हुने। | कार्यालय व्यवस्थापन |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

कार्यालय तथा सचिवालय सञ्चालन गर्नका लागि आवश्यक स्रोत तथा साधन उपलब्ध भएमा कार्यालयबाट सम्पादन हुने काम कारवाही गुणस्तरीय हुनेछ। सो हुन नसकेमा माथि उल्लेखित उद्धेश्यहरु हासिल हुन नसक्ने र कार्यालय तथा सचिवालय सञ्चालनमा प्रभावकारीता हासिल गर्न नसकिने अवस्था रहन्छ।

## ९.३ संघीय संसद

### १. पृष्ठभूमि

संविधानको धारा ८३ ले संघीय व्यवस्थापिकाको रुपमा संघीय संसद रहने व्यवस्था गरेको छ। संघीय संसदमा २७५ सदस्यीय प्रतिनिधि सभा र ५९ सदस्यीय राष्ट्रिय सभा सहित दुई सदन रहने व्यवस्था संविधानले गरेको छ। शक्ति पृथकीकरणको सिद्धान्त अनुसार व्यवस्थापिकाले विधि निर्माण गर्ने जिम्मेवारी पाएको हुन्छ। लोकतान्त्रिक व्यवस्थाको पहिलो आधारको रुपमा रहेको जनप्रतिनिधिहरु मार्फत कानून निर्माण गर्ने प्रणालीलाई संस्थागत गर्नुका अतिरिक्त संघीय संसदले संवैधानिक जिम्मेवारी अन्तर्गत सरकार निर्माणसँग सम्बन्धित कार्यहरु गर्ने र सदन तथा विषयगत समितिहरु मार्फत् सरकारको जवाफदेहिता र उत्तरदायित्व अभिवृद्धि गरी सुशासन कायम गर्ने जिम्मेवारी पनि पुरा गर्नुपर्ने हुन्छ। संघीय संसदलाई व्यवस्थापकीय, प्रशासनिक लगायत सहयोग पुऱ्याउने र सुचारु रुपमा सञ्चालन गर्ने जिम्मेवारी संघीय संसद सचिवालयको रहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

संघीय संसदको आफ्नो भवन नभएकोले भाडामा लिईएको अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन केन्द्रको भवनमा दुवै सदनका बैठकहरु सञ्चालन गर्नु, संघीय संसद सचिवालय सिंहदरबारमा हुनु, विषयगत समितिहरुका बैठक कक्ष र सचिवालयहरुमा पर्याप्त पूर्वाधार नहुनु, विधि निर्माण प्रक्रिया र संसदीय निगरानीलाई अनुसन्धानमुखी बनाउन नसकिनु, समितिहरुका बीचमा कार्यक्षेत्र र गतिविधिमा समन्वय स्थापित नहुनु, संसदीय दलका कार्यालयहरुमा पर्याप्त पूर्वाधारको अभाव हुनु, संसदीय गतिविधिहरुमा सूचना प्रविधिको पर्याप्त उपयोग हुन नसक्नु, संघीय संसद सचिवालयमा जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धिका कार्यहरु पर्याप्त मात्रामा सञ्चालन गर्न नसकिनु जस्ता समस्या तथा चुनौती रहेका छन्।

### ३. सोच

जनमुखी, स्वच्छ र क्रियाशील संघीय संसद।

### ४. उद्देश्य

१. लोकतन्त्रलाई प्रवर्द्धन गर्न संविधानको मर्म र भावना अनुरुप देशको आवश्यकता तथा जनसरोकारसँग सम्बन्धित बिषयमा कानून निर्माण गर्नु।
२. सरकारलाई पूर्णतः पारदर्शी, जवाफदेही र उत्तरदायी बनाउने कार्यमा सहयोग गर्नु।
३. व्यापक अनुसन्धान र बहसमा आधारित तथा दिगो विकासमा सहयोगी हुने गरी विधि निर्माण गर्नु।
४. भौतिक, प्राविधिक र मानव संशाधनको पक्षमा चुस्त र प्रभावकारी संसद सचिवालयको निर्माण गर्नु।

### ५. रणनीति

१. पारदर्शी र सहभागितामूलक प्रक्रियाबाट कानून निर्माण गर्ने।
२. संसद र नागरिक बीचको सम्बन्धलाई सुमधुर बनाउने क्रियाकलापहरु सञ्चालन गर्ने।
३. आर्थिक विकासलाई सहयोग पुग्ने गरी संसदीय निगरानी राख्ने।
४. विषयगत समितिहरुलाई अनुसन्धान गर्ने विकासका एजेण्डाहरुमा व्यापक छलफल हुने मञ्चको रुपमा विकास गर्ने।
५. प्रदेश र स्थानीय तहका विधायिकी कार्यमा सहजीकरण गर्ने, ज्ञानको हस्तान्तरण गर्ने।
६. संघीय संसदका माननीय सदस्यहरुको क्षमता विकासका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने।

७. संघीय संसदको लागि आधुनिक र सुविधायुक्त पूर्वाधार विकास गर्ने।

८. संघीय संसद सचिवालयलाई चुस्त र प्रभावकारी बनाउने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| क्र.सं. | सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| १. | संविधान कार्यान्वयनका लागि कानून निर्माण | संख्या | | | | | |
| २. | संसदीय निगरानी र अनुगमन सुशासन प्रवर्द्धन | संख्या | | | | | |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | १२,१८४ | ११,८६४ | ३२० | - | १२,१८४ | - | - |
| २०७९/८० | १२,९७० | १२,६१८ | ३५२ | - | १२,९७० | - | - |
| २०८०/८१ | १३,४४६ | १३,०५९ | ३८७ | - | १३,४४६ | - | - |

## ८. कार्यक्रम / आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू. लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २०२०००००१ | संघीय संसद | ८ | संघीय संसदका पदाधिकारीहरू (चार जना)को सुविधा र सचिवालय सञ्चालन | सालवसाली | २५० | संसदीय प्रणाली थप संस्थागत र समृद्ध भएको हुने | संघीय संसदका पदाधिकारीहरुलाई सुविधा उपलब्ध भएको | संसदीय प्रणाली थप संस्थागत र समृद्ध भएको हुने | संघीय संसदका पदाधिकारीहरूको सुविधा भुक्तानी र सचिवालय सञ्चालन |
| २०२०००११ | संघीय संसद | ८ | संघीय संसदका सदस्यहरूलाई सुविधा उपलब्ध गराउने, संघीय संसदका सदस्यहरुको सचिवालय सञ्चालन व्यवस्था गर्ने, संसदीय समितिका कार्यक्रम सञ्चालन | सालवसाली | ८५०० | संसदीय प्रणाली थप संस्थागत र समृद्ध भएको हुने | संघीय संसदका सदस्यहरूलाई सुविधा तथा सचिवालय उपलब्ध भएको, संसदीय समितिका कार्य सञ्चालन भएको | संघीय संसदका सदस्यहरूलाई सुविधा उपलब्ध भएको हुने, संसदीय समितिका अनुगमन, संसदीय ऐतिहासिक अभिलेखको ब्यवस्थापन, अन्तर तह विधायीकी सम्बन्ध बिस्तार लगायतका कार्यक्रम सचालन हुने। | संघीय संसदका सदस्यहरूलाई सुविधा उपलब्ध गराउने, संघीय संसदका सदस्यहरुको सचिवालय सञ्चालन व्यवस्था गर्ने, संसदीय समितिका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने |
| २०२०००१२ | संघीय संसद सचिवालय | ८ | सचिवालय सञ्चालन खर्च | सालवसाली | ३७०० | विधायिकी कार्यमा सहजीकरण र अभिलेखको व्यवस्थापन | सचिवालयको नियमित सञ्चालन भएको | सचिवालयको चुस्त र प्रभावकारी सञ्चालन | प्रविधिमैत्री भौतिक साधन तथा पूर्वाधारको विकास, कर्मचारीको क्षमता विकास |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

संसदीय गतिविधिहरुको खर्च पूर्वानुमानयोग्य बनाउने, संसदीय अध्ययन र निगरानीका कार्यक्रमहरु परिस्थितिमा आधारित हुनु, आधुनिक प्रविधिको उपयोग गर्ने, विधायिकी प्रक्रियालाई निश्चित समय तालिकामा आवद्ध गर्ने जस्ता कार्य हुन नसकेमा तोकिएका उद्देश्य हासिल नहुने जोखिम रहन्छ।

## ९.४ अदालत

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले छिटो छरितो, सर्वसुलभ, मितव्ययी, निष्पक्ष, प्रभावकारी र निष्पक्ष न्यायपालिकाको परिकल्पना गरेको छ। संविधानको भाग ११ को धारा १२६ मा नेपालको न्यायसम्बन्धी अधिकार संविधान र अन्य कानून तथा न्यायका मान्य सिद्धान्तबमोजिम अदालत तथा न्यायिक निकायबाट प्रयोग गरिने व्यवस्था छ। लोकतान्त्रिक शासन प्रणालीको दिगो आधार न्यायको सुनिश्चितता हो। स्वतन्त्र, सक्षम, स्वच्छ र प्रभावकारी न्याय व्यवस्था कायम गर्न नसकिएसम्म व्यक्तिका मौलिक हक एवं मानव अधिकारको संरक्षण गर्न र कानूनको शासनप्रति सम्मानको भाव कायम गर्न व्यवहारिकरूपमा स्वतन्त्र, सक्षम र प्रभावकारी न्यायपालिका अपरिहार्य छ। सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक परिवेशमा बढ्दै गएको जटिलता, विज्ञान तथा प्रविधिको क्षेत्रमा भएका नवीनतम प्रवाहले ल्याएका विभिन्न आयामहरूसँगै न्यायपालिकाको कामकारवाही, कार्यशैलीमा परिवर्तनको आवश्यकता अपरिहार्य भएको छ।

यसै सन्दर्भमा न्यायपालिकाले आफ्नै सोच र सक्रियतामा २०६१ सालदेखि योजनावद्ध विकासको सुरुवात गरी हालसम्म तीन वटा पञ्चवर्षीय रणनीतिक योजनाहरूको सफल कार्यान्वयन गरी सकेको छ भने विगतका योजनाहरूको कार्यान्वयनबाट प्राप्त उपलब्धि तथा अनुभवहरूलाई संस्थागत गर्दै २०७६ सालदेखि न्यायपालिकाको चौथो पञ्चवर्षीय रणनीतिक योजना (२०७६/०७७-२०८०/०८१) कार्यान्वयनको क्रममा रहेको छ। न्यायपालिकाको चालू रणनीतिक योजनाले विभिन्न रणनीतिक लक्ष्य, उद्देश्यहरू र कार्यक्रमहरू निर्धारण गरी सोका लागि लाग्ने बजेट समेत प्रक्षेपण गरेको छ। रणनीतिक योजनाले प्रक्षेपण गरे बमोजिमको बजेट प्राप्त हुन नसक्दा निर्धारित गरिएका क्रियाकलापहरू सोही रुपमा सम्पन्न हुन सकेका छैनन्।

### २. समस्या तथा चुनौती

नेपालको संविधानले न्यायपालिकाको लागि निर्धारित गरेको दायित्व निर्वाहका लागि सूचना प्रविधिमैत्री मुद्दा प्रवाह व्यवस्थापन पद्धतिको विकास गरी पद्धतिमा आधारित पारदर्शी र सहभागितामूलक न्यायप्रणाली मार्फत् स्वच्छ, निष्पक्ष, सक्षम, छिटो छरितो र गुणस्तरीय न्यायसम्पादन गर्नुपर्ने हुन्छ। सविधानले अपेक्षा गरे अनुरुपको स्वतन्त्र, निष्पक्ष, सक्षम र प्रभावकारी न्यायपालिकाका लागि रणनीतिक योजनाले प्रक्षेपण गरेबमोजिमको स्रोतसाधनको अपर्याप्तता रहनु, अदालतको कार्यबोझमा निरन्तर वृद्धि हुनु, सो अनुरुप आवश्यक स्रोतसाधनको व्यवस्थापन र न्यायिक जनशक्तिको क्षमता विकास हुननसक्नु, फैसला कार्यान्वयनको स्वचालित पद्धति विकास गर्न नसक्नु, न्यायिक प्रक्रिया छिटो छरितो, सहज र पूर्वानुमानयोग्य हुन नसक्नु, लगायतका विषय न्यायापालिकाका समस्याका रुपमा रहेका छन्। पीडितमैत्री न्याय प्रणालीको सुदृढीकरण, निशुल्क कानूनी सेवालाई थप प्रभावकारी बनाउने, न्यायमा सहज पहुँच अभिवृद्धि गर्ने, अन्तरनिकाय र सरोकारवालाहरुसँगको समन्वयलाई प्रभावकारी बनाउने, रणनीतिक योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने, न्याय सेवाप्रतिको आकर्षणमा अभिवृद्धि गर्ने एवं सेवाग्राहीमैत्री व्यवहारको प्रवर्द्धन गर्ने लगायतका विषय न्यायापालिकाका चुनौतिका रुपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

स्वतन्त्र, निष्पक्ष, पहुँचयोग्य, सक्षम र विश्वसनीय न्याय प्रणाली।

## ४. उद्देश्य

१. न्याय प्रशासनलाई छिटो, छरितो, निष्पक्ष, प्रभावकारी र जनउत्तरदायी तथा न्यायिक प्रक्रियालाई सरल, अनुमानयोग्य, जवाफदेही, पारदर्शी र सूचना प्रविधिमैत्री बनाई सबैका लागि न्याय सुनिश्चित गर्दै न्यायपालिकाप्रतिको जनआस्था र विश्वासमा अभिवृद्धि एवम् न्यायपूर्ण समाज निर्माण गर्नु।

२. नेपालको संविधान, संघीयताको मर्म, नेपाल पक्ष भएको अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि-सम्झौता अनुरूप सबै पक्षबाट अपनत्व हुने सरल र गुणस्तरीय कानूनको तर्जुमा गर्नु तथा मौलिक हक तथा मानव अधिकारको संरक्षण र सम्वर्द्धन गर्दै न्यायमा सबैको सहज पहुँच स्थापित गराउनु।

३. न्याय सम्पादनमा क्रियाशील जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि गर्दै वस्तुगत र वैज्ञानिक प्रमाणमा आधारित अपराध अनुसन्धान, अभियोजन र प्रतिरक्षा प्रणाली विकास गरी पीडित पक्ष र सरकारी पक्षका साक्षीको संरक्षण एवम् अपराध पीडितलाई न्याय दिई दण्डहीनताको अन्त्य गर्नु।

४. कानूनी शिक्षा र शिक्षण प्रणालीलाई राष्ट्रिय एवम् अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा गुणस्तरीय, प्रतिस्पर्धी एवम् समाजको आवश्यकता परिपूर्ति गर्ने गरी विकास गर्नु।

## ५. रणनीति

१. सूचना प्रविधिमैत्री मुद्दा प्रवाह व्यवस्थापन र स्वचालित फैसला कार्यान्वयन पद्धतिको विकास एवम् न्यायपालिकाको संस्थागत सुदृढीकरण र न्यायिक जनशक्तिको क्षमता विकास गरी न्यायिक प्रक्रियालाई छिटोछरितो, प्रभावकारी, अनुमानयोग्य र सहज पहुँचयुक्त बनाउने।

२. संविधान अनुकूलको कानून निर्माण गर्ने।

३. निःशुल्क कानूनी सहायता सेवालाई सबैको पहुँचयोग्य र प्रभावकारी बनाउने।

४. अपराध अनुसन्धान, अभियोजन र प्रतिरक्षा प्रणालीलाई वैज्ञानिक र वस्तुगत प्रमाणमा आधारित बनाउने तथा संस्थागत सुदृढीकरण गर्ने।

५. न्याय सेवाका कर्मचारी र सरकारी वकिल एवम् स्थानीय न्यायिक समितिका पदाधिकारीको न्याय सम्पादन एवम् मुद्दा व्यवस्थापन क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।

६. पीडित पक्ष र सरकारी पक्षका साक्षीको संरक्षण तथा मुद्दाका साक्षी र प्रमाणको प्रस्तुतिलाई प्रभावकारी बनाउने।

७. कानूनी शिक्षा र शिक्षण प्रणालीलाई व्यवस्थित, गुणस्तरीय र आधुनिक बनाउने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| न्यायिक निकायमा दर्ता भएका मुद्दा | संख्या (प्रतिलाख जनसंख्या) | ८६८ | ८३९ | ८११ | ७८८ | ७६० |
| मुद्दा फैसला | प्रतिशत | ५६.५ | ६० | ६० | ६० | ६० |
| फैसला कार्यान्वयन | प्रतिशत | ३७.५५ | ५० | ५० | ५० | ५० |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| भवन निर्माण | संख्या | ९ | ३१ | ३१ | ३१ | २१ |
| अध्ययन अनुसन्धान | संख्या | ३२ | १४ | ८ | ८ | ८ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ६८,३६४ | ४७,९७१ | २०,३९३ | - | ६८,३६४ | - | - |
| २०७९/८० | ७२,९४६ | ५०,५१४ | २२,४३२ | - | ७२,९४६ | - | - |
| २०८०/८१ | ७६,९५८ | ५२,२८३ | २४,६७५ | - | ७६,९५८ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| २०४००००१ | सर्वोच्च अदालत | १ | छिटो, छरितो, सर्वसुलभ, निष्पक्ष, प्रभावकारी र उत्तरदायी न्याय प्रशासन। | सालवसाली | | न्यायिक प्रक्रिया सरल, जवाफदेही, पारदर्शी र सूचना प्रविधिमैत्री हुने |
| २०४०००११ | सर्वोच्च अदालत (प्रशासनिक खर्च समेत) | १ | प्रशासनिक कामकारवाहीमा सुशासन। | सालवसाली | | सुशासन र प्रविधिमैत्री न्याय प्रशासन |
| २०४०००१२ | मेलमिलाप परिषद | १ | प्रभावकारी मेलमिलाप पद्धति | सालवसाली | | मेलमिलाप पद्धतिबाट छिटो छरितो र कम खर्चिलो रुपमा विवाद समाधान गर्नु |
| २०४६१०११ | राष्ट्रिय न्यायिक प्रतिष्ठान | ५ | न्यायिक जनशक्तिको क्षमता विकास | सालवसाली | | न्यायिक जनशक्तिको क्षमता विकासबाट न्याय प्रशासनको प्रभावकारिता वृद्धि भएको हुने |
| २०४९१०११ | उच्च अदालतहरू | ४ | न्यायप्रणाली पूर्ण पूर्व अनुमानयोग्य र सहज पहुँचयोग्य एवम् जनआस्थामा आधारित सेवा प्रवाह | सालवसाली | | स्वतन्त्र र निष्पक्ष न्यायको प्रत्याभूति हुने। विसङ्गति र अनियमितताको गुनासो न्यूनीकरण भएको हुने। |
| २०४९२०११ | विशेष अदालत | ४ | भ्रष्टाचारमुक्त कानूनी राज्य, सुशासन र न्यायपूर्ण समाजको स्थापना। | सालवसाली | | छिटोछरितो र प्रभावकारी न्याय प्रक्रिया। भ्रष्टाचारको नियन्त्रण। |
| २०४९३०११ | प्रशासकीय अदालत | ४ | कर्मचारीहरूको विभागीय कारवाही सम्बन्धी विवादको निरुपण। | सालवसाली | | कानूनको परिपालनाको संस्कारमा वृद्धि भएको हुने। |
| २०४९४०११ | श्रम अदालत | ४ | श्रमसम्बन्धी विवादको निरुपण। | सालवसाली | | न्यायप्रणालीमा पहुँच र प्रभावकारितामा वृद्धि |
| २०४९५०११ | फैसला कार्यान्वयन निर्देशनालय | ४ | न्यायपालिकाप्रतिको जनआस्था र विश्वासमा अभिवृद्धि एवम् न्यायपूर्ण समाज निर्माण | सालवसाली | | फैसला कार्यान्वयन पद्धति प्रभावकारी भएको हुने। |
| २०४९६०११ | राजस्व न्यायाधीकरणहरू | ४ | कर सम्बन्धी विवादहरूको निरुपण। | सालवसाली | | कर सम्बन्धी विवादहरूको समयमा नै फछ्र्यौट भएको हुने। |
| २०४९७०११ | जिल्ला अदालतहरू | ४ | छिटो छरितो, प्रभावकारी र पहुँचयुक्त न्यायप्रक्रिया | सालवसाली | | सेवाप्रवाहको निश्चित पद्धति एवम् मापदण्डको विकास भई न्यायप्रणाली सहज पहुँचयोग्य हुने। |

कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| २०४००००१ | सर्वोच्च अदालत | न्यायपालिकाको चौथो रणनीतिक योजना र सूचना प्रविधि सम्बन्धी गुरुयोजना तर्जुमा र कार्यान्वयन भएको।<br>सर्वोच्च अदालतको भवन निर्माणको लागि वहुवर्षीय ठेक्का स्वीकृत भएको | सर्वोच्च अदालतको भवन निर्माण भएको हुने।<br>कानुन परिपालनाको संस्कारमा वृद्धि।<br>मुद्दा फैसला प्रतिशत र फैसला कार्यान्वयनमा प्रतिशतमा वृद्धि | चौथो पञ्चवर्षीय रणनीतिक योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन र मध्यावधि मूल्याङ्कन<br>न्यायिक अध्ययन अनुसन्धान<br>न्यायिक जनशक्तिको क्षमता विकास (फरक मुद्दा व्यवस्थापन, सूचना प्रविधि, फैसला लेखन, सुक्ष्म निगरानी, न्यायिक सुशासन, सेवाप्रवाह र अभिमुखीकरण) |
| २०४०००११ | सर्वोच्च अदालत (प्रशासनिक खर्च समेत) | न्यायपालिकाको चौथो रणनीतिक योजना र सूचना प्रविधिसम्बन्धी गुरुयोजना तर्जुमा र कार्यान्वयन भएको हुने। | न्यायपालिकाको रणनीतिक योजना र सूचना प्रविधि सम्बन्धी गुरुयोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन भएको हुने।<br>सम्पूर्ण अदालतहरूको प्रशासनिक खर्चमा सुशासन कायम भएको हुने। | सेवाप्रवाहका भौतिक पूर्वाधारहरूको सुधार<br>मुद्दा व्यवस्थापन पद्धति लागू गरी समग्र मुद्दा प्रवाह पद्धतिमा सुधार<br>भवनबाहेक अन्य भौतिक साधन खरीद तथा व्यवस्थापन<br>अदालतको सेवाप्रवाह र अभिलेख व्यवस्थापनलाई सूचनाप्रविधिमैत्री बनाउने<br>अदालती कामकार्वाहीको नियमित अनुगमन र निरीक्षण गर्ने |
| २०४०००१२ | मेलमिलाप परिषद | मेलमिलाप परिषद्को प्रथम पञ्चवर्षिय योजना तर्जुमा भएको। | मेलमिलाप पद्धति विवाद समाधानको वैकल्पिक र भरपर्दो उपायको रुपमा स्थापित भएको हुने। | मेलमिलाप परिषद्को प्रथम पञ्चवर्षिय योजना कार्यान्वयन गर्ने। |
| २०४६१०११ | राष्ट्रिय न्यायिक प्रतिष्ठान | न्यायिक जनशक्तिको क्षमता विकाससम्बन्धी तालीम नीति अनुसार तालिम, गोष्ठी, प्रशिक्षण लगायतका | अध्ययन तथा अनुसन्धानमूलक कार्यमा न्यायिक जनशक्तिको क्षमता तथा सहभागितामा वृद्धि भएको हुने। | क्षमता विकासको लागि तालिम, गोष्ठी, प्रशिक्षण, अनुसन्धान तथा अन्तर्क्रिया सञ्चालन हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| | | कार्यक्रम सञ्चालन भएको। | | |
| २०४९१०११ | उच्च अदालतहरू | न्यायपालिकाको रणनीतिक योजनाको तर्जुमा तथा कार्यान्वयन भएको | प्रविधिमैत्री गुणस्तरीय र प्रभावकारी न्याय प्रशासन।<br>स्वतन्त्र र निष्पक्ष न्यायको प्रत्याभूति हुने।<br>विसङ्गति र अनियमितताको गुनासो न्यूनीकरण भएको हुने।<br>सरोकारवाला निकायहरूबीच समन्वय गरी विभिन्न कार्यक्रमहरू सञ्चालन हुने। | उच्च अदालत विराटनगरमा आवास निर्माण र उच्च अदालत पाटनमा एनेक्स निर्माण सम्पन्न हुने<br>उच्च अदालत सुर्खेत र जिल्ला अदालत सुर्खेतको भवन निर्माण शुरू हुने<br>उच्च अदालत जनकपुर,वीरगञ्ज,वाग्लुङ, तुलसीपुर,पोखरा, वुटवलमा ईजलास निर्माण हुने<br>फरक मुद्दा व्यवस्थापन प्रणाली प्रयोग हुने।<br>प्रविधिमा आधारित सेवाप्रवाह हुने। |
| २०४९२०११ | विशेष अदालत | भ्रष्टाचार विरूद्धका मुद्दामा सुनुवाई हुने गरेको। | विसङ्गति र अनियमितताको गुनासो न्यूनीकरण भएको हुने।<br>मुद्दा फैसला दर बढेको हुने। | मुद्दा अनुसन्धान तथा सुनुवाईलाई प्रविधिमैत्री बनाउने। न्यायिक जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने। |
| २०४९३०११ | प्रशासकीय अदालत | कर्मचारीहरूको विभागीय कार्वाही सम्बन्धी मुद्दाको सुनुवाई हुने गरेको। | मुद्दाको फैसला प्रतिशत बढेको हुने | कर्मचारीहरूको विभागीय कारवाही सम्वन्धी विवादहरू समयमै फछ्र्यौट भएको हुने। |
| २०४९४०११ | श्रम अदालत | श्रम विवादको सुनुवाई हुने गरेको। | मुद्दाको फैसला प्रतिशत बढेको हुने | श्रमसम्बन्धी विवादको प्रभावकारी रुपमा समाधान भएको हुने। |
| २०४९५०११ | फैसला कार्यान्वयन निर्देशनालय | फैसला कार्यान्वयनको लागि समन्वय। फैसला कार्यान्वयनको अनुगमन तथा प्रतिवेदन। | फैसला कार्यान्वयनलाई प्रभावकारी बनाई न्यायको अनुभूति गराउने। | फैसला कार्यान्वयनका लागि परेका दुनियावादी निवेदनहरू १ वर्ष नाघ्न नदिने। कैद लागेका व्यक्ति पक्राउ वापतको पुरस्कार कार्यक्रम सञ्चालन हुने। |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|
| २०४९६०११ | राजस्व न्यायाधीकरणहरू | करसम्बन्धी विवादहरूको सुनुवाई भएको। | मुद्दाफैसला दर तथा फैसला कार्यान्वयन दरमा वृद्धि | प्रविधिमैत्री मुद्दाप्रवाह पद्धतिबाट करसम्बन्धी विवादको समयमा नै निरुपण गर्ने |
| २०४९७०११ | जिल्ला अदालतहरू | न्यायपालिकाको चौथो रणनीतिक योजनाको तर्जुमा तथा कार्यान्वयन भएको।<br>विभिन्न जिल्ला अदालतको नया भवन निर्माण कार्य सम्पन्न जिल्ला अदालतबाट निरन्तर सेवाप्रवाह भएको | प्रविधिमैत्री गुणस्तरीय र प्रभावकारी न्याय प्रशासन। स्वतन्त्र र निष्पक्ष न्यायको प्रत्याभूति हुने। विसङ्गति र अनियमितताको गुनासो न्यूनीकरण भएको हुने। स्वीकृत कार्यक्रम अनुसार भवन निर्माण सम्पन्न भएको हुने | फरक मुद्दा व्यवस्थापन प्रणाली प्रयोग हुने।<br>प्रविधिमा आधारित सेवाप्रवाह हुने।<br>जिल्ला अदालत पाँचथर, सुनसरी, बझाङ्ग, संखुवासभा, महोत्तरी, दाङ, पर्साको कार्यालय भवन निर्माण हुने, जिल्ला अदालत रोल्पामा आवास तथा व्यारेक निर्माण हुने सम्पन्न हुने। |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

न्यायपालिकाको चौथो पञ्चवर्षीय रणनीतिक योजनामा प्रक्षेपण गरिएका कार्यक्रम अनुसारको बजेट प्राप्त नहुनु, न्यायिक जनशक्तिको आपूर्ति, वृत्ति विकास र उत्प्रेरणा, सूचना प्रविधिको प्रयोग, सरोकारवालाहरुसँगको समन्वय र सहयोग अभिवृद्धि, संवैधानिक तथा कानूनी सुधार एवम् परिवर्तनको प्रतिरोध गर्ने संस्कृति, फरक मुद्दा व्यवस्थापन पद्धतिको प्रभावकारी कार्यान्वयन, बढ्दै गएको बक्यौता न्यूनीकरण जस्ता विषयहरु न्यायपालिकाका जोखिम पक्षको रुपमा रहेका छन्। उक्त जोखिमहरुको न्यूनीकरण गर्दै संविधानले सुम्पिएका जिम्मेवारी पूरा गर्नका लागि न्यायपालिकालाई आवश्यक पर्ने स्रोत साधनको यथोचित व्यवस्था भएमा मात्र योजनाले तय गरेको लक्ष्य पूरा हुन सक्दछ।

## ९.५ अख्तियार दुरूपयोग अनुसन्धान आयोग

### १. पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा २३८ मा संवैधानिक निकायका रुपमा अख्तियार दुरूपयोग अनुसन्धान आयोगको व्यवस्था रहेको एवं धारा २३९ मा आयोगको काम कर्तव्य सम्बन्धी व्यवस्था रहेको छ। सार्वजनिक पदधारण गरेको व्यक्तिले भ्रष्टाचार गरी अख्तियारको दुरूपयोग गरेको सम्बन्धमा आयोगले कानून बमोजिम अनुसन्धान तहकिकात गर्ने एवं अनुसन्धानबाट सार्वजनिक पदधारण गरेको कुनै व्यक्तिले कानून बमोजिम भ्रष्टाचार मानिने कुनै काम गरेको देखिएमा मुद्दा दायर गर्न/गराउन सक्ने संवैधानिक व्यवस्था रहेको छ। सार्वजनिक प्रशासनलाई स्वच्छ, निष्पक्ष, पारदर्शी, भ्रष्टाचारमुक्त, जनउत्तरदायी र सहभागितामूलक बनाउँदै राज्यबाट प्राप्त हुने सेवासुविधामा जनताको समान र सहज पहुँच सुनिश्चित गरी सुशासनको प्रत्याभूति गर्ने कुरा संविधानमा उल्लेख छ, जसबाट सुशासन स्थापनाका लागि भ्रष्टाचार नियन्त्रणको अपरिहार्यता स्पष्ट हुन्छ।

नेपाल भ्रष्टाचार विरुद्धको संयुक्त राष्ट्र संघीय महासन्धिको पक्ष राष्ट्र रहेको सन्दर्भमा महासन्धिले सिर्जना गरेका दायित्व पूरा गर्न आयोगको भूमिका महत्वपूर्ण हुने देखिन्छ। आयोगले संस्थागत रणनीतिक योजना (२०७६/७७-२०८०/८१) मार्फत भ्रष्टाचार नियन्त्रणमा क्रियाशील निकायहरूको क्षमता सुदृढीकरण गरी भ्रष्टाचारविरुद्ध दण्डात्मक, निरोधात्मक र प्रवर्द्धनात्मक रणनीतिहरू एकसाथ प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्दै आईरहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

आयोगबाट हरेक वर्ष नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र स्थानीय तहलाई दिईएका सुझावहरुको गम्भीरताका साथ कार्यान्वयन नहुँदा अपेक्षाकृत नतिजा प्राप्त गर्न समस्या भएको छ। भ्रष्टाचारविरुद्ध आवश्यक कानून संशोधन, परिमार्जन र तर्जुमा प्रक्रियामा ढिलाई हुनु, विद्यमान कानुनी संरचनाले भ्रष्टाचारका नवीनतम स्वरूप र आयामलाई समेट्न नसक्नु, गैरकानूनी सम्पत्ति आर्जन लगायत अनुसन्धान कार्य अत्यन्त जटिल हुनु समस्याका रुपमा रहेका छन्। त्यस्तै साक्षीको सुरक्षासम्बन्धी कानूनी व्यवस्था प्रभावकारी नहुनु, अभिलेख तथा सूचना व्यवस्थापन प्रणाली कमजोर रहनु, कमजोर अनुगमन र मूल्याङ्कन प्रणाली, सूचना प्रविधिको प्रयोगमा न्यूनता हुनु, पर्याप्त मात्रामा पेशागत रुपमा दक्ष, प्रतिवद्ध एवम् उच्च मनोवलयुक्त जनशक्ति नहुनु, सरोकारवाला निकायहरूबीच समन्वय र सामञ्जस्यको कमी हुनु समेत भ्रष्टाचार नियन्त्रण कार्यमा समस्याका रुपमा रहेका छन्।

नागरिक अपेक्षा र आयोगको कार्यसम्पादन परिणामबीचको खाडल कम गर्नु, भ्रष्टाचारलाई समाजले हेर्ने दृष्टिकोणमा परिवर्तन गर्नु, अभियोजनसम्बन्धी विषयमा एकरूपता र सामञ्जस्यता ल्याउनु, भ्रष्टाचार नियन्त्रणका लागि राजनीतिक प्रतिवद्धतालाई कार्यान्वयनमा उतार्नु, भ्रष्टाचारजन्य कार्यहरुले प्रश्रय र संरक्षण पाउने अवस्था रोक्नु, प्रविधिको विकाससँगै वढेको भ्रष्टाचारजन्य अपराधसम्बन्धी अनुसन्धान र तहकिकात गर्ने क्षमता विकास गर्नु, भ्रष्टाचारविरुद्धको अभियान सामु प्रमुख चुनौतीका रूपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

सदाचारयुक्त समाजको निर्माण।

### ४. उद्देश्य

भ्रष्टाचारजन्य कार्य नियन्त्रण गरी मर्यादित एवम् स्वच्छ समाज निर्माण गर्नु।

## ५. रणनीति

१. विद्यमान नीति तथा कानूनमा समयानुकूल परिमार्जन तथा कार्यान्वयन गर्ने।

२. भ्रष्टाचार विरुद्ध शून्य सहनशीलता सहित सदाचारयुक्त समाज निर्माण गर्ने।

३. भ्रष्टाचार विरुद्धका चेतनामूलक, निरोधात्मक एवम् दण्डात्मक काम कारवाहीलाई प्रभावकारी बनाउने।

४. सार्वजनिक सेवामा लाग्ने खर्च, समायवधि तथा प्रक्रिया एवम् कार्यविधिको सम्बन्धमा स्पष्टता ल्याई सार्वजनिक सेवालाई जवाफदेही एवम् पारदर्शी बनाउने।

५. सार्वजनिक, निजी, गैरसरकारी, सहकारी, बैंकिङ क्षेत्रमा हुने आर्थिक अनियमितताको नियन्त्रण गरी निजी क्षेत्रको सेवा प्रवाहलाई गुणस्तरीय एवम् सेवामूलक बनाउने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| भ्रष्टाचार न्यूनीकरण अनुभूति सूचकांक | सूचकांक | ३३ | ३५ | ३७ | ३९ | ४१ |
| मुद्दामा सफलता | प्रतिशत | ८४.८ | ८६ | ८६ | ८७ | ८८ |
| उजुरी फछ्र्यौटको प्रतिशत | प्रतिशत | ६७.४ | ७५ | ८० | ८३ | ८५ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | १२,७६४ | ९,८५५ | २,९०९ | - | १२,७६४ | - | - |
| २०७९/८० | १३,८१२ | १०,६१२ | ३,२०० | - | १३,८१२ | - | - |
| २०८०/८१ | १४,५०४ | १०,९८४ | ३,५२० | - | १४,५०४ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २०६०००१ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग | | | सालवसाली | | आयोगको संस्थागत क्षमता सुदृढीकरण, उपचारात्मक, निरोधात्मक एवं प्रवर्द्धनात्मक रणनीति मार्फत् भ्रष्टाचार न्यूनीकरण एवं सुशासन प्रवर्द्धन | बर्दिवास, पोखरा र सुर्खेतको कार्यालय भवन निर्माण, सबै कार्यालयहरुमा निर्माण गुणस्तर परीक्षण, प्रयोगशाला सञ्चालन कर्मचारीलाई जनशक्ति विकास सम्वन्धी अभिमूखीकरण/ विशिष्टिकृत तालिम प्रदान, १८ वटा जिल्लामा भ्रष्टाचार विरुद्धको नागरिक निगरानी संस्था (Citizen Jury) गठन भएको। | आयोगको संस्थागत क्षमता विकास, सरलीकृत र समयवद्ध नागरिक सूचना प्रवाह, मुद्दा सफलता दर वृद्धि, भ्रष्टाचारजन्य कार्यमा कमी, विरुद्ध नागरिक समाजसँग सहकार्य अभिवृद्धि भएको हुने। | निर्माण गुणस्तर परीक्षण प्रयोगशाला सञ्चालन/सुदृढीकरण, आयोगको कार्यालय हेटौंडा, बुटवल तथा कञ्चनपुरमा आवासीय भवन निर्माण, भ्रष्टाचार विरुद्ध जनचेतना फैलाउने श्रव्य दृष्य सामग्रीहरुको निर्माण/प्रसारण, थप ३२ वटा जिल्लामा भ्रष्टाचार विरुद्धको नागरिक निगरानी संस्था (Citizen Jury) गठन, र स्थानीय तहमा सचेतनामूलक अन्तर्क्रिया कार्यक्रम विस्तार गर्ने। |
| २०६००११ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | | भ्रष्टाचार जन्य कार्य नियन्त्रण | सालवसाली | | | | | |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

भ्रष्टाचार न्यूनीकरण वहुआयामिक तथा जटिल कार्य भएकोले यसमा सबै निकाय एवं आम नागरिकको सहकार्य र साथको आवश्यकता पर्दछ। भ्रष्टाचारका नयाँ नयाँ स्वरुप, शैलीको प्रयोग वढ्दोरुपमा रहेको हुँदा त्यस्ता कार्यको अनुसन्धान जटिल भई जोखिम बढ्न सक्ने देखिन्छ। तथापि आयोगको रणनीतिक योजनाको कार्यान्वयन, अनुसन्धान क्षमता विकास एवं सुदृढीकरण, वस्तुगत मापदण्डहरुको प्रयोग र नवीनतम प्रविधि उपयोग मार्फत् जोखिम व्यवस्थापन गरी भ्रष्टाचार न्यूनीकरण गर्ने कार्यलाई तीब्रता दिन आयोग प्रतिवद्ध रहेको र यस कार्यमा सबै निकाय एवं सरोकार समूहको सहयोग रहने अनुमान रहेको छ।

## ९.६ महालेखापरीक्षकको कार्यालय

### १. पृष्ठभूमि

संविधानको भाग २२ मा नेपालमा एक महालेखापरीक्षक हुने व्यवस्था रहेको छ। संविधानको धारा २४१ मा राष्ट्रपति र उपराष्ट्रपतिको कार्यालय, सर्वोच्च अदालत, संघीय संसद, प्रदेश सभा, प्रदेश सरकार, स्थानीय तह, संवैधानिक निकाय वा सोको कार्यालय, अदालत, महान्यायाधिवक्ताको कार्यालय र नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी वा सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल लगायतका सबै संघीय र प्रदेश सरकारी कार्यालयको लेखाकानूनबमोजिम नियमितता, मितव्ययिता, कार्यदक्षता, प्रभावकारिता र औचित्य समेतको विचार गरी महालेखापरीक्षकबाट लेखापरीक्षण हुने उल्लेख छ । महालेखापरीक्षकले आफूले गरेको कामको वार्षिक प्रतिवेदन राष्ट्रपति समक्ष पेश गर्ने र राष्ट्रपतिले प्रधानमन्त्रीमार्फत उक्त प्रतिवेदन व्यवस्थापिका-संसद समक्ष पेश गर्ने साथै संसद र सार्वजनिक लेखा समितिमा छलफल हुने गरेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

लेखापरीक्षणको गुणस्तर अभिवृद्धि गर्न आवश्यक स्रोत साधनमा कमी हुनु, विद्यमान संगठन संरचना अनुसार विभिन्न विषयविज्ञ कर्मचारीको परिचालन व्यवस्था तथा वृत्ति विकासका लागि दीर्घकालीन जनशक्ति योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा ल्याउन नसकिनु, लेखापरीक्षणका क्रममा औंल्याइएका बेरुजु प्रभावकारी रुपमा फछ्र्यौट हुननसक्नु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या तथा चुनौती हुन्।

### ३. सोच

जनहितका लागि जवाफदेहिता, पारदर्शिता र निष्ठा प्रवर्धन गर्ने विश्वसनीय संस्थाको रुपमा स्थापित गर्ने।

### ४. उद्देश्य

सार्वजनिक स्रोतको प्रभावकारी व्यवस्थापन तथा उपयोगको लागि राष्ट्रलाई गुणस्तरीय लेखापरीक्षण सेवा प्रदान गर्नु।

### ५. रणनीति

१. सार्वजनिक निकायका पदाधिकारीलाई बढी भन्दा बढी जवाफदेही बनाइ राजश्व परिचालन, आर्थिक अनुशासन तथा सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनमा सुधार गर्ने तर्फ संगठनलाई उन्मुख बनाउने।

२. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको लेखापरीक्षण प्रतिवेदनलाई अन्तराष्ट्रिय मापदण्ड अनुरुप बनाउने।

### ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाई | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/ ८० | २०८०/८१ |
| सेवाकालीन तालिम | जना | - | ६० | ६० | | |
| चाटर्ड एकाउन्टेन्ट अध्ययन | जना | - | २ | २ | | |
| गुणस्तर आश्वस्तता तालिम | पटक | - | ३ | ३ | | |
| कर्मचारी क्षमता अभिबृद्धि तालिम | जना | - | ६ | १० | १० | १० |
| स्थानीय तह/सार्वजनिक खरिद/राजस्व लेखापरीक्षण तालिम | जना | - | ३०० | ४८४ | ४८४ | ४८४ |
| अनवरत व्यवसायिक पेशागत तालिम | जना | - | ४०० | ५०० | ५०० | ५०० |

| सूचक | एकाई | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/ ८० | २०८०/८१ |
| क्षेत्रगत लेखापरीक्षण मार्गदर्शन तयारी | प्रति | - | १००० | - | - | - |
| वित्तीय लेखापरीक्षण सम्बन्धी तालिम | जना | - | - | ४८४ | ४८४ | ४८४ |
| कार्यमूलक लेखापरीक्षण तालिम | जना | २६ | ४० | ४० | ४० | ४० |
| ड्राइभिङ्ग तालिम | जना | ३ | २० | २० | | |
| कार्यमूलक लेखापरीक्षण | वटा | १७ | ७ | ७ | १० | १० |
| लेखापरीक्षणको प्रभाव मूल्याङ्कन सम्बन्धी अध्ययन | पटक | १ | १ | १ | १ | १ |
| लेखापरीक्षण गुणस्तर नियन्त्रण तथा गुणस्तर आश्वस्तता सम्बन्धी तालिम | पटक | - | १ | १ | १ | १ |
| महालेखापरीक्षकको वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशन | प्रति | ३५२० | ७५०० | ८००० | ८००० | ८००० |
| लेखापरीक्षणको गुणस्तर आश्वस्तता मुल्याङ्कन | संख्या | ६९ | १५० | १५० | १७० | २०० |
| प्रदेशस्तरीय अन्तरक्रिया | पटक | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ |
| लेखापरीक्षण व्यवस्थापन सूचना प्रणाली संचालन | वटा | - | १ | १ | १ | १ |
| सल्लाहकार समितिको बैठक | पटक | १ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| प्राविधिक समितिको बैठक | पटक | १ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| सचिव/विभागिय प्रमुखसँग अन्तरक्रिया | पटक | २ | २ | २ | २ | २ |
| संस्थान प्रमुखसँग अन्तरक्रिया | पटक | १ | १ | १ | १ | १ |
| सञ्चारकर्मीसँग अन्तरक्रिया | पटक | १ | ३ | ४ | ३ | ४ |
| योजना तर्जुमा गोष्ठी | पटक | १ | १ | १ | १ | १ |
| कार्यमूलक लेखापरीक्षणको चेकलिष्ट तयारी | वटा | १७ | ३० | ३० | ३० | ३० |
| लेखापरीक्षण बुलेटिन प्रकाशन | पटक | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमा

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ५,५२५ | ४,६७७ | ८४८ | – | ५,५२५ | – | – |
| २०७९/८० | ५,९३० | ४,९९७ | ९३३ | – | ५,९३० | – | – |
| २०८०/८१ | ६,१९८ | ५,१७२ | १,०२६ | – | ६,१९८ | – | – |

## ८. कार्यक्रमको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनितक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरू र समाप्ति) | लागत रू लाखमा | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको अपेक्षित उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २०८००००१ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय | १ | | | | | | | |
| २०८०००११ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय (प्रशासनिक खर्च समेत) | १ | सार्वजनिक स्रोतको प्रभावकारी व्यवस्थापन तथा उपयोगको लागि राष्ट्रलाई गुणस्तरीय लेखापरीक्षण सेवा प्रदान गर्नु। | सालवसाली | | वित्तीय सुशासन कायम भएको हुने। | | क्षमता विकासका बिभिन्न तालिमहरु संचालन भएको हुने।<br>वित्तिय सुशासन कायम भएको हुने।<br>कुल खर्चमा बेरुजुको अंश घटेको हुने। | वित्तीय लेखापरीक्षण सम्बन्धी प्रशिक्षक तालिम<br>वित्तीय लेखापरीक्षण सम्बन्धी तालिम<br>कार्यमूलक लेखापरीक्षण तालिम<br>लेखापरीक्षणको प्रभाव मूल्याङ्कन सम्बन्धी अध्ययन<br>लेखापरीक्षण गुणस्तर नियन्त्रण तथा गुणस्तर आश्वस्तता सम्बन्धी तालिम |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

संघीयताको मर्म अनुरुप कानुन निर्माण, संगठन संरचना, जनशक्ति व्यवस्थापन समेतका आधारमा गुणस्तरीय लेखापरीक्षण सेवा प्रदान गर्न कठिनाइ हुनुका साथै बजेटको सैद्धान्तिक आधार विपरित खर्च गर्ने परिपाटीले गुणस्तरीय लेखापरीक्षण गर्ने कार्य जोखिममा पर्ने अवस्था रहन्छ।

## ९.७ लोक सेवा आयोग

### १. पृष्ठभूमि

निजामती सेवाको पदका साथै सुरक्षा निकाय र संगठित संस्थाहरुका लागि योग्य उम्मेदवार छनौट गरी विभिन्न पदहरुमा नियुक्तिको लागि सिफारिश गर्न संवैधानिक अंगको रुपमा लोक सेवा आयोगको महत्वपूर्ण स्थान रहँदै आएको छ। आयोगको मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष रुपमा सेवाका लागि गुण्स्तरीय उम्मेदवार छनौट गर्नु रहेको छ। साथै संविधानमा उल्लेखित समानताको हकलाई व्यवहारमा उतार्न उत्कृष्टता, निष्पक्षताप्रति समर्पित रही योग्यता प्रणालीलाई आफ्नो मुख्य आदर्श मान्दै यसको संरक्षण गर्ने मुख्य अभिभारा लिएको छ। निजामती सेवाका कर्मचारीहरुको सुरक्षा र प्रतिरक्षाका लागि दरिलो आधार स्तम्भका रुपमा रहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

विभिन्न विज्ञापनहरुमा परीक्षार्थीहरुको दरखास्त संख्यामा अत्यधिक वृद्धिको कारण परीक्षा सञ्चालन लगायत खर्चमा अत्यधिक वृद्धि भएकोले बजेटको अभाव हुनु, कम्प्युटर सीप परीक्षणको पाठ्यक्रम अनुसार केन्द्र, क्षेत्र तथा अञ्चल कार्यालयहरुमा कम्प्युटर ल्याब स्थापना हुन नसक्नु, भौतिक स्रोत साधनको कमी हुनु, सुरक्षा निकाय तथा संगठित संघ संस्थानहरुको परीक्षा सञ्चालनलाई प्रभावकारी बनाउनु, आयोगले दिएका परामर्शहरु प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन हुने वातारण तयार गर्नु, प्रदेश लोक सेवा आयोग सम्बन्धी आधार, मापदण्ड तथा नमूना कानुनको तर्जुमा गर्नु र प्रदेश लोक सेवा आयोगको सबलीकरण एवं पद्धति विकास गर्नु जस्ता समस्या तथा चुनौती रहेका छन्।

### ३. सोच

निजामती सेवाको पदका साथै विभिन्न सुरक्षा निकाय (नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी वल, राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग) अन्य संघीय सरकारी सेवा र संगठित संस्थाको पदमा छनौट गर्ने कार्यलाई निष्पक्ष छिटो, छरितो र विश्वसनीय, पारदर्शी बनाउने एवं आयोगबाट दिने परामर्शलाई गुणस्तरीयता र प्रभावकारिता।

### ४. उद्देश्य

१. संविधानमा उल्लेखित समानताको हकलाई व्यवहारमा उतार्न उत्कृष्टता र निष्पक्षता प्रति समर्पित रहनु।

२. निजामती सेवा लगायत विभिन्न सुरक्षा निकाय र अन्य संगठित संस्थाहरुको पदमा उम्मेदवार छनौट गर्ने कार्यलाई निष्पक्ष, छिटो, छरितो र विश्वसनीय गराउनु।

३. निजामती कर्मचारीहरुको सुरक्षा र प्रतिरक्षाको लागि दरिलो माध्यम बन्नु।

४. सेवामा कार्यरत कर्मचारीहरुलाई स्वच्छाचारी रुपमा हटाउन वा कारवाही गर्नबाट जोगाउन संरक्षकत्वको भूमिका निर्वाह गर्नु।

### ५. रणनीति

१. स्वच्छताको सिद्धान्तमा आधारित भई कार्यहरू सम्पादन गर्ने।

२. निष्पक्षताको सिद्धान्तमा आधारित भई निर्णय लिने।

३. समान अवसरको सिद्धान्तमा आधारित रही परीक्षा सञ्चालन गराउने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| भवन निर्माण | संख्या | २ | २ | २ | २ | २ |
| कर्मचारी क्षमता अभिवृद्धि तालिम | पटक | ७ | ६ | ८ | १० | १२ |
| पाठ्यक्रम निर्माण | संख्या | १० | ३० | १५ | १८ | २२ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ८,४६० | ८,२४९ | २११ | - | ८,४६० | - | - |
| २०७९/८० | ९,४२२ | ९,१९० | २३२ | - | ९,४२२ | - | - |
| २०८०/८१ | ९,७६८ | ९,५१२ | २५६ | - | ९,७६८ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि | लागत रू लाखमा | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन बर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २१०००००१ | लोक सेवा आयोग | १ | संवैधानिक निकायको हैसियतले कार्य सम्पादन गर्ने | सालवसाली | २७४ | सामान्य सिद्धान्त र परामर्शको पालना भएको हुनेछ । | स्वीकृत वर्षिक कार्यतालिका अनुसार परीक्षा सञ्चालन देखि सिफारिश सम्मको कार्य सम्पन्न भएको | सेवा प्रवाहमा सुधार भएको हुने ।<br>विज्ञहरु र सेवाग्राहीहरुको संलग्नता अभिवृद्धि हुने<br>संस्थागत क्षमता सुदृढिकरण भएको हुने | Competency Based छनौट प्रणाली लागु हुने<br>आयोगको परिवर्तित जिम्मेवारी र नवीनतम परीक्षण विधिहरुको प्रयोग गरिने |
| २१०००००११ | लोक सेवा आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | १ | स्वीकृत बार्षिक कार्यतालिका अनुसार परीक्षा सञ्चालन देखि सिफारिश सम्म कार्य सम्पन्न गर्ने | सालवसाली | २२१३१ | बार्षिक तालिका अनुसार परिक्षा संचालन देखी सिफारिससम्मका कार्यहरु भएको हुने। | संस्थागत क्षमता अभिवृद्धिका साथै भौतिक स्रोत साधनहरुको परिचालन भएको । | विभिन्न सेवा समूहहरुको पाठ्यक्रम निर्माण भएको हुने<br>दक्ष जनशक्ति उत्पादन भएको हुने<br>आयोगमा रहेको पुराना मेशीनरी औजार प्रतिस्थापन गरी नयाँ पूर्ति भएको हुने<br>पुराना सवारी साधन विस्थापित गरी नयाँ सवारी साधन खरिद भएको हुने | Case analysis र in basket को सम्बन्धी तालिम सम्पन्न भएको हुने ।<br>विभिन्न सेवा, समूहहरुको पाठ्यक्रम निर्माण भएको हुने ।<br>सुरक्षा निकाय तथा संगठित संस्थाहरुको विभिन्न सेवा र पदहरुको परीक्षा संचालन भएको हुने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि | लागत रू लाखमा | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन बर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९मा संचालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २१०९१०११ | लोक सेवा आयोग, कार्यालयहरू | २ | स्वीकृत बार्षिक कार्यतालिका अनुसार परीक्षा सञ्चालन देखि सिफारिश सम्म कार्य सम्पन्न गर्ने | सालवसाली | १०७८४ | बार्षिक तालिका अनुसार परिक्षा संचालन देखी सिफारिससम्मका कार्यहरु भएको हुने । | संस्थागत क्षमता अभिवृद्धिका साथै भौतिक स्रोत साधनहरुको परिचालन | आयोग मातहमा ६ वटा भवन निर्माण भएको हुने । | जलेश्वर र दाङमा भवन निर्माण शुरु भएको हुने |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

लोक सेवा आयोगबाट सञ्चालन हुने परीक्षाहरू समयमै सञ्चालन हुन नसकेमा तथा भौगोलिक दृष्टिले विकट स्थानका योग्यता पुगेका नागरिकसम्म परीक्षा प्रणालीको पहुँच पुग्न नसकेमा आयोगले लिएको उद्देश्य पूरा गर्न कठीन हुने देखिन्छ।

## ९.८ निर्वाचन आयोग

### १. पृष्ठभूमि

निर्वाचनका माध्यमबाट संघीय, प्रदेश र स्थानीय तहका कार्यपालिका र व्यवस्थापिका गठन भई संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक व्यवस्था सुदृढ गराउन योगदान पुगेको छ। निर्वाचन आयोगले संघीय कानूनहरुको परिधिभित्र रही सम्वत् २०७४ सालमा राष्ट्रपति, उपराराष्ट्रपति संघीय संसदका सदस्य, प्रदेश सभाका सदस्य, स्थानीय तहका सदस्यको निर्वाचन स्वच्छ, स्वतन्त्र एवम् निष्पक्ष रुपमा सम्पन्न गरेको छ।साथै रिक्त पदहरूको उपनिर्वाचन समेत सम्पन्न गरिएको छ। समानुपातिक समावेशी रुपमा विभिन्न क्षेत्र, वर्ग, लिङ्ग, समुदाय, जातजाति समेटिने गरी जम्मा ३५,९२७ जनप्रतिनिधि निर्वाचित भई लोकतान्त्रिक अधिकारको अभ्यासको थालनी भएको छ। निर्वाचन शिक्षाका माध्यमबाट मतदातालाई सुसूचित गर्दै निर्वाचनमा सम्पूर्ण मतदाताको अर्थपूर्ण सहभागिता सुनिश्चतता गर्न आवश्यक रहेको छ। निर्वाचन सञ्चालन तथा व्यवस्थापनको समय सापेक्ष सुधार गर्दै भविश्यमा सञ्चालन हुने आवधिक निर्वाचनमा प्रविधिलाई समेत प्रयोगमा ल्याउन जरुरी भएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

आयोगको संस्थागत क्षमतालाई मजबूत गराउन नसक्नु, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीलाई वस्तुनिष्ठ नतिजामा आधारित र विश्वसनीय बनाउन नसक्नु, मतदाता परिचय पत्रको प्रयोग प्रभावकारी बनाउन नसक्नु, आयोग र अन्तर्गत कार्यरत कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि तथा स्थायित्व कायम गर्न नसक्नु, प्रदेश तथा जिल्ला निर्वाचन कार्यालयहरूको भवन निर्माण गर्ने कार्य प्रभावकारी हुन नसक्नु, जिन्सी सामग्री तथा उपकरणको प्रभावकारी व्यवस्थापनमा कठिनाइ हुनु, आवश्यकता अनुसार पर्याप्त स्रोत साधन उपलब्ध नहुनु जस्ता समस्या रहेका छन्। मतदाता नामावली दर्ता तथा अद्यावधिक कार्य थप प्रभावकारी बनाउने, विदेशमा रहेका नेपाली नागरिकहरूको मतदाता नामावलीमा नाम दर्ता गरी निर्वाचनमा सहभागी गराउने, निर्वाचन व्यवस्थापनमा नवीन प्रविधिको प्रयोग गर्ने तथा निरन्तरता दिने, राजनीतिक दलको नियमन तथा व्यवस्थापन जस्ता विषयहरु चुनौतिको रुपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

स्वच्छ, स्वतन्त्र, निष्पक्ष, विश्वसनीय एवम् मितव्ययी निर्वाचनको सञ्चालन एवम् व्यवस्थापन।

### ४. उद्देश्य

१. निर्वाचन सम्बन्धी ऐन, नियम, कार्यविधि र निर्देशिकामा समसामयिक सुधार एवम् निर्वाचन चक्रका सम्पूर्ण क्रियाकलापलाई प्रविधियुक्त र मितव्ययी बनाई स्वच्छ, निष्पक्ष, स्वतन्त्र, विश्वसनीय एवम् भयरहित निर्वाचन प्रणालीको माध्यमबाट नागरिकको मताधिकारको सुनिश्चितता गर्दै लोकतन्त्रको संस्थागत विकासमा योगदान गर्नु।

२. सरोकारवालाहरू बीचको आपसी सम्बन्धलाई समन्वयात्मक, सहयोगात्मक र सुदृढ बनाउँदै निर्वाचन कार्यक्रम र प्रक्रियामा महसुस हुने गरी सुधार गर्दै लैजानु।

३. निर्वाचन शिक्षा मार्फत मतदातालाई सशक्तीकरण गरी निर्वाचनलाई बढीभन्दा बढी सहभागितामूलक बनाउनु।

### ५. रणनीति

१. निर्वाचन सम्बन्धी कानुनमा थप परिमार्जन तथा परिष्कृत गर्दै नीतिगत सुधार गर्ने।

२. प्रभावकारी निर्वाचन शिक्षा सञ्चालन तथा नवीनतम प्रविधिको उच्चतम प्रयोग गरी मतदाता नामावली दर्ता, अद्यावधिक, मतदान र मतगणना गर्ने।

३. सबै राजनीतिक दल, सरोकारवाला र सुरक्षा निकायबीचको आपसी समन्वयबाट विश्वासिलो वातावरण सिर्जना गरी निर्वाचन सुरक्षालाई मजबुत र भरपर्दो बनाउने।

४. निर्वाचन आयोगको संस्थागत सुदृढीकरण गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक तथा लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/०८१ |
| भवन निर्माण | गोटा | १८ | २ | २ | २ | ३ |
| मर्मत सुधार | गोटा | ७८ | ७८ | ७८ | ७८ | १५ |
| एकीकृत डाटावेस सफ्टवेयर | गोटा | ० | १ | ० | ० | ० |
| निर्वाचन कानुनको तर्जुमा | गोटा | ५८ | १५ | ५ | १० | १५ |
| मतदाता नामावली संकलन र दर्ता अद्यावधिक | जना लाख | २.७ | ५ | ६ | ७ | ७ |
| निर्वाचन शिक्षा विषयक प्रशिक्षण | जना | २४०० | ३५०० | १५०० | २००० | २००० |
| विभिन्न मोड्यूलमा ब्रिज कार्यशाला | जना | ३०० | ३०० | १५० | २०० | २५० |
| सामाजिक शिक्षा अध्ययन शिक्षक प्रशिक्षण | जिल्ला | १० | १० | ७ | १० | ११ |
| कर्मचारीको क्षमता विकास तालिम | जना | ७० | ५० | ८० | १२० | १२० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ५,४४० | ४,३९१ | १,०४९ | - | ५,४४० | - | - |
| २०७९/८० | ५,८०६ | ४,६५२ | १,१५४ | - | ५,८०६ | - | - |
| २०८०/८१ | ६,०८४ | ४,८१४ | १,२७० | - | ६,०८४ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत रु. लाख मा | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति | आगामी तीन बर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २१२००००१ | निर्वाचन आयोग | १ | नियमित कार्य | सालवसाली | | कार्यक्रम सम्पन्न भएको हुने | नियमित कार्य | | नियमित प्रशासनिक खर्च, जिल्लास्थित एफ एम, रेडियो तथा छापावाट सूचना तथा सन्देश प्रसारण, जिल्ला स्तरमा सामाजिक अध्ययन शिक्षक प्रशिक्षण, विद्यालयस्तरमा निर्वाचन शिक्षा कार्यक्रम निरन्तर मतदाता नामावली सङ्कलन तथा अद्यावधिक कार्यक्रम, कम्प्युटर सफ्टवेयर निर्माण तथा खरिद कार्यक्रम, निर्वाचन सम्बन्धी कानून तर्जुमा तथा संशोधन कार्यक्रम, अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा समीक्षा कार्यक्रम. |
| २१२००००११ | निर्वाचन आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | २ | नियमित कार्य | सालवसाली | | कार्यक्रम सम्पन्न भएको हुने | नियमित कार्य | आगामी आवधिक निर्वाचन सम्पन्न भएको हुने। | |
| २१२००००१२ | मतदाता नामावली अद्यावधिक संकलन परिचयपत्र समेत | २ | मतदाता नामावली संकलन तथा अद्यावधिक। | सालवसाली | | कार्यक्रम सम्पन्न भएको हुने | नियमित कार्य, हालसम्म मतदाताको संख्या: १ करोड ६२ लाख ४३ हजार ११० जना | मतदाता नामावली संकलन तथा अद्यावधिक भएको हुने। | |
| २१२९१०११ | निर्वाचन कार्यालयहरु (प्रशासनिक खर्च समेत) | ३ | नियमित कार्य | सालवसाली | | कार्यक्रम सम्पन्न भएको हुने | नियमित कार्य | आगामी आवधिक निर्वाचन सम्पन्न भएको हुने। | |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

मतदाता नामावली दर्ता, मतदान, मतगणना लगायतका निर्वाचन सम्बन्धी क्रियाकलापहरूमा प्रविधिको प्रयोग, सरोकारवालाहरुबाट निर्वाचन आचार संहिताको पूर्ण परिपालना एवम् आवश्यक पूर्वाधार निर्माण हुन नसकेमा लक्ष्य प्राप्त गर्न नसक्ने जोखिम देखिन्छ।

## ९.९ राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग

### १. पृष्ठभूमि

मानव अधिकारको संरक्षण, सम्वर्द्धन र सम्मानको लागि नेपालको संविधानको भाग २५ को धारा २४८ र २४९ मा राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग सम्बन्धी व्यवस्था रहेको छ। मानव अधिकार आयोग ऐन, २०५३ बमोजिम २०५७ जेठ १३ मा स्थापना भएको राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ बाट संवैधानिक हैसियत प्राप्त गरेको देखिन्छ। संविधानको मानव अधिकार सम्बन्धी धारा २४९ मा मानव अधिकारको सम्मान, संरक्षण, सम्वर्द्धन तथा त्यसको प्रभावकारी कार्यन्वयनलाई सुनिश्चित गर्नु राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगको कर्तव्य हुने उल्लेख छ। आयोगले संविधान र ऐनमा उल्लेखित कार्यदिशभित्र रही आफ्ना गतिविधिलाई नियमित गर्दै आएको छ। मानव अधिकारको संरक्षण र सम्वर्द्धनको लागि आयोगले सरकार, राज्यका अन्य अङ्गहरु तथा नागरिक समाजसँग सहकार्य गर्दै आएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

समाजमा अझै पनि भेदभाव, छुवाछुत, लैङ्गिक हिंसा जस्ता कुप्रथा कायम रहनु, आयोगका सिफारिस प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन नहुनु, आम नागरिकसम्म राजनीतिक सामाजिक एवम् मानव अधिकारको आधारभूत ज्ञान, मूल्य मान्यता र संस्कारको पद्धति स्थापित हुन नसक्नु जस्ता विषयहरू मानव अधिकारको प्रत्याभूतिका लागि प्रमुख समस्याको रुपमा रहेका छन्।

मानव अधिकार प्रतिको सचेतनामा अभिवृद्धी भएको भएता पनि सेवाग्राही नागरिक अधिकारका वाहक हुन् भने मानव अधिकार संस्कृतिको विकास गराउनु, प्रभावकारी रूपमा कानूनको पालना गर्नु गराउनु, पुरातन वा संरचनागत रुपमा रहेको रुढीवादी मानसिकता तथा सामाजिक विभेदलाई अन्त्य गर्नु र संविधान, कानून र अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिवद्धता अनुरुप दण्डहीनताको अन्त्य गर्नु प्रमुख चुनौतीको रुपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

समावेशी, मर्यादित, समतामूलक र स्वअनुशासित समाज निर्माण।

### ४. उद्देश्य

१. राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय प्रतिबद्धता अनुरूप मानव अधिकारको सम्मान, संरक्षण र संवर्द्धन गर्नु।

२. सीमान्तकृत, विपन्न, लैङ्गिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता भएका एवम् पिछडिएका क्षेत्र, वर्ग, र समुदायको अधिकार सुनिश्चित गर्नु।

३. मानव अधिकार प्रवर्द्धनको सदृढीकरण एवम् मानव अधिकारमैत्री शासन पद्धतिको विस्तार गर्नु।

### ५. रणनीति

१. मौलिक हक कार्यान्वयन गर्न निर्माण भएका कानुन प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने।

२. समाजमा विद्यमान सबै प्रकारका भेदभाव, छुवाछुत, हिंसा तथा कुप्रथाको अन्त्य गर्ने।

३. मानव अधिकार उल्लङ्घनको घटनामा दण्डहीनताको अन्त्य गरी पीडितलाई क्षतिपूर्तिको सुनिश्चितता गर्ने।

४. मानव अधिकार संस्कृतिको विकास गरी मानव अधिकार सम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय महासन्धि तथा प्रतिबद्धताबाट सिर्जित दायित्व कार्यान्वयन गर्ने।

५. तीन तहका सरकारबाट सम्पन्न गरिने योजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्दा मानव अधिकारमुखी पद्धति अपनाउने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| मानव अधिकार उल्लंघनका घटना, उजुरी अनुसन्धान | वटा | ७९५ उजूरीको अनुसन्धान | ५०० उजूरी अनुसन्धान | ९०० | १००० | ११०० |
| मानव अधिकार अवस्था अनुगमन | पटक | १२८ पटक अनुगमन | १२० पटक अनुगमन | २०० | २५० | ३०० |
| मानव अधिकार प्रवर्धन | वटा | २५० कार्यक्रम | १५० | ३०० | ३२५ | ३५० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | २,५३६ | २,५०२ | ३४ | - | २,५३६ | - | - |
| २०७९/८० | २,७०९ | २,६७२ | ३७ | - | २,७०९ | - | - |
| २०८०/८१ | २,८०६ | २,७६५ | ४१ | - | २,८०६ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लगत (रु) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २१४००००१ | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग | | मानव अधिकारको सम्मान, संरक्षण र संवर्द्धन तथा त्यसको प्रभावकारी कार्यान्वयनको सुनिश्चितता | सालबसाली | | मानव अधिकार उल्लंघनका उजुरी अनुसन्धानमा वृद्धि, मानव अधिकारका विषयमा स्थानीय स्तरसम्म जनचेतनामा वृद्धि | मानव अधिकार संरक्षण, अनुगमन, संवर्धन तथा प्रवर्धन तथा सिफारिश कार्यान्वयनमा वृद्धि | मानव अधिकार उल्लंघनका घटनाको आयोगबाट गरिएको सिफारिस कार्यान्वयनमा वृद्धि। | मानव अधिकार संरक्षण संवर्धन तथा प्रवर्धन सम्बन्धी क्रियाकलापहरु जस्तै मानव अधिकार उल्लंघनका उजरी अनुसन्धान, अनुगमत तथा अन्य प्रवर्धनात्मक कार्यक्रमहरू |
| २१४०००११ | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | | | | | | | | |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

आयोगमा पर्याप्त भौतिक तथा मानव स्रोत साधनको कमी रहनु, उजुरीहरूको सिफारिस कार्यान्वयन नहुनु, मानव अधिकारसम्बन्धी सूचना, ज्ञान र जानकारी आम नागरिक र सबै निकायका अधिकारीसम्म पुग्न नसक्नु, मानव अधिकारको विषयमा सरकार, राजनीतिक दल तथा कानून कार्यान्वयन गर्ने निकायको कम ध्यान जानु जस्ता विषयले मानव अधिकारको संरक्षण गर्ने कार्यमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहन सक्छ। यसैगरी कोभिड १९ को महामारीको अवस्था कायम रहेमा स्वीकृत कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्न कठीन हुन जाने देखिन्छ।

## ९.१० राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग

### १. पृष्ठभूमि

सङ्घीय शासन प्रणालीमा तीन तहका सरकारबीच गरिएको राज्यशक्तिको बाँडफाँटलाई वास्तविक अर्थमा कार्यान्वयन गर्नका लागि देशमा उपलब्ध प्राकृतिक एवम् वित्तीय स्रोतहरूको न्यायोचित वितरण सुनिश्चित गर्न नेपालको संविधानको भाग-२६, धारा २५० मा राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोगको व्यवस्था गरिएको छ । मूलतः यस आयोगले संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका सरकारहरूबीच हुने राजस्वको बाँडफाँट, वित्तीय समानीकरण अनुदान, सशर्त अनुदान तथा आन्तरिक ऋण र प्राकृतिक स्रोतको रोयल्टी बाँटफाँटका सम्बन्धमा सिफारीस गर्ने कार्य गर्दछ। त्यस्तै, नेपाल सरकार, प्रदेश र स्थानीय तहले राजस्व असुलीमा गर्नुपर्ने सुधारका सम्बन्धमा सुझाव दिने, प्राकृतिक स्रोतको परिचालनका तीन तहका सरकारले गर्ने लगानीको हिस्सा निर्धारण गरी सिफारिस गर्ने, प्राकृतिक स्रोत परिचालनमा सरकारहरूबीच हुन सक्ने सम्भावित विवाद निरुपणमा भूमिका निर्वाह गर्ने तथा प्राकृतिक स्रोत परिचालन र बाँडफाँटबाट वातावरणमा पर्ने असरका सम्बन्धमा अध्ययन अनुसन्धान गरी नेपाल सरकारलाई सिफारिस गर्ने आयोगको संवैधानिक जिम्मेवारी रहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

अन्तर-सरकारी वित्त व्यवस्थापन तथा प्राकृतिक स्रोतको परिचालनमा प्रदेश र स्थानीय तहसम्मको खण्डीकृत तथ्याङ्क नहुनु, प्रदेश र स्थानीय तहमा वित्त व्यवस्थापनसम्बन्धी क्षमता कमजोर रहनु, प्रदेश र स्थानीय तहको खर्चको आवश्यकता पहिचान गर्न तिनले गर्नुपर्ने कार्यहरूको सर्वस्वीकार्य लागत विश्लेषण नहुनु, प्रदेश र स्थानीय तहलाई राजस्व अधिकार भए तापनि तिनको वास्तविक राजस्व क्षमता पहिचान नहुनु, प्राकृतिक स्रोत परिचालन र यसको प्रतिफलको बाँडफाँटमा सरकारका तह र स्थानीय समुदायलाई बाँडफाँट गर्नका लागि एकीकृत संघीय कानूनको अभाव रहनु जस्ता प्रमुख समस्याहरू रहेका छन्।

तीनै तहले संविधानप्रदत्त कार्य जिम्मेवारी पूरा गर्न आवश्यक स्रोतको पहिचान गरी व्यवस्थापन गर्ने, प्रदेश र स्थानीय तहको तथ्याङ्कलाई विश्वसनीय र भरपर्दो बनाउने, प्रदेश र स्थानीय तहको खर्चको आवश्यकता पूर्ति गर्नका लागि विभिन्न प्रकारका वित्तीय हस्तान्तरणको उपयोग तत् तत् प्रयोजनका लागि हुने सुनिश्चित गर्ने, प्रदेश र स्थानीय तहमा खर्च र स्रोतको उपयोगसम्बन्धी क्षमता विकास गर्ने, देशमा उपलब्ध प्राकृतिक स्रोत साधनको संरक्षण, संवर्द्धन र दीगो प्रयोग गर्ने र यसबाट प्राप्त प्रतिफलको न्यायोचित वितरण गर्ने संवैधानिक नीतिअनुरूप क्षेत्रगत कानूनहरूलाई परिमार्जन गरी एकरुपता ल्याउने, वृहत् सार्वजनिक हित प्रवर्द्धन गर्दै प्राकृतिक स्रोत परिचालन गर्ने सन्दर्भमा सरकारका तहहरू तथा सरोकारवालहरू बीच विवाद हुन नदिने लगायतका मुख्य चुनौतीहरू रहेका छन्।

### ३. सोच

वित्तीय सङ्घीयता मार्फत् समृद्ध र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्र निर्माण।

### ४. उद्देश्य

१. संघ, प्रदेश र स्थानीय तहलाई खर्चको आवश्यकता सम्बोधन हुनेगरी न्यायोचित, सन्तुलित र परिपूरक रूपमा स्रोत उपलब्ध गराउनु।

२. तीन तहको वित्तीय आधार (Fiscal Space) वृद्धि गर्नु।

### ५. रणनीति

१. तीन तहका एकल तथा साझा कार्य जिम्मेवारीहरू सामञ्जस्यपूर्ण ढङ्गबाट पूरा गर्न स्रोत व्यवस्थापन गर्ने।

२. अन्तर सरकारी वित्त हस्तान्तरणलाई पारदर्शी, अनुमानयोग्य र न्यायोचित बनाउने।

३. सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहमा सार्वजनिक वित्त व्यस्थापनसम्बन्धी क्षमता विकास गर्ने।

४. सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहमा वित्तीय सुशासन कायम गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| नेपाल सरकारलाई वित्तीय हस्तान्तरण (राजस्व बाँडफाँट, वित्तीय समानीकरण अनुदान, सशर्त अनुदान, आन्तरिक ऋण, प्राकृतिक स्रोतको रोयल्टी बाँडफाँट) सिफारिस | पटक | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| प्रदेश सरकारलाई वित्तीय हस्तान्तरण (राजस्व बाँडफाँट, वित्तीय समानीकरण अनुदान, सशर्त अनुदान, आन्तरिक ऋण, सवारी साधन कर बाँडफाँट) सिफारिस | पटक | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| अध्ययन तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रम | वटा | ३ | ९ | २० | २० | २० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ८२९ | ७९३ | ३६ | - | ८२९ | - | - |
| २०७९/८० | ९१३ | ८७३ | ४० | - | ९१३ | - | - |
| २०८०/८१ | ९४७ | ९०३ | ४४ | - | ९४७ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू.) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व .२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २२०००००१ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | १,२ | संवैधानिक कार्य जिम्मेवारी पूरा गर्ने, | सालबसाली | | | | तीन तहका सरकारलाई आवश्यक सिफारिस भएको हुने | |
| २२०००००११ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | १,२ | स्वीकृत कार्यक्रम बमोजिम अध्ययन/अनुसन्धान र परामर्श गरी नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र स्थानीय तहलाई राजस्व बाँडफाँट, अन्तर-सरकारी वित्त हस्तान्तरण, प्राकृतिक स्रोत परिचालन सम्बन्धी सिफारिस गर्ने, | सालबसाली | | वित्तीय संघीयताको विषयमा प्रदेश तथा स्थानीय तहहरुको क्षमता विकास भएको हुने। | संघ प्रदेश र स्थानीय राजस्व बाँडफाँट, अन्तर-सरकारी वित्त हस्तान्तरण, प्राकृतिक स्रोत परिचालन सम्बन्धी सिफारिस गर्ने, | अध्ययन अनुसन्धान तथा परामर्श भएको हुने | अध्ययन, अनुसन्धान, प्रदेश तथा स्थानीय तहमा गोष्ठी, छलफल तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रम |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोगका सिफारिससम्बन्धी कार्यहरू राष्ट्रिय, प्रदेश तथा स्थानीय तहको तथ्याङ्कमा भरपर्ने हुनाले तथ्याङ्कको भरपर्दो स्रोत अपरिहार्य छ। समयमै, सही र खण्डीकृत तथ्याङ्क प्राप्त नहुने र त्यसबाट समानीकरण अनुदान तथा राजस्व बाँडफाँटको सूचकहरुको सूत्र प्रभावित हुने जोखिम हुनेछ। आयोगले गर्ने सिफारिसको आधारको रूपमा रहेको विषयगत अध्ययन-अनुसन्धानको लागि ठूलो वित्तीय स्रोत आवश्यक हुने तर सालबसाली रुपमा प्राप्त हुने सीमित रकमबाट वृहद् अध्ययन-अनुसन्धान गर्न सम्भव नहुने हुँदा यसको नतिजाको प्रयोग जोखिमयुक्त हुने देखिन्छ। त्यसैगरी प्राकृतिक स्रोतको अवस्थिति, परिचालनको विद्यमान अवस्था र प्राकृतिक स्रोतमाथिको स्थानीय निर्भरतालाई यथार्थ रुपमा पहिचान गर्न नसकिएमा त्यसबाट विवाद हुने सम्भावना रहन्छ। प्राकृतिक स्रोतबाट प्राप्त रोयल्टी बाँडफाँटमा लाभग्राही स्थानीय तहको पहिचानमा समेत गहिरो अध्ययन र विश्लेषणको आवश्यकता छ।

## ९.११ राष्ट्रिय महिला आयोग

### १. पृष्ठभूमि

महिलाको हकहित संरक्षण तथा संवर्धन गर्न र महिलाहरुलाई विकासको मूलप्रवाहमा समाहित गर्न तत्कालीन मन्त्रिपरिषदको निर्णयानुसार वि.सं. २०५८ मा राष्ट्रिय महिला आयोगको स्थापना भएको हो। २०७२ सालको नेपालको संविधानले महिला आयोगलाई संवैधानिक हैसियत प्रदान गरे पश्चात तीन महिना पूर्व मात्र पदाधिकारी नियुक्ति भएको अवस्था छ। नेपालको संविधानले लैङ्गिक समानता तथा महिला सशक्तीकरण सम्बन्धी कार्यक्रमको अनुगमन गर्ने, महिला हिंसा लगायतका महिला सम्बन्धी मुद्दाहरुको बारेमा सरकारलाई राय सुझाव दिने, सोसँग सम्बन्धित कानूनी व्यवस्थाको अध्ययन अनुसन्धान गरी भविष्यमा गर्नुपर्ने सुधारका सम्बन्धमा सम्बन्धित निकायलाई सिफारिस गर्ने, महिलाको हकहित सँग सम्बन्धित कानून वा नेपाल पक्ष भएको अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि वा सम्झौता अन्तर्गतका दायित्व कार्यान्वयन भए नभएको विषयमा अनुगमन गरी त्यसको प्रभावकारी कार्यान्वयनको उपाय सहित नेपाल सरकारलाई सुझाव दिने गरी यस आयोगको काम कर्तव्य निर्धारण गरेको छ। संविधानले अङ्गीकार गरे अनुसार महिलालाई विना भेदभाव सम्पूर्ण अधिकारको प्रत्याभूति सहित सारभूत लैङ्गिक समानताका लागि ठोस पहलहरु गर्न आवश्यक छ। समृद्ध नेपाल, सुखी नेपालीको राष्ट्रिय आकांक्षा हासिल गर्न आम महिलाहरुको समान सहभागिता, सिर्जनशील योगदान र अग्रपङ्क्तीय नेतृत्व अपरिहार्य छ। वर्तमान संघीय शासन प्रणालीमा महिला अधिकारका समस्त विषयहरुको सम्बोधनका लागि तीनै तहका सरकारबीच सहकार्य, समन्वय र अन्तरसम्बन्ध स्थापित गरी एकीकृत रुपमा प्रचार गर्न अत्यन्त जरुरी छ। सो सन्दर्भमा आयोगले लैङ्गिक समानता तथा महिला सशक्तीकरणका विषयमा नेपाल पक्ष भएको अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि/सम्झौताको कार्यान्वयन अवस्थाको अनुगमनका साथै महिला हिंसा सम्बन्धी उजुरीको लागि चौबीसै घण्टा फोन गर्न मिल्ने ११४५ हेल्पलाइन सेवा, जनचेतनामूलक कार्यक्रम तथा समसामयिक विषयमा अध्ययन-अनुसन्धान तथा सिफारिसका कार्यक्रम संचालन गर्दै आएको छ। नेपालको संविधान एवं राष्ट्रिय महिला आयोग ऐन, २०७४ ले आयोगलाई तोकेको जिम्मेवारी तथा दिगो विकासका लक्ष्य र पन्ध्रौं योजनामा तोकिएका लक्ष्य अनुसार नै आगामी दिनका कार्यक्रमहरु प्रस्ताव गरिएका छन्।

### २. समस्या तथा चुनौती

समाजमा रहेको लैङ्गिक विभेदका कारण स्रोत र साधनमाथि महिलाको पहुँच पुग्न नसक्नु, महिलाको आर्थिक परनिर्भरताको कारण घरेलु हिंसा तथा महिला हिंसामा बढोत्तरी हुनु र महिलालाई हेर्ने सामाजिक दृष्टिकोणमा परिवर्तन हुन नसक्नुका कारणले महिला सशक्तीकरणमा उल्लेख्य नतिजा हासिल हुन सकेको छैन। नेपाल सरकारले महिलाको हक अधिकार संरक्षण र विभेद निर्मूलीकरण सम्बन्धमा जनाएका अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिबद्धता तथा नेपालको संविधान तथा विद्यमान ऐन, कानूनको प्रभावकारी कार्यान्वयन हुन नसक्नु, संविधानमा संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको एकल तथा साझा अधिकार सूचीमा लैङ्गिक समानता र महिला सशक्तीकरणको विषय समावेश नै नहुनु, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ मा वडाका कार्यहरुमा मात्र महिला तथा बालबालिकासम्बन्धी जिम्मेवारी सीमित हुनु, लैङ्गिक समानता र महिला सशक्तीकरण विशेष कार्यक्रमका लागि अर्थ मन्त्रालयबाट आवश्यक सशर्त अनुदानको बजेट व्यवस्था नहुनु, स्थानीय तहको साङ्गठनिक संरचनामा लैङ्गिक समानता तथा महिला सशक्तीकरण शाखाको छुट्टै व्यवस्था नहुनु, उत्पीडित, दलित तथा विभिन्न प्रकारका विभेदको मारमा परेका अति विपन्न महिलाका लागि विशेषतः लक्षित कार्यक्रम चाहिन्छ भन्ने स्थानीय तहमा बोध हुन नसक्नु मुख्य समस्याका रुपमा रहेका छन्। अपर्याप्त बजेट, आफ्नै भौतिक संरचनाको अभाव, आयोगको प्रादेशिक तथा जिल्ला तहमा सम्पर्क कार्यालयको अभाव र कानूनमा लेखिएका महिलाको अधिकारहरु कार्यान्वयनमा रहेका समस्याबारे पर्याप्त अध्ययन अनुसन्धान नहुनु तथा केन्द्रदेखि समुदाय तहसम्मको लैङ्गिक खण्डीकृत तथ्याङ्क तथा सूचना प्रणाली स्थापना नहुनुजस्ता विषयहरु प्रमुख चुनौतीका रुपमा रहेका छन्।

## ३. सोच

लैङ्गिक समानतामूलक राष्ट्रको निर्माण।

## ४. उद्देश्य

१. लैङ्गिक उत्तरदायी शासन व्यवस्थालाई संस्थागत गर्दै महिलाको सम्मानित जीवनयापनको वातावरण सुनिश्चित गर्नु।
२. महिला विरुद्ध हुने सबै प्रकारका भेदभाव, हिंसा र शोषणको अन्त्य गर्नु।
३. आर्थिक समृद्धि र दिगो विकासका लागि महिलाको समान अग्रसरता र नेतृत्वदायी भूमिका स्थापित गर्दै स्रोत, साधन, अवसर तथा लाभमा महिलाको पहुँच सुनिश्चित गर्नु।

## ५. रणनीति

१. राज्यका सबै तह र क्षेत्रले लैङ्गिक समानता सम्बन्धी क्षेत्रगत नीति, कानून तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने।
२. राज्यका सबै तहको सरकार, क्षेत्र तथा निकायहरुमा लैङ्गिक उत्तरदायी शासन पद्धति अवलम्बन गर्ने।
३. राज्यका सबै तहको सरकारमा लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट विनियोजन पद्धतिलाई संस्थागत गर्ने।
४. लैङ्गिक समानता तथा सशक्तीकरण मापन गर्ने तथ्याङ्क प्रणालीको विकास गर्ने।
५. आर्थिक रूपले विपन्न र सामाजिक रुपले पछाडि परेका महिलालाई विशेष प्राथमिकता दिँदै आर्थिक सशक्तीकरण र सामाजिक रुपान्तरण गर्ने।
६. महिला विरुद्ध हुने सबै प्रकारका हिंसा, शोषण र भेदभाव अन्त्यका लागि निरोधात्मक, संरक्षणात्मक उपायद्वारा न्यायमा पहुँच अभिवृद्धि गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत सूचक तथा लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| लैङ्गिक समानता महिला सशक्तीकरण र महिला अधिकारको बारेमा सचेतना अभिवृद्धि | संख्या | १० | ८ | १२ | १४ | १६ |
| सम्बन्धित सेवा प्रदायक निकायको अनुगमन | संख्या | १० | १० | १६ | १७ | १८ |
| महिला अधिकार कार्यान्वयनको अवस्था वारे अध्ययन, अनुसन्धान र सिफारिस | संख्या | ३ | ४ | २ | ४ | ५ |
| घरेलु हिंसा तथा महिला हिंसाका उजुरी फरछ्यौट, सिफारिस | संख्या | ११०९ | १२०० | ११०० | १००० | ९०० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | १,०१३ | ९८६ | २७ | - | १,०१३ | - | - |
| २०७९/८० | १,१३५ | १,१०५ | ३० | - | १,१३५ | - | - |
| २०८०/८१ | १,१७७ | १,१४४ | ३३ | - | १,१७७ | - | - |

## ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व .२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २२२००००१ | राष्ट्रिय महिला आयोग | | | सालवसाली | | | | | |
| २२२०००११ | राष्ट्रिय महिला आयोग | ६ | उपलब्ध स्रोत साधनहरूमा महिलाको पहुँच, उनीहरूको हक, हितको संरक्षण र सम्वर्द्धन तथा सशक्तिकरण गर्नु,<br>लैंगिक समानता, महिला सशक्तीकरण तथा महिलासंग सम्बन्धित कानुनी व्यवस्थाको अध्ययन, अनुसन्धान र | सालवसाली | | आम नागरिकमा महिला हकहित तथा हिंसा नियन्त्रणका विषयमा सचेतना वृद्धि भएको हुनेछ,<br>CEDAW को सुझाव कार्यान्वयन भएको हुनेछ,<br>CEDAW र बेइजिङ्ग प्लेटफर्मको प्रतिवेदन पठाइएको हुनेछ, | घरेलु हिंसा तथा महिला हिंसाजन्य करिब ११०० वटा उजुरीहरुको सिफारिस तथा कार्यान्वयन,<br>सिड समितिको निष्कर्ष सुझावको कार्यान्वयन सम्बन्धमा अध्ययन,<br>महिलाको न्यायमा पहुच सम्बन्धमा सरोकारवाला निकाय न्यायिक निकाय र सेवाग्राहिहरु सँग अन्तरक्रिया कार्यक्रम,<br>महिला माथि हुने हिंसा निवारणको सम्बन्धमा शिक्षक, विद्यार्थी र विद्यालय | सचेतना अभिवृद्धि<br>प्रतिवेदन<br>नीति तथा कानुनहरुमा सुधार<br>प्रदेशस्तरमा आयोगको कार्यालय विस्तार<br>११४५ हेल्पलाइन सेवाको | आश्रयस्थल,ओसिएमसि, महिला तथा वालवालिका सेवा केन्द्र लगायतको अनुगमन र प्रतिवेदन तथा सिफारिस,<br>महिला अधिकार र महिला हिंसा विरुद्धका सूचना मुलक कार्यक्रमहरु उत्पादन तथा प्रसारण,<br>अन्तरकृया, सचेतना कार्यक्रम, गोष्ठी, तथा महिला सशक्तीकरण,<br>योगमाया महिला जागरण |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व .२०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | सिफारिस गर्नु, | | | नीति तथा कानुनहरुमा भएका महिला हिंसा सम्बन्धी कमी कमजोरीहरुको पहिचान भई कानूनमा सुधार आएको हुनेछ,<br><br>प्रदेशस्तरमा आयोगको कार्यालय विस्तार भएको हुनेछ,<br><br>११४५ हेल्पलाइन सेवाको विस्तार भएको हुनेछ। | व्यवस्थापनका पदाधिकारीसँग विद्यालय स्तरमा अभिमुखिकरण कार्यक्रम<br><br>समाजमा विद्यमान रहेका हानिकारक अभ्यासहरू (बालविवाह, बहुविवाह, दाइजोप्रथा, बोक्सीको आरोप लगायतका प्रथाहरु)सम्बन्धमा अन्तरक्रिया कार्यक्रम | विस्तार | कार्यक्रम,<br><br>अध्ययन, अनुसन्धान र सिफारिस |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुगमन

कोभिड-१९ का कारण यस आर्थिक वर्षमा समेत कतिपय स्वीकृत कार्यक्रमहरु सम्पन्न हुन नसकेकोमा आगामी आर्थिक वर्षमा समेत यसको असर पूर्वानुमान गर्न नसकिने अवस्था रहेको छ। ११४५ हेल्पलाइन सेवालाई देशैभरि विस्तार गर्नु र यसको गुणस्तर तथा प्रभावकारिता वृद्धि गर्नु चुनौतीपूर्ण रहेको छ।

## ९.१२ राष्ट्रिय दलित आयोग

### १. पृष्ठभूमि

राष्ट्रिय दलित आयोग नेपालको संविधानको धारा २५५ बमोजिम गठन गरिएको एक संवैधानिक आयोग हो । यस आयोगमा एक अध्यक्ष र अन्य चार जना सदस्य रहने व्यवस्था छ । दलित समुदायको समग्र स्थितिको अध्ययन तथा अन्वेषण गरी तत् सम्बन्धमा गर्नुपर्ने नीतिगत, कानुनी र संस्थागत सुधारका विषय पहिचान गरी नेपाल सरकारलाई सिफारिश गर्न र जातीय छुवाछुत तथा विभेदको अन्त्य गर्न नीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरी, दलित हितसँग सम्बन्धित कानुन कार्यान्वयन भए नभएको अनुगमन गर्ने, अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि सम्झौतामा नेपालले पठाउने प्रतिवेदन सम्बन्धमा दलितको हक प्रयोग गर्न नदिएको वा वञ्चित गरेको विषयमा मुद्दा दायर गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिएमा सम्बन्धित निकाय समक्ष वा नेपाल सरकार समक्ष राय सुझाव वा सिफारिस गर्ने उद्देश्यले यस आयोगको स्थापना भएको हो ।

### २. समस्या तथा चुनौती

दलित समुदाय र समाजका अन्य वर्गका बीच सामाजिक क्षेत्रमा ठूलो अन्तर रहनु, राज्यको स्रोत, साधन, अवसर र लाभमा त्यस्ता वर्ग, समुदाय एवम् क्षेत्रको न्यायोचित पहुँच नहुनु, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचनामा उचित प्रतिनिधित्व नहुनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याको रूपमा रहेका छन् । विभिन्न वर्ग र क्षेत्रका समुदाय र दलित समुदाय वीच आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षिक क्षेत्रलाई समान स्तरमा पुर्याउनु, राज्यको स्रोत, साधन, अवसर र लाभमा दलित समुदायको न्यायोचित पहुँच स्थापित गर्न, दलित समुदाय भित्रको नकरात्मक सामाजिक मूल्य मान्यता र लैङ्गिक हिसांको अन्त्य गर्नु यस आयोगका प्रमुख चुनौतीहरु हुन् ।

### ३. सोच

सुखी, समृद्ध र गुणस्तरीय जीवन भएका दलित वर्गका जनताको विकास।

### ४. उद्देश्य

१. दलित समुदायको हक, हितको संरक्षण र सम्वर्द्धन तथा सशक्तिकरण गर्नु ।
२. विभेद तथा छुवाछुत अन्त गरी राष्ट्र निर्माण तथा मूलप्रवाहीकरण गर्नु।
३. दलित समुदायको आर्थिक सामाजिक र भौतिक विकास गर्नु।
४. दलित समुदायबाट निरक्षरता उन्मूलन गर्नु।
५. दलित समुदायको पेशा र सीपको संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्नु।
६. लैङ्गिक विभेद तथा हिंसाको अन्त्य गर्नु ।

### ५. रणनीति

१. मुलुकमा उपलब्ध स्रोत साधनहरुमा दलित समुदायको समानुपातिक पहुँच बढाउने ।
२. दलित समुदायको हक, हितको संरक्षण र सम्वर्द्धन तथा सशक्तिकरण गर्ने।
३. राज्यका तीनै तहमा हुने निर्णय प्रक्रिया तथा यसका प्रशासनिक संरचनामा सकारात्मक विभेद र आरक्षणको माध्यमबाट दलित समुदायको सहभागिता सुनिश्चित गर्ने ।

४. दलित समुदायको क्षमता विकास लागि सीप विकास सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गरी मुलुकमा उपलब्ध रोजगारी अवसर उपयोग गर्न सक्ने सक्षम जनशक्तिको विकास गर्ने।

५. दलित समुदायमा शिक्षाको विस्तार र संस्कृतिको संरक्षण एवंम संम्बर्द्धन गर्ने ।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| वार्षिक प्रतिवेदन | वटा | १ | १ | १ | १ | १ |
| सफ्टवेयर निर्माण | वटा | - | १ | १ | - | - |
| अध्ययन अनुसन्धान | वटा | २ | २ | १० | १० | १० |
| अन्तर्क्रिया कार्यक्रम | पटक | १ | २ | २५ | २५ | २५ |
| प्रचारप्रसार | पटक | - | - | १० | १० | १० |
| अनुगमन | पटक | ४ | ४ | २५ | २५ | २५ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ३२४ | ३१४ | १० | – | ३२४ | – | – |
| २०७९/८० | ३४५ | ३३४ | ११ | – | ३४५ | – | – |
| २०८०/८१ | ३५८ | ३४६ | १२ | – | ३५८ | – | – |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २२४००००१ | दलित आयोग | | | | | | | | |
| २२४०००११ | दलित आयोग | | क्षमता विकास गर्ने, अन्तरक्रिया कार्यक्रम गर्ने, अध्ययन अनुसन्धान गर्ने, अनुगमन तथा मूल्याकन गर्ने । | सालवसाली | | क्षमता विकास, अन्तरक्रिया कार्यक्रम, अध्ययन अनुसन्धान र अनुगमन तथा मूल्याकन | वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित भएको, सफ्टवेयर निर्माण गर्ने कार्य शुरु भएको, २ वटा अध्ययन भैरहेको, २ वटा सचेतनामूलक गोष्ठी भएको । | वार्षिक प्रतिवेदन छपाई, सचेतना कार्यक्रम, क्षमता विकास, अनुगमन | आयोगको दीर्घकालीन सोच लक्ष्य उद्देश्य नीति तथा रणनीति निर्माण<br>जिल्ला/स्थानीय तह स्तरीय कार्यक्रम, ५ पटक<br>सरोकारवालासँग अन्तर्क्रिया कार्यक्रम, ४ पटक<br>दलित अधिकार सम्बन्धी ऐन नियम प्रचारप्रसार तथा सचेनामूलक कार्यक्रम, ६ वटा<br>लोक सेवा तयारी कक्षा संचालन<br>जातीय पहिचान सम्बन्धी अध्ययन, १० वटा<br>आचारसंहिता कार्यविधिको मस्यौदा निर्माण<br>दलित समुदायको समानुपातिक समावेशिताको अध्ययन<br>छुवाछुत घटनाको स्थलगत अध्ययन, |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | ६ पटक<br>दलित अधिकार सम्बन्धी प्रवर्द्धनात्मक सामाग्री निर्माण<br>स्थानीय तहका दलित जनप्रतिनिधिहरुको क्षमता विकास कार्यक्रम<br>दलित अधिकार सम्बन्धी सचेतनामूलक डकुमेन्ट्री निर्माण<br>जातीय छुवाछुतविरुद्ध साहित्यिक रचना तथा कलाकारिता क्षेत्रका स्रष्टा सम्मान<br>जातीय छुवाछुतविरुद्ध सांगितिक अभियान<br>दलित र गैरदलितबीच अन्तरजातीय विवाह गरी विस्थापनमा परेका जोडीलाई पुनस्थापनामा सहयोग |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

कोभिड-१९, स्रोत साधनको कमी र पुरातनवादी सोचले दलित समुदायहरुमा महिला लक्षित आर्थिक सामाजिक क्षेत्रका सुधारका कार्यक्रम सञ्चालन गर्दा केही विरोधका आवाज आउन सक्ने जोखिम रहेको अनुमान छ ।

## ९.१३ राष्ट्रिय समावेशी आयोग

### १. पृष्ठभूमि

नेपाल युगौंदेखि विभिन्न सम्प्रदाय, संस्कृति, जातजाती, भाषाभाषी र समुदायको समिश्रणको रुपमा रहिआएको छ। भौगोलिक वनावटका हिसावले पनि हिमाल, पहाड, तराई मधेश सम्मिलित साँच्चिकै सुन्दर र अनुपम छ। प्राचीन सभ्यता र संस्कृतिको धनी यस मुलुकको स्वरुप र चरित्र नै समावेशी किसिमको छ। त्यसैले यस मुलुकमा वसोवास गर्ने खस आर्य, पिछडावर्ग, आदिवासी जनजाती, दलित, अपाङ्ग, असहाय, महिला, मधेसी, अल्पसंख्यक पिछडिएको वर्ग र क्षेत्र लगायत सवै जाति, वर्ग र क्षेत्र एवं आर्थिक रुपमा विपन्न र सीमान्तीकृत समुदायको राष्ट्रिय जनजीवनमा समानुपातिक समावेशीकरण अपरिहार्य शर्त हो। यसै वास्तविकतालाई आत्मसात गर्दै नेपालको संविधानको प्रस्तावनामा नै "बहुजातीय, बहुभाषिक, बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक तथा भौगोलिक विविधतायुक्त विशेषतालाई आत्मसात् गरी विविधता बीचको एकता, सामाजिक सांस्कृतिक ऐक्यबद्धता, सहिष्णुता र सद्भावलाई संरक्षण एवं प्रवर्धन गर्दै; वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय, भाषिक, धार्मिक, लैंगिक विभेद र सबै प्रकारका जातीय छुवाछूतको अन्त्य गरी आर्थिक समानता, समृद्धि र सामाजिक न्याय सुनिश्चित गर्न समानुपातिक समावेशी र सहभागितामूलक सिद्धान्तका आधारमा समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने" उदघोष गरिएको छ। यो नै समानुपातिक समावेशी राज्य व्यवस्थाको मूल आधार हो। संविधानले विशेषत नेपालका विविध जात जाति र भौगोलिक क्षेत्रको पहिचान स्थापित गरी न्यायोचित र समतामूलक समावेशी विकासको माध्यमबाट विद्यमान आर्थिक, सामाजिक र राजनीतिक विभेदहरूको अन्त्य गर्ने उद्देश्य राखेको हो। महिला, दलित, आदिवासी जनजाती, थारु, दलित, मधेसी र मुश्लिम समुदायहरुको हक अधिकारको संरक्षणको लागि छुट्टाछुट्टै संवैधानिक आयोगको व्यवस्था गरेपछि खस आर्य, पिछडावर्ग, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, ज्येष्ठ नागरिक, श्रमिक, किसान, अल्प संख्यक एवं सीमान्तीकृत समुदाय तथा पिछडिएको वर्ग र कर्णाली एवं आर्थिक रुपले विपन्न लगायतका समुदायको हक अधिकारको संरक्षणको लागि छुट्टै संवैधानिक आयोगको रुपमा राष्ट्रिय समावेशी आयोगको व्यवस्था नेपालको संविधानको भाग २७ को धारा २५८ मा गरिएको हो।

### २. समस्या तथा चुनौती

आयोगमा हालसम्म पदाधिकारीहरु पूर्ण रुपमा नियुक्ति नभएको, विभिन्न आयोगहरुको अधिकार क्षेत्रमा दोहोरोपना साथै लक्षित वर्गहरु परिभाषित हुन बाँकी, कमजोर भौतिक संरचना, पर्याप्त जनशक्ति र आर्थिक स्रोतको अभाव मुख्य समस्याको रुपमा देखा परेका छन्। यस आयोगको कार्यक्षेत्र भित्र पर्ने लक्षित वर्गको खण्डित तथ्यांकको अभाव हुनु, वित्तीय स्रोतको लागि सरकारसँग निर्भर रहनु, राजनीतिक वादहरुमा विभाजित लक्षित वर्ग र जातीय संगठनहरु रहनु साथै संविधानका प्रावधान बमोजिम संघीय कानून नबनेको अवस्था रहनु जस्ता चुनौती छन्।

### ३. सोच

नेपालको शासन व्यवस्था र राज्य प्रणालीमा समानुपातिक सिद्धान्तलाई अत्मसात गर्दै समावेशी राज्य निर्माण।

### ४. उद्देश्य

१. लक्षित वर्ग पहिचान गरी सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक रुपले कमजोर र विपन्न वर्गको सशक्तिकरण तथा विशेष संरक्षणको माध्यमबाट पहुँच स्थापित गर्न कानूनी सक्षमता विकास गर्नु।

२. लक्षित वर्ग तथा समुदायको समानुपातिक प्रतिनिधित्व, जातीय, वर्गीय तथा क्षेत्रीय पहिचान र शसक्तीकरणको माध्यमबाट राज्य प्रणालीमा पहँच एवम् सहभागिता सुनिश्चित गर्न राष्ट्रिय समावेशी आयोगको सुदृढीकरण गर्नु।

## ५. रणनीति

१. खस आर्य, पिछडा वर्ग, अपांगता भएका व्यक्ति, ज्येष्ठ नागरिक, श्रमिक, किसान, अल्पसंख्यक एवं सिमान्तीकृत समुदाय तथा पिछडिएको वर्ग र कर्णाली तथा आर्थिक रूपले विपन्न वर्ग लगायतका समुदायको हक अधिकारको संरक्षणका लागि अध्ययन तथा अनुसन्धान गर्ने।

२. नयाँ नीति तथा कानून निर्माण र पुनरावलोकन गर्न सरकारलाई सिफारिस गर्ने।

३. लक्षित वर्गको सशक्तीकरण गर्ने।

४. लक्षित वर्गको थर सूचिकृत गरी पहिचान गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| भवन मर्मत सुधार | वटा | १ | - | १ | - | - |
| अध्ययन अनुसन्धान | वटा | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ |
| अन्तर्क्रिया कार्यक्रम | वटा / प्रदेश | ४ | ४ | ७ | ७ | ७ |
| अनुगमन | वटा / प्रदेश | ४ | ४ | ७ | ७ | ७ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ३०४ | २९२ | १२ | – | ३०४ | – | – |
| २०७९/८० | ३१९ | ३०६ | १३ | – | ३१९ | – | – |
| २०८०/८१ | ३३० | ३१६ | १४ | – | ३३० | – | – |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २२६००००१ | समावेशी आयोग | | | | | | | | |
| २२६०००११ | समावेशी आयोग | १-४ | अन्तरक्रिया कार्यक्रम गर्ने। अध्ययन अनुसन्धान गर्ने। अनुगमन तथा मूल्याकन गर्ने | सालवसाली | - | क्षमता विकास, अन्तरक्रिया कार्यक्रम, अध्ययन अनुसन्धान र अनुगमन तथा मूल्याकन | खस आर्यको थर सूचीकरण, विपन्न वर्ग पहिचान गर्ने विधि निर्माण र आरक्षण व्यवस्थाको पुनरावलोकन सम्बन्धी विषयमा अध्ययन गर्न विज्ञसँग सम्झौता भएको। | अन्तर्क्रिया कार्यक्रम अध्ययन अनुसन्धान अनुगमन तथा मूल्याङ्कन | खस आर्यको सूचीकरण प्रतिवेदनको स्तरोन्नति, कर्णाली क्षेत्रको अध्ययन, सार्वजनिक क्षेत्रका करारका कर्मचारीको समावेशीकरण, पिछडावर्गको थर सूचीकरण, संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका लक्षित वर्गका प्रतिनिधिहरुको अन्तरसम्बन्धको स्थिति अनौपचारिक श्रमिकलाई औपचारिक बनाउने उपाय ज्येष्ठ नागरिकको जीवन मर्यादित बनाउने उपायको अध्ययन लगायतका विभिन्न ७ विषयमा अध्ययन गर्ने |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | क्षमता विकास कार्यक्रम संचालन गर्ने<br>अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गर्ने<br>जनचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने<br>जनचेतनामूलक सामाग्री निर्माण गर्ने |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

आर्थिक स्रोत, भौतिक पूर्वाधार र समयमा जनशक्ति परिपूर्ति हुन नसकेमा आयोगले उद्देश्य अनुसारको कार्य गर्न नसक्ने जोखिम रहने देखिन्छ।

## ९.१४ आदिवासी जनजाति आयोग

### १.पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले वहुजातिय, वहुभाषिक, वहुधार्मिक, वहुसांस्कृतिक विशेषतालाई स्वीकार गरी विविधतावीचको एकता सामाजिक सांस्कृतिक ऐक्यवद्धता, सहिष्णुता र सद्भावलाई संरक्षण एवं प्रवर्द्धन गर्ने, वर्गीय, जातिय र सामाजिक न्याय सुनिश्चित गर्न समानुपातिक समावेशी र सहभागितामूलक सिद्धान्तको आधारमा समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने संकल्प गरेको छ। धारा ३२ मा भाषा तथा संस्कृतिको हक र धारा ४२ मा सामाजिक न्यायको हक व्यवस्था रहेको छ भने धारा ५१ (ञ) ८ मा आदिवासी जनजातिको पहिचान सहित सम्मानपूर्वक वाच्न पाउने अधिकार सुनिश्चित गर्न अवसर तथा लाभका लागि विशेष व्यवस्था गर्दै यस समुदायसँग सरोकार राख्ने निर्णयहरुमा सहभागी गराउने तथा आदिवासी जनजाति र स्थानीय समुदायको परम्परागत ज्ञान, सीप, संस्कृति, सामाजिक परम्परा र अनुभवलाई संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्ने नीति लिइने उल्लेख छ। आदिवासी जनजाति आयोग ऐन २०७४ ले आदिवासी जनजाति समुदायको गौरवमय इतिहास र संस्कृतिको पहिचान, हक हितको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन तथा आदिवासी जनजाति समुदायको सशक्तीकरण गर्ने उद्देश्य राखेको छ। दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य १६ मा शान्तिपूर्ण र समावशी समाजको प्रवर्द्धन तथा न्यायमा सवैको पहुँच बढाउदै सुशासन अभिबृद्धि गर्ने कुरा उल्लेख छ।

### २.समस्या तथा चुनौती

राज्यको श्रोत साधन, अवसर र लाभमा आदिवासी जनजाति समुदायको न्यायोचित पहुँच नहुनु, राजनीति र प्रशासनिक संरचनामा उचित प्रतिनिधित्व नहुनु प्रमुख समस्या रहेको छ।आदिवासी जनजाति समुदायमा व्याप्त गरिवी घटाउन, आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षिक क्षेत्रमा रहेको अन्तर कम गर्नु, राज्यको स्रोत साधन तथा सेवा सुविधामा आदिवासी जनजाति समुदायको न्यायोचित पहुँच स्थापित गर्नु र राज्यको संरचनामा आदिवासी जनजाति समुदायलाई अपेक्षित प्रतिनिधित्व गराउनु चुनौतिको रुपमा रहेको छ।

### ३.सोच

राज्यका सवै नागरिकको उपस्थिति र अर्थपूर्ण सहभागितामा समावेशी विकास।

### ४.उद्देश्य

आर्थिक सामाजिक तथा राजनैतिक अवसरवाट वञ्चितमा परेका लक्षित वर्गका लागि मुलुकमा उपलब्ध साधन श्रोत तथा सुविधामा समानुपातिक समावेशी पहुँचको सुनिश्चतता गर्नु।

### ५. रणनीति

१.मुलुकमा उपलव्ध श्रोत साधनहरुमा लक्षित वर्गको समानुपातिक पहुँच बढाउने।

२.राज्यका तीन तहमा हुने निर्णय प्रकृया तथा यसका प्रशासनिक संरचनामा सकारात्मक विभेद र आरक्षणको माध्यमबाट अर्थपूर्ण सहभागिता सुनिश्चत गर्ने।

३.सीप विकास तालिम प्रदान गरी मुलुकमा उपलब्ध रोजगारीको अवसर उपयोग गर्न सक्षम वनाउने।

४.आदिवासी जनजाति समुदायको भाषा तथा संस्कृतिको संरक्षण एवं सम्बर्द्धन गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| अध्ययन अनुसन्धान तथा परामर्श सेवा | संख्या | आयोगका पदाधिकारीहरुको नियुक्ति नभएका कारण कार्यक्रम संचालन हुन नसकेको | १. संस्कृति संरक्षण र सम्बर्द्धनका निम्ति जीवित संग्रहालय स्थापना सम्बन्धि अवधारणापत्र तयार हुने।<br>२. आदिवासी जनजाति संग सम्बन्धित ६ वटा अध्ययन हुने। | ४ | १० | १० |
| सीप विकास तथा जनचेतना तालिम गोष्ठी | संख्या | आयोगका पदाधिकारीहरुको नियुक्ति नभएका कारण कार्यक्रम संचालन हुन नसकेको | आदिवासी जनजाति समुदायका सरोकारवालाहरुसँग प्रदेशस्तरीय चेतनामूलक अन्तर्क्रिया तथा छलफल कार्यक्रम सम्पन्न हुने। | २ | १० | १० |
| अनुगमन मूल्यांकन | संख्या | संघ, प्रदेश र स्थानीय तहबाट संचालित आदिवासी जनजाति लक्षित कार्यक्रमहरुको अनुगमन भएको | सातै वटा प्रदेशहरुमा संघ, प्रदेश र स्थानिय तहबाट संचालित कार्यक्रमहरुको अनुगमन हुने। | ५० | ५० | ५० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | २७१ | २५८ | १३ | - | २७१ | - | - |
| २०७९/८० | २९० | २७६ | १४ | - | २९० | - | - |
| २०८०/८१ | ३०० | २८५ | १५ | - | ३०० | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २२८००००१ | आदिवासी जनजाति आयोग | ९ | समावेशी समानुपातिक पहुँचमा वृद्धि गर्ने | सालबसाली | ६८ | सो समुदायको आर्थिक, सामाजिक तथा साँस्कृतिक अवस्थाको प्रोफाइल तयार हुने परम्परागत सीप, प्रविधि विशिष्ट ज्ञानको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरी व्यवसायिक प्रयोगमा ल्याउन सहयोग हुने। | अध्ययन अनुसन्धान तथा परामर्श सेवा सम्बन्धी अवधारणा पत्र सहित ७ वटा अध्ययन को कार्य अगाडी बढाएको छ। | सात वटै प्रदेशमा आदिवासी जनजातिको भाषा, संस्कृति र कला एवं अधिकार सम्बन्धी अध्ययन भएको हुने सबै जिल्लाहरु र ५० प्रतिशत पालिकाहरुमा मा सशक्तिकरण तथा चेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने लक्षित समुदायको परम्परागत सीप्रबर्द्धनका लागि जिल्ला तथा पालिकास्तीय कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने। सात वटै प्रदेशमा जिवित संग्रहालय निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन | आदिवासी जनजाति समुदायको समग्र स्थितिको अध्ययन गर्ने। संघ, प्रदेश र स्थानीय तहबाट आदिवासी जनजातिसँग सम्बन्धित नीति तथा कार्यक्रमहरुको तर्जुमा र कार्यान्वयनको अवस्था अनुगमन गरी नेपाल सरकारलाई सुझाव दिने आदिवासी जनजातिको मानव अधिकार हनन् भएको अवस्थामा हनन् भएको अधिकार स्थापित गराउन |

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | भएको हुने। | तत्काल अध्यन/अनुगमन गर्ने |
| २२८०००११ | आदिवासी जनजाति आयोग | ६ | समावेशि समानुपातिक पहुँचमा वृद्धि गर्ने | सालबसाली | २४७ | आदिवासी जनजातिसँग सम्बन्धित नीति तथा कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयनमा गुणस्तर प्रबर्द्धन भई मितव्यीता कायम गर्न सहयोग पुग्ने | सीप विकास तथा जनचेतना सम्वन्धी ४ वटा गोष्ठी तथा अतरक्रिया छलफल कार्यक्रम कार्यक्रम गरिएको छ<br>८ वटा अनुगमन मूल्यांकन को कार्य सम्पन्न गरिएको छ। | आदिवासी जनजातिसँग सम्बन्धित नेपाल सरकारको तीनै तहबाट सञ्चालन भएका कार्यक्रमहरुको अनुगमन भई सुझाव नेपाल सरकारलाई सिफारिस भएको हुने<br>नेपालका आदिवासी जनजातिहरुको अभौतिक संस्कृतिहरुको अध्ययन गरी विश्व सम्पदा सूचिमा सूचिकरण भएको हुने | आदिवासी जनजातिहरुको परम्परागत प्रदर्शनकारी कलाहरुको अध्ययन गर्ने |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

सरोकारवालाहरुको सकारात्मक सहयोग प्राप्त हुने र कार्यक्रम सञ्चालनका लागि श्रोत साधनको व्यवस्था हुने अपेक्षा गरिएको छ। तीनै तहका सरकार लगायत सरोकारवाला सबैको सहयोग हुन नसकेमा आयोगलाई आफ्नो लक्ष्य प्राप्त गर्न कठीन हुने देखिन्छ।

## ९.१५ मधेशी आयोग

### १. पृष्ठभूमि

मधेशी समुदायको इतिहास र संस्कृतिको पहिचान, हक, हितको संरक्षण र सम्वर्धन तथा सशक्तीकरण गर्नको लागि मधेशी आयोग संवैधानिक निकायको रुपमा स्थापित भएको हो। आयोगले आफ्नो स्थापनाकाल देखि संवैधानिक व्यवस्था बमोजिम कार्यसम्पादन गर्दै आएको छ। मधेशी समुदायलाई विभिन्न विषयमा जानकारी गराउन चेतनामूलक कार्यक्रम गर्दै आएको छ। आयोगले मधेशी समुदायको आँच आउने गरी अधिकार उल्लङ्घन गर्ने व्यक्ति वा संस्थाका विरुद्ध उजुरी संकलन गरी सो उपर छानविन तथा तहकिकात गर्न सम्बन्धित निकायमा सिफारिस गर्ने गरेको छ। संघीय संरचनामा आयोगको भूमिका अझै महत्वपूर्ण छ। आयोगले आवश्यकता अनुसार प्रदेश तहमा समेत कार्यालय स्थापना गर्न सक्ने कानुनी व्यवस्था रहेको छ। मूलतः यस आयोगले मधेशी समुदायको समग्र स्थितिको अध्ययन गरी तत्सम्बन्धमा गर्नु पर्ने नीतिगत, कानूनी र संस्थागत सुधारका विषयमा नेपाल सरकार समक्ष सिफारिस गर्ने कार्य गर्दछ।

### २. समस्या तथा चुनौती

आयोगको कार्यक्षेत्र र जिम्मेवारी अनुसार काम गर्न आफ्नै छुट्टै कार्यालय भवन सहितको संरचना, जनशक्ति लगायत अन्य स्रोत साधन न्यून हुनु, अध्ययन अनुसन्धान र विश्लेषणमा आधारित काम कारवाही गर्नुपर्ने भएता पनि आवश्यक तथ्यांकहरुको अभाव हुनु, न्यून बजेट, जनचेतनाको अभाव र मधेशी समुदायमाथि हुने सबै प्रकारका भेदभाव र हिंसाको न्यूनीकरण गर्ने कार्य समस्या तथा चुनौतीका रुपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

मधेशी समुदायको अधिकारको संरक्षण, सम्वर्धन र सशक्तीकरणका लागि सबै प्रकारका विभेदहरु अन्त्य गरी समावेशी, मर्यादित र समतामूलक समाजको निर्माण।

### ४. उद्देश्य

१. मधेशी समुदायको हकहितको संरक्षण र सम्वर्धन गर्नु।

२. मधेशी समुदायको अधिकारलाई व्यवहारिक रुपमा सुनिश्चित गर्नु।

३. मधेशी समुदायको सशक्तिकरण गर्नु।

### ५. रणनीति

१. मधेशी समुदायमा रहेका सबै व्याक्तिको मानव अधिकारको संरक्षण, सम्वर्द्धन गर्दै उनीहरुको समग्र विकास गर्ने।

२. राज्यका विभन्न क्षेत्रमा मधेशी समुदायको समानुपातिक, सामाजिक समावेशी तथा अर्थपूर्ण सहभागिताका साथै लैंगिक एवम् फरक क्षमताका व्यक्तिहरुको मूलप्रवाहीकरण सुनिश्चित गर्ने।

३. मधेशी समुदायको सम्बन्धमा नेपाल पक्ष भएको अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि सम्झौता कार्यान्वयन भए नभएको प्रभावकारी अनुगमन गर्ने।

४. मधेशी समुदायको अधिकारलाई सुनिश्चित गराई विकासको मूलप्रवाहमा सहभागी हुन उत्प्रेरित गर्ने।

५. सबै क्षेत्रको प्रतिनिधित्व व्यवस्थित गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| तालिम | संख्या | १० | ५ | ५ | ५ | ५ |
| अनुगमन | संख्या | ८ | ५ | २० | २० | २० |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ३२६ | ३२० | ६ | - | ३२६ | - | - |
| २०७९/८० | ३५१ | ३४४ | ७ | - | ३५१ | - | - |
| २०८०/८१ | ३६४ | ३५६ | ८ | - | ३६४ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २३०००००१ | मधेशी आयोग | | | सालवसाली | ५६.७५ | | | मधेशी समुदायको समानुपातिक, सामाजिक समावेशी तथा अर्थपूर्ण सहभागिताका सुनिश्चित गर्ने। मधेशी समुदायको सम्बन्धमा नेपाल पक्ष भएको अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि सम्झौता कार्यान्वयन भए नभएको प्रभावकारी अनुगमन गर्ने | मधेशी समुदायको सशक्तिकरणको लागि तालिम सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्ने। |
| २३०००००११ | मधेशी आयोग | | मधेशी समुदायको इतिहास र संस्कृतिको पहिचान हक हितको संरक्षण र सम्वर्द्धन तथा सशक्तीकरण | सालवसाली | २८९.२५ | १० वटा तालिम र ८ वटा अनुगमनको कार्य सम्पन्न भएको हुने । | ५ वटा तालिम र ५ वटा अनुगमनको कार्य सम्पन्न भएको। | मधेशी समुदायको अधिकारलाई सुनिश्चित गराई विकासको मूलप्रवाहमा सहभागी हुन सात वटै प्रदेशस्तरिय तालिमको गर्ने। | मधेशी समुदायमा हक अधिकारको सुनिश्चित भएको नभएको सम्वन्धमा प्रभावकारी अनुगमन गर्ने। |

## ९. जोखिम तथा अनुमान पक्ष

पर्याप्त बजेट विनियोजन गर्न नसकिएमा, आयोगमा पदाधिकारी नियुक्त हुनु भैसकेतापनि कार्यालयको संस्थागत क्षमता विकास हुन नसकेको र विज्ञ कर्मचारीको अभावले यस आयोगको अपेक्षा अनुसारको आफूलाई तोकिएको जिम्मेवारी पुरा गर्न नसक्ने जोखिम रहेको छ।

## ९.१६ थारू आयोग

### १. पृष्ठभूमि

थारु समुदायको इतिहास र संस्कृतिको पहिचान, हक, हितको संरक्षण र सम्वर्धन तथा थारु समुदायको सशक्तीकरण गर्नको लागि संवैधानिक निकायको रुपमा यस आयोगको स्थापना भएको हो। आयोगले नेपालको संविधान, संघीय कानून तथा थारु आयोग ऐन,२०७४ अन्तर्गत रहेर कार्यसम्पादन गर्दै आएको छ। थारु समुदायको हक हितको संरक्षण र सम्वर्द्धन तथा त्यस्तो समुदायको सशक्तीकरणको लागि चेतनामूलक कार्यक्रम संचालनका साथै नीति तथा कार्यक्रम तयार गर्न आयोग क्रियाशील छ। आयोगले थारु समुदायको अधिकार उल्लङ्घन गर्ने व्यक्ति वा संस्थाका विरुद्ध उजुरी संकलन गरी सो उपर छानविन तथा तहकिकात गर्न सम्बन्धित निकायमा सिफारिस गर्न सक्छ। संघीय संरचनामा आयोगको भूमिका अझै प्रभावकारी बनाउन आवश्यकतानुसार प्रदेश तहमा समेत कार्यालय स्थापना गर्न सक्ने कानुनी व्यवस्था रहेको छ। मूलतः यस आयोगले थारु समुदायको समग्र बस्तु स्थितिको अध्ययन गरी सो सम्बन्धमा गर्नु पर्ने नीतिगत, कानूनी र संस्थागत सुधारका विषयमा नेपाल सरकार समक्ष सिफारिस गर्ने र सुझाव दिने कार्य गर्दछ।

### २. समस्या तथा चुनौती

आयोगको कार्यक्षेत्र र जिम्मेवारी अनुसार काम गर्न आफ्नै छुट्टै कार्यालय भवन सहितको संरचना र सो बमोजिमको जनशक्ति लगायत अन्य श्रोत सुविधा नहुनु, समुदाय सम्बद्ध खण्डिकृत तथ्यांकहरूको अभाव हुनु तथा आयोगको विगतमा रहेको दरबन्दी समेत कटौति हुँदा जनशक्त व्यवस्थापनको समस्याका रहेको छ।

आयोगका काम कारवाही पर्याप्त अध्ययन अनुसन्धान र विश्लेषणबाट हुनुपर्ने भएकाले आगामी दिनमा सम्बन्धित विषयमा गहन अध्ययन अनुसन्धान गर्नु गराउनु चुनौतीका रुपमा रहेको छ। साथै थारु समुदायको अधिकार संरक्षण गर्नु, थारु समुदाय माथि हुने सबै प्रकारका भेदभाव र हिंसाको प्रभावकारी रुपमा अनुगमन गर्नु चुनौतीपूर्ण रहेको छ। संवैधानिक अंग भएर पनि १३ जना मात्र कर्मचारीको स्थायी दरबन्दी कायम गरिनु, विशिष्ट श्रेणीको पदाधिकारी सचिव रहने ऐनको व्यवस्था संशोधन हुनु तथा थारु आयोग ऐन, २०७४ मा थप परिमार्जन गर्नु चुनौतीका रूपमा रहेका छन्।

### ३. सोच

थारु समुदायको हक हितको संरक्षण, सम्बर्द्धन र सशक्तिकरण गर्दै सबै जात जाति, भाषा भाषी र धर्म संस्कृतिका वीच सह-कार्य, सह-अस्तित्व र सहिष्णुता कायम गरी समृद्ध नेपाल निर्माण।

### ४. उद्देश्य

१. थारु समुदायको हकहितको संरक्षण, सम्वर्द्धन तथा सशक्तिकरण गर्नु।
२. थारु समुदायको लागि मुलुकमा उपलब्ध साधन स्रोत तथा सुविधामा समानुपातिक समावेशी पहूँचको सुनिश्चितता गर्नु।
३. थारु समुदायको अधिकारप्रतिको प्रतिबद्धतालाई व्यवहारिक रुपमा सुनिश्चित गर्नु।

### ५. रणनीति

१. सबै क्षेत्रका थारुहरूको मानव अधिकारको संरक्षण र विकास गर्ने।
२. मुलुकमा उपलब्ध स्रोत साधनमा थारु समुदायका लक्षित वर्गको समानुपातिक पहुँच बढाउने।

३. राज्यका तीन तहमा हुने निर्णय प्रक्रिया/ प्रशासनिक संरचनामा सकारात्मक विभेद र आरक्षणको माध्यमाबाट अर्थपूर्ण सहभागिता बढाउने।

४. सीप विकास तालिम प्रदान गरि मुलुकमा उपलब्ध रोजगारीका अवसर उपयोग गर्न सक्षम बनाउने।

५. थारु समुदायको भाषा संस्कृतिको संरक्षण र संबर्द्धन गर्ने।

६. थारु समुदायको सम्बन्धमा नेपाल पक्ष भएको अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि सम्झौता कार्यान्वयन भए नभएको अनुगमन गर्ने।

७. थारु समुदायको अधिकारलाई विकासका मुद्दाहरूसंग संरचनागत र कार्यात्मक रुपले जोड्ने।

८. थारु आदिवासी समुदायको हित विपरीतका मौजुदा नीति तथा कानुनहरूको परिमार्जनको लागि अध्ययन गरि सुधारको लागि सुझाव तयार गर्ने।

## ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| थारु समुदायको ऐतिहासिक साँस्कृतिक सम्पदा सूचीकरण | संख्या | १ | २ | ७ | ७ | ७ |
| थारु समुदायको समग्र स्थितिको अध्ययन | संख्या | - | १ | अन्य विषयगत क्षेत्र | २ | ३ |
| थारु चित्रकला सम्बन्धि अध्ययन अनुसन्धान | पटक | - | १ | ७ | ४ | ५ |
| सीप विकास तथा क्षमता विकास सम्बन्धि तालिम कार्यक्रम | प्रदेश | - | २ | ५ | ७ | ७ |
| सिकलसेल एनेमिया सम्बन्धि कार्यविधि निर्माण | संख्या | - | १ | कार्यविधि कार्यान्वयन | - | - |
| मानक भाषा सम्बन्धि छलफल कार्यक्रम | संख्या | - | १ | - | २ | २ |
| थारु महिला र विशेष क्षेत्रमा चेतनामूलक कार्यक्रम | पटक | - | ७ | ७ | ७ | ८ |
| थारु साहित्यको अध्ययन तथा अनुसन्धान | संख्या | - | १ | २ | २ | ३ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ४२२ | ३९२ | ३० | - | ४२२ | - | - |
| २०७९/८० | ४६३ | ४३० | ३३ | - | ४६३ | - | - |
| २०८०/८१ | ४८१ | ४४५ | ३६ | - | ४८१ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम / आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरु र समाप्ति) | लागत (रू लाखमा) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २३२०००० १ | थारु आयोग | १-८ | आयोगको प्रभावकारिता अभिवृद्धि गर्ने। | सालवसाली | | आयोगको कार्यक्षमतामा अभिवृद्धि भएको हुने। | थारु समुदायको ऐतिहासिक सांस्कृतिक सम्पदा २ वटा सूचीकरण सम्पन्न भएको | सरोकारवाला निकायहरूसंग प्रभावकारी समन्वय भएको हुने। | परम्परागत ज्ञान,सीप र क्षमताको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरिने छ राय सुझाव संकलन गर्ने। |
| २३२०००११ | थारु आयोग | | थारु समुदायको सशक्तिकरण तथा विकास गर्ने। | सालवसाली | | चेतनामुलक शसक्तिकरण अनुसन्धान कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुने। | २ वटा प्रदेशमा क्षमता विकास तालिम, मानक भाषा छलफल कार्यक्रम १ वटा प्रदेशमा, १ वटा अध्ययनको कार्य सम्पन्न भएको छ। | थारु समुदायको शसक्तिकरण तथा विकासमा केहि उपलब्धि भएको हुने। | सात वटै प्रदेशमा चेतनामुलक कार्यक्रम, अध्ययन अनुसन्धान सम्बन्धि कार्यक्रम, ऐतिहासिक,साँस्कृतिक,पुरातात्वीक स्थलको अध्ययन अनुसन्धान, थारु लोक साहित्य, कला, सँस्कृति, परम्पराको अध्ययन अनुसन्धान, थारु उद्गमस्थलको अध्ययन अनुसन्धान । |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

आयोग प्रति थारु समुदायको अपेक्षा बढी भएको सन्दर्भमा आवश्यकता अनुसार कर्मचारीको व्यवस्था र बजेट विनियोजन हुन सकेमा आयोगले संविधानको परिधिभित्र रही आफ्नो उद्देश्य अनुरुप कार्य गर्न सक्षम हुनेछ। सो हुन नसकेमा आयोगले अपेक्षा अनुसार कार्य गर्न जोखिम रहने छ।

## ९.१७ मुस्लिम आयोग

### १. पृष्ठभूमि

मुस्लिम समुदायको इतिहास र संस्कृतिको पहिचान, हक, हितको संरक्षण र सम्वर्द्धन तथा सशक्तिकरणका लागि संविधानको धारा २६४ मा संवैधानिक आयोगको रुपमा मुस्लिम आयोगको व्यवस्था भएको र मुस्लिम आयोग ऐन, २०७४ अनुसार मुस्लिम आयोग गठन भई संचालनमा रहेको छ। यस आयोगको मुख्य कार्य मुस्लिम समुदायको हक हितको संरक्षण र सम्वर्द्धन तथा सशक्तीकरणका लागि नेपाल सरकारलाई नीतिगत, कानूनी तथा संस्थागत सुझाव दिने, आयोगले गरेका सिफारिस वा दिएका सुझाव कार्यान्वयनको सम्बन्धमा अनुगमन गर्ने, मुस्लिम समुदायको हक हितको संरक्षण र सम्बर्द्धन तथा सशक्तिकरणको लागि चेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्नु रहेका छन्। मुस्लिम समुदाय नेपालको सन्दर्भमा मानव विकास सूचकाङ्कको दृष्टिकोणले सबैभन्दा कमजोर अवस्थामा रहेको छ। सो समुदाय तथा व्यक्तिहरूको उत्थान एवम् विकासका लागि सीप विकास तालिम, छात्रवृत्ति, कर्जा र रोजगारमूलक लक्षित कार्यक्रम, शिक्षा तथा सार्वजनिक क्षेत्रको रोजगारीमा आरक्षण, मातृभाषाको संरक्षण र सम्वर्द्धन सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु अत्यावश्यक रहेको छ। अतः यस समुदायको सामाजिक आर्थिक एवम् सास्कृतिक विकासका लागि रणनैतिक कार्ययोजना बनाई प्रभावकारी रुपमा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्नु पर्ने देखिन्छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

विभिन्न वर्ग र क्षेत्रका समुदाय र मुस्लिम समुदाय वीच आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षिक क्षेत्रमा ठुलो अन्तर रहनु, राज्यको स्रोत, साधन, अवसर र लाभमा मुस्लिम समुदायको न्यायोचित पहुँच नहुनु, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचनामा मुस्लिम समुदायको उचित प्रतिनिधित्व नहुनु, मुस्लिम समुदायका अधिकांश जनता गरिवीको रेखामुनी रहेकाले आर्थिक सामाजिक तथा राजनीतिक क्षेत्रमा पछाडि पर्नु, मुस्लिम समुदाय भित्रको नकरात्मक सामाजिक मूल्य मान्यता र लैङ्गिक हिसांको अन्त्य गर्नु प्रमुख समस्या र चुनौती हुन्।

### ३. सोच

सुखी, समृद्व र आत्मनिर्भर मुस्लिम समुदाय।

### ४. उद्देश्य

१. मुस्लिम समुदायको हक, हितको संरक्षण र सम्बर्द्धन तथा सशक्तीकरण गर्ने,
२. मुस्लिम समुदायको आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रमा अर्थपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित गर्ने,
३. मुलुकमा उपलब्ध स्रोत तथा साधनहरुमा मुस्लिम समुदायको पहुँच वृद्धि गर्ने,
४. ऐतिहासिक, साँस्कृतिक एवं धार्मिक क्षेत्रको संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्ने,
५. लैङ्गिक विभेद तथा हिंसाको न्यूनीकरण गर्ने।

### ५. रणनीति

१. मुलुकमा उपलब्ध स्रोत साधनहरूमा मुस्लिम समुदायको समानुपातिक पहुँच बढाउने।
२. मुस्लिम समुदायको हक, हितको संरक्षण र सम्वर्द्धन तथा सशक्तिकरण गर्ने।
३. राज्यका तीनै तहमा हुने निर्णय प्रक्रिया तथा यसका प्रशासनिक संरचनामा सकारात्मक विभेद र आरक्षणको माध्यमबाट मुस्लिम समुदायको सहभागिता सुनिश्चित गर्ने।

४. मुस्लिम समुदायको क्षमता विकास लागि सीप विकास सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गरी मुलुकमा उपलब्ध रोजगारीका अवसर उपयोग गर्न सक्ने सक्षम जनशक्तिको विकास गर्ने।

५. मुस्लिम समुदायको मातृभाषा एवम् मदरसा शिक्षा र संस्कृतिको संरक्षण एवम् सम्वर्द्धन गर्ने।

६. ऐतिहासिक तिक एवं धार्मिक क्षेत्रको संरक्षण र सम्बर्द्धनसाँस्कृ ,गरी अनुसन्धानमूलक कार्य गर्ने,

७. लैङ्गिक विभेद तथा हिंसाको न्यूनीकरण गर्न विविध कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।

## ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| अन्तर्क्रिया/सचेतना कार्यक्रम | संख्या | १० | १२ | ४४ | ४५ | ४६ |
| लोक सेवा तयारी कक्षा | जना | ३३ | - | - | - | - |
| सीप विकास कार्यक्रम | जना | १३१ | ९० | - | - | - |
| अध्ययन अनुसन्धान | संख्या | २ | २ | ४ | ५ | ६ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ४२९ | ३७२ | ५७ | – | ४२९ | – | – |
| २०७९/८० | ४७२ | ४०९ | ६३ | – | ४७२ | – | – |
| २०८०/८१ | ४९३ | ४२४ | ६९ | – | ४९३ | – | – |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरू र समाप्ति) | लागत रू लाखमा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | तीन वर्षको अपेक्षित उपलब्धि सूचक | आ.व. २०७८।७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २३४००००१ | मुस्लिम आयोग | १,२,३,४ | उपलब्ध स्रोत साधनहरूमा मुस्लिम समुदायको पहुँच, उनीहरूको हक, हितको संरक्षण र सम्वर्द्धन तथा सशक्तीकरण गर्नु, राज्यका तीनै तहमा हुने निर्णय प्रक्रिया तथा प्रशासनिक संरचनामा सकारात्मक विभेद र आरक्षणको माध्यमबाट मुस्लिम समुदायको सहभागिता सुनिश्चितता | सालवसाली | | १९ जिल्लाका ९० जनालाई सीप विकास तालिम दिन अघि बढाइएको ।<br>२ वटा अध्ययन अनुसन्धान कार्य अघि बढाइएको,<br>लक्षित कार्यक्रमको अनुगमन तथा मूल्याकन कार्य भएको। | | ४४ वटा अन्तर्क्रिया तथा सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन हुने,<br>४ अध्ययन तथा अनुसन्धान हुने,<br>लक्षित कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्याकन हुने,<br>मुस्लिमसम्बन्धी राष्ट्रिय नीति तर्जुमा हुने<br>मुस्लिम आयोगको नियमावली तर्जुमा हुने |
| २३४००००११ | मुस्लिम आयोग | १,२,३,४ | | सालवसाली | | | मुस्लिम समुदायको मातृभाषा एवम् मदरसा शिक्षा र संस्कृतिको संरक्षण एवम् संम्बर्द्धन भएको हुने, मुस्लिम समुदायको आर्थिक तथा सामाजिक विकास भएको हुने, मुस्लिम समुदाय भित्रको गरिवी न्यूनिकरण भएको हुने। | |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

आयोगमा दरबन्दी कटौती भई कर्मचारीको संख्या कम भएकोले कार्यसम्पादन असर पर्ने जोखिम रहेको छ।

## ९.१८ न्याय परिषद्

### १. पृष्ठभूमि

स्वतन्त्र न्यायपालिका लोकतान्त्रिक शासन प्रणालीको आधारस्तम्भ हो। न्यायिक स्वतन्त्रताको संवर्द्धनका लागि संविधानले धारा १५३ मा न्याय परिषदको व्यवस्था गरेको छ। परिषदले नेपालको संविधानले व्यवस्था गरेको ३ तहका अदालतहरूमा रहने अब्बल न्यायाधीशहरूको छनौट गरी नियुक्ति, कारवाही र बर्खास्ती आदिको सिफारिस गर्ने कार्य गर्दै आएको छ। साथै न्याय सेवाका राजपत्रांकित अधिकृतहरूको नियुक्ति, सरुवा बढुवा र कारवाही सम्बन्धि विषयमा पनि सिफारिस गर्ने कार्य गर्दछ। संविधानको धारा १५४ बमोजिम न्याय सेवा आयोगको सचिवालयको भूमिका समेत यसै न्याय परिषद सचिवालयले निर्वाह गर्दै आएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौती

न्याय परिषदमा आवश्यक दक्ष जनशक्ति र स्रोत साधनको अभाव रहनु, समय सापेक्ष तालिमको अभावले सन्तोषजनक नतिजा दिन नसक्नु, न्याय परिषदले न्यायाधीशहरूको काम कारवाहीको अनुगमन र निगरानी व्यवस्थित र प्रभावकारी बनाउनु पर्ने जिम्मेवारी अनुरूप सो कार्य दक्ष जनशक्ति र उचित स्रोत साधनको अभावमा नियमित र प्रभावकारी रूपमा संचालन गर्न नसक्नु लगायतका समस्याहरू रहेका छन्। यी समस्याहरूको वावजुद अन्य निकायहरूको समन्वयमा सिमित स्रोत साधनबाट समाधान गर्दै न्याय परिषदको काम कारवाहीलाई प्रभावकारी बनाउनु पर्ने चुनौती रहेको छ।

### ३. सोच

स्वतन्त्र, सक्षम र निष्पक्ष न्यायपालिका मार्फत सबैका लागि स्वच्छ र प्रभावकारी न्याय प्रदान गर्नु।

### ४. उद्देश्य

१. न्याय प्रशासनलाई छिटो छरितो, सर्वसुलभ, मितव्ययी, निष्पक्ष, प्रभावकारी र जनउत्तरदायी बनाउनु।

२. सबैका लागि न्याय सुनिश्चित गर्न न्यायमा सहज पहुँच बनाउनु।

### ५.रणनीति

१. समावेशी लोकतान्त्रिक मूल्य मान्यता अनुरूपको सक्षम न्याय प्रशासनको विकास गरी नागरिक उन्मुख कानुनी शासन स्थापना गर्नुका साथै सर्वसाधारणको न्यायमा पहुँच स्थापित गरी मानव अधिकारको संरक्षण गरिने।

२. न्यायलयमा कार्यबोझको अनुपातमा आवश्यक जनशक्ति उपलब्ध गराई न्याय प्रशासनलाई व्यवसायिक रूपमा दक्ष बनाउन न्याय सेवालाई प्रतिस्पर्धात्मक र आकर्षक हुने विभिन्न कार्यक्रम सञ्चालन गरिने।

### ६. विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| गोष्ठी, सेमिनार | संख्या | ३ | ३ | ५ | ७ | ६ |
| अनुगमन निगरानी | संख्या | २४ | २४ | २४ | २४ | २४ |
| जिल्ला न्यायाधिश परिक्षा सञ्चालन | पटक | १ | १ | १ | १ | १ |

| सूचक | एकाइ | २०७६/७७ सम्मको उपलब्धि | २०७७/७८ को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ |
| न्यायाधिश उपर उजुरी छानविन | संख्या | १०९ | १३० | १५० | १५५ | १५५ |

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. लाखमा

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन तथा प्रक्षेपण | | | | स्रोत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २०७८/७९ | ४६४ | ४४३ | २१ | - | ४६४ | - | - |
| २०७९/८० | ५०१ | ४७८ | २३ | - | ५०१ | - | - |
| २०८०/८१ | ५१९ | ४९४ | २५ | - | ५१९ | - | - |

## ८. कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको ब.उ.शी.नं., उद्देश्य, आयोजना अवधि, लागत र अपेक्षित नतिजा सहितको संक्षिप्त विवरण देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको हालसम्मको प्रगति स्थिति, आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक र आ.व. २०७८/७९ मा सञ्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

| ब.उ.शि.नं. | कार्यक्रम/ आयोजना | क्षेत्रगत रणनीतिक स्तम्भ | उद्देश्य | आयोजना अवधि (सुरू र समाप्ति) | लागत (रु) | अपेक्षित नतिजा | हालसम्मको प्रगति स्थिति | आगामी तीन वर्षको उपलब्धि सूचक | आ.व.२०७८/७९ मा सन्चालन हुने प्रमुख क्रियाकलाप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २१८००००१ | न्याय परिषद | १,२ | | सालवसाली | | | | | |
| २१८००००११ | न्याय परिषद | १,२ | सक्षम न्याय प्रणालीको सुनिश्चतता | सालवसाली | | निष्पक्ष, प्रभावकारी र उत्तरदायी न्याय प्रशासन | अनुगमन कार्य भएको, न्ययाधीश उपर प्राप्त उजुरीमा छानबिन गरिएको | प्रतिष्पर्धाबाट न्यायाधीश नियुक्ति भएको हुने, न्यायिक अनुगमन निगरानी र उजुरी छानविन अनुसन्धान भएको हुने | न्यायाधीश नियुक्तिको परिक्षा सन्चालन<br>न्यायिक अनुगमन,<br>अनुसन्धान तथा अभियोजन |

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

नेपालको संविधान, न्याय परिषद ऐन, २०७३ ले न्याय परिषद सचिवालयको कार्यक्षेत्र विस्तार गरे पश्चात गठित संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गर्न गठित समितिले सिफारिस गरे बमोजिमको दरबन्दी स्वीकृत भएमा सचिवालयको लक्ष्य तथा उद्देश्यहरू पुरा हुने देखिन्छ। सो हुन नसकेमा लक्ष्य हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहेको छ।

# अनुसूचीहरू

# अनुसूची १.१

## मन्त्रालय/निकायगत त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | मन्त्रालय/निकाय | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था |
| १ | राष्ट्रपतिको कार्यालय | १,२२९ | १,४२६ | १,२३२ | १९४ | ० | १,५२३ | १,३१० | २१३ | ० | १,५९० | १,३५६ | २३४ | ० |
| २ | उपराष्ट्रपतिको कार्यालय | ४६८ | ४७५ | ४६० | १५ | ० | ५०७ | ४९० | १७ | ० | ५२६ | ५०७ | १९ | ० |
| ३ | प्रदेश प्रमुखहरु | १,५५८ | २,०१७ | १,९६७ | ५० | ० | २,१४४ | २,०८९ | ५५ | ० | २,२२७ | २,१६७ | ६० | ० |
| ४ | संघीय संसद | १०,४१९ | १२,१८४ | ११,८६४ | ३२० | ० | १२,९७० | १२,६१८ | ३५२ | ० | १३,४४६ | १३,०५९ | ३८७ | ० |
| ५ | अदालत | ६९,६१३ | ६८,३६४ | ४७,९७१ | २०,३९३ | ० | ७२,९४६ | ५०,५१४ | २२,४३२ | ० | ७६,९५८ | ५२,२८३ | २४,६७५ | ० |
| ६ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग | ८,३०५ | १२,७६४ | ९,८५५ | २,९०९ | ० | १३,८१२ | १०,६१२ | ३,२०० | ० | १४,५०४ | १०,९८४ | ३,५२० | ० |
| ७ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय | ५,१५५ | ५,५२५ | ४,६७७ | ८४८ | ० | ५,९३० | ४,९९७ | ९३३ | ० | ६,१९८ | ५,१७२ | १,०२६ | ० |
| ८ | लोक सेवा आयोग | ५,३६८ | ८,४६० | ८,२४९ | २११ | ० | ९,४२२ | ९,१९० | २३२ | ० | ९,७६८ | ९,५१२ | २५६ | ० |
| ९ | निर्वाचन आयोग | ४,८९६ | ५,४४० | ४,३९१ | १,०४९ | ० | ५,८०६ | ४,६५२ | १,१५४ | ० | ६,०८४ | ४,८१४ | १,२७० | ० |
| १० | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग | १,७७३ | २,५३६ | २,५०२ | ३४ | ० | २,७०९ | २,६७२ | ३७ | ० | २,८०६ | २,७६५ | ४१ | ० |
| ११ | न्याय परिषद् | ४१० | ४६४ | ४४३ | २१ | ० | ५०१ | ४७८ | २३ | ० | ५१९ | ४९४ | २५ | ० |
| १२ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | ४६१ | ८२९ | ७९३ | ३६ | ० | ९१३ | ८७३ | ४० | ० | ९४७ | ९०३ | ४४ | ० |
| १३ | राष्ट्रिय महिला आयोग | ६९० | १,०१३ | ९८६ | २७ | ० | १,१३५ | १,१०५ | ३० | ० | १,१७७ | १,१४४ | ३३ | ० |
| १४ | राष्ट्रिय दलित आयोग | २६३ | ३२४ | ३१४ | १० | ० | ३४५ | ३३४ | ११ | ० | ३५८ | ३४६ | १२ | ० |
| १५ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | २०७ | ३०४ | २९२ | १२ | ० | ३१९ | ३०६ | १३ | ० | ३३० | ३१६ | १४ | ० |
| १६ | आदिवासी जनजाति आयोग | २१५ | २७१ | २५८ | १३ | ० | २९० | २७६ | १४ | ० | ३०० | २८५ | १५ | ० |
| १७ | मधेशी आयोग | ४३१ | ३२६ | ३२० | ६ | ० | ३५१ | ३४४ | ७ | ० | ३६४ | ३५६ | ८ | ० |
| १८ | थारू आयोग | ३८७ | ४२२ | ३९२ | ३० | ० | ४६३ | ४३० | ३३ | ० | ४८१ | ४४५ | ३६ | ० |
| १९ | मुस्लिम आयोग | २७५ | ४२९ | ३७२ | ५७ | ० | ४७२ | ४०९ | ६३ | ० | ४९३ | ४२४ | ६९ | ० |
| २० | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | ३०,३२५ | ४०,८९७ | ३५,५०२ | ५,३९५ | ० | ४३,६०० | ३७,६६४ | ५,९३६ | ० | ४५,५११ | ३८,९८१ | ६,५३० | ० |
| २१ | अर्थ मन्त्रालय | २०८,६९४ | ४६४,६६६ | २७६,९१४ | १०३,५५२ | ८४,२०० | ५३५,१४६ | २७४,७५६ | १२८,८९० | १३१,५०० | ५७२,६२९ | २८३,८७० | १४७,२५९ | १४१,५०० |
| २२ | उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय | ५४,८५९ | ११०,१७९ | ५०,९३१ | ५६,४६५ | २,७८३ | १००,१९९ | ४६,७७५ | ४९,०२४ | ४,४०० | ११२,६६२ | ४९,९६६ | ५७,८५६ | ४,८४० |
| २३ | उर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय | ४५०,७२४ | ९८३,६३६ | ४२,०७० | ३७९,३७९ | ५६२,१८७ | १,३३६,१७८ | ५४,५६७ | ५०६,९२४ | ७७४,६८७ | १,५०६,५७८ | ६४,३३१ | ५७५,५०३ | ८६६,७४४ |
| २४ | कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय | २,८६० | ४,८७३ | ४,६५७ | २१६ | ० | ५,३५० | ५,११३ | २३७ | ० | ५,५५२ | ५,२९२ | २६० | ० |
| २५ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय | २३०,०९५ | ४०२,६६४ | ३२६,४३७ | ३६,२२७ | ४०,००० | ४००,८२८ | ३२४,५०५ | ३६,३२३ | ४०,००० | ४२८,४७१ | ३४३,८६७ | ४४,६०४ | ४०,००० |
| २६ | खानेपानी मन्त्रालय | २०४,००० | ३८०,२८५ | ९,७९९ | २२९,४२३ | १४१,०६३ | ५२६,८०६ | ९,३७३ | ३४८,०८९ | १६९,३४४ | ५६६,२६० | १०,०९१ | ३९५,८२५ | १६०,३४४ |
| २७ | गृह मन्त्रालय | १,३५३,६३० | १,६४५,०१५ | १,५६६,५१५ | ७८,५०० | ० | १,६८५,६३७ | १,६१२,६५१ | ७२,९८६ | ० | १,७३५,०५२ | १,६५४,७६७ | ८०,२८५ | ० |
| २८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय | ११७,४४८ | २६६,११० | ३६,९६४ | २२,४६१ | २०६,६८५ | २४९,२८२ | ३१,७९४ | २७,६४३ | १८९,८४५ | २६३,५०२ | ३५,६०८ | ३५,०९४ | १९२,८०० |
| २९ | परराष्ट्र मन्त्रालय | ६०,५०६ | ६७,९९९ | ५३,२६२ | १४,७३७ | ० | ८१,८७५ | ६५,६९५ | १६,१८० | ० | ७६,८८० | ५८,६३० | १८,२५० | ० |
| ३० | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | १०१,६५९ | १२०,२८० | ७७,२२२ | ४३,०५८ | ० | १२४,५७३ | ८५,५८८ | ३८,९८५ | ० | १३२,३९१ | ९१,३२९ | ४१,०६२ | ० |
| ३१ | भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालय | ५६,००५ | ७१,७५४ | ५५,८७७ | १४,८७७ | १,००० | ७९,७९५ | ५६,२२० | १८,०७५ | ५,५०० | ८६,११४ | ६०,१८४ | १९,८८० | ६,०५० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | मन्त्रालय/निकाय | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था |
| ३२ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय | १,०२३,९५९ | १,५६७,२८४ | १०१,७६५ | १,४६०,५१९ | ५,००० | १,८९५,१०५ | १०६,९६७ | १,७८३,१३८ | ५,००० | २,०२६,८८६ | १११,२०७ | १,९१०,६७९ | ५,००० |
| ३३ | महिला बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक मन्त्रालय | ४,९७३ | ८,५७७ | ७,०१५ | १,५६२ | ० | ९,५१३ | ८,१७४ | १,३३९ | ० | १०,४०८ | ८,९३६ | १,४७२ | ० |
| ३४ | युवा तथा खेलकूद मन्त्रालय | १३,९५९ | २१,३५१ | १५,९७४ | ५,३७७ | ० | २६,१६३ | १९,४७० | ६,६९३ | ० | २८,०३५ | २०,९१७ | ७,११८ | ० |
| ३५ | रक्षा मन्त्रालय | ५२६,५४७ | ५१५,३९५ | ४४३,९७४ | ७१,४२१ | ० | ५४०,१९५ | ४६१,६३१ | ७८,५६४ | ० | ५६४,२०८ | ४७७,७८८ | ८६,४२० | ० |
| ३६ | शहरी विकास मन्त्रालय | २५८,५३६ | ३२०,७९१ | १९,४३४ | २८८,१६५ | १३,१९२ | ३६६,८०८ | ४६,९८३ | ३१०,९६४ | ८,८६१ | ४२३,२०१ | ५८,१०३ | ३५५,३५१ | ९,७४७ |
| ३७ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय | ३६६,२०८ | ५८२,६७७ | ५७८,८३७ | ३,८४० | ० | ६९०,२२० | ६८५,६४५ | ४,५७५ | ० | ७४२,३५० | ७३७,७१४ | ४,६३६ | ० |
| ३८ | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय | ६५,२११ | ७६,८९८ | ५२,२६२ | १९,६३६ | ५,००० | ८४,६२४ | ५४,३६३ | २६,९६१ | ३,३०० | ९७,५३३ | ५६,३७६ | ३७,५२७ | ३,६३० |
| ३९ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय | १५७,६९४ | १८९,५६८ | ६५,००६ | १२४,५६२ | ० | ३५१,०८४ | ८८,०५८ | २६३,०२६ | ० | ३८२,८८९ | ९५,१७३ | २८७,७१६ | ० |
| ४० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय | ४१५,०१६ | १,००९,७४८ | ८७०,९१६ | १३८,८३२ | ० | ६८१,५४३ | ४८१,१८२ | २००,३६१ | ० | ७२९,७२५ | ५२१,८४८ | २०७,८७७ | ० |
| ४१ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय | १५,८०७ | ५९,७२७ | ५८,३३४ | १,३९३ | ० | ६९,४०८ | ६७,७६७ | १,६४१ | ० | ६९,४८८ | ६७,८७८ | १,६१० | ० |
| ४२ | राष्ट्रिय योजना आयोग | ९,२५७ | २७,८१८ | २७,४१३ | ४०५ | ० | १०,६२६ | १०,११५ | ५११ | ० | ९,७४३ | ९,३४३ | ४०० | ० |
| ४३ | राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण | ५२९,७१७ | ३७२,२५५ | ५८,११४ | ३१४,१४१ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४४ | अर्थ मन्त्रालय- आन्तरिक ऋण भुक्तानी | ६५३,६१७ | ८५०,७०९ | ३६७,५१९ | ० | ४८३,१९० | १,०४६,३७३ | ४५२,०४९ | ० | ५९४,३२४ | १,३९१,६७६ | ६०१,२२५ | ० | ७९०,४५१ |
| ४५ | अर्थ मन्त्रालय- वैदेशिक ऋण भुक्तानी (बहुपक्षीय) | २६३,४५० | ३३२,२६२ | ५६,६०४ | ० | २७५,६५८ | ३७५,०४५ | ६३,९६३ | ० | ३११,०८२ | ४२३,३६४ | ७२,२७८ | ० | ३५१,०८६ |
| ४६ | अर्थ मन्त्रालय- वैदेशिक ऋण भुक्तानी (द्विपक्षीय) | ३२,६४६ | ९५,२३९ | २०,८२१ | ० | ७४,४१८ | १०७,६२० | २३,५२७ | ० | ८४,०९३ | १२१,६११ | २६,५८५ | ० | ९५,०२६ |
| ४७ | अर्थ मन्त्रालय- कर्मचारी सुविधा तथा सेवानिवृत सुविधा | ५२५,४५४ | ८५६,००३ | ८५६,००३ | ० | ० | ९६३,०३९ | ९६३,०३९ | ० | ० | १,०२०,८२१ | १,०२०,८२१ | ० | ० |
| ४८ | अर्थ मन्त्रालय- विविध | १,५०२ | ८८७,०७२ | ५४६,४७३ | ३४०,५९९ | ० | ६४१,३४६ | ३९०,१४६ | २५१,२०० | ० | ६०३,२१६ | ३४१,८९६ | २६१,३२० | ० |
| ४९ | प्रदेश | १,१०३,४८१ | १,०४१,६३० | ७४२,२१७ | २९९,४१३ | | १,१०८,८३२ | ७७३,८३२ | ३३५,००० | ० | १,१५९,६१८ | ८०४,४७४ | ३५५,१४४ | ० |
| ५० | स्थानीय तह | २,८४२,४३६ | २,८३१,३५७ | २,५१५,२३८ | ३१६,११९ | | २,९६८,६७३ | २,६३४,६७३ | ३३४,००० | ० | ३,११५,४२६ | २,७६९,२२६ | ३४६,२०० | ० |
| ५१ | नयाँ कार्यक्रम/आयोजना | | | | | | ६९२,९५६ | ३३२,८९५ | २७०,०६१ | ९०,००० | १,३८७,१२४ | ५६७,५९३ | ६९४,९०० | १२४,६३१ |
| | **जम्मा** | **११,७९२,३९८** | **१६,३२८,२९२** | **१०,०३७,४०७** | **४,३९६,५०९** | **१,८९४,३७६** | **१७,९३१,०००** | **१०,३७२,८७९** | **५,१४६,१८५** | **२,४११,९३६** | **१९,९७८,०००** | **११,१७३,६२९** | **६,०१२,५२२** | **२,७९१,८४९** |

# अनुसूची १.२

## मन्त्रालय/निकायगत त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं. | मन्त्रालय/निकाय | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| १ | राष्ट्रपतिको कार्यालय | १,४२६ | १,४२६ | ० | ० | १,५२३ | १,५२३ | ० | ० | १,५९० | १,५९० | ० | ० |
| २ | उपराष्ट्रपतिको कार्यालय | ४७५ | ४७५ | ० | ० | ५०७ | ५०७ | ० | ० | ५२६ | ५२६ | ० | ० |
| ३ | प्रदेश प्रमुखहरु | २,०१७ | २,०१७ | ० | ० | २,१४४ | २,१४४ | ० | ० | २,२२७ | २,२२७ | ० | ० |
| ४ | संघीय संसद | १२,१८४ | १२,१८४ | ० | ० | १२,९७० | १२,९७० | ० | ० | १३,४४६ | १३,४४६ | ० | ० |
| ५ | अदालत | ६८,३६४ | ६८,३६४ | ० | ० | ७२,९४६ | ७२,९४६ | ० | ० | ७६,९५८ | ७६,९५८ | ० | ० |
| ६ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग | १२,७६४ | १२,७६४ | ० | ० | १३,८१२ | १३,८१२ | ० | ० | १४,५०४ | १४,५०४ | ० | ० |
| ७ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय | ५,५२५ | ५,५२५ | ० | ० | ५,९३० | ५,९३० | ० | ० | ६,१९८ | ६,१९८ | ० | ० |
| ८ | लोक सेवा आयोग | ८,४६० | ८,४६० | ० | ० | ९,४२२ | ९,४२२ | ० | ० | ९,७६८ | ९,७६८ | ० | ० |
| ९ | निर्वाचन आयोग | ५,४४० | ५,४४० | ० | ० | ५,८०६ | ५,८०६ | ० | ० | ६,०८४ | ६,०८४ | ० | ० |
| १० | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग | २,५३६ | २,५३६ | ० | ० | २,७०९ | २,७०९ | ० | ० | २,८०६ | २,८०६ | ० | ० |
| ११ | न्याय परिषद् | ४६४ | ४६४ | ० | ० | ५०१ | ५०१ | ० | ० | ५१९ | ५१९ | ० | ० |
| १२ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | ८२९ | ८२९ | ० | ० | ९१३ | ९१३ | ० | ० | ९४७ | ९४७ | ० | ० |
| १३ | राष्ट्रिय महिला आयोग | १,०१३ | १,०१३ | ० | ० | १,१३५ | १,१३५ | ० | ० | १,१७७ | १,१७७ | ० | ० |
| १४ | राष्ट्रिय दलित आयोग | ३२४ | ३२४ | ० | ० | ३४५ | ३४५ | ० | ० | ३५८ | ३५८ | ० | ० |
| १५ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | ३०४ | ३०४ | ० | ० | ३१९ | ३१९ | ० | ० | ३३० | ३३० | ० | ० |
| १६ | आदिवासी जनजाति आयोग | २७१ | २७१ | ० | ० | २९० | २९० | ० | ० | ३०० | ३०० | ० | ० |
| १७ | मधेशी आयोग | ३२६ | ३२६ | ० | ० | ३५१ | ३५१ | ० | ० | ३६४ | ३६४ | ० | ० |
| १८ | थारू आयोग | ४२२ | ४२२ | ० | ० | ४६३ | ४६३ | ० | ० | ४८१ | ४८१ | ० | ० |
| १९ | मुस्लिम आयोग | ४२९ | ४२९ | ० | ० | ४७२ | ४७२ | ० | ० | ४९३ | ४९३ | ० | ० |
| २० | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | ४०,८९७ | ३९,८७७ | १,०२० | ० | ४३,६०० | ४२,५०० | १,१०० | ० | ४५,५११ | ४५,०११ | ५०० | ० |
| २१ | अर्थ मन्त्रालय | ४६४,६६६ | ३४९,४८८ | ९०,५७४ | २४,६०४ | ५३५,१४६ | ३३४,९०२ | ९२,३८६ | १०७,८५८ | ५७२,६२९ | ३३५,४४७ | १०९,६५३ | १२७,५२९ |
| २२ | उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय | ११०,१७९ | ७८,५४६ | २०,३७३ | ११,२६० | १००,१९९ | ८६,५३८ | ४,३०० | ९,३६१ | ११२,६६२ | १०२,०४४ | २,००२ | ८,६१६ |
| २३ | उर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय | ९८३,६३६ | ३६४,१९७ | ४०,२५५ | ५७९,१८४ | १,३३६,१७८ | ५४०,७४३ | ५५,३४६ | ७४०,०८९ | १,५०६,५७८ | ६३१,४९७ | ३६,८२४ | ८३८,२५७ |
| २४ | कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय | ४,८७३ | ४,८७३ | ० | ० | ५,३५० | ५,३५० | ० | ० | ५,५५२ | ५,५५२ | ० | ० |
| २५ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय | ४०२,६६४ | २४५,३०२ | २८,६६३ | १२८,६९९ | ४००,८२८ | २८७,९५३ | १२,५१५ | १००,३६० | ४२८,४७१ | ३२७,९६६ | ७,६१० | ९२,८९५ |
| २६ | खानेपानी मन्त्रालय | ३८०,२८५ | २२६,२१८ | १५,४४९ | १३८,६१८ | ५२६,८०६ | २५७,१०६ | ५,९०० | २६३,८०० | ५६६,२६० | २९२,५४० | ३,०६६ | २७०,६५४ |
| २७ | गृह मन्त्रालय | १,६४५,०१५ | १,६०७,०९४ | ६,७९२ | ३१,१२९ | १,६८५,६३७ | १,६७३,९५७ | ० | ११,६८० | १,७३५,०५२ | १,७२२,८१७ | ० | १२,२३५ |
| २८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय | २६६,११० | ९३,२१९ | २,०५१ | १७०,८४० | २४९,२८२ | १३९,९९९ | २८३ | १०९,००० | २६३,५०२ | १६८,६४२ | ० | ९४,८६० |
| २९ | परराष्ट्र मन्त्रालय | ६७,९९९ | ६७,९९९ | ० | ० | ८१,८७५ | ८१,८७५ | ० | ० | ७६,८८० | ७६,८८० | ० | ० |
| ३० | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | १२०,२८० | १०२,५५९ | १७,६२१ | १०० | १२४,५७३ | १०८,६१२ | १५,७६१ | २०० | १३२,३९१ | ११४,७३६ | १७,५३४ | १२१ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | मन्त्रालय/निकाय | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ३१ | भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालय | ७१,७५४ | ७१,२९४ | ४६० | ० | ७९,७९५ | ७८,७९५ | १,००० | ० | ८६,११४ | ८५,४९० | ६२४ | ० |
| ३२ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय | १,५६७,२८४ | ६९३,११२ | ३६,५६९ | ८३७,६०३ | १,८९५,१०५ | १,१५३,७५५ | २०,२०० | ७२१,१५० | २,०२६,८८६ | १,३६८,३९५ | २०,८१४ | ६३७,६७७ |
| ३३ | महिला बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक मन्त्रालय | ८,५७७ | ८,४६७ | ११० | ० | ९,५१३ | ९,३६३ | १५० | ० | १०,४०८ | १०,२२८ | १८० | ० |
| ३४ | युवा तथा खेलकूद मन्त्रालय | २१,३५१ | २१,३५१ | ० | ० | २६,१६३ | २६,१६३ | ० | ० | २८,०३५ | २८,०३५ | ० | ० |
| ३५ | रक्षा मन्त्रालय | ५१५,३९५ | ५१५,३९५ | ० | ० | ५४०,१९५ | ५४०,१९५ | ० | ० | ५६४,२०८ | ५६४,२०८ | ० | ० |
| ३६ | शहरी विकास मन्त्रालय | ३२०,७९१ | २२३,३६६ | ० | ९७,४२५ | ३६६,८०८ | २३९,२३६ | ० | १२७,५७२ | ४२३,२०१ | २९७,५३९ | ० | १२५,६६२ |
| ३७ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय | ५८२,६७७ | ४४४,५०९ | २९,६१८ | १०८,५५० | ६९०,२२० | ५०८,९०७ | ५४,६९३ | १२६,६२० | ७४२,३५० | ५५०,८९४ | ३९,९३९ | १५१,५१७ |
| ३८ | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय | ७६,८९८ | ७६,८९८ | ० | ० | ८४,६२४ | ८४,६२४ | ० | ० | ९७,५३३ | ९७,५३३ | ० | ० |
| ३९ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय | १८९,५६८ | १००,९९८ | २९,५४३ | ५९,०२७ | ३५१,०८४ | १२९,९७६ | ४१,१०८ | १८०,००० | ३८२,८८९ | १४०,४१८ | ४५,९७१ | १९६,५०० |
| ४० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय | १,००९,७४८ | ५२४,५६७ | ८३,०७५ | ४०२,१०६ | ६८१,५४३ | ५२६,९८३ | ११४,५६० | ४०,००० | ७२९,७२५ | ३९७,९१४ | ११३,६०९ | २१८,२०२ |
| ४१ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय | ५९,७२७ | ४७,११४ | ३,५७४ | ९,०३९ | ६९,४०८ | ५१,७४४ | ७,७७६ | ९,८८८ | ६९,४८८ | ५७,६६६ | १,००० | १०,८२२ |
| ४२ | राष्ट्रिय योजना आयोग | २७,८१८ | २७,८१८ | ० | ० | १०,६२६ | १०,६२६ | ० | ० | ९,७४३ | ९,७४३ | ० | ० |
| ४३ | राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण | ३७२,२५५ | ११३,७९१ | ९४,३३० | १६४,१३४ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४४ | अर्थ मन्त्रालय- आन्तरिक ऋण भुक्तानी | ८५०,७०९ | ८५०,७०९ | ० | ० | १,०४६,३७३ | १,०४६,३७३ | ० | ० | १,३९१,६७६ | १,३९१,६७६ | ० | ० |
| ४५ | अर्थ मन्त्रालय- वैदेशिक ऋण भुक्तानी (बहुपक्षीय) | ३३२,२६२ | ३३२,२६२ | ० | ० | ३७५,०४५ | ३७५,०४५ | ० | ० | ४२३,३६४ | ४२३,३६४ | ० | ० |
| ४६ | अर्थ मन्त्रालय- वैदेशिक ऋण भुक्तानी (द्विपक्षीय) | ९५,२३९ | ९५,२३९ | ० | ० | १०७,६२० | १०७,६२० | ० | ० | १२१,६११ | १२१,६११ | ० | ० |
| ४७ | अर्थ मन्त्रालय- कर्मचारी सुविधा तथा सेवानिवृत सुविधा | ८५६,००३ | ८५६,००३ | ० | ० | ९६३,०३९ | ९६३,०३९ | ० | ० | १,०२०,८२१ | १,०२०,८२१ | ० | ० |
| ४८ | अर्थ मन्त्रालय- विविध | ८८७,०७२ | ८८७,०७२ | ० | ० | ६४१,३४६ | ६४१,३४६ | ० | ० | ६०३,२१६ | ६०३,२१६ | ० | ० |
| ४९ | प्रदेश | १,०४१,६३० | ९९५,४०८ | ३७,३४२ | ८,८८० | १,१०८,८३२ | १,०५८,६२६ | ४०,५६१ | ९,६४५ | १,१५९,६१८ | १,०७७,६४२ | ३१,९८१ | ४९,९९५ |
| ५० | स्थानीय तह | २,८३१,३५७ | २,७०९,८८८ | ६१,७८० | ५९,६८९ | २,९६८,६७३ | २,८४६,३१२ | ६२,३६१ | ६०,००० | ३,११५,४२६ | २,९७३,३५५ | ४९,७१२ | ९२,३५९ |
| ५१ | नयाँ कार्यक्रम/आयोजना | | | | | ६९२,९५६ | ३८८,१७९ | २२,००० | २८२,७७७ | १,३८७,१२४ | १,१२०,०४४ | १८,९८१ | २४८,०९९ |
| | **जम्मा** | **१६,३२८,२९२** | **१२,८९८,२०६** | **५९९,१९९** | **२,८३०,८८७** | **१७,९३१,०००** | **१४,४७९,०००** | **५५२,०००** | **२,९००,०००** | **१९,९७८,०००** | **१६,३०२,०००** | **५००,०००** | **३,१७६,०००** |

# अनुसूची २.१

## विषय क्षेत्रगत त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं. | विषय क्षेत्र | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | २३०,०९५ | ४०२,६६४ | ३२६,४३७ | ३६,२२७ | ४०,००० | ४००,८२८ | ३२४,५०५ | ३६,३२३ | ४०,००० | ४२८,४७१ | ३४३,८६७ | ४४,६०४ | ४०,००० |
| २ | भूमि व्यवस्था | ५१,६१९ | ६६,४४२ | ५०,७५२ | १४,६९० | १,००० | ७३,४१९ | ५१,३१३ | १६,६०६ | ५,५०० | ७८,९७० | ५४,६५६ | १८,२६४ | ६,०५० |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | ४,३८६ | ५,३१२ | ५,१२५ | १८७ | ० | ६,३७६ | ४,९०७ | १,४६९ | ० | ७,१४४ | ५,५२८ | १,६१६ | ० |
| ४ | वन तथा वातावरण | १०१,६५९ | १२०,२८० | ७७,२२२ | ४३,०५८ | ० | १२४,५७३ | ८४,५८८ | ३८,९८५ | ० | १३२,३९१ | ९१,३२९ | ४१,०६२ | ० |
| ५ | अर्थ | २०८,६९४ | ४६४,६६६ | २७६,९१४ | १०३,५५२ | ८४,२०० | ५३५,१४६ | २७४,७५६ | १२८,८९० | १३१,५०० | ५७२,६२९ | २८३,८७० | १४७,२५९ | १४१,५०० |
| ६ | उद्योग | ३३,८२६ | ७५,३६७ | ३८,४७० | ३४,११४ | २,७८३ | ७४,१९२ | ३३,०५३ | ३६,७३९ | ४,४०० | ८५,६९७ | ३४,६७३ | ४६,१८४ | ४,८४० |
| ७ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | २१,०३३ | ३४,८१२ | १२,४६१ | २२,३५१ | ० | २६,००७ | १३,७२२ | १२,२८५ | ० | २६,९६५ | १५,२९३ | ११,६७२ | ० |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | ११७,४४८ | २६६,११० | ३६,९६४ | २२,४६१ | २०६,६८५ | २४९,२८२ | ३१,७९४ | २७,६४३ | १८९,८४५ | २६३,५०२ | ३५,६०८ | ३५,०९४ | १९२,८०० |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | ३६६,२०८ | ५८२,६७७ | ५७८,८३७ | ३,८४० | ० | ६९०,२२० | ६८५,६४५ | ४,५७५ | ० | ७४२,३५० | ७३७,७१४ | ४,६३६ | ० |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | ४१५,०१६ | १,००९,७४८ | ८७०,९१६ | १३८,८३२ | ० | ६८१,५४३ | ४८१,१८२ | २००,३६१ | ० | ७२९,७२५ | ५२१,८४८ | २०७,८७७ | ० |
| ११ | खानेपानी तथा सरसफाइ | २०४,००० | ३८०,२८५ | ९,७९९ | २२९,४२३ | १४१,०६३ | ५२६,८०६ | ९,३७३ | ३४८,०८९ | १६९,३४४ | ५६६,२६० | १०,०९१ | ३९५,८२५ | १६०,३४४ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | १३,९५९ | २१,३५१ | १५,९७४ | ५,३७७ | ० | २६,१६३ | १९,४७० | ६,६९३ | ० | २८,०३५ | २०,९१७ | ७,११८ | ० |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक | ४,९७३ | ८,५७७ | ७,०१५ | १,५६२ | ० | ९,५१३ | ८,१७४ | १,३३९ | ० | १०,४०८ | ८,९३६ | १,४७२ | ० |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा | १५,८०७ | ५९,७२७ | ५८,३३४ | १,३९३ | ० | ६९,४०८ | ६७,७६७ | १,६४१ | ० | ६९,४८८ | ६७,८७८ | १,६१० | ० |
| १५ | ऊर्जा | २५२,१०६ | ७०४,५२६ | २९,६४४ | ११२,६९५ | ५६२,१८७ | ९५२,६८८ | ३८,४६५ | १३९,५३६ | ७७४,६८७ | १,०७९,८६५ | ४६,१५८ | १६६,९६३ | ८६६,७४४ |
| १६ | जलस्रोत | ६३,१९२ | ६३,२०८ | २,८४२ | ६०,३६६ | ० | ७९,६४१ | ३,९७६ | ७५,६६५ | ० | ८७,५७७ | ४,१७६ | ८३,४०१ | ० |
| १७ | सिँचाइ | १२६,४४७ | २०४,६७४ | ७,०३६ | १९७,६३८ | ० | २९१,५७९ | ९,१०६ | २८२,४७३ | ० | ३२५,८२१ | १०,६८२ | ३१५,१३९ | ० |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | ८,९७९ | ११,२२८ | २,५४८ | ८,६८० | ० | १२,२७० | ३,०२० | ९,२५० | ० | १३,३१५ | ३,३१५ | १०,००० | ० |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | १,०२३,९५९ | १,५६७,२८४ | १०१,७६५ | १,४६०,५१९ | ५,००० | १,८९५,१०५ | १०६,९६७ | १,७८३,१३८ | ५,००० | २,०२६,८८६ | १११,२०७ | १,९१०,६७९ | ५,००० |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | ६५,२११ | ७६,८९८ | ५२,२६२ | १९,६३६ | ५,००० | ८४,६२४ | ५४,३६३ | २६,९६१ | ३,३०० | ९७,५३३ | ५६,३७६ | ३७,५२७ | ३,६३० |
| २१ | शहरी विकास | २५८,५३६ | ३२०,७९१ | १९,४३४ | २८८,१६५ | १३,१९२ | ३६६,८०८ | ४६,९८३ | ३१०,९६४ | ८,८६१ | ४२३,२०१ | ५८,१०३ | ३५५,३५१ | ९,७४७ |
| २२ | पुनर्निर्माण | ५२९,७१७ | ३७२,२५५ | ५८,११४ | ३१४,१४१ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २३ | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद् | ३०,३२५ | ४०,८९७ | ३५,५०२ | ५,३९५ | ० | ४३,६०० | ३७,६६४ | ५,९३६ | ० | ४५,५११ | ३८,९८१ | ६,५३० | ० |
| २४ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | १५७,६९४ | १८९,५६८ | ६५,००६ | १२४,५६२ | ० | ३५१,०८४ | ८८,०५८ | २६३,०२६ | ० | ३८२,८८९ | ९५,१७३ | २८७,७१६ | ० |
| २५ | कानुन, न्याय तथा संसदीय मामिला | २,८६० | ४,८७३ | ४,६५७ | २१६ | ० | ५,३५० | ५,११३ | २३७ | ० | ५,५५२ | ५,२९२ | २६० | ० |
| २६ | गृह | १,३५३,६३० | १,६४५,०१५ | १,५६६,५१५ | ७८,५०० | ० | १,६८५,६३७ | १,६१२,६५१ | ७२,९८६ | ० | १,७३५,०५२ | १,६५४,७६७ | ८०,२८५ | ० |
| २७ | रक्षा | ५२६,५४७ | ५१५,३९५ | ४४३,९७४ | ७१,४२१ | ० | ५४०,१९५ | ४६१,६३१ | ७८,५६४ | ० | ५६४,२०८ | ४७७,७८८ | ८६,४२० | ० |
| २८ | परराष्ट्र | ६०,५०६ | ६७,९९९ | ५३,२६२ | १४,७३७ | ० | ८१,८७५ | ६५,६९५ | १६,१८० | ० | ७६,८८० | ५८,६३० | १८,२५० | ० |
| २९ | योजना तथा तथ्यांक | ९,२५७ | २७,८१८ | २७,४१३ | ४०५ | ० | १०,६२६ | १०,११५ | ५११ | ० | ९,७४३ | ९,३४३ | ४०० | ० |
| ३० | राष्ट्रपतिको कार्यालय | १,२२९ | १,४२६ | १,२३२ | १९४ | ० | १,५२३ | १,३१० | २१३ | ० | १,५९० | १,३५६ | २३४ | ० |
| ३१ | उपराष्ट्रपतिको कार्यालय | ४६८ | ४७५ | ४६० | १५ | ० | ५०७ | ४९० | १७ | ० | ५२६ | ५०७ | १९ | ० |
| ३२ | संघीय संसद | १०,४१९ | १२,१८४ | ११,८६४ | ३२० | ० | १२,९७० | १२,६१८ | ३५२ | ० | १३,४४६ | १३,०५९ | ३८७ | ० |
| ३३ | अदालत | ६९,६१३ | ६८,३६४ | ४७,९७१ | २०,३९३ | ० | ७२,९४६ | ५०,५१४ | २२,४३२ | ० | ७६,९५८ | ५२,२८३ | २४,६७५ | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं. | विषय क्षेत्र | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था |
| ३४ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग | ८,३०५ | १२,७६४ | ९,८५५ | २,९०९ | ० | १३,८१२ | १०,६१२ | ३,२०० | ० | १४,५०४ | १०,९८४ | ३,५२० | ० |
| ३५ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय | ५,१५५ | ५,५२५ | ४,६७७ | ८४८ | ० | ५,९३० | ४,९९७ | ९३३ | ० | ६,१९८ | ५,१७२ | १,०२६ | ० |
| ३६ | लोक सेवा आयोग | ५,३६८ | ८,४६० | ८,२४९ | २११ | ० | ९,४२२ | ९,१९० | २३२ | ० | ९,७६८ | ९,५१२ | २५६ | ० |
| ३७ | निर्वाचन आयोग | ४,८९६ | ५,४४० | ४,३९१ | १,०४९ | ० | ५,८०६ | ४,६५२ | १,१५४ | ० | ६,०८४ | ४,८१४ | १,२७० | ० |
| ३८ | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग | १,७७३ | २,५३६ | २,५०२ | ३४ | ० | २,७०९ | २,६७२ | ३७ | ० | २,८०६ | २,७६५ | ४१ | ० |
| ३९ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | ४६१ | ८२९ | ७९३ | ३६ | ० | ९१३ | ८७३ | ४० | ० | ९४७ | ९०३ | ४४ | ० |
| ४० | राष्ट्रिय महिला आयोग | ६९० | १,०१३ | ९८६ | २७ | ० | १,१३५ | १,१०५ | ३० | ० | १,१७७ | १,१४४ | ३३ | ० |
| ४१ | राष्ट्रिय दलित आयोग | २६३ | ३२४ | ३१४ | १० | ० | ३४५ | ३३४ | ११ | ० | ३५८ | ३४६ | १२ | ० |
| ४२ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | २०७ | ३०४ | २९२ | १२ | ० | ३१९ | ३०६ | १३ | ० | ३३० | ३१६ | १४ | ० |
| ४३ | आदिवासी जनजाति आयोग | २१५ | २७१ | २५८ | १३ | ० | २९० | २७६ | १४ | ० | ३०० | २८५ | १५ | ० |
| ४४ | मधेशी आयोग | ४३१ | ३२६ | ३२० | ६ | ० | ३५१ | ३४४ | ७ | ० | ३६४ | ३५६ | ८ | ० |
| ४५ | थारू आयोग | ३८७ | ४२२ | ३९२ | ३० | ० | ४६३ | ४३० | ३३ | ० | ४८१ | ४४५ | ३६ | ० |
| ४६ | मुस्लिम आयोग | २७५ | ४२९ | ३७२ | ५७ | ० | ४७२ | ४०९ | ६३ | ० | ४९३ | ४२४ | ६९ | ० |
| ४७ | न्याय परिषद् | ४१० | ४६४ | ४४३ | २१ | ० | ५०१ | ४७८ | २३ | ० | ५१९ | ४९४ | २५ | ० |
| ४८ | प्रदेश प्रमुख | १,५५८ | २,०१७ | १,९६७ | ५० | ० | २,१४४ | २,०८९ | ५५ | ० | २,२२७ | २,१६७ | ६० | ० |
| ४९ | अर्थ मन्त्रालय - ऋणको सौंवा तथा ब्याज भुक्तानी | ९४९,७१३ | १,२७८,२१० | ४४४,९४४ | ० | ८३३,२६६ | १,५२९,०३८ | ५३९,५३९ | ० | ९८९,४९९ | १,९३६,६५१ | ७००,०८८ | ० | १,२३६,५६३ |
| ५० | अर्थ मन्त्रालय - विविध (साधारण) | ५२६,७६२ | १,४१४,०९४ | १,२६७,९७६ | १४६,११८ | ० | १,३८१,७३० | १,२३४,७३० | १४७,००० | ० | १,३९२,९९१ | १,२४३,७९१ | १४९,२०० | ० |
| ५१ | अर्थ मन्त्रालय - विविध (विकास) | १९४ | ३२८,९८१ | १३४,५०० | १९४,४८१ | ० | २२२,६५५ | ११८,४५५ | १०४,२०० | ० | २३१,०४६ | ११८,९२६ | ११२,१२० | ० |
| ५२ | प्रदेश | १,१०३,४८१ | १,०४१,६३० | ७४२,२१७ | २९९,४१३ | | १,१०८,८३२ | ७७३,८३२ | ३३५,००० | ० | १,१५९,६१८ | ८०४,४७४ | ३५५,१४४ | ० |
| ५३ | स्थानीय तह | २,८४२,४३६ | २,८३१,३५७ | २,५१५,२३८ | ३१६,११९ | | २,९६८,६७३ | २,६३४,६७३ | ३३४,००० | ० | ३,११५,४२६ | २,७६९,२२६ | ३४६,२०० | ० |
| ५४ | नयाँ कार्यक्रम/आयोजना | | | | | | ६९२,९५६ | ३३२,८९५ | २७०,०६१ | ९०,००० | १,३८७,१२४ | ५६७,५९३ | ६९४,९०० | १२४,६३१ |
| | **जम्मा** | **११,७९२,३९८** | **१६,३२८,२९२** | **१०,०३७,४०७** | **४,३९६,५०९** | **१,८९४,३७६** | **१७,९३१,०००** | **१०,३७२,८७९** | **५,१४६,१८५** | **२,४११,९३६** | **१९,९७८,०००** | **११,१७३,६२९** | **६,०१२,५२२** | **२,७९१,८४९** |

# अनुसूची २.२

## विषय क्षेत्रगत त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | विषय क्षेत्र | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | ४०२,६६४ | २४५,३०२ | २८,६६३ | १२८,६९९ | ४००,८२८ | २८७,९५३ | १२,५१५ | १००,३६० | ४२८,४७१ | ३२७,९६६ | ७,६१० | ९२,८९५ |
| २ | भूमि व्यवस्था | ६६,४४२ | ६५,९८२ | ४६० | ० | ७३,४१९ | ७२,४१९ | १,००० | ० | ७८,९७० | ७८,३४६ | ६२४ | ० |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | ५,३१२ | ५,३१२ | ० | ० | ६,३७६ | ६,३७६ | ० | ० | ७,१४४ | ७,१४४ | ० | ० |
| ४ | वन तथा वातावरण | १२०,२८० | १०२,५५९ | १७,६२१ | १०० | १२४,५७३ | १०८,६१२ | १५,७६१ | २०० | १३२,३९१ | ११४,७३६ | १७,५३४ | १२१ |
| ५ | अर्थ | ४६४,६६६ | ३४९,४८८ | ९०,५७४ | २४,६०४ | ५३५,१४६ | ३३४,९०२ | ९२,३८६ | १०७,८५८ | ५७२,६२९ | ३३५,४४७ | १०९,६५३ | १२७,५२९ |
| ६ | उद्योग | ७५,३६७ | ६४,९४२ | १०,४२५ | ० | ७४,१९२ | ७२,७९२ | १,४०० | ० | ८५,६९७ | ८५,६७९ | १८ | ० |
| ७ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | ३४,८१२ | १३,६०४ | ९,९४८ | ११,२६० | २६,००७ | १३,७४६ | २,९०० | ९,३६१ | २६,९६५ | १६,३६५ | १,९८४ | ८,६१६ |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | २६६,११० | ९३,२१९ | २,०५१ | १७०,८४० | २४९,२८२ | १३९,९९९ | २८३ | १०९,००० | २६३,५०२ | १६८,६४२ | ० | ९४,८६० |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | ५८२,६७७ | ४४४,५०९ | २९,६१८ | १०८,५५० | ६९०,२२० | ५०८,९०७ | ५४,६९३ | १२६,६२० | ७४२,३५० | ५५०,८९४ | ३९,९३९ | १५१,५१७ |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | १,००९,७४८ | ५२४,५६७ | ८३,०७५ | ४०२,१०६ | ६८१,५४३ | ५२६,९८३ | ११४,५६० | ४०,००० | ७२९,७२५ | ३९७,९१४ | ११३,६०९ | २१८,२०२ |
| ११ | खानेपानी तथा सरसफाइ | ३८०,२८५ | २२६,२१८ | १५,४४९ | १३८,६१८ | ५२६,८०६ | २५७,१०६ | ५,९०० | २६३,८०० | ५६६,२६० | २९२,५४० | ३,०६६ | २७०,६५४ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | २१,३५१ | २१,३५१ | ० | ० | २६,१६३ | २६,१६३ | ० | ० | २८,०३५ | २८,०३५ | ० | ० |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक | ८,५७७ | ८,४६७ | ११० | ० | ९,५१३ | ९,३६३ | १५० | ० | १०,४०८ | १०,२२८ | १८० | ० |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा | ५९,७२७ | ४७,११४ | ३,५७४ | ९,०३९ | ६९,४०८ | ५१,७४४ | ७,७७६ | ९,८८८ | ६९,४८८ | ५७,६६६ | १,००० | १०,८२२ |
| १५ | ऊर्जा | ७०४,५२६ | २०२,२४६ | ३१,९१० | ४७०,३७० | ९५२,६८८ | २३०,०७६ | ३२,८४६ | ६८९,७६६ | १,०७९,८६५ | २६४,९०२ | १४,३७३ | ८००,५९० |
| १६ | जलस्रोत | ६३,२०८ | ३८,३९८ | ६,५५० | १८,२६० | ७९,६४१ | ६०,१४१ | १९,५०० | ० | ८७,५७७ | ६६,०७७ | २१,५०० | ० |
| १७ | सिंचाइ | २०४,६७४ | ११२,३२५ | १,७९५ | ९०,५५४ | २९१,५७९ | २३८,२५६ | ३,००० | ५०,३२३ | ३२५,८२१ | २८७,२०३ | ९५१ | ३७,६६७ |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | ११,२२८ | ११,२२८ | ० | ० | १२,२७० | १२,२७० | ० | ० | १३,३१५ | १३,३१५ | ० | ० |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | १,५६७,२८४ | ६९३,११२ | ३६,५६९ | ८३७,६०३ | १,८९५,१०५ | १,१५३,७५५ | २०,२०० | ७२१,१५० | २,०२६,८८६ | १,३६८,३९५ | २०,८१४ | ६३७,६७७ |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | ७६,८९८ | ७६,८९८ | ० | ० | ८४,६२४ | ८४,६२४ | ० | ० | ९७,५३३ | ९७,५३३ | ० | ० |
| २१ | शहरी विकास | ३२०,७९१ | २२३,३६६ | ० | ९७,४२५ | ३६६,८०८ | २३९,२३६ | ० | १२७,५७२ | ४२३,२०१ | २९७,५३९ | ० | १२५,६६२ |
| २२ | पुनर्निर्माण | ३७२,२५५ | ११३,७९१ | ९४,३३० | १६४,१३४ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २३ | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद् | ४०,८९७ | ३९,८७७ | १,०२० | ० | ४३,६०० | ४२,५०० | १,१०० | ० | ४५,५११ | ४५,०११ | ५०० | ० |
| २४ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | १८९,५६८ | १००,९९८ | २९,५४३ | ५९,०२७ | ३५१,०८४ | १२९,९७६ | ४१,१०८ | १८०,००० | ३८२,८८९ | १४०,४१८ | ४५,९७१ | १९६,५०० |
| २५ | कानुन, न्याय तथा संसदीय मामिला | ४,८७३ | ४,८७३ | ० | ० | ५,३५० | ५,३५० | ० | ० | ५,५५२ | ५,५५२ | ० | ० |
| २६ | गृह | १,६४५,०१५ | १,६०७,०९४ | ६,७९२ | ३१,१२९ | १,६८५,६३७ | १,६७३,९५७ | ० | ११,६८० | १,७३५,०५२ | १,७२२,८१७ | ० | १२,२३५ |
| २७ | रक्षा | ५१५,३९५ | ५१५,३९५ | ० | ० | ५४०,१९५ | ५४०,१९५ | ० | ० | ५६४,२०८ | ५६४,२०८ | ० | ० |
| २८ | परराष्ट्र | ६७,९९९ | ६७,९९९ | ० | ० | ८१,८७५ | ८१,८७५ | ० | ० | ७६,८८० | ७६,८८० | ० | ० |
| २९ | योजना तथा तथ्यांक | २७,८१८ | २७,८१८ | ० | ० | १०,६२६ | १०,६२६ | ० | ० | ९,७४३ | ९,७४३ | ० | ० |
| ३० | राष्ट्रपतिको कार्यालय | १,४२६ | १,४२६ | ० | ० | १,५२३ | १,५२३ | ० | ० | १,५९० | १,५९० | ० | ० |
| ३१ | उपराष्ट्रपतिको कार्यालय | ४७५ | ४७५ | ० | ० | ५०७ | ५०७ | ० | ० | ५२६ | ५२६ | ० | ० |
| ३२ | संघीय संसद | १२,१८४ | १२,१८४ | ० | ० | १२,९७० | १२,९७० | ० | ० | १३,४४६ | १३,४४६ | ० | ० |
| ३३ | अदालत | ६८,३६४ | ६८,३६४ | ० | ० | ७२,९४६ | ७२,९४६ | ० | ० | ७६,९५८ | ७६,९५८ | ० | ० |
| ३४ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग | १२,७६४ | १२,७६४ | ० | ० | १३,८१२ | १३,८१२ | ० | ० | १४,५०४ | १४,५०४ | ० | ० |
| ३५ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय | ५,५२५ | ५,५२५ | ० | ० | ५,९३० | ५,९३० | ० | ० | ६,१९८ | ६,१९८ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | विषय क्षेत्र | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ३६ | लोक सेवा आयोग | ८,४६० | ८,४६० | ० | ० | ९,४२२ | ९,४२२ | ० | ० | ९,७६८ | ९,७६८ | ० | ० |
| ३७ | निर्वाचन आयोग | ५,४४० | ५,४४० | ० | ० | ५,८०६ | ५,८०६ | ० | ० | ६,०८४ | ६,०८४ | ० | ० |
| ३८ | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग | २,५३६ | २,५३६ | ० | ० | २,७०९ | २,७०९ | ० | ० | २,८०६ | २,८०६ | ० | ० |
| ३९ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | ८२९ | ८२९ | ० | ० | ९१३ | ९१३ | ० | ० | ९४७ | ९४७ | ० | ० |
| ४० | राष्ट्रिय महिला आयोग | १,०१३ | १,०१३ | ० | ० | १,१३५ | १,१३५ | ० | ० | १,१७७ | १,१७७ | ० | ० |
| ४१ | राष्ट्रिय दलित आयोग | ३२४ | ३२४ | ० | ० | ३४५ | ३४५ | ० | ० | ३५८ | ३५८ | ० | ० |
| ४२ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | ३०४ | ३०४ | ० | ० | ३१९ | ३१९ | ० | ० | ३३० | ३३० | ० | ० |
| ४३ | आदिवासी जनजाति आयोग | २७१ | २७१ | ० | ० | २९० | २९० | ० | ० | ३०० | ३०० | ० | ० |
| ४४ | मधेशी आयोग | ३२६ | ३२६ | ० | ० | ३५१ | ३५१ | ० | ० | ३६४ | ३६४ | ० | ० |
| ४५ | थारू आयोग | ४२२ | ४२२ | ० | ० | ४६३ | ४६३ | ० | ० | ४८१ | ४८१ | ० | ० |
| ४६ | मुस्लिम आयोग | ४२९ | ४२९ | ० | ० | ४७२ | ४७२ | ० | ० | ४९३ | ४९३ | ० | ० |
| ४७ | न्याय परिषद् | ४६४ | ४६४ | ० | ० | ५०१ | ५०१ | ० | ० | ५१९ | ५१९ | ० | ० |
| ४८ | प्रदेश प्रमुख | २,०१७ | २,०१७ | ० | ० | २,१४४ | २,१४४ | ० | ० | २,२२७ | २,२२७ | ० | ० |
| ४९ | अर्थ मन्त्रालय - ऋणको साँवा तथा ब्याज भुक्तानी | १,२७८,२१० | १,२७८,२१० | ० | ० | १,५२९,०३८ | १,५२९,०३८ | ० | ० | १,९३६,६५१ | १,९३६,६५१ | ० | ० |
| ५० | अर्थ मन्त्रालय - विविध (साधारण) | १,४१४,०९४ | १,४१४,०९४ | ० | ० | १,३८१,७३० | १,३८१,७३० | ० | ० | १,३९२,९९१ | १,३९२,९९१ | ० | ० |
| ५१ | अर्थ मन्त्रालय - विविध (विकास) | ३२८,९८१ | ३२८,९८१ | ० | ० | २२२,६५५ | २२२,६५५ | ० | ० | २३१,०४६ | २३१,०४६ | ० | ० |
| ५२ | प्रदेश | १,०४१,६३० | ९९५,४०८ | ३७,३४२ | ८,८८० | १,१०८,८३२ | १,०५८,६२६ | ४०,५६१ | ९,६४५ | १,१५९,६१८ | १,०७७,६४२ | ३१,९८१ | ४९,९९५ |
| ५३ | स्थानीय तह | २,८३१,३५७ | २,७०९,८८८ | ६१,७८० | ५९,६८९ | २,९६८,६७३ | २,८४६,३१२ | ६२,३६१ | ६०,००० | ३,११५,४२६ | २,९७३,३५५ | ४९,७१२ | ९२,३५९ |
| ५४ | नयाँ कार्यक्रम/आयोजना | | | | | ६९२,९५६ | ३८८,१७९ | २२,००० | २८२,७७७ | १,३८७,१२४ | १,१२०,०४४ | १८,९८१ | २४८,०९९ |
| | **जम्मा** | **१६,३२८,२९२** | **१२,८९८,२०६** | **५९९,१९९** | **२,८३०,८८७** | **१७,९३१,०००** | **१४,४७९,०००** | **५५२,०००** | **२,९००,०००** | **१९,९७८,०००** | **१६,३०२,०००** | **५००,०००** | **३,१७६,०००** |

## अनुसूची ३.१ आ.व. २०७८/७९ को मन्त्रालय/निकायगत बजेट विनियोजन

रकम रू. लाखमा

| क्र.सं. | मन्त्रालय/निकाय | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विषय क्षेत्रगत व्यय र स्रोतको अनुमान | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| १ | राष्ट्रपतिको कार्यालय | १,५८४ | १,२२९ | १,४२६ | १,२३२ | १९४ | - | १,४२६ | - | - |
| २ | उपराष्ट्रपतिको कार्यालय | ४६४ | ४६८ | ४७५ | ४६० | १५ | - | ४७५ | - | - |
| ३ | प्रदेश प्रमुखहरू | १,४४५ | १,५५८ | २,०१७ | १,९६७ | ५० | - | २,०१७ | - | - |
| ४ | संघीय संसद | ११,७९७ | १०,४१९ | १२,१८४ | ११,८६४ | ३२० | - | १२,१८४ | - | - |
| ५ | अदालत | ४७,६८६ | ६९,६१३ | ६८,३६४ | ४७,९७१ | २०,३९३ | - | ६८,३६४ | - | - |
| ६ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग | ९,५३४ | ८,३०५ | १२,७६४ | ९,८५५ | २,९०९ | - | १२,७६४ | - | - |
| ७ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय | ४,८८४ | ५,१५५ | ५,५२५ | ४,६७७ | ८४८ | - | ५,५२५ | - | - |
| ८ | लोक सेवा आयोग | ६,७१० | ५,३६८ | ८,४६० | ८,२४९ | २११ | - | ८,४६० | - | - |
| ९ | निर्वाचन आयोग | ५,३०७ | ४,८९६ | ५,४४० | ४,३९१ | १,०४९ | - | ५,४४० | - | - |
| १० | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग | १,८८६ | १,७७३ | २,५३६ | २,५०२ | ३४ | - | २,५३६ | - | - |
| ११ | न्याय परिषद् | ६२९ | ४१० | ४६४ | ४४३ | २१ | - | ४६४ | - | - |
| १२ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | ४६२ | ४६१ | ८२९ | ७९३ | ३६ | - | ८२९ | - | - |
| १३ | राष्ट्रिय महिला आयोग | ६११ | ६९० | १,०१३ | ९८६ | २७ | - | १,०१३ | - | - |
| १४ | राष्ट्रिय दलित आयोग | १२९ | २६३ | ३२४ | ३१४ | १० | - | ३२४ | - | - |
| १५ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | १६२ | २०७ | ३०४ | २९२ | १२ | - | ३०४ | - | - |
| १६ | आदिवासी जनजाति आयोग | ९० | २१५ | २७१ | २५८ | १३ | - | २७१ | - | - |
| १७ | मधेशी आयोग | २४० | ४३१ | ३२६ | ३२० | ६ | - | ३२६ | - | - |
| १८ | थारू आयोग | २७६ | ३८७ | ४२२ | ३९२ | ३० | - | ४२२ | - | - |
| १९ | मुस्लिम आयोग | २४४ | २७५ | ४२९ | ३७२ | ५७ | - | ४२९ | - | - |
| २० | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | ३५,०६२ | ३०,३२५ | ४०,८९७ | ३५,५०२ | ५,३९५ | - | ३९,८७७ | १,०२० | - |
| २१ | अर्थ मन्त्रालय | १२७,९२८ | २०८,६९४ | ४६४,६६६ | २७६,९१४ | १०३,५५२ | ८४,२०० | ३४९,४८८ | ९०,५७४ | २४,६०४ |
| २२ | उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय | ४१,२९७ | ५४,८५९ | ११०,१७९ | ५०,९३१ | ५६,४६५ | २,७८३ | ७८,५४६ | २०,३७३ | ११,२६० |
| २३ | उर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय | ६११,२४५ | ४५०,७२४ | ९८३,६३६ | ४२,०७० | ३७९,३७९ | ५६२,१८७ | ३६४,१९७ | ४०,२५५ | ५७९,१८४ |
| २४ | कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय | २,८२४ | २,८६० | ४,८७३ | ४,६५७ | २१६ | - | ४,८७३ | - | - |
| २५ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय | २१०,८७० | २३०,०९५ | ४०२,६६४ | ३२६,४३७ | ३६,२२७ | ४०,००० | २४५,३०२ | २८,६६३ | १२८,६९९ |
| २६ | खानेपानी मन्त्रालय | १७६,०६० | २०४,००० | ३८०,२८५ | ९,७९९ | २२९,४२३ | १४१,०६३ | २२६,२१८ | १५,४४९ | १३८,६१८ |
| २७ | गृह मन्त्रालय | १,२९६,६८० | १,३५३,६३० | १,६४५,०१५ | १,५६६,५१५ | ७८,५०० | - | १,६०७,०९४ | ६,७९२ | ३१,१२९ |

| क्र.सं. | मन्त्रालय/निकाय | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विषय क्षेत्रगत व्यय र स्रोतको अनुमान | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय | १२३,८६२ | ११७,४४८ | २६६,११० | ३६,९६४ | २२,४६१ | २०६,६८५ | ९३,२१९ | २,०५१ | १७०,८४० |
| २९ | परराष्ट्र मन्त्रालय | ३८,११४ | ६०,५०६ | ६७,९९९ | ५३,२६२ | १४,७३७ | - | ६७,९९९ | - | - |
| ३० | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ९७,२१९ | १०१,६५९ | १२०,२८० | ७७,२२२ | ४३,०५८ | - | १०२,५५९ | १७,६२१ | १०० |
| ३१ | भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालय | ५१,८४४ | ५६,००५ | ७१,७५४ | ५५,८७७ | १४,८७७ | १,००० | ७१,२९४ | ४६० | - |
| ३२ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय | ८४६,३०१ | १,०२३,९५९ | १,५६७,२८४ | १०१,७६५ | १,४६०,५१९ | ५,००० | ६९३,११२ | ३६,५६९ | ८३७,६०३ |
| ३३ | महिला बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक मन्त्रालय | ४,३१७ | ४,९७३ | ८,५७७ | ७,०१५ | १,५६२ | - | ८,४६७ | ११० | - |
| ३४ | युवा तथा खेलकूद मन्त्रालय | ४६,५१३ | १३,९५९ | २१,३५१ | १५,९७४ | ५,३७७ | - | २१,३५१ | - | - |
| ३५ | रक्षा मन्त्रालय | ५०२,६९५ | ५२६,५४७ | ५१५,३९५ | ४४३,९७४ | ७१,४२१ | - | ५१५,३९५ | - | - |
| ३६ | शहरी विकास मन्त्रालय | २५०,३२७ | २५८,५३६ | ३२०,७९१ | १९,४३४ | २८८,१६५ | १३,१९२ | २२३,३६६ | - | ९७,४२५ |
| ३७ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय | ३९४,८०४ | ३६६,२०८ | ५८२,६७७ | ५७८,८३७ | ३,८४० | - | ४४४,५०९ | २९,६१८ | १०८,५५० |
| ३८ | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय | ५८,०९० | ६५,२११ | ७६,८९८ | ५२,२६२ | १९,६३६ | ५,००० | ७६,८९८ | - | - |
| ३९ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय | १६२,८०२ | १५७,६९४ | १८९,५६८ | ६५,००६ | १२४,५६२ | - | १००,९९८ | २९,५४३ | ५९,०२७ |
| ४० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय | ३०८,५५८ | ४१५,०१६ | १,००९,७४८ | ८७०,९१६ | १३८,८३२ | - | ५२४,५६७ | ८३,०७५ | ४०२,१०६ |
| ४१ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय | ९,९९९ | १५,८०७ | ५९,७२७ | ५८,३३४ | १,३९३ | - | ४७,११४ | ३,५७४ | ९,०३९ |
| ४२ | राष्ट्रिय योजना आयोग | ५,४६४ | ९,२५७ | २७,८१८ | २७,४१३ | ४०५ | - | २७,८१८ | - | - |
| ४३ | राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण | ५२५,४०४ | ५२९,७१७ | ३७२,२५५ | ५८,११४ | ३१४,१४१ | - | ११३,७९१ | ९४,३३० | १६४,१३४ |
| ४४ | अर्थ मन्त्रालय- आन्तरिक ऋण भुक्तानी | ५४७,९९३ | ६५३,६१७ | ८५०,७०९ | ३६७,५१९ | - | ४८३,१९० | ८५०,७०९ | - | - |
| ४५ | अर्थ मन्त्रालय- वैदेशिक ऋण भुक्तानी (बहुपक्षीय) | २३२,४३६ | २६३,४५० | ३३२,२६२ | ५६,६०४ | - | २७५,६५८ | ३३२,२६२ | - | - |
| ४६ | अर्थ मन्त्रालय- वैदेशिक ऋण भुक्तानी (द्विपक्षीय) | ५५,५४४ | ३२,६४६ | ९५,२३९ | २०,८२१ | - | ७४,४१८ | ९५,२३९ | - | - |
| ४७ | अर्थ - कर्मचारी सुविधा तथा सेवा निवृत्त सुविधा | ५४२,६५४ | ५२५,४५४ | ८५६,००३ | ८५६,००३ | - | - | ८५६,००३ | - | - |
| ४८ | अर्थ - विविध | ८,४४५ | १,५०२ | ८८७,०७२ | ५४६,४७३ | ३४०,५९९ | - | ८८७,०७२ | - | - |
| ४९ | प्रदेश | १,०७४,०९३ | १,१०३,४८१ | १,०४१,६३० | ७४२,२१७ | २९९,४१३ | | ९९५,४०८ | ३७,३४२ | ८,८८० |
| ५० | स्थानीय तह | २,४२९,६७८ | २,८४२,४३६ | २,८३१,३५७ | २,५१५,२३८ | ३१६,११९ | | २,७०९,८८८ | ६१,७८० | ५९,६८९ |
| | **कुल** | **१०,९१३,२६२** | **११,७९२,३९८** | **१६,३२८,२९२** | **१०,०३७,४०७** | **४,३९६,५०९** | **१,८९४,३७६** | **१२,८९८,२०६** | **५९९,१९९** | **२,८३०,८८७** |

## अनुसूची ३.२ आ.व. २०७८/७९ को विकास कार्यक्रम/बजेट र स्रोतको अनुमान

रकम रू. लाखमा

| क्र. सं. | विषय क्षेत्र | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विषय क्षेत्रगत व्यय र स्रोतको अनुमान | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | १८६,७२७ | २०१,४१८ | ३७६,२२६ | ३०१,२५७ | ३४,९६९ | ४०,००० | २२१,२६४ | २८,६६३ | १२६,२९९ |
| २ | भूमि व्यवस्था | १३,८१७ | १८,५९२ | २३,८२४ | १०,८०९ | १२,०१५ | १,००० | २३,८२४ | - | - |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | ३,३७७ | ३,१९२ | ३,९१० | ३,७४८ | १६२ | - | ३,९१० | - | - |
| ४ | वन तथा वातावरण | ४६,८२४ | ४९,८९९ | ६०,९०७ | २२,५७४ | ३८,३३३ | - | ४३,१८६ | १७,६२१ | १०० |
| ५ | अर्थ | ८७,०३९ | १५७,०१६ | ४०६,९८७ | २२६,३१३ | ९६,४७४ | ८४,२०० | २९१,८०९ | ९०,५७४ | २४,६०४ |
| ६ | उद्योग | १२,४३२ | १२,५५६ | ४५,४७८ | १३,०२८ | २९,६६७ | २,७८३ | ३५,०५३ | १०,४२५ | - |
| ७ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | ७,०८६ | १३,२२३ | २५,२७५ | ४,००९ | २१,२६६ | - | ४,०६७ | ९,९४८ | ११,२६० |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | ११४,९१८ | १०६,६९७ | २५२,४३९ | २५,५७० | २०,१८४ | २०६,६८५ | ७९,५४८ | २,०५१ | १७०,८४० |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | ४०,३१८ | २७,३१४ | १५६,११५ | १५५,६२५ | ४९० | - | ५४,५२९ | ७,४३६ | ९४,१५० |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | २४४,१६० | ३४१,२१२ | ९३६,६९१ | ७९८,७९५ | १३७,८९६ | - | ४५१,६७४ | ८२,९११ | ४०२,१०६ |
| ११ | खानेपानी | १६६,२३२ | १९४,२६८ | ३७१,८४१ | ४,५०६ | २२६,२७२ | १४१,०६३ | २१७,८०४ | १५,४१९ | १३८,६१८ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | ३,०१९ | ९३३ | १,०५५ | ९८५ | ७० | - | १,०५५ | - | - |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा | २,६८२ | ३,११२ | ६,४३८ | ४,९८० | १,४५८ | - | ६,४३८ | - | - |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा | ३,२५३ | ३,१९० | ५०,०९२ | ४९,४५१ | ६४१ | - | ३७,४७९ | ३,५७४ | ९,०३९ |
| १५ | ऊर्जा | ४५८,९१५ | २४९,४९६ | ६९८,७६१ | २६,९२४ | १०९,६५० | ५६२,१८७ | १९६,४८१ | ३१,९१० | ४७०,३७० |
| १६ | जलस्रोत | ३७,७२५ | ६२,६५२ | ६२,३५२ | २,३६३ | ५९,९८९ | - | ३७,५४२ | ६,५५० | १८,२६० |
| १७ | सिंचाइ | ९०,०७२ | १२३,३३८ | २०३,४३२ | ५,८१७ | १९७,६१५ | - | १११,०८३ | १,७९५ | ९०,५५४ |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | ४,७२० | ६,०९३ | ४,३७७ | १,४४९ | २,९२८ | - | ४,३७७ | - | - |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | ७५०,८४८ | ९४०,४११ | १,४५९,३९८ | १५,२१८ | १,४३९,१८० | ५,००० | ५९०,२२६ | ३१,५६९ | ८३७,६०३ |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | ५,७५१ | १०,७३९ | १२,४११ | १,५७३ | ५,८३८ | ५,००० | १२,४११ | - | - |
| २१ | शहरी विकास | २४३,२५४ | २५०,५७९ | ३१०,६९१ | १३,७२४ | २८३,७७५ | १३,१९२ | २१३,२६६ | - | ९७,४२५ |
| २२ | पुनर्निर्माण | ५२५,४०४ | ५२९,७१७ | ३७२,२५५ | ५८,११४ | ३१४,१४१ | - | ११३,७९१ | ९४,३३० | १६४,१३४ |
| २३ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | १५३,००७ | १४६,०७८ | १६७,४१७ | ४५,१२० | १२२,२९७ | - | ७८,८४७ | २९,५४३ | ५९,०२७ |
| २४ | गृह | ७७१ | ४,९२० | २५,५०५ | १०,६६३ | १४,८४२ | - | २,३०९ | १,७९२ | २१,४०४ |

| क्र. सं. | विषय क्षेत्र | आ.व. २०७६/७७ को यथार्थ | आ.व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विषय क्षेत्रगत व्यय र स्रोतको अनुमान | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २५ | योजना तथा तथ्याङ्क | १,२७७ | ४,८२० | २२,३६४ | २२,०८३ | २८१ | - | २२,३६४ | - | - |
| २६ | अर्थ - विविध (विकास) | ५,५७४ | १९४ | ३२८,९८१ | १३४,५०० | १९४,४८१ | - | ३२८,९८१ | - | - |
| **जम्मा** | | **३,२०९,२०२** | **३,४६१,६५९** | **६,३८५,२२२** | **१,९५९,१९८** | **३,३६४,९१४** | **१,०६१,११०** | **३,१८३,३१८** | **४६६,१११** | **२,७३५,७९३** |

## अनुसूची ३.३ आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम/बजेटको पन्ध्रौं योजनाको रणनीतिक स्तम्भ अनुसारको विनियोजित बजेट

रकम रू. लाखमा

| क्र. सं. | विषय क्षेत्र | रणनीतिक स्तम्भ | | | | | | | | जम्मा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | १०१,७४५ | | | २५७,५८२ | १०,२५५ | | १,२४५ | ५,३९९ | ३७६,२२६ |
| २ | भूमि व्यवस्था | | | | ५,८२३ | ६,५७४ | | १,००० | १०,४२७ | २३,८२४ |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | | | | ९३२ | | २,९७८ | | | ३,९१० |
| ४ | वन तथा वातावरण | १५,२६४ | ४,१९४ | | ३,२२७ | | | ३८,२२२ | | ६०,९०७ |
| ५ | अर्थ | | | ९१,०२३ | ८२,६९४ | | | २०५,९६० | २७,३१० | ४०६,९८७ |
| ६ | उद्योग | ४२,७२२ | | | २९५ | | | २,४६१ | | ४५,४७८ |
| ७ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | | ९,१०५ | १५,६१० | ५६० | | | | | २५,२७५ |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | ३५,३४४ | | १९२,२६९ | ८१ | | २४,७४५ | | | २५२,४३९ |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | | १५६,११५ | | | | | | | १५६,११५ |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | | ८६१,६९१ | | | ७५,००० | | | | ९३६,६९१ |
| ११ | खानेपानी | १७,६५४ | ३५३,०६४ | | | | | | १,१२३ | ३७१,८४१ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | | ५३० | ५२५ | | | | | | १,०५५ |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक | २,३५६ | | | | १,८५१ | २,२३१ | | | ६,४३८ |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा | ३,५७४ | १०,३२४ | | | ३६,१९४ | | | | ५०,०९२ |
| १५ | ऊर्जा | १३३,४४१ | | ३९७,५७३ | १६६,२९७ | | | १,४५० | | ६९८,७६१ |
| १६ | जलस्रोत | | | | १०० | | | ६२,२५२ | | ६२,३५२ |
| १७ | सिँचाइ | १०६,८२७ | | | ९६,६०५ | | | | | २०३,४३२ |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | | | | | | | ४,३७७ | | ४,३७७ |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | ४८६,८१३ | ८३,०८२ | ८८४,४२६ | | | | | ५,०७७ | १,४५९,३९८ |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | | | ७,४११ | | | | | ५,००० | १२,४११ |
| २१ | शहरी विकास | | १,०६८ | २४५,९२७ | | | | ९,७२० | ५३,९७६ | ३१०,६९१ |
| २२ | पुनर्निर्माण | | | | | | | ३७२,२५५ | | ३७२,२५५ |
| २३ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | | ८८८ | १३१,५५९ | ६,४७० | | ५४० | | २७,९६० | १६७,४१७ |
| २४ | गृह | | | | | | १,८३६ | २३,६६९ | | २५,५०५ |
| २५ | योजना तथा तथ्याङ्क | | | | | | | | २२,३६४ | २२,३६४ |
| २६ | अर्थ - विविध (विकास) | | | २७३,८११ | | | | २५,१७० | ३०,००० | ३२८,९८१ |
| **जम्मा** | | **९४५,७४०** | **१,४८०,०६१** | **२,२४०,१३४** | **६२०,६६६** | **१२९,८७४** | **३२,३३०** | **७४७,७८१** | **१८८,६३६** | **६,३८५,२२२** |

**अनुसूची ३.४ आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम/बजेटको प्राथमिकताक्रम अनुसारको विनियोजित बजेट**

**रकम रू. लाखमा**

| क्र. सं. | विषय क्षेत्र | प्राथमिकताक्रम | | जम्मा |
|---|---|---|---|---|
| | | १ | २ | |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | ३७४,६०४ | १,६२२ | ३७६,२२६ |
| २ | भूमि व्यवस्था | २३,८२४ | | २३,८२४ |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | २,१०९ | १,८०१ | ३,९१० |
| ४ | वन तथा वातावरण | ६०,१६९ | ७३८ | ६०,९०७ |
| ५ | अर्थ | ३५७,३६५ | ४९,६२२ | ४०६,९८७ |
| ६ | उद्योग | ४५,४७८ | | ४५,४७८ |
| ७ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | २५,२७५ | | २५,२७५ |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | १८१,१०७ | ७१,३३२ | २५२,४३९ |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | १५०,३६१ | ५,७५४ | १५६,११५ |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | ९०१,३४१ | ३५,३५० | ९३६,६९१ |
| ११ | खानेपानी | २७०,३२२ | १०१,५१९ | ३७१,८४१ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | १,०५५ | | १,०५५ |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक | ६,४३८ | | ६,४३८ |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा | ४६,५१८ | ३,५७४ | ५०,०९२ |
| १५ | ऊर्जा | ६९८,२३५ | ५२६ | ६९८,७६१ |
| १६ | जलस्रोत | ६१,४११ | ९४१ | ६२,३५२ |
| १७ | सिँचाइ | १९९,८७८ | ३,५५४ | २०३,४३२ |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | ४,३७७ | | ४,३७७ |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | १,३२४,२१२ | १३५,१८६ | १,४५९,३९८ |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | १२,४११ | | १२,४११ |
| २१ | शहरी विकास | २६५,३४० | ४५,३५१ | ३१०,६९१ |
| २२ | पुनर्निर्माण | ३७२,२५५ | | ३७२,२५५ |
| २३ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | १५०,१८१ | १७,२३६ | १६७,४१७ |
| २४ | गृह | २५,५०५ | | २५,५०५ |
| २५ | योजना तथा तथ्याङ्क | १५,६४० | ६,७२४ | २२,३६४ |
| २६ | अर्थ - विविध (विकास) | १५५,१७० | १७३,८११ | ३२८,९८१ |
| **जम्मा** | | **५,७३०,५८१** | **६५४,६४१** | **६,३८५,२२२** |

## अनुसूची ३.५ आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम /बजेटको दिगो विकास लक्ष्य अनुसारको विनियोजित बजेट

| क. सं. | विषय क्षेत्र | दिगो विकास संकेत | | | | | | | | | | | | | | | | | जम्मा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | | ३७६,२२६ | | | | | | | | | | | | | | | | ३७६,२२६ |
| २ | भूमि व्यवस्था | | १४,७४६ | | | | | | | | ७,५७४ | | | | | १,५०४ | | | २३,८२४ |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | ३,९१० | | | | | | | | | | | | | | | | | ३,९१० |
| ४ | वन तथा वातावरण | | | | | | | | | | | | | २०,१६३ | | ४०,७४४ | | | ६०,९०७ |
| ५ | अर्थ | | ३९,९९४ | | | | | | ११,१८४ | १३३,७२३ | | | २०५,९६० | | | | ६,५२२ | ९,६०४ | ४०६,९८७ |
| ६ | उद्योग | | | | | | | | | ४५,४७८ | | | | | | | | | ४५,४७८ |
| ७ | बाणिज्य तथा आपूर्ति | | | १,४११ | | | | | | | | | | | | | | २३,८६४ | २५,२७५ |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | | | | | | | | २१,००९ | २०६,६८५ | | २४,७४५ | | | | | | | २५२,४३९ |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | ५,५७९ | | | १५०,५३६ | | | | | | | | | | | | | | १५६,११५ |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | | | ९३६,६९१ | | | | | | | | | | | | | | | ९३६,६९१ |
| ११ | खानेपानी | | | | | ३६,६३२ | ३३५,२०९ | | | | | | | | | | | | ३७१,८४१ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | | | | १,०५५ | | | | | | | | | | | | | | १,०५५ |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक | १,२७७ | | | | ३,३१० | | | | | १,८५१ | | | | | | | | ६,४३८ |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा | | | | | | | | ५०,०९२ | | | | | | | | | | ५०,०९२ |
| १५ | ऊर्जा | | | | | | | ६४६,९६१ | | - | | | ५१,८०० | | | | | | ६९८,७६१ |
| १६ | जलस्रोत | | | | | | | | | | | ६०,७३० | | १,६२२ | | | | | ६२,३५२ |
| १७ | सिंचाइ | | २०३,४३२ | | | | | | | | | | | | | | | | २०३,४३२ |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | | | | | | | | | | | | | ४,३७७ | | | | | ४,३७७ |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | ९७,४७८ | | | | | | | २३,००० | १,३१४,५८४ | | २४,३३६ | | | | | | | १,४५९,३९८ |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | | | | | | | | | १२,४११ | | | | | | | | | १२,४११ |
| २१ | शहरी विकास | | | | | | ७,०३७ | | | १,८५७ | | २६५,५३३ | | | | ३२,९३२ | ३,२७० | ६२ | ३१०,६९१ |
| २२ | पुनर्निर्माण | | | | | | | | | | | ३७२,२५५ | | | | | | | ३७२,२५५ |
| २३ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | २१,०४६ | १,६७० | ८८८ | | | १३९ | | ४,८०० | १२१,९४२ | | ९,९९९ | - | | | | ६,९३३ | | १६७,४१७ |
| २४ | गृह | | | ८२ | | | | | | | | | | २३,६६९ | | | १,७५४ | | २५,५०५ |
| २५ | योजना तथा तथ्याङ्क | | | | | | | | | | ७,५७८ | | | | | | १४,७८६ | | २२,३६४ |
| २६ | अर्थ - विविध (विकास) | | | | | | | | | २७३,८११ | | २५,१७० | | | | | ३०,००० | | ३२८,९८१ |
| **जम्मा** | | **१२९,२९०** | **६३६,०६८** | **९३९,०७२** | **१५१,५९१** | **३९,९४२** | **३४२,३८५** | **६४६,९६१** | **११०,०८५** | **२,११०,४९१** | **१७,००३** | **७८२,७६८** | **२५७,७६०** | **४९,८३१** | **-** | **७५,१८०** | **६३,२६५** | **३३,५३०** | **६,३८५,२२२** |

## अनुसूची ३.६ आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम/बजेटको लैंगिक संकेत अनुसारको विनियोजित बजेट

रकम रू. लाखमा

| क्र. सं. | विषय क्षेत्र | लैंगिक संकेत | | | जम्मा |
|---|---|---|---|---|---|
| | | १ | २ | ३ | |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | २८५,१०४ | ५९,६९६ | ३१,४२६ | ३७६,२२६ |
| २ | भूमि व्यवस्था | ७,५७४ | ६,१२२ | १०,१२८ | २३,८२४ |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | | २,७३३ | १,१७७ | ३,९१० |
| ४ | वन तथा वातावरण | ३९,१८३ | २०,८१० | ९१४ | ६०,९०७ |
| ५ | अर्थ | ८२,६९४ | ९७,५४५ | २२६,७४८ | ४०६,९८७ |
| ६ | उद्योग | १४,९७८ | २९५ | ३०,२०५ | ४५,४७८ |
| ७ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | | २४,७१५ | ५६० | २५,२७५ |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | ११५,६६१ | ४८,५८५ | ८८,१९३ | २५२,४३९ |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | १५६,११५ | | | १५६,११५ |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | ७६७,५६५ | १६९,१२६ | | ९३६,६९१ |
| ११ | खानेपानी | १४२,०५१ | १६१,९१७ | ६७,८७३ | ३७१,८४१ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | | ५२५ | ५३० | १,०५५ |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक | ६,४३८ | | | ६,४३८ |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा | | १३,८९८ | ३६,१९४ | ५०,०९२ |
| १५ | ऊर्जा | २०२,६४५ | ३१०,७३३ | १८५,३८३ | ६९८,७६१ |
| १६ | जलस्रोत | | ६०,७३० | १,६२२ | ६२,३५२ |
| १७ | सिँचाइ | ५१,००६ | १२८,८१६ | २३,६१० | २०३,४३२ |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | | १,०८३ | ३,२९४ | ४,३७७ |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | १५,४१८ | १,१११,३८६ | ३३२,५९४ | १,४५९,३९८ |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | | ५,००० | ७,४११ | १२,४११ |
| २१ | शहरी विकास | ६१,३१९ | २०६,१७८ | ४३,१९४ | ३१०,६९१ |
| २२ | पुनर्निर्माण | - | | ३७२,२५५ | ३७२,२५५ |
| २३ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | ७,९६० | १५९,४५७ | | १६७,४१७ |
| २४ | गृह | | २३,७५१ | १,७५४ | २५,५०५ |
| २५ | योजना तथा तथ्याङ्क | १४,६६१ | १,१०४ | ६,५९९ | २२,३६४ |
| २६ | अर्थ - विविध (विकास) | २०,००० | ३०८,९८१ | | ३२८,९८१ |
| **जम्मा** | | **१,९९०,३७२** | **२,९२३,१८६** | **१,४७१,६६४** | **६,३८५,२२२** |

**अनुसूची ३.७ आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक विकास कार्यक्रम/बजेटको जलवायु संकेत अनुसारको विनियोजित बजेट**

**रकम रू. लाखमा**

| क्र. सं. | विषय क्षेत्र | जलवायु संकेत | | | जम्मा |
|---|---|---|---|---|---|
| | | १ | २ | ३ | |
| १ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | २६,४७४ | २९१,०९६ | ५८,६५६ | ३७६,२२६ |
| २ | भूमि व्यवस्था | १,००० | | २२,८२४ | २३,८२४ |
| ३ | सहकारी तथा गरिबी निवारण | | | ३,९१० | ३,९१० |
| ४ | वन तथा वातावरण | ३६,०८७ | २४,८२० | | ६०,९०७ |
| ५ | अर्थ | | १२७,०२३ | २७९,९६४ | ४०६,९८७ |
| ६ | उद्योग | | १२,१९५ | ३३,२८३ | ४५,४७८ |
| ७ | वाणिज्य तथा आपूर्ति | ५६० | | २४,७१५ | २५,२७५ |
| ८ | संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | | ३५,२८० | २१७,१५९ | २५२,४३९ |
| ९ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | | | १५६,११५ | १५६,११५ |
| १० | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या | | १२८,२६५ | ८०८,४२६ | ९३६,६९१ |
| ११ | खानेपानी | १७१,७९९ | १३२,१६९ | ६७,८७३ | ३७१,८४१ |
| १२ | युवा तथा खेलकुद | | | १,०५५ | १,०५५ |
| १३ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक | | | ६,४३८ | ६,४३८ |
| १४ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा | | १०,०३९ | ४०,०५३ | ५०,०९२ |
| १५ | ऊर्जा | २०७,८९१ | १६७,५८७ | ३२३,२८३ | ६९८,७६१ |
| १६ | जलस्रोत | ५४,०१८ | ६,७३२ | १,६०२ | ६२,३५२ |
| १७ | सिँचाइ | ६१,५२१ | १०५,७६७ | ३६,१४४ | २०३,४३२ |
| १८ | जल तथा मौसम विज्ञान | १,०८३ | | ३,२९४ | ४,३७७ |
| १९ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | १४,१६० | ४२७,५५१ | १,०१७,६८७ | १,४५९,३९८ |
| २० | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि | | | १२,४११ | १२,४११ |
| २१ | शहरी विकास | ३२,९३२ | ४३,५६० | २३४,१९९ | ३१०,६९१ |
| २२ | पुनर्निर्माण | | | ३७२,२५५ | ३७२,२५५ |
| २३ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | २,५८९ | २१,१०८ | १४३,७२० | १६७,४१७ |
| २४ | गृह | | २३,६६९ | १,८३६ | २५,५०५ |
| २५ | योजना तथा तथ्याङ्क | | | २२,३६४ | २२,३६४ |
| २६ | अर्थ - विविध (विकास) | १५३,८११ | १००,००० | ७५,१७० | ३२८,९८१ |
| | **जम्मा** | **७६३,९२५** | **१,६५६,८६१** | **३,९६४,४३६** | **६,३८५,२२२** |

# अनुसूची ४.१

## कृषि, भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वन क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | लिंगो विकास लक्ष्य संकेत | जैविक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ४.१ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३१२००११ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय | २,४७७ | ५,२९० | ४,४३४ | ८५६ | ० | ३,७२० | ३,४२० | ३०० | ० | ३,८५० | ३,८०० | ५० | ० | ९ | १ | २ | २ | ३ |
| २ | ३१२००१०१ | कृषि विकास रणनीति अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | १७६ | १६,१०६ | १५,८०८ | २९८ | ० | ८,०४५ | ८,०४५ | ० | ० | १०,००० | १०,००० | ० | ० | ४ | १ | २ | २ | ३ |
| ३ | ३१२००१०२ | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम | ११०,००४ | १५०,०२८ | १५०,०२८ | ० | ० | १३२,००० | १३२,००० | ० | ० | १५०,००० | १५०,००० | ० | ० | ४ | १ | २ | १ | २ |
| ४ | ३१२००१०३ | बीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | २५७ | ३५२ | ३३० | २२ | ० | ४७५ | ४४० | ३५ | ० | ५५२ | ५०२ | ५० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| ५ | ३१२००१०४ | प्लान्ट क्वारेन्टाइन तथा विषादि व्यवस्थापन कार्यक्रम | ९९१ | १,४९७ | १,३६३ | १३४ | ० | १,९०० | १,६५० | २५० | ० | २,३१५ | २,०१५ | ३०० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| ६ | ३१२००१०५ | कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम | ७३२ | १,००३ | ९१४ | ८९ | ० | १,२५६ | १,१७६ | ८० | ० | १,३०५ | १,२५५ | ५० | ० | ८ | १ | २ | २ | ३ |
| ७ | ३१२००१०६ | प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना | २४,२४० | ३०,३१९ | २७,८२४ | २,४९५ | ० | ३७,६९० | ३५,०४० | २,६५० | ० | ४३,५२० | ४०,५०० | ३,०२० | ० | १ | १ | २ | १ | २ |
| ८ | ३१२००१०७ | लाइभस्टक सेक्टर इन्नोभेसन आयोजना | ८,९०२ | ३१,४२६ | २३,००० | ८,४२६ | ० | ३२,००० | २७,६०० | ४,४०० | ० | ३०,४४६ | २२,६४६ | ७,८०० | ० | १ | १ | २ | ३ | ३ |
| ९ | ३१२००१०८ | खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुधार आयोजना | ६,२८० | १०,२५५ | १०,१९८ | ५७ | ० | १०,६०० | १०,५०० | १०० | ० | १०,८०० | १०,७०० | १०० | ० | ५ | १ | २ | १ | १ |
| १० | ३१२००१०९ | कृषि क्षेत्र विकास कार्यक्रम | २,४५२ | १६,२१९ | १५,८०९ | ४१० | ० | १८,४५९ | १७,७३४ | ७२५ | ० | १०,५३४ | १०,१०९ | ४२५ | ० | ४ | १ | २ | १ | १ |
| ११ | ३१२००१११ | जलवायु प्रकोप समुत्थान निर्माण आयोजना (कृषि व्यवस्थापन तथा सूचना प्रणाली) | ५५ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ७ | १ | २ | २ | ३ |
| १२ | ३१२००११२ | नेपाल कृषि बजार विकास कार्यक्रम | १,२६१ | ३,००६ | २,९९५ | ११ | ० | ३,०१५ | ३,००० | १५ | ० | ३,३२० | ३,३०० | २० | ० | ४ | १ | २ | १ | ३ |
| १३ | ३१२००११८ | ग्रामीण उद्यम तथा आर्थिक विकास कार्यक्रम | ० | १२,४१४ | ६,१७३ | ६,२४१ | ० | १३,६१५ | ७,४२८ | ६,१८७ | ० | १५,०५० | ८,०७० | ६,९८० | ० | ४ | १ | २ | १ | २ |
| १४ | ३१२०१०११ | कृषि विभाग | १०,७५३ | १२,२३४ | १२,२०७ | २७ | ० | १२,८४० | १२,८१० | ३० | ० | १३,५५२ | १३,५२० | ३२ | ० | ४ | १ | २ | २ | ३ |
| १५ | ३१२०११०१ | राष्ट्रिय आलु, तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम | १,००८ | १,३७६ | १,०३७ | ३३९ | ० | १,७०७ | १,३०२ | ४०५ | ० | १,९५३ | १,४०३ | ५५० | ० | ४ | १ | २ | १ | २ |
| १६ | ३१२०११०२ | राष्ट्रिय फलफूल विकास कार्यक्रम | २,५४१ | ३,२६४ | १,६८९ | १,५७५ | ० | ४,१०० | २,१०० | २,००० | ० | ४,६०० | २,२०० | २,४०० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| १७ | ३१२०११०३ | व्यवसायीक कीट विकास कार्यक्रम | ७५१ | ९८५ | ७७३ | २१२ | ० | १,३०४ | १,०२४ | २८० | ० | १,३७५ | १,०७५ | ३०० | ० | ४ | २ | २ | २ | ३ |
| १८ | ३१२०११०४ | वाली विकास तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम | ६३६ | १,२४५ | ९६६ | २७९ | ० | १,७१५ | १,२१५ | ५०० | ० | १,८५२ | १,३०२ | ५५० | ० | ७ | १ | २ | २ | २ |
| १९ | ३१२०११०५ | केन्द्रिय कृषि प्रयोगशाला कार्यक्रम | ३८० | ६३७ | ५७६ | ६१ | ० | ८१९ | ७४४ | ७५ | ० | ९५० | ८५० | १०० | ० | ४ | २ | २ | २ | ३ |
| २० | ३१२०११०६ | कृषि पूर्वाधार विकास तथा कृषि यान्त्रिकरण प्रवर्धन कार्यक्रम | १,२९८ | २,७५८ | ५७८ | २,१८० | ० | ३,२१४ | ७१४ | २,५०० | ० | ३,५०० | ८०० | २,७०० | ० | ४ | १ | २ | १ | ३ |
| २१ | ३१२०११०७ | रानी जमरा कुलरिया सिचाई आयोजना—प्रणाली आधुनिकिकरण कृषि कार्यक्रम | २,१४३ | २,७३५ | २,६९५ | ४० | ० | ३,२९० | ३,२४० | ५० | ० | ३,३९५ | ३,३२० | ७५ | ० | ४ | १ | २ | २ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| २२ | ३१२०१११११ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र कार्यक्रम(कृषि) | १३१ | ३४९ | ३४९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४ | १ | २ | १ | २ |
| २३ | ३१२०२०११ | पशु सेवा विभाग | १३,३५६ | ६,२२७ | ५,९९० | २३७ | ० | ४,०५० | ३,८०० | २५० | ० | ४,५०० | ४,२०० | ३०० | ० | ४ | १ | २ | १ | ३ |
| २४ | ३१२०२१०१ | मत्स्य विकास कार्यक्रम | १,४११ | २,२२२ | १,१८६ | १,०३६ | ० | २,१२७ | १,४२५ | ७०२ | ० | २,२०० | १,५०० | ७०० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| २५ | ३१२०२१०२ | पशु स्वास्थ्य, रोग अन्वेशण सेवा तथा क्वारेन्टाईन कार्यक्रम | ५,१२४ | ७,१७० | ४,८९१ | २,२७९ | ० | ८,५३० | ६,४२५ | २,१०५ | ० | ९,००० | ६,८०० | २,२०० | ० | ४ | १ | २ | १ | २ |
| २६ | ३१२०२१०३ | पशुपन्छी स्रोत व्यवस्थापन तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ४,८३६ | ६,४१८ | ४,५८३ | १,८३५ | ० | ७,६१० | ५,९०५ | १,७०५ | ० | ८,२५० | ६,२५० | २,००० | ० | ४ | १ | २ | १ | २ |
| २७ | ३१२०२१०४ | पशु आहारा तथा लाइभस्टक गुण व्यवस्थापन कार्यक्रम | ३४० | ३९६ | ३२३ | ७३ | ० | ६३१ | ४५१ | १८० | ० | ६३० | ४८० | १५० | ० | ४ | १ | २ | १ | २ |
| २८ | ३१२०३१०१ | खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम | २,७५३ | ४,३९६ | ३,९०३ | ४९३ | ० | ४,८८० | ४,२७८ | ६०२ | ० | ६,२८५ | ४,७८५ | १,५०० | ० | ८ | १ | २ | १ | २ |
| २९ | ३१२२१०११ | राष्ट्रिय किसान आयोग | २४१ | ४६४ | ४३१ | ३३ | ० | ६६५ | ६०५ | ६० | ० | ८०५ | ७१५ | ९० | ० | ५ | १ | २ | २ | २ |
| ३० | ३१२३१०११ | राष्ट्रिय चिया, कफी तथा अलैंची विकास बोर्ड | १,०७६ | १,२३१ | १,१५८ | ७३ | ० | १,५६४ | १,४६४ | १०० | ० | १,६८० | १,५६० | १२० | ० | ४ | २ | २ | २ | ३ |
| ३१ | ३१२३१०१२ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड | ५०० | ५८४ | ५६१ | २३ | ० | ६७२ | ६६० | १२ | ० | ६९५ | ६८० | १५ | ० | ४ | २ | २ | २ | ३ |
| ३२ | ३१२४१०११ | नेपाल पशु चिकित्सा परिषद् | ८२ | १२३ | ११६ | ७ | ० | १३५ | १२० | १५ | ० | १३७ | १२५ | १२ | ० | ८ | २ | २ | ३ | ३ |
| ३३ | ३१२४११०१ | कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम | २२,७१६ | २९,६५० | २३,२६६ | ६,३८४ | ० | ३७,८४० | २७,८४० | १०,००० | ० | ४१,०५० | २९,०५० | १२,००० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| ३४ | ३१२८१०११ | कपास विकास समिति | १९२ | २८५ | २८३ | २ | ० | ३६० | ३५० | १० | ० | ३७० | ३५५ | १५ | ० | ४ | २ | २ | २ | ३ |
| ३५ | ५०११२१०१ | समावेशी कृषि रूपान्तरण कार्यक्रम | ० | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० | १ | १ | २ | १ | २ |
| | | **जम्मा** | **२३०,०९५** | **४०२,६६४** | **३२६,४३७** | **३६,२२७** | **४०,०००** | **४००,८२८** | **३२४,५०५** | **३६,३२३** | **४०,०००** | **४२८,४७१** | **३४३,८६७** | **४४,६०४** | **४०,०००** | | | | | |

**४.२ भूमि व्यवस्था**

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ३३६०००११ | भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालय | २,६८४ | ३,२१८ | ३,११३ | १०५ | ० | ४,०१४ | ३,७९९ | २१५ | ० | ४,४१५ | ४,१७९ | २३६ | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | ३३६००१०३ | जग्गा प्रशासन सुदृढीकरण तथा अनौपचारिक भूसम्बन्ध व्यवस्थापन कार्यक्रम | २,०६५ | ६,५७४ | ६,१८८ | ३८६ | ० | २,७३८ | २,०७२ | ६६६ | ० | ३,०१२ | २,२८० | ७३२ | ० | ५ | १ | १० | १ | ३ |
| ३ | ३३६०१०११ | भूमि व्यवस्थापन तथा अभिलेख विभाग | ५५१ | १,०३४ | १,०१५ | १९ | ० | १,१८५ | १,१४२ | ४३ | ० | १,३०३ | १,२५६ | ४७ | ० | ७ | १ | २ | ३ | ३ |
| ४ | ३३६०१०१२ | भूमि सुधार तथा मालपोत कार्यालयहरु | १४,९४७ | १८,७७७ | १७,९१७ | ८६० | ० | २०,९०० | १९,९५४ | ९४६ | ० | २२,०४० | २१,००० | १,०४० | ० | ८ | १ | २ | ३ | ३ |
| ५ | ३३६०११०१ | मालपोत अभिलेख सुरक्षा तथा सुदृढीकरण कार्यक्रम | ३,१६० | ४,६१८ | ९८७ | ३,६३१ | ० | ५,०८५ | १,०१२ | ४,०७३ | ० | ५,५९३ | १,११३ | ४,४८० | ० | ८ | १ | २ | २ | ३ |
| ६ | ३३६०२०११ | नापी विभाग | ५७३ | ५२५ | ४७७ | ४८ | ० | ७१५ | ६८४ | ३१ | ० | ७८७ | ७५३ | ३४ | ० | ८ | १ | २ | ३ | ३ |
| ७ | ३३६०२०१२ | नापी कार्यालयहरु | १३,४३० | १७,९०९ | १६,५३२ | १,३७७ | ० | २०,३५० | १८,८५४ | १,४९६ | ० | २१,५४५ | १९,९०० | १,६४५ | ० | ८ | १ | २ | ३ | ३ |
| ८ | ३३६०२१०१ | कित्ता नापी तथा नापी कार्यालय सुधार कार्यक्रम | ४,३३९ | ५,८०९ | १,५६२ | ४,२४७ | ० | ५,३२० | १,१०० | ४,२२० | ० | ५,८५२ | १,२१० | ४,६४२ | ० | ८ | १ | २ | ३ | ३ |
| ९ | ३३६०२१०२ | स्थलरुप नापी तथा भू-उपयोग व्यवस्थापन कार्यक्रम | ८,११७ | ४,३१९ | १,५२१ | २,७९८ | ० | ४,४०० | १,३२० | ३,०८० | ० | ४,८४० | १,४५२ | ३,३८८ | ० | ४ | १ | २ | ३ | ३ |
| १० | ३३६०२१०३ | खगोल तथा भू-मापन कार्यक्रम | ९११ | १,५०४ | ५५१ | ९५३ | ० | २,००२ | ३५२ | १,६५० | ० | २,२०२ | ३८७ | १,८१५ | ० | ४ | १ | १५ | २ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ११ | ३३६०४०११ | भूमि व्यवस्थापन प्रशिक्षण केन्द्र | ८४२ | १,१५५ | ८८९ | २६६ | ० | १,२१० | १,०२४ | १८६ | ० | १,३३१ | १,१२६ | २०५ | ० | ८ | २ | १ | २ | ३ |
| १२ | ५०१३६१०१ | भूमि बैंक कम्पनी | ० | १,००० | ० | ० | १,००० | ५,५०० | ० | ० | ५,५०० | ६,०५० | ० | ० | ६,०५० | ७ | १ | १० | १ | १ |
| | | **जम्मा** | **५१,६१९** | **६६,४४२** | **५०,७५२** | **१४,६९०** | **१,०००** | **७३,४१९** | **५१,३१३** | **१६,६०६** | **५,५००** | **७८,९७०** | **५४,६५६** | **१८,२६४** | **६,०५०** | | | | | |
| | **४.३** | **सहकारी तथा गरिबी निवारण** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३३६००१०१ | गरिब घर परिवार पहिचान तथा परिचय पत्र वितरण कार्यक्रम (गरिब लक्षित विशेष कार्यक्रम) | ४९९ | १,१७७ | १,१४२ | ३५ | ० | २,६५७ | १,७०० | ९५७ | ० | ३,०५३ | २,००० | १,०५३ | ० | ६ | १ | १ | ३ | ३ |
| २ | ३३६००१०२ | गरिबसंग विश्वेश्वर कार्यक्रम | २,१६५ | १,८०१ | १,८०१ | ० | ० | १,९८० | १,९८० | ० | ० | २,१७८ | २,१७८ | ० | ० | ६ | २ | १ | २ | ३ |
| ३ | ३३६०३०११ | सहकारी विभाग | २२६ | २८७ | २८७ | ० | ० | १९८ | १९८ | ० | ० | २१८ | २१८ | ० | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ४ | ३३६०३०१२ | सहकारी प्रशिक्षण तथा अनुसन्धान केन्द्र | ३४५ | ३६६ | ३५१ | १५ | ० | ४४१ | ४२४ | १७ | ० | ४८४ | ४६६ | १८ | ० | ८ | १ | १ | १ | ३ |
| ५ | ३३६०३१०१ | सहकारी क्षेत्र सुदृढीकरण तथा प्रणाली सुधार कार्यक्रम | ५२८ | ९३२ | ८०५ | १२७ | ० | १,१०० | ६०५ | ४९५ | ० | १,२११ | ६६६ | ५४५ | ० | ४ | १ | १ | २ | ३ |
| ६ | ३३६३१०११ | राष्ट्रिय सहकारी विकास बोर्ड | ४६० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ८ | २ | १ | ३ | ३ |
| ७ | ३३६५१०११ | गरिबी निवारण कोष | १६३ | ७४९ | ७३९ | १० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५ | १ | ९ | १ | २ |
| | | **जम्मा** | **४,३८६** | **५,३१२** | **५,१२५** | **१८७** | **०** | **६,३७६** | **४,९०७** | **१,४६९** | **०** | **७,१४४** | **५,५२८** | **१,६१६** | **०** | | | | | |
| | **४.४** | **वन तथा वातावरण** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३२९०००११ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | १,६७१ | २,००५ | १,९८७ | १८ | ० | २,२१० | २,१०० | ११० | ० | २,४२१ | २,३०० | १२१ | ० | ९ | १ | १३ | ३ | ३ |
| २ | ३२९००१०१ | नेपाल जलवायु परिवर्तन सहयोग कार्यक्रम | ४,६७९ | ४,३३८ | ४,२५६ | ८२ | ० | ८,८०० | ७,७०० | १,१०० | ० | ९,६८० | ८,४७० | १,२१० | ० | ७ | १ | १३ | २ | १ |
| ३ | ३२९००१०२ | रेड फरेष्ट्री तथा जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम | ६९७ | १,३१४ | १,३१४ | ० | ० | १,४३० | १,४३० | ० | ० | १,५७३ | १,५७३ | ० | ० | ७ | १ | १३ | २ | १ |
| ४ | ३२९००१०३ | पहाडी साना किसानका लागि अनुकूलन आयोजना | ७,३४३ | ८,६३८ | ८३२ | ७,८०६ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ७ | १ | १३ | २ | २ |
| ५ | ३२९००१०४ | राष्ट्रपति चुरे संरक्षण कार्यक्रम | १६,०७९ | १५,२६४ | १,३२७ | १३,९३७ | ० | १७,१२० | १,५२६ | १५,५९४ | ० | १८,८३१ | १,६७८ | १७,१५३ | ० | १ | १ | १५ | १ | १ |
| ६ | ३२९००१०५ | सम्वृद्धिका लागि वन | ३५९ | १,०३२ | ६८२ | ३५० | ० | १,२१० | ७७० | ४४० | ० | १,३३१ | ८४७ | ४८४ | ० | २ | १ | १३ | १ | १ |
| ७ | ३२९००१०७ | स्वच्छ वातावरण कार्यक्रम | ८७७ | १,२७३ | १६३ | १,११० | ० | १,४४१ | २२० | १,२२१ | ० | १,५८५ | २४२ | १,३४३ | ० | २ | १ | १३ | २ | १ |
| ८ | ३२९००१०८ | जलवायु उत्थानशिल चुरे कार्यक्रम | १२८ | १,८८९ | १,५१४ | ३७५ | ० | २,०९० | १,६५० | ४४० | ० | २,२९९ | १,८१५ | ४८४ | ० | २ | १ | १३ | १ | १ |
| ९ | ३२९०१०११ | वन तथा भू-संरक्षण विभाग | १,४९६ | २,२२९ | १,८७९ | ३५० | ० | २,६३० | २,३०० | ३३० | ० | २,९६३ | २,६०० | ३६३ | ० | ७ | १ | १५ | २ | ३ |
| १० | ३२९०१०१२ | डिभिजन वन कार्यालयहरु (वन सुरक्षा सैनिक समेत) | १,१०७ | ४,८२५ | ३,७८३ | १,०४२ | ० | ४,८४३ | ३,८०१ | १,०४२ | ० | ४,९९३ | ३,९९३ | १,००० | ० | ७ | १ | १५ | २ | ३ |
| ११ | ३२९०११०१ | राष्ट्रिय वन विकास तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम | ७४६ | ८९६ | २४१ | ६५५ | ० | १,२१० | ५५० | ६६० | ० | १,३३१ | ६०५ | ७२६ | ० | ७ | १ | १५ | १ | १ |
| १२ | ३२९०११०२ | जलाधार संरक्षण तथा सीमसार व्यवस्थापन कार्यक्रम | ३,०७८ | ३,५२३ | २८१ | ३,२४२ | ० | ४,२५९ | ४४० | ३,८१९ | ० | ४,६८५ | ४८४ | ४,२०१ | ० | ७ | १ | १५ | २ | १ |
| १३ | ३२९०११०४ | प्रकृतिमा आधारित पर्यटन कार्यक्रम | ३८६ | २,२४१ | ६४० | १,६०१ | ० | २,४९२ | ७३२ | १,७६० | ० | २,७४१ | ८०५ | १,९३६ | ० | ४ | १ | १५ | १ | १ |
| १४ | ३२९०११०६ | जलाधारमा आधारित जलवायु उत्थानशिल जीविकोपार्जन आयोजना | ० | १,६७९ | ९९० | ६८९ | ० | १,८८१ | १,१८१ | ७०० | ० | २,१३० | १,३३० | ८०० | ० | ७ | १ | १३ | १ | १ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| १५ | ३२९०२०११ | वनस्पति विभाग | १,३३४ | १,८४० | १,७१६ | १२४ | ० | १,८७० | १,६५० | २२० | ० | २,०५७ | १,८१५ | २४२ | ० | ७ | १ | १५ | २ | ३ |
| १६ | ३२९०२१०१ | जडिबुटी विकास कार्यक्रम | १,२६५ | ९८६ | ४९८ | ४८८ | ० | १,२१० | ६६० | ५५० | ० | १,३३१ | ७२६ | ६०५ | ० | ४ | १ | १५ | २ | १ |
| १७ | ३२९०२१०३ | वनस्पति अनुसन्धान संरक्षण तथा उद्यान विकास कार्यक्रम | १,०२० | ९१४ | ४१४ | ५०० | ० | १,१०० | ५५० | ५५० | ० | १,२१० | ६०५ | ६०५ | ० | ७ | १ | १५ | ३ | १ |
| १८ | ३२९०३०११ | राष्ट्रिय निकुन्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग | ४,३६८ | ३,९७४ | २,८८३ | १,०९१ | ० | ५,३९० | ३,८५० | १,५४० | ० | ५,९२९ | ४,२३५ | १,६९४ | ० | ७ | १ | १५ | ३ | ३ |
| १९ | ३२९०३०१२ | राष्ट्रिय निकुन्ज सुरक्षा टोली (नेपाली सेना) | ३७,९६६ | ३९,३१८ | ३८,९७३ | ३४५ | ० | ४०,५५० | ४०,००० | ५५० | ० | ४२,१०५ | ४१,५०० | ६०५ | ० | ८ | २ | १५ | २ | ३ |
| २० | ३२९०३०१३ | हात्तिसारहरु | १,५१८ | १,९३३ | १,५८२ | ३५१ | ० | १,९२५ | १,७६० | १६५ | ० | २,११८ | १,९३६ | १८२ | ० | ७ | २ | १५ | ३ | ३ |
| २१ | ३२९०३१०१ | राष्ट्रिय निकुन्ज तथा आरक्ष आयोजना | ११,६१५ | १६,१८२ | ८,७५० | ७,४३२ | ० | १५,५०० | ९,००० | ६,५०० | ० | १५,१२५ | ९,६८० | ५,४४५ | ० | ७ | १ | १५ | १ | २ |
| २२ | ३२९०४०११ | वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग | ३६० | ५३० | ५१२ | १८ | ० | ५७२ | ५५० | २२ | ० | ६२९ | ६०५ | २४ | ० | ७ | १ | १५ | २ | ३ |
| २३ | ३२९०४१०१ | वन अनुसन्धान तथा सर्भेक्षण आयोजना | ६२७ | ७३८ | ६७२ | ६६ | ० | १,२१० | १,१०० | ११० | ० | १,३३१ | १,२१० | १२१ | ० | ७ | २ | १५ | २ | १ |
| २४ | ३२९०५०११ | वातावरण विभाग | १,९०५ | २,६६३ | १,२८४ | १,३७९ | ० | ३,५२० | १,९८० | १,५४० | ० | ३,८७२ | २,१७८ | १,६९४ | ० | ७ | १ | १३ | ३ | १ |
| २५ | ३२९०६०११ | केन्द्रीय वन तालिम तथा प्रसार केन्द्र | ३५ | ५६ | ४९ | ७ | ० | ११० | ८८ | २२ | ० | १२१ | ९७ | २४ | ० | ८ | २ | १५ | २ | २ |
| २६ | ५०१२९१०१ | जडिबुटी उत्पादन तथा कम्पनी लिमिटेड | १,००० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १५ | १ | १ |
| **जम्मा** | | | **१०१,६५९** | **१२०,२८०** | **७७,२२२** | **४३,०५८** | **०** | **१२४,५७३** | **८५,५८८** | **३८,९८५** | **०** | **१३२,३९१** | **९१,३२९** | **४१,०६२** | **०** | | | | | |
| **कुल जम्मा** | | | **३८७,७५९** | **५९४,६९८** | **४५९,५३६** | **९४,१६२** | **४१,०००** | **६०५,१९६** | **४६६,३१३** | **९३,३८३** | **४५,५००** | **६४६,९७६** | **४९५,३८०** | **१०५,५४६** | **४६,०५०** | | | | | |

# अनुसूची ४.२

## कृषि, भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा वन क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | ४.१ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३१२०००११ | कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय | ५,२९० | २,८९० | ० | २,४०० | ३,७२० | २,०४० | ० | १,६८० | ३,८५० | २,१२२ | ० | १,७२८ |
| २ | ३१२००१०१ | कृषि विकास रणनीति अनुगमन तथा समन्वय कार्यक्रम | १६,१०६ | १६,१०६ | ० | ० | ८,०४५ | ८,०४५ | ० | ० | १०,००० | १०,००० | ० | ० |
| ३ | ३१२००१०२ | विशेष कृषि उत्पादन कार्यक्रम | १५०,०२८ | १०३,०२८ | १७,००० | ३०,००० | १३२,००० | १३२,००० | ० | ० | १५०,००० | १५०,००० | ० | ० |
| ४ | ३१२००१०३ | बीउ प्रवर्द्धन तथा गुण नियन्त्रण कार्यक्रम | ३५२ | ३५२ | ० | ० | ४७५ | ४७५ | ० | ० | ५५२ | ५५२ | ० | ० |
| ५ | ३१२००१०४ | प्लान्ट क्वारेन्टाइन तथा विषादि व्यवस्थापन कार्यक्रम | १,४९७ | १,४९७ | ० | ० | १,९०० | १,९०० | ० | ० | २,३१५ | २,३१५ | ० | ० |
| ६ | ३१२००१०५ | कृषि सूचना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम | १,००३ | १,००३ | ० | ० | १,२५६ | १,२५६ | ० | ० | १,३०५ | १,३०५ | ० | ० |
| ७ | ३१२००१०६ | प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना | ३०,३१९ | ३०,३१९ | ० | ० | ३७,६९० | ३७,६९० | ० | ० | ४३,५२० | ४३,५२० | ० | ० |
| ८ | ३१२००१०७ | लाइभस्टक सेक्टर इन्नोभेसन आयोजना | ३१,४२६ | २,९९८ | ० | २८,४२८ | ३२,००० | ३,०६० | ० | २८,९४० | ३०,४४६ | ५,४४६ | ० | २५,००० |
| ९ | ३१२००१०८ | खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुधार आयोजना | १०,२५५ | १,८५५ | ८,४०० | ० | १०,६०० | १,६०० | ९,००० | ० | १०,८०० | ६,६७६ | ४,१२४ | ० |
| १० | ३१२००१०९ | कृषि क्षेत्र विकास कार्यक्रम | १६,२१९ | २,९१५ | २५७ | १३,०४७ | १८,४५९ | ४,४५९ | ५०० | १३,५०० | १०,५३४ | १,९२९ | १६६ | ८,४३९ |
| ११ | ३१२००११२ | नेपाल कृषि बजार विकास कार्यक्रम | ३,००६ | ० | ३,००६ | ० | ३,०१५ | ० | ३,०१५ | ० | ३,३२० | ० | ३,३२० | ० |
| १२ | ३१२००११८ | ग्रामीण उद्यम तथा आर्थिक विकास कार्यक्रम | १२,४१४ | ४८८ | ० | ११,९२६ | १३,६१५ | ५५५ | ० | १३,०६० | १५,०५० | ६१० | ० | १४,४४० |
| १३ | ३१२०१०११ | कृषि विभाग | १२,२३४ | १२,२३४ | ० | ० | १२,८४० | १२,८४० | ० | ० | १३,५५२ | १३,५५२ | ० | ० |
| १४ | ३१२०११०१ | राष्ट्रिय आलु, तरकारी तथा मसला विकास कार्यक्रम | १,३७६ | १,३७६ | ० | ० | १,७०७ | १,७०७ | ० | ० | १,९५३ | १,९५३ | ० | ० |
| १५ | ३१२०११०२ | राष्ट्रिय फलफूल विकास कार्यक्रम | ३,२६४ | ३,२६४ | ० | ० | ४,१०० | ४,१०० | ० | ० | ४,६०० | ४,६०० | ० | ० |
| १६ | ३१२०११०३ | व्यवसायीक कीट विकास कार्यक्रम | ९८५ | ९८५ | ० | ० | १,३०४ | १,३०४ | ० | ० | १,३७५ | १,३७५ | ० | ० |
| १७ | ३१२०११०४ | बाली विकास तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम | १,२४५ | १,२४५ | ० | ० | १,७१५ | १,७१५ | ० | ० | १,८५२ | १,८५२ | ० | ० |
| १८ | ३१२०११०५ | केन्द्रिय कृषि प्रयोगशाला कार्यक्रम | ६३७ | ६३७ | ० | ० | ८१९ | ८१९ | ० | ० | ९५० | ९५० | ० | ० |
| १९ | ३१२०११०६ | कृषि पूर्वाधार विकास तथा कृषि यान्त्रिकरण प्रवर्धन कार्यक्रम | २,७५८ | २,७५८ | ० | ० | ३,२१४ | ३,२१४ | ० | ० | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० |
| २० | ३१२०११०७ | रानी जमरा कुलरिया सिचाई आयोजना—प्रणाली आधुनिकिकरण कृषि कार्यक्रम | २,७३५ | ८६ | ० | २,६४९ | ३,२९० | ११० | ० | ३,१८० | ३,३९५ | १०७ | ० | ३,२८८ |
| २१ | ३१२०१११११ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र कार्यक्रम(कृषि) | ३४९ | १०० | ० | २४९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २२ | ३१२०२०११ | पशु सेवा विभाग | ६,२२७ | ६,२२७ | ० | ० | ४,०५० | ४,०५० | ० | ० | ४,५०० | ४,५०० | ० | ० |
| २३ | ३१२०२१०१ | मत्स्य विकास कार्यक्रम | २,२२२ | २,२२२ | ० | ० | २,१२७ | २,१२७ | ० | ० | २,२०० | २,२०० | ० | ० |
| २४ | ३१२०२१०२ | पशु स्वास्थ्य, रोग अन्वेशण सेवा तथा क्वारेन्टाईन कार्यक्रम | ७,१७० | ७,१७० | ० | ० | ८,५३० | ८,५३० | ० | ० | ९,००० | ९,००० | ० | ० |
| २५ | ३१२०२१०३ | पशुपन्छी स्रोत व्यवस्थापन तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ६,४१८ | ६,४१८ | ० | ० | ७,६१० | ७,६१० | ० | ० | ८,२५० | ८,२५० | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २६ | ३१२०२१०४ | पशु आहारा तथा लाइभस्टक गुण व्यवस्थापन कार्यक्रम | ३९६ | ३९६ | ० | ० | ६३१ | ६३१ | ० | ० | ६३० | ६३० | ० | ० |
| २७ | ३१२०३१०१ | खाद्य पोषण तथा प्रविधि कार्यक्रम | ४,३९६ | ४,३९६ | ० | ० | ४,८८० | ४,८८० | ० | ० | ६,२८५ | ६,२८५ | ० | ० |
| २८ | ३१२२१०११ | राष्ट्रिय किसान आयोग | ४६४ | ४६४ | ० | ० | ६६५ | ६६५ | ० | ० | ८०५ | ८०५ | ० | ० |
| २९ | ३१२३१०११ | राष्ट्रिय चिया, कफी तथा अलैंची विकास बोर्ड | १,२३१ | १,२३१ | ० | ० | १,५६४ | १,५६४ | ० | ० | १,६८० | १,६८० | ० | ० |
| ३० | ३१२३१०१२ | राष्ट्रिय दुग्ध विकास बोर्ड | ५८४ | ५८४ | ० | ० | ६७२ | ६७२ | ० | ० | ६९५ | ६९५ | ० | ० |
| ३१ | ३१२४१०११ | नेपाल पशु चिकित्सा परिषद् | १२३ | १२३ | ० | ० | १३५ | १३५ | ० | ० | १३७ | १३७ | ० | ० |
| ३२ | ३१२४११०१ | कृषि अनुसन्धान कार्यक्रम | २९,६५० | २९,६५० | ० | ० | ३७,८४० | ३७,८४० | ० | ० | ४१,०५० | ४१,०५० | ० | ० |
| ३३ | ३१२८१०११ | कपास विकास समिति | २८५ | २८५ | ० | ० | ३६० | ३६० | ० | ० | ३७० | ३७० | ० | ० |
| ३४ | ५०११२१०१ | समावेशी कृषि रूपान्तरण कार्यक्रम | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० |
| | | **जम्मा** | **४०२,६६४** | **२४५,३०२** | **२८,६६३** | **१२८,६९९** | **४००,८२८** | **२८७,९५३** | **१२,५१५** | **१००,३६०** | **४२८,४७१** | **३२७,९६६** | **७,६१०** | **९२,८९५** |
| | **४.२** | **भूमि व्यवस्था** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३३६०००११ | भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालय | ३,२१८ | २,७५८ | ४६० | ० | ४,०१४ | ३,०१४ | १,००० | ० | ४,४१५ | ३,७९१ | ६२४ | ० |
| २ | ३३६००१०३ | जग्गा प्रशासन सुदृढीकरण तथा अनौपचारिक भूसम्बन्ध व्यवस्थापन कार्यक्रम | ६,५७४ | ६,५७४ | ० | ० | २,७३८ | २,७३८ | ० | ० | ३,०१२ | ३,०१२ | ० | ० |
| ३ | ३३६०१०११ | भूमि व्यवस्थापन तथा अभिलेख विभाग | १,०३४ | १,०३४ | ० | ० | १,१८५ | १,१८५ | ० | ० | १,३०३ | १,३०३ | ० | ० |
| ४ | ३३६०१०१२ | भूमि सुधार तथा मालपोत कार्यालयहरु | १८,७७७ | १८,७७७ | ० | ० | २०,९०० | २०,९०० | ० | ० | २२,०४० | २२,०४० | ० | ० |
| ५ | ३३६०११०१ | मालपोत अभिलेख सुरक्षा तथा सुदृढीकरण कार्यक्रम | ४,६१८ | ४,६१८ | ० | ० | ५,०८५ | ५,०८५ | ० | ० | ५,५९३ | ५,५९३ | ० | ० |
| ६ | ३३६०२०११ | नापी विभाग | ५२५ | ५२५ | ० | ० | ७१५ | ७१५ | ० | ० | ७८७ | ७८७ | ० | ० |
| ७ | ३३६०२०१२ | नापी कार्यालयहरु | १७,९०९ | १७,९०९ | ० | ० | २०,३५० | २०,३५० | ० | ० | २१,५४५ | २१,५४५ | ० | ० |
| ८ | ३३६०२१०१ | कित्ता नापी तथा नापी कार्यालय सुधार कार्यक्रम | ५,८०९ | ५,८०९ | ० | ० | ५,३२० | ५,३२० | ० | ० | ५,८५२ | ५,८५२ | ० | ० |
| ९ | ३३६०२१०२ | स्थलरुप नापी तथा भू-उपयोग व्यवस्थापन कार्यक्रम | ४,३१९ | ४,३१९ | ० | ० | ४,४०० | ४,४०० | ० | ० | ४,८४० | ४,८४० | ० | ० |
| १० | ३३६०२१०३ | खगोल तथा भू-मापन कार्यक्रम | १,५०४ | १,५०४ | ० | ० | २,००२ | २,००२ | ० | ० | २,२०२ | २,२०२ | ० | ० |
| ११ | ३३६०४०११ | भूमि व्यवस्थापन प्रशिक्षण केन्द्र | १,१५५ | १,१५५ | ० | ० | १,२१० | १,२१० | ० | ० | १,३३१ | १,३३१ | ० | ० |
| १२ | ५०१३६१०१ | भूमि बैंक कम्पनी | १,००० | १,००० | ० | ० | ५,५०० | ५,५०० | ० | ० | ६,०५० | ६,०५० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **६६,४४२** | **६५,९८२** | **४६०** | **०** | **७३,४१९** | **७२,४१९** | **१,०००** | **०** | **७८,९७०** | **७८,३४६** | **६२४** | **०** |
| | **४.३** | **सहकारी तथा गरिबी निवारण** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३३६००१०१ | गरिब घर परिवार पहिचान तथा परिचय पत्र वितरण कार्यक्रम (गरिब लक्षित विशेष कार्यक्रम) | १,१७७ | १,१७७ | ० | ० | २,६५७ | २,६५७ | ० | ० | ३,०५३ | ३,०५३ | ० | ० |
| २ | ३३६००१०२ | गरिबसंग विश्वेश्वर कार्यक्रम | १,८०१ | १,८०१ | ० | ० | १,९८० | १,९८० | ० | ० | २,१७८ | २,१७८ | ० | ० |
| ३ | ३३६०३०११ | सहकारी विभाग | २८७ | २८७ | ० | ० | १९८ | १९८ | ० | ० | २१८ | २१८ | ० | ० |
| ४ | ३३६०३०१२ | सहकारी प्रशिक्षण तथा अनुसन्धान केन्द्र | ३६६ | ३६६ | ० | ० | ४४१ | ४४१ | ० | ० | ४८४ | ४८४ | ० | ० |
| ५ | ३३६०३१०१ | सहकारी क्षेत्र सुदृढीकरण तथा प्रणाली सुधार कार्यक्रम | ९३२ | ९३२ | ० | ० | १,१०० | १,१०० | ० | ० | १,२११ | १,२११ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ६ | ३३६५१०११ | गरिबी निवारण कोष | ७४९ | ७४९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **५,३१२** | **५,३१२** | **०** | **०** | **६,३७६** | **६,३७६** | **०** | **०** | **७,१४४** | **७,१४४** | **०** | **०** |
| | **४.४** | **वन तथा वातावरण** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३२९०००११ | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | २,००५ | २,००५ | ० | ० | २,२१० | २,२१० | ० | ० | २,४२१ | २,४२१ | ० | ० |
| २ | ३२९००१०१ | नेपाल जलवायु परिवर्तन सहयोग कार्यक्रम | ४,३३८ | ० | ४,३३८ | ० | ८,८०० | ० | ८,८०० | ० | ९,६८० | ० | ९,६८० | ० |
| ३ | ३२९००१०२ | रेड फरेष्ट्री तथा जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम | १,३१४ | १८१ | १,१३३ | ० | १,४३० | २३० | १,२०० | ० | १,५७३ | २२४ | १,३४९ | ० |
| ४ | ३२९००१०३ | पहाडी साना किसानका लागि अनुकूलन आयोजना | ८,६३८ | १,८३१ | ६,८०७ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ५ | ३२९००१०४ | राष्ट्रपति चुरे संरक्षण कार्यक्रम | १५,२६४ | १५,२६४ | ० | ० | १७,१२० | १७,१२० | ० | ० | १८,८३१ | १८,८३१ | ० | ० |
| ६ | ३२९००१०५ | सम्वृद्धिका लागि वन | १,०३२ | ८८२ | ५० | १०० | १,२१० | ९१० | १०० | २०० | १,३३१ | १,१४९ | ६१ | १२१ |
| ७ | ३२९००१०७ | स्वच्छ वातावरण कार्यक्रम | १,२७३ | १,२७३ | ० | ० | १,४४१ | १,४४१ | ० | ० | १,५८५ | १,५८५ | ० | ० |
| ८ | ३२९००१०८ | जलवायु उत्थानशिल चुरे कार्यक्रम | १,८८९ | ४४० | १,४४९ | ० | २,०९० | ५९० | १,५०० | ० | २,२९९ | ५४६ | १,७५३ | ० |
| ९ | ३२९०१०११ | वन तथा भू-संरक्षण विभाग | २,२२९ | २,२२९ | ० | ० | २,६३० | २,६३० | ० | ० | २,९६३ | २,९६३ | ० | ० |
| १० | ३२९०१०१२ | डिभिजन वन कार्यालयहरु (वन सुरक्षा सैनिक समेत) | ४,८२५ | ४,८२५ | ० | ० | ४,८४३ | ४,८४३ | ० | ० | ४,९९३ | ४,९९३ | ० | ० |
| ११ | ३२९०११०१ | राष्ट्रिय वन विकास तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम | ८९६ | ८९६ | ० | ० | १,२१० | १,२१० | ० | ० | १,३३१ | १,३३१ | ० | ० |
| १२ | ३२९०११०२ | जलाधार संरक्षण तथा सीमसार व्यवस्थापन कार्यक्रम | ३,५२३ | ३,५२३ | ० | ० | ४,२५९ | ४,२५९ | ० | ० | ४,६८५ | ४,६८५ | ० | ० |
| १३ | ३२९०११०४ | प्रकृतिमा आधारित पर्यटन कार्यक्रम | २,२४१ | २७५ | १,९६६ | ० | २,४९२ | ४१२ | २,०८० | ० | २,७४१ | ३६४ | २,३७७ | ० |
| १४ | ३२९०११०६ | जलाधारमा आधारित जलवायु उत्थानशिल जीविकोपार्जन आयोजना | १,६७९ | ० | १,६७९ | ० | १,८८१ | ० | १,८८१ | ० | २,१३० | ० | २,१३० | ० |
| १५ | ३२९०२०११ | वनस्पति विभाग | १,८४० | १,८४० | ० | ० | १,८७० | १,८७० | ० | ० | २,०५७ | २,०५७ | ० | ० |
| १६ | ३२९०२१०१ | जडिबुटी विकास कार्यक्रम | ९८६ | ९८६ | ० | ० | १,२१० | १,२१० | ० | ० | १,३३१ | १,३३१ | ० | ० |
| १७ | ३२९०२१०३ | वनस्पति अनुसन्धान संरक्षण तथा उद्यान विकास कार्यक्रम | ९१४ | ९१४ | ० | ० | १,१०० | १,१०० | ० | ० | १,२१० | १,२१० | ० | ० |
| १८ | ३२९०३०११ | राष्ट्रिय निकुन्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण विभाग | ३,९७४ | ३,९७४ | ० | ० | ५,३९० | ५,३९० | ० | ० | ५,९२९ | ५,९२९ | ० | ० |
| १९ | ३२९०३०१२ | राष्ट्रिय निकुन्ज सुरक्षा टोली (नेपाली सेना) | ३९,३१८ | ३९,३१८ | ० | ० | ४०,५५० | ४०,५५० | ० | ० | ४२,१०५ | ४२,१०५ | ० | ० |
| २० | ३२९०३०१३ | हात्तिसारहरु | १,९३३ | १,९३३ | ० | ० | १,९२५ | १,९२५ | ० | ० | २,११८ | २,११८ | ० | ० |
| २१ | ३२९०३१०१ | राष्ट्रिय निकुन्ज तथा आरक्ष आयोजना | १६,१८२ | १५,९८३ | १९९ | ० | १५,५०० | १५,३०० | २०० | ० | १५,१२५ | १४,९४१ | १८४ | ० |
| २२ | ३२९०४०११ | वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग | ५३० | ५३० | ० | ० | ५७२ | ५७२ | ० | ० | ६२९ | ६२९ | ० | ० |
| २३ | ३२९०४१०१ | वन अनुसन्धान तथा सर्भेक्षण आयोजना | ७३८ | ७३८ | ० | ० | १,२१० | १,२१० | ० | ० | १,३३१ | १,३३१ | ० | ० |
| २४ | ३२९०५०११ | वातावरण विभाग | २,६६३ | २,६६३ | ० | ० | ३,५२० | ३,५२० | ० | ० | ३,८७२ | ३,८७२ | ० | ० |
| २५ | ३२९०६०११ | केन्द्रीय वन तालिम तथा प्रसार केन्द्र | ५६ | ५६ | ० | ० | ११० | ११० | ० | ० | १२१ | १२१ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१२०,२८०** | **१०२,५५९** | **१७,६२१** | **१००** | **१२४,५७३** | **१०८,६१२** | **१५,७६१** | **२००** | **१३२,३९१** | **११४,७३६** | **१७,५३४** | **१२१** |
| | | **कुल जम्मा** | **५९४,६९८** | **४१९,१५५** | **४६,७४४** | **१२८,७९९** | **६०५,१९६** | **४७५,३६०** | **२९,२७६** | **१००,५६०** | **६४६,९७६** | **५२८,१९२** | **२५,७६८** | **९३,०१६** |

# अनुसूची ५.१

## आर्थिक क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | विगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ५.१ | अर्थ | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०५०००११ | अर्थ मन्त्रालय | १३,०९४ | ३,७८० | ३,५७० | २१० | ० | ४,२०२ | ४,१११ | ९१ | ० | ४,३५२ | ४,२४७ | १०५ | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | ३०५०००१२ | ऋण असुली पुनरावेदन न्यायधिकरण | ११६ | २०५ | १९८ | ७ | ० | २५३ | २४५ | ८ | ० | २६२ | २५३ | ९ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ३ | ३०५०००१३ | ऋण असुली न्यायधिकरण | ३२४ | ३५५ | ३४९ | ६ | ० | ४५१ | ४४३ | ८ | ० | ४६६ | ४५७ | ९ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ४ | ३०५०००१४ | अन्तर्राष्ट्रीय संघ, संस्था सदस्यता शुल्क अनुदान विविध | २,५३६ | ५,००३ | ५,००३ | ० | ० | ५,८८९ | ५,८८९ | ० | ० | ६,०८४ | ६,०८४ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ५ | ३०५००१०१ | साना किसान विकास बैंक (वित्तिय संस्था), विविध | १,०८० | ४०० | ४०० | ० | ० | १,६५४ | १,६५४ | ० | ० | १,७०८ | १,७०८ | ० | ० | ४ | २ | २ | १ | ३ |
| ६ | ३०५००१०२ | लघु विमा सहयोग कार्यक्रम (पशु, बाली, स्वास्थ्य ) | ६,४६८ | ३,५९४ | ३,५९४ | ० | ० | ४,१८५ | ४,१८५ | ० | ० | ४,३२४ | ४,३२४ | ० | ० | ४ | १ | २ | १ | ३ |
| ७ | ३०५००१०५ | बजेट सुधार आयोजना | ० | १,०२२ | १२२ | ९०० | ० | १२२ | १२२ | ० | ० | १२६ | १२६ | ० | ० | ८ | २ | १६ | २ | ३ |
| ८ | ३०५००१०८ | मिलिनियम च्यालेन्ज एकाउण्ट नेपाल | २३,३१४ | ९१,०२३ | ७,५२० | ८३,५०३ | ० | ११७,७७८ | ९,०७८ | १०८,७०० | ० | १३३,५७० | ९,३८० | १२४,१९० | ० | ३ | १ | ९ | २ | २ |
| ९ | ३०५००११३ | आर्थिक पुनरुत्थान, राहत तथा सहुलियत कार्यक्रम | ५५,२९८ | २०५,९६० | २०५,९६० | ० | ० | १९७,९६५ | १९७,९६५ | ० | ० | २०४,५३० | २०४,५३० | ० | ० | ७ | १ | १२ | ३ | ३ |
| १० | ३०५०१०११ | महालेखा नियन्त्रक कार्यालय | १,०८३ | १,४३२ | १,२५२ | १८० | ० | १,८७२ | १,७४८ | १२४ | ० | १,९४८ | १,८०६ | १४२ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ११ | ३०५०१०१२ | निवृत्तिभरण व्यवस्थापन कार्यालय | ३६१ | ४७९ | ४६४ | १५ | ० | ६०८ | ५८८ | २० | ० | ६३१ | ६०८ | २३ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १२ | ३०५०१०१३ | कुमारी चोक तथा केन्द्रीय तहसिल कार्यालय | १६४ | १८३ | १७५ | ८ | ० | २४४ | २३४ | १० | ० | २५४ | २४२ | १२ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १३ | ३०५०१०१४ | कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयहरु | ६,६९४ | ८,४५० | ७,१६९ | १,२८१ | ० | ८,९४९ | ७,२७९ | १,६७० | ० | ९,४२९ | ७,५२१ | १,९०८ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १४ | ३०५०११०१ | सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन सुधार कार्यक्रम | २,२५६ | ११,१८४ | ७,६५८ | ३,५२६ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ८ | १ | ८ | ३ | ३ |
| १५ | ३०५०२०११ | सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन तालिम केन्द्र | ३८१ | ७१८ | ६४८ | ७० | ० | १,०११ | ९२० | ९१ | ० | १,०५४ | ९५० | १०४ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १६ | ३०५०३०११ | भन्सार विभाग | १,१२४ | १,५१४ | १,४८५ | २९ | ० | २,०४६ | १,९६० | ८६ | ० | २,१२३ | २,०२५ | ९८ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १७ | ३०५०३०१२ | भन्सार कार्यालयहरु | ८,४९३ | ९,७०५ | ८,८६३ | ८४२ | ० | ११,३१२ | १०,२१३ | १,०९९ | ० | ११,८०८ | १०,५५२ | १,२५६ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १८ | ३०५०३१०१ | भन्सार सुधार कार्यक्रम | ३,४५० | ९,६०४ | १,०५९ | ८,५४५ | ० | १२,८५८ | १,४८२ | ११,३७६ | ० | १४,५२९ | १,५३२ | १२,९९७ | ० | ८ | १ | १७ | ३ | ३ |
| १९ | ३०५०४०११ | आन्तरिक राजस्व विभाग | ३,७९६ | ८,६३४ | ६,५८९ | २,०४५ | ० | ११,९२० | ९,२८९ | २,६३१ | ० | १२,६०४ | ९,५९८ | ३,००६ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २० | ३०५०४०१२ | आन्तरिक राजस्व कार्यालयहरू | १३,२३९ | १६,८०२ | १४,४७७ | २,३२५ | ० | १९,७९५ | १६,८९७ | २,८९८ | ० | २०,७६९ | १७,४५८ | ३,३११ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २१ | ३०५०५०११ | सार्वजनिक ऋण व्यवस्थापन कार्यालय | २७३ | ४१९ | ३५९ | ६० | ० | ५३२ | ४५४ | ७८ | ० | ५५८ | ४६९ | ८९ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २२ | ५०१०५१०१ | लगानी -विविध | ३९,१५० | ४२,७०० | ० | ० | ४२,७०० | ९०,००० | ० | ० | ९०,००० | १००,००० | ० | ० | १००,००० | ४ | २ | ९ | १ | ३ |
| २३ | ५०१०५१०२ | पशुपालन (मासुजन्य र दुग्धजन्य) कर्जा तथा पशुधन कार्यक्रम | २६,००० | ३६,००० | ० | ० | ३६,००० | ३६,००० | ० | ० | ३६,००० | ३६,००० | ० | ० | ३६,००० | ४ | १ | २ | १ | २ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| २४ | ५०१०५१०३ | सार्वजनिक संस्थान सुधार कार्यक्रम | ० | ५,५०० | ० | ० | ५,५०० | ५,५०० | ० | ० | ५,५०० | ५,५०० | ० | ० | ५,५०० | ८ | २ | १६ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **२०८,६९४** | **४६४,६६६** | **२७६,९१४** | **१०३,५५२** | **८४,२००** | **५३५,१४६** | **२७४,७५६** | **१२८,८९०** | **१३१,५००** | **५७२,६२९** | **२८३,८७०** | **१४७,२५९** | **१४१,५००** | | | | | |
| | **५.२** | **उद्योग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०७०००११ | उद्योग, वाणिज्य तथा आपुर्ति मन्त्रालय | १,२८० | १०,४१७ | ९,६५७ | ७६० | ० | १५,३२८ | १२,४६१ | २,८६७ | ० | १७,०७१ | १३,२०९ | ३,८६२ | ० | ९ | १ | ९ | १ | ३ |
| २ | ३०७०००१२ | केन्द्रिय कारागार कारखाना | ६३ | ११८ | १०२ | १६ | ० | १३९ | १२२ | १७ | ० | १६० | १३९ | २१ | ० | ४ | १ | १ | २ | ३ |
| ३ | ३०७०००१३ | सैनिक सामग्री उत्पादन निर्देशनालय | २,५४८ | ३,३०६ | १,४१५ | १,८९१ | ० | ३,५७५ | १,५८९ | १,९८६ | ० | ४,२९३ | १,८११ | २,४८२ | ० | ४ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ४ | ३०७००१०१ | औद्योगिक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम (विशेष आर्थिक क्षेत्र समेत) | ८,७०२ | २७,७४४ | २७९ | २७,४६५ | ० | २९,१५४ | ३१५ | २८,८३९ | ० | ३६,४०८ | ३५९ | ३६,०४९ | ० | १ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ५ | ३०७००१०२ | औद्योगिक लगानी प्रवर्द्धन कार्यक्रम | २९९ | २९५ | २९५ | ० | ० | ३९१ | ३९१ | ० | ० | ४४६ | ४४६ | ० | ० | ४ | १ | ९ | २ | ३ |
| ६ | ३०७००१०९ | ग्रामीण उद्यम तथा विप्रेषण परियोजन (समृद्धि) | २,९६९ | १२,१९५ | १२,१७३ | २२ | ० | १,६४२ | १,६३२ | १० | ० | २१ | २१ | ० | ० | १ | १ | ९ | १ | २ |
| ७ | ३०७०१०११ | उद्योग विभाग | १४,०७५ | ९,९९५ | ९,७११ | २८४ | ० | ११,३७२ | ११,०७४ | २९८ | ० | १२,९९७ | १२,६२५ | ३७२ | ० | ४ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ८ | ३०७०२०११ | खानी तथा भूगर्भ विभाग | ९३४ | १,२३९ | १,१०५ | १३४ | ० | १,३८६ | १,२४६ | १४० | ० | १,५९५ | १,४२० | १७५ | ० | ७ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ९ | ३०७०२१०१ | खनिज अन्वेषण तथा विकास आयोजना | ३३७ | १,९९४ | ९१ | १,९०३ | ० | ८६७ | १०३ | ७६४ | ० | १,०७३ | ११८ | ९५५ | ० | ७ | १ | ९ | ३ | ३ |
| १० | ३०७०२१०२ | पेट्रोलियम अन्वेषण परियोजना | ११८ | २७० | ९९ | १७१ | ० | २९४ | ११४ | १८० | ० | ३५५ | १३० | २२५ | ० | ७ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ११ | ३०७०२१०३ | भू-वैज्ञानिक सर्भेक्षण तथा अनुसन्धान आयोजना | १३१ | १९७ | ९१ | १०६ | ० | २२५ | १०८ | ११७ | ० | २६९ | १२३ | १४६ | ० | ७ | १ | ९ | ३ | ३ |
| १२ | ३०७०३०११ | नेपाल गुणस्तर तथा नापतौल विभाग | ७७५ | १,३०१ | ६५२ | ६४९ | ० | १,४०० | ७०९ | ६९१ | ० | १,६७३ | ८०९ | ८६४ | ० | ८ | १ | ९ | ३ | ३ |
| १३ | ३०७०३०१२ | गुणस्तर तथा नापतौल कार्यालयहरु | ६६५ | ८९८ | ७७९ | ११९ | ० | १,०१५ | ८०९ | २०६ | ० | १,१८१ | ९२३ | २५८ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १४ | ३०७०४०११ | कम्पनी रजिष्ट्रारको कार्यालय | ५०८ | १,०५३ | ४९० | ५६३ | ० | १,१४६ | ५५६ | ५९० | ० | १,३७१ | ६३३ | ७३८ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १५ | ३०७६१०११ | औद्योगिक व्यवसाय विकास प्रतिष्ठान | १३४ | १५८ | १५३ | ५ | ० | १७९ | १७३ | ६ | ० | २०५ | १९८ | ७ | ० | ४ | २ | ८ | १ | ३ |
| १६ | ३०७८१०१४ | घरेलु तथा साना उद्योग प्रर्वद्धन केन्द्र | २८८ | १,४०४ | १,३७८ | २६ | ० | १,६७९ | १,६५१ | २८ | ० | १,७३९ | १,७०९ | ३० | ० | ४ | १ | ९ | ३ | ३ |
| १७ | ५०१०७१०१ | धौवादी फलाम कारखाना | ० | २,७८३ | ० | ० | २,७८३ | ४,४०० | ० | ० | ४,४०० | ४,८४० | ० | ० | ४,८४० | १ | १ | ९ | १ | ३ |
| | | **जम्मा** | **३३,८२६** | **७५,३६७** | **३८,४७०** | **३४,११४** | **२,७८३** | **७४,१९२** | **३३,०५३** | **३६,७३९** | **४,४००** | **८५,६९७** | **३४,६७३** | **४६,१८४** | **४,८४०** | | | | | |
| | **५.३** | **वाणिज्य तथा आपूर्ति** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०७०००१४ | नेपाल खाद्य तथा व्यापार कम्पनी लिमिटेड | ५,९५६ | ५,८५३ | ५,८०३ | ५० | ० | ६,७४५ | ६,७४५ | ० | ० | ७,६८९ | ७,६८९ | ० | ० | ५ | १ | २ | ३ | ३ |
| २ | ३०७००१०३ | कण्ठरोग नियन्त्रण कार्यक्रम (नेपाल साल्ट ट्रेडिङ्ग लिमिटेड) | १,७४२ | १,४११ | १,४११ | ० | ० | १,९८९ | १,९८९ | ० | ० | २,२६८ | २,२६८ | ० | ० | २ | १ | ३ | २ | ३ |
| ३ | ३०७००१०४ | व्यापार सूचना तथा निर्यात सहयोग आयोजना- बहुपक्षीय तथा क्षेत्रीय व्यापार सुदृढीकरण | ५० | ३४२ | ३४२ | ० | ० | ४४८ | ४४८ | ० | ० | ५११ | ५११ | ० | ० | ३ | १ | १७ | २ | ३ |
| ४ | ३०७००१०५ | नेपाल भारत क्षेत्रीय व्यापार तथा पारवहन आयोजना | ११,४३१ | १५,२६८ | १,५०४ | १३,७६४ | ० | ३,२६१ | २६१ | ३,००० | ० | १,६०० | १०० | १,५०० | ० | ३ | १ | १७ | २ | ३ |
| ५ | ३०७००११० | रणनीतिक सडक संजाल तथा व्यापार सुधार आयोजना | ० | ७,६९४ | १९२ | ७,५०२ | ० | ८,३९४ | १९४ | ८,२०० | ० | ९,०२३ | २०८ | ८,८१५ | ० | २ | १ | १७ | २ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ६ | ३०७००१११ | नेपालको चिया निर्यात अभिबृद्धिमा दिगोपना | ० | ५६० | ५६० | ० | ० | १,००० | १,००० | ० | ० | १,००० | १,००० | ० | ० | ४ | १ | १७ | ३ | १ |
| ७ | ३०७०५०११ | वाणिज्य, आपुर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग | ५१५ | ७५९ | ५४८ | २११ | ० | ८६१ | ६४० | २२१ | ० | १,००५ | ७२९ | २७६ | ० | ८ | १ | १२ | २ | ३ |
| ८ | ३०७०५०१२ | वाणिज्य, आपुर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण कार्यालयहरू | ३८२ | ४८६ | ४६१ | २५ | ० | ५५९ | ५३४ | २५ | ० | ६४१ | ६०९ | ३२ | ० | ८ | १ | १२ | २ | ३ |
| ९ | ३०७८१०११ | व्यापार तथा निकासी प्रवर्द्धन केन्द्र | ९५७ | २,४३९ | १,६४० | ७९९ | ० | २,७५० | १,९११ | ८३९ | ० | ३,२२८ | २,१७९ | १,०४९ | ० | ४ | १ | १७ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **२१,०३३** | **३४,८१२** | **१२,४६१** | **२२,३५१** | **०** | **२६,००७** | **१३,७२२** | **१२,२८५** | **०** | **२६,९६५** | **१५,२९३** | **११,६७२** | **०** | | | | | |
| | **५.४** | **स स्कृति पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३२५०००११ | स स्कृति पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय | २,६८४ | १,५७३ | १,५२१ | ५२ | ० | २,१४४ | २,१०० | ४४ | ० | ४,१४२ | ४,०९४ | ४८ | ० | ९ | १ | ८ | ३ | ३ |
| २ | ३२५००१०१ | पर्वतीय पर्यटन तथा पर्यटन प्रवर्द्धन आयोजना | ० | ८१ | ८१ | ० | ० | १११ | १०५ | ६ | ० | १६१ | १५५ | ६ | ० | ४ | २ | ८ | ३ | ३ |
| ३ | ३२५००१०२ | दक्षिण एशिया पर्यटन पुर्वाधार विकास आयोजना | १,६१६ | ६४ | ६ | ५८ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | ८ | ३ | ३ |
| ४ | ३२५००१०३ | संस्कृति प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ४,१५१ | १,४०७ | १,२०७ | २०० | ० | १,७०४ | १,७०० | ४ | ० | १,८०५ | १,८०० | ५ | ० | ६ | २ | ११ | १ | ३ |
| ५ | ३२५००१०५ | सांस्कृतिक संस्थान | ० | १६० | १६० | ० | ० | १६६ | १६६ | ० | ० | १७२ | १७२ | ० | ० | १ | २ | ११ | ३ | ३ |
| ६ | ३२५०१०११ | पर्यटन विभाग | १,३२३ | १,४५७ | १,४२२ | ३५ | ० | १,६०० | १,५०० | १०० | ० | १,९०० | १,७०० | २०० | ० | ४ | १ | ८ | ३ | ३ |
| ७ | ३२५०११०६ | पर्यटन पूर्वाधार विकास आयोजना | १२,५८७ | २०,८६४ | ५,७५२ | १५,११२ | ० | २३,४८५ | २,८८५ | २०,६०० | ० | ३०,०५८ | ३,०५८ | २७,००० | ० | ३ | १ | ८ | १ | ३ |
| ८ | ३२५०२०११ | पुरातत्व विभाग | १,६४५ | २,०१४ | ४६४ | १,५५० | ० | १,८८० | ४८० | १,४०० | ० | १,९२० | ५२० | १,४०० | ० | ६ | १ | ८ | ३ | ३ |
| ९ | ३२५०२०१२ | राष्ट्रिय संग्राहालय (छाउनी) | ३१९ | ३९३ | २९२ | १०१ | ० | ४४० | ३१० | १३० | ० | ४८० | ३३० | १५० | ० | ६ | १ | ८ | ३ | ३ |
| १० | ३२५०२०१३ | केन्द्रीय सांस्कृतिक सम्पदा संरक्षण प्रयोगशाला | ३५ | ६९ | २० | ४९ | ० | ७२ | ३२ | ४० | ० | ८० | ३५ | ४५ | ० | ६ | १ | ८ | ३ | ३ |
| ११ | ३२५०२०१४ | नारायणहिटी दरबार संग्रहालय | ९१७ | १,१०२ | ९५२ | १५० | ० | ९७० | ९७० | ० | ० | ९९५ | ९९५ | ० | ० | ६ | १ | ८ | ३ | ३ |
| १२ | ३२५०२०१५ | राष्ट्रिय कला संग्रहालय (भक्तपुर) | १३३ | १६८ | १४२ | २६ | ० | १९६ | १५७ | ३९ | ० | २०८ | १६६ | ४२ | ० | ६ | १ | ८ | १ | ३ |
| १३ | ३२५०२०१६ | क्षेत्रीय संग्रहालयहरु | ९४ | ७८ | ६७ | ११ | ० | १५६ | ७७ | ७९ | ० | १६९ | ८२ | ८७ | ० | ६ | १ | ८ | १ | ३ |
| १४ | ३२५०२०१७ | संग्रहालयहरु (जातीय संग्रहालय समेत) | २३० | २८८ | २४२ | ४६ | ० | ३०५ | २५१ | ५४ | ० | ३२५ | २६६ | ५९ | ० | ६ | १ | ८ | १ | ३ |
| १५ | ३२५०२०१८ | ऐतिहासिक दरबारहरु | ६११ | ७७९ | ७६० | १९ | ० | ९१३ | ८६० | ५३ | ० | ९७८ | ९२० | ५८ | ० | ६ | १ | ८ | १ | ३ |
| १६ | ३२५०२०१९ | स्मारक संरक्षण तथा दरबार हेरचाह कार्यालय (भक्तपुर) | ९८ | १४२ | १२४ | १८ | ० | १३३ | ११९ | १४ | ० | १४२ | १२६ | १६ | ० | ६ | १ | ८ | १ | ३ |
| १७ | ३२५०२१०१ | पुरातात्विक स्थल संरक्षण आयोजना | २,४९६ | ४,७९० | १४ | ४,७७६ | ० | ४,५३६ | ३६ | ४,५०० | ० | ५,२३८ | ३८ | ५,२०० | ० | ६ | १ | ११ | १ | ३ |
| १८ | ३२५०२१०२ | विश्व सम्पदा क्षेत्र संरक्षण आयोजना | १०५ | ४८ | १० | ३८ | ० | १८३ | १३ | १७० | ० | २४० | १३ | २२७ | ० | ६ | १ | ११ | ३ | ३ |
| १९ | ३२५०३०११ | राष्ट्रिय अभिलेखालय | ५३५ | ४२४ | २४० | १८४ | ० | ६०४ | २४४ | ३६० | ० | ७४२ | २५८ | ४८४ | ० | ६ | १ | ८ | ३ | ३ |
| २० | ३२५०४०११ | नेपाल प्रतिलिपि अधिकार रजिष्ट्रारको कार्यालय | १०५ | १६२ | १३२ | ३० | ० | १७८ | १४३ | ३५ | ० | २०२ | १५२ | ५० | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| २१ | ३२५२१०११ | भाषा आयोग | ५५४ | ४८५ | ४७९ | ६ | ० | ७६८ | ७५३ | १५ | ० | ८१५ | ७९८ | १७ | ० | ६ | १ | ११ | ३ | ३ |
| २२ | ३२५४१०११ | बृहतर जनकपुर क्षेत्र विकास परिषद् | ४९० | ३९७ | ३९७ | ० | ० | ४५६ | ४५६ | ० | ० | ४८३ | ४८३ | ० | ० | ६ | १ | ११ | १ | ३ |
| २३ | ३२५५१०११ | पशुपति क्षेत्र विकास कोष | ६,५४९ | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ३,७१० | ३,७१० | ० | ० | ३,९३३ | ३,९३३ | ० | ० | ६ | १ | ११ | ३ | ३ |
| २४ | ३२५५१०१२ | लुम्बिनी विकास कोष | ७,०३८ | १५,००० | १५,००० | ० | ० | १०,६०० | १०,६०० | ० | ० | ११,२३६ | ११,२३६ | ० | ० | ६ | १ | ११ | ३ | ३ |
| २५ | ३२५६१०११ | नेपाल पर्यटन तथा होटल व्यवस्थापन प्रतिष्ठान | ३५० | ४०० | ४०० | ० | ० | ४२० | ४२० | ० | ० | ४४० | ४४० | ० | ० | २ | २ | ८ | २ | ३ |
| २६ | ३२५६१०१२ | नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान | ० | १,४९८ | १,४९८ | ० | ० | १,५५० | १,५५० | ० | ० | १,६०४ | १,६०४ | ० | ० | १ | २ | ११ | ३ | ३ |
| २७ | ३२५६१०१३ | नेपाल ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान | ० | ५२३ | ५२३ | ० | ० | ५४१ | ५४१ | ० | ० | ५६० | ५६० | ० | ० | १ | २ | ११ | ३ | ३ |
| २८ | ३२५६१०१४ | नेपाल संगीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान | ० | ७७४ | ७७४ | ० | ० | ८०१ | ८०१ | ० | ० | ८२९ | ८२९ | ० | ० | १ | २ | ११ | ३ | ३ |
| २९ | ३२५८१०११ | बौद्ध दर्शन प्रवर्द्धन तथा गुम्बा विकास समिति | ६२८ | ७८५ | ७८५ | ० | ० | ८१५ | ८१५ | ० | ० | ८४५ | ८४५ | ० | ० | ६ | १ | ११ | २ | २ |
| ३० | ५०१२५१०१ | नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण | १०,३१५ | १३,३०५ | ० | ० | १३,३०५ | ९,८४५ | ० | ० | ९,८४५ | २७,८०० | ० | ० | २७,८०० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ३१ | ५०१२५१०२ | हवाई यातायात क्षमता अभिवृद्धि आयोजना | ९,००० | ३४,५०० | ० | ० | ३४,५०० | ५०,००० | ० | ० | ५०,००० | ५०,००० | ० | ० | ५०,००० | ३ | २ | ९ | ३ | ३ |
| ३२ | ५०१२५१०३ | दक्षिण एशिया पर्यटन पुर्वाधार विकास आयोजना | १७,१११ | ३५,२८० | ० | ० | ३५,२८० | ५,००० | ० | ० | ५,००० | ० | ० | ० | ० | १ | २ | ९ | २ | २ |
| ३३ | ५०१२५१०४ | पोखरा क्षेत्रीय अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल | ३०,७२९ | ८५,००० | ० | ० | ८५,००० | १०,००० | ० | ० | १०,००० | ० | ० | ० | ० | ३ | १ | ९ | १ | ३ |
| ३४ | ५०१२५१०५ | दोस्रो अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निजगढ, बारा | ५,००० | ३,६०० | ० | ० | ३,६०० | ७०,००० | ० | ० | ७०,००० | ७०,००० | ० | ० | ७०,००० | ३ | १ | ९ | १ | ३ |
| ३५ | ५०१२५१०९ | सासेक- हवाई यातायात क्षमता अभिवृद्धि आयोजना | ० | ३५,००० | ० | ० | ३५,००० | ४५,००० | ० | ० | ४५,००० | ४५,००० | ० | ० | ४५,००० | ३ | १ | ९ | ३ | ३ |
| **जम्मा** | | | **११७,४४८** | **२६६,११०** | **३६,९६४** | **२२,४६१** | **२०६,६८५** | **२४९,२८२** | **३१,७९४** | **२७,६४३** | **१८९,८४५** | **२६३,५०२** | **३५,६०८** | **३५,०९४** | **१९२,८००** | | | | | |
| **कुल जम्मा** | | | **३८१,००१** | **८४०,९५५** | **३६४,८०९** | **१८२,४७८** | **२९३,६६८** | **८८४,६२७** | **३५३,३२५** | **२०५,५५७** | **३२५,७४५** | **९४८,७९३** | **३६९,४४४** | **२४०,२०९** | **३३९,१४०** | | | | | |

# अनुसूची ५.२

## आर्थिक क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | ५.१ | अर्थ | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०५०००११ | अर्थ मन्त्रालय | ३,७८० | ३,७८० | ० | ० | ४,२०२ | ४,२०२ | ० | ० | ४,३५२ | ४,३५२ | ० | ० |
| २ | ३०५०००१२ | ऋण असुली पुनरावेदन न्यायधिकरण | २०५ | २०५ | ० | ० | २५३ | २५३ | ० | ० | २६२ | २६२ | ० | ० |
| ३ | ३०५०००१३ | ऋण असुली न्यायधिकरण | ३५५ | ३५५ | ० | ० | ४५१ | ४५१ | ० | ० | ४६६ | ४६६ | ० | ० |
| ४ | ३०५०००१४ | अन्तर्राष्ट्रीय संघ, संस्था सदस्यता शुल्क अनुदान विविध | ५,००३ | ५,००३ | ० | ० | ५,८८९ | ५,८८९ | ० | ० | ६,०८४ | ६,०८४ | ० | ० |
| ५ | ३०५००१०१ | साना किसान विकास बैंक (वित्तिय संस्था), विविध | ४०० | ४०० | ० | ० | १,६५४ | १,६५४ | ० | ० | १,७०८ | १,७०८ | ० | ० |
| ६ | ३०५००१०२ | लघु विमा सहयोग कार्यक्रम (पशु, बाली, स्वास्थ्य ) | ३,५९४ | ३,५९४ | ० | ० | ४,१८५ | ४,१८५ | ० | ० | ४,३२४ | ४,३२४ | ० | ० |
| ७ | ३०५००१०५ | बजेट सुधार आयोजना | १,०२२ | १,०२२ | ० | ० | १२२ | १२२ | ० | ० | १२६ | १२६ | ० | ० |
| ८ | ३०५००१०८ | मिलिनियम च्यालेन्ज एकाउण्ट नेपाल | ९१,०२३ | १०,१०१ | ८०,९२२ | ० | ११७,७७८ | २६,३९२ | ९१,३८६ | ० | १३३,५७० | २४,८७० | १०८,७०० | ० |
| ९ | ३०५००११३ | आर्थिक पुनरुत्थान, राहत तथा सहुलियत कार्यक्रम | २०५,९६० | २०५,००० | ९६० | ० | १९७,९६५ | १९६,९६५ | १,००० | ० | २०४,५३० | २०३,५७७ | ९५३ | ० |
| १० | ३०५०१०११ | महालेखा नियन्त्रक कार्यालय | १,४३२ | १,४३२ | ० | ० | १,८७२ | १,८७२ | ० | ० | १,९४८ | १,९४८ | ० | ० |
| ११ | ३०५०१०१२ | निवृत्तिभरण व्यवस्थापन कार्यालय | ४७९ | ४७९ | ० | ० | ६०८ | ६०८ | ० | ० | ६३१ | ६३१ | ० | ० |
| १२ | ३०५०१०१३ | कुमारी चोक तथा केन्द्रीय तहसिल कार्यालय | १८३ | १८३ | ० | ० | २४४ | २४४ | ० | ० | २५४ | २५४ | ० | ० |
| १३ | ३०५०१०१४ | कोष तथा लेखा नियन्त्रक कार्यालयहरु | ८,४५० | ८,४५० | ० | ० | ८,९४९ | ८,९४९ | ० | ० | ९,४२९ | ९,४२९ | ० | ० |
| १४ | ३०५०११०१ | सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन सुधार कार्यक्रम | ११,१८४ | २,४९२ | ८,६९२ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १५ | ३०५०२०११ | सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन तालिम केन्द्र | ७१८ | ७१८ | ० | ० | १,०११ | १,०११ | ० | ० | १,०५४ | १,०५४ | ० | ० |
| १६ | ३०५०३०११ | भन्सार विभाग | १,५१४ | १,५१४ | ० | ० | २,०४६ | २,०४६ | ० | ० | २,१२३ | २,१२३ | ० | ० |
| १७ | ३०५०३०१२ | भन्सार कार्यालयहरु | ९,७०५ | ९,७०५ | ० | ० | ११,३१२ | ११,३१२ | ० | ० | ११,८०८ | ११,८०८ | ० | ० |
| १८ | ३०५०३१०१ | भन्सार सुधार कार्यक्रम | ९,६०४ | ० | ० | ९,६०४ | १२,८५८ | ० | ० | १२,८५८ | १४,५२९ | ० | ० | १४,५२९ |
| १९ | ३०५०४०११ | आन्तरिक राजस्व विभाग | ८,६३४ | ८,६३४ | ० | ० | ११,९२० | ११,९२० | ० | ० | १२,६०४ | १२,६०४ | ० | ० |
| २० | ३०५०४०१२ | आन्तरिक राजस्व कार्यालयहरू | १६,८०२ | १६,८०२ | ० | ० | १९,७९५ | १९,७९५ | ० | ० | २०,७६९ | २०,७६९ | ० | ० |
| २१ | ३०५०५०११ | सार्वजनिक ऋण व्यवस्थापन कार्यालय | ४१९ | ४१९ | ० | ० | ५३२ | ५३२ | ० | ० | ५५८ | ५५८ | ० | ० |
| २२ | ५०१०५१०१ | लगानी -विविध | ४२,७०० | ४२,७०० | ० | ० | ९०,००० | १०,००० | ० | ८०,००० | १००,००० | ९,००० | ० | ९१,००० |
| २३ | ५०१०५१०२ | पशुपालन (मासुजन्य र दुग्धजन्य) कर्जा तथा पशुधन कार्यक्रम | ३६,००० | २१,००० | ० | १५,००० | ३६,००० | २१,००० | ० | १५,००० | ३६,००० | १४,००० | ० | २२,००० |
| २४ | ५०१०५१०३ | सार्वजनिक संस्थान सुधार कार्यक्रम | ५,५०० | ५,५०० | ० | ० | ५,५०० | ५,५०० | ० | ० | ५,५०० | ५,५०० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **४६४,६६६** | **३४९,४८८** | **९०,५७४** | **२४,६०४** | **५३५,१४६** | **३३४,९०२** | **९२,३८६** | **१०७,८५८** | **५७२,६२९** | **३३५,४४७** | **१०९,६५३** | **१२७,५२९** |
| | ५.२ | उद्योग | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०७०००११ | उद्योग, वाणिज्य तथा आपुर्ति मन्त्रालय | १०,४१७ | १०,४१७ | ० | ० | १५,३२८ | १५,३२८ | ० | ० | १७,०७१ | १७,०७१ | ० | ० |
| २ | ३०७०००१२ | केन्द्रिय कारागार कारखाना | ११८ | ११८ | ० | ० | १३९ | १३९ | ० | ० | १६० | १६० | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ३ | ३०७०००१३ | सैनिक सामग्री उत्पादन निर्देशनालय | ३,३०६ | ३,३०६ | ० | ० | ३,५७५ | ३,५७५ | ० | ० | ४,२९३ | ४,२९३ | ० | ० |
| ४ | ३०७००१०१ | औद्योगिक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम (विशेष आर्थिक क्षेत्र समेत) | २७,७४४ | २७,७४४ | ० | ० | २९,१५४ | २९,१५४ | ० | ० | ३६,४०८ | ३६,४०८ | ० | ० |
| ५ | ३०७००१०२ | औद्योगिक लगानी प्रवर्द्धन कार्यक्रम | २९५ | २९५ | ० | ० | ३९१ | ३९१ | ० | ० | ४४६ | ४४६ | ० | ० |
| ६ | ३०७००१०९ | ग्रामीण उद्यम तथा विप्रेषण परियोजन (समृद्धि) | १२,१९५ | १,७७० | १०,४२५ | ० | १,६४२ | २४२ | १,४०० | ० | २१ | ३ | १८ | ० |
| ७ | ३०७०१०११ | उद्योग विभाग | ९,९९५ | ९,९९५ | ० | ० | ११,३७२ | ११,३७२ | ० | ० | १२,९९७ | १२,९९७ | ० | ० |
| ८ | ३०७०२०११ | खानी तथा भूगर्भ विभाग | १,२३९ | १,२३९ | ० | ० | १,३८६ | १,३८६ | ० | ० | १,५९५ | १,५९५ | ० | ० |
| ९ | ३०७०२१०१ | खनिज अन्वेषण तथा विकास आयोजना | १,९९४ | १,९९४ | ० | ० | ८६७ | ८६७ | ० | ० | १,०७३ | १,०७३ | ० | ० |
| १० | ३०७०२१०२ | पेट्रोलियम अन्वेषण परियोजना | २७० | २७० | ० | ० | २९४ | २९४ | ० | ० | ३५५ | ३५५ | ० | ० |
| ११ | ३०७०२१०३ | भू-वैज्ञानिक सर्भेक्षण तथा अनुसन्धान आयोजना | १९७ | १९७ | ० | ० | २२५ | २२५ | ० | ० | २६९ | २६९ | ० | ० |
| १२ | ३०७०३०११ | नेपाल गुणस्तर तथा नापतौल विभाग | १,३०१ | १,३०१ | ० | ० | १,४०० | १,४०० | ० | ० | १,६७३ | १,६७३ | ० | ० |
| १३ | ३०७०३०१२ | गुणस्तर तथा नापतौल कार्यालयहरु | ८९८ | ८९८ | ० | ० | १,०१५ | १,०१५ | ० | ० | १,१८१ | १,१८१ | ० | ० |
| १४ | ३०७०४०११ | कम्पनी रजिष्ट्रारको कार्यालय | १,०५३ | १,०५३ | ० | ० | १,१४६ | १,१४६ | ० | ० | १,३७१ | १,३७१ | ० | ० |
| १५ | ३०७६१०११ | औद्योगिक व्यवसाय विकास प्रतिष्ठान | १५८ | १५८ | ० | ० | १७९ | १७९ | ० | ० | २०५ | २०५ | ० | ० |
| १६ | ३०७८१०१४ | घरेलु तथा साना उद्योग प्रर्वद्धन केन्द्र | १,४०४ | १,४०४ | ० | ० | १,६७९ | १,६७९ | ० | ० | १,७३९ | १,७३९ | ० | ० |
| १७ | ५०१०७१०१ | धौवादी फलाम कारखाना | २,७८३ | २,७८३ | ० | ० | ४,४०० | ४,४०० | ० | ० | ४,८४० | ४,८४० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **७५,३६७** | **६४,९४२** | **१०,४२५** | **०** | **७४,१९२** | **७२,७९२** | **१,४००** | **०** | **८५,६९७** | **८५,६७९** | **१८** | **०** |

**५.३ वाणिज्य तथा आपूर्ति**

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ३०७०००१४ | नेपाल खाद्य तथा व्यापार कम्पनी लिमिटेड | ५,८५३ | ५,८५३ | ० | ० | ६,७४५ | ६,७४५ | ० | ० | ७,६८९ | ७,६८९ | ० | ० |
| २ | ३०७००१०३ | कण्ठरोग नियन्त्रण कार्यक्रम (नेपाल साल्ट ट्रेडिङ्ग लिमिटेड) | १,४११ | १,४११ | ० | ० | १,९८९ | १,९८९ | ० | ० | २,२६८ | २,२६८ | ० | ० |
| ३ | ३०७००१०४ | व्यापार सूचना तथा निर्यात सहयोग आयोजना-बहुपक्षीय तथा क्षेत्रीय व्यापार सुदृढीकरण | ३४२ | ३४२ | ० | ० | ४४८ | ४४८ | ० | ० | ५११ | ५११ | ० | ० |
| ४ | ३०७००१०५ | नेपाल भारत क्षेत्रीय व्यापार तथा पारवहन आयोजना | १५,२६८ | ० | ९,३८८ | ५,८८० | ३,२६१ | ० | १,९०० | १,३६१ | १,६०० | ० | ९८४ | ६१६ |
| ५ | ३०७००११० | रणनीतिक सडक संजाल तथा व्यापार सुधार आयोजना | ७,६९४ | २,३१४ | ० | ५,३८० | ८,३९४ | ३९४ | ० | ८,००० | ९,०२३ | १,०२३ | ० | ८,००० |
| ६ | ३०७००१११ | नेपालको चिया निर्यात अभिवृद्धिमा दिगोपना | ५६० | ० | ५६० | ० | १,००० | ० | १,००० | ० | १,००० | ० | १,००० | ० |
| ७ | ३०७०५०११ | वाणिज्य, आपुर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग | ७५९ | ७५९ | ० | ० | ८६१ | ८६१ | ० | ० | १,००५ | १,००५ | ० | ० |
| ८ | ३०७०५०१२ | वाणिज्य, आपुर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण कार्यालयहरू | ४८६ | ४८६ | ० | ० | ५५९ | ५५९ | ० | ० | ६४१ | ६४१ | ० | ० |
| ९ | ३०७८१०११ | व्यापार तथा निकासी प्रवर्द्धन केन्द्र | २,४३९ | २,४३९ | ० | ० | २,७५० | २,७५० | ० | ० | ३,२२८ | ३,२२८ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **३४,८१२** | **१३,६०४** | **९,९४८** | **११,२६०** | **२६,००७** | **१३,७४६** | **२,९००** | **९,३६१** | **२६,९६५** | **१६,३६५** | **१,९८४** | **८,६१६** |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | ५.४ | स स्कृति पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३२५०००११ | स स्कृति पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय | १,५७३ | १,५७३ | ० | ० | २,१४४ | २,१४४ | ० | ० | ४,१४२ | ४,१४२ | ० | ० |
| २ | ३२५००१०१ | पर्वतीय पर्यटन तथा पर्यटन प्रवर्द्धन आयोजना | ८१ | ८१ | ० | ० | १११ | १११ | ० | ० | १६१ | १६१ | ० | ० |
| ३ | ३२५००१०२ | दक्षिण एशिया पर्यटन पुर्वाधार विकास आयोजना | ६४ | १३ | ५१ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | ३२५००१०३ | संस्कृति प्रवर्द्धन कार्यक्रम | १,४०७ | १,४०७ | ० | ० | १,७०४ | १,७०४ | ० | ० | १,८०५ | १,८०५ | ० | ० |
| ५ | ३२५००१०५ | सांस्कृतिक संस्थान | १६० | १६० | ० | ० | १६६ | १६६ | ० | ० | १७२ | १७२ | ० | ० |
| ६ | ३२५०१०११ | पर्यटन विभाग | १,४५७ | १,४५७ | ० | ० | १,६०० | १,६०० | ० | ० | १,९०० | १,९०० | ० | ० |
| ७ | ३२५०११०६ | पर्यटन पूर्वाधार विकास आयोजना | २०,८६४ | २०,८६४ | ० | ० | २३,४८५ | २३,४८५ | ० | ० | ३०,०५८ | ३०,०५८ | ० | ० |
| ८ | ३२५०२०११ | पुरातत्व विभाग | २,०१४ | २,०१४ | ० | ० | १,८८० | १,८८० | ० | ० | १,९२० | १,९२० | ० | ० |
| ९ | ३२५०२०१२ | राष्ट्रिय संग्राहालय (छाउनी) | ३९३ | ३९३ | ० | ० | ४४० | ४४० | ० | ० | ४८० | ४८० | ० | ० |
| १० | ३२५०२०१३ | केन्द्रीय सांस्कृतिक सम्पदा संरक्षण प्रयोगशाला | ६९ | ६९ | ० | ० | ७२ | ७२ | ० | ० | ८० | ८० | ० | ० |
| ११ | ३२५०२०१४ | नारायणहिटी दरबार संग्रहालय | १,१०२ | १,१०२ | ० | ० | ९७० | ९७० | ० | ० | ९९५ | ९९५ | ० | ० |
| १२ | ३२५०२०१५ | राष्ट्रिय कला संग्रहालय (भक्तपुर) | १६८ | १६८ | ० | ० | १९६ | १९६ | ० | ० | २०८ | २०८ | ० | ० |
| १३ | ३२५०२०१६ | क्षेत्रीय संग्रहालयहरु | ७८ | ७८ | ० | ० | १५६ | १५६ | ० | ० | १६९ | १६९ | ० | ० |
| १४ | ३२५०२०१७ | संग्रहालयहरु (जातीय संग्रहालय समेत) | २८८ | २८८ | ० | ० | ३०५ | ३०५ | ० | ० | ३२५ | ३२५ | ० | ० |
| १५ | ३२५०२०१८ | ऐतिहासिक दरबारहरु | ७७९ | ७७९ | ० | ० | ९१३ | ९१३ | ० | ० | ९७८ | ९७८ | ० | ० |
| १६ | ३२५०२०१९ | स्मारक संरक्षण तथा दरबार हेरचाह कार्यालय (भक्तपुर) | १४२ | १४२ | ० | ० | १३३ | १३३ | ० | ० | १४२ | १४२ | ० | ० |
| १७ | ३२५०२१०१ | पुरातात्विक स्थल संरक्षण आयोजना | ४,७९० | ४,७९० | ० | ० | ४,५३६ | ४,५३६ | ० | ० | ५,२३८ | ५,२३८ | ० | ० |
| १८ | ३२५०२१०२ | विश्व सम्पदा क्षेत्र संरक्षण आयोजना | ४८ | ४८ | ० | ० | १८३ | १८३ | ० | ० | २४० | २४० | ० | ० |
| १९ | ३२५०३०११ | राष्ट्रिय अभिलेखालय | ४२४ | ४२४ | ० | ० | ६०४ | ६०४ | ० | ० | ७४२ | ७४२ | ० | ० |
| २० | ३२५०४०११ | नेपाल प्रतिलिपि अधिकार रजिष्ट्रारको कार्यालय | १६२ | १६२ | ० | ० | १७८ | १७८ | ० | ० | २०२ | २०२ | ० | ० |
| २१ | ३२५२१०११ | भाषा आयोग | ४८५ | ४८५ | ० | ० | ७६८ | ७६८ | ० | ० | ८१५ | ८१५ | ० | ० |
| २२ | ३२५४१०११ | बृहतर जनकपुर क्षेत्र विकास परिषद् | ३९७ | ३९७ | ० | ० | ४५६ | ४५६ | ० | ० | ४८३ | ४८३ | ० | ० |
| २३ | ३२५५१०११ | पशुपति क्षेत्र विकास कोष | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ३,७१० | ३,७१० | ० | ० | ३,९३३ | ३,९३३ | ० | ० |
| २४ | ३२५५१०१२ | लुम्बिनी विकास कोष | १५,००० | १५,००० | ० | ० | १०,६०० | १०,६०० | ० | ० | ११,२३६ | ११,२३६ | ० | ० |
| २५ | ३२५६१०११ | नेपाल पर्यटन तथा होटल व्यवस्थापन प्रतिष्ठान | ४०० | ४०० | ० | ० | ४२० | ४२० | ० | ० | ४४० | ४४० | ० | ० |
| २६ | ३२५६१०१२ | नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान | १,४९८ | १,४९८ | ० | ० | १,५५० | १,५५० | ० | ० | १,६०४ | १,६०४ | ० | ० |
| २७ | ३२५६१०१३ | नेपाल ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान | ५२३ | ५२३ | ० | ० | ५४१ | ५४१ | ० | ० | ५६० | ५६० | ० | ० |
| २८ | ३२५६१०१४ | नेपाल संगीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान | ७७४ | ७७४ | ० | ० | ८०१ | ८०१ | ० | ० | ८२९ | ८२९ | ० | ० |
| २९ | ३२५८१०११ | बौद्ध दर्शन प्रवर्द्धन तथा गुम्बा विकास समिति | ७८५ | ७८५ | ० | ० | ८१५ | ८१५ | ० | ० | ८४५ | ८४५ | ० | ० |
| ३० | ५०१२५१०१ | नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण | १३,३०५ | १३,३०५ | ० | ० | ९,८४५ | ९,८४५ | ० | ० | २७,८०० | २७,८०० | ० | ० |
| ३१ | ५०१२५१०२ | हवाई यातायात क्षमता अभिवृद्धि आयोजना | ३४,५०० | १३,५०० | ० | २१,००० | ५०,००० | ० | ० | ५०,००० | ५०,००० | ० | ० | ५०,००० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ३२ | ५०१२५१०३ | दक्षिण एशिया पर्यटन पुर्वाधार विकास आयोजना | ३५,२८० | ३,३०० | २,००० | २९,९८० | ५,००० | ५१७ | २८३ | ४,२०० | ० | ० | ० | ० |
| ३३ | ५०१२५१०४ | पोखरा क्षेत्रीय अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल | ८५,००० | ० | ० | ८५,००० | १०,००० | ० | ० | १०,००० | ० | ० | ० | ० |
| ३४ | ५०१२५१०५ | दोस्रो अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निजगढ, बारा | ३,६०० | ३,६०० | ० | ० | ७०,००० | ७०,००० | ० | ० | ७०,००० | ७०,००० | ० | ० |
| ३५ | ५०१२५१०९ | सासेक- हवाई यातायात क्षमता अभिवृद्धि आयोजना | ३५,००० | १४० | ० | ३४,८६० | ४५,००० | २०० | ० | ४४,८०० | ४५,००० | १४० | ० | ४४,८६० |
| **जम्मा** | | | **२६६,११०** | **९३,२१९** | **२,०५१** | **१७०,८४०** | **२४९,२८२** | **१३९,९९९** | **२८३** | **१०९,०००** | **२६३,५०२** | **१६८,६४२** | **०** | **९४,८६०** |
| **कुल जम्मा** | | | **८४०,९५५** | **५२१,२५३** | **११२,९९८** | **२०६,७०४** | **८८४,६२७** | **५६१,४३९** | **९६,९६९** | **२२६,२१९** | **९४८,७९३** | **६०६,१३३** | **१११,६५५** | **२३१,००५** |

# अनुसूची ६.१

## सामाजिक क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | जैविक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ६.१ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३५०००११ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय | ४,१०९ | १२,१४८ | ११,३६५ | ७८३ | ० | ८,६०२ | ८,२६६ | ३३६ | ० | ९,४५३ | ९,०९२ | ३६१ | ० | ९ | १ | ४ | २ | ३ |
| २ | ३५०००१२ | पुस्तकालयहरु-३ (डिल्लीरमण, केशर, राष्ट्रिय) | ६२० | १,३११ | २९६ | १,०१५ | ० | १,३०० | ३०० | १,००० | ० | १,४२० | ३२० | १,१०० | ० | २ | २ | ४ | १ | ३ |
| ३ | ३५०००१०१ | शिक्षाका लागि खाद्य कार्यक्रम(प्राथमिक विद्यालय पौष्टिक आहार) | ४,४२८ | ५,५७९ | ५,५६९ | १० | ० | ६,२१९ | ६,२०८ | ११ | ० | ६,६२५ | ६,६१२ | १३ | ० | २ | २ | १ | १ | ३ |
| ४ | ३५०००१०२ | सबैका लागि शिक्षा- शिशु विकास कार्यक्रम | ४८ | १७५ | १७५ | ० | ० | १९३ | १९३ | ० | ० | २०५ | २०५ | ० | ० | २ | २ | ४ | १ | ३ |
| ५ | ३५०००१०३ | व्यवसायिक शिक्षा तथा तालिम अभिवृद्धि योजना- दोस्रो | ११,४६४ | ३९,७०२ | ३९,५३४ | १६८ | ० | ३३,०४९ | ३३,०४५ | ४ | ० | ३५,२०५ | ३५,१९३ | १२ | ० | २ | १ | ४ | १ | ३ |
| ६ | ३५०००१०८ | विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रम- केन्द्र स्तर | ३,८६० | १५,५०३ | १५,२२१ | २८२ | ० | ६२,३४० | ६१,९८२ | ३५८ | ० | ६०,४७१ | ६०,१११ | ३६० | ० | २ | १ | ४ | १ | ३ |
| ७ | ३५०००१०९ | राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यक्रम | ० | ८८,७७१ | ८८,७४१ | ३० | ० | ११०,००० | ११०,००० | ० | ० | १२०,००० | १२०,००० | ० | ० | २ | १ | ४ | १ | ३ |
| ८ | ३५००१०११ | शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्र | ८२७ | १३,५१६ | १३,४८५ | ३१ | ० | ५,५२५ | ५,४७८ | ४७ | ० | ५,८९१ | ५,८३५ | ५६ | ० | २ | १ | ४ | २ | ३ |
| ९ | ३५००१०१३ | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई | ४,६९७ | ७,६४३ | ७,१५९ | ४८४ | ० | ९,८९३ | ८,८३८ | १,०५५ | ० | १२,७१५ | ११,९६५ | ७५० | ० | २ | १ | ४ | २ | ३ |
| १० | ३५००२०११ | पाठ्यक्रम बिकास केन्द्र | ५७१ | ६३६ | ५९२ | ४४ | ० | ७४० | ६८५ | ५५ | ० | ७९० | ७३० | ६० | ० | २ | २ | ४ | २ | ३ |
| ११ | ३५००३०११ | शैक्षिक गुणस्तर परीक्षण केन्द्र | १८० | २०५ | २०५ | ० | ० | २२६ | २२६ | ० | ० | २४० | २४० | ० | ० | २ | १ | ४ | ३ | ३ |
| १२ | ३५००४०११ | विद्यालय शिक्षक किताबखाना | २५६ | २७८ | २६० | १८ | ० | ३१७ | २९७ | २० | ० | ३४० | ३१६ | २४ | ० | ८ | १ | ४ | २ | ३ |
| १३ | ३५००४०१२ | शिक्षक सेवा निवृत्त सुविधा | १५९,०२८ | १८०,००० | १८०,००० | ० | ० | १९०,००० | १९०,००० | ० | ० | २००,००० | २००,००० | ० | ० | ५ | १ | ४ | २ | ३ |
| १४ | ३५०२१०११ | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग | १५३,९१४ | १८१,८६२ | १८१,८६२ | ० | ० | २००,००० | २००,००० | ० | ० | २२०,००० | २२०,००० | ० | ० | २ | २ | ४ | २ | ३ |
| १५ | ३५०२१०१२ | शिक्षक सेवा आयोग | ५३१ | १,३३१ | १,३२१ | १० | ० | १,९१९ | १,७१९ | २०० | ० | २,८३१ | १,८३१ | १,००० | ० | २ | २ | ४ | २ | ३ |
| १६ | ३५०२१०१३ | यूनेस्कोका निमित्त नेपाल राष्ट्रिय आयोग | १२५ | १७० | १७० | ० | ० | १८७ | १८४ | ३ | ० | २९६ | १९६ | १०० | ० | २ | २ | ४ | २ | ३ |
| १७ | ३५०२१०१४ | चिकित्सा शिक्षा आयोग | ४,६१० | ८,२०७ | ८,१९२ | १५ | ० | १४,८३१ | १४,५०० | ३३१ | ० | १८,८०० | १८,५०० | ३०० | ० | २ | १ | ४ | २ | २ |
| १८ | ३५०२११०१ | उच्च शिक्षा सुधार परियोजना | ७,५१४ | ६,३८५ | ६,३८५ | ० | ० | ७,७०० | ७,७०० | ० | ० | ८,२०१ | ८,२०१ | ० | ० | २ | १ | ४ | १ | ३ |
| १९ | ३५०३१०११ | राष्ट्रिय परीक्षा बोर्ड | ३,००० | ३,००० | ३,००० | ० | ० | ३,३०० | ३,३०० | ० | ० | ३,५१५ | ३,५१५ | ० | ० | २ | २ | ४ | १ | ३ |
| २० | ३५०४१०११ | प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक तालिम परिषद् (विशेष कार्यक्रम समेत) | ३,९९० | १२,८६३ | १२,८६३ | ० | ० | ३०,००० | ३०,००० | ० | ० | ३१,९५० | ३१,९५० | ० | ० | २ | २ | ४ | १ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| २१ | ३५०६१०११ | नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान | २,४३६ | ३,३९२ | २,४४२ | ९५० | ० | ३,८७९ | २,७२४ | १,१५५ | ० | ३,४०२ | २,९०२ | ५०० | ० | ४ | २ | ९ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **३६६,२०८** | **५८२,६७७** | **५७८,८३७** | **३,८४०** | **०** | **६९०,२२०** | **६८५,६४५** | **४,५७५** | **०** | **७४२,३५०** | **७३७,७१४** | **४,६३६** | **०** | | | | | |
| | **६.२** | **स्वास्थ्य तथा जनसंख्या** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३७०००११ | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय | १,३९१ | १३,१०८ | १३,०८३ | २५ | ० | ३०,१०० | ३०,०४२ | ५८ | ० | ३३,७१३ | ३३,६४७ | ६६ | ० | ९ | १ | ३ | २ | ३ |
| २ | ३७०००१३ | पशुपति होमियो चिकित्सालय र युनानी औषधालय | १७६ | २३४ | २०३ | ३१ | ० | २०३ | १७९ | २४ | ० | २२९ | २०१ | २८ | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ३ | ३७०००१०१ | कान्ति बाल अस्पताल | ३,३७५ | ३,३६४ | ३,३६४ | ० | ० | ३,७९५ | ३,७९५ | ० | ० | ४,२५० | ४,२५० | ० | ० | २ | २ | ३ | १ | ३ |
| ४ | ३७०००१०२ | शुक्रराज ट्रपिकल अस्पताल | १,७१३ | १,५८९ | १,५८९ | ० | ० | १,७९३ | १,७९३ | ० | ० | २,००८ | २,००८ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ५ | ३७०००१०३ | परोपकार प्रसुती अस्पताल | ५,५८८ | ४,१५७ | ४,१५७ | ० | ० | ४,५४४ | ४,५४४ | ० | ० | ५,०८९ | ५,०८९ | ० | ० | २ | २ | ३ | १ | ३ |
| ६ | ३७०००१०४ | नेपाल आखाँ अस्पताल | २७७ | ३६८ | ३६८ | ० | ० | ३३६ | ३३६ | ० | ० | ३७६ | ३७६ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ७ | ३७०००१०५ | बी.पी. कोईराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल | ४,१९४ | २,३६७ | २,३६७ | ० | ० | ६८० | ६८० | ० | ० | ७६१ | ७६१ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ८ | ३७०००१०६ | मनमोहन कार्डियोथेरासिक भस्कुलर तथा ट्रान्स्प्लान्ट केन्द्र, महाराजगंज | २,९१८ | २,५१८ | २,५१८ | ० | ० | १,५३२ | १,५३२ | ० | ० | १,७१६ | १,७१६ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ९ | ३७०००१०७ | शहिद गंगालाल हृदय केन्द्र | ४,७०१ | ४,८२९ | ४,८२९ | ० | ० | ४,८७३ | ४,८७३ | ० | ० | ५,४५८ | ५,४५८ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| १० | ३७०००१०८ | त्रि. वि.शिक्षण अस्पताल (सुरेश वाग्ले स्मृति क्यान्सर केन्द समेत) | ५,१२३ | ५,६३६ | ५,६३६ | ० | ० | ३,४९८ | ३,४९८ | ० | ० | ३,९१७ | ३,९१७ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ११ | ३७०००१०९ | स्वास्थ्य कर कोषबाट संचालित कार्यक्रमहरु | ३,४०७ | ४,००० | ४,००० | ० | ० | ४,४८० | ४,४८० | ० | ० | ५,०१८ | ५,०१८ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| १२ | ३७०००११० | आयुर्वेद चिकित्सालय, नरदेवी | ८०७ | ७७३ | ७७३ | ० | ० | ८४३ | ८४३ | ० | ० | ९४५ | ९४५ | ० | ० | २ | २ | ३ | १ | ३ |
| १३ | ३७०००१११ | सिहंदरबार वैद्यखाना | ११५ | २५३ | २५३ | ० | ० | २८६ | २८६ | ० | ० | ३२० | ३२० | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| १४ | ३७०००११२ | बी.पी. कोईराला लायन्स नेत्र अध्ययन केन्द्र | १०० | १०० | १०० | ० | ० | ११२ | ११२ | ० | ० | १२५ | १२५ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| १५ | ३७०००११३ | नेपाल नेत्र ज्योति संघ | ४३० | ६३० | ६३० | ० | ० | ४८२ | ४८२ | ० | ० | ५३९ | ५३९ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| १६ | ३७०००११४ | स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार कार्यक्रम | १,५७९ | १२५,४४५ | १२०,३३० | ५,११५ | ० | १५०,४९७ | १२५,४४३ | २५,०५४ | ० | १५९,०३९ | १३३,००८ | २६,०३१ | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |
| १७ | ३७०००११५ | मानव अंग प्रत्यारोपण केन्द्र | २,७५९ | ३,५९० | ३,५९० | ० | ० | ४,०२१ | ४,०२१ | ० | ० | ४,५०३ | ४,५०३ | ० | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |
| १८ | ३७०००११६ | एकिकृत स्वास्थ्य पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | ६०,४२४ | १२८,२६५ | ० | १२८,२६५ | ० | १६८,७४५ | ० | १६८,७४५ | ० | १७४,५५६ | ० | १७४,५५६ | ० | २ | १ | ३ | २ | २ |
| १९ | ३७०००११८ | कोभिड-१९ रोकथाम तथा नियन्त्रण कार्यक्रम | १०७,२७८ | ४७१,८२७ | ४७१,८१२ | १५ | ० | ६०,७५१ | ६०,७५१ | ० | ० | ६१,५९३ | ६१,५९३ | ० | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |
| २० | ३७००१०११ | स्वास्थ्य सेवा विभाग | १,५०७ | २,८४१ | २,७५२ | ८९ | ० | १,३७५ | १,३७५ | ० | ० | १,५४० | १,५४० | ० | ० | २ | १ | ३ | २ | ३ |
| २१ | ३७००११०१ | क्षयरोग नियन्त्रण | ५,९७६ | ७,२०९ | ७,१०३ | १०६ | ० | ८,२३९ | ७,८६९ | ३७० | ० | ८,९०६ | ८,४८० | ४२६ | ० | २ | १ | ३ | २ | ३ |
| २२ | ३७००११०२ | एड्स तथा यौन रोग नियन्त्रण | ५,१५३ | ५,६५२ | ५,६५२ | ० | ० | ६,१६४ | ६,१६४ | ० | ० | ६,७१५ | ६,७१५ | ० | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |
| २३ | ३७००११०३ | परिवार कल्याण कार्यक्रम | २०,५२३ | ५०,८७९ | ४७,८८८ | २,९९१ | ० | ३२,०२२ | २८,४०३ | ३,६१९ | ० | ३३,५५४ | २९,६५० | ३,९०४ | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| २४ | ३७००११०५ | महामारी रोग नियन्त्रण कार्यक्रम | ३,०८० | ५,५६२ | ५,४५५ | १०७ | ० | ७,१०१ | ६,७७४ | ३२७ | ० | ७,७७० | ७,३९४ | ३७६ | ० | २ | १ | ३ | २ | ३ |
| २५ | ३७००११०७ | स्वास्थ्य व्यवस्थापन कार्यक्रम | १,३०६ | २,०२७ | १,५५९ | ४६८ | ० | २,९३५ | २,६८० | २५५ | ० | ३,१०६ | २,८१२ | २९४ | ० | २ | १ | ३ | २ | ३ |
| २६ | ३७००११०९ | राष्ट्रिय स्वास्थ्य शिक्षा, सूचना तथा संचार केन्द्र | ८४३ | ९९३ | ९८८ | ५ | ० | १,१८४ | १,१७८ | ६ | ० | १,३०० | १,२९३ | ७ | ० | २ | २ | ३ | १ | ३ |
| २७ | ३७००१११० | राष्ट्रिय स्वास्थ्य तालिम कार्यक्रम | ७०८ | ९१५ | ८९६ | १९ | ० | १,२२० | १,१९५ | २५ | ० | १,३२३ | १,२९४ | २९ | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| २८ | ३७००११११ | किटजन्य रोग नियन्त्रण अनुसन्धान तथा तालिम केन्द्र | १७५ | २१७ | २१७ | ० | ० | २४२ | २४२ | ० | ० | २७१ | २७१ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| २९ | ३७००१११२ | राष्ट्रिय जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला | २,१३३ | २,६४१ | १,८३६ | ८०५ | ० | ३,१०९ | २,१८३ | ९२६ | ० | ३,५१० | २,४४५ | १,०६५ | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ३० | ३७००१११५ | उपचारात्मक सेवा कार्यक्रम | २९१ | ४४१ | ४४१ | ० | ० | १,०८५ | १,०६७ | १८ | ० | १,२१६ | १,१९५ | २१ | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |
| ३१ | ३७००१११६ | नर्सिङ तथा सामाजकि सुरक्षा सेवा कर्यिक्रम | २२,६२४ | २५,४४४ | २५,४४४ | ० | ० | २८,६५३ | २८,६५० | ३ | ० | ३२,०९२ | ३२,०८८ | ४ | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |
| ३२ | ३७००२०११ | औषधि व्यवस्था विभाग | ९८२ | १,६१२ | १,३७८ | २३४ | ० | १,८६० | १,५७७ | २८३ | ० | २,०९१ | १,७६६ | ३२५ | ० | २ | १ | ३ | २ | ३ |
| ३३ | ३७००३०११ | आयुर्वेद सेवा कार्यक्रम | ३७४ | ९१९ | ४७३ | ४४६ | ० | १,१३४ | ६१४ | ५२० | ० | १,२८५ | ६८७ | ५९८ | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ३४ | ३७०३११०१ | स्वास्थ्य वीमा बोर्ड | ७३,६१२ | ७५,००० | ७५,००० | ० | ० | ८४,००० | ८४,००० | ० | ० | ९४,०८० | ९४,०८० | ० | ० | ५ | १ | ३ | १ | ३ |
| ३५ | ३७०४१०११ | स्वास्थ्य अनुसन्धान परिषद् | ७५० | १,९८६ | १,९८६ | ० | ० | २,२२४ | २,२२४ | ० | ० | २,४९१ | २,४९१ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ३६ | ३७०६१०११ | केन्द्रिय अस्पताल तथा प्रतिष्ठान | २०,९४८ | २२,४७८ | २२,४७८ | ० | ० | २७,७३२ | २७,७३२ | ० | ० | ३१,०६० | ३१,०६० | ० | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |
| ३७ | ३७०६१०१२ | चिकित्सा विज्ञान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान ( वीर अस्पताल समेत) | १८,५०० | १२,३९९ | १२,३९९ | ० | ० | १४,०२७ | १४,०२७ | ० | ० | १५,७१० | १५,७१० | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ३८ | ३७०६१०१३ | बी.पी कोईराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ११,९०० | ४,७५२ | ४,७५२ | ० | ० | ५,३६५ | ५,३६५ | ० | ० | ६,००९ | ६,००९ | ० | ० | २ | २ | ३ | २ | ३ |
| ३९ | ३७०६१०१४ | कर्णाली स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ५,५६५ | ४,२०७ | ४,०९६ | १११ | ० | ४,७२० | ४,५९२ | १२८ | ० | ५,२९० | ५,१४३ | १४७ | ० | २ | २ | ३ | १ | ३ |
| ४० | ३७०६१०१५ | पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | १,७३३ | ४,५१२ | ४,५१२ | ० | ० | १,३८१ | १,३८१ | ० | ० | १,५४७ | १,५४७ | ० | ० | २ | २ | ३ | १ | ३ |
| ४१ | ३७०६१०१६ | रासी स्वास्थ्य विज्ञान प्रष्तिठान | ३,२५२ | १,४३८ | १,४३८ | ० | ० | १,७५८ | १,७५८ | ० | ० | १,९६९ | १,९६९ | ० | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |
| ४२ | ३७०६१०१७ | पोखरा स्वास्थ्य विज्ञान प्रष्तिठान | ६,७२६ | २,५७१ | २,५७१ | ० | ० | २,४४२ | २,४४२ | ० | ० | २,७३५ | २,७३५ | ० | ० | २ | १ | ३ | १ | ३ |
| | | **जम्मा** | **४१५,०१६** | **१,००९,७४८** | **८७०,९१६** | **१३८,८३२** | **०** | **६८१,५४३** | **४८१,१८२** | **२००,३६१** | **०** | **७२९,७२५** | **५२१,८४८** | **२०७,८७७** | **०** | | | | | |
| | **६.३** | **खानेपानी तथा सरसफाई** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३१३०००११ | खानेपानी मन्त्रालय | ५६१ | १,०७१ | ९८७ | ८४ | ० | १,१५५ | १,०६३ | ९२ | ० | १,२०१ | १,१०० | १०१ | ० | ९ | १ | ६ | २ | १ |
| २ | ३१३००१०१ | मेलम्ची खानेपानी आयोजना | १६,२१६ | १७,६५४ | ७७८ | १६,८७६ | ० | ८०,९९१ | १,०४८ | ७९,९४३ | ० | १००,७९२ | १,२०५ | ९९,५८७ | ० | १ | १ | ६ | २ | १ |
| ३ | ३१३००१०२ | काठमाण्डौं उपत्यका थोक खानेपानी प्रशारण आयोजना (दोश्रो) | ० | ८,३५७ | ० | ८,३५७ | ० | ४०,००० | ० | ४०,००० | ० | ४०,००० | ० | ४०,००० | ० | २ | १ | ६ | ३ | ३ |
| ४ | ३१३०१०११ | खानेपानी विभाग | ४९९ | २,२९३ | ६५० | १,६४३ | ० | २,८२५ | ७०० | २,१२५ | ० | २,२८५ | ७१० | १,५७५ | ० | २ | १ | ६ | २ | २ |
| ५ | ३१३०१०१२ | जनसाधन विकास कार्यक्रम | १७८ | ४८१ | ३५५ | १२६ | ० | २५७ | १७७ | ८० | ० | २९५ | १९५ | १०० | ० | ८ | २ | ६ | १ | २ |
| ६ | ३१३०१०१३ | संघीय खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन आयोजनाहरु | २,०२७ | ३,२३० | २,९०२ | ३२८ | ० | ३,६०० | ३,२०० | ४०० | ० | ३,९५० | ३,५०० | ४५० | ० | २ | १ | ६ | ३ | ३ |
| ७ | ३१३०११०१ | राष्ट्रिय सूचना व्यवस्थापन तथा अनुगमन आयोजना | १५० | १,१२३ | ९१० | २१३ | ० | ६४५ | १२० | ५२५ | ० | ५०५ | १३० | ३७५ | ० | ८ | २ | ६ | २ | १ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ८ | ३१३०११०२ | खानेपानी सेवा विस्तार तथा पुनर्स्थापना कार्यक्रम | २८,५३१ | ३५,०३३ | १६ | ३५,०१७ | ० | ३७,५३५ | ३५ | ३७,५०० | ० | ४५,०५० | ५० | ४५,००० | ० | २ | १ | ६ | २ | १ |
| ९ | ३१३०११०३ | खानेपानी तथा गुणस्तर सुधार कार्यक्रम | २,६३३ | ५,६१७ | १२८ | ५,४८९ | ० | ६,६८६ | १३५ | ६,५५१ | ० | ८,५४२ | १४० | ८,४०२ | ० | २ | १ | ६ | १ | १ |
| १० | ३१३०११०४ | तेस्रो साना सहरी खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना | ७,९३८ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | १ | ५ | १ | २ |
| ११ | ३१३०११०५ | जलवायु अनुकुलित वृहत खानेपानी आयोजना | १४,४०७ | ३६,६३२ | ३८१ | ३६,२५१ | ० | ३९,४११ | ४११ | ३९,००० | ० | ४४,४४७ | ४४७ | ४४,००० | ० | २ | २ | ५ | १ | १ |
| १२ | ३१३०११०६ | ढल निर्माण तथा प्रशोधन कार्यक्रम | ५,०३२ | २१,२०४ | १४८ | २१,०५६ | ० | २३,१५८ | १५८ | २३,००० | ० | २६,१७६ | १७६ | २६,००० | ० | २ | २ | ६ | २ | २ |
| १३ | ३१३०११०७ | खानेपानी तथा सरसफाई सह-लगानी कार्यक्रम | १०,८३० | २६,८३९ | ४०० | २६,४३९ | ० | २९,४३७ | ४३७ | २९,००० | ० | ३४,८५० | ४५० | ३४,४०० | ० | २ | १ | ६ | १ | १ |
| १४ | ३१३०११०८ | सहरी खानेपानी तथा सरसफाइ (क्षेत्रगत) आयोजना | १८,६८२ | ४५,६६१ | १,४५४ | ४४,२०७ | ० | ४०,४७७ | ८०४ | ३९,६७३ | ० | २५,१९३ | ७५८ | २४,४३५ | ० | २ | १ | ६ | ३ | ३ |
| १५ | ३१३०१११३ | केन्द्रिय खानेपानी आयोजना | ७,८३८ | २५,४३५ | ८५ | २५,३५० | ० | २७,५९५ | ९५ | २७,५०० | ० | ३०,६०० | १०० | ३०,५०० | ० | २ | १ | ६ | १ | २ |
| १६ | ३१३०१११४ | एकिकृत खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन आयोजना | ३ | ३,७६८ | ८८ | ३,६८० | ० | १८,४८५ | ४८५ | १८,००० | ० | ३६,५२५ | ५२५ | ३६,००० | ० | २ | १ | ६ | १ | १ |
| १७ | ३१३०१११५ | कोभिड-१९ रेस्पोन्स आयोजना | ० | १,१६२ | ११३ | १,०४९ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | १ | ६ | ३ | ३ |
| १८ | ३१३०१११६ | दिगो सरसफाइ आयोजना | ० | २,०८८ | ० | २,०८८ | ० | ३,५०० | ० | ३,५०० | ० | ३,५०० | ० | ३,५०० | ० | २ | १ | ६ | ३ | ३ |
| १९ | ३१३०१११७ | खानेपानी सुशासन तथा पुर्वाधार प्रवर्धन कार्यक्रम | ० | २०५ | ५ | २०० | ० | २०५ | ५ | २०० | ० | २०५ | ५ | २०० | ० | २ | १ | ६ | ३ | ३ |
| २० | ३१३५१०११ | ग्रामिण खानेपानी तथा सरसफाइ कोष | ६,४६७ | १,३६९ | ३९९ | ९७० | ० | १,५०० | ५०० | १,००० | ० | १,८०० | ६०० | १,२०० | ० | २ | १ | ६ | २ | १ |
| २१ | ५०११३१०१ | खानेपानी उत्पादन बृद्धि कार्यक्रम | १२,०५० | २८,०६० | ० | ० | २८,०६० | १५,००० | ० | ० | १५,००० | १५,००० | ० | ० | १५,००० | २ | २ | ६ | १ | २ |
| २२ | ५०११३१०२ | खानेपानी तथा ढल निकास कार्यक्रम | १,६१० | १४,५०० | ० | ० | १४,५०० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | २ | ६ | १ | १ |
| २३ | ५०११३१०३ | काठमांडौ उपत्यका खानेपानी व्यवस्थापन बोर्ड | १९,९७० | १९,९७० | ० | ० | १९,९७० | २०,००० | ० | ० | २०,००० | २१,००० | ० | ० | २१,००० | २ | १ | ६ | २ | २ |
| २४ | ५०११३१०५ | काठमाण्डौ उपत्यका खानेपानी सुधार आयोजना | ३६,१७८ | ३७,५०० | ० | ० | ३७,५०० | ७४,३४४ | ० | ० | ७४,३४४ | ६४,३४४ | ० | ० | ६४,३४४ | २ | १ | ६ | २ | २ |
| २५ | ५०११३१०६ | काठमाडौं उपत्यका ढल व्यवस्थापन आयोजना | १२,००० | २९,४३३ | ० | ० | २९,४३३ | २०,००० | ० | ० | २०,००० | २०,००० | ० | ० | २०,००० | २ | १ | ६ | २ | १ |
| २६ | ५०११३१०७ | ढल प्रशोधन केन्द्र | २०० | १,२०० | ० | ० | १,२०० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | १ | ६ | १ | १ |
| २७ | ५०११३१०८ | काठमाण्डौं उपत्यका खानेपानी सुधार आयोजना- दोश्रो | ० | १०,४०० | ० | ० | १०,४०० | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० | २ | १ | ६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **२०४,०००** | **३८०,२८५** | **९,७९९** | **२२९,४२३** | **१४१,०६३** | **५२६,८०६** | **९,३७३** | **३४८,०८९** | **१६९,३४४** | **५६६,२६०** | **१०,०९१** | **३९५,८२५** | **१६०,३४४** | | | | | |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | **६.४** | **युवा तथा खेलकूद** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३४३०००११ | युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | ४१४ | ५०२ | ४८४ | १८ | ० | ६३५ | ६०० | ३५ | ० | ८३५ | ८०० | ३५ | ० | ९ | १ | ४ | २ | ३ |
| २ | ३४३००१०१ | राष्ट्रिय युवा परिचालन कार्यक्रम | ४५ | २८४ | २८४ | ० | ० | ५०० | ५०० | ० | ० | ५०० | ५०० | ० | ० | ३ | १ | ४ | २ | ३ |
| ३ | ३४३००१०२ | खेलकुद विकास कार्यक्रम | १३८ | २४१ | २४१ | ० | ० | ४०० | ४०० | ० | ० | ४०० | ४०० | ० | ० | ३ | १ | ४ | २ | ३ |
| ४ | ३४३००१०३ | नेपाल स्काउट | ७५० | ५३० | ४६० | ७० | ० | २,७२२ | १,७२२ | १,००० | ० | २,७२२ | १,७२२ | १,००० | ० | २ | १ | ४ | ३ | ३ |
| ५ | ३४३४१०११ | राष्ट्रिय खेलकुद परिषद् | ११,५९२ | १७,६३० | १२,३९० | ५,२४० | ० | १९,३२६ | १३,६९३ | ५,६३३ | ० | २०,७७५ | १४,७२० | ६,०५५ | ० | ६ | १ | ४ | २ | ३ |
| ६ | ३४३४१०१२ | राष्ट्रिय युवा परिषद् | ५३२ | ९०८ | ८७३ | ३५ | ० | १,०५४ | १,०४५ | ९ | ० | १,१७० | १,१६० | १० | ० | ६ | १ | ४ | ३ | ३ |
| ७ | ३४३५१०११ | युवा स्वरोजगार कोष | ४८८ | १,२५६ | १,२४२ | १४ | ० | १,५२६ | १,५१० | १६ | ० | १,६३३ | १,६१५ | १८ | ० | १ | १ | १ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **१३,९५९** | **२१,३५१** | **१५,९७४** | **५,३७७** | **०** | **२६,१६३** | **१९,४७०** | **६,६९३** | **०** | **२८,०३५** | **२०,९१७** | **७,११८** | **०** | | | | | |
| | **६.५** | **महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३४०००११ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक मन्त्रालय | ८६४ | १,०४९ | ९८५ | ६४ | ० | १,३८० | १,२०६ | १७४ | ० | १,५१८ | १,३२७ | १९१ | ० | ९ | १ | ५ | १ | ३ |
| २ | ३४०००१२ | पशुपती वृद्धाश्रम | १५९ | ३०८ | ३०३ | ५ | ० | ३४१ | ३३५ | ६ | ० | ३७४ | ३६८ | ६ | ० | ५ | १ | ३ | १ | ३ |
| ३ | ३४०००१०१ | लैङ्गिक हिंसा निवारण तथा मानव बेचविखन नियन्त्रण कार्यक्रम | २९८ | ३६६ | ३६६ | ० | ० | ४६८ | ४६८ | ० | ० | ५१४ | ५१४ | ० | ० | ६ | १ | ५ | १ | ३ |
| ४ | ३४०००१०२ | सामाजिक विकास कार्यक्रम | ९४१ | १,८५१ | १,२८१ | ५७० | ० | १,८७४ | १,४५६ | ४१८ | ० | २,०६२ | १,६०२ | ४६० | ० | ५ | १ | १० | १ | ३ |
| ५ | ३४०००१०३ | बाल विकास कार्यक्रम | १,०६५ | १,२७७ | ७५८ | ५१९ | ० | १,१५४ | ८०३ | ३५१ | ० | १,२६९ | ८८३ | ३८६ | ० | ६ | १ | १ | १ | ३ |
| ६ | ३४०००१०५ | राष्ट्रपति महिला सशक्तिकरण परियोजना | ३८५ | २,३५६ | २,२४६ | ११० | ० | २,७५० | २,६२९ | १२१ | ० | ३,०२५ | २,८९२ | १३३ | ० | १ | १ | ५ | १ | ३ |
| ७ | ३४००११०१ | महिला तथा बालबालिका विभाग | ४२३ | ५८८ | ३२९ | २५९ | ० | ६३४ | ४०४ | २३० | ० | ६९८ | ४४५ | २५३ | ० | ६ | १ | ५ | १ | ३ |
| ८ | ३४०४१०११ | समाज कल्याण परिषद् | ८० | ३५ | ३५ | ० | ० | ३९ | ३९ | ० | ० | ४२ | ४२ | ० | ० | ६ | २ | १६ | १ | ३ |
| ९ | ३४०८१०११ | राष्ट्रिय बाल अधिकार परिषद् | ७५८ | ७४७ | ७१२ | ३५ | ० | ८७३ | ८३४ | ३९ | ० | ९०६ | ८६३ | ४३ | ० | ६ | २ | १ | १ | ३ |
| | | **जम्मा** | **४,९७३** | **८,५७७** | **७,०१५** | **१,५६२** | **०** | **९,५१३** | **८,१७४** | **१,३३९** | **०** | **१०,४०८** | **८,९३६** | **१,४७२** | **०** | | | | | |
| | **६.६** | **श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३७१०००११ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय | ९,४६० | १,८३४ | १,७५९ | ७५ | ० | २,३१७ | २,२०० | ११७ | ० | २,६४६ | २,५०० | १४६ | ० | ९ | १ | ८ | २ | ३ |
| २ | ३७१०००१२ | वैदेशिक रोजगार न्यायाधिकरण | १४७ | २८५ | २४६ | ३९ | ० | ३१४ | २५९ | ५५ | ० | ३५४ | २८८ | ६६ | ० | ६ | २ | ८ | २ | ३ |
| ३ | ३७१००१०१ | रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम | २,६७५ | ३,५७४ | ३,५११ | ६३ | ० | ७,७७६ | ७,५०० | २७६ | ० | १,००० | १,००० | ० | ० | १ | २ | ८ | २ | ३ |
| ४ | ३७१००१०२ | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम | ४०२ | ३६,१९४ | ३६,१९४ | ० | ० | ३९,७८० | ३९,७७३ | ७ | ० | ४४,२४२ | ४४,१६२ | ८० | ० | ५ | १ | ८ | ३ | ३ |
| ५ | ३७१००१०३ | युवा रोजगारीका लागि रुपान्तरण पहल परियोजना | ० | १०,०३९ | ९,४९० | ५४९ | ० | ९,८८८ | ९,३३९ | ५४९ | ० | १०,८२२ | १०,२७३ | ५४९ | ० | २ | १ | ८ | २ | २ |
| ६ | ३७१०१०११ | श्रम तथा व्यवसायजन्य सुरक्षा विभाग | २२१ | ३७१ | ३२६ | ४५ | ० | ३९७ | ३४२ | ५५ | ० | ४४६ | ३८० | ६६ | ० | ५ | १ | ८ | २ | ३ |
| ७ | ३७१०१०१२ | श्रम तथा रोजगार कार्यालयहरु | ८५१ | १,९४१ | १,६१७ | ३२४ | ० | २,४६१ | २,०७५ | ३८६ | ० | २,७६४ | २,३०४ | ४६० | ० | ५ | १ | ८ | २ | ३ |
| ८ | ३७१०११०२ | व्यवसायजन्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्य केन्द्र | ११३ | २८५ | २५६ | २९ | ० | २५८ | २२८ | ३० | ० | २८९ | २५३ | ३६ | ० | २ | १ | ८ | २ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ९ | ३७१०२०११ | वैदेशिक रोजगार विभाग | १,०७५ | १,७०७ | १,५५६ | १५१ | ० | १,५४० | १,४८५ | ५५ | ० | १,७१७ | १,६४९ | ६८ | ० | ८ | १ | ८ | २ | ३ |
| १० | ३७१०३०११ | व्यावसायिक तथा सीप विकास तालिम प्रतिष्ठान | ७२९ | ३,३०६ | ३,१८८ | ११८ | ० | ४,४६९ | ४,३५८ | १११ | ० | ४,९७८ | ४,८३९ | १३९ | ० | २ | १ | ८ | १ | ३ |
| ११ | ३७१३१०११ | वैदेशिक रोजगार बोर्ड | १३४ | १९१ | १९१ | ० | ० | २०८ | २०८ | ० | ० | २३० | २३० | ० | ० | ५ | २ | ८ | ३ | २ |
| **जम्मा** | | | **१५,८०७** | **५९,७२७** | **५८,३३४** | **१,३९३** | **०** | **६९,४०८** | **६७,७६७** | **१,६४१** | **०** | **६९,४८८** | **६७,८७८** | **१,६१०** | **०** | | | | | |
| **कुल जम्मा** | | | **१,०१९,९६३** | **२,०६२,३६५** | **१,५४०,८७५** | **३८०,४२७** | **१४१,०६३** | **२,००३,६५३** | **१,२७१,६११** | **५६२,६९८** | **१६९,३४४** | **२,१४६,२६६** | **१,३६७,३८४** | **६१८,५३८** | **१६०,३४४** | | | | | |

# अनुसूची ६.२

## सामाजिक क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | **६.१** | **शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३५०००११ | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय | १२,१४८ | ७,८३८ | ४,३१० | ० | ८,६०२ | ५,७०२ | २,९०० | ० | ९,४५३ | ६,२१४ | ३,२३९ | ० |
| २ | ३५०००१२ | पुस्तकालयहरु-३ (डिल्लीरमण, केशर, राष्ट्रिय) | १,३११ | १,३११ | ० | ० | १,३०० | १,३०० | ० | ० | १,४२० | १,४२० | ० | ० |
| ३ | ३५०००१०१ | शिक्षाका लागि खाद्य कार्यक्रम(प्राथमिक विद्यालय पौष्टिक आहार) | ५,५७९ | ८८८ | ४,६९१ | ० | ६,२१९ | १,११९ | ५,१०० | ० | ६,६२५ | १,१३० | ५,४९५ | ० |
| ४ | ३५०००१०२ | सबैका लागि शिक्षा- शिशु विकास कार्यक्रम | १७५ | ० | १७५ | ० | १९३ | ० | १९३ | ० | २०५ | ० | २०५ | ० |
| ५ | ३५०००१०३ | व्यवसायिक शिक्षा तथा तालिम अभिवृद्धि योजना-दोस्रो | ३९,७०२ | ८८ | ० | ३९,६१४ | ३३,०४९ | १४९ | ० | ३२,९०० | ३५,२०५ | ७८ | ० | ३५,१२७ |
| ६ | ३५०००१०८ | विद्यालय क्षेत्र विकास कार्यक्रम- केन्द्र स्तर | १५,५०३ | १२,८६८ | २,५७० | ६५ | ६२,३४० | ४३,९४० | ८,४०० | १०,००० | ६०,४७१ | ३२,४७१ | ८,००० | २०,००० |
| ७ | ३५०००१०९ | राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यक्रम | ८८,७७१ | ३४,९०० | ० | ५३,८७१ | ११०,००० | २९,००० | १०,००० | ७१,००० | १२०,००० | ३५,००० | ५,००० | ८०,००० |
| ८ | ३५००१०११ | शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्र | १३,५१६ | १३,५१६ | ० | ० | ५,५२५ | ५,५२५ | ० | ० | ५,८९१ | ५,८९१ | ० | ० |
| ९ | ३५००१०१३ | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई | ७,६४३ | ७,६४३ | ० | ० | ९,८९३ | ९,८९३ | ० | ० | १२,७१५ | १२,७१५ | ० | ० |
| १० | ३५००२०११ | पाठ्यक्रम विकास केन्द्र | ६३६ | ६३६ | ० | ० | ७४० | ७४० | ० | ० | ७९० | ७९० | ० | ० |
| ११ | ३५००३०११ | शैक्षिक गुणस्तर परीक्षण केन्द्र | २०५ | २०५ | ० | ० | २२६ | २२६ | ० | ० | २४० | २४० | ० | ० |
| १२ | ३५००४०११ | विद्यालय शिक्षक किताबखाना | २७८ | २७८ | ० | ० | ३१७ | ३१७ | ० | ० | ३४० | ३४० | ० | ० |
| १३ | ३५००४०१२ | शिक्षक सेवा निवृत्त सुविधा | १८०,००० | १८०,००० | ० | ० | १९०,००० | १९०,००० | ० | ० | २००,००० | २००,००० | ० | ० |
| १४ | ३५०२१०११ | विश्वविद्यालय अनुदान आयोग | १८१,८६२ | १५७,४६२ | १०,००० | १४,४०० | २००,००० | १७८,२०० | ९,८०० | १२,००० | २२०,००० | १९६,६१० | ८,००० | १५,३९० |
| १५ | ३५०२१०१२ | शिक्षक सेवा आयोग | १,३३१ | १,३३१ | ० | ० | १,९१९ | १,९१९ | ० | ० | २,८३१ | २,८३१ | ० | ० |
| १६ | ३५०२१०१३ | यूनेस्कोका निमित्त नेपाल राष्ट्रिय आयोग | १७० | १७० | ० | ० | १८७ | १८७ | ० | ० | २९६ | २९६ | ० | ० |
| १७ | ३५०२१०१४ | चिकित्सा शिक्षा आयोग | ८,२०७ | ८,२०७ | ० | ० | १४,८३१ | १४,८३१ | ० | ० | १८,८०० | १८,८०० | ० | ० |
| १८ | ३५०२११०१ | उच्च शिक्षा सुधार परियोजना | ६,३८५ | ५,७८५ | ० | ६०० | ७,७०० | ६,९८० | ० | ७२० | ८,२०१ | ७,२०१ | ० | १,००० |
| १९ | ३५०३१०११ | राष्ट्रिय परीक्षा बोर्ड | ३,००० | ३,००० | ० | ० | ३,३०० | ३,३०० | ० | ० | ३,५१५ | ३,५१५ | ० | ० |
| २० | ३५०४१०११ | प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक तालिम परिषद् (विशेष कार्यक्रम समेत) | १२,८६३ | ४,९९१ | ७,८७२ | ० | ३०,००० | ११,७०० | १८,३०० | ० | ३१,९५० | २१,९५० | १०,००० | ० |
| २१ | ३५०६१०११ | नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान | ३,३९२ | ३,३९२ | ० | ० | ३,८७९ | ३,८७९ | ० | ० | ३,४०२ | ३,४०२ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **५८२,६७७** | **४४४,५०९** | **२९,६१८** | **१०८,५५०** | **६९०,२२०** | **५०८,९०७** | **५४,६९३** | **१२६,६२०** | **७४२,३५०** | **५५०,८९४** | **३९,९३९** | **१५१,५१७** |
| | **६.२** | **स्वास्थ्य तथा जनसंख्या** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३७०००११ | स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय | १३,१०८ | १३,१०८ | ० | ० | ३०,१०० | ३०,१०० | ० | ० | ३३,७१३ | ३३,७१३ | ० | ० |
| २ | ३७०००१३ | पशुपति होमियो चिकित्सालय र युनानी औषधालय | २३४ | २३४ | ० | ० | २०३ | २०३ | ० | ० | २२९ | २२९ | ० | ० |
| ३ | ३७०००१०१ | कान्ति बाल अस्पताल | ३,३६४ | ३,३६४ | ० | ० | ३,७९५ | ३,७९५ | ० | ० | ४,२५० | ४,२५० | ० | ० |
| ४ | ३७०००१०२ | शुक्रराज ट्रपिकल अस्पताल | १,५८९ | १,५८९ | ० | ० | १,७९३ | १,७९३ | ० | ० | २,००८ | २,००८ | ० | ० |
| ५ | ३७०००१०३ | परोपकार प्रसुती अस्पताल | ४,१५७ | ४,१५७ | ० | ० | ४,५४४ | ४,५४४ | ० | ० | ५,०८९ | ५,०८९ | ० | ० |
| ६ | ३७०००१०४ | नेपाल आखाँ अस्पताल | ३६८ | ३६८ | ० | ० | ३३६ | ३३६ | ० | ० | ३७६ | ३७६ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ७ | ३७०००१०५ | बी.पी. कोईराला मेमोरियल क्यान्सर अस्पताल | २,३६७ | २,३६७ | ० | ० | ६८० | ६८० | ० | ० | ७६१ | ७६१ | ० | ० |
| ८ | ३७०००१०६ | मनमोहन कार्डियोथेरासिक भस्कुलर तथा ट्रान्स्प्लान्ट केन्द्र, महाराजगंज | २,५१८ | २,५१८ | ० | ० | १,५३२ | १,५३२ | ० | ० | १,७१६ | १,७१६ | ० | ० |
| ९ | ३७०००१०७ | शहिद गंगालाल हृदय केन्द्र | ४,८२९ | ४,८२९ | ० | ० | ४,८७३ | ४,८७३ | ० | ० | ५,४५८ | ५,४५८ | ० | ० |
| १० | ३७०००१०८ | त्रि. वि.शिक्षण अस्पताल (सुरेश वाग्ले स्मृति क्यान्सर केन्द समेत) | ५,६३६ | ५,६३६ | ० | ० | ३,४९८ | ३,४९८ | ० | ० | ३,९१७ | ३,९१७ | ० | ० |
| ११ | ३७०००१०९ | स्वास्थ्य कर कोषबाट संचालित कार्यक्रमहरु | ४,००० | ४,००० | ० | ० | ४,४८० | ४,४८० | ० | ० | ५,०१८ | ५,०१८ | ० | ० |
| १२ | ३७०००११० | आयुर्वेद चिकित्सालय, नरदेवी | ७७३ | ७७३ | ० | ० | ८४३ | ८४३ | ० | ० | ९४५ | ९४५ | ० | ० |
| १३ | ३७०००१११ | सिहंदरबार वैद्यखाना | २५३ | २५३ | ० | ० | २८६ | २८६ | ० | ० | ३२० | ३२० | ० | ० |
| १४ | ३७०००११२ | बी.पी. कोईराला लायन्स नेत्र अध्ययन केन्द्र | १०० | १०० | ० | ० | ११२ | ११२ | ० | ० | १२५ | १२५ | ० | ० |
| १५ | ३७०००११३ | नेपाल नेत्र ज्योति संघ | ६३० | ६३० | ० | ० | ४८२ | ४८२ | ० | ० | ५३९ | ५३९ | ० | ० |
| १६ | ३७०००११४ | स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार कार्यक्रम | १२५,४४५ | ६३,९८५ | ८६० | ६०,६०० | १५०,४९७ | ३९,५५० | ७०,९४७ | ४०,००० | १५९,०३९ | ५५,०३९ | ६०,००० | ४४,००० |
| १७ | ३७०००११५ | मानव अंग प्रत्यारोपण केन्द्र | ३,५९० | ३,५९० | ० | ० | ४,०२१ | ४,०२१ | ० | ० | ४,५०३ | ४,५०३ | ० | ० |
| १८ | ३७०००११६ | एकिकृत स्वास्थ्य पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | १२८,२६५ | १३,६५९ | २३,६०० | ९१,००६ | १६८,७४५ | १५१,०८५ | १७,६६० | ० | १७४,५५६ | २३,९२३ | १८,६१५ | १३२,०१८ |
| १९ | ३७०००११८ | कोभिड-१९ रोकथाम तथा नियन्त्रण कार्यक्रम | ४७१,८२७ | २०९,६८७ | ११,६४० | २५०,५०० | ६०,७५१ | ५९,६५१ | १,१०० | ० | ६१,५९३ | १७,४४९ | १,९६० | ४२,१८४ |
| २० | ३७००१०११ | स्वास्थ्य सेवा विभाग | २,८४१ | २,६७७ | १६४ | ० | १,३७५ | १,२९७ | ७८ | ० | १,५४० | १,४५२ | ८८ | ० |
| २१ | ३७००११०१ | क्षयरोग नियन्त्रण | ७,२०९ | ४,६५१ | २,५५८ | ० | ८,२३९ | ५,३३९ | २,९०० | ० | ८,९०६ | ५,७८२ | ३,१२४ | ० |
| २२ | ३७००११०२ | एड्स तथा यौन रोग नियन्त्रण | ५,६५२ | १,९०९ | ३,७४३ | ० | ६,१६४ | २,०९४ | ४,०७० | ० | ६,७१५ | २,२७७ | ४,४३८ | ० |
| २३ | ३७००११०३ | परिवार कल्याण कार्यक्रम | ५०,८७९ | १४,२०५ | ३६,६७४ | ० | ३२,०२२ | १९,१२२ | १२,९०० | ० | ३३,५५४ | १३,४६९ | २०,०८५ | ० |
| २४ | ३७००११०५ | महामारी रोग नियन्त्रण कार्यक्रम | ५,५६२ | ३,६५९ | १,९०३ | ० | ७,१०१ | ४,८२१ | २,२८० | ० | ७,७७० | ५,२७२ | २,४९८ | ० |
| २५ | ३७००११०७ | स्वास्थ्य व्यवस्थापन कार्यक्रम | २,०२७ | ६७१ | १,३५६ | ० | २,९३५ | ९९५ | १,९४० | ० | ३,१०६ | १,०५४ | २,०५२ | ० |
| २६ | ३७००११०९ | राष्ट्रिय स्वास्थ्य शिक्षा, सूचना तथा संचार केन्द्र | ९९३ | ७७५ | २१८ | ० | १,१८४ | ९४४ | २४० | ० | १,३०० | १,०३४ | २६६ | ० |
| २७ | ३७००१११० | राष्ट्रिय स्वास्थ्य तालिम कार्यक्रम | ९१५ | ५५६ | ३५९ | ० | १,२२० | ७७५ | ४४५ | ० | १,३२३ | ८४० | ४८३ | ० |
| २८ | ३७००१११११ | किटजन्य रोग नियन्त्रण अनुसन्धान तथा तालिम केन्द्र | २१७ | २१७ | ० | ० | २४२ | २४२ | ० | ० | २७१ | २७१ | ० | ० |
| २९ | ३७००१११२ | राष्ट्रिय जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला | २,६४१ | २,६४१ | ० | ० | ३,१०९ | ३,१०९ | ० | ० | ३,५१० | ३,५१० | ० | ० |
| ३० | ३७००१११५ | उपचारात्मक सेवा कार्यक्रम | ४४१ | ४४१ | ० | ० | १,०८५ | १,०८५ | ० | ० | १,२१६ | १,२१६ | ० | ० |
| ३१ | ३७००१११६ | नर्सिङ तथा सामाजिक सुरक्षा सेवा कर्यक्रम | २५,४४४ | २५,४४४ | ० | ० | २८,६५३ | २८,६५३ | ० | ० | ३२,०९२ | ३२,०९२ | ० | ० |
| ३२ | ३७००२०११ | औषधि व्यवस्था विभाग | १,६१२ | १,६१२ | ० | ० | १,८६० | १,८६० | ० | ० | २,०९१ | २,०९१ | ० | ० |
| ३३ | ३७००३०११ | आयुर्वेद सेवा कार्यक्रम | ९१९ | ९१९ | ० | ० | १,१३४ | १,१३४ | ० | ० | १,२८५ | १,२८५ | ० | ० |
| ३४ | ३७०३११०१ | स्वास्थ्य वीमा बोर्ड | ७५,००० | ७५,००० | ० | ० | ८४,००० | ८४,००० | ० | ० | ९४,०८० | ९४,०८० | ० | ० |
| ३५ | ३७०४१०११ | स्वास्थ्य अनुसन्धान परिषद् | १,९८६ | १,९८६ | ० | ० | २,२२४ | २,२२४ | ० | ० | २,४९१ | २,४९१ | ० | ० |
| ३६ | ३७०६१०११ | केन्द्रिय अस्पताल तथा प्रतिष्ठान | २२,४७८ | २२,४७८ | ० | ० | २७,७३२ | २७,७३२ | ० | ० | ३१,०६० | ३१,०६० | ० | ० |
| ३७ | ३७०६१०१२ | चिकित्सा विज्ञान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान ( वीर अस्पताल समेत) | १२,३९९ | १२,३९९ | ० | ० | १४,०२७ | १४,०२७ | ० | ० | १५,७१० | १५,७१० | ० | ० |
| ३८ | ३७०६१०१३ | बी.पी कोईराला स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ४,७५२ | ४,७५२ | ० | ० | ५,३६५ | ५,३६५ | ० | ० | ६,००९ | ६,००९ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ३९ | ३७०६१०१४ | कर्णाली स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ४,२०७ | ४,२०७ | ० | ० | ४,७२० | ४,७२० | ० | ० | ५,२९० | ५,२९० | ० | ० |
| ४० | ३७०६१०१५ | पाटन स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान | ४,५१२ | ४,५१२ | ० | ० | १,३८१ | १,३८१ | ० | ० | १,५४७ | १,५४७ | ० | ० |
| ४१ | ३७०६१०१६ | राप्ती स्वास्थ्य विज्ञान प्रष्तिठान | १,४३८ | १,४३८ | ० | ० | १,७५८ | १,७५८ | ० | ० | १,९६९ | १,९६९ | ० | ० |
| ४२ | ३७०६१०१७ | पोखरा स्वास्थ्य विज्ञान प्रष्तिठान | २,५७१ | २,५७१ | ० | ० | २,४४२ | २,४४२ | ० | ० | २,७३५ | २,७३५ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१,००९,७४८** | **५२४,५६७** | **८३,०७५** | **४०२,१०६** | **६८१,५४३** | **५२६,९८३** | **११४,५६०** | **४०,०००** | **७२९,७२५** | **३९७,९१४** | **११३,६०९** | **२१८,२०२** |
| | **६.३** | **खानेपानी तथा सरसफाई** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३१३०००११ | खानेपानी मन्त्रालय | १,०७१ | १,०७१ | ० | ० | १,१५५ | १,१५५ | ० | ० | १,२०१ | १,२०१ | ० | ० |
| २ | ३१३००१०१ | मेलम्ची खानेपानी आयोजना | १७,६५४ | ७,४८९ | ० | १०,१६५ | ८०,९९१ | १०,९९१ | ० | ७०,००० | १००,७९२ | २०,७९२ | ० | ८०,००० |
| ३ | ३१३००१०२ | काठमाण्डौ उपत्यका थोक खानेपानी प्रशारण आयोजना (दोश्रो) | ८,३५७ | ८,३५७ | ० | ० | ४०,००० | ८,००० | ० | ३२,००० | ४०,००० | ८,००० | ० | ३२,००० |
| ४ | ३१३०१०११ | खानेपानी विभाग | २,२९३ | २,२९३ | ० | ० | २,८२५ | २,८२५ | ० | ० | २,२८५ | २,२८५ | ० | ० |
| ५ | ३१३०१०१२ | जनसाधन विकास कार्यक्रम | ४८१ | ४५१ | ३० | ० | २५७ | २५७ | ० | ० | २९५ | २७८ | १७ | ० |
| ६ | ३१३०१०१३ | संघीय खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन आयोजनाहरु | ३,२३० | ३,२३० | ० | ० | ३,६०० | ३,६०० | ० | ० | ३,९५० | ३,९५० | ० | ० |
| ७ | ३१३०११०१ | राष्ट्रिय सूचना व्यवस्थापन तथा अनुगमन आयोजना | १,१२३ | १,०९८ | २५ | ० | ६४५ | ६४५ | ० | ० | ५०५ | ४९४ | ११ | ० |
| ८ | ३१३०११०२ | खानेपानी सेवा विस्तार तथा पुनर्स्थापना कार्यक्रम | ३५,०३३ | १५,०३३ | ० | २०,००० | ३७,५३५ | ३७,५३५ | ० | ० | ४५,०५० | ४५,०५० | ० | ० |
| ९ | ३१३०११०३ | खानेपानी तथा गुणस्तर सुधार कार्यक्रम | ५,६१७ | ५,५९२ | २५ | ० | ६,६८६ | ६,६८६ | ० | ० | ८,५४२ | ८,५०४ | ३८ | ० |
| १० | ३१३०११०५ | जलवायु अनुकुलित वृहत खानेपानी आयोजना | ३६,६३२ | २६,६३२ | ० | १०,००० | ३९,४११ | ३९,४११ | ० | ० | ४४,४४७ | ४४,४४७ | ० | ० |
| ११ | ३१३०११०६ | ढल निर्माण तथा प्रशोधन कार्यक्रम | २१,२०४ | ११,१७९ | २५ | १०,००० | २३,१५८ | २०,२५८ | २,९०० | ० | २६,१७६ | २६,१७६ | ० | ० |
| १२ | ३१३०११०७ | खानेपानी तथा सरसफाई सह-लगानी कार्यक्रम | २६,८३९ | २६,८३९ | ० | ० | २९,४३७ | २९,४३७ | ० | ० | ३४,८५० | ३४,८५० | ० | ० |
| १३ | ३१३०११०८ | सहरी खानेपानी तथा सरसफाइ (क्षेत्रगत) आयोजना | ४५,६६१ | १२,८९४ | ० | ३२,७६७ | ४०,४७७ | ६,७७७ | ० | ३३,७०० | २५,१९३ | ३,१९३ | ० | २२,००० |
| १४ | ३१३०१११३ | केन्द्रिय खानेपानी आयोजना | २५,४३५ | २५,४३५ | ० | ० | २७,५९५ | २७,५९५ | ० | ० | ३०,६०० | ३०,६०० | ० | ० |
| १५ | ३१३०१११४ | एकिकृत खानेपानी तथा ढल व्यवस्थापन आयोजना | ३,७६८ | ३,७६८ | ० | ० | १८,४८५ | ४,४८५ | ० | १४,००० | ३६,५२५ | ६,५२५ | ० | ३०,००० |
| १६ | ३१३०१११५ | कोभिड-१९ रेस्पोन्स आयोजना | १,१६२ | १०६ | १,०५६ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १७ | ३१३०१११६ | दिगो सरसफाइ आयोजना | २,०८८ | ३०० | १,७८८ | ० | ३,५०० | ५०० | ३,००० | ० | ३,५०० | ५०० | ३,००० | ० |
| १८ | ३१३०१११७ | खानेपानी सुशासन तथा पुर्वाधार प्रवर्धन कार्यक्रम | २०५ | २०५ | ० | ० | २०५ | २०५ | ० | ० | २०५ | २०५ | ० | ० |
| १९ | ३१३५१०११ | ग्रामिण खानेपानी तथा सरसफाइ कोष | १,३६९ | १,३६९ | ० | ० | १,५०० | १,५०० | ० | ० | १,८०० | १,८०० | ० | ० |
| २० | ५०११३१०१ | खानेपानी उत्पादन वृद्धि कार्यक्रम | २८,०६० | २८,०६० | ० | ० | १५,००० | १५,००० | ० | ० | १५,००० | १५,००० | ० | ० |
| २१ | ५०११३१०२ | खानेपानी तथा ढल निकास कार्यक्रम | १४,५०० | २,००० | १२,५०० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २२ | ५०११३१०३ | काठमांडौ उपत्यका खानेपानी व्यवस्थापन बोर्ड | १९,९७० | १९,९७० | ० | ० | २०,००० | २०,००० | ० | ० | २१,००० | २१,००० | ० | ० |
| २३ | ५०११३१०५ | काठमाण्डौ उपत्यका खानेपानी सुधार आयोजना | ३७,५०० | १०,५२८ | ० | २६,९७२ | ७४,३४४ | ९,३४४ | ० | ६५,००० | ६४,३४४ | ८,८४४ | ० | ५५,५०० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २४ | ५०११३१०६ | काठमाडौं उपत्यका ढल व्यवस्थापन आयोजना | २९,४३३ | १०,११९ | ० | १९,३१४ | २०,००० | ६,९०० | ० | १३,१०० | २०,००० | ५,००० | ० | १५,००० |
| २५ | ५०११३१०७ | ढल प्रशोधन केन्द्र | १,२०० | १,२०० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २६ | ५०११३१०८ | काठमाण्डौं उपत्यका खानेपानी सुधार आयोजना-दोश्रो | १०,४०० | १,००० | ० | ९,४०० | ४०,००० | ४,००० | ० | ३६,००० | ४०,००० | ३,८४६ | ० | ३६,१५४ |
| | | **जम्मा** | **३८०,२८५** | **२२६,२१८** | **१५,४४९** | **१३८,६१८** | **५२६,८०६** | **२५७,१०६** | **५,९००** | **२६३,८००** | **५६६,२६०** | **२९२,५४०** | **३,०६६** | **२७०,६५४** |
| | **६.४** | **युवा तथा खेलकूद** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३४३०००११ | युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | ५०२ | ५०२ | ० | ० | ६३५ | ६३५ | ० | ० | ८३५ | ८३५ | ० | ० |
| २ | ३४३००१०१ | राष्ट्रिय युवा परिचालन कार्यक्रम | २८४ | २८४ | ० | ० | ५०० | ५०० | ० | ० | ५०० | ५०० | ० | ० |
| ३ | ३४३००१०२ | खेलकुद विकास कार्यक्रम | २४१ | २४१ | ० | ० | ४०० | ४०० | ० | ० | ४०० | ४०० | ० | ० |
| ४ | ३४३००१०३ | नेपाल स्काउट | ५३० | ५३० | ० | ० | २,७२२ | २,७२२ | ० | ० | २,७२२ | २,७२२ | ० | ० |
| ५ | ३४३४१०११ | राष्ट्रिय खेलकुद परिषद् | १७,६३० | १७,६३० | ० | ० | १९,३२६ | १९,३२६ | ० | ० | २०,७७५ | २०,७७५ | ० | ० |
| ६ | ३४३४१०१२ | राष्ट्रिय युवा परिषद् | ९०८ | ९०८ | ० | ० | १,०५४ | १,०५४ | ० | ० | १,१७० | १,१७० | ० | ० |
| ७ | ३४३५१०११ | युवा स्वरोजगार कोष | १,२५६ | १,२५६ | ० | ० | १,५२६ | १,५२६ | ० | ० | १,६३३ | १,६३३ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **२१,३५१** | **२१,३५१** | **०** | **०** | **२६,१६३** | **२६,१६३** | **०** | **०** | **२८,०३५** | **२८,०३५** | **०** | **०** |
| | **६.५** | **महिला, बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३४०००११ | महिला,बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक मन्त्रालय | १,०४९ | १,०४९ | ० | ० | १,३८० | १,३८० | ० | ० | १,५१८ | १,५१८ | ० | ० |
| २ | ३४०००१२ | पशुपती वृद्धाश्रम | ३०८ | ३०८ | ० | ० | ३४१ | ३४१ | ० | ० | ३७४ | ३७४ | ० | ० |
| ३ | ३४०००१०१ | लैङ्गिक हिंसा निवारण तथा मानव बेचविखन नियन्त्रण कार्यक्रम | ३६६ | ३६६ | ० | ० | ४६८ | ४६८ | ० | ० | ५१४ | ५१४ | ० | ० |
| ४ | ३४०००१०२ | सामाजिक विकास कार्यक्रम | १,८५१ | १,८५१ | ० | ० | १,८७४ | १,८७४ | ० | ० | २,०६२ | २,०६२ | ० | ० |
| ५ | ३४०००१०३ | बाल विकास कार्यक्रम | १,२७७ | १,२७७ | ० | ० | १,१५४ | १,१५४ | ० | ० | १,२६९ | १,२६९ | ० | ० |
| ६ | ३४०००१०५ | राष्ट्रपति महिला सशक्तिकरण परियोजना | २,३५६ | २,३५६ | ० | ० | २,७५० | २,७५० | ० | ० | ३,०२५ | ३,०२५ | ० | ० |
| ७ | ३४००११०१ | महिला तथा बालबालिका विभाग | ५८८ | ५८८ | ० | ० | ६३४ | ६३४ | ० | ० | ६९८ | ६९८ | ० | ० |
| ८ | ३४०४१०११ | समाज कल्याण परिषद् | ३५ | ३५ | ० | ० | ३९ | ३९ | ० | ० | ४२ | ४२ | ० | ० |
| ९ | ३४०८१०११ | राष्ट्रिय बाल अधिकार परिषद् | ७४७ | ६३७ | ११० | ० | ८७३ | ७२३ | १५० | ० | ९०६ | ७२६ | १८० | ० |
| | | **जम्मा** | **८,५७७** | **८,४६७** | **११०** | **०** | **९,५१३** | **९,३६३** | **१५०** | **०** | **१०,४०८** | **१०,२२८** | **१८०** | **०** |
| | **६.६** | **श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३७१०००११ | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय | १,८३४ | १,८३४ | ० | ० | २,३१७ | २,३१७ | ० | ० | २,६४६ | २,६४६ | ० | ० |
| २ | ३७१०००१२ | वैदेशिक रोजगार न्यायाधिकरण | २८५ | २८५ | ० | ० | ३१४ | ३१४ | ० | ० | ३५४ | ३५४ | ० | ० |
| ३ | ३७१००१०१ | रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ३,५७४ | ० | ३,५७४ | ० | ७,७७६ | ० | ७,७७६ | ० | १,००० | ० | १,००० | ० |
| ४ | ३७१००१०२ | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम | ३६,१९४ | ३६,१९४ | ० | ० | ३९,७८० | ३९,७८० | ० | ० | ४४,२४२ | ४४,२४२ | ० | ० |
| ५ | ३७१००१०३ | युवा रोजगारीका लागि रुपान्तरण पहल परियोजना | १०,०३९ | १,००० | ० | ९,०३९ | ९,८८८ | ० | ० | ९,८८८ | १०,८२२ | ० | ० | १०,८२२ |
| ६ | ३७१०१०११ | श्रम तथा व्यवसायजन्य सुरक्षा विभाग | ३७१ | ३७१ | ० | ० | ३९७ | ३९७ | ० | ० | ४४६ | ४४६ | ० | ० |
| ७ | ३७१०१०१२ | श्रम तथा रोजगार कार्यालयहरु | १,९४१ | १,९४१ | ० | ० | २,४६१ | २,४६१ | ० | ० | २,७६४ | २,७६४ | ० | ० |
| ८ | ३७१०११०२ | व्यवसायजन्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्य केन्द्र | २८५ | २८५ | ० | ० | २५८ | २५८ | ० | ० | २८९ | २८९ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ९ | ३७१०२०११ | वैदेशिक रोजगार विभाग | १,७०७ | १,७०७ | ० | ० | १,५४० | १,५४० | ० | ० | १,७१७ | १,७१७ | ० | ० |
| १० | ३७१०३०११ | व्यावसायिक तथा सीप विकास तालिम प्रतिष्ठान | ३,३०६ | ३,३०६ | ० | ० | ४,४६९ | ४,४६९ | ० | ० | ४,९७८ | ४,९७८ | ० | ० |
| ११ | ३७१३१०११ | वैदेशिक रोजगार बोर्ड | १९१ | १९१ | ० | ० | २०८ | २०८ | ० | ० | २३० | २३० | ० | ० |
| **जम्मा** | | | **५९,७२७** | **४७,११४** | **३,५७४** | **९,०३९** | **६९,४०८** | **५१,७४४** | **७,७७६** | **९,८८८** | **६९,४८८** | **५७,६६६** | **१,०००** | **१०,८२२** |
| **कुल जम्मा** | | | **२,०६२,३६५** | **१,२७२,२२६** | **१३१,८२६** | **६५८,३१३** | **२,००३,६५३** | **१,३८०,२६६** | **१८३,०७९** | **४४०,३०८** | **२,१४६,२६६** | **१,३३७,२७७** | **१५७,७९४** | **६५१,१९५** |

# अनुसूची ७.१

## पूर्वाधार क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ७.१.१ | ऊर्जा | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०८०००११ | ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय | १,०१५ | १,६२१ | १,५४० | ८१ | ० | २,००४ | १,८८४ | १२० | ० | २,४०५ | २,२६१ | १४४ | ० | ९ | १ | ७ | ३ | ३ |
| २ | ३०८००१०१ | बुढी गण्डकी जलविद्युत आयोजना | १६,५६९ | ७९,९५८ | ३२४ | ७९,६३४ | ० | ९६,१३८ | ४६० | ९५,६७८ | ० | ११५,३६६ | ५५२ | ११४,८१४ | ० | १ | १ | ७ | १ | १ |
| ३ | ३०८००१०२ | विद्युत विकास दशक सम्बन्धी कार्ययोजना | ७७ | १३३ | ७८ | ५५ | ० | १९२ | ९६ | ९६ | ० | २३० | ११५ | ११५ | ० | ४ | १ | ७ | ३ | ३ |
| ४ | ३०८००१०३ | वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र | ७,६३७ | १०,५४९ | ९,१०७ | १,४४२ | ० | १३,२०० | ११,२३२ | १,९६८ | ० | १५,८४० | १३,४७८ | २,३६२ | ० | ४ | १ | ७ | १ | १ |
| ५ | ३०८००१०४ | राष्ट्रिय ग्रामीण तथा नवीकरणीय उर्जा कार्यक्रम | १२,८५६ | १६,९७४ | १६,९७४ | ० | ० | २२,८०० | २२,८०० | ० | ० | २७,३६० | २७,३६० | ० | ० | ४ | १ | ७ | १ | १ |
| ६ | ३०८०१०११ | विद्युत विकास विभाग | ६६० | १,२५८ | ८२१ | ४३७ | ० | १,७३० | १,००२ | ७२८ | ० | २,०७५ | १,२०२ | ८७३ | ० | ४ | १ | ७ | ३ | ३ |
| ७ | ३०८०११०१ | विद्युत विकासमा निजी क्षेत्रको प्रवर्द्धन | १६ | १४ | १४ | ० | ० | १८ | १८ | ० | ० | २२ | २२ | ० | ० | ४ | १ | ७ | १ | १ |
| ८ | ३०८०११०२ | सप्तकोशी बहुउद्देश्यीय आयोजना | २५९ | ४४२ | १२८ | ३१४ | ० | ५६३ | १७४ | ३८९ | ० | ६७६ | २०९ | ४६७ | ० | १ | २ | ७ | २ | १ |
| ९ | ३०८०११०३ | पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय आयोजना | ४२ | ८४ | ५२ | ३२ | ० | ९८ | ६० | ३८ | ० | ११८ | ७२ | ४६ | ० | १ | २ | ७ | २ | १ |
| १० | ३०८०११०४ | जलविद्युत आयोजना अध्ययन | ५,८०८ | १२,८२२ | ० | १२,८२२ | ० | १६,८३९ | ० | १६,८३९ | ० | २०,२०६ | ० | २०,२०६ | ० | ३ | १ | ७ | १ | १ |
| ११ | ३०८०११०६ | बुढीगंगा जलविद्युत आयोजना | ४५१ | १५,५९८ | २४७ | १५,३५१ | ० | १९,९०६ | ३०६ | १९,६०० | ० | २३,४०७ | ३६७ | २३,०४० | ० | ४ | १ | ७ | १ | १ |
| १२ | ३०८२१०१२ | जल तथा ऊर्जा आयोग | ५१६ | ८६७ | ३३८ | ५२९ | ० | १,४८९ | ४०९ | १,०८० | ० | १,७८७ | ४९१ | १,२९६ | ० | ८ | १ | ७ | २ | ३ |
| १३ | ३०८२१०१३ | नदि बेसिन योजना तथा जलविद्युत विकास गुरुयोजना तर्जुमा आयोजना | ४१९ | २,०१९ | २१ | १,९९८ | ० | ३,०२४ | २४ | ३,००० | ० | ३,६२९ | २९ | ३,६०० | ० | ७ | १ | ७ | २ | १ |
| १४ | ५०१०८१०१ | १३२ के.भी. तथा अन्य प्रसारण लाईन विस्तार | ५९,२६० | १७८,६०० | ० | ० | १७८,६०० | २०९,८९२ | ० | ० | २०९,८९२ | २५१,८७० | ० | ० | २५१,८७० | ३ | १ | ७ | २ | ३ |
| १५ | ५०१०८१०२ | थानकोट-चापागाउं-भक्तपुर १३२ के.भी | १०० | १०० | ० | ० | १०० | १२० | ० | ० | १२० | १४४ | ० | ० | १४४ | ३ | १ | ७ | २ | ३ |
| १६ | ५०१०८१०३ | अन्य ३३ के.भी. तथा सब-स्टेशन आयोजनाहरु | ९,७४५ | ६८,५०० | ० | ० | ६८,५०० | ७९,२०० | ० | ० | ७९,२०० | ९५,०४० | ० | ० | ९५,०४० | ३ | १ | ७ | ३ | ३ |
| १७ | ५०१०८१०४ | जलविद्युत सुदृढीकरण आयोजना | २,००० | १,७३० | ० | ० | १,७३० | २,०७६ | ० | ० | २,०७६ | २,४९१ | ० | ० | २,४९१ | ४ | १ | ७ | १ | २ |
| १८ | ५०१०८१०५ | सामुदायिक तथा अन्य ग्रामीण विद्युतीकरण | ९०,००० | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० | ४,२०० | ० | ० | ४,२०० | ४,४०० | ० | ० | ४,४०० | ३ | १ | ७ | ३ | २ |
| १९ | ५०१०८१०६ | कुलेखानी तेस्रो जलविद्युत आयोजना (१४ मे.वा.) | ५०० | ५०० | ० | ० | ५०० | ६०० | ० | ० | ६०० | ७२० | ० | ० | ७२० | ४ | १ | ७ | २ | २ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | जैविक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| २० | ५०१०८१०७ | चमेलियागाड जल विद्युत आयोजना (३० मे.वा.) | ५०० | १०० | ० | ० | १०० | १२० | ० | ० | १२० | १४४ | ० | ० | १४४ | ४ | १ | ७ | २ | २ |
| २१ | ५०१०८१०८ | जलाशययुक्त आयोजनाहरुको छनौट तथा संभाव्यता अध्ययन | ९०० | १,४५० | ० | ० | १,४५० | २,०४० | ० | ० | २,०४० | २,४४८ | ० | ० | २,४४८ | ७ | १ | ७ | २ | १ |
| २२ | ५०१०८१०९ | ठुला तथा मझौला जलविद्युत अध्ययन आयोजना | ५०० | २०० | ० | ० | २०० | २४० | ० | ० | २४० | २८८ | ० | ० | २८८ | ४ | १ | ७ | २ | २ |
| २३ | ५०१०८११० | माथिल्लो तामाकोशी जलविद्युत आयोजना (४५६ मे. वा.) | १०,००० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ७ | २ | २ |
| २४ | ५०१०८१११ | माथिल्लो त्रिशुली (३ए) जलविद्युत आयोजना (६० मे.वा.) | ५०० | ६,८०० | ० | ० | ६,८०० | ८,१६० | ० | ० | ८,१६० | ९,७९२ | ० | ० | ९,७९२ | ४ | १ | ७ | २ | २ |
| २५ | ५०१०८११२ | राहुघाट जलविद्युत आयोजना (२७ मे.वा. ) | ५०० | १६,७०० | ० | ० | १६,७०० | २०,०४० | ० | ० | २०,०४० | २४,०४८ | ० | ० | २४,०४८ | ४ | १ | ७ | २ | २ |
| २६ | ५०१०८११३ | तनहुँ जलविद्युत आयोजना (१४० मे.वा.) | ४,३०० | ४२,५०० | ० | ० | ४२,५०० | ७०,००० | ० | ० | ७०,००० | ६१,२०० | ० | ० | ६१,२०० | १ | १ | ७ | २ | २ |
| २७ | ५०१०८११४ | माथिल्लो मोदी जल विद्युत आयोजना | ८०० | ८०० | ० | ० | ८०० | १,८०० | ० | ० | १,८०० | २,१६० | ० | ० | २,१६० | ४ | १ | ७ | ३ | २ |
| २८ | ५०१०८११५ | नेपाल भारत विद्युत प्रशारण | ३,५०० | ४०,७५१ | ० | ० | ४०,७५१ | ४८,९०१ | ० | ० | ४८,९०१ | ५८,६८१ | ० | ० | ५८,६८१ | ३ | १ | ७ | ३ | ३ |
| २९ | ५०१०८११६ | पुर्ननविकरणीय तथा क्षमता विस्तार आयोजना | २,००० | ५१,८०० | ० | ० | ५१,८०० | ६२,१६० | ० | ० | ६२,१६० | ७४,५९२ | ० | ० | ७४,५९२ | ३ | १ | १२ | २ | २ |
| ३० | ५०१०८११७ | तामाकोशी पाचौं जलबिद्युत आयोजना | १,००० | १,३२५ | ० | ० | १,३२५ | १,६८० | ० | ० | १,६८० | २,०१६ | ० | ० | २,०१६ | १ | १ | ७ | २ | २ |
| ३१ | ५०१०८१२० | विद्युत उत्पादन कम्पनी लिमिटेड | २,५०० | २,५०० | ० | ० | २,५०० | ३,००० | ० | ० | ३,००० | ३,६०० | ० | ० | ३,६०० | ४ | १ | ७ | ३ | ३ |
| ३२ | ५०१०८१२१ | राष्ट्रिय प्रशारण ग्रीड कम्पनी लिमिटेड | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ५,००० | १२,००० | ० | ० | १२,००० | १४,४०० | ० | ० | १४,४०० | ३ | १ | ७ | ३ | ३ |
| ३३ | ५०१०८१२२ | अपर अरुण जलविद्युत आयोजना कम्पनी लिमिटेड | २,००० | ५,१३२ | ० | ० | ५,१३२ | ६,१५८ | ० | ० | ६,१५८ | ७,३९० | ० | ० | ७,३९० | १ | १ | ७ | २ | २ |
| ३४ | ५०१०८१२३ | पावर सेक्टर रिर्फम ऐण्ड सस्टेनबल हाईड्रोपावर डेभलपमेन्ट प्रोजेक्ट | १२१ | ५,४९९ | ० | ० | ५,४९९ | २,४६० | ० | ० | २,४६० | २,९५२ | ० | ० | २,९५२ | ४ | १ | ७ | ३ | ३ |
| ३५ | ५०१०८१२४ | नलगाड हाइड्रोपावर कम्पनी लिमिटेड | ४,००० | ५,००० | ० | ० | ५,००० | ९,००० | ० | ० | ९,००० | १०,८०० | ० | ० | १०,८०० | ४ | १ | ७ | २ | १ |
| ३६ | ५०१०८१२७ | विद्युत विकास दशक सम्बन्धी कार्ययोजना | १,३०५ | २२,२०० | ० | ० | २२,२०० | २६,६४० | ० | ० | २६,६४० | ३१,९६८ | ० | ० | ३१,९६८ | ४ | १ | ७ | ३ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ३७ | ५०१०८१२८ | सासेक- विद्युत प्रशारण तथा वितरण प्रणाली सुदृढीकरण आयोजना | ७५० | २५,००० | ० | ० | २५,००० | ६३,००० | ० | ० | ६३,००० | ६४,४०० | ० | ० | ६४,४०० | ४ | १ | ७ | १ | १ |
| ३८ | ५०१०८१२९ | नेपाल वितरण प्रणाली स्तरोन्नती तथा विस्तार आयोजना | २,००० | ३६,००० | ० | ० | ३६,००० | ६७,२०० | ० | ० | ६७,२०० | ६७,२०० | ० | ० | ६७,२०० | ४ | १ | ७ | १ | १ |
| ३९ | ५०१०८१३० | दुधकोसी जलाशययुक्त आयोजना | २,००० | ४,००० | ० | ० | ४,००० | ७४,००० | ० | ० | ७४,००० | ७४,००० | ० | ० | ७४,००० | १ | १ | ७ | १ | १ |
| | | **जम्मा** | **२५२,१०६** | **७०४,५२६** | **२९,६४४** | **११२,६९५** | **५६२,१८७** | **९५२,६८८** | **३८,४६५** | **१३९,५३६** | **७७४,६८७** | **१,०७९,८६५** | **४६,१५८** | **१६६,९६३** | **८६६,७४४** | | | | | |
| | **७.१.२** | **जलस्रोत** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०८०३१०६ | नदी नियन्त्रण | ४६,३९५ | ४०,३७७ | १,८९८ | ३८,४७९ | ० | ४२,००० | ३,००० | ३९,००० | ० | ४२,००० | ३,००० | ३९,००० | ० | ७ | १ | ११ | २ | १ |
| २ | ३०८०३१०७ | जल उत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण प्रविधि परियोजना | ८३० | ९४१ | ४६ | ८९५ | ० | १,२६० | ६० | १,२०० | ० | ४,२७० | ७० | ४,२०० | ० | ७ | २ | ११ | २ | १ |
| ३ | ३०८०३१०८ | भारतीय अनुदान सहयोगमा संचालित नदी नियन्त्रण आयोजना | ४८३ | ६,६३२ | ० | ६,६३२ | ० | २०,००० | ० | २०,००० | ० | २२,००० | ० | २२,००० | ० | ७ | १ | ११ | २ | २ |
| ४ | ३०८०३११८ | टार - बजार संरक्षण कार्यक्रम | ५,०६८ | २,४०० | ० | २,४०० | ० | २,८०० | ० | २,८०० | ० | ३,८०० | ० | ३,८०० | ० | ७ | १ | ११ | २ | १ |
| ५ | ३०८०३१२६ | नयाँ प्रविधिमा आधारित नदि नियन्त्रण कार्यक्रम | ८,६१२ | १०,२८० | १३० | १०,१५० | ० | ९,६३५ | १३५ | ९,५०० | ० | १०,१४५ | १४५ | १०,००० | ० | ७ | १ | ११ | २ | १ |
| ६ | ३०८०३१४८ | पुर्वी रासी लोथर- सौराहा नदि नियन्त्रण आयोजना | २८४ | १०० | ० | १०० | ० | ४०० | ० | ४०० | ० | ४२० | ० | ४२० | ० | ४ | १ | ११ | २ | २ |
| ७ | ३०८०३१५४ | जलस्रोत संरक्षण आयोजना | ० | २० | ० | २० | ० | ५५० | ५० | ५०० | ० | ७६० | ६० | ७०० | ० | ७ | १ | १३ | ३ | १ |
| ८ | ३०८०४१०१ | जलस्रोत अनुसन्धान तथा विकास केन्द्र | ९८० | १,६०२ | २८९ | १,३१३ | ० | २,०८० | २३० | १,८५० | ० | ३,२०६ | ३८२ | २,८२४ | ० | ७ | १ | १३ | ३ | ३ |
| ९ | ३०८८१०११ | भूमिगत जलस्रोत विकास समिति | ५४० | ८५६ | ४७९ | ३७७ | ० | ९१६ | ५०१ | ४१५ | ० | ९७६ | ५१९ | ४५७ | ० | ७ | २ | १६ | २ | २ |
| | | **जम्मा** | **६३,१९२** | **६३,२०८** | **२,८४२** | **६०,३६६** | **०** | **७९,६४१** | **३,९७६** | **७५,६६५** | **०** | **८७,५७७** | **४,१७६** | **८३,४०१** | **०** | | | | | |
| | **७.१.३** | **सिंचाइ** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०८०३०११ | जलस्रोत तथा सिंचाइ विभाग | २,०७३ | १,२४२ | १,२१९ | २३ | ० | १,९२९ | १,९१२ | १७ | ० | २,३१५ | २,२९४ | २१ | ० | ७ | १ | २ | २ | ३ |
| २ | ३०८०३०१२ | सिंचाइ व्यवस्थापन डिभिजन | ८२४ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ८ | १ | २ | २ | ३ |
| ३ | ३०८०३०१३ | यान्त्रिक कार्यालय | २१२ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ८ | २ | २ | १ | १ |
| ४ | ३०८०३१०१ | सिंचाइ संस्थागत विकास कार्यक्रम | २५६ | १,०२३ | २२९ | ७९४ | ० | १,०७० | २७० | ८०० | ० | १,३५२ | ३५२ | १,००० | ० | ४ | २ | २ | २ | १ |
| ५ | ३०८०३१०२ | सिंचाइ तथा जलस्रोत व्यवस्थापन आयोजना (सिंचाइ ) | ८७ | २४९ | १३३ | ११६ | ० | ५१७ | २१७ | ३०० | ० | ५९७ | २४७ | ३५० | ० | ४ | १ | २ | १ | १ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ६ | ३०८०३१०३ | सिंचाइ संभाव्यता अध्ययन तथा निर्माण गुणस्तर कार्यक्रम | ३३१ | १,९८१ | ३३ | १,९४८ | ० | १,७२० | २० | १,७०० | ० | १,९२२ | २२ | १,९०० | ० | ४ | २ | २ | १ | १ |
| ७ | ३०८०३१०४ | यान्त्रिक व्यवस्थापन कार्यक्रम | १७५ | ५५० | २५८ | २९२ | ० | ९५३ | ३४४ | ६०९ | ० | १,१८५ | ४१४ | ७७१ | ० | ४ | २ | २ | २ | ३ |
| ८ | ३०८०३१०५ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र आयोजना | १,६१० | ३,२३२ | २१५ | ३,०१७ | ० | ३,५५१ | २३२ | ३,३१९ | ० | ३,८९१ | २४० | ३,६५१ | ० | ४ | १ | २ | १ | १ |
| ९ | ३०८०३१०९ | मर्मत संभार आयोजनाहरु | ३,७९८ | ४,७६७ | १,२२१ | ३,५४६ | ० | ५,५८३ | १,५८३ | ४,००० | ० | ६,४०० | १,९०० | ४,५०० | ० | ४ | १ | २ | १ | १ |
| १० | ३०८०३११० | बृहत सरकारी सिंचाई योजनाको पुनर्स्थापना तथा व्यवस्थापन हस्तान्तरण | ५,२०२ | ३,६०८ | ७८ | ३,५३० | ० | ४,६०८ | १०८ | ४,५०० | ० | ५,१३० | १३० | ५,००० | ० | ४ | १ | २ | १ | २ |
| ११ | ३०८०३१११ | बागमती सिंचाइ आयोजना | ६,१३० | ८,३६८ | २९४ | ८,०७४ | ० | ९,६३० | ५०० | ९,१३० | ० | १०,७७० | ५५० | १०,२२० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| १२ | ३०८०३११२ | बबई सिंचाइ आयोजना | १४,३२३ | १३,४३९ | २७४ | १३,१६५ | ० | २५,३७० | ३७० | २५,००० | ० | ३०,४०० | ४०० | ३०,००० | ० | १ | १ | २ | १ | १ |
| १३ | ३०८०३११३ | महाकाली सिंचाइ आयोजना (कन्चनपुर) | ८,६४० | ११,९८४ | २३७ | ११,७४७ | ० | ३४,९८२ | ३२० | ३४,६६२ | ० | ५३,३४० | ३४० | ५३,००० | ० | ४ | १ | २ | २ | ३ |
| १४ | ३०८०३११४ | सुन्सरी मोरङ सिंचाइ आयोजना (तेस्रो) | ६,५१८ | ६,९८० | ३७० | ६,६१० | ० | ८,७०० | ५०० | ८,२०० | ० | ११,६०० | ६०० | ११,००० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| १५ | ३०८०३११५ | प्रगन्ना तथा बड्कापथ सिंचाइ आयोजना, दाङ | ३,५७३ | ३,४७५ | ११० | ३,३६५ | ० | ४,१२० | १२० | ४,००० | ० | ४,६३२ | १३२ | ४,५०० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| १६ | ३०८०३११६ | सिक्टा सिंचाइ आयोजना | १०,८०६ | १५,५८३ | ३५० | १५,२३३ | ० | २०,४०० | ४०० | २०,००० | ० | २२,४५० | ४५० | २२,००० | ० | १ | १ | २ | २ | २ |
| १७ | ३०८०३११७ | पालुङटार- कुण्डुटार सिंचाइ आयोजना | २१२ | ८५७ | १०० | ७५७ | ० | १,०८० | ८० | १,००० | ० | १,२९० | ९० | १,२०० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| १८ | ३०८०३११९ | रानी जमरा कुलरिया सिंचाइ आयोजना ( प्रणाली आधुनिकीकरण समेत) | १२,५२५ | २३,५१२ | ४७५ | २३,०३७ | ० | २५,५९१ | ५९१ | २५,००० | ० | २९,१४५ | ६४५ | २८,५०० | ० | १ | १ | २ | २ | २ |
| १९ | ३०८०३१२० | भेरी - बबई डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजना | १२,१३९ | ३०,६८३ | २७७ | ३०,४०६ | ० | ४०,३२० | ३२० | ४०,००० | ० | २०,३२० | ३२० | २०,००० | ० | १ | १ | २ | २ | २ |
| २० | ३०८०३१२१ | प्राथामिकता प्राप्त नदि बेशिन बाढी जोखिम व्यवस्थापन आयोजना | १,०४० | १३,३८८ | २४१ | १३,१४७ | ० | २१,९१६ | १८० | २१,७३६ | ० | ७,०९८ | २७२ | ६,८२६ | ० | ४ | १ | २ | २ | १ |
| २१ | ३०८०३१२२ | सिंचाइ पुनर्स्थापना आयोजना (कुवेत फण्ड) | १,४८३ | २८८ | १०६ | १८२ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४ | १ | २ | १ | २ |
| २२ | ३०८०३१२३ | समृद्ध तराई मधेस सिंचाइ विशेष कार्यक्रम | १४,२८७ | २३,४४२ | २८४ | २३,१५८ | ० | २५,२६५ | २६५ | २५,००० | ० | २६,२६५ | २६५ | २६,००० | ० | ४ | १ | २ | १ | १ |
| २३ | ३०८०३१२४ | सुनकोशी मरिन डाईभर्सन बहुउद्देशिय आयोजना | १२,४५४ | २३,६१० | १५८ | २३,४५२ | ० | ४०,१९० | १९० | ४०,००० | ० | ७०,३०० | ३०० | ७०,००० | ० | १ | १ | २ | ३ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| २४ | ३०८०३१२५ | बृहद् दाङ उपत्यका सिंचाई आयोजना | ५,४४७ | ३,३९१ | १३० | ३,२६१ | ० | ४,१०० | ३०० | ३,८०० | ० | ४,७५० | ३५० | ४,४०० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| २५ | ३०८०३१२७ | एकीकृत उर्जा तथा सिंचाई विषेश कार्यक्रम | २,३०२ | ९,०२२ | २४४ | ८,७७८ | ० | ९,९८४ | २८४ | ९,७०० | ० | १०,६६९ | ३६९ | १०,३०० | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| | | **जम्मा** | **१२६,४४७** | **२०४,६७४** | **७,०३६** | **१९७,६३८** | **०** | **२९१,५७९** | **९,१०६** | **२८२,४७३** | **०** | **३२५,८२१** | **१०,६८२** | **३१५,१३९** | **०** | | | | | |
| | **७.१.४** | **जल तथा मौसम विज्ञान** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०८०२०११ | जल तथा मौसम विज्ञान विभाग | २,८८६ | ६,८५१ | १,०९९ | ५,७५२ | ० | ७,३५० | १,२५० | ६,१०० | ० | ७,८२५ | १,३७५ | ६,४५० | ० | ७ | १ | १३ | १ | १ |
| २ | ३०८०२१०१ | जल तथा मौसम विज्ञान कार्यक्रम | १,८२० | ३,२९४ | १,३९७ | १,८९७ | ० | ३,८०० | १,७०० | २,१०० | ० | ४,२२० | १,८७० | २,३५० | ० | ७ | १ | १३ | ३ | ३ |
| ३ | ३०८०२१०२ | जलवायु प्रकोप समुत्थान निर्माण आयोजना | ४,२७३ | १,०८३ | ५२ | १,०३१ | ० | १,१२० | ७० | १,०५० | ० | १,२७० | ७० | १,२०० | ० | ७ | १ | १३ | २ | १ |
| | | **जम्मा** | **८,९७९** | **११,२२८** | **२,५४८** | **८,६८०** | **०** | **१२,२७०** | **३,०२०** | **९,२५०** | **०** | **१३,३१५** | **३,३१५** | **१०,०००** | **०** | | | | | |
| | **७.२** | **भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३३७०००११ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय | ७८६ | २,४७३ | १,१५५ | १,३१८ | ० | २,०३१ | १,४०० | ६३१ | ० | २,१२५ | १,४०४ | ७२१ | ० | ९ | १ | १६ | १ | ३ |
| २ | ३३७०००१२ | नेपाल पानीजहाज कार्यालय | ५४४ | ८५९ | १८४ | ६७५ | ० | ९०२ | १९७ | ७०५ | ० | २,१७९ | ८०४ | १,३७५ | ० | ३ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ३ | ३३७००१०१ | काठमांडौ-तराई मधेश फाष्ट ट्र्याक | ८७,३११ | ८९,२७९ | ८७५ | ८८,४०४ | ० | १५१,३२९ | १,३२९ | १५०,००० | ० | २०१,३७५ | १,३७५ | २००,००० | ० | १ | १ | ९ | २ | ३ |
| ४ | ३३७००१०२ | जल मार्ग | १५ | ४३ | २९ | १४ | ० | ४९ | ३३ | १६ | ० | ५३ | ३५ | १८ | ० | ३ | १ | ९ | १ | ३ |
| ५ | ३३७०१०११ | सडक विभाग | २,०९५ | ६,७०७ | १,५६७ | ५,१४० | ० | ५,१५६ | १,६५६ | ३,५०० | ० | ६,७१४ | १,७१४ | ५,००० | ० | ३ | १ | ११ | १ | ३ |
| ६ | ३३७०१०१२ | डिभिजन सडक कार्यालयहरु | ४,२५१ | ५,८०० | ५,४७० | ३३० | ० | ६,६९३ | ५,६९३ | १,००० | ० | ८,८९२ | ५,८९२ | ३,००० | ० | ३ | १ | ११ | १ | ३ |
| ७ | ३३७०१०१३ | हेभी इक्विप्मेन्ट डिभिजनहरु | ४,००७ | ४,७५६ | ३,९८० | ७७६ | ० | ५,१६९ | ४,१६९ | १,००० | ० | ६,३१५ | ४,३१५ | २,००० | ० | ३ | २ | ११ | १ | ३ |
| ८ | ३३७०१०१४ | मेकानिकल तालिम | १८१ | २४७ | २०७ | ४० | ० | २५३ | २२३ | ३० | ० | ३११ | २३१ | ८० | ० | २ | २ | ११ | १ | ३ |
| ९ | ३३७०१०१५ | गुणस्तर अनुसन्धान तथा विकास केन्द्र | ३७२ | ६४२ | २४२ | ४०० | ० | ५,२४८ | २४८ | ५,००० | ० | ६,०५७ | २५७ | ५,८०० | ० | ४ | २ | ११ | ३ | ३ |
| १० | ३३७०१०१७ | प्रदेश राजधानी जोड्ने राजमार्ग स्तरोन्नति कार्यक्रम | ० | ५०,००० | ० | ५०,००० | ० | ७०,००० | ० | ७०,००० | ० | ७०,००० | ० | ७०,००० | ० | १ | १ | ९ | २ | २ |
| ११ | ३३७०१०१८ | अरूण कोरिडोर | ० | १,८०० | ० | १,८०० | ० | २,००० | ० | २,००० | ० | २,००० | ० | २,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | २ |
| १२ | ३३७०१०१९ | बुटवल लिंक रोड (बाइपास) | ० | १,८०० | ० | १,८०० | ० | २,००० | ० | २,००० | ० | २,००० | ० | २,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | २ |
| १३ | ३३७०११०१ | सगरमाथा राजमार्ग(गाईघाट-दिक्तेल खण्ड) | १,०९१ | २,५९७ | ९७ | २,५०० | ० | २,०९९ | ९९ | २,००० | ० | ४,१०२ | १०२ | ४,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| १४ | ३३७०११०२ | बी.पी. राजमार्ग (सुर्यविनायक-धुलिखेल, धुलिखेल-सिन्धुली-बर्दिवास सडक आयोजना) | ३,८६२ | ९,१७३ | १७३ | ९,००० | ० | ९,१५४ | १५४ | ९,००० | ० | १२,१५९ | १५९ | १२,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| १५ | ३३७०११०३ | महाकाली कोरिडोर (ब्रम्हदेव-झुलाघाट-दार्चुला-टिङकर) | २,९८७ | १०,३०० | १०८ | १०,१९२ | ० | १३,११२ | ११२ | १३,००० | ० | १५,११६ | ११६ | १५,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| १६ | ३३७०११०४ | कान्ति राजपथ | २,१११ | ३,११८ | ११८ | ३,००० | ० | २,६२२ | १२२ | २,५०० | ० | २,६२६ | १२६ | २,५०० | ० | ३ | १ | १ | २ | ३ |
| १७ | ३३७०११०५ | गंगटे-समुन्द्रटार-गल्फुभन्ज्याङ सडक | ५०० | ४०० | ० | ४०० | ० | ८०० | ० | ८०० | ० | ९५० | ० | ९५० | ० | ३ | १ | १ | २ | ३ |
| १८ | ३३७०११०६ | कक्रहवा- रुद्रपुर- सालझण्डी-सन्धिखर्क- ढोरपाटन सडक | २,२३१ | ३,५९४ | ९४ | ३,५०० | ० | ६,०९८ | ९८ | ६,००० | ० | १२,१०१ | १०१ | १२,००० | ० | ३ | १ | १ | २ | ३ |
| १९ | ३३७०११०७ | दमक-चिसापानी सडक | ३,२२३ | ३,००० | ० | ३,००० | ० | ३,५०० | ० | ३,५०० | ० | ४,२०० | ० | ४,२०० | ० | ३ | २ | १ | २ | ३ |
| २० | ३३७०११०८ | मदन भण्डारी राजमार्ग (बाहुनडाँगी देखि रुपाल सम्म) | ५७,४६३ | २९,२६३ | ६१२ | २८,६५१ | ० | ३५,१२७ | ६४१ | ३४,४८६ | ० | ३८,५९८ | ६६३ | ३७,९३५ | ० | १ | १ | ९ | २ | ३ |
| २१ | ३३७०११०९ | गल्छी-त्रिशुली-मैलुङ्ग-स्याफ्रुवेशी-रसुवागढी सडक आयोजना | २०,४४७ | १६,२१७ | ११४ | १६,१०३ | ० | १८,६३८ | १२० | १८,५१८ | ० | २०,४९४ | १२४ | २०,३७० | ० | १ | १ | ९ | २ | ३ |
| २२ | ३३७०१११० | टनकपुर लिंक सडक | २६७ | २०० | ० | २०० | ० | ५०० | ० | ५०० | ० | ८०० | ० | ८०० | ० | ३ | २ | ९ | २ | ३ |
| २३ | ३३७०१११११ | सडक सुधार आयोजना | ४९,२४४ | ११८,६२४ | ६२७ | ११७,९९७ | ० | १३०,४५६ | ६५९ | १२९,७९७ | ० | ६२,०४८ | ६८२ | ६१,३६६ | ० | ३ | २ | ९ | २ | ३ |
| २४ | ३३७०१११२ | ११किलो छ्रेपेटार-भालुस्वारा-बारपाक सडक | १,२११ | १,५९९ | ९९ | १,५०० | ० | २,१०१ | १०१ | २,००० | ० | २,९०५ | १०५ | २,८०० | ० | ३ | १ | १ | २ | ३ |
| २५ | ३३७०१११३ | शहिद मार्ग (घोराही- नुवागाउँ- तिला- घर्तिगाउ- थवाङ-मुसिकोट-मैकोट) | १,७०९ | ५,६२६ | १२६ | ५,५०० | ० | ५,१९९ | १२९ | ५,०७० | ० | ७,१३४ | १३४ | ७,००० | ० | ३ | १ | १ | २ | ३ |
| २६ | ३३७०१११४ | पुष्पलाल राजमार्ग(मध्य पहाडी राजमार्ग) | ७२,८३४ | ८१,३३३ | ९८८ | ८०,३४५ | ० | ९३,४३० | १,०३३ | ९२,३९७ | ० | १०७,३२५ | १,०६९ | १०६,२५६ | ० | १ | १ | ९ | २ | ३ |
| २७ | ३३७०१११५ | सुर्खेत- दैलेख बजार-महावुलेक- गाल्जे भात्तडी, रतडा- नारम- गमगढी-नाक्चेलारना सडक | २,६६१ | ६,००० | ० | ६,००० | ० | ५,०१७ | ० | ५,०१७ | ० | ७,००० | ० | ७,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| २८ | ३३७०१११६ | भेरी करिडोर (जाजरकोट-दुनै-मरिम-तिन्जे धो) | १,२८५ | ६,०६७ | ० | ६,०६७ | ० | १२,००० | ० | १२,००० | ० | १०,००० | ० | १०,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| २९ | ३३७०१११७ | सडक क्षेत्र विकास आयोजना | ४,८०० | १,६४६ | १४५ | १,५०१ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ३० | ३३७०१११८ | उत्तर दक्षिण राजमार्ग(कर्णाली, कालीगण्डकी र कोशी) | २४,७१० | ४१,२५८ | ५६० | ४०,६९८ | ० | ५४,०८९ | ५८९ | ५३,५०० | ० | ६४,०१० | ६१० | ६३,४०० | ० | १ | १ | ९ | २ | ३ |
| ३१ | ३३७०१११९ | बेनीघाट-आरुघाट-लार्के भन्ज्याङ सडक | १,६७९ | २,००० | ० | २,००० | ० | ८०० | ० | ८०० | ० | १,५०० | ० | १,५०० | ० | ३ | १ | १ | २ | ३ |
| ३२ | ३३७०११२० | काठमाडौं उपत्यका सडक विस्तार आयोजना | २२,९९७ | ६,३९६ | २११ | ६,१८५ | ० | ६,७१७ | २१७ | ६,५०० | ० | ७,७२५ | २२५ | ७,५०० | ० | ३ | २ | ९ | २ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ३३ | ३३७०११२१ | डुम्रे- बेशीशहर- चामे -मनाङ सडक | १,७६८ | ७,६४६ | १४६ | ७,५०० | ० | १४,१५३ | १५३ | १४,००० | ० | १४,१५८ | १५८ | १४,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ३४ | ३३७०११२२ | स्थानीय सडक पुल निर्माण | ९४,८६३ | ६९,४४१ | ० | ६९,४४१ | ० | ७५,४५६ | ० | ७५,४५६ | ० | ८३,००१ | ० | ८३,००१ | ० | ३ | १ | १ | २ | ३ |
| ३५ | ३३७०११२३ | रणनैतिक सडक पुलहरुको विस्तृत संभाव्यता अध्ययन | २,२०२ | ६,७६६ | ० | ६,७६६ | ० | ६,००० | ० | ६,००० | ० | ८,००० | ० | ८,००० | ० | ३ | २ | ९ | २ | ३ |
| ३६ | ३३७०११२४ | काठमाडौ बाहिरी चक्रपथ | ० | २०० | ० | २०० | ० | ८०० | ० | ८०० | ० | ८४० | ० | ८४० | ० | ३ | २ | ९ | ३ | ३ |
| ३७ | ३३७०११२५ | महाकाली पुल निर्माण आयोजना | ७,४०७ | ९,०८४ | ८४ | ९,००० | ० | ४,०८५ | ८५ | ४,००० | ० | ४,०८८ | ८८ | ४,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ३८ | ३३७०११२६ | सेती राजमार्ग(टिकापुर-लोडे-चैनपुर-ताक्लाकोट) | १,४९८ | ६,१४६ | १४६ | ६,००० | ० | ३,१५० | १५० | ३,००० | ० | ९,१५५ | १५५ | ९,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ३९ | ३३७०११२७ | चेपाङ मार्ग (ठोरी-भण्डारा-लोथर-मलेखु) | ७७२ | १,००० | ० | १,००० | ० | १,००० | ० | १,००० | ० | २,५०० | ० | २,५०० | ० | ३ | १ | १ | २ | ३ |
| ४० | ३३७०११२८ | हुलाकी राजमार्ग (पुलहरु समेत) | १०२,०१५ | ६३,९४२ | ८०९ | ६३,१३३ | ० | ७०,५१४ | ८४८ | ६९,६६६ | ० | ७७,५१० | ८७७ | ७६,६३३ | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ४१ | ३३७०११३० | औद्योगिक कोरिडोर (व्यापारीक मार्ग) विस्तार आयोजना | ३३,२६४ | २२,१७८ | ५१६ | २१,६६२ | ० | २३,८१३ | ५३५ | २३,२७८ | ० | २६,१६० | ५५४ | २५,६०६ | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ४२ | ३३७०११३२ | रणनीतिक सडक पुल निर्माण तथा पुल पुलेसा संरक्षण | ३०,१८३ | ४१,४९० | ४९० | ४१,००० | ० | ४४,००८ | ५०८ | ४३,५०० | ० | ४५,५२६ | ५२६ | ४५,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ४३ | ३३७०११३३ | सासेक रोड कनेक्टिभिटी प्रोजेक्ट | ६,७०२ | २२० | १३४ | ८६ | ० | १३७ | १३७ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ४४ | ३३७०११३४ | चक्रपथ विस्तार आयोजना | १,२६६ | १६,०५४ | ८५ | १५,९६९ | ० | २३,०८८ | ८८ | २३,००० | ० | ३४,४१४ | ९१ | ३४,३२३ | ० | ३ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ४५ | ३३७०११३५ | नेपाल भारत क्षेत्रीय व्यापार तथा यातायात आयोजनाः मुग्लिङ नारायणगढ सडक खण्ड | १,८७२ | २,०८३ | ८३ | २,००० | ० | ८,५८८ | ८८ | ८,५०० | ० | १५,०९१ | ९१ | १५,००० | ० | ३ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ४६ | ३३७०११३६ | सडक तथा ट्राफिक सुरक्षा | १,५८३ | ५,०७७ | ७७ | ५,००० | ० | १०,०७५ | ७५ | १०,००० | ० | १०,०७८ | ७८ | १०,००० | ० | ८ | १ | ११ | ३ | २ |
| ४७ | ३३७०११३७ | सडक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | ५५,९२७ | १९,४७४ | ० | १९,४७४ | ० | ३०,००० | ० | ३०,००० | ० | ४५,००० | ० | ४५,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ४८ | ३३७०११३८ | राजमार्ग स्तरोन्नती तथा पुनर्स्थापना कार्यक्रम | ५३,९८७ | ८३,७६७ | ० | ८३,७६७ | ० | ८३,३४४ | ० | ८३,३४४ | ० | ९१,६७८ | ० | ९१,६७८ | ० | ३ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ४९ | ३३७०११३९ | नागढुङ्गा सुरुङमार्ग निर्माण आयोजना | २२,३५५ | ९८,४७८ | १३६ | ९८,३४२ | ० | ८०,१४१ | १४१ | ८०,००० | ० | ६०,१४६ | १४६ | ६०,००० | ० | १ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ५० | ३३७०११४० | सासेक सडक सुधार आयोजना | १२,५११ | ५०,४५८ | ४४७ | ५०,०११ | ० | ८३,०१९ | ५०१ | ८२,५१८ | ० | ९१,२८८ | ५१८ | ९०,७७० | ० | ३ | १ | ९ | ३ | २ |
| ५१ | ३३७०११४१ | मनाङ-मुस्ताङ-डोल्पा-जुम्ला सडक | ८२० | ३,५०० | ० | ३,५०० | ० | १,५०० | ० | १,५०० | ० | ७,००० | ० | ७,००० | ० | ३ | १ | १ | ३ | २ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ५२ | ३३७०११४२ | स्वर्ण सगरमाथा वृहत चक्रपथ (ओखलढुंगा-सोलु सल्लेरी- खोटाङ दिक्तेल-ओखलढुंगा) | ३६१ | ४,२०० | ० | ४,२०० | ० | २,७५० | ० | २,७५० | ० | ३,२०० | ० | ३,२०० | ० | ३ | १ | १ | ३ | २ |
| ५३ | ३३७०११४३ | तराई मधेस सडक पुर्वाधार विशेष कार्यक्रम | ५४,२२७ | १५,४९६ | ० | १५,४९६ | ० | २०,००० | ० | २०,००० | ० | २५,००० | ० | २५,००० | ० | ३ | १ | ९ | ३ | २ |
| ५४ | ३३७०११४४ | साँघुटार- ओखलढुङ्गा-कुइभिर सडक | ९२१ | १,३८० | ० | १,३८० | ० | १,१०० | ० | १,१०० | ० | ४,००० | ० | ४,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | २ |
| ५५ | ३३७०११४५ | सासेक राजमार्ग सुधार आयोजना | १२,८५१ | ४२,४०१ | २३७ | ४२,१६४ | ० | ६८,६४४ | २६३ | ६८,३८१ | ० | ७५,४९२ | २७२ | ७५,२२० | ० | ३ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ५६ | ३३७०११४६ | दोश्रो पुल सुधार तथा संभार आयोजना | ९ | ५,५०० | ० | ५,५०० | ० | ४०,००० | ० | ४०,००० | ० | ५०,००० | ० | ५०,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | २ |
| ५७ | ३३७०११६७ | क्षेत्रीय व्यापारिक मार्ग विस्तार आयोजना | ७५ | ६६,००० | ० | ६६,००० | ० | १०६,००० | ० | १०६,००० | ० | ७७,३६० | ० | ७७,३६० | ० | ३ | १ | ९ | २ | २ |
| ५८ | ३३७०११६८ | सुरुङ्ग मार्ग विकास कार्यक्रम | ४९ | १०,६६० | ० | १०,६६० | ० | १५,००० | ० | १५,००० | ० | २०,००० | ० | २०,००० | ० | १ | १ | ९ | ३ | १ |
| ५९ | ३३७०११६९ | बैकल्पिक सहायक राजमार्ग विकास कार्यक्रम | १२,६०० | ९४,६२६ | २६६ | ९४,३६० | ० | ४५,२७३ | २७३ | ४५,००० | ० | ५०,२८४ | २८४ | ५०,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | २ |
| ६० | ३३७०११७० | सासेक मुग्लिङ - पोखरा सडक योजना | ३,७८८ | ४८,१३२ | ८५ | ४८,०४७ | ० | ५८,४३७ | ८५ | ५८,३५२ | ० | ६४,२७५ | ८८ | ६४,१८७ | ० | ३ | १ | ९ | २ | २ |
| ६१ | ३३७०११७१ | काकरभिट्टा इनरुवा, पथलैया नारायणघाट खण्ड | ० | १०,३७५ | ० | १०,३७५ | ० | १२,९६९ | ० | १२,९६९ | ० | १५,५६३ | ० | १५,५६३ | ० | २ | १ | ९ | १ | २ |
| ६२ | ३३७०११७२ | मिर्चैया कटारी घुर्मी | ३१६ | ८,००० | ० | ८,००० | ० | १०,००० | ० | १०,००० | ० | १०,००० | ० | १०,००० | ० | २ | १ | ९ | २ | २ |
| ६३ | ३३७०११७३ | सुर्यविनायक धुलिखेल र कोटेश्वर बानेश्वर त्रिपुरेश्वर सडक | ० | २३,००० | ० | २३,००० | ० | २२,०२३ | ० | २२,०२३ | ० | २१,४७७ | ० | २१,४७७ | ० | २ | १ | ८ | २ | २ |
| ६४ | ३३७०११७४ | चतरा मूलघाट माझीटार दोभान ओलांगचुंगगोला (तमोर कोरिडोर)□ | ११,६४३ | १५,००० | ० | १५,००० | ० | २१,००० | ० | २१,००० | ० | २४,००० | ० | २४,००० | ० | २ | १ | ९ | २ | २ |
| ६५ | ३३७०११७५ | केचना कंचनजंघा (मेची करिडोर ) | १२० | ३,५०० | ० | ३,५०० | ० | ५,००० | ० | ५,००० | ० | ८,००० | ० | ८,००० | ० | २ | १ | ९ | २ | १ |
| ६६ | ३३७०११७६ | निर्वाचन क्षेत्र रणनैतिक सडक | १५१ | २३,२०७ | ० | २३,२०७ | ० | ४२,००० | ० | ४२,००० | ० | ३९,००० | ० | ३९,००० | ० | २ | १ | ९ | २ | २ |
| ६७ | ३३७०२०११ | रेलवे विभाग | ३६० | १०,९९९ | ३५९ | १०,६४० | ० | १,५०८ | ३८३ | १,१२५ | ० | १,७९३ | ३९३ | १,४०० | ० | ३ | १ | १६ | १ | ३ |
| ६८ | ३३७०२१०१ | रेल, मेट्रो रेल तथा मोनो रेल विकास आयोजना | ४६,१७३ | ६५,३२५ | २८० | ६५,०४५ | ० | १०२,५३२ | २४५ | १०२,२८७ | ० | ११२,७७० | २५४ | ११२,५१६ | ० | १ | १ | ९ | २ | ३ |
| ६९ | ३३७०३०११ | यातायात व्यवस्था विभाग | ३०१ | ४५८ | ४५८ | ० | ० | ४८० | ४८० | ० | ० | ५१० | ५१० | ० | ० | ८ | १ | १६ | १ | ३ |
| ७० | ३३७०३०१३ | सवारी परीक्षण कार्यालयहरु | २५१ | २,४४५ | ४२५ | २,०२० | ० | ३,५१८ | ५३८ | २,९८० | ० | ३,६८७ | ६२९ | ३,०५८ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | १ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ७१ | ३३७०३१०१ | यातायात व्यवस्था सुदृढीकरण आयोजना | १,४९४ | १९,२५९ | ६,२२१ | १३,०३८ | ० | २१,६७३ | ७,३३१ | १४,३४२ | ० | २३,३६४ | ७,५८८ | १५,७७६ | ० | ३ | १ | ११ | २ | ३ |
| ७२ | ३३७३१०११ | सडक बोर्ड | ७०,४०० | ७२,५०० | ७२,५०० | ० | ० | ७५,०३८ | ७५,०३८ | ० | ० | ७७,६६४ | ७७,६६४ | ० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| ७३ | ५०१३७१०१ | पूर्वाधार विकास तथा निर्माण कम्पनी | ० | ५,००० | ० | ० | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ५,००० | १ | १ | ९ | १ | ३ |
| | | **जम्मा** | **१,०२३,९५९** | **१,५६७,२८४** | **१०१,७६५** | **१,४६०,५१९** | **५,०००** | **१,८९५,१०५** | **१०६,९६७** | **१,७८३,१३८** | **५,०००** | **२,०२६,८८६** | **१११,२०७** | **१,९१०,६७९** | **५,०००** | | | | | |
| | **७.३** | **सञ्चार तथा सूचना प्रविधि** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३५८०००११ | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय | ३,९९८ | ६,७४१ | ६,५५६ | १८५ | ० | ८,२६८ | ७,००० | १,२६८ | ० | ८,७७४ | ७,५०० | १,२७४ | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | ३५८००१०१ | राष्ट्रिय सूचना प्रविधि केन्द्र | ९,२३९ | ७,४११ | १,५७३ | ५,८३८ | ० | ९,१५४ | १५४ | ९,००० | ० | ९,६५८ | १५८ | ९,५०० | ० | ३ | १ | ९ | ३ | ३ |
| ३ | ३५८०१०११ | मुद्रण विभाग | ६९९ | ९७१ | ८५३ | ११८ | ० | ९३० | ८८० | ५० | ० | ९६५ | ८९० | ७५ | ० | ४ | २ | १६ | ३ | ३ |
| ४ | ३५८०२०११ | सूचना तथा प्रशारण विभाग | १,२२२ | ५४५ | ३७१ | १७४ | ० | ६६३ | ४४४ | २१९ | ० | ६७८ | ४५४ | २२४ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| ५ | ३५८०३०११ | हुलाक सेवा विभाग | ४०१ | १,५४१ | १,४९७ | ४४ | ० | १,८७३ | १,८२८ | ४५ | ० | १,९१६ | १,८७० | ४६ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ६ | ३५८०३०१२ | हुलाक निर्देशनालयहरु | २,४२७ | २,३९१ | २,३१६ | ७५ | ० | २,६५५ | २,५७२ | ८३ | ० | २,७१४ | २,६३० | ८४ | ० | ८ | २ | १६ | ३ | ३ |
| ७ | ३५८०३०१३ | गोश्वारा हुलाक | १,९१७ | २,१३९ | १,९७९ | १६० | ० | २,११० | २,१०० | १० | ० | २,२१० | २,२०० | १० | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ८ | ३५८०३०१४ | जिल्ला हुलाक कार्यालयहरु | २७,०९६ | ३१,६५२ | ३१,०४६ | ६०६ | ० | ३४,६६८ | ३४,००० | ६६८ | ० | ३५,७२५ | ३५,०४२ | ६८३ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ९ | ३५८०३०१५ | हुलाक प्रशिक्षण केन्द्र | ९६ | १६१ | १५६ | ५ | ० | ३९१ | २१५ | १७६ | ० | ४३० | २५० | १८० | ० | ८ | २ | १६ | ३ | ३ |
| १० | ३५८०३०१६ | केन्द्रीय धनादेश कार्यालय | ८५ | १२७ | १२६ | १ | ० | १४४ | १४३ | १ | ० | १४७ | १४६ | १ | ० | ८ | २ | १६ | ३ | ३ |
| ११ | ३५८०३०१७ | केन्द्रीय टिकट भण्डार तथा फिलाटेलिक ब्यूरो | २३४ | ३९९ | ३९६ | ३ | ० | ४३९ | ४३७ | २ | ० | ४४९ | ४४७ | २ | ० | ८ | २ | १६ | २ | ३ |
| १२ | ३५८०४०११ | सुचना प्रविधि विभाग | २,५४३ | २,२७७ | ३३२ | १,९४५ | ० | ६४९ | ३५० | २९९ | ० | ६८० | ३७५ | ३०५ | ० | ३ | १ | १६ | २ | ३ |
| १३ | ३५८०५०११ | प्रमाणीकरण नियन्त्रकको कार्यालय | ३७० | ४६० | १९४ | २६६ | ० | ३८० | २५० | १३० | ० | ४०८ | २७५ | १३३ | ० | ८ | २ | ९ | ३ | ३ |
| १४ | ३५८२१०११ | राष्ट्रिय सूचना आयोग | ४३२ | ४७० | ४६२ | ८ | ० | ५४३ | ५३४ | ९ | ० | ५५५ | ५४६ | ९ | ० | ८ | २ | १६ | २ | ३ |
| १५ | ३५८४१०११ | प्रेस काउन्सिल | ५०४ | ४६९ | ४६९ | ० | ० | ५०० | ५०० | ० | ० | ५२५ | ५२५ | ० | ० | ८ | २ | १६ | २ | ३ |
| १६ | ३५८८१०११ | राष्ट्रिय समाचार समिति | १,३८३ | १,३३९ | १,३३९ | ० | ० | १,६५० | ० | ० | १,६५० | १,८१५ | ० | ० | १,८१५ | ८ | २ | १६ | २ | ३ |
| १७ | ३५८८१०१२ | न्यूनतम पारिश्रमिक निर्धारण समिति | ६७ | ६६ | ५९ | ७ | ० | ६७ | ६६ | १ | ० | ६९ | ६८ | १ | ० | ५ | २ | १६ | ३ | ३ |
| १८ | ३५८८१०१३ | रेडियो प्रसार सेवा विकास समिति | ३,२४३ | २,४०० | २,४०० | ० | ० | २,६४० | २,६४० | ० | ० | २,७०० | २,७०० | ० | ० | ८ | १ | ९ | २ | ३ |
| १९ | ३५८८१०१४ | सुरक्षण मुद्रण केन्द्र | ७,७५५ | १०,३३९ | १३८ | १०,२०१ | ० | १५,२५० | २५० | १५,००० | ० | २५,३०० | ३०० | २५,००० | ० | ८ | १ | ९ | ३ | ३ |
| २० | ५०१५८१०१ | नेपाल टेलीभिजन | १,५०० | ५,००० | ० | ० | ५,००० | १,६५० | ० | ० | १,६५० | १,८१५ | ० | ० | १,८१५ | ८ | १ | ९ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **६५,२११** | **७६,८९८** | **५२,२६२** | **१९,६३६** | **५,०००** | **८४,६२४** | **५४,३६३** | **२६,९६१** | **३,३००** | **९७,५३३** | **५६,३७६** | **३७,५२७** | **३,६३०** | | | | | |
| | **७.४** | **शहरी विकास** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३४७०००११ | शहरी विकास मन्त्रालय | ९६२ | १,०३६ | ९४६ | ९० | ० | १,३२० | १,२०० | १२० | ० | १,५५० | १,४०० | १५० | ० | ९ | १ | ११ | २ | ३ |
| २ | ३४७००१०१ | बागमती सुधार आयोजना | २३,४२५ | ३२,९३२ | १,२८५ | ३१,६४७ | ० | ३६,८०० | १,८०० | ३५,००० | ० | ४६,५३८ | ७,२८४ | ३९,२५४ | ० | ३ | १ | १५ | २ | १ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ३ | ३४७०१०११ | शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग | ६९४ | ९८६ | ९८६ | ० | ० | १,१०० | १,१०० | ० | ० | १,२०० | १,२०० | ० | ० | ३ | १ | ११ | ३ | ३ |
| ४ | ३४७०१०१२ | संघीय सचिवालय निर्माण तथा व्यवस्थापन कार्यालय | ४,५२९ | ५,२४३ | १,७४३ | ३,५०० | ० | ६,२६१ | २,३३९ | ३,९२२ | ० | ७,००५ | २,८६८ | ४,१३७ | ० | ८ | १ | ११ | ३ | ३ |
| ५ | ३४७०१०१३ | संघिय सहरी विकास आयोजना कार्यान्वयन कार्यालयहरु | १,७७२ | २,८३५ | २,०३५ | ८०० | ० | २,९०४ | २,१०० | ८०४ | ० | २,९२२ | २,२०० | ७२२ | ० | ३ | १ | ११ | २ | २ |
| ६ | ३४७०११०१ | आवास व्यवस्था कार्यक्रम | १,२४७ | १,४८५ | ८५५ | ६३० | ० | १,७०० | १,००० | ७०० | ० | १,८५० | १,१०० | ७५० | ० | ३ | २ | ११ | १ | २ |
| ७ | ३४७०११०२ | एकीकृत कार्यमूलक योजना (शहरी विकास) | १,१९० | २,५०३ | ३ | २,५०० | ० | २,९४२ | ४ | २,९३८ | ० | ३,२९२ | ५ | ३,२८७ | ० | ८ | २ | ११ | २ | ३ |
| ८ | ३४७०११०३ | सघन शहरी विकास कार्यक्रम | ९६,४१७ | ११६,३९० | ७५२ | ११५,६३८ | ० | ११५,८६५ | ८६५ | ११५,००० | ० | १३३,०६१ | १,०६१ | १३२,००० | ० | ३ | १ | ११ | २ | ३ |
| ९ | ३४७०११०५ | भवन निर्माण संहिता, सरकारी भवन निर्माण | २६,४७२ | २१,४८८ | ४६६ | २१,०२२ | ० | २७,८८४ | ३८४ | २७,५०० | ० | ३३,२७० | ४७१ | ३२,७९९ | ० | ८ | १ | ११ | ३ | ३ |
| १० | ३४७०११०७ | नेपाल - भारत सीमा एकीकृत जाँच चौकी विकास आयोजना | ११३ | ६२ | १२ | ५० | ० | ७३ | १५ | ५८ | ० | ८२ | १९ | ६३ | ० | ८ | २ | १७ | २ | ३ |
| ११ | ३४७०११०८ | शहरी शासकीय क्षमता विकास कार्यक्रम | ८२१ | ३,२७० | २९६ | २,९७४ | ० | २४,५६२ | २४,१९२ | ३७० | ० | २७,४८४ | २६,००० | १,४८४ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| १२ | ३४७०१११० | नयाँ सहर आयोजना | १६,१२५ | ३०,५८९ | ९८२ | २९,६०७ | ० | ४२,५९१ | १,१६० | ४१,४३१ | ० | ४७,०६४ | १,४२२ | ४५,६४२ | ० | ३ | २ | ११ | २ | ३ |
| १३ | ३४७०१११११ | क्षेत्रीय शहरी विकास कार्यक्रम | २३,९८१ | ३३,१८१ | ५,०७८ | २८,१०३ | ० | ३७,००० | ६,००० | ३१,००० | ० | ४१,९०० | ७,५०० | ३४,४०० | ० | ३ | १ | ११ | १ | २ |
| १४ | ३४७०१११४ | एकिकृत बस्ती विकास कार्यक्रम | २,५६९ | ९,७२० | ० | ९,७२० | ० | ९,५०० | ० | ९,५०० | ० | ११,००० | ० | ११,००० | ० | ७ | १ | ११ | २ | ३ |
| १५ | ३४७०१११७ | विशेष भवन निर्माण आयोजना | २६,०८९ | २६,६५३ | १७८ | २६,४७५ | ० | ३१,७९४ | २२४ | ३१,५७० | ० | ३५,५७५ | २७५ | ३५,३०० | ० | ८ | १ | ११ | १ | ३ |
| १६ | ३४७०१११८ | शहरी कोरिडोर आयोजना | २३ | १,०६८ | ६६ | १,००२ | ० | १,४९० | ८७ | १,४०३ | ० | १,६६८ | १०७ | १,५६१ | ० | २ | १ | ११ | ३ | ३ |
| १७ | ३४७५११०१ | नगर विकास कोष | १,७७६ | २,७०० | २,७०० | ० | ० | ३,१७३ | ३,१७३ | ० | ० | ३,५५१ | ३,५५१ | ० | ० | ३ | २ | ११ | २ | ३ |
| १८ | ३४७७११०१ | काठमाण्डौ उपत्यका विकास प्राधिकरण | १४,६३९ | १३,६०१ | ९९४ | १२,६०७ | ० | ९,९८९ | १,२८० | ८,७०९ | ० | १३,१३६ | १,५७० | ११,५६६ | ० | ३ | १ | ११ | ३ | ३ |
| १९ | ३४७७११०२ | धोविखोला कोरिडोर सुधार आयोजना | २,७३७ | १,८५७ | ५७ | १,८०० | ० | ९९९ | ६० | ९३९ | ० | १,३०६ | ७० | १,२३६ | ० | ३ | २ | ९ | २ | २ |
| २० | ५०१४७१०१ | नगर विकास कोष - खानेपानी क्षेत्र | ६,८०० | ७,०३७ | ० | ० | ७,०३७ | २,००० | ० | ० | २,००० | २,२०० | ० | ० | २,२०० | ३ | १ | ६ | ३ | २ |
| २१ | ५०१४७१०६ | नगर विकास कोष | ६,१५५ | ६,१५५ | ० | ० | ६,१५५ | ६,८६१ | ० | ० | ६,८६१ | ७,५४७ | ० | ० | ७,५४७ | ३ | २ | ११ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **२५८,५३६** | **३२०,७९१** | **१९,४३४** | **२८८,१६५** | **१३,१९२** | **३६६,८०८** | **४६,९८३** | **३१०,९६४** | **८,८६१** | **४२३,२०१** | **५८,१०३** | **३५५,३५१** | **९,७४७** | | | | | |
| | **७.५** | **पुनर्निर्माण** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३९२०००११ | राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण | ५२९,७१७ | ३७२,२५५ | ५८,११४ | ३१४,१४१ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ७ | १ | ११ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **५२९,७१७** | **३७२,२५५** | **५८,११४** | **३१४,१४१** | **०** | **०** | **०** | **०** | **०** | **०** | **०** | **०** | **०** | | | | | |
| | | **कुल जम्मा** | **२,३२८,१४७** | **३,३२०,८६४** | **२७३,६४५** | **२,४६१,८४०** | **५८५,३७९** | **३,६८२,७१५** | **२६२,८८०** | **२,६२७,९८७** | **७९१,८४८** | **४,०५४,१९८** | **२९०,०१७** | **२,८७९,०६०** | **८८५,१२१** | | | | | |

# अनुसूची ७.२

## पूर्वाधार क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | ७.१.१ | ऊर्जा | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०८०००११ | ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मन्त्रालय | १,६२१ | १,६२१ | ० | ० | २,००४ | २,००४ | ० | ० | २,४०५ | २,४०५ | ० | ० |
| २ | ३०८००१०१ | बुढी गण्डकी जलविद्युत आयोजना | ७९,९५८ | ७९,९५८ | ० | ० | ९६,१३८ | ९६,१३८ | ० | ० | ११५,३६६ | ११५,३६६ | ० | ० |
| ३ | ३०८००१०२ | विद्युत विकास दशक सम्बन्धी कार्ययोजना | १३३ | १३३ | ० | ० | १९२ | १९२ | ० | ० | २३० | २३० | ० | ० |
| ४ | ३०८००१०३ | वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्र | १०,५४९ | १०,५४९ | ० | ० | १३,२०० | १३,२०० | ० | ० | १५,८४० | १५,८४० | ० | ० |
| ५ | ३०८००१०४ | राष्ट्रिय ग्रामीण तथा नवीकरणीय उर्जा कार्यक्रम | १६,९७४ | ९,११४ | ६,३६० | १,५०० | २२,८०० | १३,८०० | ७,००० | २,००० | २७,३६० | ७,२६० | २,४०० | १७,७०० |
| ६ | ३०८०१०११ | विद्युत विकास विभाग | १,२५८ | १,२५८ | ० | ० | १,७३० | १,७३० | ० | ० | २,०७५ | २,०७५ | ० | ० |
| ७ | ३०८०११०१ | विद्युत विकासमा निजी क्षेत्रको प्रवर्द्धन | १४ | १४ | ० | ० | १८ | १८ | ० | ० | २२ | २२ | ० | ० |
| ८ | ३०८०११०२ | सप्तकोशी बहुउद्देश्यीय आयोजना | ४४२ | १४२ | ३०० | ० | ५६३ | १६३ | ४०० | ० | ६७६ | २२१ | ४५५ | ० |
| ९ | ३०८०११०३ | पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय आयोजना | ८४ | ८४ | ० | ० | ९८ | ९८ | ० | ० | ११८ | ११८ | ० | ० |
| १० | ३०८०११०४ | जलविद्युत आयोजना अध्ययन | १२,८२२ | १२,८२२ | ० | ० | १६,८३९ | १६,८३९ | ० | ० | २०,२०६ | २०,२०६ | ० | ० |
| ११ | ३०८०११०६ | बुढीगंगा जलविद्युत आयोजना | १५,५९८ | १,८९० | ० | १३,७०८ | १९,९०६ | १०६ | ० | १९,८०० | २३,४०७ | २,८४७ | ० | २०,५६० |
| १२ | ३०८२१०१२ | जल तथा ऊर्जा आयोग | ८६७ | ८६७ | ० | ० | १,४८९ | १,४८९ | ० | ० | १,७८७ | १,७८७ | ० | ० |
| १३ | ३०८२१०१३ | नदि बेसिन योजना तथा जलविद्युत विकास गुरुयोजना तर्जुमा आयोजना | २,०१९ | २,०१९ | ० | ० | ३,०२४ | ३,०२४ | ० | ० | ३,६२९ | ३,६२९ | ० | ० |
| १४ | ५०१०८१०१ | १३२ के.भी. तथा अन्य प्रसारण लाईन विस्तार | १७८,६०० | १५,७०० | १२,१५० | १५०,७५० | २०९,८९२ | १०,५९२ | १२,५०० | १८६,८०० | २५१,८७० | २१,२७५ | २,००० | २२८,५९५ |
| १५ | ५०१०८१०२ | थानकोट-चापागाउं-भक्तपुर १३२ के.भी | १०० | १०० | ० | ० | १२० | १२० | ० | ० | १४४ | १४४ | ० | ० |
| १६ | ५०१०८१०३ | अन्य ३३ के.भी. तथा सब-स्टेशन आयोजनाहरु | ६८,५०० | ५,००० | ४,५०० | ५९,००० | ७९,२०० | ४,२८२ | ९,९१८ | ६५,००० | ९५,०४० | ३,९३७ | ६,२४४ | ८४,८५९ |
| १७ | ५०१०८१०४ | जलविद्युत सुदृढीकरण आयोजना | १,७३० | १,५०० | ० | २३० | २,०७६ | १,८०० | ० | २७६ | २,४९१ | २,१६० | ० | ३३१ |
| १८ | ५०१०८१०५ | सामुदायिक तथा अन्य ग्रामीण विद्युतीकरण | ४०,००० | २६,७०० | ० | १३,३०० | ४,२०० | ४,२०० | ० | ० | ४,४०० | ४,४०० | ० | ० |
| १९ | ५०१०८१०६ | कुलेखानी तेस्रो जलविद्युत आयोजना (१४ मे.वा.) | ५०० | ५०० | ० | ० | ६०० | ६०० | ० | ० | ७२० | ७२० | ० | ० |
| २० | ५०१०८१०७ | चमेलियागाड जल विद्युत आयोजना (३० मे.वा.) | १०० | १०० | ० | ० | १२० | १२० | ० | ० | १४४ | १४४ | ० | ० |
| २१ | ५०१०८१०८ | जलाशययुक्त आयोजनाहरुको छनौट तथा संभाव्यता अध्ययन | १,४५० | १,४५० | ० | ० | २,०४० | २,०४० | ० | ० | २,४४८ | २,४४८ | ० | ० |
| २२ | ५०१०८१०९ | ठुला तथा मझौला जलविद्युत अध्ययन आयोजना | २०० | २०० | ० | ० | २४० | २४० | ० | ० | २८८ | २८८ | ० | ० |
| २३ | ५०१०८१११ | माथिल्लो त्रिशुली (३ए) जलविद्युत आयोजना (६० मे.वा.) | ६,८०० | ८०० | ० | ६,००० | ८,१६० | ५६० | ० | ७,६०० | ९,७९२ | ६६४ | ० | ९,१२८ |
| २४ | ५०१०८११२ | राहुघाट जलविद्युत आयोजना (२७ मे.वा. ) | १६,७०० | ७०० | ० | १६,००० | २०,०४० | ८४० | ० | १९,२०० | २४,०४८ | १,००० | ० | २३,०४८ |
| २५ | ५०१०८११३ | तनहुँ जलविद्युत आयोजना (१४० मे.वा.) | ४२,५०० | २,५०० | ० | ४०,००० | ७०,००० | ४,००० | ० | ६६,००० | ६१,२०० | २,६०० | ० | ५८,६०० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २६ | ५०१०८११४ | माथिल्लो मोदी जल विद्युत आयोजना | ८०० | ८०० | ० | ० | १,८०० | १,८०० | ० | ० | २,१६० | २,१६० | ० | ० |
| २७ | ५०१०८११५ | नेपाल भारत विद्युत प्रशारण | ४०,७५१ | २,१०० | १,००० | ३७,६५१ | ४८,९०१ | २,४०१ | १,५०० | ४५,००० | ५८,६८१ | २,०२४ | १,४४० | ५५,२१७ |
| २८ | ५०१०८११६ | पुर्ननविकरणीय तथा क्षमता विस्तार आयोजना | ५१,८०० | १,८०० | ० | ५०,००० | ६२,१६० | २,१६० | ० | ६०,००० | ७४,५९२ | १,४९२ | ० | ७३,१०० |
| २९ | ५०१०८११७ | तामाकोशी पाचौं जलविद्युत आयोजना | १,३२५ | ९२५ | ४०० | ० | १,६८० | १,१७३ | ५०७ | ० | २,०१६ | १,४०७ | ६०९ | ० |
| ३० | ५०१०८१२० | विद्युत उत्पादन कम्पनी लिमिटेड | २,५०० | २,५०० | ० | ० | ३,००० | ३,००० | ० | ० | ३,६०० | ३,६०० | ० | ० |
| ३१ | ५०१०८१२१ | राष्ट्रिय प्रशारण ग्रीड कम्पनी लिमिटेड | ५,००० | ५,००० | ० | ० | १२,००० | १२,००० | ० | ० | १४,४०० | १४,४०० | ० | ० |
| ३२ | ५०१०८१२२ | अपर अरुण जलविद्युत आयोजना कम्पनी लिमिटेड | ५,१३२ | २,००० | ० | ३,१३२ | ६,१५८ | १,९०८ | ० | ४,२५० | ७,३९० | १,८९० | ० | ५,५०० |
| ३३ | ५०१०८१२३ | पावर सेक्टर रिर्फम ऐण्ड सस्टेनबल हाईड्रोपावर डेभलपमेन्ट प्रोजेक्ट | ५,४९९ | १०० | ० | ५,३९९ | २,४६० | ६० | ० | २,४०० | २,९५२ | ० | ० | २,९५२ |
| ३४ | ५०१०८१२४ | नलगाड हाइड्रोपावर कम्पनी लिमिटेड | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ९,००० | ९,००० | ० | ० | १०,८०० | १०,८०० | ० | ० |
| ३५ | ५०१०८१२७ | विद्युत विकास दशक सम्बन्धी कार्ययोजना | २२,२०० | ३,५०० | ० | १८,७०० | २६,६४० | ४,२०० | ० | २२,४४० | ३१,९६८ | १,९६८ | ० | ३०,००० |
| ३६ | ५०१०८१२८ | सासेक- विद्युत प्रशारण तथा वितरण प्रणाली सुदृढीकरण आयोजना | २५,००० | १,००० | ४,००० | २०,००० | ६३,००० | ३,१२४ | ८७६ | ५९,००० | ६४,४०० | ३,३४९ | १,०५१ | ६०,००० |
| ३७ | ५०१०८१२९ | नेपाल वितरण प्रणाली स्तरोन्नती तथा विस्तार आयोजना | ३६,००० | १,००० | ० | ३५,००० | ६७,२०० | ७,२०० | ० | ६०,००० | ६७,२०० | ६,२०० | ० | ६१,००० |
| ३८ | ५०१०८१३० | दुधकोसी जलाशययुक्त आयोजना | ४,००० | ८०० | ३,२०० | ० | ७४,००० | ३,८५५ | १४५ | ७०,००० | ७४,००० | ३,८२६ | १७४ | ७०,००० |
| | | **जम्मा** | **७०४,५२६** | **२०२,२४६** | **३१,९१०** | **४७०,३७०** | **९५२,६८८** | **२३०,०७६** | **३२,८४६** | **६८९,७६६** | **१,०७९,८६५** | **२६४,९०२** | **१४,३७३** | **८००,५९०** |
| | **७.१.२** | **जलस्रोत** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०८०३१०६ | नदी नियन्त्रण | ४०,३७७ | २२,५८७ | ० | १७,७९० | ४२,००० | ४२,००० | ० | ० | ४२,००० | ४२,००० | ० | ० |
| २ | ३०८०३१०७ | जल उत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण प्रविधि परियोजना | ९४१ | ९४१ | ० | ० | १,२६० | १,२६० | ० | ० | ४,२७० | ४,२७० | ० | ० |
| ३ | ३०८०३१०८ | भारतीय अनुदान सहयोगमा संचालित नदी नियन्त्रण आयोजना | ६,६३२ | ८२ | ६,५५० | ० | २०,००० | ५०० | १९,५०० | ० | २२,००० | ५०० | २१,५०० | ० |
| ४ | ३०८०३११८ | टार - बजार संरक्षण कार्यक्रम | २,४०० | २,४०० | ० | ० | २,८०० | २,८०० | ० | ० | ३,८०० | ३,८०० | ० | ० |
| ५ | ३०८०३१२६ | नयाँ प्रविधिमा आधारित नदि नियन्त्रण कार्यक्रम | १०,२८० | ९,८१० | ० | ४७० | ९,६३५ | ९,६३५ | ० | ० | १०,१४५ | १०,१४५ | ० | ० |
| ६ | ३०८०३१४८ | पुर्वी रासी लोथर- सौराहा नदि नियन्त्रण आयोजना | १०० | १०० | ० | ० | ४०० | ४०० | ० | ० | ४२० | ४२० | ० | ० |
| ७ | ३०८०३१५४ | जलस्रोत संरक्षण आयोजना | २० | २० | ० | ० | ५५० | ५५० | ० | ० | ७६० | ७६० | ० | ० |
| ८ | ३०८०४१०१ | जलस्रोत अनुसन्धान तथा विकास केन्द्र | १,६०२ | १,६०२ | ० | ० | २,०८० | २,०८० | ० | ० | ३,२०६ | ३,२०६ | ० | ० |
| ९ | ३०८८१०११ | भूमिगत जलस्रोत विकास समिति | ८५६ | ८५६ | ० | ० | ९१६ | ९१६ | ० | ० | ९७६ | ९७६ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **६३,२०८** | **३८,३९८** | **६,५५०** | **१८,२६०** | **७९,६४१** | **६०,१४१** | **१९,५००** | **०** | **८७,५७७** | **६६,०७७** | **२१,५००** | **०** |
| | **७.१.३** | **सिंचाइ** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०८०३०११ | जलस्रोत तथा सिंचाइ विभाग | १,२४२ | १,२४२ | ० | ० | १,९२९ | १,९२९ | ० | ० | २,३१५ | २,३१५ | ० | ० |
| २ | ३०८०३१०१ | सिंचाइ संस्थागत विकास कार्यक्रम | १,०२३ | १,०२३ | ० | ० | १,०७० | १,०७० | ० | ० | १,३५२ | १,३५२ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ३ | ३०८०३१०२ | सिंचाइ तथा जलस्रोत व्यवस्थापन आयोजना (सिंचाइ ) | २४९ | २४९ | ० | ० | ५१७ | ५१७ | ० | ० | ५९७ | ५९७ | ० | ० |
| ४ | ३०८०३१०३ | सिंचाइ संभाव्यता अध्ययन तथा निर्माण गुणस्तर कार्यक्रम | १,९८१ | १,९८१ | ० | ० | १,७२० | १,७२० | ० | ० | १,९२२ | १,९२२ | ० | ० |
| ५ | ३०८०३१०४ | यान्त्रिक व्यवस्थापन कार्यक्रम | ५५० | ५५० | ० | ० | ९५३ | ९५३ | ० | ० | १,१८५ | १,१८५ | ० | ० |
| ६ | ३०८०३१०५ | समुदाय व्यवस्थित सिंचित कृषि क्षेत्र आयोजना | ३,२३२ | ६८५ | ० | २,५४७ | ३,५५१ | ५५१ | ० | ३,००० | ३,८९१ | ८९१ | ० | ३,००० |
| ७ | ३०८०३१०९ | मर्मत संभार आयोजनाहरु | ४,७६७ | ४,७६७ | ० | ० | ५,५८३ | ५,५८३ | ० | ० | ६,४०० | ६,४०० | ० | ० |
| ८ | ३०८०३११० | बृहत सरकारी सिंचाई योजनाको पुनर्स्थापना तथा व्यवस्थापन हस्तान्तरण | ३,६०८ | ३,६०८ | ० | ० | ४,६०८ | ४,६०८ | ० | ० | ५,१३० | ५,१३० | ० | ० |
| ९ | ३०८०३१११ | बागमती सिंचाइ आयोजना | ८,३६८ | ४,४१२ | ० | ३,९५६ | ९,६३० | ९,६३० | ० | ० | १०,७७० | १०,७७० | ० | ० |
| १० | ३०८०३११२ | बबई सिंचाइ आयोजना | १३,४३९ | ८,४३९ | ० | ५,००० | २५,३७० | २५,३७० | ० | ० | ३०,४०० | ३०,४०० | ० | ० |
| ११ | ३०८०३११३ | महाकाली सिंचाइ आयोजना (कन्चनपुर) | ११,९८४ | ४,४८४ | ० | ७,५०० | ३४,९८२ | ३४,९८२ | ० | ० | ५३,३४० | ५३,३४० | ० | ० |
| १२ | ३०८०३११४ | सुन्सरी मोरङ सिंचाइ आयोजना (तेस्रो) | ६,९८० | ३,९७९ | ० | ३,००१ | ८,७०० | ८,७०० | ० | ० | ११,६०० | ११,६०० | ० | ० |
| १३ | ३०८०३११५ | प्रगन्ना तथा बड्कापथ सिंचाइ आयोजना, दाङ | ३,४७५ | ३,४७५ | ० | ० | ४,१२० | ४,१२० | ० | ० | ४,६३२ | ४,६३२ | ० | ० |
| १४ | ३०८०३११६ | सिक्टा सिंचाइ आयोजना | १५,५८३ | १३,८२२ | ० | १,७६१ | २०,४०० | ६,९०० | ० | १३,५०० | २२,४५० | १,३०४ | ० | २१,१४६ |
| १५ | ३०८०३११७ | पालुडटार- कुण्डुटार सिंचाइ आयोजना | ८५७ | ८५७ | ० | ० | १,०८० | १,०८० | ० | ० | १,२९० | १,२९० | ० | ० |
| १६ | ३०८०३११९ | रानी जमरा कुलरिया सिंचाइ आयोजना ( प्रणाली आधुनिकीकरण समेत) | २३,५१२ | १,३९९ | ० | २२,११३ | २५,५९१ | ८,७६८ | ० | १६,८२३ | २९,१४५ | २०,६८७ | ० | ८,४५८ |
| १७ | ३०८०३१२० | भेरी - ववई डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजना | ३०,६८३ | २०,६८३ | ० | १०,००० | ४०,३२० | ४०,३२० | ० | ० | २०,३२० | २०,३२० | ० | ० |
| १८ | ३०८०३१२१ | प्राथामिकता प्राप्त नदि बेशिन बाढी जोखिम व्यवस्थापन आयोजना | १३,३८८ | २,०३७ | १,७९५ | ९,५५६ | २१,९१६ | १,९१६ | ३,००० | १७,००० | ७,०९८ | १,०८४ | ९५१ | ५,०६३ |
| १९ | ३०८०३१२२ | सिंचाइ पुनर्स्थापना आयोजना (कुवेत फण्ड) | २८८ | १६८ | ० | १२० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २० | ३०८०३१२३ | समृद्ध तराई मधेस सिंचाइ विशेष कार्यक्रम | २३,४४२ | ८,४४२ | ० | १५,००० | २५,२६५ | २५,२६५ | ० | ० | २६,२६५ | २६,२६५ | ० | ० |
| २१ | ३०८०३१२४ | सुनकोशी मरिन डाईभर्सन बहुउद्देशिय आयोजना | २३,६१० | १३,६१० | ० | १०,००० | ४०,१९० | ४०,१९० | ० | ० | ७०,३०० | ७०,३०० | ० | ० |
| २२ | ३०८०३१२५ | बृहद् दाङ उपत्यका सिंचाई आयोजना | ३,३९१ | ३,३९१ | ० | ० | ४,१०० | ४,१०० | ० | ० | ४,७५० | ४,७५० | ० | ० |
| २३ | ३०८०३१२७ | एकीकृत उर्जा तथा सिंचाई विषेश कार्यक्रम | ९,०२२ | ९,०२२ | ० | ० | ९,९८४ | ९,९८४ | ० | ० | १०,६६९ | १०,६६९ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **२०४,६७४** | **११२,३२५** | **१,७९५** | **९०,५५४** | **२९१,५७९** | **२३८,२५६** | **३,०००** | **५०,३२३** | **३२५,८२१** | **२८७,२०३** | **९५१** | **३७,६६७** |
| | **७.१.४** | **जल तथा मौसम विज्ञान** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०८०२०११ | जल तथा मौसम विज्ञान विभाग | ६,८५१ | ६,८५१ | ० | ० | ७,३५० | ७,३५० | ० | ० | ७,८२५ | ७,८२५ | ० | ० |
| २ | ३०८०२१०१ | जल तथा मौसम विज्ञान कार्यक्रम | ३,२९४ | ३,२९४ | ० | ० | ३,८०० | ३,८०० | ० | ० | ४,२२० | ४,२२० | ० | ० |
| ३ | ३०८०२१०२ | जलवायु प्रकोप समुत्थान निर्माण आयोजना | १,०८३ | १,०८३ | ० | ० | १,१२० | १,१२० | ० | ० | १,२७० | १,२७० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **११,२२८** | **११,२२८** | **०** | **०** | **१२,२७०** | **१२,२७०** | **०** | **०** | **१३,३१५** | **१३,३१५** | **०** | **०** |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | ७.२ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३३७०००११ | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय | २,४७३ | २,४७३ | ० | ० | २,०३१ | २,०३१ | ० | ० | २,१२५ | २,१२५ | ० | ० |
| २ | ३३७०००१२ | नेपाल पानीजहाज कार्यालय | ८५९ | ८५९ | ० | ० | ९०२ | ९०२ | ० | ० | २,१७९ | २,१७९ | ० | ० |
| ३ | ३३७००१०१ | काठमांडौ-तराई मधेश फाष्ट ट्र्याक | ८९,२७९ | २९,२७९ | ० | ६०,००० | १५१,३२९ | १५१,३२९ | ० | ० | २०१,३७५ | २०१,३७५ | ० | ० |
| ४ | ३३७००१०२ | जल मार्ग | ४३ | ४३ | ० | ० | ४९ | ४९ | ० | ० | ५३ | ५३ | ० | ० |
| ५ | ३३७०१०११ | सडक विभाग | ६,७०७ | ६,७०७ | ० | ० | ५,१५६ | ५,१५६ | ० | ० | ६,७१४ | ६,७१४ | ० | ० |
| ६ | ३३७०१०१२ | डिभिजन सडक कार्यालयहरु | ५,८०० | ५,८०० | ० | ० | ६,६९३ | ६,६९३ | ० | ० | ८,८९२ | ८,८९२ | ० | ० |
| ७ | ३३७०१०१३ | हेभी इक्विप्मेन्ट डिभिजनहरु | ४,७५६ | ४,७५६ | ० | ० | ५,१६९ | ५,१६९ | ० | ० | ६,३१५ | ६,३१५ | ० | ० |
| ८ | ३३७०१०१४ | मेकानिकल तालिम | २४७ | २४७ | ० | ० | २५३ | २५३ | ० | ० | ३११ | ३११ | ० | ० |
| ९ | ३३७०१०१५ | गुणस्तर अनुसन्धान तथा विकास केन्द्र | ६४२ | ६४२ | ० | ० | ५,२४८ | ५,२४८ | ० | ० | ६,०५७ | ६,०५७ | ० | ० |
| १० | ३३७०१०१७ | प्रदेश राजधानी जोड्ने राजमार्ग स्तरोन्नति कार्यक्रम | ५०,००० | ० | ० | ५०,००० | ७०,००० | ० | ० | ७०,००० | ७०,००० | ० | ० | ७०,००० |
| ११ | ३३७०१०१८ | अरूण कोरिडोर | १,८०० | १,८०० | ० | ० | २,००० | २,००० | ० | ० | २,००० | २,००० | ० | ० |
| १२ | ३३७०१०१९ | बुटवल लिंक रोड (बाइपास) | १,८०० | १,८०० | ० | ० | २,००० | २,००० | ० | ० | २,००० | २,००० | ० | ० |
| १३ | ३३७०११०१ | सगरमाथा राजमार्ग(गाईघाट-दिक्तेल खण्ड) | २,५९७ | २,५९७ | ० | ० | २,०९९ | २,०९९ | ० | ० | ४,१०२ | ४,१०२ | ० | ० |
| १४ | ३३७०११०२ | वी.पी. राजमार्ग (सुर्यविनायक-धुलिखेल, धुलिखेल-सिन्धुली- बर्दिवास सडक आयोजना) | ९,१७३ | ४,१७३ | ५,००० | ० | ९,१५४ | ४,१५४ | ५,००० | ० | १२,१५९ | ७,१५९ | ५,००० | ० |
| १५ | ३३७०११०३ | महाकाली कोरिडोर (ब्रम्हदेव-झुलाघाट-दार्चुला-टिङकर) | १०,३०० | १०,३०० | ० | ० | १३,११२ | १३,११२ | ० | ० | १५,११६ | १५,११६ | ० | ० |
| १६ | ३३७०११०४ | कान्ति राजपथ | ३,११८ | ३,११८ | ० | ० | २,६२२ | २,६२२ | ० | ० | २,६२६ | २,६२६ | ० | ० |
| १७ | ३३७०११०५ | गंगटे-समुन्द्रटार-गल्फुभन्ज्याङ सडक | ४०० | ४०० | ० | ० | ८०० | ८०० | ० | ० | ९५० | ९५० | ० | ० |
| १८ | ३३७०११०६ | ककहवा- रुद्रपुर- सालझण्डी-सन्धिखर्क-ढोरपाटन सडक | ३,५९४ | ३,५९४ | ० | ० | ६,०९८ | ६,०९८ | ० | ० | १२,१०१ | १२,१०१ | ० | ० |
| १९ | ३३७०११०७ | दमक-चिसापानी सडक | ३,००० | ३,००० | ० | ० | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ४,२०० | ४,२०० | ० | ० |
| २० | ३३७०११०८ | मदन भण्डारी राजमार्ग (बाहुनडाँगी देखि रुपाल सम्म) | २९,२६३ | १४,२६३ | ० | १५,००० | ३५,१२७ | ३५,१२७ | ० | ० | ३८,५९८ | ३८,५९८ | ० | ० |
| २१ | ३३७०११०९ | गल्छी-त्रिशुली-मैलुङ्ग-स्याफ्रुवेशी-रसुवागढी सडक आयोजना | १६,२१७ | ११,२१७ | ० | ५,००० | १८,६३८ | १८,६३८ | ० | ० | २०,४९४ | २०,४९४ | ० | ० |
| २२ | ३३७०१११० | टनकपुर लिंक सडक | २०० | २०० | ० | ० | ५०० | ५०० | ० | ० | ८०० | ८०० | ० | ० |
| २३ | ३३७०११११ | सडक सुधार आयोजना | ११८,६२४ | ५,१०४ | ० | ११३,५२० | १३०,४५६ | ५,६५६ | ० | १२४,८०० | ६२,०४८ | २,६७५ | ० | ५९,३७३ |
| २४ | ३३७०१११२ | ११किलो छेपेटार-भालुस्वारा-बारपाक सडक | १,५९९ | १,५९९ | ० | ० | २,१०१ | २,१०१ | ० | ० | २,९०५ | २,९०५ | ० | ० |
| २५ | ३३७०१११३ | शहिद मार्ग (घोराही- नुवागाउँ- तिला-घर्तिगाउ- थवाङ- मुसिकोट-मैकोट) | ५,६२६ | ५,६२६ | ० | ० | ५,१९९ | ५,१९९ | ० | ० | ७,१३४ | ७,१३४ | ० | ० |
| २६ | ३३७०१११४ | पुष्पलाल राजमार्ग(मध्य पहाडी राजमार्ग) | ८१,३३३ | ३१,३३३ | ० | ५०,००० | ९३,४३० | ९३,४३० | ० | ० | १०७,३२५ | १०७,३२५ | ० | ० |
| २७ | ३३७०१११५ | सुर्खेत- दैलेख बजार- महाबुलेक- गाल्जे भात्तडी, रतडा- नाग्म- गमगढी- नाक्चेलाग्ना सडक | ६,००० | ६,००० | ० | ० | ५,०१७ | ५,०१७ | ० | ० | ७,००० | ७,००० | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| २८ | ३३७०१११६ | भेरी करिडोर (जाजरकोट-दुनै-मरिम-तिन्जे धो) | ६,०६७ | ६,०६७ | ० | ० | १२,००० | १२,००० | ० | ० | १०,००० | १०,००० | ० | ० |
| २९ | ३३७०१११७ | सडक क्षेत्र विकास आयोजना | १,६४६ | १,६४६ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३० | ३३७०१११८ | उत्तर दक्षिण राजमार्ग(कर्णाली, कालीगण्डकी र कोशी) | ४१,२५८ | ११,२५८ | ० | ३०,००० | ५४,०८९ | ५४,०८९ | ० | ० | ६४,०१० | ६४,०१० | ० | ० |
| ३१ | ३३७०१११९ | बेनीघाट-आरुघाट-लार्के भन्ज्याङ सडक | २,००० | २,००० | ० | ० | ८०० | ८०० | ० | ० | १,५०० | १,५०० | ० | ० |
| ३२ | ३३७०११२० | काठमाडौं उपत्यका सडक विस्तार आयोजना | ६,३९६ | ६,३९६ | ० | ० | ६,७१७ | ६,७१७ | ० | ० | ७,७२५ | ७,७२५ | ० | ० |
| ३३ | ३३७०११२१ | डुम्रे- बेशीशहर- चामे -मनाङ सडक | ७,६४६ | ७,६४६ | ० | ० | १४,१५३ | १४,१५३ | ० | ० | १४,१५८ | १४,१५८ | ० | ० |
| ३४ | ३३७०११२२ | स्थानीय सडक पुल निर्माण | ६९,४४१ | ४०,४४१ | ० | २९,००० | ७५,४५६ | ७५,४५६ | ० | ० | ८३,००१ | ८३,००१ | ० | ० |
| ३५ | ३३७०११२३ | रणनैतिक सडक पुलहरुको विस्तृत संभाव्यता अध्ययन | ६,७६६ | ६,७६६ | ० | ० | ६,००० | ६,००० | ० | ० | ८,००० | ८,००० | ० | ० |
| ३६ | ३३७०११२४ | काठमाडौं बाहिरी चक्रपथ | २०० | २०० | ० | ० | ८०० | ८०० | ० | ० | ८४० | ८४० | ० | ० |
| ३७ | ३३७०११२५ | महाकाली पुल निर्माण आयोजना | ९,०८४ | ९,०८४ | ० | ० | ४,०८५ | ४,०८५ | ० | ० | ४,०८८ | ४,०८८ | ० | ० |
| ३८ | ३३७०११२६ | सेती राजमार्ग(टिकापुर-लोडे-चैनपुर-ताक्लाकोट) | ६,१४६ | ६,१४६ | ० | ० | ३,१५० | ३,१५० | ० | ० | ९,१५५ | ९,१५५ | ० | ० |
| ३९ | ३३७०११२७ | चेपाङ मार्ग (ठोरी-भण्डारा-लोथर-मलेखु) | १,००० | १,००० | ० | ० | १,००० | १,००० | ० | ० | २,५०० | २,५०० | ० | ० |
| ४० | ३३७०११२८ | हुलाकी राजमार्ग (पुलहरु समेत) | ६३,९४२ | २८,९४२ | ५,००० | ३०,००० | ७०,५१४ | ७०,५१४ | ० | ० | ७७,५१० | ७७,५१० | ० | ० |
| ४१ | ३३७०११३० | औद्योगिक कोरिडोर (व्यापारीक मार्ग) विस्तार आयोजना | २२,१७८ | १७,१७८ | ० | ५,००० | २३,८१३ | २३,८१३ | ० | ० | २६,१६० | २६,१६० | ० | ० |
| ४२ | ३३७०११३२ | रणनीतिक सडक पुल निर्माण तथा पुल पुलेसा संरक्षण | ४१,४९० | ७,४९० | ० | ३४,००० | ४४,००८ | ८,००८ | ० | ३६,००० | ४५,५२६ | ८,२२० | ० | ३७,३०६ |
| ४३ | ३३७०११३३ | सासेक रोड कनेक्टिभिटी प्रोजेक्ट | २२० | २२० | ० | ० | १३७ | १३७ | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४४ | ३३७०११३४ | चक्रपथ विस्तार आयोजना | १६,०५४ | ९,४८५ | ६,५६९ | ० | २३,०८८ | १३,०८८ | १०,००० | ० | ३४,४१४ | २४,४१४ | १०,००० | ० |
| ४५ | ३३७०११३५ | नेपाल भारत क्षेत्रीय व्यापार तथा यातायात आयोजनाः मुग्लिङ नारायणगढ सडक खण्ड | २,०८३ | ८३ | ० | २,००० | ८,५८८ | ३४८ | ० | ८,२४० | १५,०९१ | ६०८ | ० | १४,४८३ |
| ४६ | ३३७०११३६ | सडक तथा ट्राफिक सुरक्षा | ५,०७७ | ५,०७७ | ० | ० | १०,०७५ | १०,०७५ | ० | ० | १०,०७८ | १०,०७८ | ० | ० |
| ४७ | ३३७०११३७ | सडक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | १९,४७४ | १९,४७४ | ० | ० | ३०,००० | ३०,००० | ० | ० | ४५,००० | ४५,००० | ० | ० |
| ४८ | ३३७०११३८ | राजमार्ग स्तरोन्नती तथा पुनर्स्थापना कार्यक्रम | ८३,७६७ | ५३,७६७ | १०,००० | २०,००० | ८३,३४४ | ८३,३४४ | ० | ० | ९१,६७८ | ९१,६७८ | ० | ० |
| ४९ | ३३७०११३९ | नागढुङ्गा सुरुङमार्ग निर्माण आयोजना | ९८,४७८ | ४,८७८ | ० | ९३,६०० | ८०,१४१ | १,१४१ | ० | ७९,००० | ६०,१४६ | २,६४६ | ० | ५७,५०० |
| ५० | ३३७०११४० | सासेक सडक सुधार आयोजना | ५०,४५८ | ४,९५८ | ० | ४५,५०० | ८३,०१९ | ५,४७९ | ० | ७७,५४० | ९१,२८८ | ६,०१५ | ० | ८५,२७३ |
| ५१ | ३३७०११४१ | मनाङ्ग-मुस्ताङ्ग-डोल्पा-जुम्ला सडक | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | १,५०० | १,५०० | ० | ० | ७,००० | ७,००० | ० | ० |
| ५२ | ३३७०११४२ | स्वर्ण सगरमाथा वृहत चक्रपथ (ओखलढुंगा-सोलु सल्लेरी- खोटाङ दिक्तेल-ओखलढुंगा) | ४,२०० | ४,२०० | ० | ० | २,७५० | २,७५० | ० | ० | ३,२०० | ३,२०० | ० | ० |
| ५३ | ३३७०११४३ | तराई मधेस सडक पुर्वाधार विशेष कार्यक्रम | १५,४९६ | १५,४९६ | ० | ० | २०,००० | २०,००० | ० | ० | २५,००० | २५,००० | ० | ० |
| ५४ | ३३७०११४४ | सौंघुटार- ओखलढुङ्गा- कुइभिर सडक | १,३८० | १,३८० | ० | ० | १,१०० | १,१०० | ० | ० | ४,००० | ४,००० | ० | ० |
| ५५ | ३३७०११४५ | सासेक राजमार्ग सुधार आयोजना | ४२,४०१ | ५,५५२ | ० | ३६,८४९ | ६८,६४४ | ६,१४४ | ० | ६२,५०० | ७५,४९२ | ६,७३० | ० | ६८,७६२ |
| ५६ | ३३७०११४६ | दोश्रो पुल सुधार तथा संभार आयोजना | ५,५०० | ० | ० | ५,५०० | ४०,००० | ० | ० | ४०,००० | ५०,००० | ० | ० | ५०,००० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ५७ | ३३७०११६७ | क्षेत्रीय व्यापारिक मार्ग विस्तार आयोजना | ६६,००० | ४,००० | ० | ६२,००० | १०६,००० | ६,४३० | ० | ९९,५७० | ७७,३६० | ४,६८८ | ० | ७२,६७२ |
| ५८ | ३३७०११६८ | सुरुङ्ग मार्ग विकास कार्यक्रम | १०,६६० | ५,६६० | ५,००० | ० | १५,००० | १०,५०० | ४,५०० | ० | २०,००० | १०,००० | ५,००० | ५,००० |
| ५९ | ३३७०११६९ | बैकल्पिक सहायक राजमार्ग विकास कार्यक्रम | ९४,६२६ | ६७,१९२ | ० | २७,४३४ | ४५,२७३ | ३५,२७३ | ० | १०,००० | ५०,२८४ | ४०,२८४ | ० | १०,००० |
| ६० | ३३७०११७० | सासेक मुग्लिङ - पोखरा सडक योजना | ४८,१३२ | ४,९३२ | ० | ४३,२०० | ५८,४३७ | ५,४३७ | ० | ५३,००० | ६४,२७५ | ५,९६७ | ० | ५८,३०८ |
| ६१ | ३३७०११७१ | काकरभिट्टा इनरुवा, पथलैया नारायणघाट खण्ड | १०,३७५ | ३७५ | ० | १०,००० | १२,९६९ | ४६९ | ० | १२,५०० | १५,५६३ | ५६३ | ० | १५,००० |
| ६२ | ३३७०११७२ | मिर्चैया कटारी घुर्मी | ८,००० | ८,००० | ० | ० | १०,००० | १०,००० | ० | ० | १०,००० | १०,००० | ० | ० |
| ६३ | ३३७०११७३ | सुर्यविनायक धुलिखेल र कोटेश्वर बानेश्वर त्रिपुरेश्वर सडक | २३,००० | ११,००० | ० | १२,००० | २२,०२३ | ४,०२३ | ० | १८,००० | २१,४७७ | ५,४७७ | ० | १६,००० |
| ६४ | ३३७०११७४ | चतरा मूलघाट माझीटार दोभान ओलांगचुंगगोला (तमोर कोरिडोर)□ | १५,००० | १०,००० | ० | ५,००० | २१,००० | ११,००० | ० | १०,००० | २४,००० | १५,००० | ० | ९,००० |
| ६५ | ३३७०११७५ | केचना कंचनजंघा (मेची करिडोर ) | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ८,००० | ८,००० | ० | ० |
| ६६ | ३३७०११७६ | निर्वाचन क्षेत्र रणनैतिक सडक | २३,२०७ | १८,२०७ | ० | ५,००० | ४२,००० | २२,००० | ० | २०,००० | ३९,००० | ३०,००० | ० | ९,००० |
| ६७ | ३३७०२०११ | रेलवे विभाग | १०,९९९ | ५,९९९ | ५,००० | ० | १,५०८ | ८०८ | ७०० | ० | १,७९३ | ९७९ | ८१४ | ० |
| ६८ | ३३७०२१०१ | रेल, मेट्रो रेल तथा मोनो रेल विकास आयोजना | ६५,३२५ | २२,३२५ | ० | ४३,००० | १०२,५३२ | १०२,५३२ | ० | ० | ११२,७७० | ११२,७७० | ० | ० |
| ६९ | ३३७०३०११ | यातायात व्यवस्था विभाग | ४५८ | ४५८ | ० | ० | ४८० | ४८० | ० | ० | ५१० | ५१० | ० | ० |
| ७० | ३३७०३०१३ | सवारी परीक्षण कार्यालयहरु | २,४४५ | २,४४५ | ० | ० | ३,५१८ | ३,५१८ | ० | ० | ३,६८७ | ३,६८७ | ० | ० |
| ७१ | ३३७०३१०१ | यातायात व्यवस्था सुदृढीकरण आयोजना | १९,२५९ | १४,२५९ | ० | ५,००० | २१,६७३ | २१,६७३ | ० | ० | २३,३६४ | २३,३६४ | ० | ० |
| ७२ | ३३७३१०११ | सडक बोर्ड | ७२,५०० | ७२,५०० | ० | ० | ७५,०३८ | ७५,०३८ | ० | ० | ७७,६६४ | ७७,६६४ | ० | ० |
| ७३ | ५०१३७१०१ | पूर्वाधार विकास तथा निर्माण कम्पनी | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ५,००० | ५,००० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१,५६७,२८४** | **६९३,११२** | **३६,५६९** | **८३७,६०३** | **१,८९५,१०५** | **१,१५३,७५५** | **२०,२००** | **७२१,१५०** | **२,०२६,८८६** | **१,३६८,३९५** | **२०,८१४** | **६३७,६७७** |
| | **७.३** | **सञ्चार तथा सूचना प्रविधि** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३५८०००११ | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय | ६,७४१ | ६,७४१ | ० | ० | ८,२६८ | ८,२६८ | ० | ० | ८,७७४ | ८,७७४ | ० | ० |
| २ | ३५८००१०१ | राष्ट्रिय सूचना प्रविधि केन्द्र | ७,४११ | ७,४११ | ० | ० | ९,१५४ | ९,१५४ | ० | ० | ९,६५८ | ९,६५८ | ० | ० |
| ३ | ३५८०१०११ | मुद्रण विभाग | ९७१ | ९७१ | ० | ० | ९३० | ९३० | ० | ० | ९६५ | ९६५ | ० | ० |
| ४ | ३५८०२०११ | सूचना तथा प्रशारण विभाग | ५४५ | ५४५ | ० | ० | ६६३ | ६६३ | ० | ० | ६७८ | ६७८ | ० | ० |
| ५ | ३५८०३०११ | हुलाक सेवा विभाग | १,५४१ | १,५४१ | ० | ० | १,८७३ | १,८७३ | ० | ० | १,९१६ | १,९१६ | ० | ० |
| ६ | ३५८०३०१२ | हुलाक निर्देशनालयहरु | २,३९१ | २,३९१ | ० | ० | २,६५५ | २,६५५ | ० | ० | २,७१४ | २,७१४ | ० | ० |
| ७ | ३५८०३०१३ | गोश्वारा हुलाक | २,१३९ | २,१३९ | ० | ० | २,११० | २,११० | ० | ० | २,२१० | २,२१० | ० | ० |
| ८ | ३५८०३०१४ | जिल्ला हुलाक कार्यालयहरु | ३१,६५२ | ३१,६५२ | ० | ० | ३४,६६८ | ३४,६६८ | ० | ० | ३५,७२५ | ३५,७२५ | ० | ० |
| ९ | ३५८०३०१५ | हुलाक प्रशिक्षण केन्द्र | १६१ | १६१ | ० | ० | ३९१ | ३९१ | ० | ० | ४३० | ४३० | ० | ० |
| १० | ३५८०३०१६ | केन्द्रीय धनादेश कार्यालय | १२७ | १२७ | ० | ० | १४४ | १४४ | ० | ० | १४७ | १४७ | ० | ० |
| ११ | ३५८०३०१७ | केन्द्रीय टिकट भण्डार तथा फिलाटेलिक ब्यूरो | ३९९ | ३९९ | ० | ० | ४३९ | ४३९ | ० | ० | ४४९ | ४४९ | ० | ० |
| १२ | ३५८०४०११ | सुचना प्रविधि विभाग | २,२७७ | २,२७७ | ० | ० | ६४९ | ६४९ | ० | ० | ६८० | ६८० | ० | ० |
| १३ | ३५८०५०११ | प्रमाणीकरण नियन्त्रकको कार्यालय | ४६० | ४६० | ० | ० | ३८० | ३८० | ० | ० | ४०८ | ४०८ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| १४ | ३५८२१०११ | राष्ट्रिय सूचना आयोग | ४७० | ४७० | ० | ० | ५४३ | ५४३ | ० | ० | ५५५ | ५५५ | ० | ० |
| १५ | ३५८४१०११ | प्रेस काउन्सिल | ४६९ | ४६९ | ० | ० | ५०० | ५०० | ० | ० | ५२५ | ५२५ | ० | ० |
| १६ | ३५८८१०११ | राष्ट्रिय समाचार समिति | १,३३९ | १,३३९ | ० | ० | १,६५० | १,६५० | ० | ० | १,८१५ | १,८१५ | ० | ० |
| १७ | ३५८८१०१२ | न्यूनतम पारिश्रमिक निर्धारण समिति | ६६ | ६६ | ० | ० | ६७ | ६७ | ० | ० | ६९ | ६९ | ० | ० |
| १८ | ३५८८१०१३ | रेडियो प्रसार सेवा विकास समिति | २,४०० | २,४०० | ० | ० | २,६४० | २,६४० | ० | ० | २,७०० | २,७०० | ० | ० |
| १९ | ३५८८१०१४ | सुरक्षण मुद्रण केन्द्र | १०,३३९ | १०,३३९ | ० | ० | १५,२५० | १५,२५० | ० | ० | २५,३०० | २५,३०० | ० | ० |
| २० | ५०१५८१०१ | नेपाल टेलीभिजन | ५,००० | ५,००० | ० | ० | १,६५० | १,६५० | ० | ० | १,८१५ | १,८१५ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **७६,८९८** | **७६,८९८** | **०** | **०** | **८४,६२४** | **८४,६२४** | **०** | **०** | **९७,५३३** | **९७,५३३** | **०** | **०** |
| | **७.४** | **शहरी विकास** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३४७०००११ | शहरी विकास मन्त्रालय | १,०३६ | १,०३६ | ० | ० | १,३२० | १,३२० | ० | ० | १,५५० | १,५५० | ० | ० |
| २ | ३४७००१०१ | बागमती सुधार आयोजना | ३२,९३२ | १०,४८३ | ० | २२,४४९ | ३६,८०० | ६,८०० | ० | ३०,००० | ४६,५३८ | ११,५३८ | ० | ३५,००० |
| ३ | ३४७०१०११ | शहरी विकास तथा भवन निर्माण विभाग | ९८६ | ९८६ | ० | ० | १,१०० | १,१०० | ० | ० | १,२०० | १,२०० | ० | ० |
| ४ | ३४७०१०१२ | संघीय सचिवालय निर्माण तथा व्यवस्थापन कार्यालय | ५,२४३ | ५,२४३ | ० | ० | ६,२६१ | ६,२६१ | ० | ० | ७,००५ | ७,००५ | ० | ० |
| ५ | ३४७०१०१३ | संघिय सहरी विकास आयोजना कार्यान्वयन कार्यालयहरु | २,८३५ | २,८३५ | ० | ० | २,९०४ | २,९०४ | ० | ० | २,९२२ | २,९२२ | ० | ० |
| ६ | ३४७०११०१ | आवास व्यवस्था कार्यक्रम | १,४८५ | १,४८५ | ० | ० | १,७०० | १,७०० | ० | ० | १,८५० | १,८५० | ० | ० |
| ७ | ३४७०११०२ | एकीकृत कार्यमूलक योजना (शहरी विकास) | २,५०३ | २,५०३ | ० | ० | २,९४२ | २,९४२ | ० | ० | ३,२९२ | ३,२९२ | ० | ० |
| ८ | ३४७०११०३ | सघन शहरी विकास कार्यक्रम | ११६,३९० | ९७,७१५ | ० | १८,६७५ | ११५,८६५ | १०६,२०८ | ० | ९,६५७ | १३३,०६१ | ११८,१२१ | ० | १४,९४० |
| ९ | ३४७०११०५ | भवन निर्माण संहिता, सरकारी भवन निर्माण | २१,४८८ | २१,४८८ | ० | ० | २७,८८४ | २७,८८४ | ० | ० | ३३,२७० | ३३,२७० | ० | ० |
| १० | ३४७०११०७ | नेपाल - भारत सीमा एकीकृत जाँच चौकी विकास आयोजना | ६२ | ६२ | ० | ० | ७३ | ७३ | ० | ० | ८२ | ८२ | ० | ० |
| ११ | ३४७०११०८ | शहरी शासकीय क्षमता विकास कार्यक्रम | ३,२७० | १,०२३ | ० | २,२४७ | २४,५६२ | १,१६२ | ० | २३,४०० | २७,४८४ | १,२९१ | ० | २६,१९३ |
| १२ | ३४७०१११० | नयाँ सहर आयोजना | ३०,५८९ | २१,४४९ | ० | ९,१४० | ४२,५९१ | २३,७७९ | ० | १८,८१२ | ४७,०६४ | ३९,९९९ | ० | ७,०६५ |
| १३ | ३४७०१११११ | क्षेत्रीय शहरी विकास कार्यक्रम | ३३,१८१ | ८,४०४ | ० | २४,७७७ | ३७,००० | ३७० | ० | ३६,६३० | ४१,९०० | १,९०० | ० | ४०,००० |
| १४ | ३४७०१११११४ | एकिकृत बस्ती विकास कार्यक्रम | ९,७२० | ९,७२० | ० | ० | ९,५०० | ९,५०० | ० | ० | ११,००० | ११,००० | ० | ० |
| १५ | ३४७०१११११७ | विशेष भवन निर्माण आयोजना | २६,६५३ | ११,६५३ | ० | १५,००० | ३१,७९४ | २४,१८१ | ० | ७,६१३ | ३५,५७५ | ३४,९११ | ० | ६६४ |
| १६ | ३४७०१११११८ | शहरी कोरिडोर आयोजना | १,०६८ | १,०६८ | ० | ० | १,४९० | १,४९० | ० | ० | १,६६८ | १,६६८ | ० | ० |
| १७ | ३४७५११०१ | नगर विकास कोष | २,७०० | २,७०० | ० | ० | ३,१७३ | ३,१७३ | ० | ० | ३,५५१ | ३,५५१ | ० | ० |
| १८ | ३४७७११०१ | काठमाण्डौ उपत्यका विकास प्राधिकरण | १३,६०१ | १३,६०१ | ० | ० | ९,९८९ | ९,९८९ | ० | ० | १३,१३६ | १३,१३६ | ० | ० |
| १९ | ३४७७११०२ | धोविखोला कोरिडोर सुधार आयोजना | १,८५७ | १,८५७ | ० | ० | ९९९ | ९९९ | ० | ० | १,३०६ | १,३०६ | ० | ० |
| २० | ५०१४७१०१ | नगर विकास कोष - खानेपानी क्षेत्र | ७,०३७ | १,९०० | ० | ५,१३७ | २,००० | ५४० | ० | १,४६० | २,२०० | ४०० | ० | १,८०० |
| २१ | ५०१४७१०६ | नगर विकास कोष | ६,१५५ | ६,१५५ | ० | ० | ६,८६१ | ६,८६१ | ० | ० | ७,५४७ | ७,५४७ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **३२०,७९१** | **२२३,३६६** | **०** | **९७,४२५** | **३६६,८०८** | **२३९,२३६** | **०** | **१२७,५७२** | **४२३,२०१** | **२९७,५३९** | **०** | **१२५,६६२** |
| | **७.५** | **पुनर्निर्माण** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३९२०००११ | राष्ट्रिय पुनर्निर्माण प्राधिकरण | ३७२,२५५ | ११३,७९१ | ९४,३३० | १६४,१३४ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **३७२,२५५** | **११३,७९१** | **९४,३३०** | **१६४,१३४** | **०** | **०** | **०** | **०** | **०** | **०** | **०** | **०** |
| | | **कुल जम्मा** | **३,३२०,८६४** | **१,४७१,३६४** | **१७१,१५४** | **१,६७८,३४६** | **३,६८२,७१५** | **२,०१८,३५८** | **७५,५४६** | **१,५८८,८११** | **४,०५४,१९८** | **२,३९४,९६४** | **५७,६३८** | **१,६०१,५९६** |

# अनुसूची ८.१

## शासकीय व्यवस्था तथा अन्तरसम्बन्धित विषय क्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ८.१ | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद् | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०१०००११ | मन्त्रिपरिषद् | ४४८ | ७४० | ७४० | ० | ० | ८०५ | ८०५ | ० | ० | ८३३ | ८३३ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | ३०१०००१२ | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | २,६९३ | ३,४३१ | ३,१७४ | २५७ | ० | ३,६६८ | ३,३८५ | २८३ | ० | ३,८१४ | ३,५०३ | ३११ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ३ | ३०१०१०११ | महान्यायाधिवक्ताको कार्यालय | १,२६६ | १,७५९ | १,४३१ | ३२८ | ० | १,९११ | १,५५० | ३६१ | ० | २,००१ | १,६०४ | ३९७ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ४ | ३०१०१०१२ | उच्च सरकारी वकिल कार्यालयहरु | २,२२५ | २,६०२ | २,३२५ | २७७ | ० | २,७४२ | २,४३७ | ३०५ | ० | २,८५८ | २,५२२ | ३३६ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ५ | ३०१०१०१३ | विशेष सरकारी वकील कार्यालय | ३२९ | १,०६६ | ३५४ | ७१२ | ० | १,१५४ | ३७१ | ७८३ | ० | १,२४५ | ३८४ | ८६१ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ६ | ३०१०१०१४ | जिल्ला सरकारी वकिल कार्यालयहरु | ५,८१२ | ७,२९० | ५,९०२ | १,३८८ | ० | ७,७१० | ६,१८३ | १,५२७ | ० | ८,०७९ | ६,३९९ | १,६८० | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ७ | ३०१०२०११ | सार्वजनिक खरिद अनुगमन कार्यालय | ६१९ | ९३९ | ८५२ | ८७ | ० | १,००२ | ९०६ | ९६ | ० | १,०४४ | ९३८ | १०६ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ८ | ३०१०३०११ | नेपाल ट्रष्टको कार्यालय | ४२२ | ४६४ | ४५५ | ९ | ० | ४९० | ४८० | १० | ० | ५०८ | ४९७ | ११ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ९ | ३०१०४०११ | राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्र | ९२६ | १,१२६ | १,१०४ | २२ | ० | १,१९५ | १,१७१ | २४ | ० | १,२३८ | १,२१२ | २६ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १० | ३०१०५०११ | राजस्व अनुसन्धान विभाग | १,४९२ | १,५६० | १,५०४ | ५६ | ० | १,६८१ | १,६१९ | ६२ | ० | १,७४४ | १,६७६ | ६८ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ११ | ३०१०६०११ | सम्पत्ति शुद्धिकरण अनुसन्धान विभाग | ५४७ | ७४६ | ७२९ | १७ | ० | ७९९ | ७८० | १९ | ० | ८२८ | ८०७ | २१ | ० | ८ | १ | १० | ३ | ३ |
| १२ | ३०१०७०११ | राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग | १३,००४ | १५,४८४ | १३,७०१ | १,७८३ | ० | १६,३१७ | १४,३५६ | १,९६१ | ० | १७,०१५ | १४,८५८ | २,१५७ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १३ | ३०१३१०११ | लगानी बोर्डको कार्यालय | ५४२ | ३,६९० | ३,२३१ | ४५९ | ० | ४,१२६ | ३,६२१ | ५०५ | ० | ४,३०४ | ३,७४८ | ५५६ | ० | ८ | १ | ९ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **३०,३२५** | **४०,८९७** | **३५,५०२** | **५,३९५** | **०** | **४३,६००** | **३७,६६४** | **५,९३६** | **०** | **४५,५११** | **३८,९८१** | **६,५३०** | **०** | | | | | |
| | ८.२ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३६५०००११ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय | २,१७६ | ८,१९५ | ८,०९३ | १०२ | ० | ६,७३० | ६,६०० | १३० | ० | ७,४४५ | ७,३०० | १४५ | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | ३६५०००१२ | अतिरिक्त समूह | ८१५ | १,९७२ | १,९७२ | ० | ० | २,५०४ | २,५०४ | ० | ० | २,८०५ | २,८०५ | ० | ० | ९ | २ | १६ | २ | ३ |
| ३ | ३६५००१०२ | संघीय शासन प्रणाली व्यवस्थापन कार्यक्रम | ४१ | ५४ | ५४ | ० | ० | ८१ | ८१ | ० | ० | ९१ | ९१ | ० | ० | ८ | २ | १६ | १ | ३ |
| ४ | ३६५००१०४ | स्थानीय पूर्वाधार विकास साझेदारी कार्यक्रम | ६०,८०३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३ | १ | ९ | १ | ३ |
| ५ | ३६५००१०५ | जिल्ला समन्वय समितिको कार्यालयहरु | ९,६४९ | ११,०२८ | ११,०२८ | ० | ० | १२,१०० | १२,१०० | ० | ० | १३,३०० | १३,३०० | ० | ० | ८ | २ | ९ | २ | ३ |
| ६ | ३६५००१०६ | बहुक्षेत्रीय पोषण कार्यक्रम | ५३२ | ८८८ | ८८८ | ० | ० | १,१२९ | १,१२९ | ० | ० | १,२६५ | १,२६५ | ० | ० | २ | १ | ३ | १ | २ |
| ७ | ३६५००१०७ | तराई मधेस समृद्धि कार्यक्रम | १०८ | ५४० | १३६ | ४०४ | ० | १८९ | १८४ | ५ | ० | २१२ | २०६ | ६ | ० | ६ | १ | ९ | २ | ३ |
| ८ | ३६५००१०८ | प्रदेश तथा स्थानीय शासन सहयोग कार्यक्रम | ३,९२७ | ६,८७९ | ५,७१८ | १,१६१ | ० | ७,६७४ | ६,२०० | १,४७४ | ० | ८,४५१ | ६,८०० | १,६५१ | ० | ८ | १ | १६ | १ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ९ | ३६५००१०९ | उत्तरीक्षेत्र पूर्वाधार विकास तथा जीवनस्तर सुधार कार्यक्रम | ० | १०,००० | १०,००० | ० | ० | २५,४०० | २५,४०० | ० | ० | २५,००० | २५,००० | ० | ० | ३ | १ | १ | २ | २ |
| १० | ३६५००११० | साना विकास परियोजना | २,६६५ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | १ | १२ | १ | ३ |
| ११ | ३६५००१११ | उच्च पहाडी एवम् हिमाली क्षेत्र सम्मृद्धि कार्यक्रम | ० | ८,५५० | ८,५५० | ० | ० | १२,००० | १२,००० | ० | ० | १४,५०० | १४,५०० | ० | ० | ३ | १ | १ | २ | २ |
| १२ | ३६५००११२ | कर्णाली समृद्धि कार्यक्रम | ० | २,४५० | ० | २,४५० | ० | २,६५० | ० | २,६५० | ० | २,९०० | ० | २,९०० | ० | ३ | १ | १ | २ | १ |
| १३ | ३६५०१०११ | स्थानीय पूर्वाधार विभाग | ५८८ | २,१९१ | २५३ | १,९३८ | ० | २,७८७ | ३२६ | २,४६१ | ० | ३,१२३ | ३६६ | २,७५७ | ० | ३ | १ | ८ | १ | ३ |
| १४ | ३६५०११०१ | ग्रामीण जलस्रोत व्यवस्थापन परियोजना | ८४ | १३९ | १३९ | ० | ० | १८९ | १८९ | ० | ० | २१२ | २१२ | ० | ० | ३ | १ | ६ | १ | १ |
| १५ | ३६५०११०२ | ग्रामीण सडक सञ्जाल सुधार आयोजना | २९,१०६ | ४६,८०५ | १,०३७ | ४५,७६८ | ० | ५९,४४२ | १,३१७ | ५८,१२५ | ० | ६६,५७५ | १,४७५ | ६५,१०० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| १६ | ३६५०११०३ | झोलुंगे पुल क्षेत्रगत कार्यक्रम | २४,७२१ | २९,५४५ | २६६ | २९,२७९ | ० | ३७,५२४ | ३४० | ३७,१८४ | ० | ४२,०२७ | ३८१ | ४१,६४६ | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| १७ | ३६५०११०४ | ग्रामीण पहुंच कार्यक्रम | २५ | ४६ | ३१ | १५ | ० | ६० | ४१ | १९ | ० | ६७ | ४६ | २१ | ० | ३ | १ | १ | २ | ३ |
| १८ | ३६५०११०६ | स्थानीय स्तरका सडकपुल तथा सामुदायिक पहुंच सुधार परियोजना | ४,५७६ | ६,१५४ | २५ | ६,१२९ | ० | ९,०७४ | ३३ | ९,०४१ | ० | १०,१६३ | ३७ | १०,१२६ | ० | ३ | २ | ९ | २ | ३ |
| १९ | ३६५०११०९ | साना सिंचाई कार्यक्रम | १७ | १,६७० | ४३० | १,२४० | ० | २,१२२ | ५४७ | १,५७५ | ० | २,३७७ | ६१३ | १,७६४ | ० | ४ | १ | २ | २ | २ |
| २० | ३६५०१११० | साना विकास आयोजना | ० | ४,८०० | ४,८०० | ० | ० | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ५,२०० | ५,२०० | ० | ० | ४ | १ | ८ | २ | ३ |
| २१ | ३६५०१११११ | स्थानीय तह प्रशासकीय भवन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | ९,११० | ९,९९९ | ४० | ९,९५९ | ० | १०,१६० | ५२ | १०,१०८ | ० | ११,३७९ | ५८ | ११,३२१ | ० | ८ | १ | ११ | २ | ३ |
| २२ | ३६५०१११२ | प्रादेशिक तथा स्थानीय सडक सुधार कार्यक्रम | ७१४ | २७,८७० | १,९७८ | २५,८९२ | ० | १४२,५६९ | २,५६९ | १४०,००० | ० | १५२,८७८ | २,८७८ | १५०,००० | ० | ३ | १ | ९ | २ | ३ |
| २३ | ३६५०२०११ | निजामती किताबखाना | ८८२ | ६७५ | ५१६ | १५९ | ० | ७२० | ५५० | १७० | ० | ७५५ | ५७० | १८५ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| २४ | ३६५६१०११ | स्थानीय विकास प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | ५७३ | ६२९ | ६२९ | ० | ० | ७९९ | ७९९ | ० | ० | ८९५ | ८९५ | ० | ० | ८ | २ | ४ | २ | ३ |
| २५ | ३६५६१०१२ | नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | १,३७१ | २,४५५ | २,४५५ | ० | ० | २,६०० | २,६०० | ० | ० | २,८०० | २,८०० | ० | ० | ८ | २ | १६ | २ | ३ |
| २६ | ३६५६१०१३ | आदिवासि / जनजाति उत्थान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान | ४४३ | ६०३ | ५३७ | ६६ | ० | ६८४ | ६०० | ८४ | ० | ७४४ | ६५० | ९४ | ० | ६ | १ | १० | २ | ३ |
| २७ | ३६५८१०११ | निजामती कर्मचारी अस्पताल विकास समिति | ४,७६८ | ५,४३१ | ५,४३१ | ० | ० | ६,८९७ | ६,८९७ | ० | ० | ७,७२५ | ७,७२५ | ० | ० | २ | १ | ३ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **१५७,६९४** | **१८९,५६८** | **६५,००६** | **१२४,५६२** | **०** | **३५१,०८४** | **८८,०५८** | **२६३,०२६** | **०** | **३८२,८८९** | **९५,१७३** | **२८७,७१६** | **०** | | | | | |

**८.३ कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला**

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ३११०००११ | कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय | २,२८३ | ४,२७७ | ४,०८३ | १९४ | ० | ४,७०१ | ४,४८८ | २१३ | ० | ४,८७९ | ४,६४५ | २३४ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | ३११०१०११ | न्याय सेवा तालिम केन्द्र | २०५ | २६१ | २४९ | १२ | ० | २९१ | २७८ | १३ | ० | ३०२ | २८८ | १४ | ० | ८ | २ | १६ | २ | ३ |
| ३ | ३११२१०११ | नेपाल कानून आयोग | ३७२ | ३३५ | ३२५ | १० | ० | ३५८ | ३४७ | ११ | ० | ३७१ | ३५९ | १२ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **२,८६०** | **४,८७३** | **४,६५७** | **२१६** | **०** | **५,३५०** | **५,११३** | **२३७** | **०** | **५,५५२** | **५,२९२** | **२६०** | **०** | | | | | |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ८.४ | गृह | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३१४०००११ | गृह मन्त्रालय | ४,२१८ | ५,१६६ | ३,०६५ | २,१०१ | ० | ५,७०२ | ३,३९२ | २,३१० | ० | ६,०५१ | ३,५१० | २,५४१ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | ३१४००१०१ | राहत तथा पुर्नस्थापना कार्यक्रम | १३ | ९३१ | ९३१ | ० | ० | ९६८ | ९६८ | ० | ० | १,००२ | १,००२ | ० | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ३ | ३१४००१०२ | लागू औषध नियन्त्रण कार्यक्रम | ४३ | ८२ | ८१ | १ | ० | ९३ | ९२ | १ | ० | ९६ | ९५ | १ | ० | ६ | १ | ३ | २ | ३ |
| ४ | ३१४००१०३ | राष्ट्रिय विपद जोखिम न्युनिकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरण | ४,०७१ | २३,६६९ | ९,५५५ | १४,११४ | ० | ४,००० | ३,००० | १,००० | ० | ४,२०० | ३,१०० | १,१०० | ० | ७ | १ | १३ | २ | २ |
| ५ | ३१४०१०११ | राष्ट्रिय परिचयपत्र तथा पञ्जीकरण विभाग | ७,३४४ | २७,१६५ | २१,१८४ | ५,९८१ | ० | ३८,७९२ | ३१,४६३ | ७,३२९ | ० | ४०,६२६ | ३२,५६४ | ८,०६२ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| ६ | ३१४०१०१२ | सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण | ६८५,४८८ | ९,३६,९४२ | ९,३६,९४२ | ० | ० | ९,५०,००० | ९,५०,००० | ० | ० | ९,७०,००० | ९,७०,००० | ० | ० | ५ | १ | १ | १ | २ |
| ७ | ३१४०२०११ | कारागार व्यवस्थापन विभाग | २,९१६ | ३,३९४ | ५१४ | २,८८० | ० | ५,४१८ | २,२५० | ३,१६८ | ० | ५,८१४ | २,३२९ | ३,४८५ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| ८ | ३१४०२०१२ | कारागार कार्यालयहरु | १८,७२२ | १९,१५४ | १७,९६१ | १,१९३ | ० | १९,५१२ | १८,२०० | १,३१२ | ० | १९,९४४ | १८,५०० | १,४४४ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ९ | ३१४०३०११ | अध्यागमन विभाग | ७५७ | १,८७५ | ५९४ | १,२८१ | ० | १,४३१ | ६४० | ७९१ | ० | १,५३२ | ६६२ | ८७० | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १० | ३१४०३०१२ | अध्यागमन कार्यालयहरु | १,५४७ | १,८४८ | १,८०२ | ४६ | ० | १,९३५ | १,८८४ | ५१ | ० | २,००६ | १,९५० | ५६ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ११ | ३१४०४०११ | प्रहरी प्रधान कार्यालय | ४२,५३६ | ५३,७४८ | ४३,७२५ | १०,०२३ | ० | ५५,००९ | ४५,००० | १०,००९ | ० | ५७,०१० | ४६,००० | ११,०१० | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १२ | ३१४०४०१२ | महानगरीय प्रहरी | ६३,५८३ | ५६,०९३ | ५०,८१० | ५,२८३ | ० | ५८,०५५ | ५३,२९३ | ४,७६२ | ० | ६०,३९६ | ५५,१५८ | ५,२३८ | ० | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| १३ | ३१४०४०१३ | राष्ट्रिय प्रहरी प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | ६,८४७ | १३,३०७ | ६,७०२ | ६,६०५ | ० | १८,८८८ | ७,३९२ | ११,४९६ | ० | २०,२९७ | ७,६५१ | १२,६४६ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| १४ | ३१४०४०१४ | प्रदेश प्रहरी कार्यालयहरु | ६१,१५१ | ५९,६५६ | ५८,३९६ | १,२६० | ० | ६२,४५७ | ६१,०७२ | १,३८५ | ० | ६४,७३३ | ६३,२१० | १,५२३ | ० | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| १५ | ३१४०४०१५ | नेपाल प्रहरी अस्पताल | ८,४८७ | ९,०६६ | ६,३६३ | २,७०३ | ० | ९,४७३ | ६,५०० | २,९७३ | ० | ९,८४० | ६,५६९ | ३,२७१ | ० | २ | २ | १६ | २ | ३ |
| १६ | ३१४०४०१६ | जिल्ला प्रहरी कार्यालयहरु | २१८,४९८ | २१४,५४८ | २०६,९४२ | ७,६०६ | ० | २२३,६५६ | २१५,४६२ | ८,१९४ | ० | २३२,०१६ | २२३,००३ | ९,०१३ | ० | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| १७ | ३१४०४१०३ | त्रि-वर्षिय अपराध नियन्त्रण तथा अनुसन्धान कार्ययोजना | ७९३ | ८२३ | ९६ | ७२७ | ० | ९१० | ११० | ८०० | ० | ९९४ | ११४ | ८८० | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १८ | ३१४०५०११ | सशस्त्र प्रहरी बल | १७,३८९ | १५,९८२ | १३,४६१ | २,५२१ | ० | १६,१२१ | १४,२६१ | १,८६० | ० | १६,८०६ | १४,७६० | २,०४६ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| १९ | ३१४०५०१३ | क्षेत्रीय सशस्त्र प्रहरी बल कार्यालय | १५८,०२४ | १६२,७५९ | १५५,१२४ | ७,६३५ | ० | १७२,०६८ | १६३,८५४ | ८,२१४ | ० | १७८,६२४ | १६९,५८९ | ९,०३५ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २० | ३१४०५०१४ | सशस्त्र प्रहरी बल तालिम केन्द्रहरु | १२,३५१ | १२,११३ | ११,५४१ | ५७२ | ० | १३,९१२ | १२,५१३ | १,३९९ | ० | १४,४९० | १२,९५१ | १,५३९ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २१ | ३१४०५०१५ | नेपाल ए.पी.एफ अस्पताल | ३,५०३ | ४,२२५ | ३,०९१ | १,१३४ | ० | ३,३२५ | २,७१६ | ६०९ | ० | ३,४८१ | २,८११ | ६७० | ० | २ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २२ | ३१४०६०११ | प्रहरी किताबखाना | १८९ | २४१ | २२६ | १५ | ० | २३२ | २२४ | ८ | ० | २३९ | २३१ | ८ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| २३ | ३१४९१०११ | समरजंग कम्पनी कार्यालय | ६० | १४२ | १४१ | १ | ० | १४५ | १४४ | १ | ० | १५० | १४९ | १ | ० | ८ | २ | १६ | ३ | ३ |
| २४ | ३१४९२०११ | जिल्ला प्रशासन कार्यालयहरु | ३०,९४७ | १६,६५९ | १३,३०९ | ३,३५० | ० | १७,७८९ | १४,०८६ | ३,७०३ | ० | १८,६५२ | १४,५७९ | ४,०७३ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २५ | ३१४९२०१२ | सीमा प्रशासन कार्यालयहरु | १७२ | २६८ | २६१ | ७ | ० | २७२ | २६८ | ४ | ० | २८२ | २७७ | ५ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| २६ | ३१४९२०१३ | इलाका प्रशासन कार्यालयहरु | ३,८४७ | ५,००२ | ३,५४२ | १,४६० | ० | ५,३१५ | ३,७०९ | १,६०६ | ० | ५,६०६ | ३,८३९ | १,७६७ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| २७ | ३१४९३०११ | जुद्ध वारुणयन्त्र कार्यालय | १३४ | १५७ | १५६ | १ | ० | १५९ | १५८ | १ | ० | १६५ | १६४ | १ | ० | ७ | १ | ११ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **१,३५३,६३०** | **१,६४५,०१५** | **१,५६६,५१५** | **७८,५००** | **०** | **१,६८५,६३७** | **१,६१२,६५१** | **७२,९८६** | **०** | **१,७३५,०५२** | **१,६५४,७६७** | **८०,२८५** | **०** | | | | | |
| | ८.५ | रक्षा | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३४५०००११ | रक्षा मन्त्रालय | ९४७ | ८०० | ७०६ | ९४ | ० | ८५९ | ७५६ | १०३ | ० | ८९५ | ७८२ | ११३ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | ३४५०००१२ | राष्ट्रिय सुरक्षा परिषद् | ४२६ | ५३३ | ४८८ | ४५ | ० | ५६९ | ५१९ | ५० | ० | ५९२ | ५३७ | ५५ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| ३ | ३४५०१०११ | जंगी अड्डा | ४९६,६०८ | ४८१,९१९ | ४१५,६१२ | ६६,३०७ | ० | ५०४,७५० | ४३१,८१२ | ७२,९३८ | ० | ५२७,१५७ | ४४६,९२५ | ८०,२३२ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| ४ | ३४५०१०१२ | सैनिक हवाई महा-निर्देशनालय | ७,६३३ | ७,७४२ | ६,३०७ | १,४३५ | ० | ८,३४० | ६,७६१ | १,५७९ | ० | ८,७३५ | ६,९९८ | १,७३७ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ५ | ३४५०१०१३ | वीरेन्द्र अस्पताल (पोष्ट एक्सीडेन्ट सेन्टर समेत) | १४,९२३ | १७,१५२ | १३,६५९ | ३,४९३ | ० | १८,०५७ | १४,२१५ | ३,८४२ | ० | १८,९३९ | १४,७१३ | ४,२२६ | ० | २ | २ | १६ | २ | ३ |
| ६ | ३४५०१०१४ | सैनिक कमाण्ड तथा स्टाफ कलेज | १,६०३ | १,२४८ | १,२२९ | १९ | ० | १,३४४ | १,३२३ | २१ | ० | १,३९२ | १,३६९ | २३ | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| ७ | ३४५०१०१५ | राष्ट्रिय सेवा दल | २,२४३ | ३,९२३ | ३,९१४ | ९ | ० | ४,११६ | ४,१०६ | १० | ० | ४,२६१ | ४,२५० | ११ | ० | ८ | २ | १६ | ३ | ३ |
| ८ | ३४५०१०१६ | अति विशिष्ट व्यक्तिहरुको सुरक्षा | २,१६४ | २,०७८ | २,०५९ | १९ | ० | २,१६० | २,१३९ | २१ | ० | २,२३७ | २,२१४ | २३ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **५२६,५४७** | **५१५,३९५** | **४४३,९७४** | **७१,४२१** | **०** | **५४०,१९५** | **४६१,६३१** | **७८,५६४** | **०** | **५६४,२०८** | **४७७,७८८** | **८६,४२०** | **०** | | | | | |
| | **८.६** | **परराष्ट्र** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३२६०००११ | परराष्ट्र मन्त्रालय | ५,३४८ | ११,०३७ | ५,७२१ | ५,३१६ | ० | १२,६०० | ६,६०० | ६,००० | ० | १३,००० | ७,००० | ६,००० | ० | ९ | १ | १७ | ३ | ३ |
| २ | ३२६०००१२ | नेपाली राजदूतावासहरु, स्थायी नियोगहरु र महावाणिज्य दूतावासहरु | ४२,३९६ | ४५,९९३ | ३६,८९८ | ९,०९५ | ० | ४७,५०० | ३७,५०० | १०,००० | ० | ५२,००० | ४०,००० | १२,००० | ० | ८ | १ | १७ | ३ | ३ |
| ३ | ३२६०००१३ | सीमा नापी टोली | ३८ | ४३३ | २६७ | १६६ | ० | ४४० | ३२० | १२० | ० | ४८० | ३३० | १५० | ० | ८ | २ | १७ | ३ | ३ |
| ४ | ३२६०१०११ | राहदानी विभाग | १२,४७९ | १०,१५४ | १०,०६९ | ८५ | ० | २०,९६० | २०,९३० | ३० | ० | १०,९९० | १०,९४० | ५० | ० | ८ | २ | १७ | २ | ३ |
| ५ | ३२६०२०११ | कन्सुलर सेवा विभाग | २४५ | ३८२ | ३०७ | ७५ | ० | ३७५ | ३४५ | ३० | ० | ४१० | ३६० | ५० | ० | ८ | १ | १७ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **६०,५०६** | **६७,९९९** | **५३,२६२** | **१४,७३७** | **०** | **८१,८७५** | **६५,६९५** | **१६,१८०** | **०** | **७६,८८०** | **५८,६३०** | **१८,२५०** | **०** | | | | | |
| | **८.७** | **योजना तथा तथ्यांक** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३९१०००११ | राष्ट्रिय योजना आयोग | १,३८० | १,७९१ | १,७१८ | ७३ | ० | २,२०० | २,००० | २०० | ० | २,४०० | २,२०० | २०० | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | ३९१००१०१ | योजना तथा जनशक्ति विकास कार्यक्रम | ६३ | १२५ | १२३ | २ | ० | २८२ | २६२ | २० | ० | ३९० | ३६० | ३० | ० | ८ | २ | १६ | २ | ३ |
| ३ | ३९१०१०११ | केन्द्रीय तथ्यांक विभाग | ९१७ | १,०५१ | १,०४८ | ३ | ० | १,२८६ | १,२७६ | १० | ० | १,५४३ | १,५३१ | १२ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ४ | ३९१०१०१२ | जिल्ला तथ्यांक कार्यालयहरु | २,१४० | २,६१२ | २,५६४ | ४८ | ० | २,८७५ | २,८१५ | ६० | ० | ३,११० | ३,०५० | ६० | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ५ | ३९१०११०१ | आर्थिक तथ्यांक विकास कार्यक्रम | ४११ | ६,५९९ | ६,३५२ | २४७ | ० | १,३५२ | १,१८६ | १६६ | ० | ८२१ | ७७१ | ५० | ० | ८ | २ | १० | ३ | ३ |
| ६ | ३९१०११०२ | सामाजिक तथ्यांक विकास कार्यक्रम | ३९ | ९७९ | ९७० | ९ | ० | १,३८१ | १,३७६ | ५ | ० | ९३९ | ९३१ | ८ | ० | ८ | १ | १० | २ | ३ |
| ७ | ३९१०११०३ | राष्ट्रिय जनगणना २०७८ | ४,३०७ | १४,६६१ | १४,६३८ | २३ | ० | १,२५० | १,२०० | ५० | ० | ५४० | ५०० | ४० | ० | ८ | १ | १६ | १ | ३ |
| | | **जम्मा** | **९,२५७** | **२७,८१८** | **२७,४१३** | **४०५** | **०** | **१०,६२६** | **१०,११५** | **५११** | **०** | **९,७४३** | **९,३४३** | **४००** | **०** | | | | | |
| | | **कुल जम्मा** | **२,१४०,८१९** | **२,४९१,५६५** | **२,१९६,३२९** | **२९५,२३६** | **०** | **२,७१८,३६७** | **२,२८०,९२७** | **४३७,४४०** | **०** | **२,८१९,८३५** | **२,३३९,९७४** | **४७९,८६१** | **०** | | | | | |

# अनुसूची ८.२

## शासकीय व्यवस्था तथा अन्तरसम्बन्धित विषय क्षेत्रको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | **८.१** | **प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३०१०००११ | मन्त्रिपरिषद् | ७४० | ७४० | ० | ० | ८०५ | ८०५ | ० | ० | ८३३ | ८३३ | ० | ० |
| २ | ३०१०००१२ | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | ३,४३१ | ३,४३१ | ० | ० | ३,६६८ | ३,६६८ | ० | ० | ३,८१४ | ३,८१४ | ० | ० |
| ३ | ३०१०१०११ | महान्यायाधिवक्ताको कार्यालय | १,७५९ | १,७५९ | ० | ० | १,९११ | १,९११ | ० | ० | २,००१ | २,००१ | ० | ० |
| ४ | ३०१०१०१२ | उच्च सरकारी वकिल कार्यालयहरु | २,६०२ | २,६०२ | ० | ० | २,७४२ | २,७४२ | ० | ० | २,८५८ | २,८५८ | ० | ० |
| ५ | ३०१०१०१३ | विशेष सरकारी वकील कार्यालय | १,०६६ | १,०६६ | ० | ० | १,१५४ | १,१५४ | ० | ० | १,२४५ | १,२४५ | ० | ० |
| ६ | ३०१०१०१४ | जिल्ला सरकारी वकिल कार्यालयहरु | ७,२९० | ७,२९० | ० | ० | ७,७१० | ७,७१० | ० | ० | ८,०७९ | ८,०७९ | ० | ० |
| ७ | ३०१०२०११ | सार्वजनिक खरिद अनुगमन कार्यालय | ९३९ | ९३९ | ० | ० | १,००२ | १,००२ | ० | ० | १,०४४ | १,०४४ | ० | ० |
| ८ | ३०१०३०११ | नेपाल ट्रष्टको कार्यालय | ४६४ | ४६४ | ० | ० | ४९० | ४९० | ० | ० | ५०८ | ५०८ | ० | ० |
| ९ | ३०१०४०११ | राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्र | १,१२६ | १,१२६ | ० | ० | १,१९५ | १,१९५ | ० | ० | १,२३८ | १,२३८ | ० | ० |
| १० | ३०१०५०११ | राजस्व अनुसन्धान विभाग | १,५६० | १,५६० | ० | ० | १,६८१ | १,६८१ | ० | ० | १,७४४ | १,७४४ | ० | ० |
| ११ | ३०१०६०११ | सम्पत्ति शुद्धिकरण अनुसन्धान विभाग | ७४६ | ७४६ | ० | ० | ७९९ | ७९९ | ० | ० | ८२८ | ८२८ | ० | ० |
| १२ | ३०१०७०११ | राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग | १५,४८४ | १५,४८४ | ० | ० | १६,३१७ | १६,३१७ | ० | ० | १७,०१५ | १७,०१५ | ० | ० |
| १३ | ३०१३१०११ | लगानी बोर्डको कार्यालय | ३,६९० | २,६७० | १,०२० | ० | ४,१२६ | ३,०२६ | १,१०० | ० | ४,३०४ | ३,८०४ | ५०० | ० |
| | | **जम्मा** | **४०,८९७** | **३९,८७७** | **१,०२०** | **०** | **४३,६००** | **४२,५००** | **१,१००** | **०** | **४५,५११** | **४५,०११** | **५००** | **०** |
| | **८.२** | **संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३६५०००११ | संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय | ८,१९५ | ८,१९५ | ० | ० | ६,७३० | ६,७३० | ० | ० | ७,४४५ | ७,४४५ | ० | ० |
| २ | ३६५०००१२ | अतिरिक्त समूह | १,९७२ | १,९७२ | ० | ० | २,५०४ | २,५०४ | ० | ० | २,८०५ | २,८०५ | ० | ० |
| ३ | ३६५००१०२ | संघीय शासन प्रणाली व्यवस्थापन कार्यक्रम | ५४ | ५४ | ० | ० | ८१ | ८१ | ० | ० | ९१ | ९१ | ० | ० |
| ४ | ३६५००१०५ | जिल्ला समन्वय समितिको कार्यालयहरु | ११,०२८ | ११,०२८ | ० | ० | १२,१०० | १२,१०० | ० | ० | १३,३०० | १३,३०० | ० | ० |
| ५ | ३६५००१०६ | बहुक्षेत्रीय पोषण कार्यक्रम | ८८८ | २४ | ८६४ | ० | १,१२९ | २३५ | ८९४ | ० | १,२६५ | ३६ | १,२२९ | ० |
| ६ | ३६५००१०७ | तराई मधेस समृद्धि कार्यक्रम | ५४० | ५४० | ० | ० | १८९ | १८९ | ० | ० | २१२ | २१२ | ० | ० |
| ७ | ३६५००१०८ | प्रदेश तथा स्थानीय शासन सहयोग कार्यक्रम | ६,८७९ | ३६२ | ६,५१७ | ० | ७,६७४ | ८५९ | ६,८१५ | ० | ८,४५१ | -८१९ | ९,२७० | ० |
| ८ | ३६५००१०९ | उत्तरीक्षेत्र पूर्वाधार विकास तथा जीवनस्तर सुधार कार्यक्रम | १०,००० | ० | १०,००० | ० | २५,४०० | ० | २५,४०० | ० | २५,००० | ० | २५,००० | ० |
| ९ | ३६५००१११ | उच्च पहाडी एवम् हिमाली क्षेत्र सम्मृद्धि कार्यक्रम | ८,५५० | ८,५५० | ० | ० | १२,००० | १२,००० | ० | ० | १४,५०० | १४,५०० | ० | ० |
| १० | ३६५००११२ | कर्णाली समृद्धि कार्यक्रम | २,४५० | २,४५० | ० | ० | २,६५० | २,६५० | ० | ० | २,९०० | २,९०० | ० | ० |
| ११ | ३६५०१०११ | स्थानीय पूर्वाधार विभाग | २,१९१ | २,१९१ | ० | ० | २,७८७ | २,७८७ | ० | ० | ३,१२३ | ३,१२३ | ० | ० |
| १२ | ३६५०११०१ | ग्रामीण जलस्रोत व्यवस्थापन परियोजना | १३९ | १३९ | ० | ० | १८९ | १८९ | ० | ० | २१२ | २१२ | ० | ० |
| १३ | ३६५०११०२ | ग्रामीण सडक सञ्जाल सुधार आयोजना | ४६,८०५ | १२,७७८ | ० | ३४,०२७ | ५९,४४२ | ९,४४२ | ० | ५०,००० | ६६,५७५ | १०,०७५ | ० | ५६,५०० |
| १४ | ३६५०११०३ | झोलुंगे पुल क्षेत्रगत कार्यक्रम | २९,५४५ | २७,०४५ | २,५०० | ० | ३७,५२४ | ३४,८२४ | २,७०० | ० | ४२,०२७ | ३८,४७१ | ३,५५६ | ० |
| १५ | ३६५०११०४ | ग्रामीण पहुंच कार्यक्रम | ४६ | ३१ | १५ | ० | ६० | ४५ | १५ | ० | ६७ | ४६ | २१ | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| १६ | ३६५०११०६ | स्थानीय स्तरका सडकपुल तथा सामुदायिक पहुंच सुधार परियोजना | ६,१५४ | २,९५४ | ३,२०० | ० | ९,०७४ | ५,५७४ | ३,५०० | ० | १०,१६३ | ५,६११ | ४,५५२ | ० |
| १७ | ३६५०११०९ | साना सिंचाई कार्यक्रम | १,६७० | २३ | १,६४७ | ० | २,१२२ | ३३८ | १,७८४ | ० | २,३७७ | ३४ | २,३४३ | ० |
| १८ | ३६५०१११० | साना विकास आयोजना | ४,८०० | ० | ४,८०० | ० | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ५,२०० | ५,२०० | ० | ० |
| १९ | ३६५०१११११ | स्थानीय तह प्रशासकीय भवन पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | ९,९९९ | ९,९९९ | ० | ० | १०,१६० | १०,१६० | ० | ० | ११,३७९ | ११,३७९ | ० | ० |
| २० | ३६५०१११२ | प्रादेशिक तथा स्थानीय सडक सुधार कार्यक्रम | २७,८७० | २,८७० | ० | २५,००० | १४२,५६९ | १२,५६९ | ० | १३०,००० | १५२,८७८ | १२,८७८ | ० | १४०,००० |
| २१ | ३६५०२०११ | निजामती किताबखाना | ६७५ | ६७५ | ० | ० | ७२० | ७२० | ० | ० | ७५५ | ७५५ | ० | ० |
| २२ | ३६५६१०११ | स्थानीय विकास प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | ६२९ | ६२९ | ० | ० | ७९९ | ७९९ | ० | ० | ८९५ | ८९५ | ० | ० |
| २३ | ३६५६१०१२ | नेपाल प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | २,४५५ | २,४५५ | ० | ० | २,६०० | २,६०० | ० | ० | २,८०० | २,८०० | ० | ० |
| २४ | ३६५६१०१३ | आदिवासि / जनजाति उत्थान राष्ट्रिय प्रतिष्ठान | ६०३ | ६०३ | ० | ० | ६८४ | ६८४ | ० | ० | ७४४ | ७४४ | ० | ० |
| २५ | ३६५८१०११ | निजामती कर्मचारी अस्पताल विकास समिति | ५,४३१ | ५,४३१ | ० | ० | ६,८९७ | ६,८९७ | ० | ० | ७,७२५ | ७,७२५ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१८९,५६८** | **१००,९९८** | **२९,५४३** | **५९,०२७** | **३५१,०८४** | **१२९,९७६** | **४१,१०८** | **१८०,०००** | **३८२,८८९** | **१४०,४१८** | **४५,९७१** | **१९६,५००** |
| | **८.३** | **कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३११०००११ | कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय | ४,२७७ | ४,२७७ | ० | ० | ४,७०१ | ४,७०१ | ० | ० | ४,८७९ | ४,८७९ | ० | ० |
| २ | ३११०१०११ | न्याय सेवा तालिम केन्द्र | २६१ | २६१ | ० | ० | २९१ | २९१ | ० | ० | ३०२ | ३०२ | ० | ० |
| ३ | ३११२१०११ | नेपाल कानून आयोग | ३३५ | ३३५ | ० | ० | ३५८ | ३५८ | ० | ० | ३७१ | ३७१ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **४,८७३** | **४,८७३** | **०** | **०** | **५,३५०** | **५,३५०** | **०** | **०** | **५,५५२** | **५,५५२** | **०** | **०** |
| | **८.४** | **गृह** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३१४०००११ | गृह मन्त्रालय | ५,१६६ | ५,१६६ | ० | ० | ५,७०२ | ५,७०२ | ० | ० | ६,०५१ | ६,०५१ | ० | ० |
| २ | ३१४००१०१ | राहत तथा पुर्नस्थापना कार्यक्रम | ९३१ | ९३१ | ० | ० | ९६८ | ९६८ | ० | ० | १,००२ | १,००२ | ० | ० |
| ३ | ३१४००१०२ | लागू औषध नियन्त्रण कार्यक्रम | ८२ | ८२ | ० | ० | ९३ | ९३ | ० | ० | ९६ | ९६ | ० | ० |
| ४ | ३१४००१०३ | राष्ट्रिय विपद जोखिम न्युनिकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरण | २३,६६९ | ४७३ | १,७९२ | २१,४०४ | ४,००० | ४,००० | ० | ० | ४,२०० | ४,२०० | ० | ० |
| ५ | ३१४०१०११ | राष्ट्रिय परिचयपत्र तथा पञ्जीकरण विभाग | २७,१६५ | १७,४४० | ० | ९,७२५ | ३८,७९२ | २७,११२ | ० | ११,६८० | ४०,६२६ | २८,३९१ | ० | १२,२३५ |
| ६ | ३१४०१०१२ | सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण | ९३६,९४२ | ९३६,९४२ | ० | ० | ९५०,००० | ९५०,००० | ० | ० | ९७०,००० | ९७०,००० | ० | ० |
| ७ | ३१४०२०११ | कारागार व्यवस्थापन विभाग | ३,३९४ | ३,३९४ | ० | ० | ५,४१८ | ५,४१८ | ० | ० | ५,८१४ | ५,८१४ | ० | ० |
| ८ | ३१४०२०१२ | कारागार कार्यालयहरु | १९,१५४ | १९,१५४ | ० | ० | १९,५१२ | १९,५१२ | ० | ० | १९,९४४ | १९,९४४ | ० | ० |
| ९ | ३१४०३०११ | अध्यागमन विभाग | १,८७५ | १,८७५ | ० | ० | १,४३१ | १,४३१ | ० | ० | १,५३२ | १,५३२ | ० | ० |
| १० | ३१४०३०१२ | अध्यागमन कार्यालयहरु | १,८४८ | १,८४८ | ० | ० | १,९३५ | १,९३५ | ० | ० | २,००६ | २,००६ | ० | ० |
| ११ | ३१४०४०११ | प्रहरी प्रधान कार्यालय | ५३,७४८ | ५३,७४८ | ० | ० | ५५,००९ | ५५,००९ | ० | ० | ५७,०१० | ५७,०१० | ० | ० |
| १२ | ३१४०४०१२ | महानगरीय प्रहरी | ५६,०९३ | ५६,०९३ | ० | ० | ५८,०५५ | ५८,०५५ | ० | ० | ६०,३९६ | ६०,३९६ | ० | ० |
| १३ | ३१४०४०१३ | राष्ट्रिय प्रहरी प्रशिक्षण प्रतिष्ठान | १३,३०७ | ८,३०७ | ५,००० | ० | १८,८८८ | १८,८८८ | ० | ० | २०,२९७ | २०,२९७ | ० | ० |
| १४ | ३१४०४०१४ | प्रदेश प्रहरी कार्यालयहरु | ५९,६५६ | ५९,६५६ | ० | ० | ६२,४५७ | ६२,४५७ | ० | ० | ६४,७३३ | ६४,७३३ | ० | ० |
| १५ | ३१४०४०१५ | नेपाल प्रहरी अस्पताल | ९,०६६ | ९,०६६ | ० | ० | ९,४७३ | ९,४७३ | ० | ० | ९,८४० | ९,८४० | ० | ० |
| १६ | ३१४०४०१६ | जिल्ला प्रहरी कार्यालयहरु | २१४,५४८ | २१४,५४८ | ० | ० | २२३,६५६ | २२३,६५६ | ० | ० | २३२,०१६ | २३२,०१६ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| १७ | ३१४०४१०३ | त्रि-वर्षिय अपराध नियन्त्रण तथा अनुसन्धान कार्ययोजना | ८२३ | ८२३ | ० | ० | ९१० | ९१० | ० | ० | ९९४ | ९९४ | ० | ० |
| १८ | ३१४०५०११ | सशस्त्र प्रहरी बल | १५,९८२ | १५,९८२ | ० | ० | १६,१२१ | १६,१२१ | ० | ० | १६,८०६ | १६,८०६ | ० | ० |
| १९ | ३१४०५०१३ | क्षेत्रीय सशस्त्र प्रहरी बल कार्यालय | १६२,७५९ | १६२,७५९ | ० | ० | १७२,०६८ | १७२,०६८ | ० | ० | १७८,६२४ | १७८,६२४ | ० | ० |
| २० | ३१४०५०१४ | सशस्त्र प्रहरी बल तालिम केन्द्रहरु | १२,११३ | १२,११३ | ० | ० | १३,९१२ | १३,९१२ | ० | ० | १४,४९० | १४,४९० | ० | ० |
| २१ | ३१४०५०१५ | नेपाल ए.पी.एफ अस्पताल | ४,२२५ | ४,२२५ | ० | ० | ३,३२५ | ३,३२५ | ० | ० | ३,४८१ | ३,४८१ | ० | ० |
| २२ | ३१४०६०११ | प्रहरी किताबखाना | २४१ | २४१ | ० | ० | २३२ | २३२ | ० | ० | २३९ | २३९ | ० | ० |
| २३ | ३१४९१०११ | समरजंग कम्पनी कार्यालय | १४२ | १४२ | ० | ० | १४५ | १४५ | ० | ० | १५० | १५० | ० | ० |
| २४ | ३१४९२०११ | जिल्ला प्रशासन कार्यालयहरु | १६,६५९ | १६,६५९ | ० | ० | १७,७८९ | १७,७८९ | ० | ० | १८,६५२ | १८,६५२ | ० | ० |
| २५ | ३१४९२०१२ | सीमा प्रशासन कार्यालयहरु | २६८ | २६८ | ० | ० | २७२ | २७२ | ० | ० | २८२ | २८२ | ० | ० |
| २६ | ३१४९२०१३ | इलाका प्रशासन कार्यालयहरु | ५,००२ | ५,००२ | ० | ० | ५,३१५ | ५,३१५ | ० | ० | ५,६०६ | ५,६०६ | ० | ० |
| २७ | ३१४९३०११ | जुद्ध वारुणयन्त्र कार्यालय | १५७ | १५७ | ० | ० | १५९ | १५९ | ० | ० | १६५ | १६५ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१,६४५,०१५** | **१,६०७,०९४** | **६,७९२** | **३१,१२९** | **१,६८५,६३७** | **१,६७३,९५७** | **०** | **११,६८०** | **१,७३५,०५२** | **१,७२२,८१७** | **०** | **१२,२३५** |
| | **८.५** | **रक्षा** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३४५०००११ | रक्षा मन्त्रालय | ८०० | ८०० | ० | ० | ८५९ | ८५९ | ० | ० | ८९५ | ८९५ | ० | ० |
| २ | ३४५०००१२ | राष्ट्रिय सुरक्षा परिषद् | ५३३ | ५३३ | ० | ० | ५६९ | ५६९ | ० | ० | ५९२ | ५९२ | ० | ० |
| ३ | ३४५०१०११ | जंगी अड्डा | ४८१,९१९ | ४८१,९१९ | ० | ० | ५०४,७५० | ५०४,७५० | ० | ० | ५२७,१५७ | ५२७,१५७ | ० | ० |
| ४ | ३४५०१०१२ | सैनिक हवाई महा-निर्देशनालय | ७,७४२ | ७,७४२ | ० | ० | ८,३४० | ८,३४० | ० | ० | ८,७३५ | ८,७३५ | ० | ० |
| ५ | ३४५०१०१३ | वीरेन्द्र अस्पताल (पोष्ट एक्सीडेन्ट सेन्टर समेत) | १७,१५२ | १७,१५२ | ० | ० | १८,०५७ | १८,०५७ | ० | ० | १८,९३९ | १८,९३९ | ० | ० |
| ६ | ३४५०१०१४ | सैनिक कमाण्ड तथा स्टाफ कलेज | १,२४८ | १,२४८ | ० | ० | १,३४४ | १,३४४ | ० | ० | १,३९२ | १,३९२ | ० | ० |
| ७ | ३४५०१०१५ | राष्ट्रिय सेवा दल | ३,९२३ | ३,९२३ | ० | ० | ४,११६ | ४,११६ | ० | ० | ४,२६१ | ४,२६१ | ० | ० |
| ८ | ३४५०१०१६ | अति विशिष्ट व्यक्तिहरुको सुरक्षा | २,०७८ | २,०७८ | ० | ० | २,१६० | २,१६० | ० | ० | २,२३७ | २,२३७ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **५१५,३९५** | **५१५,३९५** | **०** | **०** | **५४०,१९५** | **५४०,१९५** | **०** | **०** | **५६४,२०८** | **५६४,२०८** | **०** | **०** |
| | **८.६** | **परराष्ट्र** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३२६०००११ | परराष्ट्र मन्त्रालय | ११,०३७ | ११,०३७ | ० | ० | १२,६०० | १२,६०० | ० | ० | १३,००० | १३,००० | ० | ० |
| २ | ३२६०००१२ | नेपाली राजदूतावासहरु, स्थायी नियोगहरु र महावाणिज्य दूतावासहरु | ४५,९९३ | ४५,९९३ | ० | ० | ४७,५०० | ४७,५०० | ० | ० | ५२,००० | ५२,००० | ० | ० |
| ३ | ३२६०००१३ | सीमा नापी टोली | ४३३ | ४३३ | ० | ० | ४४० | ४४० | ० | ० | ४८० | ४८० | ० | ० |
| ४ | ३२६०१०११ | राहदानी विभाग | १०,१५४ | १०,१५४ | ० | ० | २०,९६० | २०,९६० | ० | ० | १०,९९० | १०,९९० | ० | ० |
| ५ | ३२६०२०११ | कन्सुलर सेवा विभाग | ३८२ | ३८२ | ० | ० | ३७५ | ३७५ | ० | ० | ४१० | ४१० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **६७,९९९** | **६७,९९९** | **०** | **०** | **८१,८७५** | **८१,८७५** | **०** | **०** | **७६,८८०** | **७६,८८०** | **०** | **०** |
| | **८.७** | **योजना तथा तथ्यांक** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ३९१०००११ | राष्ट्रिय योजना आयोग | १,७९१ | १,७९१ | ० | ० | २,२०० | २,२०० | ० | ० | २,४०० | २,४०० | ० | ० |
| २ | ३९१००१०१ | योजना तथा जनशक्ति विकास कार्यक्रम | १२५ | १२५ | ० | ० | २८२ | २८२ | ० | ० | ३९० | ३९० | ० | ० |
| ३ | ३९१०१०११ | केन्द्रीय तथ्यांक विभाग | १,०५१ | १,०५१ | ० | ० | १,२८६ | १,२८६ | ० | ० | १,५४३ | १,५४३ | ० | ० |
| ४ | ३९१०१०१२ | जिल्ला तथ्यांक कार्यालयहरु | २,६१२ | २,६१२ | ० | ० | २,८७५ | २,८७५ | ० | ० | ३,११० | ३,११० | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ५ | ३९१०११०१ | आर्थिक तथ्यांक विकास कार्यक्रम | ६,५९९ | ६,५९९ | ० | ० | १,३५२ | १,३५२ | ० | ० | ८२१ | ८२१ | ० | ० |
| ६ | ३९१०११०२ | सामाजिक तथ्यांक विकास कार्यक्रम | ९७९ | ९७९ | ० | ० | १,३८१ | १,३८१ | ० | ० | ९३९ | ९३९ | ० | ० |
| ७ | ३९१०११०३ | राष्ट्रिय जनगणना २०७८ | १४,६६१ | १४,६६१ | ० | ० | १,२५० | १,२५० | ० | ० | ५४० | ५४० | ० | ० |
| **जम्मा** | | | **२७,८१८** | **२७,८१८** | **०** | **०** | **१०,६२६** | **१०,६२६** | **०** | **०** | **९,७४३** | **९,७४३** | **०** | **०** |
| **कुल जम्मा** | | | **२,४९१,५६५** | **२,३६४,०५४** | **३७,३५५** | **९०,१५६** | **२,७१८,३६७** | **२,४८४,४७९** | **४२,२०८** | **१९१,६८०** | **२,८१९,८३५** | **२,५६४,६२९** | **४६,४७१** | **२०८,७३५** |

# अनुसूची ९.१

## संवैधानिक अंग तथा निकायको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ९.१ | **राष्ट्रपतिको कार्यालय** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | १०१००००१ | राष्ट्रपति | ६६ | ७५ | ७५ | ० | ० | ८२ | ८२ | ० | ० | ८५ | ८५ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | १०१०००११ | राष्ट्रपतिको कार्यालय (प्रशासनिक खर्च समेत) | १,१६३ | १,३५१ | १,१५७ | १९४ | ० | १,४४१ | १,२२८ | २१३ | ० | १,५०५ | १,२७१ | २३४ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **१,२२९** | **१,४२६** | **१,२३२** | **१९४** | **०** | **१,५२३** | **१,३१०** | **२१३** | **०** | **१,५९०** | **१,३५६** | **२३४** | **०** | | | | | |
| | ९.२ | **उपराष्ट्रपतिको कार्यालय** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | १०२००००१ | उपराष्ट्रपति | ८० | ५९ | ५९ | ० | ० | ६५ | ६५ | ० | ० | ६७ | ६७ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | १०२०००११ | उपराष्ट्रपतिको कार्यालय (प्रशासनिक खर्च समेत) | ३८८ | ४१६ | ४०१ | १५ | ० | ४४२ | ४२५ | १७ | ० | ४५९ | ४४० | १९ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **४६८** | **४७५** | **४६०** | **१५** | **०** | **५०७** | **४९०** | **१७** | **०** | **५२६** | **५०७** | **१९** | **०** | | | | | |
| | ९.३ | **संघीय संसद** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २०२००००१ | संघीय संसद | १९० | २४२ | २४२ | ० | ० | २५७ | २५७ | ० | ० | २६६ | २६६ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | २०२०००११ | संघीय संसद | ७,१२२ | ८,२४० | ८,२४० | ० | ० | ८,८०८ | ८,८०८ | ० | ० | ९,११६ | ९,११६ | ० | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ३ | २०२०००१२ | संघीय संसद सचिवालय | ३,१०७ | ३,७०२ | ३,३८२ | ३२० | ० | ३,९०५ | ३,५५३ | ३५२ | ० | ४,०६४ | ३,६७७ | ३८७ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **१०,४१९** | **१२,१८४** | **११,८६४** | **३२०** | **०** | **१२,९७०** | **१२,६१८** | **३५२** | **०** | **१३,४४६** | **१३,०५९** | **३८७** | **०** | | | | | |
| | ९.४ | **अदालत** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २०४००००१ | सर्वोच्च अदालत | ५३१ | ६३७ | ६३७ | ० | ० | ६७० | ६७० | ० | ० | ६९३ | ६९३ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | २०४०००११ | सर्वोच्च अदालत (प्रशासनिक खर्च समेत) | १९,०६२ | १५,१६८ | ४,८१४ | १०,३५४ | ० | १६,५२९ | ५,१४० | ११,३८९ | ० | १७,८४८ | ५,३२० | १२,५२८ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ३ | २०४०००१२ | मेलमिलाप परिषद | ७२ | ११८ | ११५ | ३ | ० | १३८ | १३५ | ३ | ० | १४३ | १४० | ३ | ० | ६ | २ | १६ | ३ | ३ |
| ४ | २०४६१०११ | राष्ट्रिय न्यायिक प्रतिष्ठान | ५८३ | ८२३ | ६२९ | १९४ | ० | ९०५ | ६९२ | २१३ | ० | ९५० | ७१६ | २३४ | ० | ८ | २ | १६ | ३ | ३ |
| ५ | २०४९१०११ | उच्च अदालतहरु | १०,६४० | १२,३४१ | १०,७२० | १,६२१ | ० | १३,०५९ | ११,२७६ | १,७८३ | ० | १३,६३२ | ११,६७१ | १,९६१ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ६ | २०४९२०११ | विशेष अदालत | ४५३ | ८७६ | ५३१ | ३४५ | ० | ९४३ | ५६३ | ३८० | ० | १,००१ | ५८३ | ४१८ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ७ | २०४९३०११ | प्रशासकीय अदालत | १६७ | ३०१ | २९० | ११ | ० | ३१४ | ३०२ | १२ | ० | ३२६ | ३१३ | १३ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ८ | २०४९४०११ | श्रम अदालत | १३६ | २०६ | १९९ | ७ | ० | २१४ | २०६ | ८ | ० | २२२ | २१३ | ९ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ९ | २०४९५०११ | फैसला कार्यान्वयन निर्देशनालय | १५३ | १८८ | १८२ | ६ | ० | २०३ | १९६ | ७ | ० | २११ | २०३ | ८ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १० | २०४९६०११ | राजस्व न्यायाधिकरणहरु | ३९३ | ६४० | ६२१ | १९ | ० | ६७० | ६४९ | २१ | ० | ६९५ | ६७२ | २३ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ११ | २०४९७०११ | जिल्ला अदालतहरु | ३७,४२३ | ३७,०६६ | २९,२३३ | ७,८३३ | ० | ३९,३०१ | ३०,६८५ | ८,६१६ | ० | ४१,२३७ | ३१,७५९ | ९,४७८ | ० | ६ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **६९,६१३** | **६८,३६४** | **४७,९७१** | **२०,३९३** | **०** | **७२,९४६** | **५०,५१४** | **२२,४३२** | **०** | **७६,९५८** | **५२,२८३** | **२४,६७५** | **०** | | | | | |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ९.५ | **अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २०६००००१ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग | ३२ | ९९ | ९९ | ० | ० | १०४ | १०४ | ० | ० | १०८ | १०८ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | २०६०००११ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | ८,२७३ | १२,६६५ | ९,७५६ | २,९०९ | ० | १३,७०८ | १०,५०८ | ३,२०० | ० | १४,३९६ | १०,८७६ | ३,५२० | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **८,३०५** | **१२,७६४** | **९,८५५** | **२,९०९** | **०** | **१३,८१२** | **१०,६१२** | **३,२००** | **०** | **१४,५०४** | **१०,९८४** | **३,५२०** | **०** | | | | | |
| | ९.६ | **महालेखा परीक्षकको कार्यालय** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २०८००००१ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय | १४ | २७ | २७ | ० | ० | २९ | २९ | ० | ० | ३० | ३० | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | २०८०००११ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय (प्रशासनिक खर्च समेत) | ५,१४१ | ५,४९८ | ४,६५० | ८४८ | ० | ५,९०१ | ४,९६८ | ९३३ | ० | ६,१६८ | ५,१४२ | १,०२६ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **५,१५५** | **५,५२५** | **४,६७७** | **८४८** | **०** | **५,९३०** | **४,९९७** | **९३३** | **०** | **६,१९८** | **५,१७२** | **१,०२६** | **०** | | | | | |
| | ९.७ | **लोक सेवा आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २१०००००१ | लोक सेवा आयोग | ५७ | ७७ | ७७ | ० | ० | ८२ | ८२ | ० | ० | ८५ | ८५ | ० | ० | ९ | १ | १६ | १ | ३ |
| २ | २१०००००११ | लोक सेवा आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | २,८६५ | ५,५८३ | ५,५१४ | ६९ | ० | ६,२८२ | ६,२०६ | ७६ | ० | ६,५०७ | ६,४२३ | ८४ | ० | ८ | १ | १६ | १ | ३ |
| ३ | २१०९१०११ | लोक सेवा आयोग, कार्यालयहरु | २,४४६ | २,८०० | २,६५८ | १४२ | ० | ३,०५८ | २,९०२ | १५६ | ० | ३,१७६ | ३,००४ | १७२ | ० | ८ | १ | १६ | १ | ३ |
| | | **जम्मा** | **५,३६८** | **८,४६०** | **८,२४९** | **२११** | **०** | **९,४२२** | **९,१९०** | **२३२** | **०** | **९,७६८** | **९,५१२** | **२५६** | **०** | | | | | |
| | ९.८ | **निर्वाचन आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २१२००००१ | निर्वाचन आयोग | ५८ | ८५ | ८५ | ० | ० | ९० | ९० | ० | ० | ९३ | ९३ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | २१२०००११ | निर्वाचन आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | १,४८१ | १,८३८ | ८९५ | ९४३ | ० | १,९८९ | ९५२ | १,०३७ | ० | २,१२६ | ९८५ | १,१४१ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ३ | २१२०००१२ | मतदाता नामावली अध्यावधिक संकलन - मतदाता परिचय पत्र समेत | ४०४ | २३५ | २३५ | ० | ० | २९१ | २९१ | ० | ० | ३०१ | ३०१ | ० | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ४ | २१२९१०११ | निर्वाचन कार्यालयहरु (प्रशासनिक खर्च समेत) | २,९५३ | ३,२८२ | ३,१७६ | १०६ | ० | ३,४३६ | ३,३१९ | ११७ | ० | ३,५६४ | ३,४३५ | १२९ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **४,८९६** | **५,४४०** | **४,३९१** | **१,०४९** | **०** | **५,८०६** | **४,६५२** | **१,१५४** | **०** | **६,०८४** | **४,८१४** | **१,२७०** | **०** | | | | | |
| | ९.९ | **राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २१४००००१ | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग | ११३ | ६८ | ६८ | ० | ० | ७१ | ७१ | ० | ० | ७३ | ७३ | ० | ० | ९ | १ | १६ | १ | ३ |
| २ | २१४०००११ | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | १,६६० | २,४६८ | २,४३४ | ३४ | ० | २,६३८ | २,६०१ | ३७ | ० | २,७३३ | २,६९२ | ४१ | ० | ६ | १ | १६ | १ | ३ |
| | | **जम्मा** | **१,७७३** | **२,५३६** | **२,५०२** | **३४** | **०** | **२,७०९** | **२,६७२** | **३७** | **०** | **२,८०६** | **२,७६५** | **४१** | **०** | | | | | |
| | ९.१० | **राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२००००००१ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | २२ | ८४ | ८४ | ० | ० | ९२ | ९२ | ० | ० | ९५ | ९५ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | २२०००००११ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | ४३९ | ७४५ | ७०९ | ३६ | ० | ८२१ | ७८१ | ४० | ० | ८५२ | ८०८ | ४४ | ० | ८ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **४६१** | **८२९** | **७९३** | **३६** | **०** | **९१३** | **८७३** | **४०** | **०** | **९४७** | **९०३** | **४४** | **०** | | | | | |

(रकम रू. लाखमा)

| क.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ९.११ | **राष्ट्रिय महिला आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२२००००१ | राष्ट्रिय महिला आयोग | २० | ७८ | ७८ | ० | ० | ८२ | ८२ | ० | ० | ८५ | ८५ | ० | ० | ९ | १ | ५ | १ | ३ |
| २ | २२२०००११ | राष्ट्रिय महिला आयोग | ६७० | ९३५ | ९०८ | २७ | ० | १,०५३ | १,०२३ | ३० | ० | १,०९२ | १,०५९ | ३३ | ० | ६ | १ | ५ | १ | ३ |
| | | **जम्मा** | **६९०** | **१,०१३** | **९८६** | **२७** | **०** | **१,१३५** | **१,१०५** | **३०** | **०** | **१,१७७** | **१,१४४** | **३३** | **०** | | | | | |
| | ९.१२ | **राष्ट्रिय दलित आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२४००००१ | राष्ट्रिय दलित आयोग | २३ | ८२ | ८२ | ० | ० | ८८ | ८८ | ० | ० | ९१ | ९१ | ० | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | २२४०००११ | राष्ट्रिय दलित आयोग | २४० | २४२ | २३२ | १० | ० | २५७ | २४६ | ११ | ० | २६७ | २५५ | १२ | ० | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **२६३** | **३२४** | **३१४** | **१०** | **०** | **३४५** | **३३४** | **११** | **०** | **३५८** | **३४६** | **१२** | **०** | | | | | |
| | ९.१३ | **राष्ट्रिय समावेशी आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२६००००१ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | २४ | ६८ | ६८ | ० | ० | ७१ | ७१ | ० | ० | ७३ | ७३ | ० | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | २२६०००११ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | १८३ | २३६ | २२४ | १२ | ० | २४८ | २३५ | १३ | ० | २५७ | २४३ | १४ | ० | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **२०७** | **३०४** | **२९२** | **१२** | **०** | **३१९** | **३०६** | **१३** | **०** | **३३०** | **३१६** | **१४** | **०** | | | | | |
| | ९.१४ | **आदिवासी जनजाति आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२८००००१ | आदिवासी जनजाति आयोग | २१ | ६७ | ६७ | ० | ० | ७० | ७० | ० | ० | ७२ | ७२ | ० | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | २२८०००११ | आदिवासी जनजाति आयोग | १९४ | २०४ | १९१ | १३ | ० | २२० | २०६ | १४ | ० | २२८ | २१३ | १५ | ० | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **२१५** | **२७१** | **२५८** | **१३** | **०** | **२९०** | **२७६** | **१४** | **०** | **३००** | **२८५** | **१५** | **०** | | | | | |
| | ९.१५ | **मधेशी आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २३००००००१ | मधेशी आयोग | ३१ | ६७ | ६७ | ० | ० | ७० | ७० | ० | ० | ७२ | ७२ | ० | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | २३०००००११ | मधेशी आयोग | ४०० | २५९ | २५३ | ६ | ० | २८१ | २७४ | ७ | ० | २९२ | २८४ | ८ | ० | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **४३१** | **३२६** | **३२०** | **६** | **०** | **३५१** | **३४४** | **७** | **०** | **३६४** | **३५६** | **८** | **०** | | | | | |
| | ९.१६ | **थारू आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २३२००००१ | थारू आयोग | २७ | ६५ | ६५ | ० | ० | ६८ | ६८ | ० | ० | ७० | ७० | ० | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | २३२०००११ | थारू आयोग | ३६० | ३५७ | ३२७ | ३० | ० | ३९५ | ३६२ | ३३ | ० | ४११ | ३७५ | ३६ | ० | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **३८७** | **४२२** | **३९२** | **३०** | **०** | **४६३** | **४३०** | **३३** | **०** | **४८१** | **४४५** | **३६** | **०** | | | | | |
| | ९.१७ | **मुस्लिम आयोग** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २३४००००१ | मुस्लिम आयोग | २१ | ७१ | ७१ | ० | ० | ७५ | ७५ | ० | ० | ७८ | ७८ | ० | ० | ९ | १ | १६ | २ | ३ |
| २ | २३४०००११ | मुस्लिम आयोग | २५४ | ३५८ | ३०१ | ५७ | ० | ३९७ | ३३४ | ६३ | ० | ४१५ | ३४६ | ६९ | ० | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **२७५** | **४२९** | **३७२** | **५७** | **०** | **४७२** | **४०९** | **६३** | **०** | **४९३** | **४२४** | **६९** | **०** | | | | | |
| | ९.१८ | **न्याय परिषद्** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | २१८००००१ | न्याय परिषद् | ३० | ३९ | ३९ | ० | ० | ४० | ४० | ० | ० | ४१ | ४१ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | २१८०००११ | न्याय परिषद् | ३८० | ४२५ | ४०४ | २१ | ० | ४६१ | ४३८ | २३ | ० | ४७८ | ४५३ | २५ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **४१०** | **४६४** | **४४३** | **२१** | **०** | **५०१** | **४७८** | **२३** | **०** | **५१९** | **४९४** | **२५** | **०** | | | | | |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | ९.१९ | प्रदेश प्रमुख | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | १०३००००१ | प्रदेश प्रमुख- प्रदेश नं. १ | ४७ | ४० | ४० | ० | ० | ४३ | ४३ | ० | ० | ४५ | ४५ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| २ | १०३००००२ | प्रदेश प्रमुख- प्रदेश नं. २ | ४१ | ४२ | ४२ | ० | ० | ४६ | ४६ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ३ | १०३००००३ | प्रदेश प्रमुख- बागमती प्रदेश | २५ | ४० | ४० | ० | ० | ४३ | ४३ | ० | ० | ४५ | ४५ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ४ | १०३००००४ | प्रदेश प्रमुख- गण्डकी प्रदेश | ३३ | ४२ | ४२ | ० | ० | ४६ | ४६ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ५ | १०३००००५ | प्रदेश प्रमुख- लुम्बिनी प्रदेश | २५ | ४४ | ४४ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० | ५० | ५० | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ६ | १०३००००६ | प्रदेश प्रमुख- कर्णाली प्रदेश | ३२ | ४२ | ४२ | ० | ० | ४६ | ४६ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ७ | १०३००००७ | प्रदेश प्रमुख- सुदूरपश्चिम प्रदेश | ३४ | ४२ | ४२ | ० | ० | ४६ | ४६ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ८ | १०३०००११ | प्रदेश प्रमुख- प्रदेश नं. १ (प्रशासनिक खर्च समेत) | २०० | २४० | २३२ | ८ | ० | २५४ | २४५ | ९ | ० | २६४ | २५४ | १० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ९ | १०३०००१२ | प्रदेश प्रमुख- प्रदेश नं. २ (प्रशासनिक खर्च समेत) | २०३ | २५० | २४६ | ४ | ० | २६४ | २६० | ४ | ० | २७३ | २६९ | ४ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १० | १०३०००१३ | प्रदेश प्रमुख- बागमती प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | २०२ | २६६ | २६२ | ४ | ० | २८० | २७६ | ४ | ० | २९० | २८६ | ४ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ११ | १०३०००१४ | प्रदेश प्रमुख- गण्डकी प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | १८८ | २३७ | २३० | ७ | ० | २५१ | २४३ | ८ | ० | २६१ | २५२ | ९ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १२ | १०३०००१५ | प्रदेश प्रमुख- लुम्बिनी प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | १४३ | २४७ | २३४ | १३ | ० | २६२ | २४८ | १४ | ० | २७२ | २५७ | १५ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १३ | १०३०००१६ | प्रदेश प्रमुख- कर्णाली प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | १९६ | २३९ | २३३ | ६ | ० | २५३ | २४६ | ७ | ० | २६३ | २५५ | ८ | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १४ | १०३०००१७ | प्रदेश प्रमुख- सुदूरपश्चिम प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | १८९ | २४६ | २३८ | ८ | ० | २६२ | २५३ | ९ | ० | २७२ | २६२ | १० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| **जम्मा** | | | **१,५५८** | **२,०१७** | **१,९६७** | **५०** | **०** | **२,१४४** | **२,०८९** | **५५** | **०** | **२,२२७** | **२,१६७** | **६०** | **०** | | | | | |
| **कुल जम्मा** | | | **११२,१२३** | **१२३,५७३** | **९७,३३८** | **२६,२३५** | **०** | **१३२,५५८** | **१०३,६९९** | **२८,८५९** | **०** | **१३९,०७६** | **१०७,३३२** | **३१,७४४** | **०** | | | | | |

# अनुसूची ९.२

## संवैधानिक अंग तथा निकायको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | ९.१ | **राष्ट्रपतिको कार्यालय** | | | | | | | | | | | | |
| १ | १०१००००१ | राष्ट्रपति | ७५ | ७५ | ० | ० | ८२ | ८२ | ० | ० | ८५ | ८५ | ० | ० |
| २ | १०१०००११ | राष्ट्रपतिको कार्यालय (प्रशासनिक खर्च समेत) | १,३५१ | १,३५१ | ० | ० | १,४४१ | १,४४१ | ० | ० | १,५०५ | १,५०५ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१,४२६** | **१,४२६** | **०** | **०** | **१,५२३** | **१,५२३** | **०** | **०** | **१,५९०** | **१,५९०** | **०** | **०** |
| | ९.२ | **उपराष्ट्रपतिको कार्यालय** | | | | | | | | | | | | |
| १ | १०२००००१ | उपराष्ट्रपति | ५९ | ५९ | ० | ० | ६५ | ६५ | ० | ० | ६७ | ६७ | ० | ० |
| २ | १०२०००११ | उपराष्ट्रपतिको कार्यालय (प्रशासनिक खर्च समेत) | ४१६ | ४१६ | ० | ० | ४४२ | ४४२ | ० | ० | ४५९ | ४५९ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **४७५** | **४७५** | **०** | **०** | **५०७** | **५०७** | **०** | **०** | **५२६** | **५२६** | **०** | **०** |
| | ९.३ | **संघीय संसद** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २०२००००१ | संघीय संसद | २४२ | २४२ | ० | ० | २५७ | २५७ | ० | ० | २६६ | २६६ | ० | ० |
| २ | २०२०००११ | संघीय संसद | ८,२४० | ८,२४० | ० | ० | ८,८०८ | ८,८०८ | ० | ० | ९,११६ | ९,११६ | ० | ० |
| ३ | २०२०००१२ | संघीय संसद सचिवालय | ३,७०२ | ३,७०२ | ० | ० | ३,९०५ | ३,९०५ | ० | ० | ४,०६४ | ४,०६४ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१२,१८४** | **१२,१८४** | **०** | **०** | **१२,९७०** | **१२,९७०** | **०** | **०** | **१३,४४६** | **१३,४४६** | **०** | **०** |
| | ९.४ | **अदालत** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २०४००००१ | सर्वोच्च अदालत | ६३७ | ६३७ | ० | ० | ६७० | ६७० | ० | ० | ६९३ | ६९३ | ० | ० |
| २ | २०४०००११ | सर्वोच्च अदालत (प्रशासनिक खर्च समेत) | १५,१६८ | १५,१६८ | ० | ० | १६,५२९ | १६,५२९ | ० | ० | १७,८४८ | १७,८४८ | ० | ० |
| ३ | २०४०००१२ | मेलमिलाप परिषद | ११८ | ११८ | ० | ० | १३८ | १३८ | ० | ० | १४३ | १४३ | ० | ० |
| ४ | २०४६१०११ | राष्ट्रिय न्यायिक प्रतिष्ठान | ८२३ | ८२३ | ० | ० | ९०५ | ९०५ | ० | ० | ९५० | ९५० | ० | ० |
| ५ | २०४९१०११ | उच्च अदालतहरु | १२,३४१ | १२,३४१ | ० | ० | १३,०५९ | १३,०५९ | ० | ० | १३,६३२ | १३,६३२ | ० | ० |
| ६ | २०४९२०११ | विशेष अदालत | ८७६ | ८७६ | ० | ० | ९४३ | ९४३ | ० | ० | १,००१ | १,००१ | ० | ० |
| ७ | २०४९३०११ | प्रशासकीय अदालत | ३०१ | ३०१ | ० | ० | ३१४ | ३१४ | ० | ० | ३२६ | ३२६ | ० | ० |
| ८ | २०४९४०११ | श्रम अदालत | २०६ | २०६ | ० | ० | २१४ | २१४ | ० | ० | २२२ | २२२ | ० | ० |
| ९ | २०४९५०११ | फैसला कार्यान्वयन निर्देशनालय | १८८ | १८८ | ० | ० | २०३ | २०३ | ० | ० | २११ | २११ | ० | ० |
| १० | २०४९६०११ | राजस्व न्यायाधिकरणहरु | ६४० | ६४० | ० | ० | ६७० | ६७० | ० | ० | ६९५ | ६९५ | ० | ० |
| ११ | २०४९७०११ | जिल्ला अदालतहरु | ३७,०६६ | ३७,०६६ | ० | ० | ३९,३०१ | ३९,३०१ | ० | ० | ४१,२३७ | ४१,२३७ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **६८,३६४** | **६८,३६४** | **०** | **०** | **७२,९४६** | **७२,९४६** | **०** | **०** | **७६,९५८** | **७६,९५८** | **०** | **०** |
| | ९.५ | **अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २०६००००१ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग | ९९ | ९९ | ० | ० | १०४ | १०४ | ० | ० | १०८ | १०८ | ० | ० |
| २ | २०६०००११ | अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | १२,६६५ | १२,६६५ | ० | ० | १३,७०८ | १३,७०८ | ० | ० | १४,३९६ | १४,३९६ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१२,७६४** | **१२,७६४** | **०** | **०** | **१३,८१२** | **१३,८१२** | **०** | **०** | **१४,५०४** | **१४,५०४** | **०** | **०** |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | **९.६** | **महालेखा परीक्षकको कार्यालय** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २०८००००१ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय | २७ | २७ | ० | ० | २९ | २९ | ० | ० | ३० | ३० | ० | ० |
| २ | २०८०००११ | महालेखा परीक्षकको कार्यालय (प्रशासनिक खर्च समेत) | ५,४९८ | ५,४९८ | ० | ० | ५,९०१ | ५,९०१ | ० | ० | ६,१६८ | ६,१६८ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **५,५२५** | **५,५२५** | **०** | **०** | **५,९३०** | **५,९३०** | **०** | **०** | **६,१९८** | **६,१९८** | **०** | **०** |
| | **९.७** | **लोक सेवा आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २१०००००१ | लोक सेवा आयोग | ७७ | ७७ | ० | ० | ८२ | ८२ | ० | ० | ८५ | ८५ | ० | ० |
| २ | २१०००११ | लोक सेवा आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | ५,५८३ | ५,५८३ | ० | ० | ६,२८२ | ६,२८२ | ० | ० | ६,५०७ | ६,५०७ | ० | ० |
| ३ | २१०९१०११ | लोक सेवा आयोग, कार्यालयहरु | २,८०० | २,८०० | ० | ० | ३,०५८ | ३,०५८ | ० | ० | ३,१७६ | ३,१७६ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **८,४६०** | **८,४६०** | **०** | **०** | **९,४२२** | **९,४२२** | **०** | **०** | **९,७६८** | **९,७६८** | **०** | **०** |
| | **९.८** | **निर्वाचन आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २१२००००१ | निर्वाचन आयोग | ८५ | ८५ | ० | ० | ९० | ९० | ० | ० | ९३ | ९३ | ० | ० |
| २ | २१२०००११ | निर्वाचन आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | १,८३८ | १,८३८ | ० | ० | १,९८९ | १,९८९ | ० | ० | २,१२६ | २,१२६ | ० | ० |
| ३ | २१२०००१२ | मतदाता नामावली अध्यावधिक संकलन -मतदाता परिचय पत्र समेत | २३५ | २३५ | ० | ० | २९१ | २९१ | ० | ० | ३०१ | ३०१ | ० | ० |
| ४ | २१२९१०११ | निर्वाचन कार्यालयहरु (प्रशासनिक खर्च समेत) | ३,२८२ | ३,२८२ | ० | ० | ३,४३६ | ३,४३६ | ० | ० | ३,५६४ | ३,५६४ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **५,४४०** | **५,४४०** | **०** | **०** | **५,८०६** | **५,८०६** | **०** | **०** | **६,०८४** | **६,०८४** | **०** | **०** |
| | **९.९** | **राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २१४००००१ | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग | ६८ | ६८ | ० | ० | ७१ | ७१ | ० | ० | ७३ | ७३ | ० | ० |
| २ | २१४०००११ | राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग (प्रशासनिक खर्च समेत) | २,४६८ | २,४६८ | ० | ० | २,६३८ | २,६३८ | ० | ० | २,७३३ | २,७३३ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **२,५३६** | **२,५३६** | **०** | **०** | **२,७०९** | **२,७०९** | **०** | **०** | **२,८०६** | **२,८०६** | **०** | **०** |
| | **९.१०** | **राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२०००००१ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | ८४ | ८४ | ० | ० | ९२ | ९२ | ० | ० | ९५ | ९५ | ० | ० |
| २ | २२०००११ | राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग | ७४५ | ७४५ | ० | ० | ८२१ | ८२१ | ० | ० | ८५२ | ८५२ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **८२९** | **८२९** | **०** | **०** | **९१३** | **९१३** | **०** | **०** | **९४७** | **९४७** | **०** | **०** |
| | **९.११** | **राष्ट्रिय महिला आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२२००००१ | राष्ट्रिय महिला आयोग | ७८ | ७८ | ० | ० | ८२ | ८२ | ० | ० | ८५ | ८५ | ० | ० |
| २ | २२२०००११ | राष्ट्रिय महिला आयोग | ९३५ | ९३५ | ० | ० | १,०५३ | १,०५३ | ० | ० | १,०९२ | १,०९२ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१,०१३** | **१,०१३** | **०** | **०** | **१,१३५** | **१,१३५** | **०** | **०** | **१,१७७** | **१,१७७** | **०** | **०** |
| | **९.१२** | **राष्ट्रिय दलित आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२४००००१ | राष्ट्रिय दलित आयोग | ८२ | ८२ | ० | ० | ८८ | ८८ | ० | ० | ९१ | ९१ | ० | ० |
| २ | २२४०००११ | राष्ट्रिय दलित आयोग | २४२ | २४२ | ० | ० | २५७ | २५७ | ० | ० | २६७ | २६७ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **३२४** | **३२४** | **०** | **०** | **३४५** | **३४५** | **०** | **०** | **३५८** | **३५८** | **०** | **०** |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | **९.१३** | **राष्ट्रिय समावेशी आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२६००००१ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | ६८ | ६८ | ० | ० | ७१ | ७१ | ० | ० | ७३ | ७३ | ० | ० |
| २ | २२६०००११ | राष्ट्रिय समावेशी आयोग | २३६ | २३६ | ० | ० | २४८ | २४८ | ० | ० | २५७ | २५७ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **३०४** | **३०४** | **०** | **०** | **३१९** | **३१९** | **०** | **०** | **३३०** | **३३०** | **०** | **०** |
| | **९.१४** | **आदिवासी जनजाति आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २२८००००१ | आदिवासी जनजाति आयोग | ६७ | ६७ | ० | ० | ७० | ७० | ० | ० | ७२ | ७२ | ० | ० |
| २ | २२८०००११ | आदिवासी जनजाति आयोग | २०४ | २०४ | ० | ० | २२० | २२० | ० | ० | २२८ | २२८ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **२७१** | **२७१** | **०** | **०** | **२९०** | **२९०** | **०** | **०** | **३००** | **३००** | **०** | **०** |
| | **९.१५** | **मधेशी आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २३००००००१ | मधेशी आयोग | ६७ | ६७ | ० | ० | ७० | ७० | ० | ० | ७२ | ७२ | ० | ० |
| २ | २३०००००११ | मधेशी आयोग | २५९ | २५९ | ० | ० | २८१ | २८१ | ० | ० | २९२ | २९२ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **३२६** | **३२६** | **०** | **०** | **३५१** | **३५१** | **०** | **०** | **३६४** | **३६४** | **०** | **०** |
| | **९.१६** | **थारू आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २३२००००१ | थारू आयोग | ६५ | ६५ | ० | ० | ६८ | ६८ | ० | ० | ७० | ७० | ० | ० |
| २ | २३२०००११ | थारू आयोग | ३५७ | ३५७ | ० | ० | ३९५ | ३९५ | ० | ० | ४११ | ४११ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **४२२** | **४२२** | **०** | **०** | **४६३** | **४६३** | **०** | **०** | **४८१** | **४८१** | **०** | **०** |
| | **९.१७** | **मुस्लिम आयोग** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २३४००००१ | मुस्लिम आयोग | ७१ | ७१ | ० | ० | ७५ | ७५ | ० | ० | ७८ | ७८ | ० | ० |
| २ | २३४०००११ | मुस्लिम आयोग | ३५८ | ३५८ | ० | ० | ३९७ | ३९७ | ० | ० | ४१५ | ४१५ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **४२९** | **४२९** | **०** | **०** | **४७२** | **४७२** | **०** | **०** | **४९३** | **४९३** | **०** | **०** |
| | **९.१८** | **न्याय परिषद्** | | | | | | | | | | | | |
| १ | २१८००००१ | न्याय परिषद् | ३९ | ३९ | ० | ० | ४० | ४० | ० | ० | ४१ | ४१ | ० | ० |
| २ | २१८०००११ | न्याय परिषद् | ४२५ | ४२५ | ० | ० | ४६१ | ४६१ | ० | ० | ४७८ | ४७८ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **४६४** | **४६४** | **०** | **०** | **५०१** | **५०१** | **०** | **०** | **५१९** | **५१९** | **०** | **०** |
| | **९.१९** | **प्रदेश प्रमुख** | | | | | | | | | | | | |
| १ | १०३००००१ | प्रदेश प्रमुख- प्रदेश नं. १ | ४० | ४० | ० | ० | ४३ | ४३ | ० | ० | ४५ | ४५ | ० | ० |
| २ | १०३००००२ | प्रदेश प्रमुख- प्रदेश नं. २ | ४२ | ४२ | ० | ० | ४६ | ४६ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० |
| ३ | १०३००००३ | प्रदेश प्रमुख- बागमती प्रदेश | ४० | ४० | ० | ० | ४३ | ४३ | ० | ० | ४५ | ४५ | ० | ० |
| ४ | १०३००००४ | प्रदेश प्रमुख- गण्डकी प्रदेश | ४२ | ४२ | ० | ० | ४६ | ४६ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० |
| ५ | १०३००००५ | प्रदेश प्रमुख- लुम्बिनी प्रदेश | ४४ | ४४ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० | ५० | ५० | ० | ० |
| ६ | १०३००००६ | प्रदेश प्रमुख- कर्णाली प्रदेश | ४२ | ४२ | ० | ० | ४६ | ४६ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० |
| ७ | १०३००००७ | प्रदेश प्रमुख- सुदूरपश्चिम प्रदेश | ४२ | ४२ | ० | ० | ४६ | ४६ | ० | ० | ४८ | ४८ | ० | ० |
| ८ | १०३०००११ | प्रदेश प्रमुख- प्रदेश नं. १ (प्रशासनिक खर्च समेत) | २४० | २४० | ० | ० | २५४ | २५४ | ० | ० | २६४ | २६४ | ० | ० |
| ९ | १०३०००१२ | प्रदेश प्रमुख- प्रदेश नं. २ (प्रशासनिक खर्च समेत) | २५० | २५० | ० | ० | २६४ | २६४ | ० | ० | २७३ | २७३ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| १० | १०३०००१३ | प्रदेश प्रमुख- बागमती प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | २६६ | २६६ | ० | ० | २८० | २८० | ० | ० | २९० | २९० | ० | ० |
| ११ | १०३०००१४ | प्रदेश प्रमुख- गण्डकी प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | २३७ | २३७ | ० | ० | २५१ | २५१ | ० | ० | २६१ | २६१ | ० | ० |
| १२ | १०३०००१५ | प्रदेश प्रमुख- लुम्बिनी प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | २४७ | २४७ | ० | ० | २६२ | २६२ | ० | ० | २७२ | २७२ | ० | ० |
| १३ | १०३०००१६ | प्रदेश प्रमुख- कर्णाली प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | २३९ | २३९ | ० | ० | २५३ | २५३ | ० | ० | २६३ | २६३ | ० | ० |
| १४ | १०३०००१७ | प्रदेश प्रमुख- सुदूरपश्चिम प्रदेश (प्रशासनिक खर्च समेत) | २४६ | २४६ | ० | ० | २६२ | २६२ | ० | ० | २७२ | २७२ | ० | ० |
| **जम्मा** | | | **२,०१७** | **२,०१७** | **०** | **०** | **२,१४४** | **२,१४४** | **०** | **०** | **२,२२७** | **२,२२७** | **०** | **०** |
| **कुल जम्मा** | | | **१२३,५७३** | **१२३,५७३** | **०** | **०** | **१३२,५५८** | **१३२,५५८** | **०** | **०** | **१३९,०७६** | **१३९,०७६** | **०** | **०** |

# अनुसूची १०.१

## साँवा ब्याज भुक्तानी तथा अर्थ विविधको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण एवम् कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण तथा सांकेतीकरण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | १०.१ | अर्थ मन्त्रालय - ऋणको साँवा ब्याज भुक्तानी | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ५०२००००१ | राष्ट्रिय बचत पत्र | ५२,७४५ | ४,००० | ० | ० | ४,००० | ४,९२० | ० | ० | ४,९२० | ६,५४४ | ० | ० | ६,५४४ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २ | ५०२००००२ | विकास ऋण | ६०,००० | १८०,००० | ० | ० | १८०,००० | २२१,४०० | ० | ० | २२१,४०० | २९४,४६२ | ० | ० | २९४,४६२ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ३ | ५०२००००३ | ट्रेजरी बिल | २५६,२६६ | २९९,१९० | ० | ० | २९९,१९० | ३६८,००४ | ० | ० | ३६८,००४ | ४८९,४४५ | ० | ० | ४८९,४४५ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ४ | ५०२०१००१ | राष्ट्रिय बचत पत्र | ६,८४२ | ७,२०० | ७,२०० | ० | ० | ८,८५६ | ८,८५६ | ० | ० | ११,७७८ | ११,७७८ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ५ | ५०२०१००२ | विकास ऋण | २१८,०४३ | २८४,००० | २८४,००० | ० | ० | ३४९,३२० | ३४९,३२० | ० | ० | ४६४,५९६ | ४६४,५९६ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ६ | ५०२०१००३ | ट्रेजरी बिल | ५८,६४७ | ७४,७५५ | ७४,७५५ | ० | ० | ९१,९४९ | ९१,९४९ | ० | ० | १२२,२९२ | १२२,२९२ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ७ | ५०२०१००४ | राष्ट्रिय ऋण कमिशन | १,०७४ | १,५६४ | १,५६४ | ० | ० | १,९२४ | १,९२४ | ० | ० | २,५५९ | २,५५९ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ८ | ५०३००००१ | एशियाली विकास बैंक | ११२,८९२ | १२६,९०० | ० | ० | १२६,९०० | १४३,३९७ | ० | ० | १४३,३९७ | १६२,०३९ | ० | ० | १६२,०३९ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ९ | ५०३००००२ | अन्तर्राष्ट्रिय विकास संस्था | ७५,८२८ | १२४,३५० | ० | ० | १२४,३५० | १४०,५१६ | ० | ० | १४०,५१६ | १५८,७८३ | ० | ० | १५८,७८३ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| १० | ५०३००००३ | ओपेक ऋण | ११,१४० | ११,८६० | ० | ० | ११,८६० | १३,४०२ | ० | ० | १३,४०२ | १५,१४४ | ० | ० | १५,१४४ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ११ | ५०३००००४ | युरोपीय आर्थिक समुदाय | ४७८ | ७१९ | ० | ० | ७१९ | ८१२ | ० | ० | ८१२ | ९१८ | ० | ० | ९१८ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| १२ | ५०३००००५ | अन्तर्राष्ट्रिय कृषि विकास कोष | ४,५२१ | ५,७३४ | ० | ० | ५,७३४ | ६,४७९ | ० | ० | ६,४७९ | ७,३२१ | ० | ० | ७,३२१ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| १३ | ५०३००००६ | नर्डिक विकास कोष | १,२२८ | १,३९५ | ० | ० | १,३९५ | १,५७६ | ० | ० | १,५७६ | १,७८१ | ० | ० | १,७८१ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| १४ | ५०३००००८ | युरोपियन इन्भेष्टमेण्ट बैंक | ० | ४,७०० | ० | ० | ४,७०० | ४,९०० | | | ४,९०० | ५,१०० | | | ५,१०० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| १५ | ५०३०१००१ | एशियाली विकास बैंक | २३,५९४ | २४,९६० | २४,९६० | ० | ० | २८,२०५ | २८,२०५ | ० | ० | ३१,८७२ | ३१,८७२ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| १६ | ५०३०१००२ | अन्तर्राष्ट्रिय विकास संस्था | ३०,४५१ | २६,७९८ | २६,७९८ | ० | ० | ३०,२८२ | ३०,२८२ | ० | ० | ३४,२१९ | ३४,२१९ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| १७ | ५०३०१००३ | ओपेक ऋण | १,८१९ | १,३७८ | १,३७८ | ० | ० | १,५५७ | १,५५७ | ० | ० | १,७५९ | १,७५९ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| १८ | ५०३०१००४ | युरोपीय आर्थिक समुदाय | १७ | ११३ | ११३ | ० | ० | १२८ | १२८ | ० | ० | १४५ | १४५ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| १९ | ५०३०१००५ | अन्तर्राष्ट्रिय कृषि विकास कोष | ८६१ | १,०६२ | १,०६२ | ० | ० | १,२०० | १,२०० | ० | ० | १,३५६ | १,३५६ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २० | ५०३०१००६ | नर्डिक विकास कोष | १६७ | २४८ | २४८ | ० | ० | २८० | २८० | ० | ० | ३१६ | ३१६ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २१ | ५०३०१००७ | युरोपियन इन्भेष्टमेण्ट बैंक | ४५४ | २,०४५ | २,०४५ | ० | ० | २,३११ | २,३११ | ० | ० | २,६११ | २,६११ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २२ | ५०४००००२ | जापानी ऋण -१९८८ देखिको | ० | १६,३७६ | ० | ० | १६,३७६ | १८,५०५ | ० | ० | १८,५०५ | २०,९११ | ० | ० | २०,९११ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २३ | ५०४००००३ | कुवेती ऋण | २८९ | ५८३ | ० | ० | ५८३ | ६५९ | ० | ० | ६५९ | ७४५ | ० | ० | ७४५ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २४ | ५०४००००४ | साउदी कोष | ० | १,१७३ | ० | ० | १,१७३ | १,३२५ | ० | ० | १,३२५ | १,४९७ | ० | ० | १,४९७ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २५ | ५०४००००५ | फ्रान्सेली ऋण | ० | १,१९७ | ० | ० | १,१९७ | १,३५३ | ० | ० | १,३५३ | १,५२९ | ० | ० | १,५२९ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २६ | ५०४००००६ | बेल्जियम ऋण | ० | १,२९० | ० | ० | १,२९० | १,४५८ | ० | ० | १,४५८ | १,६४८ | ० | ० | १,६४८ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २७ | ५०४०००१० | थप व्यवस्था | २६,९१६ | ५३,७९९ | ० | ० | ५३,७९९ | ६०,७९३ | ० | ० | ६०,७९३ | ६८,६९६ | ० | ० | ६८,६९६ | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २८ | ५०४०१००२ | जापानी ऋण -१९८८ देखिको | ० | १,२०३ | १,२०३ | ० | ० | १,३५९ | १,३५९ | ० | ० | १,५३६ | १,५३६ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| २९ | ५०४०१००३ | कुवेती ऋण | २२२ | ६२८ | ६२८ | ० | ० | ७१० | ७१० | ० | ० | ८०२ | ८०२ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ३० | ५०४०१००४ | साउदी कोष | ० | १३० | १३० | ० | ० | १४७ | १४७ | ० | ० | १६६ | १६६ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ३१ | ५०४०१००५ | फ्रान्सेली ऋण | ० | ४९ | ४९ | ० | ० | ५५ | ५५ | ० | ० | ६२ | ६२ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| ३२ | ५०४०१०१० | थप व्यवस्था | ५,२१९ | १८,८११ | १८,८११ | ० | ० | २१,२५६ | २१,२५६ | ० | ० | २४,०१९ | २४,०१९ | ० | ० | ९ | १ | ० | ३ | ३ |
| | | **जम्मा** | **९४९,७१३** | **१,२७८,२१०** | **४४४,९४४** | **०** | **८३३,२६६** | **१,५२९,०३८** | **५३९,५३९** | **०** | **९८९,४९९** | **१,९३६,६५१** | **७००,०८८** | **०** | **१,२३६,५६३** | | | | | |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ. व. २०७७/७८ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०७८/७९ को विनियोजन | | | | आ.व. २०७९/८० को खर्च प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को खर्च प्रक्षेपण | | | | रणनीतिक स्तम्भ | प्राथमिकता क्रम | विषयगत विकास लक्ष्य संकेत | लैंगिक संकेत | जलवायु संकेत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | कुल | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | | | | | |
| | **१०.२** | **अर्थ मन्त्रालय - विविध (साधारण)** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ६०१०००११ | निवृत्तभरण | ४२९,९९२ | ५३२,५५१ | ५३२,५५१ | ० | ० | ५७०,८६४ | ५७०,८६४ | ० | ० | ६०५,११६ | ६०५,११६ | ० | ० | ९ | १ | १ | ३ | ३ |
| २ | ६०१०००१२ | उपदान | ३,३०८ | १६,५०० | १६,५०० | ० | ० | १६,५०० | १६,५०० | ० | ० | १७,४९० | १७,४९० | ० | ० | ९ | १ | १ | ३ | ३ |
| ३ | ६०१०००१३ | संचित बिदा | ४१,००८ | १०२,४७० | १०२,४७० | ० | ० | १०६,०५६ | १०६,०५६ | ० | ० | ११२,४१९ | ११२,४१९ | ० | ० | ९ | १ | ८ | ३ | ३ |
| ४ | ६०१०००१४ | मृत कर्मचारी सहायता | ११७ | ६,५०० | ६,५०० | ० | ० | ६,७२८ | ६,७२८ | ० | ० | ७,१३२ | ७,१३२ | ० | ० | ९ | १ | १ | ३ | ३ |
| ५ | ६०१०००१५ | कर्मचारी सुविधा | ६२ | १०७,९८२ | १०७,९८२ | ० | ० | ११४,४९१ | ११४,४९१ | ० | ० | १२१,३६० | १२१,३६० | ० | ० | ९ | १ | १ | २ | ३ |
| ६ | ६०१०००१६ | औषधी उपचार | ५०,९६७ | ९०,००० | ९०,००० | ० | ० | १४८,४०० | १४८,४०० | ० | ० | १५७,३०४ | १५७,३०४ | ० | ० | ९ | १ | ३ | ३ | ३ |
| ७ | ६०२००००१ | दण्ड जरिवाना फिर्ता (अदालतहरुको घरौटी फिर्ता समेत ) | २९१ | ५०० | ५०० | ० | ० | ५१८ | ५१८ | ० | ० | ५३६ | ५३६ | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| ८ | ६०२०००११ | विशिष्ट व्यक्तिको भ्रमण खर्च | ७७ | ६०० | ६०० | ० | ० | ६२१ | ६२१ | ० | ० | ६४३ | ६४३ | ० | ० | ९ | २ | १६ | ३ | ३ |
| ९ | ६०२०००१२ | प्रतिनिधि मण्डलको भ्रमण तथा स्वागत खर्च | ३ | १,८७० | १,८७० | ० | ० | २,२७७ | २,२७७ | ० | ० | २,३५७ | २,३५७ | ० | ० | ९ | २ | १६ | ३ | ३ |
| १० | ६०२०००१३ | अतिथि सत्कार | ० | ५४० | ५४० | ० | ० | ६०० | ६०० | ० | ० | ६३० | ६३० | ० | ० | ९ | २ | १६ | ३ | ३ |
| ११ | ६०२०००१५ | आर्थिक सहायता | ८६१ | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ३,७५० | ३,७५० | ० | ० | ९ | २ | १ | २ | ३ |
| १२ | ६०२०००१६ | भन्सार फिर्ता | ७ | ४,००० | ४,००० | ० | ० | ४,००० | ४,००० | ० | ० | ४,४०० | ४,४०० | ० | ० | ९ | २ | १६ | ३ | ३ |
| १३ | ६०२०००१७ | कर फिर्ता | ६७ | ३,३६३ | ३,३६३ | ० | ० | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ३,७५० | ३,७५० | ० | ० | ९ | १ | १६ | ३ | ३ |
| १४ | ६०२०००१८ | अन्य फिर्ता (वैदेशिक समेत) | २ | १,५०० | १,५०० | ० | ० | १,५०० | १,५०० | ० | ० | १,५४८ | १,५४८ | ० | ० | ९ | २ | १६ | ३ | ३ |
| १५ | ६०२०००१९ | भवन खरीद निर्माण र सुधार | ० | २,००० | ० | २,००० | ० | २,००० | ० | २,००० | ० | २,२०० | ० | २,२०० | ० | ८ | २ | ९ | १ | ३ |
| १६ | ६०२०००२० | भौतिक सुविधा | ० | १४४,११८ | ० | १४४,११८ | ० | १४५,००० | ० | १४५,००० | ० | १४७,००० | ० | १४७,००० | ० | ९ | २ | ११ | २ | ३ |
| १७ | ६०२०००२१ | महशूल तथा अन्य भुक्तानी | ० | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ५,१७५ | ५,१७५ | ० | ० | ५,३५६ | ५,३५६ | ० | ० | ९ | २ | ११ | २ | ३ |
| १८ | ६०२०००२२ | भैपरी आउने -साधारण प्रशासन | ० | ३९१,१०० | ३९१,१०० | ० | ० | २५०,००० | २५०,००० | ० | ० | २००,००० | २००,००० | ० | ० | ९ | २ | ११ | २ | ३ |
| | | **जम्मा** | **५२६,७६२** | **१,४१४,०९४** | **१,२६७,९७६** | **१४६,११८** | **०** | **१,३८१,७३०** | **१,२३४,७३०** | **१४७,०००** | **०** | **१,३९२,९९१** | **१,२४३,७९१** | **१४९,२००** | **०** | | | | | |
| | **१०.३** | **अर्थ मन्त्रालय - विविध (विकास)** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १ | ६०२०००१४ | मुआव्जा | ० | २०,००० | ५,००० | १५,००० | ० | २१,६७५ | ५,१७५ | १६,५०० | ० | २३,५०६ | ५,३५६ | १८,१५० | ० | ३ | २ | ९ | १ | ३ |
| २ | ६०२०००२४ | विपद, राहत तथा पुनर्स्थापना | १९४ | २५,१७० | २४,५०० | ६७० | ० | ३२,४८० | ८,२८० | २४,२०० | ० | ३५,१९० | ८,५७० | २६,६२० | ० | ७ | १ | ११ | २ | ३ |
| ३ | ६०२०००२५ | भैपरि आउने- विकास कार्यक्रम | ० | १५३,८११ | ० | १५३,८११ | ० | ३८,५०० | ० | ३८,५०० | ० | ४२,३५० | ० | ४२,३५० | ० | ३ | २ | ९ | २ | १ |
| ४ | ६०२०००२६ | संघीय संरचना पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | ० | ३०,००० | ५,००० | २५,००० | ० | ३०,००० | ५,००० | २५,००० | ० | ३०,००० | ५,००० | २५,००० | ० | ८ | १ | १६ | २ | ३ |
| ५ | ६०२०००२८ | अधुरा आयोजना कार्यान्वयन कार्यक्रम | ० | १००,००० | १००,००० | ० | ० | १००,००० | १००,००० | ० | ० | १००,००० | १००,००० | ० | ० | ३ | १ | ९ | २ | २ |
| | | **जम्मा** | **१९४** | **३२८,९८१** | **१३४,५००** | **१९४,४८१** | **०** | **२२२,६५५** | **११८,४५५** | **१०४,२००** | **०** | **२३१,०४६** | **११८,९२६** | **११२,१२०** | **०** | | | | | |
| | | **कुल जम्मा** | **१,४७६,६६९** | **३,०२१,२८५** | **१,८४७,४२०** | **३४०,५९९** | **८३३,२६६** | **३,१३३,४२३** | **१,८९२,७२४** | **२५१,२००** | **९८९,४९९** | **३,५६०,६८८** | **२,०६२,८०५** | **२६१,३२०** | **१,२३६,५६३** | | | | | |

# अनुसूची १०.२

## साँवा ब्याज भुक्तानी तथा अर्थ विविधको त्रिवर्षीय स्रोतको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| | १०.१ | अर्थ मन्त्रालय - ऋणको साँवा ब्याज भुक्तानी | | | | | | | | | | | | |
| १ | ५०२००००१ | राष्ट्रिय बचत पत्र | ४,००० | ४,००० | ० | ० | ४,९२० | ४,९२० | ० | ० | ६,५४४ | ६,५४४ | ० | ० |
| २ | ५०२००००२ | विकास ऋण | १८०,००० | १८०,००० | ० | ० | २२१,४०० | २२१,४०० | ० | ० | २९४,४६२ | २९४,४६२ | ० | ० |
| ३ | ५०२००००३ | ट्रेजरी बिल | २९९,१९० | २९९,१९० | ० | ० | ३६८,००४ | ३६८,००४ | ० | ० | ४८९,४४५ | ४८९,४४५ | ० | ० |
| ४ | ५०२०१००१ | राष्ट्रिय बचत पत्र | ७,२०० | ७,२०० | ० | ० | ८,८५६ | ८,८५६ | ० | ० | ११,७७८ | ११,७७८ | ० | ० |
| ५ | ५०२०१००२ | विकास ऋण | २८४,००० | २८४,००० | ० | ० | ३४९,३२० | ३४९,३२० | ० | ० | ४६४,५९६ | ४६४,५९६ | ० | ० |
| ६ | ५०२०१००३ | ट्रेजरी बिल | ७४,७५५ | ७४,७५५ | ० | ० | ९१,९४९ | ९१,९४९ | ० | ० | १२२,२९२ | १२२,२९२ | ० | ० |
| ७ | ५०२०१००४ | राष्ट्रिय ऋण कमिशन | १,५६४ | १,५६४ | ० | ० | १,९२४ | १,९२४ | ० | ० | २,५५९ | २,५५९ | ० | ० |
| ८ | ५०३००००१ | एशियाली विकास बैंक | १२६,९०० | १२६,९०० | ० | ० | १४३,३९७ | १४३,३९७ | ० | ० | १६२,०३९ | १६२,०३९ | ० | ० |
| ९ | ५०३००००२ | अन्तर्राष्ट्रिय विकास संस्था | १२४,३५० | १२४,३५० | ० | ० | १४०,५१६ | १४०,५१६ | ० | ० | १५८,७८३ | १५८,७८३ | ० | ० |
| १० | ५०३००००३ | ओपेक ऋण | ११,८६० | ११,८६० | ० | ० | १३,४०२ | १३,४०२ | ० | ० | १५,१४४ | १५,१४४ | ० | ० |
| ११ | ५०३००००४ | युरोपीय आर्थिक समुदाय | ७१९ | ७१९ | ० | ० | ८१२ | ८१२ | ० | ० | ९१८ | ९१८ | ० | ० |
| १२ | ५०३००००५ | अन्तर्राष्ट्रिय कृषि विकास कोष | ५,७३४ | ५,७३४ | ० | ० | ६,४७९ | ६,४७९ | ० | ० | ७,३२१ | ७,३२१ | ० | ० |
| १३ | ५०३००००६ | नर्डिक विकास कोष | १,३९५ | १,३९५ | ० | ० | १,५७६ | १,५७६ | ० | ० | १,७८१ | १,७८१ | ० | ० |
| १४ | ५०३००००८ | युरोपियन इन्भेष्टमेण्ट बैंक | ४,७०० | ४,७०० | ० | ० | ४,९०० | ४,९०० | | | ५,१०० | ५,१०० | | |
| १५ | ५०३०१००१ | एशियाली विकास बैंक | २४,९६० | २४,९६० | ० | ० | २८,२०५ | २८,२०५ | ० | ० | ३१,८७२ | ३१,८७२ | ० | ० |
| १६ | ५०३०१००२ | अन्तर्राष्ट्रिय विकास संस्था | २६,७९८ | २६,७९८ | ० | ० | ३०,२८२ | ३०,२८२ | ० | ० | ३४,२१९ | ३४,२१९ | ० | ० |
| १७ | ५०३०१००३ | ओपेक ऋण | १,३७८ | १,३७८ | ० | ० | १,५५७ | १,५५७ | ० | ० | १,७५९ | १,७५९ | ० | ० |
| १८ | ५०३०१००४ | युरोपीय आर्थिक समुदाय | ११३ | ११३ | ० | ० | १२८ | १२८ | ० | ० | १४५ | १४५ | ० | ० |
| १९ | ५०३०१००५ | अन्तर्राष्ट्रिय कृषि विकास कोष | १,०६२ | १,०६२ | ० | ० | १,२०० | १,२०० | ० | ० | १,३५६ | १,३५६ | ० | ० |
| २० | ५०३०१००६ | नर्डिक विकास कोष | २४८ | २४८ | ० | ० | २८० | २८० | ० | ० | ३१६ | ३१६ | ० | ० |
| २१ | ५०३०१००७ | युरोपियन इन्भेष्टमेण्ट बैंक | २,०४५ | २,०४५ | ० | ० | २,३११ | २,३११ | ० | ० | २,६११ | २,६११ | ० | ० |
| २२ | ५०४००००२ | जापानी ऋण -१९८८ देखिको | १६,३७६ | १६,३७६ | ० | ० | १८,५०५ | १८,५०५ | ० | ० | २०,९११ | २०,९११ | ० | ० |
| २३ | ५०४००००३ | कुवेती ऋण | ५८३ | ५८३ | ० | ० | ६५९ | ६५९ | ० | ० | ७४५ | ७४५ | ० | ० |
| २४ | ५०४००००४ | साउदी कोष | १,१७३ | १,१७३ | ० | ० | १,३२५ | १,३२५ | ० | ० | १,४९७ | १,४९७ | ० | ० |
| २५ | ५०४००००५ | फ्रान्सेली ऋण | १,१९७ | १,१९७ | ० | ० | १,३५३ | १,३५३ | ० | ० | १,५२९ | १,५२९ | ० | ० |
| २६ | ५०४००००६ | बेल्जियम ऋण | १,२९० | १,२९० | ० | ० | १,४५८ | १,४५८ | ० | ० | १,६४८ | १,६४८ | ० | ० |
| २७ | ५०४०००१० | थप व्यवस्था | ५३,७९९ | ५३,७९९ | ० | ० | ६०,७९३ | ६०,७९३ | ० | ० | ६८,६९६ | ६८,६९६ | ० | ० |
| २८ | ५०४०१००२ | जापानी ऋण -१९८८ देखिको | १,२०३ | १,२०३ | ० | ० | १,३५९ | १,३५९ | ० | ० | १,५३६ | १,५३६ | ० | ० |
| २९ | ५०४०१००३ | कुवेती ऋण | ६२८ | ६२८ | ० | ० | ७१० | ७१० | ० | ० | ८०२ | ८०२ | ० | ० |
| ३० | ५०४०१००४ | साउदी कोष | १३० | १३० | ० | ० | १४७ | १४७ | ० | ० | १६६ | १६६ | ० | ० |
| ३१ | ५०४०१००५ | फ्रान्सेली ऋण | ४९ | ४९ | ० | ० | ५५ | ५५ | ० | ० | ६२ | ६२ | ० | ० |

(रकम रू. लाखमा)

| क्र.सं. | ब.उ.शी.नं. | कार्यक्रम/आयोजना | आ.व. २०७८/७९ को स्रोत अनुमान | | | | आ.व. २०७९/८० को स्रोत प्रक्षेपण | | | | आ.व. २०८०/८१ को स्रोत प्रक्षेपण | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण | कुल | नेपाल सरकार | वैदेशिक अनुदान | वैदेशिक ऋण |
| ३२ | ५०४०१०१० | थप व्यवस्था | १८,८११ | १८,८११ | ० | ० | २१,२५६ | २१,२५६ | ० | ० | २४,०१९ | २४,०१९ | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१,२७८,२१०** | **१,२७८,२१०** | **०** | **०** | **१,५२९,०३८** | **१,५२९,०३८** | **०** | **०** | **१,९३६,६५१** | **१,९३६,६५१** | **०** | **०** |
| | **१०.२** | **अर्थ मन्त्रालय - विविध (साधारण)** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ६०१०००११ | निवृत्तभरण | ५३२,५५१ | ५३२,५५१ | ० | ० | ५७०,८६४ | ५७०,८६४ | ० | ० | ६०५,११६ | ६०५,११६ | ० | ० |
| २ | ६०१०००१२ | उपदान | १६,५०० | १६,५०० | ० | ० | १६,५०० | १६,५०० | ० | ० | १७,४९० | १७,४९० | ० | ० |
| ३ | ६०१०००१३ | संचित बिदा | १०२,४७० | १०२,४७० | ० | ० | १०६,०५६ | १०६,०५६ | ० | ० | ११२,४१९ | ११२,४१९ | ० | ० |
| ४ | ६०१०००१४ | मृत कर्मचारी सहायता | ६,५०० | ६,५०० | ० | ० | ६,७२८ | ६,७२८ | ० | ० | ७,१३२ | ७,१३२ | ० | ० |
| ५ | ६०१०००१५ | कर्मचारी सुविधा | १०७,९८२ | १०७,९८२ | ० | ० | ११४,४९१ | ११४,४९१ | ० | ० | १२१,३६० | १२१,३६० | ० | ० |
| ६ | ६०१०००१६ | औषधी उपचार | ९०,००० | ९०,००० | ० | ० | १४८,४०० | १४८,४०० | ० | ० | १५७,३०४ | १५७,३०४ | ० | ० |
| ७ | ६०२००००१ | दण्ड जरिवाना फिर्ता (अदालतहरुको घरौटी फिर्ता समेत ) | ५०० | ५०० | ० | ० | ५१८ | ५१८ | ० | ० | ५३६ | ५३६ | ० | ० |
| ८ | ६०२०००११ | विशिष्ट व्यक्तिको भ्रमण खर्च | ६०० | ६०० | ० | ० | ६२१ | ६२१ | ० | ० | ६४३ | ६४३ | ० | ० |
| ९ | ६०२०००१२ | प्रतिनिधि मण्डलको भ्रमण तथा स्वागत खर्च | १,८७० | १,८७० | ० | ० | २,२७७ | २,२७७ | ० | ० | २,३५७ | २,३५७ | ० | ० |
| १० | ६०२०००१३ | अतिथि सत्कार | ५४० | ५४० | ० | ० | ६०० | ६०० | ० | ० | ६३० | ६३० | ० | ० |
| ११ | ६०२०००१५ | आर्थिक सहायता | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ३,७५० | ३,७५० | ० | ० |
| १२ | ६०२०००१६ | भन्सार फिर्ता | ४,००० | ४,००० | ० | ० | ४,००० | ४,००० | ० | ० | ४,४०० | ४,४०० | ० | ० |
| १३ | ६०२०००१७ | कर फिर्ता | ३,३६३ | ३,३६३ | ० | ० | ३,५०० | ३,५०० | ० | ० | ३,७५० | ३,७५० | ० | ० |
| १४ | ६०२०००१८ | अन्य फिर्ता (वैदेशिक समेत) | १,५०० | १,५०० | ० | ० | १,५०० | १,५०० | ० | ० | १,५४८ | १,५४८ | ० | ० |
| १५ | ६०२०००१९ | भवन खरीद निर्माण र सुधार | २,००० | २,००० | ० | ० | २,००० | २,००० | ० | ० | २,२०० | २,२०० | ० | ० |
| १६ | ६०२०००२० | भौतिक सुविधा | १४४,११८ | १४४,११८ | ० | ० | १४५,००० | १४५,००० | ० | ० | १४७,००० | १४७,००० | ० | ० |
| १७ | ६०२०००२१ | महशूल तथा अन्य भुक्तानी | ५,००० | ५,००० | ० | ० | ५,१७५ | ५,१७५ | ० | ० | ५,३५६ | ५,३५६ | ० | ० |
| १८ | ६०२०००२२ | भैपरी आउने -साधारण प्रशासन | ३९१,१०० | ३९१,१०० | ० | ० | २५०,००० | २५०,००० | ० | ० | २००,००० | २००,००० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **१,४१४,०९४** | **१,४१४,०९४** | **०** | **०** | **१,३८१,७३०** | **१,३८१,७३०** | **०** | **०** | **१,३९२,९९१** | **१,३९२,९९१** | **०** | **०** |
| | **१०.३** | **अर्थ मन्त्रालय - विविध (विकास)** | | | | | | | | | | | | |
| १ | ६०२०००१४ | मुआव्जा | २०,००० | २०,००० | ० | ० | २१,६७५ | २१,६७५ | ० | ० | २३,५०६ | २३,५०६ | ० | ० |
| २ | ६०२०००२४ | विपद, राहत तथा पुनर्स्थापना | २५,१७० | २५,१७० | ० | ० | ३२,४८० | ३२,४८० | ० | ० | ३५,१९० | ३५,१९० | ० | ० |
| ३ | ६०२०००२५ | भैपरि आउने- विकास कार्यक्रम | १५३,८११ | १५३,८११ | ० | ० | ३८,५०० | ३८,५०० | ० | ० | ४२,३५० | ४२,३५० | ० | ० |
| ४ | ६०२०००२६ | संघीय संरचना पूर्वाधार विकास कार्यक्रम | ३०,००० | ३०,००० | ० | ० | ३०,००० | ३०,००० | ० | ० | ३०,००० | ३०,००० | ० | ० |
| ५ | ६०२०००२८ | अधुरा आयोजना कार्यान्वयन कार्यक्रम | १००,००० | १००,००० | ० | ० | १००,००० | १००,००० | ० | ० | १००,००० | १००,००० | ० | ० |
| | | **जम्मा** | **३२८,९८१** | **३२८,९८१** | **०** | **०** | **२२२,६५५** | **२२२,६५५** | **०** | **०** | **२३१,०४६** | **२३१,०४६** | **०** | **०** |
| | | **कुल जम्मा** | **३,०२१,२८५** | **३,०२१,२८५** | **०** | **०** | **३,१३३,४२३** | **३,१३३,४२३** | **०** | **०** | **३,५६०,६८८** | **३,५६०,६८८** | **०** | **०** |

# अनुसूची ११

# प्रति एकाइ लागत अनुमान

| प्रतिफल | एकाइ | प्रति एकाइ लागत (रू हजारमा) | कैफियत |
|---|---|---|---|
| **१. कृषि, वन तथा भूमिसधार** | | | |
| **रासायनिक मल** | | | अन्तर्राष्ट्रिय मूल्य र विनिमय दर तथा ओभरहेड खर्चको आधारमा औषत लागत |
| युरिया | मे.टन | ४२ | |
| डि.ए.पि. | मे.टन | ५८.१२ | |
| पोटास | मे.टन | ४१.३५ | |
| **प्राङ्गारिक मल** | | | बजारमा उपलब्ध विभिन्न ब्रान्ड तथा गुणका प्राङ्गारिक मलको औषत मूल्यको आधारमा |
| कम्पोष्ट (धुलो) | मे.टन | १५-२० | |
| कम्पोष्ट (दानादार) | मे.टन | २०-२५ | |
| भर्मिकम्पोष्ट | मे.टन | २५-३० | |
| **बीउ** | | | |
| धान | मे.टन | २१ | विभिन्न खाद्यान्न बीउको औषत उत्पादन लागतको आधारमा |
| गहुँ | मे.टन | ३० | |
| मकै | मे.टन | २४ | |
| तरकारीको उन्नत बीउ | के.जि. | २.८६६ | बीउहरुको औषतउत्पादन लागतको आधारमा |
| तरकारीको मुल बीउ | के.जि. | १.९७८ | |
| दलहन बीउ | के.जि. | ०.०८१ | |
| तेलहन बीउ | के.जि. | ०.०९ | |
| **फलफूल तथा तरकारी बिरुवा** | | | |
| कलमी विरुवा | गोटा | ०.०४१ | विभिन्न फलफूल विरुवाहरुको सरकारी मूल्यको औषतको आधारमा |
| विजु विरुवा | गोटा | ०.०२२ | |
| फलफूलको कटिङ्ग विरुवा | गोटा | ०.०१९ | |
| जमिनको तरकारी विरुवा | गोटा | ०.००१ | |
| पोलिपटको तरकारी विरुवा | गोटा | ०.०१४ | |

| प्रतिफल | एकाइ | प्रति एकाइ लागत (रू हजारमा) | कैफियत |
|---|---|---|---|
| **साना कृषि यन्त्र** | | | |
| मिनि टिलर | गोटा | ४०-१२५ | बजारमा उपलब्ध औषत मूल्यको आधारमा |
| पावर ट्रिलर | गोटा | १५०-१८० | |
| मल्टी क्रप थ्रेसर | गोटा | ८५ | |
| रिपर | गोटा | १८०-१४० | |
| **पशुपन्छी** | | | |
| चिलिङ्ग भ्याट (३००० लिटर) | संख्या | ४०० | |
| चिलिङ्ग भ्याट (२००० लिटर) | संख्या | ३०० | |
| चिलिङ्ग भ्याट (१००० लिटर) | संख्या | २०० | |
| सहकार्यमा नमूनाको रूपमा मिल्किङ पार्लर स्थापना | संख्या | १००० | |
| बाखा वितरण | गोटा | ७ | |
| बाखाको खोर निर्माण | गोटा | ६ | |
| ड्युल प्रपोजका कुखुराको चल्ला वितरण | गोटा | ०.०६ | |
| कुखुराको खोर निर्माण | गोटा | ६ | |
| बङ्गुरको पाठापाठी वितरण | गोटा | ५ | |
| खोर निर्माणमा सहयोग | संख्या | १० | |
| गाई भैंसीलाई सुत्केरी भत्ता | संख्या | २.५ | |
| साइलो पिट निर्माण (४००० घन फिट) | संख्या | ५०० | |
| साइलो पिट निर्माण (८०० घन फिट) | संख्या | १०० | |
| उच्च प्रजनन मानका वोका वितरण | गोटा | १५ | |
| थुमा वितरण | गोटा | २० | |
| **२. भूमि व्यवस्था** | | | |
| प्रथम दर्जा नियन्त्रण विन्दुको पूर्वेक्षण/सर्भेक्षण | विन्दु | २०० | खगोल तथा भू-मापन कार्यक्रम |
| समतलन पूर्वेक्षण मोनुमेन्टेशन सर्भेक्षण | कि.मि. | ६५ | |
| भू- आकार्षणका बिन्दुहरुमा पूर्वेक्षण मोनुमेन्टेशन कार्य | विन्दु | ३३ | |
| गाँउ ब्लक नापी | हेक्टर | ३.८ | कित्ता नापी कार्यक्रम तर्फ |
| पुनः नापी | हेक्टर | ७.१६ | |
| डिजिटल नापी | हेक्टर | ४.३२ | |
| द्वन्द्वबाट क्षतिग्रस्त भूमि लगत पुनःस्थापना | हेक्टर | २.४ | |

| प्रतिफल | एकाइ | प्रति एकाइ लागत (रू हजारमा) | कैफियत |
|---|---|---|---|
| विषयगत नक्सा तयार | सीट | २०० | स्थलरुप नापी कार्यक्रम |
| स्थलरुप नक्सा अद्यावधिक | सीट | २५ | |
| फिल्ड भेरिफिकेशन | सीट | ३०० | |
| नक्सा पुनःछपाइ | सीट | ३५ | |
| प्रदेशको डाटावेस तयार | सेट | ३५८ | राष्ट्रिय भौगोलिक सूचना पूर्वाधार कार्यक्रमतर्फ |
| इन्टर्याक्टिभ वेब म्यापिङ | विषय | २५.५ | |
| विभिन्न जिल्लाका एमोनिया नक्शा संकलन | सिट | २०० | |
| प्लट रजिष्टर इन्ट्री/स्क्यान इमेज सहित | सिट | ३००० | |
| अभिलेखिकृत नक्शाको लेमिनेशन स्क्यान तथा इन्डेक्स डाटाबेस तयारी | कित्ता | ३७५० | |
| विभिन्न नापी कार्यालयहरुमा रहेका नया नापीको फिल्डबुक स्क्यान | कित्ता | ४०० | |
| अनलाइन सेवा शुरु हुने मालपोत कार्यालयको २ करोड कित्ता रोक्का कित्ता डिजिटाईज अध्यावधिक गर्ने | कित्ता प्रति लाख | ५७.२७ | |
| अनलाइन सेवा शुरु हुने मालपोत कार्यालयको २९ लाख मोठ कित्ता डिजिटाईज अद्यावधिक गर्ने | कित्ता प्रति लाख | ७०.४ | |
| जग्गा खरिद | प्रति परिवार | २०० | |
| घर निर्माण (तराई) | प्रति परिवार | २२५ | |
| घर मर्मत | प्रति परिवार | १२५ | |
| काठ वितरण | प्रति परिवार | १०० | |
| घर निर्माण | प्रति परिवार | ५५ | |
| **३. सहकारी तथा गरिबी निवारण** | | | |
| सहकारी प्रशिक्षक प्रशिक्षण, १५ दिने, केन्द्रस्तर | वटा | ६०० | |
| सहकारी संघसंस्थाको रणनीतिक योजना तर्जुमा तालिम, १५ दिने, केन्द्रस्तर | वटा | ६०० | |
| सहकारी व्यवसाय प्रवर्द्धन तालिम, ७ दिने, केन्द्रस्तर | वटा | ३०० | |
| सहकारी नेतृत्व तथा व्यवस्थापन विकास तालिम, १५ दिने, केन्द्रस्तर | वटा | ६०० | |
| **४. शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि** | | | |
| कक्षा कोठा निर्माण | प्रति ब्लक | ७००० | |
| कक्षा कोठाको सबलीकरण | प्रति ब्लक | १५०० | |
| पाठ्यपुस्तक विकास | | | |

| प्रतिफल | एकाइ | प्रति एकाइ लागत (रू हजारमा) | कैफियत |
|---|---|---|---|
| आधारभूत तह कक्षा (१-५) | प्रति विषय | ३०० | १०० पूर्णाङ्क वा ३-५ पाठ्य घण्टी |
| आधारभूत तह कक्षा (६-८) | प्रति विषय | ४०० | ,, |
| माध्यमिक तह कक्षा (९-१२) | प्रति विषय | ५०० | ,, |
| आधारभूत तह कक्षा (१-५) | प्रति विषय | १५० | ५० पूर्णाङ्क वा ३ पाठ्य घण्टी |
| आधारभूत तह कक्षा (६-८) | प्रति विषय | २०० | ,, |
| माध्यमिक तह कक्षा (९-१२) | प्रति विषय | ३०० | ,, |
| प्रविधिक विषय | प्रति विषय | ५०० | |
| उच्च शिक्षा | प्रति विद्यार्थी | ४० | |
| कार्यशाला (३ देखि ५ दिने) | प्रति सहभागी | २२ | |
| कार्यशाला (३ देखि ५ दिने) | प्रति सहभागी | १५ | |
| शिक्षक तालिम १० दिने | प्रति सहभागी | २० | |
| छोटो अवधिको तालिम (३९० घण्टा) | प्रति सहभागी | १९ | |
| लामो अवधिको तालिम | प्रति सहभागी | ५५ | |
| **५. स्वास्थ्य तथा जनसंख्या** | | | |
| स्वास्थ्य चौकी निर्माण (टाइप डी) | वटा | १०००० | ३ हजारसम्म जनसंख्या |
| स्वास्थ्य चौकी निर्माण (टाइप सी) | वटा | १५००० | ७ हजारसम्म जनसंख्या |
| स्वास्थ्य चौकी निर्माण (टाइप बी) | वटा | २०००० | १२ हजारसम्म जनसंख्या |
| स्वास्थ्य चौकी निर्माण (टाइप ए) | वटा | २५००० | |
| प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र | वटा | ५०००० | |
| १५ शैया अस्पताल | वटा | १५०००० | |
| जिल्ला अस्पताल | वटा | ३००००० | |
| एक्सरे मेशिन (साधारण) | वटा | ५०० | |
| एक्सरे मेशिन (डिजिटल) | वटा | २००० – १०००० | |
| सिटिस्क्यान मेसिन | वटा | ३००० | |
| एमआरआइ मेशिन | वटा | ५००० | |
| क्षयरोगीको बार्षिक औषधि खर्च (साधारण) | जना | ४३२२६ | निको हुन प्रति बिरामी ६.८ महिनासम्म |
| क्षयरोगीको बार्षिक औषधि खर्च (एमडीआर) | जना | ४०० | निको हुन प्रति बिरामी १.५ |

| प्रतिफल | एकाइ | प्रति एकाइ लागत (रू हजारमा) | कैफियत |
|---|---|---|---|
| | | | वर्षसम्म |
| क्षयरोगीको बार्षिक औषधि खर्च (एक्सडीआर) | जना | ६०० | निको हुन प्रति बिरामी २ वर्षसम्म |
| मृगौला डायलासिस प्रतिव्यक्ति प्रतिपटक | पटक | २.५<br>४.० | सामान्य अवस्था भएका बिरामीको लागि<br>एचआईभी, हेपाटाईटिस ए र बी भएका बिरामीको लागि |
| मृगौला प्रत्यारोपण | जना | ५५० | |
| निर्देशिका अनुसार विपन्नलाई कडारोग उपचार सहयोग | जना | १०० | |
| एचआइभी संक्रमितलाई बार्षिक औषधि (आठवटाको औषत) खर्च | ट्याप्लेट | ०.०१६२६ | |
| एचआइभी प्रभावित १५ वर्षमुनिका बालबालिका तथा गर्भवती महिलाका लागि पौष्टिक आहार | कि.ग्रा. | १५५.४ | |
| चारपटक गर्भ जाँच सेवा लिएवापत | | ०.४ | |
| स्वास्थ्य संस्थामा सुत्केरी सेवा लिएवापत (हिमाल) यातायात खर्च | जना | १.५ | |
| स्वास्थ्य संस्थामा सुत्केरी सेवा लिएवापत (पहाड) यातायात खर्च | जना | १ | |
| स्वास्थ्य संस्थामा सुत्केरी सेवा लिएवापत (तराई) यातायात खर्च | जना | ०.५ | |
| शल्यक्रियामार्फत सुत्केरी सेवा | जना | ७ | |
| एयरलिफ्ट मार्फत् उद्धार | पटक | १५०-२०० | स्थान अनुसार फरक हुने तथा निजी कम्पनीले बढी लिने। |
| आङ खसेको रोग पहिचान | पटक | ४० | ७५३ वटा तहमा कम्तीमा एक क्याम्प प्रत्येकमा कम्तीमा ४० जना |
| आङ्ग खसेको पहिचानपश्चात रिङ्गपेसरी सेवा | जना | ०.३५ | |
| आङ्ग खसेको उपचार (शल्यक्रिया) | क्याम्प | १२.५ | तराई |
| आङ्ग खसेको उपचार (शल्यक्रिया) | जना | १३.५ | पहाड |
| न्यानो झोला वितरण | जना | २.३ | |
| निशुल्क गर्भपतन सेवा | जना | १ | |
| सरभाइभर क्यान्सर जाँच | जना | १.५ | |
| थर्मो काउडुलेटोर | जना | ३५० | सरभाइभर क्यान्सर जाँच मेशिन |
| इन्सेक्टिसाइड झुल | थान | ०.२ | |

| प्रतिफल | एकाइ | प्रति एकाइ लागत (रू हजारमा) | कैफियत |
|---|---|---|---|
| एन्टिरेभिज | भाइल | ०.४०८ | |
| एन्टिस्नेक भेनम | भाइल | ०.५३७ | |
| खानेपानी गुणस्तर परीक्षण (किटसहित) मेशिन | भाइल | २०३ | |
| इन्सेक्टिसाइड | भाइल | १.५ | |
| बि.सि.जि. खोप | वटा | ०.१७१५ | |
| ओ.पि.भि. खोप | वटा | ०.२०७७ | |
| दादुरा रुवेला खोप | भाइल | ०.६७५८ | |
| जे.ई खोप | भाइल | ०.३५ | |
| टी.टी. खोप | भाइल | ०.०९३३ | |
| आई.पी.भी. खोप | भाइल | ०.३०२४ | |
| पेण्टा खोप | भाइल | १.३१४६ | |
| पी.सी.भी. खोप | भाइल | ०.३८०५ | |
| रोटा खोप | भाइल | ०.२२५८ | |
| भिटामिन ए | क्याप्सुल | ०.००४ | |
| आइरन फोलिक एसिड (गर्भवती तथा सुत्केरी) | क्याप्सुल | ०.०००६५ | |
| आइरन फोलिक एसिड (किशोरी) | क्याप्सुल | ०.०००६५ | |
| सुक्ष्मपोषण धुलो (बालभिटा) | स्यासेट | ०.००१३४ | |
| सर्वोत्तम पिठो | कि.ग्रा. | ०.०८२ | |
| एफ हन्ड्रेड | क्यान | ०.०४१४५ | |
| एफ सेभेन्टिफाइभ | क्यान | ०.१२७५३ | |
| अलवेन्डाजोल (जुकाविरुद्ध) | ट्याबलेट | ०.००३७५ | |
| **६. खानेपानी तथा सरसफाइ** | | | |
| आधारभूत स्तरको खानेपानी आयोजना | प्रतिव्यक्ति | २० | |
| गुणस्तर सुधार आयोजना | प्रतिव्यक्ति | १० | |
| सुख्खा क्षेत्रमा पम्पिङ प्रणालीबाट सेवा पुर्याउने खानेपानी आयोजना | प्रतिव्यक्ति | ३५ | |
| उच्च तथा मध्यम स्तरको खानेपानी सेवा पुर्याउने खानेपानी आयोजना | प्रतिव्यक्ति | ४० | |
| वितरण प्रणाली निर्माण | कि.मि. | २०००० | |

| प्रतिफल | एकाइ | प्रति एकाइ लागत (रू हजारमा) | कैफियत |
|---|---|---|---|
| प्रशोधन सहितको ढल प्रणाली निर्माण | प्रतिव्यक्ति | ९५ | |
| सुरुङ निर्माण | मि. | ९२० | |
| **७. युवा तथा खेलकुद** | | | |
| युवा प्रतिभा सम्मान | जना | १०० | |
| स्वरोजगार व्यवसायको बिमा | वटा | ३.२५ | |
| खेलकुदका राष्ट्रिय प्रतिभा सम्मान | जना | १०० | |
| स्काउट तथा विपद् व्यवस्थापन तालिम सञ्चालन | जना | १२.५ | |
| अन्तर्राष्ट्रियस्तरको रंगशाला निर्माण | वटा | २०००००० | |
| प्रदेश स्तरमा रंगशाला निर्माण | वटा | ६०००० | |
| कभर्ड हल निर्माण | वटा | २३०००० | |
| **८. महिला बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक** | | | |
| वृद्धवृद्धालाई आश्रय प्रदान | जना | १९ | पशुपति वृद्धाश्रम |
| प्रदेशस्तरीय ज्येष्ठ नागरिक मैत्री आश्रम | वटा | १०००० | |
| प्रदेशस्तरीय अपाङ्गता स्याहार केन्द्र स्थापना | वटा | १०००० | |
| बाल हेल्पलाइन संचालन | जिल्ला | ३०० | भौगोलिक अवस्था र प्रगतिको आधारमा ३ लाख देखि ३ लाख ६६ हजारसम्म |
| लैङ्गिक सम्पर्क व्यक्तिलाई तालिम | पटक | १०० | |
| सीमान्तकृत महिलालाई उद्यमशीलता कार्यक्रम | जना | ४६ | २ वर्षको रोजगार प्रत्याभूति सहितको तालिम प्रदान |
| **९. श्रम, रोजगार तथा समाजिक सुरक्षा** | | | |
| व्यवसायिक तथा सीप विकास तालिम | पटक | ६०० | |
| सामाजिक सुरक्षा योजना कार्यान्वयन | वटा | १२०००० | |
| श्रम सम्झौता र समझदारी | पटक | ४५०० | |
| बालश्रम उन्मूलन चेतनामूलक कार्यक्रम | वटा | ५०० | |
| **१०.ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाइ** | | | |
| मूल नहर निर्माण | कि.मि. | १२१३०० | |
| शाखा उपशाखा नहर निर्माण | कि.मि. | २००० | |
| सर्भिस रोड मर्मत तथा बचावट | कि.मि. | ५०० | |
| सर्भिस सडक निर्माण | कि.मि. | २००० | |

| प्रतिफल | एकाइ | प्रति एकाइ लागत (रू हजारमा) | कैफियत |
|---|---|---|---|
| सिँचाइ क्षेत्र विस्तार (सहत सिँचाइ) | हेक्टर | ८०० | |
| सिँचाइ क्षेत्र विस्तार (भूमिगत सिँचाइ) | हेक्टर | ३७५ | |
| सौर्य शक्ति प्रयोग गरी टार लिफ्ट सिंचाइ | वटा | २०००० | |
| नहर प्रणाली रिमोडलिंग कार्य | कि.मि. | ८२५०० | |
| सिँचित क्षेत्र बचावट कार्य | कि.मि. | ४०००० | |
| पानीको गुणस्तर/आर्सेनिक अध्ययन | वटा | ३०० | |
| जलवायू परिवर्तन सम्बन्धी अध्ययन कार्य | वटा | ९०० | |
| पहिरो अनुमान तथा प्रक्षेपण सम्बन्धी प्रविधि विकास | वटा | १०० | |
| सिपेज नियन्त्रण प्रविधि विकास | प्रति मि. | ३००० | |
| र्यामपम्प प्रयोग गरि प्रविधि विकास | संख्या | ४०० | |
| तटबन्ध निर्माण (महाकाली नदी, कञ्चनपुर) | कि.मि. | १४०००० | |
| तटबन्ध निर्माण (कर्णाली नदी, बर्दिया) | कि.मि. | १५०००० | |
| तटबन्ध निर्माण (नारायणी नदी, चितवन र नवलपरासी) | कि.मि. | १००००० | |
| तटबन्ध निर्माण (बबई नदी, बर्दिया) | कि.मि. | २५०००० | |
| **११. भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात** | | | |
| कालोपत्रे सडक-पहाडी तथा हिमाली क्षेत्र | कि.मि. | ६०००० | |
| कालोपत्रे सडक-पहाडी तथा हिमाली क्षेत्र | कि.मि. | ८०००० | दुई लेन स्तर |
| कालोपत्रे सडक- तराई क्षेत्र | कि.मि. | ५०००० | दुई लेन स्तर |
| कालोपत्रे सडक- तराई क्षेत्र | कि.मि. | १८०००० | चार लेन स्तर |
| कालोपत्रे सडक- तराई क्षेत्र | कि.मि. | २००००० | छ लेन स्तर |
| सडक पुल निर्माण | र.मि. | १५०० | दुई लेन स्तर |
| सुरूङ मार्ग | र.मि. | १६०० | |
| रेल ट्र्याकबेड निर्माण | कि.मि. | ३५०००० | रेलवे ट्र्याक |
| रेल मार्ग निर्माण | कि.मि. | ३००००० | रेलवे ट्र्याक |
| रेल मार्ग पुल निर्माण | कि.मि. | १६५०००० | रेलवे ट्र्याक |
| **१२. संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन** | | | |
| ग्रामीण सडक कालोपत्रे निर्माण | कि. मि. | २७५०० | |

| प्रतिफल | एकाइ | प्रति एकाइ लागत (रू हजारमा) | कैफियत |
|---|---|---|---|
| नयाँ सडकपुल निर्माण | मि. | १५०० | |
| झोलुङ्गेपुल निर्माण (तुइन विस्थापन समेत) | मि. | १०० | |
| साना सिंचाई आयोजना निर्माण | हेक्टर | ३०० | |
| **१३. महालेखा परीक्षकको कार्यालय** | | | |
| विद्युतीय कार्यपत्रको माध्यमबाट लेखापरीक्षण | प्रति फाईल | ९.६ | |
| लेखापरीक्षणको गुणस्तर आश्वस्तता मूल्यांकन | प्रति फाईल | २ | |
| **१४. लोकसेवा आयोग** | | | |
| पाठ्यक्रम निर्माण | संख्या | १५० | |
| परीक्षा सञ्चालन | | | |
| रा.प.प्रथम (प्राविधिक/अप्राविधिक), स्वास्थ्य सेवा एघारौं, नवौं | संख्या | १५० | |
| रा.प.द्वितीय (प्राविधिक/अप्राविधिक) | संख्या | १५० | |
| रा.प.तृतीय (प्राविधिक/अप्राविधिक), स्वास्थ्य सातौं, आठौं | संख्या | ३०० | |
| रा.प.अनं. प्रथम (प्राविधिक/अप्राविधिक), स्वास्थ्य चौथो, पाँचौ | संख्या | ३०० | |
| रा.प.अनं. द्वितीय (प्राविधिक/अप्राविधिक) | संख्या | ३०० | |
| सुरक्षा निकाय | पटक | १०००० | |

# अनुसूची १२

# कार्यक्रम/आयोजना प्राथमिकीकरणका आधार

## क. विकास कार्यक्रम/आयोजना

- नेपाल सरकारका संघीय मन्त्रालय र निकायहरू अन्तर्गत संचालन हुने विकास कार्यक्रम/ आयोजनालाई प्राथमिकीकरण गर्नको लागि समग्र विषयगत क्षेत्रलाई ५ वटा प्रमुख क्षेत्रहरूमा वर्गीकरण गरी त्य सअन्तर्गत पर्ने उपक्षेत्र देहाय बमोजिम छुट्याईएको छ ।

| क.सं. | प्रमुख क्षेत्रहरू | उपक्षेत्रहरू |
|---|---|---|
| १ | आर्थिक क्षेत्र | उद्योग, वाणिज्य, आपूर्ति, पर्यटन, अर्थ र श्रम |
| २ | कृषि, भूमिसुधार तथा वन क्षेत्र | कृषि विकास, पशुपन्छी, भूमिसुधार तथा व्यवस्था र वन तथा भू-संरक्षण |
| ३ | पूर्वाधार क्षेत्र | सडक तथा अन्य यातायात, शहरी विकास, सिँचाइ, सूचना तथा सञ्चार, विज्ञान तथा प्रविधि, ऊर्जा र स्थानीय पूर्वाधार विकास |
| ४ | सामाजिक क्षेत्र | शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पोषण, महिला बालबालिका तथा समाज कल्याण, खानेपानी तथा सरसफाई र संस्कृति |
| ५ | सुशासन तथा अन्य क्षेत्र | माथि उल्लेखित वर्गीकरणमा नपरेका अन्य सम्पूर्ण क्षेत्रहरू जस्तैः जनसंख्या, वातावरण, गृह, रक्षा, योजना, तथ्यांक, विपद् व्यवस्थापन, न्याय, निर्वाचन, मानव अधिकार, आदि |

- विकास आयोजना/कार्यक्रमलाई प्राथमिकीकरण गर्नको लागि ६ वटा सामान्य आधार र २ वटा क्षेत्रगत आधारहरू तय गरी सामान्य आधारलाई कुल ६५ अंक र क्षेत्रगत आधारलाई कुल ३५ अंक राखिएको छ।
- कार्यक्रमलाई पहिलो प्राथमिकता प्राप्त (Priority 1 - $P_1$) र दोस्रो प्राथमिकता प्राप्त (Priority 2 - $P_2$) गरी २ वटा प्राथमिकता क्रममा वर्गीकरण गरिएको छ ।

**विकास कार्यक्रमको अंक प्रदान**

| क.स. | योगदान | | अंक |
|---|---|---|---|
| १ | प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय योगदान गरेमा | - अति उत्तम | ३ |
| २ | अप्रत्यक्ष र उल्लेखनीय योगदान गरेमा | - उत्तम | २ |
| ३ | कम वा सामान्य योगदान गरेमा | - सामान्य | १ |
| ४ | योगदान नपुऱ्याएमा | - न्यून | ० |

## विकास कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण

| क्र.स. | कूल प्राप्ताङ्क | प्राथमिकता क्रम |
|---|---|---|
| १ | ७५ वा सो भन्दा बढी अंक भएमा | पहिलो ($P_1$) |
| २ | ७५ भन्दा कम अंक भएमा | दोस्रो ($P_2$) |

सबै क्षेत्रमा लागू हुने पाँच वटा सामान्य आधारहरू सबै मन्त्रालय र निकायहरूमा प्रयोग गर्नुपर्ने र प्रत्येक क्षेत्रका लागि सम्बन्धित क्षेत्रगत दुई वटा आधारहरू प्रयोग हुने । यसरी सामान्य र क्षेत्रगत आधारहरूबाट प्राप्त अंक जोडी कूल प्राप्ताङ्क निर्धारण गर्ने ।

नोटः माथि उल्लेख गरिएको आधार बमोजिम वर्गीकरण गर्दा कुनै क्षेत्रमा दुई तिहाई भन्दा बढी कार्यक्रम/आयोजना पहिलो प्राथमिकता प्राप्त ($P_1$)अन्तर्गत परेमा पहिलो प्राथमिकता प्राप्त हुनको लागि आवश्यक न्युनतम अंक परिमार्जन गरी प्राथमिकीकरण वा स्तरीकरण (Ranking) गरिनेछ ।

### (क) सामान्य आधारहरू

**१. चालु आवधिक योजनाको फराकिलो आधारको समाबेशी आर्थिक वृद्धिको लक्ष्य प्राप्तिमा योगदान पुऱ्याउनेः (१५ अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | निम्न विषयहरूमा प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने<br>- क्षेत्रगत मूल्य अभिवृद्धि<br>- क्षेत्रगत आय वृद्धि | अति उत्तम |
| ख | माथिका विषयहरूमा अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय रूपमा योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | माथिका विषयहरूमा कम वा सामान्य योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | माथिका विषयहरूमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**२. दिगो विकासका लक्ष्यहरू प्राप्तिमा योगदान पुऱ्याउनेः (१५ अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | निम्न विषयहरूमा प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने<br>- दिगो विकासको लक्ष्य १ (SDG 1) (सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य)<br>- दिगो विकासको लक्ष्य ८ (SDG 8) को पूर्ण र उत्पादनमूलक रोजगारी प्राप्ति/वृद्धि | अति उत्तम |
| ख | माथिका विषयहरूमा अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय रूपमा योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | माथिका विषयहरूमा कम वा सामान्य योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | माथिका विषयहरूमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**३. सहभागिताको अवस्थाः** **(५ अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | निम्न क्षेत्र वा संस्थाहरू मध्ये कुनै एकको सहभागिता रहने<br>- नागरिक समाज, सामुदायिक संस्था, गैरसरकारी संस्था, उपभोक्ता समूह वा सेवाग्राही, वा<br>- स्थानीय तह वा प्रदेश, वा<br>- निजी क्षेत्र | अति उत्तम |
| ख | माथिका विषयहरूमा अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय रूपमा योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | माथिका विषयहरूमा कम वा सामान्य योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | माथिका विषयहरूमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**४. समावेशीकरणमा योगदानः** **(१० अंक)**

**(क) क्षेत्रीय समावेशीकरणमा योगदान** **(भार ५० प्रतिशत)**

| | | |
|---|---|---|
| क | मानव विकास सूचकांकमा तलदेखि १९ औं स्थानसम्मका जिल्लाहरूमा सञ्चालित हुने आयोजना/कार्यक्रम | अति उत्तम |
| ख | मानव विकास सूचकांकमा तलदेखि २० औं देखि ३८ औं स्थानसम्मका जिल्लाहरूमा सञ्चालित हुने आयोजना/कार्यक्रम | उत्तम |
| ग | मानव विकास सूचकांकमा तलदेखि ३९ औं देखि ५७ औं स्थानसम्मका जिल्लाहरूमा सञ्चालित हुने आयोजना/कार्यक्रम | सामान्य |
| घ | मानव विकास सूचकांकमा तलदेखि ५८ औं देखि ७७ औं स्थानसम्मका जिल्लाहरूमा सञ्चालित हुने वा क्षेत्रीय सन्तुलनमा स्पष्ट योगदान नपुऱ्याउने आयोजना | न्यून |

**(ख) सामाजिक समावेशीकरण र लैंगिक मूलप्रवाहीकरणमा योगदानः** **(भार ५० प्रतिशत)**

| | | |
|---|---|---|
| क | सामाजिक र लैंगिक मूलप्रवाहीकरण, समानता र सशक्तीकरण (SDG 5) लाई प्रत्यक्ष तथा उल्लेख्य रूपमा बढावा दिने | अति उत्तम |
| ख | माथिका विषयहरूमा अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय रूपमा योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | माथिका विषयहरूमा कम वा सामान्य योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | माथिका विषयहरूमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**५. आयोजनाको पूर्व कार्य प्रगति, सम्पन्न हुन लाग्ने समय वा कार्यान्वयन तयारी कार्यः** **(२० अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | **चालु आयोजनाको लागि**<br>- गत आ.व. को दोस्रो चौमासिकसम्मको औषत भौतिक तथा वित्तीय प्रगति ८० प्रतिशत वा सो भन्दा माथि रहेको, वा<br>- आगामी आ.व.मा आयोजना सम्पन्न हुने सुनिश्चित रहेको, वा<br>**नयाँ आयोजनाको लागि**<br>- आयोजना कार्यान्वयन तयारी कार्य पूरा भएको । | अति उत्तम |
| ख | **चालु आयोजनाको लागि**<br>- गत आ.व. को दोस्रो चौमासिकसम्मको औषत भौतिक तथा वित्तीय प्रगति ६५ प्रतिशत देखि ८० प्रतिशतसम्म रहेको, वा<br>- आगामी दुई वर्षमा आयोजना सम्पन्न हुने सुनिश्चित रहेको, वा<br>**नयाँ आयोजनाको लागि**<br>- आयोजना कार्यान्वयन तयारी कार्य अन्तिम चरणमा रहेको । | उत्तम |
| ग | **चालु आयोजनाको लागि**<br>- गत आ.व. को दोस्रो चौमासिकसम्मको औषत भौतिक तथा वित्तीय प्रगति ५० प्रतिशत देखि ६५ प्रतिशतसम्म रहेको, वा<br>- आगामी तीन वर्षमा आयोजना सम्पन्न हुने सुनिश्चित रहेको, वा<br>**नयाँ आयोजनाको लागि**<br>- आयोजना कार्यान्वयन तयारी कार्य भैरहेको । | सामान्य |
| घ | **चालु आयोजनाको लागि**<br>- गत आ.व. को दोस्रो चौमासिकसम्मको औषत भौतिक तथा वित्तीय प्रगति ५० प्रतिशत भन्दा कम रहेको, वा<br>- आगामी चार वर्षसम्ममा पनि आयोजना सम्पन्न हुने सुनिश्चित नरहेको, वा<br>**नयाँ आयोजनाको लागि**<br>- आयोजना कार्यान्वयन तयारी कार्य नभएको । | न्यून |

**(ख) क्षेत्रगत आधारहरू**

**(अ) आर्थिक क्षेत्र**

(उद्योग, वाणिज्य, आपूर्ति, पर्यटन, अर्थ, र श्रम)

**१. चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदानः (२० अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने | अति उत्तम |
| ख | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा अप्रत्यक्ष र उच्च योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**२. दिगो विकासको क्षेत्रगत लक्ष्य प्राप्तिमा योगदानः (१५ अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | निम्न विषयहरूमा प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने<br>- दिगो विकासको लक्ष्य ९ (SDG 9) को दिगो समावेशी औद्योगिकीकरण प्रवर्द्धन गर्न, वा<br>- आयात प्रतिस्थापन र निर्यात प्रवर्द्धन गर्न, वा<br>- वस्तु र सेवाको आन्तरिक आपूर्ति व्यवस्थापन गर्न, वा<br>- पर्यटन पूर्वाधार निर्माण र पर्यटक आगमनमा वृद्धि गर्न, वा<br>- मर्यादित कामको प्रवर्द्धन/सुमधुर औद्योगिक सम्बन्ध कायम गर्न, वा<br>- राजस्व वृद्धि र खर्च व्यवस्थापन गर्न | अति उत्तम |
| ख | माथिका विषयहरूमा अप्रत्यक्ष र उल्लेख्य योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | माथिका विषयहरूमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | माथिका विषयहरूमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**(आ) कृषि, भूमिसुधार तथा वन क्षेत्र**

(कृषि, पशपन्छी, भूमिसुधार तथा व्यवस्था, वन तथा भूसंरक्षण)

**१. चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदानः (२० अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने | अति उत्तम |
| ख | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा अप्रत्यक्ष र उच्च योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमासामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**२. दिगो विकासको क्षेत्रगत लक्ष्य प्राप्तिमा योगदानः** **(१५ अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | निम्न विषयहरूमा प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने<br>- दिगो विकासको लक्ष्य २ (SDG 2) को भोकमरीको अन्त्य, खाद्य सुरक्षा, उन्नत पोषण प्राप्ति र दिगो कृषि प्रवर्द्धन गर्न, वा<br>- दिगो विकासको लक्ष्य १५ (SDG 15) को वनको दिगो व्यवस्थापन, भूक्षयीकरणको रोकथाम, जैविक विविधताको क्षति रोक्न, वा<br>- आधुनिक भूमि व्यवस्थापन गर्न | अति उत्तम |
| ख | माथिका विषयहरूमा अप्रत्यक्ष र उल्लेख्य योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | माथिका विषयहरूमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | माथिका विषयहरूमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**(इ) पूर्वाधार क्षेत्र**

(सडक तथा अन्य यातायात, शहरी विकास, सिँचाइ, सूचना तथा सञ्चार, विज्ञान तथा प्रविधि, ऊर्जा, स्थानीय पूर्वाधार विकास)

**१. चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदानः** **(२० अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने | अति उत्तम |
| ख | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा अप्रत्यक्ष र उच्च योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**२. दिगो विकासको क्षेत्रगत लक्ष्य प्राप्तिमा योगदानः** **(१५ अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | निम्न विषयहरूमा प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने<br>- दिगो विकासको लक्ष्य ७ (SDG 7) को दिगो र आधुनिक ऊर्जा सुनिश्चितता गर्न, वा<br>- दिगो विकासको लक्ष्य ९ (SDG 9) का दिगो सडक र अन्य यातायात र सिँचाइ सुबिधा बढाउन, वा<br>- दिगो विकासको लक्ष्य १३ (SDG 13) को जलवायु परिवर्तन अनुकूलन र वातावरण संरक्षण गर्न, वा<br>- दिगो विकासको लक्ष्य ११ (SDG11) को सुरक्षित, सवल, समावेशी र दिगो शहर विकास गर्न, वा<br>- नवीन खोज गर्न र प्रविधि प्राप्ति गर्न | अति उत्तम |
| ख | माथिका विषयहरूमा अप्रत्यक्ष र उल्लेख्य योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | माथिका विषयहरूमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | माथिका विषयहरूमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

### (ई) सामाजिक क्षेत्र

(शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पोषण, महिला बालबालिका तथा समाज कल्याण, खानेपानी तथा सरसफाई, संस्कृति)

**१. चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदानः (२० अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने | अति उत्तम |
| ख | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा अप्रत्यक्ष र उच्च योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

**२. दिगो विकासको क्षेत्रगत लक्ष्य प्राप्तिमा योगदानः (१५ अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | निम्न विषयहरूमा प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने<br>- दिगो विकास लक्ष्य ३ (SDG 3) को स्वस्थ जीवन प्राप्तिका लागी बाल मृत्युदर न्यूनीकरण गर्न, वा<br>- मातृ मृत्युदर न्यूनीकरण वा मलेरिया, क्षयरोग, HIVAIDS नियन्त्रण गर्न, वा<br>- दिगो विकास लक्ष्य ४ (SDG 4) को सबैको लागि समावेशी र गुणस्तरीय शिक्षा प्राप्ति गर्न, वा<br>- प्राथमिक एवम् माध्यमिक तहमा छात्रा/ छात्रको अनुपात वृद्धि गर्न, वा<br>- दिगो विकासको लक्ष्य ६ (SDG 6) को खानेपानी र सरसफाई सेवाको उपलब्धताको दिगो सुनिश्चितता गर्न, वा<br>- लैंगिक समानता वा सशक्तीकरण गर्न, वा<br>- संस्कृति प्रवर्द्धन गर्न, | अति उत्तम |
| ख | माथिका विषयहरूमा अप्रत्यक्ष र उल्लेख्य योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | माथिका विषयहरूमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | माथिका विषयहरूमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

### (उ) सुशासन तथा अन्य क्षेत्र

(जनसख्या, वातावरण, विपद् व्यवस्थापन, गृह, रक्षा, शान्ति, न्याय, योजना, तथ्यांक, निर्वाचन, मानव अधिकार, आदि)

**१. चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदानः (२० अंक)**

| | | |
|---|---|---|
| क | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने | अति उत्तम |
| ख | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा अप्रत्यक्ष र उच्च योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

## २. दिगो विकासको क्षेत्रगत लक्ष्य प्राप्तिमा योगदानः (१५ अंक)

| | | |
|---|---|---|
| क | निम्न विषयहरूमा प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने<br>- दिगो विकासको लक्ष्य १३ (SDG 13) को जलवायु परिवर्तन अनुकूलन र वातावरण संरक्षण गर्न, वा<br>- दिगो विकास लक्ष्य १६ को शान्ति सुरक्षा अभिवृद्धि गर्न, वा<br>- सुशासन अभिवृद्धि गर्न, वा<br>- न्यायमा सबैलाई पहुँच बढाउन, वा<br>- जनसख्या व्यवस्थापन गर्न, वा<br>- विपद् व्यवस्थापन गर्न, वा<br>- योजना तथा तथ्यांक प्रणालीमा सुधार र सुदृढीकरण गर्न | अति उत्तम |
| ख | माथिका विषयहरूमा अप्रत्यक्ष र उल्लेख्य योगदान पुऱ्याउने | उत्तम |
| ग | माथिका विषयहरूमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने | सामान्य |
| घ | माथिका विषयहरूमा योगदान नपुऱ्याउने | न्यून |

## ख. साधारण बजेटको प्राथमिकीकरण

साधारण बजेटलाई पाँचवटा आधारमा भारित अंक प्रदान गरी $P_1$ र $P_2$ गरी २ वटा प्राथमिकीकरणमा वर्गीकरण गरिएको छ।

| क्र.सं. | आधार | अंक |
|---|---|---|
| १ | जनतालाई प्रत्यक्ष सेवा गर्न सहयोग गर्ने | ५ |
| २ | सुशासन कायम गर्न योगदान पुऱ्याउने | ५ |
| ३ | राजश्व वृद्धि गर्न सहयोगी कार्यहरू | ५ |
| ४ | विकास कार्यमा योगदान पुऱ्याउने | ५ |
| ५ | मानव संसाधन विकास, वातावरण संरक्षण र क्षेत्रीय सन्तुलनमा योगदान पुऱ्याउने | ५ |
| | जम्मा | २५ |

### साधारण बजेटको भार प्रदान गर्ने तरिका

| क्र.सं. | योगदान | अंक |
|---|---|---|
| १ | अति उच्च सहयोग पुग्ने | ५ |
| २ | उच्च सहयोग पुग्ने | ३.५ |
| ३ | सामान्य सहयोग पुग्ने | २ |
| ४ | सहयोग नपुग्ने | ० |

| क्र.सं. | कुल प्राप्ताङ्क | प्राथमिकताक्रम |
|---|---|---|
| १ | १७.५ वा सो भन्दा बढी अंक प्राप्त भएमा | पहिलो (P1) |
| २ | १७.५ अंक भन्दा कम अंक प्राप्त भएमा | दोस्रो (P2) |

# अनुसूची १३

# विकास आयोजना/कार्यक्रमको प्राथमिकीकरणको आधारमा अंक प्रदान गर्ने तरिका

१. प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान भन्नाले तोकिएको विषय वा लक्ष्य प्राप्तिमा प्रत्यक्ष रूपमा योगदान (Direct Contribution) र ५० प्रतिशतभन्दा बढी रकम प्रत्यक्ष योगदान गर्न विनियोजन हुनेलाई मान्ने र सो अनुरूप अंक प्रदान गर्नुपर्नेछ। जस्तोकीः कृषि उत्पादन बढाउन सिँचाइ, बीउ बिजन, मलखादको प्रत्यक्ष योगदान रहन्छ भने सो अनुरूप **प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान** मान्ने ।

२. अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान भन्नाले तोकिएको विषय वा लक्ष्य प्राप्तिमा अप्रत्यक्ष (Indirect contribution) योगदान तर ५० प्रतिशत भन्दा बढी रकम त्यस्तो योगदान गर्न विनियोजन हुनेलाई मान्ने र सो अनुरूप अंक प्रदान गर्नुपर्नेछ । जस्तोकीः कृषि उत्पादन बढाउन कृषि सडक निर्माण, तालिमले अप्रत्यक्ष योगदान पुऱ्याउँछ भने सो अनुरूप **अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय** योगदान मान्ने ।

३. सामान्य वा कम योगदान भन्नाले तोकिएको विषय वा लक्ष्य प्राप्तिमा ५० प्रतिशत भन्दा कम योगदान पुऱ्याउने (प्रत्यक्ष र अप्रत्यक्ष दुवै) मानी सो अनुरूप **सामान्य योगदान** मान्ने ।

४. योगदान नपुऱ्याउने भन्नाले तोकिएको विषय वा लक्ष्य प्राप्तिमा कुनै पनि योगदान नपुऱ्याउने मानी सो अनुरूप **न्यून योगदान** मान्ने ।

## क. सामान्य आधारको अंक प्रदान गर्ने तरिका

### १. चालु आवधिक योजनाको फराकिलो आधारको समाबेशी आर्थिक वृद्धिको लक्ष्य प्राप्तिमा योगदान पुऱ्याउनेमा अंक प्रदान गर्ने तरिका

(क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले आ-आफ्नो क्षेत्रको उत्पादन वा जनताको आय वृद्धिमा प्रत्यक्ष वा उल्लेखनीय रूपमा योगदान पुऱ्याउने जस्तोकी सम्बन्धित आयोजना/कार्यक्रमले कृषि उत्पादन, वा उद्योग सम्बन्धी आयोजनाले औद्योगिक उत्पादन, वा उर्जासम्बन्धी आयोजनाले विद्युत् उत्पादन वा अन्य वस्तु तथा सेवा उत्पादन बढाई वा मूल्य अभिवृद्धि गरी सम्बन्धित क्षेत्रको कूल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिमा प्रत्यक्ष वा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने छ भने त्यसलाई **अति उत्तम मानी ३ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ख) यदि प्रत्यक्ष रूपमा नभई अप्रत्यक्ष रूपमा तथा उल्लेखनीय रूपमा योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **उत्तम मानी २ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ग) उत्पादन र आय वृद्धिमा सामान्य वा कम मात्र योगदान दिने प्रकृतिको छ भने त्यसलाई **सामान्य योगदान मानी १ अंक** प्रदान गर्ने र

(घ) उत्पादन वा आय वृद्धिमा कुनै प्रकारको योगदान पुऱ्याउँदैन भने त्यसलाई **न्यून योगदान मानी ० अंक** प्रदान गर्ने।

**२. दिगो विकासका लक्ष्यहरू प्राप्तिमा योगदान पुऱ्याउनेमा अंक प्रदान गर्ने तरिका**

(क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमको दिगो विकासको लक्ष्य १ मा सबै प्रकारका गरिबी अन्त्य गर्ने लक्ष्य वा पूर्ण र उत्पादनमूलक रोजगारी प्राप्तिको लक्ष्य राखिए अनुरूप प्रत्यक्ष वा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने उद्देश्य रहेको छ र ५० प्रतिशत भन्दा बढी बजेट सोको लागि रहेछ भने त्यसलाई **अति उत्तम मानी ३ अंक** प्रदान गर्ने,

(ख) तर प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले लक्ष्यमा प्रत्यक्ष रूपमा नभई अप्रत्यक्ष तथा उच्च योगदान पुऱ्याउँदछ भने त्यसलाई **उत्तम मानी २ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ग) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले उक्त लक्ष्यमा सामान्य वा कम मात्र योगदान पुऱ्याउँदछ भने त्यसलाई **सामान्य योगदान मानी १ अंक** प्रदान गर्ने, र

(घ) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले उक्त लक्ष्यमा कुनै योगदान पुऱ्याउँदैन भने त्यसलाई **न्यून योगदान मानी ० अंक** प्रदान गर्ने ।

**३. सहभागिताको अवस्थामा अंक प्रदान गर्ने तरिका**

(क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमको कार्यान्वयन अवधिमा नागरिक समाज, सामुदायिक संस्था, गैर सरकारी संस्था, उपभोक्ता समूह, सेवाग्राही वा स्थानीय तह वा प्रदेश तह वा निजी क्षेत्रमध्ये कुनै एकको प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय (५० प्रतिशत) सहभागिता रहने प्रकृतिको छ भने त्यसलाई **अति उत्तम मानी ३ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ख) ती क्षेत्र वा संस्थाहरूको अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय प्रकारको सहभागिता रहने प्रकारको छ भने त्यसलाई **उत्तम मानी २ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ग) ती संस्था वा क्षेत्रको सामान्य वा कम सहभागिता रहने प्रकारको छ भने त्यसलाई **सामान्य मानी १ अंक** प्रदान गर्ने, र

(घ) अन्य संस्था वा क्षेत्रको कुनै सहभागिता नरहने प्रकारको छ भने त्यसलाई **न्यून मानी ० अंक** प्रदान गर्ने ।

**४.समावेशीकरणमा योगदान**

यसअन्तर्गत २ प्रकारको समावेशीकरणको अंक प्रदान गर्नु पर्नेछ ।

(अ) क्षेत्रीय समावेशीकरणमा योगदान

(आ) सामाजिक समावेशीकरण र लैंगिक मूलप्रवाहीकरणमा योगदान

**(अ) क्षेत्रीय समावेशीकरणमा योगदानको अंक प्रदान गर्ने तरिका**

(क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रम मानव विकास सूचकांकको १ देखि १९ औं स्थानसम्मका जिल्लामा संचालन हुने वा संचालित छ भने त्यसलाई अति **उत्तम मानी ३ अंक** प्रदान गर्ने,

(ख) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रम मानव विकास सूचकांकको २० औं देखि ३८ औं स्थानसम्मका जिल्लामा संचालन हुने वा संचालित छ भने त्यसलाई **उत्तम मानी २ अंक** प्रदान गर्ने,

(ग) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रम मानव विकास सूचकांकको ३९ औं देखि ५७ औं स्थानसम्मका जिल्लामा संचालन हुने वा संचालित छ भने त्यसलाई **सामान्य मानी १ अंक** प्रदान गर्ने, र

(घ) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रम मानव विकास सूचकांकको ५८ औं देखि ७७ औं स्थानसम्मका जिल्लामा संचालन हुने वा संचालित छ भने त्यसलाई **न्यून मानी ० अंक** प्रदान गर्ने ।

नोटः- फरक समूहमा रहेका जिल्लामा कार्यक्रम सञ्चालन हुने भएमा औषत गणना गरी अंक प्रदान गर्ने ।

**(आ) सामाजिक समावेशीकरण र लैंगिक मूलप्रवाहीकरणमा योगदानको अंक प्रदान गर्ने तरिकाः**

(क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले दिगो विकासको लक्ष्य ५ बमोजिम सामाजिक र लैंगिक मूलप्रवाहीकरण, समानता र सशक्तीकरण जस्तो कि विभिन्न आदिवासी/जनजाति, पछाडिपरेका समुदाय, लोपोन्मुख जाति, दलित, पिछडा वर्ग, मधेशी समुदाय, मुस्लिम समुदाय, र महिला आदिको समावेशीकरण, मूलप्रवाहीकरण, सशक्तीकरण गर्ने कार्यमा प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय सहभागिता रहने प्रकृतिको छ भने त्यसलाई **अति उत्तम मानी ३ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ख) यी विषयहरूमा अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय रूपमा योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **उत्तम मानी २ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ग) यी विषयहरूमा सामान्य वा कम सहभागिता रहने प्रकारको छ भने त्यसलाई **सामान्य मानी १ अंक** प्रदान गर्ने, र

(घ) यी विषयहरूमा कुनै पनि योगदान पुऱ्याउन सक्दैन भने त्यसलाई **न्यून मानी ० अंक** प्रदान गर्ने ।

**५. आयोजनाको पूर्व कार्य प्रगति, सम्पन्न हुन लाग्ने समय वा कार्यान्वयन तयारी कार्यमा अंक प्रदान गर्ने तरिका**

(क) चालु आयोजना/कार्यक्रमको हकमा त्यस्ता आयोजना/कार्यक्रमहरू गत आ.व.को दोस्रो चौमासिकसम्म औसत भौतिक तथा वित्तीय प्रगति ८० प्रतिशत वा सो भन्दा बढी रहेको वा उक्त आयोजना/कार्यक्रम आगामी आ.व. भित्रमा सम्पन्न हुने सुनिश्चितता रहेको छ भने त्यसलाई **अति उत्तम मानी ३ अंक** प्रदान गर्ने ।

नयाँ आयोजना/कार्यक्रमको हकमा उक्त आयोजना/कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि पूर्व तयारी जस्तो कि जग्गा अधिग्रहण, मानव संशाधनको व्यवस्था, विभिन्न निकाय र सरोकारवालाहरूको सहभागिताको सुनिश्चितता, वन फँडानी गर्नुपर्ने वा वातावरण प्रभाव मूल्यांकन गर्नु पर्ने भए त्यसको सम्पन्नता वा सुनिश्चितता, कार्यविधिको तयारी आदि कार्य पूरा भएको छ भने त्यसलाई **अति उत्तम मानी ३ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ख) चालु आयोजना/कार्यक्रमहरूको गत आ.व.को दोस्रो चौमासिकसम्म औसत भौतिक तथा वित्तीय प्रगति ६५ प्रतिशत देखि ८० प्रतिशतसम्म रहेको वा उक्त आयोजना/कार्यक्रम आगामी दुई वर्ष भित्र सम्पन्न हुने सुनिश्चितता रहेको अवस्था छ भने त्यसलाई **उत्तम मानी २** अंक प्रदान गर्ने ।

नयाँ आयोजना/कार्यक्रमको हकमा उक्त आयोजना/कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि माथि उल्लेखित विषयहरूको तयारी कार्य भएको र अन्तिम चरणमा पुगेको अवस्था छ भने त्यसलाई **उत्तम मानी २ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ग) चालु आयोजना/कार्यक्रमहरूको गत आ.व.को दोस्रो चौमासिकसम्मको औसत भौतिक तथा वित्तीय प्रगति ५० प्रतिशत देखि ६५ प्रतिशतसम्म रहेको वा उक्त आयोजना/कार्यक्रम आगामी तीन वर्ष भित्र सम्पन्न हुने सुनिश्चितता रहेको अवस्था छ भने त्यसलाई **सामान्य मानी १ अंक** प्रदान गर्ने ।

नयाँ आयोजना/कार्यक्रमको हकमा उक्त आयोजना/कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि माथि उल्लेखित विषयहरूको तयारी कार्य भइरहेको छ भने त्यसलाई **सामान्य मानी १ अंक** प्रदान गर्ने ।

(घ) चालु आयोजना/कार्यक्रमहरूको गत आ.व.को दोस्रो चौमासिकसम्मको औसत भौतिक तथा वित्तीय प्रगति ५० प्रतिशत भन्दा कम रहेको वा आगामी चार वर्षसम्ममा पनि उक्त आयोजना/कार्यक्रम सम्पन्न हुने सुनिश्चितता नरहेको अवस्था छ भने त्यस्तो अवस्थालाई **न्यून मानी ० अंक** प्रदान गर्ने ।

नयाँ आयोजना/कार्यक्रमको हकमा उक्त आयोजना/कार्यक्रम कार्यान्वयनको कुनै तयारी कार्य भएको छैन भने त्यसलाई **न्यून मानी ० अंक** प्रदान गर्ने ।

## ख. क्षेत्रगत आधारहरूमा अंक प्रदान गर्ने तरिका

यसमा अंक प्रदान गर्दा ५ वटा क्षेत्रहरूमा वर्गीकरण गरी सो अनुरूप अंक प्रदान गर्ने र प्रत्येक क्षेत्रका २ वटा प्राथमिकता निर्धारण गर्ने आधारहरू राखिएका छन् ।

अ. **आर्थिक क्षेत्र (यो क्षेत्रअन्तर्गत उद्योग, वाणिज्य, आपूर्ति, पर्यटन, अर्थ, र श्रम उपक्षेत्रहरू राखिएका छन् ।**

**१. चालु आवधिक योजनाको क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा योगदानमा अंक प्रदान गर्ने तरिका**

**(यो अंक अंक प्रदान गर्ने तरिका सबै ५ वटा क्षेत्रहरूलाई लागू हुनेछ ।)**

(क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले चालु आवधिक योजनामा उल्लेख गरिएको आ-आफ्नो क्षेत्रगत लक्ष्य र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने प्रकृतिको छ भने त्यसलाई **अति उत्तम मानी ३ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ख) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले चालु आवधिक योजनामा उल्लेख गरिएको आ-आफ्नो क्षेत्रगत लक्ष्य, र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा अप्रत्यक्ष र उच्च योगदान पुऱ्याउने प्रकृतिको छ भने त्यसलाई **उत्तम मानी २ अंक** प्रदान गर्ने ।

(ग) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले चालु आवधिक योजनामा उल्लेख गरिएको आ-आफ्नो क्षेत्रगत लक्ष्य, र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउने प्रकृतिको छ भने त्यसलाई सामान्य मानी १ अंक प्रदान गर्ने ।

(घ) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले चालु आवधिक योजनामा उल्लेख गरिएको आ-आफ्नो क्षेत्रगत लक्ष्य, र उद्देश्य अनुरूपको नतिजा प्राप्तिमा कुनै योगदान पुऱ्याउँदैन भने त्यसलाई **न्यून मानी ० अंक** प्रदान गर्ने ।

**२. दिगो विकासको अन्य लक्ष्य प्राप्तिमा योगदानको अंक प्रदान गर्ने तरिका**

यसमा अंक प्रदान गर्दा आ(आफ्नो क्षेत्रको योगदान अनुसार अंक प्रदान गर्नुपर्ने छ।

क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले दिगो विकासको लक्ष्य ९ अनुरूप दिगो समावेशी औद्योगिक प्रवर्धन गर्न वा आयात प्रतिस्थापनरनिर्यात प्रवर्धन गर्न वा वस्तु तथा सेवाको आन्तरिक आपुर्ति व्यवस्थापन गर्न वा पर्यटन पूर्वाधार निर्माण तथा पर्यटन आगमन वृद्धि गर्न वा मर्यादित काम को प्रवर्धनरसुमधुर औद्योगिक सम्बन्ध कायम गर्न वा राजस्व वृद्धि र सरकारी खर्च व्यवस्थापन गर्न प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने प्रकृतिको छ भने **अति उत्तम मानि ३ अंक** प्रदान गर्ने ।

ख) माथि उल्लेखित विषयमा आ(आफ्नो क्षेत्रको आयोजना अनुसार अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **उत्तम मानि २ अंक** प्रदान गर्ने ।

ग) माथि उल्लेखित विषयमा आ(आफ्नो क्षेत्रको आयोजना अनुसार सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **सामान्य मानि १ अंक** प्रदान गर्ने ।

घ) माथि उल्लेखित विषयमा आ(आफ्नो क्षेत्रको आयोजना अनुसार कुनै योगदान पुऱ्याउदैन भने त्यसलाई **न्यून मानि ० अंक** प्रदान गर्ने ।

**आ. कृषि, भूमिसुधार तथा वन क्षेत्र अन्तर्गत कृषि, पशुपन्छी, भूमिसुधार तथा व्यवस्था, वन तथा भू-संरक्षण उपक्षेत्र राखिएका छन् ।**

**२. दिगो विकासको अन्य लक्ष्य प्राप्तिका योगदानको अंक प्रदान गर्ने तरिका**

क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले दिगो विकास लक्ष्य २ अनुरूप भोकमरीको अन्त्य, खाद्य सुरक्षा तथा पोषण प्राप्ति र दिगो कृषि प्रवर्धन गर्न वा दिगो विकासको लक्ष्य १५ अनुरूप वनको दिगो व्यवस्थापन, भुक्षयिकरणको रोकथाम, जैविक विविधताको क्षति रोक्न वा आधुंनिक भूमि व्यवस्थापन गर्न प्रत्यक्ष्य वा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउने प्रकृतिको छ भने **अति उत्तम मानि ३ अंक** प्रदान गर्ने।

ख) यी माथि उल्लेखित विषयहरूमा आ आफ्नो क्षेत्रका प्रस्तावित वा चालु आयोजनाले अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **उत्तम मानि २** अंक प्रदान गर्ने।

ग) यी माथि उल्लेखित विषयहरूमा आ(आफ्नो क्षेत्रका आयोजनाले सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **सामान्य मानि १ अंक** प्रदान गर्ने।

घ) यी माथि उल्लेखित विषयहरूमा आ(आफ्नो क्षेत्रका आयोजनाले कुनै योगदान पुऱ्याउदैन भने त्यसलाई **न्यून मानि ० अंक** प्रदान गर्ने।

**इ. पूर्वाधार क्षेत्रअन्तर्गत सडक तथा अन्य यातायात, शहरी विकास, सिचाई, सूचना तथा संचार, विज्ञान तथा प्रविधि, उर्जा र स्थानिय पूर्वाधार विकास उपक्षेत्र राखिएका छन्।**

**२. दिगो विकासको अन्य लक्ष्य प्राप्तिमा योगदानको अंक प्रदान गर्ने तरिका**

क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमको कार्यन्वयन र संचालनबाट दिगो विकासको लक्ष्य ७ अनुसार दिगो र आधुनिक उर्जाको सुनिश्चितता प्राप्त गर्न वा दिगो विकासको लक्ष्य ९ अनुसार दिगो सडक र अन्य यातायात सुविधा पुऱ्याउन वा सिचाई सुविधा बढाउन वा दिगो विकासको लक्ष्य १३ को जलवायु परिवर्तन अनुकुलन र वातावरण संरक्षण गर्न वा, दिगो विकासको लक्ष्य ११ अनुसार सुरक्षित, सबल, समावेशी र दिगो शहर विकास गर्न वा नवीन खोज गर्न र प्रविधि प्राप्ति गर्न प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय रूपमा योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई अति **उत्तम मानि ३ अंक** प्रदान गर्ने।

ख) माथि उल्लेखित विषयमध्ये प्रस्तावित आयोजना/कार्यक्रमले आ-आफ्नो क्षेत्रको विषयमा अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **उत्तम मानि २** अंक प्रदान गर्ने।

ग) माथि उल्लेखित विषयमध्ये प्रस्तावित आयोजना/कार्यक्रमले आ-आफ्नो क्षेत्रको विषयमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **सामान्य मानि १ अंक** प्रदान गर्ने।

घ) माथि उल्लेखित विषयमध्ये प्रस्तावित आयोजना/कार्यक्रमले आ-आफ्नो क्षेत्रको विषयमा योगदान पुऱ्याउदैन भने त्यसलाई **न्यून मानि ० अंक** प्रदान गर्ने।

**ई. सामाजिक क्षेत्रअन्तर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पोषण, महिला, बालबालिका तथा समाजरकल्याण, खानेपानी तथा सरसफाई, संस्कृति उपक्षेत्र समेटिएका छन्।**

**२. दिगो विकासका अन्य लक्ष्य प्राप्तिमा योगदानको अंक प्रदान गर्ने तरिका**

क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले दिगो विकासको लक्ष्य ३ अनुरूप स्वस्थ्य जीवन प्राप्तिका लागि बालबालिका मृत्युदर न्यूनीकरण गर्न वा मानि मृत्युदर न्यूनीकरण वा मलेरिया, क्षयरोग, HIV AIDS नियन्त्रण गर्न वा दिगो विकास लक्ष्य ४ अनुरूप सबैको लागि समावेशी र गुणस्तरीय शिक्षा प्राप्त गर्न वा प्राथमिक एवम माध्यमिक तहमा छात्रा(छात्रको अनुपात वृद्धि गर्न वा दिगो विकासको लक्ष्य ६ अनुरूप खानेपानी र सरसफाई सेवाको उपलब्धताको दिगो सुनिश्चितता गर्न वा लैंगिक समानता वा सशक्तिकरण गर्न वा संस्कृति प्रवर्धन गर्न प्रत्यक्ष्य तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **अति उत्तम मानि ३ अंक** प्रदान गर्ने।

ख) माथि उल्लेखित विषयमध्ये प्रस्तावित नया वा चालु आयोजनाले आ-आफ्नो क्षेत्रको विषयमा अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **उत्तम मानि २ अंक** प्रदान गर्ने।

ग) माथि उल्लेखित विषयमध्ये प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले आ(आफ्नो क्षेत्रको विषयमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **सामान्य मानि १ अंक** प्रदान गर्ने।

घ) माथि उल्लेखित विषयमध्ये प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले आ(आफ्नो क्षेत्रको विषयमा कुनै योगदान पुऱ्याउदैन भने त्यसलाई **न्यून मानि ० अंक** प्रदान गर्ने।

**उ. सुशासन तथा अन्य क्षेत्रअन्तर्गत माथि उल्लेख नभएमा बाँकी क्षेत्रहरू जस्तै जनसंख्या, वातावरण, विपद व्यवस्थापन, गृह, रक्षा, शान्ति, न्याय, योजना, तथ्यांक, निर्वाचन, मानव अधिकार, लोक सेवा, आदि पर्दछन्।**

## २. दिगो विकासका अन्य लक्ष्यहरू प्राप्तिमा योगदानको अंक प्रदान गर्ने तरिका

क) प्रस्तावित वा चालु आयोजना/कार्यक्रमले दिगो विकासको लक्ष्य १३ को जलवायु परिवर्तन अनुकुलन र वातावरण संरक्षण वा दिगो विकास लक्ष्य १६ को शान्ति सुरक्षा अभिवृद्धि गर्न वा सुशासन अभिवृद्धि गर्न वा न्यायमा सबैलाई पहुच बढाउन वा जनसंख्या व्यवस्थापन गर्न वा विपद व्यवस्थापन गर्न वा योजना तथ्यांक प्रणालीमा सुधार र सुद्रिढिकरण गर्न, निर्वाचन स्वच्छ र निष्पक्ष रूपमा सम्पन्न आदि गर्न प्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **अति उत्तम मानि ३ अंक** प्रदान गर्ने ।

ख) माथि उल्लेखित विषयमध्ये प्रस्तावित वा नया आयोजना/कार्यक्रमले आ-आफ्नो क्षेत्रको विषयमा अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **उत्तम मानि २ अंक** प्रदान गर्ने ।

ग) माथि उल्लेखित विषयमध्ये प्रस्तावित वा नया आयोजना/कार्यक्रमले आ-आफ्नो क्षेत्रको विषयमा सामान्य वा कम योगदान पुऱ्याउँछ भने त्यसलाई **सामान्य मानि १ अंक** प्रदान गर्ने।

घ) माथि उल्लेखित विषयमध्ये प्रस्तावित वा नया आयोजना/कार्यक्रमले आ-आफ्नो क्षेत्रको विषयमा कुनै योगदान पुऱ्याउदैन भने त्यसलाई **न्यून मानी ० अंक** प्रदान गर्ने ।